# LOK SABHA DEBATES

(Fourth Session)



(Vol. XIII contains Nos. 31-40)

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI
Prict Rs. 4.00

### CONTENTS

# (Sixth Series, Volume XIII, Fourth Session, 1978)

No. 36, Wednesday, April 12, 1978/Chaitra 22, 1900 (Saka)

|  | -                  |
|--|--------------------|
| Oral Answers to Questions:   | COLUMNS            |
| *Starred Questions Nos. 697, 698, 700 to 702 and 704   | . I <del></del> 27 |
| Short Notice Question No. 5  | 27-39              |
| Written Answers to Questions:  |                    |
| Starred Questions Nos. 699, 703 and 705 to 719   | 3958               |
| Unstarred Questions Nos. 6531 to 6575, 6577 to 6665, 6667 to 6692, 6695 to 6700, 6702 to 6704, 6706 to 6719 and 6721 to 6730 | 58-262             |
| Announcement re, Recognition of the Leader of the Opposition .   | 262                |
| Re. Question of Privilege  | 26367              |
| Papers laid on the Table   | 267-74             |
| Public Accounts Committee—   |                    |
| Sixty-sixth Report presented   | 274-75             |
| Committee on Private Members' Bills and Resolutions-   |                    |
| Sixteenth Report presented   | 275                |
| Statement Re. Alleged Transfer of 10-11 million dollars to a Swiss Bank:   |                    |
| Shri Atal Bihari Vajpayee  | 27577              |
| Statement Re. Price and Procurement Policy for Wheat for 1978-79 Marketing Season:   |                    |
| Shri Surjit Singh Barnala  | 277—80             |
| Elections to Committees—   |                    |
| (i) Estimates Committee `  | 280                |
| (ii) Public Accounts Committee   | 28081              |
| (iii) Committee on Public Undertakings   | 28182              |
|  |                    |

<sup>&</sup>quot;The sign+marked above the name of a Member indicates that the question was actually asked on the floor of the House by that Member.

COLUMNS

313-18

318-23

323-26

328--58

| (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes                          |  |  |  |  |  |  |
|---|--|--|--|--|--|--|
| Lokpat Bill—  |  |  |  |  |  |  |
| Recommendation to Rajya Sabha to [appoint Members to Joint Committee                            |  |  |  |  |  |  |
| Khadı and Village Industries Commission (Amendment) Bill—<br>Introduced . 285                   |  |  |  |  |  |  |
| Matters under Rule 377—   |  |  |  |  |  |  |
| (i) Reported Exploitation of Educated Youth by Posts and Tele-<br>graph Department              |  |  |  |  |  |  |
| Shri Harikesh Bahadur 287   |  |  |  |  |  |  |
| (ii) Reported Fire Incident in Rohuha-Rampur village in Samasti-<br>pur district of Bihar •     |  |  |  |  |  |  |
| Shr: Ram Sewak Hazari   |  |  |  |  |  |  |
| (iii) Reported Use of Telephone Bill Forms in Hindi by Post and Telegraph Department            |  |  |  |  |  |  |
| Shri K. Gopal   |  |  |  |  |  |  |
| (iv) Fast unto Death by office bearers of All India Postal Employees Union, Ahmedabad Division: |  |  |  |  |  |  |
| Shri Ahsan Jafri  |  |  |  |  |  |  |
| Demands for Grants, 1978-79—  |  |  |  |  |  |  |
| Ministry of Education and Social Welfare and Department of 290-361 Culture                      |  |  |  |  |  |  |
| Shrimati Premlabai Chavan   |  |  |  |  |  |  |
| Prof Shibban Lai Saksena  |  |  |  |  |  |  |
| Km Maniben Vallabhbhai Patel 301—305  |  |  |  |  |  |  |
| Shri N Tombi Singh 305—13   |  |  |  |  |  |  |

Shri Ram Awadhesh Singh .

Shri Kacharulal Hemraj Jain

Dr. Pratap Chandra Chunder

Shri S S Somani .

|                          |                        |       |      |        |       |        |    |  | COLUMNS                   |
|--------------------------|------------------------|-------|------|--------|-------|--------|----|--|---------------------------|
| N                        | linistry of Labour     |       |      |        |       |        |    |  | 361 <del>-4</del> 19      |
|                          | Shri Vasant Sathe      |       |      |        |       |        |    |  | 363-73                    |
|                          | Shrimati Ahilya P. R   | angne | kar  |        |       |        | -  |  | 377-83                    |
|                          | Dr. Subramaniam Sv     | vamy  |      |        |       |        |    |  | 383 <b>—</b> 91           |
|                          | Shri Manohar Lal       |       |      |        |       |        |    |  | 391-401                   |
|                          | Shri Saugata Roy       |       |      |        |       |        |    |  | 401-10                    |
|                          | Dr. Ram Kirpal Sinh    | ıa    |      |        |       |        |    |  | 410—18                    |
|                          | Shri Ramdas Singh      |       |      |        |       |        |    |  | 418—19                    |
| Half-an-Hour Discussion— |                        |       |      |        |       |        |    |  |                           |
| Ι                        | delay in completion of | Kudr  | emuk | h Iron | Ore ! | Projec | :t |  | 419—38                    |
|                          | Shri K. Lakkappa       |       |      |        |       |        |    |  | 41926                     |
|                          | Shri Biju Patnaik      |       | ٠    | •      | •     |        | •  |  | 427—28 <b>,</b><br>434—38 |
|                          | Dr. Henry Austin       |       |      |        |       |        |    |  | 428-32                    |
|                          | Prof. P. G. Mavalank   | ar    |      | ٠.     |       |        |    |  | 43234                     |
|                          |                        |       |      |        |       |        |    |  |                           |

Shri Chitta Basu

#### LOK SABHA

Wednesday, April 12, 1978/Chaitra 22, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[Mr. Speaker in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS भारतीर प्रवादनिक सेवा (पदीव्रति ददारा

नियुवित) विनियमों में संगोधन

- \*667. श्री सुखेन्द्र सिहः क्या गृह मंत्रीयहवसाने की कृपाकरेंगे कि:
- (क) क्या आपात काल के दौरान सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (परा-अति द्वारा नियुक्ति) विनियमों में किसी ऐसे संशोधन का प्रस्ताव किया था कि किस्टी क्लेक्टर से कलेक्टर के यद पर पदीप्रति के लिए योग्यता बया वरिष्ठका के सिद्धानत को धरन करके केवल योगदा/च्वान्या का सिद्धान्त प्रशासना आयंगा;
- (ख) क्या यह चिद्धान्त चरकार द्वारा स्त्रीकार किया गया था और जून, 1977 में प्रकाशित किया गया था :
- (ग) क्या पदोलित के लिए योग्यता का सिद्धान्त अयवा योग्यता तथा वरिष्ठता का सिद्धान्त किसी राज्य की शेवाओं में अपनाया जाता है; और
- (ष) क्या योग्यता के सिक्षान्त के परिणामस्वरूप ऐसी स्थित उत्पन्न हो बायेगी जहां एक ही जिले में बरिष्ठ अधिकारी करिष्ठ अधिकारियों के स्रधीन कार्य करेंगे

और नया इससे अधिकारियों अथवा प्रशासन की कार्य-कुशलता पर प्रतिक्ल प्रमाय नहीं पढ़ेगा ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF HOME AFFAIRS (SHRI'S. D. PATIL); (a) and (b). Although action was initiated in 1974 to amend the Indian Administrative Service (Appointment by Promation) Regulations, 1955, formal proposals were formulated on the recommendations of the Chief Secretaries Conference held in May, 1975. The State Govis, and U.P.S.C. were accordingly consulted and the regulations were amended in June, 1977 by the present Government.

- (c) Information is not available with the Govt, of India,
- (d) Such a situation is possible. It could also have arisen under the regulations as they stood before the amendments made in June, 1977. As selections are made on the basis of merit, Government do not think that this will adversely affect the efficiency of officers or the administration.

भी सुकेद सिंह : घठनाव महोदय, में मंत्री महोदय से जानना चाहुंगा कि आपात आत के दौरान कांग्रेस घरकार ने पारातों। असाविनक सेवा (पदोजित हारा निवृत्ति) नित्तम 1955 में यह संजोवन प्रस्तावित किया कि उप-विला मंदीक को विला महोतक के पद पर पदोजित के लिए गोम्सा तहा सरिठकी के सिंहोंत का उन्मुक्त तह पत्र मोम्पता का सिंहोंत माना जाय, यह इस्तिन्ए प्रस्तावित किया गया था कि मनमानी तीर पर बोम्पता के ताम पर बरिस्ठ मंद्रिकारियों को नजर-सम्बाद किया जा सके मीर प्रपने

चहेने कनिष्ठ प्रधिकारियों को इस सिडाव का लाम दिया जाये। मझे बडा दख है कि इसी बात को हमारी सरकार ने जुन 1977 भे स्वीकार किया । इसका परिणाम यह हुआ है, मुझे दुमरे प्रान्तों की तो जानकारी नहीं है लेकिन मध्य प्रदेश का उदाहरण मैं देता ह नि मध्य प्रदेश म ऐने सीनियर लोग जिनका धुन्याउट रिकाई बहुत ध्रन्छ। था, जिन के खिलाफ कोई चीज नहीं थी उन को नगर ग्रन्थान कर के ऐमे कई भ्रष्ट लोगो नो जिन के खिलाफ बहुत मी चीजें थी, क्लेक्टर के पद पर पदोधति दे दी गई। तो मैं मद्री जो में जानना चाहवा, मद्री जी ने कहा कि मुझे कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मध्य प्रदेश में जो धपला हुया है वह ग्रन्य प्रान्तों में भी हुआ होगा, तो क्या वे उस की जास कराएगे?

SHRI S D PATIL No specific question has been put However, Government has received a number of representations and the matter is under consideration of the Government

श्री सुखेन्द्र सिंह अध्यस महोदय, मैं जानना चीहमा कि जब इन नियमो के तहत योग्यता के ग्राघार पर मतमाने लरीने मे यह सब किया जा रहा है तो क्या इन नियमी पर पन विचार करके दोवारा संबोधन नहीं विया जा सकता है? इसमें लोग मनमानी करते हैं जो सीनियर और योग्य हैं जिनका रिवार्ड ग्रच्छा है उन्हें किनारे फैंक करने. जो उनके अपने चमचे हैं जिनका रिकार्ड भी ग्रच्छा नहीं है उन्हीं को मौका दिया जाता है। ऐसी स्थिति में क्या बाप इन नियमा में संशोधन करने पर विचार कर रहे है ?

SHRI S D PATIL I have already replied the matter is under considera tion

थी रघुवीर सिंह मञ्जूष ग्रध्यक्ष महोदय, मैं भापके माध्यम से पूछना चाहता ह क्या यह सच है कि जिन लोगो की पदोनदि आपात बाल के समय की गई थी वे आज भी उसी पार्टी का काम कर रहे हैं?

SHRI S D PATIL The Government has no information. If the hon. member hrings out any specific case, I will look into the matter

थी ध्रोम प्रकास स्थागी : क्या यह सत्य है कि योग्यता और क्षमता क श्रतिरिक्त विशिष्य सरकारी कार्यालयों में जाति धौर जन्म के बाधार पर भी प्रमामन्म हो रहे है ? यदि हा. शो इसना नया नारण है ?

MR SPEAKER That does not arise श्री ग्रोम प्रशास स्थायी 'यह प्रमीयन

का सवान है, ग्रध्यक्ष महोदय । MR SPEAKER The question is

about the rules-should it be solely on the basis of merit or merit-cumsemority\*

थी ग्रोम प्रकाश स्थागी : मैंने तस्य जानने की कोशिश की है धीर मनी जो जयाब दे रहे है।

MR SPEAKER It is not between you and the 'mantn' I also come into the picture

श्री घोम प्रकाश स्थापी ' शहमक्ष महोदय. योग्यता और समता ने बापार के ब्रतिरिक्त जाति धौर जन्म ने घाघार पर प्रमोशन दिये जा रहे हैं।

MR SPEAKER It does not arise

SHRI JAGANNATH RAO At present the Central Government recruits IAS Officers and allots them to the State Covernment Now the Regional Language has been introduced as a medium for examination, Is there any thinking to reverse the process? The State Government should recruit the officers according to the standards fixed by the Central Government and

MR SPEAKER That again does Dot attse

#### Administrative Arrangements for Pro. tection to Harijans

- \*698. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that on October 2, 1977, the Central Government have addressed the Chief Ministers of various States suggesting administrative arrangements for giving protection to Harijans:
- (b) the number of cases registered in State of Maharashtra during the period of last six months in respect of atrocities on Harijans:
- c) the special administrative arrangements for protection of Harijans in Maharashtra reported by the State Government after October 2, 1977; and
- (d) if no arrangements have been made, the reasons given by the State Government for the same?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) Yes. Sir.
- (b) According to the figures furnished by the Government of Maharashtra, 411 cases of crimes against the members of the Scheduled Castes were registered during the period September, 1977 to February, 1978.
- (c) and (d). According to the State Government, the following steps were taken:--
  - (i) A Cell has been established at the State Headquarters to deal with all complaints of harassment, atrocities against Harijans and Vimukta Jotie
  - (ii) A unit headed by a D.L.G. Police has been created at the headquarters to supervise the work at the Range and the District levels.
  - (iii) The existing machinery at the headquarters of the Range D.J.G. Police has been strengthened,
  - (iv) District Magistrates and supcrintendents of Police have been

Oral Answers made personally responsible for this work.

6

- (v) Clear-cut guidelines for registration and investigation of complaints have been laid down
- SHRI R. K. MHALGI: During the period of six months 411 cases of crimes against the Members of the Scheduled Castes have been registered in Maharashtra. Inspite of the Central Government's directive and a few steps taken by the State Government, the number of atrocities is still large. What is the reaction of this Government?

SHRI DHANIK LAL MANDAL: We have explained that so far as the trend of increasing atrocities on Harijans is concerned, the Maharashtra Government has explained that there is no such trend. There is a Parliamentary Committee which has visited Maharashtra and that Committee had

Superientendents of Police have The Chief Minister and the Parliamentary Committee headed by Mr. Rachaiah have stated that the idea that there are increasing atrocities on harijans is misconceived. We have taken certain steps and the Maharashira Government has taken certain steps which I have enumerated. We are very vigilant.

SHRI R. K. MHALGI: It has been stated in the reply that some few sleps have been taken by the State of Maharashtra and that the District Magistrate and Superintendent of Police have been made personally responsible for such incidents. May I know in how many cases out of 411 cases the District Magistrate and the Superintendent of Police have been made responsible?

SHRI DHANIK LAL MANDAL: So far as the responsibility of D.Ms. and S.Ps. are concerned in regard to harijan incidents, I want to make it clear that when the incident takes place suddenly, when certain things erupt all of a sudden, then, they cannot be held responsible. If there is

some on-going matter and they are unable to take proper action and prevent it, then, they can be held responsible

श्रीमती श्रहिल्यावाई रागनेकर : श्रमी जो मयाल पूछा गयामा, मही महीटय ने उत्तरा जवाव नहीं दिया है। मैं जानता चाहनी ह कि जितने केमेज में डीठ शाईड जीठ और शाईठ जीठ के जिलाफ एक्सर निल्या गया हैं ? प्रमी तक महाराष्ट्र में एक भी केंग मे एक्शन नहीं निल्या गया है, इन कै वार्र मे मही महोदय को स्पष्ट उत्तर देना चाहित।

श्री पाटिल का मालूम है कि काउड़े म ताम का धादमी तीन महीने तर बन्यई में रहा, महाराष्ट्र मक्तेमेल्ट ने उक्त को प्रदिश्यत्र दिया का श्रापने घर नहीं जा सरा चा। भैंने आप की नाम चलका दिला है—मक धाम बलकाउं कि प्राप नया करते बात है? जिल्हाने गुनाह किया चा, उन में किर्दान नामको में कैनेड कताय गई, जहा तक मेरी जानकारी है किसी पर केंत्र मही चलाया गया।

धी प्रिक्त साल मडल - यदि माननीया सदस्या ऐसे वेसेच हम लोगों के नोटिस में सायेगी तो हम फल्ट कार्यवाही वर्रेने (स्यवदान)

थी फेतव राव घोडवे , महारूप्टू मर्क-भेग्ट प्रव जो इत्तेजाम नरही जा रही है उस के तहत प्रव तह कितने लोगों का निष्पत्तार किया गया है ? डो॰ आई॰ औ॰ भोर आई॰ औ॰ के जिलाफ ता प्राप्त नर्पवाही यर तही मरने, क्या बहा के चीफ मिनिस्टर के विलाफ कोई नर्पवाही करता चाहते हैं?

श्री धनिक साल मडल : मी जनाव देदिया है (ध्यवदान)

MR SPEAKER Please put question again ,

श्री केशवराव घोडने : महाराष्ट्र मर-वार ने जो इन्तजाम किया है, उस के बाब- जूद भी एट्टोसिटीज जारी है। डी० साई॰ जी० भीर साई॰ जी० ने खिलाफ़ सार कोई कार्यवाही नहीं कर सकते, में जानता चाहता हूँ कि निवने लोगों को गिरफ्तार क्रिया गया है धीर क्या झार वहा के बीफ़ गिनिस्टर ने खिनाफ़ कोई कार्यवाही करने वाने हैं?

भी धनिक लाल मडल : ऐसा कोई विचार नहीं है (ध्यवधान)

थी केशवराव छोडमें : फ्रम्यक्ष महोदय, क्या जवाव दिया । हमार सवाल पूछने के बाद साफ-माफ जवाब धाना चाहिंदे ।

श्री प्रतिक लाल मडल : मैने वहा है कि महाराष्ट्र मरवार के चीफ मिनिस्टर के खिलाफ कोई नार्यवाही करने का विचार नहीं है ।

SHRI B C KAMBLE May I know from the hon Home Minister whather the directive of the Central Government is implemented properly or not, and also whether there is any machinery to see that it is enforced or not

SHRI DHANIK LAL MANDAL We are especially concerned—the House is concerned—as regards certain atroities. We keep track of them, we give advice. The Prime Minister and the Home Minister at the Conference of Ministers give advice. These are the methods. I have told the hon Members (Interriptions)

MR SPEALER I am here to clarify it. The question is this. Suppose they do not implement. Have you any machinery to enforce it. This was the question he was asking

SHRI DHANIK LAL MANDAL There cannot be its and buts to a question We have suggested certain things, they have taken certain steps. (Interruptions)

MR SPEAKER All of you kindly sit down Dr Subramaniam Swamy.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: I would like to ask a question in connection with his answer to part (a). I want to know from him whether, in continuation of the letter of October 2, 1977, the Government, particularly, the Home Minister or the Prime Minister has again written a letter to the Chief Ministers. If so when and what was said in those letters?

SHRI DHANIK LAI, MANDAL: The Prime Minister has written a letter. Thereafter, the Home Minister has written a letter on 2nd October, 1977. Thereafter, I myself addressed the Chief Minister on the 26th October, 1977. No letter has been sent thereafter. (Interruptions).

MR. SPEAKER: Q. No. 699. (Interruptions). Please sit down. I am on my legs. You had your say. This question has been debated upon sufficiently earlier also. I am not allowing any further questions on this, (Interruptions)

श्रीवती मणाल गोरे : यह ठीक नहीं है । हमें रंपेसीफिक उत्तर चाहिए। इस का ठीक ठीक जवाद नहीं ग्राया है, इसलिए मझे भी एक प्रथम पूछ लेने दीजिए।

SHRI K. GOPAL: Sir, we from this side, are not getting a chance to put supplementaries.

MR. SPEAKER: This is not on party-lines. (Interruptions)

SHRI K. GOPAL: Sir, I rise on a point of order. (Interruptions)

MR. SPEAKER: There is no point of order. (Interruptions)

श्रीमती मुणाल गोरे: इन का ठीक ज्याव नहीं ग्रामा है, इसलिए में प्रमन पूछना चाहती हं। ग्राय मझे एक संवाल एलाक कीजिए ।

PROF. P. G. MAVALANKAR: You permitted the others. Then, why don't you allow some more supplementaries?

SHRI K. GOPAL: The ruling party Members have been allowed supplementaries to be put. Why can't we be allowed to put supplementaries?

MR. SPEAKER: Please sit down. I would like to say that everybody wants to put supplementaries. There is no time. This question has been debated upon for six hours in this House. (Interruptions)

SHRI K. GOPAL: Sir, I rise on a point of order. (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have to observe two things when anybody is wanting to raise a point of order. First of all the rules do not permit a point of order to be raised during the Question Hour. Second, you must formulate...

Sometimes all the supplementaries are allowed from one side as it depends on the interest of the area. As we have heard the Minister he has not made any criticism of the Maharashtra Government. In Question Hour there is nothing like distributing supplementaries. I try to distribute. There are so many ways. (Interruptions)

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): May I ask my hon'ble friends on both sides if we can transact any business if several Members rise together to talk so loudly? Nobody can follow anything. What is the Speaker to do?

#### (Interruptions)

Again you are doing the same thing. Any one should raise the question Then the Speaker can say something: But you try simultaneously to decide between you. Can any issue be decided? (Interruptions)

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: Sir, this is the first time I have seen that you have not given any opportunity to the other side. You have alopportunity to everybody. But time you should have given a chance to this side also That is why they are SHRI VAYALAR RAVI Sir they

II

agitated

are not interested in protecting the Harmans Their interest is to accuse Government and to take poh tical advantage (Interruptions)

SHRI & GOPAL Sir, I have got two points to make (Interrup tions)

MR. SPEAKER No more questions (Interruptions)

SHRI K GOPAL There are two things. First you said that it was a regional question and only Members from Maharashtra will put questions That is not correct This is my humble submission The second point is that you have to call the Members from the opposite side also (Inter ruptions)

MR. SPEAKER You are not cor rect in saying that the Opposition Members are not given chance. There are 4 or 5 parties or groups. I have allowed Mrs Rangnekar I have given an opportunity to Mr Kechavran Dhondge and I have allowed Mr Kamble It is not possible to give opportunity every time to every group and every party (Interruptions)

SHRI K. LAKKAPPA The issue is that the Prime Minister's direction has been violated. The Home Minis ter has not followed the instruction of the Prime Minister But they are attacking the Government of Maharashtra (Interruptions)

MR. SPEAKER Nothing more please sit down. Next question %0 699

PROF P G MAVALANKAR SIT you have not heard me So many times (Interruptions)

MR. SPEAKER I have heard you. I cannot go on hearing all the 544 Members

Amount spent on Research and Deve-Ionment Scheme of Small Scale Industries

\*700 SHRI SURENDRA BIKRAM Wall the Minister of INDUSTRY be preased to state

- (a) the amount spent on the Research and Development Sabema for small cale industries
- (b) the details of the technology evolved by the research units to develop small units and
- (c) whether any evaluation had been done of the work done in research laboratories if so the details thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) (a) An amount of Rs 3 20 lakhs has been spent upto February, 1978 on the research and development scheme for the small scale sector from the Minis try's budget Since Deptt of Science and Technology and Council of Scien tific and Industrial Research are also operating «chemes for research and development for small scale indus tries the requisite information is being collected from them and shall be placed before the House in due course

(b) and (c) Since the scheme under this Ministry's budget is in the initial stages of implementation technologies have been evolved and no evaluation done so far In respect of schemes being operated by Deptt of Science and Technology and Council of Scientific and Industrial Research, the requisite information 19 being collected

थी सुरेन्द्र विक्रम मत्री महादय ने प्रक्रन के ख'त्रया ग'भाग के उत्तर में कहा है कि सूचना एवल की जा रही है भीर जब एक्स हो बाएगी सभा पटल पर रख दी जाएगी। ऐसी बदस्या में मैं जानना चाहता ह कि क्या बाप इस सवाल को स्वरित कर हैंगे काहि बद जानकारी आ जाए तब इस सहाल की लिया या सके ? क्या द्वाच इसको पोस्त्रवान करने के लिए तैयार है ?

ãЗ

ΥA

MR. SPEAKER: He says that the information is being collected and it will be piaced on the Table. There are a number of institutions which are working in the matter and he will have to collect the information and place it before the House. It will take sometime. Now, if you want to put supplementary question, you can do so. Otherwise you can put the question later on.

श्री मुरेन्द्र विक्रम : अध्यक्ष जी, क्या आप इस प्रक्ष को पोस्टपोन करेंगे क्योंकि (ख) और (ग) का खदाद नहीं आया है।

AN HON, MEMBER: No supplementaries can be asked unless a proper reply is given.

MR. SPEAKER: You can put a question again if you want further information.

श्री सुरेख विकास : ग्राध्यत जी, में संबी जी से पूछना चाहता हूं कि लच्च उच्छोगों की योजना प्रारंभिक श्रवस्था में हैं, इसको ग्रमोनमुखी बनाने के लिये क्या योजना सरकार के विकाराधीन है ?

श्री जार्ज फर्नानडिस : ग्रध्यक्ष जी, र्नने जो अवाव दिया है हमारे मंत्रालय की क्रोर से लघु उद्योग में जो रिसर्व ग्रीर डेवलपमेंट के लिये व्यवस्था है सिर्फ वहीं तक सीमित रहता है । प्रश्न है कुल रिसर्व और हैवलपमेंट के वारे में स्माल स्केल इंडस्टीख को ले कर । वह काम माइंस ग्रीर टेक्नोलाजी ग्रीर काउन्सिल ग्राफ साइंटिफिक इंडर्स्स्ट्रयन रिसर्च, इसकी जितनी संस्थायें हैं, कई लेवोरेट-रीज है, जोरहाट में है, जम्म कम्मोर में है, हैदरावाद में है, भूवनेज्वर में है जो रीजनल रिसर्च लेयोरेंटरीज है, जो इसमें रिसर्च कर रही है। इसके ग्रनाबा कई ग्रीर स्सिचे सेन्टर्स हैं, कुछ निजी भी हैं । तो बह सब से मिल कर जो रिमर्च और डैक्लपमेंट का काम हो रहा है उसकी जानकारी जुटाने के लिये हमें समय लग जायेगा । हमारे मंतालम की ग्रोर से 1975-76 में रांची में प्रोसेस- कम-भोक्तव्देवनपर्मेट सेन्टर फीर श्लास एँड विरोमिश्य इसका एक काम बुक हुआ है को काम इस तमर आरो है जिस पर इस साल फरवरी महीने तक 3 लाख 20 हुआ है क्या बन कर चुके हैं। वहुए वमीकि वह काम बुक हुआ वा 1976 के अन्य मोर कमी भी बुक् को अस्पता में है इसकियों बहाँ काम बात काम हो गये हैं इसके बारे में मभी कोई ठोस चीठ कहते जैसी वाद इस क्या नहीं है वसींकि वह बुक को अस्पता में हैं।

भी मुरेज विकम : मंबी जी ने उत्तर में कहा कि बहुत सी संव्यामें हैं जी रिपार्ट कर हों। हैं । वो रिपार्ट कर हों। हो जाने पर क्या -मंत्री बी लयु उद्योग स्थापित करने के लिये सामीण स्वर पर कोई ऐसा प्रीकाशण विविद भी कायने करने की हमा करिया पावता करहा है कि प्रीकाशण विविद भी कायन करें जिससे ग्रामीण भाइयों को प्रामण हो ?

भी जार्ज क्रनीनिष्टिम : यायक वी, भैने पैता पहुंते ही कहा कि यह जो रिक्से पैता पहुंते ही कहा कि यह जो रिक्से पैता पहुंते हो कहा मानातार जारी है. इसमें कोई किसी एक स्वस्य पहुं काम व्य चया या कुट्टुपा, यह बाद नहीं है। यह काम ठीक है उठका ऐक्सिकेशन नहीं हो यहा था। यह मैं स्वीकार करता है कि वसु उठीय के विसे यो भी रिक्स या वक्त हुखा है उत्तक्त विसा मान से ऐक्सिकेशन होना चाहिये था, यस नहीं हो रहा था। वह काम चाहिये था, वह नहीं हो रहा था। वह काम चाद हम कर रहे हैं।

. दरप्रसम् व्यक्ते पांच वर्षों में, असे पिछले पांच वर्षों में स्मिन्ने ब्रीर डेगनपमेंट, सहस् श्रीर डेननोलाजी के लिये जहां 813 नगरेंड़ स्पर्य बर्ज किये चे बहुं अगले पांच वर्षों में मस्कार 1481 नरोड़ लग्ने वर्षे कर रही हैं स्म स्मिने ब्रीर डेननपमेंट, साइंग और

टेक्नोलाजी के नाम में । इसकिये
पूजी ज्यादालनायी जा रही हैं । इसके
इन्तेमाल का जो नाम है वह मरकार की जो श्रीचोणिक नीति है मोर ग्रन्य नीतिया हैं
उसके साथ जोड कर ग्रमल करने ना नाम किया जायगा।

थी लालू प्रसाद सबी महेट्य ने बताया निल्यु उद्याग के विशास केलिये हमारा रिसर्चे का शाम चल रहा है। तो में सबी जी में जाना जात्रमा कि बत कर यह बाप पूरा हो आयगा जिससे लघु उद्योग शा शाम पूरा हो अयगा जिससे लघु उद्योग शा शाम पूरा हो सके ?

MR SPEAKER Research work is never completed

श्री जाज कर्नानडित ग्रायस जी, ग्राप ही ने क्षा कि रिमर्च का काम कभी समास्त नहीं होता, वह सम्ता रहता है । उमका लाभ उठाना मरकार ना काम है, उस काम से सरकार लगी हुँ हैं।

SHRIP VENKATASUBBIAH The hon Minister had stated earlier that various agencies have been engaged in research and development work, various laboratories working in differ ent states. Is there any coordinating agency to see that there is no dupli cation in this respect? Has the minis try any scheme to see that the results are communicated to the field for ap plication and is there any agency to provide the necessary financial assis tance to such of those people who want to apply the result of research and development in small-scale industries?

SHRI GEORGE FERNANDES The Council of Industrial and Screatific Research is the coordinating agency that has been in existence and where the application of Research and Deve lopment is concerned, the recent decision that the Government took to make some of these laboratories get tagged on to the Ministries concerned, it would be a step which will enable us to see that all

research is applied into practical working In so far as the assistance to people to make use of the results of the research is concerned, the labor ratories have their own linkages with a number of on going concerns and a large number of new and young enterpeneurs are constantly in touch with the laboratories and there is a constant transfer of the technology into productive use

# Crash Plan for Educated Unemployed

\*701 DR RAMJI SINGH Will the Minister of PLANNING be pleased to state

- (a) whether there is any crash plan for providing employment to the educated unemployed in the current year and also in the Sixth Plan, and
  - (b) if so, the main features thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) and (b) Government is fully conscious of the problem of the educated unemployed Thus problem cannot be resolved by "Crash Programmes" Every effort will be made to enlarge the area of employment for educated youth through the implementation of investment plans in different sectors as proposed in the Draft Five Year Plan 1978—83

डा॰ रामको सिंह यह बहुत खुषों की बात है कि प्रधान मंत्री जो ने इसने उत्तर दिया है । इसने पहले भी इस सदन में, भी रामगायाल रेड्डी, भीर भी सुरेज़ विजम ने बहुत स्टाड थोग सत्तरटाई नवें बन ने बहुत स्टाड थोग सत्तरटाई नवें बन ने बहुत स्टाड थोग सत्तरटाई नवें बन ने हिंदी के प्रधान मंत्री की का मानूम है कि सिंदात वेराज्यारों की सहया दित प्रतिन्दित वदनी आ रही है । छठी योजना के पारण में यह वाल से रिज़र 520 साख तर योज विवाद से प्रीवृत्र ने 370 साख से तैवर 520 साख तर योद विवाद में प्रीवृत्र की साख से 75 साख प्रीर साधरता ने जो महा-समियात जहींने पुढ़ दिया है इसमें साधरों नी सहया 740 साख से 1270 साख देवी ।

इस प्रकार से साक्षरों के लिये कैंब प्रोग्राम के विषय में कहा जाता है कि उससे काम नहीं चलेगा । इससे निक्षित वैरोज-गारों के मन में नैराष्य का भाव है। कीन्स ने जैसे महा है---

In the long run we are all dead तो भ्रमी जो उनकी मावद्यकता है...

ब्रह्मक महोदय : ब्राप प्रक्न पुछिये ।

डा० रामजी सिंह: मैं जानमा बाहता हं कि श्रमले 2, 3 वर्षों में कित रे विक्षित वैरोक-भारों को किन मयों में रोजगार देने की ध्यवस्था करेंगे ?

SHRI MORARJI DESAI: Sir, it is expected that employment opportunitles will absorb persons to the extent of 19.5 lakhs In the organised sector in the next two, three years. There are other incentive schemes for selfemployment. The village industries and rural reconstruction programmes also will absorb several people. But it is difficult for me to give any exact figures about it. But I have no doubt that within five years, a proper dent would have been made and a very small number will remain without employment at the end of five years.

डा॰ रामजी सिंह : भगवती कमेटी से भी ग्रपनी रिपोर्ट में बदाप कैंग त्रोजन के पक्ष में अपना विचार नहीं दिया था, लेकिन उन्होंने शिक्षित वरीजगारों की दुर्दगा की और ध्यान खींचा या । उस सम्बन्ध में श्री ज्योतिर्मय वस, डा० ग्रजोक मिला और श्री गीतम भाषुर में जो नोट आफ डिसेंट दिया था उत्तमें सैट्रल एम्पलायमेंट फंड और प्रारंटमं प्लान की भी चर्चाकी गई थी। जिस तरह से महाराष्ट्र में एम्प्लावमेंट गारूटी स्कीम है, नरकार तो वहती ही है कि हम रोजनार हेंने और पिछले 30 वर्षों में रोजनार का कार्यक्रम नहीं हुया, अगर कोई एम्पलायमैट गारन्टी स्कीम या सेंद्रल एम्पलायमेंट फन्ड हो जाये तो सरफारी पर जिम्मेदारी होगी कि निकट भविष्य में वह रोजकार दे। वरना सरकार पिछले 30 वर्षों में इस जिम्मेदारी से भागती रही है ।

श्री मोरारजी देसाई: यह कहना कि 30 वर्षों में कुछ हुआ ही नहीं और कोई ऐसा एम्पलाव हुआ ही नहीं, यह मेरी समझ में नहीं जाता है, ऐसा ही मुझे कहना चाहिय, मगर यह कैसे कहते है कि 30 मान में कुछ हम्राही नहीं, जितना होना चाहिये था, उतना नहीं हथा तो कह सकते हैं. यह मैं समझ सबता है, मगर ऐसा कहना कि 30 साल मे कुछ हुआ ही नहीं, यह कोई सवाल है ? क्योंकि सम्मानित सदस्य 30 सात से यहा नहीं ये इसलिये ऐसा कहते हैं। यहां काम हो रहा है और इस पर हम चल रहे है, इससे ज्यादा में क्या वह सकता हूं।

SHRI M. SATYANARAYAN RAC: I would like to know from the hon. Prime Minister whether any steps have been taken during the last one year, after he became the Prime Minister, after the Janata Party came into power. They have also stated clearly and they are stating everyday that within ten years they are going to solve this unemployment problem. It is already one year over. Within this one year how much have you solved it? He mentioned about self-employment schemes. For selfemployment so many educated persons are applying for loans, but unfortunately all the nationalised banks and other banks also are not giving any loans to them. I would like to know whether he will issue instructions to the banks that whenever applications come, they should be given loan?

SHRI MORARJI DESAI: It would be madness to give loans to everybody who applies for it. I do not know what the hon, member wants to suggest. How can it be given to everyone who applies for it? But those who are needy and who are eligible can be considered (Interruptions). Why this constant interruption? It does not show any wisdom.

does not show conformity with the rules of the House I have already said that in the plans that we have made the organised sector will have additional work for about 195 lakhs of people in the coming year How many more people have been employed this year I cannot say I do not want to hazard a guess

19

SHRI K, LAKKAPPA I have been carefully watching the Prime Minis ter Why is he taking such a hard line towards these unemployed people? For everything he comes out with a policy of escapism Many Sta tes have made honest attempts provide certain guarantees to the un employed and evloved guarantee schemes I want to know whether any plan allocation has been made to provide at least financial assistance to the States which have taken such bold steps to fight the unemployment problem because it 13 a burning prollerr and there is an explosive situation in the country May I request the Prime Minister to adopt a soft line towards the unemployed and rot adopt the policy of escapism and hard line towards the unemployed people and to provide certain facilities to the States?

SHRI MORARJI DESAI There is an explosive situation here without there being any necessity for it That is why he sees explosive situations everywhere That is how his mind is working I do not see how explosive and loud talk is going to help. This is not any particular party's problem It is a problem for the whole country to provide work for all the unemployed and we are all interested in it If my hon friend wants me to make up for all the omissions of the past-I do not say they were deliberate omissions It is necessary to gather more strengthen which we are now trying to do and give it a greater momentum to it I would request his cooperation in it. It is said that this is escapism. There is no question of escapism We do not indulge in it If I cannot do it, I will say, I am not able to do it but I wilt not try to explain it away That is how I look at this question

MR SPEAKER Are you going to extend any financial help to the Sta-

SHRI MORARJI DESAI If the States make schemes in consultation with us and have our agreement, certamly, but not if they make them on their own

श्री कवर लाल गुप्त प्रधान मंत्री ने यह ठीफ वहा कि यह बहुत विकर, भय रर धीर सबसे बड़ी समस्या है। इसकी एक्दम नहीं मुलझाया जा सकता। लेकिन यह बात भी गही है कि हर माल बहुत ज्यादा प्रन-एम्प्लायंड लोगी की सहया बढ़ती जा रही है। तो बया प्रधान मली जी यह बतायेंने कि पाच माल के बाद जब यह छऽी याजना समाप्त होगी, तब हम इम स्थिति मे पहच जायेंगे कि कम से कम उनकी सहया बढेगी नही ? इस सरह का एक्योरेंस वह देंगे और इसरे, जो कुछ स्टेंट गवनमेंद्रम ने धनए सलायड के निए एपावेंस तय किया है उसके बारे मे श्रापके क्या रिएक्शन हैं?

श्रो मोरार भी देसाई: दोनो वा जवाव मैंने दे दिया है। मैंने पहले ही यहा कि पाच साल के आखीर में भनएस्लायड की सहया घट आयेगी। बढ़ेगी नहीं, इतना ही नहीं, बहिरू घट जायेगी। (ध्यवधान), कितना घटेनी, मैं कोई प्राफेट नही ह और इस तरीके से मैं कोई मैथेमेटिक्ल बात नही बरना चाहता हूं। मध्मानित सदस्य कोई भा हडा-शास्त्रों हो तो वर सकते हैं, मैं नहीं कर सकताह। 2000

धीर स्टेट वाले करे तो मैंने ग्रभी यह कहा कि सेटर के साथ बात करके बनाया हो तो बहा जो हमे करना है वह जरूर हम । रेगे। श्रपने आप करते हैं तो वह करेगे।

PROF F G MAVALANKAR Speaker, Sir, I fully agree with the honourable Prime Minister when he says that the problem of educated

unemployed, collossal as it is cannot be solved by any 'crash programme'. And, I would also like to share his optimism about the number of such educated unemployed being reduced during the course of the years. this context, may I respectfully ask him two questions? One is, whether, from the organised sectors. some of which he spelt out, Government have any such extra plans to absorb the educated people of this country in the programme of adult education and literacy in various parts of India. The other is about rural health service giving employment for these people. Lastly, about the self-employed persons, I would like to ask him whether those individuals who are willing to be self-employed then apart from giving thembank loans, if they are wanting to have some apprenticeship and training in various units, are they given facilities and opportunities?

SHRI MORARJI DESAI: There are facilities given for training in many places and it is expected that all those people should be absorbed there. But it will be difficult to do so because it depends upon the requirements of those concerns. then they can be employed elsewhere. That can be done. Otherwise, we are very conscious of this problem. I said that the adult literacy programme cannot be undertaken without absorbing the educated unemployed. That scheme is meant for that purpose, but this will have to be carried out in the States and we are trying to see that this is carried out on a large scale so that the literacy programme is completed more quickly. That will absorb more people. But it will depend upon how many people are willing to do it. Many people they are unemployed, but when they are given a particular work, they become choosy. So, that is also where we will have to pursuade them to take up the programme that comes,

Ban on the Creation and filling up of Posts

- \*702. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether there is a complete ban on the creation or filling up of the vacant posts of non-operational Group D' staff in the various Ministries/Departments of Government of Indis, so, the date from which this ban has been in operation;
- (b) the total number of posts of non-operational Group 'D' employees lying vacant on 1-1-1976 in the various Ministries/Departments:
- (c) whether it is a fact that a number of these vacent posts were subsequently filled up from amongst the daily wage workers; and
- (d) whether it is also a fact that a lerge number of daily wage employees have been agitating for being absorbed against these vacant posts, if so, the steps taken by the Government to meet their demands?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) A ban on filling up of posts of peons/jamaders was imposed w.af. the 24th June. 1976. There is no such ban for filling up of vacancies in other Group 'D' posts.
- (b) and (c). The information is being collected, and will be laid on the Table of the House.
- (d) The entire policy relating to deployment of peons, including the demand of daily-wage employees for regularisation, is under review.
- श्री मोहन लाल पिपल : शःण्डा महोवय, मारत में वर्ण बार वर्ग ऐसे दो कीर हैं चितने कि पारत की जनता बहुत पीडिल है बीर ऐसा ही एक वर्ण हमारी केन्द्रीय बीर सूचे की सरकारों में क्नान अ या बहुई क्यी कर वन नगा है। वहां पर

हजारो वर्मचारी जिन्हें बलास 4 वहते हैं कैज्या लेवर के नाम से या डेली वैजेन के नाम से रख जाते हैं ग्रीर अनस रेगलर बलास 4 के मुकाबिने प्रधिक काम लिया जाता हैं। उनको दस दस बारह बारह माल कैंबुझल रख कर भी परका नहीं किया जाता। सभी मन्त्री महोदय ने कहा कि 24-6-74 से बैन लगा दिया गया है, यह विस्कृत गलत है। यह वैन जब लगा ह्या था 24-6-74 मे तो 12 या 15 माल से कैज्यल लेबर क्यो बाम कर है हैं?

Oral Answers

23

SHRI S D PATIL The ban was applied with a view to substituting the messenger system, which has its But even now the massenger system has certain difficulties in its introduction, and Government is thinking of reviewing the entire policy relating to the deployment of peons, and also regularisation of the daily wage-earners The direction in which this scheme will be reviewed. will be

- (a) Sanctioned strength of peons/ jamadars, as on 31st March 1978, after effecting 10 per cent cut as required in Finance Secretary's do letter No 14(7) E Coord dated 13th May 1977.
- (h) the total number of vacancies of peons/jamadars as on 21st March 1978 as against the sanctioned strength as worked out in (a) above and
- (c) the number of employees en gaged on daily wage hasis and the number which is eligible for regularisation

on receipt of this information relaxation of the existing ban will be considered, and we will allow limited regularization of some daily wage-earn-

श्री मोहन लाल पिपल • ग्रध्यक्ष महोदय, यह जो डेलो बेज की प्रया है, यह बलास भी और क्लास फौर में ही है यानी बु 4 सी ब्रीर युप डी मे हैं, ब्रप ए ब्रीर वी पर इसरा नोई इफेक्ट नहीं होता हैं। मैं मली जी से जानना चाहता ह कि इस वोट वो क्ब तक निरास दिया जायगा-इसका समय निश्चित और ग्रगर इसमे देरी है तो उसन स्थानारण है वह बतायें।

SHRI S D PATIL I have already replied to the question, saying that the matter is under review It would take some time for the examination

MR SPEAKER The Minister cannot give a definite date

SHRI MOHAN LAL PIPIL You can say 2 years, 5 years or 10 years. Tell me the date There must be a

SHRIS D PATIL After the review is completed, the entire decision has to be taken.

थी राम कबार बेरया प्रध्यक्ष महोदय, दैनिक मजदूरी वारने वाली में प्रधिकतर सकाई वा काम करने वाले हैं। धाववी लोक सभा में चन्स्चित जाति धीर जनजाति से सबधित पालेंगेन्टरी क्मेटी का मैं सदस्य रहा या और मैंने देखा कि स्वीपसं की जगह पर गैर हरिजनी को ए बाइटमेट देवर उनसे करी पिलवाने का शाम अस्वाया जाता था धीर स्वीपरो की सहया में उनको दिखा देते दे! नो क्या मली जी की नजर में यह बात ग्राई है कि स्वीपरो के नाम पर भी गैर हरिजन काम कर रहे हैं हालाकि वे वह गाम नही करते जोकि स्वीपर करते हैं?

दसरी दात यह है कि सफाई का बाम करने वालों को जो दैनिक मजदरी पर रखा जाता है क्या उनको परमानेन्ट नौकरी देने की कपा हरेगे?

SHRI S D PATIL instances are pointed out indicating that the persons who are Harijans are neglected and that some other non Harijans are being taken, I will examine it As far as the remuneration

of the daily wage-earners are concerned. I have already replied that the matter is under review, and as soon as the review is completed we will consider the question.

25

### Agitation against Computerisation in D.P.S.C.

\*704. SHRI K. A. RAJAN: Will the Minister of BOME AFFAIRS pleased to state:

- (a) whether the UPSC employees have been agitating since February 25, 1978, against computerisation in the Commission and also to press their other demands; and
- (b) if so, the details of their demands and steps being taken for the redressal of their grievances?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) The repremontatives of the Central Government Clerks' Union and of certain nonrecognised Unions/Associations the Union Public Service Commission, along with some employees of other offices and a few employees of Union Public Service Commission's Office, started an agitation on the 23rd February, 1978. The agitation was withdrawn on the 18th March, 1978.

(b) To start with, the demands were for reduction of work load and filling of 6 posts of investigators. The demands out forward later were stoppage of direct recruitment to Group 'B' services, stoppage of deputation and recall of deputationists, filling up promotion posts by Central Secretariat Service Officers and promotion of Group 'D' employees to Group 'C' on the basis of seniority. The Union Public Service Commission have appropriate arrangements for the redressal of legitimate greivances of the staff, and those involved in the agitation have themselves admitted, in a leaflet issued by them, that many of their demands had been accepted.

Some of the matters raised in the course of the agitation come within the purview of overall Government personnel policy and the Commission cannot take any action on their own. However, the Internal Work Study Unit is already engaged in assessing the work load in the context of various measures undertaken to rationalise and simplify work procedures, On the basis of job requirements, 6 posts in pay scales equivalent to those of Investigators have been created two of which have already been filled by promotion and steps have been taken to fill the remaining posts.

SHRI K. A. RAJAN: I am sorry that this problem has not been solved. In last November a meeting of the Chairman of the Public Service Commissions was called by the Home Minister where he made a categorical deciaration that he is against computerisation. In very unambiguous terms he has made a statement like that. Not only that, a Consultative Committee of the JCM of the Government of India is going into all asnects of computerisation in the administrative side. In the light of this declaration of the hon. Minister and also in view of the fact that the JCM is going into the problem, will the Minister maintain status quo ante regarding computerisation in this particular department?

SHRI S. D. PATIL: Even though the main ground of agitation was against computerisation, the demands are expanding and they are on a different footing. Of course, initially it was against the computerisation scheme. So far as computerisation is concerned, the view of the Government is that in technical institutions and where speed is important, as a last resort, it may agree to it. But, faking into account the unemployment problem, as a general proposition Government is not in favour of introducing computers. Some of the grievances which they have made are being considered and some of the demands are likely to be accepted. Already, the Secretary of the UPSC is holding meetings every wednesday

and getting the grievances redressed across the table. The grievances which are now being trotted out are of a different nature and a number of outsiders have also entered this area.

SHRI K. A RAJAN The hon Minister said some discussions are going on regarding the problems of the particular department 50 far as workload is concerned, formerly an employee used to handle 730 applications. Now he has to handle 1300 applications a month Since the norkload has increased there is every justification for additional staff I would like to know whether he will timak in terms of more staff for dealing with the increased workload.

SHRI S. D PATIL. These questions are always solved across the table If there is a genuine workload increase we will examine it or merits.

SHORT NOTICE QUESTION

LICENSE FOR CEMENT IMPORT

SNQ 5 SHRI VASANT SATHE Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) whether attention of the Government has been drawn to the news report appearing in the National Herald New Delhi dated the 22nd March 1978 under the caption Licence for cement import!

(b) if so what is the reaction of the Government to the serious allegations

Government to the serious allegations made therein and (c) details regarding facts of the

matter?
THE "MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) (a)

Yes S.

(b) and (c) It is not true to say that an contract for import of cement has been given to any private party in India Government decided to Import one million tomics of cement through State Trading Corporation to meet the local shortage Slate Trading Corporat on has entered into centract for 84 lakh tonnes of cement import from Korea Romania and Poland-The Question of profit of Rs 10 million to an Indian party from the sale of imported cement therefore, does not anse

There is no substance in the newspaper report that the Calcutta based industrial house has been pressurised into parting with the mill to a Bombay hassed industrial house No such sales transaction has come to the notuce of the Ministry

SHRI VASANT SATHE This report which appeared in a newspaper
on the 22nd March was of this nature
that some textile mill was given a litence to import cement I am glad
that the bon. Minister has clarified
that there was no such hence given
to a private party I would only like
to know further whether there is any
proposal of distributing this cement
imported by the STC through any private
parties and if so who are those
private parties who would be the asences of the STC for the distribution
of cement.

Incidentally if you know will you kindly also let us know the name of this industrial house of Bombay which is alleged to be controlling this?

SHRI GEORGE FERNANDES This report is one of the most scurribus and scandidos pieces of writing that anybody could have indulged in Incidentally it appeared in a paper which was once great which has now descended to this, level. I hope it will not descend any further

This paper is the National Herald and the report said that some private textile house in Bombay which was supposed to have Iriendly relations with me had been given a heene to import tement. The quantity is unknown but Rs 10 million is the profit that the mill as going to make and the Government is not going to benefit hy it because the mill is in the red and therefore with this Rs 10 million it will get into the black. This is one part

The second part is that some textile mill in Madhya Pradesh owned by a Calcutta business house friendly to the Bombay textile house and therefore friendly in turn with George Fernandes, has been handed over this textile mill in Madhya Pradesh by Mr. Fernandes, twistling the arms of the Calcutta industrialist, snying, "if you do not hand it over to the Bombay men, I will take it over as a sick unit."

This is the report the National Herold published on the 22n March. As I said, this is one of the most scandalous and scurrilous pieces of writing anybody is causale of.

I am glad the hon. Member has now not referred to the report as such, and only wants to know who are the parties who are selling the cement.

The sale of cement is done by about 24,000 dealers in this country. The coment imported by us in the last bree months is a little over 300,000 tonnes. Unloading and later on delivery of this cement to the depots has been handed over to those who are either in the cement business or to the State industrial corporations. This was done following the invitation of lenders following regular discussions.

The parties concerned are: Bombay -The Digvijaya Cement Co. and Dalmia Bharat, both in the cement business. Madras: India Cements and Dalmia Bharat, Cochin: The State Small Scale Industrial Development and Employment Corporation, a public sector undertaking, In Vizag: Andhra Pradesh Infrastructure Corporation, a public sector undertaking, and Andhra Cement; Gos and Mangalore-ACC Limited for one ship only because in such port we have so far unloaded one ship only. These are the agencies which have taken the contract of unloading the ships because the Government or the STC does not have the infrastructure to unload the cement and later on, market the cement. This is the arrangement we have arrived at.

SHRI VASANT SATHE: Can you enlighten us about the name of the Industrial house which is referred to in this article?

SHIRI GEORGE PERNANDES; It is for the editor of National Hernal who, I am sure, is very friendly to the hon. Member to entithen this House and the country on this industrial house which is supposed to be friendly with me and which is now supposed to be making ten million rupees out of the blue. I do not know where the ien million rupees are going to come from. I have nothing to do with that. This Government has nothing to do with this.

SHRI VASANT SATHE: What is the price of the cement that we are importing and at what price it is distributed?

SHRI GEORGE FERNANDES: The cement in this country is marketed with a pooled price. There are various factories whose cost of production varies. The Government has evolved a price structure for the marketing of cement. In this the freight charges, the excise duty, retailer's profit including the manufacturer's cost, everything is taken into account.

Now, in the imported cement, thelanding cost of the cement is almost twice the actual cost of cement within the country. Therefore, Government decided that the pooled price would go up by one rupee and this money is now being used to subsidise the cement that is coming from abroad because if we were to market the cement at the price at which it is landed, the price would be twice the price at which the cement used to be marketed. Therefore, there is a uniform increase of one rupee per bag of cement. This money does not go to the cement factory owner. This money does not go to the wholesaler nor to the retailer nor to the man who is unloading the ship. This money goes into the pool which is controlled by the Government and is used to make

up the additional amount that we have to pay out

31

SHRI M N GOVINDAN NAIR A couple of years back we were exporting cement. What is the reason for this shortage? Is it because the cement factories are not working upto their capacity? Or is it because there is in crease in the demand of cement?

SHRI GEORGE FERNANDES have said a number of times that during the last few years there has been no addition to the cement capacity in the country In 1975 76 the installed capacity was 21 14 million tonnes in 1976 77 it was 21 84 million tonnes in 1977 78 at was 21 87 million tonnes in other words planning during the last few years was to organise shortages and not to meet the additional needs. We need every year two million tonnes of additional cement From now on we shall be needing three million tonnes of additional cement every year. But since you did not have that kind of perspective during the last 5 6 7 years and dd not take care of the additional needs of the country we have run into this trouble

As far as production is concerned We have had record production an all time record production which is 89 per cent of the caracity During the two great years of the Emergency the capacity u ilisation was 82 per cent and 87 per cent In the year of freedom it has gone upto 89 per cent which is more than what you had in the previous years (Interruptions)

SHRI VAYALAR RAVI He is not answering the question (Interrup tions) The question was different (Interruptions)

SHRI GEORGE FERNANDES I am not yielding Let me be allowed to answer the question

SHRI VAYALAR RAVI He is not answering the question he is giving a lecture The question was very speci-(Interruptions) fic

MR. SPEAKER The question put by Mr Govindan Nair was that for merly we were exporting cement but why we are importing cement and secondly formerly the price was less but why the price is more now He is answering all these points

SHRI VAYALAR RAVI He never answered that His answer was about the capacity and if the capacity was there the Government would have exported cement (Interruptions)

SHRI GEORGE FERNANDES In fact the report to which the hon. Member Mr Sathe referred is

It is learnt that a Bombay based textile mill has been given a licence to import cement which is on the list of stems of critical shortage since the Janata Party's advent to power"

They want to have hest of all the worlds I am sorry I am not prepared to oblige them Since the Janata Party came to power if there has been shortage of cement it is because of the situation that was there in the last three years. There has been no addition to the installed capacity This is the size of the problem. In the month of March 1978 the cement production in the country touched an all time record of 104 per cent

#### (Interruptions)

SHRI VAYALAR RAVI He must answer the question put by Mr Nair

MR. SPEAKER Cut and dry ans wers cannot be there

SHRI VAYALAR RAVI The question put by Mr Nair was why there is import of cement when there was export of cement He did not answer that question The question was very legical Mr George Fernandes said that 21 million tonnes was the capacity in the last three years Even then there was export of cement and even when the production has gone up why import cement? He must answer that

MR. SPEAKER: Shri Kachwai,

SHRI K, LAKKAPPA: I rise on a point of order, (Interruptions)

MR. SPEAKER: What is the point of order?

श्रो हक्स चन्द कछत्राय : महोदय, ग्रापने महो बनाया शा।

MR. SPEAKER: I am going to call you.

SHRI K. LAKKAPPA; My point of order is very specific ... (Interrup-

tions)

श्री हक्तम चन्द कछवाय : श्राप मेरे वाद (स्थवधान) उनको बुलाइये।

MR. SPEAKER: Mr. Ugrasen, please wait. After the Question Hour, if anybody raises a point of order and if there is a point of order then I will have to hear it.

### (Interruptions)

What is the point of order? Please formulate your point of order.

SHRI K. LAKKAPPA: My point of order is regarding this procedure adopted in the case of Short Notice Question. For all purposes, it is as good as any other ordinary question. The rule clearly establishes this. The Minister should answer and while answering this Question, he should not insinuate regarding....

#### (Interruptions)

MR. SPEAKR. There is no point of order.

# (Interruptions)

I am not going to allow you. Do not record anything more.

# (Interruptions)\*\*

MR, SPEAKER: I have held that there is no point of order.

श्री हक्षम चन्द्र कछवाय : ग्रन्थक्ष जी. इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि सीमेंट का देश में बहुत ही महत्व है ग्रीए महीनों से सीमेंट की बहुत कभी है देश में जिसके कारण निर्माण कार्य रुके हए हैं। मंत्री जी ने उत्तर में बताया कि हमने तीन हजार मीट्रिक टन सीमेंट बाहर से मंगाया है। में जानना चाहता हूं कि इस समय देश में कितना उत्पादन है और कितनो धावश्य-कता है ? और जो सीमेंट वाहर से मंगाया है क्या इससे पृति हो जायंगा, या और भी आये मंगाने का इरावा है जिससे देश की आवश्यकता परी हो सके ? क्या नरे क्षेत्रों में कोडे मिनी प्लान्ट सीमेंट के लगाने की आप ब्यनमृति दे नहें हैं? यदि हां, तो फितने मीरिक टर लगाने की अनुमति दे रहें हैं ?

श्री जार्ज फ़र्मानिदिस : ग्रह्मक जी. विडले साल मा उत्पादन है 1 क्रोड 92 लाज टन । वहां हम लोगों की जरूरत है 2 करोड़ २० लाख टन । लगभग २० लाख टन मीमेंट की क्मी थी. जिसमें से 10 लाख दम पिछलें इन 6 महीनों में खाने ना प्रवास था, जिसमें से 3 लाख दन सीमेंट पिछले महीने की 31 तारीज त इ ब्रायी है । इस महीने से और अगले महीती में हमें उम्मीद है कि और 5 लाख टन ग्रायेगी। भनी बन्टर गहाँ में जहाज आये हैं, कुछ हाई सीज पर हैं और कुछ और आ नहें हैं। और को भी कमी है जम कमी को परा करने के लिये सम्बर (1) यहां के उत्पादन की वड़ाने का काम, मीर नम्बर (2) वहां तात्कालिक कमो है उनको जागत ने पूरा करने में समे हुए हैं और जो विश्वत है उनको हम दूर कर पायें≀

बहां तक नवे सीमेंट के कारवाने, और उसमें भी निनी सीमेंट कारवानों का सवाल है, जो कारवादे जिसका काम इस समय चल रहा है उसको यहत तेजी से परा करने में एक विजेष प्रयास हो रहा है।

उसके निः मार्ग यतपा ण हमारे मवानय में निमंण विचा है ग्रेर उन दिशा म हमारी नाम हो रहा है। दस्ती तसह त जो मिनी मोमट प्लास्ट है देन म कुन मिना मर 43 जाहा पर यह मिनी प्लास्ट हो सबते है, इस प्रकार की एक रिपोर्ट मीमट रिसक इस्टीएयू ने नैपार की है। कुछ प्लास्ट समने दिशा में कुछ बदम भी बड़े हैं।

वह भी हम करे।

SHR1 T A. PAI The production of cement in 1975 was 155 million tonnes and in one year, we were able to raise it to 185 million tonnes, Last year the production had only improved by 0.5 million tonnes because percentages don't express anything But is it a fact that last year in spite of the export of one million tonnes cement was freely available in the black market and now in spite of the increase in production and your import, the black market prices are very high in a city like Bombay and cement is scarce and therefore, something has gone wrong with the distrihution? Another thing is whether our informing the rest of the world that we are short of cement has not paished the prices of cement when India enters those markets.

SHRI GEORGE FERNANDES My hon friend is very clever at the use of statistics But I must say that the statistics that he has used are not quite accurate Obviously, one year has rusted him a little bit. In 1975-76 the installed capacity was 2114 million tonnes as against that the production was 1729 million tonnes which was a capacity utilisation 82 per cent. In 1976-77, the installed capacity went up by six lakh tonnes, that is to 2184 million tonnes, the production was 1884 million tonnes, the capacity utilisation was 87 per cent In 1977-78 the installed capacity went up to 21 87 million tonnes in other words at merease of only 30 000 tonnes, the production was 1927 million tonnes, the capacity utilisation was 89 per cent, which is the highest ever

SHRI T A PAI I am talking in terms of actual production

SHRI GEORGE FERNANDES am also giving you the actual production. The actual production in 1975-76 was 172 mullion tonnes in 1976-77 1884 million tonnes, and in 1977-78, the year which ended in March this year, 1927 million tonnes which is 89 per cent of the installed capacity I am sure the bon. Member knows that the Janata Government could not have set up a cement plant in inclve months, it takes threa years to put up a cement plant All that we could do was to make the best use of the existing facilities and expedite the setting up of the on going projects, and both these things we have done, and we have done very successfully

The point made by the hon Member was that last year, one miltion tonnes were exported and yet, coment was freely available. Point one is that in the course of last year this July, 1977 certain commitments which had been made about exports had to be fulfilled particularly the commitmenty made with Inna, with some of the countries in West Asia, with Bandgadesh, with Nepal and with Bhutan Those commitments had to be met

AN HON MEMBER How much?

SHRI GEORGE FERNANDES A
Hittle over half a milton tonnes of
cement had to go out. Those commitments which had been made till July,
1977, had to be fulfilled. This is one
aspect. Another aspect which my
hort, fired very conveniently tries to
guotre and forget is that, each year
the cement needs of the country go up

by two million tonnes. If the installed capacity stays stagnant, there is question of asking where the cement has gone. The installed capacity stays stagnant. This is another aspect.

The third aspect of it is that the construction activity and the developmental activity since the Janata Government has assumed office have gone up much faster than what was being done earlier. That is also a reason why there is shortage or cement.

In so far as import and price hike " are concerned, the entire contract was entered into without making any announcement inside the country or outside. The STC officials moved in the highest of secrecy, and we were able to sign the contract at the then prevailing world price without a single cent going up.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: The hon, Minister, (Interruptions)

SHRI SAUGATA ROY: On a point of order. The Minister was only filibustering and he, very conveniently, ignored the main question....

MR. SPEAKER: I do not agree with you.

SHRI SAUGATA ROY: Why has the coment production risen only by 0.5 million tonnes?

MR. SPEAKER: Perhaps, you have not followed. What he says is that it can be done only with the present manufacturing capacity.....

AN HON. Member: He is wrong.

LIR, SPEAKER: He may be right or he may be wrong. I am not concerned about it. But he has siready answered. Nothing more. Do not record anything

(Interruntions)\*\*

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: The Hon. Minister appeared to convey the impression that both in regord to unleading and distribution

of cement the STC is not equipped, Now the question that arises is that unloading requires simply manual operations and, if in the matter of manual operations, the STC is not well equipped, is it not a matter to which the Minister should address himself in right earnest? This is a simple thing which should be undertaken by the STC.

Then with regard to distribution of cement, he has said that private distributors have been given the responsibility of distributing cement. The question I want to ask is whether these firms which had been blackdisted in some way-that is, they gave liberal advertisements to the ruling Party then-they have been left out or those firms also have been given the task of distribution of cement,

SHRI GEORGE FERNANDES: When I spoke about STC not being able to unload-in the first place I won't be able to answer the question of over-all competence and capabilities of STC because it is for the Commerce Ministry which is handling it. to really answer that question; I am not particularly informed on this. This is a temporary situation that we are fecing, of shortage, and we are importing cement to meet a certain situation. The unloading work is done by the stevedoring agencies and distribution and sale is done by an established network of agents all over the country. We discussed the question and came to the conclusion that, for a ston-gap arrangement, the best way to operate would be to have those who are engaged in the coment industry and who are equipped to do the unleading of cement, stevenoring and other allied jobs and to hand over the contract on the basis of tenders that were invited and discussion that took place with the various parties who are equipped to do this job. STC can be Therefore, whether the equipped is a matter which I would

Commerce Minister to look into

Regarding distribution, I would need notice to find out whether companies that had been black-listed for any particular purpose have still heen kept out or they are now being allowed to distribute.

#### WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

# Licence for Mini or Big Cement Factory at Pondicherry

\*C99 SHRI G BHUVARAHAN Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) whether it is a fact that Government of India have given licence to start Mini or Big Cement Factory at Fondicherry, and

(b) if so what is the latest position?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) Government of India have not given any licence to start Mini or Big Cement Factory at Pondicherry

(b) Does not arise

दिल्ली में मादक पदायाँ की प्रवंध बिशी

\*703 थी ईश्वर चौग्ररी : क्या गह मती यह बनान की रूपा बरेगे कि

(क) क्या सरकार का ध्यान 17 मार्च, 1978 व 'हिन्दुस्तान' प्रकाशित इस समाचार की स्रोर दिलाया गया है कि राज-धानी में पहाड गज, कमला मार्किट, जामा मस्जिद कोनवाली सदर वाजार, करौल दास, मानद पर्वत, तिलक नगर मादि उसे कई थेता में खुने हर से मादव पटायों की विकी की जारही है.

(ख) क्या यह सच है कि यह व्यापार र्गालया में बच्चा ने माध्यम से कुछ मार्शातक शब्दो द्वारा निया जाता है, और

(ग) यदि हा, तो क्या सरकार को ऐसी जिलायनें मिली है और उस पर सरकार को क्या भतिकिया है?

शह मत्री (भी चरण सिह): (१) सरकार ने 17 मार्च, 1978 व दिन्दम्तान ±ें प्रशासित समाचार देखा है। तथापि, मादक पदार्थों की ऐसी खली विकी सरकार के ध्यान में नहीं ग्राई है।

(ख) ऐसा कोई तथ्य मरकार वे भ्यान में नहीं माथा है।

(ग) जब नभी शराब तया ग्रन्य मादन ल्लाओं की धर्वध विको वे बारे में शिकायरीं/ सबनाए प्राप्त होतो है ता दिल्ली प्रशामन का शावकारी शासुचना व्यरो तथा पुलिस श्चावण्यन जान पडनास नरती है श्रीर नान्न चनुमार उपगुक्त कार्रवाई की जाती है।

# प्रतापगढ में दैस्टर कारखाना

\*705 थोहरूम चन्द्र कछवाय : स्पा अदग्रीम मती यह बैताने की शुरा करेंगे कि

(क) क्या उत्तर प्रदेश के प्रनाप गढ क्ति म टैक्टर कारखाने की न्था ना का नीय इस बीच पूराहागया है,

(छ) इनः पुरा होने म विलम्ब व क्या बारण है तया यह कब तक पूरा ही जाएगा. धौर

(ग) इसकी मूल लागन क्या है तथा इसमें वापिक उत्पादन का रह्य कितनी तिश्रीरित स्था गया है।

उद्योग मत्री (भी जार्ज फर्नानहिस ) : (क) जी, नहीं।

(ख) राज्य सरवार परियोजना पर द्वाये नियंथ लने की बात को ह्यान में सान हए इसकी जीव्यता ग्रीर योजना प्राय-क्रिक्तामा में बाह्नीय देस्टीकरण के सदर्भ में परियोजना ना निर्धारण कर रही है।

(ग) परियोजना की मूल लागत 13 करोड रुपए है। उत्पादन लक्ष्य पहले वर्षे म 500 ईंक्टरी वा निर्माण करन का है जो माचर्वे वर्षे तक बढ़कर 6000 हैक्टरो का हो बाएवा ।

#### Change in the Nomenclature of Akashyani

\*706. SHRI G. Y. KRISHNAN: SHRI S. S. SOMANI:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

 (a) whether Government have decided to change the name of Akashvani to Akashbharati, if so, reasons thereof; and

(b) whether Government have also received a suggestion that the name be changed to Bharat Vani?

THE MINISTER OF INFORATION AND ERCADCASTING (SHRI L. K. ADVAND: (a) No Sir.

(b) Different names including 'Bharat Vani' have been suggested by different people.

#### Chambai Bridge on Delbi-Bombay Highway

\*707. SHRI SHAMBU NATH CHATURVEDI: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSFORT be pleased to refer to the answer given to Unstarred Question No. 5555 on the 1st August. 1977 and state:

- (a) what other causes were identified for the premature collapse of the Chambal Bridge on the Delhi-Bombay Highway and whether responsibility was fixed therefor and action taken;
  - (b) if so, the particulars thereof;
- (c) is it a fact that the cracks extend to the remaining part of the bridge also and its stability is doubtful.
- (d) what is the total amount for which contract has been given for its reconstruction; and
- (e) whether this contract has been given to the same company which initially constructed this defective bridge?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAMD: (a) (b), The Committee of Technical Experts appointed by the Government of India to investigate into the causes of the collapse of four reinforcer concrete arch spaus between piers 16 and 20 (from Agra end), after getting detailed sub-soil investigations carried out and interprefing the results thereof, came to the conclusion that the collapse of these four spans followed the subsidence of the foundation of pier No. 17. The foundation of this pier was found to he resting on a highly altered zone of clay matrix conglomerate which was not strong enough to withstand the leads coming over it. The Committee further held that this subsidence however, seemed to have been preceded by excessive scour of the over burden material in the bed of the river around this pier affecting the hearing capacity of the strata on which the cutting edges of the wells of

this foundation were resting.

The Committee has not identified any other reason for the collapse of the four arches between plers 16 to 20. The points arising out of the report of the committee are being examined in consultation with the Ministry of Works & Housing and the Central Public Works Department under whose supervision the bridge was originally constructed, in order to fix responsibility for the ministry.

- (c) In the portion of the bridge which is now being retained, no cracks affecting its stability were detected during detailed post-failure investigations by the Technical Committee.
  - (d) Rs. 217.28 lakhs.
  - (e) No.

Cement Research Institute

\*708 SHRI G. M. BANATWALLA: SHRI MUKHTIAR SINGA MALIK:

Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether Government have seen the press report in Blitz of the 4th March 1978 wherein it has been stated

that Cement Research Institute of India is proving a national waste,

- (b) if so what are the facts, and
- (c) whether Government have inquired into the causes and have taken steps for its better functioning?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) The Govern ment have seen the Press Report

(b) and (c) The Cement Re-carch Institute of India heing an autonolmous body its Council of Hangement has looked into the allegations and found them baseless However, the said Council have appointed a Committee to enquire into the allegations In regard to purchase of equipment

# Pace Maker

\*709 SHRI G M BANTAWALA SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

Will the Minister of DEFENCE he pleased to state

(a) Whether Government are aware

- that Indian Engineers have developed an inexpensive, implantable pacemaker which is cheaper than a similar one imported from West
- (b) if so, how far the trials have proved its effectiveness, and
- (c) what steps Government have taken to encourage its production in the country?
- THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JACJIVAN RAM) (a) A group working in one of the Laboratones of the Defence Research and Development Organisation namely Electronics and Radar Development Establishment (LRIDE) Bangalore, has developed an implantable pace maker, which according to them would cost substantially less than the imported device
- (b) Experimentation on the derice implanted in the bodies of dogs commenced nearly 20 months ago so far, it bas been tried out on 12 animals Evaluation on the first human nations

in Bangalore has been in progress for over 7 months and the patient is doing well The heart rate of this patient improved from 35 beats per minute t 72 beats per minute and is regula-The device has been inverted in the body of a second patient who is doing well for the last 4 months. The human patients and the animals have been X Rayed and their clinical ECGs have been satisfactory and they are leading normal lives. Considering the importance of such a device for use on human patients it is considered recessary to continue the experimen tation for some more time and larger number of patients.

(c) After completion of satisfactory evaluation the know-how for production of implantable pace-maker will be transferred for exploitation as per existing procedures

GREF under Border Roads Development Board

\*710 SHRI K. B CHETTRI Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) the facilities given to the working classes of Border Roads Development Board,
- ment Board,

  (b) is it a fact that the employees of GREF are not allowed to organise into
- Umon to safeguard their just rights, (c) if so the reasons thereof, and
- (d) whether Government are considering to allow them to form their Union in the near future?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) A statement containing the required information is laid on the Table of the House

(b) to (d) The employees of GREF are subject to the Army Act and the Army Rules. The Organisation his, therefore its own forums and devices for the redress of any problems or legitimate grievances. It is not possible to let them form, or associate themselves with Trade Unions.

#### Statement

The following pay and allowances and other facilities have been given to the regular employees and casual labourers in the Border Roads Organisation:—

#### (A) Regular employees—

45

- Pay as per CCS (Revised Pay) Rules, 1973.
- (ii) Dearness Allowance, House Rent Allowance, Compensatory (City) Allowance and Children Education Allowance as authorised for Central Government employees.
- (iii) Special Compensatory Allowance is admissible to employees of the Border Roads Organisation texcept Pioneers and similarly placed categories) at the following rates while serving in the qualifying areas as determined by the Government from time to time:—
  - (a) Officers at the rate of 331,25 per cent of the basic pay which they would have drawn in pre-revised scales of pay, subject to a minimum of Rs. 200/- pm. for Group 'B' officers and Rs. 250/- pm for Group 'A' officers and Rs. 250/- pm for Group 'B' officers and Rs. 250/- pm for Group 'B' officers and Rs. 250/- pm. for Group 'B' officers and Rs. 400/- pm. for Group 'B' officers.
- (b) Group 'C' and 'D' employees at the rate of 40 per cent of basic pay which they would have drawn in the pre-revised scales of pay, while serving in classified areas in ARUNACHAL PRADESH, NAGA-LAND, MANIPUR, & MIZORAM and 50 per cent thereof in JAMMU & KASHMIR, HIMACHAL PRA-DESH, UTTAR PRADESH, SIK-KIM BHUTAN and ANDAMAN & NICOBAR Group of Islands, subject to a minimum of Rs. 75/pm for Group 'C' and Rs. 50/pm for Group 'D' employees and a maximum of Rs. 200/- pm.

The question of a revision of these rates, with reference to the pay in

the revised scales of pay, is under consideration of the Covernment,

- (iv) GREF employees serving in non-static units are entitled to free rations and free single accommodation of simple type together with lighting and domestic water supply.
- (v) AH GREF subordinates are issued with free clothing whereas GREF officers are granted Outfit/ Renewal Outfit Allowance.
- (vi) GREF employees are entitled to free medical treatment in GREF medical Units/filly Hospitals for self only. Their families are authorrised medical facilities under the CGHS or under the CS (Medical Attendance) Rule 1944, as the case reay be.
- (vii) For the purpose of leave, GREF personnel are governed by the provisions of CSS (Leave) Rules, 1972
- (viii) LTC is admissible to GREF personnel as for other Central Government employees except that families of such GREF personnel who are in receipt of free rations, are not allowed this concession.
- (ix) Deaths/injury benefits are admissible to GREF employees in accordance with the Worlman's Compensation Act 1923 or the CCS (Extra-ordinary Pension) Rules as the case may be.

# (B) Casual Labourers-

- (i) The personnel are employed on daily or monthly rates of wage, fixed by the Chief Engineers in consultation with the local Civil authorities. These are, however, not less than the minimum wages fixed under the Minimum Wages Act 1948.
- (ii) When working at a considerable distance from their homes, they are provided with sheller made of locally available material or with used tents or tarpaulines, keeping in view the local practice

of PWD or other employing ogencies

447

- (111) Certain essential items of rations such as Atta'Rice Dal Salt Sugar, Tea Oil Hydrogenated and Kerosene Oil are issued to them on payment
- (1v) The following items of cloth ing are issued to Casual Labourers on payment to the extent of feasi ble as authorised by the Chief Engineer -
- (a) Cape waterproof @ one per individual in areas where rainfall is heavy
- (h) Blanket/Raza @ one per individual at places below 5000 ft height and @ two per individual at places above 5000 ft height
- (v) In addition to the a love one Jersey pullover, one Cap comforter and one pair of gloves are issued on payment to those employed at places over 10 000 ft, height
- (vi) Free medical treatment to the extent feasible as outdoor and indoor patients is provided in respect of ailments or injuries sustained by them at the site of work Free transport is also provided for removal of urgent cases to the hospital
  - (vn) The personnel are allowed paid holiday on all Surdays and the three National holidays le 26th January 15th August and 2nd Ocioher
- (vin) For the purpose of inmry/ death benefits, the Labourers are governed by the provisions of Workmens Compensation Act 1923

# संदर प्रंस बेंट सीट बीट के कर्मचारियों की वेतनमान

\*711. श्री सखन साल कपुर: धी उपनेतः

न्यारक्षामबी जे० सी० बी० प्रेसतया भारत सरकार महाणलय के कमैवारियाँ

के जैनतानों में जमगतियों ने वारेमें 22 फरवरी, 1978 के मताराजित प्रश्न मध्या 277 के उत्तर के सम्बन्ध म यह दताने की क्या करेंगे कि

- (क) तथा जै० मी० बी० फोटी लियो जाला केरीडर बेंड 1 और वामी हाण्डरी की मदालय व पत स० 11312/जे० सी० वी/2/ 57/ए/डी० (जी० एम०-4), दिनाक 9 दिसम्बर, 1977 । द्वारा नमश 425-600 रू॰ ग्रीर 260-400 रू॰ वैतनमान प्रदान कर दिए गए हैं. ग्रीर
- (ख) बांद हा, तो जनवरी 1974 में उसी विमाग वे सैटर प्रस र समान श्रेणी वे अमैवारिया को ये नेतनमान न देने ने क्या बारण है. शीर
- (ग) इस मामले की मन्य मतालमी वे साय सम्बद्ध वरने वे वया भारण है ?
- रक्षामनी (श्रीजनजीवन राम)ः (क) जी, हा। सरकारी पत्र 9 दिसम्बर, 1974 को जारी किया गया था।
- (ख) भीर (ग) फोटो लियो माखा ग्रेड 1 के रीडरी और नापी होस्डरी वे वेतनमान भारत सरकार प्रेस के इन्ही वर्गी वे कर्मचारियो के लिए निर्धारित वैतनामानी पर भाषारित थे। परन्तु जे॰ सी॰ बी॰ प्रेस ने इन्ही पदा के वेतनमान तृतीय वेतन आयोग से पहले भी और उसके बाद मी घलग-भलग थे इसलिए इसमें ग्रसमानता है । दोना प्रेसो ने नर्मनारियो को समान चेतन-मान दिए जाने ने प्रश्न की ग्रन्थ मत्रालयो में उसी प्रकार के पदा के सदमं में जाच की गई थी ! सरकार ने इस पर विचार नर लिया है भौर यह निर्णय निया है कि जे० सी० बी० की लैटर प्रेस के ग्रेड 1 के रीडरो भौर कापी होल्डरों के सिए वही बेतनमान मजर निए जाए जो जें॰ सी॰ वी॰ की फोटो सियो शाखा के इन्हीं वर्गों के कर्म चारियों वे लिए निर्धारित है। इस सम्बन्ध में भादेश जारी विए जा रहे 81

दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम के क्रींति तगर गोडाम से कोयले की तस्करी

\*712. श्री रामानन्द तिवारी: वया ऊर्जा मत्री यह बतान की लुग करेंगे कि:

- (क) बगा दिल्ही कोल डीलर्स एसी-वियवन के प्रेजीडेंड ने यह आरोग लखाया है कि दिल्ली में कोयने की कमी के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेंड उत्तरदायी है और दिल्ली राज्य प्रीचोगिक निकास निगम ने अपने कीविनगर के पोदान में कोयला जमा किया है चहां से उत्तकी दिल्ली से नाहर तत्करों की जा रही है;
- (ख) उस पर सरकार की क्या प्रि. किया हुँ ओर कीतिनगर गोदाम सबेचे जा रहे कोमले सम्बन्धी तथ्य क्या हैं फ्रोर इस सम्बन्ध में क्या कार्य दक्षी करने का विचार हैं।

कर्मा मंत्री (श्री पी॰ रामश्कल): (क) विश्ली प्रवासन ने यह रिपोर्ट वी है कि उसे विश्ली कोल डीलर्स एकीडिएकन के प्रेमीडेंट से ऐसा कोई घारोज प्राप्त नहीं हुआ है। मारान्कोकिंग कोल दिस्सी में कोल्ले थे: विदास काम नहीं करता है।

(ख) दिस्ती प्रशासन ने यह रिलोटें दी है कि दिल्ली राज्य श्रीवोगिक विकास निवम के कोर्ति मगर गोवाम से कोवले की सस्करी नहीं हो रही है। पिछले तीन वर्षों में स्वत भोदाम में कोयले का जो जूरा इकट्ठा हो गया या उसे ही बेचा जा रहा है। बीर उसे दिल्ली से बाहर से जाने की अनुमति दिल्ली प्रशासन केवल पर्रामट भीर समृजित प्रतिवन्धों के अधीन ही दे रहा है।

Production and Utilisation of Installed capacity of Cement Plants

\*713. SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to lay a statement showing:

- (a) the figures of installed capacity of cement plants in the public sector and private sector as at the beginning of 1976-77 and 1977-78;
- (b) the actual production and capacity utilization for the two years;
- (c) whether the present shortages are due to higher off-take for domestic consumption and larger exports during the current year and the details thereof; and
- (d) what is the estimated demand at the end of the Sixth Plan and what are Government's proposals to meet

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (d), The installed capacity at the beginning of 1976-77 and 1977-76 production and capacity utilization during these years have been as unders—

1026-2

1977-78

|                | 2572-77      |                 |                   | -3/11    |                 |                  |  |
|----------------|--------------|-----------------|-------------------|----------|-----------------|------------------|--|
|                | <br>Capacity | Produc-<br>tion | o%<br>utilisation | Capacity | Produc-<br>tion | %<br>Utilisation |  |
| Public Sector  | 2-31         | 1-82            | 84                | 2· 51    | 1.93            | , 77             |  |
| Private Sector | 18.85        | 16- 50          | 90                | 19.16    | - 17- 35        | gr               |  |
| TOTAL          | 21.16        | 18-85           | 89                | g1-67    | 19.28*          | 69               |  |

<sup>\*</sup>On the basis of estimated production for March 1978.

The production of cement in 1977-78 is estimated to be 1928 million tonnes, which is highest level so for achieved In spite of a reco a production shortage have developed on account of higher demand for con sumption of cement for public works as well as Agriculture Industry & Housing Substantial quantities of coment were also requires to repair the damage due to cyclon, in Andhra Prade b and Tamil Nadu As a result of the ban - emport from July 1777 except for irrevocable contractual opligations the export of cement in 1977 78 was 4 99 inkh torres ne ago net 833 lakh turnes in 1975 7 The inter nal demand by the erd of 1 62 43 bas been estimated to be 30 mill at a naces But this nay be an indirest mate If the present trends are any indication the 1 mad may go up to . mil lion tonnes Government are implementing several measures asmed at increasing production by existing units installing additional capacity and for conservation and better utilisation of cement More important steps include utilisation of pre-calcinator technology and greater use of slag/fly ash and other pozzolanie material setting up of new coment plants at the loca tion of steel plants to utilise local stag and limestone establishment of mini cement plants to utilise smaller lunestone deposits and also expediting the construction ochedules of new units and expansions Additional capacity of about 156 million tonens has been approved by may of Letters of Intent/Licenses

Free Transport Zone

\*714 SHRI MOHINDER SINGH SATIAN WALA

> SHRI RAM SEWAK HAZ ARI

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

(a) whether a free transport zone will come into existence from 1st July

1978 comprising of some northern States.

(b) if so the details of the scheme and

(c) the advantages thereof?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) and (b) Delhi Administration and State Govts of Punjab Haryana and J&K have approved an agreement which provi des that the entire region consisting of the States of Punjab Haryana, Delhi and Jammu and Kashmur would form one zone where the goods vehi cles of one State could operate in the terntory of the other without any restriction on their number subject to counter signatures and payment of prescribed fees and taxes. The agreement is to take effect from 1778 after it has been published by all the State Govts concerned in their official Gazettes

(c) The scheme is designed to faci litate inter-State haulage of goods in the zone by road transport,

Alteged Burning of Files by Former Frame Minister

**#715** CHOMDHARA BALBIR SINGH Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 3855 on the 14th December 1977 regarding alleged burning of files by former Prune Minister and state

(a) whether any in depth enquiries have since been made and information collected regarding the nature of the files destroyed and

(b) whether any of the concerned officials have been traced and linked for further action in this matter?

THE MINISTER OF HOME AF-FAIRS (SHRI CHARAN SINGH) (a) and (b) Equiries into this matter are still in progress

# क्म कीमत की स्वदेशी कारों के लिए लाइसस जारी करना

१७16. श्री बया राम शाल्य: बया उद्योग संवी यह ततां की हुपा करें कि: क्या उत्तरां की हुपा करें कि: क्या उत्तरां की हुपा करें कि: क्या उत्तरां प्रावृत्त काने के फलस्वाच्य कम लागत बाती विदेशी का में के निमान के लिए तती शाविरमा को सहस्रों को सहस्रों लगां करेंगी तांकि मोगों को प्रतियोगी मुख्यों पर प्रकृती हिस्स की को प्रावृत्त के ति हुपा प्रकृती हुपा की स्वार्थ हो नहें ।

डब्योग मंत्री (श्री जार्ज फ्रम्बिटिस): चूमि क्रम जीमत वाली स्टरेजी कारों का निर्माण करने के लिए लाइनंग हेलू कोई भी आवेदन पत स्रमिणींत नहीं गड़ा है इसलिए स्पानकार के लाइसेंस जारी करने का प्रस्त गढ़ी चळता (Vorkers in Beas Sutter Link Project

in H. P. \*717 SHRI BHAGAT RAM; Will the Minister of ENERGY be pleased

- to state:

  (a) how many workers are at present working on Beas Sutlej Link Project in Himachal Pradesh on regular
- basis and on daily wages basis;

  (b) whether new workers are engaged on daily wages to discharge the regular work of the Project;
- (c) if so, the reasons therefor; and
- (d) how many regular workers have been retrenched during the last six months and how many workers have been employed on daily wages basis?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAM): (a) 13,400 workers on a regular basis and 1400 workers on daily wages are working at present on the Beas Sutlej Link Project in Himachai Pradesh.

(b) and (c). To attend to works of short duration, like emergent repairs and protective works on various sites of the project, that are required to be completed before the onset of the monsoon, some retrenched workers are engaged on daily wares.

(d) From October, 1977 to March, 1978, 3554 regular workers were retrenched. The position regarding workers employed on daily wages month-wise during the last six months is as under;—

| October, 19  | 77 Nil   |
|--------------|----------|
| November, 1  | 977 Nil  |
| December, 1  | 977 1153 |
| January, 19  | 8 1279   |
| February, 19 |          |
| March, 1978  | 1400-    |

Filling up of Posts of Producers in All India Radio and T.V.

≈718. SHRI RAM MURTI: Will the Nimister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state: (a) whether it is a fact that on 18th April, 1973 it was replied in the House that 80 posts of producers are lying vacant and these will be filled;

 (b) if so, how many posts of producers have been filled up since then;

(c) 15 it also a fact that the posts of producers are not filled up in the manner in which posts of programma executives are filled up; if so, reasons thereof?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) A statement was laid in respect of parts (b) and (c) of Lok Sabha Unstarred Question No. 7823 for 18-1-1973. The point raised by the Programme Staff Association with regard 80 Producers and the cryly as given in the "statement by the Government are as under:—

Reaction of the Government

Point raised by the Programme Staff
Association

Proposed recruitment of 80 Producers may be stopped forthwith since such recuitment is against the recommendations of the Chanda Committee, Masani Committee and the SIU. Producers in AIR represent a deflerent energory of specialized need of the broadcasing system. Recruitment of Producer, cannot be dispensed with in view of the growing and diversifying programme needs of the organisation

(b) 72 posts of Producers have been filled since 1973

55

(c) Recruitment to the cadre of programme executive is made through UPSC on an all India basis The posts of Producers are staff artist posts and as such are not filled through UPSC

#### Recommendation by National Integra. tion Conneil to earh Violence

- \*719 SHRI NATWARLAL B PAR-MAR Will the Minister of HOME AF-FAIRS be pleased to state
- (a) whether the National Integration Council at its recent meeting had made any recommendations to curb the incidence of communal violence in the country
  - (h) if so the details thereof, and
- (c) the reaction of Government therein?

THE MINISTER OF HOME AE-FAIRS (SHRI CHARAN SINGH) (a) to (r) The last meeting of the National Intergration Council was held in 1968 in Sringgar A Statement containing a summary of its recommendations is laid on the Table of the House A conv of these recommendations was sent to all State Governments/Union Territory Administrations for appropriate action

#### Statement

Surmary of recommendations of the NJC meeting in June, 1988 regarding communal violence

- I Recommendations in the nature of guidelines
  - 1 A special Intelligence Unit should be constituted at the State and Central levels. The Unit should be composed of persons specially trained and possessing aptitude and absolute impartiality needed for this type of work
  - 2 Intelligence agencies should furnish their reports and assessments to the District Magistrates and District Superintendents of Police regularly and without delay
  - 3 The district Magistrates and District Superintendents of Police

- should be charged with personal responsibility for scrutinizing these reports and taking preventive action promptly to forestall any communal disturbances.
- 4 A close watch should be kept on rumour mongering
- 5 The State Government if satisfied that action is necessary in the interest of maintenance of communal harmony, may by order prohibit the printing or Publication of any matter for a specified period not exceeding two months
- 6 The District Magistrate and Superintendent of Police should be made personally responsible for prompt action to prevent or stop communal disturbances.
- 7 Special teams of investigators should be detailed for investigation of offences committed during the communal disturbances
- take prompt and 8 Failure to effective action should be considered as a deriliction of duty and the officers concerned should be dealt with accordingly Service Rules should be amended, if necessary
- 9 A system of suitable recognition of service rendered in presenting or dealing with communat disturbances should be introduced,
- 10 Offences should be investigated and the offenders prosecuted promptly
- 11 Prosecution once launched should not be withdrawn
- 12. A special inquiry should be made immediately after every communal disturbance
- 13 Effective measures should be taken to ensure that no discrimination is made in the recruitment to services at all levels
- 14 Citizens Committees should hold advance consultation with leaders of religious groups to ensure peaceful celebration of festivals They should endeavour to promote point participation by all communities in the festivals.

- 15. The members of the teaching profession should refrain from any activities which is anti-secular or which tends to create communal disharmony.
- H. Recommendations in regard to Legislative action;
  - Places of worship should not be used to hold meetings which tend to create communal disharmony or illwill. Special measures to prevent and deal with such meetings should be taken.
  - Government should have power to prevent the publication of slarming, incorrect of provocative news or of views likely to promote communal likeli or hatered or to disturb communal harmony.
  - Special Courts with summary powers to deal with offences connected with communal incidents should be constituted.
  - Section 153A of the Indian Penal Code should be amended to provide for punishment.
  - The offences should be cognizable and conviction for this offence should constitute disqualification under the Representation of People's Act.
  - Rumour mongering and publication of alarming news and views should be made an offence under Section 153A.
  - III. Recommendation in regard to Administration action:
    - Special intelligence unit should be constituted at the State and Central level.
    - On conviction of an offence under Section 153A of the Indian Penal Code, issue of Government advertisement to the newspaper concerned should be suspended.
    - Citizens Committee may be constituted as consultative bodies at the State. District and Thana levels

- to promote and maintain communal harmony.
- 4. The need to modify service regulations prescribed for teachers in Government aided schools and colleges as well as University and College seachers to facilitate the removal from service of teachers who may be guilty of any activity which is alli-secular or which tends to create communal disharmony should be examined.
- A sub-committee of the National Integration Council be constituted at the national level to review from time to time the communal situation, etc.

# श्रपोली स्कूटर के निर्माण के लिए लाइसेंस

- 6531. श्री एस० के० शारका :क्या उद्योग मंत्री यह कताते की हुपा करेंगे कि :
- (क) क्या प्रजा सहकारी उद्योग भरत-पुर विमिटेड भरतपुर की अपोलो स्कूटर के निर्माण के लिए कोई लाइसेंस दिया गया था:
- (व) क्या उक्त उद्योग मं 1972 में भेयर पूंजी के रूप में एक करोड़ रूपए और नाम दर्ज करने के शुरूक के रूप में दो लाख रूपए एक व किए —;
- (य) चया सरकार ने सरकारी क्षेत्र के अंग्र के रूप में फर्म के पात्र एक करोड़ रूपए की राजि जमा की थी:
  - (घ) च्या इस उद्योग ने कोई प्रगति की है ;
- (ङ) क्या सरकार इस फर्म के वैयरमैन स्रोत्त डायरेक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही करके सरकारी धन की रक्षा करेगी और उनके विरुद्ध धोखा झड़ी का मामला बनाएगी; और
- (च) यदि यह फर्म इस वीच बन्द हो गई है तो क्या सरकार शेयरधारियों और

जनता के धन को वापन करने के लिए कोई बदम उठायेगी ?

उद्योगमत्रालयमे राज्यमत्री (श्रीमती स्रामामपती) (क) जी नही।

- (ख) सही प्रावडे उपलब्ध नहीं हैं। किन्तु उपर्युक्त पार्टी ने 10,54 211 रुपए प्रोर 1,08 155 रुपए कार पजाब नेशनल बैक प्रीर सेट्रेल को प्रापरिटिव वैक मे जया किए ये। इतकी कृतीं कर दी गई है।
  - (ग) तया (घ) जी, नहीं।
- (ह) जी हा। जैमन जज जयपुर सिटी की प्रदालन म दा दीवानी मुहदमें पहले ही दायर है। सन्त्री जान परताल क बाद सर्वं थी एक सी० जुमार, एन०एन० नभूर श्रीर धार० एन० जैन के जिसक धारतीय दण्ड महिता की धारा 420, 468, 471 भीर 120 (बी) क स्त्रांत मुद्य ग्राधिक मजिन्द्रेट, भरताहर की स्रालन में मामने का सालान मी किया गया। पा।
- (च) च्वि मामना त्यायालय व स्रवीन है, अन शेररा की राजि स्नादि नीटाने व लिए कार्रवाई त्यायालय द्वारा मामले पर निर्णय लेने के बाद की जाएगी।

Cargo Facilities at Bombay, Calcutta and Madras

6332 SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA Will the Minuster of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 1219 on 1st March, 1973 regarding cargo facilities at Bombay, Calcutta and Madras and state the reasons for the decrease in number of berths and petities at Calcutta since end of Third plan and the decrease of number of cranes at Bombay, Calcutta, Madras since end of Third plan?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF

SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) Number of General Cargo Berths/Jetties reduced from 37 at the end of Third Plan to 31 on 1st January, 1978 due to decommission-ing of four Calcutta Jetty Berths and two Garden Reach Jetty Berths The commissioning of new berths for handling bulk commodities like iron ore, coal ele at Haldia Docks, has more than compensated for the decommissioning of berths at Calcutta

The number of cranes at Calcutta port reduced from 301 to 221 and at Madras from 88 to 76 as a large number of old cranes which had outlived their life were decommissioned/condamned At Bombay there is only a marginal change from 249 cranes to 247

Since a large proportion of ships have on board their own cargo handling gear, a judicious reduction in shore cranes does not automatically decrease the cargo handling capacity of the port

Misuse of Motor Vehicles of Khadi Gramodyog Bhawan, New Delhl

6533 SHRI RAM NARESH KUSH-WAHA Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state

(a) whether it is a fact that motor vehicles of Khadi Gramodyog Bh2yan, New Delhi ply to Jaipur and other places, and

(b) the expenditure incurred on the distant journeys of these motor vehicle, during the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) Yes, Sir

(b) The expenditure incurred on distant journeys by these motor vehicles during the last three years is Rs 3.098/.

### Setting up of Coal Dumps for Transportation of Coal

- 6534. SHRI C. K. JAFFER SHA-RIEF: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:
- (a) whether there is a proposal to set up coal dumps at selected locations for enabling the speedy transportation of coal to different regions; and
- (b) if so, the main features thereof? THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) No, Sir.
  - (b) Does not orise.

#### Distribution of Controlled Gloth in Rural Areas

6535, SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) the policy of Government regarding distribution of controlled cloth in rural areas;
- (b) the number of meter of such cloth distributed in each State during the last three years, year-wise;
- (c) whether Government propose to include woollen cloth under the category of controlled cloth for hilly areas:
- (d) if so, what are the details thereof: and
- (e) what is the meter of woolen controlled cloth proposed to be distirbuted to Himachal Pradesh during 1978-79?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF INDIETY (SIRH-MATI ABHA MAITI): (a) Allocations of controleid cloth produced by mills are made monthly to the various States pro-rota on basis of population; distribution to different regions within the States through 55947 retail outlets (44,790 in rural areas and 11,157 in urbun areas) is the responsibility of the State Governments.
- (b) The following allocations were made to the States:
  - 1975 .. 4,90,272,25 bales 1976 .. 3,28,423.50 bales
  - 1976 .. 3,28,423.50 bales 1977 .. 2,45,358.75 bales

- (Standard bale consists of 1500 sq. metres)
  - (c) No. Sir.(d) and (e). Do not arise.

# wy was (e), No not alise.

National Highway in Mizoram 6536, DR. R. ROTHUAMA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANS-

- PORT he pleased to state:

  (a) whether it is a fact that Mizorem is the only State in the main
  land of the country without a single
- rem is the only State in the main land of the country without a single National Bighway till now in spite of 30 years of Independence; (b) whether Government propose
- to consider taking over of the main road from Silchar to Aizalol, the only link road of Mizoram with the rest of the country now being taken up by BRTF, and declare it as a National Highway and initiate widening to National Highway specifications; and

(c) whether in view of the poor performance in the past of the State regarding construction of metal road, Government would consider handing over to BRTF or at least 50 per cent work to BRTF for the proposed road construction from Aizafol to Lungbi via Thanzool road?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTEY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) No. Sir. Apart from Mizoran, Arunechal pradesh, Pondicherry and Dadra Nagar Haveli are other Union Terriforise on the main land where there is no National Highway at present. They are, however, served by roads other then National Highways.

- (b) Due to financial constraints and other priorities, Government are unable to take over any road as a National Highway at present.
- (c) No such request has been received by the Border Roads Development Board from the Local Administration. Since this is a local road, they will doubtless approach the Border Roads Development Board in the matter, if necessary.

Ban on Nuclear Explosion
6537 SHRI CHITTA BASU Will the
Minister of ATOMIC ENERGY to

63

pleased to state

(a) whether it is the policy of Government to altogether han the Nuclear

ernment to altogether ban the Nuclear explosion even including those for peaceful purposes, and

(b) if so the reasons for such a decision?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) and (b) Government have no plans for any such explosion

Export of HMT Watches

6538 SHRI P RAJAGOPAL NAIDU Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether HMT watches are
- (b) if so the number of watches exported during 1977-78, and
- (c) whethed the ospacity of HMT has been increased during this year to manufacture more watches?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (a) Yes, Sir However as the main observing of HMTs watch produced in the main observed the internal demand of watches, the export of HMT WATCHES has been at a minimal level.

- (b) 18656 watches were exported during 1977 78
  - (c) Yes Sir

Transfer of Reservist to Pension Establishment

6539 SHRI K. MALLANNA Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) whether it is a fact that uide UO No 4375/Pen of 1977 dated 19-11-77 an OR reservist who is transferred to pension establishment on or after 1st January 1973 will be granted pension at the rate of Rs 50/- per month,

- (b) whether It is also a fact that those who were transferred to the pension establishment prior to that date continue to draw pension at the rate of Rs 10/- per month.
  - (c) if so, the reasons thereof, and
- (d) whether Government propose to revue the pension rates for resertist pensioners transferred to the pension establishment before 1st January, 1973?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH) (a) Yes Sir Consequent on the improvements made in the pensionary rates of service personnel we I sit January 1973 on the bas of the recommendations of the Third Pay Commission the rate of pension of OR reservists, who have been transferred to pension establishment on or after its January, 1973, has also been raised to Rs 50 per month in addition to pension a periodic relief of Rs 35 per month is also admissible to them, at present thus making the itsial to Rs 35 per month

total to Rs 85 per month

(b) and (c) Reservists transferred to pension establishment prior to 1st January 1973 but on or after 1st April. 1968 receive a hasie pension () Rs 15 per month, while those transferred to pension establishment prior to 1st April. 1968 receive a pension ranging from Rs 10 to Rs 12 per month. In addition to pension the above two categories of reservist, are also entitled to receive an adnoe increase of Rs 15 ad hoc relied of Rs 15 and per-lodic relefe of Rs 35 per month Thus their total pensionary emoluments range from Rs 75 to Rs 80 per month with the pension of the pensionary emoluments range from Rs 75 to Rs 80 per month

The actual difference between the pens onary emoluments of the reservists who were transferred to pension establishment prior to 1st January 1973 and of those who were sent on pension on or after that date ranges from Rs 5 to Rs. 10 per month

(d) No, Sir. As in the case of other categories of pensioners, there is no proposal at present to revise the rate of reservists pension of OR reservists who were transferred to pension establishment prior to 1st January, 1973.

#### Selection Grade for S.C. & S.T. Stenographers

6540, SHRI MAHI LAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether selection grade has been provided for Stenographers, of CSSS and normal reservation provided for Scheduled Castes/Tribe alongwith relaxation in length of service;
- (b) if not, the reasons for not extending relaxation of length of service to Scheduled Castes/Tribe for the grant of selection grade and by what time Government propose to redoce the period of service of 15 years in the CSSS in respect of Scheduled Caste/Tribe employees;
- (c) whether the reserved posts in grade 'B' Stenographers have been given to Scheduled Caste/Tribe Stenographers who have put in more than 8 years of service in CSSS grade 'C'; and

(d) whether the normal rules of reservation for Scheduled Castes/Tribe are followed in the matter of promotion to Stenographers grade 'D'?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) and (b). Selection Grade in the scale of pay of Rs. 650-960 has been introduced for Grade 'C' Stenographers of the CSSS. A minimum of 15 years' service in Grade C of Central Secretariat Stenographers' Service has been prescribed for appointment to Selection Grade with reservations @ 15 per cent and 72 per cent for Scheduled Castes and Scheduled Tribes communities respectively. The normal eligibility conditions in regard of the minimum "length of service" apply to SCs & STs candi-383 L.S .-- 3.

dates also for appointment against reserved vacancies in Selection Grade. Under the existing orders, no relaxation in the matter of the 'minimum length of service' prescribed, is permissible.

- (c) No. Sir. The requirement, in addition to 8 years' minimum service in Grade 'C' CSSS for promotion to Grade 'B' of the Service, is that the individual should fall within the zone for promotion prescribed by the Department of Personnel and Administrative Reforms from time to time.
- (4) Grade D' of the Central Secretariat Stenographers' Service is the lowest grade in the Service Recruitment to this Grade is boing made through competitive examination conducted by the Staff Selection Commission and usual reservation for SCs/STs communities is provided both for recruitment to this Grade and in further promotion.

## छोटे सीमेंट कारखाने स्थापित करना

6541. श्री धर्म तिह भाई पटेल : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की हुपा करेंगे कि :

- (क) देश में फिलने गये छोटे मीमेंट कारखाने स्थापित करते का विचार है और 31 मार्चे, 1978 तक नंजूर किये नमें ऐसे कारखानों की राज्यबार संस्था क्या है और इसमें से कितने कारखानों का निर्माण कार्य पूरा हो पया है और कितनों का कार्य चल खा है तथा कितने कारखानों का निर्माण-कार्य अभी आरम्भ नहीं हुखा है;
- (ख) वर्षे 1978-79 में राज्यवार कितने छोटे चये सीमेंट कारखाने मंजूर किये वर्षे हैं; और
- (य) छोटे कारखाने की दैनिक उत्पादन क्षमता क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती झामा मंथती): (क) 31 मार्च, 1978 एक 67 Written Answers

सरनार के पान तीन प्रस्ताव पजीइत किये पथे हैं, इनमें से 2 योजनायें गुजरात में तवा एक महाराष्ट्र में हैं। उपर्शंका योजनायों में किसी ने भी अपनी परियोजनायें पूरी नहीं की हैं।

(ख) ग्रप्नैल, 1978 के महीने में राजस्थान राज्य में एवं ग्रीर योजना भी तक-नीती विकास महानिदेशालय में पर्जाइत की गई है।

(ग) मधिकतम ६० मी० टन ।

Naval Armament Depot at Sunabeda Orissa

6542 SHRI BAIRAGI JENA Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) what are the developments of Naval Armament Depot at Sunabeda (Orussa),

(b) when the Naval Training Centre

at Chika is commencing its training, and

(c) whether the Air Defence Training Establishment at Gordalour

(Orissa) has not yet been started?

THE MINISTER OF DEFENCE
(SHRI JAGIUVAN RAM)
(a) Acquisition of land to meet part of the requirements of the project is in progress Go ahead' sanction for preliminary works such as approach
road and quarters for construction
staff has been issued and work on
these items has been started

- (b) The Boy's Training Establish ment at Chilka is expected to be made functional by early 1979
- (c) Lands required for the project have been acquired Water supply is being arranged by participating in a joint scheme which is being implemented by the State Government. Planning and sanctioning of the project which is to be under taken in three phases to be completed by 1991 bas been initiated

Objectives of C.I.S.F.

6543 SHRI G NARASIMHA RED

68

DY Will the Minister of HOME AF-FAIRS be pleased to state

(a) the objectives for which the

- (a) the objectives for which the Central Industrial Security Force has been created,
  - (h) how far they have been fulfilled,
- (c) the number of additional units, if any raised during 1977-78, and
- (d) whether there is any proposal to review the working of C.1SF and its utility?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) to (c) The Central Industrial Security of Industrial undertakings are protection and security of Industrial undertakings in the force has fulfilled these objectives in the industrial undertakings in which it was to ducted. During 1977 78 the Force was inducted in fix undertakings

(d) It has been decided that a review would be
Bureau of Pubble Enterprises regarding the necessity of con'ming the
deployment of CISF in the undertakings where they are already
denloved.

Officers leaving Indian Merchant Fleet

6544 SHRI S. S. SOMANI Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT he pleased to state

- (a) whether it is a fact that in the last few years a large number of officers have left the Indian Merchant Fleet,
- (b) whether this emigration has emppled the working of the Fleet, and
- (c) if so what steps Government propose to take to remedy the situation?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) There is some drift of Indian Merchant Navy Officers abroad for employment on foreign registered ships. Of the annual addition of the certificacy officers, if is estimated that approximately 15 to 20 per cent in the Engineering branch leave Indian ships to seek employment on foreign ships.

69

- (b) No, Sir. However, there is a shortage of officers for efficient manning of the fleet.
- (c) The man-power requirements are under constant review and to meet the shortage, the following steps have been taken by Government:—
  - (i) The pre-entry qualifications for Training Ship Rajendra' have been raised from Higher Secondary to Intermediate Science and the duration of the period of training has been reduced from two years to one year with effect from 1972 resulting in the increase of ennual intake of navigating cadels from 125 to 250 per annum.
  - (ii) A special one year Indiustry-oriented course with marine bias in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta/Bombay has been introduced from 1975 for Graduate Engineers in Mechanical/Electrical engineering in addition to the regular four years course in Marine Engineering in the institution, resulting in the increase in the annual out-put of trained engineer officers from 100 to 200 per annum.
  - (iii) To the extent the annual out-put of trained navigating and engineering cadets falls short of the industry's requirements, the Shipping Companies are permitted to recruit direct dock apprentices and junior engineers.

Government are also considering the question of taking powers to suitably restrict the holders of Certificates of Competency issued under the Merchant Shipping Act, 1958 irom seeking employment on foreign ships or under foreign employers, so as to increase their availability for employment on Indian ships etc.

## Complaint against Police Officers of Dadra and Nagar Haveli

6545. SHRI R. P. PATEL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether any complaint has been received from the people of Dadra and Nagar Haveli during the year 1977 against the Dadra and Nagar Haveli Administration officer and certain Police Officers;
- (b) if so, the details of the complaints made;
- (c) whether any enquiry has been conducted on these complaints;
  - (d) if so, the result thereof; and
- (e) the action taken against the offenders?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANK LALL MANDAL):

(a) to (e). Some complaints were received against the officers of Dadra and Nagar Haveli Administration during the year 1977. Necessary enquiries were made in those cases and appropriate action taken. It is, however, difficult to give details of all the complaints and action taken in each case.

विदेशी तथा देशी कप्यनियों द्वारा बनाये गये सिगरेटें

6546. श्री श्रोक प्रकाश त्यागी: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की छ्पा करेंगे कि:

- (क) भारत में विदेशी तथा देशी कम्मनियां कमतः कुल कितने प्रतिशत मिगरेटों का उत्पादम कर रही हैं;
- (ख) बचा नरकार ऐसी कम्पनियों को बहाबा देने और तिगरेट उत्पादन के मामले में देश की आत्मनिर्मेश बनाने के लिए बिदेशी

नम्दनियो की उत्पादन क्षमता एक करेगी मीर घीर-घीरे उनका भारतीयकरण करेवी: धीर

71

(ग) यदि नहीं, तो इसके नया नारण

उद्योग मत्रालय में शज्य मत्री (श्रीमती ग्रामामयती) (क) से (य) मो द मे मिगरट बनाने बानी विदेशी पूजी बहुत बम्प-निया की इक्विटी का विनियमित करन के लिए विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रविनियम, 1973 की घारा 29 का लागू करते हेन मार्गदर्शी निद्धाला के अनुमार पहने ही कार्यवाई की जा चुकी है। इस समय केवल एक ही ऐसी कम्पनी है जिसे अपनी विदशी इतिवटी को क्षम करने 40 प्रविजन तक लाना है तथा इस नम्पनी द्वारा वय 1977 म दण म बनाई गई सिगरेटा व बु न उत्पादन का केवल 5 प्रतियत उत्पादन किया गया था। उनकी विद्यमान क्षमता को कमकान का काई प्रस्ताव सरकार वे विचागधीन नहीं है।

Repairs of the National Highways of Bombay Hyderabad and Bombay-Bangalore

6547 SHRIRK MHALGI Well the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

(a) whether it is a fact that on the National Highways of Bombay-Hyderabad and Bombay-Bangalore there are numerous works under repair between Bombay Pune and between Pune and Kolhapur respectively

since long. (h) how many are they in number and when they are expected to be

(c) what are the reasons for their incompletion?

completed, and

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) to (c) Bombay-Pune-Kolhapur Road

Maharashtra which is a part of tie Bombay Bangalore-Madras Road, N tional Highway No 4, is being improved, from 1972, to full 2-lane national highway standards at an estimated cost of Rs 1970 erores as per year to year availability of funds The improvements include new bridges across the Kalwa Creek and across the rivers Ghadi, Patalgana, Venna, Koyna and Panchgana and byepasses at Thana, Chowk, Kamshet, Vadgaon Satara, Karad and Kolhapur Excepting for the bridge across Kalwa Creek and the byepasses at Thana Kamshet Satara and Kolhapur, the rest of the works are nearly complete The upto-date expendature on all the improvement works is Rs 1671 acroes. The balance works including the Kalwa bridge and Thana byepass are likely to be completed, funds permitting by December, 1980

#### Ships of Mogul Lines

6548 SHRI BAPUSAHEB PARU-LEKAR Will the MINISTER SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

(a) whether it is a fact that ships of Mogul Lines used to call 11 ports regularly and 3 ports once a week on West Coast of Konbare upto May 1977 and since October 1977 ships call only 4 ports on the said line,

(h) whether Government propose to direct Mogul Lines to maintain the schedule of operative of ships prior to May 1977, and

(c) whether a letter dated 23rd November 1977 has been received from a Member of Parliament in this connection and what action has been taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) The Mogul Lane Versels were not colling at all the 11 ports but only 4 ports every day between Bombay and Panaji from November 1973 Prior to October 1976, the calls were staggered so that the vessels called at different ports every day, according to the sailings programme drawn up by the Maharashtra Government.

- (b) No, Sir.
- (c) Yes, Sir. The suggestions of the Member have been noted.

#### Subsidy for Industrial Development Madhya Pradesh

## 6549. SHRI MADHAVRAO SCINDIA:

SHRI CHHABIRAM ARGAL:

- Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that out of 36 districts of Madhya Pradesh, the scheme of capital subsidy for Industrial Development, is extended only in 22 districts and that too on selected blocks;
  - (b) if so, the details thereof;
- (c) whether Government propose
- this facility in all the districts; and (d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MARTI): (a) The Scheme of Capital Subsidy is applicable to 6 areas of Madnya Pradesh comprising of 65 blocks of 22 districts out of 36 districts declared as backward.

(b) The list of these areas is given below:—

Area I:—(from Eastern Region) comprising 12 blocks viz. Korba, Baloda, Champa, Kota, Masturi and Bilha (Edlaspur) Blocks (from Bilaspur district), Bhatapara, Simga, Tilda. Dhatsiwa (Raipur) Abhanpur and Rajim Blocks (from Raipur districts).

Area II:—(from Western Region) comprising 10 blocks viz. Dewas and Tonk Khurad block (from Dewas district), Gulana, Shujalpur and Shajapur blocks (from Shajapur district), Pancher (Sarangpur) and Biaora blocks (from Rajgarh district) and Chachaura, Raghogarh and Guna blocks (from Guna district).

Area III:—(from Northern Region) comprising 9 blocks viz. Shivpuri and Karera (from Shivpuri district), Datia and Scondha (from Datia District), Bhind, Mehgaon and Gohad (from Bhind dust) and Mocena and Jaura (from Morena distl.).

Area IV:—(from Central Region) comprising if blocks viz Brna-Itawa, Khuri-Banda (Binaka), Ralastgarh, Sagar, Shahgarh (Amermau) (from Sagar district). Theamgarh district), Vidisha and Gyaruspur (from Vidisha distt) and Chhatarpur (from Chhatarpur distt).

Area V:—(from Wester, Region-II) comprising 12 blocks, v2. Petlawed and Meghnagar (from Jhabua diett.) Badnawar, Dhar and Naloha (from Dhar district), Meheshwar and Barwaha (from Khargone district), Ratlam and Jaura (from Ratlam district, Mandsaur, Malhargarh and Neemuch (from Mandsaur district).

Area VI:—(from North Eastern Region) comprising 11 Blocks viz. Rewo and Raipur (Garh) (from Rewa district), Majhauli), Sidhi, Doosar and Waldhan (from Sidhi District), Sonhat, Balkuuthpur Manendargarh, Surajpur and Anihkanur (from Sarguia district).

(c) No, Sir.

(d) Out of the districts selected as industrially backword in a State, 6 district/areas\* from each of the States identified as industrially backward and 3 districts/areas\* from each of the other States have been selected on the basis of the proposals of the respective State Governments to qualify for the Capital Subsidy Scheme. As 6 'Arcas' of Machya Pradeth State, out of the districts. 75 declared as industrially backward, have already been selected to qualify for Capital Subsidy Scheme it is not possible to extend the scheme in all the districts of the State

## Loss of Fertility due to Radio Activity in X Ray Plant in RFF Unit of Space

- 5550 SHRI VAYALAR RAVI Will the Minister of SPACE be pleased to state
- (a) whether it is a fact the employees working in X-Ray Plant in RFF unit in Vikram Sarabhai Space Centre complained of loss of fertility due to radio activity,
- (b) whether these employees are affected with many other diseases, and
- (c) if so, what are the eteps taken to protect the employees?
- THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) The X ray plant has been subjected to close scientific investigation and heen found that no radiation Honever only risk is involved recently for the first time a report was received from the Ch ef Medical Officer of the Centre that since February 1978 some personnel working in the X-ray plant (RFF Unit) and the neighbouring Workshop of the Centre were complaining of loss of libido and one person complained of loss of fertility Medical examination of the above personnel failed to reveal any effects of radia tion Since one of the above mentioned personnel examined complained of loss of fertility after his first child he was asked to undergo further investigations at the Public Health Laboratory, Trivandrum on February 10 1978 But he did not report back after the investigation,
  - (b) There has also been no other complaint of any other diseases due to radio activity from the employees.
  - (c) It is confirmed that the location and operation of the X-ray Unit in the Central Workshop area of the Rocket Fabrication Facility of the

Vikram Sarabhai Space Centre, has been done after ensuring all safety precautions and satisfying all the requirements as stipulated in the rules and regulations for radiation safety which after scientific investigation has been found to provide for prescribed standard radiation safety

Written Answers

## Demands by the Defence Establishments

- 6551 SHRI AHMED M. PATEL Will the Minister of DEFENCE be pleased to state
- (a) whether it is a fact that Defence establishments all over the country have submitted their demands to Government during the month of January this year:
- (b) if so, what are their demands, and
- (c) action taken by Government thereon?
- THE MINISTER OF DEFENCE (a) No. (SHRI JAGJIVAN RAM) Sir Some members of affiliated unions of the All India Defence Employees Federation however, observed a 'Demands Week' from the 16th January, 1978 to the 21st January, 1978 to project certain demands of employees
- (b) The Demands of the Federation were as follows -
  - 1 Removal of anomalies in the pay-scales of defence and other Central Government employees
  - 2 Reinstatement of all victimised employees.
  - 3 Revival of Permanent Negotiating Machinery which was arbitrarily withdrawn in 1960
  - 4 Removal of discrimination between industrial and Non-industrial employees in all respects
  - 5 Payments of CDS amount, merger of DA with pay

- (c) The position in respect of the demands is as follows:—
  - Removal of anomalies in the pay scales of defence and other Central Government employees:

The pay scales of all the civilian pode in the lower formations of this Ministry have been revised w.e.f. Ist January, 1973 as a result of the recommendations of the 3rd Pay Commission. However, anomalies in pay scales in respect of uncommon extensive so the pay of the Anomalies of Defence civilians are examined by the Anomalies Committee set up in the Ministry of Defence.

 Reinstatement of all victimised employees:

Disciplinary cases of Defence civilian employes which resulted in dismissal, acmoval or compulsory retirement or reduction in rank, during the last internal emergency, are being reviewed suc-moto in accordance with the relevant provisions of CCS(CC&A). Rules, 1865. In some of the cases the review has been completed and necessary action has been taken to refinstate the concerned employees, wherever it was considered justified as a result of the review proceedings.

 Revival of Permanent Negotiating Machinery which was withdrawn in 1960:

The matter has been considered by the Government, who are of the view that the Negotiating Machinery in its previous form does not fit into the Joint Consultative Machinery Scheme and it is, therefore, not considered necessary to rerive it.

 Removal of discrimination between industrial and Non-industrial employees in all respects:

The conditions of service of Industrial and non-industrial ... employees are different and, therefore, there is bound to be some difference in cuttain respects in the rules governing them. One of the matters viz. removal of disparity in leave entitiement between industrial and noninclustrial employees was discussed in one of the meetings of the National Council (JCM). It was, however, not possible for the Government to agree to the demand of the Staff Side to have the same rules in regard to leave for the two categories of employees in view of the recommendations of the 3rd. Pay Commission in this resunt.

> Payments of CDS amount, merger of DA with pay:

Repayments of compulsory deposit amounts are to be made in accordance with the provisions of the Additional Emoiuments (Compulsory Deposit) Act, 1974. Government have no proposal under consideration for refunding the entire amount of compulsory deposits (together with accrudinterate) to the employers, as such a step will result in injection of a large amount of money into the economy and lead to accentuation of indistinuary pressures. Premature repayment is, however, allowed under certain circumstances.

The question of the merger of the decentral Government employees to cover the index average of 272 points, was raised by the Staff Side of the Mational Council (JCM) in its lest ordinary meeting held on the 26th/27th August, 1977. As decided in that meeting the item has been remitted to a Committee of the Council for consideration. The report of the Committee is available in the committee of the Council for consideration.

Inclusion of Nonin Community in Scheduled Castes in Bibar

6552 SHRI A. K. ROY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Nonia Community of Bihar has been agitaling for their inclusion in the list of Scheduled Caste since long; (b) whether a memorandum to this effect has been forwarded to the Ministry, if so, the details thereof,

79

(c) whether it is a fact that the Nonias by their origin, custom, profession and social position rank in the strata of Scheduled Castes, and

(d) if so, the action Government propose to take to include them in the rank of the Scheduled Castes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) The 'Nonia' Community of Bihar hat been demanding for its Inclusion in the list of Scheduled Tribes

- (b) Representations have been received stating that the Nonia's by traditional profession a community of sail petre makers and it has also been claimed that this community possessed characteristics of aboriginals and nomads.
- (c) and (d) The Nonia' community of Bihar does not satisfy the criteria laid down for inclusion in the list of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

Reformation of Administrative Machinery for Implementation of Sub Plan

- 6553 SHRI GIRDHAR GOMANGO Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state
- (a) whether his Ministry advised the States to reform the administrative machinery for the implementation of sub-plan programmes on the line of single-line administration,
- (b) if so, the States which have adopted the proposal so far and introduced the same at the project level, and
- (c) the measures taken so far, State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAI, MANDAL):

(a) The States have been requested to

ndopt a simple form of administration for the tribal areas with adequate delegation of powers, and to rationalise the administrative avoid multiplicity of agencies, and establish a single line authority for the total development effort in the tribal sub-plan areas

(b) and (c) All States have appointed senior officers to be incharge of the tobal sub plan programmes and have taken up various other measures for the implementation of the iribal sub-plan, like the appointment of project officers the delegation of financial and admunistrative powers to the project functionaries and the setting up of project level committees.

सघ लोक सेवा भाषीय के माध्यम से भस्तिस्टेंट स्टेशन डायरेक्टर के यद के लिए भयन

6554. थी नवाब सिंह चौहात : बचा सुबना झीर प्रसारण मही 13 जुलाई, 1977 चे प्रतारानित प्रयन सच्या 3324 चे उत्तर वे सम्बन्ध में यह बताने बी जपा करेंगे वि

- (म) जिन 226 प्रोबाम एननीनपू-दिवो मो सप सोन सेवा प्रायोग द्वारा प्रसिस्टेट डायरेक्टर वे पद पर नियुक्ति में तिए प्रस्तीभार मर दिया गया था, उनमें से नियने को प्रस्तिस्टेट स्टेबन डायरेक्टर में पद पर पदोग्रत कर दिया ग्या है,
- (य) क्या यदि कोई प्रोड्युसर तथ सोब सेवा भागोग द्वारा प्रसिन्टेट स्टेजन टायरेस्टर वे पद पर निवृत्तित वे लिए प्रस्वीकार कर दिया जाता है तो उसे न तो प्रसिस्टेट टायरेस्टर वे पद पर धौर न ही डिटी बीफ प्रोड्युसर के पद पर पदोत्रत विमा जाता है, धौर

(ग) यदि हा, तो इसने क्या नारण हैं और क्या सरकार ना प्रोड्यूसरो नो इस सामले में मोई राहत देने ना विचार है ?

सबना ग्रीर प्रसारण मंत्री (श्री लालकृष्ण ब्रह्मवाणी) : (क) सहायक केन्द्र निदेशक के पद के वर्तामान भर्ती नियमों के अन्तर्गत. 75 प्रतिशत पद प्रोग्राम एकजुक्यटिव के संबर्ग से पदोन्नति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के एक सदस्य की बध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भरे जाते हैं और बाकी के 25 प्रतिशत पद खुले बाजार से सीधी भरती द्वारा भरे जाते हैं । 25 प्रतिगत के सीधी भरती के कोटे के लिए ग्राकाशवाणी/दूरदर्शन में कार्यरत 350 प्रोग्राम एनजीक्युटियों ने भी आवेदन किया था। संघ लोक सेवा ग्रायोग ने श्रप्रैल, 1977 में 36 स्वक्तियों के पैनल की सिफारिश की जिनमें से 24 प्रीप्राम एक्जीक्युटिव थे। मई, 1977 में, विभागीय पदोव्रति समिति में सहायक केन्द्र निदेशक के संवर्ग में पदोन्नति के लिए 28 व्यक्तियों के पैनल की सिफारिंग की। इसमें 13 व्यक्ति ६२ 226 श्रोत्राम एकजीवयुटियों में से ये जिनके बारे में संघ लोक सेवा यायोग द्वारा सीधी भर्ती के कोटे के लिए पहले विचार किया गया वा और जिनको सीसे

(छ) और (ग). वर्तमान भर्ती जियमों के अस्तर्यत, प्रोब्यूसर, विमागीत पदोस्ति कोटे में सहायक केन्द्र निदेशक के एद पर पदोस्ति के लिए विचार किए जांचे के पात नहीं हैं, नयों कि प्रोव्यूकरों के पद पर स्टाफ प्रांटित के लिए में हैं। यह वात कि

भर्ती पैनल में स्थान नहीं मिला था।

किसी प्रोब्स्मुसर को सीधी भरती के कांटे में सहस्वक केन्द्र निरंजक के सप में गित्तुक्त कर तिष्यु संघ मोक सेवा प्रायोग हारा प्रस्तेकृत कर दिना गया है, उप मुख्य प्रोड्युक्तर के रूप में परीक्षति के लिए विचार किसे जाने के लिए उपको सेवा गुर्ती करती, कमते कि तह इस पर के भरती नियमों में निर्धारित क्रहतार्थें और अन्य अस्तार्थे प्रोत्त करता हो।

#### Allocation for Tribal Development in Tripura

6555. SHRI KIRIT BIKRAM DEV BURMAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

 (a) the total tribal population in Tripura and what percentage it bears to the total tribal population of the country; and

(b) the amount sanctioned by Central Government for Tribal Development in Tripura and in other States during 1975, 1976, 1977 and this year land what percentage the allocation for Tripura bore to the All India allocation for these schemes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFAIRS (SHRI DHANKI LAL MANDALD: (a) and (b). A statement showing the comparative position of Scheduled Trile population in Tripura according to the 1971 census and also the amounts of Special Central Assistance released to Tripura during the years 1874-75 to 1977-78 is annexed.

Statement

Comparative Statement showing population of Tribes in Tribura and the amounts released for Tribal

Wilfare of Tribura

|  | Welfare of T                                | прина                            |                                 |  |
|--|---|----------------------------------|---------------------------------|--|
|  | All States/UTs hav-<br>ing Tribal Sub-Plans | Tripura                          | Percentage of Col.<br>to Col. 1 |  |
| I. Population of Scheduled<br>Tribes 1971 Census   | 357: 03* Lakhs                              | 4. 21 lakks                      | 1-26                            |  |
| II. Amount released as Special Central Assistance in (Rupees in lakis) 1974-75 1975-76 1976-77 1977-78 | 450° 50<br>2000° 00<br>4000° 00<br>5500° 00 | 11-00<br>36-00<br>68-00<br>96-40 | 2-56<br>1-80<br>1-70<br>1-75    |  |

<sup>\*</sup>This does not include the tribal population for the predominantly tribal States and UTs of Nagaland, Maghalaya, Arunachal Pradeh, Minoram, Lakshadweep and Dadra and Nagar Havell. If the tribal population of the eatire country is then into account, it is too tribal population is 300 · 15 fakin and the percentage of tribal population in Tripura will be r · 16.

ग्नायुध-उपकरण कारखाना कानपुर के निकट प्राइन्डिंग मिल

6556 श्री हरगोविन्द वर्मा : न्या रक्षा मन्नी यह बतात की हपा करेगे कि

(क) क्या श्रायुध उपनरण नारखाना, कानपुर के निकट काई ग्राडडिय मिल लगाई गई है,

- (ख) यदि हा, तो क्या उम मिल के ग्रत्यर पिनी मामग्री गाखाने के श्रन्दर, पाइप से लाने की कोई मोजना थी,
  - (ग) एदि हा, तो क्या यह योजना ग्रमफल हो गई है ,
  - (प) यदि हा, तो क्या सरकार को इस वात की काई पूर्व जानरारी थी, और
  - (ङ) यदि हा, तो ऐसा करने के क्या कारण हैं?

एका मत्रालय मे राज्य मत्री (प्रोक शेरसित्रे (क्)जीहा।

(ध) डी० थी० टी० परियोजना

(घ) जी हा।

(य) जी नहीं।

(ख) और (ड) प्रश्न नहीं उठने ।

महाराष्ट्र मे उद्योगो की स्थापना के लिए केन्द्रीय सहायता

65.57. भी केशव राव घोडगे नगा उद्योग मती यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1977~78 के दौरान महाराष्ट्र मे केन्द्र सरकार द्वारा कितने ज्योग स्वापित किये गये प्रथवा किसने उद्योगी के लिए वेन्द्रीय सहायता दी गई, और

(ख) उन उद्योगो ने नाम क्या है तथा वे वहा वहा स्थित है और उन पर वितनी राशि खर्व की गई?

उद्योग मंत्रातय मे राज्य मधी (श्रीमती धामा भवतो) (४) भीर (ख) मरवारी क्षेत्र के उपन्मां द्वारा दियान्वित की जा रही यह बपूर्ण केन्द्रीय घीछोगिक परियोजनामा की मुकी तया वर्ष 1977-78 की शायिक योजना में उनने निए किया गया परिवयस भावधान निम्त प्रवार है --

रसायनी

1 60

1 00

/em free!

|    |                                       | (44      | । कराहा स्        |  |  |
|----|---------------------------------------|----------|-------------------|--|--|
|    | परियोजना का नाम                       | स्थान    | 1977-78<br>परिस्थ |  |  |
| 1  | 2                                     | 3        | 4                 |  |  |
| 1  | भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड            |          |                   |  |  |
|    | <ul><li>(क) ट्रोम्बे~4 संबल</li></ul> | ट्टोम्बे | 18 00             |  |  |
|    | (च) ट्रोम्बे-5 सबल                    | ट्रोम्बे | 12 00             |  |  |
|    | (ग) नेष्टिव पावर समज                  | ट्रोम्बे | 1 67              |  |  |
| 2. | हिन्दुस्तान इन्सेक्टोसाइड लिफ्रिटेड   |          |                   |  |  |
|    | (इ) मेलायियन परियोजना                 | रमायती   | 1 60              |  |  |

2.64

1.95

| 1 . 2  | 3      | 4    |
|--|--------|------|
| 3. हिन्दुस्तान ग्रागेंनिक केमिकल्स<br>लिमिटेंड (विभिन्न परियोजनाएं)                              | रसायनी | 2.96 |
| <ol> <li>हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिकिः<br/>भेटेलिपिटक/टिबोटलनेर्किग/विकास पा</li> </ol> |        |      |
| स्टिल युनिट बम्बई  | •      | 0.92 |

भारत रिकाइनरी लिमिटेंड

85

(रिफाइनरी की संगोधित योजना)

6. हिन्दुस्तान एन्टीवायोचिक्स लिमिटेड

(विभिन्न परियोजनाएं)

चूंकि विसीय वर्ष 1977-78 के प्रोत्ने-शित सेवो उपसब्द नहीं हैं बत: उपर्युक्त परियोजनाओं पर किये गए व्यव के बारे में ब्योरे बेना सम्भव नहीं है। केन्द्र द्वारा इस मंसावय में राज्य-बार एवम् परियोजनाबार किये गये व्यव के ब्यारे नहीं रखे जाते हैं।

पूँतीमत राजसङ्ख्या की केट्रीय योजना के प्रवीत प्रथत पूँची निवेग के 15 प्रहित्तत के बरावर क्रियु प्रविक्तम 15 ताल करा एक कर राजस्वात्रात्र गए एक्ड़ों दवा दिल्लार करने बाले विद्याल एक्ड्रों की दी जाती है । इस योजना हुंचु महापाल उपाल को वर्ष 1977— 8 के दौरान 2,18,12,132/— क्यार की राजि दी गई थी। रिलावती वित्त प्राप्त करने की खुँडा के लिए राज्य के 13 जिलों की बांधीनिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ चुना मधा है।

जहां तक ग्रामोण ग्रीर लघु उद्योग क्षेत्र का सम्बन्ध है राज्य नरकार को वर्ष 1977-78 के दौरान निम्नलिखित योजनाओं हेतु केन्द्रीय राज सहायता प्रवान की गई यी:—

(1) सोमान्त राशि सहायता.—तपु उद्योग स्थापित करने हेतु सीमान्त राजि सहायता को एक नई केन्द्रीय योजना के अधीन राज्य सरकार की वर्ष 1977-78 के दौरान 40 साल रुपये की सहायता प्रवान की गई थी।

वम्बई

पम्पिरी

- (2) हवकरचा वडीन :—हवकरचा उद्योग के केन्द्रीय कार्यक्रम के यस्कर्तक महा-राष्ट्र को वर्ष 1976-77 में एक राहर विकास परियोक्ता (सांट्र की थे रोग) कया एक नियांत उत्पादन परियोजना (ई० पी० पी०) सार्विद्ध की गई भी गहार विकास परियोजना पर कुत 1.85 करीड़ रुपए की साध्य कार्यपी, जिक्कें से उत्यत तीन वर्षों में केन्द्र स्रोट राज्य हारा 75:25 के धनुषान में तथा अनिक्स ने वर्षों में 50:50 के अनुषात में क्या किया जाएगा। नियांत उत्पादन परियोजना पर कुत 40 लाख रुपए की तानत स्राएगी तथा यह समुखी लायत केन्द्र हारा बहुन की काएगी।
- (3) हस्तिवित्य .—गलीचा बुनाई सम्बन्धी बढ़े पैमाने पर प्रशिक्षण के केन्द्रीय कार्यक्रम के प्रमानंत महाराष्ट्र में वर्ष 1977— 78 के तिए 20 प्रतिवत्त केन्द्रों को स्वीकृति दी गई वी।
- (4) ग्रामीण उद्योग परियोजना :---केन्द्र द्वारा प्रायोजित ग्रामीण उद्योग परियोजना

87

उसमानाबाद, (ख) ब्रहमदाबाद (स) रतनागिरि, (घ) वर्वा, (इ) धलिया, (च) भीर भीर (छ) यातमल नामक मात परियोज-नायें प्रावटित की गई हैं। महाराष्ट्र राज्य को विलीय वर्ष 1977-78 में यामीण उद्योग परियोजनाम्रो के लिए 23 04 करोड रूपए स्वीकत किय गय थे।

सरकारी क्षेत्र के उपत्रमो का जारी किए गए ग्रागय-पत्र ग्रीर ग्रीद्योगिक लाइमेंन सम्बद्धी 'विवरण 'विक्लो बुलेटिन ग्राफ इन्डस्टीज एण्ड एक्सपोटं लाइमेंसिस" ग्रोर "मन्यती लिस्ट ग्राफ इन्टेंट एण्ड इच्डस्टीयल साइसें-मिज" म प्रकाशित किय जाते हैं तया जिनकी प्रतिया ससद् के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

#### Shifting of Recruiting Office Gurgaon to Bhlwanl

8558 SHRI MANOHAR LAL SAINT Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the Recruiting Office at Gurgaon which was functioning there for the last 50 years or so was got shifted to Bhiwans by the ex Defence Minister during Emergency period,
- (b) whether it is also a fact that a very large number of persons from Gurgaon District are in the Military and maximum casualties in the last two wars were from this District,
- (c) whether Government are contemplating to re-open the recruiting office at Gurgaon, and
  - (d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF DEFENCE JAGJIVAN RAM) (a) The Recruiting Office at Gurgaon which was functioning since 1963 was shifted to Hissar and not to Bhiwani in October 1976 This was done while ad justing jurisdiction of various Recruiting Offices in Haryana State

(b) Approximately 17, per cent of the Army strength are from District of Gurgaon as it was before reorgameation of Districts in Haryana Army personnel belonging to Gurgaon Dis trict reported killed during the last two Wars are as under -

> Indo-Pak Conflict 1965 14 --55

Indo-Pak Conflict 1971

(c) and (d) On representations re certed from a number of persons the Government are already seized of the matter In the mean time, this district has been placed under the jurisdiction of Delhi Recruiting Office with effect from 1st January, 1978

#### Number of Persons working in Undertakings of Atomic Energy

6559 SHRI SHIV NARAIN SARSO-NIA Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state

- (a) the class-wise (I, II, III IV) total number of persons in the following Undertakings functioning under the Department of Atomic Energy.
  - I Electronics Corporation India Ltd
    - 2 Indian Rare Earths Ltd
  - 3 Uranium Corporation of India Ltd
- (b) the number of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in each class and each Undertaking separately.
- (c) whether the Government of India's Orders relating to reservation of vacanties are followed in the matter of recruitment and promotion in these Undertakings, and

## (d) if not the reasons thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESA1). (a) and (b) The following is the group-wise statement showing the total number of emplo wees and the number of Scheduled

Castes and Scheduled Tribes employees in each Group in the public sec-

98

tor undertakings of the Department of Atomic Energy:

|         | Ŧ | of Indi                | Corpora<br>Limite |    | ndian Ra<br>Li | re Earth<br>mited     | ıs U         | Uranium Corporation of<br>India Limited |                     |     |  |
|---------|---|------------------------|-------------------|----|----------------|-----------------------|--------------|---|---------------------|-----|--|
|         |   | l No. of l<br>on 1-3-1 |                   |    | No. of p       | ersons.<br>978)<br>SC | Total<br>(As | No. of po<br>on 1-2-19                  | rsons.<br>178<br>SC | ST  |  |
| Group A |   | 263                    |                   |    | 75             |                       |              | 59                                      | ı                   | 1   |  |
| Group B |   | 503                    | 27                | ī  | 91             | 2                     |              | 97                                      |                     |     |  |
| Group C |   | 3685                   | 270               | 9  | 1091           | 51                    | 1            | 744                                     | 21                  | 79  |  |
| Group D |   | 1519                   | 350               | 82 | 743            | 82                    | 14           | 1623                                    | 153                 | 794 |  |
| TOTAL   |   | 6070                   | 649               | 92 | 2003           | 135                   | 15           | 2523                                    | 175                 | 874 |  |

(c) and (d) Yes, Sir. However, in the case of Indian Pare Earths Limited there is an understanding with the Government of Kerala and the Labour Unions to give priority in appointments in the plants in Kerala to the former employees of Travancore Minerals Limited and Hopkin and Williams Limited, Similarly, preferences are given to the retrenched employees of the IRE's plant at Manavalakurichi. Excepting such cases, the Company follows the directives on reservations wherever recruitments are made through Employment Exchange and/or from open market.

कपड़ा मिलों का उत्पादन ग्रीर उनका संकटग्रस्त होना

6560. श्री राम किशन : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) देश में इस समय कितनी सुवी कपड़ा मिलें हैं उनकी उत्पादन क्षमता और 1976-77 में उनका वास्त्रिक उत्पादन कितना था;
- (ख) क्या यह सब है कि इनमें में अधिकांश मिलें कुप्रवन्ध और पुरानी मधीनों के कारण संकटग्रस्त हो गई हैं और यदि हां,

सो उनको चलाने के लिए क्या व्यवस्था की जा रही है; और

 (ग) इन संकटग्रस्त मिलों के कारण कितने कर्मचारी बैरोजगार हो गये हैं;

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आमा ममती): (क) देश में वर्तमान पूरी कपड़ा मिलों की संख्या 704 हैं जिसमें 198 ताख कुछूब क्या 2080,00 करने मामिल हैं। यारों के श्रोधार पर काम करने में उत्पादन के बिरुवान के विवाद में प्रयोग्त सम्बद्धी हैं। 1976-77 में वास्तासिक उत्पादन 4162.38 मिलियन मीटर सूपी कपड़े का या जिससे मिश्रित बख्तों सिंहत 1065.10 मिलियन किलोग्राम मिश्रित बुना हुग्रा सामा समिसित हैं।

(च) संकटप्रस्त मिल की कोई निष्वतः परिमापा नहीं हैं। किन्तु वस्त्र उद्योग का प्रधिकांत्र वर्ग मिल पिन फठिनाइसों जैते, कच्चे माल की स्थिति, दोपो प्रकाश तथा उद्योग में प्रधानकी करण की उपेला भारी परिमाप में यह प्रयोग महोनों की स्थिति से गुजर रहे ये तथा स्थिति को मुघारने के लिए उठाये गय महत्वपूर्ण कदम ये हैं —— 1 कच्चे माल के मभरन में वृद्धि,

2 उपलब्ध मृत के सभरण का समान

91

- दिनरण तथा मूल्यों को विनियमित करना, 3 क्यडा मिलों के पुनर्वाम तथा आछ-
- 3 क्पड़ा मिना के पुनवास तथा आधु-निक्षीकरण के लिए सुलभ ऋणों की व्यवस्था।
- (ग) जूनि वन्त्र उद्याग की रुग्यता के परिमाप का पता नहीं लगाया जा मक्ता है, अन उनके रोजपार पर पड़ने बात प्रमास के परिमाप को भी धाका नहीं जा सकता है। प्रमामयत उद्याग के बन्द होने के परिजाय-स्वरूप वैरोजपारी फैन्द्री है।

Dialogue with Phico

6561 SHRI ROBIN SEN SHRI PRADYUMNA BAL

Will the Minister of HOME AF-

- FAIRS be pleased to state

  (a) whether he is aware that many
  Naga People feel that another dialogue
  be opened with Phizo in some neighbouring country to solve the Nagaland issue, and
- (b) if so, whether Government will take initiative in the move?
- THE MINISTER OF STATE IN
  THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS
  (SHRI DHANIK LAL MANDAL)
  (a) and (b) Opmons on this resue
  continue to be expressed by various
  sections of people However, there is
  no such proposal under consideration
  of Government

## Nentron Bomb

6562 SHRI SAMAR GUHA Wall the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state

(a) the countries now cipable of making Neutron Bomb and broad informations about stock piles of explosive fuels in their hands, (b) whether AEC have prepared any book or booklets discribing protective measures against Neutron Bomb, and

92

- (c) if so, facts thereabout?
- THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) Government has no authentic information
  - (b) No, Sir
  - (c) Does not arise.

Percentage of Muslims in Central and State Services

6563 SHRI JYOTIRMOY EO5U Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state (a) whether it is a fact that the

- percentage of Muslims in Central and State services are comparatively meagre compared to the population in the country,
- (b) whether it is also a fact that Muslims are not given adequate representation in the recruitment for the armed forces, and
- (c) if so what steps the Government propose to take to undo the discrimination against this minor ty community?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRIS D PATIL) (a) to (c) No statistics are maintained by offices of the Central Government regarding the number of Muslims or other communities recruited to various appointments and posts under the Government, since there are no separate reservations in services under the Constitution except those provided Scheduled Castes and Scheduled Tribes In accordance with the Constitutional provisions, all communities including Muslims, are entitled fair and equal opportunities in the matter of recruitment in services and in armed forces

"The State services" is a matter which falls within the sphere of the State Governments concerned. No information in regard to the respective representation of Muslims or other communities in State services is available with the Central Government.

दिल्ली में बन्द पड़े विजली घरों का पुनः चाल किया जाना

6564. श्री राजेन्द्र कमार शर्मा : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृषा करेंगे कि :

- (क) क्या दिल्ली में बन्द पड़े जिनकी घरों को पुन: चालू करने का सरकार का विचार है; श्रीर
- (ख) यदि हां, तो इस कार्य पर कितनी धनराणि खर्च होती और इससे प्रति वर्षे कितनी विजली का उत्पादन होता ?

Deposits taken for Transport Nagar by D.M.C.

- 6565. SHRI KANWAR LAL GUP-TA: Will the Minister of HOME AF-FAIRS be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that the Delhi Municipal Corporation deposited a large amount of money from the transporters to build a Transport Nagar in Delhi during the period of emergency;

- (b) if so, what was the total amount and what was the scheme;
- (c) the reasons why no steps have been taken so far on this scheme;
- (d) whether it is a fact that there is some dispute between the DDA and the Corporation and the same has not been settled so far; and
- (e) what specific steps Government propose to take to expedite this project at the earliest to remove congestion from the city?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTEY OF HOME AFFAINS (SHRI DHANIK LAL MANDAL); (a) and (b). Yes, Sir. An amount of about Rs. 78,24,000 has been deposited by transporters, workshop owners and persons seeking alloiment of shop-plots in the proposed scheme of Transport Nagar in Delhi. The scheme envisages development of about 300 acres of land with provision or workshops and godowns for transporter, setc. with allied amenities.

(c) to (e). There is no dispute between the Municipal Corporation of Dahit and Dhill Development Authority. The revised layout plan for the area is under proparation by the Corporation and the Town and Country Planning Crannistion. The scheme is under consideration of Government.

गांधी बाक्षम मेरठ, में व्याप्त ग्रनिविमिततार्थे जीर भारताचार

> 6566 डा॰ लक्ष्मी नारायण पांडेयः श्री फुल चन्द वर्माः

ज्या अद्योग मंती यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार को गांधी आक्षम, मेरठ में त्याप्त प्रनिविभतताओं और प्रप्टा-चार के बारे में आक्षम के कर्मवारी संघ से शिकावतें आष्य हुई हैं;
- (ख) यदि हों, तो मुख्य सिफारिशें क्या है ; और

(म) गरनार ने इस बारे में क्या नापंबाही नो हैं?

उद्योग महालय में राज्य मही (थीमती माभा मयती) (क) धीर (य) धी याधी माधम रमनारी सप, मेरट, उत्तर प्रदेन से एम अभ्यावेदन प्राप्त हमा या चौर मप द्वारा पेन को नई प्रमुख मार्गिनिकारिजित हैं.

- 1 गाधी भाश्रम के क्मेंचारियों की मेबा इनो नो विनियमित गरने वाने स्थाई मादेशी का तत्शाल लाग् कराया जाये ।
  - 2 माधम मीर खादी भाषीम के कार्य परण में भोई सन्तर नहीं है जहां हर दोनी एक हो। उद्देश्य नेकर कार्य कर रहे हैं। मन यर धावस्यन है कि मायोग के क्मेंगरियों की मितन यारे वेतनमान भीर भन्य मुदिधाए प्राथम के नर्भवारियों की भी उपकाध कराई जानी चाहिए।
    - 3 साधम के प्रकाशकों द्वारा सपनाई षाने बानी भेदमाय की प्रवृति का राजने के लिए उन क्मेंबारियों को बिक्टीने 15 वर्षों भी सेवा पूरी भर ली है प्रवन्ध म भाग सेने भी प्रमुमति दी जानी बाहिए।
    - (ग) गाधी धाशम वर्मवारी मप द्वारा कराई गई मसे ब्रशाननिष्ट मामनी जैसे क्येक्तरिया के वेतनमान प्रवन्ध स उनकी मातीशारी द्यादि व वारे म है जा भाष्य वा धान्तरिक मामला है। भारत सरवार धीर वादी एव ग्रामाद्योग श्रामीम, ग्राप्टी द्याधम मेरठ जैसे सस्थाना ने नित्य प्रति ने प्रशासनित और मान्तरित वार्यवरण में शातुनन हम्तक्षेप शरन की स्थिति म नहीं ŧ,

धर्म गुरुप्रों बवारा विदेशों में चवाये जा रहे

- 6567 श्रीसालजी माई क्या गह मन्नी यह बतान की इपा करेगे कि
- (क) उन धर्म गुरुषा के नाम क्या है, जो विदेशों में भाषम भ्रयवा संस्थान बला रहे

है, चौर उनमें ने उन धर्म मुन्धों के नाम क्या हैं, जो गत ती। यभी में भारत सरवार की व्यातकारी ने भ्रमण भनुमित ने भाषम मयादित कर रहें है और वे कहा नियत है:

- (छ) बया भारत गरवार इन मायमी ध्यया गुन्याचे की स्थि प्रकार सहायता कर रही है ; भीर
- (ग) सरि हा, तो रुणवधी पूर्व स्वीरा क्या है ?

गृह मत्रासय में राज्य मत्री (धी प्रतिश साल मध्यस) (क) है (ग) मीति के बनुवार गरशार विदेशों में प्राथमी। तथा धार्मित मरमाने। ने स्य स्याव ने निए विदेशी मुद्रा गही देती है दम तिए दम सबध म उनके पास कोई मुक्ता नहीं है।

Tel- Sound India, Ballabhrath

6568 SHRI DHARAM VIR VASI-SHT Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the workmen of the Tele Sound India, Ballabhgarh, Haryana are representing to the Central Government for lifting of the two-year old lock-out, and
- (b) if so, what assurances have been given to the workers taking over of the concern or alternathe arrangements?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (a) and (b) The workmen of Tele Sound India Limited, Ballabhgarh, Haryana have made representations regarding the closure of this industrial undertaking and have requested for its revival Series of meetings have already taken place with the Electronics Trade and Technology Development Corporation, banks and financing institutions to explore the possiblhty of revival of this undertaking. Housever it has not been possible to take any decision in the matter. In view of this, no assurance has been given to the workers in regard either to take over of management of the industrial undertaking under the Industries (Development and Regulation) Act or other alternative arrangements.

### Area under Army Occupation in Udhampur

6569. SHRI BALDEV SINGH JAS-ROTIA: Will the Minister of DE-FENCE be pleased to state;

- (a) what is the total area under the Army occupation in Distt. Jammu & Kashmir, Udhampur, Rajauri and Poonch giving details on rental charses are acquired with a further giving clarification of the period form such occupations;
- (b) whether it is a fact that there is a general cry in the area that the people are getting poor rent fixed unilaterally;
- (c) whether it is possible to decide the problem in a Conference in the near future to be held tehsil-wise if so, within what period such conference is to meet so as to avoid grave consequences; and
- (d) whether it is also a fact that compensation worth crores of Rupees has not been paid to the land owners though the land is under the occupation of the army or for the benefit of the army;
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF DEFENCE (PROF. SHER SINGH): (a) The total area of private lands held on hiring/requisition in the Districts of Jammu, Kathua, Udhampur, Rajouri and Pooneh is 16,900 arec. The total rent/securring compensation psyable per annum for these lands is Rs. 42 65 lakbs. These lands are in occupation from various gates since 1947.
- (b) There is a feeling among some of the land owners that the rent/recurring compensation they are zelting is low. However, while rent for hired lands is paid in accordance with 383 IS-4

the agreement with the land owners, recurring compensation for requesttioned lands is paid in accordance with the provisions of the Jammu and Kashmir Requisitioning Acquisition of immovable Property Act. The State Government from time to time have enhanced the rates of recurring compensation payable and over the years there have been substantial increases in the payment being made for the lands requisitioned for the Army, Besides, under the Act ibid there is a provision for seeking arbitration to determine the fair compensation. It is, therefore, not correct to say that rent/recurring compensation is fixed unilaterally.

- (c) In view of the position explained in (b) regarding the mode of fixation of rent, no useful purpose is likely to be served by holding Tehsilvise conference. However, Civit Miliary Lisiton Conference are already being held periodically to sort out common problems between the representatives of the State Government and the Army authorities.
- (d) Compensation for acquisition of the lands will become parable only after acquisition proceedings are finalised. In view of financial constraints and other limitations all the acquised in one lot. Such of the lands as are required on long term basis are proposed to be acquired in phase covering a period of five years commencing from the current year.

Regularisations of Casual Cameramen

6570. SHRI ARJUN SINGH BHADORIA:

SHRI R. L. P. VERMA:

WHI the Minister of INFORMA-TION AND BROADCASTING be pleased to state:

 (a) whether casual cameramen appointed on the basis of interview held in August, 1977 for T.V. Centre, Delhi have been regularised;

Vritte 1 Answers APRIL 12 1978

(b) if not, the reasons therefor, (c) whether different qualifications have been prescribed for cameramen

for TV Centre and Films Division; and (d) if so, the reasons therefor and

the action proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF 'NFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L. K ADVANI) (a) There was no interview for the selection of Cameramen for TV Centre, Delhi during August, 1977

- (b) Does not arise
- (c) Yes, Sir

(d) The duties and Job require ments for a Cameraman in the Films Division and Doordarshan are not entirely identical and therefore a .cparate set of qualifications has been prescribed for the two different categories of persons The mode of rec ruitment is also different

स्थानीय न्यापालयं में वेश होते हुए मृतपूर्व

प्रधान मंत्री पर समाचार-विश्र 6571. थी राधव जी ' नया सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की क्या करेते

(न) बया हान म दिल्ली ने एक स्थानीय न्यायालय (सहायक जिला मजिस्टेट की न्यायालय) में पेश होती हुई श्रीमती इन्दिरा गाधी पर एक समाचार चित्र (न्यूजरील) बनाया गया है और उमे दिखाया का उस हैं, ग्रीर

(ख) यदि हा, तो उसका बौचित्य नवा है ?

सूचना और प्रसारण मही (श्री लाल कृष्ण ग्रदयाणी)

(क) 27 परवरी, 1978 को दिल्ली वे चीप गटापोलिटन मजिस्टेट के सम्मख श्रीमती इन्दिरा गांधी को उपस्थिति पर एक न्युज प्लेड मारतीय समाचार समीक्षा सटवा

1533, की सिनमाघरा मे 3-3-78 की रिलीज को गई थी. म शामित दिया गया था।

IOG

(रा) उद्देशका का मामाजिक महाव **दा धीर** न्यू प्रराति स शासिन करते के ८पयुवट समझा गया था ।

#### Sick Units in Gujarat

6572, PROF P G MAVALANKAR Will the Minister of INCCSTRY be pleased to state

- (a) whether Government aware of the increasing number of sick units in the country at large and in Guiarat in particular:
- (b) if so, what steps are being taken to meet the said situation
- (c) whether any machinery exists at the Union Government level to take effectively and timely care of such sickening units
  - (d) if so, what is it and how is it

working and

(e) if not, the reasons therefor? THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (a) and (b) The Government are aware of the magnitude of industrial sickness in the country The Government of Gujarat have reported that there is no gram industrial crisis in Guia-at and that there are about 2000 sick units in that State The State level Committees have been formed for reunts in the State District level Committees have also been formed for taking up cases of district level for direct disposal

The Industries (Development Regulation) Act provides for over of the management of a sick unit by the Central Government Central Government, intervenes under the Act to take over the management of sick units wherever it considers necessary to do so in the interest of the industry and the outlic interest. Public Financial Institutions also give financial assstance to sick industrial units. For instance, the Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., have disbursed financial assistance to 82 units amounting to Rs. 3986.42 lakhs as on 31st December 1977. The employment involved in these units is \$3.165. The Industrial Reconstruction Corporation of India's efforts have helped 33 units in reviving their operations. belonging to Cement, Sugar, Cotton Textiles, Jute and certain Engineering Industries, in which the incidence of sickness is partcularly high on account of old and outmoded equipment, get loans on liberal terms under the soft loan scheme which is being implemented by IDBI, ICICI and IFC1.

(c) to (e). The Reserve Bank of India have set up a monitoring cell to detect sickness at the incipient stage so that remedial steps are taken in time. It is expected that as a result of the efforts made by the Reserve Bank of India, the closure of industrial units and the consequent losseswill be reduced. The question evoling an appropriate institutional mechanism for detecting sickness at the incipient stage would be a relevant factor in the formulation of a comprehensive policy of industrial sickness which is under Government's consideration.

## Exploration of Coal areas

6573. SHRI M. RAM GOPAL RED-DY: Will the Minister of ENERGY be pleased to state;

- (a) whether it is fact that vast areas in the coal belts and outside are lying untapped; and
- (b) if so, steps being taken for exploration in these areas?

THE MINISTER OF ENECGY (SHRI P. RAMACHANDRAN); (a) and (b). Total reserves of coal in the country are estimated to be over 82,000 million tonnes. While drawing up the plan for production, attempts are made to match the coal

production target with he demand for coal in the country. The coal exploration programme for meeting the needs of the production plan for the period 1978—83 has nearly been completed. It has also been planned that exploration and drilling required for coal production in 1992-93 is completed seven years in advance of that year. The programme of exploration relating to coal production is a continuing process and gradually other coal bearing areas in the country will also be taken us.

## Request for Import of Raw Jule by Jule Balers Association

- 6574. SHRI JANARDHAN POO-JARY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether Jute Baiers Association has requested the centre to allow imports of raw jute to the trade instead of canalising it through the Jute Corporation of India; and
- (b) if so, the decision of Government thereon?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-
- MATI ABHA MAITI): (a) Yes, Sir.

  (b) In the import policy for 1978-79, imports of raw jute have been placed under Open General Licence for actual

## Study Team to Study problems of Handloom Industry

users (industrial).

- 6575. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether any study team has been appointed to study the problems of the handloom industry;
  - (b) if so, what are the terms of
- reference of the said team; and

  (c) by when the report is likely
  to be submitted by the study team
- to Government?

  THE MINISTER OF STATE IN THE
  MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAPTI): (a) Recently no

Study Team has been appointed to study the problems of Handloom Industry

(b) and (c) Do not arise

103

Collaboration with French Tirm for manufacture of Mica papers in Bangalore

6577 SHRI R L. P. VERMA WIII the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether it is a fact that fifty per cent equity participation has been allowed to a French firm in a collaboration arrangements for manufacture of mica paper and other insulating material with a firm of Lakshmanan in Bangalore,
  - (b) what are the details of the collaboration arrangement,
  - (c) why fifty per cent equity participation has been allowed when manufacturers in Japan and other countries are prepared to offer technical know-how with 30 percent equity participation, and
  - (d) whether Government would review the position in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) to (d) Approval was given in 1974 to a pro posal of a company in Bangalore for foreign collaboration with a Swiss Firm for the manufacture of Reconstructed and Integrated Mica Products with 50 per cent direct foreign equity participation. The overall licensed capacity of this unit is-

Item of manufacture

Annua<sub>1</sub> capacity on the basis of maximim utilisation of Plant bre machinnery

1 M ca Paper

300 MT Reconstructed and Integrated I Muca Products out of Mica paper . . ٠

2007 MT

(d) whether Government accepted the recommendations of the Committee and the reasons for delaying announcing the decision in the matter, and

has been approved for the manufacture of Reconstructed and Integrated Mica Products only, and the terms are that the royalty will be 5 per cent subject to Indian Taxes and the company shall export 200 tonnes of Mica paper/Mica paper Products valued at Rs 36 lakhs approximately per annum While the Collaboration proposal re ferred to above was approved in 1974 it is only recently an application has been received for the manufacture of Mica Paper and Mica paper products with foreign collaboration involving 30 per cent foreign equity

The foreign collaboration proposal

As the terms of collaboration have been approved after taking into account all the relevant factors the question of any review at this stage does not arise

Report on Cotton and Cloth and Malpractices of Mill Owners

6576 SHRI VASANT SATHE WILL the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether Government received a report of the Committee on fixation of Kapas/cotton cloth prices.
- (b) if so, the date on which the report received.
- (c) the important recommendations made in regard to elimination of middle man in trade, various malpractices adopted by the mill owners in manspulation of accounts and wrong pricing system, the need for protecting the interest of cotton growers and rationalising the price structure for cotton cloth and other products an the interest of cotton growers and consumers.

(e) what are the important observations made by Dr M. G. Bokare

member of the Committee and action taken thereon?

105

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) to (d), Reference here is perhaps to the Committee apointed by the Government to evolve a nexus between prices of kapas, the mill-gate delivery prices of cotton and the prices of yarn and cloth. The Committee had submitted its report on 25th November, 1976. The Committee came to the conclusion that it is possible to establish such a nexus, based on various assumptions enumerated by the Committee. While making suggestions for maintaining price stability of cotton and yarn/ cloth in the interest of cotton growers on the one hand and consumers on the other, the Committee inter slis recommended that easy credit facilities be extended to the cotton growers so that they would come out of the clutches of the local money-lenders and thereby secure for themselves better prices for their produce and that steps should also be taken to ensure remunerative prices to the cotton growers, reasonable price to the industry and a fair price to the consumers. With this objective in view the Committee had recommended that Cotton Corporation of India should operate a buffer stockpile of a size of about 15 lakh bales. It was also suggested that CCI should step in and buy Indian Cotton when prices sag to un-remunerative level for

The assumptions made by the Committee in evolving the nexus formula call for major structural changes in the patterns of cotton trading and conversion technology in the mills. Whether these changes can be effected in practical terms and if so to what extent has to be considered in depth. As regards specific suggestions like the constitution of buffer stocks and an enlarged role to be assigned to the Cotton Corporation of India in effecting purchases and disposal of domestic cotton, the matter is under active consideration.

growers.

(e), Dr. Bokare, a member of the Committee, was also a signatory of the report which made the above suggestions. In addition, Dr. Bokare appended a supplementary note to the main report. The supplementary note includes suggestions, which are given in the enclosed statement.

#### Statement

Some of the observations made by Dr. M. G. Bokare, a member of the Nexus Committee in his note appended to the Report of the Nexus Committee include the following: --

- (i) per acre yield of kapas should be increased and the cost of yarn/ cloth in the Mills should be reduced.
- (ii) once it is appreciated that the mili cloth prices could be derived from the given prices of kapas, the quality of cloth/yarn should be ensured.
- (iii) The standard specifications of cloth and yarn should be defined by I.S.I. and cloth and yarn should carry I.S.I. specifications and markings. The consumers should have facilities to get the fabric tested in the laboratories for a nominal fee of say Rs. 5/-.
- (iv) The office of the Taxtile Commissioner should regularly study and publish the standard costs of yern and cloth.
- (v) Publication of Cost Audit Reports if not only the public sector or cooperative sector mills but also of the milis in private sector will go a long way to promote cost consciousness generally, and to locate the high cost centres in the textile industry.
- (vi) ICMF a representative body of the colton milis should function as a reliable institution for promoting social accountability of its member mills generally. The Governdefine the functions ment should and responsibility of representative organisations like ICMF in order to make their representation meaning-

ful and useful in policy formulation and assignment of programmes In-

107

## मितयो की सस्वरी

volving public funds

6579 श्री नायू मिहः न्या गृह मन्नी यह बनाने की प्राप्त करेंगे नि

- (व) भारत की प्राचीन सस्कृति से सम्बन्धित क्लात्मक सहस्र की मृतिया तक्तरी द्वारा किन रिन देना को त काई पड़े हैं तथा उनका अनुमानित मृत्य क्या है धीर क्या इस सम्बन्ध म इटरपोल द्वारा तैयाक की पड़े सुची मना-गटन पर रही अदिनी !
- (ख) नवा इन महत्वपूर्ण कराइतियो नो देश में बाहर लें जाने में कुछ प्रश्वकानी लोगा का हाथ रहा है.
- (ग) यदि हा, तो क्या ऐसे कुछ मामने मरकार के स्थान म झाये हैं . सीर
- (ग) यदि हा,तो उन पर क्या कार्यवाहो की गई है ?

गृह मनालय में राज्य मन्नो (थी धनिक साल मण्डल) (न) से (प) मूचना एक द की जा रही है और सदत ने पटल पर रज दी जाएगी।

#### Land of Tribal Peasants Grabbed by Non-Tribals

6580 SHRI K PRADHANI Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) the details regarding the extent of land of the tribal peasants which had been grabbed by the non-tribals in the tribal areas during the last one year, State-wise, and
- (b) whether Government have given any directives to the State Governments for taking suitable action in regard to restoration of land to tribals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OP HOVE AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) Available information as received from some State Governments is given in the attached statement

(b) The States having tribal subplans have been asked to review their existing legislations on land with a view to safeguarding the interest of the fribals, and restoration of alterated tribal lands. The Project Administrators are to give first priority to problems of land-alteration and landrestoration.

## Statement

## Land of Scheduled Tribes alterated during the latter half of 1977

| Vame of State      | No of<br>cases<br>registered | Area of<br>Land<br>mvolved |       | No. of<br>cases<br>decided | Area of<br>land<br>restored |
|--------------------|------------------------------|----------------------------|-------|----------------------------|-----------------------------|
| r Bibar            | 2139                         |                            | acres | -50-                       |                             |
| 2 Gujarat          |                              | 3539<br>N.A                | ACIC  | 1689                       | t619 52                     |
| 3 Madhya Pradesh   | 7702                         |                            |       | N.A.                       | 9070 acres                  |
|                    | NA                           | NA.                        |       | 27                         | 86 acres                    |
| 4 Maharashtra      | 42245                        | 25700                      |       |                            | 15038 hectares              |
| 5 Orma             | 2165                         | 1433 48                    |       |                            | • •                         |
| 6. Tripura         |                              | N.V                        |       | -                          | 593 22 acres                |
|                    | 5476                         |                            |       | 1480                       | 1531-71 acres               |
| 7. A & N Islands   | Nil                          | Nil -                      |       | Nil                        | Nil                         |
| 8 Goa, Daman & Diu | Nd                           | Na                         |       | Nil                        | Na                          |

#### Pornographic Literature

- 6581. DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that pornographic literature is being widely circulated in the metropolitan towns of the country and many publications are pirated editions of popular foreign publications; and
- (b) if so, the steps being taken to stop the malaise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (8) and (b). Import of books, magazines and journals containing pornographic material is prohibited. Powers for proscription of obscene publications are vested exclusively in State Governments under Section 95 of the Code of Criminal Procedure. Prosecutions for such offences under the Indian Penal Code are also to be launched by the State Governments. Necessary vigilance is being maintained by the State Governments in this regard.

Prize Gas Turbine Power Plant Collaboration Project

36582. SHRI NIRMAL, CHANDRA JAIN: SHRI DHARMVIR VASISHT:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether the attention of Government has been frawn to an allegation wherein it is said that the Prize Gas Turbine Power Plant collaboration project has been stalled by the Prime Minister because one multinational contending for the tender has made inshination against the integrity of Industry Ministery.
  - (b) if true, details thereof;
- (c) if wrong (as it appears) if the denial has been widely published; and
  - (d) reaction of the Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) A news report to this effect appeared in a weekly news magazine some days back.

(b) to (d). The allegation is untrue and totally baseless. As such, it does not deserve any attention by the Government.

सहायक केन्द्र निदेशकों तथा केन्द्र निदेशकों के पदों के लिए नियुक्ति करने हेतु मापदंड

6583. श्री राममूर्ति : क्या सूचना श्रीर प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सब है कि वर्गीज समिति ने अपने प्रतिवेदम में प्राकाशवाणी तथा दूर-दर्शन में उक्त प्रतिवेदमें पर विशेषजों की नियुक्त
- करने की सिफारिया की है ;

  (ख) यदि हां, तो गोधा बैठक की कार्य सुबी के अनुकार जिनकी योग्यता नहीं है ऐसे सहायक केन्द्र निवेशकों तथा केन्द्र निवेशकों
- (ग) क्या सरकार का विचार उनके स्थान पर विभाग में से ही अन्य योग्य ब्यक्तियों को नियुक्त करने का है ?

की संस्था कितनी है : श्रीर

सुकता और प्रसारण मंत्री (भी सात कुला करकारा)! (क) आपनावाणों और कुदवर्षन के लिए स्वायस्तता संत्री क्लॉब्स समिति ने सिकारिया को है कि कबीक संवेदनशीत सरिष्ठ पहों के लिए समीदान प्रतिभा सुनिद्दिय करने के लिए राग प्रतिभा स्त्रीत मुनिद्दान स्तान प्रायस्थल होगा, इत्से प्रकृती रिपोर्ट में निचले र्रकों से करें के रीकों में पर्दालि के प्रवत्त उपलब्ध करा के रीकों में पर्दालि के प्रवत्त उपलब्ध करा

(छ) सहायक केन्द्र निदेशकों श्रीर केन्द्र निदेशकों के पर्दों के वर्तन्तान मधी नियमों के श्रतुक्तार, इन दोनों ग्रेटी में 75 प्रतिक्षत पद संघ लोक सेवा प्रायोग के एक सदस्य की प्रध्यक्षता में विमाणीय प्दोन्नति समिति के माध्यम से निवले पड़ो में परोन्नति द्वारा भरे जाते हैं, और मेंघ 25 प्रतिवत पद खुने बाजार से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। गोवा म टूर्ड सजाहनार समिति केवन सीधी भर्ती के बारे में हैं, विभागीय पदोन्नति के बारे में मही।

(ग) वर्तमान सहायक केन्द्र निदेशको ग्रीरकेन्द्र निदेशको के स्थान पर भन्य व्यक्तियां को नियकन करने का सरकार का कोई प्रस्ताव गढ़ा है।

## Price Hike on Tyres

6584 SHRI K. P UNNIKRISHNAN. Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether the attention of the Minister has been drawn to the reports that tyre manufacturers have decided on a price hike on their products.
- (b) whether this is the second price hike in six months, and
- (c) whether it is true that ite Ministry has agreed to these proposals of the tyre manufacturers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) Yes Sir

- (b) Certain tyre companies base increased the prices of tyres and tubes twice during the last six months
  - (c) No, Sir

Increase in the Licences Fee of Radio and T.V

6585 SHRI MANORANJAN BHAKTA

> SHRI CHATURBHUJ SHRI M. RAM GOPAL REDDY.

SHRI SARAT KAR

Will the Minister of INFORMA-TION AND BROADCASTING be pleased to state. (a) whether Government are plannmg to increase the present fees of radio and TV heences on the basis of recommendations made by the Vergese Committee, and

## (b) if so, facts and reasons?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K ADVANI) (a) and (b) The Verges Committee have made certain recommendations for revising the licence fee of Radio and TV sets These are under consideration of the Government.

Paper Mills Manufacturing Soft Tissue Papers

6586 SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state

- (a) whether there are any paper mills in India manufacturing soft tissue papers, if so, the names of the same, and
- (b) whether production of soft tissue papers in India is in excess of the requirements of the country, if so, what are the prospects of its export with a view to earn foreign exchange?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) At present there is no paper mill in India manufacturing soft tissue paper

(b) Does not arise

Filling up of Posts by S. C. and S T. in Defence Ministry and Its Subordinate Offices

6587 SHRI KACHARUMAL HEM RAJ JAIN Will the Minister of DE-FENCE be pleased to state.

(a) total number of posts filled in cach category of posts with specific shares of Scheduled Castes and Scheduled Tabes in such employment and also the number of posts de reserved in each category in the Ministry and its attached and subordinate offices penied of Janata Government and reasons thereof,

(b) total number of departmental promotions/upgradation of posts in each category of posts and how many nosts some to Scheduled Castes and

113

- each category of posts and how many posts gone to Scheduled Castes and Scheduled Tribes; and (c) total number of contracts/licen-
- (c) total number of contracts/seences granted and the share there, if any, to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in each category of such contracts/licences and if not reasons thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House,

## Licences granted to S. C. and S. T.

6588. SHRI R. N. RAKESH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state the total number of contracts. Bleeness granted by the Ministry, its attached and subordinate offices including the public sector undertakings for the entire period of Janata Government regime and the share there, if any, to SC and ST in each category of such contracts/tleeness and if not,

why? THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): Under provisions of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, industrial licences are issued on the basis of merits of each application. While due consideration is given for the development of backward areas, the applicant's status as belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes is not taken into consideration. Out of 398 industrial licences issued during April, 1977-February, 1978, 97 licences were granted to industrial undertakings in backward areas. The details of industrial licences including the names of licences, type of the licence, location etc. are being published in "Weekly Bulletin of Industrial Licences, Import Licences and Export Licences" and "Monthly List of Letters of Intent and Industrial Licences", copies of which are available in the Parliament Library.

#### C.B.I. Enquiry into Import of Polyster Filament Yarn

\$599. SHRI N. SREEKANTAN NAIR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether the Central Bureau of Investigation made enquiry on reports appeared in Blitz and other journals regarding the import of Polyster Filament yarn; and
  - (b) if so, what are the findings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHER S. D. PATIL): (a) and (b). The Central Bureau of Investigation has not made any enquiry into the matter.

## हिन्दुस्तान फोटो फिल्म कम्पनो की पूंजी ग्राय, लाम ग्रीर हानि

6690. श्री मृत्यंत्रय प्रसाद कर्माः वस्ताः वस्ताः

- (क) यत चार ययों में हिन्दुस्तान फोटो फिल्म कंपनी की पूंजी आय, ध्यय, लाभ और इसनि के चारे से पूरी जानकारी नया है;
- (छ) क्या फिल्मे बेचने का घधिकार केवल दीन या जार परिवारों को ही विद्या क्या या; यदि हो, तो उनके नाम वया हैं उनके विद्यो बेल घीर विद्यों की घलों क्या है तका उन्हें यह प्रधिकार कथ तक के जिये दिया यथा था तथा इस प्रधिकार को कब सामस विद्या यथा
- (ग) जिस तारीख से कंपनी ने अपने सामान की स्वयं विकी आरम्भ की तव से लाम और हानि पर नया प्रभाव पड़ा है; और
- (ध) जो परिवार विकी एजेट थे उनमें से प्रत्येक ने कितना लाभ प्रजित किया तथा उन्होंने कितना आयकर दिया ?

उद्योग मत्रालय में राज्य मत्रो (श्रीफर्ती ग्रामा भगती) :

715

या।

- (क) तया (ख) दो विवरण मना पटन पर रखे गये है [ग्रन्यातम में रखा गया देखिके सध्या एनटी-2083/78]
- (ग) प्रश्नुबर, 1977 (जब मिने रसीन काली और मनेद तथा एगणा गेवर्ट का समुचा वितरण तथा पारवा वित रमोन गोजिटिव का 62 5 प्रतिकात वितरण हाथ म विता गया था) में फानकरी, 1978 के धन तस को प्रश्नीय महिन्दुलान कोटी किस्स न 8 42 माख कार्यका मुद्र साथ धरिन विचा
- (प) इन निरश्नाद्वारायजिन नमोयन मनान निद्राण (प्रतुत्व 3) म दिवनाया गता है। जनेह द्वारा प्रतिन भाग घोर उन पर प्रता भी गई प्रत्यक्त भी रामि के नारे म जानारी दर्मन्य पर्रे है।

क्षात्री महा पर द्वारा प्रशस्ति र व हासन

6591 थी राग प्रशाय देशनुव : स्या कर्जा मती यह बतान की कृस नरेंगे कि

(क्) उनके महालय/विभाग ने 1977 में कीत-कीत में प्रशासन खोर पत धोर पहिलाए प्रकासित किये :

- (स) उनमें से फितने प्रशायन हिन्दी में निवाले गए ग्रोर जो प्रशायन हिन्दी में नहीं निवाले गढे उसके क्या हारण हैं .
- (ग) नया इंग तमन बधेजी में नियाले जा रहे ऐसे तभी प्रशाननां और पत्र और पति बाक्षों की हिन्दों में निवालन का प्रस्ताव है , बीर
- (घ) यदि हा, तो इन दारे में श्रव सक क्या कार्यवाही की गई है ?

ऊर्जी मत्री (श्री पी॰ रामवन्द्रन) : (व) विदरण मलान है।

- (द) घोर (ग) विवरण में दिन गये 14 प्रराजनों में ने 7 हिन्दों में प्रशासित किने पने हैं। बाको प्रशासी की हिन्दों में प्रशासित बन्ते में देरी वा वारण है उनन चारी मेखा स्व तक्त्रीको कल्पानी होना। व्यवस्त केंद्र भी हिन्दों में प्रशासित किया जाएगा।
- (प) नामिनों को हिन्दी भाषा , टकण स्वत्रा प्रामुचिन ते प्रतिस्वय दिया जा रहा है। इन विषय पर मरनारी अनुदेश सभी सबस्तिता से भरिनित्त कर दिय गय हैं और जहां कहीं आवस्त्र हुंधा सन्तरन वा सर्वत्रत बनाया गया है।

## विवरश

जर्जा मजानव (विश्वुत विभाग त्या कोवला विभाग) धीर इसके सम्बद्ध एवं प्रधीनस्य कार्यालयाँ द्वारा 1977 में प्रकृतित किए यह प्रकृति मुंग्री पत्र-पत्रिकायों के नामी की दिखाने चाला विकास

| क <b>्र</b> | प्रकाशन/पत्र/पत्र पतिका का नाम | श्रवेजी मे प्रशासित<br>हुई श्रथवा हिन्दी मे |
|-------------|--------------------------------|---|
| 1           | 2                              | 3   |

विद्युत विभाग की वार्षिक रिपोर्ट
 भोगला विभाग की वार्षिक रिपोर्ट

अग्रेजी और हिन्दी में भग्नेजी और हिन्दी में भग्नेजी और हिन्दी में

शायला विभाग का बायन स्थिटि
 विदयत विभाग की माग अनुदान, 1977-78

| 1   | 2   | 3                           |
|-----|---|-----------------------------|
| 4.  | कोयला विभाग की मांग ग्रनुदान, 1977-78                     | ग्रंग्रेजी ग्रीर हिन्दी में |
| 5.  | विद्युत विभाग का निष्पत्ति बजट, 1977-78                   | यंग्रेजी और हिन्दी में      |
| 6.  | कोयला विभाग का निष्पत्ति वजट, 1977-78                     | अंग्रेजी और हिन्दी में      |
| 7.  | केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण का मासिक प्रजासनिक बुलेटिन    | ग्रंग्रेजी और हिन्दी में    |
| 8.  | विद्युत प्रदाय उद्योग-महत्वपूर्ण आंकड़े                   | केवल धंग्रेजी में           |
| 9.  | केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की वार्षिक रिपोर्ट, 1975~76   | केवल अंग्रेजी में           |
| 10. | भारत का वसवा वार्षिक विद्युत सर्वेक्षण                    | गेबल श्रंग्रेजी में         |
| 11. | कोमले का परिवहन किए जाने पर उसके सदान सवा विद्युत केन्द्र |                             |

यादि निर्धारित करने के संबंध में घन्तः भंधान्त्रयोग नमिति की रिपोर्ट 12. सार्वजनिक विवासी तथा यखिन भारत के स्वांक्त्रे, 1975-76 केंबल संप्रेची में

में उसकी प्राप्ति में और मार्ग में हानियां और उनके लिए जिम्मेदारी केवल शंग्रेजी मे

भारत में विजली की ब्रोन्स दरें ब्रोर प्रमार
 देण में विवयत सन्ताई की स्थिति

केवल ग्रंग्रेजी में

118

Financial Aid for the repairs of Rural Roads in Rajasthan

6592. SHRI CHATURBHUJ: SHRI RANKANWAR BERWA:

117

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the state of repair and construction of roads in rural areas of Rajasthan is in total neglect and large parts of the State are inaccessible till now: and

(b) whether Covernment propose to give financial assistance and make available the facility and expertise for developing a good network of roads in the State; if so; the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) (b). Central Government have received no such raport. Rural Roads are a State subtect and the Rajasthan Government have to make an assessment of the situation and take suitable romedial measures. The collowing table indicates that expenditure substantially in excess of the Flan outlays has been incurred on roads under the State Flan

| Year               |   | Outlay | Expenditure           |                        |                                      |                  |  |
|--------------------|---|--------|-----------------------|------------------------|--------------------------------------|------------------|--|
|                    |   |        | All categories of ros | ds M.N.P.<br>Roads out | Rural<br>of (3)                      |                  |  |
| r                  |   |        |                       | 2                      | 3                                    | 4                |  |
|                    |   |        |                       |                        | Rs, in lakhs                         |                  |  |
| 1974-75<br>1975-76 | : | :      | :                     | 670<br>450             | 800-26 (Actual)<br>2259-15* (Actual) | 181·57<br>274·43 |  |

<sup>\*</sup>Includes advance Plan assistance for famine relief operation.

| 1       | 2    | 3                     | 4      |          |
|---------|------|-----------------------|--------|----------|
| 1976-77 | 521  | 750 15 (Actual,       | 50G 71 |          |
| 1977 78 | £37  | 1130 03 (Anticipated) | 599 17 |          |
| 1978 9  | 1250 | Yet to be sacurred    | 800 00 | (outlay) |

## Recovery of Royalty due from Indus tries by CSLO, Chandigarh

6593 SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state

- (a) whether an huge amount of royalty is due to be recovered from industries by the Central Scientific In struments Organisation Chandigarh
- (b) if so how much amount is out standing for recovery and since when and reasons for non recovery of the same
- (c) whether huge amount on account of advances to the firms is outstanding since long and
- (d) the amount of advances out standing and since when these are out standing and what are the reasons for non adjustment or recovery of the same?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARII DESAI) (a) and (b) (1) In respect of processes released through the National Research Development Corporation an amount of royalty due to be recovered from the parties in respect of CSIOs processes is as under —

Process Amount R<sub>3</sub>

(i) Med cal matruments Abous 12 409 (Penod Bal 31 3 73

to 3: 3 75)

( ) Digital frequency meter About 534 00 (Per od 1 31 3 75)

(2) The following two processes were released to the firms directly by the Organisation (i) Moisture Meier

(ii) Operational Amplifiers

Moisture Meter

The know how was released to a firm on 20th December 1965 The agreement was to be effective from its November 1965 for a pend of 10 Years on exclusive basis. The party has not paid royally after Nareh 1871 The matter is under correspondence with the firm for the due royally Operational Amplifer.

The agreement was entered into with the firm in April 1970 for a penud of 10 years. The firm paid royally upto 21st December 1973 only The matter relating to further payment is under correspondence with the firm The firms have not yet given information about the number of Instruments sold and consequently the amount out standing has not been worked out.

(c) and (d) A sum of about Rs 15283 lakhs was paid as advance upto February 1978 to different firms for the purchases to he made by the Institute on account of chemocil apparatus equipment plant and machinery for the R&D work of CSIO, Chandigath In most of the cases the materiar has been received and the adjustment of the advance is under-

मञ्च प्रदेश में संगीत तथा गाटक प्रभाग के

एक केन्द्र की स्थापना करना

6594 श्री फूल चन्द वर्मा स्था सूचना श्रीर प्रसारण मही यह बताने की कृपा वरेग कि

(१) क्या संगीत तथा भाटक प्रभाग का केन्द्र, भाषाल मध्य प्रदेश म स्थित या ग्रीर बाद

- (ख) यदि हां, तो इस केन्द्र को भोपाल पे ले जाने के क्या कारण हैं; और
- (ग) नया सरकार का विचार राज्य को आवश्यकताओं तथा लोगों की गांच को क्यान में रखते हुए ग्रंगीत तथा नांटक प्रभाग करने को है । और पटि हो, तो कब ?

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह) : (क) श्री, हां।

- (ख) 1973 में सरकार बारा यह निर्णय लिया गया था कि दिल्ली में स्थित मण्डलियों को उनके कार्य-शेल के निकट के केन्द्रों में स्थानात्तरित कर दिया जाए । उक्दु-सार, यह निर्णय लिया गया था कि क्तर प्रदेश और दिहार की दिशागीय नाकट मण्डली को, जो उस समये दिल्ली में स्थित थी, दिल्ली में पटना में स्थानतिति कर दिया जाए । यह महसूत किया गया था कि चूकि उत्तर अदेन प्रदेश और विद्वार की विभागीय मण्डलियों के मृत्वास्त्रयों को दिल्लो से पटना में स्थानांतितित किया था रहा है, खतः भीभाव कार्यालय के गुम्बालय को भी देहतर प्रवासिनक निवाब हेतु पटना में स्थानांतित कर दिया वामा
- (ग) भोषाल में एक केन्द्र स्थापित करने को योजना सरकार के सिक्रय रूप से विचाराधील है।

Setting up Industries in Katihar and Financial Assistance to them

6595. SHRI YURAJ: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Katihar district of Bihar is a backward district; (b) the Planning Commission have decided to provide government assistance for setting up industries in backward areas as per Janata Government's Policy regarding rural industrialization; and

(e) if so, the names of industries proposed to be set up in Katihar and the time by which these industries are likely to be set up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) The old Purnea district of Bihar which has since been bifurcated into Purnea and Katihar districts, has been identified as industrially backward to qualify for concessional figures facilities.

- (b) The Planning Commission have declared 247 district in the country as ludustrially backward to qualify for concessional finance facilities. Out of these 247 districts, 101 district areas have been identified to qualify for the per cent Ceptral Investment Subsidy.
- (c) One industrial licence has been issued to M/s. Kalyan Industrial Corporation, Calcutta for the manufacture of Conductors above 19 strauds. Two letters of Intent have also been issued to the following industries for the manufacture of items shown against lifem:—
- Shri Prabhat Kiran Oxygen Gas '
  Lakshampur P. O.
  Jamalpur-District
- Monghyr.

  2. Shri Vinod Kumar Wrapping & Packing Papers, 60:3
  Page, India Exchange, Place, Clacutta.

प्रोड्यूतरों तथा प्रोप्राप एग्जीवयूटिव के कार्य

6595. घो टी० एस० नेगी: श्या सूचना प्रीरप्रसारण नंती 15 मार्च, 1978 के असारांकित प्रश्न संख्या 3078 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की प्रृपा करेंगे कि 1

(क) किसी केन्द्र विजेव में प्रोडयूसर की निवृत्ति का मानवन्ट क्या है और उसे किस प्रवस्था में निवृत्त किया जाता है;

- (ब) क्या यह सच है कि अपनी कता से निपृण होने वे वारण प्रोड्यूसर ऐसा रार्य वर सनता है जो प्रोनाम एग्जीक्यूटिव नहीं वर वर ननता;
- (ग) बया यह भी सप है कि झान्त्रय-वाणी के दिल्ली केन्द्रा म गत छह महोता व दौरात श्रीडयूसरा को नियुनित के लिए इस्मीवर् साक्षास्त्रार किये परे क्योंकि इन यूनिटा के लिए प्रोप्ताम एम्बीक्यूटिन उपलब्ध गही ये, और
  - (प) दिल्लो में गत दी वर्षों ने दौरान पदोन्नत किये गंभे प्रोप्राम एग्बीक्यूटिया को मया विशेष अर्हताए हैं तथा क्या उहें इन वार्य क्षेत्र का व्यापक ज्ञान है ?

मुक्ता और प्रसारण मनी (भी सास हल्य घडवाणो) (म) विश्वी नेन्द्र पर मोप्राम स्वीवनरिया नी सहण नो निर्योरण वर्षवारी निरीयण प्रतिट दारा निर्योरण प्रतिट वर्षाम हिंगा आता है। प्रीयाम प्रविट दोगों ही मामिल हैं। प्रीयम एक्ती-प्रतिट दोगों ही मामिल हैं। प्रीयम एक्ती-प्रतिट होगों ही मामिल हैं। प्रीयमार मुक्त प्रति मामिल हों। प्रीयमार मुक्त प्रति मामिल हों। प्रतिप्ति प्रतिट प्रतिट में से बाव प्रतियोग में स्टार प्रतिट्टो हो माने पर सीमी मनी हारा, नियुक्त विया जाता है।

- (घ) जी, नहीं। प्राह्मुक्तो और प्रोह्मप्र एकीक्ट्रिया दोनों से यह प्रथमा की जाती है के के जिती न किसी क्षेत्र विद्या में दिख्यम्न ट्री प्रीर वे एन सा नार्य क्लडे हैं क्षित्रम इन्तरे कि प्रोम्मम् एन्डोक्ट्रिया, निवित्तत सरकारी मन्तरे हैं।
- (ग) भ्रानायवाणी, गई दिल्ली ने विदेश सेवा प्रभाग में प्रोयूट्सर के पद ने लिए 27 फरवरी, 1978 नो इण्टरव्यू लिया गया या , परन्त यह सही गर्हा है कि यह प्राग्राम

एम्बीनपूटिव के उपलब्ध न होने वे वारण लिया गया था ,

(प) प्राप्तान एस्वोन्स्ट्रियो की सहायक केन्द्र निदेशक के पद पर पदाप्ति कार्ती नियमा के सनुसार उनकी भाषित भारतीय यरिष्ठता क शामार पर की जात। है, न नि नेन्द्र-यार । दिल्बी ने किए सहायम नेन्द्र पिरेशन की मोई भ्रम्लय से भर्ती नहीं की गई।

बी॰ एव॰ ई॰ एत॰ एतार (शासी) के विस्तार के लिए पाच करोड रुपया

6597 श्रीलक्ष्मी नारायण नायकः क्या उद्योग मती भूयह वदानेको कृपा करेगे कि

- (क) क्या यह सच है कि सरकार ने बी॰एच॰ई॰एल॰ कारवाने, खैलार,(बासा) के विस्तार के लिए पाच बरोड स्पए और मज़र किये हैं ; और
- (ब) यदि हा, तो क्या इसहा विस्तार छेतार से तमे हुए मध्य प्रदेश के टीक्सक्ट जिले को सीमा घोरका को घोर क्यिय जाएगा और क्या इसके जिए घोर घविश घनरांगि होते का विवार है?

उद्योग मन्नालय में राज्य मन्ना (श्रीमती ग्रामा मयती) (क) जी, नही।

(ख) प्रश्न ही नही उठता

Expenditure incurred on Director, CSIO, Chandigart

6598 SHRI DINEN BHATTACHA-RYA Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to

- (a) how much expenditure has been necurred on TA/DA of the Director. Central Scientific Instruments Organisation, Chandigath (a CSIR Lab) during the last four years including the expenditure on his visits abroad,
- (b) how much expenditure has been incurred on the journeys undertaken

by him by the Staff car for the last four years; and

(c) how much expenditure has been incurred on the payment of official and residential telephone bills of the Director, CSIO for the last four years?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) About Rs. 53014 (In India Rs. 29407 and abroad Rs. 23607).

(b) About Rs. 8478.

125

(e) About Rs. 69069.

Appointment of Employees in the Khadi Gramodyog Bhavan, New Delbi.

6599. DR. MAHADEEPAK SINGH SHAKYA: Will the Minister of IN-DUSTRY be pleased to state:

(a) whether certain employees were promoted and many other officers were appointed directly in Khadi and Gramodyog Bhavan, Delhi during 1975-78; and

(b) if so, the number thereof and the qualifications for the appointments and whether no attention was paid towards the seats reserved for scheduled castes and if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF INDUSTRY (SHRI MATI ABHA MAITI). (a) and (b). Eleven staff members were promoted and litty-one were selected against various posts amongst the staff during 1975—78 as per attached statement. Out of these five belong to the Scheduled Castes. The qualifications correspond to the responsibilities attached to the different posts. No external direct recruitment was made during the period.

#### Statement

|                    | Des   | ignati   | on   |                    | Grade                        | Promotion | Selection<br>amongst<br>staff |
|--------------------|---|--|--|--------------------|------------------------------|-----------|-------------------------------|
| Incharge           |   |  |  |                    | . 425-700                    | 1         |                               |
| Assistant Incharge |   |  |  |                    | . 380 <del>-</del> 610       | 1         | -                             |
| Stenographer       |   |  |  |                    | 425-700                      |           | 1                             |
| Salesman I         |   |  |  |                    | . 380-640                    | 2         | 1                             |
| Accountant III     |   |  |  |                    | . 380640                     |           | 1                             |
| Cutter Master      |   |  |  |                    | • 380—6‡o                    | ı         |                               |
| U.D.C.             |   |  |  |                    | - 330-560                    | 2         | t                             |
| Salesman II        |   |  |  |                    | - 330-560                    | 3         | 1                             |
| Helper/Packer      |   |  |  |                    | • \$10—\$90                  |           | 1                             |
|                    | Grad  | e  |  |                    | . 210-270                    | 1         | 25<br>1                       |
|                    |   |  |  | Toral              | . :                          | 11        | 31                            |
|                    | Assistant Incharge Stenographer Salesman I Accountant III Cutter Master U.D.C Salesman II Helper/Facker | Incharge  Assistant Incharge  Stenographer  Saleman I  Accountant III  Cutter Master  U.D.C.  Salesman II  Helper/Packer | Incharge . Assistant Incharge . Stenographer . Salesman I . Accountant III . Cutter Master . U.D.C | Assistant Incharge | Incharge  Assistant Incharge | Incharge  | Incharge                      |

128

गृत्ररात की परियोत्तनाओं के निष् नत्र की गर्द धनराशि

6600 श्रो छोनू माई गामि⊀ः त्या मोजना मती यह बताने की कपा करेंगे रि

- (क) गुजरात सरमार ने 1974-75 मे 1978-79 तक धपनी प्रत्येक वर्ष की योजनामो वे लिए विननी धनराशि माबी थी. उमने लिए योजना श्रायोग ने नितनी धनराशि मजर वी तथा उक्त वर्षी वे लिए हितनी धनराशि प्रदान की गई .
  - (ख) वर्ष 1978- 79 की इस राज्य की प्रत्येक परियोजना के लिए कितनी धनराशि मजुर की गई है ग्रीर
  - (य) यथा मजुर की गई इस राहि में से कोई धनराशि गजरात म बाद नियवण मीर

समुद्री तुपानों के बारे में उपायों के किए भी निर्धारित की गई है ; मौर यदि हा ता तरअम्बन्धी योजना की नस्य बातें क्या है ?

प्रधान मंत्री (थी मोरारजी देसाई) : (य) विवरण 1 में 1974-75 से 1978-79तन के वर्षों के किए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित परिवास घीर सोजना भागीप द्वारा धनमोदित परिव्यय दिये गये हैं।

- (ख) विवरण 2 में 1978-79 में जिए 335 ररोड रूपए वे घनुमोदित परिव्यय के क्षेत्रवार प्रावडे दिये गये हैं।
- (ग) 1978-79 के लिए अनुमोदित परिव्यय में से, 350 करोड़ रपए बाढ़ निवतण ने उपायों ने लिए प्रावटित निये गये हैं। बाद नियत्नण ने नायों भीर सारेपन के धन्त अमण के बचाव वे लिए इमधनराणि के उपयोग निय जाने ना प्रस्ताव है।

विवरण 1

# गुजरात की 1974-75 से 1978-79 तक की दार्थिक योजना

(बरोड ६०)

| थापिक योजना<br>का बद | राज्य सरकार<br>द्वारा प्रस्तावित<br>परिव्यय | बाजना ग्रयोन<br>द्वारा ग्रनुमोदित<br>परिज्यम | सशीधित भनुमोदित<br>परिच्यम | वास्तविवः/<br>प्रत्याशितं व्यय |
|----------------------|---|--|----------------------------|--------------------------------|
| 1                    | 2   | ³  | 4                          | 5                              |
| 1974-75              | 150 00                                      | 143 32                                       | 160 12                     | 188 22                         |
| 1975-76              | 180 02                                      | 187 65                                       | 218 20                     | 236 15                         |
| 1976-77              | 225 00                                      | 193.25                                       | 218 50                     | 249 37                         |
| 1977-78              | 305 75                                      | 280 58                                       | 302 01                     | 303 92                         |
| 1978-79              | 332 18                                      | 335 <b>0</b> 0                               |                            |                                |

टिप्पणी • सशोधित भनुमोदित परिव्यय (कालम 4) भौर वास्तविक/प्रत्याशित व्यय (कालम 5) मे प्राकृतिक विपत्तियो सबधी व्यय शामिल है।

भ और जल सर्वेक्षण

पग्पालन और डेरी विकास

कृषि वित्तीय संस्थाओं में निवेश

सामुदायिक विकास और पंचायतें

कृषि और सम्बद्ध सेवाएं 2. सहकारिता

3. जल और विद्यत विकास

खनन और धात् कमीय उद्योग

 ज्योग और खनिक पत्तन, प्रकाश स्तमं ग्रीर मौबहन

सड़कें और पुल

सदक परिवहन

383 LS-5

ग्राम और लघु उद्योग

(क) अनुमोदित नियंत्रण क्षेत्र

(ख) क्षेत्र विकास के अन्य कार्यक्रम

क्षेत्र विकास :

मीन उद्योग

बत लहारेग

सिचाई .

विद्यत

**जहांग** 

वाढ़ नियंत्रण

| गुजरात | की | 1978- | ·79 की | वर्गिषक | योजना |
|--------|----|-------|--------|---------|-------|
|        |    |       |        |         |       |

(लाख रुपये) विकास गीर्ष परिव्यय

श्रनमोदित

400

85

340

275

680

100

595 5109

533

7825

350

9225 17400

780

365

150 1295

150

1745

840

1

2

कृषि 1260

181

भूमि सुधार

छोटी सिचाई 1193

| I.    | Written   | Ansus         | rz.       | APRIL     | 12, 197  |         | vritten | Answers | 13 |
|-------|---|---------------|-----------|-----------|----------|---------|---------|---------|----|
|       |   | 1             |           |           |          |         |         | 2       | _  |
| खंटन  |   |               |           |           |          |         |         | 25      |    |
|       |   |               |           |           |          |         |         | 2760    |    |
|       | रियहन गीर                                       | संदार         |           |           |          |         |         |         |    |
|       | य गिक्षा,<br>भौर मस्द्रति                       | }             | •         | ٠         | ٠        | •       | •       | 1031    |    |
| तवनी  | की शिक्षा                                       | •             |           |           |          |         |         | 102     |    |
| पर्मव | ारी राज्य वी<br>गरी राज्य वी<br>स्वास्थ्य श्रीर | मा स्वीम      |           | र्वितमा ] |          |         |         | 371     |    |
| मल् व | व्यवस्था ग्रोर                                  | जल पूर्वि     |           |           |          |         |         | 1765    |    |
|       | त प्रावासी व<br>त घावास                         | ो छोइव        | र ग्रावार | }         |          |         |         | 975     |    |
| घहर   | ो वियास   |               |           | ٠.        |          |         |         | 325     |    |
| राक्ट | य <del>की राजधा</del> न                         | ी परियो       | थना       |           |          |         |         | 289     |    |
| स्पन  | त भोर प्रवा                                     |               |           |           |          |         |         | 10      |    |
| यम्   | ग्रीर श्रमिक                                    | क्त्याण       |           |           |          |         |         | 71      |    |
| धन्त् | ্ৰিব জাৱিব                                      | ो, ग्रनुपूर्ग | चेत जन    | वातियो ता | स भ्रत्य | पिछडे व | ों ग    |         |    |
| 4     | स्याण   | •             | •         |           | •        |         |         | 1225    |    |
|       | अं क्ल्याण                                      | •             | ٠         | -         |          |         |         | 23      |    |
| योप   | हार.  |               | ٠         |           | •        |         |         | 127     |    |
| 6 1   | सामाजिक श्री                                    | र सामुदा      | विक सेव   | Ų.        |          |         |         | 6314    |    |
|       | বৰালয-সাধি                                      |               |           |           |          |         |         | 25      |    |
| म्हार | गजि≆ ग्रीर                                      | पेछडे क्षेत्र | r         |           |          |         |         | 50      |    |
| भा    | यं र सलाह य                                     | ोर मालि       | कि        |           |          |         |         | 14      |    |
| 7     | माविक सेवा                                      | 3             |           |           |          |         |         | 89      |    |
|       | वुल जोव   | 5             |           |           |          |         |         | 33500   |    |

Losses in Production and Sale of Controlled Cloth

6601 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) whether it is a fact that heavy losses have been incurred in production and sale of controlled cloth. (b) if so, how much loss incurred by Government run textile mills and other textile mills, and

(c) whether Government are considering to give protection to these textile industries which have been sick due to production of controlled cloth and if so, what are the steps contemplated by Government to solve this problem?

133

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITD: (a) and (b). Production of controlled cloth involves loss which depends upon the production economics of the Mill and the particular varieties produced by a mill. Since the production factor varies, it is not possible to accurately ascertain, the loss.

(c) Financially weak Mills are given graded exemptions from production of controlled cioth depending on the extent to which their reserves have been wiper out.

मध्य प्रदेश में कृषि के लिए विजलो की खपत

6602. श्री यसुना प्रसाद मंदल : वया कर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देस के विभिन्न राज्यों में कृषि के लिए विजली को खपत की प्रतिशतता क्या है : (ख) क्या मध्य प्रदेश में हुपि के लिए विजली की खपत केवल पांच प्रतिशत है ;

(म) यदि हां, तो नया केन्द्रीय तरकार मध्य प्रदेश को अधिक धनराणि प्रदान करंगी जिनसे 1578-79 में यह विचली को खपर को उन्तर प्रतिग्रवता को बहाकर उस स्तर तक को के वो अन्य राज्यों की तुलना में मंतीय-चनक हो?

- ऊर्जी संबी (श्री पो॰ रामचन्द्रत): (क) देख के विभिन्न राज्यों में वर्ष 1976-77 के दौरात कृषि प्रयोजनों के लिए ऊर्जा को वास्त-विक खपत दिखाने बाला विवरण जपावन्य के रूप में संस्तान है।

(ख) वर्ष 1976-77 के दौरान मध्य प्रदेश में ऋषि प्रयोजनों के लिए विजवी की खपत 6.1% रही।

(ग) मध्य प्रदेश में भ्राम विश्वतीकृषण के लिए निधियों का आवंटन वर्ष प्रतिवर्ध वढ़ रहा है। मध्य प्रदेश में छुपि प्रयोजन के लिए विजली की खपत भी बढ़ रही है।

## विवरण

# वर्ष 1976-77 में कृष्टि क्षेत्र में ऊर्जी की खपत (बनितम)

| क्रां व | । दा       | ड्य/संघ | गासित क्षत्र |  | बेची ग<br>(सिलिय | कुल खपत<br>में इचि के<br>लिए खपत |                                     |                   |
|---------|------------|---------|--------------|--|------------------|----------------------------------|-------------------------------------|-------------------|
|         |            |         |              |  |                  | कर्जा की कुल<br>खपत              | कृपि क्षेत्र में<br>कर्जा की<br>खपत | की<br>प्रतिश्वतता |
| 1       |            |         | 2            |  |                  | 3                                | 4                                   | 5                 |
| 1.      | য়ায় সুইল |         |              |  |                  | 3429                             | 751                                 | 21.9              |
| 2.      | श्रसम      | •       |              |  |                  | 522                              | 5.5                                 | 1.1               |
| 3.      | विहार      | •       |              |  |                  | 4112                             | 501                                 | 12.2              |
|         | गुजरात     |         |              |  |                  | 5489                             | 918                                 | 16.7              |

| Written Answers  | AFRIL 12 19 | 78 W71t   | ten Answers | 136   |  |  |
|--|-------------|---|-------------|-------|--|--|
| 1 2  |             | 3   | 4           | 5     |  |  |
| o हरियाणा  |             | 1871  | 720         | 38 5  |  |  |
| 6 हिमाचल प्रदेश  |             | 226   | 3 4         | 1 5   |  |  |
| 7 जम्मू और वाश्मीर   |             | 297   | 60          | 20 5  |  |  |
| ৪ ধৰ্মীৰ   |             | 4694  | 396         | 8 4   |  |  |
| 9 केरन   |             | 2110  | 92          | 4 4   |  |  |
| 10 मध्य प्रदश  |             | 3736  | 228         | 6 1   |  |  |
| 11 महाराष्ट्र  |             | 10811   | 933         | 8 6   |  |  |
| 12 मणिपुर  |             | 11  | नगण्य       | नगण्य |  |  |
| 13 मेथालय  |             | 44  | मगण्य       | नगण्य |  |  |
| 14 नागानण्ड  |             | 17  | नगण्य       | मग्रय |  |  |
| 16 उडीगा   |             | 2048  | 10          | 0 5   |  |  |
| 16 पञ्चाय  |             | 3586  | 973         | 27 1  |  |  |
| 17 राजस्यान  |             | 2103  | 428         | 20 4  |  |  |
| 18 सिनितम  |             |   | -           | _     |  |  |
| 19 विभिननाडु   |             | 6527  | 1695        | 26 0  |  |  |
| 20 बिपुरा  |             | 14  | 1 2         | 8 3   |  |  |
| 21 उत्तर प्रनेश  |             | 7072  | 1855        | 26 2  |  |  |
| 22 पश्चिम बगान   |             | 5882  | 68          | 1 2   |  |  |
| सघ राज्य सन  |             |   |             |       |  |  |
| (क) चण्डीगढ  |             | 114   | 2 1         | 1 8   |  |  |
| (ख) पाण्टिचरी  |             | 117   | 35 4        | 30 2  |  |  |
| (ग) दिस्ला   |             | 1596  | 5 1         | 0 3   |  |  |
| (घ) शप   |             | 175   | 2 1         | 1 :   |  |  |
| जोड (ग्रधिल मारत   | r)          | 66598   | 9683        | 14 53 |  |  |
| Entry of Mize Rebels in Manipur<br>6003 SHRI ANANT DAVE Will<br>the Minister of DETENGE be pleased<br>to state<br>(a) whether Government are sware |             | in Indian Express of 24th February<br>1978 and                  |             |       |  |  |
|  |             | (b) If so the action being taken b<br>Government in the matter? |             |       |  |  |

(a) whether Government are aware of the news item. Alert on Border as Mizo Rebels enter Manipur. appeared

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) and

(b), Government have seen the news item.

The Union Territory authorities and our Security Forces have been taking appropriate and necessary action to deal with the situation created by certain lawless elements in Mizoram.

#### Development of Baltle Tank

6604, SHRI SARAT KAR; Will the Minister of DEFENCE be pleased to state;

- (a) whether it is a fact that an indigenously designed main battle tank is being developed at the Combat Vehicles Research Development Establishment (CVRDE) at Avadi;
- (b) if so, the details thereof and whether there is any proposal on a project for the modernisation of the present Vijayanta tank by incorporating some of the latest inventions; and
- (c) if so, the details regarding the modifications introduced in the production line at the heavy Vehicles Factory at Avadi?

THE MUNISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) Yes, Sir

- (b) It will not be in the public interest to divulge details. Yes, Sir; there is a proposal to incorporate certain improvements in Vijayanta tank.
- (c) It will not be in the public interest to divulge defails.

### हिन्दी अधिकारी

6605. श्री रामजीवन सिंह: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तरकार को इस आवय के कुछ अभ्यानेदन प्राप्त हुए हैं कि तदये हिन्दी अधिकारियों को सरकार इारा निमित्त की जाने वाची सचिवालय हिन्दी सेवा में दिना किसी परीक्षा के कामिल किया जाना पाहिए ; और (ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रासय में राज्य मंत्री (थ्री धनिक सासमण्डल): (क) श्रीर (ख). इस सम्बन्ध में कुछ अतिवेदन प्राप्त हुए थे श्रीर इस सामले में तरकार में संघ लोक सेवा आयोग से पहल की है।

### भारत हैवी इलेक्टिकल्स में घाटा

6606. श्री मदन तिवारी : न्या उद्योग मंत्री बुद्ध बताने की क्रुपा करेंगे कि :

- (क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकरस सिमिटेड भोषाल (म॰ प्र॰) में सगातार घाटे धीर इस्तादन में घाटे में विद्य के क्या कारण है :
- (ख) क्या सरकार का विचार इसके कारणों की जांच करने का है; और
- (ग) यदि हां, तो शव और यदि नहीं वो उसके क्या आरण हैं ?

उद्योग मंत्रासय में राज्य मंत्री (क्षोमतो ब्रामा मयती) : (क) भारत हैगी द्विक्ट्रिक्स द्विमिटेड, भोगास में 1971-72 से लागानी मृत्यासा हो रहा है। रिडले कुछ वर्षों में (31-5-77 तक) उत्तादन में भी बराबर बृद्धि हुईहै। इस्तिय, भारत हैगी द्विक्ट्रिक्स दिमिटेड, भोगास में न तो भारत हों हुआ है और न को उत्तादन में ज्ञानि कही

(ब) और (ग). प्रश्न ही नहीं उठते?

# Hydrogen and Oxygen Gas Generators

6607. SHRI RAM DHARI SHAS-TRI: Will the Minister of DE-FENCE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Hydrogen and Oxygen gas Generators for storing and filling Laboratory equipment were purchased by the Defence Science Laboratory in 1972;
- (b) if so, how much money was spent on it;

and

(c) whether it is also a fact that this generator was not at all used since its receipt and the Laboratory is purchasing Hydrogen and Oxygen gas worth Rs lakhs from the market,

(d) if so why this generator was purchased and whether Government propose to fix responsibility for spending huge money on these generators?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) An electrolytic generator for the production of hydrogen gas was procured by Defence Science Laboratory in 1972 oxygen gas was only a by product

(b) The total cost of generator with accessories was Rs 341500/- (with no foreign exchange component)

- (c) No Sir The plant was duly commissioned in January 1973 and was used in the preliminary experi ments which involved a hydrogenation process as part of a high priority clas sified project. The plant could not be continuously used for this project as originally expected because during the trial runs it was discovered that the use of high pressure hydrogen would result in higher efficiency The generator lacked additional comp es sor and storage facilities to provide such high pressure hydrogen Adda tion of these stages would have meant additional expenditure and time and difficulties relating to availability of electric power for running both the generator and compressor The total purchase of high pressure gas from the market for the project is about Rs 30 000/ since the installation of the generator
- (d) A hydrogen generator is a valuable facility in a chemical laboratory. In this case the generator was purchased for the Defence Science Laboratory with the expectation that it would be needed extensively in connection with the said high priority project. The pilot plaint relating to this project after being successfully set up, has been shifted to another

Defence Laboratory in Hyderabad concerned with further development in this area. It is proposed to shift the hydrogen generator also to the same Laboratory where there is need for it. No infructious expenditure us involved and the question of fixing responsibility does not nrise.

#### Coal Mining by Private Parties

5506 SHRI C. K. CHANDRAPPAN SHRI M RAM GOPAL BEDDY

SHRI JYOTIRMOY BOSU

The Minister of ENERGY be plea sed to state

- (a) whether Government have a proposal under consideration to allow private parties to take up coal mining in virgin areas and
- (b) if so the main features thereof.
- THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (2) No Sir
  - (b) Does not arise

Changing of the Cross of St George flown on Indian Naval Ships

6609 SHRI YADVENDRA DUTT Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) whether the Cross of St. George (Red Duster) flag is flown on the ships of Indian Navy
- (b) is it a fact that it is the flag of British Navy and does not represent the Indian Naval Traditions
- (c) it so whether the flag is proposed to be changed and replaced by an Indian flag representing Indian Naval Tradition and
  - (d) if so when?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) and (b) The Indian Naval Ensign has a

(c) and (d). The suggestion will be considered in due course.

र्टनरी एण्ड फुटवेयर कारपोरेशन, कानपुर में पंजी निवेश

. 6610. श्री रामगोपाल सिंह: बंबा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) टैनरी और फुटवेयर कारपोरेशन, कानपुर में कुल कितनी पंची लगाई गई;
- (ख) इस नियम को अब तक किन्ननी लाम या हानि हो चुकी हैं; और
- (ग) इस कारखाने के कार्य को मुख्यवस्थित करने के लिए संरकार क्या उपाय कर रही है ?

ज्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती सामा मयती): (क) टैनरी एण्ड फुटवेयर कारपोरेशन आफ इण्डिया सि०, कानपुर में किया गया कुस पूंजी-निवेश निस्न प्रफार हैं:—

- इन्बिटी --- 395, 92 नाख श्वये
- पूंजीयत ऋण— 140.59 लाख रुपए
- अन्य कम अवधि वाले प्रश्च—
   679.60 लाख रुपए
- (ख) निगम अपने प्रारम्भिक वर्षे 1969 से ही हानि उठा रहा है तथा 31-3-1978 तक निगम ने कुल 895 लाख रूपएं की तनि उठाई है।
- (ग) निगम के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किये मये हैं तथा किये जा रहे हैं:—
- उच्चस्तरीय प्रवन्ध में परिवर्तन किथे गथे हैं ;

- बूवें-उत्पादन की किरम में भुष्ठार लाने तथा भारतीय कार्मिकों को प्रशिक्षण देने के सिए एक बिटेशी तकनीशियन की नियुधित की मई है;
- अनेक विरुट प्रवत्यकों की सेवायें समाप्त कर दी गई है तथा उनके स्थान पर नए प्रवत्यक नियवत किये गये हैं:
- 4. निगम में श्रष्टाचार के स्रोतों का पता लगाने तथा उन्हें दूर करने के लिए एक स्वकंता शकोष्ठ स्थापित किया गया है:
- संबद्ध और मशीनों के आधुनिको-करण और उनके प्रतिस्थापन के एक प्रावस्था-बद्ध कार्यक्रम को कियान्वित किया जा रहा
- 6. जत्यादन बढ़ाने, विषणन में सुधार लामे, वकाया राशि को बसूल करने और बड़ी बस्तु-पूची को कम करने के लिए खाफी प्रधास किये जा रहे हैं:
- 7. उच्चतम स्वर तक उत्पादन को बढ़ाने और उसमें विविधता काने के लिए एक संयुक्त योजना तैयार की जा रही है ताकि उसका क्रियांक्यन किया जा सके।

Meeting of a Anand Marg Official with Prime Minister

6611 SHRI P. K. KODIYAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether a Senior Anand Marg official has assured the Prime Mintrter that the organisation did not have a hand in the recent acts of violence and sabotage in India and abroad; and
- (b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) and (b). Acharya Niyebadhanand Avadhoot, Construction Secretary of the Anand Marg Pracharak Sangh,

met the Prime Minister on the 1st March 1978 and handed over to him a representation in which inter c is it was stated that the Marg believed in non violence that they were not be hind any act of suspected sabotage or threatening letters addressed to VIPs and that they had no connection with the UPRF The Prime Minister resected the claim that Atland Mare was not behind the threatening letters and that UPRF had no connection with the Anand Marg The Prime Minister advised that Marg leaders should condemn violent activities and the writing of threatening letters and prove beyond doubt their bonafides about their following the path of non

143

violence

Transfer of Director, BARC as Scien. tific Adviser

6612 SHRI D D DESAI SHRI VASANT SATHE SHRI MUKHTIAR SINGH MALTK

SHRI G M BANATWALLA

Will the PRIME MINISTER be pleased to state

- (a) whether Dr R Ramanna, Di rector of the Bhabha Atomic Re search Centre Bombay has been transferred as Scientific Adviser to the Government or in any other such capacity
- (b) if so the reasons for the trans ier and
- (c) whether Government are aware that this action has created certain apprehensions in the minds of the staff of the BARC as reported in the new spapers on March 18 19 and 20?
- THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) and (b) The post of Scientific Adviser Ministry of Defence was held as an additional charge by Prof. M G K. Menon Sec retary Department of Electronics and Chairman Electronics Commission, Hav ing regard to the workload and res

ponsibilities of the post it was felt that a full time scientist was neces sary Government have had Dr Ramanna in view among others and eventually the choice was made in his favour having regard to the needs of the post and Dr Ramanna's own qualifications

(c) If there were any apprehen sions they are completely unfounded

Selling of Imported Machines by Ms Hindustan Aeronautics Ltd.

6613 SHRI D AMAT Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) whether M|s Hindustan Aero nautics Ltd. Hyderabad have sold Imported TV Deflection Components and equipments machines
- (b) if so to whom these machines have been sold and in what amount
- (c) whether it is a fact that for the purchase of the above mentioned Im ported Machines and Equipments some other Firms were correspond ing with the Hindustan Aeronautics Ltd Hyderabad
- (d) if so why negative reply was sent on 24th June 1977 by Mis Hindustan Aeronautics Ltd Hydera bad to the firm that they are not mterested to dispose of the imported TV Deflection Components and Equip ments machines and why tenders were not called for the disposal of thece machines and
- (e) whether it is a fact that nego tiations were made for the disposal of these machines with the only interested Firm and the particular firm was favoured as no tenders etc. were called and machines were disposed of to them?
- THE MINISTER OF STATE IN THE THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH) (a) Hindustan Aeronautics Limited Hyde rabad (HAL) have not sold any Im ported Components of TV Deflection Units They have, however sold/

hired out some Imported material, indigenous material and capital equipment used for manufacture of Deflection Components.

145

- (b) The machines were not sold but hired out to M/s. Suchitra Electronics(P) Limited, a Joint Sector Undertaking of Andhra Pradesh Small Scale Industries Development Corporation, Hyderabad at Rs. 72,000/- per annum.
- (c) A total of 6 Firms were corresponding with Hindustan Aeronautics Limited,
- (d) A negative reply was sent toanother Firm which had approached MAL after the latter had decided to sell materials and equipment/hire out machines to the Firm referred to in (b) above.
- (e) In view of the (c) and above it would not be correct to say that negotiations were held with the only interested firm and the particu-lar Firm was favoured. The deal was finalised with the firm offering the best terms.

#### भाषतला में उद्योगों की स्वापना

6614. श्री स्थाम साल ध्वे: नया उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंने कि :

- (क) क्या मध्य प्रदेश के पिछड़े आदि-वासी क्षेत्र, माण्डला में खनिजों के अलावा वनसम्पदा भी उपलब्ध है; ग्रीर
- (ख) यदि हां, तो इस कच्चे माल पर ग्रावारित उद्योगों की स्थापना हैत की बा रही कार्यवाही का व्यारा क्या है ?

उद्योग संत्रालय में राज्य मंत्री (धोमती प्राभा मयतो) :.(क) जी, हां । भाष्टला के तकनीकी आर्थिक सर्वेक्षण से जिले में सालवृक्षों श्रामला, लाख श्रीर खर(नम)वृक्षों, मलायम सकड़ी सवा बांस की वन सम्पदा का पता चला है।

(ख) ग्रामीण उद्योग परियोजना कार्य-। त्रम की केन्द्र हारा प्रायोजित योजनार्वे माण्डल में वन सम्पदाओं सहित स्थानीय संसाधनों के श्राधार पर जिले में लग उद्योगों का गहन विकास करने के लिए पांचवी पंचवर्षीय योजना के शारम्भ अर्थात वर्ष 1974-75 से ही चलाई जा रही है इस योजना के ग्रधीन भावी उद्यमियों को उत्पादन की सही दिशा का चयन करने, प्रौद्योगिकी और ऋषीं ग्रादि की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन एवं नहायता प्रदान की जाती है ।

Visit of Defence Team abroad for the assessment of Deep Penetration strike Aircraft

#### 6615, SHR: PRASANNEHAI MEHTA: SHRI SARAT KAR:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state;

- (a) whether the defence team of experts left India in the month of Feb. ruary, 1978 to make advance assessment of deep penetration strike aircraft, if so, the countries which the expert team has visited and bave since come back:
- (b) whether any report has been submitted by them, if so the details of the same;
- have Government (c) whether taken final decision after the expert report; and
- (d) the total expenditure involved in purchasing aircrafts and the total number?

THE MINISTER OF (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) to (d). The report submitted by the Team which had gone to France, Sweden and U.K. to negotiate the purchase and production of a new type of Aircraft to replace the ageing fleet of Canberras and Hunters is presently under consideration of the Government, No final decision has been taken as yet as between the three compeling Aircraft. It will be appreciated that at this stage, it will not be possible to indicate any details.

Centract with M/s. Binny and Co for Mechanite Casting for Haldia Dock

147

- reie shri sushil kumar dhara Will the Minister of Shipping And Transport be pleased to state
- (a) whether it is a fact that a contract had been entered into with M/s Binny and Co for mechanite rasting for Haldia Dock, and
- (b) if so the reasons for terminatica of the same?
- THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) Yes, Sir
- (b) The contractor who had entered into a sub contract for supply of mechantle castings with M/s Binny Engineering Company, terminated the same as a result of controversies vith the sub-contractor in respect of inspection testing and specifications of the castings.
- The case is now under investigation by C.B.I

Clash in BREL, Harldwar

6617 SHRI RAM SEWAK HAZARI

SHRI CHITTA BASU

- Will the Minister of INDUSTRY be
- (a) whether there was an encounter between the workers of Bharat Heavy Electricals, Handwar and CISF pertonnel on 23rd March 1978.
- (b) if so, the causes thereof and the loss of life and property suffered as a result thereof, and
- (c) whether Government propose to conduct any inquiry into this matter and the measures taken to ensure that such incidents do not recur?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (2) Yes, Sir

- (b) In connection with the production of identity eard there ensued an altercation between a worker the personnel of Central Industrial Security Force (CISF) on duty The workman concerned alleged that he was man handled by an Assistant Sub-Inspector of CISF and this was the main cause for the riotous situation and fight between the workers and the CISF personnel. The CISF perconnel have stated that they resorted to laths charge and firing in self dcfence The actual causes are being investigated by the Uttar Pradesh Police In the incident 23 workers received injuries, including 8 who suffered gun shot wounds. 110 CISP personnel were injured, including two Assit Commandants who received serious injuries One Assistant Sub Inspector, CISF who was admitted to the Hardwar Hospital succumbed to his injuries. The loss of property has
- been assessed at about Rs 50,000/
  (c) The whole incident is being inquired into by UP Folice on the basis
  of complainly filed by both sides Precautionary measures to ensure awad
  ance of such incidents have already
  been taken by (1) improving the communication between workmen and
  management and (iii) by making a
  provision for a mobile armed reserve
  suff figure squad for which the UP.
  Govt have been approached for avaistance

## Per Capita Income

6618 SHRI B C KAMBLE Will the Minister of PLANNING be pleased to state

(a) per capita income as on the end of each of the Five Year Plans, of Scheduled Castes, Scheduled Thiessocially and educationally backward classes, the waker sections mentioned in Article, 46 of the Constitution of India,

(h) reasons for such a low rate of per capita income of these people, and (c) the stops the Government propose to take to increase the per capita income of these people to bring to the level of average Indian?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) and (b). Per capita incomes have not been estimated on the basis of social groups.

(c) The draft Sixth Five Year Plan makes very substantial provision for the welfare of the Scheduled Castes. Scheduled Tribes and other backward and weaker sections and the schemes when implemented, will it is hoped, make a significant improvement in their per ceptia income and general well-being. The integrated rural development programme included in the plan will further improve their situation.

#### Report of Baweja Commission on Lathi-charge in Thar Jail

6619. SHRI HARI VISHNU KAMATH:

FAIRS be pleased to state:

SHRI JYOTIRMOY BOSU; Will the Minister of HOME AF-

- (a) whether the Commission of Inquiry set up to inquire into the ind-dent of lathi charge in Central Jail, Tihar, on the 2nd October, 1973 (Gandhi Jayanti) had submitted its report;
- (b) if so, its findings and conclusions;
- (c) whether the report will be laid on the Table; and
  - (d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL):
(a) to (c). Yes Str. The findings and the conclusions of the Commission are indicated in the report, copies of which are being placed on the Table of the Houre.

(d) The question does not arise.

. Shortage of Cement in Rajasthan

6620. SHRI MEETHA LAL PATEL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that there is acute shortage of cement in Rajasthan at present and if so, the reasons therefor:
- (b) whether it is also a fact that the cement quota supplied to the State has been reduced considerably and if so, to what extent and the reasons therefor; and
- (c) whether it is also a fact that farmers are not getting commet required for completion of their wells etc?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) to (c). The total despatches of Cament during 1977-78 was 8.40 lakh tonnes (Provisional) against 6.49 lakh tonnes during 1976-77. Allocations in the past were being made slightly in excess of the anticipated availability due to non-lifting of cament by some of the allottees. In view of the spurt in demand and improved lifting of quantities allotted, allocations are now being restricted to firm estimates of availability of production, The shortage in the State is part of the overall shortage of coment in the country. As regard supply of cament to farmers in the State, the State Government has indicated that while efforts are made to meet the demand for completion of wells, it has not been possible to meet the full demand due to inadequate availability.

Meeting of the National Development Council

6621. SHRI S. S. LAL: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that National Development Council at its sitting held on 18th and 19th March, 1978 was not able to take any decision about Centre-State fiscal relations;

(b) if so, the reasons therefor and what kind of steps Government propose to take in this regard,

(c) whether it is also a fact that 11 Chief Ministers of various States have decided to set up a parallel Committee for the purpose, and

(d) if so, the details of the stand taken by Government to avoid any confrontation between the Centre and State Governments?

THE PRIME MINISTER MORARJI DESAI) (a) and (b) The main purpose of the meeting of the National Development Council convened on March 18 and 19 1978 was to consider the draft Plan for the five years 1978-83 The question of Centre-State fiscal relations was olso raised Considering all relevant factors the NDC felt that the existing fiscal arrangements need to be further discussed having regard to the Constitutional provisions A Committee of the National Development Council was agreed to be set up for this purpose The Committee would interalia review the Gadgil formula of Central assistance and the scope of Centrally sponsored schemes in the Plan

(c) According to the earlier press reports some Chief Ministers pro posed to hold a conference at Chandigarh to discuss Centre State fiscal relations A recent press report indicates that the proposal seems to have been dropped

(d) There is no question of any confrontation between the Central and State Governments as both have the common objective of maximising resources for development and deploying these effectively to promote balanced growth along desired lines

# निरन्तर शिक्षा के लिए सार्वजनिक उदयभ

फेन्द्र (पब्तिक एटरप्राइज सेंटर) 6622. श्री भानुकुमार शास्त्री स्त्रा

उद्योग मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि

(क) क्या मलालय ने निरन्तर धिक्षा के लिए सार्वजीनक उद्यम केन्द्र (पव्लिक एटर-

ब्राइज सॅटर) नामन एवं मस्थान घोला है, यदि हा, तो उस पर वापिन धनुमानित खर्च विजना होगा तथा इस खर्च को भीन सा मदालय वहन घरेगा, और

(छ) उस बेन्द्र तथा राष्ट्रीय थम मस्यान के बुल्यों में बया धन्तर है, यदि कोई अन्तर नहीं हैं, तो यह वेन्द्र क्या खोता गया है ?

उद्योग मत्रामय से राज्य मत्री (श्रीमती श्रामा मधतो) (य) निग्न्तरशिक्षावे लिए बरवारी उद्यम केन्द्र (पश्चिक एटरप्राइम मेंटर) की स्थापना केन्द्रोम मरकार के सरकारी चदयमा वे भगटव मदस्यों वे रूप में की गई है। वर्ष 1978-79 क लिए केन्द्र का अनुमानित वाधिक व्यव 28 लाख रुपए है जी मरकारी धेत्र के उपप्रमी द्वारा वहन किया जाएगा ।

(ख) सरनारी उद्यम केन्द्र का मुख्य कार्य मार्वजनित क्षेत्र की सावनीति का विकसित परना, ट्रेट पुनियना तया शन्य भागीवारी वे सम्बद्ध उरेश्या का प्राप्त करन में सरकारी उद्बमः की स्हायना वरना और ध्राम विकास म मरकारी उद्यमा नी भूमिना का विस्तार रस्ता है। राष्ट्रीय थम<sup>ें</sup> मन्यान का मुख्य उरेश्य प्रावश्यव तरनीकी शान तथा कारीगरी का बेग्द्रीय व राज्य स्तर पर थमिन सम्बधा वा सत्रालन बरन वानो को हासिल वराना। यह सम्यान शिक्षा व प्रशिक्षण अनुसन्धान परामुशे व प्रकाशन से परस्पर मम्बद्ध और महबद्ध बार्षों का भी करता है। इसनिए दानो मस्याना का कार्य भिन है।

Number of Foreigners Working with U/s Larsen & Toubro in the Country

6623 SHRI RAMESHWAR PATI-DAR Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state

(a) the number of foreigners working with M/s Larsen & Toubro in this country.

(b) the average amount paid and other expenses incurred on them

during the year 1976-77, (c) Whether the company can

run without foreigners, and

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAPIT): (a) No foreigner is presently employed as a whole time employee or as a whole time birector by Mfs. Larsen and Toubro. However, one foreigner is working as non-executive Chairman of the Company.

- (b) The total amount of remuneration and other expenses incurred by the Company on the foreigner mentioned in part (a) during the year 1978-77 was Rs. 2,25,171, as disclosed in the Balance Sheet of the Company.
- (c) and (d). As already stated, presently only one foreigner is with the Company as Chairman. He has been elected as a Director at the Annual General Meeting of the Company held on 19th August, 1977, and continues to be the non-executive Chairman of the Board of Directors of the Company. No Government approval is required for appointment of foreigners as ordinary Directors.

## Funds for National Highways in Kerala

- 6624. SHRI GEORGE MATHEW: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:
- (a) whether Kerala Government asked for extra funds to repair and maintain the National Highways passing through Kerala;
- (b) whether Central Government has given permission for it;
- (c) what is the allocation for the improvement of the National Highway system in Kerala this year; and
- (d) whether the Central Government consider re-routing National Highway 47 from Ankamali to pass through Muvattu-puzha Kottayam and Trivandrum?
- THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI

CHAND RAMD: (a) and (b). Yes, Sir. A sum of Rs. 41 lakhs was initially alloted to the Government of Kerala for the Maintenance and Repairs of National Highways in Kerala duting 1977-78. The State Government however, asked for more funds for this purpose. Taking into account the overall demands from the States and the availability of funds, a further sum of Rs. 23:70 lakins was released to the Government of Kerula. thereby making a total allotment of Rs. 64:70 lakins for the year 1977-78.

- (c) Subject to the Vote of Parliament, a sum of Rs. 294.00 lakis has been earnarked for the development improvement of National Highways in Kerala during the current financial year, 1978-79.
- (d) The Government of Kerala submitted a proposal for realignment of National Highways 17 and 47, which really amounted to declaring the Angamali-Kottayam-Trivandrum road, which is a State Highway, as a National Highway. Tha Government of India are not in a position to take over any State road as a National Highway at present.

#### Minister of Petroleum and Chemicals Note to Planning Commission

- 6625. SHRI SAUGATA ROY: Will the Minister PLANVING be pleased to state:
- (a) whether the Minister for Petroleum and Chemicals has written a long note to the Planning Commission stating that mere increase in production will not ensure distributive justice: and
- (b) if so, the reaction of the Planning Commission thereto?

THE PRIME MINISTER (SHRI MARRII DESAI) (a) and (b). The Draft Five Year Plan (1978—33) has been prepared after discussions with the Central Ministries and the Cabinet. Planning Commission have also discussed the Plan and its strategies with various Ministers of the

Government of India, including the Minister for Petroleum and Chemicals

155

The Planning Commission have finalised the Draft Five Year Plan keeping these discussions in mind The Commission's recommendations on distributive policies are contained in the Chapter on "Distributive Justice in Volume I of the Draft Plan.

## Expansion of Bharat Earth Movers

6626 SHRI D B CHANDRE Will the Minister of DE-

FENCE be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the State owned Bharat Earth Movers Limited (Bangalore) proposes to go in for large scale expansion to meet an expected heavy demand from major core sector industries and
- (b) whether the company had obtained Government approval for entering into a collaboration agreement with some foreign companies also and if so, the details thereof?
  - THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH) (a) The Company has prepared a Corporate Plan which envisages large-scale increase in production as a long term measure The Company will approach Government for sanction at the appropriate time
  - (b) Government has approved the Company's proposal to have a colla boration agreement with Messrs KOMATSU of Japan for manufacture of D-355 Crawler Tractors

#### Representation from Gujarat regarding Construction of National Highways

- 6627 SHRI VINODBHAI B SHETH Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state
- (a) whether government have received any representation from the Government of Gujarat in connection with construction of national highways which is very much for behind the projected allocation,

(b) the total mileage of the national highways in Gujarat and what is the planned mileage for national highways in Gujarat, and

Written Answers

(c) when government are thinking of fulfilling the target?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) to (c) The Gujarat Government have been making proposals for new additions to the existing National Highway System from time to time but it has not been possible to accede to these requests as the available resources are not adequate even for on going, works perlammg to the existing N Guarat has at present 1352 Kms of N Hs The Government of India have not set any target for new additions to the existing N H System for any State, including Gujarat, and as such, the question of fulfilling any such target does not arise

# सप उद्योगों में साबन, चमडे, सती क्यडे का

6628 श्री शरद यादव : क्या उद्योग मती यह बताने की बृषा करेंगे कि

- (ब) बवा सरकार इस धारणा पर विचार शरेगी नि लघु उद्योग मा धर्म नेचल बम प्यी निवेश नहीं है अभित् इसमें एक विशेष तबनीत भी निहित है जैसा वि जनता पार्टी ने चुनाव घोषणा पन्न म नहा गया है और बया इसके धनुमार लघु उद्याग की एक नई परिभाषा दी जाएगी.
- च्या सरवार यह सुनिश्चित व रने पर गम्भीर रप से विचार कर रही है कि मूली क्पड़ा, चमड़े के जते और साउन लघु तकतीक से बनाए जायें जिसमे बेरोजगारी की समस्या हल हो मने . ग्रीर
- (ग) देश में जनत वस्तुए नितनी माला में बन रही हैं तथा बड़े उद्योग प्रभी भी उनमें से बिस्ती बना रहे हैं .

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रोमती साभा मयती): (क) शौद्योगिक नीति नम्बंबी विवरण जिसमें जनता पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र में निहित वानों पर विनार भी किया गया है तथा जिसे लोक सभा पटल पर रखा गया या उसके अनुसार लघु उद्योग की विज्ञमान परिभाषा लघ क्षेत्र तक ही सीमित रहेगी तम छोटे क्षेंत के एककों की चोर विशेष ध्यान रिया जायेगा ।

157

(छ) श्रीद्योगिक नीति विवरण में पह स्पष्ट रूप से बसामा गना है कि सरकार संगठित मिलों एवं पावरत्य क्षेत्र में वनाई क्षमता में किसी प्रकार के विस्तार की पनुमति नहीं देशी । संस्कार विकास रार्गक्रम को लाग करेगी भीर उसे धन्य वस्तुयों पर भी लाग करेगी । चमड़े के ज़ते बनाना तथा सावन पा उत्पादन करना लग क्षेत्र के लिए पहले ही वर्षे १९६७-६६ ने पार्गावत है।

(य) देश में इन तीन वस्तुयों का यनु-बानित उत्पादन तथा जिस माता तक वे पडे उद्योगों को उत्पादित हिए जाने हैं नीने दिया यया है:--

|    | वस्तु  | वर्षे   | गणना की इत्तर्           | बढे क्षेत तथा<br>रिजस्टई<br>सध् क्षेत मे<br>कुल उन्मादन |            |
|----|--|---------|--------------------------|---|------------|
| 1. | बस्त (खादी, हमकरमा<br>पावरलूम तथा मिल क्षेत) | 1976-77 | दस साख मीटर<br>मूती ऋषडा | 8283  | 4167,      |
| 2. | जूते (नमड़े के)                              | 1977    | दस लाख जोड़े             | 34, 27  | 14,27      |
| 3. | करहें धोने का साव्य                          | 1977    | मी० दन                   | 6,52,100  | 2, 92, 100 |

### "पावरत्म गामिल नही है।

हिन्दी शिक्षण मीजना में शब्यापकों की पदो-ਕਰਿ

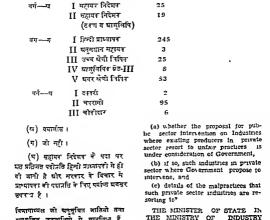
6629. श्रीमती चन्द्रावती: क्या गृह मंती यह बताने की क्रमा करेंगे कि:

- (क) हिन्दी सिक्षण योजना के चन्तर्वेत विभिन्न श्रेणियों है पदों की कल संस्या कितनी 슝:
- (ठ) हिन्दी शिक्षण योजना में ऐसे अध्यापकों की संस्था कितनी है जो एम ही पद पर 20 वर्ष से भी सधिक से कार्व कर रहे हैं।
- (ग) क्या हिन्दी पध्यापकों को हिन्दी संवर्ग में साने का कोई प्रस्तान है जिस्से कि **उद्धें पदो**वति के अवतर प्राप्त हो सके ; सौर
- (घ) यदि नहीं. तो त्या उन की पदोलति के लिए कोई योजना विनासधीन हे ?

गृह मंत्रातम में राज्य मंत्री (थी धनिक सालमण्डल): (क) हिन्दी विभाग गोलवा में स्वीपन ादों की संख्या निम्नविधित है :--

I संयुक्त निदेशक II उप निदेश ह

5



APRIL 12, 1978

इत्सुचित जनजातियों से सम्बन्धित हैं 6630 थी गोविंद राम मोरी: स्वा गह मती यह बताने की क्या करेगे कि बेन्द्रीय

Written Answers

159

सरनार म नायंस्त अनुमुचित जातिया स्वा धनमुचित जन जातिया में मम्बन्धित विभागा-ध्यक्षा की मह्या कितनी है और कार्यसयों की मुल संस्था की तुलना म उनका अनुपात बया €? गृह मत्रालय मे राज्य मत्री (थी धनिक

तात मण्डल) श्रपेक्षित मूचना सभी मत्रालया/ विभागों से एक्तित की जा रही है और इसे निवना जन्दी सम्भव होगा सभा पटल पर रख दिया जाएगा ।

ines

Will the Miniser of INDUSTRY be

Public Sector intervention on Indus-€631 SHRI NARENDRA

pleased to state

basic nature, but it will also be used effectively as a stabilising force for maintaining escential supplies for the conusmer

(SHRIMATI ARHA MAITI):

to (c) The role assigned to public sector has been clarified in para 21 of the

Statement on Industrial Policy laid

before the Lok Sabba by the Minister

of Industry on 23rd December, 1977 Accordingly, there will be an expand-

ing role for the public sector in several

fields Not only will it be the producer

of important and stratgic goods of

160

Written Answers

Guidelines to Paper Manufacturers 6632. SHRI AMAR ROY PRADHAN Will the Minister of INDUSTRY be

pleased to state (a) whether Government have issued guidelines to paper manufacturers to restore the prices of paper pre-

vailing before 31st December last, and

(b) if so, what are the guidelines in this respect?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITD: and (b). Although there is no statutory control on the prices of paper, Government have been discouraging the industry from resorting to unitateral increase in prices without adequale justification. Government's unhappiness at the price increase effected by some mills, without consulting Government was conveyed to the paper industry at a meeting held in January, 1978. Government has stressed that the 1977 price level should be restored. At the same time, steps have been taken to increase the production of common varieties of writing and printing papers, which is expected to ease the price situation. The question of further regulatory measures, as well as the possibility of imports, would be considered after studying the reaction of the Industry.

# T.V. Station at Panaji

6633, SHRI AMRUT KASAR: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

 (a) whether the proposal for setting up a T.V. station at Panaji, Goa, is under consideration;

(b) If the scheme is lagging due to paucity of funds, whether the Government is aware that in their present visit to Gou the Yugoslavia team has suggested a scheme by which the pregrammes at the Bombay T.V. can be relayed to Gog within an expenditure of Rs. 1.00,000/-; and

## (c) Government's reaction thereon?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING CHRIL K. ADVAND: (a) A proposal for setting up a Rieley Transmitter at Panapi base included in the draft Rolling Plan included in the draft Rolling Plan (1979-80). Its implementation however, will depend on availability of financial resources and priorities eccured by the Planning Commission.

(b) Government is not aware of any such suggestion.

(c) Does not arise.

बिद्युत उत्पादन के उपकरणों का निर्माण

6634. श्री श्रयन सिंह ठालुर: वया उद्योग मंत्री यह बताने श्री कृषा करने कि देव के बरकारी श्रीर गैर-सरकारी श्रीत में पटिया किस्म के वित्तृत उत्पादन के उप-करकों के निर्माण को मुनिश्वत करने के लिए सरकार व्या कार्यवाही कर रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आमा मयती) : देश में निर्मित विद्युत जनिद्रण उपकरणों की किस्म नियंत्रण सुनिश्चित करने का ऐसा कोई विशिष्ट प्रस्ताव सरकार के विचाराधीत नहीं है। किन्त सरकारी तथा गैर-सरकारी दोनों श्रेत्रों के निर्माता ग्राहकों से निरन्तर सम्पर्क वनाए रखते है और किस्म निवंत्रण और स्थार, जहां आवश्यक हो, का सुनिश्चिय करने की जिम्मेदारियों के प्रति आमतीर पर सचेत रहते हैं । भारत हेवी इलेक्ट्रि-कल्स सि० में बायलरों के सबसे बड़े कत्पादक भीर टबीइनों भीर जनरेटरों के एकमात उत्पादक के रूप में एक प्रसिद्ध विदेशी निर्माता के सहयोग से ग्रधिक नथे शीर उन्तत किस्म के बायलरों का उत्पादन पहले ही शह कर दिया है। इससे 200 से 1000 में बार तक के सापीय टवी सेटों के लिए एक दूसरी प्रसिद्ध कम्पनी के साथ भी सहयोग किया है भीर इस सेटों का कार्य विदया होगा और इनमें बनालिटी पैरामीटर होंगे । कार्यशाला स्तर पर, विजेता वस्तुग्रों, पैकिंग, ग्रीवि-ध्यापन और चाल करने के लिए संपेक्षित अन्य सभी आवत्यक अभ्यूपाय किये जा रहे हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र के एकक भी विदेशी तकनीकी सहायता, जहां भ्रावस्थक हो, प्राप्त कर सकते हैं ।

Five Year Scheme for Tribal Development

163

6835 SHRI PIUS TIRKEY SHRI KANWAR LAL GUPTA SHRI PRASANNBHAI MEH-

Will the Minister of HOME AF-FAIRS be pleased to state

- (a) whether Government have decided to prepare a five year scheme for Tribal Development.
- (h) if so, the main points and details of the proposed scheme, and
- (c) when the same is likely to be started?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) to (c) The Proposals for tribal development are included in the Braft Five Year Plan 1978-83, copies of which have been placed in the Parliament Library Details are given in Chapter 9 of Vol. I, and Chapters 1 and 10 of Vol III of that document The Plan has commenced with effect from the current financial year

Slowing down of industrialisation

6636 SHRI R. V SWAMINATHAN Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry President has suggested to Government that the mistaken approach of putting industries before power development had slowed down industrialisation,
- (b) if so whether be has also suggested a labour truce till a compre. bensive labour bill becomes law,
- (c) if so, whether Government have accepted his suggestions, and
- (d) if not, the main reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF INDUSTRY

ABHA MAITI). (SHRIMATI and (b) No suggestions on the above lines have been received by Government from the President, Federation of Chamber of Commerce Indian Industry

(c) and (d) Do not a rise

Compensation for the land acquired by Central Coalfields Ltd, in Madhya Pradesh

SURYA NARAIN 6637. SHRI SINGH Will the Minister of ENERGY be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the compensation for the land acquired by Central Coalfields Ltd for setting up Jayant Collieries In Sidhi District of Madhya Pradesh has not paid to the land owners,
  - (b) if so, the reasons therefor, and
- (c) the steps proposed to be taken to pay the same to the concerned parties?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (a) to (c) Out of the total compensation of Rs 16 36 lakhs payable a sum of Rs 14 72 lakhs has already been paid to the parties. Payment of the balance amount of Rs 164 lakhs is awaiting clearance of title of the tenants by the State Government Authorities.

प्रापात स्थिति के दौरान सेवा से हदाए गए राजमाया विमाय के कर्मचारी

6638. श्री रूपनाय सिंह शादव : नया गह मनी 30 नवम्बर, 1977 के भवाराज्यित पश्न संख्या 1951 के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) क्या प्रनुस्थित जाति से सम्बन्धित भिधिकारी को इस बीच सेवा में बहाल कर दिया गया है : ग्रीर
  - (य) यदि नहीं, तो उसको पत्र सेवा मे बहाल किया जायेगा ?

गृह मत्रालय में राज्य मत्री (धी धनिक सालमध्दन) (क) तथा (ख) इनका मामला भी ग्रन्य इसी प्रकार के मामलों के साथ विचाराधीन है और इसलिए इस विवय में अभी कुछ कहना आकालिक होगा ।

श्रापात स्थिति के दौरान जिन कर्मचारियों की सेवायों समाप्त कर दो गई थीं, उनको स्वतन्त्रता मैनाती भानकर पेंशन दिया जाना

6639. श्री राजकेशर सिंह: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि पंजाब जैसे कुछ राज्यों में खापातस्थिति के दौरान नजरबन्द किये गये व्यक्तियों को स्थतन्त्रता सैनानी मान कर उन्हें पेंशन देने का निर्णय किया गया 常:
- (ख) यदि हां, तो ऐसे राज्यों के नाम क्या है तया राज्यदार कितनी पेंजन दी जायेगी:
- (ग) क्या केन्द्रीय सरकार का विदार जन सरकारी कर्मचारियों की ऐसी पेंजन देने का दे जिनकी सेवायों को व्यापानस्थिति के दौराम गलत प्रादेशों को न मानने के कारण समाप्त कर दिया गया था: और
- (घ) यदि नहीं, तो इन दो श्रीणयों के नागरिकों के प्रति भिन्न रवैया अपनाने के क्या कारण है ?

गह मंत्रालय में राज्य मंत्री (थी घनिक लाल मण्डल) : (क) तथा (ख). उपलब्ध सुचना के अनसार केवल पंजाब सरकार ने उन व्यक्तियों को निम्नलिखित दरो पर पेंचन देने का निर्णय किया है जो ग्रान्तरिक ग्रापातस्यित के दौरान कारावास/नजरबन्दी में रहे :--

- (1) जो व्यक्ति कारावास/नजस्वन्दी में रहे ग्रयवा तीन महीने की अवधि के लिए जेल में रहे उनको 25/- रुपए मासिक।
- (2) जो व्यक्ति सीन महीने से 6 महीने की प्रविध के बीच कारावास/नजरबन्दी में रहें उनको 50/- स्पए मासिक ।

- (3) जो व्यक्ति 6 महीने से ग्रविक की ग्रवधि के लिए कारावास/नजरवन्दी में रहे उनको 100/- रुपए मासिक ।
- (ग) जो नहीं, श्रीमान । श्रापातिस्थिति दीरान बादेशों का अन्यालन न करने के कारण केट सरकार के किसी कर्मचारी की सेवा समाप्त करने का कोई मामला ध्यान में नहीं श्राया है।
  - (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

Complaint by Hindustan Computers

PARVATHI SHRIMATI KRISHNAN: Will the Minister of ELECTRONICS be pleased to state:

- (a) whether Government have received a complaint from Hindustan Computers Limited, a U.P. Government Joint Undertaking, on the licence given by the Union Government to a large industrial house to import computer peripherals; and
- (b) if so, the details of the complaint made by the said company and the action taken by Government there-

MINISTER (SHRI THE PRIME MORARJI DESAI): (a) Yes, Sir.

(b) The complaint is to the effect that the issue of such import, licences. which are also reported to cover keyborads or parts thereof, amounts to that large industrial house receiving special treatment amongst electronic calculators manufacturers, and particularly over and above small scale industries. The matter is being looked into in the light of both import policy other industrial licences, products covered by such licences and the provisions of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act.

उत्तर प्रदेश में भौद्योगिक विकास

167

6641 थी गगामस्त मिहः स्या उद्योग मजी यह बताने की कृत करेंगे বি

- (४) बदा ग्रामीय भौदागीकरण बाये-कम ने मन्तर्गत गुछ जिते चुने गये हैं जिनमें उत्तर प्रदेश के 13 जिले मन्मिलित है पौर इन तेरह जिला में नेवल तीन पिछड़े जिले हैं जबकि राज्य में पिछड़े जिला की महरा 39 है,
  - (मा) यदि हा तो उवन विशेषित किन राज्यों से चुने गये हैं
  - (ग) उत्र चयन ने सिवे ब्या मायदड द्यानचा गया. घीर
  - (प) उत्तर प्रदेश ने सुमी 39 पिछड़े जिला को सम्मितित न करने के क्या कारण

**बद्योग मत्रातय में राज्य मत्रो (घीमती** ग्रामा भवती) (क) प्रामोण उद्योग परि-योजना कार्यक्रम की बेन्द्र प्रायोजिक योजना देग ने 112 जिला में क्रिएन्दिन की जा रही है जिसमें उत्तर प्रदेश 📲 13 जिले मो गामिल हैं। इस 13 जिला में मे 11 पिछड़े त्रिने हैं।

- (ख) इस क्यकम व सन्तर्गत दम क वभी 22 राज्या को से लिया गया है।
- (ग) और (घ) प्रामीण मौद्योगिक व पंक्रम क अप्रोन 1962-63 में चुनाव बरने क लिये निर्मार्लाइन क्मीटी सपनाई गई यी ---
- (1) जहां कृषि सम्बन्धी स्थिति अनुकृष है भीर उल्लेबनीय दृषि परक प्रवास किये जा रहे हैं और उसके साम ही जहा जनमध्या का भारी दवाब है।
- (2) जहा पर इति प्रमख रूप से बिना सिबाई की स्थितिया में की जाती है

धौर जहां पर धनिरिश्त रोजगार की पयोज प्रावस्यरता है।

(3) जहा मनुरत प्राष्ट्रतिक स्वितियो भीर क्षित्र मसाधनो ने विराम ने प्रभाव में बहुत मधिश देशारी है।

Written Answers

- (4) दनदानीय भीर भार पिछडे क्षेत्र।
- (5) वे क्षेत्र जिनमें वही भौदीगिक परि-योजनाए स्वापित की गई है समया न्यापित को जा रही है ताकि समन्तित धौद्योगिक प्रामीय विकास किया जा महे तम जिनमें भौबोगिक परियोजना क्षत्र के बन्तर्गत कृषि बीर छोटे उद्योगा को ग्राय-ग्राय विकसित किया बारहा है, भीर
- (6) यानीच वित्रविद्यालयो ग्रीर सम्यामी वे निकटवर्नी क्षेत्र।

पावश पवदरीय योजनावधि में, बार्मान मोद्योगिक परियाजनामा का विस्तार वरते वे जिल्ल मह निरमय किया गया या वि विभिन्न राज्या व भौदोगिव इंग्टि में पिछडे जिला में में दिया वा पपने विदा बाना चाहिए ।

गुरू में प्रामीप घौदारिक कार्यक्रम के लिये दवत 45 परियोजन ए हाथ में सौ गई था भौर इन्हें विभिन्न राज्यों को ब्रावटित **बर दिया गया था। चार प्रोर परियोजना**ए मीर बढाई गई थी जिन्हें भिलाई, रावी, द्वारेशर बादि बौद्योगिक वस्तिया के इर्द-रिर्द स्थापित किया जाना था। पाच और परि-योजनाएं हाथ में लो गई थी एक सदनिर्मित हित्याचा राज्य ने लिए यो और चार मन्य भावतास को अन्य पामोण विद्युतीकरण परियोजनाए थीं । 1970 में पाचवी पचवर्षीय बोजना के लिए 50 मीर परियोजनाए हाय में तेने का निर्मय किया गया था जिनका देग के घौद्योगिक दृष्टि में पिछड़े जिलों से चयन क्या जाना यो। किन्तु पाचवो योजना~ दिष्ठ में परियोजनामी की सकता दढाकर

57 कर दी गई थी और देश की कुल परि-योजनाओं की संख्या 112 हो गई थी।

# Promotion of Senior Assistance

6642. SHRI VINAYAK PRASAD YADAV: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that senior Assistants who fulfil certain conditions are allowed one additional increment on the basis of their Confidential Reports;
- (b) whether it is also a fact that Assistants are allowed to cross Elliciency Bar and are also promoted to officiate as Section Officers on the besis of "Good" Reports but they are not eligible for the additional increment on "Good" Reports; and
- (c) If so, whether Government will allow additional increment on the basis of "Good" reports; if not, the reasons therefor:

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) No. Sir.

- (b) Crossing of the Efficiency Bar is allowed by the Competent authority on an overall assessment of the Reports. Promotion to Section Officers' Crade are made on the basis of seniority subject to the rejection of the unif.
- (b) Does not arise, in view of (a) above.

Applications for licence for manufacture of air-break equipment by Westinghouse Saxby Farmer Ltd.

6643. SHRI SOMNATH CHATTER-JEE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether the management of Westinghouse Saxby Farmer Ltd., a public sector undertaking applied for licence for manufacture of air-break equipment for railway rolling stock;
- (b) if so, whether Government have imposed pre-condition of export obligations;

- (c) whether the company has represented for issue of a formal licence without any pre-condition; and
- (d) if so, decision taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) to (c). Yes, Sir.

(d The matter is under further consideration and a decision is expected to be taken shortly.

### Compulsory retirement of Employees

6644 SHRI A BALA PAJANOR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) the number of Central Government officers compulsorily retired during the last 10 months as a penalty, and the reasons therefor;
- and the reasons therefor;

  (b) the number of officers who were given 3 months notice of refirement under the Rules and prematurely retired; and
- (c) whether Government give an opportunity to officers before giving notice of premature retirement regarding the grounds on which they have been marked out for such retirement?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SIRI S. D. PATIL): (a) and (b). The information is not readily available. It will be collected and piaced on the Table of the House as goon as possible.

(c) Un-like compulsory retirement, premature retirement is not a penalty and is only an administrative action. As such,the question of giving opportunity of defence to an employee who is to be prematurely retired does not arise.

#### देश में भारी जलोग

6645. श्री छविराम प्रग्रंस : नवा उद्योग मंत्री यह बताने की त्रुपा करेंगे कि :

(क) देव में भारी उद्योगों की राज्य-बार सक्या कितनी है तथा वे कहां-कहां

तथा क्तिने सयत बन्द है घीर उमने वया बारण हैं, ग्रीर

(ख) देश म भारी उद्योगो में भरवारी ऋणा दे रूप में तथा ग्रन्थ सस्थाओं ग्रनेर निगम। की कुल कितनी पूजी लगी है?

उद्योग मत्रालय में राज्य मत्री (श्रोमती धामा मयतो) (क) तया (ख) जानकारी इनटठी वी जा रही है और सभा पटल पर रख दो जायेगी।

## Policy of Extension in Service

6646 SHRI KIRIT BIKRAM DEV BURMAN Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

(a) whether it is Government's policy not to allow extensions in service to retiring Government employees after their superannuation, especially in administrative jobs, requiring no special/technical knowledge or expertise with a view to avoiding stagnation and demoralisation amongst juniors, and

(b) if so whether in contravention of this policy several extensions are still granted and if so the details of the rases in which extensions or reappointments were granted after the super annuation of the employees in Central Government offices including independent offices during the sears 1977 and 1978 so far and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S D PATIL) (a) Yes, Sir Extension of service is given very rarely and only in exceptional circumstances where public interest is clearly established

(b) No case in which extension was granted except in public interest has come to notice

#### Extensions of Guru Nanak Dev Plants at Bhatinda

6647 DR BALDEV PRAKASH WILL the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have recerved requests from Punjab State Electricity Board to grant sanction for the extension of Guru Nanak Dev Thermal Plant at Bhatinda.

(b) whether Covernment have received the project report for the extension by adding fifth and sixth units to the plant.

(c) whether the project has been found to be technically feasible, and

(d) whether clearance has been given by the Central Electricity Authorrity to the extension if not, the reacons thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (a) and (b). Yes Sir

(c) and (d) The scheme for extension of Guru Nank Dev Thermal Power Plant at Bhatinda is being techno-economically examined in the Central Electricity Authority

#### Radio Station at Pauri Garhwal

6848 SHRI JAGANNATH SHARMA Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to

(a) whether Government are aware that sanchon was given to set up a radio station at Pauri Garhwal, and

(b) if so the reasons for not starting the work so far?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L K ADVANI). (a) The approved scheme for the extension of broadcast coverage to the Kumaon-Garhwal region in Uttar Pradesh envisages the setting up of a high power mediumwave transmitter at Najibabad and studio centre at Najibabad Pauri-Garhwal and Al mora together with staff quarters at each of the three studio centres There is thus a scheme for setting up of only a studio centre and not a full fledged station at Paura

Pauri was deferred on account of paucity of financial resources during the last four years. However, it is now proposed to take up the construction work in the current financial year.

# सिविकम में कृषि तथा उससे सम्बद्ध कार्यक्रम के विकास के लिए धनराशि के लिए अनुरोध

- 4649. श्री हरूम चन्द कछवाय: वया पोजना मंत्री सिविकम म ग्रुपि विकास पर किये गये ध्यथ के हारे में 6 मार्च, 1978 के अतारांकित प्रस्त संख्या 1740 के उत्तर के सम्बन्ध म यह बताने की छूपा करेंगे कि:
- (का) सिविकम के सिये पंचवर्षीय योजना को क्य तक अन्तिम रूप दिया जायेगा:
- (ख) क्या कृषि विकास, मूमि सुधार, धाधिक उत्पादन के लिए बीजों के दितरण खाद्यान्त तथा उबेरक, सहकारिता, सिंचाई तथा बाढ नियंत्रण के लिए सिक्किम सरकार ने देन्द्रीय सरकार की कोई योजना भेजी है: ग्रीर
  - (ग) यदि हां, तो इस बारे में केन्द्र से राज्य सरकार द्वारा कितनी धनराशि मांगी गई है ?

प्रधान मंत्री (श्री भोरास्त्री देसाई) : (क) सिविकम की अनली पंचवर्षीय योजना को इस वर्ष के अंत तक अंतिम रूप दिये जाने की संभावना है।

- (ख) जी, नहीं।
- (ग) प्रश्न चपस्थित नहीं होता।

#### Allotment of funds to States for Agriculture and Irrigation

- 6650, SHRI GEORGE MATHEW: WILL the Minister of PLANNING be pleased to state:
- (a) the plan allotment to States and Union Territories for the year 1978-79 for Agriculture and Irrigation;

- (b) what are the specific heads under which the above allotment has to be spent; and
- (c) what was the request made to the Centre by each State for the above heads?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) to (c). Statement giving the head wise outlays proposed by the State Governments and Union Territories and outlay agreed to by the Planning Commission for Agriculture and Irrigation Development for the year 1978-79 is laid on the Table of the House, [Placed in Library, See No. LT-2084/781.

#### Coal Companies involved in Keshavananda Bharati Case

6651. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

- (a) whether any coal companies were involved in the Fundamental Rights case of 1973 known as the Keshavananda Bharati Case and if so, full facts thereof;
- (b) whether the said companies have been furnished with the audited accounts for the specified period of the Government management;
- (c) if so, whether the remarks of the statutory auditors on the said accounts have been obtained or received and if so, broad details thereto: and
- (d) if not, when are the said accounts expected?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) . The writ petitions of two Coal Companies viz. Sethia Mining and Manufacturing Corporation Ltd., and The Oriental Coal Company Ltd., heard alongwith that of Keshavananda Bharati in the Supreme Court. The Coal Companies had inter-alia challenged the constitutional validity the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act and of the Constitution Twenty fourth Amendment Act.

175

- (b) Yes Sir, except for one mine of each company (c) The information is being collected
- and will be laid on the Table of the House later (d) The audit of the remaining two mines is in progress and will be completed shortly

Accounts of Companies

6652 PROF F G MAVALANKAR Will the Minister of ENERGY pleased to state

(a) whether it is a fact that an assurance was given by the Government in the Houses of Parliament that any delays in publishing regular accounts as required under the Companies Act on the part of the coal mining companies would be excused and/ or condoned, and

(h) if so, details thereof and rea sons thereto?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) and (b) The information will be laid on the Table of the House

उत्तर प्रदेश के रिहन्द बाध से जलप्तावित

6663 श्री सुखेंद्र सिहः वधा ऊर्जा यतो यह बताने को कृपा करेंगे कि .

(क) उत्तर प्रदेश के रिहन्द बाध के नारण मध्य प्रदेश के सोधी जिल के कितने गाव जलप्लावित हुए,

(ख) उन गावों के लोगों का पुनर्शास करने के लिए क्या कार्यवाही की **ब**ई. ग्रीर

(ग) उनको मुझावजै की क्विनी साँग्र दी गई ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन): (事) 39 1

(छ) मध्य प्रदेश सरकार ने प्राप्त मुचना वे धनुमार 1766 विस्थापित परिवारी को 3 एकड से 15 एकड भूमि दो गई है।

(ग) राज्य मरकार ने मुचित किया ह कि 41,26,115 रुपये की राशि भूमि के मबावजे के रूप में दी गई है।

द्याकाशवाणी के क्लाकारों की नियक्ति 6454 थी नवाब सिंह चौहान:

वया सबना धीर प्रसारण मही यह दताने की प्रपा करेंगे वि

(न) बया भानाशवाणी भीर दुरदर्शन मे हे है ने भाधार पर मार्थ करने वाले कलाकार उसी छेवा पटति के भानमंत गर्य कर रहे हैं जो भारत में बिटिश शासन के दौरान लाग की गई थी. घीर

(छ) नया सरनार का विचार उसम कोई परिवर्तन करने का है?

मुचना धीर प्रसारण मनी (भी लाल बृध्य ग्रद्धाणी) (म) जी, मही। स्टाफ धारिस्टों के देने की पद्धति में तब में बहत से परिवर्तन विथे जा चने हैं। स्टाफ आहिस्टो को सेवा घर्ते धव पेंशन वे सिवाय सरकारी धर्मधारियां की सेवा शतों के लगभग दशवर हैं। पेंशन ने बदले में उन्हें ग्रशदायी भविष्य निर्वाह निधि के लाम मिलते हैं। इसके यतावा, ग्रेथ्युटी, जो नियमित मरनारी वर्मचारियों को देय है, शतिपय शतों के ग्रन्तर्यंत उनको भी देय है।

(य) वगीज समिति की निफारिशो पर निर्णय लिये जाने के बाद इस मामले का पुनरीक्षण विये जाने की उम्मीद है।

Amalgamation of Sick Units with

Sound ones 6655 SHRIS R DAMANI Will the Minister of INDUSTRY be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 6315 on the 5th August, 1977 and state:

- (a) whether amalgamation of sick units with sound ones has taken place in terms of new Sec. 72A added to Income Tax Act, 1951 by Finance (No. 2) Bill of 1977;
  - (b) if so, the details thereof;
- (c) if there is no progress, whether reasons have been ascertained; and
- (d) the further measures Gevenment want to take to achieve the oblective?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) to (d). Section 72A of the Income Tax Act, 1961 provides that the Central Government shall declare, on the recommendation of the 'Specified Authority' that the amalgamation of a company owning an industrial undertaking with another company, satisfies certain conditions in this behalf and that on such declaration, the amalgamated company would be eligible for the tax concessions specified therein. The Specified Authority for the purpose of Section 72A of the Income Tax Act, 1961 was constituted in October, 1977, Secretary, Department of Industrial Development as Chairman and Secretary, Department of Company Affairs, Secretary, Ministry of Labour, Secretary Department of Economic Affairs and Chairman, Central Board of Direct Taxes as Members. The guidelines on the conditions to be fulfilled in regard to eligibility for tax concession were published in February, 1978. Five applications under Section 72A of the Income Tax Act have been received so far. Government will take such steps as they deem appropriate in the public interest.

#### Assistance to State Governments for Handloom Development Scheme

6656. SHRI PARMANAND GOVIND-JIWALA; Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state;

(a) is it true that in release of assistance to the State Governments

- for the handloom development schemes the Central Government are mostly insisting on matching contributions from the State Governments, if so, details thereof;
- (b) is it also true that State Goveraments have requested that matching contributions may not be insisted upon: and
- (e) if so, what action have been taken by the Government in this restect?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF SINGETY (SHRH-MATI ABHA MAITH): (a) The Contral Government assist the State Governments by providing funds in respect of a number of handloom development schemes without insisting upon matching contribution. Only in respect of the schemes of share capital assistance to fandloom wevers co operative societies at the primary level and at the apex marketing level, there is the provision of State Governments' matching contribution.

(b) and (c). The State Government representatives had discussed with us in our meetings the issue of relaxation of the condition of matching contribution. So far no concrete proposal has been received in this regard. However, the Central Government is of the view that in the development of a decentralised sector like handloom industry the State Government would also make equal efforts so that additional resources will be made available for these two Schemes.

#### Central Aid to Madhya Pradesh Government

6657. SHRI M. RAM GOPAL REDUY: WHR the Minister of PLANNING be pleased to state:

- (a) whether Madhya Pradesh Government has urged for more Central aid to deal with special problems of the States; and
- (b) if so, the details furnished by the State Government and Central Government's reaction thereto?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) and (b) The Madhya Pradesh Government had asked for an allocation of Central assistance for it for special problems under the Gadgil Formula and suggested that if necessary, the total assistance earlier carmarked for allocation for special problems of the States under the Gadgil formula may be increased for this purpose It was explained to the State Government that on the principles adopted for the distribution of the assistance earmarked for special problem under the Gadgil formula the State Government was not eligible for any allocation out of such assistance The State is, however, receiving substantial assistance for tribal development and the development of drought prone areas from the special provision made for these purposes outside the Gadgil Formula The Gadgil sormula along with the scope of the centrally sponsored echanes is to be examined by a committee to be formed by the National Development Council.

#### Export Cargo

6608 SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 1218 on 1st March 1978 regarding export cargo handled at Bombay Calcutta and Madras and State

(a) the reasons for the decrease in export cargo handled at norts of Bombay since end of Third Five Year Plan and Calcutta since and of First Five Year Plan.

- (b) what is the total weight of outgoing general export cargo that was experted from all major Indian ports during 1977 and what was the corresponding figure in the last year of the First and the Third Five Year Plan.
- (c) why has general export cargo at Calcutta declined since end of Third Plan, and
- (d) What is the accepted definition of the term 'general export cargo' and what kind of items are included in this type of cargo and whether tea. jute, cotton, hides and skins etc are also included therein?

THE MINISTER OF STATE CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) The decrease in export cargo (which includes coastal movement) handled at Bombay Port since the end of Third Plan was due to substantial fall in coastal exports of POL products possibly because refineries at Madras and Cothin have since been set up

The decrease in traffic in export cargo at Calcutta since the end of First Plan has been moinly due to fall in export of coal (both coastal & foreign) from ore (diversion from Calcutta to other major Ports) jute and Jute products (due to fall in demand in international market)

(b) Weight of general export cargo handled by the Indian major orts.

(In Tennes)

|          |   | Pe | rt |   | 1977      | Last year of<br>the First Five<br>Year Plan<br>(1955 56) | Last year of<br>the Third Five<br>Year Plan<br>(1965-66) |
|----------|---|----|----|---|-----------|--|--|
|          |   | _  | 1  |   | <br>2     | 3  | 4  |
| Bombay   |   |    |    |   | 31,81,000 | 14,02,000  | 15 08,000  |
| Calcutta | • | •  | •  | - | e7,85,000 | 18,01,000  | 20,50,000  |

| _ |             |      | 1 |     |    |   |   | 2         | 3   | 4                 |
|---|-------------|------|---|-----|----|---|---|-----------|---|-------------------|
|   | Madras      |      |   |     |    |   |   | 6,38,575  | 2,96,832  | 3,04,428          |
|   | Cochin      |      |   |     |    |   |   | 4,37,000  | 3,94,000  | 4,59,000          |
|   | Visakhapatn | am.  | ٠ | •   |    |   |   | 4,07,000  | 1,30,000  | 1,75,000          |
|   | Mormugao    |      |   |     |    |   |   | 1,48,000  | 19,000  | 42,000.           |
|   | Kandla      |      |   |     |    |   |   | - 75,545  | 15,200  | 47,270.           |
|   | Paradip     |      |   |     |    |   |   | 6,77,000  | Nil   | Nil               |
|   |             |      |   |     |    |   |   |           | (Port was<br>opened to<br>traffic in No<br>vember, 1966 | )<br>)            |
|   | New Manga   | lore |   | ٠   | ٠  | • | ٠ | 98,324    | Nil<br>(Port commissione                                | Nil<br>d in 1974) |
|   | New Tuticon | in   |   |     | •  |   | • | 2,47,251  | Nil<br>(Port commissi me                                | Nil               |
|   |             |      |   | Тот | u. |   |   | 56.04.605 | F40.58.022  | 4 E. RE. 60B      |

(c) The fall in General Cargo traffic from the end of Third Five Year Pian at Calcutta Port is mainly due to fall in export of jute goods.

181

(d) There is no established definition of general cargo: whether cargo is so classified or not largely depends on the physical form or package -after than on the kind of commodity. By and large, the general cargo in exports includes all cargo except wet bulk and dry bulk cargo, As such it includes tea, jute, cotton, hides act skins etc.

होप टैक्सटाइल मिल, इन्हौर के मालिकों और

श्रंतवारियों द्वारा कर का भुगतान

6659. श्री हुकम चन्द कछाया:
ज्या ज्याम मंत्री होण टैक्सटाइल मिल,
दन्दीर के मालिकों और संस्थारियों द्वारा कर के भुगतान के बारे में 29 सिसम्बंद, 1977 के अदारोंकित प्रका संंठ 5020 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की हुआ करेंगे कि:

(क) क्या होप टैक्सटाइल मिल, इन्दौर के मानिकों ने उन्हें निर्घारित मृत्यों पर प्राप्त कई ऊंची वरों पर अन्य मिलों को वेच दी हैं और यदि हो, तो होप टैक्सटाइल मिल की स्थापना के प्रय तक प्रत्येक वर्ष के वीराम सरकार ने अपनी अधिकृत एजेन्सी के माडवम से इसे कितनी वह सप्ताई की; औरी

182

(छ) क्या रिस्त में निर्मित निर्मात नि

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती श्रामा भवती): (क) श्रीर (ख)। श्रावश्यकः सूचना इकटठी की जा रही हैं श्रीर समा पटतः पर श्रीझ ही रख दी जायेगी।

Written Answers APRIL 12, 1978 Written Answers 184 183

News item Captioned 'Small Scale Units Exports Increase' 6660 SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA Will the Minister of INDUS-

TRY be pleased to state

entitled 'Small Scale Units exports increase' on page 10 of Times of Irdia (h) what method of collection

(a) what is the basis of a report

- dated 20-3-78. statistics has been used to compute
- the figures and how many small scale industry units accounted for 1707 per cent of total exports in 1976-77 in the country. (c) what are the number of item-
- wise exports of the small sector during last five years and the number of small units exporting these items in each year. (d) what was the estimated share
- of small scale units in total exports at the end of the first and the third five year plans respectively, and (e) how many small scale
- were exporting their products at the end of the third and the first five year plans respectively? THE MINISTER OF STATE IN THE

MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) The report is basel on the annual review port performance of small scale industnes for 1976-77 as carried out by the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries)

- (b) The review is hased on the information supplied by Export Promotion Councils regarding total exports and exports made by small scale units of products handled by these councils The exact number of small scale units accounting for 17 07 per cent of total exports in 1976-77 from the country is not available
- (c) A statement showing the pro ducts wise total exports and the exports from the small-scale sector during the last three years (1974-75 1975-76 and 1976-77) is placed on the table of the House [Placed in Library See No LT-2085/78] The number of

avallable (d) and (e) Information on these points is not available

small units exporting these items in

each year is not available. The corresponding data in the preceding

years on comparable basis is also not

Unauthorised Repatriation of Profits

#### by Foreign Companies 6661 SHRI MOHINDER SINGI

- SAYIAN WALA Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state (a) whether it has come to his knowledge that some foreign
- panies are increasing their unauthorised capacity and are husy in repatriating extra profits regularly, and (b) if so, the number and names of such companies the unauthorised ca-
- pacity and extra amounts repatriated during the last one year? THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) Covera-

ment is aware of the problem of unauthorised excess production of licensed undertakings including foreign companies and is considering ways and means of curbing it Curbing authorised excess production would automatically prevent generation Of additional profits through unauthorised excess production

(b) No estimates have been worked out by the Ministry of Industry of the amount of excess profits made through unauthorised production by foreign companies and which have been repatriated during the last one year

#### Fall in Production of Cloth, Yarn and Per Capita Consumption of Cloth

6662 SHRI CHITTA BASU the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) whether it is a fact that the production of all varieties of cloth fell hy 25 per cent, and the production of the yarn by 35 per cent in 1977, and the per capita consumption of cloth dropped from 1685 metres to 13.73 metres during the last twelve years; and

185

(b) if so, how do Government explain the situation and the measures to correct it?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITD: Production of cotton yarn including blended yarn during 1977 was 1076 million kilogram as against 1662 million Kgs. during 1976 showing a variation of 0.51 per cent. Production of cotton cloth including blended cloth during 1977 was 4147.0 million metres as against 4216.1 million metres 1976 showing a variation of 1.64 per cent. The per capita consumption of cloth including blended and art-silk fabrics dropped from 16.85 metres in 1964 to 13.73 metres in 1976.

(b) This trend is mainly arising out of stagmant effective demand for textiles due to recessionary conditions. Increased durability on account of increased use of durable non-cotton fibres as well as changes in Sardorial patterns have also contributed to the decline in per capita consumption. Per capita consumption can to some extent be increased by improved purchasing power of the consumer. Efforts to augment supply of textlie, will be made as part of our programmes for the 6th Plan.

## पोरवन्दर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 वी पर पुल का निर्माण

6663. श्री धर्मीतह साई पटेल: क्या नीवहन श्रीर परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्यागुजरात के सौराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमागं संस्था 8 वीं पर पोरवनार सहर के निकट करली पुल को सावय साइंड पर प्या पूल बनाने और सावय साइंड की कौर करकी पूल को चौड़ा करने के खिए जासाराम कालोबी, पोरवन्दर तथा पोरवन्दर चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री, पोरवन्दर ने भारत सरकार को अध्यावेदन मैजे हैं:

- (ख) यदि हो, तो ये अम्यावेदन केन्द्रीय सरकार को कव-कव भेजे गये और इसमें क्या-क्या मांगें दी गयी हैं तबा उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है अबवा करने का विचार है और अस्ताबित कार्यवाही कव की कार्या!
- (ग) क्या गुजरात सरकार ने भी ऐसी ही सिफारिशें केन्द्रीय सरकार को भेजी थीं भीर यदि झां. तो कवः भीर
- (प) नया केन्द्रीय सरकार ने गुजरात सरकार को उपरोक्त विफारियों के कियान्वयन के तिए प्रावस्थक मंजूरी दे दो है और यांदः हों, तो कब तथा किस क्य में और यदि नहीं, तो उनत मंजुरी कब कक दी जायेगी?

भीवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम): (क) से (च). नवस्वर 1977 प्रस्तावित गर्ये केरली पुल के दिय स्तीकृत उत्तरी भाग की मीजुदा पुल के दक्षिण की और ले जाने के विये जावाराम कालोनी पोखन्दर के जमीन मानिकों से कुछ ग्रम्यावेदन प्राप्त हुए थे, परन्तु पोरबन्दर चेम्बरग्राफ कामसं एक्ट इंडस्ट्री से ऐसा कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ। केवल 17 नवम्बर, 1977 का एक स्मरचपत उनसे ३० नवस्थर, 1977 को प्राप्त हुमा था। जालाराम कालोनी के म्ताट होत्डरों से प्राप्त वे ग्रभ्यावेदन गजरात राज्य की सरकार को टिप्पणियों। सिफारियों के लिए मेज दिये गये हैं. जिनकी श्रमी प्रीक्षा है। राज्य सरकार से ग्रंतिम सिफारिओं प्राप्त होने के बाद धारों की कार्यवाही की जाएगी !

गुजरात को जेलो में मरने वाले मीसा-बस्दियों के परिवारों को सहायता

187

6664. श्री धर्म सिंह माई पटेल: क्या गृह मत्री यह बताने की कृपा बरेगे वि:

(क) क्या यह सच है कि ग्रापात स्थिति वे दौरान मीसा ग्रयवा डी०ग्राई०ग्रार० ने श्रधीन नजरवन्द विधे गर्थ चार व्यक्तिया की जेल में घयवा पैरोल ने दौरान मत्य हो गई

थी और यदि हा, तो वे क्सि क्सि गाव और जिले में थे.

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने इन चार व्यक्तियों के परिवारों को कोई विलीय प्रयवा कोई अन्य सहायता दी है और यदि हा, ती वब, वितनी भीर किस प्रकार की सहायता दी गई और यदि नहीं, ती इसके क्या कारण है भीर उन्हें कद, कैसे और क्या सहायता दी जायगी.

(ग) क्या यह मी सच है कि सौराष्ट्र

क्षेत्र के जुनागढ़ जिले के बाटवा सिटी के एक व्यक्ति की, जिस आपात स्थिति के दौरान भीसा ने प्रधीन नजरबन्द किया गया था. पैरोल के दौरान मृत्यु हो गई थी भीर उसकी विधवा पत्नी ने 31 जनवरी, 1978 भीर 23 फरवरी, 1978 को गृह मदालय की धम्यावेदन भेजे हैं, भीर

(घ) यदि हा, ती उन धभ्यावेदनी मे उसने बया भागें प्रस्तृत की हैं और सरकार बा उसे वितनी और बिम प्रवार की सहायता देने ना प्रस्ताव है भीर यह महायता उसे वव दी जामगी?

गह म त्रालय में राज्य मत्री (श्री धनिक साल मण्डल): (व) तया (ख) गुजरात सरनार ने भव तक मीमा नजरवदियों के सात भागतो की सुचना दी है, जी या तो जेल में या रिहाई की बारीख से तीन महीनों के भीतर भर गये थे। इन मामलो में से प्रत्यक वे बारे में स्थिति मलान विवरण में दी गई है।

(ग) तया (घ) सम्भवत सक्ते सलग्न विवरण में सहया 1 पर उल्लिखित सामने को चौर है। विधवा (श्रीमृति विद्याचेन भेट्यत ) वी 1-10-1976 से मीमा नजरबन्दी पेंपन योजना के बन्तर्गत 300/-रुपय मासिन पेंशन स्वीकृत की गई है।

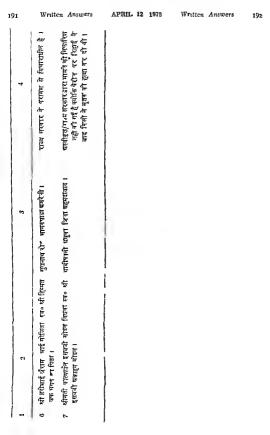
1. श्रीमती विद्यारीन भेष्यतल जिद्यदा स्व० श्री पंत्रमत

ग्रावेदन ग्रीर मुत मीसा नजरवन्दी का साम

新の群の

श्रीमती क्षेत्रस्तेन सत्यालाज विद्यवा ६४० थी वेषक दोष, क्षम्मलिया, विद्या थामनगर । घरणीकुण/पत्त्रच सरकार ने मायिक प्राय के अस्वीकृत्।राज्य सरकार ने मामले को सिकारिश नहीं को है क्योंकि परिवार की ग्राधिक स्पित अच्छी है ग्रीर पेंशन की स्वोक्ति अचित महीं है। क्षीमती क्षीमिलावीन विषया स्थ० औ ह्रीयव्यन युक्तपीले, रज्दर, तास बीरखी, जिला सूरती। थीमती पुष्पानितः निप्रता स्तरः थी रमणीकतात 19, स्वतिक वीसाइटी, धुरेन्द्रनगर । श्रीमती मधुकान्ता विषया स्त्र॰ श्री कान्दी साल दालामिनाका, यद्याष्पुरा, झमरेती। कस्तूरकन्द वानिया (गाह) नत्यासास बाल्जीमाधु ।

ŝ



काहलगांव के सुपरतापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना

193

6665. डा॰ रामजी सिंह: क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या उन्होंने काहलगांव में एक मुपर तापीय विधुत् केन्द्र की स्थापका के बारे में प्रेस को कोई निश्नित आञ्चासन दिया था;
- (ख) क्या बहां पर काहतगांव के सीमावर्सी सेव में 7-8 मील की हुए के भीवर सालमाहिया कीवना क्षेत्र में दोम्बे के निवेषों, गंवा के पानों के विकाल सीकों, रेल तथा सड़क परिचहुत मुक्थित एवं योकता की तालांकी ज्यवहांक्या वहां पर एक सुगर वापीय विख्तु केष्ट स्वापित करने का मुदृह साधार करते हैं; और
- (ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार कब कोई निर्णय लेगी?

कर्की मंत्री (थी पी० रामचहरू):
(क) दे (पा). विहार राज्य को तथा पूर्णे
केत में इसके सारीपकर्ती क्षेत्रों की विधुन्
को मांग को पूरा करने के लिए कहत्यांच में
एक वृहत् तथा विधुत् केटा स्थापित करने का
प्रसाग विहार राज्य विज्ञत केटा स्थापित करने का
प्रसाग विहार राज्य विज्ञत केटा स्थापित करने का
प्रसाग विहार राज्य विज्ञत की में मांग सवा
प्राकृतिक साधानों को उपस्वश्वा को दृष्टि में
इस प्रसाग की तक्तीकी-प्राधिक जांच
केन्द्रीय विद्युत प्रिकरण में की जा खी है।
उपसव्य सभी विकल्यों का मून्यांकन करने के
वाद निर्देश विद्या जायेगा।

विछली बार छोड़े गवे स्पूतनिक पर खर्च

6667. श्री श्रीम प्रकाशस्याची : क्या श्रम्तरिक्ष मंत्री यह बसाने की कृपा करेंचे कि:

(क) पिछली बार स्पूतनिक छोड़े जाने पर कुल जिल्ली धनराशि खर्च की गई तथा जिस उद्देश्य के लिये उसे छोड़ा गया था सरकार को उसे प्राप्त करने में कितनी सफसता मिली है; और

- (ख) सरकार का ग्रमला स्पृतिनक कव छोड़ने का विचार है?
- प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) संमान्यतः माननीय सदस्य का ग्रागय आर्यभट से है। इसके छोड़े जाने पर किसी भी प्रकार की धनराणि खर्च नहीं की गई थी। सोवियत संघ की सरकार ने प्रमोचन सेवा निम्बल्क प्रदान की थी। भारत में प्रभि-करिपत और निर्मित उपग्रह को सागत 3. 67 करोड़ रुपये थी। श्रार्यमद मिशन ने ग्रन्तरिक उपयुक्त प्रणाती के स्वदेशी प्रभिक्तप श्रांट निर्माण करने में तथा कक्षा में इसके कार्व-निष्पादन के मुल्यांकन से संबंधित श्रपने उहेन्यों को प्राप्त कर लिया है। इससे उपग्रह प्रौद्योगिकी में एक मुद्द बाधार की भी स्थापना हुई है, जिससे सब स्थिक अहिल उपयोग प्रौद्योगिकी उपप्रहों का अभिकल्प और निर्माण करना सम्भव हो गया है।
- (ख) दूसरे उपग्रहको 1978 के अन्त से पहले छोडने का विचार है।

Re-Organisation of CSIR Laboratories

6668. SHRI R. K. MHALGI: WHI the Minister of SCIENCE AND TECH-NOLOGY be pleased to state:

- (a) since when the proposal to reorganise CSIR laboratories is under consideration of Government;
- (b) whether Government have taken a decision in that regard; if so, the main features thereof; and
  - (c) if not, the reasons thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) The proposal to reorganise the CSIR Laboratories has been under consideration since about the middle of 1977.

(b) The Society of the Council of Scientific and Industrial Research at its meeting held on 23rd November 1977 have unanimously resolved that the 17 National Laboratories/Insta-Associatutes/Museums/Research tions (Statement attached) be transferred to the Ministries and registered as Societies under the Societies Registration Act (XXI of 1860). The decision was prompted on the consideration that the group of laboratories dealing with nationalised sector uz. oil coal and public utility services like building and roads could be attached to the respective Ministries In addition, the Laboratories which are not multi-disciplinary in charac-

195

ter, and have a specific area in a particular field largely relatable to a single Ministry like textiles, jute rubber and automobiles, etc., should also be transferred from the CSIR. In regard to dissemination of science, all the three Misseums of the CSIR (Bird Industrial & Technological Museum Visvesvaraya Industrial & Technological Museum Nehru Science Centre) should be attached to the Ministry of Education and a new Council of Scientific Museums created for their efficient functioning

196

(c) Does not arise

#### Statement

# List of the Laboratorical institutes of Museums Research Associations to be transferred to the Munistres shown against their names

t. Central Fuel Research Insutste, Dhanhad To the Minutry of Energy.

| 2 Indian Institute of Petroleum, Dehradun .   | To the Ministry of Petroloum,            |
|---|--|
| 3. Central Road Research Institute  | To the Ministry of Shipping & Transport, |
| 4. Central Building Research Institute .  | To the Ministry of Works & Housing       |
| <ol> <li>Birla Industrial &amp; Technological Museum,<br/>Calcutta</li> </ol>         | To the Ministry of Education             |
| <ol> <li>Visvervarya Industrial &amp; Technological<br/>Museum, Bangalore.</li> </ol> | Do.                                      |
| 7 Nehru Science Centre, Bombay .  | Do                                       |
| 8 Ahmedabad Textile Industry's Research<br>Association                                | To the Ministry of Industry              |
| g. Bombay Textile Research Association .  | Do                                       |
| 10 The Silk and Art Silk Mills' Research Asso-<br>cuation.                            | Do                                       |
| 11 The South India Textile Research Association                                       | Do '                                     |
| 12 Wool Research Association  | D <sub>n</sub>                           |
| 19, Indian Jute Industries Research Association                                       | D.                                       |
| 14. Automotive Research Association, Poons .  | $D_0$                                    |
| 15. Indian Plywood Industries Research<br>Institute                                   | Do                                       |
| 16 Cement Research Institute of Indus<br>Frandabad                                    | Do.                                      |
| 17 Indian Rubber Manufacturers' Research<br>Association, Bombay                       | Do.                                      |

#### Uniform Road Transport Rules

6669. SHRI MOHINDER SINGH SAYIAN WALA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that he is in favour of having a uniform road transport rules as different rules in different States lead to harassment of transporters at the hands of corrupt officers; and
- (h) if so, what steps are proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) Yes, Sir.

(b) In order to ensure uniformity in the matter, as far as possible, model motor vehicles rules were circulated to the State Governments for guidance in notifying the statutory rules under the Motor Vehicles Act. It is proposed to revise and up-date the model rules in consultation with State Governments and U. T. Administrations and Associations of Road Transport Operators, to take note of the improvements and changes in the law and design of motor vehicles in the past few years.

Demands of Employees of VSSC (ISRO)

6070. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of SPACE be pleased to state:

- (a) whether the Government received representations of the demands from the Vikram Sarabhai Space Centre (ISRO) employees union, Thumba;
- (b) if so, what are the main features of the demands; and(c) the steps taken to meet their
- demands?

  THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) to (c). The Government received a representation

in May, 1977 containing certain demands from a section of the employees of the Vikram Sarabhai Space Centre. The feature of these demands and the action taken thereon have been explained in the answer to Unstarred Question No. 1300 answered in the Lok Sabha on November 23, 1977. A representation containing some more demands mainly relating to service matters, career opportunities staff welfare etc., have been received from the same section of em ployees namely, the VSSC Employees' Union on 13th March, 1978, These are under examination.

ढी॰ जी॰ श्राई॰ एम्प्लाईज यूनियन, कलकता की श्रीर से जापन

6571. श्री दमाराम शाक्य: क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या डी०जी०प्राई० एनासाईछ यूनियम (ईस्ट इण्डिया), कलकता की खोर से फरवरी, 1978 में कोई ज्ञापन प्राप्त हसा था; खोर
- (ख) यदि हां, तो उसमें की गई मुख्य मांगें क्या हैं और सरकार ने कीन सी मांग स्वीकार की है ?

रक्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० घोर सिंह): (क) डी०जी०आई० कमंबारी संघ (ईस्ट इण्डिया) कलकता से फरवरी, 1978 में एक ज्ञापन प्राप्त हुआ था।

(ख) संघ ने उसे मान्यता देनें की मांगकी है जो सरकार के विचाराधीन है।

Difficulties for supply of Yarn to Powerloom Weavers in Bhagalpur (Bihar)

6672. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the powerloom weavers of Bhagalpur (Bihar) are in constant difficulties regarding the supply of yarn; if so, details of that;

(b) whether it is a fact that the Chairman of National Textile Corporation and the Deputy Manager promised in a meeting with Weavers' Association on 13th February, 1978 promised supply of yarn within 23 days.

Written Answers

199

- (c) whether it is a fact that even after that nothing was supplied, and
  - (d) if so, the reason therefor?

THE MINISTER OF STATE IN MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) to (d) In a meeting with the officers of the National Textile Corporation (West Bengal Assam Bihar and Orissa) a Subsidiary of the National Textile Corporation the powerloom weavers represented that they were not getting their full requirement of staple yarn The officers of the Subsi diary pointed out to them that the mills being run by it were not producing this type of yarn. They were further informed that the types/ counts of yarn being produced by its mills could be supplied to them on usual terms on specific demand A price list of cotton yarn was also sent to them on 14th March 1978 But no indent has been received from them so far

Utilisation of Assistance for sub Plans in 1977 78 by States

6673 SHRI GIRIDHAR GOMANGO Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) the Central assistance released to the States for sub Plan areas by his Ministry in the financial year 1977 78 State wise
- (b) the States which utilised the assistance fully before the end of the financial year, and
- (c) the administrative measures adopted to utilise the funds in time?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DRIANIK LAL MANDAL) (2) and (b) A statement showing the amount of special Central assistance released to the State Governments in respect of the tribal sub-plan during 1977 78 and the estimated expendifure is annexed

(c) Administrative measures adopt-

200

ed in the sub plan areas include the appointment of Project Officers for the Integrated Tribal Development Pro jects suitable delegation of financial and administrative powers to projectlevel functionaries and the setting up of project level committees

#### Statement

Special Central Assistance for Tribal Sub-P an Areas during 1977 78

| State/UT | Amount<br>released | Estimated<br>expendi<br>ture |
|----------|--------------------|------------------------------|
|          |                    |                              |

(Rs in lakhs) 1 Andhra Pradesh 268 oo 285 25

2 Assam 257 90 252 00

3 Bihar 807 50 779 00 473 10

1554 25

378 25

128 00

779 15

29B 10

45 00

n6 40

15 00

225 00

4 Gujarat 473 10 5 Himachal Pradesh 73 48 99 00

6 Karnataka 24 00

25 00

7 Lersla

8 Madhya Pradesh

9 Maharashtra

to Manmur

11 Orașa

12 Raiasthan

19 Tamil Nadu

14 Tripura

15 Uttar Pradesh

16 West Bengal

TOTAL

17 A N Islands

18 Gos Daman and Dnu

11 00

17 00

11 00 5500 00 5410 43

22 00

25 10

1621 10

378 25

124 00

715 00

273 40

46 00

83 00

14 00

205 50

16 50

# Revising Industrial Licensing Policy

6674. SHRI C. K. JAFFER SHARI-EF. Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

201

- (a) whether Government propose to revise the Industrial licensing policy with a view to decentralising the establishment of industries to ensure balanced development of the different regions of the country;
- (b) if so, what steps Government propose to take in this regard; and (c) if not, what are the reasons
- therefor? THE MINISTER OF STATE IN MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITD: to (c). The Statement on Industrial

Policy already laid before the Parliament by Minister of Industry on 23rd Decomber, 1977 highlights among other things the policy of the Government in regard to decentralisation of industries to ensure balanced development of the different regions of the country.

लघु सीमेन्द्र संबंत्रों का श्रावात

6675 श्री हकम चन्द कल्लाय: पया उद्योग मंत्री यह बताने की क्रूपा करेंगे कि:

- (क) किन-किन देशों से सरकार का सम् सीमेन्ट संबंदों का आयात करने का विचार है: ग्रीर
- (ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मामा मयती): (क) उद्योग मंत्री द्वारा छोटे (मिनी) सीमेंट संयंत्रों की स्थापना के लिये हाल ही में वुलाई गई बैठक के फलस्वरूप यह निर्णय किया गया है कि मिनी सीमेंट संबंब की स्थापना करने के लिये प्रौद्योगिकी के चयन, जिसमें प्रक्रियाओं का चयन भी शामिल है, परिचालन का श्रनकलतम ग्राकार स्वा विदेशों से श्रीद्योगिकी के आवात की आवश्य-कता से सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विचार करने के लिए एक कार्यकारी दल का गठन किया जावे। इस अध्ययन दल से आशा की जाती है कि वह सरकार को अपनी रिपोर्ट 6 सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत कर देगा। मिनी सीमेंट संयंत्र प्रौद्योगिकी के श्रायात के सामान्य प्रश्न पर यदि कोई निर्णय लेना होगा तो वह कार्यकारी दल की रिपोर्ट पर विचार कर लेने के बाट लिया जायेगा।

(ख) प्रश्न ही नहीं चठता।

#### Complaint against Film 'Nasbandi'

6676. SHRI MAHI LAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

- (a) whether the nursing profession and the nurses have been demoralised in the Hindi feature film 'NAS-BANDI':
- (b) whether the Government have received protests from the nurses/ public in this regard; and
- (c) if so, what action Government propose to take against the producer of the film?

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) The film Nasbandi was viewed by the Board of Film Censors along with people engaged in the medical profession and also officers connected with the Family Welfare Departments of the State and Central Governments. None of these officials or non-officials felt that the film showed the nursing profession and nurses in a derogatory manner.

(b) and (c). A complaint directed against some posters relating to the film was received from the Maharashtra Government Nurses Federation, Pune, and forwarded to the State Government for necessary action.

राष्ट्रीय थस्त्र निगम, मध्य प्रदेश ब्बारा कपडे का वितरण

6677 थी हुक्म चन्द कछबाय : वया उद्योग मनी यह बताने की कृपा करेगे fæ

- (क) क्या मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय बस्त्र निगम ने कपड़ा वितरण के लिए कोई नई योजना बनाई है और यदि हा, तो उसका व्यीराक्या है.
- (ख) क्या वितरण के बारे में इस नई नीति के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय यस्त्र निगम, मध्य प्रदेश की प्रत्यक मिल में क्पडें का बडा भ्रद्धाः इत्या हो ग्रह्मा है भीर यदि हा तो राज्य की सभी सात मिली में कितने मृत्य का क्पडा जमाही गया है ; मौर
- (ग) प्रत्येक मिल द्वारा क्पडेका बडा भटार जमा हो जाने के कारण बैको को स्थान के रूप में कितनी धनराशि देनी पड़ती है और भविष्य में स्थाज के भार को कम करते के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

उद्योग मत्रालय मे राज्य मत्री (धीमती श्राभा भयती) (क) जनवरी, 1977 से राष्ट्रीय बस्त निगम (मध्य प्रदेश) लि॰ द्वारा क्पड़े की बिकी एक समिति के जरिय की जाती है जिसम सर्वधित मिल के महा प्रवन्धक, बिकी प्रवन्धक, प्रव भक्ष (विषणन) सथा राष्ट्रीय वस्त निगम (म० प्र०) मिमिटेड के वित्तीय सलाहकार और लेखा अधिकारी होते हैं।

- (ख) जी, नहीं।
- (ग) प्रश्न ही नही उठता

Muslim Employees in Central Government

6678 SHRI G M. BANATWALLA Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) what is the total number of Central Government employees department-wise and class-wise, and
- (b) what is the total number of Muslim employees in Central Govern-

ment services, department-wise and class-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AF-FAIRS (SHRI S D PATIL) (a) According to the census of Central Government employees (as on 31st March, 1975) in the report of Directorate General of Employment and Training Ministry of Labour dated the 26th March, 1977, the total number of employees in various Ministries/Department was 29,70 124 of which 32531 belong to Group 'A' 57,936 belong to Group 'B', 1578,767 belong to Group 'C', 12,86,534 belong to Group D' The number of employees Department-wise and Class wise (Gazotted and non-Gazetted) is given in the statement laid on the Table of the Rouse [Placed in Library See No LT 2087/78]

(b) No statistics are maintained by office; of the Central Government in regard to the number of appointments made in respect of minority communaties ancluding Muslim employees It is therefore not possible to furnish figures of such employees Depart. ment wise and class wise. It would not be desirable to collect and furnish the information regarding employment of various minorities (and backward classes) in respect of whom there was no reservation in Government service

#### Rules regarding composition of Council of Minister in States

6679 SHRI SARAT KAR the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether there is any proposal under the consideration of the Central Government to frame rules regarding the composition of Council of Ministers in the States keeping in view the population of that State; and
- (b) if so, the facts thereof? THE MINISTER OF STATE MINISTRY OF HOME FAIRS (SHRI DHANIK LAL MAN-DAL) (a) No, Sir
  - (b) Does not arise

#### Olegal Import of spares by Zeifannia Biscuit Company and Assembling them as Plants

205

6680. SHRI JYOTIRMOY BOSU;
Will the Minister of INDUSTRY be
pleased to refer to the reply given to
USQ No. 571 dated 16th November,
1977 regarding "illegal import of
spares by the Britannia Biscuit Company and assembling them as plants"
and state:

- (a) whether the allegation has been investigated by the Controller of Imports and Exports; and
- (b) if so, the findings thereof and action taken thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAYTD: (a) and (b). The Chief Controller of Imports and Exports after consulting the Customs authorities at Bombay, Calcutta, Madras and New Delhi have stated that no illegal import of sophisticated machinery under the garb of spares and components has been brought to their notice by these authorities so far.

## हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन द्वारा दिवे गवे डेके में सगनग 40 करोड़ स्वये का गोलभास

6681. श्री लालजी माई : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की क्षमा करेंगे कि :

- (क) क्या दिनांक 3-12-77 के पानकाम में छभी उत्तर के प्रतुप्तार हिन्दुरतान प्रेपर कार्योजन हारा पेपर संगंत क्याने हेतु दिये गये ठैंने में तीन क्यानियों के सार्थ मी गई दिवेदात्रों में लगनन 40 करोड़ रुपये का गीनवात्र किया गया है;
- (ख) पति हां, तो क्या सरकार ने इत मामने में लांग कराई है ; और
- (ग) यदि हो, हो उसके त्या क्रिके निजने और दोवी व्यक्तियों के क्रिके क्रा पार्ववाही की गई ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती स्वामा मध्यों): (क) में (न), मी गाँव और ककार परियोगलाओं के विष्णु कामड मानिसें के सम्मरण देखीं गांगकों कच्यों में सहकार को अवगत करा दिया गया है और सरकार शिक्क्ष्यमा भेपर कारपोरंगन हारा कामज वह अवाभी के दिपय में समुष्ट है। कामज मबीनों के सम्मरण के विष्णु हिन्दुस्ताम पेपर कार्मोरेजन हारा समी शांगीयक बागा पर विवार करने के बाद ठेका दिया गया

Foreign owned and large Indian owned Industries

6682. SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA: Will the Minister of IN-DUSTRY be pleased to state:

- (a) the names of the foreign owned and lerge Indian owned Industrios producing (1) footwear (2) isundry soap, washing and toilet ranp, synthetic detergents etc., and (3) Matches and the production of each unit of these items during the last five years;
- (b) which of these industries have been allowed to expand capacity under C.O.B. licences/export obligations in the last five years; and
- (e) the production of small scale sector of there items during the last five years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITH): (a) and (b). A statement giving the available information is laid on the Table of the House.

[Placed in Library, Sec No. LT-2057/78].

(c) The production statistics of small scale sector units as elimital

Written Answers by the DGCSSI in 1972 and 1977 are erven below

|                    | Production in Rs<br>(Croces) |            |  |  |  |
|--------------------|------------------------------|------------|--|--|--|
| Item               | 1972                         | 1977       |  |  |  |
| t Footwear .       | 13 05                        | 30         |  |  |  |
| 2 Safety matches   | 11 64                        | 53         |  |  |  |
| 3 (a) Laundry Soap | 57 34                        | 144        |  |  |  |
| (b) Toilet Sosp    | 2 89                         | ostumated. |  |  |  |
| (c) Petergrats .   | -                            | €0         |  |  |  |

Nove (2) Production for 1972 is based on course of small scale industrial states conducted in 1973-74

> (b) Production for 1, 2 and 3(2) is estimated on a small sample,

(c) Production for g(c) w estimated on raw material supplied by ST C.

### नमितिक क्षेपरामेनों की नियुक्ति

6683. श्री धर्नेन सिंह मदीरियाः भी शेत लात प्रवाह दमाँ :

नया सूचना भीर प्रसारण नती यह यवाने की क्या करेंगे नि

र (क) क्या नैमितिक वैमरामैंनी की दूरवर्तन नेन्द्री में, जहा दे नाम कर रहे हैं, नियमित रूप से नियक्त करना समय करी ġ;

(ख) नया कुछ नीमितिक कॅमरामैंनों को निन्हीं केन्द्रों से हटाया जा रहा है भौर उनके स्यान पर कैंमरामैन वाहर से नियक्त किवे जा रहे हैं, ग्रीर

(ग) यदि हा, ती इसके क्या कारण

सूचना और प्रसारण मत्री (धी लात कृष्ण प्रदेशाणी) (क) कैमरामैनों सहित मितिक बाहिन्दों को स्वितवीं, वित्रमें मेवदण्या रिवित्रया भी शामिल हैं, मे काम चताळ व्यवस्था के रूप में निगुक्त किया जाता है। जो नैमित्तिक माटिस्ट, पदो के समा-चार पत्नो ने विज्ञापित होने पर उनने तिए मावदन करते हैं और नियमित नियुक्ति के लिए चन जाते हैं, अनको उसी केन्द्र पर नियमित रूप से रख लिया जाता है यदि चयन भी उसी बेन्द्र में सम्बन्धित हो .

- (ध) इतको तियवित वर स्वरूप "नैमि-तिक" है। इस प्रकार की नियंतित नियमित पदधारियों के समाव में ही हाती है यत नैमित्तिन कैमरामैनों को 'हटाने' का कोई प्रश्न नहीं है।
  - (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Strike by Officers of BCCL.

6684 SHRI A. R. ROY WUI Minuter of ENERGY be pleased state

(a) whether there had been strike and processions by the officers of Bharat Coking Coal Ltd, in the month of August 1977, if so reason nature and encumstances of such strike,

(h) whether the workers increased production of coal on that day of strike by the officers, if so, facts in detail,

(c) whether such strike by the officers was tilegal, if so, what action has heen taken against the officers for that,

(d) whether the top management was in league with the officers and itself instigated them to go on strike?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) to (d) As a measure of protect against the deteriorating law and order situation in the Jahris coalfield involving assaults on officers a majority of the officers of the B C.C.L. registered their protests by applying for casual leave on 30th August, 1977 Some of them also took a peaceful procession to the Deputy Commismoney Thanhad demanding better

profection and enforcement of law and order. The officers concerned with the operation of mines had made arrangements for production to continue normally and also to ensure that the safety standards were not compromised. The production on 30th August, 1977 was 64.5 thousand tonnes as compared to 65,8 thousand tonnes on the subsequent day. The management rejected the casual leave applications and decided that the officers would be marked absent on that day and no adjustment against any kind of leave or payment has been made for that day. There is no question of the top management being

209

-मार्च, 1978 में भारतीय नौबहन निगम के चार जहाजों का गुम हो जाना

in league with these officers.

6685. श्री राभानन्व तिवारी : क्या न्त्रीवहृत झौर परिवहृत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या भारतीय नीवहन नियम के चार जहाज गत कई दिनों से गुम हैं;
- (ख) यदि हां, तो क्या कोई खोज की गयी थी और उनके गुम हो जाने के कारण सुनिश्चित किये गए थे; और
- (ग) यदि हां, तो उसका व्योचा क्या है ?

नौवहन ग्रीर परिवहन मंत्रालय सें प्रभारी -राज्य मंत्री (श्री चांद राम): (क)की नहीं ।

(ख) श्रीर (ग). प्रश्न नहीं उठता।. सुबना श्रीर प्रसारण मंत्री की स्टाफ श्राटिस्टों के साथ उनकी समस्पाओं के बारे में बातचीत

6686 श्री नवाय सिंह बौहान : स्था सूचना भीर प्रसारण मंत्री 8 मार्च, 1978 के प्रतारांकित प्रश्न संस्था 4937 के उत्तर स सम्बन्ध में यह बताने की कृता करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि स्टाफ आर्टि-स्टों के कुछ प्रतिनिधि अपनी मांगों के समर्थन में सुचना और प्रसारण मंतालय के सचिव से मार्च के पहले सप्ताह में मिले थे :
- . (ज) क्या यह भी सच है कि सचिव ने उनकी कुछ मांगे मान ली थी छीर वह स्टाफ आर्टिस्टों की कुछ श्रेणियों को राहत देने के चिए भी सहमत हुए थे; श्रीर
- (ग) यदि हां, तो स्टाफ प्राटिस्टों के वेतनमान किस प्रकार से परिवर्तित किए जा रहे हैं और किन-किन श्रेणियों के कर्मेशारियों को पटोश्रत किया जायेगा ?

सूचना और प्रसारग मंत्री (श्री साल कृष्ण बढवाणी): (भ) जी, हां।

(वा) और (ग). स्टाफ प्राहिस्तों के बुल्कमानों को तरकारों कर्मचारियों को बुल्मान अंगियों के बारे में तृतीय चेतन स्रायान की क्लिपोंकों के स्वृत्य जुन, 1976 में चरिलोजित किया गया था। स्टाफ स्राहिस्तों के जुल्कमानों को और परिलोधित करने का लोडे म्हण्या गर्वों है।

कतिषय श्रेणियों के स्टाम माहिस्टों को समकक सिविक पदों के लिए इसी प्रकार के सलेशका ग्रेडों के धनुरूप सलेक्शन ग्रेड देने के प्रस्ताव की जांच की जा रही है ।

Death of a Scientist in CS10, Chandigarh

6687. SHRI BHAGAT RAM: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether a Scientist was found dead in a room of the Central Scientific Instruments Organisation, Chandigarh in mysterious circumstances in July, 1977 during the office hours;
- (b) whether his father also committed suicide a few days later;

211 Written Answers APRIL 12, 1978 Written Answers 212

- (c) whether it is also a fact that two boys who came for interview in CSIO (ISTC) from out-stations were found drowned in local lake,
  (d) whether the Police have investi-
- (d) whether the Police have investigated the cases, and
  - (e) if so, what are the findings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL). (a) According to the information reserved from the Chandugath Admunstration, one Sri Mandeep Pal Singh on Associate Instructor was found dead in a room of the Central Scientific Organisation, Chandigath on 1st July, 75

- (b) Yes, Sur
- (c) Yes. Sir
- (d) and (e) The local police investigated the above cases and their find-

ings are given as under Shri Mandeep Pal Singh an Associate Instructor in the Indo-Swiss Training Centre was found to have committed suicide in his office by drinking poisonous chemicals during office hours He left behind a handwritten letter stating that he was committing suicide and no one was at fault. The local police undertook inquest under Section 174 Cr.P.C and came to the conclusion that smeide was due to family circumstances His father was found drowned in the Sukhna lake Chandigarh on 2nd July, 1977 He had suffered a severe

shock due to the studie of his son He went out of his house on 1st July 1977 and his body was found in the lake next morning

In an another ancident two boys aged 17 years and 18 years were drowned in the Sukhna lake on the 19th July, 1977 The boys had hared a pedalled boat. The boys, who did not know how to wrim, had not carried their life-jackets While they were in deep water, they mishandled

the pedled boat which sank in the water.

A magisterial enquiry was conducted into the drowning of the two boys. The report also indicated that the tragedy occurred due to loss of balance resulting in sinking of the boat

Scheme of Rajasthan Government to Absorb Unemployed Persons

6693 SHRI S S SOMANI Will the Minister of PLANNING be pleased to state

(a) whether any new scheme has

- been framed by the Government of Rajasthan with the help of the Central Government to absorb unemployed force, and
  - (b) if so, the details thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MO RARJI DESAI) (a) No. Sir

(b) Does not arise

Development of Anantpur Coal Fields in Orissa

6689 SHRI M RAM GOPAL REDDY Will the Minister of ENERGY be pleased to state

(a) whether the coal authorities had talks with Mitsul of Japan on the possibility of developing the Anathour Coal fields in Orissa, and

(b) if so, the results thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHER P RAMACHANDRAN) (a) and (b) M/s Mitsu and Company of Japan have shown some interest in the development of Anant coal project A team of experts from that company recently visited mines around Talcher coalifelies and had talks with Minister (Energy), Secretary (Coal) and officials of Coal Inda Ltd vo decision has yet been taken in the matter

#### उत्तर-प्रदेश के प्रामीण विद्युतीकरण के लिए केन्द्रीय सहायता

213

6690. श्री हरगोविन्द वर्माः क्या ऊर्जा मंत्री यह वताने की कृषा करेंगे कि:

(क) क्या राज्यों को ग्रामीण विध्वती-करण के लिए कोई केन्द्रीय वित्तीय सहायका दी गई है;

(ख) उत्तर प्रदेश को कितनी सहायता दी गई है बीर क्या यह राशि राज्य के लिए अपर्याप्त नहीं है; और

(ग) यदि हा, तो क्या इस राज्य को कोई अदिरिक्त राशि भी वी आएगी?

कर्जी मंत्री (श्री पी० रामनप्टन):

(क) प्राम विवृत्तीकरण कार्यक्रम के निक्ष वित्य-व्यवस्था 3 लोगों से की कारती है, (क) प्राम विवृत्तीकरण नियम हारा, (ख) म्यूनवम प्राप्त्यकता कार्यक्रम के घन्तर्गत जितके विद्य घन पान विवृत्तीकरण नियम के व्यव्सि विया जाता है; तथा (य) राज्य सरकारों हारा स्वयं।

(च) प्रौर (ग) उत्तर प्रवेश में श्राम नियुतीकरण के लिए वर्ष 1977-78 की वार्षिक योजना में 20.97 करोड़ रुगए के परिव्यय की व्यवस्था की गई थी। सका व्यौरा मीचे लिखे अनुसार है :---

> (करोड़ रुपये में)

ग्राम निवृतीकरण निगम . 7.97

न्यूनतम ग्रावश्यकता कार्यक्रम 5.00

राज्य का सावारण विकास कार्यक्रम 8.00

20.97

भ्रावंटन में कमागत वार्षिक **योजना** अवधियों में बढ़ोतरी हुई है ।

#### Assistance to Solapur Textile Units

6691. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the state Government have sought financial assistance for restarting textile units at Solapur which has been closed as a result of fire rendering large number of workers unemployed;

(b) if so, whether Government's help for restarting the units was sought by the State Government or other parties; and

(c) what is the reaction of Government in the matter and the steps taken to protect interest of workers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) No. Sir.

(b) and (c). Do not arise.

#### Modernisation of Textile Mills

6692. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have formulated a plan for modernisation of textile mills taken over by the Government:

(b) if so, furnish details of the plens and provision of funds made for 1978-79 and actually utilisation of funds allocated for this purpose during 1977-78 Statewise:

(c) whether it is a fact that some proposals for modernisation of mills in Vidharba region of Maharashtra have been delayed and the reasons therefor, and the action taken to expedite modernisation proposal of textile mills in Vidharba region and provision of funds made for this purpose during 1978-79; and

(d) whether Government are considering a proposal for taking over some textile units in Maharashtra and details thereof?

19 50

THE MINISTER OF STATE MINISTRY OF INDUSTRY ABHA MAITI): (a) (SHRIMATI and (b) The National Textile poration has formulated an investment plan for modernisation of 100 nationalised textile mills with an outlay of Rs 20828 crores to be undertaken in a phased manner Subsidiary-wise break up of investment plan is under --

215

| Name of subsidiary                  |       | nvestmen<br>plan |
|-------------------------------------|-------|------------------|
| (I                                  | n i   | crores)          |
| NTC (Delhi, Punjab & Rajas          | than) | 10 03            |
| NTC (Uttar Pradesh)                 |       | 11-59            |
| NTC (West Bengal, Assam,<br>Orassa) | Bibar | 27 99            |
| NTC (Madhya Pradesh)                |       | 14 40            |
| NTC (Gujarat)                       |       | 20 21            |
| NTO (Maharashtra North)             |       | 41 71            |
| NTC (Maharashtra South)             |       | 91 20            |

NTC (Andhra Pradesh, Karnataka, Keraja , Mahe)

NTG (Tamil Nadu and Ponds-

cherry)

A budget provision of Rs 29 crores has been made for modernisation of NTC mills during 1978 79 Besides, this budgetary provision, the has also approached IDBI for soft loans for modernisation of some its mills aggregating to Rs 1731 crores till the end of March, 1978 Subsidiary-wise details of the amount leased for modernisation during 1977-78 are as follows

| Name of the Subsidiary | Amount<br>released |
|------------------------|--------------------|
|                        |                    |

| NTC | (Delhi, Punjah &<br>Rajasthan) |   | (IG. II | 13413) |
|-----|--------------------------------|---|---------|--------|
|     | Rajasthan) .                   | • |         | 430 00 |
| NTC | (Uttar Pradesb)                |   |         | 236-00 |

| NTC (West Bengal, Assam,<br>Bihar, and Orușa)       |   | 410 00  |
|---|---|---------|
| NTC (Madhya Pradesh)                                |   | 253 00  |
| NTC (Cujarat)                                       | ٠ |         |
| NTC (Mahrashtra North)                              |   | 475 ∞   |
| NTC (South Maharashtra)                             |   | 535 ∞   |
| NTC (Andhra Pradesh,<br>Kamataka, Kerala &<br>Mahe) |   | 510 00  |
| NTC (Tamil Nadu and<br>Pondscherry) .               |   | 508 00  |
| Total   |   | 3357 00 |

(c) Modernisation programmes cost ing Rs 378 21 lakhs have been sauctioned for five mills in Vidharba region of Maharashira Out of this, modemisation programme costing 14259 lakhs have been implemented in four mills, till the end of December, 1977. There has been some delay in the implementation of the modernisation programmes in one mill because it involved additions/repairs to the existing buildings Construction plans are awaiting approval of Archifects

A sum of Rs 20 crores has been provided for modernisation of NTC mills during 1978-79 Subsidiary-wise allocation of this provision has not vet been made

(d) There is no such proposal under consideration at present

# टुंबटरों का झायात

6695 थी राजेन्द्र कुमार शर्माः क्या उद्योग मती यह चताने की क्या करेगे कि:

(क) वर्ष 1976-77 और 1977-78 में देश में कुल वितने टैक्टरों का निर्माण किया गया है :

- 217
- (ख) क्या इस मामले में देश के खारम-निर्मर होने के बावजूद ट्रैक्टर विदेशों से आवात किए गए ;
- (ग) यदि हां, तो कुत कितने और कितने मूल्य के ट्रैक्टरों का ग्रायात किया गया;
   श्रीर
- (व) तथा सरकार देश के अन्य भाषों में ट्रैक्टर बनाने बाले कारखानों की स्थापना गरिगी और यदि हो, तो ऐसा कोई कारखाना उत्तर प्रदेश में भी स्थापित किया जाएगा ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती श्रामा मयती) : (क) पिछले वो वर्षों में द्रैक्टरों का उत्पादन निम्न प्रकार हुखा है :—

1976-77 . 33,146 ड्रैस्टर 1977-78 . 35,925 ट्रैस्टर ('अप्रैल, 1977 से

फरवरी, 1978 तक)

- (ब) क्या (न) एक सामान्य नीति के रूप में विशिष्ट विरूच के विदा परियोजनाओं के स्वतन्त्रेत मानुविधित ट्रैक्टरों को छोड़कर ट्रैक्टरों का छोड़कर ट्रैक्टरों का सांविध्यक प्राथात 1973 से कर कर दिया नया है। इन परियोजनाओं के मामके में देशी उत्सादन श्रीर प्रधाना तथा थें में के ट्रैक्टरों का सम्मरण निया गया है। इन परियोजनाओं के संबंध में कृषि मंत्रालय हारा बताया गया खींगा और इसके साम्यल हेतु मून एप से नियंपित स्वत्य सम्पात से प्रधान के स्वत्य में सम्वत्य हैं कर से में स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में स्वत्य में स्वत्य में स्वत्य में सम्वत्य से स्वत्य में स्वत्य मे
- (घ) जो लाइसेंच प्राप्त क्षमता पहले हो स्वीकृत है वह ट्रैंग्टरों की मां मु पूरी करते के खिए पर्याप्त हैं। स्त्रीकृत क्षमता में उत्तर प्रदेख में एक एकक के लिए 12,000 तम प्रतिवर्ध की लाइसेंस प्राप्त क्षमता भी शामित हैं।

# विशय बेम परियोग्नता के घन्नवेत सम्बाधित दुंनडरों का ध्योश

|   |                                 |                               |                         |    |  |               | •              |               |          |                |                                     |                  |                                 |              |            |
|---|---------------------------------|-------------------------------|-------------------------|----|--|---------------|----------------|---------------|----------|----------------|-------------------------------------|------------------|---------------------------------|--------------|------------|
| - |                                 | मूल्य रुषये मे                | योग (षायातित व स्वदेशी) | 11 |  | 1267 49291773 |                | 2277 89870056 | 80170486 | 2808 111649925 |                                     | उपलब्ध मही       |                                 | ज्य रस्य रही |            |
|   | _                               | सन्म                          | योग (याचा               | 10 |  | 1267          |                | 2277          | 1624     | 2808           |                                     | 1500             |                                 | 1 901        |            |
|   | डिलीवर किए गए ट्रम्टरो की राज्य | मूत्य रुपय मे                 | स्वदेणी                 | 6  |  | 421 22455749  |                | 2132 83599968 | 65336736 | 1              |                                     | उपलब्ध मही       |                                 |              | उपलब्ध मही |
|   | निर निए गए                      | सन्म                          | 44                      | æ  |  | 421           |                | 2132          | 1574     | 1641           |                                     | 724              |                                 | 355          | 64         |
|   | हिस                             | मूल्य एषय मे                  | सिव                     | 7  |  | 846 26836024  |                | 6270090       | 14833750 | ì              |                                     | उपलच्य मही       |                                 | उपलब्ध नहीं  | उपलब्ध मही |
|   |                                 | सरभा                          | यामासित                 | 9  |  | 846           |                | 145           | 250      | 164            |                                     | 776              |                                 | 546          | 2920       |
|   | marker                          |                               | नी सब्दा                | 2  |  | 1500          |                | 0000          | 1        | 2808           |                                     | 1500             |                                 | 1025         | 6975       |
|   | 1 2                             | प्रताकान प्र<br>तारीय         |                         | 4  | [  | 30-6-77       |                | 30-6-77       |          | 30-6-77        |                                     | 11-6-71 31-12-77 |                                 | 30-6-66      |            |
|   | 1                               | भारम्भ हाम<br>की तारीख        |                         | 6  |  | 8-1-71        |                | 11-6-11       |          | 7-1-72         |                                     | 11-6-71          |                                 | स्ति॰ '७०    |            |
|   | de afteritation                 | क्ष्य गायाच्याचा<br>सब्दा नाम |                         | 2  | मान्ध्र प्रदेश<br>एप्रीयन्त्रवास्त्र मेडिट |               | मन्दरस्य भीड्ड | मीयवंट करण-1  | ¥        | - 1            | विमितनाडु एप्री-<br>मेर्चरल क्रीडेट | ټ.               | पजाब एग्री-<br>परनस्त प्रोजेन्ट | चरण-1}       | यरण-2      |
| 1 |                                 | <b>P</b>                      | ŀ                       | -  | -  |               | £4             |               |          | n              | 4                                   | -                | o                               |              | - 1        |

6696, SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased

(a) the total quantity of toilet soaps released by the Tata Oil and Soap Mills and Hindustan Lever in the last one year: and

(b) the total quantity of toilet Soap Mills and Hindustan Lever Limited in the last one year; and

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAIT): (a) and (b). Information regarding quantity of tolier soaps released by firms is not readily available. However, the production of toliet scaps by Mrs. Hindustan Lever Limited and Mrs. Tata Oil and Soap Mills Co. Ltd. during the year 1977 and September, 1977 to February, 1978 (six months) are as under:—

| Name of the firm   | Production of toilet<br>soaps (tonnes) |                         |  |  |  |
|--|--|-------------------------|--|--|--|
|  | 1977                                   | Sept. 7 to<br>Feb. 1978 |  |  |  |
| <ol> <li>M/s. Hindustan<br/>Lever Ltd. (a units)</li> </ol>                      | 98,051                                 | 55,691                  |  |  |  |
| <ol> <li>M/s, Tata Oill &amp;<br/>Soap Mills Co. Ltd.<br/>(six units)</li> </ol> | 17.022                                 | 8,627                   |  |  |  |

#### Price of Scaps

6697. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: SHRI D. B. CHANDRA GOWDA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) what are the details regarding the prices of soaps before and after lifting the Emergency; and
- (b) whether it is a fact that the soaps which are being utilised at present are not according to the satisfaction and etandard in view of their prices?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) A statement showing the prices of soaps before and after lifting the Emergency is attached.

(b) Complaints were received regarding substantial reduction in the TFM content in various brands of soaps, Indian Standard Institution has been asked by the Department of Civil Supplies and Cooperation to undertake the study on the comparative quality of Toilet Soaps manufactured by various units in the organised sector as well as in the Small Sector?

#### Statement

|                |       |   |   |    | 24                                  |                             |                           |                      |                    |
|----------------|-------|---|---|----|-------------------------------------|-----------------------------|---------------------------|----------------------|--------------------|
|                |       |   |   | So | ap Prices                           | (Rs.)                       |                           |                      |                    |
|                | Perio | d |   |    | Tata 501<br>Half Bar,<br>Case of 60 | Hamam<br>Large<br>144 cakes | Lux<br>Toilet 12<br>cakes | Sunlight<br>12 cakes | Saral 144<br>cakes |
|                |       |   |   |    | Bombay                              | Bembay                      | Bombay                    | Bombay               | Eombay             |
| February, 1977 |       |   |   |    | 67.50                               | 157*20                      | 12.86                     | 10.50                | 10g-86             |
| March, 1977    |       |   |   |    | 67-50                               | 157.20                      | 12.86                     | 10.50                | 109.86             |
| April, 1977 .  |       | - | - | -  | 67-50                               | 157-20                      | 12.86                     | 10.50                | 109.86             |
|                |       |   |   |    |                                     |                             |                           |                      |                    |

be pleased to state

223

Proposal to ban State lotteries

6698 PROF P G MAVALANKAR Wilt the Minister of HOME AFFAIRS

- (a) whether Government propose to enact legislation banning the State lotteries.
  - (b) if so, when and how, and
  - (c) if not, why not?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS

- (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) No, Sir
  - (b) The question does not arise
- (c) The Government are of the view that because of legal and constelutional difficulties involved, no particular advantage would be gained by banning State lotteries

#### Abolition of capital nunishment

6699 SHRI SAMAR GUHA Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether attention of Government has been drawn to the appeal made by Acharya Kripalani and Lok Navak Jayaprakach Narayan for abolition of capital punishment, and
- (b) if so, the reaction of Government thereabout?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SIIRI S D PATIL) (a) Government have seen press reports on the subject

(b) Clause 124 of the Indian Penal Code (Amendment) Bill, 1972, as reported by the Joint Committee of both Houses of Parliament has already pro vided that the normal punishment for murder shall be imprisonment for Hie In the Bill as reported under section 302 only in certain aggravating circumtances namely, where murder has been committed after previous planning and involves extreme brutality or involves exceptional depravity or bas been committed by the murderer while under sentence of imprisonment for life, and such sentence bas become final, or is the murder of a member of the armed forces or police force or a public servant, whose duty it is to preserve law and order, would the court have the discretion to award death sentence instead of imprisonment for life In the Bill, as reported by the Joint Committee, there is no offence for which death punishment will be obligatory and the death sentence will not be available under section 305 The impact of these and certain other pro visions in the Bill will be that sentences of death for murder would be rare and imprisonment for life would be the rule The Bill as reported by the Joint Committee, is yet to be taken up for consideration in Parliament

फाइलें गुम होने का समाचार

6700 थी सुखेन्द्र सिंहः वया गृह मत्नी यह बताने की हुपा करेंगे कि

- (क) यथा उनके मल्रालय की बेन्द्र सररार के प्रन्य मतालयां से प्रथवा राज्य सरवारी से ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई है कि भनपूर्व काग्रेम सरकार के शासनकाल म कुछ फाइलें गम हैं.
- (ख) यदि हा, तो ऐसे मजालय तथा राज्य सरवारी का विवरण वया है, भीर
- (ग) भूतपूर्व सरकार मे इसके लिए उत्तरदायी व्यक्तियो भ्रथवा ग्रधिकारियो के विषद सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

गृह मत्रालय में राज्य मत्री (श्री प्रनिक साल मण्डल) (क) से (ग) सूचना एक ब्रित की जा रही है और यथा समय सभा पटल पर रात्र दी जाएगी ।

#### Rural Industry Project Programme

225

6702. SHRI SUKHENDRA SINGH: SHRI GOVIND RAM MIRI:

SHRI PHOOL CHAND VER-MA: SHRI SUBHASH AHUJA:

SHRI SUBHASH AHUJA: SHRI MADHAVRAO SCIN.

DIA:

SHRI CHHABI RAM ARGAL: DR. LAXMINARAYAN PAN-

DEYA: SHRI PARMANAND GOVIND-JIWALA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether Central Government propose to start rural industry project programme in future;
- (b) if so, the details thereof and when it will be started;
- (c) whether a decision has been taken to include other backward districts of Madhya Pradesh in this programme and if so, the names of the districts;
- (d) whether the Central Government propose to extend the central copital cost grant scheme in other backward districts of Madhya Pradesh; and
- (e) if so, when a decision in this regard is likely to be taken?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MAT; ABHA MAITI): (a) and (b). The Rural Industries Projects Programme was first started in 1826-8. It is now proposed to merge it with the District Industries Courtes Scheme which will start functioning from May. 1978.

- (c) Yes, Sir, States have been told to include all hackward districts under the District Industries Centres which will also have the component of RIP. The proposal from the State Government of Madhya Pradesh is awaited.
- (d) and (e). The Central Subsidy Scheme, along with other schemes of

concessions/subsidies is under review of the Planning Commission in connection with the new Five Year Plan for 1978—83.

226

Licences for textile industry in Tamil Nadu

6763. SHRI G. BHUVARAHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) how many Textile Industry licences have been issued during the past five years in Tamil Nadu; and
  - (b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITT): (a) 86 Industrial Ricences were issued under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 for the manufacture of items felling under Textile Industry in Tamil Nadu during the years 1973—77.

(b) Does not arise.

and

#### Licence for Glucose Factory at Salem

- 6704, SHRI G. BHUVARAHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that Goverament of India have given licence to start Glucose Factory at Salem where there is lot of taploca starch available;
  - (b) what is the present position?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) and (b). No. Sir. However, request for setting up Glucase factory based on tapioca starch if received will be considered on merits.

Licences for watch factory in Tamil Nadu

6706. SHRI G. BHUVARAHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) how many licence; have been issued to start watch factory in Tamil Nadu so far; and

| 227 Written Answers APRIL   | 12, 1978 Written Answers 228   |
|---|--|
| (b) when it was given and what is<br>the latest position?                     | THE MINISTER OF INFORMA-<br>TION AND BROADCASTING (SHRI<br>L K ADVANI) (a) Yes Sir |
| THE MINISTER OF STATE IN THE<br>MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-                   | (b) A statement is attached.   |
| MATI ABHA MAITI) (a) and (b)<br>Entrepreneurs intending to establish          | Statement  |
| watch factories are not required to<br>obtain, a licence under the Industries | (1) Members of the Advisory Panel of the Board of the Film                         |
| (Development and Regulation) Act,<br>1951 for manufacture of wrist watches    | Censors, Bomhay,   |
| "mechanical' However, they have to  | 1 Smt Uma Da Cunha   |
| apply to-the Directorate General of<br>Technical, Development for registra-   | 2 Dr Sunil Kothan  |
| tion in case the investment on plant  | 3 Shri Arvind Kumar<br>4 Shri Bikram Singh   |
| and machinery is to he more than<br>Rs 10 lakhs. In case the investment       |  |
| on plant and machinery is less than   | 5 Dr Suresh P Dalal  |
| Rs 10 lakhs then they have to get   | 6 Rev Fr Richard Lane-Smith<br>7 Dr (Prof.) Arjan Gobindram                        |
| approval of the Development Commis-<br>sioner (Small Scale Industries) for    | Mirchandan   |
| establishment of a watch factory De   | 8 Dr Saredhar Mishra   |
| velopment Commissioner (Small Scale<br>Industries) has approved establish-    | 9 Dr C L Prabhat   |
| ment of a watch factory in Tamil  | 10 Smt Shanta Shelke   |
| Nadu by M/s South India Watch   | 11 Shri Raghbir Singh  |
| Industries, Hosur This approval was<br>given on 26th May, 1977 by the De-     | 12 Shri Badri Narayan  |
| velopment Commissioner (Small Scale   | 13 Smt Vijaya Mehta<br>14 Smt Kallohni Pravir Hazarat                              |
| Industries) M/s South India Watch<br>Industries have acquired land and bave   | I5 Dr (Smt) Ramola Kokkar  |
| procured plant and machinery for the  | 16 Shri Irfan Ullah Khan   |
| assembly of watches The Company<br>has already received an import licence     | 17 Dr (Smt.) Panna Raul  |
| worth Rs 168500 for the import of   | 18 Kum Shirin Bhaft  |
| components  | 19 Shri Firoze Rangoonwala   |
| Besides a watch assembly unit has   | 20 Shri Harish Bhanot  |
| been set up at Ooty by Hindustan<br>Machine Tools Limited which is already    | 21 Shri Darius Cooper  |
| In operation  | 22 Kum. Eunice De Souza  |
| Reconstitution of Film Examining  | 23 Smt Kanchanmala Harmalkar   |
| Panels  | 24 Shri Sadanand Rege<br>25 Smt Sarojini Shankar Vaidya                            |
| 6707 SHRI SURENDRA BIKRAW   | 26 Shri Sudhir Nandgaonkar   |
| SHRI PRADYUMNA BAL  | 27 Smt Veena Rangnekar   |
| Will the Minister of INFORMATION  | 28 Shri Mahendra Gandhi  |
| AND BROADCASTING be pleased to  | 29 Smt Praneym Jagadish Munshi   |
| state   | 30 Smt Akhtar Jacoh  |
| (a) whether Government have re-   | 31 Smt Rekha Vipin Khakkar   |
| constituted the film examining panels   | 32 Shri M K Verma  |
| attached to the Film Censor Board;<br>and                                     | 33 Shr: Jag Mohan 34 Smt Vandana Vithankar   |
| (b) if so, the details thereof?   | 35 ShrI W Y GadgiI   |
| man, 200 To   |  |

36. Shri Rasiklal Bhuta 37. Prof. Pushpa Bhave.

229

- 38. Smt. Vimal Paranine
- 39. Smt. Mrinalini Desai
- 40. Smt. Usha Gokani
- 41. Smt. Shirish Pai
  - 42. Shri Khalid Ansari 43. Shri E. Menezies
  - 44. Dr. Amarnath Dubey
  - 45. Smt. Usha Priyamyada
  - 46. Shri Mukesh Mitter
- · (ii) Members of the Advisory Panel of the Board of Film Censors, Calcutta:
  - 1. Shri Sarat Misra
- Dr. Gauri Shankar Bhattacharjee
  - Shri Gour Kishore Ghosh
  - 4. Shri Bageswar Jha
- 5. Smt. Arti Tagore 8. Smt. Krishna Ghosh
- 7. Shri Prafulla Roy
- 8. Shri Manindra Roy
- 9. Shri Ranajoy Kalekar
- 10. Shri Tarun Rov
- 11. Smt. Aroti Srimal
- 12. Shri Amitava Chowdhury
- Shri Prasanta Sannyal
- (iii) Members of the Advisory Panel of the Board of Film Censors. Madras:

# Tamil

- 1. Shri S. Balachander
- 2. Smt. Gita Viswanathan
- 3. Shri Kaviguar Poquadiyan 4. Kum. Maitravi Ramadorai
- 5. Shri M. Mohd. Mustafa
- 6. Shri K. Padmanabhan
- 7. Smt. Padma Parthasarathy
- 8. Shri R. Parthasarathy
- 9. Shri Sreedhar S. Rajan
- Theegarajan (Ashoka 10. Shri J. Mithran)
- 11. Smt. Prema Paranthaman
- 12. Dr. Usha Jagannathan

#### Teluzu

- 1. Shri G. Appa Rao
  - 2. Shri K. Gonalan
  - 3. Shri Jayadev Bahu
  - 4. Shri Kammineni Krishanamurthy
  - 5. Shri Nanda Gopal
  - 6. Smt. K. Ramalakshmi
  - 7. Shri M. Satyanarayana
  - 8. Smt. Shamsia Hahibullah Badshah
  - 9. Shri B. D. Rao
  - 10. Smt. Vasant Ramakrishna
  - 11. Smt. Pushpalata Prasad

#### Kannada.

- 1. Dr. Krishna Bhatt Khaintaio 2. Shri Srikrishna Bhatt
- 3. Shri S. N. Kumar
- 4. Smt. N. S. Lalithama (Usha Arasu)
- 5. Shri B. Radhakrishnan
- 6. Shri K. N. Raghavendra Rao

#### 7. Shri B. G. L. Swamy Malayalanı

- 1. Smt. Ammu Mathew
- 2. Smt. Bhyme Rajamanickam
- 3. Dr. P. K. Krishnan
- 4. Shri K. C. Menon 5. Dr. M. K. Pavithran
- 6. Dr. K. K. Rajah
- 7. Smt. Saraswati Devi Pratap

#### Hindi

- 1. Dr. J. Agarwal
- 2. Smt. Indira S. Mchta
- 3. Smt. Meera Chari
- 4. Smt. Nirmala Gokaran
- 5. Smt. Sita Badrinath
- 6. Smt. Snehlata Datar
- Industrial Firms for Economic Development in Villages
- 6708. SHRI SURENDRA BIKRAM: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) the names of the industrial firms and companies that have adopted

villages in various States for econo mic development;

231

- (b) the number and names of villages so adopted in each state, and
- (c) the broad features of development to be projected therein and the approximate amount of money to be unusted therein?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SERPI-MATI ABHA MAVII) (a) to (c) The list of companies whose programmes of ural development have been approved under Section 35CC of the Income-Tax Act 1961, subject to the fulfilment of certain conditions is given below—

S. No Name of the company

- 1 M/s Greaves Cotton and Co Ltd
- 2 M/s. East Indian Produce Ltd
- 3 M/s Modipon Ltd.
- 4 M/s. Mod: Spg & Wvg Mills Co Ltd
- 5 M/s. Chemical and Fibres of India Ltd.
- 6 M/s Jindai Aluminium Ltd
- 7 M/s Indian Petrochemicals Cor-
- 8 M/s. Bhagatpur Tea Company Ltd
- 9 M/s Bloomfield Tea Company Ltd
- 10 M/s Mafatlal Fine Spg & Mig
- Co Ltd

  11 M/s Hoechst Dres & Chemicals
- Ltd
  12 M/s Mafetial Industries Ltd.
- 12 M/s Mafatlal Industries Lt
- 13 M/s Indian Dyestuff Industries Ltd.
- 14 M/s. Mihir Textile Ltd
- 15 M/s. Indo-Eurma Petroleum. Co Ltd.
- 16 M/s Standard Mills Co Ltd
- M/s. Ferro Alloys Corporation Ltd.
- 18 M/s IDL Chemicals Ltd

- S No Name of the company
  - 19 M/s National Organic Chemical Industries Ltd

232

- 20 M/s Sitalakshmi Mills Ltd
- 21 M/s. Somalya Organo Chemical: Ltd
- 22 M/s Tata Engineering and Locomotive Company Ltd
- 23 M/s. Vazir Sultan Tobacco Company Ltd
- 24 M/s. Polyolefine Industries Ltd.
- 25 M/s Hindustan Organic Chemi cals Ltd.
- 26 Mjs Ahmedabad Advance Mills
- Ltd
  27 M/s Tata Yodogawa Ltd
- 28 M/s. Beloahar Refractories Ltd.
- 29 M/s Tata Sons Ltd.
- 30 M/s The Tata Iron and Steel Co.
- 3t M/s Lakme Ltd 32 M/s The Tata Hydro Electric
  - Power Supply Company Ltd 33 M/s The Tata Power Company
  - Ltd.
  - 34 M/s. The Tara Chemicals Ltd.
  - 35 M/s Tata Finlay Ltd
  - 36 M/s. Voltas Ltd
  - 37 M/s The Tata Oil Mills Company Ltd
  - 38 Mls The Andhra Valley Power Supply Company Ltd
  - 39 M/s. Tata Export Ltd.
  - 40 M/s. Indian Vegetable Products
  - Lld
  - 41 M/s Gokar Patel Vokart Ltd
  - 42 M/s. Forbes Forbes Cambell and Company Ltd.
  - 43 M/s Great Eastern Shipping Company Ltd
  - 44 M/s. Goodlass Nerolac Paints Ltd
- The Programme of rural development would be carried out in the following States —
  - 1 Andhra Pradesh
- 2 Gujarat

3. Haryana

233

- 4. Madhya Pradesh
- Maharashtra
- 6. Tamil Nadu
- Uttar Fradesh
   West Bengal.

An illustrative list of categories of projects for rural development to be considered for approval for the purposes of Section 35 CC of the Incometax Act, 1961, is given below.—

- Assistance in the setting up of rural industries in selected areas by the rural weak to provide them self employment.
- (a) Establishment and (b) running of dispensaries, maternity and Child walfare centres and family welfare centres.
- Nutrition programmes for school children.
- (a) Establishment and (b) running of educational and vocational training centres.
- (a) Construction and (b) maintenance of rural link roads, village streets, pavements and drainage.
- (a) Construction and (b) maintenance of drinking water projects, such as wells, tubewells, etc., and cleaning of wells and pends.
- Rural electrification, i.e., provision of street lighting in village and electrification of Harijan/ tribal homes.
- Assistance to the weaker sections in contructing houses on sites provided in rural areas by Government, village panchayats, etc.
- Minor irrigation schemes, including boring of tubewells and installation of pumping sets for the benefit of groups of small-marginal farmers.
- Supply of improved varieties of seeds and provision of families for seed testing to groups of small/ marginal farmers and assistance

to such farmers for establishing seed farms.

- Supply of fertilizers and insecticides to groups of small/marginal farmers and giving guidance and training to such farmers in the use of fertilizers, insecticides, etc.
- 12. Supply of plant protection equipment, sprayers, farm machinery, implements, etc. to the vilage panchayat for the use of groups of small/marginal farmers.
- 13. Animal husbandry—assisting the farmers in cattle improve ment through establishment of veterinary dispensaries. Artificial Insemination centres etc., dairy products processing and marketing.
- Assistance to groups of small/ marginal farmers, landless labourers, etc., in poultry farming, borticulture, piscirculture etc.
- Establishment of workshops for servicing and repair of farm machinery and training of artisans, mechanics, etc.

# हिन्दी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक

6709. भी मुरेन्द्र विक्रमः पदा गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) यत छह वयों से अधिक की अविध से हिन्दी ज्ञिल्य योजना में सहायक निदेशक (पहले सहायक वर्यवेलक)/पर्यवेलक) के रूप में कितने व्यक्ति काम कर रहे हैं;
- (ख) क्या उपरोक्त योजना में बे पदधारी की शासिल हैं जो हिन्दी शिवक थे और जिन्हें पदोन्नत होने पर दिल्ली से बाहर नहीं चेला गया था; और
- (ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हुँ ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक साल मण्डल): (क) श्राठ ।

(ख) बी नहीं, ओम न् !

(ग) प्रश्न नहीं उठता। प्रत्येक मदालय की धपने कार्य के स्वरूप शी क्षेत्र को देखते हुए यह सख्या निश्चित करनी हिन्दी सलाहकार समितियो में नामजदगी का होगी । सामान्यन किसी भी समिति मे 30 से अधिक सदस्य नहीं होने चाहिए 6710 श्री मुरेन्द्र विक्रमः क्या गृह क्योंकि एक तो इससे विचार-विमर्श में सविधा मती यह बताने नी कुपा करेगे कि: होगी और दूसरे यात्रा और दैनिक भर्तो पर भी मधिक व्यय नही होगा । (क) विभिन्न मदालयी की हिन्दी सलाह कार समितियों म सदस्यों की नामजद करने 2 वर्गवार विभाजन

APRIL 12, 1978

के क्या बाधार हैं.

(ख) क्या उक्त समितियों में सेवा-न्वित ध्याति प्राप्त हिन्दी ग्रधिकारियों भयवा ऐसे भन्य मधिकारियी को सदस्य सामजद किया गाया है :

Written Answers

235

(ग) यदि हा, ती जनके चयन ,का माधार नेया है, धीर

(घ) यया प्रहिदी मण्या भाषी क्षेत्री मे राजभाषा ने रूप मे हिन्दी को बंडावा देने के लिए हार्य कर रहे व्यक्तियों की भी इन

समितियों ने लिया गया है ? गृह मत्रालय में राज्य मत्री (श्री धनिक साल मण्डल) (क) विभिन्न मजालया की हिन्दी सलाहनार समितियी मे सदस्यों की नामजद करन लिए केन्द्रीय हिन्दी समिति द्वारा कुछ मार्गदर्शी सिद्धात निर्धारित किएत

गए हैं जो विवरण पर देखें जा सकते हैं।

(ख) जी हा

(ग) मार्गदर्शी मिद्धात के अनुसार महानय के कार्य कताए की अच्छी जा स्वारी तया हिंदी के प्रचार प्रसारतया विनास मे विशेष रूचि एवना ही चयन का माधार है 1

(घ) जी इए ।

ववरण

हिन्दी सलाहरार सिर्जितवीं के गठन के लिए मगंदर्शी सिद्धांत

तसदस्य सख्या--वैशे पोई निश्चित सदस्य सच्या निर्धारित नहीं की जा सकती क्योंकि

(क) सरकारी सदस्य — जाहिर है कि

Written Answers

मदालय के मदी समिति के अध्यक्ष होंगे। राज्य मदौ उपमुखी सचिव, अपर सचिव तथा सर्वाधत सयनत सचिव समिति के पदेन

सदस्य होगे । साथ ही सबद्ध घीर श्रधीनस्य कार्यासयो के अध्यक्त, महानिदेशक, निदेशक, महा-प्रवयक, प्रवयक श्रादि का भी, जी मतालय के महत्वपूर्ण कार्य देख रहें हैं, समिति का पदेन सदस्य रखा जाये। (यदि मझी जी

चाहें तो वे राज्य मन्नी, उप मन्नी को समिति का उपाध्यक्ष नामित कर दें, ताकि धनकी धनपस्थिति मे वे बैठक की भ्रध्यक्षता कर सके) । राजभाषा विभाष के सनिव तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार सभी

विमाग का एक मन्य प्रतिनिधि भी सभी समितियों मे भवश्य रखा जामा चाहिये। (छ) गैर सरकारी सबस्य - ऐसे व्यक्तियों को हो सदस्य नामित करना चाहिए जिन्हें हिन्दी के प्रचार प्रनार तथा विकास मे

विशेप रूजि हो भीर जो सर्वधित मदालय के कार्यकलाय की अच्छी जानकारी खते हो

समिति के सदस्यों को धनते समय नीचे

लिखी बार्वों का ध्यान रखा बाना चाहिय '--(1) ससव सबस्यों यो सरया-

समितियों के पदेन सदस्य रहेंगे। राजभाषा

समिति से सामान्यतया ससद के 4 सदस्य हो-2 लोग सभा से भीर 2 राज्य समा से ।

(2) प्रत्य गैर तरकारी तहस्य :— मंत्रालयों के कार्यक्षेत्र से यंबीवत प्रौर हिन्दी में स्विन रखने वाले व्यक्तिययों के व्यक्तियत कीले किली प्रविल भारतीय हिन्दी संस्थायों से भी एक या दो प्रतिनिधि रखें जाने नाहिए :—

237

- (1) अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ
- (2) नागरी प्रचारिणी सभा
- (3) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा तथा
- (4) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग । यदि केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद को भी प्रतिनिधित्व देना हो, तो उसके प्रध्यक्ष की हो नामित किया जाये ।

जहां तक हो, दिल्ली के वाहर के सवस्यों की संख्या कम ही रखी बाए ताकि यावा और दैनिक नतों में नितव्यनिकता दखी का सके। जब कभी राजनाथा किशान को ऐसा मुत्तीत हो कि किसी खास वर्ष या क्षेत्र को किसी समिति में समूचित मतिनिधित्व नहीं निस्त थांक 3 व्यनिकार्यों को सदस्य मामित कर सकती हैं।

3. राजनाया कियार से परासर्ध :— केन्द्रीय हिन्दी समिति के निर्णय के अनुसार सभी मंतानवीं और निवामों को अधनी सरकार के हिन्दी समाहकार से राव लेगा प्रतिनार्थ हैं ? अब एक नवा राजनाया विमाग बन गगा है । इस विभाग के सर्वित, मास्त वरकार के हिन्दी समाहकार भी हैं । इसीलिंग अब समितियों के बठन के बारे में राजनाया विभाग से ही भूमें परामर्थ काली होगा । इस वास्त मा स्वाहरी के बठन आहिंग कि परामर्थ मंत्रीवित मंत्री के बठन आहिंग कि परामर्थ मंत्रीवित मंत्री के बठन आहिंग कि परामर्थ मंत्रीवित मंत्री के ब्राविय आदिंग के तराम्यां मंत्रीवित मंत्री के अधिया 4. सीमित का कार्यक्षेत्र :—विभिन्न संद्वास्त्रयों कोर विभागों को हिन्दी सलाहकार सिमितियों का काम केन्द्रीय हिन्दी समितियों का काम केन्द्रीय हिन्दी सलाहकार चुह नेवास्त्रय (धव राक्तापा विभाग) की हिन्दी सलहहार समिति डाय सरकारी काम सकत के रिए हिन्दी के प्रयोग के संवेध में निवंधित तीतियों के कार्यान्वयम कोर अपने मंत्रास्थ्यों के कार्यान्वयम कोर अपने मंत्रास्थ्यों के कार्यान्वयम कीर अपने मंत्रास्थ्यों के कार्यान्वयम कीर अपने मंत्रास्थ्यों के कार्याक्ष्या में हिन्दी का प्रयान स्वार्थीय संवंध्य हिन्दी राक्ताक्ष्यों संवंध्य में मंत्रास्थ्य को बारिये परिवर्धन सुवारी है तो मंत्राव्य को बारिये कि वे राक्ताप्रयान विभाग की बुद्ध स्वार्थीय की बारिये की विश्व कर पर समल न करें।

भ्रष्टाचार से मुक्त सार्वजनिक जीवन 6711. हा० रामजी सिंह :

स्री राजेन्द्र कुमार शर्मी: क्या गृह मंत्री यह बताने की कुपा करेंगे

कि :

(क) क्या जनता दल के निर्वोचन
कोयणापत्त में यह बायदा किया गया या कि

- सर्विज्ञान की मन्द्राचार से मुनत स्विन के लिए तरकाल बीर कठीर कार्यवाही की जायेगी;
- (ख) यदि हां, तो गत एकं वर्ष में दबा कड़ी कार्यवाही की गई है;
- (ग) क्या इसके परिणामस्वरूप प्रष्टी-चार पहले के मुकाबले कम हुआ है; और
- (य) संजातम समिति झारा प्रस्टाचार के बारे में दिए गए सुझावों में से कितने सुझायों को गत बने तालू किया गया है और इस बारे में सम्में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?
- गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) जी हां, श्रीमान् ।
- (ख) (i) उञ्चतर राजनीतिक स्तरीं पर प्रध्याचार का मुकावला करने के लिए

(11) मार्वजनित्र व्यक्तियो तथा ग्रन्य व्यक्तिया व विस्ट विशिष्ट ग्रारोपो की जाच के लिए जाच ग्रायोग ग्रधिनियम, 1952 के ग्रधीन जाच धायोग गठित किए गए मे । (in) देन्द्रीय ब्रादेयण व्यरो में जो कि हेन्द्र में मुख्य जाच एजेन्मी है कुछ सगठना-त्मक परिवर्तन निए गए हैं। ( ) ससद में एक विधेयक पेश किए

दिष्ट से लोकपाल विधेयक, 1977 के नाम

से एक विधेयक जुलाई, 1977 में लोक समा

मे पूर स्थापित विया गया था जिसमे प्रधान

मती, केन्द्रीय मंत्रिया, राज्य के मंत्रियो तथा

ससद सदस्यो सहित सार्वजनिक व्यक्तियो के

विरुद्ध भ्रष्टाचार भ्रादि की शिकायतो की जाच

करन के लिए सोजवाल की सहया की स्थापना

की व्यवस्था की गई है। यह विधेयक पहले के

1968 सचा 1971 ने विधेयको से विषयवस्त

की दप्टि से भिन्न ह ।

की व्यवस्था होगी। ( ) ऐसे विभागी/सार्वजनिक उप-त्रमों को जहा भ्रष्टाचार के भवसर प्रधिक हैं केन्द्रीय ग्रन्वेंपण व्युरी द्वारा 1977 के लिए कार्य के प्रोग्राम के प्रधीन लिया गया था श्रीर इन विभागी/सार्वजनिक उपक्रमी पर विशेष ध्यान दिया गया था ।

जाने या एक प्रस्ताव विचाराधीन है जिसमे

ससद के सभी सदस्यों के लिए अपनी परि-

सम्पत्तियो तथा देनदारियो की घोषणा करने

(ग) भ्रष्टाचार की घटना का साहिय-कीय रूप में मल्याकन किया जाना सम्भाव्य नहीं है । फिर भी, पिछले एक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए क्दमो का सचयी प्रभाव प्रशासन को युद्ध करने की दुष्टि से पड़ने की घाशा है।

(ध) जिस समय वर्तमान सरकार ने शासन सम्भाला तो सयानम समिति की चार सिफारिशें ऐसी यी जिन पर पहले की था । इनका सवध निम्नलिधित से है ---(i) महियो के विरुद्ध जाच करने की कार्याविधि (धं) विधायको के लिए घाघार

सहिता, घौर (iii) राजनीतित दलों के लिए घाघार सहिता। जैसा वि कपरवताया गया है लोजपान विधेयन 1977, जिसमें सार्वजनिक व्यक्तियो और शिवायतो की जान करने के लिए लोकपाल सस्या गठित विये जाने की परिकल्पना की गई है, जलाई 1977 में लोग समा में पेश किया गया था। सभी ससद सदस्यों ने लिए ग्रंपनी परि-सम्पत्तियो देनदारियो तथा व्यापार सवधी घोषणा करने की व्यवस्था करने के लिए एक विधियन ससद में पेश करने हैत एक प्रस्तान तैयार विया जा रहा है।

# Panel of CSS Officers

6712 SHRI GEV M AVARI WILL the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state (a) whether it is a fact that a panel of CSS Officers for promotion to the

grade of Deputy Secretary has been issued recently by Government, (b) if so the number of the officers

included in the panel with their relative semority. (c) the senal numbers of the panel

of the officers who have been appoin-

ted to Deputy's post so far, (d) the reasons for violation of the seniority in the panel in appointing junior officers while their seniors are

still awaiting posting, and

as to (e) the reasons appointment of outsiders should not be stopped until the CSS panelled officers are absorbed?

THE MINISTER OF STATE IN THE AFFAIRS

MINISTRY OF HOME (SHRI S D. PATIL) (a) Yes Sir (b) 48 The inter-se seniority in the Select List is as per list attached

(c) Officer at S. No. 1 in the list has been appointed as Deputy Secretary on a regular basis. Some other officers are officiating as Deputy Secretary only on short-term basis.

(d) and (e). The posts of Deputy Secretary at the Centre are not reserved for any Service. Appointments to these posts are made according to the requirement of each job from among officers available for posting. In view of this, appointments of CSS officers from the Select List may not follow the order in which their names appear. In individual Departments, however, CSS Select List officers serving there are appointed in the order in which their names appear in the Select List of Grade I Officers of the C.S.S. considered fit for appointment to the Selection Grade of the C.S.S.

SL No. Name of the Officer

#### S/Shri

- 1. S. S. L. Malhotra
- 2. P. C. Jain
- 3. Takhat Ram
- 4. M. K. Ramaswamy
- 5. R. Luikham (ST)
- 6. Parmatam Singh
- 7. Ram Rishi Singb
- 8. T. N. Krishnamurthy
- 9. Darshan Singh
- 10. R. S. Sane
- 11. Pakhar Ram Ahir (SC)
- 12. S. C. Ray (SC)
- 13. J. R. Jain
- 14. M. E. Thomas
- 15. S. N. Duggal
- 16. V. Ramachandran
- 17. Ruo Ram
- 18. A. V. Srinivasan
- 19. S. S. Kshetry
- 20. S. Rangaswamy
- 21. V. D. Kher

Sl. No. Name of the Officer

#### S/Shri

- 22. T. V. Nayar 23. Shish Pal Singh
- 24. R. S. Ahluwalia
- Km. P. S. Sakuntala
- 26. P. B. Kulkarni
- 27 A. K. Verma
- 28. K. C. Kankan
- 29. I. A. Rashid
- 30. V. P. Pandey
- 31. O. P. S. Bhatia
- 32 O. P. Kohla
- 33. V. R. Iyer
- 34. B. R. Chavan
- 35. N. K. Aggarwai
- 36. P. G. Lele
- 37. P. R. Chandran
- 33. T. C. A. Srinivasan 39. V. S. Raghavan
- 40. P. S. Parwani
- 41. T. K. Remechandran
- 42. B. K. Dev
- 43. P. B. Savena
- 44. A. K. Garde

  - 45. S. R. Sharma
  - 46. K. V. Balasubramanian
    - 47. S. L. Kausha
  - 48. K. B. Iyer.

Translation of Codes and Manuals in Hindi by Central Translation Rureau

6713. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether various types of codes, manuals and other procedural literature pertaining to the various Ministries/Departments of Government of India is required to be translated into Hindi by the Central Translation Bureau;

(b) if so, the names of codes and manuals etc. franslated by the Bureau year-wise since its inception; and

(c) the names of codes and manuals which are still lying with the Bureau for translation and the time by which these manuals/codes etc are likely to he translated by the Bureau?

243

THE MNISTER OF STATE IN "HE MNISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) Yes Sir Hindi Translation of Mannuals and Rule books of non statutary nature pertaining to the various Ministries/Deptis of the Covernment of India is done by Central Translation Bureau

- (b) A year wise list of the man muls rule hooks etc which have been translated by the Bureau since its establishment is given in Aunevure I laid on the Tahle of the House [Pla ed in Library See No LT 2083/ 78]
- (c) A list of the mannuals rule hooks etc which are pending for translation with the Bureau is given in Annexure 2 laid on the Table of the House [Placed in Library See No LT 2089/78] This translation work is expected to be completed in about two years

#### Giving of Military Lands to various Parties on lease in Uttar Pradesh

6714 SHRI MOHAN LAL PIPIL Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) the total area of the military lands and cantonments given on lease to the various parties during the year 1977 in Uttar Pradesh
- (b) the total amount of rent received from the parties concerned and
- (c) the criteria followed in allotting such land on lease to the private parties?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH) (a) and (b) The in formation is being collected and will be placef on the Table of the House

(c) Def nee lands are primarily meant to m ting defence require-

ments Lands temporarily surplus or whose final disposal is expected to take time are given on lease for agricultural purposes for short periods.

244

The criteria adopted for allotment of defence lands to private parties for agricultural and building purposes are as follows—

#### Lease for Agricultural purposes

- (i) Temporarily surplus Defence lands are leased only to ex-service-men who are not gainfully employed or are not getting as income of a ore than Rs 400/- per month from all sources including pension or do not own/hold on lease from all sources 5 acres of strugsted or 10 acres of unirrigated land Only such applications as are accompanied by similarily import of the r cligibility received through the DSS & A Board are entertained.
- (ii) In the event of ex Servicemen or their co-operatives not forthcoming to take lease of temporarily surplist land such lands are leased to land less poor persons whose total land holding (owned plus held on lease from any source) is less than 5 acres of irragated or 10 acres of unurrigated land and whose monthly income from all sources is less than 8. 200/ per month. The applications accompanted by the diffiduct in support of their, elaphibity received through Collectors/Tebilidars are only considered
- (iii) The area leased to eligible exvervicemen or landless poor persons should not exceed 5 acres of irrigated or 10 acres of unirrigated land in cluding the land already owned or held on lease from all sources.
- (iv) For determining the clig bilty of an ex-servicemen or landless poor persons to obtain a lease the income of and the land owned/held on lesse from all sources, by his spouse and close dependents are taken into account.

No lands are leased out for constitucting residention houses. Subject to the condition that the land can be spared, the lease of Defence lands for building purposes are granted only to public institutions such as Post Offices, Banks, Schools. The terms of such lease to recognised and well known charitable and educational institutions run by registered societies or Public Trusts are decided on merits of each case by the Government.

Seizure of Chinese Publication and Magazines in Bihar

- 6715, SHRI A. K., ROY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state;
- (a) whether it is a fact that the Chinese Publications, even the Magazines have been held up all over Bihar; and
- (b) if so, the policy of Government in this regard and the reasons for holding up the Chinese Publications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) Some Chinese publications posted from Hong Kong were held up in 1976 as they questioned the frontiers of India,

(b) Under existing policy bringing of any book, periodical or other document by sea or land which directly or indirectly questions the frontiers of India is banned.

#### महिलाओं के प्रति प्रपराध

6716. वी ईश्वर चौधरी: श्री राजनेशर सिंह:

नया गृह मंत्री यह बताने की कृषा करेंगे कि :

(क) क्या राजवानी में विलेष रूप से महिलाओं के साथ अपराधों की पटनाएं बढ रही हैं :

- (ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों में इस में कितनी वृद्धि हुई ; श्रीर
- (ग) इसी खनिध में अपहरण की कितनी घटनाएं हुई और उन्हें रोकने के लिए क्या कार्यवाड़ी की गई है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (थी धनिक स्राल मण्डल): (क) तया (ख). वर्ष 1973, 1974, 1976 मीर 1977 के दौरान महिलाओं के प्रति घपराध के प्रांकड़े इस प्रकार हैं:--

| त्रपराध शीर्प           | 1973 |
|-------------------------|------|
| ग्राभूषण छीत कर भागना . | 198  |
| प्रपहरण तया हरण         | 576  |
| महिलाओं के साय छेड़खानी | 71   |
| दत्तात्कार .            | 73   |

|   | 1974 | 1976 | 1977 |
|---|------|------|------|
| _ | 208  | 111  | 207  |
|   | 556  | 224  | 253  |
|   | ; 49 | 37   | 71   |
|   | 66   | 58   | 60   |

प्रत्यव कारणों के लिए मुलना श्रामातस्थिति से पहले की अवधि ते की जानी चाहिए।

- (स) दिल्ली में वरिष्ठ पुलिस प्रधि-कारियों द्वार छल प्रस्ताव पर व्यक्तियां रूप के ध्यान दिवा था रहा है जिसमें महिलाएं प्रवर्मेख होत्री हैं । अपराध को रोकते के किए सामान्य उपायों जेते दिन प्रोर राज बबती फिटती मक्त को बड़ाने, महत्वपूर्ण स्पर्कों पर द्वाइंद्रमां केतत करने, को प्रविश्वित वस्त्रामों पर दिगरानी रखने, के प्रविश्वित निम्मितियह करन मी छशने गमें हैं :—
  - देर रात में घुमते हुए पाये गये संविक्त शाहनों की जांच:

- (2) क्षेत्र मे वदनाम व्यक्तियो की गतिविधियो पर कडी नजर रखना .
- (3) वस ब्रह्मो, सिनेमा घरी, होटली, रेलवे स्टेप्ननो, पाको तथा ग्रन्य ऐसे स्थानो पर वर्दों में तथा सादे करता में वर्सचारी नैसात घरना ।

Production Control of Printing Paper

6717 SHRIK A. RAJAN Will the Minister of INDUSTRY be pleased to giste

- (a) whether Government have proposal under consideration to resert to production Control on white prin ting paper,
- (b) if so, the details and reasons therefor, and
- (c) whether it is a fact that the printing paper manufactures are deliberately cutting down the production to create artificial shortage;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) to (c) With a view to cope with the problem of reduced availability of cultural papers the Government issued the Paper (Control of Production) Order, 1974 under the Essential Commodities Act on the 1st August, 1974 Under this order paper mills with a production of 25 tonnes a day or more had to produce 57 per cent of their production in the form of six controlled varieties of cultural paper viz. white printing paper (30 per cent) cream laid/wove paper (16 per cent), coloures printing paper (1.5 per cent) and duplicating paper (25 per cent) offset and litho paper (65 per cent) and typing paper (05 per cent) However, the order was subsequently amended to provide that only white printing paper was to be produced to the extent of the simulated percentage (39 per ceni) removing the restriction on other varieties.

On a review of the position early in 19"8 it was found that although the

production of paper and paper boards had increased by more than one lakh tonne in the last 2 years, the percentage of production of writing and printing paper had gone down in the year 1977 from a level of nearly 60 per cent prevailing in the previous year to a level of 57 per cent. In order to cope with this situation a fresh order viz Paper (Regulation of Production) Order 1978 has been essued on 8th March, 1978 under the Essential Commodities Act 1955, The over stimulates inter-ulia that paper mills with an installed capacity of 25 tomes per day or more are to produce white printing paper to the extent of 30 per cent of total production and five other varieties of writing and printing paper (cream laid or wore paper coloured printing paper dupli cating paper, offset or litho paper and typing paper) to the extent of at least 33 per cent of total production. which not less than 20 per cent shall be cream laid or wore paper This is expected to lead to increase availability of commonly based varieties of paper

Written Answers

#### Admission of students in the P.L.M.C. Debradan

6713 SHRIK B CHETTRI WAI the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) the criteria faid down by the Ministry of Defence in connection with the admission of students in the
  - (b) the State wise quotas if any

RIMC, Dehradun,

- (c) whether the Ministry has given any relaxation to the applicants belonging to the scheduled tribe/casts and other minoraties communities.
  - (d) if not, the reasons thereof
- (e) the names of the candidates selected during the last three years State-wase.
- (f) whether there is any provision to scrutinuze the answer papers of the examinees as in other cases under Education Ministry; and

#### (g) if not the reasons thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JACJIVAN RAM): (a) Admissions to the Roshtriya Indian Military College, Dehradum are made twice a year in the months of January and August on the basis of an All-India Entrance Examination followed by viou voce and medical examination.

- (b) Statement 'A' indicating allocation of vacancies to various States and Union Territories, subject to boys from these States/Union Territories qualifying in the entrance examination etc., is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-209/78]
- (c) and (d). Since the number of boys to be selected from each State and from the Union Territories is very small, most States getting only one vacancy, no relaxation has been made for boys belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other minority communities. However, one vacancy is earmarked for boys belonging to backward regions like Arunachail Pradesh, Microam, Lakishadweep and Andaman & Nicobay Islands provided a candidate from these areas qualifier in the entrance examination.
- (e) Statement B' indicating the tames of the tory who were selected on the basis of entrance examinations and joined the RIMC during the last is terms starting from August 1978 to January 1978, Is laid on the Table of the House. Placed in Library. See No. LT-2089J.
- (f) and (g). The RIMC is an establishment under the control of Minisity of Defence. The papers are set and examined at the RIMC and are subject to scrutiny at Army Headquarters.

#### Achievements in use of Solar Energy

6719, SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of SCIENCE AND IECHNO-LOGY be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question 202

- on the 22nd February, 1978 regarding conference on solar energy and state:
- (a) the progress that the country has made in using solar energy with special reference to achievements made in 1977-78; and
- (b) the reasons for the slowdown in this field of research and application?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) Utilisation of solar energy for a wide range of applications with special emphasis on its use in rural areas has been given high priority by the Government, Efforts in this area are still in the R&D stage. Organised research and development with significant financial inputs started only a couple of years ago and normally new technologies take several years before they could reach commercialisation. Sustained efforts in the last two years has led to successful proto-type development of certain solar energy devices such as heating systems, dryers for agriculture produce, etc. some of these devices are undergoing field thrals in different parts of the country.

Achievements during the year 1977-

- Successful completion of onetonne per day proio-type raddy dryer by the Annamalai University.
- (2) A 10-tonne per day raddy dryer was installed by the National Industrial Development Corporation at the Central State Farm in Ladiowal near Ludhiana—Work started on mother grain dryer installation at Gauhati (Assam).
- (3) A 10-KW experimental solar power plant has been successfully installed and commissioned by the Bharat Heavy Electricals Limited, in cooperation with the Indian Institute of Technology, Madras underthe Indo-FRG Cooperation agreement.
- (4) Solar energy heating systems for domestic use and for large scale

applications like hotels, guest houses hostels etc have also developed by the Bharat Heavy Electricals Limited and the National Physical Laboratory One such Large scale installation is hearing completion at the Qutab Hotel.

251

- (5) Know how developed for make ing fresnel condensers for solar cells at the Indian Institute of Science, Bangalore
- (C) Fabrication of subcon solar cells at the Central Electronics Limited

Other projects like cold storage hased on solar energy low cost solar cells collector development etc. which have been funded by the Department of Science and Technology, have made significant progress

(b) There is no slow down in the activity On the contrary research and development is being accelerated and additional inputs are being provided to enable successful development of products and devices for utilisation of solar energy and other sources of energy

#### Shortage of coal is Delbl

8721 SHRI KANWAR LALGUPTA Will the Minister of ENERGY be pleased to state

- (a) whether there 15 2 great shortage of coal in Delhi
- (b) if so the reasons thereof and the steps taken by Government to remove the shortage.
- (c) what is the requirement of coal in Dellu and how much was supplied in the last three months.
- (d) whether Delhi Administration has made a complaint about the shortage of coal, and

# (e) if so the details thereofy

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (a) and (b) There is no shortage in availability of coal for supply to Delhi However there was some decline in the movement and therefore of receipts of soft coke in Delhi during the months of February and March 1978 Action has been taken to move larger quantities of coal to Deihi

(c) The demand and supply of soft coke to Delhi during the last three months is indicated below -

| Months        | Demand Supply<br>(in tennes) |       |  |  |
|---------------|------------------------------|-------|--|--|
| January 1978  | 40320                        | 32610 |  |  |
| February 1978 | 32840                        | 21250 |  |  |
| March 1978    | 33500                        | 22620 |  |  |

(d) and (e) The Delhi Administration have taken up the question of stepping up movement of coal to Delhi.

Indigenous expertise to manufacture Computers

#### 6722 SHRI S R DAMANI SHRI D D DESAI DR. VASANT KUMAR PANDIT

Will the Minister of FLECTROVICE be pleased to state

- (a) whether India has developed indigenous expertise to manufacture computers comparable with foreign makes,
- (b) if so, the details thereof and the organization which is handling this lob, and
- (c) if not, when will these be developed indigenously?

(SHR) THE PRIME MINISTER MORARJI UESAI) (a) to (c) Electronics Corporation of Lamifed as currently manufacturing and marketing 3rd generation minicomputers such as TDC 312 TDC-316 and fourth generation such as Micromicro-procesors Lumited Electronics 78 Bharat has developed a mini-computer BFL COM I The Electronics Corporation of India Limited is also developing a medium size computer TDC-332 These

computers employ designs and components contemporary with those made elsewhere in the world. Considerable development work is in progress to improve the reliability of these systems and to provide software to enable these to be used for a wide variety of applications, on the basis of which they could be regarded as comparable with the advanced foreign makes. Government is providing financial support for this. Some units in the private sector have developed micro-processor based cash registers, accounting and invoicing machines. Computer software for both internal requirements as well as for export has also been generated.

# Withdrawal of DTC buses at neon time

6723. SHRI MOHINDER SINGH SAYIAN WALA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that a very large number of DTC buses are withdrawn everyday at noon time for some public schools to the great inconvenience of the commuters at these hours affecting the frequency of service: and
- (b) if so, the reasons for this disturbance in the bus service only to benefit a few who can afford even otherwise?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM); (a) and (b). 274 buses have been hired out by the Corporation to recognised schools in Delhi. in two split duties early in the morning and in the afternoon when the Corporation has some spare carrying capacity. The timings for buses on school duty do not clash with peak hours when the corporation is required to put the maximum number of buses on road. This helps to sugment the earnings of the Corporation without causing inconvenience to the commuters.

आकाशवाणी के कार्यकमों पर हस्रा स्वय

6724. श्री दया राम शाक्य: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह वताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) आकाशवाणी से प्रसारिस विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रतिमाह कितना व्यय होता है; और
- (ख) इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले व्यक्तियों को प्रति घण्टा किननी राशि का भगदान किया जाता है ?

सुबना और प्रसारण मंत्री (भी लाल कृष्ण अडबाणी) : (क) और (ख), पूछे गए इन प्रकार के अंकड़े नहीं रखे बाते । सुबना को संक्रीव्य करना प्राप्त किए जाने वाले परिणानों के धनकप नहीं होंगा।

#### Number of Defence employees having Government accommodation

6725. SHRI DAYA RAM SHAKYA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

- (a) total number of Defence employees serving in Delhi/New Delhi who have been provided with Government accommodation:
- (b) total number of Defence employees serving in Delhi/New Delhi entitled for Government accommodation but could not be allotted the same till todate; and
- (c) what action Government propose to take to provide Government accommodation to all entitled Defence employees serving with the Ministry, Army, Air, Naval Headquarters and other subordinate offices?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and (b). It is presumed that the question relates to Defence Civilians. The

**E**256

anformation is being collected and will be laid on the Table of the House when received

(c) Defence employees acrving with Armed Forces Headquarters/ Inter Services Organisations and Defence Establishments within the limits of Delhi/New Delhi, as presembed by the Directorate of Estates in the Ministry of Works & Housing, are eligible for accommodation from the General Pool controlled by that Directorate Defence Civilians working out-side the limits prescribed by the Directorate of Estates, for examole Delhi Cantt Shakurbasti etc., who are not eligible for allotment in the General Pool can be allotted such accommodation in the Station Pool as is surplus to the requirements of Service personnel, Civilian personnel are, however required to vacate such accommodation as and when required for the entitled Service personnel. Further, in order to mitigate the hardship of the employees, Government have also agreed to provide accommodation at some difficult stations including Delhi Cantonment to the extent of 15 per cent of their sanctioned strength. 566 units of accommodation have so far been built. Further construction of houses will depend on the availability of funds

Number of overtime and tool down strikes in Ordnance Factory. Ambajbari

6726 SHRI DAYA RAM SHAKYA Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) the number of overtume and tool down strikes that have taken place in Ordnance Factory, Ambaihari since January 75 to December, 1977 and which were the organisations (Workers unions) who gave call for these strikes.

(b) whether any disciplinary action was taken against office bearers of the unions who gave call for overtime! tool down strikes, if so, number of office bearers and the organisation (workers' unions) to whom they belong, and

(c) whether any relay hunger strike took place in front of main gate of Ordnance Factory, Ambajbari during 11th November to 26th December, 1977, if so, which was the organisation and what were their demands pertaining to Ministry of Defence and how many demands have been accepted so

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH) (a) There were no strike calls from workers' unions for overtime and tool down during the period January 1975 to December, 1977

(b) Does not arise.

(c) Yes Sir This was organised by the Ayudh Nirmani Mazdoor There were eight demands, Sangh the nature thereof and their present position is as under,

(i) Opening of Central School at Ambajhari The question of allocation of central schools for the year 1978-79 is under consideration

(11) Exemption from Maharashtra State Tax on profession The tax is levied by the State Government and the legal aspect of recovery thereof by the factory management is under examination in consultation Ministry of Law & Justice, Branch Secretariat, Calcutta

(hi) Running of local train bettocen Nagpur and Ambajhan Siatistical data in support of the demand has been received and the case is being taken up with the Ministry of Railways

(iv) Poyment of Bonus ployees of the Ordnance Factories are not covered by the Bonus Act

(v) Vacation of Victimisation of an industrial worker. The case has been examined and it has not been found that there was any victimisation as alleged

(vi) Increase in strength of medical officers an factory hospital. One additional post of medical officer has been sanctioned with effect from 5-1-1978 and a medical officer has since joined duty.

- (vii) Transfer of certain officers and staff. This is under examina-
- (viii) Promotion of industrial workers on the basis of seniority and not on trade test. This is under examination.

Non-Gazetted employees' recognized unions in Central Secretariat

- 6727. SHRI BHAGAT RAM: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:
- (a) how many Unions are recognised in the Central Secretariat representing the non-gazetted employees;
- (b) what are the qualifications a Union should have, to be recognised by Government; and
- (c) which are the new Unions who have applied for recognition and what is Government's stand on the recognition issue?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S.D. PATIL): (a) The following Associations/Unions representing the non-sazetted employeds in the Central Secretariat Services are at present recognised:
  - Central Secretariat Stenographers' Service Association.
  - (2) Central Secretariat Assistants' Association.
  - (3) Central Secretariat Service Direct Recruit Assistants' Association.
  - (4) Central Government Clerks' Union.
  - (5) Kendriya Sachivalaya Samasth Chaturth Shreni Karamchari Association.
  - (6) Central Government Class IV Employees' Association.
  - (7) Central Government Despatch Riders' Association.

- (8) Central Government Staff Car Drivers Association.
- (b) Recognition is to be secorded by the Government after satisfying itself that the Association fulfig the required criteria (indicated in the stacking statement) and keeping in view also the strength of the cadres represented, the membership of the Association's already existing, the need for more Associations being recognised where there are already existing. Associations recognised in respect of those cadres etc.
- (c) The Kendriya Sachivalaya Karamchari Sangh and the Central Secretariat Non-Gazetted Employees Union Gave applied for recognition. They have been requested to indicate specifically the categories of employees in respect of whom recognition is sought and to furnish details of membership of each category of such amployees.

#### Statement

- The Primary object of the Association/Union shall be the promotion of the common service interests of its members:
- The Association/Union shall not be based on any caste, tribe or religious denomination or on any group within or section or such caste, tribe or religious denomination;
- 3. The Association/Union should have as its members, not less than 15 per cent of the total number of staff of each category/categories it purports to represent:
- No person who is not a Government servant shall be connected with the affairs of the Association/Union;
- The executive of the Association/ Union shall be appointed from amongst the members only;
- 6. The funds of the Service Association/Union shall consist exclusively of subscriptions from members end grants, if any, made by the Government, and shall be applied only for the furtherance

7 The Association/Union shall not send any representation or deputation except in connection with a matter which is of common interest to the members of the Association/Union

of the objects of the Association/

259

Union

- 8 The Association/Union shall not espouse or support the cause of individual Government servants relating to service matters
- 9 The Association/Union shall not maintain any political fund or lend itself to the propagation of the views of any political party or politician,
  - 10 All representations by the Association/Union shall he submitted through proper channel and shall, as a normal practice he addressed to the Secretary or the Head of the Depart ment
  - 11 A list of members and office bearers un up-to date copy of the rules and an audited statement of accounts of the Association/Union shall be furnished to the Government annually through proper channel after the general annual meeting so as to reach the Government hefore the 1st day of July each year
  - 12 Any amendment of a substantial character in the rules of the Aspocation/Union shall be made only with the previous approval of the Government and any other amendment of a minor importance shall be communicated through proper channel for transmission to the Government for information.
- 13 The previous permission of the Government shall be taken before the Association/Union seeks affiliation with any other Union Service Association or Federation
- 14 The Association/Union shall cease to be affil a ed to a Federation or Confederation of Service Associations whose recognition is withdrawn by the Government
- 15 The Association/Union shall not start or publish any periodical maga-

16 The Association/Union shall cause or builtsh any periodical magazane or builtsh any periodical magazane or builtsh if durected by the Government to do 50 on the ground that the publication thereof is prejudicial to the interests of the Central Government the Government authority or to good relations between Government servants and the Government or any Government authority or any Government authority.

zine or bulletin without the previous approval of the Government.

- 17 The Association/Union shall not do any act or assist in the doing of any act, which, if done by a Govern ment Servant would contravene any of the provisions of Rules 8 9 11 12 18 and 20 of the Central Civil Services (Conduct) Rules 1984
- 18 The Association/Union shall not address any communication to a foreign authority except through the Government which shall have the right to withhold it and
- 19 The communications addressed by the Association/Union or by any office-hearer on its helfalt, to the Government or a Government authority shall not contain any digrespect full or improper language
- Foundation for Training in Indo-Swiss Training Centre 6728 SHRI BHAGAT RAM Will

collaboration with Swiss

- 6728 SHRI BHAGAT RAM Will the Minister of SCIENCE AND TECH NOLOGY be pleased to state
- (a) whether CSIO Chandigath has recently entered into collaborallen with the SWISS FOUNDATION (Government of Switzerland) for imparting training to students in the Indo-Swiss Training Centre (ISTC) attached to CSIO
- (b) whether the word 'Swiss has been attached to the name of the Centre prior to the collaboration
- (c) whether the collaboration was discontinued few years back and
- (d) if so what are the reasons for a fresh collaboration and whether the

factors leading to discontinuation of collaboration was taken into consideration while entering into a fresh collaboration?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAL): (a) Yes, Sir.

(b) The Centre was started in 1963 with Swiss Collaboration. Therefore it was named at that time as Indo-Swiss Training Centre.

(c) Yes, Sir.

26I

(d) The present collaboration for running the course of Die and Mould Making has been entered into because of the urgent requirement of such trained personnel in the country.

Construction of fly-over at the Delhi Cantt, Nangal Raya Riy. Crossing 6729, SHRI NATWARLAL PAR-MAR:

#### SHRI SUSHIL KUMAR DHARA:

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to refer to the reply given to U.S.Q. No. 4951 dated 27-7-77, regarding fly-over for Nangal Raya Delhi Cantt. Railway crossins and state:

- (a) the progress that has since been made with regard to the construction of fly-over at the Delhi Cantt. Nangal Rays Railway crossing:
- (h) whether it is a fact that the Delhi Cantt, authorities have created certain hurdles at the eleventh hour which have blocked the implementation of the project;
- (c) if so, what steps have been taken to remove those hurdles so as to take up the construction of this vital project without any further delay; and
- (d) whether Government have considered the alternative proposals for a sub-way or a fly-over on the Pankha Road crossing if it could not be constructed on Jail Road crossing; and if so, the broad outline thereof?
- THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTERY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) to (d). The Defence authorities have not yet

given their dearance to the construction of the proposed fiy-over for Nangal Raya—Deihi Canti. Railway erossing. The Municipal Corporation of Delhi, are incharge of this project, and the Mayor has now taken up the matter with the Defence and Home Ministers for necessary clearance. There are no alternative proposals for the construction of a sub-way or a fly-over on Pankha Road, crossing.

As per the comprehensive traffic and transportation study carried out by Central Road Research Institute the construction of sub-way/flyover on the Pankha Road crossing has not been recommended.

Abolition of radio licence fee 6730. SHRI K. MALLANNA: Will the Minister of Information and BROADCASTING be pleased to state:

- (a) whether there is any proposal under the consideration of Government to abolish the radio licence fee since radio is the cheapest, easiest and quickest means of education, information and entertainment; and
  - (b) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND EROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) and (b). In view of the present financial constraints, there is no proposal to aboilsh the radio licence fee.

12.28 hrs.

ANNOUNCEMENT RE: RECOGNI-TION OF THE LEADER OF THE OPPOSITION

MR. SPEAKER, I have to inform the House that I have decided that consequent on the Congress Party (I) now having the greatest numerical strength in the Opposition in the Look Subha, Shri Y. B. Chavan, Leader of the Congress Party, in the Look Subha has ceased to be the Leader of the Opposition in Look Sabha and Stri C. M. Stephen, Leader of the Congress Party (I), has now been recognized as the Leader of the Opposition in the Look Subha.

SWAMY

# RE QUESTION OF PRIVILEGE

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore) Sir I had given notice under Rule 222 for raising a question of Breach of Privilege against Shrumata Maneka Gandhi wife of Shri Sanias Gandhi Editor Surya 12 Wellingdon Crescent for making false and mali cious propaganda in her paper against me personally and thus trying to in fluence my Parliamentary conduct I move that the matter may be referred to the Committee of Privileges

MR SPEAKER The matter under my consideration

SHRI SAUGATA POY II as a very serious matter Personal insinuations have been made so that I do not make criticism against Mrs. Gandhi I seek your protection SUBRAMANIAM

(Bombay North East) Mr Speaker I brought to your notice the fact that today everyday there is firing in Tamul The police there seem to be imager happy Though I realise that it is a State matter but everyday people there are being shot down like animals and the Parliament cannot remain immune to this. I would urge you to consider this particularly in view of the fact that the police there seems to be trigger-happy. The administra tion there must take a firm control of the law and order situation I urge you to allow a discussion on this subject

SHRI VAYALAR RAVI (Chiravin kil) Mr Speaker Sir I have given you a notice under Rule 222 to allow me to move a privilege motion against the Prime Minister I am not going into the merits of the case non. You might have been fold that it comes under Direction 115 But Sir Direction 115 comes only when there is mistaken statement or an inaccuracy My contention is that this was a deli berate attempt to mislead the House on such a sensitive issue I have drawn your attention to the Statement of the Prime Minister and the facts are before you. I am not going into the ments of the case though I have with me all the facts

Further I have also sent you a letter for allowing me to make a per sonal explanation that also you have not allowed me so far The Prime Minister had made a reference to my presence in Trivandrum I want to make a personal explanation why I was there and what my role was

These are the two things I wish you may please consider these two questions and let me have your ruling.

MR. SPEAKER Your letter with regard to your personal explanation has been referred to the Prime fileister to know the facts I must know the correct position and I have got to know the facts

SHRI VAYALAR RAVI made any allegation against the Prime Minister

MR SPEAKER There are other facts also

So far as your notice under Rule 222 is concerned. I have rejected it and I have allowed you a personal explanation under Direction 115 This is because I am not able to accept your contention. If there is a factual mistake that will have to be corrected.

SHRI SAUGATA ROY You kindly allow personal explanation.

MR SPEAKER Certainly

SHRI VAYALAR RAVI I never made any personal allegation against the Prime Minister My letter was in order to make a personal explana tion. I did not make any insinuation against the Prime Minister

MR SPEAKER This is how one reads it I will allow you to make a personal explanation but not today

SHRI SAUGATA ROY Tomorrow

MR SPEAKER Tomorrow is a

ho'iday

SHRI VAYALAR RAVI: You allow me personal explanation.

MR. SPEAKER: There are certain allegations and you must know about these. If you come to my chamber, I will tell you.

SHRI VAYALAR RAVI: The Prime Minister is briefed by the officers. They have not given him the correct information. They might have misled him.

MR. SPEAKER: Now that you have said that he has acted on wrong information then it comes necessarily under Direction 115. I can convert it and I have already made orders about that.

About your letter, I am told, you had given it at 6,00 p.m.; it has been sent to the Prime Minister.

SHRI VAYALAR RAVI: I gave it yestorday morning, before noon.

MR. SPEAKER: My office tells me that it was given at 6.00 p.m.

SHRI VAYALAR RAVI: My letter for making a personal explanation was sent to you at 9.30 a.m. and the statement of personal explanation before noon...(Interruptions) You may cut any number of sentences from the statement, but the procedure for sending it to the concerned Minister, I am afraid, is not correct.

MR. SPEAKER: I will look into it.

SHRI SAUGATA ROY: What about the question of privilege motion raised by me? By what time will you give your decision? It is a very serious matter. First, I have come to seek the protection of the House; if I do not get it, I have to go to the court.

MR SPEAKER: It will be given immediately. This notice was given to me this morning. If you ask me to say, when I will give my decision, I will have to say; surry, I cannot tell you. Please leave it to me; I have never delayed matters.

भी ब्रम्मूयण तिवारी (वर्जालावाव):

ब्रम्भव सहीयम् एक बहुत ही गंगीर विगय

पर भिन कर्तनित ग्रहें पर नीरिक विया है।

श्रीर भी कई तंबद सदस्तों ने दिया है। श्रीर भी कई तंबद सदस्तों ने दिया है। श्रीर भी कई तंबद सदस्तों ने दिया है। वहां कोई प्रतांते के कि महीगों ने वास्तान्य में मारा विश्वविद्यालय में पिठने कई महीगों ने वास्तान्य कर्ता हो। यारा विश्वविद्यालय क्ष्मा है। परंज बहुं। वास्तान्त हों हो पही है। मारा विश्वविद्यालय क्ष्मा है। परंज बहुं। वास्तानें हो यह विश्वव पर कर्त बार मामनीय जिला मंत्री सी भी हम ने कहां है परंज मुन्तकार की नफ्त में कहां व्यवस्था नहीं है। रही है। इसिनाए इस परंजी महत्वपूर्ण विषय पर वर्षा करने के वास्तान्य वेश महिए।

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर):
प्रथम महीरण, मैं आपने माध्यम से माननीय
प्रदस्की से कहता चाहुंगा कि प्रखबार में भीन
पह स्थूब पढ़ी है कि भी घरद यादव हिन्दू
पिक्विधासस के काइस चासतर नियुक्त हुए
हैं। (ब्यवधान)

MR. SPEAKER; So far as the Banaray University is concerned, the discussion on the Education Ministry's Demands... is going on... (Interruptions) Why do you not hear me? Why do you have an internal debate? You can participate in the discussion. It is one of the accepted rules of Partiament that when the Demands of a Ministry are being discussed or are going to be discussed immediately, other things are not allowed.

SHRIMATI PARVATHI KRISH-NAN (Coimbatore): The Vice-Chancellor wants to say something.

MR SPEAKER: I am not in a position to recognize it.

श्री शरद यादव (जनसपुर): प्रध्यक्ष महोहस्य, मेरे पास बहुत से पत्न जा रहे हैं। मुद्धों सत्त्वमू नहीं जा कि चहां के विद्याधियों में मुद्धों बहुत का उरकुतपति बनावा है, यह तो अखबार से पता चना। यो होने दिनों से मेरे पास बहुत से पता चा रहे हैं ....

MR SPEAKER That has already been raised and talked about and there is no point in raising it again. Education Ministry's Demands are under discussion and you can speak on ıt.

थी विनायक प्रसाद यादव (महरमा) : अध्यक्ष महोदय, मैंन तमिलनाडु ने सबध म एक कालिंग ग्रदेशन की नोटिम दी बी। कल ग्रापने नहा था कि ग्राप प्राइम मिनिस्टर थीर होम मिनिस्टर ने विचार विमर्थ करना चाहत है। मैं जानना चाहता हु ग्रापने न्या तय निया है क्यांकि वहा पर झान्दोलन बढ रहा है, फायरिंग हो रही है और विभाना का मारा जा रहा है। (ब्यवधान)

MR. SPEAKER I have understood your point. Papers to be laid-Hon. Prime Minister (Interruptions) I am not going to reply to the question I am not here for cross-examination

#### 12 37 hrs

#### PAPERS LAID ON THE TABLE

DETAILED DEMANDS FOR GRAYES OF DEPARTMENTS OF SPACE ELECTRONICS AND ATOMIC ENERGY FOR 1978-79

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAD I beg to lay on the Table ---

- (1) A copy of the Detailed Demands for Grants (Hinds and English versions) of Department of Space for 1978-79 [Placed in Library See No LT-2070/781
- (2) A copy of the Detailed Demands for Grants (Hindi and English versions) of Department of Electronics for 1978-79 [Placed in Library See No LT-2071/78]
- (3) A copy of the Detailed Demands for Grants (Hinds and English versions) of Department of Atomic Energy for

1978-79 [Placed in Library See No LT-2072/781 REPORT OF BAWEJA COMMISSION OF

INQUIRY RE. LATHI-CHARGE IN CENTRAL JAIL THER AND STATEMENT RE. COR-

RECTION OF ANSWER THE MINISTER OF HOME AF-

FAIRS (SHRI CHARAN SINGH) I beg to lay on the Table -

- (1) A copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-Section (4) of section 3 of the Commisisions of Inquiry Act 1952 ---
  - (1) Report of the Baweja Commission of Inquiry into the incident of lathi-charge in Central Jail Thar on the 2nd October, 1975
  - (a) Memorandum of Action taken on the Report. [Placed in Library See No LT-2073/78]
- (2) A statement correcting the reply given on the 22ml March, 1978 to a supplementary on starred Question No 410 by Shri Kanwar Lal Gupta regarding traffit bottlenecks in Delhi [Placed in Labrary See No LT-2074/781

KANWAR LAL GUPTA SHRI (Delhi Sadar) I want to make a

suhmission. The hon Home Minister has placed the report of the Baweja Commission about the lathi-charge in the Tihar jail. This is a typical example of how the bureaucracy misguides our Government. I put a question here whether there was a lathi-charge in Tihar jail. The reply was that there was no lathi-charge though the Home Minister was himself in the Tihar Jail This is a typical example of how wrote to you a letter saying "Kind ly ask the Minister to correct the answer" You sent it to the Home Minister and again the bureaucracy misguided him and the reply was that there was no lathi-charge. Then

I tabled a motion of privilege against the Lt. Governor and the IG. Prisons, and the Home Minister was kind enough to make an inquiry. I am thankful to you and in this report you will find that the whole juil slaft has given wrong evidence and Mr. Baweja has given a finding that there was a lathi-charge in which many people were injured...

MR. SPEAKER; What is your point?

SHRI KANWAR LAL GUPTA: My submission is: Let there be a discussion on it.

Secondly, the report of this Commission should be circulated to all Members so that people should know. The action taken must have been a part of it. This is such a serious matter where may I request the Home Minister through you to take action against all those who gave wrong evidence. This is a typical example.

PROF. P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): I am standing in support of what Mr. Kanwar Lal Gupta has said. but I want to add a few important points, and so I sought your permission to raise certain points when the Hame Minister, Charan Singhii placed these reports. You will see two or three thines.

First of all, how much effort does it require on the part of an individual Member of Parliament to go into this question by pursuing it at depth and only at the end of it the correct facts come to the House? I am making one submission that something more than the mere discussion is required in this matter, because if every time officials and the bureaucratic machinery are going to do something, I do not want to say misguide, and so put before the Ministers concerned the partial or inadequate things, only a persistent and knowledgeable and vigilant Member can then continue to bring out the matters in the House, otherwise nothing will come to the House! Therefore, it is not a question of this Report alone and it is not merely a question of discussion on lathi charge. The discussion will have to be there, and you, Mr. Speaker will also have to come in the picture to ensure as to how the right of the Member of Parliament jadividually and collectively can be exercised effectively to see that the administration and the officials do not misguide and utslead the Minister. That is point No. 1.

Point No. 2 is this, I do not find fault with the Home Minister hom. Shri Cheran Singh by saying that he is incrdinately late in laying the Report. To look at the facts, however, the lathi charge took place on a very secred day in our history—2nd October, 1975 Mahatma Gandhite birthday. The atrocious thing is that this lathi charge has happened in juli on political detenues.

MR. SPEAKER: We are not debating on that Report.

PROF. P.G. MAVALANKAR: I am not debating on the merits. I am not debating on the merits. I am only trying to make this point by illustration of this incident. Here is a case where political detenues under the blanket black powers of emergency were lathi charged when they were confined to jail and they were treated as errimials.

MR. SPEAKER: You are discussing the matter.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I

MR. SPEAKER: You are saying that and you are doing it.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I am giving an illustration. I am not discussing the report.

Now my point is if such a thing happened on 2nd October, 1975, it was only when the Janeta Government came to power that this thing could be brought to light, otherwise Delhi Administration went on saying...

MR SPEAKER Again you are going on debating on

PROF P G MAVALANKAR What authority and powers are you going to invest in the Members of Parliament and Parliament as a whole to see that such dangerous and atrocious lies are not allowed to be continuing? Suppose Mr Gupta had not raised the question suppose Baweja Committee had not taken up this matter this thing would never have come to light My point is it is of no use merely to have a discussion you must see to it that a kind of procedure is evolved so that this kind of hureaucratic (Interruptions)

Finally I am not interested in just getting the officials of the Tihar Jail and other bureaucratic officials punished if they are found guilty On that of course law will take its own course My point is taking clue from this example let us not be only at the mercy of raising a submission on such matters and leaving the matters there I would like you to go into this either through the Rules Com mittee or through other Committees or suo motu to see that the officials do no mistead

I am concluding I have been waching that in the question Hour in Short Notice Questions and in other discussions in answer to various de mands of Ministries a number of times Ministers are given wrong in formation by the officials Notes are given Supplementary points are given either through official box or later on subsequently and we are made to look fools and stuped. We are here to serve the public. We are serving the public and nothing should happen which will come in our way of the performance of our duties as Members of Parliament

श्री विनायक प्रमाद यादव (महरसा) बध्यक्ष महोद्य आइटम न० 4 पर मैंने भी नाटिस दिया था ।

MR. SPEAKER I cannot allow Has anybody eise given notice?

Under the rules you have to give me notice

#### (Interruptions)

MR SPEAKER No I am not allowing Nobody has given notice

#### (Interruptions)

MRSPEAKER Is there any notice on Item No 47 At what time did you give notice?

SHRI VINAYAK PRASAD YADAV At 1050 Than given

MR SPEAKER It is not a notice at all

No no I will not because if I allow him

REVIEW ON THE WORKING AND ANNUAL REPORT OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LTD FOR 1976 77

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) I beg to lay on the Table a copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub section (1) of section 619A of the Companies Act 1956 -

(1) Review by the Government

for

(2) Annual Report of the Bharat Heavy Electricals Limited, New Delhi for the year 1976 77 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon

[Placed in Library Sec No LT 2075/761

DOCK WORKERS (REGULATION OF EM PLOYMENT) 2ND AMOT RULES 1978 MERCHANT SHIPPING (SAFETY CONVEN TION CERTIFICATES) AMED RULES 1978 AND MOTOR VEHICLES (DRIVING LICENCE

#### FEE) RULES 1978

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI

CHAND RAM): I beg to lay on the

- (1) A copy of the Dock Workers (Regulation of Employment) Second Amendment Rules, 1978 (Hind; and English versions) published in Notification No. SO. 49 in Gezette of India dated the 18th February, 1978, under sub-section (3) of section 8 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948. [Placed in Library. See No. LT-2076/78].
- (2) A copy of the Merchant Shipping (Safety Convention Certificates) Amendment Rules, 1973 (Hindi and English versions) published in Notification No.G.S. 332 in Gazette of India dated the 18th March, 1978 under sub-section (3) of section 485 of the Merchant Shipping Act, 1988. [Placed in Library. See No. LT-2077/81].
- (8) A copy of the Motor Vehicles (Driving Licence Fee) Rules, 1973 (Rilled and English, versions) published in Notification No. G.S.R. (S) in Gazette of India dated the 19th December, 1977 together with a corrigendum thereto published in Notification No. G.S.R. 180 (E) in Gazette of India dated the 20th March, 1978, under subsection (4) of section 133 of the Motor Vehicles Act, 1938. [Placed In Library. See No. LT-2018/78].

#### NOTIFICATIONS UNDER ALL INDIA SERVICES ACT. 1951

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under sub-section (2) of section 3 of the All India Services Act. 1951:—

(1) G.S.R. 392 published in Gazette of India dated the 25th March, 1978 containing corrigendum to Notification No. G.S.R. 1655 dated the 16th December, 1977. (2) G.S.R. 427 published in Gazette of India dated the 1st April, 1978 containing corrigendum to Notification No. G.S.R. 1634 dated the 3rd December, 1977.

[Placed in Library. See No. LT-2079/78].

REVIEW ON THE WORKING AND ANNUAL REPORT OF NEYVELL LIGHTE CORPORA-TION LTD, FOR 1976-77

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI FAZLUR REHMAN): I be to lay on the Table a copy each of the following papers (Hindi and Engush versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:—

- Review by the Government on the working of the Neyvell Lignite Corporation Limited, for the year 1976-77.
- (2) Annual Report of the Nayvell Lignite Corporation Limited, for the year 1976-77 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

[Placed in Library, see No. LT-2080/781.

REPORT OF COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA FOR 1976-77

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF FINANCE (SHAI ZULFIQUARULLAH): I beg to lay on the Table a copy of the Report (Hindi and English versions) of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1976-77, Union Government (Civil) Revenue Receipts—Volume I.—indirect Taxes and Volume II.—Direct Taxes, under gritche 151 (1) of the Constitution. [Placet in Library. See No. LT.—2001/76].

12.45% hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

SIXTY-SIXTH REPORT

SHRI ASOKE KRISHNA DUTT (Dum Dum): Sir, I beg to present the Sixty-sixth Report of the Public Accounts Committee on Action Taken by Government on the recommendations contained in their Two Hundred and Eighteenth Report (Fifth Lok Sabha) relating to Illegal Import of Geld

12.46 hrs

275

COMMITTEE ON PRIVATE MEM-BERS BILLS AND RESOLUTIONS

#### SLITTEENTH REPORT

SHRI VINODBHAI B SHETH (Jamnagar) I beg to present the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resoluters

There is a change of sex in my name, in every paper that I receive it is 'Bai and not 'Bhai'. I request you to kindly have it corrected, Mr Speaker

MR. SPEAKER You won't become a Bai by that

SHRI KANWAR LAL GUPTA Your office has changed his sex Ask your office not to change his sex

MR SPEAKER You are quite right He is a good looking man. New, Item No 12

12 47 hrs

STATEMENT RE ALLEGED TRANS-FER OF 10-11 MILLION DOLLARS TO A SWISS BANK

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BHARKI VAJ-PAYEE) Mr. Speaker Sr., the Hon'ble Member, Shri S. N. Mirshra, in a statement made in the House on Plarch 2 1978 had referred to \$ 10 to II milton having been paid into a Swiss bank during the previous Government's rule and sought explanations of the manner. In which the Linistry of External Affairs was involved in it. I have carefully chiquired into these payments.

It is correct that two payments of \$55 million each were sanctioned on March 15 and October 28 1976 These

payments were in accordance with the terms of a commercial transaction between the Government of India and the Government of Iran nego tiated by our Economic Affairs Department under orders of the then Prime Minister In accordance with the terms of the agreement, part payments had to be made in Switzerland Therefore funds were provided under the head of special discretionary expenditure in the budget of the Ministry of External Affairs The amounts were paid by cheque and did not involve any illegal payments to any Indian

I would also like to clarify the position regarding some other matters to which the member had alluded in his statement. The Ashoka Tra deri with which Hindula family is associated is a Company registered in Iran. It is not an Indian company and was not as far we know recipient of this payment. The Kudremuh agreement or sales of cement and sugar to Iran had also nothing to do with these payments.

Having clarified the relevant facts about transactions which were authoriced by the previous Government, I would like to state that the present Government has decided that in current and future agreements, there is to be no provision of such part payment At the same time I would like to affirm that we consider it to be in our national interest to develop our relations with Iran. We intend to promote trust, mutually beneficial cooperation and confidence with Iran especially after close rapport and far reaching understanding arrived at during the visit of His Imperial Majesty Shahenshah last February, It would be contrary to our policies and intentions if any misunderstanding should have been created as a result of past transactions

MR. SPEAKER Now, the statement by the Hon. Minister for Agriculture SHRI SHYAMNANDAN MISHRA

(Begusarai) Sir, I am not asking any question on the statement made by the Minister of External Affairs. The question is that I had not brought in the relationship between India and Iran at any stage during the course of my statement. So, the hon. Minister is not correct in inferring that anything to that effect had been said in my statement. So, I reserve my right to make comments on the statement made by the Minister later.

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore); Sir, I seek one clarification on the Minister's statement. He has made a very important statement. I want to know whether the Minister means that there is any commission payment made for any deal between India and Irau.

MR. SPEAKER: That question does not arise hereafter. It was on a payment made earlier and he is merely explaining it.

SHRI SAUGATA ROY: He said no part payment will be allowed. I want to know whether if will be prohibited.

MR. SPEAKER: In that manner no payment was made. He said that.

12.52 hrs.

STATEMENT RE. PRICE AND PRO-CUREMENT POLICY FOR WHEAT FOR 1978-79 MARKETING SEASON

THE MINISTER OF AGRICUITURE AND IRRIGATION (SHRI SULLIT SINGH BARNALA); Government have considered carefully the recommendations of the Agricultural Prices Commission on the price and procurement policy for wheet for the 1978-79 rabi matricing season and have also discussed the recommendations made therein with the Chief Ministers/Food Ministers/Agriculture Ministers of the wheat producing States.

In the light of these discussions, Government have taken the following decisions:

- (i) Keeping in view the need to maintain the incentive for securing increased production of wheat, it has been decided to fix the procurement price for wheat of fair average quality at Rs. 112.50 per quintal for all varieties as against the level of Rs. 110 per quintal fixed
- (ii) The issue price of wheat for stocks released from the Central Pool for public distribution system will be maintained at Rs. 125 per ouintal.

last year.

- (iii) The increase in the procurement price, with the issue price being kept unchanged, would normally result in additional subsidy to be borns by the Government of India. However, discussions will be held with the wheat surplus States to persuade them to effect reducions in the procurement charges like mandi charges, sales tax etc., so that the increase in the procurement price is absorbed to the extent possible.
- (iv) The procurement of wheat by the State Fublic agencies will be mainty by why of support operations and, as such, no Statewise targets have been fixed for procurement of wheat. The State Governments will be advest not to enforce any levy on producers, traders. Extensive arrangements will be made for price support to ensure that all stocks of wheat conforming to the specifications laid down by the Government and offered by the producers are purchased at the procurement price and the procurement price and
- (v) In order to ensure easy open market availability for consumers as well as to enable the farmer to get a price higher than the procurement price, if possible. the policy of free movement of wheat througout the country, introduced last year will be continued.

MR. SPEAKER Don't re-

# (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER. The debate on agriculture will come in soon. Don't record

#### (Interruptions) \*\*

SHRI K. GOPAL (Karur) Then why should be make a statement now?

MR SPEAKER. I cannot stop him.

### (Interruptions) \*\*

MR SPEAKER It is not possible to record twenty Members at the same time You can raise it at the time when the Agriculture Ministry Demands are taken up in a day or so

Nothing will be recorded until you tell me which rule is broken

डिमाइन घारही है। तब बाप भपनी बात कर सकते है

#### (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER It is no point of order You can raise these points at the time of the debate.

(Interruptions) \*\*

13 00 hrs.

MR. SPEAKER Don't record.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER It does not come under rule 389 Don't record

(Interruptions) \*\*

MR SPEAKER Now, Motions for Elections to Committees

13 02 hrs.

## ELECTIONS TO COMMITTEES

#### (i) ESTEMATES COMMITTEE

श्रीमती मृणाल गोरे ' (वस्वई-उतर) अध्यक्त महोदय, में प्रस्ताव रणती ह

"कि इस सभा ने सदस्य लोन सभा न प्रक्रिया द्वा नर्थ सनापत सम्बन्धी नियमों न नियम 311 के उनियम (1) इतारा प्रमितित शित में 1 मटे, 1978 न खारास होते याँन और 30 छुड़ेन 1979 ना समाप्त होते वाले नर्धन न ने लिये प्रान्तनम्त समिति ने सदस्या ने हम्स मुनार्थ नर्सने न निये प्रपन म में 30 सदस्य निर्वोचित नरे।"

#### MR SPEAKER The question is

That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Rules 311 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, thirty members from among themselves to nerve as members of the Committee on Estimates for the term beginning on the 1st May 1978 and ending on the 30th April.

The motion tess adopted

(ii) Public Accounts Committee

SHRI GAURI SHANKAR RAI

(Champur) I beg to move

'That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (I) of Rule 309 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabba filteen members from among themselves to serve as members of the Committee on Public Accounts for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 30th April 1978 "

MR. SPEAKER: The question is:

185

"That the members of this House of proceed to elect in the monner required by sub-rule (I) of Rule 309 of the Rules of Procesture and Conduct of Business in Lok Sabba, fifteen members from smong themselves to serve as members of the Committee on Public Accounts for the term begunning on the 1st May, 1978 and coding on the 20th April 1578."

The motion was adopted.

SHRI GAURI SHANKAR RAI: I beg to move:

"That this House do recommend to Railya Sabha that Rajay Sabha to agree to nominate seven members from Railya Sobha to associate with the Committee on Pablic Accounts of the House for the term beginning on the 1st May, 1973 and communicate to this House the names of the members so nominated by Railya Sabha."

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do recommend to Rajva Sabba that Rajva Sabba that Rajva Sabba do agree to nominate sever members from Rajva Sabba to sesociate with the Committee on Pablic Accounts of the House for the term beginning on the 18th May, 1978 and ending on the 30th April 1979, and to communicate to this House the names of the members so nominated by Rajva Sabba."

The motion was adopted.

(iii) COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAK-INGS

SHRI TRIDIB CHAUDRURI (Berhampore): I beg to move:

"That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Rule 312B of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Subba, fifteen members in Lok Subba, fifteen members from among themselves to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 2016 April, 1978.

MR. sPEAKER: I beg to move:

"That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Stub ali2B of the Rules of Procedure and Conduct of Statiness in Lok Sabha, fifteen members from among themselves to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 28th May, 1978 and ending on the 38th April, 1979.

The motion was adopted.

SHRI TRIDIB CHAUDHURI; I beg to move:

"That this House do recommend to Raiya Sabha that Raiya Sabha do agree to nominate seven mumbers from Raiya Sabha do ascociate with the Committee on Public Undertakings of the House for the term beginning on the 187 ligs, 1978 and do communicate to this House to the term beginnsumicate to this House the names of the members so nominated by Raiya Sabha."

MR. SPEARER: The question is:

'That this House do recumened to Raiyu Sabha that Raiya Sabha do agree to nominate seven rembers from Raiya Sabha to ascordate with the Committee on Public Undertakings of the House for the term beginning on the 18th May, 1975 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Raiya Sabha.'

The motion was adopted.

TRIEES SHRI RAM DHAN (Lalgani) I beg to move

"That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Rule 331B of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, twenty members from among themselves to serve as members of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the term beginning on the 1st May 1978 and ending on the 30th April. 1979 "

### MR SPEAKER The question is

'That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Rule 331B of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lck Sabha, twenty members from among themselves to serve as members of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 30th April. 1979 "

The motion was adopted

SHRI RAM DHAN I beg to move

'That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate ten members from Raiya Sabha to associate with the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of the House for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 30th April 1979 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Raiva Sabha"

MR SPEAKER The question is

"That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate ten members from Rajya Sabha to associate with the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Trabes of the House for the term beginning on the 1st May, 1978 and ending on the 30th April 1979 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha"

The motion was adopted.

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad) I waited patiently till the end of this series, items 13 to 19, I want to point out that wherever Lok Sabha is concerned the word used is 'elect', 'proceed to elect', but whereever Ratya Sabha is concerned, say in items 15, 17 and 19, the word used is 'nominate'. The word 'nominate' has a particular connotation, in cut rules the word 'nominate' is used only for committees nominated by you where there is no election. Here I find the use of the word 'nominate' anomalous in our democracy Raiya Sabha 15 a democratically elected body and we are asking the Raiya Sabha to nominate How can it nominate? I could understand if the Chairman nominates, just as you nominute Members to committees here, it is possible, proper and appropriate for the Chairman to nominate how can Raiva Sabha as a body nominate Members to any committee? That is difficult to comprehend should like you to throw some light on this matter, whether the word 'nomunate' is right and proper, otherwise you may change the word to 'elect

MR. SPEAKER I understand from the Office that this was the usual formula that had been used. But there is something in what Mr Kamath savs.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai) It is quite right in the form in which it has been given because it is the business of that House to do it in a manner in which their Constitution provides The House, as a whole, would nominate to this Committee and therefore the word used for is for the House as a whole to nominate to this Committee In what manner they would arrive at the names is the business of that House

MR. SPEAKER: Fortunately for me I do not have to decide.

SHRI HARI VISHNU KAMATH; In the next, item, the word used is 'appoint'. That is my point. Those words should be reviewed by some Committee or by yourself.

MR. SPEAKER: Your observations are noted without any decision being given.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: That is they are kept pending.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: My observations too.

MR. SPEAKER: Of course.

13.10 hrs.

#### LOKPAL BILL

RECOMMENDATION TO RANKA SABRA TO APPOINT MEMBERS TO JOINT COMMITTEE

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai); I beg to move:

"That this House do recommend to Raiya Sabba that Raiya Sabba do appoint two members of Raiya Sabba to La Joint Committee on the Bill to provide for the appointment of a Lokyal to inquire into allegations of misconduct against public men and for matters connected therewith in the vacancies caused by the retirement of Sarvaphir K. A. Krishnawamy and D. P. Singh from Raiya Sabba and do communicate to this Rouse the

names of the members so appointed by Rajya Sabha to the Joint Commilies."

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do recommand to Raive Sabha that Raiva Sabha do appoint two members of Raiva Subba to the Joint Committee on the Bill to provide for the appointment of a Lokpal to inquire into allegations of misconduct against public men and for matters connected therewith in the vacancles caused by the retirement of Sarvashri K. A. Krishnaswamy and D. P. Singh from Rajya Sabha and do communicate to this House the names of the members so appointed by Rajya Sabha to the Joint Committee."

The motion was adopted.

13.10! hts.

KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION (AMENDMENT) BILL\*

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRIf GEORGE FERNANDES): Sin. I best to move for leave to introduce a Bill further to amend the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Khadi and Village Industries Commission Act, 1936."

The motion was adopted.

SHRI GEORGE FERNANDES: I introduce the Bill

<sup>\*</sup>Published in Gazette of India Expraordinary, Part II, section

13 11 hrs [MR DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

237

MATTERS UNDER RULE 377 (1) REPORTED EXPLOITATION OF EDU-

CATED YOUTH BY POST AND TELEGRAPH DEPARTMENT

श्री हरिवेश यहाद्दर (गोन्यपुर) ज्याध्यक्ष महीदय में नियम 377 ने चन्तर्गत मचार महालय ने राज-नार विभागद्वारा बेनार िक्षित युवर तथा युवतियो क जोपण सम्बन्धो श्रविलम्बनीय लोग महत्व ने विषय या उलेख करता चाहता है।

ग्राज भारत म शिक्षित दमें म जा बेरोजगारी फीती हुई है उस वा साम उठा मर सवार मन्नापय का डाब-नार विभाग ग्रैपार मथा पोम्ट-ग्रैजण्ट यवको एव यवतिय। हो देवन १ रखे प्रतिदित पर एवं रूप स्पाली शाम करन व बाद भी रेयुलर नहीं कर रहा है। उनका न पाई छटी दी जाती है भार न ही बोर्ड प्रत्य मुविधा उन्हों मनमाने द्वगुपर लगानार पान की अयुटी देने पर मजबूर किया जाता है। सचार मत्रो तुरम्त ही इस मोर ब्यान देन वी श्मा वरे । उदाहरण व लिए दिल्ली टेलीकीन मे ऐसे यह लोग है।

कर जगह ना ऐसा भी है कि यपिं मूछ गिक्षित यवन आय कर रहे हैं और उन्हें म्यायी नहीं विया जा रहा है। जैस गोरखपुर ब्रार०एम० एम० म जिक्षित युवका के **बायण** हो रहा है। वहा र एक अधिकारी पर अप्टाचार एवं ग्रनियमितता व अ।रोप है। उस ना स्थानान्तरण नुरन्त वरना चाहिए। पता चला है मि पह अधिकारी घरा लेकर अस्यायी नीव री हैने ग्रथवा श्रम्यायी को स्थायी करन का कार्य तरता है।

(ii) REPORTED FIRE INCIDENT ROBUHA-RAMPUR VILLAGE IN SAMASTI-PUR DISTRICT OF BIHAR

थी रामसेवक हजारी: (रीनडा) उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के श्रधीन एर प्रवितम्बनीय महत्व के विवय का उल्लेख

बरना चाहना हु। दिनाव 6-4-78 वो 2 1/2 वर्जे दिन में बिहार राज्य के समस्तीपुर जिला के प्रन्तर्गत रोहहा, रामपुर गाव मे, जो मेश निर्वाचन शैत है. विजनी पीन का तार ढीना रहने वे बारण नेज पछ्या हवा ने तारी ने दबराव से बगर ने एवं पबरे महान पर रख हुए पोना राभे श्राय लग गई, जिससे लगभग 400 परिवास के घर एवं नास सामान जन वर स्वाहा हो गया । सोगो की जानें बच गई द्वार मिर्फ चार पाच मबेशी जल गये। वरोडी रुपयो भी क्षति हुई । उस्त ग्राम मे 1970 म भी इसी तरह को भवतर धायजनी की पटना हुई थी। साढे मान बरमो में लगानार दा घटनायों से मारे लोगों ने सामने घन्धरार ही धन्धकार है। राज्य सरवार द्वारा वियेजा रहे साहास्य-व °र्ष भगत्य से है । एक्त ग्राप मे बेन्द्र गुरुकार को लगभग 13 लाख रापे प्रतिवर्ष केन्द्रीय अत्याद शरक के रूप में मिनके है। भत में भारत सरकार से मान करता है। वि उवत ग्राम के पीडित मोगा के सागम्य-दार्थ के लिए दिशेष रूप से धनराशि भावदित पर के राज्य सरकार को माहास्य कार्य बनाने न। निर्देश दिया जाये। साम ही वेन्द्रीय उत्पाद-मल्ब भी माफी बा मादेश दिया जाये। मैं यह भी विनम्ब साप्रह करता ह वि प्रधान मंत्री जी अपन बोप के प्रक्रित पीड़ित परिवास की महावसा दे । इस व राय ही विजली विभाग द्वारा वर्ती गई लापरवाही की भी शीध जाव होनो चाहिए।

(mi) REPORTED USE OF TELEPHONE BILL FORMS IN HINDI BY POST AND TELE CRAPH DEPARTMENT

SHRI K GOPAL (Karur) Deputy Speaker, Sir, with your permis sion, I wish to bring to the notice of this House and your goodself a matter of public importance, the breach of assurances given by the Prime Ministe\* from time to time regarding the language issue We were assured that Hinds will not be imposed on non-Hinda I enclose herewith speaking people a telephone bill which Hindi

Matters under Rule 377

I can understand Hindi being used on forms by States where the regional language is Hindi but a department like P & T which is a Central Government undertaking should not use Hindi exclusively. This is a great handican for people from non-Hindi speaking States as they are not able to understand the contents in printed forms, I, therefore, request you to direct the Prime Minister to ask the Minister of Communications and also Ministers of other departments not to issue forms printed only in Hindl.

(iv) FAST UNTO DEATH BY OFFICE BEARERS OF ALL INDIA POSTAL EMPLO-YEES UNION. ARMEDABAD DIVISSON

SHRI AHSAN JAFRI (Ahmedabad): Sir, under rule 377, I wish to draw the attention of the government to the following matter of urgent public importance.

15 office bearers of All India Postal Employees Union (Postman Class IV & E.D.A.), Ahmedahad Division, have gone on fast unto death from 10-4-78 in support of their demand 'One Postman-One Delivery'.

It is quite painful to note that the Postal Department is actually exploiting the postmen in the name of efficency throughout the country. Postmen are required to work more by the officers disregarding the rules made for the duties of Postman.

The beats assigned to the postmen in the city of Ahmedabad are normally of 20 Kms. It takes nearly 3.23 hours for one delivery. All the postmen are required for two deliveries a day. The postman has to arrange the mail at the office which takes nearly one and a half hours, i.e. 3 hours for two deliveries. This amounts to taking work for nearly 10 hours.

This is gross injustice practised by the Postal Department. Repeated demands were made by the Union since the last many years but nothing has been done so far.

Postmen resorted to 'work to rule' in support of their just demands Ahmedabad Irom 3-1-1978.

D.G., 1978-79

P.M.G., Gujarat intervened 10-3-1978 and promised that he would introduce the rule 'One Postman-One delivery' in the Ahmedabad Division. The agitation was withdrawn.

After this, the postmen were served with show cause notices. This kind of unjustified attitude of the officers of the Department , has compelled the postmen to go on fast unto death.

The situation in the postal department in Gujaret in general and at Ahmedabad in particular is becoming worst. If any unfortunate event will take blace, the situation may go out of the control of the postal authorities.

I draw the attention of the Government with great concern and hope that Government will interfere immediately to solve the problem of the postmen and will ask the department to take work from the postmen according to rule.

13.16 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1978-79-Contd.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND DEPARTMENT OF CUL-TURE-contd.

MR. DEPRTY-SPRAKER: The House will now resume further discussion and voting on Demands for Grants under the control of the Ministry of Education and Social Welfare and the Department of Culture. Shrimati P. Chavan was on her legs.

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshaugabad): How many hours were allotted and how much time remains?

MR. DEPUTY-SPEAKER: 2 more hours are there out of which the minister will take at least 45 minutes to 1 hour. So, I hour is left for the discussion. The minister will be called at about 2.30.

DG, 1978-79 ... APRIL 12, 1978

श्री राम ग्रववेश सिंह: (विक्रमयज) उपाध्यक्ष महोदय, क्ल मेरा नाम बुलाया गया या. मैं रशियन डेलीगेशन में चला

'सया था " MR DEPUTY-SPEAKER zeen your letter You cannot be discussing these things in the House

धीराम प्राधेश सिंह मौका मिलेया या नहीं?

MR DEPUTY-SPEAKER Shrimati Chavan may continue

श्रीमती प्रेमलाबाई चय्हाण : (कराड) उनाध्यक्ष महोदय, कल मेरी चर्चा अध्री पह गई थी, उगसे आगे मैं कहना चाहती ह कि देश की शिक्षा पद्धति सभी भी तय नहीं हो पायी है। शिक्षा ज्ञान का माध्यम है। इसको स्कल कालेज भ सीमिन न कीजिये : हर इसान को शिक्षा पाने का मौका दीजिये। राष्ट्रीय प्राथमितता को ज्यान मे रखने हए साक्षरता को प्राधान्य देना होगा। भाज उच्च शिक्षा धीर उच्च डिप्रियो पर ज्यादा खर्च हो रहा है। इसे कम करना होगा धौर प्रीढ शिक्षा की धोर ध्यान देना, उसको बढावा देना वहत आवश्यक है। क्योंकि फेमिली प्लानिय ग्रीर प्रोहीविशन जैसे कार्यक्रम को सपल करता हो तो या तो शक्ति व्यक्तनी पडेंगी या शिक्षा के माध्यम से इन वाती का महत्व समझाना होगा जिनके कार फड की कमी होन से ग्रमल नही हो पा रहा है और देश की जनसंख्या कटोल से बाहर वहने का खतरा भी निर्माण ही गया है। इसना ग्रनुभव हम ग्राज कर रहे है।

देश म जो प्राइवेट शिक्षा सम्यायें पनप रही हैं, उनसे शिक्षा का स्तर बहुत नीचा हों रहा है। ये सस्याए पैना कमाने का साधन वन रही है और करनान भी बडा रही हैं। एडमीशन व टाइम पर और परीक्षा पास कराने के समय बहुत मैसा विया जाता है। मेरा मुझाब है कि इन संस्थामी का राष्ट्रीय-करण कर दिया जाय।

प्रदिशिक भाषाध्यो में शिक्षा प्राप्त रस्ता बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिये तीन-भाषा पार्मेला इस्तेमाल करना यहत जरूरी है। चन्त्र तक्तीकी शिक्षा में, जैसे ब्राइ०ब्राइ० टी शीर मैडिकल की राप्टीय सस्थायें हैं. हिन्दी तथा पादेशिक मापा एक विषय के **तौर पर** पढ़ाना बहत जरूरी है। इस पर खोर देने से. हिन्दी भाषा दूसरो पर लाइन से जो कटता का निर्माण होना है, वह नहीं होगा और राप्ट्रीय भाषा इस्तेमात की जायगी।

शिक्षा जाव-प्रारियेन्टेड होनी चाहिये। इसके लिये अनेक बोकेशनल स्कूल खोलने हाये। उच्च शिक्षा भीर नीवरी का सम्बध तोडना चाहिये। देश में शिक्षित सोगों म बेशारी दिन-य-दिन वडती जा रही है। इनकी प्रपेक्षायें यह गई हैं। ये लोग बाइर-कालर जाव ही चाहन हैं और मेहनन का काम करना ग्रपमान समझने हैं। यदि जाव-श्रोरि बेंटेड शिक्षा होगी तो वेकारी कम करने में वहन सहायता मिलेगी।

पाठ्य पुस्तकें भीर पाठ्यकम धुनने म बहुत द्वटिया पाई गई हैं। एन०सी०ई०गार० दी॰ का काम सतोपजनक नहीं है। सरकार को इसके लिये प्रधिक ध्यान देना चाहिय।

एक विवेदन मैं यह करना चाहती हू कि स्त्री शिक्षा के बारे म शिक्षा मतालय का ध्यान उतना नहीं गया है, जितना इस पर दिया जाना चाहिय। देश म गल्बं स्नूली को बहुत नमी है। इस ग्रोर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिये।

द्यन्त में मैं भाता होने के नाते मंत्री जी से प्रायंना करना चाहती हू कि यूनीवसिटीय श्रोर कालिजिज मे शनुशासनहीनता बहुत बढती जा रही है। इसम गलनी शासको की है या विद्यापियों की है, इन पर नुस्ता-चीनी करने ने बजाय, उन पर गोली चलाना एक्दम बन्द किया जाय। यह ठीक है कि यह विषय शिक्षा मत्री के कक्ष में नहीं है,

नेकिन शिक्षा मंत्री इसके लिये निफारिए कर सक्ते हैं। इमलिये मेना धन्दोध है कि वै इस सम्बन्ध में उचित सिकारिय करें ताफि बच्चों को पोलिटियन का विकार स बसावा दर संबंध

PROF. SHIBBAN LAL SAKSENA (Maharajganj); Mr. Deputy Speaker. Sir, I thank you for the opportunity given to me to speak.

Education is a powerful instrument national development-cultural. social and economic. The highest priority should, therefore, be accorded to the development of a national system of education which will develop among the people of India a national personality based on its ancient civilization and culture.

But the misfortune with the present system of education in India is, that it is based on the infamous Minute of Macaulay dated February 2, 1835. the real aim of which was clearly defined by him in the following words:

"We must at present do our best to form a class who may be interprefers between us and the millions whom we govern-a class of persons Indian in blood, and colour, but English in tasics, in opinions, in morals and in intellect."

The objective which Mecanley had before him was to convert the whole of India to Christiansty, as is clear from the letter Macaulay wrote to his parents from Calcutte on October 12. 1833, in this, he wrote:

"Our English schools are flourishing wonderfully. The effect of this education on the Hindus is prodigicus. No Hindu, who has received English Education ever remains sincerely petached to his religion. Some continue to profess themselves pure delets, and some emberce Christoming. It is my firm behel that if our plans of election are fellowed up, there will not be a single albinton emena the respectable classes in Bereit their years beare. And this will be effected without only effects to propelytize, without the smallest interference with religious liberty, merely by the natural operation of knowledge and reflection. I heartily rejoice in the prespect."

Commenting on this letter of Macoulay, Mahatma Gandhi wrote in "Young India" dated March 22, 1928, as follows:

"I do not know whether Macaulay's dream that English educated India would abandon its religious behels has been realized, but we know too that he had another dream, namely, to supply English-educated Indian clerks and the like for the British rulers. That dream has certainly been realized beyond all expectsfions."

Another objective which Macaulay had in his mind when introducing this English education in India, was to desigrate everything Indian. He wrote in para 9 of the same mlamous Minute that "I have never found one among them (the Orientalists) who could deny that a single shelf of r. good European library was worth the whole native of India and Arabic." This view of his has been impressed on the Indian mind during the last seven generations continuously, so much so that every Indian to-day considers everything Indian us inferior and everything English or Western as superior.

Under these excumstances, the last aim of educational re-construction in India must be to reverte this process, and every edort must be made through education to climinate this inferiority complex from the minds of the rew generations in India and the to praduce young men with a fully developed national personality, based on the ancient civilization and culture of our great commity.

On April 27, 1967 the teath Conference of the State Education Ministers was held in New Delhi. The then Education Manister, Phil Telegon, Son, in the course of his integrand ; threes said . Engality significant is the proprimere to prompte gaternal centraliude

### [Prof Shibban Lal Saxena]

ness and to strengthen national integration and unity Unfortunately. patriotism has become the first casualty after Independence We must make the schools assume responsibility for promoting national consciousness and for strengthening national integration and unity"

Shri Morarji Desai, then Deputy Prime Minister, in the course of his address at the same Conference, went a step further when he said have a very ancient, perhaps the most ancient civilization and culture. In the realm of thought, which raises human personality to the heights of fulfilment. I do not think any other country can heat this country. To day also, we are having all those thoughts and ideals, but they are more in name than in action. Our ideals are the highest. hut our actions are probably the lowest I must agree to this indictment, but if that indictment is rightly taken hy us to heart, not as a criticism hut as a statement of the present state of affairs from which we are suffering, we shall soon find a way to remove this contradiction between thought and action. We have not got to lower our ideals but we have got to raise the level of our action, so that it conforms with the ideals that we profess or beheve in I believe education is the only instrument through which we can achieve this There is nothing else which can make a nation integrated, strong and consisting of a real human society, because it is the nurpose of educator to enable us to see what is right and what is wrong and also to acquire a capacity to stick to what is right and to give up what is wrong Judged from that standard. I am afraid, our education has been a miserable failure barring a few exceptions here and That is because our education took a different turn dunng our days of slavery I am happy that those days are gone, but the effects of those days are not yet gone Whereas we have become physically independent and free, I wonder if we are mentally yet free and independent. We are

still heing goverened, and very strongly governed, by some of the ideas which were responsible for putting us into slavery and keeping us there"

APRIL 12, 1978

The late Shri Lal Bahadur Shastri when he was Prime Minister had said. \*Every State in India should have a Sanskrit University" 1 am astonished at the assertion of the last Education Commission which was presided over hy Dr Kothari, that it cannot support the idea of Sanskrit universities As the late Mahani Digwijay Nath of revered memory said in his Minute of Dissent to the report of the Commiffee of Members of Parliament formed to study the Education Commission's Report, this report of the Commission is most reactionary, and it cannot be made the basis of the future educational plan in India I wholly agree with his Minute of Dissent. In my view, a new Education Commission composed of our top-most educationists who are real patriots, should be immediately appointed for the formulation of the national plan for education for India So far as Sanskrif is concerned, I feel Sansknt being the mother of all Indian languages is study should be made compulsory for all students from the very beginning so that students, when they grow up, may be masters of this language and be steeped in our ancient culture and civilization

It is my considered opinion that the three-language formula should consist of the study of Sanskrit which is the mother of all Indian languages, Hinda which is the national language and the regional language Time has now come to remove English from three language formula English may remain an optional language for those who wish to study it

1 therefore, strongly oppose the contimuance of English as an associate official language along with Hindi, because so long as English remains as the medium of instruction in India in any shape or form, Macaulay's mischiel of keeping Indians mental slaves of the English cannot be undone I take strong exception to the Education Commission having gone out of its way to

make changes in the three-language formula, which was so successfully being worked out all over the country. Bringing in the mother tongue as an alternative to the regional language. and proposing English as an alternative to Hindi as the link language, is the worst mischief that this Education Commission has proposed in the course of this Report, and I condemn it with all the strength at my command. want the old three-language formula to continue in practice, in which Hindi and the regional language must remain the medium of instruction throughout. The proposal to teach, upto the university stage, only in the regional language, as envisaged in the two-language formula, would lead to the disintegration of the country into so many separate water-tight compartments, thereby Balkanizing it completely, as the compatriots of Macaulay and other enemies of our country would like to see. I, therefore, entirely disagree with it and strongly oppose its adoption.

Some people argue that standard books of science and technology exist only in English. This is a stupid argument. All the standards books in all subjects, in every language-Russian, French, German, English etc. -should be translated into Hindl as soon as possible. Money should be no consideration. If Maharaja Singh of Jammu and Kashmir could get hundreds of books in Sanskrit translated into Hindi with the help of about hundred pandits employed in the Dharmerth Trust and Nizam Usman Ali Khan of Hyderabad could get all text books from primary classes up to translated the post-graduate classes Into Urdu for Osmania University, it ils a shame that even after 30 years of independence, all the important books in various subjects and in science and "technology in all the different langu-.ages of the world could not be trans-Sated in India in our national language of Hindi so far. I demand from our Minister of Education that he should areate a special department for the ranslation in the national language, . Hindi, of all standard books in all subjects of Arts, Science, Engineering, Technology, Medicine, Agriculture and in fact, in all the various realms of study, and it should be done before the five-year term of the present Janata Government comes to an end, even if Rs. 100 crores have to be spent in accomplishing this task.

CHAITRA 22, 1900 (SAKA)

Now I come to my six cut motions, which I have moved, I will discuss them briefly. My first cut motion reads:

"Failure to make students' contribution for running students' unions in universities and colleges voluntary instead of compulsory as present."

I requested our Research and Reference Branch to collect instances from newspapers of serious student disturbances State-wise. They have given me a list of 80 such instances, published in the leading newspapers, during the last six months. I have analysed them and prepared a chart. The chart shows that these disturbances were due to frivolous demands, and yet they led to large crowds of students assaulting their teachers and also attack public property like Government buscs. ferries, railway trains and so on. In many cases, Vice-Chancellors, Principals, Managers and other distinguished officers of Universities and colleges were gheraoed and even assulted. In such cases, invariably the teacherpoliticians had incited the students for their own ends. The teacherpoliticians have used student unions to brow-beat Managrs, Principals and Vice-Chancellors to fulfil their objectives\_

My conclusion is that hardly 5 per cent of the students in colleges and Universities take real interest unions. These 5 per cent union leaders try to boss over Vice-Chancellers, Professors, Managers, Principals and Lecturers by using their unions as directed by teacher-politicians. If subscription to the unions is made voluntary, hardly 5 per cent will pay the subscription. The unions will, therefore, automatically cease to exist and

5 per cent students will not be able to create disturbances which disturb the studies of 95 per centistudents, who wish to read and study Then the unions will cease to be a menace and colleges and universities will run smoothly examinations will he held in time in the months of March, April and May and they will not be postnoned to July and August which cause a loss of one year to students Shrl Charan Singh our present Home Minister had made this rule when he was the Chef Minister of Uttar Pra desh which brought peace in colleges and Universities and the examinations were held in time 1 hope our Janata Party Gove no at will follow the exampie set by Shri Charan Singh when he was the Chief Minister-

My second cut motion reads

Failure o recognise the paramount importance of education by allotting at least Rs 500 crores instead of Rs 2234 crores.

India has a population exceeding 600 crores. The present Education Budget of Rs 2234 crores for this country is hopalessly meagre. I therefore demand that it should be raised to Rs 500 crores immediately.

Similarly, my third cut motion reads

Failure of University Grants Commission to do justice to nearly 5000 affiliated colleges in which 90 per cent university students read but on which according to UGC Report for 1975 76 bardly 4 crores of rupees were spent in grants-mad as compared to about 62 crores of rupees spent on about 100 milversities in which only 10 per cent of university students read."

university students read. In 109
Universities in B A and MA classes
and about 40 lakhs of students in BA,
and MA. Classes in 500 affiliated colleges But the expenditure in grant inaid to 109 Universities in 1975-76 was
Zie 62 crores and the expenditure in
grant-in-aid to 5000 affiliated colleges

was only Rs 4 crores Thus, the expenditure per capita per student in Universities was about Rs 1600 whereas it was only :Rs 10 per capita, per student in 5000 affiliated colleges; which cater to 90 per cent of BA and students This is wholly unjust and irrational and must be stopped immediately The per capita expenditure in Universities and Colleges must be nearly the same I can understand that the Universities will find it difficult to meet their 'expenditure with such grant-in-old. Therefore, I say that the education budget should be increased to Rs. 500 crores per year at least My cut motion therefore, is a demand for justice to all students whether in colleges or in Universities. My fourth cut motion reads as fol-

'Pailure of the UGC to expedite

the release of the allotted grants to affiliated colleges as a result of which more than half the colleges are not able to draw the grant-in aid allotted to them."

My experience is that the formalities for the release of even the allotted grants are so cumbersome that it is very difficult to fulfil all of them. I demand that the formalities should be simplified.

My fifth cut motion reads a follows

Failure of the UGC to give 100 per cent grant-in-ald to affiliated colleges as State Governments do not reimburse the matching grant contributed by colleges by taking loans which they find it difficult to obtain and in any case almost impossible to repay, for which reason more than baif the affiliated colleges are unable to draw even a paise out of the allotted grant of Rs 5 lakhs in 5 years to each of them."

arhamentary constituency of Mahara; gan; in District Gorakhpur One of these is the Jawahar Lal Nehru

Degree College, Maharajganj, which was started in 1956. In the last twelve years I have spent Rs. 2,35,000 in matching grants to complete the projects for which the U.G.C. gave sanction. More than half of it was spent in the Fourth Plan and the rest in the Fifth Plan. During all these 12 years, the U.P. Government did not reimburse a single paisa of the matching grants contributed by the College by taking loans. After much hue and cry the U.P. Government agreed to give half the matching grants to the colleges, but it refused to give any reimbursement for the matching grants spent in the Fourth Plan period. I had taken loans for the college to furnish the matching grants in the Fourth Plan period and the loans have to be returned with interest, but I am now told . that only the expenditure incurred in the Fifth Plan will be reimbursed up to 50 per cent. How can the colleges do it? If you really want to help the affiliated colleges, the U.G.C. must give grant on a hundred per cent basis. The colleges should not be required to contribute any matching share. The UGC may adjust this with the Siste Government.

D.G., 1978-79

My last and sixth cut motion is with regard to the failure to decentralise the administration of the U.G.C.

कुमारी मणिवेन बरलभभाई पटेल (मेह-साना) : चपाध्यक्ष महोदय, में शिक्षा मंत्री जी का ध्यान कुछ बातों की और वींचना चाहती है। घगर हम को ज्ञाम आदमी की. ग्रादिवासियों को, हरिजनों को, गरीव से गरीव आदमी को शिक्षा देनी है तो असली जो हमारी णिक्षा है, वह हमें उसे देनी चाहिए। शिक्षा में एक्साइज बुक्स का जी तरीका है वह शिक्षा से हमें चिल्कल निकास देना चाहिए।क्ष इससे शिक्षा भी अच्छी हो**गी,** णिक्षा पाचे वाले को भी लाभ होगा। एँक्साइक वुक्स रखने से विकाक प्रसन्ती विका नहीं देपाते। वे जी कितावों में होता है, उसे ही पढ़ा देते हैं। बच्चों पर भी किताबों का इतना बोसा हो जाता है कि वे इतना बजन

कैसे चठायें। इन एवसरसाइज व्यस के लिए मां-बाप भी इतना ज्यादा खर्चा कहां से ला सकते हैं। इसलिए मेरी पक्की राग्र है कि हमको पुस्तकों का वोञ्चा शिक्षा से निकाल देना चाहिए। हम कुछ निजाने रख सकते हैं चैसे गणित की पुस्तक है, बीज गणित की है, ज्योमेटी की है। ये जो चौथे स्टेण्डर्ड से मीटिक तक कितावें चलती है, इतनी कितावों की हमें नहीं चलाना चाहिए। इन किलावों की कम से कम करना चाहिए। तभी अच्छी शिका होगी।

जिसकों के लिए ट्यूसन पढ़ाना विल्क्स बंद कर देना चाहिए। सबेरे पांच वर्णे से रात के 11 बजे तक अगर शिक्षक ह्यूमन करता रहेगा तो वह यच्चों को पडाने की वैयाची कव करेगा? उसको पड़ाई का समय ही नहीं मिल सकेगा। इसलिए मेरी पक्ती राय है कि शिलक के लिए ट्यूगन पड़ाना विल्कृत बन्द कर देना चाहिए।

हमें जिल्ला में कोई ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जिससे हमारे बच्चे अपने पूर्ववद्यों के बारे में कानें, देश की आजादी के इतिहास के बारे में जाने, हमारे जो नेता हो गये है उनके बारे में जानें। इसकी शिक्षा भी वश्वों की मिलनी चाहिए। तभी उनमें, उनके दिल में देश के लिए ग्रमिमान होगा। ग्राज शिका केवल बांकरी के लिए दी जा रही है। इसी दृष्टि से बच्चों का शिक्षण किया जाता है। हमें सोचने की जरूरत है कि वस्तों की धिला माल नौकरी के लिए हो न दी जाए, बिल्क उनके मान्सिक विकास के लिए भी शिक्षा दी बावे। बाज के विद्यारियों में विका पाने का उद्देश्य केवल मात यह रहता है कि हमें ऐसी दौकरी मिलेगी, इतना पैसा मिलेगा । इस स्थिति को हमें बदलका चाहिए । हमें यह भी देखता चाहिए कि हम ग्रादि-वासियों और हरिजनों को जो शिक्षा दें वह ऐसी बिक्सा दें जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा हो। आज हम देखते हैं कि शिला का

demi but they do not get all the faci-

lities which the languages included

in the Eigth Schedule get in various ways The Home Minister has stated that the Eighth Schedule is not going to be changed. This frightens the people speaking the languages now recognised and developed because on the one hand, the Home Ministry says that there will be no difference in treatment to developed languages whether they are included in the Eighth Schedule or not, and, on the other hand there are positive handicaps for these languages in getting similar facilities In the translation of central laws in the nat onal languages and also for the purpose of examinations for public services and education for linguistic minorities only the languages included in the Eighth Schedule appear to be of relevance. The Government of India an dParliament should do a total rethinking on the Eigth Schedule so that there will be no difference between the developed languages in the treatment between the 8th Schedule isnguages and the languages recognised by the Sahitya Academy The argument is that Eighth Schedule is over loaded. If there are 16 entries there is no harm in making 17th entry and so on If we do not like to increase the number then we have got to do a serious rethinking on the policy of this language I would like to make a emphasis on reference to Manipur, language which

is a language of a State The Manipur Legislative Assembly has passed recently a Bill making Manipuri language an official language of the State It had also Unanimously demanded by a resolution the inclusion of Manipuri in 8th Schedule Over and above that the development of this language academically and for all practical purposes does not stand to be questioned from any angle It will not be out of place to quote a few lines from Dr Suniti Kumar Chatterjee's introduction of a certain book he had written. He said

The Meithel or Manipuri people Living in the State of Manipur in the Indian Union are quite smallone could say insignificant numerically But they are a great people when we consider the culture which they have built up in the Valley of Manipur and the literature which the Manipuris have given to India and the world in their own language the beginnings of which unquestionably go back to some 1500 to 2000 years people who do not understand the history culture and atmosphere of Manapur and the great things which one can find in Manipure litecature erroneously consider Manipuri be one of the backward languages But even any superficial knowledge of the language and its literature would convince any one of the great value of the literature in the Meither or Manipure language. This literature is in the forefront of the advanced literatures spoken by millions of people in the Indian Union and it has some special quality and character of its own."

An international pandit like Dr Sumita Kumar Chatterjee who did not have any geographical boundary in the field of his studies namely languages whether of this country or of any part of the world was an authority on the subject. We are grateful to him for the deep understanding he had made of Manipurt. His observations should go a long way in the identification of the Manipur literature by those who have not had any access to Manipuri Dr Chatteriee helped in taking this language to Sahitya Academy M.A classes have been stated in Manipuri in the central universities like Delhi and Jawaharlal Nehru University

This is the official language of a State The inclusion of this language and for that matter other languages of a similar status has been delayed. One cannot understand the reason for the delay We remember how we

The next point I would like to stress is encouragement of Sanskrit education in Manipur. The Manipur valley is virtually a Hindu area except for a small percentage of Muslims, but the rest of the hill areas surrounding the valley are populated by Christians. So, the Manipur scene is a very unique social composition. The valley is very much in the mainstream of thought and culture; it would like to encourage the study of Sanskrit, Hindi, Indian classical music and other trends in the national mainstream preserving its colourful distinct identity. For this, the Manipur Sahitya Parishad, Manipur Sanskrit Perishad and other organisations are working very actively. I understand that the Manipur Sanskrit Parishad has written for Central assistance to meet the expenses of Sanskrit colleges and schools. I understand that only a very nominal grant has been extended so far. This is unfortunate and the amount should be increased. I would request the hon. Education Minister to look into the matter from a special angle; North-Eastern area, being a sensitive area and already far away from the mainstream politically, should be treated on a special footing, particularly in the matter of study of languages like Sanskrit and Hindi; not only in the valley, but also in the hill areas where we have the Christian community by utilizing the valley as the spring board. I have been giving this suggestion from time to time. Last year also, in similar debate, I made it. I hope, this will receive the pointed attention of the Education Minister.

You have mentioned in your report about giving support and patronage to rural sports all over the country. In my part of the country Manipur, there are excellent indigenous games of various kinds which have been there as part of our community life for example, Mukna which is the Manipuri style of wrestling, Khong Kangjei, the Manipuri style of hockey Sago Kangjei, the Manipuri style of which originated in Manipur according to authorities on the subject including the Encyclopaedia Britanica.

DG, 1978-79

[Shri N Tombi Singh]

Although the Manipuris cannot afford to play in the sophisticated fashion, polocontinues to be their popular game Kang and Yubirkpi are the other games played there Kang is a decent ancient indoor game highly technical and sophisticated in rules and practice Yubirakpi is Manipur style of Rugby

### 14 00 hrs

The Party Property of the Party of the Party

311

So also, there are other games like that If we make a proper study, we can make them national games They are very scientific I should say, and they promote not merely sporting interests but all-round physical and mental development Manipur is rich in sports talents. As you know the Manipur, boys and girls have been doing well in the eastern parts, the Gauhati University games, parti-cularly are always dominated by Manipuri hoys and girls from the very beginning the Manipur, cadets have also given a good account of themselves in sports and games in the eastern wing of NCC So, the Union Minister of Education may consider extending more grants to the State Government for improvement of indigenous games so that some of these games could be picked up and introduced at the national level.

Then the next point I would like to make is with regard to the maintenance of standards and priority of the classical dances of India through authorized training institutes whereever they are 'This can be done by providing adequate supervision and at the same time giving them proper financial assistance I happen to belong to a community which has nourished the Manipuri style of classical dancing-one of the ancient classical forms of Indian darcing-and I know what exactly is the responsibility of nurturing and maintaining a classical dance form Now, the Sangeet Natak Akademi which is under your Ministry is running the Jawaharlal Nehru Manipuri Dance Akademı there-a Manipuri The funds received by It are not adequate Recently the Akademi took out a Ballet team which was very much acclaimed all over the country It gave its performance in some major cities and all critics wrote highly of the ballets and of the suitability of the Munipurl style in This Ballet section should be a separate department under mecialized Guru in the Jawaharlal Nehru Akademi, for which more funds will be required. Over and above this, we need special arrangements for training of teachers of classical dances. Otherwise, it has been becoming very difficult to maintain the standard, uniformity and purity of classical dances There is a lot of distortion here and there. For instance, when we see a classical Bharanatyam presented in Assam or in Manipur, we do not know what is the authenticity of it because anybody comes and teaches there So also. Manipuri dance is taught and shown in other cities of the country under incompetent teachers who have no proper schooling in the art form. The situation is horrible On one occasion in a very big cultural hall is a city in the South at a reception to VIPs a show was put up and an announcement was made "The last Item will be the famous Manipurl dance by so and so' but there was practically nothing Manipuri it. It was discovered in the run of the show When the Chief Guest asked me 'Are you happy with it' I said I am happy because you like the name of Manipur dance, and because the artist 13 a beautiful girl, but there is nothing Manipuri in the costume and the movements But then you called in Manapuri and we enjoyed it of course we enjoy anything when are not choosy' But the sanctity and purity of the classical dances should be maintained st can be done only by proper teaching by competent Gurus and elaborate propagation about the basic characters of the dances With the help of the Minister of Education the classical dances—not only Manipuri but other classical dances also—should be given proper protection and publicity, particularly in the big cities.

भी राम खबधेश सिंह: (विक्रमगंज): उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले में यह कहना चाहता हूं कि जनता पार्टी की सरकार और कांग्रेस पार्टी की सरकार में बहत से अन्तर दिखाई पडते हैं । कई विभागों में बहुत स्वय्ट अन्तर दिखाई पड़ रहे हैं सेकिन जिल्ला विभाग में कोई अन्तर नहीं दिखाई पड़ रहा है। शिक्षा विमाग उस पुराने ढरें पर चल रहा है जिस डरें पर तील साल चे कांग्रेसी हक्सत चलती रही। उन के कारण उद्योग विकास में नीति में स्वष्ट परिवर्तन मालुग हुआ, एग्रीकल्चर विभाग में स्वष्ट नीति में परिवर्तन मालून हम्रा, फाइनेन्स विभाग ने ऐतिहासिक सकता प्राप्त की, हजार पांच हजार और दस हजार के नोटों का डोमोनिटाइजेजन करके स्रपट सफतता प्राप्त की, लेकिन बहां तक जिला विभाग की नीतियां का सवाल है, पूरे का-परा जो मैताले के जमाने से चल रहा था, वही नीति कांग्रेस पार्टी ने चलाई और वही नीति धाज भी जनता भाटीं की सरकार चला रही है—यह बहुत दुख की बात है।

मैं घरने भाषण को पांच करों में बांट कर बोच्ना-जिला नीति, भाषा मीति, संस्कृति नीति, जेलकूद और शिक्षा मंत्रालय के खर्चे की विद्यार्थियों की जिला ते अनुपात ।

जपाध्यल महोदय, जिला नीति का बहां तह ध्यान है, यभी तक भी कांग्रेस की नीति गी, उतका जदेख भा देज को दो वर्षों में बांटा जाय—जानक बीर कीणकों का एक वर्षे पैदा करें बीर दूसरा वर्षे हो—जातिक योर गीपितों का। इसनियं उन लोगों के विवने छेंग के हक्क चत्राये—ये जारपांच कियम के हक्क् वत्राये—ये जारपांच कियम के हक्क् प्रेम मिलट्टी स्कृत, सेंट वेचियर्षे के हक्क् प्रकार हक्क, सादि। यब इस नरह के हक्क् देव में केंग्ने वो वो वांचों में काम करता है, किसान का बेटा, इस में कभी नहीं पहुंचा 1 मेहतर का बेटा परिलक्त रुक्त में नहीं पढ़ेंचा 1 ऐसा क्यों होता है? इस निगे होता है कि एक साकक पत्र में मान प्रश्न प्रक्तर का पड़का अफार बने भीर किसान का बेटा क्यासी बने सा ज्यासा किसानी वने 1 इस वरह की जिल्ला नीति क्रेडिय की हुन्स्य ने 30 साल तक देश में ज्ञाही परन्तु दुव इस वाद का है कि हमारी रुक्स्य ने भी उत्तमीति मंकोई परिवर्तन नहीं किया 1

D.G., 1978-79

उपाध्यक्ष महोदय, ग्राप को यह मालम है कि मिलिट्री स्कूलों में कीन जाता है । दिसी साधारण गरीब का वैटा या किसान का बेटा वहां नहीं जाता है। मैं मंत्री महोदय से भिवेदन करना चाहता हं - वह कैटगरिकली यहां वतलायें-वया किसी किसान का बेटा था जो थांब में एहने वाला, 6~7 या 10 एकड जमीन जीतने वाले का वैदा धाई० ए० एस॰ या साई॰ पी॰ एस॰ बना ? 1 परक्षेन्ट भी आई॰ ए० एस॰ या आई० पी० एस० में यरीय किसान का बेटा नहीं गया । ऐसा क्यों हुआ ? इसलिय कि यहां पर शिक्षा की दधार नीति चलती रही-पाई० ए० एस० का बेटा प्राई० ए० एस० बनेगा, किसान का वेटा किरानी या चपरासी बनेगा । इस नीति में कोई परिवर्तन नहीं हथा ।

कहते तक भाषा मीति का म्हणल है— कहती हुक्सव ने होन भाषां फार्मुं का कराशा यह दीन-भाषां कार्मुं का होती का फार्मुं का है, यह भवेजी को कारात रहने का एक पेव है, दक्षिण भारत के लोगों को पुरावाने और करार भारत के लोगों को प्रथानों के कार्याक्ष करने की मीति है। यब तक यह चलेगा, येपेजी को कभी भी हदाया नहीं का चलता है। और राष्ट्र भाषा को प्रतिष्ठित नहीं किया वा सकता है। मैं यह नहीं कहना चाहता हूं कि याप श्रेषेजी को हदा कर हित्यी का तल दें, हिन्दी आय स्कूड-माह में, मुखे कहें वह से सतकत बड़ी है। मुखे मतकत देश वात ते हैं कि क्षेत्रीय भागा

[थी राम ग्रन्थेंग सिंह] चने, इस से वह भाषा धाने बाप विकसित ही जायगी सौर श्रम्नजी राज माया की कुर्नी से हट जायगी। अग्रजी जोड-नोड की भाषा है—-शासक ग्रीर शीपको को जोडन भीर शामित भीर गोविनों को तोउने की भाषा है । भ्राज दक्षिण का हलवाहा, मंजदूर, चरवाहा उत्तर भारत के हलवाये, मजूर और वरवाहे से मिल नहीं पाता है क्यांकि अयेजी उस म बाधक है। अपेजी होन ने नारण वह मिल नहीं महता है क्योंकि उत्तर भारत का हरवाहा धरवाहा प्रयेजी नहीं जानना है, मजदूर भ्रयेजी मही जानता है और दक्षिण भारत का भी हरवाहा, धरवाहा, मग्रेजी नही जानता है। इन तरह ने घषेजी रख कर ये मुट्ठी भर गासक वर्ग के लाग यह दाहते है कि इस देश म ऐसी भाषा रहे जो मुद्ठी भर लोग ही रागज मर्जे । संस्कृत भाषा से को अब नियमी म क्सा गया, बाधा गया और उन म जम को फना दिया गया, तब प्राकृत भाषा घाई छोर जब उस प्राकृत भाषा को भी क्साथबा, जो अन्तरा ने धारती मापा 'पाली' को बनाया चीर जब पाली भी नियमा म बंध गई. वो धपश्चन भाषाए फैली भीर ग्रमग-ग्रलग मुवा म अलग-भ्रलग क्षेत्रीय भाषाओं का विकास हुया । तो हमेशा में शामत और शापक लोगी की यह नीति रही है कि एक ऐसी भाषा चलाई चाए जी ग्राम जनता की भाषा न हो मके। श्रगर श्राम जनता की भाषा राज भाषा हो जाए, तो एक साधारण गरीव बादमी का वेटा भी राज-गट म हिम्मा लेगा, वह भी राज-पाट म बकत देवा और उस का हकदार होगा । इमीलिए धनी तक यहा ने हकमस्तव म्रोर शापक वर्ग के जो लोग रहे हैं वे जानवझ कर भवेजी की राज भाषा बनाए हुए हैं भौर इस को चलाने रहे हैं।

> मुजको वहनातो बहुत या इस मक्षने पर लेकिन आप ने घटी जो दबादी है, तो में तीन मिनट में घपनी बात वह कर समाप्त कर दूगा।

उपाध्यक्ष महोदय नहीं, श्राप एक मिनट में रात्म वरिये नवीकि एक मिनट ही श्राप का बाकी पट्ट गया है।

थी राम भवधेश सिंह । भाषा नीति के बाद में मास्ट्रतिक महत्व की छोर भरकार का ध्यान खीचना चाहता हू । सास्कृतिक भ्रान्तिया ही कान्ति को रोवती है। इस देश में सार्कृतिक भ्रान्तिया इतनी फैल गई है कि वे विसी तरह की कान्ति की पनपने नही देती हैं । न वह मास्कृतिक क्रान्ति की वहने देती हैं, न धार्थिक कान्ति को फैनने देती हैं थोर न राजनीतिक कान्ति को ही होते देनी हैं घौर यह झान्ति पुराणो घौर धार्मिक प्रन्थो के जरिये फैलाई जा रही है। इमलिए मेरा वहना यह है कि देवी देवतायी व जिलाफ जो प्रचार होता थाहिए, वह होने दिया जाए। धाजनम मरनारी मशीनरी और रेडियो और जितने भी प्रमारण के यह है, वे ऐसा नहीं होने देने हैं। मैं शिक्षा मवालय मे यह बहना चाहता ह कि बहुत सी ऐसी कितावे छापी जा रही है जिस में पौराणिव कहानियों के वरिये बच्चो को यह चीज सिवाते हैं नि देवी देवता महान् हैं भीर ग्रादमी महान् नहीं है और मिट्टी की जो यह मृति है, यह बड़ी है। इस तरह से पौराणिक कहानियों के जरिये बच्चों के कोमल दिमाग में यह चीज भरदी जाती है कि इन्सान वडा नहीं है, इन्सान छोटा है भौर मिट्टो को मूर्ति वडी है। इस तरह की सास्ट्रतिक प्रान्ति से जो श्रान्ति रुक्ती हुई है, उसके खिलाफ शिक्षा महालय को संचेप्ट होना चाहिए ग्रीर इस तरह को गलत वार्ने जो क्तिवां में छपती है, उन को रोकना चाहिए। में यहा पर ऐसी क्तिव नही लाया ह जो ग्राप नो दिखाता लेकिन मैं यह पहना चाहता ह कि टेक्स्ट बक्स इतनी सडी-गली छापी जा रही है, जिन का कोई हिसाब नहीं है । इस सरफ शिक्षा मवालय को ध्यान देना चाहिए।

खेल-कूद भीर हरिजनो की शिक्षा के बारे में भी मैं एक शब्द कहना चाहता हूं। इतने दिनों के प्रयास के बाद भी और इतना ढोल बजाने के बाद भी-पिछली हुकूमत यह होल बजाती रही है कि हम ने हरिजनों और ब्रादिवासियों के लिए इतना खर्च किया है-जो स्टेटिस्टिक्स भारत सरकार के हैं, उन में यह जिखा हुया है, में केंबल एक सूबे के आंकड़े ही गिनाना चाहता हूं और वह विहार है, वहां पर छट्टी क्लास से लेकर बाठवीं क्लास तक हरिजन बच्चों की संख्या 11 फीसदी है और ब्रादिवासी बच्चों की संख्या 18 फीसदी है स्रीर सागे बढ़ते हैं तो नवीं से ग्यास्ट्वीं तक बह बट कर कमशः 6 फीसदी ग्रीर 8 फीसदी रह जाती है। इसका मतलव यह है कि कोई भी ध्यान नहीं दिया गया और यह डोल वजाया गया। यही रवैया यदि इस सरकार का भी रहा, हरिजनों और आदिवासियों का मदि होल पीटा गया तो इससे काम चलने वाला महीं है। यदि छाप भी ढोल पीट कर ही काम चलाना चाहे तो मझे कुछ नहीं कहना है। मैं शिक्षा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वह बताये कि हुमारे देश की भाषा नीति क्या होगी?

MR. DEFUTY-SPEAKER: call the next speaker now.

श्री राम श्रवधेश सिंह: इस देश की शिक्षा नीति क्या होगी और हरिजनों पर टीटल एजुकेशन के दजट का कितना खर्च किया जाएगा ? कितने प्रतिशत आदिवासियों पर भौर पिछड़ी जातियों पर खर्च किया जाएगा । आपको इसको साफ़ साफ़ बताना होगा ।

DEPUTY-SPEAKER: Dajiba Desai. You will also have eight minutes.

(Kolha-SHRI DAJIBA DESAI pur): Eight minutes, I am sorry, I do not want to speak,

श्री राम श्रवधेश सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इनका समय मुझे दे दिया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय : इस वस्ह किसी का समय फिसी को नहीं मिल सकता है। उनका तो पांच मिनट था, मैंने तीन सिनट वढ़ाया है। अब वह नहीं वीलना चाहते हैं।

Now the next speaker, Mr. Somani

श्री एस॰ एस॰ सोमानी (चित्तीडगढ़): मानवीय उपाध्यक्ष महोदय; मैं शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों का समर्थन करने के लिए खडा हम्रा हं । इस बात से इंकार नहीं किया जां सकता है कि शिक्षा विभाग पर इस देश के राप्टीय चरित्र को बनाने की वहत वड़ी जिम्मेदारी है। पिछले सीस साल के मासन में, हमारे देश के लोगों का राष्ट्रीय चरित नहीं बना है। उसके कारण आज हमारे सामने सारी समस्याएं खड़ी हुई हैं । हमारे राष्ट्रीय नेता हमेशा यह बात महते पहे कि हमें वहत खेद है कि हम ने शिक्षा पढ़ित में कोई परिवर्तन नहीं किया। मैं कहना चाहता हं कि उन लोगों का दिमाग इस सम्बन्ध में साफ नहीं था, उन लोगों के दिसाग में कोई कल्पना नहीं वी कि हम देश में कैसे नवयुवक बनाना चाहते हैं । उम लोगों को यह मार्जुम ही नहीं था कि वे इस देश की कैसा अनाना चाहते है। जिस धादमी के सामने भविष्य का स्पष्ट चिव या नकशा न हो यह कैसे देश को बना सकता है। भावस्यकता इस बात की थी कि हम ग्राजादी के तुरन्त बाद इस देश में ऐसी जिसा पढ़ित सागु करते जिसते कि ऐसा नवयुवक निकलता जिसको कहीं पर भी खड़ा कर देते तो भी वह चपयोगी सिद्ध होता । ग्राज दुनिया के कुछ देशों ने हमारे सामने उदाहरण पेश निये हैं। स्कूल में पढ़ने वाला विद्यार्थी युद्ध के समय सीमा पर खड़ा होकर दुश्मन का सिर फोड़ता है वही विद्यार्थी ज्ञांति के समय खेती, कल-कारखानी में काम करता है। किन्तु हम यह नहीं कर सके। क्या हम यह नहीं कर सकते थे ? कर सकते थे परन्तु इसके लिए ईमानदारी चाहिए। हुमारे भाई ने कहा कि शिक्षा विभाग में राजनीति चलती है, शिक्षा विभाग में अगोति पैदाकरने का प्रयास किया जाता है। इसी वजह से वे सारी परिस्थितियां धनी हैं।

श्री एस० एस० सीमाना]

मैं शिक्षा मही जो को बहुता बहुता हूं कि

सु मही पर बेदिब शिक्षा की बात करते हैं,

बहुी पर अदुवस की बात करते हैं,

बहुी पर अदुवसों को देशमनत नवपुक्त बनाने

की बान करते हैं। परन्तु जम माने में अपने

मस्ते बन्द में क्या व्यवस्था की हैं? मैं बाहुता

हूं कि शिक्षा के बाद एक मीले-सादे कियापी

को हम पर से बाहर निकास । पर से बाहर

जमको जगत में एतें, केम्प में एवं वहां उसको

हक्त चनाने से लेकर बन्दून चनाने तक से फिल्सा

दी जाए। इस दाद का एक नया नवपुक्क

एक साल में तैसार होगा। इसते अनुशासन

उसने जीवन में माएगा। इसते अनुशासन

उसने जीवन में माएगा। इसता उसको

जीवन में माएगा। इसता उसको

का निर्माण भापको करना पडेगा।

हुगारी निक्षा प्रचानी विवाधिया को जीवन प्रांत प्रमुनामन से निरत करती है। इस्तित्त इसीन प्रमुनामन से निरत करती है। इसीनिए इसीन प्रमुन पर निक्त वेरोडमार सोन हुगार दे यहा रोज प्रमुन वर्षे द्वार दे वहा रोज प्रमुन करते हुगार है। यहा रोज प्रमुन प्राते हैं दि यह की बेरोजनारी कर दूर हो। में महता हुन है। इसीन तरहे हैं। इसीन तरहे होगा, पाईंगा, पाईंगा, पिक्षा को करता होगा, पाईंगा, पिक्षा को करता होगा, पाईंगा, प्राधा को करता की कीवना परेंगा।

क्षार्थ में काराना रुपा ।
कोठारी क्षेत्रीमान हुम्में हिटायां था ।
इन्हीं विवयनियां पर दृष्टिपात कर व उसने
द्रवाहनाम्या । तिस्सा वा मुन्नक दिस्सा ।
एकत् वर क्षण मुंगक है, जासहरूपिल नही
है । इसी बहुन स में क्षण जाहना है कि
दत कथा दी कमा तीन, साठ, बार, तीन और
सात, पान, तीन ने क चक्कर में न पड़े । मूलमूर्वमा में भाग न पड़े, फिला पमानी कोई भी
मात्र प्रताप परन्तु उसने तीक तर है । साथ
क्षणा न नरे, यह बहुन प्रावस्थ्य है ।
पढ़ित वी कुछ भी नाम के दें स्टर्स्ट ईमाक्समी
में जलता इम्म्बेटिंगन होना वार्यिय ।
स्मार नही होगा वाना के है है हर व्यक्ति

हो पडता, सिखता, गिनना, ये जो तीन भ्रामं बहे जाते हैं हम नियाए । श्रीक्सा ने कारण प्रजातन वी माने बढाने में बडी कठिनाई भ्रा रही है। इसकी भीर भ्रापको विकेप स्थान देना चाहिये।

किया विभागों में जो कवे कवे स्विध-करियां विदे हुए हैं, पाहे विभागत है, वेपरसंग है, बायरेक्टर हैं उन पर विशेष निगाह रही बायों वाहिये । तील साल में एवं पादत उपनों पर गई है बाम बरने को जो ठीन मटी है, इस पादत को वे बंदल नहीं रहे हैं। परवार बादत गई है पर उन लोगों के दिमाग मही बदने हैं। यह बहुन प्रावश्य है कि उनकों मरवार की मीतियों वे मनुमार बाय वर्षों के लिए मनबुर निया जाए।

व्य प्रापनो नेन्द्रीय विद्यालय सागर शा एक उदाहरण देना चाहता हु। दहा प्रिसिपल के खिलाफ तीन धारीप हैं। सी वी भाई ने लनकी जाचकी। तीन नेस रजिस्टर हो चरे हैं। उन श्राम में जो मदद करने वाली ब्रध्यापक है वह समपेंड हमा । परन्तु जिस ने खिलाक सी वो बाई ने तीन नेस हैं उमरे खिलाफ कोई एक्शम नहीं है क्योंकि वह त्रिसिपल क्लास वन धाकिमर है। कोई साधारण व्यक्ति होता तो सी० बी० द्याई० के नाम पर ही सस्पेंड कर देते । छ सी स्पर्धा यवन का मामला है, फर्जी दस्तवत का है, असिस्टेंट विमशतर भोपाल वे मना करते हैं दावजद एक घन्डर एड व्यक्ति का एप्लायमेंट देने का है और सी बी बाई ने तीन नेसिम होते के बावजूद ऐसे व्यक्ति को ससपैंड कर दिया जाता है जो इन वेमिन में महायक होता है । जिस अध्यापक ने सहयोग दिया सी बी माई की इनक्ष्यायरी में उसकी जनवरी से समपेंड कर दिया गया था । राज्य शिक्षा मदी से मैंने इस की चर्चा की है और उन्होने भाष्वासन दिया है कि मैं चनको रीइन्स्टेट करूगी, उनके साथ प्रन्थाम ्हुचा है। लेकिन सगता है कि ग्रधिकारियों के वीच में जामें के बाद इस बात को सांध-कारियों ने करने से मना किया सीर हुमारी काला मंडी जी ने कहा कि उसका सामारी काला मंडी जी ने कहा कि उसका सामारी सह दे रही हैं। इसका क्या मतकब होता है ? इसका सीधा मतकब कहे हैं कि अभी तक कह सीकारियों के कहे मनुसार काम करते हैं। इसको बदलना पड़ेगा। हमारे विका मंडी गहांच्य बहुत बिडात हैं, बिचारक है और मंडी महांच्य बहुत बिडात हैं, बिचारक है और इस सिमार्ग में आया है और सुधार काम करता इस सिमार्ग में आया है और सुधार कर में इस मंजास्य का काम होगा। में बाला करता हैं कि बहु इसको देखेंगे और इस पर जिलार करेंरे।

एक इचरा जराहरण में संस्कृत संस्थान करीद जर्मवारी व दोले, प्रधिकारियों के दिवालक करीद जर्मवारी व दोले, प्रधिकारी अपनी मनमानी करें इकका उदाहरफ कपर खायको लेना हो तो राज्येच संस्कृति संस्थान है दहेंडे आपको मिल जाएगा । बहा के जुगरिटेंडे करा एक मानका में बता खुए हुंग । बहु गार्थ 1977 से स्वरोजन में हैं । उस नेज में जीदि मन्मीर सारोग नहीं है । उस नेज में जीदि मन्मीर सारोग नहीं है । बहु कर बिख्य कि यह परिकारियों के खिलाफ कुछ न दोलें। आप विकार करेंद्रस पर। धारोम भी कोई गन्मीर नहीं है ।

वीस्ता मामला पांच हुआर नैम्बल फिटांब कीर है प्रधानकारों का है। पुरान पाइयारों को है। दिल्ली एकमिन्द्रिक की मेंने पब सिला है कि पर पाइयारों को मेंने पब सिला है। पर पुरान कोम जो की कोई देवने वाला नहीं है। 1957 में वो फेड रनको निजा था बही बाव भी मिल जून है। थाउँ में कमिलन को जिला सिना का निजा की की पर पाइयार को बीं पहार की सिना हम राज्य सरकार को बीं पहार है है अलिए कमिला इन दें में मेंने कि सिना मेंने की सिना हम राज्य सरकार को बीं पहार हो स्थानकार हम राज्य सरकार को बीं पहार हम राज्य सरकार को बीं पहार हम सिना हम राज्य सरकार को बीं पहार हम सिना हम राज्य सरकार को बीं पहार हम सिना हम राज्य सरकार की सिना हम राज्य सिना हम राज्य

महीं की । इसका परिणाम वह है कि 1957 में जो वेड इनका था वही आज भी है। इन पांच हजार लोगों को चार माल से कोई इन्होंमेंट महीं मिल रहा है। उनकी प्रपत्ती कोई अपनी जिल्हों है। सरकार उनकी एनका करते जो वैसार सहार उनकी एनकार्य करते हो तैयार महीं है।

दिल्ली एडमिनि<del>?</del>शन का नै जवहरण देता हूँ। 319 मञ्चापक है जिन की दिल्ली एडमिनिस्ट्रेजन एवजार्व करने को तैयार नहीं है । पत्र लिखा मैने और इसके बारे में पूछा तो मुझे उत्तर आया कि हमारे यहां पर प्रविक्षित कड़े हजार लोग बैठे हुए हैं उनको भी हम पंद्रह बीस वरत तक काम महीं दे सकेंबे, इनकी कैसे लगा सकते हैं। ये सोम दुखी हैं. मैंटली एरर्टर्ड हैं। ये हड़साल करने जा रहे थें। मैंने मना किया। मैने कहा जनता पार्टी की सरकार की नई मीति धन रहो है. इसमें कुछ समय ला सकता है परस्त निरुवय ही ब्रापकी मांगों पर सहानुभृतिपूर्वक विचार किया जाएगा, इनकी मूना आएगा और उनका निराकरण किया जाएगा। में प्रार्थना करता हं कि नैशनल फिटनैस कोर के प्रतिनिधियों की बुला करके आप कोई विर्णय करें, उन वे मामलों को देखें, उनकी सविधाओं के मामलों पर विचार करें। भाष एक बार कहते हैं कि इनको बन्ध करना ठीक नहीं होगा। परन्तु में कहना चाहता हं कि यह पन्तिक स्कूल जनतंत्र में को इसे समाच है।

भ्राप्त केन्द्रीय विद्यालय जोते, बन्द्री बात हैं । लेकिन उनको सर्वित्तीयत्व बोडी बनावा है, यो मेरी रुप में पनन हैं । उनको स्टेब्युट्से बोटी बनाने सक्ति बहुं के कर्मबारी अपने पीवामेंन का निरुक्त कर बड़े । बोटीमोमल बीडी होने के आपन 15 हुबार कर्मबारी बहु के स्वितारियों के करवें में हैं । इतनिये प्रधिकारियों की कृता पर बहुं के कर्मबारी न पूरे यह मेरी संपत्त हैं । बादि करी मेरी क्रमेनारी वेगी बरकार के निक्मी के स्वर्धन पर्देश के

# [श्री एस० एस० सोमानी]

वडा स्टाफ हैं और ढाई स'ख रे करीब विद्यार्थी पहते हैं और 15 हजार का स्टाफ हो इतनी वही सस्या को ग्रोटोनोमम बीडी वना कर आप किस का भारता करना चाहते हैं, यह बान मेरी समय में नही द्यानी ।

हम नुपे मिरे ने विचार करे हमती नेवे देश वा नये सिरे से निर्माण करना है नये नवयुवक बनाने हैं। ग्राप पाच माल निकाल वर जा सकते हैं परन्तु यह पाच साल अपने इतिहास का ऐसा यूग होना चाहिये जिसमें चाने वाली पीड़ी इस देग में ऐसी खड़ी ही जो मनाज सेवी हो देशसकत हा और उसी पीड़ी वे भरोमे पर इस देश की तरफ कोई भी भौताउठा करन देख मा । मैं चन्हना ह कि भाप सक्तिय हो कर इस देश की माने ले जायेंगे। इन्हीं जूम वामनाभा वे साथ मैं म्रापनी प्रनुदाना का समर्थन करता है।

भी कवर्षमाल हेमराज जैन (बाला-घाट) उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा की मागो पर चर्चा चल रही है। उपाध्यक्ष महोदय, यह देखने म आया है हम गाव से चन कर दाते हैं. श्रीर हमारा जिला है एक गाव। तो वहा पर ऐसी प्रणाली चल रही है, शिक्षा मती जी जरा लिख से, वि शहरी अनल मे रहने वाले शिशक का शहरी प्रलाउन मिलेगा चौर उनेती मनान का किरावा भी मिलवा, ग्रीट ग्रामीण ग्रचन में, जा 80 फीमरी हमारे देश वी रचना है श्रीर धाप रोज उसकी चर्चा करते हैं कि भारत 80 फीसदी गावा में बना ट्रप्रा है, वहा शिक्षव वी विसी विस्म वी सहीलयत नहीं है और उसकी सनस्वाह भी मन है। ता आज ने नये परिवर्तन स्म म ग्रगर हम दरग्रस्ल में ग्रपनी शिक्षा की मजबूत बनाना चाहने हैं तो मेख निवेदन है ति मह बहुत बड़ा निर्णय ग्रापका लेना होगा वि प्रामीण प्रचल के जिक्षक को बहरी म चल में शिक्षम से ज्यादा ननव्हदा मिलनी चाहिये। यह मैं प्राइमरी स्वृतों की वास

कर रहा हू जहा हमारी भावी पोढी भी नीव धडरी है । गावों में शिक्षवों से जो घपेशा बर्रत हैं तो एक तो शाला भवन नहीं है, इसरी बान यह जि हमारा शिक्षय दासपर हो कर जब जाता है परिवार ले कर तो उमके शाजाम की कोई व्यवस्था नहीं है । सभी ग्रामीण उत्यान की जो चर्चाचल रही है ती में आशा करगा कि प्रत्येव ग्राम प्रचायत जहा पर कि यह स्कूल है वह प्रचायत हमारे जिहानों के लिये मनान बनाय और उनसे उचित किरामा ले जिसमे शिक्षक का ग्रगर टासफर हो तो उसको यहने ने लिये मनान मिल जाये। धाज उनतो गाव मे पहने के तिये मनान नहीं मिलता ।

एक बहुत बड़ा शिक्षा के मन्दर देश मे हाहाबार मंचा हमा है। हरिजन, मादिवासी भाइयो को स्वालरशिप मिल खो है, रिजेंबे-भन भी है। लेकिन यह इसने तक ही सीमित नहीं व्हना चाहिये। हमारा तो कहना है, बौर बाम देश की जनता की भाख लगी है कि केवल जातीयता के घाघार पर जो सरक्षण भौर सुविधा मिल रही है, भाज इसका मत्यापन गरे 30 माल ने वाद तो गरा यह बहना है कि सरकार से हैनियत के धाधार पर, जिनकी तनस्वाह 500 स्पय तक है उन तमाम लोगों के बच्चों के लिये, वही महिन्यत मिलनी चाहिये शिक्षा के प्रन्दर, वही छट मिलनी चाहिये, जो हरिजन मादि वासिया को मिल रही है। ब्राज हम अपेक्षा करते हैं कि ग्रामीण ग्राचल में हमारे शिक्षक बच्छी विक्षा हमें दें, हमारे बच्चों को बच्छी सरह पढाए, लेकिन उन की तनस्वाह काजी स्तार है यह इतना कम है कि उन गामन अपनी दाल रोटी की तरफ लगा रहता है। कुछ मदस्यों ने बहा कि उन को ट्यूगन नहीं करने देना चाहिए। सो एन की तनस्वाह को देख सीबिए। एक शिक्षक है, बबा उसकी पत्नी मजदूरी करने जायगी ? बया एस वा भरण पोयण उस तनस्वाह सही सक्ता है? इस की घोर भी हम ध्यान देना चाहिए।

इसलिए शिक्षा मंत्री महोदय से मेरा निवेदन है कि ग्रामीण श्रंचल में शिक्षा को ज्ञाने की चेव्हा करें और पाठय-पुस्तकों की भी देखें। शिक्षा मंत्री जी ने ग्रपने बडे भाई की पुस्तक से पढ़ा होगा लेकिन ग्राजकर तो रोज पाठ्य-पुस्तर्के लोग खरीबते हैं। देश की जनता का पूरा बजट इस में सा**फ** हों जाता है । देख लीजिए, इस समय सब

से हम अपने देश में शिक्षा का कैसे विस्तार

करेंने और यह इतनी वही ब्रशांति को देश

में फली है उस की हम कैसे दूर करेंगे ?

इस चिन्ता में हैं कि परीक्षा आ गई, इसके बाट स्कुल खुखने वाले हैं । दो महीने की तनस्वाह बच्चों की पाठ्य पुस्तकों में चली जायगी। इस तरहे लोगों का सारा वजट उलटा पलटा हो जाता है। तो इस का सरवीकरण होना चाहिए और ग्रामीण ग्रंचल पर मंती महोदय विशेष ध्यान दें, इतना ही मेरा निवेदन है । मैं जम्मीद करता हं कि सभी लोग मिल कर इस के उत्पर कुछ सोचेंगे।

MR. DEPUTY SPEAKER: Now, I call the Minister.

PROF. P. G. MAVALANKAR (Gandhinagar); Mr. Speaker, Sir, I want to make a submission and also raise a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Under what rule?

PROF. P. G. MAVALANKAR: Under the relevant rules.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Unless you quote the rule, you cannot raise the point of order.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I am raising the point of order under the well-established practices.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am sorry. You cannot just over-ride the House on a point of order. I have to regulate the debate of the House, Unfortunately, you are trying to take advantage of it.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I am sorry. I take strong objection to the word 'advantage'.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Unless you quote the rule nothing will go on record.

### (Interruptions) \*\*

PROF. P. G. MAVALANKAR: I have been associated with the subject of Education for the last nearly thirty years, and yet I am not allowed to speak! At least you hear my point of order.

MR DEPUTY SPEAKER Under

what rule?

PROF P G MAVALANKAR Under

all relevant rules I am going to speak.

MR DEPUTY SPEAKER Will you please take your seat? You must know

please take your seat? You must know how to behave in the House PROF P G MAVALANKAR I

know how to behave Don't tell me I
know how to speak (Interruptions) \*\*

MR DEPUTY SPEAKER Nothing will go on record What I also have said will not go on record

(Interruptions) \*\*

MR DEPUTY SPEAKER You can not have a point of order under all re levent rules

PROF P G MAVALANKAR point of order is this Under the established practices and as intimated to us by the Lok Sabha Secretariat under the guidance of yourself and the Speaker they ask us Members of Parliament to convey to the Chair which are the subjects on which we want to speak telling us also for how long we could speak I have given a part cular choice of preference under which Education naturally gets the higher priority I am given only ten minutes for three Ministries but I have not exhausted my time Under what rule therefore can you stop me if I have not completed my time limit of 19 Ione minutes You must give me 3 minutes afleast

MR DEPUTY-EPEAKER Mr Mavs lanks reset the your seat You had given preferences for Information and Broadcasting Education External Affairs But you cannot speak on the Demands of all the Ministres what you prefer You were asked to give your preference so that we could give your preference so that we could give you time on whatever abject you thought important You have already spoken on Demands, for Information and Broadcasting Ministry and you have taken 8 minutes here There-

fore you cannot speak on Education also

PROF P G MAVALANKAR I have taken only seven minutes on In formation and Broadcasting Others have taken much more time (Interruptions)

MR DEPUTY-SPEAKER There are others who want to speak and they have not been allowed because there is something like a time table. You cannot speak on all subjects There are parties which are not given time they have better rights than you have

(Interruptions) ..

MR DEPUTY SPEAKER Nothing will go on record (interruptions) \*\*

PROF P G MAVALANKAR In

the past debates have been extended MR DEPUTY SPEAKER If it is

extended it is a different matter

# (Interruptions) \*\*

MR DEPUTY SPEAKER Nothing will go on record whatever he says. The hon Minister

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUNDLE) I should like to thank the hon Mem bers for having given some valuable suggestions on this very important debate on education and social welfare and culture I am sorry that to wards the end my esteemed friend and Mayalankar was hon Member Prof annoyed and I request him if he has got any points to make certainly I would welcome them I would welcome any suggestion and I have accepted many suggestions from him earlier and I do not think that any particular point concerning education or my ministry which might occur to my esteemed friend Prof Maylankar will go unattended.

PROF P G MAVALANKAR I am on a point of order there is no quo-

<sup>\*\*</sup> Not recorded

D.G., 1978-79 MR. DEPUTY-SPEAKER; Let them count the Members, if there is no quorum let the Bell be rung.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I will see that every time now, quorum is demanded! You punish us for sitting here. People make speeches and go away. I am not interested in hearing my voic; but I have a duty to perform.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Every Member has that. Some names have to go out because there is some time regulation. You can't have all the advantages.

PROF. P. G. MAVALANKAR: 1 do take objection to the Word 'advantage'.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Whatever objection you may take, that is what

you are trying to do, it is very evident. PROF. P. G. MAVALANKAR: What is evident?

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am sorry Mr. Mavalankar, I never expected you to do like this, I think you should have better sense.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I am very gorry. What do you mean by 'better sense'? I object to those words. I never expected the Chair to use those words against me. I have not come here to hear such words. I expected better treatment from the Chair. I know how to respect the Chair.

MR. DEPUTY SPEAKER: The Chair has been giving you all the best treatment.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I do not want meharbani. If you do not like my coming to the House, for all times to come I will go-

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have been given all the best treatment.

PROF. P. G. MAVALANKAR: 1 could even resign from the House if you want, I do not mind, it is not important that I should come to speak here, I cannot tolerate the Chair using so many words for me. What have I done?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please take your seat now.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: As I said earlier, I should like to express my thanks to the hon. Members for many valuable suggestions that they have put forth, with meny of the points that they have raised I agree and I should like to point out how the present government has already tried to implement some of the points which have been raised during this debate and is also going to implement some of the other points. At the earlier stage, I shall try to indicate the broad policies which will cover a large number of points which have been raised and towards the end I shall deal with some of the specific points which have been raised by the hon Members.

I am sorry that my esteemed friend hen. Member Shri Ram Awadhesh Singh had stated that he did not find any difference between the education policy of the Janata government and the previous government. If he had cared to listen to some of the debates which had taken place in this House and also read the newspaper reports it would have been clear. Still for the information of the hon. Members of this august House. I should like to speti out the differences.

In fact we are at the threshold of a big change in our educational policy and we have proceeded far in implementing this change. You will notice that we have to place our education in proper perspective first. I agree that there is a lot of illiteracy in our country and it has been our Constitutional responsibility under Article 45 that within ten years after the Constitution, that is, by 1950, we should have made the education for all children upto the age of fourteen years free and compulsory. Unfortunately we have not done so and the result is that not only children in large numbers are not going to schools, but those who were children, but now are adults, are illiterate and their number runs into several erores.

33I

#### [Dr Pratap Chandra Chunder]

Prof Dilip Chakravarty has given us the figures and some other hon. Mem bers have expressed concern and we are also equally concerned about this Therefore, at the earliest possible opportunity, last year in April, I made a statement indicating the priorities of this Government and in this change of priority, you will find at once how our policy is different from that of the previous Congress Government I stated that our first priority would be universalisation of primary education, nonformal education for drop-outs and others who could not be brought for economic and various other reasons within the formal system and we would have to start a big programme for sdult education

## थी चन्द्रगेहर सिंह (बाराणनी) स प्राप्ती नीति है या नार्यक्रम है।

खपाध्यक्ष महोदय : म्राप जरा मृत लाजिए ।

DR FRATAF CHANDRA CHUN-DER Now there are the basic problems that we have to overcome and pursuant to that we have been taking steps and I would like to indicate what steps we have taken and what ateps we are going to take

In the first place with regard to the broad-basing of education, which is dependent upon the universalisation of primary education, we are to bring within the next Five Year Plan, more than three crores of our children who do not go to schools into the education system, part of them will be taken in the formal education system and part in the non-formal system. There will be some spill over of about two crores of children who will be taken up the next year after the Five Year Plan. For this purpose we will require some more schools and newer type of policy in our primary education system so that children might be relained in the schools It is not simply universal admission into the school, but universal retention which is also give of the most important points. Therefore, we

have indicated in our plan programme a number of pionts which will have inbet taken into consideration and inplemented for this purpose. We have thought of opening more and more schools for the purpose of our children who are not in the school system. In addition to this, not only not the proof children but also for the or they have more than the position of the prolated by the property of the prolated by the proton by the prolated by the proton by the pro

DR SUSHILA NAYAR (Jhansi) What about schools without teachers?

DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER In addition, we are also tyring to take up a massive programme of adult education We have also already set up the National Audit Education Board, in which the National Adult Education Programme has been formulated We had a number of meetings I had met the leaders of all political parties in Parliament and I had dis cussed these problems with them. I met the various representatives of students feachers and the trader unlons and various other bodies for the purpose of implementing this massive Adult Education Programme The target that we have fixed for ourselves is that we are to educate ten crores of adults, between the age of fitteen and thirty five within five years' time It is a major shift in our approach to education and this has been followed up by our discussion with the Planning Commission,

You will be pleased to know that in the previous Plan we had not laid so much emphasis on education at the lower stage for the purpose of broad basing education Under the previous plan, only 32 per cent of the plan allocation had been provided for elementary education I am glad to point out that after our discussion with the Planning Commission, the Planning Commission has allotted about 50 per cent for elementary education. Under the previous plan, only Rs 18 crores had been allotted for adult education. Now Rs 200 crores have already been allotted for adult education. I had

discussions with the Planning Commission and also our esteemed Prime Minister who is the Chairman of the Planning Commission, They have sereed that in view of the fact that we are having a rolling plan, more funds will be available if we can show results throughout the Country. If this is not a major change in the policy. I no not know what it is, because illiteracy has been a shame which has been imposed on us all these years. We have neglected the rural areas and poorer sections of the community. We have neglected the scheduled castes and scheduled tribes. We have not given them the minimum education that they need. So, we have stashed our altotments for higher education for at least five years to come, we have said that it will be less than 40 per cent whereas earlier, higher education commanded about 60 per cent of the plan funds. If that is not a change, I do not know what change is! This is our policy. We want to sive education to the downtrodden and to the backward sections. want to set up schools in rural areas. We want to give proper education to the drop-outs who have not been able to continue their schooling. That is the vital change.

Shri Dilip Chakravarty mentioned about Shri Jayaprakash Narayan. I am quoting an extract from a letter which Shri Jayaprakash Narayan wrote to me from Patna on November, 30. He had sent us the draft education plan for our people. He stated that this was expected to be finalised and published and placed before him before the end of December, 1977. He wanted to discuss this matter with me. However, that was not done. I am reading one sentence from his letternot as a certificate to myself, but this is in appreciation of the new change that this government has made. He said:

"I appreciate your efforts for universal education". This is a massive change and if we can make it successful-I hope all sections of the House will come forward to help us-we will change the whole intellectual climate in our country. Today the need is to give education to our down-trodden, to the backward sections of our people, who are coming from the scheduled casies and scheduled tribes and who have been deprived of all these advantages in the past. That is the massive change which we wanted to initiate and our respected J. P. also appreciated this particular approach which we have undertaken under this coming pattern.

I would like to indicate briefly the various proposals we want to implement stage by stage. First, we have the question of universalisation of primary education. We have noted that formerly there was no proper allocation of funds in this matter. We have to place education in proper perspective. India is a big country. The Central Education Ministry has got only limited powers. Actually the powers for implementing education and also framing general and detailed policy for education are with the State Government\*

Today we are facing the problem of Centre-State relations. More and more States are trying to claim more and more power. But we notice that earlier, under the Constitution that State alone had got the power to deal with educational matters except under item 66 where the Central Government had power to set the standard for the universities and higher educational institutions and some technical institutions. But under the Forty-second Amendment, the matter has been brought under the Concurrent List. The matter has been raised here by several speakers and they wanted to know what is the attitude of the Government in this field. Now, this point is not yet finally decided because, as you know, some of the aspects of the Forty-second Amendment have already been changed with the concurrence of all section of this House.

As regards the other amendments including this matter of education remaining in the Concurrent List or not.

### [Dr Pratap Chandra Chunder]

335

it is under discussion with the leaders of the Opposition Parties Till that Is done it will not be in my power to declare what will be the attitude of Government But apart from that I would like to point out that even if education is in the Concurrent List that does not give power to the Central Government to exercise executive authority Under the Constitution only when Parhament passes some law, the Central Government will get the power But even if Parhament passes the law how is it possible for us sitting here at the Centre in Dethi to control education throughout the country from Kashmir to Kanyaku marı and from Kutch to Kamakhya and that there will be one uniform pattern which will be imposed from the top? That is not possible, that is not desirable Therefore we always wanted to take the States into confi dence to discuss the problems of education with the Ministers and Chief Ministers of States at the earliest possible opportunity Last year, I had called a meeting of the Education Ministers of different States Irrespective of Party affiliation and there were also representatives of Union Territories and there we discussed the basic problems relating to education, and I am glad to tell you Sir that there was total consensus in this matter so that the priorities which we had already indicated before this House and before the other House have been fully endorsed by all governments of different States and Union Territories be they the Congress Gov ernment or Marxist Government or Janata Government or whatever might be the form of government. This is the position. After that we wanted to formulate our Plan preferences and discussions were going on with the Planning Commission. Different working groups had heen set up to give effect to the policies that we wanted to introduce and ultimately the draft Plan has come up and I have already indicated to you how the policy has already been changed This is the position.

If we are to bring about any change in our educational pattern, we cannot impose everything from the ton Even if we try to impose this, there will be resistance Even here during the dehate which I had very carefully tried to listen to and make notes have found that there is a difference of quinion among the hop. Memoers of the House For instance an hon Memher from East Bengal said that education must be returned to the State List One hon Member from Tamil Vadu said education must be returned to the State List This is the position What we are trying to do is to take the States into confidence and the Central Education Ministry will try to set the guidelines in consultation with them so that there is proper dehate throughout the country and there is general consensus among the people and ultimately whatever decision is taken that is taken with the approval of the large majority of States where the policy would be implemented Otherwise, what will happen is as we have found in the case of 10+2+3 system, when it was decided upon it was sought to be implemented among the States hut even now only 19 States and Union Territories have adopted this.

# 15 00 hrs

There are many States and Union Territories which have not adopted it We are not going to commit this matake Therefore whatever change we want to make apart from the paticular pohery of priorities we went to discuss these poliness, in regard to matters of detail, with the State Education Ministers or their representa tuses at proper levels

I will tell you how we have tried to proceed In the first place, we noticed that there wat a Iot of controversy about the present educational attern at the school stage Many of the hon. Members have pointed out that the 10+2+3 system, particularly at the school stage is over loaded with subjects and hooks. I fully agree with this because I mysell have stated 50 earlier But mere statement; s not

enough. What have we done with regard to this? I have set up a committee with Shri Ishwarbhai Vice Chancellor of Guiarat University as Chairman, and this committee has submitted its report. I have already laid, on the Table of the House and also in the Library of Parliament, a full report of the committee and also a summary of its provisions. Only on the last occasion, i.e. on Monday last, in reply to the question put by hon. Shri Lakkappa, I gave a voluminous summary of the provisions of the report of this committee. What do we find there? We find that the number of subjects has been slashed-from 13 subjects in the school stage, according to the NCERT syllabus-and the Committee has directed that examinations connot be held in more than 7 subjects. We also find that the books which bave been prescribed at the NCERT level have been slashed; about one-third has already been reduced and in the last examination which was held in March 1978, i.e., last month, the Central Board of Secondary Education has already slashed one-third of the syllabus. It is true that the students were somewhat bothered with a heavy load. But they are not examined with regard to the books that they have already studied, i.e, to that extent. Now, for the coming examination, this body is revising its syllabus; and it will try to knock off a few of the subjects which have not been recommended by the Patel Committee, And instructions are going out, for the writing of new text-books, for this purpose, so that the load of books may not be there on the children. Is it not a definite achievement in this field? It is a positive step that we have taken. It has been followed up by the Central Board which is concerned with about 1100 schools in this country.

You can ask me, what about the lew more thousads of other schools? As I have said, these schools are being managed by the State Governments through their Boards of Secondary Education, I attended two meetings of the Conference of Boards of Secondary Education ,one at Madras and another at Chandigarh, latter in February last. And I am glad to tell you that this Patel Committee's report was placed before the Conference of Boards of Secondary Education. By and large they have accepted the proposals of the Patel Committee, so that it is now for the State governments to cut down the courses to cut down the syllabus, to reduce the number of books and to reduce the number of pages of the books. We cannot to do so, from here. Some of the hon. Members have rightly pointed out that this should be done. That is the major step that we have taken, viz. that even at the State level, this reduction and other changes in school pattern have been accepted. and they are now going ahead with this task.

I am also glad to indicate to you that in West Bengal, already some reduction has taken place. And the Tamil Nadu Government is fully cooperating with us. They are going ahead with changing their education system on the lines which we have tried to formulate, These are the positive steps which have been taken in the field of secodary education.

We just now noted certain complaints about the books being changed. We do not want this to be done; but when a change of syllabus has to come in, books have to be changed. Some hon. Members, particularly Tombi Singh for instance, warned us. And yesterday also, Shri Malhotra pointed out that there should not be quick changes in the educational policy or educational pattern.

I submit there is no quick change in this line. Because, the National Policy of Education, which was adopted in 1968 by this august House, had decided that every five yeard this policy should be reviewed and, after such review, changes which should be found necessary should be implemented. Ten years have passed and nothing was done earlier. We have [Dr Pratap Chandra Chunder]

339

taken this massive and comprehensive review of the National Policy of Education and ag a result of that, we have already accepted some of these major changes, and they are being implemented

धो राम प्रवधेश सिह: धभी वहा वि हम लोग अल्दो चेंद्र करेंगे धौर फिर वह रहे हैं कि धीरे-धीरे करेंगे। वादूँ जिब्दी बात धापस में ही है।

हाँ० प्रतास चन्न चन्न इस म कोई महाँदिज्यों बात नहीं है। हम ने जो तय दिया उसको माम से माने के हम हम ने जो तय दिया को गहायता को जकरता है। हमने देश पर मरम उठाया है। मैंने जो कुछ महा, नाम्मरेस प्राप्त खाँड हैं में खुन देश या पा । उन्होंने इसको मजूर कर निया और प्रत्मीय सम्मर इस को लागू मरने के लिए कोशिय कर रही है। इस में कहा देर होती है ? कोई देर नहीं होती।

इसीनिए से नमता से गुनारिण वरूना, माननीम मित्र धेमें से हथान दें तो देखेंने कि हम जो नाम कर रहे हैं, हमारी जनता पार्टी ने एतेंकान मैनिस्टी स सी बट्ट हैं। उसने गुनाबिन ही हम नाम कर रहे हैं। उसके विजाफ काई नाम नहीं कर रहे हैं।

Coming to adult education, as I have already said, the National Adult Edu cation Board has been formed. After that, we are trying to prepare various instructional courses Books for the purpose of adult literates are being composed I have noticed that they are large in number, because there are so many languages in our country and adult literacy should be done through the mother tongue Now we have instructed the State Government to set up State Adult Education Board Under the State Adult Education Boards, there will be District Adult Education Boards and Block Adult Education Boards so that there will be proper decentralisation of the activities of the Adult Education Boards The Planning Commission has also provided, as I have said, a huge sum and two-thirds of the allot. ment come under the State sector, be cause it is for them to utilize this fund to set up their own machinery But we are trying to give them guidance Further, we are preparing some pilol projects Also, there are many volun tary agencies in this field We have met a large number of representatives of voluntary agencies They are also going ahead. We have set a deadline the date from which adult education programme will start, and that is 2nd October, 1978 the birthday of Mahatma Gandhi From that date on wards we will start this massive adult education programme

Members I find that many hon have referred to vocationalisation of education and have shown great con cern about vocational Under the 10+2 system, at the plus 2 level there is provision for vocational education But we find from expersence that it has not been attrac tive to the students In West Bengal, while 66 000 students went in for the general stream, only 2000 and odd went in for the vocational stream In Delhi proper, as far as I remember only 700 came in for vocational stream whereas near about 35 000 went for the academic stream There may be certain maccuracy in figures but that is the difference that we found

So, I me; a large number of representatives of teachers and principals of schools from different parly of the country and an consultation with them I set up another committee with Dr. Malcolm Adiseshanah, Vice Charcellor of Madray University, as Chair man for the purpose of looking into this vocational pattern. They have submitted a report. Now it will be one integrated course with regard to work experience, it will be something we have designated as socially useful productive work—an expression.

which was very dear to Mahatma Gandhi himself. From him this tdea has been adopted.

Both the Patel Committee and the Adiseshalah Committee have given us some suggestions and we have tried to integrate this work content into education, so that, along with various academic studies children from class one, the lowest class, onwards will spend about 20 per cent of their time. and as they grow up, 15 per cent of their school time, on socially useful productive work. Even when they go to the vocational stage, there will not be any alienation in their mind from working with the hand.

What happens today? As some of the hon. Members have pointed out, there is today alientation in this field because one who sets some amount of education does not find it within his dignity to do manual work. As one hon, Member pointed out vesterday, children are sent to school in the rural areas have often become a loss to the family altogether because they have lost all contact with working with hands. So, we have said that from the first class onwards this must be made compulsory. Not only that Credit should be given for the purpose, so that children may get some special incentive in this matter.

We have set up special groups for the purpose of going into the details of this work content which will be socially useful. You can very well see that it is not a very easy task because India is a vast country and the pictions are different. There is one sort of problem in the rural areas, another sort of problem in the urban atca. So, we have to find out what type of work will be suitable and related to the needs of the society in the different parts of the country.

the children towards this may changed, so that they may be directed to socially useful productive work.

If we can do that, we may not cortainly realise the whole objective of Mahatma Gandhi's policy of education, the mori taleem, but at least we can have some part of it injected into the present academic-oriented system of education.

Then I come to the structure itself. As I have already indicated .secondary education or primary education has to be sludied from two anglesone is the content of education, and the other is the structure of education. So far as the content of education is concerned. I have already maicated to you briefly how we have attacked the existing pattern and the existing system. We are going to make it successful, so that we will find after some time that alienation is gone, that a rural bias is properly injected into this and even in the field of adult education, so that those who are working actually in the field or the factory may get some education which may be related to the work they are doing. I can tell you how we are trying to integrate oducation in this field.

Only the other day I had a discussion with my esteemed colleague, the Labour Minister here. He has got a number of institutions where he is giving workers education. He has got about 60,000 worker-teachers.. Werkers belong to the organised sector, Sa, if this workers' education can be linked with adult education, then, while the workers are doing their work and trying to understand the problems relating to trade unions and other matfers, they will also get the bestr inc. racy which will be useful to them and which will make them better topt? of workers.

# [Dr Pratap Chandra Chunder]

parts I have submitted to him that when we vill be starting this adult education work in the rural areas, this should be linked up with the development works which are going on under the rural extension work so that education and development should go together and the people who will learn 3-Rs must know that it is not simply book knowledge that they are taking but they are at the same time, getting hetter skill In that manner, integrated approach towards education may be imparted. This is the new type of approach Therefore I do not know whether this House will agree that there is a significant change in our approach, in our policies Now the question is how are we going to succeed? We can succeed only it all the sections of the House have some good will for us good wishes for us and also they help us in implementing the programme through their personal efforts and also carrying the message that we are trying to introduce to the distant places from where they come Otherwise I am quite sure this massive programme cannot succeed simply by the efforts made by the Government In this way, we are making a change in the contents or education

As regards structure, there is great deal of confusion created be cause of this debate of 10+2 and 8+4 pattern. I do not think, that this structure itself is so important I do not know why so much is being made of this in the mind of some of our friends and also in the press. One agreement is there that the school education should be 12 years because if we add up 10+2, it means 12 and 8+4 also means 12. Therefore, total school education according to the pattern will be 12 years Now the question is where we have a hreak in this 12 years period. Will there be a break at the level of 8? There is some virtue in this hreak hecause we have -the constitutional responsibility of imparting education upto 14 years and that must be free and compulsory That terminates at the end of eighth class Then there will be secondary education for four classes But we lakh of middle schools between 6 to adequate for this purpose Roughly speaking, we have nearabout five lakh of primary schools in the country one lakh of raiddle schools between 6 to 8 about 40 000 secondary schools up to tenth level and about 10 000 at the level of 12 Therefore, if we try to raise all these overnight to 12, it may not be possible for us to do all there things However, the matter is still under consideration Many of the Members asked me to give a clearcut verdict in this matter. But how can I do so because this is a matter which will have to be taken up with the State Governments. If we decide something and try to impose this from the top, without consulting the State Governments, then there will be total upset in the field of education as the previous Government did because they imparted 1+2 system without taking into consideration the views of the State Governments Therefore, I have proposed to call a meeting of the State Governments this year also after our new draft national policy on education will be comp lete I have already indicated how piecemeal we are going to introduce these changes But I do not want to place hefore this House all these piecemeal changes now We want a comprehensive national policy on education so that the 1968 policy should be reviewed and the new picture will be clear before you. For this purpose instead of setting up a hig committee like the previous one, I have heen consulting some of the topmost educationists in our country I can say -here there is no secrecy about this I have heen consulting Dr D S Kothari, himself who was the Chairman of the celebrated Kothari Commassion, Dr Prem Kirpal who was one of the leading members of the Kothari Commission and other edu cationists and we are having exercises for bringing out a national policy on education. After we have got piecemeal changes examined, this will be ready.

15.12 hrs.

345

[SHRI RAM MURTI in the Chair]

थीराम अवर्षेश सिंहः पब्लिक स्कूलीं को खत्म करने के बें.रे में है या नहीं ?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: Actually, we are having a discussion and, I think, it will be ready within a short while. If it is not possible to place it before Parliament during this session, certainly, it will be placed during the next session of Parliament. We will try to invite the Education Ministers of different States so that the draft policy will be produced before them and, ultimately, the clearer picture will finally come out. But, in the meantime, as I have said already even at the State level, a large part of four policy has been accepted and therefore, the structure need not stand in the way of change.

Coming to higher education, many of the hon. Menthers have indicated the futility of higher education. I do not think that higher education is futile. We need engineers; we need doctors; we need scientists and we need personnel to man our different services. Therefore, we need a very good system of higher education. If higher education, at this stage, defective, these defects should be removed. We are allocating less funds for higher education. That does not mean that this will take away the scope of higher education. We may not go in for new universities, new colleges, new buildings, new library structures and so on. But we would like to give more attention to the quality of education which is impart-1 ed at higher education level.

Just as in the case of secondary education, I have consulted the representatives from the States in the field of higher education. The University in consultation Grants Commission with our respected Prime Minister and myself, have formulated a certain scheme. This scheme was placed before the Vice-Chancellors of different States. The Association of Indian Universities consisting of Vice-Chancellors had a meeting at Rajkot whichwas attended by our respected Prime Minister and myself, All the Vice-Chancellors discussed the scheme which had been put-forth by the U.G.C. and, by and large, they have agreed to this scheme. Therefore, here also we can say that there is a broad consensee in respect of higher education and it will be for us now to insert it in the structure of the new policy on education.

It will, therefore, be seen that we have not been sitting idle. There is a fundamental change in our approach. We are trying to implement this, not simply making declarations from the house-top making tall claims, but silently, at the same time, with sure steps we are trying to go ahead and we are trying to take the entire country with us, particularly, at the State level because we know, for certain that if we cannot take the States with us, it will not be possible to impose anything from the top.

Similarly, in the field of technical education, we had a working group and this working group had looked into the man-power planning and other requirements in the coming few years. Considering all these aspects, the working group has suggested a large number of steps to be taken for improving the content and the quality of technical education. The All-India Council of Technical Education which consists of the representatives of industries the State Covernments and the Central Government have also come to a conclusion which will be implemented and will also form a part of the new national policy on education. In this way, you will see that we are trying to undertake some basic changes in the matter of our education. The main emphasis is on education in the rural areas, on broad-basing our education. and on the removal of illiteracy.

[Dr Pratap Chandra Chunder]

Now, I would like to say something about some of the specific questions which were raised during the debate. The hon Member, Shn Sunna Sahib said yesterday that we are neg'ecting sports and in that connection, he pointed out that when Mr Michael Fereira became the World billiard Champion, we have not recognised his ment and that we have not given him any help at all when he went outside

I have a paper cutting that this statement has been taken up hy one newspaper and it has said that we have not done anything But for his information-he is not present here todaythrough you I can say that as soon as I got this very pleasant news I sent a telex message to our Indian High Commissioner in Canberra requesting our High Commissioner to convey hearty congratulations on behalf of our Government Our Prime Minister also made a public statement about that welcoming this success. Apart from that his visit was wholly financed by us So far as travelling expenses are concerned not only this gentleman hut there was another billiards player, Mr S A Aleem for them we have funded cent per cent air passage to that place Therefore it is wrong to say that we have done nothing

Similarly our respected lady Member, Shrimati Parvati Devi spoke about schools of Buddhist philosophy in Leh. I have already met a deputation which she led and we know the problems There is a gentleman who is there in the acting capacity as Principal, That is not now but since 1953 Now I have assured her that this gentleman will be replaced by one who will hold this post permanently For that purpose, because it is somewhat of a technical nature I mean the instruction which is given there we have to consult the nroper parties so that We can get a good person because not anybody and everybody can know Tibetan study and matters concerning lamaism. Therefore we have taken some time and we will certainly look into the matter. as I have already assured her in this matter

Our good friend Shri Barrow to whom I am deeply grateful because he has spent a large part of his time as member of this Patel Committee and also the Adiseshiah Committee; and he has helped us in formulating our new policy in the field of education of this secondary stage and also at the primary stage, he has referred to one important question about these public schools and minorities schools Many of the hon Members have also indicated that the public schools must go There cannot be two opinions about the idea that there should be one type of education throughout the country But how are we going to effect it? That is the major problem I have said, even now, there are 27,000 primary schools which are sitting under the trees

One of the hop Members I believe. Dr Ramji Singh pointed out that in Bihar there are many schools which have walls only but no roofs This is the position. But we want equality But what type of equality even in material sense are we providing? We are not able to provide that till we say that we have to bring up the 'evel of education at the school stage to the best of our abilty Therefore, we have undertaken this programme for education at the adult level and also at the school level But the point is that the question of these public schools was specifically taken up It was also decided by our Party and we have consulted the 'aw Ministry by whose ad vice we have to be guided and they have pointed out that under Article 30 of our Constitution-as the hon Member Mr Barrow also referred to this Article yesterday-we cannot touch the schools which are established and administered by minorities both linguistic and relgious, it is not simply religious minorities but also linguistic minorthes. Supposing there is a Tamil school in Delhi, now we cannot touch that school because it is a linguistic

minority school. If they set up a school which they call a public school here, the advice has been that we cannot touch that in accordance with our Constitution. So, that is the position,

श्री चन्द्रशेखर सिंह : इस आर्टिकल को निकाल देना चाहिए ।

भी उप्रसेन (देवरिया) : इस आर्टिकल को तोड़ दीजिए । पब्लिक स्कूल बनने ही नहीं चाहिएं।

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: I have no objection if the hon. Members can amend Article 30 to take away the rights of the minorities But the alternative was guggested.....

#### (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: There is no point of order when he is speaking. Please sit down.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: Another alternative was suggested by the hon. Members yesterday.

श्री धप्रसेन : दो तरह की मादरी जनान में प्राहमरी शिक्ता है रहे हैं। इस तरह से देश का महीं सकता है। तब तक नहीं बन सकता जब तक इन परिलक स्तूर्य को तोड़ा नहीं आपना।

भी राम अवश्रेस तिहु : मेरा प्यादेट भा सारेर है । मंत्री जी ने तिनिविद्यक भारतीरिद्योक समाव हम में बोह्र दिया है । जहां बढ़े सोगों के सीजिस्टिकेटक जोगों के बच्चे पहुते हैं छनहो सीहने की बात हम बहुते हैं। तिनियरिद्य या रिकिक्स माहनीरिद्यो होश जो स्कूल स्वाह्य आ रहे हैं उनको बोहने की बात नहीं कहते हैं । सीब्रह्मन की 30मीं धारा अपर वासा बालती है वो उसको हहती के लिए आप प्रस्ताव लाएँ, हम लोग उसको ।

समापति महोदय : यह कोई प्वाइंट फ ब्राउंर नहीं है । DR. PRATTAP CHANDRA CHUNDER: As I have been saying we had given full consideration to this matter. It was discussed at the highest level. We are alt with the Members that there should be one type of education as far as possible. But at the same time the Constitution has guaranteed the right to minorities, both linguistic and religious, to have educational institutions of their choice. The Law Ministry says that, if public schools are run by minorities, whether linguistic or religious we cannot touch them. The Law Ministry has also pointed out.....

SHRI VASANT SATHE (Akola): I will tell you the legal position. The legal position is that the minorities can run schools for themselves. Nobody is against that. For instance, the Christian minorities have the right to run a school of their own. But what is happening is that, whereas they run a school in the name of minorities, the majority of the students the whelming majority of the students, are from the rich people, the upper classes, who convert that into a public school. That is where the real problem comes. have a school for them-Let them selves. Who stops them?

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री (रीवा): मंत्री महोदय ने कहा है कि लिखिस्टिक माइनीरिटीज या रिलिजस भाइनीरिटीज जो स्कूल चलाती हैं संविधान के म्ताविक हम उनको छू नहीं सकते हैं । लेकिन इनको यही लोग नहीं चलाते हैं। आप सिधिया पब्लिक रुकुल को लें। यह खालियर में है। इसको माइनोरिटी वा रिलिजस कम्युनिटी नहीं चला रही है। इसी तरह से और भी स्कूल हैं। सदाल यह है कि इन में कौन लोग पढ़ने जाते हैं। यहां किस तरह की और किस भाषा में जिला दी जाती है। वड़े-वड़े लोगों के वच्चे इन में पढ़ते हैं। अंग्रेजी माध्यम से यहां जिला दी जाती है । बड़ी-बड़ी फीसें ली जाती हैं । यही लोग जिक्षा ग्रहण करके आई ए एस ग्रादिः अखिल भारतीय सेवाओं में ग्रा पाते हैं श्रीर जो दूसरे प्राइमरी स्कूलों में बच्चे पढ़ते

[थी यमन प्रभाद शास्त्री]

हैं वे नहीं स्ना पाने हैं। वे पोछे रह जाते हैं। इनको तो ऋष बन्द कर ही सकते हैं।

SHRI A. E. T. BARROW (Nominaled-Anglo-Indians). I would say, with all due respect that Mr. Sathe s interpretation is not the interpretation given by the courts. Article 25 of the Ruman Rights has been quoted in the Bombay School s case and it has been confirmed in the Supreme Court that the parents bave a right to choose the type of education which they want to give to their children.

SHRI VASANT SATHE Who is against that?

SHRI A. E. T BARROW If the parents want to send their children to an institution of their choice the police power of the State must give way to the right of the parents

डां गुर्गीका साथर प्रगर पेरेन्ट्स घपने खर्चे से प्रगत बन्दों ने नित्ते म्हल बता बर जननो तिहार देंगे हैं ने दिन्द सिर्धानर से सरनार जनत यह छोन सन्ती है ? दिन प्रनार मनदूर भर सन्ती है कि परना घपी भरके प्रगात द्वूटर रच बर बन्दों नो पिता न दें? जो पिन्तन क्टून है पोर सरनार से पैसा नहीं मेंने हैं याने धर्चे से ही जननो चलाने है जनम प्रार काई कीस न देनी हो बी प्रपोद करनी जो ने किंदें

(व्यवद्यान)

एक माननीय सदस्य यह स्वृत है या दवानें है ?

(व्यवपान)

सभापति महोदय अत्र आप बैठ अर्थे । यह गनद्व बात है उनका अपनी बात कर्ने दीतिये। आप कृपमा बैठें मझी जो वा भाषण मुनें।

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER I may assure Hon. Members including Mr Barrow that they need not have any fear that the rights of the minoraties will not be protected. They will certainly be protected.

SHRI VASANT SATHE You first create conditions of inequality and then try to justify the inequalities

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER Regarding the specual cases they have raised about Delhi schools, I have made enquiries and I am told that the Delhi Administration is prepared to look into the matters without causing any harassment if the House devires that there should be some method whereby uniformity can be enforced, certsinly I shall be very much happy to look into the matter

Now the question arose about various problems of languages It has been indicated that instruction must be through the mother-tongue So far as instruction at the primary level is concerned, in the Constitution it is providby and large, instruction ed that, should he provided through the mother-tongue Now unfortunately 12 India we have a large number of mother-tongue The position is thataccording to the last census of 1971there are 1652 languages and dialects (which are like languages) So, in such cases it is rather difficult to have instruction through the mother-tongue at all stages However, this Government is always trying to help the development of different languages-not only the major languages which have been recogniced under the Constitution but other languages also There is an Institute set up by this Government which is trying to give help in the development of languages Where there is no script of a particular language we are trying to provide the Devnagari script. With the help of the Devnigari script the people can have written languages research is going on in this regard

Then, again for the purpose of writing of hooks also, as I had told the House earlier, Rs 1 crore each has been provided to the State Governments for the purpose of writing box ks in various languages at the collect level and

near-about 4,000 books have already come out under the scheme. The position is that, so far as primary education is concerned, we are committed to giving instruction through the medium of mother-tongue as far as possible. I am qualifying my statement with the expression 'as far as possible' because, as I have said there are so many languages and sometimes there may be difficulty in having any written language or text-books.

So far as the secondary school is concerned, in many places, some of the other languages are also taken upfor instance, the "Boro" language. I was told by the Hon. Member Shri Nazzary that at the secondary stage they have having this language. But when we come to the secondary stage, generally the regional language spensibly the regional language between the regional language see not the regional language—because, as I have said, all the languages are not properly developed for the purpose of giving instruction at the higher stage.

So far as the Universities are corcerned, the present policy of the Government, by and large, is to encourace
histractions through the regional languages, as far as possible. That is
why, the text-books at the college level
are being prepared and more than 1,000
such text-books have come. There are
many Universities now, where many
subjects are being taught through regional languages, but in respect of
science and technology, gradually, new
books are coming... (Interruptions)
This is what is being done. This is
how, we are trying to do this.

## श्री चन्द्रशेखर सिंह (वराणसी) : जापान ने कैसे बदल दिया था ?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER; I do not know how the host Member, Shri Chandra Shekhar Singh, speaks of Japan. There is only one major language, the Japanese language, but here We have 1600 languages and dialects. When they bring in comparison with other countries, they should also have the difference in view. I have met the Minister from Cuba and I nasked him how they could effect this miracle that within a short time, they could make most of their people literate. He said that they had a very great advantage, because they have got only one language, the Spanish language, whereas in our country we are faring this difficulty. Even then, we can say that this matter is still under consideration.

I would like to point out for the information of the hon. Member, Shri-Chandra Shekhar Singh that the plan which has been sent by respected Jayaparkseh Narayanji, 'education for our people' in that the three-language formula which this Government has been encouraging has been recommended and also been suggested for approval. I am reading only an extract from this:

> "(i) All elementary education should be given in mothertongue of the child.

(ii) At the secondary stage threelanguage formula should be adopted. In the non-Hindl areas, the formula is obvious mother-tongue, English and Hindl and in Hindl areas, the official policy is that it should be mother-tongue English and other Indian language....

There is hardly any viable alternative to this and it will have to be implemented in spite of the difficulties involved. In this, the responsibility of Hindi areas is greater."

Now this has been recommended in the scheme which has been forwarded to me by Shri Jayaparkash Narayanji. That is the position.... (Interruptions) The present policy of the Government is also to develop all these languages.

With regard to sports, this Government is very conscious that sports should be encouraged. It is true that [Dr Pratap Chandra Chunder]

355

it is not possible for the Central Government to provide adequate funds because under the Constitution, sports is still a State subject, but still we have provided funds. We have set up some training institutes at Patiala. Gwalior and other places and we are trying to help the State Governments to have play-grounds and to have various training camps and rural sports. We want to bave a new sports policy so that the rural sports and other sports specially Indian type of sports could be encouraged. Our idea is not to concentrate only on competitions or international competitions but make sports and games part of our life so that we have broad-hased sports in this country

In this connection, in reply to what Shri Malhotra has pointed out on the last occasion I say that although we want to spread our sports activities in the length and breadth of the country and want to encourage sports and also competitive sports, we have decided not to hold the Asian Games in 1982 here When the question of holding the Asian Games was brought before the previous Cabinet that Cabinet did not give a final decision on the point and they had taken a very restricted decision by saying that an offer may be made to the international body for holding Asian Games in 1982 but for financial and other reasons this may be withdrawn. At that time, it was suggested that expenses will be only Rs. ten crores but when a Committee was set up it was found that Rs. 80 crores will be necessary for the purpose of holding Asian Games. As soon as I took over charge I set up another Committee as I wanted to see if we could drastically cut the involvement of money in this regard. In spite of best efforts, this new Committee could not reduce the expenses below Rs. forty crores

In addition for the purposes of construction of buildings, tracks and other structures we will require about Rs 10 crores more Now, in a poor country like ours where we cannot find money to build our schools and pay our teachers adequately, we cannot have the luxury of spending Rs. 50 crores for the satisfaction of holding an Asian Games for one month or so Therefore, we have decided that it is not possible to hold the Asian Games and that we would communicate our decision to the international hodes

Sir, my time is almost over and I do want to take any more time I have already indicated our educational policy I suggest that if anything has been left out

SHRI VASANT SATHE What about Academies? Culture also comes under you You have not touched that

श्री क्षोम प्रकाश त्यापी (बहराडच) प्राचीत इतिहाम हे मध्यन्य में प्रापने जवाव नहीं दिया। श्रापों ने मध्यन्य में दुस्तकों में को सतत वार्त कहीं नहीं है उसके राम्बन्ध में साथ क्या कर रहे हैं?

DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER About the history books have told that we have sent them for the opinion of the experts in the line because there has been a lot of opposition from the other side of the House and also in the public that we should not interfere with the writing of books So we could not take the responsibility on ourselves awaiting the decision of the experts and when they send their opinions, we shall certainly take a decision Meanwhile, I can tell you the whole textbook pattern is going to be changed and very soon ne will have a new text book series As I have already told you earlier, the secondary educational pattern is going to be changed and along with that this text book along with other text books will go

About culture we are certainly keen to implement whatever we can do I fully agree with the hon Member, Shri Sathe that things should be improved

at the academies' level and we are trying to do that. We have got new Chairmen for two of these Academies and the problems concerning culture

Similarly, in the matter of helping the various dance troupes and others we are taking steps.

were being taken up.

One matter I have left out and that Mr. Sathe has pointed out. That is about prohibition. This is a very important matter. Prohibition is a matter which should not be trifled with and we should look at this from a proper angle.....

SHRI VASANT SATHE: There I agree.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: This is again one of the Directive Principles which we have adopted in our Constitution. Then, Sir. it is not a fad of our Prime Minister... I am emphasizing this—as many people and particularly many journalists, are trying to paint. Here again I had called a meeting of all the Ministers concerned from all the States and Ministers representing the Congress Party, the National Conference, Marxists, Janata-all have come and they have unanimously decided that probibition should be implemented within four years in a phased manner and the economic side also should be considered....

SHRI VASANT SATHE: This is hypocrisy.

"DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: This Government has accepted that policy because of this national consensus—I repeat this, this is the national consensus—and even Mr. Sathe's party has accepted this point. Representatives from Maharashtra have come....

SHRI VASANT SATHE: Not as a fad. You cannot impose.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: ...and others also have come and they have accepted the prohibition policy. Certainly I can say that prohibition has succeeded in Gujarat, it has succeeded in Tamil Nadu and it is going to succeed throughout India. That is a fact and that is going to happen.

I request that the Demands for Grants that are placed before the House may be passed,

श्री रूपनाथ सिंह यादव : समापति महोदब, कल में ने एक बुनियादो नवाल उठाया था जिसको मन्त्री जो ने छोड़ दिया है। कल में ने कहा था कि सरकार ने जनता पार्टी के मैनिफेस्टो केमताबिक पिछडे वर्गों के उत्यान के लिए काका कालेंलकर आयोग की रिपोर्ट को सामु करने का वायदा किया था लेकिन एक साल हो गया, उसको लागू मही किया है । उस रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा संस्थाओं में तया सरकारी नौकरियों में अनुच्छेद 15(4) र्जार 16(4) के अधीन 25 से 33 परसेंट तक स्थान मुरक्षित करने का प्राविजन है। लेकिन यह मैंनेडेटरी प्राविजन होते हुए भी ग्रभी तक उसको लागुनहीं किया गया है। में चाहता है संत्री जी इसका डेफनिट जवाब ĉί

DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER: I have already said that we are broad-basing education and I have repeatedly said in the course of my speech that we are trying to help the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in the field of education, Even in the field of higher education, particularly in LIT, there have been cases where the Scheduled Caste students could not get promotion, we have said that there will be special coaching for them and they have been given promotion. Therefore, I can assure the hon, member that certainly we are very much conscious of that and when we are changing the education policy, certainly the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes will be in the fore front. (Interruptions)

[Mr Chairman]

MR CHAIRMAN flar long will you do it प्रगर इम बरह में मंब लाग एव-एक मिनर चेंग ना रूमरी दिमाण्ड पुट नही हो संबंगी । इस महालय की डिमान्डम व लिय टाइम फिल्म्ड है इस बक्त टाइम बानी नही (इपवधान) 8 1

Time at our disposal is limited.

I take up cut motions Shri P Rajagopal Naidu do you want it to be put to the tote of the House or are you withdrawing?

SHRI RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor) I am not withdrawing I want it to be put to the vote of the nouse

SHRI VASANT SATHE He does not want division

MR CHAIRMAN What about Prof Shibban Lat Saksens and Shri

AET Barrow?

No of

PROF SHIBBAN LAL SAKSENA I want to withdraw

SHRI AET BARROW I withdraw

Name of Demand

MR CHAIRMAN Is it the pleasure of the House that the hon Members Shri Subban Lel Saksena and Shri A. E T Barrow be allowed to withdraw their cut motions?

SEVERAL HON MEMBERS Yes

Cut motions Nos 5 to 10 and 60 to 62 mere his leave withdrawn

MR CHAIRMAN I shall now put the cut motions moved by Shri Raja gopal Naidu to the vote of the House. Cut mations has 1 to 4 12 to 25 and 39 to 49 were put and negatived

MR CHAIRMAN The question p

That the respective sums not ex ceeding the amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President out of the Consolidated Fund of India to complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March 1979 in respect of heads of demands entered in the second column thereof against Demands Nos 25 to 27 relating to the Ministry of Education and Social Welfare"

The motion was adopted

Derivate for Grants 1978-79 in sespect of the Minister of Education and Social Welfare would be Let Sable

Amount of Demand for Grant Amount of Demand for Grant Demand on account voted by the House voted by the House ca 16-3 1978 2 3 Revenue Cap tal Revenue Cap tak Ŕ. R. R. R. TION AND SOCIAL WEEFARE Department of Education 23 31 000 1 45 56 000 26 Education 36 35 <u>59,</u>000 18 33 000 181 82 97 000 ot 63 000 Department of Social Welfare £ 14 73 000 20 74 68 cm

збя

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue Account shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President out of the Consolidated Fund of India to complete the sums necessary to defray the char-

ges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1979, in respect of the heads of demands entered in the second column thereof against Demands Nos. 97 and 98 relating to the Department of Culture."

Demands for Grants 1978-79 in respect of the Department of Gultuse conted by Lol. Sables

| No. of<br>Demand | Name of Demand          | Amount of Demand for Grant<br>on account voted by the House<br>on 16-3-1978 |         | Amount of Demand for Gran<br>voted by the House |         |
|------------------|-------------------------|---|---------|---|---------|
| 1                | 2                       | 3   |         |   |         |
|                  |                         | Revenue   | Capital | Revenue   | Capital |
|                  |                         | Rs.   | Rs.     | Rs,   | Rs.     |
| I                | DEPARTMENT OF GUI       | TURE  |         |   |         |
| 97               | Department of Culture . | 1,82,54,000   | ••      | 9,12,67,000                                     | ••      |
| . 8 <sub>c</sub> | Archaeology             | 1,19,99,000   | **      | 5,99,95,000                                     |         |

### 15.56 hrs. DEMANDS FOR GRANTS,\* 1978-79— Contd.

#### MINISTRY OF LABOUR

MR. CHAIRMAN: The House will now take up discussion and voting on Demand Nos. 65 and 66 relating to the Ministry of Labour for which 6 hours have been allotted.

Hon, Members whose cut motions to the Demonds for Grants have been circulated may, it they desire to move their cut motions, send slips to the Table within 15 minutes indicating the serial numbers of the cut motions they would like to move.

## Motion moved:

"That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President out of the Consolidated Fund of India to complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1979, in respect of heads of demands entered in the second column thereof against Demands Nos 65 and 56 relating to the Ministry of Labout."

<sup>\*</sup>Moved with the recommendation of the President.

submitted to the vote of

the House

on account voted by the House

on 16-3 1978

Name of Demand

No of

Demand

Demands for Grants 1978 79 in respect of the Missistry of Labour redmitted to the vote of Lok Sabha

| 1  | 2                     | 3            |          | 4            |         |
|----|-----------------------|--------------|----------|--------------|---------|
|    |                       | Revenue      | Capital  | Revenue      | Capital |
|    |                       | Rs           | Rs.      | Ra           | Ra.     |
|    | MINISTRY OF LABOUR    | Ł            |          |              |         |
| 65 | Minutry of Labour     | 13 68,00     | ••       | 63,39 000    |         |
| 66 | Labour and Employment | 11 50 66,000 | 2,50 000 | 57,53,33,000 | 8 00,00 |

MR. CHAIRMAN Now, Shri Vasant Sathe

SHRI VASANT SATHE (Akola) Mr Chaurman Sir, I are printleged to participate in the discussion on the Demands for Grants for Labour, the Ministry of my very good friend the hon Labour Minister, Shri Ravindra Varma because while participating in these demands we are on some common ground, and that common ground may lead us to the field of industrial relations

We must appreciate in this country that the first and foremost consideration in the field of industrial relations is that there must be harmony between labour and management and industry Sir it does not pay anyone whichever party there may be have any breach of peace any industrial unrest because as a result of this there will be loss of work loss of mandays loss of production and in totality loss to the country Therefore when I approach this question, I am approaching it from a national angle Let us take stock, instead of living in some cuphoria I know the moment I say something critical, the other side asks the question what about those nineteen months I would therefore only beg of my friends on the other side to look at the question not from any partisan angle Let us see what happened in respect of mandays lost, in respect of strikes, in the year 1978-77

Amount of Demand for Grant Amount of Demand for Grant

Sir, the Report which was presented by my hon friend shows that while the number of strikes and lockouts was 1, 56 in 1976-77, this number increased to 2 553 just in one year

थी मनोहर साल (शानपुर) यह सब धाप साबो की वजह से हैं।

SHRI VASANT SATHE Sir let us not go into the point who did it and so on because that will not help us. 1600 brs

As a matter of fact, the workers involved last year were 668,852. But in the year preceding, it went up to 1876710 workers three times more The mandays lost were 1,14 77 549 in 1976 77 but in 1977-78, it went up to 2 12 14 281 This is the picture the nation benefited by this? Obviously everyone will say that this is not a destrable thing Who is responsible? Let us search our hearts If you sow the wind, you are bound to reap the whirlwind The workers are couraged to have their demands met by gheraos by strikes etc in essential services like the Railways paralysing the key sectors of our economy Merely because there is change now and somebody else has come to power, the workers' attitude will not change overnight,

श्री यमना प्रसाद यादव (रीवा) : क्या ग्राप चाहते हैं हड़ताल का ग्रिविकार छीन लिया जाये ?

Shri VASANT SATHE: विलक्ल नहीं। शास्त्री जी जरा मुझे सुनिये। मेंने मजदूरों के बीच में अपनी जिन्दगी . वितायी हैं। मजदूरों के श्रधिकारको में कभी नहीं छिनने दुंगा।

Sir, I am pleading that we must create conditions whereby it will not be necessary for the workers to go on strike.

How will those conditions be created? My hon, friend, Shri Ravindra Varma and so many others on treasury benches have spent their lives in the trade union movement. So have I. The only way to stop this is to create a sense of belonging and confidence among the employees. If they feel that the industry belongs to them and they belong to industry, then what for is the strike strike against whom?

Therefore, the primary necessity, the basic necessity, is this. We have been paying uptill now only lip sympathy on workers' participation in management at all levels all these years irrespective of whichever Government there was. I had been critical even of the previous Government as I am today.

श्री मनोहर लाल : संभापति महोदय, यदि आप इजाजत दें तो इस इनसे एक वलेरिफिकेशन ले लें।

MR. CHAIRMAN: He is in possession of the House. Let him so on-

SHRI VASANT SATHE: So, Sir the first and foremost thing to do is this. There is also a mention about a Committee which had been set up on the Workers' participation. It has given its report and it is under considera-

tion. But, I would like the hon. Minister to take in all seriousness the question of workers' participation whether it be in the public sector or in the private sector. It must be made mandatory under the law. Please keep this as a key factor in the new comprehensive legislation that you are bringing forward here. There should be workers' representative in the Board of Directors. I suggest this-I have in fact suggested this in paper to the Planning Commissionthat you remodel the entire managerial structure on the basis of 1/3ratio-one-third on the Board Management from employees' representatives, one-third from the entrepreneur or the investor and the onethird from the financial institutions, As you know most of the financial institutions are public financial institutions of Government, There should be onethird workers' representatives elected directly by the workers. But, do not bring in the trade unionism at all there. If we believe in the theory of one industry, one union, then the only way to achieve it, is to allow all the workers directly to elect their representatives on the boards of management. As I said it should not be a show. Don't take one man and put him on the Board of Directors and say that there is workers' participation. That will be a mere eye-wash. On the other hand it will create frustration. Effective management particlpation must be there and that must be from the floor level to the top board level. Sir, what happens is in all these disputes-wage disputes. bonus disputes, etc .- the workers are always doubtful of the real balancesheets ur real profits shown by the management. This has been experienced by us who have been practising. Balance-sheets can be manipulated from production level to the end-product level. If they have their men in the management who have a stake in the results then the workers will know that this is the exact result of their endeavour and effort. Then you can evolve a system of automatic

sharing in the end result.

## [Shri Vasant Sathe]

367

Sir because they will be themselves in the management they would never want to go on strike against themselves This is the only solution There is no other solution Any halfhearted approach of merely providing industrial adjudicating machinery is no solution

DG. 1978-79

Having said this I come to the question-all the same-of the industrial legislation. All those who have been working in this field, we have experienced that the most important thing in industrial legislation that hurts the employees and that has been hurting the employees is the delay which is caused in settling disputes. Whatever the machinery that you have provided no dispute gets settled below some years I gave you the example of a student some time back. There was a wage dispute which had been going on for 16 years and ultimately in the Supreme Court the matters get re-manded. That again takes another ten years What do you expect the workers to do? One generation is gone by Who is to get the benefit of the wage fixation The Industrial Law is absurd Let us take the concept of minimum wage The Supreme Court in a series of decisions has decided that the concept of wage is divided into three categories-living wage fair wage and industrial minimum wage Having defined this under the Minimum Wages Act however we do not insist on the concept of industrial minimum wage being adhered to That concept is very simple. The wage must provide at least the minimum necessities of life and some modicum of comforts, education and health facilities Can anybody say this extra-ordinary? But having put that now you know fully well the system of working indexes and how dearness allowance is linked to the index You take a base year and whenever the index changes by 10 points or whatever the ratio you neutralise the rise by a certain increase in dearness allowance Obviously the concept is clear If what you

are giving is a minimum wage then there should not be an erosion in the minimum This is plain common sense because if with the rise in price the minimum wage is not protected unless there is a full neutralisation of the rise in price, then erosion will take place and when he gets it later on it will be even less than what his minimum wage would be Now, these things have been settled But have we incorporated this under the Minimum Wages Act? We have not Our Minimum Wages Act of 1948 still goes on with the old concept and there is no effort taken to neutralise or to protect the real wage of the employees Nowhere it is done under the Minimum Wages Act or by any other method Therefore while we are thinking of this comprehensive legislation, two or three things must be done

First is the definition of Industry Now, according to the latest decision of the Supreme Court-you have mentioned about the reversion to the Hospital Mazdoor Sabha Case-they have defined in a wider base the term 'Industry' What we want you actually to do is that instead of giving too much importance on the question of definition of industry, it must be an employer-employee relationship That is what is to be done Wherever 2 person may be employed and whoever may be his employer, he should be protected If this is the scope that you keep before you, then you will be able to cover practically all the employees wherever they are in our country So it must be an Employment Protection Act, Employment Relations Act instead of putting it under the Industrial Relation Act. Otherwise we get bogged down on the definition of Industry

Then the second thing is that you must come to the definition of workmen Now, you know even that definition is artificial and restricted and with the change in times those who have since been selling agents of Medical Companies are put out of the definition of workmen, merely because

the person crosses a certain amount of wage. Here comes the representative of the biggest employer ....

THE MINISTER OF STEEL, AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK); Like Mr. Saibe.

SHRI VASANT SATHE: ..and the terror of employees. Therefore, I would say that the definition of workmen also needs to be looked into.

Then another cause which contributes to the industrial dispute, as I said, is a wage linked with cost of Ulting Index, You must have a system where wages will find automatic escalation by way of time-scale as also by way of protection of the wage according to the rise in the number of cost of Iring Index. These two things are very essential.

Thirdly, in the matter of the disputes due to fixing up of the percentage of bonus, we must go by the concept of bonus being considered as a deferred wage. Suppose you have a revolutionary change. According to the concept of workers' participation and when they are themselves in the management and they know what the real profits are, a real profit sharing scheme could be introduced. But till now that is not done. I am glad and I congratulate you for having restored, although for one year, 8.33 per cent bonus. I hope you will come with a legislation, extending that legislation, not only for future years but for all other sectors. Why should it not be applied to Railwaymen and why should it not be applied to P & T employees? Why should it not apply to Defence workers? All of them must be covered, once we accept the principle. Therefore, I would beg of you to consider this factor also.

Another factor which is responsible for industrial disputes mornally is zemovals or dismissals. Some machinery must be evolved. A worker let us suppose, is dismissed or removed. The matter is taken to the court. The

labour court prime focie feels that there is a good case. If it is a hopeless case, if the employee has indulged in substage or done something like that, if the employee is undesirable, I can understand. Otherwise there must be provision that when the dispute is pending, the court may order that the employee must be taken back. What happens Ten years go by. I have experience of such cases. After ten years he is reinstated in service with full backwages. If the dismissal is wrongful the employer is required to pay for the period when the employee did not work. Heavens will not fall if the court says: keep him in serivce till I try and find out, take work from him and you pay him. Why should it be a matter of honour for the employer a prestige issue? Whether it is in the public sector or any other sector, it is not your private property or private business. Why should you think that heving the employee back in work is something insulting to you? It is a wrong approach. He could be teinstated pending a decision on the dispute.

I now come to the question of lay offs and lockouts. This is something which has hurt the working class and the employees too much. The law in regard to this question is defective. When there is lockout the employee is put on the street. There is no protection given to him; he is out of job. Must you oot protect his emoluments? In the same way I would beg of the Labour Minister to consider along with the Minister of Industries the ouestion of taking over the management of concerns when there is a lockout which is prima facie illegal and is meant only for furcing the employees. By a suitable law you must be able to order the employer to start the working of the factory immediately if it is a malafide lockout. That power is not there, I think, if you cannot do it, you must take those powers so that you can take over the management. To some extent you will have to amend the Industries Development and Regulation Act for that purpose ... (Interruptions).

#### [Shri Vasant Sathe]

371

The last point I want you to consider is about agricultural labour. That is one sector which has been completely neglected all these years. Let us not go into the question of apportioning blame. We have all to tackle these problems. Agricultural labour is scattered labour it is not possible to organise it because it is not employed by one particular person.

Now he can therefore he protected only by law and by ensuring him hat he is able to contribute to the work and protect his work Suppose you want to strictly implement the mini mum wage the danger of his losing the work is there. It must be linked and you must be able to protect that How is that to he done is again a matter for comprehensive study which has to be done and applied I do not helieve that normal concept of trade umonism can be applied to agricultural labour It will be disastrous for him Therefore the concept of cooperativeism collective effort and cooperative effort on the part of agricultural labour of both having the wherewithal, the inputs etc getting through them some such mechanism will have to be evolved. It is only that which will help the agricultural labour

Then I come to the question of em ployment That is another field ofter labour legislation which is under your charge I find that with all our talk about the people on the employment registers, we have not been able to go much in the field of employment This is a question which cannot be soived by the Labour Ministry alone It is an integrated question. Therefore it h s to be solved along with other Min.s tries by the Government and by he nat on as a whole if you ask me Un less you correlate the productive ac tivity in the rural areas in the decen trabsed small scale sector and other sectors you will not be able to ensure job to the unemployed Therefore I again emphasise that when you start industries agro-industries or small scale industries in the rural areas to provide employment to our millions of

people the first and foremost thing to do is to guarantee and protect not only the supply of raw material, but the marketing of the end products The main point is ensuring the marketing of the products If you cannot market the products of those persons who produce-out of sixty crores of people at least thirty crores being work worthy that is the amount of productive capa city in the country they can produce goods and goods are the real wealthwhere can these goods be sold? markets will be limited so long as you" economy is based on demand and supply concept of marketability and only the urban areas are the markets. There is hardly two crore population which has the purchasing power a small Japan within the country and you want all the goods to go to these metropolitan centres—this is a pos-Wall that help? Is it basis for them to sell these goods at all? So create purchasing poewr in the rural areas and see to it that there is no competition which will kill the product and the employment. The entire marketing activity in this country will have to be brought under one umbrella one national orga nisation. Unless that is done will not he able to ensure production and guarantee employment. Therefore I say that this is an integrated seriece and that this problem cannot be taken in isolation Sometimes I have a feeling that Lahour Department like Education Department is sidered a non priority department by the Government The most important departments like Steel and Finance Industry are with persons like Mr Buu Patnaik and labour-चिल्लान वाले लोग हैं छाड़ दो घोड़ा सा देरवीट बम को बिठा हो करता रहेगा ।

SHRI RAVINDRA VARMA Long and short of it

SHRI VASANT SATHE Long and short of it—you are right Long is Biju Pathaik and short yourself

I beg of you to consider this and persuade the Government to take this metter in all seriousness because the situation in the country is deteriorating. Let us not be completent, and once it goes down the slope, it gathers momentum, it will go out of hands, out of gear, and nobody will he able to control it, neither you nor any successor government that will come or whenever it comes. It will damage the whole nation.

With these words and with this warning I hope that the progressive Minister, Shri Ravindra Varma, will bc able to pursuade his colleagues to formulate a proper labour policy. What is bappening to that comprehensive labour legislation? We are still walting to see the light of that legislation. I hope he will bring it at least in this Session.

With these words, I thank you for the opportunity given to me.

PROF. SHIBBAN LAL SAKSENA (Maharajgani): I beg to move:-

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100."

[Injustice to organised sugar labour whose minimum wages are less than Rs. 300 per month for 6 months in the year when the minimum wages in Cement, Textile, Steel, Docks and other organised industries range from Rs. 406 to Rs. 600 per month for all the 12 months. (1)]

SHRI PURNANARAYAN SINHA (Texpur): I beg to move:

"That the demand under the head Labour and Employment' be reduced by Rs. 100."

Regional [Ineffectiveness of Labour Commissioners. (2)]

"That the demand under the head Labour and Employment be reduced by Rs. 100."

[Lack of welfare scheme for plantation workers of Assam, (3)]

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN (Coimbatore): I beg to move:

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100."

[Need to reorganise the workingof the Employment Exchanges and root our corrupt practices with the . help of workers' representatives. (4)]

"That the demand under the head-'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100,"

[Need to recover amounts due. from employers to the ESIC and take penal action against the offending employers. (5)]

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by, Rs. 100,"

[Need to ensure full implementation of the Equal Remuneration Act. (6)1

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100."

[Need to introduce legislation to guarantee unemployment allowance, (7)]

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by. Rs. 100."

[Need to bring all railway workers under the purview of the industrial Disputes Act. (8)]

"That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100."

[Delay in introducing a system. of recognition of Trade Unions bysecret ballot. (9)]

"That the demand under the head. 'Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100."

[Failure to recover dues Provident Fund Scheme from defaulting employers and institu[Smt Parvathi Krishnan]

375

(10)1

tion of penal action against them. That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced oy

Rs 100 [Failure to take urgent action

to introduce legislation as recommended unanimously by the covention of Trade Unions held in 1971 (11)1

That the demand under the head Ministry of Labour be reduced by Rs 100

[Failure to ensure minimum bonus of 833 per cent to all Central Government employees incluit ing railways (12)]

That the demand under the head Ministry of Labour be reduced by Rs 100

(Failure to restore 8.33 per cent bonus from the year 1975 (13)]

That the demand under the head Ministry of Labour he reduced by Rs 100

[Failure to intervene and initiate talks where strikes break out and leave workers to be blackmailed by employers both in public and private sector (14)1

That the demand under the head Ministry of Labour' he reduced by Rs 100

[Failure to improve ESI facil ties and further streamline the working of the ESIC (15)]

That the demand under the head Ministry of Labour be reduced by Rs 100

[Inordinate delays in clearing Provident Fund dues and need to streamline the organisation (16)]

That the demand under the head 'Ministry of Labour' he reduced by Rs 100

[Failure to ensure adequate housing under the Industrial Housing Scheme (17)]

That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced by Rs 100

[Failure to implement recom mendations of Mines Safety Con ferences (18)1

That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced by Rs 109"

fNeed to streamline the work of the Directorate of Mines Safety (19)1

That the demand under the head Labour and Employment be reduc-

ed by Rs 100" [Failure to ensure employment to workers of closed units in crgineering textile and jute industry

by Government takeover (20)] That the demand under the head Labour and Employment be reduc. ed by Rs 100 "

[Need for more vigorous a fion to eradicate bonded labour while ensuring protection and employ ment for such labour (21)]

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU

(Chittoor) I beg to move -That the demand under the head Ministry of Labour' he reduced b

Rs 100

[Failure to bring Labour Rela tions Bill soon (22)]

That the demand under the head 'Ministry of Labour' be reduced by Rs 100

[Failure to protect the labour from exploitation by the factory owners (23)]

That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced by Rs 100 '

[Fallure to implement labour laws effectively (24)]

That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced by Rs. 100"

378-

311

{Failure of the conciliation machinery in solving the industrial disputes and thereby avoid strikes. (25)}

"That the demand under the head Ministry of Labour' be reduced by Rs. 160."

(Pailure to make the factory owners to appear before the Corciliatory Officers along with the labourers. (26)]

"That the demand under the head Labour and employment be reduced by Rs. 180."

[Failure to provide houses to coal miners, (27)]

"That the demand under the head Labour and employment be reduced by Rs. 100."

[Failure to evaluate the employment exchanges, (28)]

"That the demand under the head 'Labour and employment' be reduced by Rs. 100."

[Failure to implement labour welfare measures. (29)]

"That the demand under the head 'Labour and employment' be reduced by Rs. 100."

[Failure to strengthen maintenance of labour statistics. (30)] "That the demand under the head

'Labour and employment' be reduced by Rs. 100."

(Failure to strengthen safety measures in mines, (31)]

श्रीमती श्राहित्या पी० पांगनेकर (बग्वर्ष चलर मत्य): सभापति महित्य, में सामके माध्यम से मंत्री महोद्य » निकंदन करता गाइती हूं कि हमारे देश में सेवर प्राक्तम का एण्ड पार्डर की प्रावस्य कर बंदे हैं। गिछने कुछ तथ्या से हमारे देश में कोई ऐसी स्टेट नहीं ग्लू गई है—बंदान और विपुरा को छोड़ कर ज्हींका या एक से गगहों को छोड़ कर—ज्दों वर्केंद के कार्र प्रधारण सुई ही गड़ा वर्केंद के कार्र प्रधारण सुई ही गड़ा वर्केंद की मौते नहीं हुई हों। पिछले दिनों में 100 से कपर वर्कन फार्यारंग से मर चने हैं, इतना वडा खिसन हमारे देल में इतने योडे समय में कभी नहीं हुआ-यह वात ध्यान में लानी बाहिये। इस प्रावलम को हमें वहत सीरि-यसनी देखना चाहिये। बुछ ऐसे लोग हैं जो वान बुझ कर इंसको ला एण्ड-आर्डर की प्रावसम बनाना चाहते हैं, इससे पूरे देश का रात्यानाम हो जायगा। ये जितनी फार्याराज हुई है, इसमें मेजोरिटी केसेंज में मजदूरों का कसूर नहीं था। इसमें ज्यादा कसूर उनका है जिन्होंने नेगोसियेशन से इसकी साहत करने की कोजिय गहीं की, बल्कि पुलिस का इस्तेमाल किया। हर स्टेट में ऐसा हो रहा है, इस लिये केन्द्रीय सरकार को इसमें दबस देना चाहिये।

कुछ लोगों ने कहा है कि मजदूर मगीनरी तीड़ रहे हैं-सभापति महोदय-इन बाती में ज्यादा श्रवचाई नहीं है ! इस दक्त जो हों रहा है-वह यह है कि मजबूर मांग कर रहे हैं, लेकिन आज कल जो मैनेजमेन्ट हैं, यह कुछ ज्यादा जीरदार वन गया है, जनकी सर्फ से मजदूरों के उत्पर ज्यादा हमते चालू है। हमारे साठे साहब ने अभी कहा कि "मैन-डेच लास्ट"। लेकिन सरकार की रिपोर्ट और लेवर कमिल्मर की रिपोर्ट यह कहती है कि जो मैनडेज-नीस्ट हैं, उसमें ज्यादा दिन लाल-आजट और लेग्राफ़ की बजह से हैं, स्टाइक की बजह से मैंनडेज़-लास्ट नहीं है। साठे साहब ने अभी जो जिल्ला व्यक्त को है, मुझे अच्छा लगा। मैं उनसे विनती करती हैं- श्रपार इण्डस्ट्रीण में जो साक-प्राचट है, वह इस्लीयल है, आप सबसे यहले अपने एम०पी० को कह कर उसकी जाल करायें, बाद में यह सोजियेगा कि क्या बीज मब है। "एकमें" में भी यही स्विति है बहां भी इलीगत लाय-आउट नत रहा है भीर हमारी महाराष्ट्र की गवर्तभेनट उसम इन्टरबीन नहीं कर रही है। इस साय-आतट की बजह से मजदूरों के अन्दर, .379

[थोमनी प्रहित्या पी॰ रागनेवर] भ्रसन्तोप वड रहा है। मजदूरी पर हमले ही रहे हैं। ग्राप यह देखिये कि वानपुर म जो फोइरिंग हुई, उममे मजदूरी नी नया गलती यी।

श्रो बनत साठे : कौन एम ॰पें ० व <sup>?</sup>

श्रीमती ब्रहिल्या पो॰ रागनेकर: श्री डी॰ डी॰ दमाई। मजदूरों ने वहा पर दो महीने काम किया और उसका उनकी वेतन नहीं मिनता हैं और वे भूखों मरने हैं अब आप क्या यह चाहते हैं कि मजदूर काम नरं ग्रीर उनका बेतन न मिने ग्रीर यर जा कर उनकी भोजन करना चाहिए गौर राम माम लेना चाहिये। यह नहीं हा सकता है। ये जो प्रत्याचार बढ़ रहे हैं ये मालिको की तरक मै वह रहे हैं और इन मध्यन्य म मुझे यह बहुना है कि स्टेट गवर्नेमट्र इस मामले म कुछ नहीं करती हैं और स्टेट गवर्न-मदस इन्टरवीन नहीं करती हैं ता धापको इसम इन्टरवीन करना चाहिए। धनर भाष इन्टरवीन नहीं करेगे तो सिच्एनन धौर भी खराव होती चनी जायेगी।

में यह भी बहना बाहती ह कि विछसी मई म नेन्द्रीय मती जी ने एक मीटिंग बुलाई थी धौर लोगाको प्रामिज किया था कि इमर्जेंसी म जो कुछ हमा है जा ग्रत्याचार हुए हैं, वे बापम ले लेंगे । ग्रमी सङ गवर्नेमट के डिपार्टमट्स म इसर्जेन्सी ने दौराब जिन लोगों को मीसा के अन्दर बन्द कर दिया था या डी॰प्राई॰ग्रार॰ के ग्रन्दर वन्त्र कर दिया या, उनकी भी नाम पर वापन नही लिया गया है। गवनभेट के ब्राडिट एण्ड एकाउन्ट्म हिपार्टमट में, हिफीन्स हिपार्टमट में, जिन लोगा को मीमा के अन्दर बन्द कर दिया था, उनको काम पर नहीं लिया है। इतना ही नहीं उनकी जी पगार थी, वह भी नहीं दी गई है। इसी तरह से जा नजनन रेक्मटाइल्म नापॅरिशन है, वहा पर भी यह भाम चालू है और जो प्राइवेट एटरप्राइन हैं, उन्होंने भी मीसा भौर डी०आई०आर० के धन्दर जिन लोगो को बन्द करवाया था, चनको भी बहा पर काम पर वापस नही लिया है। इस बारे में माननीय मंत्री जी को व्यान देना जाहिए और अपने वचन की पूरा करता चािए, जो गये महोन वचन दिया है, उसको पूरा करना चाहिए।

तीसरी बात बोनम के बारे में है। यह क्या बात है कि हर साल बीनस डिक्नेयर कर दिया जाता है। यह रास्ता गलत है। बोनस के बारे में एक पालिसी होनी चाहिए और कुछ न कुछ स्टेट्टरी पालिसी होनी चाहिए। हर साल बोनस डिक्लेयर करना गलत है। में इस बारे मे ज्यादा छापना वनन नहीं लूगी सेक्नि एक बात में बेन्द्रीय मत्री जी से बहुना चाहती है कि एल० प्राई०सी० या ऐसी जी इस्टीट्यूशन्स हैं, उनके साथ जो इस बीनस के बारे मे एथीमेट हुया या, उसके लिए केन्द्रीय सरकार को कीर्ट में नहीं जाना चाहिए था। जब नेन्द्रीय सरकार नोट मे बई, तो सुप्रीम कोर्ट ने पहा कि इस एग्रीमेड को बानर करना चाहिए। इसलिए मेरा कहना यह हैं कि प्राइवेट एन्टरप्राइक में जहा जहा ऐसे एपीमट्स हुए हैं, जिनकी भानर नहीं दिया गया है, उसने बारे में नेन्द्रीय सरकार को कदम चठाना चाहिए घौर ऐसान विनासना चाहिए कि जी एग्री-मेटस हए हैं, उन सब को झानर करना चाहिए क्योंकि स्प्रीम कोर्ट का जजमेट एल ब्झाई० ही। के मामले में हुआ है, इसलिए सब जगह उसको लाग करना चाहिए।

धगली बात में यह कहना चाहनी ह कि इमर्जेन्सी मे एक बड़ी बात यह हुई यी कि काम का बोझा मजदूरों के ऊपर हर जगह धदाया गया या और आपने नवल निया है कि बह बोझा धम हो जायेगा, लेकिन मंगी तक नेन्द्रीय सरकार ने उस बारे में कोई क दम नहीं उठाया है। यही कारण है जिस की बगह से बाज यह स्ट्राल चल रही है। जी बोझा इमजैंसी के दिनों से बढ़ाया गया या :

वह कम होना चाहिए ग्रीर नार्मेलसी रेस्टोर करनी चाहिए। इसी के कारण बहुत झगहे बढ़ गये हैं और गवर्नमेंट ने जो इस बारे में वायदा किया था, उसको उसे पूरा करना चाहिए ।

डियरनेस एजाउन्स के वारे में मुझे यह कहता है कि आपके जो पब्लिक सेक्टर के एन्ट्रप्राइज है, उन सब ने यह कहा है कि जो महंगाई भत्ता बढता है, वह 1 व्वाइन्ट पर 1.30 रुप्या देना चाहिए और इससे च्यादा नहीं देना चाहिए। यह ग्रस्त वात त्रापके पत्तिक सेक्टर एन्टरप्राइजेज ने की है। इसलिए जो प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाल मञ्जूर हैं, उनको मंहनाई भत्ते के यारे में कोई न्याय नहीं मिलता है।

श्रगली बात में बाप से यह कहना चाहती हुं कि जो देज बोर्डस है, जिनको आप ने मान्यता दी है, उनमें न्युजपेनर्द के बारे में जो देज बोर्ड है, उसका एम्पलायसं ने वायकाट किया है और फिन्ल कारणों से वायकाट किया है। डेढ़, दो साल तक एम्पलायस ने चुठनहीं किया लिकन अब कहते हैं कि श्रीदत और भगवती जो उसक मेश्वर है, वे इन्डिपेडेंड नहीं है। यह फिज़ल का बहाना निकालकार उन्होंने उस वेज बोर्ड का वायकाट किया है और हमारे प्राइम मिनिस्टर साहव ने भी यह रेलान किया है हि जैसे मजदूरों को स्ट्राइक करने का हक है वैसे ही एम्डायर्स को भी बाय बाट करने का हक है। यह हमारी नीति है, यह सेन्ट्रल गवनेमेन्ट की नीति है। इस नीति को सब प्राइवेट एन्टरप्राइज वालों पर जबरदस्ती लागु किया जाना चाहिए <sup>न</sup>हीं तो वे इस पर श्रमल नहीं क**रेंगे। अ**गी तक केज बोड़ के बारे में जो अमल होना चाहिए वा, वह ग्रमी तक नहीं हुआ। अमर सरकार ने संख्ती से इस पर अमल नहीं कराया तो कोई भी इसकी अमल में नहीं लायेगा। मैं तो कहती हुं कि जो भी इस पर अमल नहीं करे उसको कान्त बना कर जेल भिजवाना चाहिए। यह सम्भव न हो तो कोई और कदम उठाने चाहिएं। अगर ऐसा महीं किया गया तो कोई भी देज बोड़ की सिफारिकों को असल में नहीं लायेगा।

एक ग्रापने घच्छा काम किया है जि ग्रापने पुरानी अपेक्स कमेटी को डिबाल्य कर दिया और ट्रेड युनियन्स लीडर्स की मीदिंग बुलाबी। आपने सभी यूनियंस के रिप्रेजेन्टे-दिन्ज को इसमें बुलाया, यह ग्रापने ग्रन्छा काम किया है। लकिन इस पर सभी स्टेटल में ग्रमल नहीं हो 'रहा है। बंगाल में वर्कनी ने अपने स्थितेन्टेटिया का चुनान कर निया है सेकिन फिर भी उनको रिप्रेजेन्टेशन नहीं मिल रहा है। इसलिए इसके वारे में प्रापको सोजना चाहिए।

प्रोविडेंट क्मिश्नर के प्राफिसिज में वड़ा गोल-माल चलता है। जैसा गोल-माल वहाँ चलता है, ऐसा गोल-माल कहीं नहीं चलता है। बहां के कमिश्नर जिस तरह से चलते हैं वैसा कहीं नहीं होता है। अनके बहुत सारे दूर संगते हैं। कभी बन्बई, कभी कलकत्ता, कभी बंगलीर का दूर लगता है। में भ्रापको उदाहरण देती हुं कि बंगलीर में दो घंटे की भीटिंग बुकायी जाती है और तीन दिन का आफिशियल ट्र बन जाता है। जो लोग एम्प्लाबर के खिलाफ करणान की बात करते है उन्हें कान पकड़ कर निकाल दिया जाता है। इस तरह से वें ट्र लगाते है लेकिन मजदुरों के लिए वहां फाडस नहीं बचते हैं। मजदूरों के वे एरियर्स कम करते रहते हैं। हुसरे हुसरे कानून बना कर वे मजदूरों का पैसाकम करते रहते हैं।

मुझे **एक** बात और जहती है। ग्रापके 478 पव्टिक एन्टरप्राइज कंसर्नस हैं। उन्होंने भी मजदूरों का पूरा प्रोविडेन्ट फण्ड नहीं भरा है। सगर इस तरह की गड़बड़ी जापके पश्चिक एन्टरप्राइजिज में चलेगी तो म**जटुरों का** ग्रापको साथ मिलने वाला न*ी* 

[श्रीमती पहिल्या पी० रागनेवर]

है। इमिल्ए में रवी द्रवमी जो से कहती हू वि वे इस भागने में इटरशीन करें। यह बात मैं इसिल्ए कह एहीं हूँ जि मूचे उत्तस उम्मीद है और उनने मिलना भी बहुत ग्रामान है। इसरे मिनिस्टरों सं तो मिलना भी बहुत मुक्तिन होना है।

एक वान मैं विविध्याद्वतेशन व सारे में नहती ह रि निसं तरह से सब जगह पर विविद्माहत्रणन चतना है। जा भी छाज बग्प्यन के जिलाफ ग्रांबाज उठाते हैं। उनका विकित्माइज किया जाता है। इसरा मैं एक उदाहरण देना चाहती ह**ं भा**पने एटोमिन एनजी म एव वैद्यनाय माम व अपसर है। उन्हान प्रपन लडके को कार्ट्रेक्ट दने क विष् सिफारिश की कि उनका लडका किमी कम म काम करता है उसको काटेक्ट दिया जाय। इमने लिए उहाने बन लिखा। उम खन को हमने प्राइमिनिस्टर क सकेटरी को दिया। लेकिन सभी तक उस मफनर वे खिलाफ नीई नायशही नहीं की गयी। जा एच्य्लयमें न प्रस्कात के विलाफ नड ई लड़ते है जनके खिलाफ बार्यवाही की जाता है और उहें वान पक्ष वर निकास निया जाता है। इमलिए मैं चाहगी वि मिनिस्टर साहत इन सब बाना म इन्टरवीन करें।

मुचे ग्वीन्त्र वमा जी से उम्मीद है कि व इस मामसे म इन्टरबीन वर्रेने और प्राविड ट रमिननर ने आफिस म जो गडवडी है उसको ठीव करेग।

DR SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North East) I will not take more time than Mr Sathe has taken

Firstly I would like to congratulate the Labour Minister on the manner in which he has been conducting the activities of this Ministry I myself happen to be the President of a number of labour unions which come in confact with this Ministry and although I cannot say that this fureau although I cannot say that this fureau

cracy is as co operative as one would like it to be nevertheless as a Minis ter he does exercise authority the functions in a manner which all sides have greatly appreciated would also like to say that if one were to list the achievements of the Janata Government of the last one year such as scrapping of the com pulsory deposit scheme the re-instatement of workers giving of bonus and so on one finds that most of the achievements of the Janata Govern ment happened to be by and large due to the efforts of the Labour Mi nister I will say that here also he can be justly proud When the Janata Party took over we did have a large amount of bottled up tension amongst workers and it was natural that when a democratic Government came that this tension would blow up therefore if there was rise in some amount of industrial strife I think that is something we would and something we would try to accommodate But even if you take into account that fact I would say things would have been much worse if a less adroit handling of the situa tion had taken place I know that Mr Sathe's intellectual mentor who dominated the ideological thinking during the emergency thought that the only way to solve the labour problem was to bottle it up I do not know in the new context whether Mr Sathe would like to acknowledge the intellectual leadership of the person you acknowledged during the Emergency In fact the problem before our Government has been that we have to spend quite a good portion of our time in trying to undo the mischief done by them I would say during this one year on the labour front we could have achie ved a lot more and shown lot more results than we already did which is quite substantial if we had not spent our time undoing the mischief done by Mr Sathe and his mentors during the 19 months of the Emergency It takes 9 months to produce the fruits of labour but Mr Sathe has been labouring a very hard for 19 months and created a lot of mischief

is the mischief that we have to undo and consequently, the performance in concrete terms has not been high as it might have been, I am sure, therefore, in the coming year the La. bour Ministry would perform even better than it has in the last one year, There has been three kinds of strikes during the last one year. I have myself collected statistics on that. Some of these strikes are genuine and would like to associate myself\* with these strikes. For example, the oneday strike of the Life Insurance Corporation's Class III and Class IV employees was, perfectly a genuine strike. There was an agreement signed in 1974 between the workers and the management which was a written agreement. Afterwards, the Finance Minister initiated it okeyed it and it was in operation. During the Emergency unilaterly, this was scrapped. I would have assumed that when our Government was formed, automatically we would have re-instated that contract it is a matter of regret for me also that the Government decided to contest it in the court when the spokesmen of the labour side took it to court, I wish, the labour side had also not taken it to court, I wish, it had been settled by talking. Even after taking to the court, I think, it would have been proper for our Government not to have contested in the court. Here is a clear case where the employees were perfectly right and they did not sustain the strikethey went on one-day strike-they won it in the court. All congratulations to them. If they had prolonged the strike. I do not think any right thinking person in this country could have really objected to this. Similarly, there are such contracts which were signed during the emergency but were not implemented. The Indian Oil Officers did sign a contract before emergency but that was withrawn during the emergency and still not being re-instated. I would like the Labour Minister to examine such contracts which were signed bilaterly between the management and

the Labour before emergency but unlaterally withdrawn during the emergency and still not being reinstated. But these are genuine ones.

There are also some strikes which in Bombay particularly which is an important industrial centre are conducted deliberately to embrass Janata Government. After the strike takes place, the workers are told. "What can we do. The Janata Government has come; since the Janata Government has come no demand of labour is met. In fact, the population of mosquitos has also increased due to emergence of the Janata Government." This is the kind of thing. (Interruptions) I am not the President of any union which has gone on strike to embarrass the Janata Government. These are strikes which are there in many parts of the country primarily aimed at embarrassing the Janata Government. There is no love for the workers at all. There are no demands which one can say are meant for the workers. But actually primary aim is to embarrass the Janata Government.

I would say, many premier industries in Bombey are suffering and the workers are suffering because of this. The workers themselves do not want it. They are afraid of the geomodelen. For example, the union of Mr. Dutta Sament in Bombay today is engaged in terroxising the workers and preventing them from going to work.

The third king of strikes which are there are primarily aimed to retain their leadorship. It is quite clear that the Congress and their Ministers are losing ground in the labour field. They are slowly slipping; they are faired that they may lose it to the nationalist elements in the country. Take, for example, bank employees. It was quite clear that the Covernment was interested in negotiating with bank employees on the question of wage revision. But the bank employees pled by the Congress and the bank employees union to by the

## [Dr Subramaniam Swamy]

CPI both feit that they uill lose ground completely if there were negotiations. So, they created one-day strike, two-day strike or three-day strike, wild-cat strikes, primarily because they wanted their hold on them (Interruptons). The Bhartuya Mazdoor Sangh is a fast-growing union, they have a very positive attitude.

Now, if you subtract these kind of strikes due to these elements to embarrasa the Janata Government and to retain leadership, actually, the number of strikes that have taken place in the country, in 1977 has less than the number in 1975 I have done this calculation. It is no use to blame the workers as such Their have genuine grievances share in the national income has gone down very much since Mrs. Indira Gandhi's Government came to power In 1966 the share of workers in the nstional income was 42 per cent and it declined after 10 glorious years of rule to 35 per cent This has happened in any other country ex-cept in India Similarly, you will he surprised to know that the real wages in 1977 were lower than those in 1964 There is hardly any country in the world where the real wages of organised labour are lower after a period of 13 years But this miracle has happened in India Under the rule of Mrs Indita Gandhi, the organised labour's real wages today are 2 per cent below to level that was prevailing in 1964

I would say, what is most important is to get to the root cause of it Actually, I think, the conditions can be created in this country by which the strike as a weapon can become bobolete There are industries in this country which have not had strikes in the last 15, or 20 years One should examine why there are such industries where the workers have not gone on strike One comes to a conclusion that the management shows human approach exhibits human approach in dealing with

workers, not try to suppress them, not try to throw them out of job but to engage them in human relations In this regard, I would ask the hon Labour Minister to strengthen process of collective bargaining The concept of collective bargaining is very weak in India It is suffering because of two reasons First the old recognised unions are out of date, particularly the Congress and Communist unions, they interally out of date In fact, I would say that as far as the mfluence of communists in the labour union field is concerned, it is a declining field as communists are declining everywhere else as the Congress ideology is also declining Therefore in places like railways banks, there should be proper verification and enumeration of membership should start airesh. Here, I would like to bring to the notice of the Labour Minister that you have to be careful about the bureaucracy the bureaucracy is, in fact, in collusion with these elements because they may have been put there Qualification and ment was not a very important factor in the last 10 years of Mrs Gandhi's rule because if that was a consideration, she hereelf should not have been the Prime Mmister During the rule of Mrs Gaudhi people without any qualifications on the basis of favouritism were staffed in the Government particularly in the Labour Ministry and they are likely to sabotage any attempt to democratise the union field

I would like to draw the attention of the Labour Ministry here to the way in which verification is going on in the bankes in the banking industry Bureaucrats, have conspired to see that the communit and the Congress unions get their recognition, they have chosen a date of reference which is of the emergency, they have done it without informing other bank unions in the field, they have arbitarily chosen this I have already drawn the attention of the

elections.

Labour Ministry to this. I would like this to go on record to show how the bureaucracy, some elements of the bureaucracy in collusion with the former frustrated Congress elements are trying to sabotage the good standing of the labour. Therefore, 1 would like to urge the Labour Ministry please try to get elections as soon as possible and bring in a concept of election in the unions. In those places where elections have taken place, the traditional unions have lost. For example, in BHEL, what happened after the elections took place? The communist unions evaporated; the Congress unions evaporated. And if you look at the total results of BHELL you will find that those unions which are new, which are alleged to be pro-Janata party, they have got twothirds of the seats in these recent

#### AN, HON, MEMBER: Jhansi,

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: They are absolutely out of date. You do not know what is happening in this country. Therefore, I would like to suggest, in conclusion, to the Labour Minister that it is very important that in order to bring about a better situation in Isbour for the coming years, he must consider a few points which I would like -to place before him. First and foremost, I would like the Labour Ministry to evolve a national wage policy before an income and price policy is evolved. I do not see why we have to wait till a comprehensive income and price policy has to come. The Bhoothlingam Committee is still looking at the ghost, I do not know. For their report, we need not wait. I don't think there can be much faith in a committee headed by somebody who has been in the top echelon of the bureaucracy all his life and then afterwards becomes a Chairman of a multinational corporation. Therefore, I would say that we would have much greater faith if the committee is headed by the Labour Minister himself. There is a lot of faith on him in this

country as Shrimati Abilya P. Rangnekar herself has said that the workers feel that they have direct access to him. It is probably only the Minister whom.....

श्री वसंत साठे: ग्राप किटनी भी चाननसी वरें प्रापकी य नेयन को रेक्सनीशन नहीं दिलेगी।

## SUBRAMANIAM चापससी वा फायदा हो ग्राप जादते है।

Anyway, I would like that before the wage policy comes, income and price policy is formed. In this regard, it is quite surprising to see that there are 9 components of wage. It is a total mess: it is a total confusion. This should be grossly simplified and reduced to four components-basic wage, inceptive, bonus and terminal benefit -all adding upto about 167 per cent of the basic wage.

Secondly, I would like him to consider seriously the concept of right to work because that is the only way we can bring about a sense of security in the mind of workers. As long as there is a job secruity, as long as the concept of right to work is not there, it is never possible to assure the workers to be peaceful. Thirdly, in view of the fact that Shrimati Pervathi Krishnan has come here, an equal employment opportunity programme for women, particularly the concept of part-time employment should be there; it is not enough to have equal remuneration for women, but it is also necessary that the concept of job should be parcelled out in a part-time form so that women can participate in it.

SHRIMATI PARVATHI KRISH-NAN (Coimbatote): In that case, you ask for rule 104 of the Delhi Education Act to be amended. The Labour Minister may convey this to the Education Minister.

DR SUBRAMANIAM SWAMY
Your recommendation will be given a
serious consideration

Therefore the concept of part time employment must come about Otherwise women cannot seriously participate in the labour force

Fourthly, I would like the Labour Minister to spruce up the Labour Commissioner's office The Labour Commissioners are over-worked 1 do not thing that it is possible, honestly speaking to work in the conditions in which the Labour Commissioners are working-in the kind of offices they have In fact I am representing presently one of the Bank Unions in a negotiation with Labour Commis-I have seen the condition of office the building may come down on any day even while we are busy negotiating Therefore such an important and vital office must be spruced up, the level and the status of that office must be raised

Finally, I would urge on the Labour Minister to call a national Round Table Conference of all economic an terest so that we can work out some contrete method for industrial relations in this regard I would endors the call that the Industrial Relations Bill must be brought before Parliament at the earliest

थी मनोहूर साल ' (शनपुर) ममावात जो, में पापको धनावाद देवा हूं कि आपने मुझे हम महत्वपूर्ण चर्चो में मान करे ना सावहर मुझे हम महत्वपूर्ण चर्चो में मान करे ना सावहर महता । नवंदी पहले में थम मझी जो और जनता बरागर नो धनावाद देवा पाहना हूं हि 19 महीन ने स्पर्तमां के टाइम में जिस तरह में साठ माहदूर साथा में मीवारा को छोता, उनके जार का महदूर साथा में मीवारा को छोता, उनके जार का मीवारा की छोता हम की साठ महदूर साथा में स्वीवार को मीवार के साठ मीवार की साठ मारे हम मीवार का मीवार को साठ मीवार का मीवार को साठ मीवार का मीवार का मीवार ना मीवार मारा साठ मीवार का साठ मीवार मारा प्रवास की छोता हम की साठ मारा का साठ मारा का साठ मारा प्रवास की साठ में साठ मारा का साठ मारा का साठ मारा का साठ मारा प्रवास का साठ मारा साठ मारा

बोतन ने प्रधिकार को देहटोर किया, क्यस्सरी डिपाबिट स्कीम को समाप्त किया तथा उनके ट्रेड मूनियन प्रधिकारा को स्टेस्टार थिया । इसके तिए में विशेष रूप से श्रम मन्त्री जी को ग्रीर जनता मरकार को धन्यबाद देना चाहता है।

इसके साथ साथ में यह भी नहना चाहता हु कि बहा आपन मजदूरा ने बोनत को रेस्टोर किया हैं मरा आपने निवेदन है कि देवने एमलाईक फ्रीर भी ऐड़ टी डिपार्टमट के कर्मवारिया को भी बोनम देना चाहिए जो कि सभी तक नहीं दिया गया है। इसके बारे म मदी औं की अवन्य स्थान देना पाहिए। देनक कपकारिया तथा भी ऐड ही डिपार्टमट के वर्मबारिया नो भी बोनस मिलता चाहिए।

माठे माहब नाय दिना नी हानि ने बार म चर्चा कर रहे थे घीर साबडे पेश कर रहे थे कि जनता सरकार के काल म लाये दिना नी अधिक हाति हुई है जबकि उसके पहते यह इ. निबहुत कम हुई थी। में उनकी 1976~77 के धाकडे बताना धाहना हा। 1976-77 म एक मरीड 28 लाख कार्य दिनों की हानि हुई थी जब कि उस समय साठे साहव भौर इदिरा नाग्रेस की सरकार ने मजूरा के सारे ट्रेड युनियन ग्रधिकार छीत रखें में। ऐसी हालत मंभी । वरोड 28 साख रार्व दिना नी हानि हुई थी जवहि गत वर्षे 1 कराड 15 लाख 20 हजार नार्यं दिना की हानि हुई। घव साठे साहब ही इस बात का हिसाब लगा लें कि इमजेंन्सी के टाइम में, जबित मजदूरों ने सारे ट्रेड यूनियन प्रधिकार भौग बोनम का स्रोधकार छीन लिया गया था—अधिक कार्य दिनों की हानी हुई या बाद में मधित कार्य दिना की हानि हुई ? इस बात की मैं उन्हीं पर छोडता हू। इसमें बहुत से सोक प्राज्यस और ले आफ की वजह से कार्य दिनों की हानि हुई है उसके बारे मे ज्यादा नहीं बहना चाहता क्योबि मझे भीर बहुत सी बातें बहुती हैं।

16.59 hrs.

[SHRI M. SATYANARAYAN RAO in the Chair].

यह बात सही है कि जनता सरकार की स्थापना के बाद मजदूरों में बहुत ग्रामांति हई है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जिस तरह से 19 महीने के इसर्जेन्सी काल में मजदूरों के ट्रेड युनियन अधिकार छीन लिए गए थे, मजदूरों से उनका बोनस का अधिकार छीत लिया गया था, उन पर कंपल्सरी डिपाजिट स्त्रीम लाग् कर दी गईं थी---- यह सारी वातें म्बद्दों के दिसाम में भरी हुई थीं। वर्कलोड बढ जाने पर भी उनको अपनी बात उठा सकते का प्रधिकार नहीं था। मनमाने डंग से यर्जलोड बढा दिया गया था। जो प्रबंधक ये जनको पूरी छट देवी गई थी। मजदूर गैट मीटिंग्ज नहीं कर सकते थे। वे किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं कर सकते थे, सेकिन ब्रब हम देख रहे हैं कि हिन्दुस्तान में श्रमिकों का कितना महत्व है। उन 19 महीनों में जिस तरह से हमारे मजदूर साथियों ने काम किया, जब उन की भावाज डो॰ धाई॰ ब्रार० ग्रीर मीणा में बन्द थी. उसके बाद अब जनता सरकार ग्राई तो यह "बट-नैचरल" था, स्वाभाविक था, कि उनकी 19 महीनों की दबी हुई ग्रावाच निकलती । उस 19 महीने के काल में साठे साहव की सरकार ने उन की जुबान बन्द कर दो थी, उन की जुबान पर ताला पड़ा हुमा, लेकिन जब वे आजाद हुए तो सारी वातें निकल कर सामने आई। इस लिये हम फड समते हैं कि जनता सरकार बनने के बाद, एमरर्जेन्सी के बाद इस देश में श्रम मान्ति पैदा हुई .....

17.00 hrs.

श्री वसन्त साठे: स्वा ग्राम का यह कहना है कि उन दुखी कामगारों ने नाराज कामगारों ने देश का उत्पादन बढ़ाया, जिसकी वजह से ग्राम ने विदेशी मुद्रा कमाई ?

श्री मनोहर लाल : शांप ने ग्रपने भाषण में यह कहा था कि जनता सरकार के बनने के वाद मजदूरों में ग्रमान्ति हुई हे, लेवर-ग्रनरेस्ट वडा है।

श्रीकृष्ण कोन्तः (चण्डीगः) : बह एमर्जेन्सीको डिफेण्डकर रहे हैं।

श्री मनोहुए लाल : डिफ्फेल को ये करेंगे ही । मैं बड़े दुख के साथ यह बात बतलाता महत्वा हूँ—पे कस्प्रणापित विभागी प्रव पिछले दिनों कानपुर गये तो वहां पर छन्। में बढ़ कहा कि हम चाहते हैं कि जलता इन्दिया प्रदीश से माफ़्ते मांगे। होना तो यह काहिये बा कि इन्दिया मोडी जलता से माफ़ी मांगते। के किम बढ़ एल्टा बड़ कह रहे हैं कि जनता इन्दिया गंधी से माफ़्ते मांगे। में जानता हूँ—साठ साहब मी इसी बात का सम्मण्ड करेंगे।

ब्राज श्रम जगत में, सभापति जी, श्रमिकों में जो असन्तोप है, उस का सब से बड़ा कारण यह है कि एमजेंन्सी के दिनों में कांग्रेस सरकार ने, साठे साहब की सरकार ने उन के ट्रेड युनियन अधिकारों की छीन लिया था, उन की हर तरह से दवा दिया था, उनकी आवाज को खत्म करदियाथा। हम चाहते हैं कि श्रम मंत्री जी ने जहां उनके योनस को रेस्टोर किया है, वही पी० एवड टी० और रेलवे के बारे में भी सोचें, उन को भी ये सुविधायें दी जायें। श्राप ने सी॰ एस॰ डी॰ को धत्म कर दिया है, लेकिन उस में भी कुछ गर्ते लगा दी हैं जिसमें कि उन को अननी किन्तें वापस लेके से बहत कठिनाई आ रही हैं। भैं भाहता है कि उन का जो पैसा जमा है उस को बापस नेने में जो जार्ते लगा दी गई हैं, उन में डील दी पाय, जिसके जब का पैसा जन को बापस मिल हके।

उदाहरण मैं ग्राप के सामने प्रस्तुत करना चाहता हु । सब से पहला उदाहरण तो यह है कि कानपुर में स्वदेशी काटन मिल म पिछले दिना जो घटना हुई, वह ऐसी घटना थी जो सारे हिन्दुम्तान के लिये बडे शर्म और कलक की बात है। इस मिल म जो काण्ड हुमा उस की सारी जिम्मेदारी लेकर डिपार्टमेन्ट पर है। अगर सेवर डिपार्टमेन्ट उसको पहले से देखता तो यह घटना न होती, इम घटना भ 11 आदमी मारे गये । सभापति जी. मैंने कल भी कानपुर मलेबर कमिश्नर को टेलीफोन किया था । मही मालम हमा है - अभी भी 187 मजदूरा ने अपनी तनस्वाहें नही सी हैं। में जानना चाहता हू कि में 187 मजदूर जिन्हान समस्त्राहें नहीं ली है वे कहा है ? यह केन्द्रीय सरकार का भी दायित्व है, इस लिय केन्द्रीय सरकार जानकारी प्राप्त कर के वनलायें। लोगा म इस के बारे म भ्रम कला हुमा है। इन्दिरा गाभी न पटना मे अपने भाषण म क्हा है कि वहा पर 300 मंडदर मार गये हैं। इत लोगा ने श्रदर हिंसा भड़नाने की धादत पड़ गई है ये लोग सब अगह इस तरह में हिंसा क्लाने का कोशिश कर रहे हैं लेतिन हमारी तरफ म इन का ऐमा मीत्रा क्या दिया जा रहा है। इस निए यह बहुत जनरी है कि जना सरकार इस वात की साफ कर ताकि जनना म भ्रम न फैनन पाय । मैं सरकार स माग करता हूँ कि स्वदेशी काटन मिल. जो वन्द पड़ी हुई है, उम को शीघ्र चाल विचा जाय, क्यांकि यहा पर भी ० पी० आई० ग्रीर क्योमके तोगान हिना फैलाना जुरू यर दिया है "जैल भरों" ऋन्दोतन शरू कर दिया है, मीटिंग्स ग्रीर नार्वाजी जुरू कर दी है। क्लानपुर उत्तर प्रदेश का एक वहत वड़ा ग्रौद्योगिक शहर हैं। जो बात कानपुर महर में होगी, सारे उत्तर प्रदेश में वह पलेगी । इसलिए माननीय मती जी को इस बात को देखना चाहिए।

इस के ग्रलावा में यह कहना चाहुना हूं वि दो साल से जै॰ जे॰ कैलाश मिल वन्द पडी हुई है। इस मिल को जल्द चालु करने के लिए भी मही महोदय जी प्रयास करें।

यह जो जनरन वातें मैंने ग्राप से नहीं । भव कुछ बाते ऐसी है जिन को में खास तौर से मही महोदय से बहुना चाहता हू । सब से पहली बात में प्रोवीडेंट फड ने बारे में बहना चाहता ह । प्रोवीडेंट फड वा एवं ऐसा सगठन है, जिस को घाटोनोमस बोडी कहा जाता है। हमारे थम मती जी ने नहा है कि यह एवं प्राटोनोमन बोडी है । जब यह घाटोनोमम बोडी है, तो फिर डाइरेक्ट खेबर मिनिस्ट्री के बान्डर क्यों यह काम करे। यह धगर प्राटीनोमस बोडी है, तो इन की ग्रपना वाम करने का प्रधिकार दे देना चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है । जो रोजमर्रा की जरूरतें है, उन दें लिए भी लेंदर मिनिस्ट्री के पास जाना पडता है भौर शाज से मही बिल्क बहुत पहल से प्रोबीडेंट फड़ का जा हमारा ब्रागेनाइजेशन है, उस पर उन का कन्द्रील है । भाटोनोमस बोडी होत हुए भी, स्वा मिनिल्डो का उस पर कन्द्रोल है । इमलिए मेरा वहना यह है कि यह लेकर भिनिस्ट्री ने बन्द्रोल में नहीं होना चाहिए विल्क इस को विल्कुल ग्राटीनोमस बोडी वना देना चाहिए । मैं यह भी बताना नाहना ह कि फिन्सेंशन ग्राफ पे, वर्क नाम्से, कीएशन बाफ बैकेन्सीज बौर फिलिंग आफ वैरेन्सीज के लिए, य मारी जो चीजें है, इन के लिए खेबर मिनिस्ट्री ने पान जाना पड़ता है। हम चाहते है कि मती महोदय इस पर ध्यान दें भीर जो नीकरशाही का रवैया बला भ्रा रहा है, उस को खत्म वर्रे ।

मैं यह भी वहनाचाहता ह कि भाज जो प्रोवीडेंट फड एक्ट के तहत 73,000 इस्टाबि-लिजिमेट ऐसे झाते हैं, सभी तक जिन का एरियर बनाया हैं। सारे हिन्दुम्तान मे 73,000 इस्टावि गमेंटरा ऐसे है, जिन्होंने 1827 25 लाख रुपया ग्रदा नहीं किया है। श्रव श्राप अन्दाजा लगाइए कि जब 73,000 इस्टाविलिशमेंटस 1827.25 लाख रूपया थदा नहीं करेंग तो किस तरह से मजदूरों का भला होगा। उन के खिलाफ कोई कार्यवाही भी नहीं की जाती है और उसकी वसल करने के लिए कोई सच्दा कदम कभी नहीं उठाये जाते हैं। करोड़ों क्षमा उन के पास बाकी पड़ा हुंगा है । इसमें किस का मुकसान है । इस में मजदूरों का नुकसान होता है। जो मजदूर मर जाते हैं या रिटायर हो जाते हैं और जिन कम्पनियों ने प्रोबीडेंट फंड का पैसा जमा नहीं किया है, उन को वह पैसा महीं मिल पाला है । हम चाहते है कि इस मामले में मंद्री जी को संबत कार्यवाही करनी चाहिए। बहुत सी फनटरियां ऐसी हैं जहां पर प्रोवीडेंट फंड स्त्रीम लागू नहीं हैं। ग्रभी हमारे जो केन्द्रीय स्टेट लेयर मिनिस्टर डा० राम कुपाल सिन्हा हैं, उन्होंने मद्रास में एक भाषण दिया था जिस में उन्होंने यह कहा दा कि जिस फैल्टरियों में 10 मजदूर भी काम करते हैं, वहां पर भी हम प्रोतीडेंट फंड की स्कीम को लागू करना चाहते हैं। उन्होंने मद्रास में यह कहा था । यह उन्होंने एक बहुत प्रक्षी बात कही थी। ग्रगर इस स्कीम को लागू किया गया तो लाखों आदमी विश्विट फंड स्कीम के तहत आ जाएंगे और मजद्रीं की उस का फायदा मिलने लगेगा । तो हमारे स्टेट लेंबर मनिस्टर साह्व ने जो 10 ग्रादिमयों वाली फैनटरी को प्रोवीडेंट फंड स्कीम के ग्रन्सर्गत लाने की वात मदास में कही थी, उस को फीरन ग्रमल में लाना चाहिए और भ्रम में लोगों को नहीं रखना चाहिए। यह बात में मती महोदय से कहना

अगली बात प्रोबीडिंट फंड के बारे में मुखे और कहनी हैं और यह यह हैं कि प्रोबीडिंट फंड स्कीम के तहत हमारे जी आजवन

चाहसा हूं।

मि॰ नायक, कमिजनर हैं, उन के बारे में मैं थोड़ी सी बात करना चाहता है।

सभापति महोदयः किसी का नाम मत जीविए ।

श्री भमोहर लाल अब वहां तक प्रोबेफेंट फंड स्क्रीम का सवा न हैं, उस के बारे में मुझे बहुत सी बातें नक्ष्मी थीं लेकिन आप कंटी न बबा दें, इसकिए मैं अब और दूसरी करूरी बातों के बारे में सरकार का ब्यान आवर्षित करना चाहता हूं।

व्याज मजदरों में वडी ध्रशान्ति हैं। इस के क्या कारण है ! में समज्ञता हूं यि इस के तीन कारण हैं और हमारा लेकर हिपार्टमेंट धनर उन की वरफ ह्यान दे, तो मजदूरों की कठिनाइयां दूर हो जाएगीं। सब से वड़ी जो कमी हैं, को दिक्तत है वह यह कि नेशनल वेज पातीसी नहीं है। ऐसान होने के कारण डिस्पैरटी इन बेजेज हैं । एक कारण तो यह है । दूसरा कारण यह है कि लेवर लाज बहुत पुराने हो गये है, ग्रोल्ड लाज है श्रीर तीसरा कारण यह हैं कि इन्डस्ट्रियल रिसनस्य जो हैं वे ठीक होने चाहिए। ये तीन कारण ऐसे हैं जिनकी वजह से मजदूरों के ग्रन्दर अधन्ति है भीर हम चाहते हैं कि मंत्री महोदय इस तरफ ध्यान दें। डिसपेरिटीज श्राफ बेजेज के लिए मन्नी महोध्य की जल्द से जल्द नेजनल चेज पालीसी धनानी चाहिये।

मंत्री बहोदय ने कहा है कि देवनक वेज पालिसी क्षीय हो पीयित करेंगे लेबिन क्षती तंक करेंगों पीयित नहीं की है। उन्होंने एक क्रमेंटो बनावी है। एक वेजिक के बारे में क्रमेंटी बनायी है थे। भूतीस्थम सहिब को क्षम्प्रकात में बनायी गयी है। इस कमेटी में मनदूरों को बिक्तान नहीं है क्योरिक इस कमेटी ने मनदूरों को बिक्तान नहीं है क्योरिक इस कमेटी पूछी है बीर म पूछी जा पही है। इसकी बच्ह से बीर म पूछी जा पही है। इसकी बच्ह से बी मूर्तान्यम कमेटी में मजदूरों का [थी मनाहर लाल]

साह्य इस पर ध्यान दें और जल्दी से जल्दी नेशनल वेज पालिमी की घोषणा करे।

हमारे जितन भी लेवर नाज है वे सब वहन पुराने हो चुने हैं। बोई 1927 में बना या कोई 1947 में बना और कोई 1950 म बना था । आज उनम से कोई भी इफेक्टिय नहों है। मिसाल ने तौर पर फैन्ट्रीज एक्ट को लोनिए इडस्ट्रियल डिस्प्युट्स एक्ट को लीजिए। उनम भे कोई भी कानून ग्राब इफ़ेक्टिय नहीं है। बहुत सी फ़ैक्ट्रीज में इसका कार्यान्वयन नहीं किया जाता है। वहीं पर भी इनका कार्यान्वयन नहीं होता है। सब से वडी दृष्ट की बात ना यह है कि हमारे यहा करोड़ा करोड़ा मखदूर टेम्परेरी पडे हए हैं। उन्हें इमलिए परमानेट नहीं किया जाता है कि 240 दिन वे पूरे नहीं कर पत्ते हैं। मालिक लाग हर महीने उनसे फार्म भरवा लेते हैं और मजदूर इस सम्बन्ध म कुछ मी नहीं कर पाने हैं। हर महीने फार्म बदल दिये जान से जन र 240 दिन कभी पूरे नहीहो पाते हैं भीर वे परमानेंट भी नहीं निये जात है। इस बारह साला तक इसी तरह स चलता रहता है और तव भी वे परमानेंट नहीं हो पाते हैं। हम चाहत है नि इस नरफ भी मली महोदय ध्यान ž I

नेवर नोर्टम की वजह में भी मजदूर बहुत परेशान हैं। वहा बहुत देर से फैसले होत हैं जन्दी से नहीं हो पात हैं। काई भी मजदूर यह पराद नहीं बरना है कि वह अपना मामला लेवर कोर्ट भ ले जाए । हम चाहत है कि क्लेक्टिव वारगेनिंग की बात बहुत जल्दी होनी चाहिए समयौता जो मी ही वह इफेडिटव होना चाहिए । समझौत को जल्दी से जल्दी लाग किया जाना चाहिए। यही सब के लिए फायदेपन्द होगा । स्वाकि मजदूरा का विस्तास लेवर कोर्टस से उठ गया है। सेवर कोर्टम किसी मी डिस्प्यूटर का फैसला होने म पाच से दस साल लग जात है। ग्रद विचारा महदूर जो कि नौकरी पर नहीं होता है वह कैसे अपने बच्चा ना पालन पीपण नरे, जैसे कैस लड़े ?

यह मोचने की बात है। हम चा हैंगे कि मही महोदय इस घोर ध्यान दें ग्रौर लेवर कोर्टम ने बाम म मुघार लाये । इनका प्रभावी बनायें ग्रीर ऐमी व्यवस्था वरे जिसमे में जन्दी से जल्दी फैसला करे।

समापति महोदय, हमा रे जहा ममिटन और श्रमणीठन मजदूरी की सस्या वहन ज्यादा है। लेकिक उन मजदूरा के इन्ट्रेस्ट के लिये बहत कम दोला जाता है। ग्राप पालियामेंड के अन्दर ही देखिये कि क्या हालत है। जी सोम उनदे हितो पर बोलने वाले है वही लोग बैठे हए है । यह स्थिति वहन पहले से चली धा गही है।

समापति महोदय इमने लिए माप रवी द्रवर्ग माहब को वीलिये।

श्री मनोहर शल रहम प्रापं मध्यम से मत्री जी से वहना चाहत हैं कि मजदूर शासिया की तरफ बहुत कम ध्यान दिया जाता है। जो भी हमारे सबदूर माथी है चाहे बै इसर प्रदेश न हा, चाहे बिहार व हा नहीं के भी हा उन्हें वहीं पर चार रुपये बढ़ी पर माडे चार रुपये, पाच रुपये मिलते हैं। वही पर उन्हें पूरा पैमा नहीं दिया जाता है। ६ ६० 70 पसे बहुत कम जगह पर दिया जाता होगा। समापति महोदय ग्राप ग्रन्दाजा लगाइये कि बाज विननी महगाई है । वे लोग इस महगाई ने जमाने में दो सी, सबा दासी और ढाई सी रुपये महीने की तनस्वाह में कैसे अपना गजारा कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि इन मजदूरी की तरफ ज्यादा ध्यान दिया जाए जिससे हमारे हिन्दुम्तान की तर्ककी हो। हिन्दुम्तान की ही नही, विसी भी देश की तरक्की श्रमिका पर निर्मर करती है। ग्रगर श्रमिक भाई ठीव से नाम करेगे, इन्ट्रेस्ट से नाम करेगे हो जत्मादन बढेगा । उत्पादन बढेगा तो देश खुश हाल हीया। इसलिए मैं चाहता हू कि धाप मजदरो की तरफ धवश्य ध्यान दीजिए। मंत्री जी उनकी तरफ ध्यान देंगे, ऐसी हमें ग्राजा है।

SHRI SAUGATA ROY (Barackpore): I have listened to many of the speeches including Shri Sathe's and Dr. Subramaniam Swamy's. I am sorry I cannot be ridiculously culogising in my speech about the Labour Minister as Dr. Swamy was, Inspite of all said and done and all the weaknesses personally I may have for Dr. Verma, I charge this Government with total inaction and incapacity for action during the last one year.

I will shortly get into the facts. But what has been the labour situation in the last one year. I know that it is not the Labour Minister who alone determines the labour situation. Often he is a helpless spectator while the other Ministers of the State Government do not act. Often he is not in a position to intervene because his own party trade union will not listen to him. I know of another Labour Minister who was there before him but with unhappy heart had to pass the Act, the Law which took away workers right to bonus. To-day, I believe, Mr. Ravindra Verma caught in such a cage, while he sits and sees that the whole industrial situation in this country is growing from bad to worse, but he cannot do anything.

I say, if the year 1976 for labour can be categorised, can be bracketted with suppression, the year 1977 can be categorised with Government inaction and violence in trade union activities. I am surprised that inspite of all the unrest that has taken place, the complacence of this Government is about the labour situation.

On page 8 of this Report it has been said:-

"An analysis of the statistics during the last seven years shows that on an average the total mandays lost ranged around 20 million, except in 1971 when it came down to 16.55 million."

In 1974, when it rose to 49.26 millions because of strike by railwaymen, in 1976 it came down to 12,80 millions due to emergency. According to the available provisional figures the number of mandays lost during 1977 was 21.21 millions, I detected some complacency here. Well, it has been 20 million mandays last year. Every year we have got almost that figure, That has created complacency. Not only that, there is jugglery of statistics that has been done here. They also say-a marked feature of the labour situation was that the percentage of time lost due to lock out showed an unward trend. In 1976 the lock outs accounted for 78.83 per cent of the total mandays lost whereas it came down to 52.83 per cent in 1977. This is nothing but a jugglery of figure which intelligent officers in his Ministry have done. The fact is in 1976 the mandays lost due to lock out were approximately 10 millions. In 1976 mandays lost due to strikes were about 2 millions whereas in 1977 it went up to 10 millions. So, the mandays lost due to lockout are the same. The employers are behaving in the same way. Only the workers are resorting to most strikes. Either the Government has lost the moral authority or the capacity to intervene. So, what I am afraid of is that these strikes and lock outs have not affected the private sector only. The private sector is notorious because of bad employers in our country. What I am afraid of is that this has affected the public sector very badly. In the last one year, if you just look into that, there have been so many cases of strikes in the public sector. In April

last there was a strike in H.E.C. Ranchi. In May the Bombay Port workers went on strike. In August, in Hindusten Shippard there was trouble. In September there was strike in Kota Atomic Power Plant and there was strike in H.M.T. Kalamassery which went on for 21, months. In January, there was lock out in H.E.L., Hyderabad and then

DG. 1978-79

403

DG, 1978-79

Southern Railway employees in Madural Division went on strike In March we saw LIC Development workers going on strike In April, there was a strike going on in the Indian Space Research Organisation in Trivandrum Not only that another feature of this whole situation is that the Governments overall policy has been lukewarm to the pubhe sector So, in so few cases the Central Labour Minister cared to in tervene Here it is said with fanfare that the Labour Minister intercened in as many as a dozen cases. In one full year the Labour Minister intervened in one dozen cases ie one case in 30 days whereas the strikes are almost eight to ten per day Eight to ten strikes are taking place in the country per day and the Labour Minister is intervening in a dozen cases per year I congratulated him then and I am prepared to do so even now When the Port and Dock workers went on strike the award given by the Labour Minister was helpful to the employees. But today he pleads his inability when Bailadilla workers are retrenched and fired upon. Today he pleads his inability when 105 workers of Swadeshi Cotton Mills in Kanpur are fired upon and killed Today he pleads his inability when there is firing of workers of the Bharat Heavy Electricals in Hardwar Today he pleads his mability when there is a strike at the Bhopal unit of BHEL 1 would like him to assert himself at this time tell the other Ministers that it is the business of the Central Labour Ministry to intervene when there is a strike in the other Ministries But I have a feeling that the other Ministers do not cooperate with the Labour Minister and as a result of that its function is getting reduced. Its function is only limited to Essay-writing as one of the former Labour Ministers put it. They only write letters and prous circulars and pious wishes What happened in regard to the newspaper employees?

In April last the Minister announced an interim settlement for newspaper employees Then we found. that in December suddenly the employers decided that they would optout from the Wage Board both for newspaper employees and for working journalists Here the Report says that the Labour Minister is talking with them so that a solution can be found But they opted out almost two or three months back. Uptill now no solution has been found out about the Newspaper Wage Board Not only that. I have also a feeling that probably Mr Ravindra Varma also wants to earn a distinction Shri Charan Singh has made a name for himself in appointing Commissions Mr Rayundra Varma also wants to make a name for himself in appointing committees There has been a Committee on Comprehensive Industrial Relations Law There has been a Committee on Labour Participation in Management There has been a Committee on Consumers' Price Index Numbers There is a Committee which as of course appointed by the Finance Minister the Bhoothalingam Committee on wages prices and incomes policy These are the commuttees which are there With all these committees uptill now, no conerete action has been taken so far The Industrial Relations Law was proposed sometime in the last December session. It is almost middle of April now and the comprehensive industrial relations law has not come out I hope the Minister will come up with this I do not want now to speak about my proposals for Industrial Relations Law, because I have spoken on that in the Labour Consultative Committee and I will speak again when the Bill comes up I wish to say that all these com mittees are taking up a lot of time with the result that one of the principal functions of this Ministry has not been fulfilled which is legislation There have been only two legislations brought in by this Ministry in the last one whole year -one is amending the Payment of Bonus Act-the

much trumpeted thing—and the other one is a small amendment in the Payment of Wages Act. No other legislation has come. So, even in the field of legislation I want to tell you, Sir, that this Ministry lags very much behind.

At this stage I want to say some more important things on the industrial situation. This Book says that one of the contributing factors is the fluidity of the loyalty of trade unions. Indirectly it says, that the multiplicity of the trade unions is causing this thing. Now, Sir, who is causing this multiplicity of trade unions? suddenly revived the Indian Labour Conference, which is an all right decision, but you invited everybody from Bharatiya Mazdoor Sangh, which is an employers' organisation to UTUC etc. You invited almost everybody. Now you are allowing multiplicity of trade unions. When you invite anybody and everybody without proper verification into the Industrial Labour Conference, Mr. Subramaniam Swamy may have every reason to be pleased with you, but we are not, because, we feel, it is dividing the workers' movement. If you want, you have a secret bailot for the recognition of trade unions. We have no objection, but do not invite trade unions on this large scale. There is labour unrest and firing in Ghaziabad; there is firing in Kanpur and in Bailadilla and other places. These incidents show that the pent-up feelings of the workers are coming out. One year is over. Even the Janata party has lost in Andhra and in Karnataka. It is no longer fit to talk about emergency and today there is a strike in three Public Sector undertakings. In emergency, the congress lost the maximum support of the industrial workers when the right of bonus was taken away. We were the sufferers. Unfortunately, Mrs. Gandhi has not changed her view untill now. Recently, in an interview, she said that the workingclass voted against her in cities because the workingclass could be influenced by the employers, I am totally at variance with this attitude. But, I say that it is not emergency now. It is mainly because the prices are rising, the consumer price index is going up and wages are not keeping pace with that. The employers are not paying heed to the Government. Government has not got the moral authority to control the employers. Therefore the employees are resorting to violence and the police is resorting to firing. This is the labour situation in the whole country. I am not saying this or criticising in order to gain something. I want to say that it is time that Government takes stock of the situation and intervenes effectively in the labour disputes that are taking place, particularly, in the labour disputes, that are taking place in the public sector companies. Why should there be labour disputes, strikes or lock-out in public sector undertakings when they are supposed to be model employers? I do not find any reason at all. If there are lacunae, we are prepared to help you,

Mr. Chairman, I think my speech will be continued on the next day. So. I will continue with some points only to-day.

Next thing is with regard to agricultural workers. In the last Government, they have done something about the agricultural workers and the bonded labour. Under the Twenty-Point Programme, regarding agricultural workers, most of the States have fixed minimum wages for them. What is needed now is a comprehensive law on the agricultural workers according to the Kerala model. I do not think that the Central Government at this stage, is - prepared for bringing out such a law though the report points out that there will be such a special conference called for the agricultural workers.

Under the Twenty-point Programme, the last Government freed sensus, the Lok Nayak laments, the

(Shr: Saugata Roy)

the bonded labour But what has the present Government Gone after their coming into power? They say that the bonded labour so on 31st December 1977 identified was 1 02 060 the bonded labour freed was 1 09 962 but the bonded labour reababilisted was only 28 728. Out of the identified bonded labour you are rehabilisting only a very few of them. It appears to me that the rehabilistion of the bonded labour is proceeding at a very very slow rate.

I want to say something about the birs workers. You have introduced now the ESI employees state in surance This facility has now to be extended to the cottage industries workers also Likewise. We have fixed the minimum wage also for the agricultural workers. If you are going in for the expension of khadi and village industries in a big way you should also fix the minimum wages for the khadi and village industries workers.

Regard ng the safety in coalmines much has been talked about earlier Chasnala incident was there I just want to mention about how callous is the Director General of Mines Safety about the safety of the work ers Sir only yesterday morning myself and Mr Chitta Basu gave a call attention motion on the accident at the Tara colliery on 30th March where five workers were killed In the evening I was looking at the notice board. I found that suddenly the accident in Tara colliery on 30th March had been reported and notice comes in for that ten days after the accident

Is this the way the Director-General of Mines Safety should function? For ten days why no notice was Even? Why a statement of the Minister was not made at all? Dont You believe that forming up of the mines safety measure is necessary? Chasnala does not come every day (therruptions) Mines? shity has come down It must also be remembered that fatality does not take place everyday In Tara colliery so many people died You sympathise with them The mines safely measure has to be toned up (Interruptions)

In regard to houses for coalminers that comes under the charge of this ministry After nationalisation in the first second or third year there was building activity But Government is lagging behind very much A large number of coalminers are still living in their old shuggi shopri and bustis as they used to be About the jute industry the less said the better Jute mills are closed for months to gether Previously at least the Central Government made many efforts to get the jute mills opened Sir in my constituency two jute milis emplaying 12 000 people Nathati and Kinnyson jute mills are closed for over six months or so Not a single effort has been made by the Central Government to reopen them decision of taking over of some sick industries was taken by the last Government But that has not been implemented in regard to these jute mills which have been closed for six months or seven months or eight months 76 000 jute mill workers have been laid off only due to power shortage And nothing has been done When power goes off there is lay-off Nothing has been done about the warker

There is no direction gone from the Central Government to the State Government about what is to be done about the power shoringe Mr Choir man I think 5 30 is the limit for

MR CHAIRMAN Not 5 30 be cause there is the other Member from your party who is there. If he agrees then you can speak

SHRI SAUGATA ROY I shall finish now because he is going to Ahmedabad to-day

MR. CHAIRMAN: To-day I cannot give you more time.

SHRI SAUGATA ROY: Sir, the Labour Minister happens to he the Minister of Employment. Unfortunately, in the total Ministry, the Labour Ministry receives a back seat and in the Labour Ministry the Directorate of Employment receives a back seat and as a result of which the Controller of Employment Exchanges is not there. There is lot of corruption in the employment exchanges. Workers representatives have not been associated with employment exchanges. Last year we find that there was a spurt in the number of unemployed on the live register. Further, Sir, the total number of placements in 1977 were 4.62 lakhs as against 4.97 lakhs in 1976. No proper reasons has been given as to why number placements have gone down and the number of unemployed on the live register has gone up. One explanation given by the Government is that a number of vacancies are not intimated to the employment exchanges. Government should come forward with a legislation so that all the vacancies intimated to the employ. ment exchanges.

With regard to scheduled castes and scheduled tribes in 1976 their numher in employment exchanges was 10.78 lakh whereas in 1977 it has gone to 12.3 lakhs. The placements in scheduled castes in 1976 were 38,000 whereas in 1977 the number has come down to 35,000.

Lastly, Sir, I would like to say that two governments in India-West Bengal and Kerala governmentshave come forward with bills for unemployment allowance. It is our misfortune that in this country even after thirty years of Independenceor Congress rule-there are so many unemployed people. Now two State Governments have come forward and shown the way that unemployment allowance can be given. Let the Cen-

tral Government come forward with courage to pay unemployment allowance to the unemployed neople. It will come to Rs. 50 to Rs. 60 per man per month or in other words it will come to Rs. 60 crores per month as there are one crore inemployed persons in this country. It is not a big amount, You can make a start somewhere. What is happening at the present moment is that placements are going down whereas unemployment rate is going up.

Lastly, Sir, I would like to say a word about the welfare measures, I want to say that there are ESI and provident fund defaulters. Positive penal action should be taken against them. Unfortunately, I am told, that even public sector undertakings are defaulters with regard to provident fund and ESI. Unless strong action is taken this malady will not get removed. Now, a word about 'bonus'. I spoke on the Payment of Bonus Bill. Today the Minister is advocating the theory that bonus is a deferred wage. May I know then why have you referred it to Bhoothelingam Committee. If you accept it as a deferred wage then it should apply equally to railways, P & T, etc. The Bhoothalingam Committee is something about which workers are appreliensive. So, about bonus, Government should come out with a policy announcement within the next two or three months, not make bonus for only one year, but make bonus a permanent feature so that this problem of having bonus legislation every year is diminished. With that I wish the hon. Minister good luck in his very difficult task of maintaining peaceful industrial situation in the country and I hope that in the coming years, we will see an improvement in the industrial situation inthe whole of the country.

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा॰ राम कृपाल सिंह) : सभापति महोदय, में माननीय सदस्य, श्री सीगत राय 411 [डा॰ राम कृपाल सिहा का बक्तव्य सुन रहा था, उन्हें यह तक्लीफ हुई कि श्रम मत्नालय में बहुत सारी समितिया वनाई गई हैं। मुझे थोडा भ्राज्वयं हुमा वेदिन सोचने पर लगा कि उनके मूह से ऐसी बात सन्ते पर ग्राश्चर्य नहीं होना चाहिए या। वे ऐस मित्रों के साथ कार्य करते रहे हैं जिनका प्रजातातिक प्रणाली से ग्रीर पद्धतियों से क्मेटी सिस्टम से जोनि डैमोक्रेटिक सिस्टम का एक सभित सग है, कम ताल्लुक रहा है। काई एक व्यक्ति ही निर्णय लेता रहा है चौर उसी के ग्राधार पर काम करने की उनकी ग्रादत पड़ी हुई है। श्रम मन्नालय मे जो भी निर्णय निए जाते हैं वह धरिको वे प्रतिनिधि. नियाक्तामा के प्रतिनिधि, राज्य सरकारी के प्रतिनिधि ग्रीर के द्वीय सरकार के प्रतिनिधि-सभी मिलकर निर्णय लेते हैं । इसलिए निर्णय क्षेत्रे की जो प्रक्रिया है वह प्रजातातिक है ग्रीर इसमें हमारे मित्र को काई बच्ट नहीं हना चाहिए । श्रम मज्ञालय बहुत बडा है और सुमस्यायें भी बहुत बड़ी हैं लेकिन हमारे सौगत राम जैसे मित बार बार कहन है वि इमरजेंसी नी बातें भूल जादने परतु वम से कम इस देश का जो थमिक वर्ग है उसके लिए इभरजेंगी का भूल जाना बहुत वटिन है वन्ति में बहुगा श्रसम्भव है । क्यानि इस देश म जो प्रजातन्त्र पर ग्राचात हुन्ना,व्यन्त्रिगत ग्रधिकार मानव ग्रधिकार छीन लिए गये उममें यदि सबस अधिक काई एक समदाय या एक वर्ग ग्राजात हम्रा तो वह थमिक वर्ग था । मैं भ्रापको जानकारी के लिए बताना चाहता हू लगभग 44 हजार श्रमिक इमरजेंगी के दौरान इसलिए अपनी रोजी रोटी से बचित हो गए श्रीर उनम से श्रधिकाश जेला के जिक्जे में बाद कर दिए गए स्योकि वे प्रपने अधिकारा ने लिए लड़ सनते थे। बानी दो माननीय सदस्यो ने ध्यान धारुपित विया ही है कि क्या क्या ज्यादितया हुई । श्रम विभाग ने उन ज्यादितयो को समाप्त करने के लिए भीसा और डी ब्राई श्रार में जो बन्दी बनाये गये, उनकी बौकरियो छीन ली गई, उनको फिर से नियुक्त करने के

लिए भौर बाकी वेजेज देने के लिए जो निर्णय लिये हैं वह मर्वविदित हैं।

में इस मतालय के भ्रानेक पहलूओं में न जा करने थम महात्रम में मजदूरी वे लिए, श्रमिका के लिए, सामाजिक सुरक्षा और प्रशि-क्षण के लिए जो विभाग हैं उसी पर भाषना ध्यान मार्वापत करना चाहगा। सभी तक इस मजालय मे जो श्रमित शिक्षा की परिपद् या बोड है वह शहरी नामगारो वे बीच नाम न रता रहा है। जनता सरकार के प्राने के बाद यह निर्णय लिया गया वि श्रव जो ग्रामीण मजदूर हैं, जो असगठित मजदूर हैं, जिनका कोई देखने वाना नहीं है, सरकार कानून बनाती है लेनिन उनकी कोई जानकारी मही होती, उनके प्रधिकार भीर कर्तव्य क्या हैं. सामाजिक परिस्थिति मे उनको विस प्रवार से वार्य वरना है, उनके बीच मै श्रम सगठन कैसे उलग्न हो-इन मारी वातो की उनकी कोई जानवरी नहीं दी जाती यी । मापनी जानकर प्रसन्ता होगी कि देश में लगभग 13 से भ्रधिक स्थानी पर इस बार पहली बार मछुमा श्रमिको के भीच, ग्रामीण श्रमिको के बीच धौरजो माजिनल फार्मसं हैं उनके बीच तथा जो बादिवासी ब्रामीण क्षती में रहते हैं उनके बीच इस तरह की योजनायें रखी गई है।

इस का एक दूसरा पहलू यह है कि हमारे श्रमिका के बीच प्रतेक ऐसे वस है जो ग्रभी निरक्षर हैं--लिखे-पढे नही हैं। ता श्रमिका की शिक्षा का एक महत्वपूर्ण माड यह है कि प्रौद्ध शिक्षा के साक्षरता ग्रिभयान के साथ इस को जोडा जाय । हम सब मानते हैं कि सर्वैद्यातिक व्यवस्था के बावजूद या ग्रादेश के वावज्द भी हम सारे देश के लोगो को माक्षर नहीं बना पाये हैं। इस वार सरकार ने जो एडल्ट एजुकेशन बोर्ड बनाया है, उस के साथ इस वर्क्स एजकेशन बोर्ड का तालमेल बैठा करइसकामको तेजीके साथ बढायें---ऐसी

वातचीत हम कर रहे हैं। हमारी श्रमिक शिक्षा परिषद् के पास लगभग 50 हजार वर्कर्स-टीवर्स सारे देश में हैं, यदि वर्कर्स-टीचर्स की इतनी वड़ी सैना प्रोह शिक्षा ग्रीर साक्षरता अभियान में लग जाए, तो इस के वहत ग्रन्छे परिणाम शीझ निकल सकते हैं। इसके लिए में माननीय सदस्यों से, जितने भी श्रम संगठ नों के कार्यकर्ता हैं, देश में जितने भी प्रकार के श्रम संगठन है, उन सब से अपील करता हूं कि वे इस काम में सहयोग दें और श्रमिकों के बीच साक्षरता और ज्ञान का प्रकाश फैलाने में ग्रवना योगदान करें।

सामाजिक सुरक्षा को हम उत्तरोत्तर दृढ़ श्रीर व्यापक करना चाहते हैं, बास कर श्रमिकों के लिए, और इसी दृष्टि से हमारे वहां कर्मवारी भविष्य-निधि की योजना है। इस निधि के सम्बन्ध में कई माननीय सदस्यों ने कई बातें यहां पर उठाई है। यह कहा गया है कि कमें चारी भविष्य निधि में बहुत ज्यादा एरियर्ज है वकाया है। कर्मचारी भविष्य निधि में एक साल के ग्रन्दर यानी पिछले साल भें लगभग 500 करोड़ रुपया जमा होगा। श्रमी तक कुल एरियर 20 करोड़ से कुछ अधिक है, शायद 20 से 21 करोड़ के बीच में है। इस में जैसा कि मानवीय सीगत राय जी ने कहा-कुछ एरियर तो चीमार मिलों का, जैसे जूट मिलें हैं या कपड़े की मिलें हैं- इन का है। जब सरकार ने उन मिलों को अधिप्रहण किया तो उस में से कूछ वकाया तो इन टेक्सटाइल और जट मिलों का है, इन्जीनियरिंग का नम्बर दूसरा है। यही कारण है कि सब से अधिक भविष्य निधि का वकाया वंगाल और महाराष्ट्र में है जो कपड़ा श्रीर जट मिलों पर है। मगर यह कहना कि भविष्य निधि संगठन इस वकाया की वसूली के लिए सचेष्ट नहीं है यह सत्य से परे है। क्योंकि इसी रिपोर्ट में--जो हमारी वार्षिक रिपोर्ट श्राप के सामने पेश की गई है— उस में यह बताया गया है। इसे खोज लूंगा मुझे अभी वह

मिला नहीं है । कहने का मतलब यह है कि जितने केस किये गये हैं, जब कभी एरियस होते हैं वें कोर्ट में चले जाते हैं और जो कोर्ट का फैसला होता है, उस के अनुसार पैसा रिकवर किया जाता है और कहीं भी यह विवाई नहीं देशा कि किसी को छोड़ाजा रहा है। भूतकाल में जो भी होता हो, मैं सदन को यह विश्वास दिला सकता है कि ग्रभी यदि कोई एरियर बाकी है और हैविचुअल जो डिफाल्टर्स हैं, तो उन के खिलाफ केस किया जाता है। अब केस में कितने ही स्टेजेंज होते हैं ? लोग श्रपील में चले जाते हैं और जब तक उस प्रक्रिया से हम निकल नहीं जाते हैं , तो बसूली में कठिनाई है।

श्री सीयत राय: कानून को बदलना पड़ेगा।

डा॰ राम कुपाल सिंह : उसके लिए एक सुसाव यह जाया है कि जिस तरह से इन्कम दैक्स ग्राफिसर्स को वसूली के ग्रधिकार दिये हुए हैं, उसी तरह से क्या प्रोबीडेंट फंड के जो रीजनल कमिशनर हैं, उम को ऐसा प्रधि-कार नहीं दिया जा सकता है ? सुझाब आए है लेकिन सुझाव धाने से ही यह नहीं हो जारमा । इस को गहराई से छानबीन कर के, उस पर विचार करके, निर्णय लेना पड़ेगा।

मैं यह भी बाप को बतर दूं कि हम में पहली बार कर्यचारी भविष्य निधि में जो श्रमिकों को साढ़े सात पर सेंट व्याज दिया जाता है, उस को वहा कर 8 प्रतिशत कर दिया है और यह सन् 1977 में पहली बार किया गया है। यह एक उपलब्धि है और नाना प्रकार की चीजें हम श्रमिकों के हित में कर रहे हैं। श्राप ने देखा होना कि पहली बार जो संगठित दोन के श्रमिक हैं, उन के लिए व्यवस्था की गई है सामाजिक सुरक्षा की, भविष्य निधि की भीर अब हम एक भीर कदम यह उठा रहे हैं कि जो असंगठित श्रमिक हैं उन को भी इनमें लाएं। पहली बार बीड़ी मजदूरों को, जिन की हालत इन देश में बहत ही खराव है, इन बीड़ी भजदरों की कोई सामाजिक सरका पहले नहीं

[हा॰ राम इपाल सिह]
थी, उन्हें पहली वार सन् 1977 में नई
सरकार ने भविष्य निर्मा का लाभ दिया है
सार अभी हमारे सामने नई समस्माए हैं सेरिन
उन समस्मामी का समाधान करने के लिए
हम तत्वर है थीर जैता भाष ने महा कि जो
सारी के इस्ट्रीन में नाम करने बात है उन मी
इस की सामा किया जाए तो चानून
में धीर नुधार करने की द्वार धावस्थला
होगी, तो मिर भाष के सामने प्राएग दिन्न
हमारा वह निवार है कि भयी जो हमारे
कानून हैं उन के सन्नार रूम सिछन है सीधक
जिन सीशो पर उच को सामू कर सन्ने है,
करे। बीडी मनदूरों पर सामू दर सन्ने है,
करों की डीडी मनदूरों पर सामू दर रहने हैं,
क्राने हों उप मी करते।

#### 17 48 hrs

[SHPI DEIRENDRANATE BASE in the Chair]

हम मिष्य निधि में डिसेन्ट्रेलाइनेधन बाजे में बान कर दे हैं, जो नेन्द्रेस्टर, हो ध्या पा, बत को धरन करना बाहते हैं। एक भ्रेश में विद्य बहुत हारे बानेदर्ग हैं, व्यक्ति भ्रेश में विद्य बहुत हारे बानेदर्ग हैं, व्यक्ति में लिए पर ही जाद पर सात हैं हो हुन ने लिया दिना है कि हस नी विकिन्छाक बर के जहा पर अमिको वा तमुह मिष्क है, बहा पर ब्लाडा नाम्योजन बाले जाए परार इन पर ब्लाडा नाम्योजन हमा है, कितनी ही बाहो पर देश के प्रत्य राभ नामित्र वाले में है वालि मिल्म निधि के नियदान के लिए श्रीमा हो क्या बहुत बाला पर देश र ब्लाइन कर्णन कर सामा हम कामा पर साह

इसी तरह में कोवला वाली म नाव नर्त बातें मजूर है, ध्रानंत हैं, दिवनी तराव तराव तिला 20 हज, दे हैं भ्रिट्ट की मो बोवला श्रीमत मंदिया निर्मिष्ट की मोहरूल माते हैं और जब ने निष्ह हम ने एस नामार्ज्यों ने सहाम बनाने, रच मं मुखार बरन, जन्दीनग निम्हतें और इस्टायारका समार्थ बनने में बिद्ध प्रावस्था नवस उठाए हैं और वर्षेचारी प्रविच्य निर्देश से बोयला मिब्स निर्दिश्च कर मढ़ से वही दिक्का यह भी वित्त हुन मढ़ने से वही दिक्का यह भी वित्त हुने की ज़न्दी नहीं मिलतीथी। हुम नवदम उटाए हैं वि बमैदा-दिखों को क्षीद्र में ग्रीहर उन वे पूनुषत एका उट्या मिन जाए। इस वित्य ये सारे परम उठाए मुठ हैं।

सवार्शन महोरत, प्रप्ते देश में वरीहों वरी सत्या में सस्ताहित मजदूर है जो गामिल केंद्रों में रहते हैं। उन मजदूरों में लिए भी परनार वाणी चितित है हम माननीय सरस्यों से भी परीज वरीने कि ते प्रपत्ते मुसाब हमें सीच मध्य कर हैं कि तिस प्रमार से मामीण केंद्रों में पहुने वाले मम्माहित मजदूरों की सामाजित मुरसा को व्यवस्था की जा सर्वाही है। हमने रस वे निए चितन प्रारम बर दिया है लिन हमारा चित्रत प्रारम बर दिया है, उनहों जो दिवसते हैं उनके बार में देह यूनियना में नाम करते बाले, प्रतिम पेक में स्वाम वर्गन वर्गन से से मानगा कि बे इस मनवाय में प्रपत्ते हैं से मानगा कि बे इस मनवाय में प्रपत्ती हैं मानगा कि बे इस मनवाय में प्रपत्ती मुसाब हैं। -

हमने सभी एम्प्लाईज स्टेट इश्यीरेंस वारपोरेशन के मस्पतालों के बारे में भी इस साल महत्वपूर्ण क्दम उठाये है और इस दिशा म प्रगति भी की है। ई०एस० प्राई० कारपा-रेजन के पास अभिका के लिए अस्पतालों में 1976 तर लगभग 16 हजार शयमात्रा का प्रवत्थ या । लेकिन हमने निर्णम निया है कि इनकी सच्या बढ़ा कर 20 हजार कर दी जाए। इस सम्बन्ध में नव धस्तवाल बनाये जा रहे हैं। 23 नय धरपतान बन रहे हैं। यह बात सही है कि मंडिकल फेमिलिटीओ की ध्यवस्था राज्य सरकारों के ग्रधीन है ! दिल्ली जैसे स्थानों को छाड़ कर बाकी सभी जगहों पर चिवितमा से सम्बन्धित व्यवस्था राज्य सर-कारों के बाधीन है। हमने राज्य सरकारों से निवेदन किया है कि वे प्रस्पतालों की स्थिति

सुधारें। वे<sub>'</sub>ट बंगाल में मैंने देखा कि **नस्**ज भी बहुत कुमी है। कलकृत्ता के दक्षिण में मैंके एक अस्पताल में जा कर देखा कि वहां पर पेरा-मेडिकल स्टाफ की कमी है। हमने राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि श्रमिकों से सम्बन्धित जो अस्पताल हैं उनकी श्रवस्वा की ठीक करने का वै जल्दी से प्रबन्ध करें। इस सम्बन्ध में जिकायतें बाती रहती है, कभी कनी मामनीय उदस्य भी लाते हैं कि अस्पतालों में दवाएं बच्छी नहीं मिलती हैं । बच्छी दवाएं श्रमिकों को उपलब्ध हों, इसके लिए हमने कदम उठावे हैं। दवाओं की सूची में भी सुधार किया जा रहा है। इतना ही नहीं मजदूरों के बीनार हो जाने पर ई० एस॰आई॰ कारपो-रेशन 56 दिन की छूट्टी देता था, 56 दिन की छुट्टियों का भुगतान करता या । उसका बड़ा कर, विकासनान देतीं में जो अन्तरीप्टीय सीमा विद्यमान है, उसके ब्रनुसार नयी सरकार ने 1977 में उन छुट्टियों को 91 दिन कर दिया है। इसी तरह और भी अनेग प्रकार की सुविधाएं उनको दी गई हैं। जैसे मजदूरों के दांत और कान की बीमारी के लिए मंगीन का लगाना, वैकाकी समाना। यह मुविधाएं पहले नहीं मिलती यीं । अब हमने त्तय गुरु करवा दी हैं। मलदूरों के लिए इसने निर्णेय लिया है कि बगर किसी मजदर का गुर्दी खराव हो जाता है सो उसके रिप्तेशमेंट की तरफ भी ई॰एस॰ आई कदन चठायें। ऐसा म करें कि बहुत कोमों के गुर्वे खराब हों। भगवान करे किसी का न हो।

श्री पुषराज (किटिहार) : अस्पतालों में जो मलबूर जाते हैं दवा बार के लिए उनको बहुत पैसा भी उत्तका चुकाना पड़वा है बसा अपने यह मानूम है ? मेरे पात करफान की भी शिकार्य हैं सुती चुकी हैं।

डा॰ राम इत्यात सिंह : नैने खुद नई जगहों पर मध्यादन चैनत निष् हैं। उद्दां नहीं भी अध्यादार हैं उत्तरों निर्दाने के लिए हम सम्पर हैं। इसमें सामनीय सदस्यों का भी सहयोग हमें चाहिने । वह बार घारटर भी फिल्कपर्से करते रहते हैं। गड़हरों का नेता कोई या जाता है और कहता है कि पड़ी रवा किया । बातों कभी यह भी गिलायत आती है कि मज़्द्रर को मनुरास जाता है साजी ची ने कड़ी यन्छी चिट्टी तिखी है कि बाल्य मिल जाएँग, बहुंग अना है इजलिए उत्पाद हुई। चाहिये और वह आ कर मज़्द्रर करता है छुदों के जिए, निक लीव के दिया जबकि सह मीनार नहीं है। उन्न जर हुका जिहामार्ने भी आती है। दोनों तरफ से आती है।

श्री उपनेन : ग्राप चाहते हैं कि मजहर समस्यत न जाए ?

श्री केशकराव घाँडपे (मनिड्) : पिछणी सरकार ने नसबंदी की, श्राप समृराल बन्दी करने बाते हैं क्या ?

दा० राम क्यास सिंह : वरूर आएं । अस विभाग में जो दुक हुआ है उत्तरी और सें स्पारता स्थान स्वार्धिय कर राष्ट्र था । कहीं सहस्रता होती हैं, मांग उठतों है सो अगर वे सावय पीठें होती हैं तो साथ उनका समर्थन करते हैं। शेलक अस विभाग में मायिद्रारों रंग से धनिकतें की सामाजिक सुरक्षा के लिए, उनके सहास्थ्य के सिए, उनकी पेनम की राशि पेने के लिए, जाने से सामाजिक सेर कार्याप के सार्व होते हैं जो हम करते हैं विकास दिला जकता है कि पिछले एक सात में जो माना हमा है ति पाठ कर पर गीर करती है माना संदीण हो होगा कि धायकी सरकार में, जनता सार्टी की सरकार में उनते हित में महत्त्वपूर्ण करन उठाल हैं

श्री रामनात तिंतु (निरिजिह): प्रव के पहुंचे में अम रंकी ची को वो प्रापाकतान में स्टताई क्टी और को उन में शवित मव्हुन ये उनको को उन्होंने राहुत दिवाई उनके निए अन्यजार देता हैं। कैफिन इसने महुते में प्राप्तों भी कन्यवार देना चाहुता हुत्त मुझे दूना कर आपने छ: सात वरस महुते की मेंने साथ घटना घटी थी उनकी श्रीरामदाम सिंह ] श्रपने मझे याद दिला दी है। तब इस दिमाग में एवं श्री के० एन० चारी साहत्र सेवेटवी हमा बरते थे जो रिटायर हो गए हैं। तब इग्नेश्वरम साहत चेयरभैन लिगनाइट हभा करते थे। वहा पर मझे फाइट करना पर गया था। एक व्यक्ति को तब उन्होंने इटरव्य के भाषार पर सिलैक्ट कर सिया या जबकि उससे मीनियर और एक्शिट ब्रादमी की जपेक्षा कर दी गई थी। श्रीर जब मैने इसके बारे में पुछा तो कहा गया वि यह डिसरीशन उनकी हैं और उन्होंने ग्रपनी डिमन्नीजन एप्लाई की है। इसको ले कर मैंने पाच बरस तक थेस लड़ा या । सभापति जी, घापना नामो भी लिग्ट दी जानी है और ग्रपनी दिसत्रीशन से हिमाय से धाप परास्ते है। ग्रगर में यह जानता कि देश के इतने बड़े न्यायालय में सर्वोच्च न्यायालय म डिसकीशन का इस तरह से एप्लाई क्या जाता है तो गायद में सब सर्विम नी कास्ट पर इतनी बडी लेबर मिनिस्टी से लडाई नहीं मण्ता । दो वार मैने चेयरमैन की लिख कर दिया। माज भी दिया ।

बन्ही शब्दों ने साथ को हमारे सेवर मिनिस्टर है, उनको जनता पार्टी की सरकार वे ग्रान के बाद---

MR CHAIRMAN Mr Singh you can continue your speech on the next day ie on the 14th instant. The Half an Hour Discussion will

## 18 00 hrs

# HALF-AN HOUR DISCUSSION

DELAY IN COMPLETION OF KUDERMUKH IRON ORE PROJECT

MR CHAIRMAN The House will now take up the half-hour discussion Shri Lakkappa

SHRI K LAKKAPPA (Tumkur) I rise to initiate an half-hour discussion on the issue of the Kudremukh prosect which is under construction in

Karnataka State This discussion is being initiated by me not on account of any political considerations, but to see that the project is implemented in time, as per schedule

Kudremukh is the first project which is undertaken directly with oil money assistance from Iran According to the agreement with Iran, the shipment of iron ore to Iran has to commence in August 1980 The prosect is facing certaing formidable construction prolems which that the targets may not be achieved.

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK) Why are you reading? SHRIK LAKKAPPA, I would like

to quote certain facts I know that the dynamic Minister would understand ....

SHRI BIJU PATNAIK There is no quorum

SHRIK LAKKAPPA, Do not avoid this useful discussion by raising a technical objection.

When I raised the issue that there were no jobs for the local people when this proud project is in progress, he assured me that he would visit the project along with me but he has not fulfilled at

SHRI BIJU PATNAIK That is why t you are raising this half-hour discus 310n?

SHRIK LAKKAPPA·I have no quarrel with that, but subsequently some important questions were raised by hon Member regarding the delay in the implementation of the project

There are certain reports which I would like to bring to the notice of the bon Minister In this connection The Business Standard of the 27th February says that in the Kudremukli project deal with Iran, India may incur a loss The hon Minister brushed it aside by saying that it is a hypothetical apprehension What ever it maybe we want to see that Apart from the timely construction of the project, the question has to be examined whether the necessary in-frastructures are being jaid. The inside story of the project reveals lack of will, lack of projecting the scheme, construction difficulties and administrative bottlenecks which have to be gone into by the hon. Minister. In order to complete the project, there are certain processes which have to be followed.

According to the scheme, the construction and implementation of the project is based on the machinery that you have to put up. But even the projects like dams and others things have not been completed. You have envisaged about 12 big contractors involving more than a crore of rupees. But even the contractor's problems have not been solved. You are still negotiating with the contractors for the price of the machinery that you have to put up for the implementation of the project. These are the escalating clauses. These are the obstacies that these contractors are nutting in the completion of the project and creating inordinate delay. You have to construct a deep slury for the ore concentrate, according to programme. How are you going to implement even the construction part of it within the stipulated time? This construction is also delayed because of paucity of power. Have you made organisational effects to see that there is no paucity of power so that the project is completed by August, 1980? I feel that no organisational effort has been made. Even the infrastructure has not been completed. Certain doubts are being created. These are not political doubts but these are administrative bottlenecks.

Your office is in Bangalore and still you have to go to the site by helicopters. They have promised at that time that they will construct an administrative office in either Chikmagalure or in Mangalore which is not even more than 100 kms, from the site. Even that has not been done, They have constructed palatial buildings in Bangalore which is a beautiful city and they want to take advantage of that.

Even the extength of the Board of Directors has not been completed. You have included the Chief Severary of the Karnataka Government in the Board. But you have not accepted the case of the Karnataka Government for inclusion of two persons though Karnataka and ultimately other southern States are going to be the big beneficiaries of this project.

For the timely construction of the project, berthing facilities at Mangalore port have to be speedily completed so that ships of 60,000 DWT carrying iron-ore could come, the facilities have not been provided. I asked this question to the Shipping Ministry but there was no reply, How can you complete the project by August, 1980? What will happen to the first instalment of hundred million dollars? According to the specification of the contract, if you do not complete it within the stipulated time, there are stipulations penalty clauses which will go to the advantage of the other country and unnecessarily, you will have to pay the penalty at the rate of choice thus losing thousands of dollars. Instead of our benefiting, Iran will get the benefit It has been stated that in case of failure to comply with the clause, Iran will be free to take this iron-ore from countries and thus India will suffer. How much loss we are going to sustain by this? This is a small affair for you. Your Ministry has not applied its mind to find out as to what are the losses whether this delay really causes net-loss so far as implementation of the project is concerned. Still there are not enough engingers employed for this project. A number of unemployed engineers are

### [Shri K Lakkappa]

available Mechanical engineers are available in the State But no organised effort is made to see that the project is completed within the stipulated time. As a consequence of that, we have to pay the price

What will happen? It has been stated

"The expansion of port and ship berthing facilities at Mangalore to accommodate ships upto 60000 DWT which would carry the concentrates to Iran 15 under way "

Then, there is another report which SYS

"The Kudremukh project, being aided by Iran, gets the largest share of Rs 200 crores of the total plan outlay of Rs 567 crores of the De partment of Steel for next year (1978 79)

All those conditions and administrative bottlenecks are to be removed But the organising skill and the admit nustrative ability of the people who are around the project are complete ly absent. Therefore, your effort of going there, visiting the place and coming back, and patting the officers will not do anything Kindly see that the effort inside the project and by the Ministry 13 made

Apart from the turely construction of the project, the port and ship berthing facilities at Mangalore have to be provided immediately. The road that has been constructed is not an accordance with the specifications The machinery that they placed at their disposal to complete the project is still in the offine In Delha the officers are daily coming and going and spending a huge amount of money They are at the mercy of the contractors Many of the confractors are also blacklisted. These constructors are favour with the officers and making delay What will happen is that in the world market, the iron ore prices have already declined and, further delay would

not only cause financial loss but will nut the finances of this project doldrums and, ultimately, it will ruin the national economy. Therefore, I would request the hon. Munister to take it seriously and, if he has a mind to do it, he can take care of this haby m a proper manner

Apart from that, there is a lot of dissatisfaction in the matter of appointment of local people. There are a large number of unemployed people an Karnataka, including my constiinency of Tumkur Whenever you want to go to the Kudremukh project, you have to across my constiinearry A large number of unemployed people are there, diploma-hold. er, and engineers, and all those people could be draited. Several thousands of people can be employed in that project. Why do you deny an opportunity to them? We have to absorb them for the construction work, for the earth work, for the operation of machinery, for the construction of dams and all that That is very necessary It can be done unmediately. There is no dearth of suitable and qualified persons there so far as the employment is concerned The officers there are rejecting the people who are offering their services for such a prime project which will ultimately pave for the socio-economic changes in the southern States, particularly, in Karnataka State

I would like to pose a question as to whether the hon Minister is going to think of creating an atmosphere of confidence, in the matter of strictural changes in administration, in order to achieve the speedy implementation of the project shead of schedule in accordance with the agree-

What are your plans to see that our country will not suffer any losses because of the changes in the atmosphere of the world market regarding these price tariffs in accordance with the agreement, that is the penal clause wall not operate on such changes in the project? Therefore, I would like

to ask the Minister what are the assurances that he would give to remove bottlenecks which are coming in your way of administration of implementation of the project. Then there is a question of arrival of machinery for the construction of dams and other things and augmenting the required power shortage to meet the situation and construction of vital item. According to the schedule, there are certain items which had to be completed by certain dates. According to the schedule, take for example, the Tailings item. It must be completed in 1978. I do not know at what stage it is pending; as far as Warehouse at Kudremukh is concerned, it must be completed in August, 1978; as far as slurry pipeline is concerned, it had to be completed in June 1979; as far as preproduction development of mine concerned, it has to be completed in June 1979; as far as tailings handling and pump house is concerned, it has to be completed in July 1979; as far as crushers are concerned, they have to be completed in October/November 1979; as far as slurry storage and dewatering plant at Bangalore is concerned, it has to be completed in November 1979; as far as shiploading facilities are concerned, they have to be provided by November 1979 and as far as concentrator is concerned, it has to be completed in December 1979. Only four or five months have passed. Within this period, what is the progress.

As far as these confractors are concerned, this is a big headach. They do not allow even other contractors to work for small construction of roads. They want big contractors and global contractors to work. Why should they need such big contractors? You know about the U.S.A. Company who is operating tiere. There are many controversies. I do not want to raise it here.

SHRI BIJU PATNAIK: Raise it.

SHRI K. LAKKAPPA: There may be some efforts to cause this delay by these contractors; there is an apprehension to cause this delay regarding the construction of this project. What are your guidelines and what are your plans to see that such kind of things are stopped, as far as construction of projects is concerned, that have bean stipulated above, by these contractors? I would like to know what are the schemes or guidelines that you have got about them?

In view of all these things, I want a categorical answer for all the oues. tions that I have put which were not covered by the answer given by the hon. Minister and also the various questions put by various Members of parliament. He has stated no delay. In one word, he has finished all the questions. But I want a detailed answer from the hon. Minister. If there is anything from our side to do we will support the Ministry to see that everything is streamlined in a proper manner and see that the project is implemented in letter and spirit in accordance with the agreement. will get a good name and reputation for that.

MR. CHAIRMAN: Dr. Henry Austin.

DR. HENRY AUSTIN (Ernakulam): Mr. Chairman, Sir....

MR. CHAIRMAN: It is better if the Minister replies, at the same time. Otherwise, you will have no chance to clarify your points.

MAVALANKAR P. Ġ. PROF. (Gandhinagar): The rule provides that after the Member who has raised the discussion and who asks a number of questions, finishes his speech then the Minister replies to those questions and thereafter other Members who have given their names can ask questions. That principle is being followed. That is why, if the Minister now replies, then some of the questions which we have to ask will be climin. ated.

SHRI BIJU PATNAIK: There are hardly five minutes left,

MR. CHAIRMAN: The hon. Minister may reply.

MINISTER OF STEEL AND THE MINES (SHRI BIJU PATNAIK) I Jo not know what is the grievance There was a Starred Question No 325 dated the 16th March, 1978 My hon friend Mr Lakkappa whom I lovingly call Labdawalla has raised this discus The Starred Question No 325 S1073 was

- (a) whether it is a fact that the r-estigious Kudremukh Iron Project which is scheduled to be completed by the end of 1979 may take another two years for completon and
- (b) if so the reasons therefor My answer was
- a) No Sir My answer was that it a not a fact that the prestigious Kudremukh Iron Ore Project which is cheduled to be completed by the end of 1979 may take another two years fo completion Therefore to part (b) 1 and Does not arise
- to all his arguments saying that this is the problem or that is the problem my answer is still the same my answer is No Sir it does not ar se

SHRI K LAKKAPPA Sir are you sat thed with the answer? I have put sperific questions I have mentioned about power shortage and asked as to what are their plans I have said that the machineries are not moving and asked as to what are the reasons I have pointed out that there are administrative bottlenecks and asked as to what are the reasons for the same He has not replied to my questions at all To all my questions he says Do not arise Is this the reply in the Half Hour Discussion?

- MR CHAIRMAN It may not be sat sfactory to you. But he has rephed
- SHRI K LAKKAPPA He has to answer to my specific questions

SHRI BIJU PATNAIK To his speci fic questions that there are some hottlenecks, delays, administrative inefficiency, and all hat which will delay

the project my answer is still the same, my answer is 'No, Sir'

DR HENRY AUSTIN (Ernakulam) When the Agreement on the Kudremukh Iron Ore Project was executed with Iran on 4th November, 1975, by the Steel Authority of India, great hopes were raised all over the country particularly in those who speedy development of our country But when this Starred Question was put in the Lok Sabha on 23rd March 1978 the hon Minister's reply was not at all meeting the point on which Members wanted elucidation. In fact Mrs Parathi Krishnan characterised the Minister's reply as 'flippant' shall read out a portion from her supplementars She was referring to the article in the Business Standard which gave out the impression that the project was bound to be delayed causing heavy losses for our exchequer and creating complications in our relations with Iran-which we are considering to be a big thing in the context of the situation obtaining in South Asia After hearing the Minister's reply Mrs Parathi Krishnan said

'I would like to point out that the article referred to in the question is of a serious nature, but the answer is of a flippant nature"

I have been an associate of the hon. Minister Shri Biju Patnaik for the last 20 years I know his capabilities If only he was aware of the great expectations roused by this new pro sect particularly in the southern part of our country-I should not be parochial I would say in the whole country -he would not have answered that question then in that manner and also now particularly when it is raised as 4 Half an-Hour Discussion It has been raised as a Half-an Hour Discussion because people want further enlighten ment on this subject. By no stretch of imagination could it be said that the project is progressing in a manner which reinforces confidence in the people who look forward to the completion of this project according to the schedule This prestigious project is a

time-bound project as per the stipulations of the Agreement but I am afraid it is not likely to be completed according to the schedule. According to the project schedule it has to be completed I think by December 1979. Commercial production is to start with four months thereafter and shipment of concentrates to Iran should be begun by August 1980. My Constituency is not far from there and I have reports that in the various segments that are there, the 'progress that was looked forward to is not there: there is hardly any appreciable progress.

You have allotted eleven contracts involving a crore of rupees above, to eleven contractors, most of whose antecedents are shady. Some of them have been black-listed and it has been known that contractors in this category have been on record for always asking for more time. They want the escalation of prices so that they can argue for more prices. Delay means, as you know, international complications as well and so people have begun to feel that, having employed these contractors who have been proved to indulge in this kind of dilatory tactics, this project is likely to suffer, with disastrous consequences to our nation and particularly to our economy.

Hardly a few months are left for completion and, in the field of construction of 282 residential quarters which is a pre-requisite for effective work, what is the view? We would like to know the progress that has been made—though this is not a basic or substantial aspect.

Now, in the piling work of silos the progress, according to our report, is negligible. This is a vital segment. You have said "I still, stick to the reply that I given" but that is not illuminating enough. In Parliament, we Members of Parliament are duty bound to extract from you or to sak of you to give further information.

When we have reports, for instance, that in a vital sector of the project, the piling work progress has been practically nil or not at all commendable, you have the responsible hity to enlighten us. In the Civil Engineering Works also the work is tardy: it has not been progressing, In the last six months there is considerable lack of progress; there is delay. Particularly, there is this lethargy or difficulty in the construction of the Lakya Dam which is a basic component of the whole scheme. The dam is affected by various factors. All these things have been detailed by Mr. Lakkappa-managerial or structural, or probably lack of co-ordination, proliferation, duplication or whatever may be the reason, whether managerial or administrative or due to many other factors like lack of coordination and a proper direction as well. Even in regard to the foundation for concentrates storage, it is said that Penambur is reported to be behind schedule. This is no small matter; this is a matter which is going to affect the nation vitally. For instance, he has said that he has given this contract to Messrs. Dorsel Private Ltd. for laying of iron-ore slurry pipeline, This is a most important thing. If it is not completed. ..

MR. CHAIRMAN: Dr. Austin, you have two questions. One question is whether the project will be completed in time: that is the main question. The second question is, how far the progress is going on. These are your two questions?

SHRI K. LAKKAPPA: The manner in which he has answered is not satisfactory. Please direct him to give full details. Or, he may make a statement itomorrow: we have no objection, if he has not studied the problem properly. We should not he treated in a light manner.

MR. CHAIRMAN: These are your two important questions. Now the Minister.

I have not DR HENRY AUSTIN completed.

MR CHAIRMAN There is no time (Interruptions)

SHRI K LAKLAPPA reliction of duty on the part of the Hinister We will take it very seri ously He has no respect for Parliament

MR CHAIRMAN Mr Lakkappa has spoken everything in detail Now Dr Henry Austin has asked two questions one whether this project will be completed in time two how far the progress is going on

DR HENRY AUSTIN The hon Timister has a background of steward-·hip of Orissa State and he has been very dynamic But in this project there is hardly any involvement of the people Those who have gone to Mangalore to study this project, they my that the people in the area do not know what is happening there It has become a completely bureaucra tic and official arrangement. How can a project of 600 million dollar invest ment be completed without the parts cipation of the people? I am afraid even the State Government does not have a locus stands there The lea ders of that area do not know about this The whole thing is being con centrated in Bangalore and Delhi among the officers The Janata Covernment is on record of saying and it has proclaimed from the house-tops that they are going to involve the ren's population out even for manual work they are not involving the peo ple here and the project is nearing completion Nobody knows what is happening There is no peoples participation

You are duty-bound to explain to the House how far the work has progressed in these eleven years. Here you have invited these multinationals and some of them are those who have a shady background The hon Minister cannot say that everything is progressing well You know, the things are not progressing satisfactorily All these projects are running at a snail's pace Kindly enlighten us, I do not want to put the questions formally

PROF P G MAVALANKAR Let three of us complete the questions and then the Minister can answer all together That has been the practice

MR. CHAIRMAN Let the Minister answer this first

SHRI BIJU PATNAIK Sir. I do not want to go into all the details of the road tunnel and things like that I will just take one item. The hou-Member said that the silos were highly complicated and sophisticated and that there was no sign of it I would like to tell for the information of the House that the first sllo with a height of 36 meters and a diameter of 18 meters employing highly sophisticated technology for construction was alreads completed on the 7th April, 1978 Therefore the original report on which they are relying the manner of their presentation and from wherever they have got this report ere all totally at fault, they are faulty, there is no basis and in fact, they are baseless. My answer was categorical I could not be more categorical than that I do not think, on a project like this, the Government has been more categorical when I say there shall be no delay and the first ore shall be exported on 23rd August 1980 What more can I say?

PROF P G MAVALANKAR shall be very brief, and I will tell you how I was prompted to participate in this half an-hour discussion. In January this year 1 had occasion to go to Mangalore and it was my first visit to that beautiful part of our country I must say that not only I was impressed by the Mangalore port and its surroundings, but while I was going round the Karnataka area, I also happened to go through the -133

the press reports about Kudramukh and read them later on in Delhi, I felt prompted to participate in this discussion.

I want to ask only two very brief questions. While I ask these questions, I want to go on record that I am in agreement with the Minister when he says that the Government have been going on schedule. In fact, ny information is, and he may corect me if I am wrong, that in respect of some projects in some areas, they are even shead of the schedule. The Winister himself has said so, and even he Chairman of the Project, Mr. C. C. Khanna also said, that they will stick to the date and the first ship will go to Iran on the 23rd August, 1980. So far so good. We are proud of the fact that India's second generation of good promising, bright, technically well-qualified engineers are at this tob, and they are doing such good work in time and it will lead to India's development, and it will be very good economically.

Now, my question is: first of all, does he not envisage— it is all right saying that there will be no delay in terms of targets—a certain additional cost in the process of going shead? My question is: even though he may be able to reach the target, whether the 630 million dollars which Iran gave by way of credit will not go upto some more millions and it so, what is the additional expected cost involved? This is No. 1.

Secondly, with regard to the need for power, it is true that the months are still many. But you have to exclude the monsoon months because the rainfall in that part of the country is very heavy and it ranges between 200—250 incites and so you have to exclude the monsoon months of July—September when practically the work is almost stopped. This is one obstacle and if there is going to be an additional obstacle of inadequacy.

of power, there will be perhaps some delay and I want to know whether the supply of power to the project operations is adequate or not and what steps are the government taking to see that power is also adequate? I hope he will answer these noints.

SHRI CHITTA BASU (Barasat): I am also interested in taking part in this short discussion because there are various press reports. The press reports are that India may incur big losses in this project. It also suggests that India will get lower prices than the comparable international prices and added to these as my esteemed friend has suggested there will be cost escalation also. If on the one hand, there is cost escalation due to various reasons which I do not want to mention as some of them have already been mentioned, one aspect of the thing is that there are possibilities of escalation costs. On the other side there is the press report that this project will not cam profits. Whether it will incur heavy losses should be clarified to this House. On these two points, whether there will be a heavy loss and whether there will be an escalation of costs. the House would like to be assured. He said that it will be completed according to schedule and there I have no quarrel with him.

SHRI BIJU PATNAIK: The simple point is of escalation which was raised by Prof. Mavalankar. As the time goes on there is bound to be some marginal escalation as costs of many things go up. Power rates go up, customs duty is increased. These are accepted escalations. Import duty is one of them. Taxes have gone up. Power Rates have gone up. The Parliament bas added 2 paise as duty. The excise has gone up from 2 to 5 per cent. These escalations are bound to take place. But that will not jeopardise the project. It will be only marginal to the extent of 7 to 8 per cent and it will not be of the order of olden days when a Rs. 20 crores project went up to Rs. 200 crores. This I can assure the

# [Shri Biju Patnaik]

435

House categorically ... (Interruptions) In your government's time it was happening Nevertheless I do not want to enter into politics

Second is the price There are certain escalations and de-escalations and on the basis of world market prices certain base prices have been fixed which will help us To-day if we have to fix the price on the depressed world market it will not be belpful. So, certain base prices including the cost of transport from Mangalore to Iran and oil prices have been taken into account in fixing the price and to the extent that is regulated, it will not give us an enormous profit if there is a higher rise in price and it will also not give us an enormous loss if there is a depression in prices So I think, by and large, the project will do well.

As far as power 13 concerned, the dams are left with the Karnataka Government and their work so far is likely to be delayed by one year Their progress of work has not been satisfactory But the government of Karnataka is hound by an agreement to supply from their sources 80 MW of power to the Kudremukh project so that the project is not hampered

For example you talk of costs Government of Karnataka has just doubled the power tariff in that State I have written a letter in protest to the Chief Minister If that comes there will be additional cost of Rs 2 crores Mr Lakkappa and other friends from Karnataka will do well to take up with their Chief Minister not to raise the cost by this kind of arbitrary action. In no other State it has been done so far

### (Interruptions)

SHRI K LAKKAPPA You have put only one Director Why have you not put another Director?

SHFI BIJU PATNAIK If it is going to bring power tariff down, I am prepared to appoint Mr Lakkappa If he may give me guarantee to bring power tariff down, I am prepared to do that That Is not the question. But no State in the country doubled the power rates

### SHRI P VENKATASUBBAIAH (Nandyal) Harvana

SHRI BIJU PATNAIK Nobody has doubled he power rates. The extra rate is only on the Excise duty that has been levied by the Central Government. Over and above that they have doubled the rates By this not only the Steel Works are being affected, all your plants consuming higher power too will be affected. All your mini steel plants will he closed very soon This will have an additional cost of R3 2 crores in construction and running cost of about Rs 500 lakhs every year, which will raise the cost of production

So, my first action was that I have written to the Chief Minister I am sure he will consider tt in the interest of the State and the project in the South I am sure you will have to convince him. There is some neces sity

You will take care of the project that is going on there You do not want to kill that project It may prove so expensive which is not provided in the original agreement rates and tariff

There is another question that has been asked by Shri Chitta Basu I have already answered that question I would like to convince him but I do not know how to convince the un convinced But I wish to say quite emphatically that the project is going on, on a sound basis There have been bottlenecks which the Ministry have cleared For example there was going to be considerable delay in building that road on the Western Ghat because it was at that time, handed over to the PWD in Karns taka They neither had the capacity nor the machinery to do that soon as I took over, I asked the Army Border Road Organisation as well as the Railways to take up the bridges

and the roads on a very high priority footing. The road which was according to the Karnataka PWD to be completed next year has already been completed and the vehicles are running. This would in turn take heavy equipments from Mangalore Port to Kudramukh the heavy items like concentrators, etc.

He says about delay. Out of the tunnel of 12 kilometre all that is left is only 200 metres.

I to not wish to use rough wordssome correspondents writing something and somebody else writing some thing else and making hullabaloo Sensationalism, I do not believe in. You

must have noticed for the last whole year, since I have been in Government, I have not made one political statement. I do not believe in sensationalism. I have been authorised and asked by the Prime Minister to do a job and I am doing it to my own satisfaction and I may assure that it will be ended to the full satisfaction of the House.

MR. CHAIRMAN: Thank you for your reply.

### 18.43 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday, April 14, 1977/Chaitra 24, 1900 (Saka).

# CONTENTS

No.37, Friday, April 14, 1978/Ghaitra 24, 1900 (Saka)

|                |  |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | Columns             |
|----------------|--|------------------|----------------|---------|-------------------|-----------------|-----------------|------------------|--------------|--------|---------------------|
| Orai A         | nswers to Q                            | uestio           | ns:            |         |                   |                 |                 |                  |              |        |                     |
| Starr          | ed Question                            | s Nos            | . 721          | to 724  | and ;             | 728             |                 |                  |              |        | 1-28                |
| Writter        | n Answers to                           | o Ques           | stions         | ::      |                   |                 |                 |                  |              |        |                     |
| Star           | red Question                           | is Nos           | . 720          | , 725 t | 727               | , 729           | and 7           | 31 to            | 7 <b>3</b> 9 |        | 28-42               |
| Unst           | arred Quest                            | ions N           | ₹os. 6         | 731 to  | 6856              | s and           | 6858            | to 69            | 30           |        | 43-25               |
| Dear           | ent re Gove<br>mess Allows             | ince to          | nt's d         | ecision | to p              | ay th           | e sixtl         | h insti<br>cash- | almen<br>-   | t of   |                     |
| Sh             | ri H. M. Pa                            | itel             | •              | ٠       | •                 | ٠               | •               | •                | ٠            | ٠      | 251-52              |
| Papers         | laid on the                            | Table            |                |         | •                 | •               | ٠               |                  | ٠            | ٠      | 253-54              |
| Statem<br>of S | ent & Agre<br>alal Hydro               | ement<br>-electr | betw<br>ic Pla | een In  | dia ar<br>river ( | nd Pai<br>Chen: | kistan<br>15 Ma | regar<br>in—     | ding d       | lesign | 1                   |
| Si             | nri Atal Biha                          | ari Vaj          | paye           | c       |                   |                 |                 |                  |              |        | 254 <del></del> 260 |
| Comm           | ittee on Pap                           | ers lai          | d on           | the Ta  | ble—              |                 |                 |                  |              |        | -                   |
| M              | linutes .                              |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | 261—262             |
| Assent         | to Bills                               |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | 262                 |
| Public         | Accounts C                             | commi            | ttee-          | -       | •                 |                 |                 |                  |              |        |                     |
| .s             | eventieth Re                           | port             |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | 262                 |
| Comn           | nittee on Pap                          | ers lai          | id on          | the Ta  | ble-              | -               |                 |                  |              |        |                     |
| T              | hird Report                            |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | 362                 |
| Comn           | nittee on Pui                          | blic U           | ndert          | akings- | ~                 |                 |                 |                  |              |        |                     |
| T              | hird Report                            |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        | 263                 |
|                | ers under rui<br>Reported<br>West Beng | contin           |                | closus  | e of              | S0              | me ĵ            | ute .            | Mills        | in     |                     |
|                | Shri Saug                              | ata Ro           | y -            |         |                   |                 |                 |                  | ٠            |        | 263                 |
|                |  |                  |                |         |                   |                 |                 |                  |              |        |                     |

<sup>\*</sup>The sign+marked above the name of a Member indicates that the question was actually asked on the floor of the House by that Member.

| i  | CGLUMNS           |
|--|-------------------|
| (a) Reported violation of Shillong Agreement by Indian Security Forces—  |                   |
| Shri Jyotirmoy Bosu  | 2636 <sub>4</sub> |
| (iii) Reported inadequate representation of the people belonging to socially and educationally backward classes in services— |                   |
| Shri B P Mandal .  | 264               |
| (iv) Declaration of 14th of April, the birthday of late Dr<br>Ambedkar a national holiday—                                   |                   |
| Snr. Ramp Laf Suman  | 26465             |
| <ol> <li>Re, Placing of Interim Report of Shah Commission of<br/>Inquiry before Parliament—</li> </ol>                       |                   |
| Shri Han Vishnu Kamath   | 265               |
| Demands for Grants, 1978 79-   |                   |
| Ministry of Labour 26  | -315, 320         |
| Shrı Ramdas Singh  | 267-74            |
| Shrimati Virinal Gore  | 274-83            |
| Shri K. A Rajan  | 28388             |
| Shri Purnanarayan Sinha  | 283~92            |
| Shri Chitta Basu   | 29295             |
| Shri Larang Sai  | 296-302           |
| Shri M. Ram Gopal Reddy  | 303-304           |
| Shri Janardhana Poojary  | 304-307           |
| Shri Jagdish Prasad Mathur   | 33711             |
| Shrı Ugraşen   | 311-15            |
| Shri K. Lakkappa   | 320~              |
| Statement re thing over of management of entire Group of   | ,                 |
| Swadeshi Cotton Mills Company Ltd , Kanpur   |                   |
| Shri George Farnandes  | 315-20            |
| Committee on Private Members Bills and Resolutions   |                   |
| Stytemak De  |                   |

Sixteenth Report

COLUMNS

|     |                         |        |        |        |        |        |       |       | _ |        |
|-----|-------------------------|--------|--------|--------|--------|--------|-------|-------|---|--------|
| Re: | solution re Continuano  | e of E | nglish | as A   | dditio | nal Li | nk La | nguag | e | 321-55 |
|     | Shri Yuvraj             |        |        |        |        |        |       |       |   | 321-24 |
|     | Shri Pius Tirkey        |        |        |        |        |        |       |       |   | 324-25 |
|     | Shri B. P. Mandal       |        |        |        |        |        |       |       |   | 325-26 |
|     | Shri K. Lakkappa        |        |        |        |        |        |       |       |   | 326-29 |
|     | Shri Samar Guha         |        |        |        |        |        |       |       |   | 329-34 |
|     | Shri Kanwar Lal Gu      | pta    |        |        |        |        |       |       |   | 334-38 |
|     | Shri A. Sunna Sahib     |        |        |        |        |        |       |       |   | 338-39 |
|     | Shri Ram Vilas Pasw     | an     | .•     |        |        |        |       |       |   | 339-42 |
|     | Shri Charan Singh       |        | ,      |        |        |        |       |       |   | 342-50 |
|     | Shri S. D. Somasund     | aram   |        |        |        |        |       |       |   | 350-54 |
| Res | olution te Setting up o | f Net  | aji Na | tional | Acade  | my-    | ٠.    |       |   | 355-76 |
|     | Shri Samar Guha         |        |        |        |        |        |       |       |   | 355-69 |
|     | Shri Shyamaprasanna     | Bhat   | tachar | yya    |        |        |       |       |   | 371    |

Shrl Ugrasen .

### LOK SABHA

Friday, April 14, 1978 Chaitra 24, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[Mr. Speaker in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

श्री मुरेन्द्र विकम : यघ्यक जी, श्रीज हम तोगों को भाने पर में बड़ी असुविधा हुई, बड़ा शोर मचा रहे हैं, ऐसा क्यों है ?

श्री हुकम जन्द कछवाय: पॉलियामेंट हाउस में यह पहली घटना है। अन्दर कैंसे आपे?.... (च्यवशत)\*\*

MR. SPEAKER: I am on my legs. Don't record it.

### (Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: There are some things which have to be tactfully handled. There are about 30 or 40 people. They will disperse. Let us not give more importance than they should have.

Scheme for production. Procurement and distribution of Essential Commodities

\*7a1 SHRI K. RAMAMURTHY: . SHRI SOMNATH CHATTER-JEE:

Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the details of the scheme for the production, procurement and distribution of examinal commodities like cereals, sugar, kerosene, cloth, vegetable alls and vanapati that is reported to have been finalized by the Government; and

(b) how and when this scheme will be implemented?

\*\*Not Recorded. 433L.S.-- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI KRISLINA KUMAR GOYAL):

(a) and (b) The main feature of the scheme for increased protuction and distribution of essential commellities, creatised to the State Governments for their views and recommendations are given in the statement attached. Pyruher action to finalise the scheme for implementation will be taken on receipt of the views and recommendations from all the State Governments.

### Statement

1. Scheme aims at increasing the production of ocertial must consumption good duction equitable and control of the control

a. The talks envisaged and the action plans suggested emphasise the med for the control of the control of the control of the of commodities in their supply, for which both short and leng term measures have to be taken. In the formulation of the chience, financial constraints have been tale in first account and the approach is to make the optimum use of the control important features of the new policy for strengthening of the public distribution system cover the following:

Effective distribution of essential commodities already covered and addition of new commodities to the distribution system. The scheme envisages initial coverage of cereals, sugar, kerosene, cloth, vegetable offs and verne-pair

and selected manufactured atems of mass consumption

Oral Answers

In respect of selected manufactured items of mass consumption, such as todet

particular the needs of the vulnerable segments of population for taking measures to meet them

buffer stocking of cereals pulses, edible oils or oilseeds cotton etc and imports of required resential articles.

bringing about rationality in the areas of storage transport and distribution COST

removal of imbalance in the allocation of commodities between urban and rural areas and their prices,

operative network both in the urban and rural areas for distribution. If necessary the Gram Panchayats may also be en couraged to take up this responsibility,

increase in the number of retail out lets to cover far flung areas in such a way that there is at least one outlet for a population of 2 000

improving the viability of fair price shops through a judicious sales mix and mutumum sales tumover

establishment of Vigilance Commi ttees with the involvement of consumers endowed with statutory powers for exercising supervision and vigilance

SHRI K RAMAMURTHY Government have evolved a new scheme for production and distribution of essential commodities to the weaker sections and the working class But, Sir, it is not possible to achieve the goal unless the middlemen are eliminated from this system, particularly an between the production, procurement and distribution systems. In the mean time as the Government prepared to come forward with a policy to nationalise the basic industries which produce the essential commodities?

Oral Answers

थी कृष्ण कुमार गोयल इस स्थीम म बहुत स्वय्य विया गया है कि बर्तमान पब्लिक डिस्टीव्ययन मिन्टम म जिन ऐमेरियन वर्मान्टिने का कार किया हुआ है, उस के धलावा ग्राय ग्रीर ग्रावश्यक वस्तुर भी इस डिस्ट्रीब्यूधन सिस्टम म इन्तनूट की जान बाली है चौर उन वे जिय धफर स्टान की त्रिएशन विया जाना है। प्रावस्यक वस्तुप्रो मै मिफ एपीनल्चरत प्राज्यम ही नहीं, बल्कि मैन्यफैक्चडं गड़म भी है। इस सारी स्कोम ने लिय व्यवस्था नी गई है लेकिन बीच के व्यक्ति का मिटिल मैन का. एलीमिनेट वरने प्रयवा इन्हें नेशनलाइज वरने ना सरकार का काई विचार नहीं है।

ment has statted a Civil Supplies Corpora tion to supply the essential commodities to the weaker sections as well as the working class whereby the Government have com-

button and procurement in the overall policy of this country?

स्वी कृष्ण कुमार गोयल उत्तर म स्पष्ट कहा गया है कि इस याजना का समस्त राज्या वे मुख्य मलियो का मेजा गया है और उस सम्बन्ध म उन के सजीशनम और कमैट्स मार्गेगय है। वई राज्या वे वर्मेटस और सर्जेशन्स प्रायेभी हैं ग्रीर कुछ राज्यों के से अभी आने बाको हैं। 15 अप्रैल तर यह आप जाने चाहियें ऐसातय किया गया थी, परन्तु कुछ राज्यामे अभी चुनाव हुए हैं जो माननीय सदस्य ने कहा वह सब सरकार के अन्डर कसीडरेशन है, उस पर विचार

6

कर के तभी एक नोट कैवनेट में यववल के लिये जायेगा श्रीर उसके बाद इम्प्लोमेंटेशन की कार्यवाही को जायेगी।

MR. SPEAKER: Shri Jyotirmoy BOSU-He has been authorised by Mr. Somnath Chatterice to ask a supplementary on his behalf.

SHRI JYOTIRMOY BOSU. May I know from the hon. Minister whether in the public distribution system which was being gradually dismantled in a systematic and planned manner by the erstwhile Prime Minister, Mrs. Gandhi, they have been able to restore the position that was been able to restore the position that was afready there and on top of it whether they have been able to add anything more than what was already there? If so to what extent and what are the items that have been covered in this system?

आरे कृष्य कुमार गोयलः जैसा कि माननीय सदस्य जानते हैं, धात पब्लिक डिस्टीब्यणन सर्विस सिस्टम के माध्यम से सोरियलम्, गगर, करोसीन ग्रायस, कोल श्रीर क्लाथ की, डिस्ट्रोब्युट किया जा रहा है, इस के जलावा जिस समय सरसों के तेल की की मतें काफी बढ़ी और देश में रील की यभी नजर आई, तो राज्यों की मांच के ग्रनसार रिफाइन्ड रूप में ग्रायातित (100norted) रेपसीड आयत को फेयर प्राइत गाप्त के जरिये डिस्टोटपुट करवाया गया।

SHRI JYOTIRMOY BOSU: The public distribution system was being gradually dismantled by the erstwhile Prime Minister. I want to know whether they have restored the whole position and whether they have added to the system that was already there. If so to what extent...? .

MR. SPEAKER: He has told that.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: He has talked about the second part of the question. He has named three or four items. That

श्री कृष्ण कृमार गोयल : यह सत्य है कि इस के बीच श्रवधि में जिन फेयर प्राइस काप्स द्वारा सोरियल्ज का डिस्टीव्यशन होता **या, वे** डिसकान्टीन्य् हुई थीं लेकिन ग्रावज्यकताओं को देख कर उन की स्ट्रोंगदन किया गया है : चौरियल्च की नवाननैटी को बढाया गया है। गांवों और महरों में जगर की डिस्टोव्यशन में जो डिस्पैरटी थी. उस का खत्म किया गया है। ये सब बस्तएं स्टेंगदन की गई है और धीरे धीरे, कांग्रापरेटिव सैंबटर को एनकरेज किया जा रिहा है।

श्री एस० एस० सीमानी : मंत्री महोदय ने अभी कहा है कि वह मिडलमैन को समाप्त करने की स्थिति में नहीं है, श्रीर समाप्त करना नहीं चाहते हैं। किन्त धाज बांबों में यह स्थिति है कि लागों का शकर और कंदोल का कपड़ा नहीं मिलता है, जबकि ब्लैक मार्केट में बारे के बारे घनर और धान के बान कपड़े तेचे जाते है। स्या मंत्री महोदय इस को श्रवग से चैक करने की व्यवस्था करेंगे ?

श्री कृष्ण कुमार गोयलः मानभीय सदस्य ने डिस्टीब्यमन की कुछ बराइयों और ब्लैक मार्केटिंग के बारे में कहा है। साननीय सदस्य इस बात को मानेंगे कि इम्प्तीमेंटेसन राज्य सरकार की एफीमियेंसी क्रोर उन के कार्यपर निर्भर करता है । अब कमी भी इस प्रकार की कोडी सूचना याती है, राज्य सरकारों को पुरकोर मध्दों में धागाहकिया जाता है। राज्य सरकारीं की यह भी हिदायतें दी गई है कि विजिलेंस कमेटी को दोवारा जिन्दा किया जाते श्रीर उन्हें स्टैबुटरी पावर्जदी आयें 1 डिस्टिब्बशन सिस्टम को और स्ट्रोगंदन करने की व्यवस्था की गई है।

**श्रोएम्० रामगोपाल रे**डड़ी: नंत्री महोदय ने कहा है कि बहरों घीर गांवों में वरावर शुगर दी जा रही है। मैंने श्रान्ध्र प्रदेश के कई गांवों में पूछ-ताछ की है और मझे पता चला है कि वहां गांवों में गूगर उस क्वान्टिटी में नहीं दी जा रही है, जितनी शहरों में दी जाती है। इस में सेन्ट्रल गवर्नमेंट की गलती है या स्टेट गवर्नमेंट की गलती है । यदि इस में

Oral Answers

7

सेन्ट्रल गवर्नमट की गलती नही है, तो उसा मत्री महादय इस बारे म स्टेट गवर्नमट की तवज्जुह दिलायेगे कि सब जगह जुगर का बराबर नेबान्टिटी म तत्रसीम विषा जाये ।

श्री कृष्ण कुमार गोयल गाननीय नदस्य जानते हैं कि शबर क सम्बंध म सरकार ने यह नीति घाषित की है कि शहरा सीर ग्रमीण क्षेत्राम हर एव व्यक्ति का 425 ग्राम जकरहर महाने बार्ड क्यानुसार दी जायेगी। 1978 का पापुत्रशत का आधार जनाकरहरएहस्टेटकाजा नाटा जनता है वह में ररदारा स्टेटम था दिया गया है और उन्ह कहा गया है कि वे गावा भार महरा म टिस्ट्रीयुगनम दिसी प्रकार का ग्रन्तर न रख। माननीय सदस्य न क्रान्ध्र प्रदेश की बात कही है। मैं धपन स्तरपर इन बार म स्रान्ध्रप्रदर्शनस्त्रार्थे क्ट्रगा कि गाव। में भी शरूर समान रूप में बाटी जाये।

Rise in Prices of Commodities

\*722 SHRIK A RAIAN SHRIP K KODIYAN

Will the Minister of FINANCE be pleased to lay a statement showing

(a) whether Government are aware that the prices of almost all commodities have started showing an upward trend innce March this year,

(b) if so, what are the details of the weekly price index, wholesale as well as retail, since January tlis year, and

(c) whether recent runns trend of price index has been attributed to the new tax proposals in the budget?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) The All Commodities Index Wholesale Prices (1970-71)-100) moved up from 180 3 for the week ended Febre ary 25. 1978 to 182 4 for March 16, and then declined to the 7 for the week ended

h 25 1978 While in this period
the prices of coal electricity and some industrial products have gone up those of some important stems such as foodgrains, edible oils and raw cotton bave fallen

I may mention that for the week ending April 1, prices have gone down further to t80 g

(b) A Statement thowing weekly indices of Wholesale Prices, by principal groups unce the last work of December 1977 is laid on the Table of the House The All India Industrial Workers Consumer

(c) The Budget proposals have undoubtedly had some effect on the wholesele price index but it would not be correct to say that a rusor trend had set in as const . Quence thereof

Oral Answers

# Index Numbers of Wholesale Prices—Principal Groups. (Base: 1970-71-100) Statement

|   |          |          |         |         |                                | INDEX   |        |         | 1                       |              |        |              | į              | and market lines                        |
|---|----------|----------|---------|---------|--------------------------------|---------|--------|---------|-------------------------|--------------|--------|--------------|----------------|---|
|   | Weight - | 31-12-77 | 9-1-78  | 14-1-78 | 7-1-78 14-1-78 21-1-78 28-1-78 | 28-1-78 | 4-2-78 | 11-2-78 | 11-2-78 18-2-78 25-2-78 |              | 4-3-78 | 11-3-78      | 18-3-78        | 25-3-78                                 |
|   |          |          |         | 3       | 18.                            | 180.2   | £ 8    | 8 8     | (E)                     | (F)<br>x80.3 | (P)    | (F)<br>6.x8x | (P)            | (F)<br>#8#:7                            |
| COMMODITIES   | 100.00   | 7 Co.    |         |         | -                              |         |        |         | K77.0                   | r.17. 7      | x77. z | 6.44x        | 178.a          | 377.3                                   |
| rimary Articles   | .tr. 02  | 103.0    | 6 .7.1. | 174.0   | _                              | -       | 169.8  | _       | -                       |              | 169.0  |              |                | 170.3                                   |
| Non-food Articles Miterals  | 10.62    | 172.7    | 480.7   | 171.8   | 180.7                          | 480.4   | 473.4  | 473.4   | 473.4                   | 473.4        | 473.4  | 473.5        | 473.6<br>473.6 | 473.0                                   |
| Fuel, Power, Light &  | 0.46     | 234.1    | 234.1   | 234.1   | 1.462                          | 234.1   | 1.468  | 4.46    | 234.4                   | 234.4        | 4.0%   | 240.3        | 4.00           | 240.4                                   |
| Marie Course of Products  | 49.87    |          |         | 177.3   |                                |         | x74.8  |         | 173.7                   |              |        |              | 9.941          | x75.3                                   |
| . Food Products.  | 13.33    |          |         | _       |                                | 167.2   | 163.7  | 161.7   | 129.8                   | 129.8        | 161.4  | 1.63.1       | 6.891          | 101.9                                   |
| Tobacco Products.   | 2.2      |          | 174.9   | 6.4/1   |                                |         | 170.5  | 170.5   |                         | 170.3        | 175.7  | 176.2        | 176.0          | 176.8                                   |
| Textiles  | 11.03    | 0.941    | -       | -       | -                              | -       | 176-8  | 1.96.1  | 176.2                   | 9.541        | 173.8  | 175.7        | 1,76.6         | 173.8                                   |
|   | 0.85     | 103.4    |         |         | 184.9                          | 6.481   | 184.7  | 184.7   | 1.64. 7                 | 184. 7       | 186.7  | 196.7        | 2.061          | 190.1                                   |
| Products.   | 0.38     | 220-5    | 230.0   | 234.0   | :36.3                          | 235.7   | 235.3  | 235.3   | 234.3                   | 433.6        | 233.6  | 233. 7       | 232.3          | 231.8                                   |
| Ruhber & Rubber Pro-  | 1.38     | 136.7    | 155.8   | 155.8   | 156.8                          | 155.8   | 156-7  | 156.7   | 1.96.3                  | 126.7        | 1.56-7 | 126.7        | 158.3          | 120.0                                   |
| G. Chemicals & Chemical<br>products.  | 5.5      | 172.1    | 172.3   | 172.2   | 172.8                          | 173.0   | 172.4  | 172.1   | 172.1                   | 172.5        | 172.5  | 172.6        | 173.0          | 173.0                                   |
| H. Non-metallic Mineral<br>products   | :        | 195.2    | ı.661   | 199.0   | 199.0                          | 6.861   | 198.3  | 198.4   | 198·9                   | 200.         | 0.100  | 201.0        | 199.9          | 199.9                                   |
| <ol> <li>Basic Metals, Alloys &amp;<br/>Metal Products.</li> </ol>                          | 2.02     | 1.361    | 194.5   | 9.461   | 9.61                           | 9.461   | 195.0  | 195.4   | 195.1                   | 136.4        | 0.951  | 0.y61        | 196. B         | 196.8                                   |
| <ol> <li>Machinery &amp; Transport<br/>Equipment</li> <li>Miscellaneous Products</li> </ol> | 6.72     | 173.3    | 19.3    | 173.3   | 173.1                          | 174.4   | 172.7  | 1.961   | 173.6                   | 173.0        | 182.9  | 174.8        | 374°9<br>182°3 | 176-22<br>183-6                         |
|   | 1        | -1       |         |         | -                              | 1       |        |         |                         | -            |        |              | -              | *************************************** |

(P)-Provisional.

Of course I

SHRI L. A. RAJAN On the last point mentioned by the hon Minister regarding the effect of the budget on resing prices, facts are contrary to what he had stated. There is apprehension that prices may again go up. The hon. Mi nister says that there need be no anxiety that prices will further rise like to know from the hon Minister what is the guarantee that further rise in prices will not be there?

Oral Answers

11

SHRI H M PATEL There can be no guarantee in such matters but probabilities are that there will not be a nsing trend I may say that one of the reasons, for this which you can see is that the increase since if e Budget, bet ween 25th February and 1st April 25 0 3 per cent

श्री उप्रतेन मन्नी ने महादय जा वस्तव्य दिया है उस स सदन वा मान हुआ है कि बहुत भी चीजा के दाम गिरे है। मैं उन में स्पष्ट ऋप में जानना चाहता हूं कि क्या उन्हें जानकारी तै कि नागजमित्र के मालिकान पन्द्रह दिन मे भ्रपन कागज का भाव 15 प्रतिज्ञत वदा विधा है और नागज को पहल कमी भी हा गई है। आगे ब्राने बारे दिना म, जब वश्वो के स्कूल कालज खुलेंग्रे तब इस बार म बहुत रहिनाई रा भामना बरना पडेगा । मैं यह जानना चाहना ह कि इस स्थिति का नामना करने ये तिए मनी महोदय क्या कर रहे हैं?

SHRIH M PATEL I bave idea about the paper prices but I shall certainly go into it and see why it is that there is any shortage

SHRI P VENKATASURRIAH Since this government's coming into power all onces especially of essential cosm modities have been skyrocketing and there is scarcity amidst plenty. The hon, Minister has been telling us that the budget has some salutars effect in brun-ging down prices The price of sugar has one up whereas the price of sugar cane is where it was So is the case with cereals the have been having a

prices are brought down and also whether he has got any scheme of announcing support price to various agricultural commo-

Oral Answers dities to do justice to the consumer as well as the producer

SHRI H M PATEL do not accept the hon. Member's premues that excrance this government came into power priors have skyrocketed, they are today lower than what they were when we came to power. Now so far as the other points are cor-

ss still shortage Nevertheless even there, through suitable arrangements, the prices are kept under reasonable control. The question of support price does not arise. In many cases the support price is there. It has already been the policy of the Government and is being done with regard to wheat, oil gram etc for which support prices have been declared

थी हुरम चन्द्र कछवाय माननीय मती जी ने बनाया कि मूल्य परे हैं। यह बात सही है कि गुष्ट सम्य पटे है लेकिन कुछ चीतो व मून्य बढे भी है। उदाहरण वे निए नागज के मूल्य 30 स 35 परसेट वडे है । वेपर मिस वारे अपने ऐजेंदों से पाच पाच सी स्पने स कर तब उन वां भागअ देते है। इस की वजह से रागज मार्नेट में बहुत महरा मिल रहा है। स्टील वे बतना वे मूर्य 20 से 23 परमेंट बडे है। सीमेंट ना मूल्य 15 से 18 परमेंद बढ़ा है। ये जो मृत्य बढ़े हैं भीर जाय आकडे सामने ब्राये है, क्या माननीय मन्नी जी यह बतायेंगे कि इन का ठीक प्रकार में बट्टोल करने के लिये ग्रीर इन का बैब करने के लिये वे बाई कार्यवाही करेंगे?

You have made NIR SPEAKER some concrete suggestions

It is quite SHRIH M PATEL correct that the price of cement, which is in short supply, has gone up Arranimport or otherwise, the availability of cement is made more satisfactor) think that at will be possible to keep the price of cement under control About the price of paper, I will look into it

यो हुक्म चन्द कछवाय स्टील वे सर्तनी के दाम बढ़ है, कागज के बारे में भी मैंने Oral Answers

13

..... ( व्यवधान )......

SHRI H. M. PATEL: About the price of paper, I did say that I shall go into the question (Interruptions)

MR. SPEAKER: Don't record. (Irterreptious |\*\*

SHRIH. M. PATEL: About stain-less steel, I do not kdow. But the prices have not increased to any very great About stainextent.

श्री रामानन्द तिवारी : माननीय वित्त मंत्री ने स्थयं स्वीकार किया है कि इस बार के बजट के बाद भूल्यों में वृद्धि हुई है। जहां 180.6 या वहीं इ.मी 181.2 है कारखनियामाल जो कारखन्ते में तैयार होता है उसे स्वयं वित्त मंत्री ने स्वीकार किया है कि उस में बृद्धि हुई है। तो मै वह जानना चाहता हु कि किसानों का जो उत्पादन होता है उस में और कारजनिया माल में कितना अंतर है? उस में वृद्धि हुई है जो किसान खरीदते हैं। इस के लिए बिक्त संसी क्या कर रहे हैं कि कारखनिया भान का भी दाम बड़े महीं और किसानों के उत्पादन काभी घटेनहीं?

SHRI H. M. PATEL: We are taking steps to see that the prices of inputs for agriculture are kept under reasonable control.

MR. SPEAKER: Question No. 723.

SHRI SHYAM NANDAN MISHRA: The answer has not been given to his question. It is an extremely important one.

MR. SPEAKER : I have gone to the next question.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: We have not got the answer to the question of Shri Ramanand Twary. The question was how do the prices of manufactures compare with those of the agricultural products and whether it is a fact that the prices of manufactures have increased and it is the price of

agricultural products which has been going down. The hon. Minister has not answered the enestion. This is the most important question to be answered.

Oral Answers

IA

SHRI H. M. PATEL: I did say that the cost of some manufactured goods is going up. But I said that in so far as the inputs for agriculture are concerned, and in case of manufactured goods like coment, fertiliser and so on, we are taking care to see

that their prices are kept under control.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: But how do they compare with those of agricultural products?

SHRI H. M. PATEL : What is the comparison? The manufactures as a group .... (Interruptions) I am sorry, Sir, the hon. Member wants to interpret my answer in whichever way he likes. I had said that the ....

(Interruptions) \*\* MR. SPEAKER : Do not record. You

# are interfering in everybody's question. (Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: You please answer only Mr. Ramanand Tiwary.

SHRIH. M. PATEL : Sir, I on trying to give the reply. The hon. Member, as I understood, said that the costs of manufactured goods are going up.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Not the costs, but the prices.

### (Interruptions)

SHRIH, M. PATEL: All right, prices. That is bow the prices go up. (Interruptions) The prices of manufactured goods are going up. (Interruption) And he said also that the prices of agricultural products are going down, which is not correct. The prices of agricultural products are also going up.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: With regard to sugar cane prices?

# (Interruptions)

MR. SPEAKER : Do not record.

(Interruptions)\*\*

SHRI H. M. PATEL. There cannot be party between the two It depends on how you define party Undoubtedte, the prices of manufactured goods are going up. The prices of agricultural products are also not going down.

(Interruptions)

MR SPEAKER . Do not record

15

(Interruptions) \*\*

SHRI H M PATEL . Ser, the point

(Interruptions)

MR. SPEAKER Do not record

(Interruptions)

MR SPE\KER question % 723~

(Interruttions)

(Intersuptions)

MR SPEAXER Do not record

(Interruptions)\*\*

MR SPEAKER, I am on my legs. I have gone to question No. 723 If you want, you can make a half-an hour debate Now question No. 723

(Interruption)

MR. SPEANER Do not record

(Interruptions) \*\*

Debates of States

\*723 SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of FINANCE be pleased to

lay a statement showing

(a) What is the amount of debts at present of each State due to the Central

Government; (b) the manner in which debt is repaid

by the respective State Governments, and
(c) what is Government's present policy
for giving loans to the State Government.

\*\*Not recorded.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL) (a) A statement gwing the latest available information is laid on the Table of the House.

16

(b) Central loans outstanding against State Governments as on gist March 1974 are repail in accordance with the terms recommended by the bath Finance Commission For subsequent loan replayment terms vary with reference to the nature of each loan and extend upto 25 years.

(c) Loans are given to State Governments keeping in view the resourcer of the Central and State Government and their financial requirements for developmental and non-developmental purpase.

### Statement

States Andhra Pradeth

s No

15 Oresta

Puntab

Rajasthan

18 Tamil Nadu

21 West Bengal

22 Sikkum

Uttar Pradesh

Tripura

2 Assam

(Rs. sn crozes)
Amount of loan
outstanding
on gt-3-76

770 443

836

560

253

Roa

485

48

1,073

916

9,877

,

| mirroret 4 P     |  |  |
|------------------|--|--|
| Gujarat          |  | 333  |
| Haryana .        |  | 515  |
| Himachal Pradesh |  | 163  |
| Jamma and Kash   | ant.   | 411  |
| Karnataka .      |  | 48C  |
| Kerala           |  | 409  |
| Madhya Pradesh . |  | 483  |
|                  |  | 743  |
|                  |  | 58   |
|                  | -  | 20   |
|                  |  | 29   |
|                  | Gujara:<br>Haryana<br>Himachal Pradesh<br>Jammu and Kash<br>Kamataka | Gojara: Haryana Hamachal Pradesh Jammu and Asabmas Karnataka Kerala Madhya Pradesh Maharashira Manapur Menhalaya |

Nore Accounts for 1976-77 and 1977 78 have not yet been finalised.

17

भी दुर्गा चन्व : माननीय मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उस में कहा है कि स्टेट्स को डबसपमेन्टल ग्रीर नान-डबलपमेन्टल परपजेज क़े लिए लोन्ज दिये गये हैं, इन में से नान-डवलपमंन्टल परपजेज के लिये जिन स्टेटस ने ओवर-ड्रास्ट किया है, उन में से कितना लोन्ज में कन्वटं किया गया है, इस की फिगर्स नहीं दो गई है। इस बक्त तमाम स्टेटस के जिम्में 9,677 करोड़ रुपये के लोन हैं, जिस में सव से ज्यादा उत्तर प्रदेश, ब्रान्ध प्रदेश. विहार, महाराष्ट्र, राजस्थान ग्रांश वैस्ट-वंगाल के जिम्मे हैं, जो 743 करोड़ से लेकर 1073 करोड़ प्यंतक है। में सरकार से जानना चाहता है कि इस में नान-डबलप-भन्टल परपंत्रेज का मतलब क्या है, इस सं वया मुराद है और यह कर्जा कैसे दिया जाता है ? नान-इवलपमन्टल परपञ्ज के लिये जिन स्टंट्स के श्रांवर-ड्राप्ट की लॉन्च में कम्बर्द किया है, वह कैसे किया है ?

SHRI H. M. PATEL : So far as the loans for developmental purposes as also the non-developmental purposes are concerned, there are already set apart, when the total accounts are made. It is merely the overall figure which figures in the total debt which is outstanding against the State Government.

श्री इर्गा चन्द : मैंने नान-इवलपमन्टल परवजें के लिये जो पैसा कर्ज की शबल में कम्बर्ट किया गया है, उस की फिनर्स पूछी थीं, वह कैसे करवंट हुआ है--आप ने इसके बारे में कुछ नहीं वतलाया।

पे यह भी जानना बाहता है कि जो बैक-वर्ड स्टेट्ग हैं, जिन के जिस्में ग्रभी काफ़ी कर्जा है और वह इसलिये हो जाता है कि जब पे-स्केडज वड़ जाते हैं या भारत सरकार डोश्रर-नेस एलाउम्स वड़ा देती है, तो स्टेटस को भी उसे देना पड़ता है. वह रूपया कर्ने को लक्त में स्टेट्स की दिया जाता है। क्या ऐसी वैसवर्ड स्टेट्स की सरफ़ से आप से कहा गया है कि ब्राप इन कर्जी को राइटब्राफ़ कर दें ? क्या भारत सरकार इस पर विचार

करेगी कि वैनवर्ड स्टेट्स की जो कर्ज नान-**ढवलपमेन्टल परपजे**ज के लिये थिये गये है---**उन्हें रा**इटब्राफ़ निया नाये ?

SHRI H. M. PATEL : I don't think that any question of writing off of the debts will be considered; but when the Financial Commission meets, it takes into account the financial conditions of each such state, its backward situation and what are its difficulties; and the Commission recommends additional allocation of funds to be given. ,

SHRI CHITTA BASU: I think that the Minister will agree with me that the debt of the States to the Centre has reached an alarming proportion viz. of Rs. 9677/-crores.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: It is a paper exercise. Nobody should take it scriously.

SHRI CHITTA BASU : May I know whether the Government is prepared to consider the question of re-scheduling the debts? I am not raising the question of writing them off. It is not the proposal of the various State Governments to get the debts re-scheduled? May I also further know whether Government does not agree that this very debt position also makes the evolution of a new devolution of divisible pool justified? In this respect, will the Government have a fresh rview of the entire question, of the entire gamut of Centre-State financial relations?

SHRIH. M. PATEL: In reply to the first question I may say that there has been no request for re-scheduling of debts. there would not be any need for that because these debts arise as a result of the various development plans that are sanc-tioned for each state, and in conn ection with whatever money the CentrauGovernment has to advance to the different States, the debts arise. With each year some debts are repaid and others are added, and these are also taken into account by each Finance Commission when it meets and then it arranges for additional allotment of funds so that no state remains in a difficult financial situation.

Asking whether there is need for a new system of devioution or not is another way of asking whether the financial relationship should be revised. All concrite suggestions which may come up would be certainly looked into but we are functioning today as per the arrangements made in the Constitution, and the Constitution has made the arragement in such a way that the Finance Commissions which are

appointed every five years take into account the various developments, so that at the end of five years the necessary adjustments are made, so that the funds of the Centre are shared with the State Government

SHRI D Y TIWARY Have there been any instances in the past where the

### ancome is below the average?

SHRI H M PATEL The State has to present its position before the Finance Commission, and the Finance Commission, and the Finance Commission and the finance Commission and the same time, when there are special difficult into, the Central Government itself takes them into consideration and makes additional allocations or owner reduces the debt.

SHRI D N TIVARY I wanted to know whether in the past in certain cases loans had been written off either by the Finance Commission or by the Central Government itself

MR SPEAKER That is a matter available in the records

SHRI H M PATEL The Finance Commission would not have written off They would have recommended the necessary adjustment I have no information as to whether the Central Govern ment itself has written off anything in the past

### Wage structure

\*724 SHRI M [RAMGOPAL REDDY

SHRI JANARDHANA POO JARY

Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether Government have considred the question of having regional wage structure instead of a Nahomal one, and

(b) if so the broad conclusion reached by Government?

THE MINISTER OF FIANANCE (SHRI H M PATEL) (a) and (b) The Government of India have appointed, in October, 1977, a Study Group on Wages, Incomes and Prices, which wire the would consider the following issue:

- (i) What should be the minimum wage and what should be the norms with reference to which the minimum wage should be determined.
- (u) Whether the minimum wage should be unifrom or could be different as between different States/Regions
- (m) What should be the relevant criteria for determining the diff crentials between minimum wage and maximum wage and whether the ratto between minimum maximum wages should be uniform, or could be different in the different Statis/Recions

The Government would like to awa! the receipt of the Report of the Study Group before formulating its views on the matter. The Report of it e Study Group is expected shorth.

SHRI M RAM GOPAL REDD'I Here the question is whether the Govern ment has any idea about fixing norms for the different regions but he says that Government will only want for the report By what time does Government expect to get the report

SHRIH M PATEL I have already raid that the report is expected very shortly. If it gives the report according to the time originally given to it it should be with us by the end of this month if they ask for extra time, it may be a few weeks or more. But they have yet asked for any more time.

SHRI M RAM GOPAL REDDI
Mether the Minister is making any
representation to this Committee or the
Committee takes representations from the
employers, employees etc. Whether
Government has got any views to come;
to this Committee.

To atody these things, they were free to consult anybody else. But I do not know how they have proceeded

Government has appointed this committee. This is a study group. When its report comes to us then the question

2.1

22

whether the Government should consult trade unions or other interests, will

SHRI JANARDHANA POOJARY: The scientific studies both official and non-official have conclusively proved that the share of the workers in terms of that the snare of the workers in terms of wager as well as other conduments in the total cost of production has been declining whereas the industrial production has been increasing. You also know that the carning of the workers has been increasing of the workers has been further corrolled in relation to the cost of living. The hon. Alinites has referred to the cost of living, the hon. Alinites has referred all the method of the cost of living the conduction has been been all the cost of the co this study group by saying that it is composed of past and present bureaucrates and the approach of this study group is bureaucratic and solution would also be bureaucratic. In view of the fact that these trade unions have come to a dirite conclusion that the setting up of this study group and also the composition of the stirdy group is an attempt to iniate a wage freeze in the public sector under-takings, whether the Government is thinking of winding up of this Boothallin-gam Study Group.

SHRI H. M. PATEL: The hon. Member will be glad to know that the Government has no such intention and is awaiting its report.

खा**॰ रामजी** सिंह: अध्यक्ष महोदय, ख्या वित्तमंत्री जी बतायेंने कि उन्होंने जो यह स्टडी ग्रुप नियुक्त किया है, जिसकी टर्म्स ग्राफ रेफरेंस में यह बात दी गयी है--सेन पे फार दि सेम वर्क---वह स्टडी ग्रंप राज्य सरकार के और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों के काम और वैतन के बारे में भी विचार करेगा ? क्या उनको यह माल्म है कि केन्द्रीय सरकार श्रीर राज्य सरकारों एवं स्थानीय निकायों में काम कर रहे कर्नजारियों को एक ही काम के लिए अलग अलग वैतन मिलता है की कि इर्रेजनल हैं ? क्या वे इस ग्रुप की टर्म्स आफ रेफरेंस में यह बात गामिल करने की भी संत्रति करेंगे ?

SHRI H. M. PATEL: Certainly, the study group will go into that aspect also.

SHRI DINEN BHATTACHARYA: Whether the Minister will kindly reply that all the trade unions have brucouted this study group and they have not submitted any memorandum to this study group because the intention of the Government to set up the study group is to freeze the wage in all spheres, both the public and the private sectors.

SHRI H. M. PATEL: It is quite correct, as I said already, that the trade unions have not thought it fit to submit, any memorandum or meet the study group. It is unfortunate that they should have made up their mind that the intention of the study group is to bring about a wage freeze,

SHRIKANWAR LALGUPTA: What was the background for setting up of this committee? Will the committee look into the principle of need-based minimum wage? Do you agree to principle with the problem of need based minimum

SHRI H. M. PATEL: The very first term of reference is what should be the minimum wage. As to the circumstances which led to the appointment of the Study Group, the fact was that a number of distortions had entered into the entire wage system. For instance, there were some public sector enterprises where the wage level was extremely high, higher than the rate of salaries as well as dearness allowance of the Central Government employees.

whether the idea of evolving a need-based wage was behind the setting up of the Study Group.

SPEAKER: The question is

MR.

SHRI H. M. PATEL: The minimum wage is the very first term of reference.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: The Minister should know that the min mum wage and the need-based wage are two different things. The Minister should understand that there is a difference between the two.

SHRI H. M. PATEL: The Study Group will consider all the aspects as to what should bethe nature of the minimum wage and on what basis it should be done.

SHRI KANWAR LALGUPTA: My question was different. . . . . .

MR. SPEAKER: I am putting your question. The question was whether the idea in appointing the Study Group was to evolve a need-based wage.

SHRI H. M. PATEL: As I said, the very first term of reference is what should be the minimum wage and what should be the norms with reference to which the

minimum wage is to be determined, We expect the Study Group to tell us on what basis it will be done, whether it will be on the basis of need based or any other basis

MR SPEAKER Next Question (Interrupt ons) Don't record. (Interruptions)\*\*

SHRI H M PATEL The question put by the hon. Member, Shri Kanwar Lai Gupta, is covered in the terms of reference Whether it will be need based or not is also a point which the Study Group has to consider.

MR SPEAKER Next Question (In terrupt ons) Don t record. (Interruptions)\*\*

# बाद्य तेली भी भयी

\*728 दा० सहमी नारायण पाइय बना वाणित्य तथा नागरिक पूर्ति और सट्करिता महा गिम्मिनित नानवागी देत नाता ग्वाबरण नामा पत्र पर रखन का क्या करते कि

- (न) क्या खाद्य तता का धासभा कुछ वर्षी मधी कमी बना रहन का सम्प्राधना हे
- (द। वया व्यापामी पाच वयाँ माराव नेता का उपादन 20 12 माल टन हान को ममावना है जब कि इनको खपन 31 70 नाख टन हान का धनमान है और
- (ग) यि हा ता नमी का दर करने तथा इस सन्वध म आने वाचा कटिनादवा पर नाम पाने के लिस तैयार की गई गोजना ना पूण यौरा क्या है?

यांगाय तथा नामरिक पृति भीर सह कारिता महालय में राज्य मही (भी इटफ दुनार गोयल) (की देश मधाय निकना श्रीरतेला के उत्पादा के उस समय तन मान म कम वन रहन की सम्भावना है कब तक निजन्ता का उपादन बढ़ाने र जिए किय यद्य जयाय कल दना भारम न कर हैं।

(थ) धाना है ति तिय गय उपायों ने १ तस्वरण 31 लाय मीटरी टन नी बतमात बाधिन सनुमातिन यस्त नी तुभना में छात नता ना बाधिन उपादन 23 स 26 माय मीटरी निम्मनान उत्पादन स्तरण प्रदिन हाता ।

(ग) बतमान बभी हा पूरा करने वे निव भीयतेना बा मांगत उदारतापूर्वक दिया वा रहा है। इमरे घतावा, दिसानों का प्रामान्य वेचर बाय नित्तत्वा घीर नेशी था उत्पादन बडाने के निय दीर्धवाली। घीर घस्प बडानेन उताब तैयार दिये स्पे हैं जिनम स्था जाना वे गायनाम्य य शामिन हैं—

- (1) सिनित तथा असिनित सेवी में मुखरी देश्तालागी गा तेजी से विस्ताद शरी प्रति हैश्येयर उत्पादशता बडाना।
- (2) नयी तिचार परियोजनामा ने झासपैत पडने वाने क्षेत्र में उपलब्ध समाय्यता या उपयाग मर्के सिविन फसवी ने प्रात्मत क्षेत्र बडाना।
- (3) शुद्ध भीजा का धापूर्ति बढानर बीज उत्पादन नामकम को मजबस करना ।
- (4) पीध सरक्षण उपायो क कन्तर्गत होते को बहाना। इसके लिय विशेष रूप की, जहां सन्मय हो बहुत बड़े इनारे म हवाई छिडकाव वरना।
- (5) समध्यत मूल्य निर्धारित करना तथा उन मूल्या पर उपज खरीदन के निये पर्या करना।
- (6) श्रवि विभाग के गहन तिलहन विकास भार्यकमा भौरे भाव के द्वीय प्रायाजित योजनामा के धन्तगत प्रमाणीवृक्त बीजा

26

को लागन तथा पौध संरक्षण के विभिन्न कार्वी के लिये आर्थिक सहायता देना।

- (7) मूर्पमुखी तथा सोयाचीन जैसी गैर-परम्परागत तिलहनों की फसवों के भ्रस्तर्पेत क्षेत्र का बढाना।
- (s) प्राथितक निष्कर्णण तरीकों हारा तेखों का उत्पादन बढ़ाना ।

डा० लक्ष्मो ना**रायण पांडेय**ः ऋध्यक्ष जो, जजा कि मंत्रो महोदय ने स्वीकार किया है कि लगभग 10 लाख मोड़िक टन खाद तेली को प्रमो रहने को सम्माथना है और उस सम्बन्ध में उन्होंने कुछ उपाय भी बताबे हैं। मैं मंत्री जो से जानना चल्हता है कि, जैसा उन्होंने अपने उत्तर के (ख) में कहा है ''ग्रामा है कि किये गये उपायों के फलस्वरूप 34 नाख मोटरी टन की वर्तमान वार्षिक बन्नानित खपत को तुलना में खाब तेलों का गाँविक उत्पादन 23 से 26 लाख मीटरी दम के वर्गनान उत्पादन स्तर से अधिक होगा। "तांदन ब्राधार पर कमी या गैप तो रवेगा जो ब्रापने स्वीकार किया है। मैं आनना चाहता है कि 'किन-किन तेलों का आयात किया जा रहा है अयवा इस वर्ष क्रियना किया जायना और इस वर्ष कितनी कमी रहते की सम्भावना है ?

श्रापने जैसा कि प्रश्न के उत्तर के (ग) भाग के (5) में कहा है कि "समर्थन मूल्य निश्वीरित करना तया उन मृत्यों पर उपव जरोडने के लिये प्रयस्य करना" तो आपने किन-किन बस्नुत्रों के बारे में अथवा प्रमुख सोप्रायोग, सूर्यमुखी, ब्राचन्ड नट मा मृजकती इनका समर्थन मूल्य किस प्रकार निर्धारित किया है ? नथा नियारित मन्यों पर उपव खरीदने के लिये कहा-कहां नया प्रवस्थ किया है।

श्री कृष्ण कुमार गौयल : में माननीय सदस्य को मूचना देशा चाहना हूं कि पार साल जो प्रायल ईयर मा 1976-77 उसमें डिमान्ड थी 32 लाह्य टन उसके अनेल्या घोडकरान आ

24 लाख टन । इस प्रकार ८ लाख दन की कमी भी जिसको कि एस०टी०सी० के हारा और प्राइवेट देव के द्वारा पूरा किया गया। इस साल श्रध्यक्ष भहादय १५७७-७८ श्रायल ईयर के अन्दर जो प्रीडफान ऐस्टीमेटेड है बह 24.50 लाख टन है ग्रीर उनके ग्रमेन्ट डिमान्ड ३४ लाख टन है। इस प्रकार जो गैप है वह लगभग माडे अलाख टन का है। इस ग्रेंग को भारत सरकार इम्पोर्ट के हारा पुरा कर रही है जिसमे 7 लाख टन उप्पोटेंड आयल एस० टो० सी० के माध्यस में इम्पंदे किया जाता है और लगभग इसमें से 5 लाख नाल टन हमानी वनस्पती इहन्ही की दिया जायगा और असाख टन जो बादल है वह शासरेक्ट करकम्पणन के लिये विसरित किया जायगा। स्रोर सभी तक को बाइवेट पार्टीज है इसी बाबल ईयर के सन्दर 2 लाख 33 हजार 335 टन नेल सायात घर चुनी है। जहां तक मेरे सिव का सम्बन्ध है, उन्होंने स्योर्टशाइस के बारे में कहा, तो मैं श्रापके माध्यम से उनकी और मदन को विख्वास दिसाना चाहता हूं कि . . . देण के अन्दर किसी भी प्रकार से देल की कमी नहीं आने दी जायेगी और हम देखेंगे कि दान विणेपका नहीं बड़ेगे ।

मानवीय सदस्य ने पुठा है कि सपीटं प्राईस हमने किस किस पीज की तथ की है। में उनकी जानकारी के लिये बताना जाहता है कि ब्राउंड-सट 160 रुपये, सोबाधीन 145 रुपये. सन पलावर 165 रुपये और भरसों के बीज के लिये 225 रुपये प्रति विवेदल सपोर्ट प्राइस घोषित की गई हे और इस नपोर्ट ब्राइम पर पर्वेड करने के निए नाफेड को अयी-राइज किया नया है।

जा विकासी नारायण पांडेय: नगा यह नही है कि ना केंद्र होरा केंपल पंजाब, हरियाणा भीर गुजरात में जाकर खरीद का नार्व किया जा रहा है, अन्य राज्यों में विसी प्रकार की खरीद का कार्च सम्बद्धित सूल्य पर नहीं किया जा रहा है ? मैं जानना चाहता है कि जहां पर 4,

मगकता मार सारावात या बहुतायन होती है क्या वहां मा तक्केट बांकर तमांथत मून्य यर इह्वारोह करेगों ने तरवा के बारे में बा ननिश्चित्त मुज्य किया गाहे उत्तर बावबद भावत का त्या निर्मार यह यह है नरवार उत्तर वार ना त्य वर बही है '

श्री कृष्ण कुमार गोयल माननीय नःस्य न गान्चरा शेहैं में मनवदार कि दर गन्न प्राथार पर हा मददार न अभी नह जा नगाट प्राय- यावर मोदन न निर्मापन नगाट प्राय- यावर मोदन न निर्मापन नगाट प्राय- प्राय- प्राय- में देनी स्वन्ता नहा पार्ट है हि दनहा न-में नगाट प्रायम ने नावे पत्रा हा। नाई गी राज्य या स्थापन ऐसा नशा गर्मा नहा नि मार प्रायम मद्या ना नार्थे। प्राप्य- विकेश स्वरुप्त ।

SHRI HITENDRA DES VI When the rise in the price of oil has broken all records, I would like to know, whether Government would arrange for the distribution of oil at cheaper rates through fair price shops.

धी कृत्य हुमार मीयत वैमा हि मेर बरिटम सा शावारिया जा न वारणा है से हि मन्दर्भ धावन का मन्द्रास्पूट रेप्पीट प्रायन है उन रेग राड प्रायन का विक्षत टिस्मा एमन क्या दिस्मी यह दिसा बचा है। पढ़ी धारण्य न दक्का प्राटन साढ़ है रुगए हि मा वा बाद महेमा उन रुगए दिया प्या। प्राय भी अगिया भी न मरहार ही आर से पाशाम की है हि यह 1 मट 1378 में सारे टि हुस्तान महर ना पर उन्गण निजा के मात्र पर उन्हर्ण होजा का प्यान पर उन्हर्ण निजा के

धी मुल्तान मिह चौषपी जब रेहू मीर तर्र को पैदाबार बह गई ता तेल की चीजों को पैदाबार मा कम र्ईट उतका कारण बहु है कि तज का चोबा का दाम साम मी नहीं मिचा है इसलिए हिमाना ने फनल बोना छाड दिसा। धानने मरना की भयार गहरू पट्ट कर रुद्धी है जब तक 400 क्या नहीं रुद्धी, राज तक तेल नहीं मिलेगा। जैसे मेंह श्रीर गते के पेम झरके मिलने है तो उसने तोग ज्यादा बोने है। सरनार नी नीति जो पत्त रही है, उसने मुनाबिक 70 घरक क्यए का पेह बाइन के मनाया गया, घन यह रूपया यहा दिया जाग्राता गहाक समोर घन्छी हो जाती श्या मनो जो विचार करने कि तोन नी चीजे। के पीन नम में नम दुगने कर ने

श्री हुण्य हुमार गोवन . मैं सदस्य ना विश्वास दिनाना चाहुना हु नि एवीए-वरिस्ट वी दस्स्ट पर नश्री में देश में दम्मीट को प्रामातन नहीं दिया जाण्या। 'जो मध्ये' शदम तथ की है, बहु सरकार ने स्वय तय नहीं नी है, बन्नि एवीए-चरण प्रदिनिय वसीशन के माज्यम ने सब बानी पर विचार करने के बाद जितने सामस मिद्दल में प्राटिनिय तथ की गई है, वे बिच्छुत ठीन हैं। सात के प्रावत सीहस के माब, सास मीर से मस्टर्ड थोट्स के माब, जिस भी स्वीटें शाटम सरकार ने 225 न्यूए प्रिनिचटन री है बिच्छुत बाजिब हैं।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Allegations regarding Affairs in the United Commercial Bank

be pleased to state

United Commercial Bank

\*720 DR SUBRAMANIAM SWAMY Will the Minister of FINANCE

(a) whether during late February, 1973 he has received several letters from Mcm-

(b) if so, what are the allegations; and

(c) what action do the Government propose to take to investigate into the allegations?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL) · (a) Yes, Sur.

(b) Broadly speaking, the allegations include excess expenditure and urregularities in the sauction of loans and is the promotions/appointments in the bank.

(c) Reserve Bank has already made a preliminary scrutiny which does not reyeal any serious irregularities on the part of the Chairman of the bank. Reserve Bank is looking into the allegations in

### राज्य ब्यापार निगम के कार्यालय

\*725, श्री लाल जी भाई : क्या दांगस्य तथा नागरिक पति ग्रौर सहकारिता मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला एक विवरण समापटल पर रखने की क्या करेंके कि :

- (क) विश्व में उन देशों के नाम क्या हैं जहां राज्य ब्यापार निमम के कार्यालय बोले गये है ;
- (ख) ऐसे प्रस्पेक कार्यालय में किलवे क्संबारी काम कर रहे हैं और उनके रख-रखात पर प्रति वर्षे कितना खर्च होता है; और
- (ग) गत तीन वर्षों में इन कार्यालयों द्वारा विदेशों के साथ (देशवार) कितना व्या-पार किया गया और ये कहां-कहां परहें और तरसंबंधी पूरा व्यीचा क्या है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पृति और सह-कारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ग्रारिक बेप): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

प्रिन्यालय में रखा गया। दिविए संख्या एस दी 2096,781

तीर्थ स्थान देववर में स्वान जलाशय की नियंत्रण में लेना

<sup>4</sup>726. श्री हकम देव नारायण यादव: नवा पर्यटन और नागर विमानन मेली यह बताने की कपा करेंगे कि:

(क) क्या देवघर विहार का एक वडा तीर्थ स्थान है जहां प्रति वर्ष साखों लोग तोर्थ के लिए जाते हैं और ब्रावास का उचित प्रवन्ध न होने के कारण तथा पर्याप्त , जल मप्याई न होने के कारण लोगों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है ; और

(ध) क्या स्नान हेतु जलागय का जल इसना गन्दा श्रीर दुर्गन्धपूर्ण है कि लोग उसमें स्नान नहीं कर सकते और नया सरकार का विचार उसे अपने नियंत्रण में लेंने का है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

पर्वटन और नागर विभानन मंत्री (श्री प्रयोक्तम कौशिक): (क) ग्रीर (ख), उन नभी तीर्थ स्थानों पर जहां भारी संदया में तीर्थ बाती जाते हैं, जिनमें देवधर भी एक है, पर्याप्त ग्रावास तथा श्रन्य मुविधाओं का श्रभाव है। सरकार का देवघर में नहाने के तालाव या तीर्षे वातियों के लिए महैया करायी गयी किसी भी बन्य सुविधा को अपने हाथ में लेने का कोई प्रस्ताव नहीं है, क्योंकि कोई भी श्रकेली एजेंसी देवधर की यावा करने वाले इतने अधिक तीर्थयात्रियों की जरूरतों की पूरी तरह से पूरा नहीं कर सकती। इसलिए देवधर में ध्रपैक्षित नृविधामों की व्यवस्था करने या उनमें सुधार या वड़ोतरी करने के लिए ग्रीर वहां स्थास्थ्यकर परिस्थितियों का उन्तजाम करने के लिए संबंधित सभी धर्गी द्वारा मिल कर प्रयत्न किया जाना चाहिए।

Tourist centre at Birth Place of Saint-Poet Surdas near Delhi

\*727. SHRI DHARMA VIR VA-SISHT: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state>

- (a) whether the Government have received a representation from the Surdas Smarak Samiti at Sibi (Haryana) for establishing a tourist centre at the birth place of the Saint-Poet Surdas about 25 Kms. south of Delbi on the Delbi-Mathura road;
  - (b) if so, the action taken thereon;
- (c) whether consultations have taken place between the Ministries of Culture, and Tourism in this regard; and
  - (d) If so, the outcome of the same?
- THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) No.

31 (b) to (d) The Department of Tourism is represented on the Sur Panchshati Coordination Committee set up by the Ministry of Education Social Welfare and Culture The Coromittee has recommended that the Department of Tourism may extend ecoperation to the Government of Haryana in the development of Sihi, birth place of Surdas in a befitting manner. However, no detailed propora's have been received from the

# रामील बैकों के बर्मवारिया के लिए परिवीक्षा ग्रवधि

\*729 श्रीरामक वार बेरवा नया दितः सत्तीयहवनान की कृपा करगे कि प्रामीण वैना के प्रमचारिया क लिए परिवोक्षा अवधि एक बद्द है जबकि सन्दर्वका मक्सचारिया। के लिए यह खबधि 6 मास है ?

वित्त मती (श्री एच० एम० पटेल): सबीय सामीज कि। म नय प्रती किये गय कर्म-वारिया के लिए परिवोक्षा ग्रवधि समेन एक समान नेवा नियम नहीं बनाए गए हैं। पिर भी, क्षेतीय देना को मलात् दी गई ह कि जिन राज्या भ वे स्थित हैं, उन राज्या के समान स्तर के सरकारी कर्मवारिया पर लागु हाने बाने नियमों को अन्तरिस रूप से अपना ने ।

वाणिज्यिक वैतो से लिपित तथा सभी-नस्य क्रमंबारिया के माम्बे म. परिवीद्या प्रविध 6 माह है नेक्नि अधिकारिया के रामने म पर प्रविध स्राप क्षाच वैकी में सलग सलग है जो कि सधित में अधित 2 वर्षकी ग्रवधि तक चलती है

### Export of Tobacco

\*73! SHRI D D DESAI Will the Minister of COVINERCE SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state

- (a) whether export of tobacco has exceeded the target in 1977 78,
  - (b) if so the details thereof, and
- (c) whether Government intend to promote cultivation of VFC tobacco for export exclusively?

THE MINISTIR OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SIRI ARIF BEG)

(a) The export starget of Rs. 110 cross for 1977 78 is likely to be achieved, or it may be exceeded slightly

- (b) The tobacco exports during the period April 1977—February 1978 are estimated to have been 71 1875 metric tonnes valued at Rs 105 37 crores UK, USSR and Japan continued to be our main buyers
- (c) The emphasis is on cultivation of such varieties of VFC tobacco as have a better export potential However, cultivation is not exclusively for exports, 25 VIC tobacco is used within the country also in the manufacture of tobacco pro-

# Loans given by Allahabad Bank

\*732 SHRI R. L. P VERMA Will the Minister of FINANCE be pleased to state

- (a) whether t is a fact that-
- (i) E'AIC-EMI, Steelal and slited concerns (ii) Orassa Textil-Mult Co Ltd., (iii) Magnitude Burn Limited (iv) Howrah Floor Mills Co Ltd., and (v) Bellur Iron Foundry and Engineering Works, were given busel loant by the Allaha bad Bank against the
- (b) if so, the Persons responsible for giving these leans to the said firms and the amo mix involved, and
- (c) how Government proposes to recover the said loans?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) The five out cruss mentioned by the Hon'ble Member were sanctioned loave by the Allahabad Bank in accordance with normal practice and procedures and with the approval of its Board. All these accounts have been looked into by the Reserve Bank of India
- (b) and (c) In accordance with the usages and practices customary among bankers and in accordance with the statutes for the public sector banks, the affairs of individual constituents of the national hed banks are not be divulged

### Export of Iwellery

\*733 SHRI C K. JAFFER SHARIEF Will the Minuter of FINANCE be pleased to state

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to

import gold and export the gold jewellery made from this imported gold; and

(b) if so, the details regarding the policy of Government in this regard?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) and (b). The simplified scheme for the encouragement of the export of the gold jewellery by supply of gold for this purpose at international price either from imports or Government gold stocks is being finalised and will be announced soon.

# मारत-बिडेन त्राधिक समिति

734. श्री ऋषन सिंह ठाकुर : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री निम्तलिखिल जानकारी देने वालाएक विवरण सभा पटल पर रखने की क्रपा करेंने किः

- (क) भारत विटेव ब्रायिक समिति की बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए किए गए निर्णयों का ब्योरा क्या है ;
- (ख) उन निर्णयों को किस प्रकार कियान्वित किया जाएगा तथा कियान्विति का काय क्य ब्रास्म होगा; और
  - (न) प्रत्येक देश द्वारा परस्पर किन-यस्त्रप्रीं को खरोदा जाएगा जिससे व्यापार संदुलन बना रहे ?

वाणिज्य तथा नागरिक पृति और सह-कारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ग्रारिक वेग): (क) ग्रीर (ख). इस वर्ष 10-16 मान को नई दिल्ली में भारत-प्रिटेन आधिक समिति को जो बैठक हुई थी, उसमें वाणिज्यिक तया श्रीग्रीनेक सहयोग सहित द्विपक्षीय प्राधिक मंबंबों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्ग हमा। कार्यान्वयन की प्रक्रिया के गरियोशण के लिए अंयुक्त मशीनरी स्वाधित करने का निर्मय किया गया। औद्योगिक सहयोग भीर त्तीय देश संयुक्त उद्यम वड़ाने ' निरु भानकारी के श्रादान-प्रदान के लिए

श्रीर संशावनाओं के संबंध में कार्यवाही करने के लिए केन्द्र विन्दुओं का पता लगाया गया। ऐसे खेलों में वाणिज्यिक और श्रौबोनिक सहयोग वड़ाने के लिए ठोक-ठीक खेलों ग्रीर व्यवस्थाओं का पता लगाने के लिए विजेपज्ञ स्तर के अध्ययन करने की आवश्यकता की भी माना गवा। भारत व्रोरीय आधिक समुदाय संबंध, सांझा निधि, एम. टी. एम. शादि से संबंधित अन्य विषयों पर विचारों/चर्चाओं का भी आदान-प्रदान हुआ। यद्यपि कोई लक्ष्य-समय सीमा ग्रभी तक निर्धारित नहीं की गई है, किन्तु यह निर्णय किया गया है कि भारत सरकार का वाणिज्य मंत्रालय ग्रीर विदेन सरकार का व्यापार विभाग इस बैठक के निष्कर्षो श्रीर निर्णयों पर श्रमुवर्ती कार्यवाही करने के लिए उत्तरदायी होंगे और वराबर एक दूसरे से संपर्क बनाये रखेंगे।

(ग) भारत नै मुट्य रूप से ब्राटोमोटिय क्षेत्र, बाबुनिक मशीनी भौजार, मिटटी हराने के उपस्कर, नवालिटी नियंत्रण और परीक्षण उपस्कर, विजली उपस्कर, ग्रांशोगिक कच्चे माल, प्रतिरिक्त पूर्जे तथा संघटक ग्रादि के संबंध में जिटेश से प्रोद्योगिकी और संतुलन-कारी आयात प्राप्त करने में अपनी रुचिका संकेत दिया है। त्रिटिश पक्ष ने इस बात का आखासन दिया कि वे विदेन में भारत के नियति बढाने के लिए घपने ग्रायात ग्रथसर कार्याक्य तथा साथ हो सुस्थापित निर्यात/ श्रायात सदनों के साथ संपर्क स्थापित करने में भारत की अधिक से अधिक सदद करेंगे। इंजीनियसे मदों को एक ऐसी ब्रुटांत सूची का पता लगाया गया, जिनके संबंध में ब्रिटेन को नियात करने को भ्रष्टो गंजाइश है। इनमें मजीनी जीजार और सह-साधन, जीवी-विक फास्टनर, मोटर गाड़ियों के हिस्से, इलैंs क्टानिक्स उपस्कर तथा संघटक, डीजल इंजन ब्रौर हिस्से, दस्ती बीजार कटिंग टल्स ब्रीर पम्प तथा बास्व, फोजिंग तथा कास्टिंग्स, विल्ड्स हार्डवेयर ग्रादि जैसी मर्दे शामिल

### Registration of gold ornament Exporters

رو

\*735 SHRI VIJAY KUMAR MALHOTRA Will the Measter of FINANCE be pleased to state

(a) by how much has the price of gold fallen since February 28 1978 and whether Government have made arrange ment for free sale of gold,

(b) what steps have been taken to pro-

(c) is there any scheme of registration of gold ornament exporters and will the Government provide any financial assistance for export promotion of gold ornaments?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M RATEL) (a) The proce of gold which according to the press reports was Rs 69, pr to grammes on 392, 28 declaned by Rs 40 within an hour of the announcement of the Budget proposals and gradually came down to Rr 62, and and gradually came down to Rr 62, and Rr 62, and 14, 40 The scheme for sale of gold is being finalised and will be announced soon.

(b) and (c) The simplified scheme for

motion Council The Council also provides necessary guidance to the exporters Such exporters have to get themselves registered with the Council.

Recommendations of Morarka Committee on LLC.

\*73f SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA Will the Minister of FIVANCE be pleased to state

(a) how many recommendations of Morarka Committee on L.I.C. have been accepted and implemented by the Government or by L.I.C. management, and

(b) which recommendations rejected and which were accepted and if rejected why?

THE MINISTER OF FIVANCE (SHRI H M PATEL) (a) and (b) A statement setting out the conclusions and recommendations of the Morania

Committee which had been processed by 30-6-1974, and Government's decisions thereon, was laid before the House on 49-1974 in implementation of the assurance given in the answers to questions

Written Answers

įu,

The decisions bear on improvement in the working of the LIC in several spheres and at various levels, and the LIC is engaged in the necessary continuing exercise for effecting improvement

ग्रायकर मामलो में समझौते हेतु ग्रावेदन पत्र

\*737 थी हुक्म चन्द क्छवाय: वया वित्त मती यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राज्य बार किननी पार्टिया में गत 20 वर्ष मध्या मधिक मद्यप्ति से विचारा धीन प्राप्य सामला मे वक्या प्रशियों को क्य करने थे लिये सरकार की समझौते हैंयु म्रावेदन पद्य दिये हुए हैं ,

(य) जपराकत भाग (व) में निर्देशित धर्मीय में विचारामीत मामला के बारे के ममन्दर धायुकता तथा कुछ पाटिया के मुगाया को मानने के बारे में मस्तार को बगा दिवरते था रही हैं और बया सरवार का निवार ज्यापार महिल उनकी सारी सम्पीत की कुकी द्वारा ज्यापा माय-र की वन्ती करके ही माननों का निवरतों का है, और

(ग) यदि हा, तो क्या सरवार का विचार इन मामलो पर सहानुभूतिपूर्वेक विचार करन का है?

वित मत्रालय में राज्य मत्री (भी जुलकितरारडल्ल) (क) पूरी मुक्ता उप-लब्ध मही है सेविल तीन निर्धापितियों (पार्टियों) की तरफ 20 वप प्रयाप उसते स्विक समय से वनाया पड़ी आगकर की क्षा को कम करने ने प्रस्ताव प्रयाभी नेन्द्रीय प्रतामी

कर वोर्ड में विचाराधीन हैं : तीनों ही पार्टियाँ पश्चिम बंगाल की हैं।

37

(ख) और (ग) म्रायकर म्रधिनियम के अधीन प्रत्येक कर-निर्धारिती को, कर की उसकी तरफ निकल रही पूरी मांग अदा करनी होती है, और जिन मामलों में जरूरी हो, कर को वकाया की वसूली के लिए, आव-श्यक कार्यवाही भी की जाती है. जिसमें सम्बत्ति का अधिग्रहण और उसकी विकी भी शामिल है। जिन विशेष मामलों में किसी करदाता से कर की पूरी बकाया की वसली के सासार नजर नहीं आते हैं, उनमें कर की वकामा को कम करने के प्रस्तावों पर बस्त-स्थिति के अनुसार विचार किया जाता है, इस कार्रवाई में, श्रायकर आयुक्तों के सुझावों को बराबर ध्यान में रखा जाता है:

### Ancrease in export of various Commodities

the Minister of GOMMERGE, GIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 4274 on the 16th December, 1977 regarding export of essential commodities used as food and lay a statement showing:

(a) the reasons for increased exports of:

(i) Barley unmilled, (ii) Maize (corn) unmilled, (ili) Cereals unmilled,other than wheat, rice barley and maize, (iv) Pulses and flour thereof, (v) fixed veg. oil soft (including groundout rape colea and mustard oil). (vi) hydrogenated oil and a fat of groundnut, (vii) Milk and cream, (viii) eggs, (ix) fish and fish preparations, (x) groundnuts;

(b) whether re-appraisal of such export will be made; and

# (c) if so, the facts thereabout?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI ARIF BEG):

(a) Details of quantity and value of exports of the items during the years 1974-75. 1975-76 & 1976-77 are given in the attached statement. The reasons for increase in exports of the item in 1976-77 were ad-seriation as follows:-

# (i) Barely warnilled

During 1975-77 as a result of a bumper crop the domestic prices had shown a falling tendency and exports were allowed as a price support measure. In this year 3446r tomas of barley were allowed to be

# (ii) Maize (Corn) unmilled

(iii) Cereals unmilled

The quantity of exports has been negligible as follows:

# (Tonnes)

|      |   | Ma | iize<br>iiled | Cereals<br>unmilled<br>Others |  |
|------|---|----|---------------|-------------------------------|--|
| <br> | _ | _  |               |                               |  |

89 1974-75 1975-76. 538 1976-77. 119 I

There was fall in exports during 1976-77. The exports of maize and other cereals are controlled. During 1975-76 we exported 500 tonnes of maize and 50 tonnes of other cereals unmilled to Vietnam Republic which explain the increase in 1975-76.

# (iv) Pulses and flour thereof

The export of pulses is on the basis of a quota given by the Government. The exports are also canalised through the National Agricultural Cooperative Marketing Federation. The export of pulses, however, were banned from 21-10-1976.

# (v) Fixed vegetable oils

During 1976-77 a quota of export of Joning 1970-77 a quota or export of 5,000 toanes of groundant oil was given to the STC in view of the sharp fall in grundant oil pricts at the beginning of the oil senson. However, growthart oil actually exported was 3199 tounes as exports were discontinued when prices of groundout oil moved up in the domestic market. This explains the rise in value of exports during 1976-77.

113 3

### (vs) Hydrogenated oils

3

exports during 1976-77 were 1784 tonnes as compared to took tonnes in the previous year. A small amount of export of vanaspata is allowed in view of the excess capacity which we have for production of vanaspati in the country.

### (vii) Milk and Creen

This group includes exports of evapora ted, deed and condensed milk, whole or skimmed. The exports are largely to Nepal, Bangladesh, Sr. Larka and Gulf countries The total exports were of small quantities—271 8 tommes in 1976-77 and 42 6 tonnes and 34 tonnes in bienions leans

# (vui) Eggs

The rise in export of eggs dance 1976-77 was due to the cap d and dramatic increase in erry production within the country and the seasonality in the market of eeps in Irdia. The exports were also entitled to to". REP liceness under which breeding stock required for demonster poultry development could be imported Quantitywise exports are not even half per cent of production.

rape and colza

(a) Hydrogenated oil

### (ix) Fish and Fish & spartires

No attempt was mark to gestrict these exports which are largely of high value sprin br

### (x) Greatain

The expect of HIS Groundouts are on the basis of expert quota announced by Government. It rese in value of ex-ports is due to the incresse in unit value realisation of our HI's grounders.

(b) & (c) The export policy of exemual eccurations has been reviewed in 1977-73 Exports of courtail commodurs and I rms of mass consumption are now allowed only to the extent that there is a elest amplie. He, however, allow excorradities which have no post of supply coestraints Following that the exports of barley, maue and HPs groralouts have not been allowed in 1977-72. Similarly experts of pulsa, educate oft, rais, powder milk (skewed or fall cream), Laby milk powder and sterilord legast milk have been barned. The exports of by incomes and oil and some cheaper fish and fish products relevant to domestic consumption have been put on a quota. Export of cereals are regulated and generally made to reighbouring and friendly countries only

# Statement EXPORTS

| Item   | Un       | nt            | 197         | 1-75                | 197               | 5 ;6                 | 197                 | 5-77                |
|--|----------|---------------|-------------|---------------------|-------------------|----------------------|---------------------|---------------------|
|  | Qty      | \ atur        | Qıy         | \ 2 <sup>1</sup> U4 | Qty               | 12120                | Qir                 | Notice              |
| 1. Ceers Cereals   |          |               |             |                     |                   |                      |                     |                     |
| (i) Barley unmilled  | Tenne    | : Rs<br>lakks | 62          | 0 4                 | 150               | 1 2                  | 31161               | 37t 6               |
| (ii) Muze (Cern) unrulled<br>(iii) Other cerells urmilled<br>2 Pulses and four thereof<br>3 (i) Fixed vegetable of<br>soft (including ground-<br>nut rape colea and<br>mutard oil) | <u>.</u> | <br>          | \$395<br>8g | 3 7<br>Neg<br>157 0 | 558<br>62<br>6517 | 21 3<br>5 5<br>219 5 | \$159<br>\$<br>Cre3 | 2 5<br>Neg<br>2** 1 |
| (a) Groundnut oil crude<br>(b) Groundnut oil pure  | мт       |               |             |                     | -                 |                      | 494                 | 28 20               |
| fied and refined<br>(e) Groundnut oil  | n        | **            | 103         | 9 00                | 47                | 3 74                 | 2905                | 168 3t              |
| dendersed  | **       | 27            | Neg         | Neg                 | 6                 | 0.55                 |                     |                     |
| (d) Sunflower reed oil<br>(e) Mustard oil including  | • ,•     | **            | ••          |                     | ٠                 |                      | 33                  | <b>2 3</b> 9        |

259

547 6

DCO\*

Kgs

22 40 202

46 6 1c2f n

1404 2.8

104 2 1789 B

Finit

Oty. Value

000

Kg. lakt Hund " lakbs

Nos.

900

Kgs.

Ton ,000

MITS

Re.

.

41

Item

4. (i) Milk & Cream

(a) Eggs in shell

5. Groundnuts

(b) Eggs not in shell

further investigated.

Statement A request for quotation to transport

members of the Indian Association from

Tehran to Bombay was initially received by Air India on 14th December, 1977. Air India sent a reply on 30th

December, 1977 giving a charter quota-tion of Rs. 3 55 lakhs. Subsequently,

a request was made to Air India to operate a charter on 16th March, 1978 which was

confirmed by Air India on 22nd Pehruary, 1978 by proposing to block off their reheduled MuseryBombay Sight AI-St6

4 4 E

Source: D.G.G.I. & S. Publications Air India leaves 130 Indians in lurch

at Tehran

(iii) Fish & Fish preparation cool

(ii) Eggs

Oty.

34.0 3.3

5533

10.2 0.8

38.9 66t·7

55.72 225.7 143.3 6291

\* Regited value of Milk Gream is Rs. 5. 0 lakks for which revised quantity are not available. \* Ravised value of Ergs is Rs. 8 : 1 lakks for which revised quantity figures are not available.

Value

25.6

86:5

86.5

1976-77

21000005

58.8 18025

136-54 6524

# EXPORTS 1974-75

1975-76

Value Otv.

4.4\* 271.8

5.9\*\*

of 16th March, 1978 for the charter from

Tehran. This offer was subject to (a) Air India being granted landing/traffic

Association, viz. 16th March,

1978 Air India could not operate the charter

the cost of the charter was Rs. 9.55 lakhs to be paid in local currency in Tehran.

no advance was collected from the Amo-ciation by Air India, Air India, Teh-

ran, tried to make alternate arrangements to carry the passengers on an extra section flight on Sanday, the toth

March, 1978 but the Indian Association

No firm commitment was made to 3. No firm commitment was made the Indian Association, and although

Value Oty.

4° 1

3-3 25303

42.6

52\*4 12718

| *739. SHRI JAGDISH PRASAD<br>MATHUR:<br>SHRI G. M. BANATWALLA:   | rights by the local Director General of<br>Civil Aviation, and (b) if scheeduled<br>flight AI-816 was still open for blocking<br>off as Charter, on date of acceptance of   |
|--|---|
| Will the Minister of TOURISM AND<br>GIVIL AVIATION be pleased to state:  | their offer. Thus Air India's offer<br>was conditional, and no firm commitment<br>was made.   |
| (a) have the Government seen a news<br>item in Indian Express dated the 14th   | - The common of flight on tith  |
| March, 1978 with head lines as 'Air India<br>leaves 130 Indians in lurch at Tehran<br>and  | 2. The acceptance of flight on 16th<br>March, 1978 by Indian Association was<br>received on 5th March, 1978. Clearance<br>from Tchran authorities was received<br>only on 9th March, 1978. By this time,  |
| (b) what steps Government has taken ro<br>redress the affected persons?  | flight AI-Bi6 of 16th March, 1978 was   |
| THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOVITAM KAUSHIK); (a) and (b). A statement containing the facts of the case is laid on the Table of the Sabha, However, the matter is being Lucker investigated. | all efforts to transfer pastengers to<br>other flights, were of no avail. All<br>charters operated by Air India on ad-<br>the basis normally require blocking off<br>at least thirty days prior to operation<br>As acceptance was received only to days<br>prior to planned operating date from |

Indian

as desired.

rejected their offer.

Policy of Government to hopour employees right to form uniona and associations

6731 DR. BIJO'S MONDAL:

### SHRI MAJHAV PRASAD TRI-PATHI

Will the Minister of FINANCE be pleased to state

- (a) whether it is the policy of the Janata Government to herour the employees' right to form Unions and Associations to safeguard their rights and promote their interest within the limits of law,
- (b) if so, is the Finance Minister aware that the United Commercial Bank management controlled by the Chauman is putting obstructions in the formation of new nationalist organization (National Organization of Bank Officers)
- (c) whether the enquiry against the Organising Secretary of National Organisation of Bank Officers, Rither already concluded with his exoneration has been ordered to be started denote on the same charges, and
- (d) that one General Secretary of United Commercial Bank Organization has been declined loan on false pretext of calling for a certificate from Lucknow development authority whereas the loan to the other members of staff has been released without any such certificate?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) les Sur.

(b) United Commercial Early has denied that the management is putting any obstructions in the formation of National Organisation of Early Officers

(c) Presumably the reference is to

authority did not agree with the Engury Officer In view of the findings of the Inquiry Officer and the disciplinary authority being at variance with each other, the reviewing authority under the

deration.

(d) Facts are being collected and will be placed on the Table of the House Export of Engineering goods, readymade garments etc.

6732 SHRI NATHU SINGH Will the Minister of COMMERCI, CIVIL SUPPLIES AND COOLERATION be pleased to state

(a) what are the total experts of all Engineering geods, tendy made gainerts, light engineering geods (all ergitering

goods less capital goods), leather tratufactures (excluding familied leather and including all leather products) during the last five years,

(b) what is the number of merchartexporters dealing in all engineering speech, readymade gains onto and leather manyfactures during the last five years and what was the share of merchant exporters in the total experts of these predicts during the last five years, and

(c) what ut the number of manufactureexporters detening in engineering geeds, ready made garments and leaster manufactures during list fee years and least many of these manufacturer experties were large industries (DGTD Units) and how many were reall tacke ardiante (Director of Industries) in each of the highests.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCEAND CIVIL SUITINES / IT ( C ( ) II / Y ( ) ( ) HET ARE IEG) (a) Information of furnished in statement I credited

(b) Information in fitnished in statement II enclosed. Information in respect of merchant expresses of reedyncidgaments is not available. Information in respect of merchant experiest f engineering goods for the year 1972 73 in also not available.

e(c) Information is fair Ird in the statement III enclosed Information in respect of manufactures exporters of readymade garments is not available Information in respect of manufacturer exporters of engineering goods for the year styr=73 as also not available

1976-77

| goods) and leather Manufal<br>last five years. | tures) [excludin | , tight Engli<br>g finished lea | ther and inc | luding all lea | tering goods<br>thei jaodiets | ess expitat<br>orm give |
|--|------------------|---------------------------------|--------------|----------------|-------------------------------|-------------------------|
|  |                  |                                 |              |                | (Figures                      | in lakh Rs.             |
| Ttom   | r                |                                 |              |                |                               |                         |

Written Answers CHAITRA 24, 1900 (SAKA) Written Answers

46

50.91

|      |   |         |         |         | (rights | )       |
|------|---|---------|---------|---------|---------|---------|
| Item | Ę | 1972-73 | 1973-74 | 1974-75 | 1975-76 | 1976-77 |
|      |   |         |         |         |         |         |

(i) All Engineering goods. 14108-00 19347-37 34910-51 40821-87 55168-22 (ii) Readymade Garments F. . 15708 9 355514 6993: 3 10210-6 26203\*4 (iii) Light Engineering goods (all engineering goods (ess capital goods) \_\_8663.00 13635.07 23747.40 25373.71 27561.22

(iv) Leather manufactures (excluding finished leather including leather products) 1387-66 1747:21 3052-85 2547" 11 4713:00

Statement II

Number of Merchant Exporters dealing in all Engineering goods, leather Manufactures and readyrade Garments during the last five years and the share of Merchant Exporters in the total Exports of these products during the last Fire Years

Share (%) of No. of Year Merchant Merchant Exporters in Exporter the total

exports"

I. Engineering Goods 1972-73 EN.A. N.A.

26.42 1073-74 297 1974-75 420 10.80 1975-76 440 31.57

11.61 1975-77 (Prov.) 228

II. Leather Manufactures

1912-73 487 52.57

1973-74 549

44:90

56.57

617 1974-75

792

682 49 11 1975-76

ĮΑ

482

580

688

493

81

130

134

140

180

6615

264

47

L'Engineering Jools 1972-73

1973 74

1974 75

1975 76

1973 74

1974 75

1975 76

1976-77

period and

ees among them?

1976-77 (Prov )

II. Leather Manufactures 1972 73

Muslim Employees in Iocome Tax

department

HASAN KHAN Will the Minister of

(a) the total number of UDCs and

(b) the total number of UDCs promoted to the post of Income Tax Inspector

during the past five years and the number

of Muslim U D Cr promoted to the post

of Income Tax Inspector during the same

(c) the total number of Class IV

employees in the Income Tax Depart

ment and the number of Muslim employ

LD Cs separately in the Income Tax Department and the number of Muslams

in the said two services separatly

SHAMSON.

6733 SHRI MOHD

FINANCE be pleased to state

| Manafa tures du ne the last Fee Tears and a<br>No of Small scale Industries | ating the No of large Indu | strus (DGTD | Units) and the |
|---|----------------------------|-------------|----------------|
| Year  | Total No                   | No of       | No. of         |
|   | of Manu                    | Manu        | Manu           |
|   | facturer                   | facturer    | facturer       |

| Year | Total No<br>of Manu<br>facturer<br>exporters | No of<br>Manu<br>facturer<br>exporters<br>Large Indus<br>tries) DGTD | No. of<br>Manu<br>factures<br>exporters<br>Small<br>Scale |
|------|--|--|---|
|      |  | Units)   | Industra  |

٩A

828

1060

1174

897

85

121

139

145

185

(a) Total No of em

25 were Muslims

Number of Mus-Inn Class IV em

ployers

Total No Muslama in the

cadre

(c) Total

year

ployees

THE MINISTER OF STATE IN

(b) In all 841 U D Cs were promoted

to the post of Income-tax Inspector

during the past five years. Out of them

number of Class IV emploUDCs LDCs

12,446

457

7 822

280

THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIOUARULLAH)

NA

346

480

486

404

| Year | Total No of Manu facturer exporters | Manu facturer exporters Large Indus tries) DGTD Units) |  |
|------|-------------------------------------|--|--|
|      |                                     |  |  |

राष्ट्रीयकृत वैकों में श्रनुसूचित चातियों और श्रनुसूचित जनजातियों के लिये कोटा

6734- श्री महीलाल:

49

थी राजकेशर सिंहः

क्स विंत मंत्रीयह बताने की क्रुपा करेंगे कि :

- (क) सभी राष्ट्रीय हत वैकी में वैकवार कार्यरत कर्मवारियों की श्रेगीबार और वर्मवार कुल संख्या कितनी है;
- (ण) उन में अनुमूचित कालियों और अनुमूचित जरशातियों के कर्मचारियों को संबरा कितनी है तथा क्या उनके लिए आरक्षित अैणीबार कोर्डे को मर लिया गया है;
- (ग) वया समी वैकों में विजानीय पदोन्नति के बारे में 1999 की प्राप्तण नीति को किशास्त्रित किया जा रहा है भीर क्या अधिकारियों के कैडर में पदोन्नति के विचे खारजग के उश्वन्त्रों को किशास्त्रित किया जा रहा है: और
- (प) यदि नहीं, तो उसके बचा कारण हैं तमा समी मैं जो में आरक्षित कोटे को विमेनकर प्रेड-दो अधिकारियों के कोटे भरते के तिर् वसा विमेन कदम उठाये गये हैं अयबा उठाये था रहे हैं?

वित्त मंत्री (धी एव० एम० पटेन):
(क) श्रीर (ब). 31-12-1977 को,
14 राष्ट्रीयकृत वैकों तथा मास्त्रीय स्टेट
वैक में प्रसंक वर्ग अर्थात् अधिकारी गण,
विश्वकों तथा अधोनस्य कर्मवास्यों की कृत
संक्ष्मा क्या उनमें अनुत्वित क्यांत्रियों को कृत

जन गतियों के कमंत्रारियों की कुल संट्या संजम्ब दिवरण में दी गई है।

चरकारी क्षेत्र के वैकों ने यह पृथ्वित क्षिया है कि अनुपूष्तित जाति/वनजाति समृत्याओं में से योग्य प्राध्या के न मिलने के कारम आरशित परों का पूरा कोटा मरा नहीं जा सका। सरकार ने इन वैकों को सजाइ दी है कि यदि धावष्यक हो तो की सजाइ दी है कि यदि धावष्यक हो तो की सजाद यह के केवल अनुमूचित्र चातियों/ जनजातियों के प्राध्यों के किए परीला सेकर आरक्षित रिक्तियों की पिछली कनी मीध्र पूर्ण करेंगे।

(ग) और (घ), जहां तक विभागीय पदोश्वति का प्रश्न है, सरकारी क्षेत्र के बैंक सरकार की धारक्षण नीति को धपनाने में असमर्व : रहे हैं, क्योंकि बैकों में लिपिक से अधिकारी वर्गमें पदोश्वतियां श्रलग-श्रलच बैंकों में कर्मचारी यूनियनों/संघों के बीच हए करारों /समसीतों द्वारा शासित होती है। फिर भी, पदोन्नित पर भारक्षण नीति के लाग होने तक सरकारी धेन के बैंक, लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार, के आधार पर पदोत्रति के लिए, अनत्जित वातियो/जनजायों के प्राथियों के लिए परीका तथा साक्षाकार লিবিব दोनों में बहुँक बंकों में 5 प्रतिशत तक की रियायत दे रहे हैं । हालही में, सरकार ने, सभी सरकारी बैंकों की अपनी वर्तमान पदीवृति नीति में बावश्यक संशोधन करके. षटोद्यति में भी ग्रारक्षण सम्बन्धी सरकारी बादेशों को कियान्यित करने की सलाह दी है।

Written Answers

| ऋग<br>सर | ं वैकवानाम<br>पा         | मु न वर्तमान संध्या |       |                    | धनुचित जातया/जनजातिया<br>का मंख्या |       |                   |
|----------|--------------------------|---------------------|-------|--------------------|------------------------------------|-------|-------------------|
|          |                          | ग्रधिशारा           | निपित | ग्रधीनस्य<br>स्टाप | श्रधिकारी                          | निषिष | ग्रधनस्य<br>स्टाफ |
| 1        | 2                        | <br>3               | 4     | 5                  | 6                                  | 7     | 8                 |
| 1        | में दूप दैक ग्राफ इंडिगा | <br>7512            | 15679 | 8399               | 15                                 | 1189  | 1004              |
|          | वैक झाक इंडिया .         | 5010                | 15371 | 5812               | 171                                | 2362  | 1379              |

3 पजाब नेशनल वैक 4713 11028 4 शक्त आफ वडीश 4967 11953 5 यूनाइटिड कमश्चिमल यैक 

6 कनारावैक 4228 13831 7 प्राइधिड रैक धाफ इडिया देना वैक सिडीकेट वैक

10 युनियन वैत्र माक इंडिया

11 इलाहावाद वैक

13 वैक आफ महाराष्ट्र

14 इंडियन मोवरनीज वैक

12 इडियन दैक

1745 4547 2661 

भारतीय स्टेट बैंक 62055 30353 मोट --कर्मवाध्या की सख्या के ब्राकडे अन्तिम हैं। \*30-9-77 को य॰ ग्रार०/य॰ ज॰ जा॰ की संख्या ।

जोद

11480 2369 56044 131273 56142 1000 15391 

<sup>† 30-9-77</sup> को कर्मचारिया की सख्या।

# Delay in payment of Chit amount by Sudarshan Chits Limited

53

6735. SHRI BAIRAGI JENA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether there has been any instance of delay (over three months) by the company in making payment of the chiramount to any prized subscriber of Sudarshan Chits (India) Limited Cuttack Branch, Nayanarak, Cuttack-755002, during November, 1977 and March, 1976;

(b) if so, what are valid reasons for the delay; and

(c) what steps were taken by the Company to avoid such delay?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) No such complaint has been received by the Reserve Bank of India.

(b) and (c). Does not arise.

Payment of Income-tax by U. P. State Electricity Board

6736. SHRI MANOHAR LAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) when the U.P. State Electricity Board filed returns of its income for the period 1974-75 to 1977-76;
- (b) amount of tax towards income tax and super tax assessed and paid by the Board during the period in question as provided ufs 80 of the Electricity (Supply) Act, 1948; and
  - (c) if not, full facts and reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIQUARULLAH): (a) to (c). The information is as under:

| Assessment<br>year | Date of filing of rehum                       | Lose<br>returned | Income/loss<br>assessed |
|--------------------|---|------------------|-------------------------|
| 1974:75            | 5-10-1974                                     | 1,24,12,30,486   | Nil                     |
| 1975-76            | 30-12-1975                                    | 1,10,31,73,459   | Assessment<br>pending.  |
| 1976-77            | 30-6-1977                                     | 1,11,07,62,749   | do                      |
| 1977-78            | Not filed.<br>Time extended<br>upto 15-4-1978 |                  |                         |

# Taxes not paid due to losses.

भारतीय स्टेट वैक, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के 26 कर्मचारियों को सेवा से हटाया जाना

> 6737. श्री सन रान सिंह: श्री मुरेन्द्र विकम:

्र क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में भोरखपुर में भारतीय स्टेट वैंक के कार्य कर रहे 26 कर्मकारियों को सेवा से निकाल दिया गया का श्रीर न्यायालय द्वारा उनके पदा में निर्णंत दिये जाने के बावजूद भी उन्हें दहाल स किये जाने के क्या कारण है; और

(ख) क्या छन्हें इन कर्मचारियों से सार्च, 1978 में लोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही करने का विचार हैं ?

वित्त मंत्री (श्री एकः एमः पटेल):
(क) बारतीय स्टेट वैंक ने सुचित किया है
कि उसके द्वारा 26 कर्मचारियों (वैक के
मृद्धा परीक्षक) की सेवार्य बारती एवार्ड के पैरावाफ 522 (1) के ब्रधीन समान्त

कर दो गई थी। वर्मचारिया द्वारा इस मेबा मनाप्ति का सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न न्यायालया म दायर विये गये विभिन्न मनदमाम चनौनोदी गई है। सर्वोच्य स्यापालय के निर्देशा के प्रधीन मिविल जन गोरखपूर न 5 प्रश्तूबर, 1970 का इस मामले का निजय किया था। उहाने कर्वचारिक्यों के उम दावें का खारिज कर दिया या जिसमे उन्हान ग्रन्ती सेवाये समाप्त करने मस्बन्धी वैक की कार्यवाही को चुनौती दी थो। मिविल जब क निर्णय के विरुद्ध की गई भगत ग्रसिरिक्त जिला जन द्वारा 25 मई 1971 का खरिज वर दी गई थी। नव वर्गवारिया ने भौदाविक विवाद उडाया परन्तु इसमामन पर विचार करने वे बाद भारत सरकार के धम मतालय ने, (27 दिमम्बर 1972 ने भादेशाका देखें) बीद्यागिक टिब्बन्स में इस माम ने की भेजने से इन्हार बार दिया था। मालूम हुमा है कि इस निर्णय के विख्य इन नर्मवारिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रनील कर दी है जहां यह मामला विचारा-धीन पड़ा है।

(ख) जी हा । उपर्युक्त (क्) में जो कुछ कहा गया है उसे ध्यान म रखत हए कोई कार्रवाई करने का विचार नहीं है।

Appointment of persons campa nelled as Aircraft Technicians

--------. . .

(a) whether a panel of Aircraft Techni cians for Hyderabad base was constituted by Indian Airlines out of apprentices who underwent training in electrical trade with Indian Airlines in 1972 or thereabout and if any appointment was given out of the said panel.

(b) whether a panel of Commercial Pilots was prepared in 1972 73 and whether any appointment has been given out of such panel till to date and if so, how

(c) whether any differential treatment is being meted out to persons included in the two panels and if so, reasons therefor,

(d) is the Government considering giving appointments to persons empanelled as Arcraft Technicians and if not, why

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION PURUSHOTTAM KAUSHIK) A panel of 28 candidates including ex-A paner of 28 canonairs including ex-apprentices was drawn up by Indian Authors for the posts of Aircraft Techni-ciams for the electrical trade in 1972 Of the 14 candidates appointed on the basis of this Panel, 5 were ex Apprentices

(b) tes, Sir All the 55 candidates on this panel were offered employment

(c) and (d) The panel of Aircraft Technicians lapsed in the normal course Technicans lapsed in the normal course on 27th Spettmere, 1973 By that time it was possible to absorbe only 14 out of the 28 candidate empanelled. The panel of Coemercial Polos was drawn up in December, 1972 and should have normally lapsed in December, 1973 By that time however, only 28 out of 35 empanelled expenditudes the beautiful and the company of the company

stare

इबाई जाने वाले मारतीय राष्ट्रिको की सच्या में कमी

6739. थी सुलेख सिंह: पर्यटन भीर नागर विमानन मती यह बताने की हमा करेगे कि

(ग) वया दुवाई जाने वाने भारतीय राष्ट्रिकी की सख्या में गत 2-3 महीनों के दौरान कुछ क्मी हुई है .

(a) यदि हा, तो क्या इसका कारण जनवरी में हुई एक विमान-दर्घटना है. धीर

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में यातियों का हीसला बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

57

पर्यटन ग्रौर नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक )। (क) और (ख). जी, नहीं। पिछले तीन महीनों के दौरान, अर्थात जनवरी, फरवरी तथा 18 मार्च, 1978 तक, एवर इंडिया द्वारा वस्वई-दुवई सेक्टर पर प्रतिदिन वाहित श्रीसत याताबात कमण: 128, 133 तथा 162 था । पिछले तीन महीनों अर्थात ग्रन्तूबर, नवम्बर तया दिसम्बर, 1977 के दौरान प्रतिदिन ग्रीमत यातायात कमनः 170, 157 तथा 145 था। ग्रक्तूबर, नदम्बर तथा दिसम्बर, 1977 के पिछले महीनों की सुलना में जनवरी तथा फरवरी, 1978 के महीनों में मामली सी गिरावट बातायात में उसी सामान्य गिरावट के कारण हुई है जोकि एबर इंडिया को शीतकासीन महोनों के दौरान होती है और विमान के ध्वंस से इसका कोई सम्बन्ध प्रतीत बहीं होता जैसा कि जनवरी से भार्च, 1978 तक बाताबात में लगातार वदि की प्रवस्ति से प्रतील होता 計

(ग) प्रश्न नहीं चठता।

Names of parties who purchased Jewellery of Nizam

6740. SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

 (a) whether it is a fact that the fabulous jewellery collection of Nizam was sold on auction by the Nizam's jewellery trust;

 (b) if so, the names of the parties who bought the different items and value and other details thereof;

 (c) whether it is a fact that some items of proven antique value also were sold out; (d) if so, whether Government had taken any measures to prevent the sale, of at least such items; and

(c) if so, the details thereof ? }

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) Thirty seven items out of the total of eighty three items with the Nizam's Jewellery Trust have been sold by calling scaled tenders.

(b) The names of the parties and the value of jewellery bought by them are given below:—

t. M/s. Shantivijay, Delhi-Rupces 652

2. Mfs. Bhagat Brothers, Bombay - Rupees 122 lakhs.

3. M/s. Vasantrai Mathuradas Cholshi Bombar—Rupecs 25 lakhs.

 M/s. Keshavial Dalpat Bhai Zascri. Bombay—Rupees 28 lal.bs.

5. M/s. Bhansali, Bombay—Rupecs 6 lakhs.

6. Mfs. Pransuklal Brothers, Ecn hay-

 M.s. Lalit Kumar Brothers, Benbay—Rupees o 81 laklis.

8. M/s. Gem Diamonds, Bombay-Rupees 247 lakls.

9. M/s. J. M. Bhansali, Bombay— Rupees 116 lakhs.

10. Mfs. Kantilall Chunilal Cholshi, Bombay-Rupees 41 lalhs.

tt. M/s. Jain Jewellers, Patna -Rupees.

(c) No, Madam.

Ben lakhs.

(d) and (e). Do not arise.

Profits repatriated by Hindustan

Profits repatriated by Hindustan Lever Limited

6741. SHRI SUKHDEO PRASAD VARMA: Will the Minister of FIN-ANCE be pleased to state:

(a) whether the Hindustan Lever Limited, a subsidiary of Unilever Limited of London, U. K. has been reparriating huge amount of profits camed in India violating the provisions of Foreign Exchange Regulation Act;

- (b) if 20, the details of such profits so repatriated during the last five years,
- (c) whether such profit has been earned by the Company by employing huge amount of deposits secured from its various distributors and agents of their products which are without any interest carning deposits.
- (d) if so the details of such deposit and regulatory mehtods taken against the Company prohibiting them to employ an h unauthorised deposit amount,
- (e) whether mode of repatriation is sometimes without the knowledge of Government, and
- (f) if so, the steps taken against the said company?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) and (b) The dividends remitted by Handustan Lever Limited during the five years from 1972 to 1976 are as under

| Year | Amount in<br>Rs |
|------|-----------------|
| 1972 | 1,46 01,889     |
| 1973 | 1,46 01 839     |
| 1974 | 1 00 38,798     |
| 1975 | 71,33 630       |
| t976 | 2 92 97,513     |

There is no violation of the provisions of the FERA in making these remittances

(c) and (d) The company has been taking deposits from its redistribution

the amount of such deposits taken by the company during the past four financial years and remaining on hand with it as on the last date of its financial year, as also the total amount of the company s assets as on those dates were as under

| Year       | Advance assets          |
|------------|-------------------------|
|            | (Rs Jakhs)              |
| 31-12 1974 | 22 <b>4 37 7917 5</b> 3 |
| 31 12 1975 | 188 54 8559 58          |
| 31-12 1976 | 270 <b>73</b> 9676 0    |
| 31 12 1977 | 300 29 \$2202 2         |
|            |                         |

There is no contravention of any statutory provisions in the acceptance of these deposits

- (c) No, Sir
- (f) Does not arise

#### Pilling up stocks in Super Bazar Branches

- 6742 SHRI AHMED M PATEL : CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION be pleased to state
- (a) whether st is a fact that huge stocks of goods have piled up in the various branches of Super Bazar in Delhi ,
- (b) if so, the details thereof and the value of goods piled up, and
- (c) the measures taken by Government to dispose them off?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI LRISHNA KUMAR GOYAL) (a) and (b) The total value of the stocks as at the end of February, 1978, held by the Super Barar in all its branches are estimated at Rs 120 lakhs Out of the total stocks, old/slow moving/damaged stocks are valued approximately at Rs 10 labbe

(c) It is for the Management of the Super Bazar to take steps to dispose of old stocks The Super Bazar has since identified the old stocks and initiated measures

#### Deputation of Officers of Accountant General Tamil Nadu

6713 SHRIA MURUGSAN Will the Minister of FINANCE be pleased to state .

, ,

(b) if so, the number deputed to State services cadre wase during the last ten years, and

(c) the number of SC/ST officers among them?

ωI

THE MINISTER OF FINANCE (SHRIH M. PATEL): (a) Accountant General, Tamil Nadu, has been deputing Officers of the rank of Accounts Officers only to the Tamil Nadu State Services, he has not deputed any other officer above the rank of Accounts Officers to the Tamil Nadu State Services 25 he is not competent to do so ;

(b) 19 Accounts Officers have been deputed to State Services during the last ten years; and

(c) There was no Scheduled Castel Scheduled Tribe Officer among theru.

### Increased Levy on Advertisement

6744. SHRI MADHAVRAO SCIN-DIA (M. P.): Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that due to increased levy on advertisement the industry will be forced to curtail its staff strength and as a result it will create unemployment problem;

(b) if so, whether Government will consider to give adequate relief to the industry;

#### (c) if not, his reaction thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIQUARULLAH): (a) Go-vernment have received certain representations to the effect that the proposal contained in clause 8 of the Finance Bill, 1978 relating to disallowance of a specified percentage of expenditure incurred on advertisement, publicity and sales promo-tion would lead to retrenchment of staff by industry and will, in turn, create unemployment problem.

The representations (b) and (c). received by the Government in this regard are under consideration. The Government will take a decision in the matter before the Finance Bill, 1978 is taken up for consideration by the Lok Sabha.

### Selection Grade of Daftries

SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN: Will the Minister of FIN-ANCE be pleased to refer to the reply given to Unstarred question No. 3346 on 17th March, 1978 regarding guid lines regarding promotion of Dafnies to selection grade and to state :

(a) whether in compliance with the euidelines issued to different Government Departments, for introduction of the selection grade of Daftries all the Government offices including in different offices in Delhi have introduced the selection grade; if not, the names of offices who have not complied with the instructions.

### (b) the reasons for non-compliance;

(c) whether no minimum fiscal benefit on promotion to Selection Grade of Daftries has been provided as in the case of higher posts; if not the reasons therefor;

(d) the number of Daftries who are stagnating as such for over 20 years in each Ministry/Department including independent offices in Delhi ?

The MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) and (b) All posts of Record Sorten were declared as Selection Grade posts for Dafiries by orders dated 25-2-1948. The strength of the Selection Garde posts (Record Sorters) for the posts of Daftries was subsequently fixed at 15% of the total number of permanent posts of Daliries under the orders dated 25-4-1954. It will, thus, be seen that the Selection Grade for Daffries has been in existence for nearly three decades. Recently, by orders dated 1-11sonnel and Administrative Reforms, the quantum of Selection Grade posts has been enhanced to 20% of the posts of Daftries, which have been in existence or Lattres, which have been in existence for three years or more interpective of whether the posts of Dalvies are permanent or temporary. No information is available as to whether all the Ministries Departments have implemented the lasts orders of 1-11-197; fully. This information is being collected and will be haid on the Table of the House as earther excellent.

the Table of the House as early as possible. (e) The pay scale of ordinary grade of Daftry is Rs. 200-3-208-4-254-EB e-230 and the scale of pay of Selection Grade is 210-4-250-EB-5-270. A Daftry on promotion to the Selection Grade gets his pay fixed in the Selection Grade at the same stage, if there is a stage in the Selection Grade corresponding to the pay drawn in the ordinary grade, or if there is no such stage, then at the next higher This formula has been adopted for fixation of pay in the Selection Grade in relaxation of the normal rules of fixation of pay under which is such cases, the pay is fixed at the same stage or if there is no such stage, at the next lower stage, the difference being granted in the form of personal pay. It will, thus, be seen that the pay scale as well as formula for fixation of pay are such as to ensure that there is no loss in emoluments on promotion to Selec-

tion Grade and that there is a benefit in the long run The appointment to the Selection Grade in this case does not involve assumption of higher duties and responsibilities and as such, the question of providing for a minimum benefit at the time of appointment as in the case of promotions to higher posts does not arise

### World Bank Loan

PADMACHARAN SHRI 6715 SANLANTASINHERA Wall the Minater of FIVANCE be pleased to state

(a) whether there is any proposal for taking loan from World Bank for new projects?

(b) if so, what is the name of projects and amounts involved, Statewise ,

(c) what is the total amount of loans taken from World Bank upto 1977 78, and

I will is the interest payable?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRIH M PATEL) (a) and (b) les Sir An indication of the amount of fresh aid commitments to India by the Wold Bank for their furthcoming fiscal vear (July 1 1978 to June 30 1979) would be available at the India Consortium meeting scheduled for June, 1978 the light of that commitment a decision will be taken on the projects to be posed for World Bank financing

(c) The total amount of loans taken from the World Eark upto March 31 1978 amount to US 9 718 55 million\* (correspond no approximately to Rs 538 gr crores) In addition an amount of US to the man and amount of

(d) The interest rate payable in respect of loans taken from the World Bank was 7 45 per cent per annum as on 31 3 78 In respect of International Development Association only a service charge of 0 75 per cent per annum is payable

### Weak Units of Urban Banks

SHRI BAPUSAHEB PARU-Will the Munster of FINANCE LEKAR be pleased to state,

(a) whether it is a fact that Reserve Bank of India has prepared a list of weak units of Urban Banks for their rehabili-

(b) mames of such weak units of Urban Banks in Maharashua ,

(c) whether any measures to rehabilitate such units of Urban Banks in Maha-

rishtra are taken or are being taken, and (d) whether any proposal for amalgamation of weak units has been made by the management of Sangals Urban Co-

THE MINISTER OF FINANCE (SHRIH M PATEL) (a) Yes, Sur

operative Bank?

(b) A Statement of weak units in Maharashtra is attached

(c) Measures are being taken to rehabilitate such units and the Reserve Bank has forwarded detailed gudelines for this purpose to State Government and concerned banks asking them to raw up rehabitation plans and review their progress periodically. The Government of Maharishtra and the Maharashtra State Cooperative Bank have formed separate cells to look after the problems con-cerning the rehab litation of each primarily cooperative bank

(d) The Sangli Urban Cooperative Bank had requested the Reserve Bank on 7th Sovember, 1977 that the Bombay - WC

City Cooperative Bank be merged with their Bank The Government of Maha rashtra have set up a Committee which will take final decision regarding the compulsory amalgamation of weak Primery (urban) Cooperative Banks.

#### List of weak primary cooperative banks in Mahrashtra as on 30 June 1976

t Baru Central Co-operative Bank Ltd Bust

2 Greater Bombay Co-operative Bank Ltd , Bombay

<sup>(\*</sup>Drawals of January March, 1978 estimated)

- Punjah Co-operative Urban Bank Ltd. Pune.
- 4. Ratnagiri Urban Co-operative Bank Ltd., Ratnagiri.
- 5. Deccan Merchants Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 6. Bassein Catholic Co-operative Bank Ltd., Bassein.
- 7. Rajwade Mandal Peoples Co-operative Bank Ltd., Dhulia.
- 8. Sahyadri Sahakari Bank Ltd., Bombay.
- 9. Bandra Peoples Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 10. Daxini Brhaman Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 11. Maharashtra Sachivalaya Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 12. Safe Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 13. City Co-operative Bank Ltd., Bombay. 14. Konkag Prant Sahakari Benk Ltd.
- Bombay. 15. Natik Peoples Co-operative Bank Ltd.,
- Nasik.
- 16. Karad Janata Sahakari Bank Ltd., Karad.
- 17. Shri Vardhaman Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 18. Kapole Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 19. Vishwakarma Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 20. Co-operative Bank of Doudalcha Ltd., Doudaicha.
- · gr. Dombivli Nagari Sahakari Bank Ltd, Dombiyli.
- 22. Khamgaon Urban Co-operative Bank Ltd., Changaon.
- 23, Shri Balbhim Co-operative Bank Ltd., Kolhanur.
- 24. South Indian Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 25. Vaishya Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 26. Akola Urhan Co-operative Bank Ltd., Akola.

\_. · · · · · · · ·

27. Thara People's Co-operative Bank Ltd., Thana. 433 LS-3

28. Indira Sahakari Bank Ltd., Sahakari Bombay.

66

- 29. Krishna Sahakari Bank Ltd., Budruk. 30. Pachora Peoples' Co-operative Bank
- Lid., Pachora. Shri Shahu Co-operative Bank Ltd., Kofhapur.
- 32. Kolhapur Maratha Co-operative Bank Ltd., Kolhapur.
- 33. Blusaval Peoples Co-operative Bank Ltd., Bhusaval.
- 34. Awami Co-operative Bank Ltd., Botnbay.
- 35 Jaina Peoples Co-operative Bank Ltd., Jaina.
- 36. Kapergaon Peoples Co-operative Bank Ltd., Kapergaon.
- 37. The Metropolitan Co-operative Bank Ltd., Bombay.
- 38. Yeola Merchants Co-operative Bank Ltd., Yeola,
- 39. Sangamner Merchants' Co-opera-tive Bank Ltd., Sangamner. 40. Satara Rahiwashi Sahakari Bank
- Ltd., Bombay. 41. Vasant Sabakari Bank Ltd., Bombay.
- 42. Goregaon Co-operative Urban Bank Lid., Goregaon.
- 43. \*\*Mumbai Kamyar Nagari Sahakari Bank Ltd., Bombay.
- 44. Muslim Co-operative Bank Ltd., Pune. 45. Rajgurunagar Urban Co-operative
- Bank Ltd., Rajgurunagar.
- 46. Yeshwant Sabakari Bank Ltd., Bombay. 47. Caiplum Urban Co-operative Bank
- Ltd., Chiplura, - 48. Jain Sahakari Bank Ltd., Bombay. 49. Kolhapur Janata Sahakari
- Ltd., Kolhapur. 50. The Kunhi Sahakari Bank Ltd.,
- Bombay. 51. Maratha Murket Peoples' Co-opera-
- tive Bank Ltd., Bombay. 52. Poona Merchants Co-operative Bank Ltd., Punc.
- 53. Sanunitra Sahakari Bank Maryadit, Bombay.
- Shri Mahalaxmi Co-operative Bank
   Ltd., Kolbapur.
- 55. Wai Urban Co-operative Bank Ltd.,

<sup>\*\*</sup>Name of the bank thanged to Apna Sabakari Bank Ltd. with effect from 9th February, 1977.

1.

Service Conditions for Officers of ITDC

6748 SHRI S D SOMASUNDA-RAM Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that India Tourism Development Corporation Ltd has not so far made any service could some for its officers,

- (b) whether it is a fact that ITDC is
- (c) whether it is also a fact that many offl ers are working on contract basis for many years without any scope of getting permanently absorbed in the regular cadre, and
- (d) if so the details thereof and the reasons for adopting discriminatory sules in the Corporation?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI

the basis of seniority-cum-merit and performance appraisal

- (c) Retared employees and foreign nationals are employed for specified periods on contract basis. In addition, staff temporantly required for projects are also employed for specified periods on contract basis. Kerping in verw the business interests of the Corporation, avail perionale, the contract employments are either extended from time to time, or can verted into regular appointments.
- (d) Excepting that their appointments are made for specified periods other terms and conditions of service (needing promotion) of such contract personnel are on par with those in regular employment.

वालिक्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मत्रालय में हिन्दो बरामग्रदानी समिति

का गठन

6749. थी नवाब मिह थौहान : नया वासिन्य सथा नागरिक पूर्ति गौर सहकारिता मबी यह बनान नी हपा वरेंगे नि .

- (र) नश उनरे महानव में हिन्दी परामगंदाती समिति बनाई गई है ; भीर
- (ख) यदि हा, तो उसने सदस्या ने नाम नवाहें भीर उनमें ने राजभाषा विभाग को निकारिका पर मनोनीन निये गये व्यक्तिया नो मकदा भीर नाम नया है ?

वानिक्य तथा नागरिक पूर्ति भीर सहकारिता मत्रालय में राज्य मत्री (भी भारिक बेग): (क) जी हा।

- (ब) हिन्दो भनाहनार समिति ने सदस्या के नाम विवरण में दिये जाते हैं। निम्बोनत दो सदस्य समिति में राजमाया विद्याल की सिकारिस पर जामित निये यथे हैं
  - 1 डा॰ मे॰ राजेश्वरस्या, प्रोफेसर नथा ग्रध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर ।
  - 2 थी मनोहर श्याम जोशी, सम्पादक, माप्ताहिक हिन्दुस्तान।

22. ग्राञ्यक्ष, न्यापार मेला प्राधिकरण 23. महानिदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान 24. कार्यकारी निदेशक, व्यापार विकास प्राधिकरण 25. निदेशक, निर्यात निरोक्षण परिपद 26. मुख्य निदेशक, बनस्पति, बनस्पति तेल तया वसी 27. महानिदेशक, भारतीय मानक संस्थान 28. प्रवन्ध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम 29. तंत्रुवत सचिव निदेशक (प्रमारी हिन्दी काय), वाणिक्य विधाग

69

| चिवर <b>ण</b>  |               |
|--|---------------|
| वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रात्य की हिन्दी सलाहकार समिति के स                       | दस्यों के नाम |
| <ol> <li>वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्री</li> </ol>                                   | ग्रध्यक्ष     |
| <ol> <li>श्री ग्रारिफ वेग, नाणिच्य, नागरिक पूर्ति तथा तहकारिता मंदालय में राज्यमंत्री</li> </ol> | उपाध्यक्ष     |
| <ol> <li>श्री कृष्ण कुमार गोयल, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंदालय में राज्य</li> </ol>  | τ-            |
| मंत्री   | उपाध्यक       |
| <ol> <li>श्री परमानन्द ठाशुरदास गोविन्दजीवाला, संसद सदस्य (लोक सप्ता)</li> </ol>                 | सदस्य         |
| <ol> <li>श्री हर गोविन्द वर्मा, संसद सदस्य (लोक सभा)</li> </ol>                                  | n (4          |
| <ol><li>श्रीमती मम्ना सुल्तान, संसद सदस्य (राज्य सभा)</li></ol>                                  | 79            |
| <ol> <li>श्रो ग्रेम मनोहर , संसद सदस्य (राज्य समा)</li> </ol>                                    | 11            |
| <ol> <li>ग्रव्यक्ष, भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल परिसंघ, नई दिल्ली</li> </ol>                  | ,,            |
| <ol> <li>डा॰ मे॰ राजेश्वरच्या, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मैसूर विश्व-</li> </ol>       |               |
| विद्यालय, मैसूर  | "             |
| 10. ढा० विजयेन्द्र स्तातक, धाचायं, हिन्दी विभाग, दिल्ली विस्व,वद्यालय                            | "             |
| <ol> <li>श्री मनोहर श्याम जोशी, सम्पादक, साप्ताहिक हिन्दुस्तान</li> </ol>                        | "             |
| 12. वाणिज्य सचिव   | **            |
| 13. सचिव, नागरिक पूर्ति तया सहकारिता विभाग   | 29            |
| 14. सचित, राजभाषा विभाग तया त्रारत सरकार के हिन्दी सलाहकार                                       | **            |
| 15. प्रध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद्   | ,,            |
| 16. अन्र सचिव, वाणिज्य विभाग   | 11            |
| <ol> <li>संयुक्त सचिव (प्रभारी हिन्दी कार्य), नागरिक पूर्ति सवा सहकारिता विभाग</li> </ol>        | ,,            |
| 18. संयुक्त सचिव (हिन्दी), राजगायः विभाग   | ,,            |
| 19. मुख्य नियन्त्रक, प्रायात्त-निर्यात   | 22            |
| 20. अध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम  | 22            |
| 21. ग्रध्यक्ष, खनिज तया धातु व्यापार निगम  | 17            |

| Written Answers | APRIL 14, 1978 | Written Answers |
|-----------------|----------------|-----------------|
|                 |                |                 |

### Regional Rural Banks

SHRI GIRIDHAR GOMAN 6720 GO' Will the Minister of FINANCE be pleased to state

71

(a) the regional rural banks opened so far, State wise

(b) the proposal pending with the Government of India to open the Rural Banks,

(c) how many of them opened an Trabal Areas and

(d) the role played by the banks and its branches to help the poorer sections of the society?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRIH M PATEL) (a) 48 Regional Rural Banks have been opened in the State-wise distribution cf Regional Rural Banks is shown in enclosed statement

72

(b) Decusions regarding opening

further Regional Rural Banks will be taken in the light of the recommendations of the Dantwala Committee, which was set up by the Reserve Bank of India to review the working of these banks (c) and (d) Regional Rural 17

Statement State wise distribution of Regional Rural Banks functioning at present

SI No State/\ame of the Regional Rural Bank Date of establishment t 3

Andhra Pradesh

2 Nagarjuna Grameena Bank, khammam (AP)

2 Riavalascema Grameena Bank Cuddanah (A.P.) 3 Sri Vissakha Grameena Bank, Srikakulam (AP)

Assam 4 Pragyotish Gaonlia Bank, Nalbari (Assam) Riber

5 Bhojpur Rohtas Gramin Bank, Arrah (Bihar) 6 Champaran Kshetriya Gramin Bank, Motihari (Bihar)

7 Magadh Gramın Bank, Gaya (Bihar) Kosi Kshetriya Gramin Bank, Pinnea (Bihar) 9 Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Muzaffarpur (Bihar)

10 Monghyr Lahetriya Gramin Bank, Monghyr (Bibar) 11 Santhal Parganas Gramm Bank, Durnka (Bihar)

Haryana 12 Haryana Kahetraya Gramut Bank, Bhawana (Haryana)

13 Gurgaon Gramin Bank, Gurgaon (Haryana)

30-3 1977

2-10-1975 28-3 1976

30-4 1976

6-8-1976

30-0-10:6

6-7 1976

26-12-1075

21 3 1976

10-11 1976,

23-12 1976

10-3 1977

12 3-1977

|   | 1.  | 2  | 3         |
|---|-----|--|-----------|
|   |     | Himachal Pradesh   |           |
|   | 14  | Himachal Gramin Bank, Mandi (H.P.)                           | -12-1976  |
|   |     | Jammu and Kashmir  |           |
|   | 15  | Jammu Rural Bank, Jammu ( J. & K.)                           | 2-3-1976  |
|   |     | Karnataka · · ·  |           |
|   | 16  | Tungabhadra Gramin Bank, Bellary, (Karnataka)                | 5-1-1976  |
|   | 17  | Malaprabha Gramcena Bank, Dharwar (Kamataka)                 | 6-8-1976  |
|   | 18  | Cauvery Grameona Bank, Mysore (Karnataka)                    | -10-1976  |
|   |     | Kerala   |           |
|   | 19  | South Malabar Gramin Bank, Malapuram (Kerala)                | -12-1976  |
|   | 50  | North Malabar Gramin Bank, Cannanore (Kerala) 12             | -12-1976  |
|   |     | Madhya Pradesh   |           |
|   | .21 | Kahetriya Gramin Bank, Hoshangabad (M.P.) 2                  | 0-1-1976  |
|   | 22  | Bilaspur-Raipur Kshetriya Grasnin Bank, Bilaspur (M.P.) . 20 | -10-1976  |
|   | 23  | Rewa-Sidhi Gramin Bank, Rewa (M.P.)                          | -12-1976  |
|   | 24  | Bundelkhand Kehetriya Gramin Bank, Tilamgarh (M.P.)          | 6-3-1977  |
|   |     | Maharashtra  |           |
|   | 45  | Marathwada Gramin Bank, Nanded (Maharashtra) 2               | 6-8-1976  |
|   |     | Orissa   |           |
|   | 26  | Puri Gramya Bank, Pipli (Orissa)                             | 5-2-1976  |
|   | 27  | Bolangir Anchalik Gramya Bank, Bolangir (Orista)             | 0-4-1976  |
|   | 28  | Cuttack Gramya Bank, Cuttack (Orissa) 11                     | -10-1936  |
|   | 29  | Koraput-Panchabati Gramya Bank. Jeypore (Orissa) 19          | -11-1576  |
|   |     |  |           |
|   | 30  | Jaipur Nagaur Aanchalik Gramin Bank Jaipur (Rajasthan) .     | 2-10-1575 |
|   | 31  | Marwar Gramin Bank, Pali (Raj.)                              | 6-9-1976  |
|   | 32  | 2 Shekhawati Gramin Bank, Sikar (Rajasthan)                  | 10-1976   |
|   |     | Tanil Nada   |           |
|   | 33  | Pandyan Grama Bank, Sattur (T. N.)                           | -3-1977   |
|   |     | Tripura  |           |
|   | 34  | 4 Tripura Gramin Bank, Agartala (Tripura)                    | 12-1976   |
| - |     |  |           |

| 1  | 2  | 3          |
|----|--|------------|
|    | Uitar Pradesh  |            |
| 35 | Prathama Bank, Moradabad (UP)                              | 2 10-1975  |
| 36 | Gorakhpur Lahetnya Gramın Bank, Gorakhpur (UP)             | 2 10-1975  |
| 37 | Samyut Kahetriya Gramin Bank, Azamgath (UP)                | 6-1 1976   |
| 38 | Barbanki Gramin Bank, Barabanki (U P)                      | 27-3 1976  |
| 39 | Rae Bareili Kshetriya Gramin Bank, Rae Bareli (UP)         | 29-3 1976  |
| 40 | Farrukhabad Gramın Bank, Farrukhabad (U.P)                 | 29-3 1976  |
| 41 | Bhagarath Graman Bank, Satapur (UP)                        | 19-9-1976  |
| 42 | Ballia Ashetriya Gramin Bank, Ballia (U.P)                 | 25-12 1976 |
| 43 | Sultanpur Kahetriya Gramin Bank, Sultanpur (UP)            | 8-2 1977   |
| 44 | Hardos Unnao Gramin Bank, Hardos (U.P.)                    | 7-6-1977   |
|    | West Bengal  |            |
| 40 | Gaur Gramin Bank, Malda (West Bengal)                      | 2 10-1975  |
| 46 | Maliabhum Gramin Bank, Bankura (West Bengal)               | 9-4 1976   |
| 47 | Mayurakshi Gramin Bank, Suri Distt Burbhum (West Bengal) . | 16-8-1976  |

48 Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank, Cooch Behar (West Bengal)

Representation for Exemption from Central Excise from amali Scale In-

dustries Association Combatore SHRI NIRMAL CHANDRA AIN Will the Muniter of FINANCE

be pleased to state

- (a) is the Government considering a representation. No 87/771/77 dated 25 7 1977 made by the Combatore Dis trict Small Scale Industries Association praying for Central Excise exemption upto Rs 5 lakhs annual turnover in favour of Steel furniture articles manu factured by Small Scale Sector to enable them to compete with big manufacturers .
- (b) do the Government see the rea sonableness in the proposal particularly with a view to halp small scaleunits,
- (c) if so the reaction of the Government, and
- (d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN HE MINISTRY OF FINANCE THE MINISTRY (SHRI SATIST AGRAWAL) (a) and (b) The Government has considered the representation made by the Goumbatore District Small Scale Industries Association praying for Central Excuse exemption upto Rs 5 laklis annual turnover in favour of steel furnature articles manufactured by the small scale sector

7-3 1977

(c) Steel furniture is one of the items covered by the new exemption scheme announced by the Government as part of the 1978 Budget proposals Small scale manufacturers of steel furniture whose clearances during the preceding financial year did not exceed Rs 15 lakh willnow get the benefit of complete exemp-tion from payment of Central Excise duty on their first clearances during financial year upto an aggregate value of Rs 5 lakhs,

(d) Does not arise.

### Capital Investment of M/S Himeo Laboratories, Sonepat, Haryans

6752. SHRI OM PRAKASH TYAGI: Will the Minister of FIVANCE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2295 on the 10th March, 1978 regarding the Capital Investment of M/S HUMCO Laboratories, Somepat (Harvana) and state:

- (2) whether the capital investment made by Shr Ravi Parkash since gas March, 1973 to 31st March, 1977 stands in his own name or stands in the names of others and shown as a loan from them to the concern;
- (b) if so, the names of the persons in whose name the various amounts are shown as Ioans, the details of the said amounts and since when the same has been invested; and
- (c) whether this concern has paid any amount as interest on loans if so, to whom the same has been paid, along with the dates of payments year-wise since 1973 upto-date?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIQUARULAH); (a) It were concern's capital includes that the concern's capital includes the concern's capital includes the concern's capital includes the concern of the conc

(b) The required information is shown in Statement 'A' Isid on the Table of the House [Placed in Library See No. LTrangle78] The credits represent the amounts received and the interest, if any, payable, during the various years Similarly, the debits represent the payments made. (e) The required information is given in Statement 'B' laid on the Table of the House [Placed in Library See No. LT-2098] 78].

### Development of Airports in Assam

6753. SHRI AHMED HUSSAIN: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

- (a) what are the details of current year's proposal of the Government to develop the Airports in Assam and the Government's future plan for development of Airports for safe Indiling of both day and night services in Assam and the time listle being fixed to provide the required equipments to the existing Airports; and
- (b) if so, the details of work being done or proposed to be done to develop the Airports in Assam?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). Indian Airlines are, at present, operating scheduled air services to the following aerodromes:

- Caubati
- 2 Silchar
- 3 Dibrugarh (Mohanbari)
- Lilabari
- 5 Tezpur (IAF aerodrome)
- 6 Jorhat (IAF aerodrome)
- A Statement, showing details of (i) various works proposed or in progress and (ii) communication and safety equipment proposed to be installed during 1978-79 and thereafter, is attached.

### Statement

| Name of aero. | Works at   | Communication e  | quipment       | Safety service   | *           |
|---------------|--|--|----------------|--|-------------|
| dronte        | acrogromes   | Equipment  | Target<br>date | Equipment  | Target date |
| Gauhati       | Works in progress  | Proposed for 78-79   |                | Future Plan  |             |
|               | Strengthening of<br>6000' of runway<br>LCN-60, helf<br>apron and taxi<br>track.<br>Proposed in 78-79 | Construction of<br>permanent Build-<br>ing for VOR<br>installation.<br>Provision of Dis- | 1978-79        | Runway lights (High Intensity) conversion of Abridged VASI into full Visual Approach Slope | 1980-81     |
|               | Modification of<br>Terminal Buildin  | tance Measuring.   | 10             | Indicator system,<br>approach lightin  | e           |

| 79                     | Written Answers   | APRIL 14,  | 1978               | Written Ansi  | sens 80               |
|------------------------|---|--|--------------------|---|-----------------------|
| Name of                | Works at aero-  | Communication e  | quipment           | Safety servi  | res                   |
| aerodrome              | dromes  | Equipment  | Target<br>date     | Equipment   | Target<br>date        |
|                        |   | Felure Plan  |                    |   |                       |
|                        | Strengthening of<br>good (entire leng)<br>to LCN-60   | Airport Survei-<br>th) Hance Radar<br>(ASR)                          | 1981-82            |   |                       |
|                        | strengthening of<br>main apron and  | Precision Approact Radar (PAR)                                       |                    |   | •                     |
|                        | both Taxi ways Staff Canteen Construction of Control Tower at Technical Block                     | New ILS equipment  | t 1983-84          |   |                       |
| Silchar<br>(Kumbhigr   | Works in Progress<br>am) Extension of Ter<br>minal Building                                       | Proposed for 78-79 To commission the VOR initallation.               | 1978-79            | Proposed for 78<br>Runway edge I<br>approach light<br>system—Cat. 1 | ights, 1979-80<br>ing |
|                        | Proposed in 78-79   | Istore Plan  |                    |   |                       |
|                        | Operational Wall  | Inline Locator Beacon Provision of new transmitting station building | 1979-80<br>1983-84 | Approach Slor<br>Indicator system                                   |                       |
|                        | Il orks in progress   | Future Plan  |                    |   |                       |
| Dibrugarh<br>(Mohanbar |   | Very High<br>s Frequency Omni-<br>range (VOR)                        | 1981               | -C2 —   | -                     |
|                        | Proposed en 78-79   | *  |                    |   |                       |
|                        | Construction of operational wall. Extension, strengting of runway, apron and one taxiway to LCN 4 |  |                    |   |                       |
| Jorhat                 | Acquisition of 9 g<br>acres of land<br>Development of<br>Civil Enclave                            | 14   | -                  |   | _                     |
|                        | (a) Construction  | of   |                    |   |                       |

Terminal Building (b) Construction

of apron, taxa track and security fencing Future Plans Construction of Civil Euclave Acknowledgement of Letters of Constituents by Chairman, State Bank of India

Tezpur

pleased to state

(a) whether Chairman, Shri PCD Nambiar, State Bank of India has re-ceived a letter dated 31st January, 1978

from one Shri Tara Chand, a construent

6754 DR VASANT KUMAR PANDIT Will the Minister of FINANCE

1976 .

Secretariat :

Swings Bank account No 2497 and C/A No 27066 drawing attention to letters dated 28th June, 1976 and 25th August, (b) whether this letter has not yet been acknowledged by the Chairman or his (c) whether the Chief Officer Per-sonnel and Services Banking Department of the State Bank of India, Bombay has \$1

also received a letter dated and February, 1978 from the same constituent and it has also not been acknowledged; and

(d) in view of the above attitude of the Bank officers when the fraud and other irregularities have been established and proved against the Bank, what action or directions Government propose to send to the Bank officers to inquire into the cases cited in the letters written by this constituent?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL); (a) and (b). State Bank of India has reported that it had on 16th February, 1978 sent a reply to Shri Tara Chand's letter dated the gist January, 1978 advising him that it has asked its New Delhi Local Head Office to do the needful in the matter.

(c) State Bank of India has reported that the letter dated the and February 1978 from Shri Tara Chand addressed to Chief Officer (Personnel and Services Banking Department) was acknowledged by the bank on 16th February, 1978.

(d) State Bank of India is looking into the accountability of the staff involved in respect of the unauthorised withdrawal of Rs. 622 from the account of Shri Tara Chand and will take appropriate action against officials concerned.

## 'धर्ष' पत्रिका के मामले में आयकर का निर्धारण

6755. श्री राधवली: वया वित्त मंत्री यह वदानें की कुपा करेंगे कि:

(क) 'मर्थ' पतिका के मालिक का नाम नया है और क्या उसके मानिक ने मायकर निर्वारणहेत कोई विवरण दिया है और यदि हां. तो उसने वर्ष 1973-74 से 1978-79 तक की अवधि के लिए वर्षवार, किसनी आय दिखाई है ;

(ख) क्या 'सूर्व' पविका के मालिक ने उपरोक्त विवरण के साथ लाभ और हानि का विवरण अलग से दिया है और यदि हां, तो उसमें प्रत्येक वर्ष के लिए लाभ ऋीर हानि की कितनी राधि दमईि गई है; और

(ग) क्या इस पतिका के बारे में कोई आयकर निर्धारण किया गया है ग्रीर यदि हां, तो वार्षिक लाभ ग्रीर हानि का प्रति वर्ष कितना मृत्यांकन किया गया 충 ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जलिकार उल्लाह): (क) नामक पतिका के मालिक का नाम सैसर्स यंगमैन ब्रिटर्स एण्ड पव्लिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड कंचनजंगा बिल्डिंग, नई दिल्ली है। आब की विवरणी केवल क :-निधारित वर्ष 1977-78 हे लिये दाद्धित की गयी है जिनमें 32,320/- रु॰ का नुकतान दिखाया गया है। बार-निर्धारण वर्ष 1978-79 की विवरणी दाखिल करने के लिए ग्रमी समय है।

(ख) कर-निधरिण वर्ष 1977-78 का लाभ तया हानि का लेखा प्रस्तूत कर दिया गथा है, जिसमें 32,320 रु० की हानि दिखाई गई है।

(ग) अभी तक कोई कर-निर्वारण नहीं किया गया है।

### Increase in Smuggling Activities

6756. SHRI KANWAR LAL GUPTA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state .

(a) is it a fact that the smuggling acti-vities have increased in the last three months:

(b) if so, the total details of seizures in the aforesaid period ;

(c) is it a fact that names of some political leaders, including the former Minister of Maharashtra and some officers have been found in a diary of a smuggler, who was arrested recently in Bombay ;

(d) if so, the details thereof ;

(c) what special steps have been taken by the Government to check the smuggling activities in the last three months? THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF FIRMACE (SHRI SATISH AGRAMAL) (a) and (b) Reports recenced by G over nment show that smuggling activates continued to be well contained. The total value of the government of the wall of the property of the propert

### authorates recently

83

(c) & (d) According to the report received by the Government one disary was made from the Benhay premises and one of the two persons arrested at Ahmedabad in connection with sensure of too tolds of gold on its Ferhaury, 1938 However, examination of this disary has not revealed the name of any prominent political leader or of the former Minister of Maharashiva or of any officer

(a) Several measures have been taken recendy to check strugging activater. Those includes redeployment and streng themse of the includence and prevenue set up and alerting the staff to keep apenal water an assurance commoditier. To tackle the evil of gold struggling, Government have deended to commence the sale of

वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मूडा की आव

6757. थी चन्द्रदेव प्रसाद वर्षा: नगा वाणिज्य तया नागरिक पूर्ति और सहकारिता मती यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या सरनार विदेशी मुद्रा भ्राजित करने के उद्देश्य से वर्तमान नीतियो के भाधार पर कुछ वेस्तुयों के वास्त्रविक मूल्या पर रियायत देवर उनका निर्मात करती है, मीर

(ख) यदि हा, तो विन बस्तुओं पर रियायत दी गई, वितनी रियायत दी गई तथा क्या उसके फलम्बरूप उस समय विरनी विदेशी मुद्रा श्रीजत हुई?

बाणिब्य तथा नागरिक पूर्ति भौर सहकारिता सन्नाल्ध में राध्य मन्नी (श्री धारिक बेग) (न) तथा (छ) सम्भवत। निर्यात विये गये उत्पादी पर सीमा शस्य तथा वेन्द्रीय उत्पादन गुत्का की बापसी छूट की जो भनुमति दी जाती है उसके बारे में प्रष्टा गया है। बापसी ने लिए पात मदें सीमा मुत्व त्या वेदिय उत्पादन शुरक बापमी नियम, 1971 की धनमुची में **ध**धिनुचित की जाती है। मदबार देव केन्द्रीय उत्पादन शुक्ष की दरे भी मधिसूचित की जाती हैं तथा दी जाने वाली छुट उस शुक्त राशि के देरादर है जो निर्यातित उत्पाद पर दी गई हा। वापसी तया वेग्द्रीय उत्पादन शुल्व में छूट की मनुमति दिनाइस वात का ध्यान में रख कर दी जाती है कि विदेशी मुद्रा प्रजित होती है श्रथवा नहीं।

Contract signed between Gujarat Export Corporation and Malayrian Firm for the Import of Palm Oil

(a) whether it is a fact that some time before a contract was signed between the Officials and others of Gujarat Export Corporation and Malaysian frim for the import of Palm oil from a private concern.

(b) when the said contract was agred and who were the aignatories and others in the said contract and deals.

(c) the details of the contract named ;

- (d) how much quantity of the said oil will be imported and the value of the same :
- (c) what is the purpose for the import of the said oil; and
- (f) what is the present price of the said oil prevailing in Gujarat and other parts of the country ?

THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPE-RATION (SHRI ARIF BEG) : (a) Government has no such information.

(b) to (c). Do not arise.

SI.

(f) Separate figures of the prices of Palm Oil in Gujarat or elsewhere are not maintained.

Workers in Central Government undertakings at Durgapur

6759. SHRI JYOTIRMOY BOSU : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) total number of workers in each of the Central Government undertakings at Durgapur, West Bengal, yearwise, during the last five years;

- (b) number and percentage of casual workers in them year wise during the last
- (c) what is the policy of Government in regard to these casual workers?

five years; and

- THE MINISTER OF FINANCE SHRI I. M. PATELJ : (a) and (b).
  The necessary information in respect of
  Maning & Allied Machinery Corporation,
  Fertilizer Corporation of India, Food
  Corporation of India and Eharat Opthal. mic Glass Ltd., who are either located at Durgapur or have units working there, is given in the statement. Similar information in respect of two other units located in Durgapur viz., Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant is being obtained and will be placed on the Table of the House.
- (e) Government's policy in regard to casual labour is that it should be entraged for genuine casual work only, Accordingly each public enterprise concerned attempts to de-casualize such labour at the earliests

No

of

% of

casnal

Total

pumber

#### Statement

| No. | Name o                         | ofUnd   | ertaki | ing    |   |   | of<br>workers | Casual<br>employees                                       | workers    |
|-----|--------------------------------|---------|--------|--------|---|---|---------------|---|------------|
| 1   |                                | 2       |        |        |   |   | 3             | 4   | 5          |
|     |                                |         |        |        |   |   |               |   | (1)        |
| (1) | Mining & Allied Mach<br>As on  | inery   | Corp   | oratio | n |   |               |   |            |
|     | 1-4-74                         |         |        | •      |   |   | 5152          | 14  | 0.20       |
|     | 1-4-75                         |         |        |        |   |   | 5137          | 24  | 0.40       |
|     | 1-4-76                         |         |        | •      |   |   | 5650          | 178   | 8          |
|     | 1-4-77                         |         |        |        |   |   | 5185          | 238   | 2.8        |
|     | 1-4-78                         |         | •      |        |   |   | 5141          | 16B   | 2.8        |
| (2) | The Fertilizer Corpor<br>As on | ation o | of Ind | iz     |   |   |               |   |            |
|     | 1-1-74                         |         |        |        | • |   | 118           | **  | ••.        |
|     | 1-1-75                         |         |        |        | • |   | 1188          | ••  |            |
|     | 1-1-76                         |         | -      |        | • |   |               | ••  | ••         |
|     | 1-1-77                         |         |        |        |   |   | 1501          | ••  |            |
|     | 1-1-78                         |         |        |        |   |   | 1211          | ••  | ••         |
|     | (Do not employ any e           | asual l | abow   | )      |   |   |               |   |            |
| (3) | Food Corporation of I          |         |        | •      | • | • | of or handli  | Depothold a<br>ng workers and<br>to 1973 i.e, 245<br>ars. | 22 casual: |
| (4) | Bharat Opthalmic Gla           | ass Ltd |        |        |   |   |               |   |            |
| (1) | 1973                           |         |        |        |   |   | 458           | 18  | 4          |
|     | 1974                           | -       |        | -      | • |   | 461           | 18  | 4          |
|     | 1975                           |         |        |        | - |   | 487           | 10  | 2-         |
|     | 1976                           |         |        |        | • |   | 477           | IO  | 2<br>1.8:  |
|     | 1977                           |         |        |        | • |   | 489           | 9   | 1.0;       |
|     | 011                            |         |        |        |   |   |               |   |            |

### Written Answers Manganese Export Policy

87

6760 SHRIS R DAMANI Willthe Minister of COMMERCE CIVIL SUP PLIES AND COOPERATION be pleased to state

(a) the present policy of Government to permit export of Manganese Ore ,

(b) the exports made during 1977 78 of d fferent grades and how they compare with the previous year, and

(c) the details of efforts being made to locate new reserves of this ore?

of inadequate reserves and growing demand for and genous consumption exports of Manganese Ore are perm red on restrictive basis

(b) The exports made during 1976-77 and 1977 8 of different grades have been as under -

(Quantity in lakte townes)

| Grade                      | 1976-77 1977 78<br>(Estimated) |      |  |  |  |  |
|----------------------------|--------------------------------|------|--|--|--|--|
| High Grade ( 46°,          | o 47                           | o 38 |  |  |  |  |
| Medium Grade (35-          | I 02                           | 0 11 |  |  |  |  |
| 45°0)<br>Low Grade (—35°0) | 6 28                           | 4 66 |  |  |  |  |
| Black Iron Ore             | 0 51                           | 0 45 |  |  |  |  |
| TOTAL                      | 8 28                           | 5 60 |  |  |  |  |

(c) Geological Survey of India carrying out exploration for locating new deposits of manganese ore as well as asses ang reserves in the known areas

### Theft in Customs Godown in Delhi .

676: SHRI YADVENDRA DUTT . Will the Minister of FINANCE be pleased to state .

(a) whether his attention has been drawn to the news-item published on 18th February, 1978 that thieves in Customs House have managed to steel a whole shipment of leather jackets and sarees from the Gustoms Godown in Delhi, .

(b) if so the total amount of value of the goods involved, and

(c) what steps the Government is taking to p it a stop to such nefarious activities ?

88

MINISTER OF STATE IN MINISTRY OF FINANCE

> (i) 14 Jackets of a value of about Rs 5500/ out of a consignment of 50 leather jackets of Indian

origin (11) one package containing sarres

of Indian origin of a rich it has not yet been possible to ascertain the value .

(161) machinery parts of foreign origin the value of some of these is about Rs 26 000 and that of the remaining is being ascertained, and

(as) some printed matter of no commereial value

(c) The normal precautions about the \*\*

will be taken

and

Loans granted by Calcutta Branch of United Commercial Bank to

Kinnison Inte Mills Ltd

SHRI MADHAV PRASAD TRIPATHI

DR BIJOY MONDAL

Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) is the Covernment aware that the Chairman United Commercial Bank has allowed some loans to be granted on political considerations without adhering to the Banking norms,

(b) is it a fact that a loan of about Rs 3 50 crores was granted by the Cal

cutta branch of the Bank to Kinnison Jute Mills Ltd , (c) is it also a fact that some ex Mi nisters of Union Government were con

nected with this party , (d) if so, the names of the Ministers , (c) whether the loan has been recovered; if not, what is the position of the account?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) The Bank has not granted any loans or advances on political considerations without adhering to the builting norms.

(b) This company was originally sanctuned in November, 1933 certain credit facilities. As the advance beams either the company of the company was produced by the company was retiretured and in order to keep the mill going certain deficient a facilities were sanctioned in early 1977 to the company was retiretured and five order to keep the mill going certain deficients facilities were sanctioned in early 1977 to the company was required. The company was the company gramme. United Commercial Bank released the finance only ofter the company acknowledged the bank of the in the cours.

(c) and (d). To the less of our knowledge, no ex-Minister of Union Government was connected with this company in two convention with this company in late Shri Mohan Kumaramangalam, is now a Director of the Bird Croup of companies. Shri J. G. Kumaramangalam, is now a Director of the Bird Croup of Companies. Shri Mohan Kumaramangalam, show a Director of the Bird Croup of Companies and the Companies with the Companies of the Companies of the Companies including Kimiston Jure Alinia Barard of Director of the Bird Group of Companies including Kimiston Jure Alinia Kovembe, 1956 Government of India to Novembe, 1956 Government of India to Novembe, 1956

(c) The unit has become sick and the proposal for reliabilitating the unit is under consideration of the Government of India, the State Government, Industrial Finance Corporation of India and the Industrial Reconstruction of India and the Industrial Reconstruction of Corporation of India Ltd. In accordance with the practice and usages customary among bankers and also in conformity with the

provisions of the statutes governing the public sector banks, information relating to individual constituents of banks cannot be distinged.

Farning of excise duty and surcharge and State-wise on tea

6763, SHRI PURNA SINHA: Will the Minister of COMMERCE. CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state;

(a) the total production of (i) Black and (ii) Green Tea in India, State-wise i.e. in Assam, West Bengal, Triputa, Sikkam, Uttar Pradesh, Punjab, Kamataka, Tamil Nadu and Kerala during the period 1st April, 1971 to 31st March, 1976.

 (b) the earning of Excise Duty and Surcharge State-wise in total in the above Statesseparately; and

(c) the sales tax earned by different State on the total tea sold for internal consumption?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CO-OPERATION (SHILL ARE) BEG): (a) and (b). The Statement giving statewise beautique of (i) Black Tex production from 1971-70 in 1971); in 1976-77; and (ii) Central exchaerevenet realiset on Tea (excluding Tea Caps) from 1-77, to 311-70 at stateth-

(c) The levy of tax on sales or purchase of goods effected inside a State it a State subject. Central Sales Tax levied on Inter-State Sale of goods is also collected and retained by State Governments. These details are not readily available with the Central Government.

Statement-I

Estimated State-wise production of Black Tog during 1971-72

(Figures in thousands Kgs.)

|               |      |     |     | 1971-7? | 1972-73 | 1973-74 | 1974-75  | 1975-76  | 1976-77 |
|---------------|------|-----|-----|---------|---------|---------|----------|----------|---------|
| Assam         |      |     |     | 224,214 | 239,475 | 248,784 | .8er,ç32 | 263,277  | 274,465 |
| West Bengal   |      |     |     | 98,605  | 99,968  | 103,006 | 113,577  | •107,324 | 113,639 |
| Tripura       |      |     |     | 2,665   | 3,177   | 3.790   | 4,155    | 3,591    | 4,244   |
| Bihar         |      | -   |     | 1       | 4       | 3       | 35       | 17       | 44      |
| Uttar Pradesh |      |     |     | 272     | 451     | 501     | 723      | 385      | 783     |
| Himachal Pra  | desh | ·   |     | 763     | 507     | 444     | 489      | 609      | 576-    |
| Forat-North   | i In | nA. | . ` | 326,520 | 343,582 | 356,528 | 384,087  | 375,203  | 393,721 |

| AI Murtett Wille  | we12 1  |         | 2-10    |         |         |         |
|-------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
|                   | 1971 72 | 1972 73 | 1973 74 | 1974 75 | 1973 76 | 1975-77 |
| Tamil Nadu        | 53 194  | 54 €29  | 56,087  | 56,979  | 55 ,64  | 65 884  |
| Lerala .          | 4r 165  | 45 621  | 44 466  | 43 221  | 41 989  | 50 585  |
| Karnataka         | 2 878   | 3 037   | 2 838   | 2 978   | 2 801   | 3 572   |
| TOTAL-SOUTH INDIA | 97 238  | 103 287 | 103 961 | 103 278 | 100 557 | 120 021 |

APRIL 14 1978

Statement II

E ; ma ed stale w se production of Green Tea during 1971 72 te 19 /6-77

423 758 446,869 459 889 487 265 475 760

(Figures in thousands of Agr )

Written Answers

92

513 742

|  | 1971 72                                       | 1972 73                                       | 1973 74                                       | 1974 75                                     | 1975 6                                      | 1976 77                                     |
|--|---|---|---|---|---|---|
| Astam<br>West Bengal<br>Tripura<br>.B har<br>Uttar Pradesh<br>Himachal Pradesh<br>Tamil Nadu | 600<br>5227<br>103<br>40<br>420<br>274<br>683 | 672<br>6720<br>160<br>22<br>227<br>475<br>496 | 1643<br>6534<br>66<br>22<br>333<br>709<br>626 | 902<br>4325<br>25<br>1<br>181<br>800<br>615 | 981<br>5040<br>53<br>1<br>193<br>800<br>191 | 1604<br>4607<br>53<br>15<br>71<br>857<br>96 |
| TOTAL—ALL INDIA  | • 7347  | 8772  | 10087   | 6850  | 7259  | 7313  |

N B -Figures for Sikkim and the year 1977 78 are not readily available

#### Statement III

Central Encue Revenue realized on tea excluding Tea Ctaifrom 1-4 1971 to 31 : 1978

(Rt in lakhi)

|  | 1971 72                 | 1972 73                        | 1973 74                                     | 1974 75                 | 1975 76                        | 1976 97          | 77 78*<br>(Upto<br>11 78) |
|--|-------------------------|--------------------------------|---|-------------------------|--------------------------------|------------------|---------------------------|
| Assam<br>West Bengal<br>Tripura<br>Sikkim                    | 1543<br>783<br>7        | 1250<br>723<br>7               | 1272<br>735<br>7                            | 2272<br>797<br>6        | 3721<br>969                    | 3360<br>995      | 2997<br>1089              |
| Untar Pradesh<br>Punjab<br>Karnataka<br>Tamil Nadu<br>Kerala | Neg<br>22<br>472<br>175 | Not<br>Neg<br>22<br>465<br>177 | nt availa<br>111<br>Neg<br>22<br>441<br>171 | 10g<br>Neg<br>22<br>398 | 107<br>Neg<br>23<br>433<br>217 | 30<br>598<br>860 | 103<br>351<br>656<br>307  |

<sup>\*</sup>Provisional

Neg -Negl gible

TOTAL-ALL INDIA

NB -F gures for Sikkim and the year 1977 78 are not readily available

#### Share of West Bengal from collection of Income-Tax Arrears

93

6764. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of FINANCE be pleased to

(a) whather the State Government of West Bengal is likely to get Rs. 15 crores as its shares of arrears of income-tax collections from the Government of India; and

(b) what steps have since been taken to release the amount?

THE MINISTER OF FINANCE (SHI H.M. PATEL); (a) and (b) the state of the

### इंडिरन एररजाइन्स की खेँत-हूद निर्वत्रण बीई छात्रवृत्ति

6765. श्री दश राम शालयः क्वा पर्यटन और सागर विमानन मंत्री यह चताने को कृता करेंगे कि:

- (क) क्या इंडियन एयरलाइन्स की खेलकूर नियंत्रण नोडं छात-वृत्ति योजना को मंत्रालय सें मान्यता प्राप्त है; ग्रीर
- (ख) यदि हां, तो क्या मान्यता-पत को एक प्रति समा पटन पर रखी बायेगी सथा प्रति वर्ष इस योजना के छन्तर्गत कितने खड़ के चृते जाते हैं और उन्हें कितनी राजि

दी जातो है तया नमा योजना के अन्तर्गत चुने गए लड़के विद्यार्थी हैं और बिद हों, तो वे किंग संस्थानों में पढ़ते हैं और उनकी आब क्या है ?

पर्यटन ग्रीर नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुपोत्तम कौशिक): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Inclusion of Almora Kaosani Pithoragarh, Bageshwar, Tehri in Tourist Map of India

6766. DR. MURLI MANOHAR JOSHI Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that scenic places like Almora, Kausani, pithoragarh, Bageshwar, Tehri Uttar Kashi, Gopeshwar and Pauri have not found any place in the tourist map of India;
- (b) whether it is also a fact that those places have rich potential with regard to scenic beauty, health report and salubrious climate and have rich potential for tourist attraction; and

(c) if so, the steps taken or are being taken to bring those places in the tourist map of India?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL MYLATION. (SIRA! AND CIVIL. MYLATION. (SIRA! FLROSEOTTAM KAASSIIIS) (June 10. The Link hall area have rich potential for tourism development as the places are rich in secule beauty and are endowed with salubrious climate. Basis, however, to taking up the development of tourism in these areas is the availability of basis infrastructural facilities addequate and regular supply of water and electricity.

With a view to enusing a regulated development of these states, a Working Group was set up by the Planning Commission in 1974, to make a survey of the tourism potential of U.P. bill areas. The Working Group report has recommended of U.P. and the property of the comment of the property of the property

for providing tourist facilities in their respective areas During the season, the India Tourism Development Corpora-

95

nen men nackage tout by

In the earlier Plan periods, the Central Department of Tourism had provided the following facilities in the UP hill areas --(i) Rest House on the Kailash Man-

- sarovar route (u) Improvements to the Rest House
  - along the Himalayan pilgram
  - (m) Pilgrum sheds at Rudrapryag
  - (iv) A youth hostel at Nameal

ऋग के लिये हिमालय सीमेट निमिटेड द्वारा मारतीय भौद्योगिक विकास बैंक को प्रस्तुत की गई माने

67 67. श्री धर्म सिहमाई पटेल • वया थिल मती यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सब है कि हिमालय सीमट लिमिटेड, पारबंदर (गुजरात) ने प्रतिदिन 150 टन सफेद मीमेट का उत्पादन करने के लिए एक समत लगाने हेत अप्रैस. 1976 में भारतीय श्रीद्योगिक विकास बैक बम्बई का ऋण के लिए अपनी माग प्रस्तुत की थी और यदि हा, तो इस कपनी द्वारा प्रस्तत की गई माग का ब्योरा क्या है .

(ख) इस ऋण को मजुर करने मे वितम्ब के क्या कारण है थिर इस कपनी दारा वितनी राशि का ऋण मागा गया है. स्रोर

(ग) इम कानी का यह ऋण क्व तक मजर किया जायेगा?

वित्त मत्री (श्री एव० एम० पटेल): (क) में (ग) हिपातव सीमेटस लिमिटेंड ने प्रतिदिन 150 टन सफेट सीमेट के उत्पादन के बास्ते एक समत स्थापित करने वे लिये. अखिल भारतीय विसीय सस्याधी से ग्राँप, 1976 में 60 लाख रुपये के माध्य भैयरा की हामीदारी, 30 लाख रुपये के ब्रायभित घेयरा, शीर 300 लाख रुपये ने सावित ऋण के लिये वित्तीय सहायता के वास्ते ग्रावेटन किया था।

Written Answers

वित्तीय सम्यामा के लिये बहुत से कारणीं से ग्रभी तक यह समय नहीं हमा है कि इस कपनी को महायता स्वीकार कर सके जैसे प्रोत्साहको द्वारा प्रारम्भ मे अपूर्ण सावडे भेजा जाता ग्रीर जुलाई, 1977 में संशोधित यात्र डा ना भेजा जाना , इस परियोजना से एक प्रात्माहक का बाद में पीछे हट जाना। इसके बाद श्रीत्माहको न इस मधावना ना पता समाने का भी प्रयास किया कि गजरात मरकार को इस परियोजना को सबका क्षेत्र में लगाने के लिये राजी विधा जा सके।

कम्पनी विभिन्न सम्बद्ध शेष मामली की नुसक्षाने के बाद फिर से इन सस्थामा से मपर्क बारने के लिये सहमस हो गई है।

## Scheme for New Airport at Delbi

6768 SHRI VASANT SATHE SHRIYADVENDRA DUTT:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to State . (2) whether the International Airport

(b) if so, important details of the

(c) how soon the proposal is expected to be cleared,

(d) whether the Covernment have received expansion proposals for Air Ports

in Maharashtra, and (e) details of the cost etc Airport-

was and the decision taken regarding clearance of the proposal and provision made for 1978-79 for expansion/moderni-sation of these Ports?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAN KAUSHIK) (b) The proposal of the Authority envisages construction of : (i) Interna-tional passenger terminal building to handle 33 lakhs passengers annually; (ii) a cargo terminal for handling 70,000 tonnes of cargo annually; (iii) 9 inconact and 5 remote aircraft parking hoys for the passenger terminal and e incontact aircraft parking bays for the cargo terminal; and (iv) taxiways, approach roads, car park etc.

(c) The proposal is still under consideration of the Government,

(d) and (e) The International Airports Authority of India has also submitted a feasibility report for the construction of phase-II of the international passenger and cargo terminal at Bombay airport to be completed in 1982, which is under con-sideration of the Government. During 1978-79 no provision has been made in the budget for major expansion/modernisation of the other airports in Alabarashtra.

भैसर्स ग्रंसल गुप द्वारा कर का ग्रयवंचन

6769. डा॰ रामजी सिंह: नमा विस मंत्री यह बताने की क्रया करेंगे कि :

- (क) क्या मंत्रालय को मैतर्स असल प्रव द्वारा किये गये घोटाले का पता है :
- (ख) यदि हो, तो क्या सरकार को पता है कि श्री चिएंजीलाज तथा ऋग्य व्यक्तियों ने लगभग दो करीड़ रुपये के खायकर का अपवंचन किया है :
- (ग) क्या इस सम्बन्ध में श्री जीव एस॰ बसी ने सहायक अध्यात, निरीक्षक ग्रायकार, रेंज IV-डी, नई दिल्ली को भ्रभ्यानेदन दिये हैं : ग्रौर
- (घ) यदि हां, सो उन पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (धी अलिकारउल्लाह): (क) तथा (ख) श्रंतत तमह के विभिन्न मामलों की बांच की जा रही है। इस बात का पता जांच पूरी किये जाने तथा प्रभावित कर-निर्धारणों को संतिम रूप दिये जाने के बाद ही चलेगा कि कर-अपर्वचन किस सीमा तक किया गया है।

- (ग) जी, हां । निरीक्षी (सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त, रेंज IV-थ, नई दिल्ली को अभ्याचेदन प्राप्त हए हैं।
- (घ) अपेक्षित जांच की आ रही है। फरवरी-मार्च, 1978 के दौरान कर-निर्धारण के निम्नलिखित मामलों में फिर से कार्यवाही की गयी है:--

कर-निर्धारण वर्ष

मैससं सी०वायन एण्ड० 1970-71 तथा (पी॰टी॰ 1971-72 बाई०) वन्सं

मैसर्ब सी० सायस 1969-70 एवड कं० ( उर्वरक परियोजना)

### PAYMENT OF INCOME-TAX:

6720. SHRI HITENDRA DESAI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) what is the amount of income-tax paid by different categories in each of States and Union Territories of India;

(b) how much Income Tax was collected in the last year in the cities of Bombay, Ahmedabad, Madras, Calcutta and Delbi?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE

(SHRI ZULFIQUARULLAH)(a) : and (b). Information relating to the amount of income-tax paid by different categories of taxpayers is not maintained. Information regarding income-tax pind by all tax-payers is readily available according to the Charges of the Commissioners of Income-tax. Such information for 1976-77 is siven in the Statement,

KAMATH Will the Minister of Com-merce, Civil Supplies and Cooperation

(a) Whether India has trade relations

6771 SHRI

be pleased to state

VISHNII

(Rs in Lakhs)

Imports

from

Taiwan (Republic of China)

19

41

26

37

57

58

Exports

(Republic of China)

to Taiwan

32 85

259

178

301

513

SAI

255

### Statement Collections of meame tax

99

(including corporation tax) Debartmental furures in erores of Rt)

|     |                             |   | _       |
|-----|-----------------------------|---|---------|
| s N | o Name of GIT<br>charge     | : | 1976-77 |
| 1   | Amritsar .                  |   | 18 58   |
| 2   | Andhra Pradesh              | - | 59 91   |
| 3   | Assam                       |   | 15 98   |
| 4   | Bihar                       |   | 27 02   |
| 5   | Bombay City                 |   | 655 68  |
| 6   | Bombay (Cratral)            |   | 9 44    |
| 7   | Calcutta (Central)          |   | 45 Co   |
| 8   | Delh <sub>1</sub>           |   | 202 20  |
| 9   | Delh <sub>1</sub> (Central) |   | 17 22   |
| 10  | Gujarat                     |   | 149 23  |
| 31  | Kanpur                      |   | 17 52   |
| 13  | Karnataka                   |   | 99 10   |
| 13  | Kerala                      |   | 42 58   |
| 14  | Lucknow                     |   | 16 19   |
| 15  | Madhya Pradesh              |   | 43 37   |

Meerut

Nagpur

Orrera

Patiala

Tamil Vandu 22

India General

West Bengal 24

Jullundur 28

20 Pune

21 Rajasthan

23

25 Agra

26 Allahabad

27

with Taiwan . (b) if so the details thereof including the temsof export and import its quantum and value during the last ten years and (c) if not, the reasons thereof? THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION (SHRI ARIF BEG) (a) to (c) India does not have any trade agreement with Taiwan However, some trade does take place The imports and exports during the preceeding 10 years were of the following order -Vest 1967-68 43 37 25 26 1968 6q 20 03 1969 70 10 86 1970 71 21 96 1971 72 51 01 1972 73 29 o8 1973 74 148 28 1974 75 16 05 1975 76 311 17

7 89

21 54

19 17

12 63

2104 95\*

234 143 586 137 1976-77 1743 165 1977-78 630 141 (April July) The main items of export are cotton, transport equipment Iron Ore Mics, Shell Pig Iron Metal manufacturs, Ferrous Scrap Kardı sced Sesamum (Tri or Juh) and imports comprise of plastics raw materials Essential Oils etc erores under the Voluntary Disclosure

Haryana & Chand garh

<sup>•</sup> Includes the collections of Rs 33 42 Income and Wealth Act, 1976

#### New Formula for Higher Share of Central Taxes to States

6772, SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of Finance be pleased to

IOI

- (a) whether it is a fact that some State have urged the Finance Commission to evolve a new formula so that a higher share of Central taxes would accrue to the States enabling them to cover their non-Plan revenue gap and leave a surplus on revenue account; and
- (b) if so, the names of such States and the reaction of Central Government thereon?

THE MINISTER OF FINANCE (SHIRI LMB ADTIL); (a) and (b). The provides of the Concentrate tubular and the provides of the Concentrate tubular and agranda regarding devolution of naces and duttes ste, to the Finance Commission for their consideration. It is not usual for the Government to call for information or properties of the submissions made by the mission, whose function is of a quasi judicial nature.

### थल मार्ग से भारत की मात्रा करने वाले पश्चिमी देशों के पर्यटकों के आकर्षण के लिये बोजना

6773 श्री एत० एत० सोमानी: वया पर्यटन श्रीर मागर विभावन मंत्री यह वताने की क्या फरेंगे कि:

- (फ) क्या भारत में यल-मार्ग से आने वाले पश्चिमी देशों के पर्यटकों की संख्या में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है;
- (ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं : और
- (ग) यल मार्ग से भारत में आधि-काधिक निदेशी पर्यटकों को साक्ष्मित करने के उद्देश से अनुकृत परिस्थितियाँ पैदा करने और प्रशेसी देशों का सहयोग प्रात करने के लिए सरकार क्या योजनायें वना रही है?.
- पर्यटन ग्रीर नागर विमानन मंत्री (श्री (पुरूवोत्तम कौशिक):(क) पश्चिम में पर्यटक

यातायात के प्रमुख क्षीत-स्वरूप देशों से यल-मार्ग से आने वाले पर्यटकों की संख्या में 1976 के मुकावले 1977 के दौरान 15.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है!

### (ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) दक्षिण एणिया के लिए विश्व पर्यटम खेलीय यादा आयोग का सदस्य होने के नाले भारत हस क्षेत्र में पर्यटक यादायादा को दहांवा देने के लिये अनुकृत परिस्वित्रणं उत्पन्न करने के लिए पड़ीशी सदस्य देशों के अपने समकक्ष विभागों के साथ निकट सहयोग से कार्य करता है। पत्र मार्ग से आने वाले पर्यटक धातायात को बड़ाया देने के लिये भारत में जन मुख्य मार्गों के साथ-साथ रोड साहड़ सुविश्वाओं का विकास किया जा रहा है जिनका हस पाठायात हारा सामान्यत्या

Cases of Embezziements and Misappropriation in Nationalised Banks

6774. SHRI SHAMBHU NATH CHATHURVEDI:

SHRI PADMACHARAN SAMANTASINHERA!

Will the Mnister of Financebe pleased to state:

(a) the number of cases of embestziements and misappropriation in nationalised banks in past five years and the total amount involved, yearwisa;

(b) the names of parties involved in cases of loss of Rs. 5 lacs and over; and

(c) the causes of this increasing drain and the steps taken to check it ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) to (c). Information to the extent possible is being collected and will be laid on the Table of the House,

Representation from all India Hotels' Halwais Federation, Bombay for Withdrawal of Central Excise Daty on Skimmed Milk Powder

6775. SHRI BALASAHEB VIKHE
PATIL: Will the Minister of Finance
be pleased to state:

(a) whether he has received a representation from the All India Hotels' Halwais Federation Bombay for withdrawing Central Pacise duty on the Shimmed Milk Powder.

(b) whether their request has been seceded to, and

(c) if not, reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF TIVANCE (SHRI SATISH AGRAWAL) (a) Yes, Su

(b) and (c) A meable portion of the thurmed mik powers produced in the country is used for the regeneration of liquid mik father in the factory of production of the skimmed talk powder or in any other factory) and is already exin any other factory) and is arready re-empt from the payment of central cattle duty leviable thereon. The rest of the shimmed mile powder finds use in the production of incerean confectionery articles and in forcis and halves shops. Having regard to these considerations, Covernment do not see any possibleanou for exempting all skimmed stalk powder from the payment of central excite duty

### Wages Prices and Productivity

6776 SHRI MUKHTIAR SDIGH MALIK

SHRI G MARATWALLA Will the Manater of FINANCE be pleased to state

(a) whether twently Prof Khusto while delivering the Foundation Day Lecture of the Nanonal Productivity Gounal on Wager Proce and Productivity saired that wager should be haked at far at nowhile or medicated. as possible to productionly rather than

(b) if so Government's reaction thereto,

let whe har ar a mas a sea ā type of work, and

(d) if not, the reasons threfor ?

THE MINISTER OF FIVANCE (SHRI H. M. PATEL) (a) Frod A. M. Khuro, while delicency the Foun dation Day Lecture of the National Prodictivity Council on 15 3 78 sater-clas,

"It is obvious that wages in order to be just, have to be related to the productivity of workers. It is true that productivity is a joint venture and not only the skill and efficiency of werkers but the amount and the quality of capital they work with and the efficiency of management that guides them, are involved. Nevertheles, it remains true that workers awards should be related to productivity As a general provision, it should be meagioned that the total increase in the scal wage should not exceed the estal increase in the national product. As wage questions relate largely to the industrial sector and even more effectively to the organized in-dustrial sector, it should be stated that the increase in the wage bill of the organised industrial sector should not exceed the increase in the pro-duct of that sector For inflation to be contained and for capital formation and expansion of employment to occur, it is important to work with should use by less than the industrial output, the balance being saved and invested. The State should ensure trend The State should many that is any years repos, or for that state many industry, the wage bill increas in real terms should not exceed the predict ancrease. Somet thing must be left over for plougheate, so that the workers gain in orths of larger employment of their breishers.

Prof Khuro had also observed in another context in the above Lecture that -

It seems therefore, but that an arretrunt of like describe allowance be entroduced so that corrections are made through it once in a while, each tune the cost of bying index rues by so many points or so much percentage. But these corrections should occur not continuously but periodically in order that a built in restraint on wage pinh inflation OCCUPA,

(b) D Khusro had expressed the above memoral views in his personal capacity and the question of Government's

(c) and (d) Government have set up a Study Group on Wages, Incomes and Preces in O tober, 1977. In accordance with its terms of telegrape the dance with its terms of reference line Study Group in to pripar a did policy on wagen incomin and pinces. The Government would like to await the re-cept of the report of the Study Group before Steadiling its view on the matter. The riport of the Study Group is represed.

3.

•

3.

### Licences Issued to Induja and Company

6777. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES and COOPERATION be pleased to state:

(a) the total number of licences issued for imports and exports to Induja and Company for the last three years; and

(b) the items and value of these imports and exports?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND GIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) and

(b). Firm-whe statistics of import and export (fleates are not assimilated. However, particulars of all import and export licence; issued are published in the "Weetly Bulletin of import Licence, Feport Licences and Industrial Mesons"; copies of which are supplied to Particuneat Library.

### Tau Arrears Against Philips India Ltd.

6778. SHRI YASHWANT BOROLE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Philips India Ltd., producing sound and light equipment have huge arreats of taxes not psid on one or the other protext;

(b) if so, the exact amount of arrears and the action being taken to realise the sames and

(c) what is their net sale during the last one year and the worth of imported parts?

THE MINISTER OF FINANCE IN THE MINISTER OF FINANCE IN THE SATISH AGRAIVAL): (a) and (b), Seven demands of Central Excise Duties amounting to Rs. 120°5; lakes were raised against MS Philips India Ldd, Calcutta by the Central Excise authorities. Those are pending decidence with Assistant Gollector/Collector/Appellate Collector of Central Excise.

Action for realisation of the amounts would arise only after decisions confirming these demands are taken by the respective authorities.

(c) The turnover of the Gompany during its accounting year ending 31-12-1976 was Rs. 27-08 crotes. The imports made by the company during the same period as given in the notes to the printed profit and loss account of the company were as under:

| Item                   |      | Value<br>ares of Rs.) |      |
|------------------------|------|-----------------------|------|
| Raw material and goods | piec | e .                   | 1-76 |
| Spare Parts            |      |                       | 0.13 |
| Capital Goods.         |      |                       | 0-47 |

संसाधन जुटाने के लिए स्वर्ण कांडों को बेचने की योजना

## 6779. श्री ईस्पर चौवरी:

थी के॰ भावनाः

क्या जिला मंद्री यह बताने की कृषा , क्ष्णे कि:

- (क) क्या विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाने हेतू स्वर्ण नांडों को नेचने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन हैं;
- (ख) बदि हां, तो तस्तंबंधी रूपरेखा क्या है; जीर
- (ग) इत्र योजना को कब तक किसान्वितकिया आयेंगा ?

चित्त अंत्री (श्री एच० एम० पटेल) ।

(क) जी, नहीं।

(ख) ग्रौर (ग): ये प्रश्न पैदा ही नहीं होते ।

Proposal to open more Tea Centres

6780. SHRI R. B. CHETTRI: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPP-LIES AND COOPERATION be pleased to state:

 (a) is it a fact that the proposal of opening more Tea Centres is under the consideration of Government;

(b) if so, the reasons thereof;

- (d) if so, the reasons thereof, and
  - (e) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION (SHRI ARIF BEG) (a) No. Sir

- (b) Does not arise
  - (c) to (e) The desirability of introduc-

which is expected to submit its report by July end

Doubts about Tariff proposed for Junata Hotels 6781 SHRI K MALLANNA WIII the Minister of TOURISM AND CIVIL

AVIATION be pleased to state (a) whether it is a fact that under the tourism policy for constructing 'Janata Hotels' is it beyond the approach of the common man to stay in a hotel by paying the charges envisaged,

- (b) whether these hotels could cater only to the needs of the middle income groups and the higher income groups might take advantage of these hotels, and
- (c) whether the commission experts expressed serious doubts whether in view of of the tariff proposed the Japata hotels could be viable units?

foreign tourists of modest means to avail of these facilities

the constant a

by persons of modest means

(c) To make these projects economically viable an accepted formula of fixing an economic rate of return has been worked out in consultation with the Planning Commission. The Januta hotel will also have a shopping areade which will add to the revenue of the hotel

Aerial Passenger Ropeway in Gulmarg.

6782 SHRIP RAJACOPAL NAIDU: Will the Minister of TOURISMAND CIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether the experts submitted a report to the Government regarding the installation of an aerial passenger ropeway transportation system in Gulmarg Winter Sports Project, and

(b) whether Government has accepted that report?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTAM KAUSHIK) : (a) and (b) Yes, Sir. Further action to be taken on the Report would, however, depend on the availability of funds

मेंद्रक की टागों और कछुन्नों का निर्पात

6783. थी टी० एस० नेगी: थी मुरेन्द्र विश्म:

क्या वाणिज्य तथा नागरिक प्रति धौर सहकारिता मती यह बताने की हुपा करेगे

- (क) । जनवरी, 1978 से 31 मार्च 1978 तक की अवधि में मेंद्रक की टार्गा फीर कठमा का भारत से निर्धात करने के वारे में बनाये गये नार्यक्रम का ब्यौरा क्या है भौर उनकी क्तिनी माला का वस्तत नियति िचागवा.
- (ख) विन दिन देशो को इनका निर्यात क्या गया और उनसे क्तिना विदेशी मुद्रा मजित को गई, और
- (ग) क्या सरकार का विचार मेंडको के निर्पात पर रोक लगाने का है, क्योंकि उनके निर्यात से मच्छरों की संख्या में वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप मनेरिया रोग वहत बंड गया है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सह-कारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रीआरिफ वेग): (क) तथा (ख). 1 जनवरी 1978 से 31 मार्च 1978 की प्रविध के लिए ऐसा

## कोई विशेष कार्यक्रम नहीं बनाया गया था। एक विवरण समा पटल पर रखा जाता है।

(ग) इस बारे में कुछ अभ्याबेदन मिले हैं जिन पर विचार किया जा रहा है।

विवरण 1. जनवरी तथा फरवरी 1978 के दौरान मेंडक की टोगों के निर्मात ।

| क्षमांक देश मात्रा (मे॰टन)मूल्य (लाख २०) |                |      |        |  |  |  |  |
|--|----------------|------|--------|--|--|--|--|
| 1  | फांस           | 244  | 64.88  |  |  |  |  |
| 2  | संयुक्त राज्य  |      |        |  |  |  |  |
|  | श्रमरीका       | 193  | 34.56  |  |  |  |  |
| 3  | नीदरलैंड       | 1 28 | 25.44  |  |  |  |  |
| 4  | वेल्जियम       | 53   | 13.88  |  |  |  |  |
| 5  | प० वर्मनी      | 15   | 3.43   |  |  |  |  |
| 6  | ब्रिद्रेन      | 3    | 0.61   |  |  |  |  |
| 7  | धास्ट्रेलिया े | 4    | 0.60   |  |  |  |  |
|  |                |      |        |  |  |  |  |
|  |                | 645  | 143.40 |  |  |  |  |

कठुओं के कोई निर्यात नहीं हुए क्योंकि उनके निर्यातों पर रोक है।

### हथकरवा कपडे का निर्वात

6784 छा महादीपक सिंह शाकाः ह्या दाणिक सवा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की क्रमा करेंने कि

(क) क्या हयकरवा कपड़ों का निर्यात किया जाता है ;

- (ख) यदि हों, तो 1976-77 और 1977-78 में कुल कितने मूल्य का निर्यात किया गया: और
- (ग) उनके निर्यात का संबर्धन करने हेत् क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वाणिन्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रातय में राज्य मंत्री (श्री स्मारिफ वेन): (क) जी हो।

- (ख) 1976-77 तथा 1977-78 (अर्पन 77-फरवरी 78) के दौरान इसकरवा माल के निर्वातों का कुल मूल्य कम्बः 272.15 करोड़ रुपये लथा 183.17 करोड़ रुपये था।
- (प) भारतीय सूती मिल संघ की प्रोप्ताहत योजना के प्रत्यांता सकत पूजावजा सहाध्यां तथा हुपकरचा माल के निवांतों के साधार पर प्रायाला मिल प्रत्यांता हुपकरचा माल के निवांतों के स्वाया हुपकरचा माल के निवांतों के प्रताब हुपकरचा माल के निवांतों को उदान के लिए जो उपाय किये जा रहे हैं उनमें से कुछ इत प्रकार हैं: विवेशों में विवींग्य करक मेलों में भाग लेगा, विवेशी वाजारों में विभीन्य करक मेलों में भाग लेगा, विवेशी वाजारों में विभीन्य करक प्रताब प्रविचांता माल प्रविचांता माल प्रविचांता माल प्रताब प्रविचांता माल प्रविचांता माल

Financial Assistance for Small Hotel Entrepreneurs

6785. SHRI MANORANJAN BHAK-TA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that small hotel entrepreneurs are not getting adequate financial assistance for setting up new hotels in the country and

(b) if so, reasons therefor and what arrangements have been made to provide financial assistance to small hotel entrepreneurs? THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) (a) and (b) Financial assistance is available to small hotel entrepreneurs through State Finance Corporations for setting up new hotels in different parts of the country Financial assistance is also extended to hotel entrepreneurs by the all-India financial institutions such as the Industrial Finance Corporation provided the loan requested is more than Rs 30 lakhs

III

### Foreign Shareholdings by Indian Oxygen Limited

6786 SHMI A K ROY Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Union

t is a fact that Indian OxyseaLd are man 1 foreign company a d the Reserve Bank of Ind . beat to its pressure extending the dead line to Marth 1979, and

(c) if \*p the reason thereof?

would be counted from the date of receipt of the directive issued by the Reserve Bank of India

th) and tel No Se To the Em

dering me comban) to trace its non-

#### Irregularities Committed by Vijaya Bank

6787 SHRIK LAKKAPPA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state -

- (a) Whether an inquiry was held by Government into the irregularities committed by Valaya Bank recently, and
- (b) if so, the findings of the Inquiring authority and action proposed to be taken by Government?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) An inspection of the Vijaya Bank Limited was recently conducted by the Reserve Bank of Irdia with reference to its position on the 30th June 1977

(b) The report contains information relating to the affairs of the bank's constituents which, in accordance with the practices and usages customary among bankers is not to be divulged. However, the find-ings in the impeditor report are being pursued by the Reserve Bank with the Bank for necessary corrective action

### Restoration of Dabai-Madras Flight

6788 SHRI A. ASOKARAT the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state .

- (a) whether the Air India flight from Dubas to Madras was stopped from the month of February, 1978,
- (b) if so, the reason for the change and ats not stopping at Madras, and
- (c) whether Government propose to make it stop at Madras again

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) (a) Yes, Sir Operations from Dubai to Madras have been discontinued effective and March, 1978

(b) With effect from 2nd March 1978, a second Flight on Duba/Trivandrum/ Dubai sector has been started. Dubai-Madras Service was discontinued as a large portion of traffic from Dubai to

(c) There is no proposal at present to recommence Dubai/Madras flight

Madras as bound for Lerala

ment shown to 1t.

#### Tata Committe Report on Civil Aviation

- 6789. SHRIMATI P. CHAVAN: Will the Minister of TOURISM AND CIVIE AVIATION be pleased to state:
- (a) whether the Tata Committee Report on Civil Aviation is still under Government consideration;
- (b) whether any decision has been taken on its recommendation of restructuring Director General of Civil Aviation into an indpendent Civil Aviation Authority; and
- (c) which of the recommendations have been accepted so far and put in practice?

THE MINISTER OF TOUTRISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK); (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

lo 113

(c) The main recommendations of the Committee relating to Equipment an Flight Impection have been accepted and are being implemented. The implementation will be spread over a number of years. The recommendations relating to Flying Clubs have been put into practice.

'वर्डस एप्ट फ्रेजिज कामनली यूज्ड इन दी डिपार्टमेंट' शीर्षक से एक कुलक का

6790. श्री सुरेन्द्र सा सुमन : क्या विस मंत्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या कार्यास्त्रों में राजकीय भाषा की उचित क्रियान्त्रित के लिए मंद्रास्त्र हे आर्थिक कार्य विमान ने बर्प 1976 में वर्डस एवड कृषिक कामनती यूब्ड इन दी डेगार्टमेंट में किस से एक पुस्तक प्रकामित ही थी; और
  - (ख) यदि हां, तो ऐसी पुस्तकों का कामन बन्द करने के बया कारण हैं?

वित मंत्री (श्री एच० एम० पटेत): ंक) जी, हां। (ख) यह पुस्तक संदर्भ मैनुअल के रूप में अकाशित की गई है और यह सामयिकी अकाशन नहीं है।

#### Shares of S. C. and S. T. in Posts Filled in each Category In the Ministry of Finance

6791. SHRI R. N. RAKESH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) total number of posts filled in each category of posts in respect of Finance Ministry, its attached and suberdipasts offices including the public sector undertakings for the entire period of Janata Government regime with specific shares of S. C. and S. T. in such employment and also the Number of posts de-reserved in each category and reasons thereof; and
- (b) total number of departmental promotions/upgradation of posts in each category of posts and how many posts have gone to S.C. and S.T. ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) and (b). The information is being collected and will be isid on the Table of the House as soon as possible.

#### Objection of Planning Commission in respect of cut in Interest Rate

6702. SHRI G. S. REDDI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether the interest rate cut has been objected to by the Planning Commission or any of its members;
- (b) whether this cut has benefited banks
   more than exporters;
- (c) if the answer to (a) is affirmative, whether Government will now pursue a cheap policy in spite of Planning Com-

mission's objection; and

(d) what steps are being taken to see that the benefit is passed on by banks to various customers including exporters?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) No. Str. But at a symposium organized by the National Institute of Public Finance and Policy, Prof. Roj. Krislana, Member, Planning Commission, had expressed the view that the recent lowering of the interest rates aumounced by the Reserve Bank of India was not justified.

It is difficult to assess (b) to (d) the actual benefits accruing to banks by the reduction in deposit rates and lending Practically all lending rates have been reduced by varying margins regard to exporters, the interest rates on pre-shipment and post shipment credit have been reduced by half a per cent to 11 to 13 per cent and 11 per cent respechowever ment exports unchanged at 8 per cent The reduction in interest rates esanot be regarded as a pursuit of a cheap money policy The bank rate remains unchanged at 9 per cent.

सियेटिक एवड कॅनिकल्स निमिटड, बरेली मे सरकारी सस्यानों के शेयर

b793 क्यो मुरेन्द्र विक्रम क्या वित मतो यह बनाने को कृश करेगे कि

'क ) सियटिक एण्ड कैमिकस्स विभिटेड. वरेता म सरकारी सस्याना के लिए ग्रेयर हैं धीर सरशारी सस्याना द्वारा उनत कारखाने का किननी राधि के ऋण दिये गये हें भीर

(ख) सियटिक एण्ड केमिकल्स लिमि-हेड घरेली मदा मरनारी प्रतिनिधियी को न निए ज न ने क्या कारण हैं जब कि उसम सरहार ने लाखा हपये का पनी निवेश क्या है ?

वित मत्री (श्री एव० एम० पटेल) (क) ग्रीर (ख) ग्रविव भारतीय सर-बारी क्षेत्र के विताय सम्यामा के पास सिये-टिइ एण्ड कैमिक्टम लिमिटेड बरेली मे 64 70 लाख रुपय के झिकत मृत्य के माम्या शेयर हैं। उन्हाने ग्रप्रैल, 1977 म उनन प्रध्यनी को २० लास रुपये के मार्डिशक ऋण भी दिथे हैं।

कम्पनी क सत्राजनक कार्य निष्पादन को प्रनम रखने हुए वित्तीय सस्याम्रो ने इस समय यह जरूरी नहीं समया हैं कि इस वस्पनो के निदशक महत में कोई निदेशक नामित किया जाये। फिर भी

इस कम्पनी के निदेशक मण्डल मे धपन प्रतिनिधियाका नामित करने का विचार निरन्तर विचाराधीन रहता है।

# Employment of Clerks by State Bank of India to Ferozepur

DR. BALDEV PRAKASH Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether a test was held at Feroze pur, Punjab by State Bank of India to employ clerks,

(b) whether selection has been made on the basis of the test held.

(e) whether Government received complaints alleging irregularities in the test or subsequent interviews of the candidates,

(d) if so, the act on taken by Govern

THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI H M. PATEL) (a) Yes, Sur

(b) Selection has not been finalised

D 1.1

employment exchange These complains are both for and against the cancellation of the test. Government have also received certain complaints regarding the delay in finalisation of the result of the test.

(d) The matter is under examination in the State Bank of India and no final dersson has been taken so far

### Excuse Relief on Nylon Thread and Diesel Engines

MRINAL SHRIMATI Will the Minister of FI CORE NANCE be pleased to state

(a) whether the Government has

(b) if so, the details thereof, and

(c) the action taken by the Governmen on this Memorandum?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHII SATISH AGRAWAL): (a) No such memoranda from the Government of Mahrashtra have been received in the Ministry of Finance.

(b) and (c). Do not arise.

#### Construction of I.T.D.C. Hotels in Foreign Countries

6796. SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether a proposal is under consideration to construct some I.T.D.G. Hotels in Foreign Countries;

 (b) If so, the numbers of the total hotels and when are they to be expected to work;

(c) the total expanditures thereon?

THE MINISTER OF TOURISM AND GIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) L.I.D.C. has no proposal to construct hotels in foreign countries at present.

(b) and (e). Do not arise

### Points discussed in Indo-British Economic Committe

6797. SHRI D.B. CHANDREGOWDA: Will the Minister of COM-MERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Indian Government has conveyed to the United Kingdom its deep concern at the frequent freight filter by Britist Shipping lines which affected the compatitiveness of trade both ways and resulted in diversion of cargo; and

(b) if so, the details regarding the points discussed at the meeting of the Indo-British Economic Committee?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTEN OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ART BEG):

(a) and (b). Ves. Sir. The disturbing trend of frequent feight rate increases and surcharges on IndiaTUK. Trade route as also the need to Improve the service through the use of modern vessels including those capable of earrying combines.

was brought to the notice of the British side at the meeting of the Indo-British Economic Committee held on 10th—14th March, 1938. It may be added that this trade is served by the India-Pakitan-Bangaldeh/ILK Cominent: Conference, fine membraship of which shipping lines of several countries including India and the United Kingdom, London headquarters in Icoted in London.

#### Project Export Contracts

6798. SHRI PRASANNBHAI MEH-TA: Will the Minister of COMMERCE, GIVH. SUPPLIES AND COOPERA-TION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India secured project export contracts worth Rs. 1200 crores in the past three years;

(b) if so, to what extent the project export contracts were obtained during

(c) whether the Union Government is of the opinion that there is a greater scope for greater participation in projects abroad; and

(d) if so, what steps are being taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND GIVIL SUPPLIES AND GOODERATION (SHIR) ARE BEGIN as the total value of contracts secured for capital goods and project exports during the last three years amounted to more than Rs. 1300 crose. Out of this total, the contracts for project exports alone, that it, projects involving child engineering contracts amounted to about Rs. 830 crores.

(b) the contracts for project exports secured in 1977 amounted to approximately Rs. 301 crores consisting of:

Givil Engineering works . . Rs. 187 crores

Equipment supply, services

etc. . . Ra. 114 crores

(c) and (d). There is definitely scope for greater participation of Indian Engineering Industries in projects abroad, The following steps have been taken by

- In addition to the normal cash compensatory support available for plant and equipment supplies effect-ed from India, the Government have decided to grant project assistance at 100, of the net foreign exchange carning from services like design, erection, commissioning
- (il) In order to explore possibilities in various countries for project ex-ports, delegations have been sent from time to time.
- (m) During the visits of delegations from the developed countries, possibilities of cooperation in executing turnkey projects in third coun tries have been emphasised
- (L) Clearance of the project proposals has been eccidented through a Working Group under Industrial Development Bank of India consist ing of representatives from India trial Development Bink of India, Reserve Bink of India, Export Credit Gualent e Cosporation and and banks concerned,
  - (a) To expedite decisions on providing various facilities for project exports, proposals are examined by an Inter-Minuterial Committee in the Minusto of Commerce headed by the Additional Secretary and consuling of representatives from other con cerned Minutines

Sugar Importing countries requested for supply of alternate commodity

.

(a) what is the estimated quantity of sugar sought to be exported during this financial year,

- (b) the names of the countries to which the exports will be made and the amount of foreign exchange to be so camed, and
- (e) whether it is a fact that due to lower standard of quality of Indian rugar, some of the countries importing sugar have requested for an alternate commodity m place of the contracted sugar?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CONDIERCE CIVII. SUPPLIES AND OPERATION (SHRI ARIF BEG); (2)

Written Answers It has been decided to export a quantity cf 6 50 lakh tennes of sugar during the calendar year 1978 in accordance with India's quota under the various Agree-

(b) Sugar will be exported to the countries with whem we have trade relanens Actual shipments will be made depending upon the best offers received-However, at this stage it is not possible to indicate the actual destinauers to which sugar will be exported during the year

The foreign excharge earnings on experts of 6 so lalh tennes of sugar are, at present, esturated at about Rs. 110 crores

(c) India manufactures and expens Plantation white crystal sugar, which is graded urder ISS grades India had a memorandum of understanding with Iran to supply both cereant and sugar under a commodity credit Iran, Lowever, fater on desired that only refred signe equal to Para grade 6 thould be replied to them or else coment of equal value be upplied

### Restriction on hearding of Cold

6800 SHRI L. L. KATCOR Will the Minister of FINANCE be pleased tostate

(b) whether the present restrence on boarding of gold will centurie, and

(c) if so, whether the prepr al of sale of gold would be defeated in view of the

phinary gotd.

(b) La, Sr

(c) No, Sr The Government's decisum to sell gold from the stocks held by The sale of gold would be restricted to persons authorised to acquire/possess standard gold bars under the Gold (Control) Act for the purpose of conversion into ornaments.

Selling of Gold coins by religious Institutions

6801. SHRI SARAT KAR: Will the Minister of FINANCE be pleased to state;

(a) Whether there is any proposal under the consideration of Government to allow religious institutions like a Truppatit incept and Jagamentheur Truppatit incept and Jagamentheur emblem of the Lord and sell them to the people with the provision under which persons in financial constraints if they persons in financial constraints if they person in financial constraints if they deposited the 'cont' either with knales or continuous and the contraints of the contraint would get lona ceptal to go per cent of the 'coint' force value; and

(b) whether such a liberalised policy on gold, besides helping the rural people in getting contingency loans would lead to considerable fall in the prices of land and other commodities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL): (a) Tremashi-Tirupathi Devasthanam has been permitted under Gold Control Act since 1970 to manufacture gold medals in the form of lockste unbossed with images of the presiding deities, out of temple's declared stock of gold, for sale to devotees.

Such requests for permission from other religious institutions can be considered on merits under the Gold Control Act.

The lockets with the images of deities are treated as ornaments; there is no restriction in obtaining loans from backs financial institutions by pledging gold ornaments.

(b) The above permission has been granted within the ambit of the Gold (Control) Act.

भारत में 1979 में जायोजित किया जाने बाला अस्तर्राष्ट्रीय व्यासार मेला

6802. श्री राम सेवक हजारी: न्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे

- (क) क्या सरकार का विचार 1979 में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला श्रायोजित करने का है:
- (ख) यदि हा, तो तत्सम्बन्धी मुख्य वार्ते क्या है: ग्रीर
- (ग) एशिया-1972 मेले की तुलना में इस मेले के कहां तक सफल होने की संभावना है?

वाणिज्य स्था नागरिक पूर्ति झौर सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रारिक वेग): (क्) जी हां।

(ख) तथा (ग) . मेले की योजनाओं को समीतक सन्तिम रूप नहीं दिया गया है; लेकिन यह प्रयत्न होगा कि उद्योग, इसि एवं व्यापार के विविध्र पहलुओं को इसमें सामिल किया जाये।

### Investment in Public Undertakings

6803. CHAUDHARY BALBIR SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) how much money has been invested by the Government in Government Undertakings and which are the ten largest Government Undertakings;
- (b) how many of the Government Undertakings has been registered under Comapuies Act and how many are under an Act of Parliament;
- (c) how much profit has been earned on the total investment during the last four years;
- (d) whether Government Undertakings are not earning the desired profits as compared to the Private Sector Companies;
- (e) what is the Capital out put ratio in the Government Undertakings as compared to the private sector; and
- (f) what are the main reasons for less profits in Government Undertakings and what steps Government propose to take to earn more profits and thus run the

Government Undertakings on commercial lines ? THE MINISTER OF FINANCE

ISHRI H, M PATEL) (a) The L'Central total investment in 145 Central Government Public Sector Undertakings as on 31 3 1977 was Rs 11970 erores In terms of investment, the in largest companies are -

- t Bokaro Steel Ltd
- 2 Hindustan Steel Ltd

panies Act.

123

- 3 Fertilizer Corporation of India Ltd
- 4 Food Corporation of India Ltd 5 Oil & Natural Gas Commission.
- 6 Central Coalfields Ltd
  - 7 Heavy Engineering Corporation Ltd
- 8 Shipping Corporation of India Ltd.
- g Bharat Heavy Electricals Ltd 10 Bharat Coking Coal Ltd
- (b) Out of 145 undertakings six have been set up under Act of Parhament. The rest are all reguteed under the Com-

(c) The net profit before tax during the last four years is in respect of running enterprises as follows -

- (1) 1973 74 Rs 140 erores
  - (11) 1974 7**5** . Rs 312 crores
  - (m) 1975 76 Rs 406 erores
  - (IV) 1976-77] Rs 476 crores
- (d) The profitability of Government Undertakings have improved over the past few years and the trend shows that the improvement will continue further

(e) According to the available information, the espital output ratio for 1975 76 was 0 45 t in the private sector and t in the public sector

(f) The main reasons for low profitability in Public Enterprises are -

- (1) Capital intensive nature of investment.
- (u) Long gestation periods,
- (111) Below 100 % utilisation of capacity,
- (iv) Pricing policy to benefit the consumers.
- (v) Social costs

Steps to further improve the efficiency of the Public enterprises continue to receive the constant attention of the Go-Various steps have been taken/are being taken from time to time

to improve the profitability of the undertakings such as those detailed below -

124

- (i) Improvement of capacity utilusation, (11) Debottlenecking various phases of
- operation, (in) Provision of balancing facilities
  - for better utilisation of existing equipment,
- (1v) Provision of captive power to ensure smooth energy supply in selected industries.
  - (v) Improvement in industrial rela-
- (vi) Improved production planning and control techniques,
- (va) Introduction of incentive schemes, (viii) Periodical review of performance against budget targets at the Ievel of administrative Ministries,
  - (ix) Improvement of inventory control practices,
  - (x) Modernisation and diversification etc

### Upgradation of Gwahor City

6804 SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER Will the Minister of FINANCE be pleased to state

- (a) whether Gwalior City has been up-graded to B-2 class,
  - (b) if so, when,
- (c) whether the Government employees are enjoying house rent allowance as B-2 Class City, and
  - (d) if not the reasons thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) to (d) Cities are classified for the payment of House Rent Allowance and Compensatory (City) Allowance to the Central Government employees according to their population as revealed in the 1971 census For the classification for House Rent Allowance, only the population within the municipal limits of the city is taken into secount For classification for Compensatory (City) Allowance, the population of the Urban Agglomeration, wherever it exists, is reckoned, otherwise, the population of the municipal area of the city forms the basis

For classification as 'C' Class, the population should be 50,000 and above, while for classification as B-2 class the population should exceed 4 lakhs

Gwalior City has a population of 3,84,772 in its municipal area, and 4,65,156 in the Urban Agglomeration. Accordingly, it has been classified as 'C' for purpose of House Rent Allowance and B-2 for purpose of Compensatory (City) Allowance.

125

### Tea bushes in the District of Darjeeling, West Bengal

6805. SHRI SAMAR MUKHER-JEE: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION be pleased to state:

- (a) whether the Government is aware that 90 per cent of the tea bushes are more than sixty-seventy years old in the hill areas of the District of Darjeeling ir West Rengal;
- (b) if so, whether Government are also aware that this has been causing serious effect on tea industry in Dajteling which produces best tea in the
- (c) if so, whether Government are considering measure to compel the employers to replant the new batches so that tea industry may rejuvenate; and
- (d) what steps are taken by Government to provide the necessary aid to the industry for carrying out the programme of replanting so that the industry may be saved from the verge of total ruination?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHII ARIF BEG): (a) According to the Techno-conomic survey of Darjoeling tea industry, sponsored by the Tea Board, 99 13% of the tea busher in Darjecling Hills were about 50 years in age in 1972-73.

(b) to (d). Government [in aware of the need to increase the rate of explantation in Three Gardesis in a 1987 plantation in Three Gardesis in the 1987 plantation in Three Gardesis in the 1987 planting is difficult and unreconomical in these areas, old tae bashes can be rejuverasted. The Ten Board is giving financial assistance for both—replanting and reduvenation of old bashes, together with intilling of weamele and interplanting the property of the property

For rejuvenation, pruning combined with infilling and interplanting of rows, subsidy of Rs. 4000 per hectare is admissible.

Tea Board has also set up a Research Centre at Kurseong, Dajieeling primarily for assisting teaplanters in Dajieeling tea gardens. Morcover, under the Incometax rules cost of replantation is allowed to be treated as revenue expenditure.

#### Representatives of Trade Union on Tobacco Board

8806. SHRI DINEN BHATTA-CHARYA: Will the Minister of COM-MERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

- (a) whether the representatives of the Trade Unions are nominated to the Tobacco Board;
  - (b) if not, the reasons thereof; and
- (c) steps taken by Government to provide representatives of the Trade Unions on the Tobacco Board?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COVERATION (SUPFLES AND CO-OPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) Yet, Sir. Shri J. Satyanaryana, President, Andhra Pradeth ILTD. Worker Union, represent abour on the Tobacco Board as an Associate Member,

(b) and (c). Do not arise.

## Decrease in Foreign Tourists Visit

6807 SHRIR.P. DAS: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

- (a) whether the number of foreign tourists has been decreasing year after year since 1973 in Calcutta;
- (b) if so, the details thereof and reasons therefor ; and
- (c) what measures are proposed to be taken by the Government to promote tourism in West Bengal and the Eastern Zone?

ATHE MINISTER OF TOURISM AND GIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIN (a) and (b) Statistics of International toutest arrivals are analysed on an all-India basis and not on cetre-wise basis However, on the basis of Foreign Tournts Surveys conducted during October 1972 to September 1973, and again from July 1976 to June 1977, the estimated number of foreign tournits visiting Calcutta increased from 83,000 in 1972-73 to 98,000 in 1976-77;

(c) The Department of Tourism through its Tourist Offices overseas promotes India as a destination in the primary tourist generating markets Places of tourist interest in West Bengal and Eastern Zone are widely publicised through the distribution of tourist publicity material such as folders, posters and through the screening of documentary films. The promoundal strategy being adopted will also ensure diversification of the course traffic to as to cover a larger number of tourns centres, as far as feaable a see at a

----

SUB-TOTAL II

Central Asalatance For Backward Districts of Maharaahtra

6808 SHRI GANGADHAR APPA Will the Minister of FIN-BURANDE ANCE be pleased to state ;

- (a) total Central assistance given for the development of backward districts of Maharashtra for the last three years,
- year-wase, and (b) the expenditure incurred by the Government, year-wise, dutrict-wise?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) and (b) Central assistance for State Plant is given in the form of block loans and grants and is not relatable to any particular area in the State. The State Government have reported that under the scheme of 15% Central subsidy to industries in specified backward dis-tricts, assistance has been given to tradustries, coming up in three backward dustriets of Maharashtra A Statement showing the expenditure incurred by the State Government and reunbursement

from the Centre by way of 13% sub-sidy, year-wise and district-wise, is laid on the Table of the House.

114 1,08,09,766

96,90,847

#### Statement

Tatal disbursement by the State Government and reunbursement by sway of 15% Central Subside to Industries in the Back and Districts in Mahmashtra for the years 1973-76, 1976-77 and 1977-78

| Dstrict      |      | Year  |  | Total No<br>of units | Subsidy<br>disbursed by<br>the State<br>Govt | Subady<br>rembursed<br>by Govern-<br>ment of<br>India. |
|--------------|------|-------|--|----------------------|--|--|
| 1            | ~-   | 2     |  | 3                    | 4  | 5  |
| 1 Aurangabad | . 19 | 75-76 |  | 41                   | 90,47,289                                    | 83,65.456  |
|              | 19   | 76-77 |  | 56                   | 66,53,659                                    | 34,42,694  |
|              | 19   | 77-78 |  | 209                  | t,46.59.537                                  | 1,43,31,936  |
| SUB-TOTAL I  | •    |       |  | 309                  | 3,03,50,485                                  | 2,61,40,146  |
| 2 Ratnagu    | 19   | 75-76 |  | 23                   | 24,81,989                                    | 10,77,315  |
|              | 19   | 76-77 |  | 20                   | 31,72,014                                    | 28,73,716  |
|              | 19   | 77-78 |  | 71                   | 51,55,763                                    | 57,39 816  |

| •             | r                                     |   | 2       |   | 3    | 4           | 5           |
|---------------|---------------------------------------|---|---------|---|------|-------------|-------------|
| 3. Chandrapur |                                       |   | 1975-76 |   | 18   |             |             |
| <b>3</b>      |                                       | • |         | • |      | 21,04,590   | 6,68,950    |
|               |                                       |   | 1976-77 | • | 16   | •2,65,603   | 20,71,134   |
|               |                                       |   | 1977-78 |   | 53   | 17,40,347   | 17,40,402   |
|               | SUB-TOTAL III                         |   |         | _ | 87   | 41,10,540   | 44,80,486   |
|               | GRAND TOTAL                           |   | 1975-76 |   | 85   | 1,36,33,868 | 1,01,11,721 |
|               |                                       | • | 1976-77 |   | 92   | 1,00,91,276 | 83,87,544   |
|               |                                       |   | 1977-78 |   | 333  | 2,15,55,647 | 2,18,12,214 |
| 4             | TOTAL .                               |   |         |   | \$10 | 4,52,80,791 | 4.03,11,479 |
|               | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ |   |         |   |      |             |             |

#### Norms for Fixing Seniority'in Trade Fair Authority of India

6809. SHRI SHIV NARAIN SARSONIA: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have formed a Company named Trade Fair Authority of India after the merger of certain like organizations;

- (b) whether it is also a fact that these organisations had posts which, though of different nomenclatures, were of more or less similar job requirements;
- (c) has it been decided to determine the sentority of employees of these organisations scale-wise;
- (d) if so, whether the actual seniority will be fixed, if not, when will this be done: and
- done; and
  (c) what are the norms on which the

seniority is being fixed ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION (SHRI ARIF BEG): (2) Ye., Sir.

- (b) There are a few posts with different nomenclatures but having somewhat similar job requirements.
- (c) to (e). An Inter-Departmental Committee is at present examining this question.

# Decrease in Non-Plan Espenditure of Government

6810. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether the Financial Advisers appointed under the Integrated Financial Advisers' Scheme are required to exercise strict control over the expenditure of the administrative Ministries and Departments of the Government of India to ensure economy:
- (b) whether the Finaincial Advisers have been placed under the administrative control of the Ministries whose expenditure they are supposed to control;
- (c) whether the Financial Advisers are required to function under the dual control of the Secretary of the Administrative Ministry as well as the Secretary of the Department of Expenditure;
- (d) whether it has come to the notice of the Government that the exiting system of dual control has resulted in the increase of the non-plan expenditure of the Government; and
- (c) if so, steps taken or proposed to be taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M PATEL) (a) to (c)

131

Integrated Financial Advisers Scheme has been introduced in pursuance of the policy to delegate en hanced financial powers to the Administrative Ministries to match their respons bilines and to improve their com

Ministries for the exercise of powers delegated to them. In the case of matters falling outside the delegated field they can seek orders of the Secretary of Department of Expenditure/Finance Minister This system is vorking satisfactorily and it would not be correct to say that it has resulted in increase in non Plan expenditure

Opening of Retail Shops For Sale of Products of Public Sector Undertak ínte

6811 5HRI AHSAN JAFRI WILL the Minister of FLNANCE be pleased to state

(a) whether Central Government have ever considered the question of open

ing retail shops for sale of products of different public sector industries in the country .

- (b) if so, what are the details thereof ,
- (c) if not, do Government now propose to draw up the scheme for retail sale of goods produced by Public Sector Undertakings, and
- (d) the details regarding the retail shops already in existence in public sector ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) to (c) Public Enterpirses themselves take steps to open retail shops for the sale of their products, in order to achieve maximum utilisation of their capacity Consequently the question of Government opening or operating retail shops for sale foll products of Public Enterrouses does not normally arise.

(d) Details of the retail shops in existence in Public Sector for the sale of the major products of these Enterprises are indicated in the Statement

#### Statement

SI No Name of the Public Sector Undertaking

No of retail shops to existence

t Artificial Limbs Mfg Co Ltd.

2 Bharat Earth Mover Ltd.

1

3 Bharat Electronics Ltd.

4 Bokaro Ispath Ltd.

5 Hindustan Steel Ltd 6 Central Cottage Industries

Products Sold through Hindustan Steel Lad

BEMIL's products are being handled by the Marketing Division which has a net work of its sale & service offices all over the country

3

Sales Depots at Delhi Bombay and Calcutta.

34 Branch Offices

59 Stock yards . Retail empons at \ew Delhi Bombay and Calcutta

7 Eastern Coalfields Ltd.

8 Hindustan Paper Corporation

o Mandya Paper Mills

|   | 1  | 2   |          |      | 3  |
|---|----|---|----------|------|--|
| _ | 10 | Hindustan Sales   |          |      | 1  |
|   | 11 | Sambhar Salts : . :                                     |          |      | 1  |
|   | 12 | Indian Rare Earths Ltd.                                 |          |      | 3  |
|   | 13 | National Seeds Corporation La                           | d.       |      | 87   |
|   | 14 | National Textile Corporation<br>Karnataka, Kerala) Ltd. | (A.P.,   |      | 22   |
|   | 15 | National Textile Corporation (S                         | outh M:  | ha-  | 15   |
|   | 16 | National Textile Corporation (                          | W.B., Bi | hər) | 57   |
|   | 17 | Hindustan Insecticides Limited                          | l        |      | There are about 30,000 sales out-lets for agro-<br>posticides in the country under public<br>and private sector organisations.                               |
|   | 18 | Neyveli Lignite Corporation                             |          |      | A net work of dealers and some by-products are sold on ex-factory basis.   |
|   | 19 | National Textile Corporation (<br>Punjab) Ltd.          | Delhi,   |      | 14   |
|   | 20 | Rehabilitation Industries                               |          |      | t3 Sales Emporia   |
|   | 21 | Bharat Ophthalmic Glass Limi                            | icd      |      | It has been decided by the Board of Dire-<br>tors to open retail shops firstly at Calcutta<br>and then at Delhi, Bombay and Madrus.                          |
|   | 22 | Madras Refineries Ltd.                                  |          |      | All products of Madras Refineries Ltd. (except<br>Elemental Sulphur) are marketed through<br>Indian Oil Corporation.   |
|   | 23 | National Instruments Ltd.                               |          |      | A net work of dealers.   |
|   | 24 | Bharat Aluminium Co. Ltd.                               |          | •    | Had made arrangements in Madras. Bombay,<br>Delhi, Calcutta, for sale of small quantity<br>of Aluminium (one tonne and above) to<br>individual actual users. |
|   | 25 | National Textile Corporation<br>(Holding Company)       |          |      | - 235  |
|   | 26 | National Textile Corporation (                          | Gujarat) | Ltd. | . 6  |
|   | 27 | National Textile Corporation (<br>North) Ltd.           | Mahrash  | tra  | 48   |
|   | 28 | Hindustan Photofilms Manufet<br>Company Ltd.            | uring    |      | Selling material through branch offices<br>in Bombay, Delhi, Madras, Calcutta. Also<br>a network of distributors.  |
|   | 29 | Tea Trading Corporation                                 |          |      | Sale is being effected on commission basis   |
| _ |    |   |          |      |  |

#### Continuation of Existing Structure of Dearnesa Allowance

6812 DR VA SEYID MUHA-MMAD Will the Minister of FINANCE MMAD Will the Minister of FINANCE be p'eased to faint what action is proposed to be taken by the Government in terms of the recommendations of the Third Central Pay Commiss on, that Government should decide whether the existing dearners allowance structure thould be contoued or the Pay structure uself should be recovered whether the All Intal Consumers. Price Index crosses 272 points ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI HM PATEL) The Third Pay Commission had recommended as

Should the price level rise above the 12 monthly average of 272 (1960-100) Government should review the position and decide whether the dearness allowance scheme should be extended further or the pay scales themselves thould be revised.

After the sverage price index crossed open content of the content

Restoration of full pension after completion of period of commul

6813 SHRI RK, MHALGI . W.II the Manager of FINANCE be pleased to

(a) whether it is a fact that the Govern-ment have taken a decision in respect of their employees who have completed their period of Commutation to res-tore their fill pensions?

(b) if so, when and whether it has been ordered to be implemented .

(c) if the decision has not been taken to in the reasons thereof inspire of the recommendations of the Petition Committee of Lok Sabha ir point had submutted its report long before ; and

(d) when the decision is likely to be arached ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI HM PATEL) (a) to (d) "There have been demands for the restoration of the commuted portion of pension to persioners who survive for more then ten years after commuting their private, and the Commuter on Pensions of Lok Sabha had also re-communication at review of the schiene of commutation of pensions with a view to provide for such restoration The matter has been examined thoroughly Com-mutation is optional and, under the rules, the commuted portion of pension is surrendered for hie It has, therefore, not been possible to agree to the demand for restoration of the commuted portion of pension. The Committee on Pentions of Lok Satha have been information ed accordingly :

#### Value of Assets of Issue Depastment of Reserve Fank of India

the Manter of HINANCE be pleased to state

(a) the total value of the amets of the Isme department of Reserve Bank of India in terms respectively of each of the bullion (u) gold coins, if any (ui) foreign Securities (v) rupee coins (v) rupee securities as stood in 1970, 1973, 1976 and to day ,

(b) the basis on which rupee security 9 have been issued by whom, and since

(c) the circumstances purposes and reasons for which rupee securium were required to be usued?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) The value of assets of the Issue Department of the Reserve Bank of India as at the end of March 1970, 1973, 1976 and 1978 is given in the enclosed enclosed statement

(b) and (c). The rupee securities are assued by the government of India under the Public Debt Act 1944 each year to supplement its resources for financing developmental and non-developmental outlays and the borrowing programmes are provided for m the annual Budgets

#### Statement

The value of assets of the Issue Department of the Reserve Bank of India as at the end of March, 1970, 1973, 1976, 1978.

|   |       |   | <br>_ |         |                                   | (In Crores  | of Rupee   |
|---|-------|---|-------|---------|-----------------------------------|---|--|
|   |       |   |       | 1970    | 1973                              | 1976  | 1978   |
|   |       | • |       | 141.39  | 141.39                            | 141,39  | 151.95   |
|   |       |   |       | 41. 14  | 41.14                             | 41.14   | 41.14  |
|   |       |   |       | 331.42  | 171-65                            | 271.74  | 1766-45  |
|   |       |   |       | 64.63   | 8.66                              | 15.80   | 11.08  |
|   |       |   |       | 3287.35 | 4909.36                           | 6103.43   | 6545.19  |
| 7 | TOTAL |   |       | 3865-93 | 5272*20                           | 6572.62   | 8615.81  |
|   |       |   | <br>  |         | . 141°39 . 41°14 . 331°42 . 64°63 | . 14139 14139 . 4114 4114 . 33142 17163 . 6463 8-66 | 1970 1973 1976  - 141'39 141'39 141'39  - 41'14 41'14 41'14  - 331'42 171'63 271'74  - 6g-63 8-66 12-90  - 3287'35 4909'36 6105'45 |

#### Gentral Excise Duty on Skimmed Milk

137

6815. SHRI BALDEV SINGH JASROTIA: Will the Minister of FIN-ANCE be pleased to state:

 (a) is it within the knowledge of the Government that skimmed milk is diffrent from milk powder and is mostly used by poor sections of the society;

 (b) if so, the underlying idea is removing Oentral Excise Duty only on milk powder mottly used by rich and not on skimmed milk;

(e) do Government propose to remove the duty on skimmed milk?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF FIRANCE (SHRI NATESH AGRAWAL): (a) The Government are abase that skinment bulk and the skinment bulk of the skinme

(b) In the 1978 Bidget, the Government have exempted whole milk powder from excise duty so as to prevent diversion of baby food (which enjoyed exemption from duty) at a substitute for whole powder (on which 10% excise duty was leviable), and the present exemption to whole milk powder would bring it at par with baby food,

(c) Government are not considering at present the removal of excise duty on stimmed milk powder.

### Air Link for Leh

68:6. SHRIMATI PARVATI DEVI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is proposed to link Leh by air, and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURU-SHOTTAM KAUSHIK): (a) Yes, Sir.

(b) The proposal is dependent upon the aircraft resources and certain repairs being carried out at Srinagar airfield and also some modifications required to be carried out at Leh airfield. On present indications, it may be possible to air-link Leh during the Summer of 1979.

#### Crisis in Cashewant Industry

6817. PROF. P.G. MAVALANKAR: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Cashewnut Industry, particularly in the South, is facing several and neute difficulties

..

regarding raw material, marketablity all the year round employment of workers, etc., and

139

(b) if so steps being taken by Government to help the said industry correct and improve its position and working?

--- - COUNTY OF COLOR IN THE

(b) In order to support the industry, Government have taken up several schemes for increasing indigenous production of

Rs 4 crores for state sponsored, export oriented and viable schemes of eashew cultivation

#### Complaints Against Director of Export Inspection Council

68:18 SHRI V M SUDHEERAN Will the Minuster of COMMERCIE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state

(a) whether Covernment received complaints against the Director of Export Inspection Council and

(b) if so what steps are taken on these complaints?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COVIC SUPPLIES AND COOPERATION (SIRI ARIF BEG) (a) Government have recent some complaint against the D rector Inspection & Quality Control of Export Inspection Council from time to hime

(b) The complaints on receipt, are examined and enquired into, whenever felt necessary and appropriate action taken in the light of the finding of the enquiry

#### Representation from Industries for Ercise Rebef

6819 SHRI CHATURBHUJ WHI the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether it is a fact that during his visit to Calcutta recently he had received a representation from the industries demanding excise relief to more industries,

(b) if so, the details thereof, and

is 30, the details increas, and

(c) the reaction of Government thereto?

ember, 1977 a representation from the Ind an Jute Mills Association was received

by the Minister of Finance

(b) With regard to excise duty relief the Association pleaded for reduction in the rate of excise duty on jute goods.

(c) The matter was examined. It was considered that in view of the ruling prices of sacking in the internal market, no relief in excise duty was called for

#### Payment of Guz Allowance and House Rent Allowance to Central Governoment Employees

6820 SHRI AMRUT LASAR Will the Minister of FINANCE be pleased to

(a) whether the Central Government and State Government Employees on the Union Territory of Goa, Daman and Dishave submitted a memorandum demanding the payment of Goa Allowance and house rent allowance to them,

(b) whether it is not a fact that Central and State Government Employees in the Union Terratory do not receive G.C.A. in cipes, and

(c) if so, what iteps have been taken for the payment of Goa allowance and House Rent Allowance to these employees?

THE MINISTER OF FIVANCE (SHRI H M PATEL) (a) A representation has been received from the Goa Government Employees' Association in this regard.

(b) and (c) A city qualifies for the payment of Compensatory (City) Allowance to the Central Government/Union Territory employees posted there only if its population executed 4 lalks as per 1971 census None of the places in the Union Territory of Gos qualinies for the payment of Compensatory (City) Allowance on this basis

A city qualifies for House Rent Allow-

#### Export and Import of M/s. Kores India

- 6921. SHRI RAMESHWAR PATI-DAR: Will the Minister of GOMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION be pleased to state;
- (a) the amount of export in Indian currency made by M/s. Kores India during the last three years; year-wise;
- (b) the amount of import in Indian currency made by M/s. Kores India during the above period;
- (e) names of countries from and to which import and export has been made; and
- (d) whether total amount of exported goods have been repatriated to this country; and if so, (i) the value thereof (ii) if not, reasons therefor and the steps contemplated to realise the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COOPERA-TION (SHRI ARIF BEG): (a) to (c) Statistics regarding imports and exports are not maintained party-wise.

(d) Information is not readily available and would have to be collected from the Reserve Bank of India.

#### Supply of Wagons to Uganda

- 6822. SHRI PARMANAND GO-VINDJIWALLA: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUP-PLIES AND COOPERATION be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that full price of the wagons and passengers coaches was paid in advance by Uganda;
- (b) whether it is also a fact that the Projects and Equipment Corporation is required to pay a penalty of 6 per cent interest;
- (c) whether it is also a fact that for delay in future the P.E.C. will be required to pay a penal interest of 0-2 per cent per week; and
- (d) in view of the unsatisfactory management of P.E.C. Government are considering to merge it with Engineering Projects India Limited?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF SCHMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPE ATTON (SHE! AIT ATTO HE ATTON (SHE! AIT ATTO HE ATTON (SHE! AIT ATTON SHE! AIT ATTON SHE ATTON (SHE! AIT ATTON SHE AT

- (a) 12.5% as advance.
  - (b) 12-5% payable against shipments through Letter of Credit.
  - (c) 75% payment in 5 years from the date of signing of the Contract. This payment was to be secured by a Bank Guarantee,
  - (d) 9% per sumum Interest payable on outstanding deferred receivables.

The Letter of Credit at (b) above and the Bank Guarantee at (c) above were to be issued by an International Bank acceptable to PEC.

The buyer paid the advance with four weeks delay. The Letter of Credit and Bank Quarantee for the second 12 9% and balance 73%, were not established by them. Later in end April 1971,12 50% as received in each in lice of the 12.5% approximately one year, in Credor 1971 the buyer paid the balance amoun of 73%, in lice of the Bank Quarantee, also in cash.

- (b) The Ugandans suggested payment of interest on the amount paid by them in advance. It has been mutually agreed after discussions between the parties that interest would be paid to them at the rate of 6% per annum.
- (c) The original contract provides for payment of penalty for delayed delivery, it rate is to be 0.2% of the value of the delayed used on Elowerte, the total penalty small not exceed 5% of the contract value of the delayed uses of coaches. The deliveries are and to be completed in the first few months of 1979 subject to imported items arriving in time. Agreement provides that if there is any delivery of vergonal coaches would also get protegories.
- (d) At present there is no such proposal to merge the Project & Equipment Corporation with Engineering Project India Limited.

APRIL 14 1978

143

# Proposala produced by Bankof Baroda in Small Scale Organized Sector in Backward Areas

6323 SHRI NATVARLAL B PAR-MAR Willthe Minister of FINANCE be pleased to state

- (a) how many new proposals in small
- scale, organised sector in backward areas were financed by Bank of Baroda in last 3 years separately, sector wise and year-Wise.
- (b) how many proposals were adopted in a months' time, how many were finan-lised between 1 and 3 months and how many in less than six months, the reasons for those who have been rejected or curtailed.
  - (e) is it a fact that several proposals were approved during Emergency at the instance of high ups without proper vers-fication of guidelines of R B I; and
  - (d) what steps Government would take to prevent such undestrable practice being indulged in?

THE MINISTER OF FINANCE

- (b) Information on the lines desired by the Hon'ble Member is not maintained However, Government have advised banks to dispose of applications for loans to small scale industries upto Rs to 000 within a period of 3 to 4 weeks and for amounts over Rs to ooo within a period of 3 months from the date of their receipt
- (e) The Bank of Baroda has reported that no proposals for advances have been sanctioned without the usual scrutiny and appraisal at the appropriate levels in terms of the procedures and practices in vogue in the banks
  - (d) Does not arise

# Brokerage on Call Money Business

- 6824 SHRI K RAMAMURTHY Will the Minister of FINANCE be pleased to state
- (a) whether the systems of paying brokerage on call money business by banks has been done away with, and if 50. T

(b) the likely loss of turnover of bank;

(c) the number of brokers who could lose their levelshood?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) The Payment of brokerage on deposits in any form was prohibited by the Reserve Bank of India's directive on rates of interest on deposits dated 22nd July, 1974 except in such cases as are specifically exempted in that directive Reserve Bank have recently clarified to all scheduled commercial banks that this prohibition is also applicable to operations in the inter bank call money market

AL 311717 --- 6 -

lunds No loss of turnover to the banks is expected

Money brokers do not depend merely on inter bank transactions for their livelibood However, this matter has been discussed by the Reserve Bank with the representatives of the Bombay Money Readers Association The Reserve Bank would examine the matter if the Banks experience any difficulty in regard to sater-bank lending

#### Functions of Rural Bank Branch of UC Bank inside the Factory Premises of Maihar Cement Company at Sarlangear

6825 SHRI SHARAD YADAV WIII the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether at is a fact that rural bank branch of the United Commercial Bank,

and it so, how it is going to benefit the villagers,

- (b) whether rural bank licence has been granted for setting up the bank anade the factory premises, and
- (c) the names of the directors of this Bank connected with Birla family?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) The United Commercial Bank has opened a rural branch on December 20, 1977 at Village Sonwari. It will cater to the credit requirements of Village Sonwari as well as other villages in the area. The factory spreads over 3 villages, vir., Sonwari, Chopda and Sagmania and the Pactory tos unned the tost unned the change is the pactory of the change of the factory will in so way stand in the way of its providing credit to the trust population.

#### (b) Yes, Sir.

(c) The United Commercial Bank has reported that none of its Directors is connected with the Birla family.

# Reservation For SC/ST in Recruitment/Promotion in STC

6826. SHRI R.D. RAM: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

- (a) whether reservation orders for Scheduled Castes/Tribes in recruitment /ptomotion are implemented in State Trading Corporation of India Limited New Delhi; if so from which date;
- (b) what is the total strength of employees working in State Trading Opporation; the figures of general class and SO/ST separately;
- (c) whether there is any backlog shortfall for SC/ST in recruitment as well as against promotion quota; and
- (d) if so, how do you propose to fill-up the buckleg/shortfall for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes in recruitment and promotion?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COVIL SUPPLIES AND COOPER ATTON (SHRI ARIF BEG); (a) Yes, gotter are being maintained for direct recruitment and promotion by selection with effect from January 1970 and for promotion by seniority-eum-fitness with effect from January 1970 and for promotion by seniority-eum-fitness with effect from 27+11-1972.

(b) Total strength of employees working in STC and the number of employees in the general class and SC and ST is given below:—

| Ge | neral | - |  | 2050 |
|----|-------|---|--|------|
| SC |       |   |  | 137  |
| ST |       |   |  | 9    |
| Т  | TAL . |   |  | 2196 |

- (c) Yes, Sir.
- (d) A statement is attached.

#### Statement

- (i) Advertisements have been issued from time to time exclusively for SC/ST candidates to cover the backlog of unfilled reserved posts in various cadres.
- (ii) In cadres like Finance, where no applications were received, the unfilled posts have been carried forward.
- (iii) Qualifications have been relaxed in certain cadres.
- (ie) Instructions have been issued that a reserved post will be kept vacant till a suitable SC/ST candidates becomes available and will not be de-reserved.
- (e) Promotions will be effected from within the organization against unfilled reserved vacancies wherever eligible incumbents are available as per the rules of the Corporation and the directives received from the Government from time to time.

#### Smuggled Goods seized at Nepal Border

6827. SHRI SHANKERSINHJI VAGHELA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state the amount of goods seized at the Nepal border during the year 1977?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL): During the year 1977, goods valued at Rs. 1.54 crores were selected for having been smuggled across the Indo-Nepal border.

#### Filling up of post of Chairman in Allahabad Bank

- 6828. SHRI K. LAKKAPPA : Will the Minister of FINANGE be pleased to
- (a) whether it is a fact that Allahabad Bank Chairman Shri A. Ghosh was promoted as Chairman straight from the post of Chief Accountant ignoring many others senior to him; and
- (b) if so, that are the reasons therefor, and what is the procedure for filling up of post of a Chairman in the said Bank?

विया।

(ख) यदि हा, तो उनकी मुख्य मार्थे क्या है, और

Written Answers

[ग] वया उनकी मागा का पूरा करने ने लिए नाई नार्यवाही नी गई है यदि नही, को इसके नया नारण है ?

पर्वटन और नागर विमानन मत्री (थी पुरेपोत्तम कौशिक) : नई दिल्ली में काई विश्व मीसम विज्ञान सम्मलन नहीं हुआ था। विश्व मौसम विज्ञान दिवस धर्यात् 23 मार्च, 1978, को भारत मौसम विज्ञान विभाग के राजपतित. मधिकारियाः भराजधीतत वर्षेकारिया तथा वरंशाप क मजदुरों के एसोसिएशनों के कूछ सदस्या ने जम दिन अब टाइम मे नई दिल्ली स्थित "मौसम भवन" ने सामने प्रदर्शन

(ख) प्रदर्शन में एसोसिएशना द्वारा पास किये गय 'रेजोलशन' के अनुसार उन की मुख्य माग यह है नि भारत मौसम विज्ञान विभाग की पुनरीक्षण समिति की रिपोर्ट, की एक स्वतन्त्र ममिति द्वारा जिसम वर्मवारियो वा भी उचित प्रति-निधित्व हो जाच को जानी चाहिए ।

(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग की पुरोक्षय समिनि भरकार द्वारा नियक्त की गई अपने आप में एक स्वतन्त समिति यो । स्टाफ एसोसिएशनो के प्रतिनिधियो के माथ मीटिंगें की गई हैं तथा समिति की भिकारिको पर उनके विचार भी लिये गर्म हैं। पुनरोक्षण समिति की सिफारिशो पर सरकार द्वारा निर्णय लेने से पहले एसोसिएशनो के विचारों को भी ध्यान में रखा जाएगा। इन परिस्थितियों मे एक अन्य स्थतन्त्र समिति द्वारा रिपोर्ट, की पूर

जान करने की प्रानश्यकता का तो कोई प्रान

हो नही उठता।

Director on May, 23, 1977 Action taken against High Officers of

147

٠.

Custom Warehouse, Calcutta

6829 SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA Will the Minister of FIVANCE be pleased to state whether

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL) NO.

therefore arise

विश्व मौसम विजान सम्मेलन का बहिस्कार

6830 भी रामानन्द तिवारी : न्या पर्यटन भीर नागर विमानन यह बताने की हुपा नरेगे कि

(क) वया भारतीय भौसम विज्ञान विभाग के कर्मचारियों ने विश्व मौसम विज्ञान सम्मेलन का वहिष्कार क्या या और भपनी मागो ने समर्थन में राज-धानी स्थित "मौसम भवन" के सामने प्रदर्शन क्यामा.

#### Disparity in Pay Scales of Boo Binders and Promotion Avenues

 6831. SHRI SURENDRA BIKRAM:
 Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) the pay scales of Book-binders in various departments of Government of India and if there is disparity, the reasons therefor together with the action being taken to bring about uniformity therein; and
- (b) the criteria laid down for their promotion and in case they are not given any promotion, the reasons therefor and steps being taken to provide promotional avenues for them?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) The posts of Book-binders wherever they exist in various Ministries/Departments of the Government of India generally carry one of the following pay scales:—

Rs. 210-270

Rs. 210-200

Rs. 225-308

Rs. 260-350

Rs. 320-400

Rs. 290-360

Rs. 330-560

These pay scales represent the revised pay scales sanctioned on the basis of the recommendations of the Third Pay Commission. Since there pay scales are related to the qualifications for recruitment and the duties and responsibilities attached to each post, the question of bringing about uniformity in the pay scales does not arise.

(b) The post of Book Binders, are by and large, suitant posts. It is not always possible to provide promotional avenues for each and every isolated post under the Government, since inclusion of any post as feeder post for promotion to the higher post deposits on the mature of during and consideration whether the experience gained in the lower post will be useful in the ligher post. In certain Ministriary Departments, Inoverse, the posts of Book Binders Graite I are filled by promotion three to five years' experience in that grade and who have pasted a rander state of any of the post of Book and who have pasted a rander state of the post of Book and who have pasted a rander state of the post of Book and who have pasted a rander state of the post of Book Binders Graite pasted a rander state of the post of Book Binders Graite pasted a rander state of the post of Book Binders Binder

प्राकृतिक विपत्तियों के लिए वित्तीय सहायता की आयौजना सहायता के रूप में नीति का पूर्वीवलोकन

6832- थी ईश्वर चीधरी: क्या वित्त मंत्री यह वताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या प्राकृतिक विपत्तियों से प्रभावित राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को आयोजना सहायता का ग्रंग माना जाता है;
- (ज) यदि हाँ, तो क्या किसी राज्य सरकार ने केन्द्रीय सरकार से यह अनुरोध किया है कि इस नीति का पुनर्वकांकन किया कार्य क्योंकि उससे राज्यों के विकास कार्य-कम बस्तव्यस्त हो जाते हैं; जीर
- (ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी व्यौरावया है?

वित्त मंत्री (श्री एव० एम० पढेल): (क) जी, हो।

(ख) और (ग). कुछ राज्य सरफारों ने, इस झाधार पर कि प्रतिम धायों जनासव सहायदा के समायोजन से उनके
विकासारक कार्यकर्मी पर प्रभाव पड़ेगा,
वर्तमान मीति की समीक्षा करने के लिए कहा
है। भारत जरकार इस समस्या के प्रति
सकेव है और वर्ष 1978-79 के लिए
राज्यों की आयोजनाएं निधारित करते
समय यह मुनिक्वत किया गया है कि विकास
का बार उस परेसाइत बढ़ी सहायता के कारण
शिवार कर कहा वही सा सम्मार कियम के
प्राकृतिक प्रकोरों के कारण उत्पन्न हुए वर्ष
को पूरा करने के लिए पिछले वर्ष देता
पड़ा यह वर्ष ने वी पर्नार हिस्स के

सातवां वित्त जायोग प्राकृतिक प्रकोषों हारा प्रभावित राज्यों हारा राहत सम्बन्धी व्यव के वित्त पोषण के बारे में नीति तथा प्रवन्ध : बंस्था की समीक्षा करेगा । Number of Merchanta Exportera and Manfacturera-Exportera Registered with Registering Authority

#### SHRI VIJAY **LUMAR** 6833

MALHOTRA SHRI NATHU SINGH .

Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CODPERA-TION be pleased to state :

- (a) how many (t) Merchant exporters, (2) Manufacturers exporters were regutered with each registering authority (commodity wise) when the scheme for compulsory reguteration of exporters came into force and what were the correspond ang figures at the end of the Third Five Year Plan and on 1st January 1978,
- (b) which are the top ten export stems in respect of which the number of registered exporters has arisen the most since the enforcement of the scheme of compulsory registeration (along with the rise in number of each stem) and what are the reasons, for such a rise in the number of exporters, and
- (c) what was the total number of remstered exporters in the country on tit January, 1970 and how has thu number changed on the first January of each of the F succeeding year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI ARIF BEG ) (a) to (c) Information is heing collected and will be laid on the Table of House

#### Names of Manufacturer Exporters (Larga Industries of DGTD unita)

6834 SHRI NATHU SINGH Will the Minuter of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state :

ments, leather manufacturers in the last three years,

- (b) what are the names of the top 25 manufacturer exporters (large industries or DGTD unith) exporting (t) light engineering products, (2) ready made garments, (3) leather manufacturers, and what is each exporters' performance in last five years along with main items exported :
- (c) what was the share of top 23 manu facturer exporters (small scale industries only) to exports of light engineering products , ready made garments and lexther manufactures in the last three years ,
- (d) what are the names of the top 25 manufacturer exporters (small scale sadutres) exporting (t) light engineering products, (2) ready made garments and (3) leather manufactures and what was each exporter's export performance in the last five years and what wite the main items dealt by each?

share of top 25 manufacturer exporters flarge industries of DGTD Units) to exports of light Engineering products and leather manufacturers in last three

years was as under : -1975 76 1976 77 1974-75 Light engineering product 34% 2801 Leather manufacturers 14 Eq#" 30 51% 26 50%

Information in respect of readymade garments is not available.

(b) Statements I & II containing the information are laid on the Table of the House [Placed in Library . See No LT-2099]78]

Information in respect of readymade garments is not available

|                            |         |         | , ,             |
|----------------------------|---------|---------|-----------------|
|                            | 1974-75 | 1975-76 | 1976-77         |
| Light engineering products | 3%      | 4%      | 5°,0<br>(Prov.) |
| Leather manufactures       | 11.04%  | 12.1000 | t1-99°,         |

Information in respect of readymade garments is not available. (d) Statements III & IV containing the information are laid on the Table of the House. [Placed in Library . See No.

I.T-2099/78.]. Information in trespect of readymade garments is not available.

जाम दैक्सटाइल मिल के मालिकों तथा भागीबारी दारा महीनों आदि का बेचा 6835. श्री हुनम चन्द कछवाय: क्या

जिल मंत्री जाम टैक्सटाइल मिल के स्वामियों तथा भागीदारों हारा आयकर की अदावधी के बारे में 23 दिसम्बर, 1977 के ग्रतारांकित प्रथन संख्या 5017 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कुपा करेंगे कि : (क) क्या जाम टेक्सटाइल मिल के

वीविंग, बाइडिंग, बार्रापंग, साइडिंग, वेंडंग, कैलेण्डर, डाइंग, तथा क्लीनिंग ग्रादि मलीनें सम्मिलित हैं, वेच रहे हैं: (ख) यदि हां, तो नग ऐसा नवे प्रवन्धकों

वर्तमान मालिक तथा भागीदार वहे वैमाने

पर मिल की मजीनें, जिसमें फ्रेम, स्थिनिंग

द्वारा किया जा रहा है; और (ग) बना सरकार इसे रोकने के लिए

कोई कदम उठा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनफिकार उल्लाह): (क) से (ग)

जाम टरवडाइल नित्त के सन्धन्ध में ग्रावस्थक

सम्भव शीध्र सदन-पटल पर एख दी जायगी । फोनेक्स टैक्सटाइल मिल के मालिकों धौर साझीदारों की और ग्रायकर की वकाया

सूचना एक बित की जा रही है और यथा

राशि 6836 श्रीहरूम चन्द कल्लायः स्या वित्त मंत्री फोनेक्स टैक्साइटाइल लि० न० 1,

बम्बई हारा बायकर के भुगतान के बारे में 23 दिसम्बर, 1977 के बतारांकित प्रश सच्या 5018 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की क्या करेंगे कि :

(क) उन व्यापार घरानों थीर उद्योगां के नाम क्या है जिनके साक्षीदार फोमेक्स दैक्सटाइल मिल्स के मालिक और सालीदार है तथा उनकी, शाय के अन्य श्रीत क्या है स्या फोनेक्स टैक्सटाइल मिल्स से उनकी ग्राय के अतिरिक्त अन्य आय के लिए उन पर आयकर को किसनी राशि बकाया है; और

(ख) बया उपर्यक्त प्रश्न में पूछी गई जानकारी इस बीच एकत कर ली गई है और यदि नहीं, तो इसमें कितना समय और ल्लोका ?

विल मंत्रालय में राज्य मंत्री (थी) जलकिकार उल्लाह): (क) अपेक्षित नुवना तत्काल उपलब्ध नहीं है; इमे एकवित किया का रहा है और यथा सम्भव भी झ

सदन पटन पर रख दिया जायगा।

(छ) एक विवरण-पत्र 6-4-1978 का सभा पटल पर एख दिया गया है जिसमे 23-12-77 को पूछे गय अताराशित प्रश्त म ॰ 5018 में मागो गई सूचना दी गई हे

Written Answers

Representations from Small-scale Casnew Processing Industrial Unita

6937 SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA Will the Minister of COM-MERCE CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION be pleased to state

(a) whether Government have received . In France of a frameha ., ... ... -41 ..... 1 1 5 . . 11. . . . . . nut seeds for their existence ,

(b) if so, the details thereof alongwith number of such representing firms or

(c) whether it is a fact that these imported seeds are wholly taken out by group of verted interest who have their units of cashew processing industries in the State of Kerala and Government have been unable to bring about a mode of even distribution of these seeds for years together,

(d) if so, the facts and reasons thereof ,

(e) what efforts are being made to assist and protect the units set up in above two States?

40mz ---- ---

As per the available information numb r of eashew processing units in Maharashtra is about 20 and in West Bengal 3

(c) and (d) The imported raw cashewnuts are distributed by the canalising agency viz The Cashew Corporation of India to the eligible actual users as per the distribution policy laid down in the Import Trade Control Policy in force The eligible actual users are those processers who had participated in the

import and export trade of cashewnuts and operated cushew processing factories sn any of the calendar years 1968, 1969 and upto 31st August, 1970

No favour is being shown to Government of Kerala and all eligible units as per the policy are being allotten imperied raw cashew nuts. In view of the decline an amports over the past few years, it is not possible to enlarge the scope of cligi bility for allotment of raw cashewnus

(c) The long range solution of the problem lie in increasing indigenous production Apart from other schemes being undertaken by Ministry of Agriculture, Cashew Corporation of India has also agreed to make funds upto Rs. 4 erores available for development of cashew plantations in the country

Foreign currency seized in raid from the premises of a company engaged in import of liquor

6838. SHRI RAJ LESHAR SINGH. SHRI YADVENDRA DUTT.

Will the Minister of FIVANCE be pleased to state

(a) whether a large number of increminatory documents and considerable amount of foreign currences were found in a raid conducted in the last week of February, 1978 at the residential and business premises of a company engaged in import of various brands of liquor and allied items for foreign missions and domestic trade in the capital,

(b) if so, the details of the documents. articles and cash so seized,

(c) action taken against the culprit for violating foreign exchange regulations,

(d) is st a fact that the firm charge commission on imports of liquor and other allied stems from their foreign principals abroad and was as well getting commission in the imported items from the buyers and also getting remittances from abroad in the shape of various allowances from their principles, and

(e) if so, the amount of money involved?

THE MINISTER OF STATE IN THE VINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRANAL (a) and (b) in last week of February, 1978 by the Directorate of Enforcement at the business premises of a firm in New Delhi namely Mfs. Bharat Traders engaged in import of various brards of liquor and ailted stems mainly for foreign missions and a

the residential premises of one of its partners namely Shri B. K. Hira, incriminating documents and small amounts of foreign currencies were seized.

- On examination of a bank locker at Delhi, of Shri B. K. Hira, 20 gold so-vereigns were also found. These so-vereigns have been seized under the Gold (Control) Act for appropriate necessary action.
- (c) Preliminary examination of the seized documents reveal prime-face offences under the Foreign Exchange Regulation Act for non-repatriation of vestigations are in progress and necessary action under the Foreign Exchange Regulation Act will be taken on completion thereof.
  - (d) Yes, Sir.
- (e) Investigations to find out the ceast amount of money involved in all the transactions are in progress.

#### Publication against Chairman United Commercial Bank

6839. DR. BIJOY MONDAL:

SHRI MADHAV PRASAD TRIPATHI:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether the attention of the Government has been drawn to the publicaernment has been drawn to the publica-tion against the Chairman, United Guanacrial Bank in the weekly 'Blite' dated the 6th August, 1977 and a8th August, 1977 and "Fanchajanya" Hindi weekly dated the 1tth December, 1977, 8th January, 1979, 19th February, 1978, and a6th February 1978;
- (b) if so, what action Government have taken thereon; and
- (c) will Government ensure that the Chairman, United Commercial Bank will be put off the post and hold an enquiry?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) and (b). Government have seen these reports in which certain allegations have been made against the Chairman & Managing Director of the United Commercial Bank. Reserve Bink have alredy looked into the allegation's made in the BLITZ against the Chairman & Managing Director of the United Commercial Bank and these

were found to be not substantiated. As regards the allegations contained in the issues of the Hindi Weekly 'Panchajanya' the Reserve Bank is looking into them.

(c) The tenure of Shri V. R. Desai expired on 31st March, 1976 but he has been advised to continue in office until further orders.

Refusal of Leave to Chairman of National Organisation of Bank Officers by Chairman United

Commercial Bank

6840. DR. BHOY MONDAL:

SHRI MADHAV PRASAD

TRIPATHI:

Will the Minister of FANANCE be pleased to state : (a) whether in view of the attitude of

- Chairman of United Commercial Bank one Chairman of National Organisation of Bank Officers was refused leave due to him from 4th-6th November, 1977 to inaugu-rate the conference of National Organization of Bank Officers at Lucknow;
- (b) whether the Bank have transferred 8 office bearers of National Organization of Bank Officers to Orissa as a measure of victimisation and are not withdrawing transfer orders in spite of instructions from the Ministry of Finance; and
- (c) whether the organizing Secretary of National Organization of Bank Officers has not been paid salary for November and December, 1977 in time in spite of submitting proper certificates for sickness?

THE MENISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL); (a) United Commercial Bank has reported that casual leave for 5th, 7th and 8th November, 1977 was not given to an Assistant General Manager of the Bank who wanted it for the purpose of attend-ing the Conference of National Organication of Bank Officers, U.P. Unit and the Bank's Officers Association. According to the bank, casual leave is not granted to the bank, easual frave is not granted to the workmen staff or the officers for union f association work. Only special leave to certain office-hearers of the union is sanctioned for attending trade union meetings, conferences, ric. Such facilities among the officers are available at present only to the office-bearers of the majority officers' accelation in the Bank, 112., All India United

(b) The bank has reported that for reasons of manponer adjustments, officers who form part of an All Irdas Cadre are some-times transferred frem one region to another and that there has been no victimisation of the office beavers of an officers' Association in this regard

159

(c) Presumably the reference at the State B. K. Agarwal who, on transfer from Gorathpur to Bhubanewar, handed over, charge at the former place on G-1979 but proceeded on leve and Constitution of the Bull which was been always and by the Gorathpur branch itself, Deember salary was paid by the Gorathpur branch itself, Deember salary has been disbured by the Bhubanewar branch the Constitution of the Consti

Demand for C.B.J enquiry is a Scandal racket of the import of Palm Oil

en ...

..

(a) wnether the attention of the Got-

con uncover signed between the Chairman of the Gujarat Expost Corperation and the Malaynan firm ,

(b) if so, details of the demand for the C.B.I thereto.

(c) why such demands have been made,

(d) what steps have been taken for the C.B L enquiry, and

(c) if CBI inquiry is not to be dire

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI ARIF BEG) (a) No such request bas been made to the Central Government

(b) to (e) Do not arec

मध्यप्रदेश में घोनो मिनो हारा गन्ने को बकाया राशि चुकता करने हेतु, तिये गए ऋण का

6842 की हुक्स चन्द कछपाय: क्या कित मनों यह बनाने की कृपा करेंगे कि:

(न) ज्या ग्रह मच है नि मध्य प्रदेश में बहुत नी बीती मिलां ने गत दो वर्षों ने दौरात किसानी को गत्ने ने मूल्य की बनाया राशि चुकता करते ने लिए राष्ट्रीय-अत देशों से च्या निर्मे से :

(श) बया यह भी मच है कि मिली की भवत्यती ने गरी की बहाया राशि भून ता करने के बजाय क्ला की मध्य कार्मों में से सिया जिसके परिणामक्कप किमानों की बहाया राशि को भूगनान नहीं किया जा नहा ; भीर

(ग) ऋण नास्त्रीरा न्याहे भीरइस बारे भे मस्त्रार ने न्या नार्यवाही नी है?

वित्त मंत्री (धी एक एम परेल): (त) से (त) ज्यनत्य मुक्ता के मनुतार, संस्कृत के माण्ड दिया ने भीवाजी राव मूलर कम्मदी ने रोज के ने स्थान मोर बेतना की मदायगी के लिए 11 लाख रूपने नाएक क्यां मनुर किया था। यह क्या जसी प्रशोवन के लिए बाज में सामा याचा पा जिसके लिये यह मनुर विचा गया था।

मार्शत लिम्टिंड, मार्शत टेक्नीक्स सर्विसेठ प्राइवेट सिम्पिटेड घोर मार्शत हैवी वर्कस सिम्पिटेंड के बारे में घायकर विवरणिया

6843 को राघवजी: क्या वित मंत्री यह बताने की जूपा करेंगे कि.

 (व) मारुति लिमिटेड, मारुति टैक्नी-वल सर्वियेख प्राईवेट लिमिटेड ग्रीर मारुढि Written Answers CHAITRA 24, 1900 (SAKA) Written Answers 162

हैवी वर्ग्स लिमिटेड ने किन-किन वर्षों के लिए अपनी आयकर विवरणियां प्रस्तुत की हैं और उसमें दर्शाय गये लाभ अथवा हानि के आंकड़े क्या हैं;

कर निर्धारण का कार्य इस बीच पूरा हो गया

(ख) उनमें से कितने मामलों में ब्राय-

(ग) उपर्युक्त कम्पनियों में से ऐसे कीन-कोन से व्यक्ति हैं जिनके पास पांच प्रतिकत से प्रधिक शेयर हैं?

वित मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बुलफिकार उल्लाह) : (क) श्रीर (ख). आवश्यक सुबता तीचे दी गई है :---

> 1,09,230 (श्राय) 1,25,776 (श्राय)

और निर्धारणीय राशि क्या है; ब्रौर मैसर्स मारुति लिनिटेड

**161** 

| कर निर्धारण ुथयं | विवरणी में दिखाई<br>गई हानि | निर्घारित स्नाय/हानि |
|------------------|-----------------------------|----------------------|
|                  | (रुवये)                     | (रुपये)              |
| 1                | 2                           | 3                    |

|         |  |  |  | , , ,     |             |         |
|---------|--|--|--|-----------|-------------|---------|
| 1       |  |  |  | 2         | 3           |         |
| 1972-73 |  |  |  | 7,27,380  | 6,91,701    | (हानि)  |
| 1973-74 |  |  |  | 25,89,230 | 25, 07, 818 | (हानि)  |
| 1974-75 |  |  |  | 60.35.970 | 30 24 350   | (92227) |

(कर-निर्वारण को कार्यवाही घारा 144 के प्रधीन की मई, किन्तु धारा 146 के प्रधीन की मई, किन्तु धारा 146 के प्रधीन हुन गुरु की गई ।

1976-77 . 2,38,75,994 किर-निर्दारण सभी होनाईं।

1977-78 . विवरणी दावित्व मही की गई ।

भैसर्स मार्थीस टेवनिकल सर्विसेज (आ०) सि०

1972-73 . 3,080 (हानि) 11,920 (छान)

1973-74 . 1,09,230 (जाय)
1974-75 . 1,25,780 (जाय)
1975-76 . 2,23,380 (जाय)

| ਸੰਸਵੰ | मार्चन | र्व को | वहीकल्स | l uto | ) faro |
|-------|--------|--------|---------|-------|--------|
|       |        |        |         |       |        |

| <b>४</b> र-निर्धारण वर्ष |      | विवरणी में दिखाई <br>यह हानि | निर्धारित भाष/हानि       |
|--------------------------|------|------------------------------|--------------------------|
|                          | <br> | (इपवे)                       | (श्वयं)                  |
| 1975-76                  |      | 482,265                      | कर-निर्दारण भनी होता है। |
| 1976-77                  |      | 33,469                       | य वापपि                  |

# (ग) (i) मैं वार्वात तिव

(30-9-1976 की स्विति के धनुसार वजीहत शेयरों की सहया

एम० एन० दस्तूर एण्ड कम्पनी (बा०) वि० फेराडे हाउम, कनकता

दस दस रुपये वाले 1,50,060 शेयर । यह जाब बन रही है कि सेयर किसके हित में तिये गये हैं। जांच पूरी होने में समय लगेगा।

# (ii) मेत्रमें मार्वति देशिकत सॉवसेंज (श्रा॰) सि०

(30-9-1976 को स्विति के प्रवृक्षार पत्रीकृत सेयरवारी ):

### वेंबरी की सस्वा

| 1  | श्रीभजगगाधी                     | देश देश र  | यमें साने  | 11,510 | -      |
|----|---------------------------------|------------|------------|--------|--------|
|    |                                 |            |            | 11,310 | 4144   |
| 2  | श्रोमती सोनिया गाधी             | दस दस द    | पर्वे वाले | 1,910  | गेयर   |
| 3  | कुमार राहुत गाधी                | दस दसक     | पवे बाले   | 4,000  | श्चेयर |
| 4  | कुमारी प्रियका गांधी            | दिस देस दे | पये वाले   | 4,000  | मेगर।  |
| (1 | र्धो मेंसर्स मायदि हैवी स्त्रील | ল (য়াঃলিঃ |            |        |        |

# (31-3-1976 की स्विति के भनुसार पजीवृत ग्रीयरहारी)

द्येवरों की संख्या

|   | 1-ए ताराचन्द दत्त स्ट्रीट, कलकता।                             |    | <b>4</b> 8 | 444   | वाल  | 10,500 | शयर  |
|---|---|----|------------|-------|------|--------|------|
| 2 | मैं० मारुति टैक्निकत सर्विसेख<br>प्रा०) तिरु                  |    | दस         | रुपये | धाले | 88,000 | गैयर |
|   | श्री द्वारका प्रसाद मोदी<br>!-ए, ताराषन्द दत्तस्ट्रीट कलकता ! |    | दस         | रुपय  | धाले | 10,000 | शेयर |
| 4 | थो मत्य नारायण मोदी,  | दस | दस         | रुप्य | कासे | 18,000 | श्यर |

41-ए, तारावन्द इस स्ट्रीट, कतकता ।

1 श्री ची० पी० मोटी

#### Grant of Loans by Calcutta Branch of United Commercial Bank to National Housing Cosperative Society

'6844. DR. BIJOY MONDAL: Will the Minister of FINANCE be [pleased to state:

- (a) is the Figure Minister aware that the Chairman of United Commercial Bank has allowed some loans to be granted on political consideration without adhering to Banking norms;
- (b) the loan of about Rs. 1-30 crores was granted to National Housing Cooperative Society by the Bank's Calcutta Branch;
  - (c) is the Government aware that some ex-Minister and Office bearers of All India Bank Employees Association hold interest in this cooperative society;
    - (b) if so, the names thereof :
- (c) whether the loan sanctioned by the Bank has been recovered; and
- (f) if not, the reason thereof and present position of the account?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) According to the United Commercial Bank, it has not graoted any loans or advances on political considerations without adhering to the banking norms.
- (b) The National Housing Co-operative Society Ltd., Calcutta has been given certain credit facilities by the bank with the approval of its Board of Directors for the purpose of constructing a nuclis-storeyed building and for the purchase of an additional plot of land addictions the multi-storeyed building.
- (c) and (d). The bank's records do not show that any ex-Kinister was a member of the society. In the absence of any declarations by the members about their interest in the All India Bank Emplloyees, Association, it has not been possible for the bank to ascertain whether they are office bearers of the said association.
- (c) and (f). In accordance with the practices and usages customary among banks and also in conformity with the provisions of the statutes governing the public sector banks, information relating to individual constituents of banks can not be divulged.

#### Role of Banking in respect of Assistance to Farmers, Tribals and Physically Handicapped etc.

E845. SERI WID HARM VINV
VASISHT WID the Minister of
FINANCE be pleased to state: the
role of Banking as an Agent of change
and a catalyst of progress with special
reference to the State Bank Group and
Nationalized bank during the year 1977
very as a state of progress with special
Reference and progress with special
Reference and progress with group and
Nationalized bank during the year 1977
very special progress with progress with the
congestion proloner/ics-servicemen,
women and family welfare?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H.M PATEL): As part of their efforts to irrolve themsches in the larger social responsibilities, the public sector banks are extending 'credit in an increasing measure to small borrowers in the neglected sectors of Agriculture, Small floutury, Self-employment venurs etc. The total number of borrowal accounting the public sector banks in these sectors and the amount flow correct respectively during the year 1977. Of this, the increase in the outstanding direct finance to farmers accounted for Rs. 174 cores involving about 5 laklas borrowal accounts.

Banks are also taking up innovative banking. For example, at the end of December 1977, the State Bank of Iodia and four of the nationalized banks had assisted tigo extervirement, stayborrowunder their stum and city congestion improvement schemes. Available information shows that the State Bank of India had also assisted 348 experisoners and orphant setch.

For the commonically hardward sectors of the commandive specially SOIST and physically handisupped res, the public sector bank are also implementing the Schenes of Differential Rate of Interest, which was modified and enlarged in May, 1977. The number of borrowers and the cosmo contempling under the Schenes had commonically the properties of the proper

Further to improve their coverage of the stude community, the bank are concentrating on opening a larger number of the 23gB branches opened by the comnected bank real areas. During 1977, of the 23gB branches opened by the conmercial bank real areas of the control of the control opened by the control opened by the control opened by the consocieties for providing spiralized reedit and participating in special programme. Bic STDA, METALA, DEAR, IRDDP con-

167

थी सुरेन्द्र विकमः

Written Answers

थो एस० एस० सोमानोः

क्या विता मनी यह बताने की तुपा करोंगे कि :

(क) नया इडोनेशिया में 'रुद्राक्ष' के

- दादो नाम्ल्य 20 रुपये 50 र से प्रति किसीयाम है और उस पर ग्रायात शुल्य अरूपये 50 पैसे लगता है परन्तु भारत में 1 क्लिंग की वजन वाली रद्राक्ष की माला ना मृह्य 250 रू से 500 रुपय है और धार्मिक लाग इसे यडी सस्यामे खरोदते है और इस प्रकार उससे मिलने बाला लाम ब्यापारी के व्यक्तियत हिसाब में जाता है ,
- (ख) इदाक्ष उचित मृत्य पर उपलब्ध कराने के लिए वया वार्यवाही की गई है . और
- (ग) क्या उपराक्त परिस्थितियो को देवतहुए सरकारका विचार यह मुनिश्चित करते के लिए इस ब्यापार का अपने नियतन में लेने का है कि देश में इसका मुख्य कम हा श्रीर इसका लाम सरकारी खाते मे जाए?

वित मत्री (थी एच० ए म० पटेल): (क) सरवार का इंडानशिया में ख्द्रावा के मनका के ठोक ठीक प्रचलित मृत्य का पता नहीं है, किन्तु इस मनका वा मृत्य 2 50 क्यये प्रति क्लाग्राम से कही ज्यादा है। 31 मार्च, 1978 तक इस वस्तुके ग्रायात के लिए 🌱 भी-इन्दिष्ट व्यवस्था नहीं थी, अल्प मार्रे में । धनको का आयात करने की प्रार्थनामो (प्रा०) दर्ग माधार पर विचार पर लिया के नाथा। रुद्राक्ष के मनको के म्रावात पर 60 प्रतिशत मृत्यानुसार श्रायात-शुलक लगाया जाता है ग्रीर इसके ग्रतिरिक्त 15 प्रतिशत सहायक शल्क लगाया जाता है। भारत में बढ़ाक्ष की मालाओं का मुख्य, पिरोए गए मनको की विस्म तथा उपयोग मे लाई र्याई, मॅबोजर मामग्री के मूल्य के प्रनुसार धनगधनगहोता है।

. (व) ग्रीर (ग), रुद्राक्ष मी मालामी को ग्रनिवार्य लोग महत्व की ग्रावश्यन वस्त् नहीं माना जाता। रुद्राक्ष के मनको ना श्रायात भी भीभित माला में होता है। इस्रतिए सरकार इम व्यापार का विनियमित करना ग्रयवा इसको ग्रपने हाथ मेलेलेना जररी नहीं समझतो ।

मध्य प्रदेश में चीनी मिली द्वारा दर्मचारियों को श्रदायगी करने हेतु लिये गये ऋण का उपयोग

68 47. श्रीहरूम चन्द क्छनायः न्या विसमती यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) बया मध्य प्रदेश स्थित चीनी मिलो में अपने वर्मवारियो सदा श्रमिको को वित्त वर्षे 1976-77 तथा 1977-78 की उनकी विभिन्न बङ्ग्या राशियो (यानस मजुरी थारि) की धदायगी करने के लिए राष्ट्रीयकृत बैका से ऋण लिये हैं,
- (ख) क्या इन नुणो का उपयोग इन प्रयोजनो ने लिए नहीं किया गया जिनने लिए वे लिये गये ये वित्व मिलमालिको ने उनका उपयोग प्रपने निजी इस्तेमाल ने लिए विया जिसके फलस्वरूप श्रमिको को बकाया राशि धनी ग्रदा नहीं की गई है, भीर
- (ग) इस सम्बन्ध में सरवार का विचार क्या कार्यवाही करने का है?

वित्त मत्री (थी एच० एम० पटेली) (क) उपलब्ध सूचना के धनुसार, सेष्ट्रल बैंक आफ इडिया ने मध्य प्रदेश के एक चीनी कारवार्त को एवं को कीमत भीर बेतनी की ग्रदायगी के लिए एक ऋण मजर किया था।

(ख) यह ऋण उसी प्रयोजन के लिए काम में लाया गया था जिसके लिए यह मंजूर किया गया था।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Export of Sugar Commitment made at Chief Ministers' Conference

68,8. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of COM-MERGE. CIVIL SUPPLIES AND -COOPERATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government has decided to export 6.5 Lakh tonnes of sugar in the current year ;

(b) whether it is also a fact that export of augur is against the commitment made at the Chief Ministers' Conference in July, 1977; and

(c) if so, whether Government proposes to review its idecisions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES SAND CO-OPERATION (SHRI ARIF BEG) 1 (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

#### Rise in the Price s of Pulses

6849, SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN: Will the Minister of COM-MERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the prices of pulses have again started showing an upward trend;

(b) if so, the retail prices of Arhar-dal, Malka-Masoor, Masoor-whofe, Moong (whole and dal), Usad (whole and dal), Chans-dal, Rajma and Kabli Chana in the nouth of January, March, Jane, September and December, 1877 February, 1978, as the price at these points of time in Delhi, Tripura and other States;

(c) the main reasons for the rise in prices :

(d) the steps taken to unearth the boards with traders and producers and the extent of stocks unearthed since January, 1977: and

- (e) whether there was a proposal for making dals including Kabli, Chana and Rajma through fair price shops at fair-prices, if so, what decision has been thereon and what other steps have been taken to make theselitems available to consumers at fair prices ?
- THE THE MINISTER OF STATE THE 'MINISTRY OF IN COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI AND COOPERATION (SHRI KRISIVA KUMAR GOYAL): In there has been a mixed trend in the wholesale prices of pulses during the pastfew weeks. The wholesale price index for pulses destined he can all the for palses declined by 10.5% between the weeks ending 10-12-77 and 4-2-78. Thereafter, for six weeks ( between weeks ending 4-2-78 and 18-2-78 there was a hardening tendency in their prices, and the index moved up by 9% during this period. The index for pulses, however, declined by 2-3% in the week ending 253-78, the latest week for which the official index is available.
- (b) On the basis of information readily available, month end wholesale and a retail prices at a few selected centres of some pulses for the specified months are given at Statements I & II laid on the Table of the House. [Placed in Library, Se No. LT-2100/18].
- (c) The main reason for rise in the price es of pulses during the past one year or so has been a fall of about 2 million tonnes in their production in 1976-77 as compared to their production in 1973-76.
- (d) In addition to the provisions under the Essential Commodities Act, stock limits on wholesalers, commission agant and retailers of pulses were imposed with effect from 30-9-1977 under the Pulses and Edible Oils (Storage Control) Order, 1977 prescribing inter-alia the maximum timits of stocks that can be held by them. Information on the extent of stocks uncarthed is being collected.
- (c) Under the proposed massive pro-duction-cum-distribution system, now under consideration of the Government, pulses is one of the items included for public distribution.

Efforts are being made to increase the production of pulses by increasing the area under pulses and also by improving the productivity. National Agricultural Coproductivity. National Agricultural Co-operative Marketing Federation of India Ltd. (NAFED) and National Coopera-tive Consumers' Federation (NCCF) have been directed to make larger purchase of pulses at orimary mendit. 10,000 tonnes of massy whole were imported in 1977-78. The possibilities of further imports are being explored.

# कम्पनियों को वित्तीय सहायता

6850. थी सुर्लेंद्र सिंहः क्या वित्त मनी यह बनाने की कृपा करों कि

(व') वर्षे 1976-77 घोर 1977-78 के दौरान (धवतक) विनतीं बस्पित्यों ने ज्या मन्तन घार विनेध स्वातना व तिए प्रावेदन विचा है घोर कोन कीन मी वस्पित्या प्रान्ते क्योबारिया वा प्रविच विध्य योर प्रन्य वैप्र वितास दोशिया वा मुगतान नहीं वर पाउँ है सार

(प) इत सम्बाम स्थाप क्या है?

वित मत्री (थी एस॰ एम॰ पटेस): (व) ग्राम (ख) भारतीय द्वाद्यानिक विकास वैक (सर्वोच्च दिलाय गम्बा) ने मुचिन रिया है दि उसने प्रपने लेखा थप 1976-77 (जुराई-जून) वेदीरान 231 46 बराइ रुपय की प्रत्यंश दिलाय सहायना के 201 धावेदन पत्र घोर जुलाई 1977 स फरवरो, 1979 की ध्रवधि व दौरान 194 95 कराड रुख का प्रत्यक्ष विसीय सहापना वे 110 प्रावेदन पत्र स्त्रीपृत किया वित्तीय सहायता मनुर करने में ग्रवित भारतीय साकारी विसीव सम्बाए बम्पना ने माजदा श्रीर दीर्घवाचीन दायित्वा सहित एमरा विकास स्थिति को ध्यान में रजनी है। कम्पनी की मीजदा देवतासा में सामान्य मविष्य निधि ने अतिदेगा सहित सभी साविधिक देवताए शामिल हाती है।

#### Research on Earthquake Warning System

63<sub>3</sub>1 SHRI DHARM VIR VASISHT Will the Minister of TOURISM AND GIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether scientists from various organisations and universities had recently deliberations in New Delhi on Research

to develop an earthquake warning system, if so, the tesults and progress made so far , and

(b) which foreign countries hid developed better earthquake warning systems and whether we have sought their assistance, if not why not?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL COLTATEA (SHRI PURUSHOTTAM KALSHIK ) (a) Yes Sr A Symposium on Earthquake Prediction was feld in New Delbi from 8th to soth March, 1978 Scientests of different organ at ers and Liversities in Inda participa ed The discursions beloed in excharge of ideas on the various techniques of earthquake freds nors and brought out the boad Lres en which further revenuel is receivery

(b) Corolderable revearch in this feld has been done in USA USSR Jipan and China No assistance has been sought from them in that field since in the present state of knowledge the prediction of earthquake is not yet a proton technique.

छोटे क्सानो शारकते हैं मालिको को राष्ट्रीयकृत बैकों द्वारा दिया गया ऋष

6852 थीं सालजी माई ' वया बित मंत्री यह बनाने की कृपा करेंगे वि

- (क) राष्ट्रीयहुन पैका द्वारा छाटे किसाना और छाटे कारणाना के मासिकों को यन 6 मुरीनों में राज्यवार विस्तर ऋष दिया गथा, और
  - (ख) नत्सम्बद्धी पूरा ब्यारा बया है।

वित्त मधी (घीएवं एमं पटेंस) -(वं) और (वं) प्रबट्टेंग, 1977 और फरवरी, 1978 वे बात की स्विति के प्रतुसार सरकारी केंद्र के बैकों के बाद तथा सर्थ उद्योग के लिए दियं गये कुल ऋणीं की धकाया के शांकड़े नीचे लिखे अनुसार हैं:

173

(राज्ञि करोड़ रुपयों में)

| 1977 | 1978 |
|------|------|
| <br> |      |

- कृषि के लिए ऋण । 1351 1463
- 2. लघु उद्योग के लिए 1357 1500 ुँ ऋण
- ं भारतीय रिजर्व वैक ने यह मूचित किया है कि छोटे कितानों और छोटे कार-खानों के मालिकों को विधे जाने वाले ख्ला के राज्यवार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

# इलाहाबाद देंज की दरमंगा राखा

6853. श्री हुकम देव नारायण यादवः क्या विल मंत्री यह बताने की हमा करेंने कि:

- (क) क्या दरमंगा की वण्ड विकास समिति ने इलाहाबाद वंक की दरमंगा याखा के विद्ध एक संकरन विधियत क्या से पारित करफे प्रस्कृत किया है और यह यांग की हूँ कि उपरोक्त वंक से ट्यरोन्स खण्ड का कार्स वार्षित कर किया कार्य और कतदर दरमंगा की भी इस संकर्य की मुनता दे दो गई है; और
- (क) न्या इत्ताहादाद वैक का कार्य संतोपजनक नहीं है और किसानों को अनावस्थक स्मास परवान किया खाता है ?

बिल मंत्री (श्री एवं एम पटेंस):
(क) और (ख) : इंनाहाबाट बैंक ने
पूनित किया है कि दर्भागा की खंड किकस समिति हारा पारित कोई संकल्प वैंक की
प्राप्त नहीं हुआ है जिसमें मांग की गई हो कि उपर्युक्त वैक सेखंड (स्ताक) का कार्य वासिस से स्विया जाये । वैक ने ब्रधंक्षम-योजनाओं वार्जे प्राधियों को ऋण देने से इंकार नहीं निया है ।

### Incentives to Non-resident Indians Returning permanently to India

6854. SHRI DHARM VIR VASHIST: Will the Minister of FINANCE Le pleased to state:

- (a) the number of persons and the amount of money involved in the facilities under Returning Indians Foreign Exchange Entitlement Scheme (RHIVES) since November, 1977; and
- (b) the method of computing fereign exchange together with other meanings if any, to near-resident Indians returning permanently to India?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHR1 H. M. PATEL): (a) Since November 1977, four persons have been granted the facilities under the Scheme and the foreign exchange (nuilement involved is Rs. 7-69,400.
- (b) 25% of the total amount of foreign currency repatriated to India by a total control of the c
- under the Scheme are as turditze(f) Indian Nationals and perutre of
  Indian origin returning to India for
  Indian origin returning to India for
  Indian origin returning to India for
  India for India for
  India for India in India in India
  India for India in India in India
  India for India in India in India
  India for India India
  India for India India
  India for India
  Ind

175 decide to take up primanent rendeace in India and und rtake not to claim the recoversion right the foreign exchange surrendered by them will be eligible for computation of the total foreign exchange brought by them into India

(11) Under the current Regulations Indian returning to India are primitted . . ..

proceeds repairiated in foreign exchange will be given the same treatment as foteign exchange brought by him at the time of his return to India.

> ताड के तेल की खरीद 6855 दा सहबीतारायण पाइवः

भी गंगा भक्त सिंहः

न्या थानिश्य तथा नागरिक प्रति भीर सहकारिता मती यह बताने की हुपा करेगे 10

- (क) क्या सरकार का ध्यान 16 मार्चे, 1978 'इश्नामिक टाइम्म' में प्रकाशित इस समाचार की बोर दिलाया गया है कि राज्य व्यापार निगम ने एक कम्पनी में 30 000 टन ताड का तेल खरीदने का सौदा किया या लेकिन कम्पनी ने उसकी सप्लाई करने मे इन्कार किया और इसके परिगाम-स्बद्धा राज्य ब्याचार निगम को इसकी खरोद अधि इदरो पर करनी पडी, भीर
- (ख) यदि हा, तो कितनी हानि हई बीर उस्त कम्मनी का नाम क्या है?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति घौर सरुकारिता मत्रालय मे राज्य सत्री (थो (क) तया (ख) ब्रारिक बेगो: जो हा। राज्य ब्यापार निगम ने 30,000 मे॰ टन ताड के देख की सप्लाई

के लिये कितो विदेशी फर्म के साथ किसी सीदे परहस्ताक्षर नहीं क्ये हैं। तथापि राज्य व्यापार निगम ने मेसर्ग पाम एवर वैजिटेवल सामन नाम की एक मनवेशियाई फर्म स भ्रारिस्तृत ताड वे तेल वे लिए 3 पुषत ग्रारीद सीदे तिए है जिनता ब्योस इस प्रशाद है --

- (1) दिसम्बर, 1977 में पानलदान के लिए 10,000 मण्डन
- (2) फरवरी, 1978 में पानलदान के निर् 5,000 मे०टन
- (3) मार्च, 1978 से पोतलदान के तिए 5,000 मे॰ टन ।

दिसम्बर, 1977 में पोतलदान के लिये साव-पत नेवल 10,000 मे० दन के लिए खोला गया या । पार्टी द्वारा निए गए व्यक्तिकम को देखते हुए यह विनिश्चय किया गया कि भन्य दो सौदी के लिए साध-पत न खाले जाए । कर्म के पक्ष में घोले गए साज-पत्र के भाधार पर उनके हारा माल की सप्लाई हिए जाने पर उनसे नुक-सानी के टावे के लिए मावश्यक माध्यस्यम बायेंबाहो चल रही है। तयापि अबी दरों पर कोई ऐसी खरोदारी नहीं की गई, जिससे राज्य ब्यापार निगम को हानि हुई हो ।

दिल्ली में जनता होटल के लिये धनराशि का नियतन

6856, डा॰ लक्ष्मीनारायण पाण्डेय। वया पर्येटन धीर नागर विमानन मही यह बतावे की कृपा करेगे कि ।

- (क) क्या दिल्ती में प्रयम जनता होटल के लिए 3 वरोड रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है :
- (ख) यदि हा, तो उस पर कव तक कार्य प्रारम्भ होने की सम्मावना है और

उसके कव तक पूरा हो जाने की सम्भावना है; श्रोर

(ग) अन्य वड़े अहरों में कनता होटलों का निर्माण करने की इस प्रकार की योजना का कब तक आरम्भ किये जाने की सम्भावना है?

पर्यटन प्रोर नातर विसानन मेही (व्यां पुरूषोत्तम कौशिक) : (क) सरकार ने 300 लाख उपंथ की अनुमानित लागत से नई दिल्डी में एक 1,250 कव्याओं वाल जनता होटल के निर्माण का अनुमोदन कर दिया है।

(ख) इस परियोजना का निर्माण-कार्य निधियां स्वीकृत होते ही बाजू विक्तीय वर्ष केदौरान सीझ ही झारूम हो जाएगा । होदल केदौ वर्षों की अवधि के अन्दर-अन्दर, यो वर्षों में दूरा हो जाने की झाबा औ

(ग) केन्द्रीय क्षेत्र में बड़े सहरों में जनता होटलों के निर्माण का निर्धारण एक सर्वेक्षण करने के तयाद तथा साधकों एवं उपयुक्त स्थानों के उपलब्ध होने की अवस्था में, किया जाएंगा !

# प्रामीण वैंकों के बाहन

6858 श्री राम कवार बेर्चा : च्या वित्त मंत्री यह वटान हो छ्या करेंसे कि नेपरभैन हार मिर्ना शानों के लिए गामीग वैकों के प्राः स ईसे प्रयोग किया जाता है।

विस मंत्री (को एउं० एउं० उटेल):
प्रवस्त द्वार, प्रातीन रिंगे हे बाहुनों का
प्रयोग नेवल सरकारी रागे-तां के निर्देश ही
किया जाता है। धनवता, कर्मा करी और
प्रावस्त्रक मामकों में, नगर मुगान कर,
निजी प्रयोजनों है ति हैं। हैं। बाहुनों का
प्रयोग किया जाता है।

#### Embezzlement in Nationalised Banks during Emergency

178

## 6859. SHRI RAJ KESHAR SINGH:

SHRI MANOHAR LAL:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn towards news item entitled 'Nationalised hands embezzled over nine crores during Emergency' published in the Blitz (18th March, 1978); and

(b) if so, whether any probe has been ordered or porposed to be ordered with a view to unearth the seandals and punish the guilty:

(c) the names of the erring Banks and action proposed to be taken against them:

(d) remedial measures proposed to be taken by Government so that there is no recurrence of such embezzlements by the

#### THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H.M. PATEL) :

(a) : Yes Sir.

(b) and (c). Embezzlements the third of the service relates to the the missperoyels on, embezzlements and other forms of in and divolving Rs. 5 lakh missperoyels on, embezzlement and other forms of in and divolving Rs. 5 lakh missperoyels of the service service

(d) All banks have their own books of instructions indicating the precaution and safeguards to be taken for prevent of frauth and they light of the nature of chance in observing the usual internal controls in individuals case of frauds, Reserver Bank of India issues from time to these comprehensive instructions to the banks indicating the area and nature.

APRIL 14, 1978 Written Answers Written Answers

of frauds and the safeguards that should be taken for the prevention of frauds Government have also requested Reserve Bank of India to under take squick study of the recent frauds with a view to making more effective the speci-fic steps to be taken to preven; such traud from takeing place

179

# Unsecured Loans of Allahabad Bank

SHR1 RAJ KESHAR SINGH SHRIC & CHANDRAPPAN

Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whethe his attention has been drawn towards news stem entitled Allahabad Bank in Red by 35 crores published in the Blitz dated 18th March 1978 and (b) if so react on of the Covernment

thereto and steps proposed to be taken to save the Bank from disaster THE MINISTER OF FINANCE (SHRIH M PATEL (a and (b) Gov e nment have seen the report which

India's Balance of Trade with U.S.A. 6861 SHRIRLP VERMA Will the Minister of COMMERCE

180

CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state (a) whether India's balance of trade with USA is unfavourable to India .

(b) if so value of imports from and exports to USA in the last three years. ending 1977 78, and

(c) what steps are being taken to promote exports from India to USA?

|               |                        | (Figure              |                        |  |
|---------------|------------------------|----------------------|------------------------|--|
| Year          | Imports<br>from<br>USA | Exports<br>to<br>USA | Balance<br>of<br>trade |  |
| 1974 75       | 73673                  | 37193                | - 36185                |  |
| 1975 76       | 128522                 | 51998                | - 76 <sub>2</sub> 24   |  |
| 1976-77       | 105553                 | 54753                | - 50595                |  |
| April July 77 | 16318                  | 20141                | + 3826                 |  |

(c) Various steps are being taken to boost It dia s exports o USA. These in clude exchange of trade delegat ons buyer s meet organisation and participation in Trade fairs Market surveys maintenance of commercial offi ces in the USA piblicity compaign to promote Indian goods in the US market

# etc. Exports of Bananas to USSR

6862 SHRIRLP VERMA Willthe Minister of COMMERCE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATON be pleased to state

(a) whether export of bananas has been included in the Trade Plan with USSR for 1978,

(b) if so what is the quantity of hamanas which will be exported to USSR in the entrent year; and

fresh and canned fruits no specific provi sion has been made for export of bananas It is ther for difficult to indicate

(c) whether contracts for export have

been finalised?

the current year

E978 (c) No data is maintained by Covern ment with regard to finalisation of con tracts for export of bananas by individual exporters However there has been no shipment of bananas to USSR during

likely export of bananas to USSR during

#### Formation of International Trenty by Banana Trading Countries

T 8 T

6863. SHRI R.L.P. VERMA: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state;

(a) whether the banana trading countries are working out an international treaty for specifyin 'export ε<sub>k</sub>uotas for each exporting country;

(b) whether it is proposed to limit imports of bananas from non-member countries; and

(c) whether India would have to remain out of international market for all times if the treaty is finalized and India's not allotted any quota?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF COAMBERS AND CIVIL SUPPLIES COAMBERS AND CIVIL SUPPLIES COAMBERS AND CIVIL SUPPLIES AND ESCOPERATION (SHEIL ARE ESCOPE OF THE FAO. Inter governmental Group on the Elements of an International Branan Agreement. The working Party on the Elements of an International Branan Agreement of International Branan Agreement of Production and export goals compatible with World Banana requirements. It has recommended that one of the steps to be taken to finally the draft Agreement Individual export quotas that would be incorporated in working draft of an international banana agreement.

(b) No concrete proposal in this regard

(c) Such a situation is not envisaged.

#### World Bank Aid

606; SHRIC,K.JAFFERSHARIEF: SHRI K. PRADHANI:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the amount of aid the World Bank has agreed to give to India during the year 1018-70:  (b) whether the amount has been ear marked for any particular projects or States; and

182.

(c) what is the amount earmarked for the State of Karnataka and Orissa and for which projects?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL); (3) An indication of the amount of fresh sid commitments to India by the World Bank group for their fitted year 1979 (t c.) 1st July, 1978 to 50th June, 1979) is likely to be a nitable only after the India Consortium meeting scheduled for June, 1970

(b) and (c). The aid is meant to assist both ongoing and fresh projects spread all over the country, and there is no carmarking of assistance on a State-wise basis.

Monthly salary (Gross) paid by L.I.C. to Officers and Employees in March, 1977

6055 SHRI BALWANT SINGH RANGOWALLA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state the salary (gross) paid by L.I.C. in March, 1977 to individual (I) elass one officer (II) Development Officer (III) Class III and IV employees, on an average?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H.M. PATEL): The monthly gross salary paid by LIC in March 1977 to individual Class I Officers, Development Officers Class III and IV employees on an average was as under:—

|   | Number | Amount<br>(Rs. in<br>lokhs) | Per employee<br>gross salary<br>Rs. |
|---|--------|-----------------------------|-------------------------------------|
| Class 1 Officers                            | 4086   | 01.21                       | 2,232                               |
| Development Officers                        | 7356   | 106.51                      | 1,448                               |
| Class III Supervisory<br>and Clerical Staff | 36719  | 424-96                      | 1,157                               |
| Class IV Subordinate<br>Staff               | 7997   | 46.28                       | 579                                 |

.183

#### Conversion of Amritage airport as International airport

BALWANT SINGH 6866 SHR1 RAMOOWALIA. BHATTA-SHRI DINEY CHARYYA

SHRI BHAGAT RAM

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether a strong demand is being made to convert Amritar airport as International airport,

(b) whether the Government think to extend Air India and other International flights up to Amritiar,

- (c) 1f 10, when, and
- (d) if not, why,?

state

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) (a) Yes,

(b) to (d). The matter is under constderation.

# Findings of enquiry-against united Commercial Bank

6867. SHRI SAMAR GUHA Will the Muster of Finance be pleased to

(a) the facts of the findings of Inquiry held in consultation with the Reserve Bank regarding the charges of corruptions and malpractices against United Commer-

- cial Bank, (b) whether similar charges have been brought against Allahabad Bank as well,
  - (c) if so, facts thereabout, and

(d) whether any inquiry has been made regarding such complaints?

THE MINISTER OF FINANCE th wł Hi United Commercial Bank The Reserve Bank is looking into these allegations

(b) to (e) Government have also seen certain allegations against the Allahabad Bank which appeared in the BLITZ dated 18th March, 1978 The Reserve Bank is looking into these allegaetione also

# Written Answers Functioning of public sector banks and Regional Rural banks

6863, SHRI SAMAR GUHA WEI th-Minister of FIVANCE be pleased to atate facts about the details of findings of the inquiry about the functions of the Public Sector Banks and the Regional Rural Banks as conducted by the Ray Commutee and Dantwala Commutee?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) The Reserve Bank of India 1 as reported that the James Raj Committee had submitted an Interim Report to the Bank in the last week of January, 19"8 and the Dantwala Committee had submitted in Final Report on 23rd February, 1978 Recommendations contained in these reports are under examination in the Reserve Bank of India.

# दिल्ली और मजमेर/कोटा के बीच हवाई REUN

6869. थी जगदीत प्रशाद माथुर : क्या पर्यटन और भागर विमानन क्या मंत्री यह वनाने की कृपा वरेगे कि:

- (क) राजस्थान के उन शहरों के नाम क्या है जिन्हें भव तक विमान सेवामी से नहीं जोड़ा गया है, भीर
- (ख) राजस्थान ने कोटा तथा धरमेर जैसे शहरों को दिल्ली के साथ जाडने तथा राजस्थान के प्रन्य बड़े शहरों को निमान सेवामों से परस्पर जाडने के बारे में सरकार के बया प्रस्ताव है ?

पर्येटन भौर नागर विभानन मंत्री (थी (न) राज (पुरूपोत्तम कौशिक) स्यान में जयपुर, जोषपुर तया जदयपुर को छोड कर कोई भी अन्य शहर विमान सेवा से नहीं जड़ा है।

(ख) कोटा और अजमेर का विमान सेवा से जाडने का फिलहाल काई प्रस्ताव है। तथापि, इडियन एयरलाइल सी-123/124 सेवा ग्राई० **(बम्बई/**बहमदाबाद/उदयप्र/जाधप्र/जयपुर/ Written Answers CHAFTRA 24, 1900 (SAKA) Written Answers

दिल्ली तथा वापस ) और ग्राई॰ सी०-491/492 (दिल्ली/जयपुर/खदयपुर/ औरंगावाद/वस्वई तथा वापस) केवल राजस्थान के ही तीन शहरों को विमान सेवा से नहीं जोड़ी हैं, अपितु अहंमदावाद, दिल्ली तथा बस्बई के लिए भी विमान सेवा प्रदान करती है।

185

#### Facilities for Tourists visiting Dhamana in Orissa

. 6870. SHRI BAIRAGI JENA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

- (a) one of the tourist place like Dha-mana in the district of Orissa attracts tourists due to its own natural beauty and also due to the help of Central Govern-ment! and State Government it has been termed as fishing Harbour; and
- (b) the reasons by I.T.D.C. is silent to provide tourist facilities for tourists?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK):(a) and (b). As Dhamana would be of interest primarily to local tourists, the develop-ment of facilities at this place would be the responsibility of the State Government,

#### Fiscal measures and economic policy orientations adopted by Government

6871. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of FINANCE be pleased to states

- (a) whether it is a fact that the fiscal measures and economic policy-prientagions adopted by the Government during the Emergency offered liberal concessions to the Private Sector;
- (b) if so, whether those concessions have so far been identified; and
- (c) if so, the results of the assessment and steps taken to undo these emergency wrongs?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL):(a) The Government introduced, during the period of Rmergency, several policy measures, including fiscal incentives to industry in the public and private sector, to stimulate demand and expand production.

(b) and (c). All economic and fiscal policy measures are subjected to thorough examination before formulation of the Budget proposals. As part of this review, it was felt that the reduction in the wealth tax rates and the concession to deposit 5 per cent of the surcharge on corporate tax with the IDBI granted in the 1976-77 Budget were not wholly justified. The wealth tax rates were raised slightly in 1977-78 and the concessions regarding the deposit of the surcharge on the corperation tax was withdrawn.

18 s

# ं दिल्ली में खुग्गी लोंपड़ियों और डेरियों के लिए वैकों द्वारा ऋणं दिया जाना

6872. श्री दयाराम शावय : वया वित्त मली यह बताने की कृपा करेगे कि:

- (क) दिल्ली में उन बैकों के नाम बबा हैं जिन्होंने झुमी झोंपड़ियों स्रंग डेरियों के लिए ऋण दिये है तथा फिलनी राशि के ऋण दिये हैं: श्रीर
- (ख) वया यह सच है कि जिन लोगों ने ऋष बिए हैं उनमें से प्रधिकाश जीग अपने स्थानों को छोड़ रहे है और पदि हो, तो ऋष बसूल करने केलिए सरकार धव क्या प्रयत्न कर रही है ?

विस्त मंत्री (श्री एषः ०ए२:० परेल) : (क) सरकारी क्षेत्र के वैका के प्राप्त मुचना संलन्न दिदरण में प्रस्त है।

(ख) दिल्ली दिकास प्रधियण्य ने बन्दी इस्तियों की सफ.ई की ६६नी दिभिन्न योजनाओं के ग्रधीन, जिन रिहारणी वाली-नियों का विकास किया है उनमें अधूरै वने मकान पूरे करने के लिए धलग-धलग एलाटियों को स्टेट चैक भ्राफ इडिया ब्रॉर भ्रत्य राष्ट्रीयकृत वैकों ने संख्या दिवरण के अनुसार ऋण मजूर क्यें थे। दयों कि इत योजनाओं के प्रधीन ऋण लेने वाले **स्थानित** केवल लाइसेंसधारी है ग्रीर उन्हें रहन रखने का हक नहीं है इसलिए यह ऋण सामृहिक गारन्टी के श्राधार पर "वलीन डिमाण्ड लोन" के रूप में दिये गरे है ग्रीर

Written Answers APRIL 14, 1978 - :187 दिल्तो विधान प्राविकरण ने वैकी की को तरह यमून करने के लिए उपयुक्त या प्राक्तासन दिया है कि यदि किसी कानुन बनाये जाए। साच ही बैक का फील्ड स्टाफ, बैंक के देयों की सामान्य दग ए बाडो को ऋग वापस करने में बकायादानी हानी तो ऋग की वसूत्री की जिम्मेदारी से वस्तो के प्रयास मो कर रहा है। दिस्ती विकास प्राधिकरण अपने उत्तर जहा तक पुनर्वास कालोनियो में हेरी लेगा। इसके लिए पहने तो वह एलाटबेंट मालिको को ऋण दिये जाने का सवाल है. रह कर देगा श्रीर जनीन पर वनी इमारत यह बनलाया गया है कि यत वर्ष बाढो और नी नाम कर देगा घयवा वह जमीन किसी इन वस्तियो में मूलगृत सुविधासो के अभाव ऐमे व्यक्तिको किर ने एलाट कर देगा के कारण डेरी मालिक बहुत वडे पैमाने पर, जाऋगवापस करने का धवन दे। स्टेट इन वस्तियों को छोड़ गर्थ और णहर वैक ग्राफ इंग्टिया ने मूचना दी है कि इत में या धासपास के इलाकों में बले गये। का नोनिया में से, ऋगकर्ताथी का बहुत किन्तु स्विति मामान्य हो जाने और दिल्ली क्म प्रतिगत हो, इन कालानियों को छोड प्रवासन द्वारा उन्हें चापस लाने के प्रयास कर गया है भीर उसका नई दिल्ती स्थित विये जाने पर, प्रधिकाश हैरी मालिक इन प्रधान कार्योज्य दिल्ती प्रशासन से. इस डेरी कालोनियों में वापस भा गये बताते है। नारे में सिक्यतापूर्वक चर्च कर रहा है बाको लागों के बारे में. देक दिल्ली प्रशासन नि वैक के देवों को लगान की ककाया से भागे बातचीत कर रहा है।

Written Answers

188

सरकारी क्षेत्र के वैकों द्वारा विस्त्ती में भ्रमी-ब्रोंगड़ी तथा डैयरी को मंजूर किये गये ग्रहण

| 75.        | बैंक का नाम                       |                | हायी-         | झुम्यी-झॉपड़ी |              | हेयरी       | स            |
|------------|-----------------------------------|----------------|---------------|---------------|--------------|-------------|--------------|
| संख्या     |                                   | राग्यि स्वीकृत | रामि विद्यरित | राशि थकाया    | राभि स्बीकृत | राभि नितिरत | राग्ति थकाया |
| -          | 2                                 | 3              | 4             | 5             | 9            | 7           | 8            |
|            |                                   | गु०            | 50            | 50            | 有。           | og og       | 40           |
| -          | स्टेट में क जाक श्विया            | 1              | 1             | 8,01,35000    | 1            | 1           | 91,32,000    |
| 63         | स्टेट वैक साम वीकानेर प्रौर अयपुर | ř.             | ı             | ſ             | 1            | 27,000      | 20,000       |
| e          | सेन्द्रल बीक आप इनिक्या           | ŧ              | ī             | ı             | 11,36,000    | 1           | 9,24,000     |
| ~          | पंजाब नेशनल ये क                  | 1              | ı             | ı             | ı            | 9,75,000    | 8,75,000     |
| ĸ          | गूनाद्दिङ कम्पिक्स में क          | t              | ı             | 1             | 1            |             | 3,24,000     |
| ဗ          | कतारा गैक                         | 1              | 16,82,000     | 1             | 1            | 67,000      | 1            |
| <b>!</b> ~ | यना मुक                           | 1,13,000       | ţ             | 1             | ı            | 1           | ***          |
| æ          | सिडोकेट वैक                       | ı              | ı             | ı             | 1            | 1           | 4,38,000     |
| ø.         | क इंडिया                          | 11,82,300      | 7,82,300      | 7,28,520      | t            | 4,90,000    | ı            |
| 10         | इलाहागाद कैंक                     | ı              | ı             | 1             | 11,32,000    | 1           | ı            |
| =          | इधियन ईक                          | 1              | ı             | 1             | 1            | 9.000       | í            |
| 12         | इंडियन योगरतीज वैक                | ı              | 1             | ŧ             | 1            | 13.211      | 1            |
| 13         | स्टैट रैक जाफ हेबरावाद .          | 4000           | ı             | 1             | 1            | 1           | 1            |
|            | *                                 |                |               |               |              |             |              |

अम्बई, मदास भीर दिल्ली में हवाई प्रदृशे के विकास के लिये निर्धारित की गई धनराशि

6873 श्री दयाराम शास्य : स्या पर्यटन ग्रीर नागर विसानन मती यह यताने की कृपा नरेगे नि

- (क) वस्त्रई, मद्रास और दिन्ती ने हवाई श्रद्धा ने विनास ने लिए शलब-मलग किनो राणि उपन्यन्य कराई गई है। श्रीर
- (छ) किम प्रकार के निर्माण-नार्ये पर यह धनसांकि छच की जायेगी और इन हवाई भड़ा का विकास काम कब शुरू किया जायेगा और क्या इस विकास के नाय और धरंग मुस्सा कंप्रवन्ध भी रिय जायमें?
- पर्वेडन भीर नागर दिमानन नवी (थी दूरवीतन वर्गीतर) (व) भारत परत-पर्वेडन विमान त्रान प्राधित्यकों ने परवर्ड, मद्राप्त तथा दिरली है विनान क्षेत्र। के दिन के लिए 1978-79 के शैरान निम्मतिपित सामिश है ब्यवस्था जी है

विमान क्षेत्र व्यवस्था की गई राजि (ताल दरना में)

बम्बई 585 71

मद्राम 76 72 दिल्नी 225 70

- (ख) उपयुंबत धन-राशियों का इब पर खर्च किया जाएंगा —
  - (i) वस्वई विमान क्षेत्र पर नये अन्तर्राष्ट्रीय टॉमनल नाम्प्लेनन ना निर्माण ,

- (ii) विमान क्षेत्रापर परिचासन क्षेत्रो ृत्तवा उपकरणो मे मुग्रार ;
- (iii) यात्रो मुविधा क्षेत्रा का मुधार तथा विक्तार करना ,
- (1४) वर्षवारियों के लिए श्रावासीय भवन (रिहायशो सशान); ग्रीर
- (v) चौतरका बाड (पेरिमोटर) को बार लगाना।

यातायात को बड़नी हुई भ्रावश्यनताओं की पूर्ति बरते ने फिए फ़्तर्राष्ट्रीय विमान-खेली घर विसास नामीं को, साधनी के उपलब्ध होने बी अब्बन्ध में, त्यातार सम्प्रतिन दिया जा रहा है। बिसास बायों के गाय-साय सुरक्षा प्रवस्त्र भी विये जा रहा है।

उत्पादन गुल्ह लगाये जिना यस्तुम्रो का मायास विद्या जाना

6874. थी धर्नीतह भाई परेप बना वित्त मनी यह यनान की द्वान करेगे वि

- (क) यन तीन वरों म प्रिना उत्पादन शुक्त खगाये क्लिनी मूल्य की, क्लिनिकन बस्तुमा का मामात किया गया ,
- (ख) इन वस्तुमा ना मायात निन स्थाना-नगरा में निया गया , धीर
- (ग) उन वस्तुमा पर उत्पादन शुन्तः न लगाने के तथा कारण है ?

चित मशाला में राज्य मती (श्री सरोश भाषतल) (न) न (ग) आयात की गई वस्तुष्रा पर सीमागृतन - टॉरफ अधिनियम 1975 का धारा 3 के भारतीय, मीतिरिक्त सीमा शुल्ल तपर, गारत मीर जेती किस्म की वस्तुमा गरी किये में जनका जरायत मणवा निर्माण किये

जाने पर उत्पादन भूल्क लगता हा। परन्तु

जनहित को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने, तीनागुरूक अधिनियम की धारा 25 के अरुतार्गत, कुछ मायादित माल को, समक् तमक पर अविरिक्त तीमायहरूक से छूट दी है। ज़िल बंद्युओं को अधितिकत तीमायहरूक से छूट दी गई है उनके मूल्य और नाम के बारे में कोई पुगक् रिकार्ड नहीं रखें जाते हैं। इस सुनना को एकत करने में को धम और तमस तमेगा, वह प्राप्त परिणामों के अमुरूप नहीं होगा नहीं हो सम

रिजर्व बैंक ग्राफ इण्डिया द्वारा छोडे किसानों तथा तघु उद्योगों को ऋण देने की नई योजनाओं की घोडगा

6875. श्री धर्मसिंह भाई पटेल: क्या दिल मंत्री यह बताने की क्या करेंने कि 1

- (क) क्या रिवर्ड बैंक प्राफ इण्डिया ने छोटे किसानों तथा समु उद्योगों को म्हण् देने के बारे में 1 जनवरी, 1978 से नई योजना की घोषणा की है बौर यदि हां, तोजना का स्वक्य ग्रार विवरण क्या है :
- (ख) रिजर्व वैंक आफ इण्डिया ने राष्ट्रीयकृत वैंकों को कव आदेश चारी किया और उसका व्योग क्या है; और
- (ग) नवा राष्ट्रीयकृत वैंकों ने भादेश को कियान्त्रित किया है और यदि हां, तो किस प्रकार और कव ?

वित्त मनती (श्री एवं एमं पटेंचे):
(क) और (व): जमुमान है कि भारतीय
रिवर्व केंद्र हारा दिनके 12 दिसम्बर1977 को जपने परिस्त में ख्ल मेंति वें
किये गये परिवर्तनों का विक है। इस
परिस्त के जनतर्गत, मारतीय रिवर्व कैंक

के गवर्नर ने, ग्रन्य वातों के साथ साथ, वैकों को सलाह दी थी कि:—

- (1) लघु मिनाई तथा भूमि विकास के लिए, किसानों को दिये जाने वाले 3 वर्ष की वरिषक्ता बाले सावधिक ऋणों पर 10.5 प्रतिवात से अधिक की दर ने ब्याज नसूल व करें।
- (2) किसानों द्वारा विविध प्रयोजनों के लिए जिसमें कि हैरी, मुर्गीपालन, मछली पालन, फार्मिंग तथा बागवानी सादि शामिल हैं, लिये जाने वाले 3 वर्ष की परिषद्वता वाले सावधिक ऋणों पर 11 प्रतिकृत से अधिक की दर पर व्याज वसल न करें। 1 जनवरी, 1978 के बाद छोटे किनानों को दिये जाने वाले 2,500/--तक के प्रत्यक्ष ऋण चाहे ने अत्यावधि, मध्यावदि या सम्त्री त्रवधि के लिए स्वीष्टत किये गये हों. भारतीय रिजर्व वैक द्वारा 9 प्रतिशत की बैक दर पर पुनवित्त के पाव होंने। देंकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे ऋणों पर 11 प्रतिशत से अधिक की दर से ब्याज बमूल नहीं करेंगे, बाहे उनके लिए भारतीय रिजर्व वैक से पुनवित्त पोपण प्राप्त हमा हो या नहीं। पूनवित्त पीयण की माला 1 जनवरी, 1978 से सम्बन्धित चैंक द्वारा वितरित की गई कुल राणि वे 50 प्रतिशत तक सीमित होगी।

2. कुटीर डयोन में पूंजी निवेश को बढ़ावा देने के छहेज से, बैकों को यह सलाह दी बहि कि वे निम्म नगों में आने वाले एक की सिपन्दा तो बाते पाले एक की सिपन्दा ता बाते साथिक का गों पर 11 प्रतिकात में अपिक की दर से प्याज बन्त न करें :

(क) ऋज जारण्टी योजना के अन्तर्गठ आने वाले जुटीर उद्योग और विजेष गारण्टी योजना के अन्तर्गत वैकी/उद्यमियों द्वारा प्रोत्साहित एक्क;

- (ख) छाडे पिरिवहन<sub>ी</sub> चालक,
- (ग) निर्धारित पिछडे जिला/ क्षेत्राने छाडे एउर ।
- (ग) राष्ट्रीयकृत वैना द्वारा उपयुक्त निदेशो ना पालन न नियं जाने नी काई मूजना पाष्टा नहीं है।

Government policy in regard to Onion, Potato and other vegetables

6876 SHRI VASANT SATHE Will the Minister of COAMERCE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state

- (a) whether it is a first that onion growers in the country are facing serious problems on account of slump in prices and stock policy as a result of ban on export of onion,
- (b) if so, whether the Omon Growers, Government of Maharashtra and other State Governments have approached the Gentral authorities in this matter, and
- (c) whether Government have evolved a definite policy in regard 10 onion, potato and other vegetables and details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN

made to protect the interests of others growers by directing the National Agricultural Cooperative Marketing Federation (NAFED) to make larger purchases (NAFED) to make larger purchases (NAFED) to make the purchase of the NAFED has been directed to export an additional to now tonnes of others NAFED is also to build up a buffer stock of no oco tonnes of others for the NAFED is also to build up a buffer stock of no oco tonnes of onious from the new crop for sale in

(b) Government of Maharashira and onion growers have approached the Central Government to lift the ban on export of onions and to 1sk \AFED to make larger purchases

(c) The main planks of the Government policy with regard to onions, potators and other fresh vegetables are to increase their production, to ensure remunerative practs to growers, to make them available to domestic consumers at reasonable practs and to allow export after meeting the needs of domestic consumers

Sale of rapesced oil to M/a. Satyanarayan Beijmohan and other firms in Calcutta

6877 SHRI VASANT SATHE
Will the Minuster of COMMERCL,
CIVIL SUPPLIES AND COOPERA
TIOY be pleased to state

(2) whether the Government is aware

Calcutta who in turn passed on to Nepal and Bangladeth.

(b) of so, full facts of the matter .

(c) whether any complaint has been received to this effect and details thereof.

and sense in creet and delain increas,

and sense in

(d) details of action taken/proposed in

the matter?

a concepts, that stay, Mig. Dispension and Briphocham & Co Neither the State

Government nor the Central Covernment have received any reports of diversion of reposted oil either to Bangla Desh or Nepal

(d) The Border Security Force authors

ter and State Governments have been requested from time to time to take necessary preventive steps against smuggling and step up vigilance on the border

# Pricing system for Commodities

6078 DR RAMJI SI\GH • Will the Minister of COVIMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state

(4) whether Government thinks that there should be fixed pricing system for all commodutes so as to reduce the scope of bargaining,

- (b) if so, whether Government will introduce such a system in the near future; (c) whether the system of fixed pricing has been found workable in the Super
- Bazars and Government shops; and (d) if so, will the Government extend
  - it through a suitable legislation to all the private concerns, if so, when?
  - THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION (SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL): (a) Government does not think it feasible to fix the prices of all commodities.
    - (b) Does not arise.
- (c) On the basis of information readily available, the sale of goods at fixed price in Super Bazars and Government slops is working satisfactorily.
- (d) Does not arise in view of the reply to (a) above.

#### Traince Air Hostesses belonging to SC/ST in Air India

- 6879. SHRIK, PRADHANI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL. AVIATION be pleased to state :
- (a) what is the number of Air Hostess trainees in Air India belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes at present ;
- (b) whether any quota has also been reserved for the girls belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes: and
  - (c) if so, the details thereof?
- THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK):
  - (a) Scheduled Castes Scheduled Tribes
- (b) and (c). Yes, Sir. The quota reserved for Scheduled Castes is 16 2/3% and for the Scheduled Tribes is 7 1/2%.

#### High interest rate structure

6880. SHRIK. PRADHANI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Planning Commission itself had consistently been in favour of a high interest rate structure;

- (b) whether it is also a fact that the performance of the economy during the current year behind the theory that deficit financing necessarily pushed up prices;
- (c) if so, the policy of Government in this regard?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H, M. PATEL): (a) The structure of interest rates needs to be revised from time to time taking into account the changing economic circumstances. The recent selective downward revision of interest rates on March 1, 1978 by the Reserve Bank of India, as the monetary authority of the country, was designed to reduce the cost of working capital. At a symposium organised by the National Institute of Public Fin-ance and Policy, Professor Raj Krishna, Member, Planning Commission Ind expressed the view that the recent downward revision of interest rates was not justified.
- (b) The price situation was relatively stable during 1977-78. Therefore the question of deficit financing in 1977-78 pushing up prices does not arise.
- (c) Government recognises that contiaucd price stability is an essential ingredient of steady economic growth and is determined to maintain stability through better supply management and control of aggregate demand through restrictive credit and monetary policy.

### Opening of Bank Offices in un-banked Community Development Bincks

- 6881. DR. VASANT KUMAK PANDIT: Will the Minister of FIX-ANGE be pleased to state :
  - (a) whether the Government have directed Commercial Banks to open offices in unbanked Community Development

Blocks throughout the country;

- (b) how many such banks are planned to be opened by June end, 1978 and December end, 1978;
- (c) how many of the above would be opened in such areas in Madhya Pradesh;
- (d) what are the norms set for such rural Banks for giving loan on agricultural Commodities, small trades and cottage industries?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) The banks have been asked to open at least one branch in each of the unbanked commu-nity development blocks by end June, 1978.

(b) At the end of December 1976, there were over 900 unbanked community drielopment blocks in the country and by
end December 1977, these had been
brought down to 318 There will be
covered by June, 1978

- (c) In Madhya Pradesh, there were 131 unbanked community development blocks at the end of December 1976 At the end of December, 1977, only 52 such blocks in the State were without a commercial hank branch
  - (d) The rural branches of the commercial banks are expected to meet the grounc production credit needs of all entreprenneurs whether big or small inhabiting their area of operation special attention being paid to the eredst needs of the sectors which would create more avenues of employment in the rural areas

#### Absorption of Staff in Trade Fair Authority of India

VASANT KUMMR TICKAS Will the Mouster of COM MERGE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state.

(a) has the staff of erstylule Directorate of Exh bruons and Commercial Publicity, Ministry of Commerce already got the penson, gratuity, GPF and other bruents it not, then as to when they would get these benefits, and

(b) will the said staff continue to get interest on GPF after tot March, 1978?

THE MINISTER OF STATE IN AND CIVIL SUPPLIES AND CO OPERATION (SHRI ARII BEC) OPERATION (SHRI ARII BEO)

(a) and (b) The benefits relating
to granon, grainty GPF ele
accruing to the officials of the establic Directorate of Exhibitions and Commercial Publicity, on the basis of their past Go

tum -tonsuming process has already been completed Necessary orders are expected to be usued shorth. Under the CP Fund (CS) Rules 1960 these officials will be entitled to interest three ournast will use cuttures so merces on their GPF up to date of suce of orders. It is, however, expected that are necessary bils in respect of the chain of each official will be presented to the each official will be presented to the Accounts authorises for payment goon of orders. The true of orders after the Late of orders

#### Collection of tax Arears

VISINT LUVIN DR PANDII . Will the Minuster of HINANCL be pleased to state .

(a) whether a huge amount of outstatel. in: taxes are mounting up .

(b) if so, what is the total gron tax arrears from (i) large industrial houses (u) other in limitial houses and (iii) from remaining individual tax payers as on lit April, 1976, an 1

(c) what efforts have been made to collect these arrears and settle these pen ding cars expeditionaly, if so, the collections upto 31st March, 19 3 in each of the above categories?

| Tax | Gross<br>2-man3<br>20 on<br>31-12 77 | Gross<br>demand as<br>as on<br>31-12 76 |
|-----|--------------------------------------|---|

|             | (in trores | of Raj |
|-------------|------------|--------|
| Income tax  | 100   011  | 998 27 |
| Wealth, tax | 52 86      | 48 63  |
| Gult tax    | 7 37       | 5 93   |
| Estate Duty | 17 17      | 75 16  |

As regards Interest tax figures are avail able only as on 31 3 75 and 31-3 77. As on 31-3 76, there were no arears of Interest tax while at on 3: 3 77, they were only Rs 26 thousand

(b) Information is not compiled according to the classification in minimed in this part of the question However, information regard og incometar arrears out standing from large industrial houses is available in respect of those tax payers in whose cases gross outstanding demand exceeded Rs 10 lakh, as on 31-3 1977 As on this date, a gross demand of Re 25 17 crores was outstanding against 61 assesses belonging to large industrial

As regards other direct taxes, the position according to available information is as under :--

Tax

201

Arrears due from large industrial houses as on 31-3-77 in cases where the tax outstanding was Rs. 25000 or above.

( in lakin of Rs.)

Gift-tax

4.01

Wealth-tax

0.46

(e) Depending on the facts and circumstances of each case, suitable steps are taken from time to time by the tax authorities concerned for recovery of tax arrears in accordance with the provisions of the relevant direct tax laws. These steps include :-

- (i) levey of interest for delayed payment of tax;
- (ii) imposition of penalty for non-payment of tax:
- (iii) attachment of monies due to the defaulter ; and
- (iv) attachment and sale of moveable immovable properties.

Amounts aggregating to Rs. 1.52 erores were recovered upto 30-9-77 out of the income-tax arrens outstanding on 31-5-1977 against 63 assessees of large industrial houses referred to in (b) above.

### Memorandum submitted by All India L.I.C. Employees' Association

6884, DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether the All India Life Insurance Employees' Association has submitted a detailed memorandum to the 'Direct Tax Laws' (Choksi) Committee;
- (b) if so, their main recommendations and Government's reaction thereon;
- (c) what are the recommendations of the Morarka Committee in comparison with the suggestions of the AILIEA about;
- (d) whether the Government are actively considering the overhauling and rationalising of interest policy, Taxation, Claim-protestion and depreciation policy of the LIC ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL) : (a) Yes. Sir.

(b) to (d). The Association has suggested that surplus of the LIC arising from certain sources viz. loading surplus, mortality surplus and part of interest surplus may be exempted from income-tax. The Morarka Committee which examined different aspects of the working of the LIC, did not, deal with the LIC's taxation basis.

The Direct Tax Laws Committee would. no doubt, take into account the various points made in the Association's Memorandum while finalising its report. Government would await the recommendations of the Committee in the matter.

### चीनी के उत्पादन ग्रॉर भंडार के ग्राधार पर चीती का निर्धात

6885. श्री ग्रोम प्रकाश स्थागी: क्या वाणिक्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 1

- (क) क्या देश में चीती के भंडार श्रीर भविष्य में उनके उत्पादन के संदर्भ में चरकार का विकार चीनी का निर्वात क्यबाँ केरूप में या किसी धन्य रूप में करने का है; ग्रीर
- (ख) यदि नहीं, तां इसके क्या कारण

बाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रो आरिफ बेर): (क) चीनी के नियान के हमारे कोटे के आधार पर देण से क्यवां में अथवा अन्य रूपों में चीनी के निर्यात की पहले ही अनमति है।

(ख) प्रश्त नहीं उठता।

Money Advanced by Urban Coopera-tive Banks to Small Scale and Cottage Industries

6886. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the number of urban cooperative banks in different States which advance credits for the development of small scale and cottage industries; and

(b) the total amount of money arlyanced by the urban cooperative banks to small scale and cottage indu tries dur 15 th period 1975 76 and 1976-77 ?

scal and cottage industries during 1975 76

ung 2000

.

2C3

Review of working of integrated Financial System

6387 SHRI JANARDHANA POOJ ARY Will the Manter of FINANCE be pleased to state

(a) whether Government propose to have a detailed review of the working of the integrated financial system and

(b) if so the details thereof and reasons for review?

THE MINISTER OF FIVANCE (SHRI H. M. PATEL) (a) and (b) The working of the Integrated Financial Advisors Schome is reviewed continuously visers Science Musicry by holding perio-dical meetings with the Enzancial Advisors to other detailed review of the working of the Scheme is contemplated

### Setting up of Printing Press ın Agartala

623; SHRI YADVENDRA DUTT With: Minster of FIVANCE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question to 3370 on 17th March, 1978 regarding setting up of Printing Press in Agartala and state whether the informa-tion is available with one Bank Le. the United Bank of India, and by what time it is proposed to lay the information on the Table of the House?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M. PATEL) United Bank of India has reported that it has not received any mumation from the Government of Tripura of the r readiness to guarantee a loan of Rs 7 lakhs to a pro CPJ (VI)
paper of Calcutta for the setung up a
printing press in Agartala for the Tripura edition of the paper

राष्ट्रीय ऋग परिषद् का पुत चालू किया

6889 थी एम० एम० सोमानी थी जो । एम० बनतवासा थो महित्रगर मिह मलिक

क्या वित्त मधी यह बनान ना रूपा वस्ये कि

- (क) क्या राष्ट्रीय ऋण परिषद् को पूर्व चालू करने सम्बन्ती किसी प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है, ग्रीर
- (ख) यदि हा तो इसक क्या नारण

वित नम्त्री (थी एव० एम० पटेल) (क) राष्ट्रीय ऋण परिपद् स्थापित करन वा काई प्रस्ताव इस समय सरवार वे विचाराधीन नहा है।

(ख) प्रश्न नहीं उठना।

कृषि प्रशेजनी के लिए राष्ट्रीयकृत बका द्वारा ऋग दिया जाना

6890 थी एस० एस० सीमानी नया जिल मली यह बतान की कुपा करगे fer 1

- (क) बबा राष्ट्रीयकृत वैंक बाणिज्यिक और कृषि प्रयाजना के निए म्हण देल
- (ध) वैका व राष्ट्रीयकरण वे बाद वाणिज्यिक और कृषि प्रयोजना के लिए उन्होंने सद तक कुल कितनी राशि वे ऋण दिये.
- (ग) क्या सरकार का पना है कि ऋण वितरण पद्घति दोषमुक्त है जिसक परिणामस्वरूप ऋण देने के मामले म बडे वैमान पर भ्रष्टाचार ब्याप्त है, शीर

(घ) क्या | सरकार का विचार इस मामले में कोई ठोस कार्यवाही करने की है और यदि हां तो कव तक ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० षटेल): (क) जी हां (ख) जून, 1969 और फरवरी, 1978 के अन्त की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के वैनों द्वारा ऋण-प्रसार के सम्बन्ध में उपलब्ध श्रांकड़े नीचे दिये जा रहे हैं:—

(-->--

|   | जन, |      |      | रुपयों में )<br>1978 |
|---|-----|------|------|----------------------|
| सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिये गये कूल ऋ                              |     |      |      |                      |
|   |     | 3017 |      | 1304                 |
| <ol> <li>प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र .</li> </ol>                            | 437 |      | 3697 |                      |
| (क) রূঘি • ় •  | 162 |      | 1468 |                      |
| , (ख) छोटे पैमाने के उद्योग   | 251 |      | 1500 |                      |
| (ग) श्रन्य छोटे ऋणकर्ता   | 24  |      | 734  |                      |
| 2. श्रन्य क्षेत्र   |     |      |      |                      |
| (योक ब्यापार और वड़े और मध्यभ<br>पैमाने के खबोग )<br>*आंकड़े अनित्तम हैं{हू |     | 2580 |      | 934                  |

- (ग) बँकों की बपनी प्रान्तरिक लेखा पर्वाचा अशाली और भारतीय रिजयों बैंक द्वारा सावधिक निरीक्षण कर वहेंब यही मुनिश्चित करना है कि ज्या सरकार धीर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर कारी की गई नीतियों और निर्देशों के बनुधार ही स्वीकृत किये जानें
- (प) सरकार के ध्यान में जब ची प्रस्टाचार के विशिष्ट मानले ताये जाते हैं, तो उनको वांन की जाती है और सम्बंधिका स्वीदत्यों के निरुद्ध समुचित्र कार्यवादी की जाती है इसके बाद बाद सरकारी केत के सामें बेंगों में एक एक स्ववर्कता कका भी स्पापित कर दिया गया है ताकि इस प्रकार के मामजों पर समावार त्यार रखी जा सभे

Lean granted by L.I.C. to Policy Holders for House Building under M.I.G. Group

689t. SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL: Will the Miniter of FINANCE be pleased to state:

(a) the total amount of loan granted by the Life Insurance Corporation to the policy holders for house building under the M.I.G. Group separately for urban and rural areas; and

rural areas; and
(b) whether Government are considering the need to simplify the application forms for the grant of such loans?

THE MINISTER OF FIRANCE (SHRI H. B. FAPEL); (a) and (b) Loans are granted by the L1G to its policy holders under Youn Your Home Scheme for construction of houses, for extension of recently constructed house in good condition. The scheme is in oppperation as 69 contress which includes all places where the L1G has a Branch office or a Sub-office All C door and have any office

Written Answers 207 2 Under the aforesaid scheme, the maximum and the minimum amounts of loan available to any one person are Rs. 1,00,000 and Rs. 10,000 respectively Within these limits, the loans may be granted to any policyholder irrespective

loans granted under the said scheme t

: .:.

its policy holders falling under the various meom groups and residing in urban and reral areas.

3 As on 31st March, 1977, total number of 17,736 loans amounting to

as given below -

mount Number of loans Loan amount sanctioned sanctioned (in crores of supees) R. 0 07 66 10 000 unto 1 52 759 ιο,ααι το 23,000 2.33 612 233001 to 50,000 0 22 123 50,001 to 73,000 61 0 54 75 001 to 1 00,000 5 29 1f26

4. The question of simplification of application forms for grant of loans under the above schemes was considered by the L.I C about 2 years back and these forms were simplified making it shorter and more concise

### Air agreement with Rumania

6892 SHRI MULHTIAR SINGH MALIK Will the Minuster of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to date

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to enter into an Air Agreement with Rumania,

(b) if so, whether any survey has since been conducted by Air India to assess the traffic potential between the iwo country.

(c) how far it will help in strengthning the friendly relations between the two countries, and

(d) broad outlines of the agreement?

THE MINISTER OF TOURISM IND CIVIL AVIATION (SHRI PURU-SHOTTAM KAUSHIK) (a) to (d) Air India have been directed to conduct a traffic survey to assen the traffic potential between the two countries. An air agreement with Rumania will depend upon the results of the traffic survey As in the case of other countries, bilateral agreements to help in strengthening friendly relations

Goods smuggled into Pakistan from India

6893 SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK Will the Minuter of FINANCE

be pleased to state;

(a) whether Government have seen the press report in the Hindustan Times dated the 14th March, 1978 wherein it has been stated that imaggled and imported Irdian goods have virtually flooded markets in Pakutan's small and ber cities,

(b) The esumated value of goods sauge gled into Pakistan during the last one year from Inda, and

(c) what steps Government have taken to stop this evil?

THE VIVISTER OF STATE IN THE MENISTRY OF FT ANCE (SHRI SATISH AGRAWAL) (a) Yes, Sa Reports received by Covernment do not indicate any large-scale smuggling from India to Pakistan. However, there has been a substantial murease in legal exports of Indian goods to Pakistan, Government is not aware whether these Indian goods have flooded the markets in Pakistan as stated in the press report.

(b) It is not possible to estimate the value of goods smuggled from India to Pakstan during the last one year However, the total value of Indian goods exted while being illegally experted to Pakstan during the year 1977 was about Rs 3 60 lakhs only

lance at the major airports.

209

### Import of Benz Cars

6894. SHRİ VAYALAR RAVI; Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

 (a) whether it is a feet that import licence is being issued for the import of Benz Cars to India by the Export Houses;

(b) if so, the total number of vehicles imported and the names and value of the import and duty paid; and

(c) the reasons for allowing such imports?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) Does not arise.

Agencies for Export and Import employed by S.T.C.

6895. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of COMMERCE, GIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state;

 (a) whether it is a fact that the State Tracing Corporation are employing agencies for export and import in different parts of the world;

(b) if so, how many agents are employed and the countries they belong and the countries where their services are utilised; and

(c) the total commission paid to the agents for the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

#### Crisis in Aluminium Industry

6395. SHRI YASHWANT BOROLE: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether it has been brought to his notice that aluminium industry which employ over a lakh of people is severely plagued by shortage of aluminium;

(b) if so, whether it is also a fact that decrease in the export of aluminium has been urged so that direct quota may be allotted to mensil manufacturers; and

(c) if so, what are reactions in the matter keeping in view the danger of unemployment in the utensil industry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SERI ARIF BEG): (a) Owing to power cuts imposed on aluminum smallers, production of aluminium has been lower in 1977-78 compared to the previous year.

(b) Yes, Sir.

(c) Export of aluminium unavought and aluminium circles of 10 to 2 gauge used for manufacture of utensit is not allowed. There is at present no proposal to ban export of aluminium semi-manufactures and of exports is mail in recipitation to the contraction of the uninium. Confidering that the shortage is absort-term facture and that arrangements are being made for import of required quantides of aluminium, there is at present population in the contraction of the terminium of the properties of the contraction of the terminium required for the utensity industry.

भारत से अधिकतम मात्रा में तम्बाकू का आयात करने बाला टेझ

6897. श्री इंदेशर चीधरी: नया वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति ग्रीर सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) उस देश का क्या नाम है जो भरत से अधिकतम माझा में तम्बाक का आयात करता है; और
- (ख) भारतीय तथ्याकू का नियांत किस एजेस्सी के माध्यम ने किया जाता हैर्रे

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति श्रीर सहकारिता मत्रालय म राज्य मत्रो (श्री (क्) ब्रिटेन । ध्रारिक बेग) :

(ख) तस्वानू वा नियात शिमी अभि-परण वे माध्यम स नहा विया जाता है अनिन नियानका का स्वयं का सम्बाक् बार्ड म पत्रीयित वरना पटता है।

Loan given by Burdwan Branch of Allahahad Bank

6898 SHRI MANOHAR LAL WI Minister of FININCE be pleased Lin so state

(a) whether it is a fact that Burdwan Branch of Allahabad Back had goen loans worth Rs 40 lakhs which later were found to be feethous by the CB1 as reported in Blitz of 18th March, 1978, and

(b) if so the names of the persons or possible for this and action proposed to be taken against them?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI II M PATEL) (a) and (b) Central Bureau of Investigation has report ŁL/ //CF

cultural finance to the extent of about Re 43 lakhs and that there have been some irregularines in respect of some of these advances. So far only eight cases teste auvances of set only eight cases I impresonation involving an amount of about Rs 0 54 lables has been detected by alleabad Bank and the bank has filed criminal cases against the persons involved. In the course of the follow up action being taken if the bane comes across upses on the part of any officer appropriate action wall be taken by the bank against the persons concerned

Prosecutions pertaining to Central Excise, Customs and Gold control Launched prior to and after Departmental adjudication

6899 SHRI MANOHAR LAL WILL the Minuter of FIVANCE be pleased to

(a) whether any enteria had been adopted by the Government to launch prosecution in econom c offences pertaining to Central Excise, Customs and Gold Control prior to and after Departmental adjudication during Imergency, and

(b) if so details of presecutions, Launched in aforesaid offences and final orders passed by the Courts during and after Emergency in Central Excise, Kanpur Collectorate?

emicus and build control fronte for departmental adjudication as well as prosecution for the offences under each of these enactments. Certain erierta for launching of prosecution in cases besides departmental adjudication already expited even prior to Emergency, in order to see that deterrent action, including prosecu son , over and above departmental ad judication, is taken in respect of offeners which are of serious nature and in trolations of the laws governing Central Lacro, Customi and Gold Control No. Special enteria had been usued during the Lmergency

In hanpur Collectorate during Erger gency, t. prosecutions were launched under the Customs Act out of which three cases have been decided. In one case th Ixtson concerned was convicted for 3 reon he impro onment and to the other two cases fine of Rs 50/s and Rs 3000/stepectucely were imposed. The remaining g cases are pending. After Emeratoric y protections have been launched out of which one case has been decaded and the person was convicted to tix months impreserment Remaining four cuses are pending

Under the Central Excise and Salt Act, as pro-crutions were launched during the Emergency out of which three case shave been decided and 18 cases are pending In one case a penalty of Rs 250 - WAS imposed on the accused , in the second case to two accused were fixed Rs 2000/ each while the third accused was fined Rs 1000f- The third case in which one person was my olved resulted in acquit tal After Emergency, 7 prosecutions were launched out of which one had been decided resulting in the imposition of penalty of Rs 250f- on the accused, and against this decision the department has filed an appeal for enhancement of punishment

Under the Gold (Control ) Act no prosecution was Launched during the Errer gency in the Kanpur Collectorate Two prosecutions launched after the Errergency are still pending

#### Assistant Collector of Central Excise, Farrukhabad.

213

6900. SHRI MANOHAR LAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

- (a) Whether any enquiry follow up action was taken by the Covernment against the then Assistant Collector of Central Excise, Farrukhabad in the Division Office on gust February, 1977/ 22nd February, 1977 who illegally handed over six Central Excise employees on duty to the local police and were tortured by the police in his presence; and
- (b) if so, why the aforesaid Assistant Collector is not relieved from Farmkbabad. inspite of his transfer and assurance given, by the Collector of Central Excise Kanpur.
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL): (a) It is reported that an attempt to burgle official records from Farrushabad Central omeral records from Farrusanand Central Excise Division was made on the night of 21st/22nd February, 1977. A complaint was lodged by the Assistant Collector, Farrukhabad, with the local police. In connection with the investigation of the case, the local police took six employees of the Central Excise to the police station and interrogated them. It is not correct to say that these employees were handed to say that these employees were handed over to the police by the Assistant Collector. The State Police authorities have denied any ill treatment to these employees. The enquiries made by the Collector of Central Excise, Kanpur have also not revealed any evidence to show that torture or had treatment was employees by the police. In these circumstances the question of an enquiry or follow-up action against the Assistant Collector did not arise.
- (b) The Assistant Collector who was transferred from Farrukhabad in the normal course was relieved on 8-2-78" and joined duty at Kanpur on 16-2-78.

#### Export of Cement

6901. SHRI S.R. DAMANI : Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that export of Cement in 1977-78 has shown a declining trend and, if so, the details thereof and the comparative figures for the previous two years ;

- (b) what are the reasons for this slowdown;
- (c) whether any firm commitments are made for export in 1978-79 and the details thereof; and
  - (d) the steps taken to fulfil the commit-

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG); (a)
Yes, Sit. The export of cement churing the last three years had been as under:

> (Qty. in lakhs of MTs and value in Rs. crores)

1975-76 1976-77 1977-78 Qty. Value Qty. Value Qy. Value

4.01 14.10 8-79 34-53 4-35 16.45 (estimated)

- (b) The export of Cement was restricted and no fresh contracts were entered into during 1977-78, on account of the acute shortage of cement in the country. Exports made during 1977-78 were against existing firm and irrevocable contracts
  - (c) No, Sir.
- (d) Does not arise in view of reply to (c) above.

Items whose export were banned or restricted

- 6992. SHRI S. R. DAMANI : Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state :
- (a) the items tyhose export was banned or restricted in 1977-78 due to pressures of home demand;
- (b) whether it is a fact that inspite of these steps there was no fall in prices of such items as far as the consumer is concerned : and
- (c) if so, what steps Government have taken to ensure that the consumer gets the benefit ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CHVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI KRISHNA KUMAR COYAL): (a) Essential commodities

and items of mass consumption whose exports were banned or restricted in 1977-78 due to pressure of domestic demand are onions, tea, HPS groundnuts, cumin seed turmeric and fresh vegetables.

(b) and (c) The above measures had generally a sobring impact on the prices of these items in the domestic market. Banj restriction on exports is one of the steps to make esential commodities available to the local consumers at reasonable prices Other important measures being taken in this connection are to increase their production, supplement domestic

Cooperative Consumers Federation (NGCF) to enhance their operations in these commodities

#### Decline in the Export of many value added frems

6903 SHRI S.R. D.MANI Will the Minister of COMMERCE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION 6pleased to state

(a) what are the reasons for the weak-ening trend in the export of many value added items in 1977 78,

(b) whether also such ttems have been identified and if so, the detals thereof,

(c) the targets of export fixed for these items in 1978-79 and the measures Go-vernment have taken to achieve them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEC)

(a) The weakening trend in the showing of extension to be such fed to factors such as recession in the world market protectionist tendencies adopted by developed countries and in the case of certain mass consumption items Go-vernment's deliverate policy to reg-late their exports in the interest of mestic market

(b) During the first half of 1977 -8 as compared to the corresponding period

(c) Export targets for the year 1978 79 are not yet finalised

Impact of New Levies on Coal, Electricity and enhanced excise duties on cost of production of Industrial Goods

Written Answers

Gos SIRI SR DIMINI the Minister of HINNCE be pleased to

(2) whether Government has worked out the impact of the new levies on coal electricity and the enhanced excise duties on cost of products on of subserval goods in 1978-79 .

(b) if so, what are the spreade stems they have taken up for such everale worked out,

(c) what according to Government will be the effect on deman I which to sail to be sagging, and

(d) the steps taken to prevent any further slackness in demand?

THE MINISTIR OF (SHRI HM TATIL) (b) Immediately LIVANCE (a) and presentation of the Budget, a quick exer cue was undertaken to asses broadly the direct impact of new additional exwholesale Price Index (1970-71 100) This study did not take into account the indurect effects which would arise from the encrease in existing excise duties on inputs and the new duties on coal and inputs and me are duter on cost and power As regards the latter, the Whole sale Price Index for the group "Fuel Power Light and Lubricants shows a rise of 34 per cent during the first post Budy's week. The data relating to 1650 non Covernment non financial mechani and large public limited compames, compiled by the Reserve Bank of Indea, show that fuel and power accounted for 5 13 per cent of the value of produc toon in 1973 76 Hence the direct im pact of the new leves on coal and power on costs in the private corporate sector would work out at 0 17 per cent Of course in some cases like al minium and cement, the impact would be higher

(c) and (d) Deliciency of demand can only be everence by a step up in intest only or overcome by a step up in faces meet and the creat in of more incomes through larger production and employment. The developmental outlay in the Annual Plan for 1978-79 has been raised by 17 per cent with this end in view, and the new Five Lear Plan India. cates the Strategy for the whole period 1973--- 33

#### Eatension of I.A. Flight from Calcutta Port Blair upto Madras

217

6905. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is long pending demand for extension of IAC flight No. 285 from Calcutta Port Blair upto Madray via Carnicobar; and

(b) if so, details and reasons for not meeting this demand for the convenience of the passenger traffic in Andaman and Nicobar islands?

THE MINISTER OF TOURESM AND GIVIL AVAITON (SHRI AVAITON (SHRI PURSISTOTTAM KAUSHIK); (s) and (b) There has been a channed for extending the Calental/Fore Blair service upto Car Nicobar and Madrat. The six service between Calcutta and Port Blair which was caller operated with a Viscount nitratit via Rangroon is now being operated direct with Endograph traffic has, however, not matched expectations. Indian Arithms is very much hort of fleet capacity for new links and Nicobar letters. The load development between the Mainland and Andrama and Nicobar letters is being segment to the Calental Strain Calental Calental Strain Calental Calenta

वर्ष 1975, 1976 श्रीर 1977 में बजुराहो मन्दिर देखने के लिए श्राए विदेशी

6906. श्री सुंबेन्द्र सिंह: क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह वताने की क्रमा करेंगे कि:

- (क) वर्ष 1975, 1976 और 1977 में, वर्षवार वजुराही मन्दिर देखने के तिए फितने विदेशी पर्यटक आयेथे;
- (ख) इन पर्यटकों से वर्ष-वार, अनुमानतः कितनी विदेशी मृद्रा अजित हुई; अरि
- (ग) इन स्थानों पर और अधिक पर्यटकों को साकपित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री प्रकातम कौशिक ): (क) ग्रीर (ख). भारत श्राने वाले अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों तथा उनसे अजित होने बाली विदेशी मुद्रा के आंकडी का वार्षिक असमान अखिल भारतीय **ग्राधार** पर लगाया जाता है न कि स्थानवार **आधार पर ।** तवापि, पर्यटकों के स्वरूप, उनकी प्रतिक्रिया की प्रकृति, उनके व्यय की रूपरेखा. उनके एचि के याता स्थलों, इत्यादि का संदाजा लगाने के लिए विदेशी पर्यटको के समय समय पर सर्वेक्षण किये जाते है। 1976-77 के दीरान किये गये विदेशी पर्वटकी के सर्वेक्षण के आधार पर यह अनमान लगाया गया है कि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटको में से 6.02 प्रतिशत ने इस भवशि में खजराही की यात्रा की । यद्यपि निर्धारित नहीं किया जा सकता कि प्रत्येक पर्यटन केन्द्र ने अलग श्रसग कितनी विदेशी मुद्रा उपाजित की, तयापि, उपरोक्त सर्वेक्षण से पता सवा कि विदेशी प्रयेटकों द्वारा प्रति व्यक्ति भारत में किया गया ग्रीसत स्पप 4420 रुपयेथा।

218-

(ग) पर्यटन विभाग अपने विदेशों में स्थित कार्यालयों के माध्यम से भारत का प्रमुख पर्यटक प्रजनक देशों में एक लक्ष्य ह्य से बन्तव्य स्थान के रूप में प्रचार करता है। यद्यपि मुख्यतया साधनों की संगी के कारण किसी स्थान विशेष के लिए कोई विशिष्ट प्रवार नहीं किया जाता तथापि कोल्डरों. पोस्टरों, आदि पर्यटन प्रचार साहित्व के चितरण तथा डाक्यमेंटरी फिल्मो के प्रदर्शन द्वारा पर्यटक रुनि के स्थानों का ब्यापक प्रचार किया जाता है। पर्यटन के बारे में इस प्रोत्साहन नीति वेः ग्रपनाने से पर्यटक यातायात का विकिरण एवं विकेन्द्रण होगा और पर्यटक ग्रपने याता कार्यकर्मी को कुछ एक स्थानों तक केन्द्रित न करके उनमें यंगासंभव और अधिक स्यानी को भी सम्मिलित करने का प्रयत्न करेंगे।

मामान्य रूप म विय जा रहे प्रचार ग्रमियान व प्रनावा पवटन विभाग ने खनराहा जाने वात पत्रटना न तिए पर्याप्त जन "प्रथम्या करने क लिए खबराहो में वाटर मालाई स्क्रीम व निष् 15. 98 लाख म्या ना गणि स्वीरत की है। यबुराही क तिर पवटक यानायात का प्रात्माहिन करत के उद्देश्य स खजुगहा के विशास रा व्यवस्थित करक एक मुखद चानावरण की मन्द्रिक लिए राज्य मरकार न खबराहो ना एक मास्टरप्तान भी नैयार किया है। वजुराहा में सरकारी एवं नित्ती दाना ही भेजा में यात्राम व्यवस्था का भी उदय हुमा है और खबुराहा पहन स ही रन ग्रीर विनान संवा द्वारा जुडा हुन्ना है। इन उराया न खजुराहा प निए अन्तर्रान्द्रीय पवडर यानायान का और मधिक प्रोत्यहन मिनेगा ।

### रोजनार-उपकर

6907 भी मुखेंन्द्र सिंह बया विस नता यह बनाने की कृपा करने कि

- (क) क्या सरकार का विचार राजकार-उपकर लगाने का है और
- (ख) यदि हा, ना इस बार में स्वीत
- वित मत्री (धी एच० एम० परेल) (क) जो नहीं। इसनरहकाकाई प्रस्ताव मरकार व विचाराधीन नहीं है।
  - (ख) यह मवान पैदाही नही होना।

बड़े मुहा हारा नियतित नम्यनियो को दिये गये ऋण

6908 थी सुखेन्द्र सिंह वित्त रती यह बतान की हुपा करने कि

(क) क्या स्टेट बैक ग्राफ इण्टिया द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान वर्षवार.

बडे गृहा द्वारा निवन्नित उन सम्पनिया गा विनने कण दियंगय जिन का उरोध श्राद्यांचित्र लाइर्गेस नीति सम्बाधी जान ममिति व प्रतिवेदन में विया गया था. भीर

(ख) विद्यो नियत्रणाधीन सम्पन्ति। सा गानान वर्षा बदौरान वर्षवार विजने ऋण दिव गय ?

वित मत्रो (श्री एच० एम० पटेल) (व) ग्रीर (व) यथासम्भव स्वता इवट्डा या बारही है तया गदन व पटल पर राज दी जायेगी।

Loan given by Allahabad Bank 6909 SHRI K LAKKAPPA W.1 the Minister of FINANCE be pleased to

(a) whethr it is a fact that 40 percent loans given by Allahabad Bank ha e become either bad or Sucky as reported in Bletz weekly of March 18, 19 8, and

state

(b) if so, the remedial measures propoed to be taken by the Government to recover the loans?

THE MINISTER OF (b) The Reserve Bank is looking into the various allegations contained in the article published in Blitz. As per the latest balance sheet of the bank on **FINANCE** December 31 19,6 debrs considered doubtful or bad and not provided for have been shown as mil

श्रायकर विमान में कम्प्यूटर लगाने का प्रस्ताव

6910 था राघवजी न्या विस मत्री यह बताने सा ऋषा करगे कि

- (व) रया सरकार का ग्रायकर विभाग में नम्प्यूटर नगाने का विचार है, ग्रीर
- (ख) यदि हा ताय कम्प्यूटर कहा-वहा पर ग्रीर जितने जितने लगाय जायेगे **ग्रीर य न**स्प्यूटर वितने नर्मचारियो के

स्वान पर कार्य वरेगे ?

वित मंत्रालय में राज्य मंत्रों (श्री ज्लिफ कार उल्लाह): (क) और (ख). ग्रायकर विभाग में कार्य के कुछ खास-खास क्षेत्रों में कम्प्यटर व्यवस्था गरू करने के लिए प्रिद्धान्तका में निशंब ले लिया गया है। एक पद्धति विकास दल मामले के . सभी संगत पहलुओं का इस समय अध्ययन कर रहा है। इस अध्ययन के बाबार पर. श्रायकर प्रधिनियम को द्वारा 296 के प्रवीन, सीत पर काटे गए और वेतन-विवरणियों में दिखार गये कर की जांच ने सम्बन्धित कार्यको कम्प्यदरों की सहायता से ६ मच्य नगरीं में किया जा रहा है। यह कार्य छन्य ग्रभिकरणीं के कम्प्युटरों पर किया जायेगा श्रीर इस समय भागकर विभाग में कम्प्यूटरीं को खरीदने और लगाने का कोई बस्ताव नहीं है। जम्म्यदरों की सहायता से कार्य करने की जिस प्रणाली की यब परिकल्पना की गयी है उस से विभाग के मौजुदा कर्म-चारियों में में किती की भी छंटती नहीं की जायगीः ।

भायकर प्रधिकारियों श्रीर साधकर इन्स-पैक्टरों की कुल संदग

6911. श्री रावनतो : क्या वित मंत्री 'यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) बया सरकार ने हाल में आयकर अधिकारियों के पदों के लिए स्वीकृति दी है परन्तु आयकर इन्तर्पक्टरों के पदों पर नई निर्मुतनयों के लिए स्वीकृति नहीं दी गई है;
- (ब) बांद हां, तो इसके बबा कारण हैं; भीर
- (ग) इन समय देत में ब्रायकर अधि-कारियों और अविकर इन्सर्पेक्टरों की अन्य-अलग कुल संख्या स्वा है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जुलफिकार उल्लाह): (क) और (ख)). बायकर विभाग में कर-निर्धारण, बसूबी और अवास्त्र के कार्य के सिए नदम्बर 1977 में बायकर क्रिकिशिट्यों के एक तो पचास पद रचीक्रत निर्धे गर्धे में संवर्य को संख्या का जायबा विए जाने तक ग्रामकर निरक्षिकों के कोई ग्रांतिस्त्र पद स्वीकृत नहीं किये गर्थे हैं।

 (ग) श्रामकर अधिकारियो और आय-कर निरीक्षतों की वर्तमान संख्या नीचे दिए अनुसार है:

आयकर प्रधिवारी (त्रुप क) . 1575 आवकर (प्रधिकारी (पूप व) . 2032 आयकर निरीक्षक . 3549

जनता होटलों में भोजन ग्रीर निवास की वरे

- 6912 भी मुरेन्द्र हा सुमन : वया पर्यटन फ्रीर सागर विमानन मंत्री यह वताने की कपा करेंगे कि:
- (क) वया सरकार देश के निर्धन पर्यटकों को सुविधायें देने को दृष्टि से दर्णनीय स्वकों पर जनता होटल खोलना छावण्यक समसती है;
- (ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की बोजना क्या है; ग्रीर
- (ग) भोजन और निवास की क्या दरें निर्धारित करने का प्रस्ताव है ?

पर्यटन प्रीर नागर विमानन नंत्री (जी पुरुषोत्तम कीशिक): (क) ग्रीर (ग्र), 1978—83 का पंत्रवर्षीय योजना के नर्वरि मं दित्ती, वायहे, कलकता ताला महाग के चार महानर्परों में जनता ही हत्वीं का निर्मण करने द्वा प्रस्ताय है। 1978—79 के दौरान नद्दें दिल्ली में जनता हीहन परियोजना के लिए 50 लाख रुपए के व्यय का अनुनोदन किया नगा है। जिन क्रमण स्वानी पर केंग्रीय खेत्र में जनता होहन स्वानी पर केंग्रीय 223 उनका निर्धारण एक सर्वेक्षण करने के पश्चात् तथा इस प्रयोजन ने लिए उपलब्ध न राये गरे माधना वे ग्राधार पर तिया जाएगा ! य होटल निम्न वर्ग के पर्यटको के लिए सस्ते . स्राज्ञास की ध्यवस्था गरेगे।

(ग) जी हा। जनना हाटना ने रिसाय (टेरिफ) पगटन विभाग न परामत उस्ने निधारित दिए जाएगे।

Grant of Contracts Licences In respect of Ministry of Finance

6313 SHRIRN RAKESH Wall the Minister of FIVANCE be pleased to

and if not why?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PAPEL) Presumably the Honble member is referring to the award of contracts/fivences tellung to the running of Government offices and institutions under Covernment. There is no provision for reservation of any quota for members of scheduled castel scheduled tribes in this regard. In view of thu, no data for this purpose is required to be kept and accordingly such informa tion is not available

Steps to make Banks in Rural Areas Village Oriented

6914 SHRI G S REDDI Will the Munster of FINANCE be pleased to state

(a) whether he said at the manguration of the Bank of Baroda Staff College at Ahmedahad on March 12 that nationalised banks continue to maintain an urban approach even while doing banking in rural areas

(b) if so thether he is thinking of entrusting the rual banks to institutions other than urbun based banks , and

Written Answers (c) whether he proposed to take any siler steps to make banks in tural areas sillage oriented?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) While mangeratung Staff Cellege of Bank of Baroda at Ahmedabad on March 12 1978, I had observed that 'our banks tradetionally have had an utban bias and this bas seems to have persisted even after nationalisation." I had added that "It far sighted businesmen, management should realise that future growth really lies in developing business in the rural areas, serving agri culture, small and cottage industry and oil of rural occupations". To secure this oljective, the banks have been advised to meet the personnel needs of the rural and sems urban branches in such a manner that the staff posted at these branche was familiar with the rural environment and was capable of transacting business in it e local language

(b) The expansion of banking facilities in the rural and semi-urban areas by the public sector hanks and the regional rural banls was studied by two separate commi-tices, James S Raj Committee and Prof Daniwala Committee appointed by the Reserve Bank of India last year The ray Committee bas aubmitted an interim report and Dantwala Committee its final report The recommendations made India therein are being examined the Reserve Bank of India Reorien tation of the branch expansion policy in the rural and semi urban areas will be brought about by the Covernment and the Reserve Bank in the light of recommendations of these committees

(c) Bendes branch expansion in tin-

been asked to step up the level of their credit to neglected sectors from the level of about 27 per cent in March 1977 to 33 3 per cent of their aggregate credit. Both these targets are to be achieved by March regq To facilitate this process, the Lead Banks were to formulate District Credit Plans for their lead districts by March 1973 Quick information received from the banks shows that, by and large, the target has been virtually met and that the hanks are tole on a Lana

Payment of dearness allowance etc. to Gentral Government Employees

225

#### 6915. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the Members of Sandding Counted if JUM (National Counted) is a fact that the Finance Sections at his invitation on the six March 1998 to disease the question of payment of dearmest allowance to Central Government employees, retoration of Do. 2012 per cent to the pay of the counter of the co
  - (b) if so, the facts thereof;
- (c) whether the representatives unanimously demanded payment of sixth instalment of dearness allowance in cash and restoration of D.-l., cut;
- (d) whether the Finance Secretary has not considered the representation so made; and
- (e) if so, the steps taken by Government to settle the matter ?
- THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) Yes, Sir.
- (b) to (e). The Finance Minister will be making a Statement in the House later in the day.

#### Life of Third Pay Commission

- 6916. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Miniser of FINANCE be pleased to state a
- (a) whether it is a fact that the life of Third Pay Commission Report in respect to Central Government Employees has ended in March 1978;
- (b) if so, what steps are being taken for a negotiated settlement of wage revision on bilateral basis between the Government and recognised employees organisations;
- (c) whether it is also a fact that Government is refluctant to implement the decision in regard to merger of decruess allowance with pay as per the Commission if the Cost of living Index does not fell below certain given points; and
- (d) if so, th' facts thereof and steps being taken to arrive at a negotiated settlement in this respect?

433 LS---8

THE MINISTER OF FINANCE (SHR) H. M. PATEL); (a) The pay and allowances of the Central Government Employees, determined on the basis of the Third Pay Commission's recommendations, will continue beyond March, 1978 also.

226

(b) There is no proposal for any general wage revision of Central Government Employees. However, a Study Group has been set up for preparing a draft policy on Wages, Incomes and Prices, and its report is awaited.

(c) and (d). The Third Pay Commission had only recommended that the quesion whether a persion of DA should be treated ded by the Government buring regard to merger of dearness allowance with pay of the Castral Government employees was raised by the Satif ride of the National Counted (JCM) in its ordinary meeting had on obligation of the Counterfer of the National Counterfer of Counterfer of the National Counterfer of the Counterfer availed.

#### Export quetas in the case of garments

6917. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

- (a) whether the balance of export quotes in the case of garments during the current six month period of January to Juce, 1978—intended for the EEC and the US Markets is poing to be allowed to prospective exporters on the basis of 50 per cent on curvol price and another 50 per cent for handdooms; and
  - (b) if so, what are the facts thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF COMMERCE AND COPERATION (SIRI ARID ECO) (a) and (b). The quota distribution police for garmants superts to EEC and USA entinged and the EEC) in Comment of the EEC and USA entinged and using the first half of the case area (I\_mm\_\_buse) and the centaining area during the second half (July\_man, and the comment of the comment

In view of the high demand for quotas for garments and the fact that a very large proportion of India s garments supplies to overseas demand for spring and summer seasons, it has been decided to hing forward quotes to the extent of 20% from the quotas for the next aix months period for allotment during the current six months on first come first served basis

loom garments. At these rates the re-servation of 50% for handloom garments has been kept

The above quota distribution policy shall remain valid till goth June, 1978

#### Construction of suitable Air Field for Agartala

6918 SHRI J'LOTIRMOY BOSU Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether he has received a memo-randum from Indian Commercial Pilots' Association, 53F Chowringhee Road, Calcutta 700016 re the airfield condition and hazards of night operation to Agartala without installation of Approach lighting system considered to be a necessary

(b) if so, the main points of the said memorandum and action taken by the Government on the same ,

(c) whether it has been alleged that the Government is taking no steps to construct a suitable airfield for Agartala, which is mostly dependent on airlink, and

(d) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) (4) Yes

(b) The main thrust of the representa-tion of Indian Commercial Pilots' Association is on the provision of approach

lighting system at the Agartala aerodrome for night operations The Agartala acrodrome is at present provided with medium intensity runway lighting and Abridged Visual Approach Slope Indicator (AVASI) Provision has made in the Five Year Plan 1978-83 for conversion of the AVASI into a full VASI, the installation of hight intensity runway lights and that of approach lights.

(c) and (d). No Sir Government have already sanctioned a project for development of a runway complex at the existing . .

1980-St Proposals for development of terminal facilities and construction of operational wall have been included in the Five Year Plan 1978-83

# Misuse of imported polythelene by Asian Cables Corporation

3rd March, 1978 regarding misuse of imported polythelene by Asian Cables Corporation and state !

(s) when the re-examination of the case to birtly to be completed, and

(b) the reasons why the company has been given fresh import beences valued at about Rs 3 crores when the case of taususe of imported polythelene against nt is still pending?

THE MINISTER OF STATE IN

expected to take some more time. It is not possible to precisely indicate as to when this would be completed

(b) The alleged muuse related to the years 1957-by No prosecution was launched nor any departmental orders have been passed so far against the party. Hence until and unless the party is con-vacted or otherwise punished under the import faws it was eligible to receive such licences as the policy in force from time

to time permitted

thereon?

under implementation.

### Cash Assistance to Exporters

229

6920. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be plesed to state:

(a) whether Alexander Committee appointed by the Government to review the i mport and export policies and procedures and suggest suitable changes have made a number of recommendations on "each assistance to exporters".

(b) if so, what are the details thereof;

(c) total cash assistance to the exporters, year-wise during the last ten years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) Yes Sir.

(b) Attention is invited to pages 55-56 of the Report of the Committee on Import-Export Policies and Procedures, which has been laid on the Table of the House on 4th April, 1978.

(c) Cash assistance given to exporters from Marketing Development Assistance in the last ten years is as follows:—

|   | Year    | A      | топп | (Rs. in crores)<br>t spent towards<br>CCS |
|---|---------|--------|------|---|
|   | 1968-6g |        |      | 29*77                                     |
|   | 1969-70 |        |      | 36-84                                     |
|   | 1970-71 |        |      | 35*26                                     |
|   | 1971-72 |        |      | 46.78                                     |
|   | 1972-73 |        |      | 53*27                                     |
|   | 1973-74 |        |      | 53-24                                     |
|   | 1974-75 |        |      | 59.93                                     |
|   | 1975-76 |        |      | - 93-86                                   |
|   | 1976-77 |        |      | 226-62                                    |
|   | 1977-78 | (Prov. |      | 311.48                                    |
| - |         |        |      |   |

Building of Hotels to Accommodate Foreign Tourists

6921. SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state;

(a) whether a large number of hotels suitable to accommodate the foreign tourists are to be built in the near future; and

(b) if so, how many of these hotels will be built in U.P. and the expenditure

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHUK):(a) About 75 hotel projects in the private sector have been approved and are

(b) Out of these 75 hotel projects in the private sector, S are to be constructed in LT. at a 'total cost of approximately part up in the public sector, the India Dustine Development Corporation has plane to put up a hotel at Agra at a cost of Re. 75 or blain. The Erical Corporatruct a hotel at Kushimagar, the cost of which has not been considered out.

Increase in carnings of Airports in International Air Traffic in India

6922. SHRI PRASANNBHAI MEHTA: Will the Minister of TOURISM & CIVIL AVIATION be pleased to state:

CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Earnings of airports in the international air traffic in

(b) if so, what were its carnings for the last one year;

India have increased;

(c) to what extent it has gone up;

 (d) what are the other steps being taken to improve the facilities on these international airports; and

(e) to what extent the increase in the domestic traffic at these international airports was during the last three years?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). Yes, Sir. During 1975-77 the earnings of the International Airports Authority of India on account of leading,

(c) Compared to the previous year the earnings meressed by 24% during 1976-77

parded at Delhi airpert There are plans

to expand the domestic arrival hall at Calcutta arroor

An new international terminal complex tand adde constitutions

(c) Actual figures of the domestic

traffic during the Lut 3 years and their percentage growth rate is given in the fol-lowing tables

(s) Actual Domestic Traffic I gures

|          |  | 1971 75   | 1975 76   | 1976-77   |
|----------|--|-----------|-----------|-----------|
| Bombay   |  | 12 41,292 | 14 65 131 | 15 28 963 |
| Calcutta |  | 704 343   | 8 15 078  | 8 73,815  |
| Delha    |  | to 21 070 | 11 50 276 | 12 63 717 |
| Madens   |  | 4.40 812  | 4 65 752  | 5 53,694  |

|          | Grow | Growth over previous year |         |                    |  |
|----------|------|---------------------------|---------|--------------------|--|
|          |      | 1974 75                   | 1975 75 | 1974 73<br>1976-77 |  |
| Bombay   |      | 18 03%                    | 4 35°°  | 23 1%              |  |
| Calcutta |      | 25 72°0                   | 7 2100  | 24 0%              |  |
| Delha    |      | 12 320,                   | 9 860   | 23 4° a            |  |
| Madras   |      | 5 664,                    | ze 83%  | 25 6%              |  |

Rules for added service by Technically qualified Officers

6923 DR SURRAMANIAMSWAMY Will the Minnter of FINANCE be pleased to state

7 ° 16 T ٢ 11-6 3 5. in

(b) why is it that it has not been im plemented uniformally with reference to all Manternes/Departments,

petther abrogated nor cancelled,

(c) whether fresh instructions resteratang the provisions of the above rule will be sauch for compliance so that Depart-ment such as Directorate General of Technical Development Development Commessioner's (Small Scale Industries) Office etc. in the Ministry of Industry are all covered under this provision, and

(d) will Government ensure that these bearfits will also be made applicable to officers who have retired without this benefits due to non application of the Provisions?

THE MINISTER OF FININCE (SHRI HM PATEL) (a) to (d) There arc 200 Regulations

called 'Central Regulations of 1950'.

However, Rule 20 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, purceiles for addition to qualifying service in special circumstance. This rule applies to all Departments/Ministries having services or posts—

 (a) for which post-graduate research, or specialist qualification or experience in scientific, technological or professional fields, is essential; and

(b) to which candidates of more than twenty-five years of age are normally recruited. No instance has come to notice regarding non-compliance of this rule or denial of benefits due to non-application of this provision.

Malpractice by Petrol Pump Owners in Delhi

6924 SHRI G.M. BANATWALLA; SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Petrol Pumps in Delhi are issuing less petrol than metered to the consumers:

(b) if so, what is the procedure so check this maluractice:

(e) whether it is a fact that the petral pump owners are also selling adulterated mobil oil; and

(d) if so, the reaction of Government of India thereto and action taken or proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERA-TION (SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL) (a) No Sir.

(b) Weights and Measure Enforcement Officers check periodically all the petrol pumps in their respective areas and if any petrol pump is found defective, solitable section is unken under the Rejustions Weights and Measure (Enforcement) Act, 1958, or extended to the Union Territory of Data and Measure (Enforcement) Act, 1958, or extended to the Union Territory of Data detected in y care not of about 2000 such checks carried out and remotical action cales.

(c) and (d). The Government has not come across any serious complaint about the quality of lubricating oils and by the authorised dealers of the oil companies. Ginger Production in Mizoram

6925. DR. R. ROTHUAMA : Will the Minister of COMMERCE, CIVII. SUPPLIES AND COOPERATIONS pleased to state :

(a) whether the Ministry of Agriculture and Irrigation agreed to purchase ginger from Mircoam at the rate of Rs. 90 per quintal whereas the then State Government (Mircoam) purchased ginger at the rate of Rs. 120 per quintal in 1975-76.

(b) in vice of the terrible Thington Famine containing currently in Mizeram and the pinger being the only source of income for poor cultivators of Mizeram whether the Ministry propose to revise the present Ginger Rate of Rs. 50 per quintal at least to Rs. 150 per quintal now; and

(c) whether the Central Government propose to set up a Dehydration Plant or any other factory connected with ginger in order to solve its marketing problem?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND COOPERATION (SHEEL EXISTENCE AND COOPERATION (SHEEL EXISTENCE AND COYAL (a) No Sir, Neitherthe Ministry of Agriculture and Irrigation nor the Müzoram

Ministry of Agriculture and Irrigation nor the Marsum Administration and any procurement of pages in 1927-5. The National Agricultural Cooperative Marketing Pederation of India Lid. (NAFDD) and the Misseam Apra. Cooperative Marketing Sciency, Lide Mowers, jointly proclaims ginger in Allianean at Ret. 123 per quitter in the National Comments of the National Processing Science (National Processing Science).

(b) No, Sir.

(c) No. Sir.

Income-Tax and other cases pending in High Courts

6996. SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA : Will the Midster of FINANCE: to pleased to state what is the number of income tax, would tax and corporate tax case pending in different high cour of the country and how many case have been pending for over five years? THE MINISTER OF STATE IN

the launcel suc-

235

Discriminatory Treatment to Members of Different Unions of Workers by Chairman, United Commer-cial Bank

6927 SHRI MADHAV PRASAD TRIPATHY Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) the chairman of United Commercal Bank is giving discriminatory treatment to members of different unions of workers,

(b) whether office bearers of certain unions are transferred and replaced by members of All India Bank Employees Association.

(c) whether one vice president of UP. Bank workers organization has been transferred from Nagpur and the vacancy has been filled by posting a member of All India Bank Employees Association, and

(d) the action Government propose to take in the matter?

MINISTER OF FINANCE (SHRI H.M PATEL) . (a) and (b) The Bank has reported that transfers are made in the normal course and no discriminatory treatment is meted out to members of different unions of workmen Transfers of office-bearers of unions are made in accordance with the provisions of Sastra Award,

January 1976 and the officer's cadre being an All India one, was transferred from Bank's Itwars (Nagpur) Branch to Poona Camp Branch in the normal course

(d) No action is called for by Government.

Assessment year Income/Loans returned

. Loss R: 8,96,511 1974 75 1975-76 . Loss Rs S.m. or6

1976-77 . Loss Rs 2,34,740

1977-78 . Income Rs. 11,89,625

Amount Deposited by National Herald in Benami Names

6928 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of FINANCE be pleased

to state. (a) is Government aware of the fact that the National Herald authorities have deposited about one crore of rupces in

benami names. (b) if yes, what action has been taken by the Government over 11,

(c) as Government aware of the fact that the former Prime Minister desposited

this money in different names with the National Herald,

(d) if so, what action has been taken by the Government against her, (e) what was the declared income by the National Herald in the last four years

and on how much meome it has been assessed, and

(f) give the rea ere of enhancement of mcome?

MOSTER OR COLUMN 13/ TRIE •• . . . ...

been accounted for as meome of the company and are included in the menme returned and assessed. No evidence is

on record that any part thereof has been recoved by the Company from Smt. India Gandhi Investigations as called for, are being made.

. An inspection of the books of account and other records of M/s. Associated Journals Ltd. was undertaken under section 209A of the Companies Act, 1956 during December, 1977 to February, 1978 The inspection report has since been received in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) and is under their consideration,

(e) & (f). Declared/assessed ancome of M/s Axiocasted Journals Ltd., Printers and Publishers of National Herald

Income/Loss assessed

Loss R: 2,37,564

Loss Rs 5,35 887

(Assessment pending)

(Assessment pending)

For the assessment year 1974-75, difference between the loss returned and assessed

237

is mainly on account of recomputation of depreciation/and disallowance of had debts and provision for gratuity etc. For assessment year 1975-76, the difference is mainly due to disallowance of bad debts and provision for bonus.

# सिले-सिलाये वस्त्रों के निर्यात में घोटाला

6929. डा॰ लक्ष्मी भारायया **पाण्डेय** : क्या बाणिक्य सथा नावरिक प्रति और सहकारिता मंत्री यह बताने की क्रपा करेंगे

- (क) तथा सरकारका ध्यान 21 मार्च, 1978 के 'इकानायिक टाइम्स' में प्रकाशित समावार की घोर दिलाया गया है जिसमें बड़े पैमाने पर सिले-सिलाये बस्डों के निर्यात के बारे में घोटाले का सनाचार प्रकाशित हुआ ŧ;
- (ख) यदि हां, तो सिले-सिलाये वस्त्रों के बारे में निर्धारित प्रक्रिया क्या है ;
- (ग) बस्त्र निर्यात संवर्धन परिपद् ने इस बारे में क्या प्रक्रिया अपनाई है ;
- (घ) क्या यह सच है कि केन्द्रीय जांच ब्परो हारा इस भामले में भी आंच की जा रही है : ग्रीर
- (छ) यदि हां, तो इस बारे में पूरे सच्य क्या हैं ?

वाणिक्य सथा भागरिक पूर्ति स्रीर सहसारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग): (क) जी हां;

(ख) भारत के साथ दिपक्षीय वस्त करार, जिनके अन्तर्गत नियति माला-सीमाओं के अध्यक्षीन है, वाले देशों को परिवानों के निर्यात समय-समय पर सरकार हारा रखे गए मार्गदर्शी सिद्धान्तीं के ब्राधार पर कोटा वितरण के रूप में सुती वस्त्र नियात संब-र्धन , परिपद के माध्यम से विनियमित किए जा रहे हैं । 1978 की पहली छमाही के लिए परिपद् को बताए गए मार्गदर्शी सिद्धांतीं में कोटा वर्ष की पहली छमाही में वापिक कोटे के 60 प्रतिशत का आवंटन किया गया श्रीर 40 प्रतिशत दूसरी छमाही के लिए रखा गया है। 60 प्रतिशत कोटे के लिए वितरण नीति निम्नलिखित है :---

(1) 50 प्रतिशत की छंनी कीमत प्राप्तिके लिए आरक्षण।

(2) 50 प्रतिशत पहले घावे पहले पाए आधार पर के लिए जिसका 25 प्रतिभत संपुष्ट क्रयादेशों के एवज में धारक्षण के लिए रखा गया और 25 प्रतिशत वस्त्र समिति निरीक्षण प्रमाणपद्धां द्वारा यथाविधि संपुष्ट निवास हेत सैयार माल के लिए रखा गया।

परिपद को निदेश दिया गया है कि णहां व्यवहायं हो त्युनतम कीमत तंत्र के माध्यम से समीबीन बसूसी सुनिश्चित करने के लिए प्रयस्त किए जाएं । परिपद् ने अपने परिधान पेनल की सिफारिशों के बाबार पर बुते हुए परिधानों के लिए 12 ६० प्रति नग न्यूनसम कीमत निर्धारित की है।

बाद में चंकि कोटे के लिए मांग अधिक भी तथा इस तथ्य को ब्यान में रखते हुए कि कोट बाले देशों को होने वाले नियाती का बड़ा श्रंश दसंत तथा गर्मी के मीसम की आधश्यकता है, सरकार ने तैयार माल के एवज में पहले आए पहले पाये आधार पर चालू छमाही अवधि के दौरान अपनी छमाही अविधि से 20 प्रतिशत वार्षिक कोटा ग्रामे साने का निर्णय किया गया है। इससे स्थिति काफी आरामदेह हो जानी चाहिए।

- (ग) परिपद् द्वारा ग्रपनाई गई किया-विधि मार्गदर्शी सिद्धान्तों से भिन्न है जो निम्नलिखित से स्पष्ट है :---
- (1) कोटा आर्वटन के लिए आवेदनपत एक परिपन्न द्वारा आमंत्रित नहीं किए गए;
- (2) 1-1-1978 # 6-2-1978 सक बाधिक कोटा स्तर के बदले निर्वाध

निर्यात जिन्हें पहली छमाही के लिए सरकार के मार्गेदशीं तिस्तानता के प्रत्तर्गत तैयार माल के लिए रखें गए 25 प्रतिशत के नामे नहीं डाला गया ।

239

- (3) 6-2-1978 का वनाया पदा वीप नारिय काटा सरकार द्वारा रखे गए मार्गरसीं निद्धान्ता ने अनुसार प्रावदित किया गया शिवाय दसके ति पट्ली छ्याही के लिए उपलब्ध 10 प्रतिचत काटा 40 ६० धीर उसने ऊपर मूल्य के परिधाना के लिए यस का शिया गया।
  - (ष) जी नहीं।
  - (इ) प्रश्न नहीं उठता।

Top positions of vested interests in the Institutions of Cooperative Societies

6930 SHRI BALASAHEB VINHE PATIL Will the Minister of COM-MERCE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the vested interest parties are occupying the top positions in the institutions of Cooperative Societies, and
- (b) if 10, how can Government ensure that the institutions of cooperative societies would be politically neutral bodies?

...

nature to the eners that cooperative mustitutions are dominated by vested interests, have come to notice from time to time.

(b) A number of measures have already been mainted with a voer of causing that the dominance of verted interests in co-perature institutions is avoided. On the recommendations of the Conference of Conference and Manuscript of Conference and Manuscript of Conference of

 (a) Money lenders and middlemen etc. should be excluded from becoming members of cooperatives,

- (b) there should be open membership in primary societies,
- (c) seates should be reserved on the Board of Management of cooperatives

could note usuce,

for weaker sections.

- (e) regulation of loans to office bearers of cooperatives.
  - (f) regular elections by an independent authority Several State Governments have already suplemented some or all the afore-mentioned recommendations In addition, a number of Cooperative Societies Acts also provide for reservation of a larger number of scates for weaker sections on the managing committees of certain categories of cooperative institu-tions. In some cases, the reservation extends to not less than one half of the total number of members of the commutee of management. In the case of souches in the tribal arras of Madbya Pradesh, the total number of seats reserved for Scheduled Tribes is as high as two-thirds of the total strength of the committee of management Another recent feature is the amendments to some State Cooperative the amendments to some State Geoperative Societies Act Proxiding for open and automatic membership in certain extension of copyrative societies from the date of application for such admission All these steps have been instruded with a view to removing the perpetuation of the vested internal in cooperative similarities. Recently the Conference of State Ministers of Copyrative Statistics and Copyrative Statistics. Minuters of Cooperation held in December, 1977, adopted ther also the Coopera-tive Policy Resolution which is an important instrument of development of 12 - wanted, a se w

courses as went as outless conjuntors. The Cooperative Policy Recolution has sance been farwarded to the State Governments for instanga precessary action. The Cooperative Law also been as the Cooperative Law and the incursion of cooperative sold to the Cooperative Law as well-d. The State Cooperative Law as well-d. The State Cooperative Law Government on the Earth of Direction on the Earth of Direction of Direction on the Earth of Direction of Cooperative Law as well-dependent of Direction on the Earth of Direction of Cooperative sustaineds depending upon the capity capital contributed by the Government. The State Cooperative Law and Coop

have been advised to ensure that the nomination of Directors is confined to experts in their particular field of activity and officers with the requisite experience and background. This will also ensure to an extent the exclusion of politics from the cooperative societies.

12 Hrs.

241

SHRI SAUGATA ROY (Barrachpore): Mr. Speaker, Sir, under Direction 115, 1 have given a notice to you against the Minister for Steel and Mines, Shri Biju Patnalk, for making an incorrect statement in the House...\*

MR. SPEAKER: Do not record.

#### (Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: How can I safegaurd everybody's interest in this way? Have you exhausted yournelf?....Exhaust yourself first, thereafter I will speak.

Please do not record.

#### (Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: Each and everything will be considered undoubtedly, if you give me the opportunity. If twenty persons speak, what opportunity can be given...

(Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: Do not record.

MR. SPEAKER: You had your say. Now please its me have my say. Please hear me first. ... (Internations) Nothing is recorded. Let us go in an orderly way like a Parlament functioning. Otherwise between the control of t

Shri Saugata Roy says that he has given a notice under Rule 115.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Adjournment motion comes first.

MR. SPEAKER: It is for me to choose whichever I want.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Your Direction No. 2.... MR. SPEAKER: Mr. Bosu, if you intervene, it will not help you. That is all I can say.

So far as notice under Rule 115 is concerned, I have immediately sent it to the Minister for explanation. After I get it, necessary orders will be passed. That is the normal procedure.

So far as certain adjournment motions are concerned, I have disallowed the adjournment motions because the Home Ministry's Demands are coming on the 18th. After all it is coming on Tuesday, To-day is Friday and so you can discuss it during the Ministry's Demands.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Scrampore): It will be too inte...... (interruptions)

MR. SPEAKER: Mr. Bosu, I am on my legs. It is the accepted rule that when the Speaker is on his legs, no member shall speak. You were on both your legs for a long time.....

SHRI JYOTIRMOY BOSU: And also the lungs.

MR. SPEAKER: So I have disallowed all the adjournment motions. That can be discussed during the Home Ministry's

(Interrubtions) \*\*

MR. SPEAKER: Do not record.

Demand.

So far as the CIA matter is concerned, the External Affairs Ministry's demands are coming on the 17th. . . .

SHRI VASANT SATHE (Akola): We want to know something urgently.

MR. SPEAKER: Then I will sit down.

I have disallowed the adjournment motion on GIA.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I want to make a submission.

MR. SPEAKER: After I finish.

{Interruptions}\*\*

MR. SPEAKER: Do not record.

(Interruptions)\*\*

one minute

In your wisdom you have said since Home Minutry's grants are coming and are going to be debuted, therefore, Pantnagar University matter cannot be talen

What is the meaning of adjournment

MR. SPEAKER Your one runute is

SHRI JYOTIRMOY BOSU: The effect of the pluronium planted in the Himalayas by the GLA

MR SPEAKER: One minute is over, rather much more than that.

(Interrubtions)

धी भारत भूवन • (नैनीनान) प्रधान महोदय, मैं निवेदन किमा चाहता हू कि इस मामने पर डिस्कयन होता बहुत माददाद है। यहापर स्थिति यह है कि लेवर खेतों में फैला हुआ है, पुलिम खडी है, वहा पर कोई कानून और व्यवस्था नहीं है, अ.पम में इननी हत्याचे होगी नि खन की नदिया वहेंगी इमनिये मरकार को इस धोर तुरन्त ध्यान देना चाहिये। वहा पर बहुत दिवट परि-स्थिति है जिसको गम्मीरता से लिया जाये ।

SHRI C M STEPHEN (Idukti)-The point is that you have a decision for the adjournment motion and everything I am not challenging at all

One aspect we have to remember One aspect we have to reactioner. This has come up in a very hig way in the press. Now the people must feel that the Parliament took a note of it. One way is afteast notice under 37t. If it was there, some Members may be prepared to rane it so that Minister may give a reply, so that the country may know that Parliament is not oblivious of this Some-thing possibly may have to be given like

(Interruption) \*\*

Written Answers MR. SPEAKER I am on my legs now Do not record.

(Interrubt oru) \*\*

MR. SPLAKER, I know what to admit and what not to admit. I am not to be discusted in these matters

So far as CIA matter is concerned, according to the Press Report, if it is correct, it was as far back as toll. Himalayas are not going to be ruined in one day The matter,...

(Interruptorus) \*\*

MR. SPEAKER. Do not record anything

(Interruptions) \*\*

MR SPEAKER. Mr Ugra Sen, why is this halls gulla' in this way?

(Interruptions)\*\*

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar). Sir, I want to rue on a point of order.

MIR. SPEAKER: What is the rule? CUPT PAN 18 415 -

MR. SPEAKER: You must tell me the rule

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Rule 376, Sir Rule 376 rends as follows .-

"A point of order shall relate to the interpretation or enforcement of these rules or such Articles of the Constitution as regulate the business of the House ."

MR. SPEAKER. Everybody knows it.

SHRI KANWAR LAL GUPTA. Then at 53ys ....

.... and shall raise a question which is within the cognizance of the Speaker."

MR. SPEAKER: Which is the rule? SHRI KANWAR LAL GUPTA me formulate my Point of Order.

MR, SPEAKER Tell me what the breach of the rule as

SHRI KANWAR LAL GUPTA: You made an observation regarding the CIA. MR. SPEAKER: Which is the rule that is breached or the law that is breached?

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Rule 377. You please read it. It says:—

"A member who wishes to bring to the notice of the House any matter which is not a point of order shall give notice to the Secretary in writing stating briefly the point which he wishes to raise in the House...

MR. SPEAKER: With the permission of the Chair,

SHRI KANWAR LAL GUPTA: You don't allow me to read even. These are specific rules. It says:—

"A member who wither to bring to the notice of the Hous any matter which is not a point of order shall give notice to the Severary in writing stating briefly the point which he wither to raise in the House together with reasons for withing to raise it, and he shall be permitted to raise it only after the Speaker has given his content and at such time and date as the Speaker may fer."

I request your permission, Sir.

MR. SPEAKER: I have not granted you permission.

SHRIKANWAR LAL GUPTA: It is a matter which is serious. You may please ask the Minister to make a statement. This is the concern of the whole nation. The Minister might agree to that.

MR. SPEAKER: I am on my legs.

SHRI SAMAR GUHA (Contai): I would like to draw your attention in just one minute...

SHRIKANWAR LAL CUFTA: On Rule 376 or Rule 376 or Rule 375, what her your observations, Sir ? This is a serious matter concerning the whole nation. The CIA is working here in India. You said that the Hinutalyass will not fall. You may please sale what is the explanation of the Government. Sir, the Ministee on his own should intervene and try to resolve the issue. 7, 3, 3,

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BHARI VAJFAYEE): Mr. Speaker, Sir, I entirely agree with the hon. members that the matter is serious. Immediately after we saw press reports and received

some information from our embasy in Washington, we summoned the Ambassador of the United States of America to the Foreign Office and we expressed our grave concern on the reported planting of some nuclear device by the CIA in the Hunalsyan region as far back as 1965...

SHRI JYOTIRMOY BOSU : and 1968

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE :
, and the Ambassader has promised us to contact Washington and give us full information. We are also trying to collect information from our side. It would request the hop. Members to write for a day or two, because, whatever is in my possession.

I can take the House into confidence about it, but we will have to wait for this information. It is not a matter between the Treasury Benches and the Opposition.

SHRI SAUGATA ROY: Sir, the Minister agrees that this is sufficiently an important matter.

MR. SPEAKER: I have always thought that it is a very important matter...

Don't record.

#### (Interruptions)\*\*

SHRI ATAL BEHARI VAJPAYE: A May I complete, Sir, that the subject matter is important but it is not a subject for an adjournment motion and that is why the Speaker was rejuctant to give his permission. (intermption) Sir, I am in your hands. I am prepared to make a statement in the afternoon. But, it will be much better if I am akked to do that on Monday. (Intersplies).

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur) : We should have a discussion to-day itself.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : Sir, Rule 197 says:

> "A Member may, with the previous permission of the Speaker, call the attention of a Minister on any matter of public importance...".

Therefore, I would request you to be good enough to admit the Calling Attention Motion. This is my point of

MR. SPEAKER: This is not a point of order. The Minister himself has promised to make a statement on it 'after getting the information. That is the reason why I did not allow this. The

papers themsel es have reported that The M nater has called for the Informa

SHRIMATI PARVATHI KRISH NAN

anextremely important master fore we are plead no

on thu

would I ke to express their op mon That will be an appropriate opportunity to have a debate When the debate comes at must be on the bas s of the mater als a ail able

AN HON MEMBER It c have materials

MR SPEAKER You may have materials. But he must have mater als Therefore no further dueuss on on the matter

SHRI VASANT SATHE Ser you have dluted the whole thing now (Interruptions) The External Affairs Muster sad that he will be making a

ready Now both are agreed Why are you com ng n the way ?

MR SPEAKER Iwil cons der that All that has been said will be cons dered And nothing more than that I will cons der I v ll cons der whether Ishould allow this or not.

VEYKARASUBBI<1AH (Nandyal) Please do not take the very l ghtl;

MR SPEAKER Who said at? Don trecord No more recording

## (Interruptions)\*\*

SHRIMATI PARVATHI KRISH NAN (Cosmbatore) You should not penalise me because I do not have the

MR. SPEAKER According underesta mated your power madam

There-

MR SPEAKER We are all agreed

श्रीनाय मिह (दीमा) (व्यवधान)

ग्रध्यक्ष महोदय मेरा प्वाइट ग्राफ ग्राडर है। मेरा व्याइट ग्राफ ग्राडर एल ३७६ ग्रीर रूप 41 व 42 के घातगत हैं ! (ध्यवधान) मैन राप्टीय ध्यज के अपमान कसम्बद्ध में ए व प्रश्न दिया था। (ध्यवधान) मैंने रूल

41की सभी शर्ते पूरी की था। (ध्यवधान)। MR SPEAKER There is no breach of rule and as much there is no point of order. You have given a question. It will be considered. It is not a breach of ruje Please s t down now Do not record

### (Interruptions) . .

SHRI SAMAR GUHA Mr Speaker Sur there is great urgency in this matter of pluton um reactor. I am a student of science Now whether this plutonium reactor has broken and contaminated the water or not -can be detected I would request the hon ble Master to ask Dr Sethna of the Atom c Energy Commiss on to come It will take only five minutes to detect whether Ganga water has been contaminated or not (Interruptions)

MR SPEAKER Please give this information to the Minister

### (Interruptions) \*\*

#### MR SPEAKER Don t record.

MIR SPEAKER I have not allowed you Minister You can mention this to the

SHRI SAMAR GUHA You can allow me one minute Otherwise I am not going to sit

No

MR SPEAKER

(Interrubtions) \*\*

MR. SPEAKER: Kindly hear me for a minute. I cannot have one rule for one member and another rule for others. I have not allowed this. You may have a vaulable information. I know you are a learned person in Physics. What-ever information you have got, I am quite sure you will give it to the Minister and he will examine the matter. Why I am not able to do it is not because I have no respect for you. I have a great respect for you and I have a great respect for all the Members. But there is one thing that is the Speaker should not have one rule for one person and another rule for others. Mr. Guha, you must give a lead to the House. You are a senior Member and senior Members like you must assist me in disposing of the matter. Without your assistance I cannot dispose of the matter. If you say "I will do satyagraha in the House" then how is it possible to conduct the business of the it yearshe to contain the business of the House. There are 540 Members and if each one of them asks for the minute, it will become very difficult Mr. Guha, you are not hearing me at all. You are

SHRISAMAR GUHA: Kindly hear me for one minute. I agree with the ruling of the Speaker. Kindly give me one minute.

so excited.

MR. SPEAKER : If I hear you, I must hear everybody for one minute.

SHRISAMAR GUHA: After hearing me, you decide whether my request is relevant or not.

### (Interruptions)\*\*

MR. SPEAKER: Don't record anything. We shall discuss the matter in the Chamber. If I allow you I must allow everybody; if I do that I will not be able to maintain order. If you insist on it every other Member will also insist on it.

#### (Internablions)\*€

MR. SPEAKER : No, no, nothing will go on record.

 SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Not pressure, but request.

SHRI BIJU PATNAIK: —request samounting to pressure. He has agreed to make the statement. He has to make that statement on Monday and if Mr. Samar Guba wants to add some point which will help him in making a proper statement, there is no reason why he should not be allowed ....(Intempliera).

MR. SPEAKER! I have got great respect for Mr. Gulia and also other Members. If he says he could make a useful coantibilition, every Member easy useful coantibilition, which was the said of the in making such of countribution and of the in making such of countribution and the interest of contribution and the said of countribution and the contribution and the contribution are seen in the contribution and the contribution of the countribution of the contribution of the countribution of the

AN HON. MEMBER: We appreciate

Mr. SPEAKER: Sometimes you appreciate; sometimes you depreciate it does not matter; I stand on my principles. I have implored Mr. Guha to assist me.

SHRI SAMAR GUHA: Is it not a fact that you called my name?

MR. SPEAKER: I thought you were raising a point of order.

SHRI SAMAR GUHA: I did not want to raise any issue in a circuitous way...

MR. SPEAKER: It is your duty as much as anybody else to assist the Chair. The Minister has taken note; kindly sit down..... (Interruptions)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:
Prof. Guha has already made his point;
it is a very important point and he had
made a very constructive suggestion.

SHRIG. M. STEPHEN: It has not been recorded.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : R has been recorded...(Interruptions)

SHRIC M STEPHEN I am menny on a point of order. As per the records of (Isternations)\*\*

MR SPEALER Don't record (Enterraptions)

MR SPEAKER ; That is no point of order You must point out the rule or law that is breached.

SHRI HARL VISHVU KAMATH

nere- n) make a personal charge against a su-more During the tumult against a former busing the shoung that was going on (Intersphens) I heard a Member on the opposite sid—I do not know who—sall a (Intersphens) If it has gone on record, it should be expunged

MR SPEAKER If it is there . I shall expunge it and any other direct

MR. SPIAKER I am not allowuse any more unless there is a point of [Internation:] #4

SHRIAL ROY (Dhanbad) Qα a Point of information.

AIR SPEAKER No point of information

SHRI A L ROY I had sought your p thus on to m atton a senous matter

MR SPLAKER I have not given you printing Mr Patel

II 41 hrs

STATEMENT R. GOVERNMENTS DECISION TO PAY THE SIXTH INSTALMENT OF DEARNESS ALLOWANCE TO GOVERNMENT EMPLOYLES IN CASH

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H W PATEL) Mr Speaker, Ser. Hor ble Membres will recollect that

I had made a statement in the House on the 27th February, 1978 announcing that Government has decided to sanction an additional (3th 1 sustalment of dearness allowance to Central Government em-ployees with effect from 1-1-1978 I had suether stated that while agreeing to sanan keeping with the practice so far follow-ed, the form and manner in which the imitalment about the paid is a matter which Government proposes to discuss with the Staff Side of the National Council o the ICM

[Government has had discussions with the Staff Sale and had suggested that the Amoust of D A to be released should be lovested by the 5 aft bide wholly or partly 12 National Development Bonds Govemment wreed that while conceding the

and proceedings in Nausnal Development Bonds would also be a prudent saving for Coverament employees

I segret that our efforts to persuade the employers to sovert the D A release wholly or partly in National Develop-Development Bands have not borne fruit representators of the Staff Side indicated that they would consider investment of a portion of the D A in National Desclopment Bonds provided Covernment was agreeable to some major changes in the formula stallanduding increase in the percentage of the neutralization by half a per cent and therest of pay and DA upto 221 points at least for the purpose of calculating granuty and retirement bracis: Government have indicated to the Staff Side that it would not be possible to link up these border usues The catter question of wages and sacomes is under Government : consideration Government would lave to take a view on the whole question of D A formular operated an the country and sheeefore at this stage at would be undesirable to make any of her thanger Nevertheless Government will continue to discuss these other matters with the Staff

In these circumstances Comminent has decided that the additional (6th) install ment of dearness allowance should be

<sup>..</sup> Vot recorded

<sup>@</sup>Expunged as ordered by the Chart

### 12 45 hts.

### PAPERS LAID ON THE TABLE

SOLVENT-EXTRACTED OIL, DZ-OHED M24L AND EDIBLE FLOUR (CONTROL) (SECOND AMENUMENT) ORDER, 1978

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL); I beg to lay on the Table:

(1) A copy of the Solvent-Evtracted Oil, De-Oiled Meal and Edible Flour (Control) (Second Amendment) Order, 1978 (Hind) and English versions) published in Nilfication No. G.S.R. 209(E) in a Gazette of India dated the 31st March, 1973, under sub-section (6) estein 3 of the Breatful Commodities Act, 1935. [Placed in Library, See No. Lix—2096]

(2) A copy of Notification No. G.S.R. 193(E) (Hindi and English vernions) prolithed in Grazette of India dated the 28th March, 1978, tsued under clause (2) of the Solvent-Clause (2) of the Solvent-Flour (Opinio) Order, 1959. [Placed in Library. Su No. LT—2091/S.c.]

SHRI VINODBHAI B. SHETH: (Jurangar): The policy of the Government in regard to export of de-oiled cakes is strange. When there is a surplus of 10, lakh connes of de-oiled cakes and there is a potential surplus...

MR. SPEAKER: You cannot make a sociath. What is your objection to laying it on the Table?

SHRI VINODBHAI B. SHETH: You should reconsider the entire policy in this regard.

Natifications under Gustoms Act, under Gastral Exose Rules and Amendment to Reserve Bank of India Employers' Provident Fund Regulations.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIQUARULLAH): I beg to lay on the Table:—

- (1) A copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under section 159 of the Castoms Act, 1952:—
  (i) G.S.R. 213 (E) published in Gazette
  - of India dated the 31st March, 1978 Ogether with an explanatory memorandum.

    (ii) G. S. R. 214(E) and 215(E) published
- (ii) G. S. K. 214(f.) and 215(5) published in Gazette of India dated the 31st Virch, 1978 together with an explantory memorandum.

tric Plant (St.)

(iii) G. S. R. 218 (E) and 219(E) published in Gazette of India dated the 1st April, 1978 together with an explana-

tory memorandum.

(iv) G. S. R. 221(E) and 222(E) published in Gezatte of India dated the Ist April, 1978, together with an expla-

natory memorandum.
[Places in Library. See No. LT-2092/78.]

(2) A copy each of the following Notifications ( Hindi and English versions) issued under the Central Excise Rules, 1944:--

- G. S. R. 202(E) published in Gazette of India dated the 30th March, 1978 togethes with an explanatory memorandum.
- (ii) G. S. R. 210(E) published in Gazette of India dated the 31st March, 1978 together with an explanatory memorandum.

[Placed in Library. See No. LT--2093/78.]

(3) A copy of amendment ( Hindi and English versions) adding new regulation 36 to the Reserve Bank of India Employees, Provident Fund Regulations, under subsection (4) of section 58 of the Reserve Bank of India Act, 1934. [Placed in Library Ser No. LT—2041/8.]

#### 12.49 hrs

STATEMENT M. AGREEMENT BETWEEN INDIA AND PAKISTAN RECARDING DESIGN OF SALAL HYDRO-BLECTRIC PLANT ON RIVER CHANAB MAIN.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SIRI) ATAL BHIARI VAJPAYEE): The House will recall that the Indow Water Treaty 1950 provided for exclusive use of the three castern rivers (Sudig, Ravi and Bea), the will be the waters of the three custern rivers (Denne). Jedum and Indus), Exclusive use meant that except for some rivers (Denne), Jedum and Indus), Exclusive use meant that except for some limited area for domestic and agricultural purposes, the waters of the Western rivers (Denne), and the water of the Western rivers (Denne) and the proposes such as the generation of hydro-electric power. However, under the Treaty, Passistan, as a lower water of the proposes of the property of th

# [Shri Atal Bihari Vajpayee]

riparian, was entitled to study design and raue objections on the ground that the design, did not, in their opinion, conform to the criteria laid dawn in the Treaty Tac Salai Hydro-electric Project on the Chrab in the State of Jammu and Kashmir was planned by the Central Water and Power Commission which, when completed, will generate significant increase in the availability of power for the State of Jammu and Lathmir and other States of the Northern

that the design was not in accordance

As a consequence, discussions had been going in the Permanent India Commis sion since 1974 and were continued at the Foreign Secretary's level since 1975

Then 4

VILL E 461312m to registre bilateral negotitations to resolve this problem Pakutan agreed to the suggerheld at the Foreign Secretaries level in October 1976 at New Delhi and Islamabad These negotiations succeeded in garrowing the differences and a broad understanding was reached on the points at issue pertaining to the design However, no agreement could be finalised

When I went to Islamabad in Pebru ary this year the Pakistan Government indicated their willingness to resume the negotiations on the Salal plant I am glad to report to the House that as a result of the present discussions at has been possible to reach and sign an agreement on the design of the Salat Die

uni one year of the date of hest filling of the reservoir up to the full pondage level or within three years of the date of the first filling of the reservoir up to the creat of the spillway, whichever is earlier Adequate provision has been made to meet any unforescen emergency if the safety of the plant might be endangered In custotial respects, the speci-heations of the design are the same as were informally agreed in Islamabad in October,

tre Plant (St)

Thus, an important and a most difficult problem which has been bedevilling relations between the two countries has been resolved to the satisfaction of the both the countries

The discussions were held in an atmosphere of understanding and cordiality which reflected a desire to foster friendly and good seighbourly relations on the basis of sovereign equality and mutual benefit in order to usher in an era of cooperation and confidence between the two countries

The Agreement once again demonstrates that the Janata Government respects inherited obligations and seeks to build with greater vigour cooperative relations with our immediate neighbours hope this Agreement will be a significant step to consolidate and to reinforce these policies and to make our subcontinent an area of stability and thus enable the nations of the region to optimize their natural resources and spur their development and promote the well being of the peoples in the countries of the region

Sur, I beg the leave of the Floure to lay on the Table a copy of the Agreement between India and Pakistan regarding the design of the Salal Hydro-electric Plant on the river Chenab Main

#### Text of Agreement

The Government of the Republic of India and the Government of the Islamic Repbulic of Pakman,

Being destrous of promoting and stren gthening friendly relations between them on the basis of sovereignty, equality and mutual benefit.

Taking into consideration the provisions of the Indus Water Treaty, 1950, to which both the Governments are parties.

anı ele

Without prejudice to the provisions of the Indus Waters Treaty, 1960 (heremafter referred to as the Treaty) or to the rights and obligations of the parties thereunder.

#### Have agreed as follows:

#### ARTICLE 1

The salient features of the Salal Hydro-electric Plant shall conform to the following :

- (t) Location At Salal. Longitude: 74" 50' East Latitude: 33" 08' North Not higher than EL 1600 feet
- (ii) Full Pondage Level
- (iii) Dead Storage Level Same as the Full Pondage Level
- (iv) Operating Pool Nil
- . Not exceeding 230,303 acre feet (v) Dead Storage Capacity .
- (vi) Immovable Crest Level of the Spillway . Not more than 30 feet below the Full Pon-
- dage Level (vii) Spillway Gates 12 numbers, 50 feet wide and 30 feet high.
- The design shall provide for water to spill over the top of the spillway gates if the gates are not opened in time.
- (viii) Level of Power Intakes . The controline of the penstocks at the intake to be not lower than 27.5 feet below the Full Pondage Level.
  - ('x) Outlet Works Six numbers with eill level not below EL. 1965 feet. These shall be permanently closed with concrete plugs within one year of the date of the first filling of the reservoir upto the Pull Pondage Level or within three years of the date of the first filling of the reservoir upto the erest of the spiliway, whichever is earlier.
    - The Dead Sotorage shall not be depleted except in an unforeseen emergency endangering the safety of the earth or the give immediate information to the Government of Pakistan of the nature of the emergency and may simultaneously under-take such action as may be necessary.
    - In case the removal of concrete plugs libe-comes necessary , India shall hold tra-mediate consultation with the represen atives of the Pakistan Government including site inspection of the Plant. ARTICLE 4

Matters not expressly provided for in

this Agreement shall be governed by the pro-

### ARTICLE 2

any further India shall not make alterations in the features of the design of the Plant specified in Article 1 above except by mutual agreement.

#### ARTICLE 2

Any question which arises between the Parties concerning the interpretaions or application of this Agreement or the exist-ence of any act which, if established, might constitute a breach of this Agreement shall be dealt with under the provisions of Article IX of the Treaty.

visions of the Treaty.

ARTIGLE 5 The terms used in this Agreement shall have the same meanings as in the Treaty.

#### ARTICLE 6

This Agreement shall come into force upon signature.

433-L S-9

of Salal Hydro-electric Plant (St)

259

Urdu and English languages at New Delhi, on Done in duplicate in the Hindi, this Fourteenth day of April, 1978 All the text in case of doubt, the English text shall prevail All the texts will be equally authentic, however

Sd/ (A B VAJPAYEE) Munister of External Affairs, for The Government of the Republic of India

MR SPEAKER Mr Minister, you should have given a copy of the Statement to me This is imperative

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE I am sorry I apologue

MR. SPEAKER You see that such things do not happen in future

SHR! ATAL BIHARI VAIPAYEE Certainly

DR KARAN SINGH (Udhampur) Sir. may I seek one clarification? Salal happens to be a project of national importance. It also happens to be in my parl amentary constituency. The hon Foreign Minister has not clarif ed what the implications of this are going to be with regard to the quantum of electricity that is to be generated the cost of the project and the time schedule of its completion He has only said that it has been agreed that it will be 30 feet. What does that mean in actual terms for the project? The hon Minister should clearly spell that out before the House Otherwise we are not aware at all as to what the implications of the Agreement for the project are Already work has been going on for the last nine years on this project. What will be the effect of and how much electricity will be reduced as a result of this Agree m nt? Will the cost he extended o not? Will he clarify?

# SHRI ATAL BIHARI VAJPAYED

Sir I have laid the copy of the Agreement on the Table Let the hon Member study the Agreement and if there are any issues which are to be settled within the country

Sd/-(AGHA SHAHI)

All user on Foreign Affairs, for the Government of the Islamic Republic of Pakutan

and with which Pakistan has nothing to do, they need not be raised at this point of ume

DR KARAN SINGII That is not the point. The point is whether, as a result of the Agreement, the amount of electricity has come down This is a national problem and we must know what the implications are

(Interruptions)

SHRI KANWARLAL GUPTA (Delhi-Sadar) Sir, are you allowing a discussion on this?

MR. SPEAKER We can have an opportunity to discuss it at a later stage

SHRI MOHD SHAFI OURESHY (Anantnag) Sir I am not asking a ques tion I am only conveying the congratula tions of the people of Jammu and Lashmir

MR SPEAKER That is allowed under rule

PAPERS LAID ON THE TABLE-

DETAILED DEMANDS FOR GRANTS OF MINISTRY OF HOME AFFAIRS FOR 1978 79

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) I beg to lay on the Table a copy of the Detailed Demands for Grants (Handi and English versions) of the Ministry of Home Affairs for 1978-79 [Placed in Library See No LT 2094A/781

12:55 hrs

COMMITTEE ON PAPERS LAID

#### MINUTES

SHRIKANWAR LAL GUPTA (Delhi-Sadar): I beg to lay on the Table Minutes of the Sittings of the Committee on Papers Laid on the Table, held on gust December, 1976, 1st September and 5th October, 1977 and 28th March, 1978.

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad): I am on a point of order, under rule 305B(1).

MR. SPEAKER: On the statement, no questions are allowed, Are you referring to the rule which says that on a statement made by the Minister, no question...

SHRI HARI VISHNU KANATH: I am aware that Rule agod refer only to paper laid on the Table, and not to the Minuter of the Stitings of the Committee on Papers Laid on the Table. My hondriend and colleague, Mr. Gupta has the did the Minutes of the Stitings of that Committee—on the gast December, 1976.

MR. SPEAKER: You are merely thanking him.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: It is an appreciation. It is not deprecatory. The gast December, 1976 pertains of course to the Emergency period of the discredited regime, of the unbonoused, unwept and usuang regime.

Now I come to the point. What hes been done is that the Minnes of the Sittings of that Committee have been laid. That falls within the ambit of rule 9058(3). The other point is that under rule 305R, matters coming width the ambit of rule 905R; sub-rule (2). Apparently, there is a lacuna in the rule which the Rules Committee should consider. There is no rule providing for the laying of the Minutes of the Sittings of the Committee.

MR. SPEAKER: Office will note it down.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: There is also a slight mistake in the wording of rule 305B(1).

MR. SPEAKER: Give the suggestion in writing. That will be helpful.

SHRI HARI VISHNU KAMATH.
It is a minor thing. It is said here:
"whether there has been compliance
of the provisions", "compliance with"
should be there. As a former Judge of
the Supreme Court, you will agree
that it has to be changed to "compliance with".

Laid-Report

12°56 hrs.

#### ASSENT TO BILLS

SECRETARY: Sir, I lay on the Table copies, duly authenticated by the copies, duly authenticated by the copies of Parliament during the current castion and assented to since a report was last made to the House on the 3rd April, 1978.

- s. The Merchant Shipping (Amendment) Bill, 1978.
- The Child Marriage Restraint (Amendment) Bill, 1978.
- The Hindustan Tractors Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Bill, 1978.
- 4. The Interest Bill, 1978.
- 5. The Children (Amendment) Bill, 1978.

### PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

#### SEVENTIETH REPORT

SHRI C. M. STEPHEN (Idulki): I beg to present the Seventieft Report of the Public Accounts Committee on paracyph 8 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1973-75, Union Government (Brailways) relating to Marketing and Sales Organisation.

#### COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

THIRD REPORT

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi, Sadar): I beg to present the Third Report of the Committee on Papers Laid on the Table.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

#### THIRD REPORT

SHRI JAOTIRMOA BOSU (Dea mond Harbour) I beg to present the Third Report of the Committee on Public Undertakings on Jute Corporation of India Limited-Jute and Exploitation of Jute Growers

### MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED CONTINUED CLOSURE OF SOME TUTE MILLS IN WEST BENCAL

SHRI SAUGATA ROY (Barrack pore) Sir under rule 377 I wish to raise the following

The Vamau Jute Mill and the Kumusan Jute Mill in Hajinagar and Titagarh respectively continue to be closed for over six months. The mills employ, together over 10 000 people. The mills which were closed on the plea of labour unrest are now pleading financial ina bility and financial atringency surprising thing is that no significant steps have been taken by the State and Central Governments to re-open the mills even though aix months have passed The Narkarpara Jute Mill in Howrah which is under lock-out from September last is on the verge of closure now That is why I beg to draw the attention of the House and through the this matter for immed ate re opening of and takeover of these mills

(II) REPORTED VIOLATION OF SHILLONG AGREEMENT BY INDIAN SECURITY FORCE

SHRI JYOTIRMO\ BOSU (Dia mond Harbour) Sir, under rule 377 I with to raise the following

#### 14 hrs

In blatant violation of the Shillong agreement Ind an Security Forces statesned at Melori in Phek District has by the Indian Security Forces stationed at Melors in Phek district The date of occnitrence was 18-3 78

The 18 members of the group who have been put made Kohima jail is led by Posezo D Soho and the youp include one member from each Viga tribe viz Zehangrong Shepumaramt Chakhesaog Angami The persons avolved were moving within the limit of seare keeping measures which was quiti within their rights according to unde standing and their arrest and imprisonment by the Indian Security Forces is unlawful and illeral Tas sort of act n will bring setback on the relation th t exists now I would request the hon I ome Minister to make a statement on the same before this House either on Minday, or on Tuesday at the latest

(III) REPORTED INADEQUITE REPRESEN TATION OF THE PROPLE BELONGING TO SOCIALLY AND EDUCATIONALLY BACKWARD CLASSES IN SERVICES

SHRIB P MINDAL (Madhepura) Sir # large number of socially and edu cattorally backward class of people are most madequately represented in the Central and State Government services but despite go years of independ ence the State has failed to take sny step to give them representation in the various services although article 16(4) of the Constitution clearly lays down provision for giving them "presentation

(av) DECLARATION OF 14TH OF APRIL, THE BIRTHDAY OF LATE I & AMBEDRAR, A NATIONAL HOLDAY

श्री रामजी लाल सुमन (कीराजाबाद) ग्रस्यक्ष महादय मैं नियम 77 के ग्राधीन बाबा साहब डा० झम्बेदनर के जन्म दिवस का राष्ट्रीय धारताश घाषित किये जाने के

orcurred when he was taken into custody

सम्बन्ध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

265

MR. SPEAKER: Please rend the statement.

श्री रामजी लाल समन : में उसी हिसाब से वोल रहा हं, हमारी मंशा वही होनी इसलिये उसी भाषा में पढना ग्रावश्यक नहीं है।

ब्रध्यक्ष महोदय, प्राज सेन्ट्रल हाल में श्रीर उसके बाहर लोगों ने "इम्कलाव जिन्दात्राद" के नारे लगा कर उस महान व्यक्ति के प्रति प्रानी श्रद्धांजिन व्यक्ति की है क्षीत हम सदम के प्रति ग्रपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। बाबा साहेव हिन्दुस्तान के करोडों शोषित लोगों के प्राण ये। इस देश का संविधाः यना कर उन्होंने जो काम किया, वह द्विन्दः तान के इतिहास में अभूत-पूर्वथा। बाबा प्राहेव के जन्म दिवस का महत्त्व इसलिये । है कि इस देश में जो संवि-धान बना धीर एस संविधान में जिन मान्य-ताओं की व्यवस्थ की गई, हिन्दुस्तान में पिछले दिनों श्रापातकार के चलते और उसके पूर्व भी उन समस्त । नस्ताओं की बदलने का काम किया गया, जिनकी किसी भी लांक-तांतिक देश में बदत आवश्यकता थी।

ग्राज वावा ताहेव के चन्म दिवस पर में श्रापसे दरख़्वास्त करता हुं ग्रीर सम्भवतः शाप भी मेरी इन भावनात्रों से सहमत होंगे कि बाज जो वातावरण इस देश में हरिजनीं के प्रति बना हुआ है, उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय श्रवकाश घोषित किये जाने से उस काम को तथा घातावरण को साफ करने में बहुत वल मिलेगा तथा इससे उस महान ग्रात्मा के प्रति सम्मान ग्रादर प्रकट होगा।

मैं समझता हं कि श्राप मेरी भाषनाओं को निश्चित रूप से सम्बद्ध मंत्री जी तक पहुंचा देंगे।

(v) PLACING OF INTERIM REPORT OF SHAH COMMISSION OF INQUIRY BEFORE PARTTAMENT

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Heshangabad): Mr. Speaker, by your leave, I proceed to make the following statement on the Interim Report submitted by the Shah Commission of Inquiry.

The Shah Commission of Inquiry is reported to have submitted an interim report over two months ago. In view of the fact that the Commission's terms of reference are of great public interest and of considerable importance for the future of democracy in India, it is imperative that the interim report, together with the memorandum regarding the action taken, or proposed to be taken thereon by Government, should be laid on the Table of the House without further delay. I hope and trust that Government is fully alive to the need of the hour-

May I ask whether these statements made under rule 377 are conveyed to the Ministries?

MIR. SPEAKER: Beforehand. are conveyed immediately and they are expected to, if they choose, to make a statement on that either today or any other subsequent day.

AN HON. MEMBER: They don't do it.

MR. SPEAKER: I cannot compel them.

13 05 hrs

DEMANDS FOR GRANTS 1978 79 \_contd

MINISTRY OF LABOUR-contd

MR SPEAKER The House will now take up further doors on and Voting on the Demands for Grants under the control of the Mustry of Labour

Shri Ram Das Singh may continue,

यो राम दास सिंह (गिरिडोह) ग्रद्धात महोदय, सबसे पहल मैं ग्रापके माध्यम मे धम मत्रो जी की ध यवाद देता ह जिन्हाने मासूका भारतीय मुरक्षा या मान्तरिक सुरक्षा प्रधिनियमो के चन्त्रगत जो प्रतिबन्ध मजदूरा या मजदूर मगठनी पर बापातकाल में नगाए गए ये जनको खत्म कर दिया श्रीर उन तमाम लोगा का जा की पब्लिक सेक्टर या प्राहरेट सेक्टर म उस समय जेल में बन्द ये, छाड दिया स्रोर इतन सौरदूसरे तमाम लामा व साथ उनको काम पर से लिया।

13 06 hrs

[NER DEPUTY SPEAKER IN the Chair]

यह वाम हमेशा के लिए जब तक यह लोक सत्र रहेगा, इतिहास में विरस्मरणीय रहेगा भोर इस कारण में अपनी वाता का बहने से पहले मानवीय थम मदी जी का वधाई देना चाहना है।

इससे सम्बन्धित और भी बातें मैं उनकी याद दिलाना जाहता ह छोर इस विपद मे समय-समय पर मेरी जनसे वातें हुई हैं। प्रापातकाल के दौरान खास कर हरिजन श्रीर श्रादिवासी वक्स जो बेगन लोडिय का नाम करते थे भीर वागरीज के भादर सलरी पोडस जो हाते ये जनस्वास करते ये, उनको माज तक काम पर नही लिया गया है। नेवल सो० सो० एत० और बी० सी० सी० एल० के अन्तर्गत कोल इण्डिया में 19000 ऐसे लाग थे जो ब्रापातकाल के दौरान हटाए गए ये और उनको हटाने का कारण यह बताया गया था कि हम ठेकेदारी

प्रवा को समाप्त करेंगे। ठेकेदारी प्रया को समाप्त करने वे नाम पर वहा पर वाम करने वाने लागा का हटाया गया श्रीर श्रभी तक काम पर नहीं लिया गया है। ठैकेदारा द्वारा वैगन भीर इका से वहा पर माल ट्रान्स-पोर्ट होता या और वे लाग उस वाम में लगे हुए थे। बाई० एन० टी० यू० सी० और ए० माई० टी० य० सी० से वम्पनी ने एप्रीमैंट क्या क्यांकि हमारी जा युनियन थी, उस समय उस पर प्रतिब घ लगा हथा था, श्रीर उन लागा का सिविल सेवशन में डाल दिया गया । उन लागा को काई काम नहीं मिना है मौर वे भाज तक बेकार पड़े हुए हैं और हमारा जो मगठन है. उसने पास रिपोर्ट ग्राई है भौरवी०मी० सी० एत० ग्रीरसी० मी०एत० में 19 000 लागो के बारे में खबर था चुकी है और उस तरफ मैं मती महोदय का ध्यान खीषना चाहता हु। मैं यह बताना चाहता ह वि हमने 500 मजदूरा के बारे म जाच की है कि जो कालनाइम्ल प्रोवीडेंट फड है. जिसका माफिस धनवाद मे है. ये उसके मदस्य रह चुने हैं श्रीर उसमें पान श्रीर दस वर्षो तक उनका पैक्षाफड के नाम पर कटा हुआ है भीर आज भी जमा है। वे पुरानें लाग है, गरीव सैन्यन के लोग है और वहा क स्वानीय लाग है उनका श्राज तक काम पर नही लिया गया है सौर वे बैकार पड़े हुए हैं। इसलिए मैं मती महादय से प्रार्थना बरना बाहता है कि वे उन लागों की तरफ घ्यान हैं। जो बेस-टू-ड सोग थे, जा समर्थ थे भौर जो जेता म प्रत्यक्ष रूप से ये, उनका तो नाम पर ल लिया गया हैं लेकिन वे लोग जो भावाज नही उठा सकते हैं भीर नौकरी में बहुत दिनी से ये वे झाज बेनारही गयह । उनकी तरफ मली महोदय को ध्यान देना चाहिए।

दूसरी बात में यह वहना चाहता ह **वि** ग्रापातकालीन स्थिति हटने के बाद मती महोदय नें जी मजदूरी सीर मजदूर संस्थाया भीर मगठना का लोक्सान्त्रिक पद्धति वापस की है, वह एक वहूत अच्छी वात है और उन्होंने एक 30 सदस्यों की तिपक्षीय सिमिति भी वनाई है इस वात की जांच करने के लिए कि क्या चकह है कि झाव ये हहुताल, लॉक-प्राउद्ध भीर प्रदर्भन हों रहे हैं। श्रद्धस महोदय, उस सिमिति की रिपोर्ट भी अग मंत्री जी के पास प्रा मगी है लेकिन खाल तक उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। सितम्बर महीने में वह रिपोर्ट भा गारी यो लेकिन इतने हिंद लार मी उस पर कोई कार्यमाही नहीं हुई है। मैं कहता हूं कि उस पर कार्यवाही होंगी चाहिए।

इस रिपोर्ट में बहुत सी बातों के बारे में सभी तक कुछ नहीं कहा गया है। स्वापनकाल में मजदूरों को जो पूनियमें तोड़ यो गयों थीं, उससे अड़ने का प्रिकार छीन लिया गया या, ऐसी बहुत सी वातों को सभी तम करना है। बहुत सी ऐसी कोल मार्डत हैं जिनमें मजदूरों के एमीमेंट हुए ये और बहुत से काम हुए थे, आप देखेंगे कि उनके बारे में भी कुछ हुए थे, आप देखेंगे कि उनके बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है। एक समझीता कोत मजदूरों का 1970 में हुया या कि मजदूर बया काम करेंसे, उसका थी इस एवाई में कोई मदन्य नहीं है।

इतने दिनों के दौरान यहुत सार्थ बहां पत्नी मलीनें निपायी पत्नी थीं। वे महीनें मारत में भी जनावी गयी थीं, बीर दुसरे देनों से भी मंगा कर नागयी गयी थीं। उन मलीनों के निए जो टेम्सीहयन रखें गये ये उनके बेट के बारे में, उनके जो चून डैस्किन्सन के बारे में भी कुछ पता नहीं है कि उनकी क्या मन्द्र होंगे। पिलक संस्टर की जितनी कम्मीनमां हैं उनमें भी अदला-पतान कम्पनियों में सत्तय-प्रतम कानून हैं, असन-प्रतम कार्य हैं अस्तय-प्रतम सान्त कंडोमंस हैं। प्रभी झत मंत्र कार्य स्टान सिटी में ए० दें क्यों जे से एक महीने की हरुतान की। यहां केवल एक हजार चालीस आदमी हड़ताल पर ये लेकिन इस हड़ताल से राष्ट्र का एक सौ करोड़ रुपये का नकसान हथा। इस हड़ताल की सभाप्त कराने का हम लोगों ने पूरा प्रयत्न किया। इस मंती जी से मिले, विहार में भी खोगों से मिले, कि यह हड़ंताल समाप्त हो जाए लेकिन हड़ताल जीझ समाप्त नहीं हुई। इससे बहुत बड़ा नुकसान लोगों का हुआ। ये जो कैन आपरेटर्स थे, ये लोग देवनीशियन हैं. इनके काम बन्द कर देने से सारा काम बन्द हो गया थीर उत्पादन होना इक गया। वहां पर केवल तनस्वाह देने के लिए हो बाकी लोगों की हाजरी होती थी। प्रोडक्बन यहां नहीं होता था। इससे भी राष्ट्र का नकसान होता है। इसलिए मैं श्रम मंत्री भी से अपील करता है कि ये इंडस्ट्रियल विस जल्दी से लायें । शाप मान्यता प्राप्त वनियनों की बात करते हैं। मैं पूछना चाहता हं कि ये हड़तालें नयों होती हैं ? आई० एन० टी० य० सी० ग्रीर ग्राई० टी० य० सी० के लोग बहुत जोर से कहते हैं कि सरकार हबतानें श्रीर तालावन्दी पर काबू नहीं करती है। में भावसे कहता है कि जो भी एव० एम० एस॰ की मान्यता प्राप्त यूनियने हैं, सी॰ टी० य० की युनियन हो या कोई इंडीपेंडेंट य नियन हो, सब की मान्यता छीन ली गयी थी। जिन लोगों ने एमजेंन्सी का समर्थन किया या उन्हीं लोगों को प्राज भी मान्यता प्राप्त है। इस सदन में जो भाई धाज विरोध पक्ष में बैठे हुए हैं उन्हों के हाथों में प्राज फिर मान्यता प्राप्त यूनियनें हैं। ग्राई० एन० टी॰ यु॰ सी॰ के लोग स्ट्राइक करते हैं। वे लोग नेबोटेज कराते हैं। 5 नवम्बर से सेकर 13 नवस्वर तक आपके बोकारी धरमल पावर स्टेशन और चन्द्रपुरा यरमल पावर स्टेशन में तोड़-फोड़ की नयी। प्रगर यह तोड-फोड चार मिनट के सन्दर डिटेक्ट महीं होती दो उससे पायर का फाइसिस हो जाता और ग्रागे चल कर बहुत सारा नुकसान राष्ट्र को उठाना पड़ता। मेरे कहने का मतलब यह है कि मजदूरों की यूनियनों को नयी

[ब्री राम दाम सिह]

271

मन्यरिक्ष के प्राधार पर, गुप्त मनदान के प्राधार पर नवे। मिरे मानता देनी चाहिये। नहीं ता प्राप चाहे निजल खानते नहें, जिनता देनी नहीं तो प्राह्में। नहीं तो प्राप्त चाहें निजल खानते नहें, जिनतों देनी मिरे में जानी हैं प्राप्त के स्वाप्त चाहता है। में प्राप्त के नहना चाहता है। देन सम्प्रध में जिनते तथा है, जिनते हैं। सान नेना चाहिए प्रोर दानरे पहले हैं। सान नेना चाहिए प्रोर दानरे पहले ही बोर्ड बना नेना चाहिए तानि छानवीन पर जिनते भी नानूना म जिनते में उनम प्राप्त साथ साम स्वाप्त साथ साम सा तथी समय में पहले उम्म नमंगी नोनाम दिया जा महना है।

जहातर नेपटी की बात है पब्तिक सक्टरम 1 कराइ 28 लाख 90 हजार वे नरीय मञ्जूर नाम करत हैं। चुकि सेफ्टी के नियमा का पातन नहीं किया जाता है इस वास्त एवमीडेंटम जो हा जात है उनको दखें। चामनाला महुग्रा, सुदामाडीह कालियारी में हुआ, ठारी कालियरी महधा और उसमे ता 369 बादमी भारे गये थे। इन एक्सीडेंटस पर समीमन विठाए गए थे। उन्हाने रिपार्ट दी है। ये रिपोर्टेशम मतानय मे बरमी हो गए हैं पड़ी हुई हैं ने। स्न दीपी श्रधिवारिया ने विरुद्ध कोई नारवाई नहीं की गई है। यगर कारवाई नहीं करनी है तो फिर वभीशन विठाने से फायदा क्या है ? इस कारण से भी मजदूरा म असन्तोप व्याप्त है। सिर्फ एमजेंन्सी म हुई ज्यादतिमी के कारण ही नहीं इन कारणा से भी है। इस तरह की चीजा की वजह से भी य बाते हा रही है।

पब्निक वेक्टर जिसकी बात पता रही है उसम बहुत ज्यादा प्रप्टाचार है राष्ट्रीय धन का हुक्यमा हो रहा है। पान भी बोम प्राए हैं भीर उन्होंने बताया है नि दुषका नावियरी म प्राण क्यी हुई है, बेरमा नाक फोन्ड्ज म नगी हुई है, साउप वर्षपुर्दा की कालियरी में तभी हुई है, बीठ सीठ थीं। एसठ के प्राराया योल फीटड्ज में तभी हुई है। इस टरह से नई स्थान। पर नगी हुई है।
सभी हुई है मा लगाई गई है यह ता इनकायरी
करते पर ही पना पन सरता है। नमने की
वा चारी होनी है धीर उम पनद मने की
वा चारी होनी है धीर उम पनद में को
वा दारी होनी है धीर उम पनद में को
वार हो जाता है ता दो चार जगह जानवृश्वर
धाम लगा दी जाती है धीर पाच हजार टन
नामता जना होना है ता धाम साख
टन सिख कर कायने की चारी नो छिपाया
जाता है।

हम लाग तील बरम से मुनते आ रहे हैं लबर मैनजमेट पार्टिसिपेशन की बात । सभी जगह इसको लागू किया जायेगा इसको सुनत हुए हम भारहे हैं। यह सरवार बनी ती इसी भी एक कमेटी विठाई 31 मई को श्वमेटी ने 6 फरवरी, 1978 ना मपनी रिपोर्ट भी दे दी । लेकिन मतालय चुपचाप बैठा हवा है। मैं भहना चाहता हू कि यह पार्टिसिपेशन लॉस ग्रीर गेन के लिए ही नहीं हाना चाहिये बहिन इहस्टी की जो ब्यवस्था है, एडमिनिस्टेशन है उसम मजदुरा ना क्या हाम होगा, यह भी लेक्ट मैनजमट पार्टिसिवेशन म माना चाहिये। भगर ऐसा मही होता है ता मनमान दग से धन का जो दुरुपयाग हो रहा है, मनमाने दग ने मजदूरा पर जो जुल्म हा रहा है यह हाता रहेगा। उनको काम से हटा दिया जाता है, भनमाने दय से चार्ज शीट कर दिया जाता है। मैंने देखा है वी सी सी एल मे जितन मुक्दमा के नस होते हैं उनका सुप्रीम कोर्ट से जा कर ही फैसला हाता है। इस लिटिगेशन म प्रपसरा नो नोई नुनसान नहीं होता है। वेटी ए डीए मादिसब खर्चे ले लेते है। छ ० रस दे बाद मजदूर ने पक्ष में निर्णय हुआ और वेजेज के साथ जनका मजदूरी का पैसा देना पडता है। इस तरह की बातें होती रहती है।

चपाध्यक्ष महोदयः भ्रव भ्राप समाप्त करें।

श्री राम बास सिंह पहले बोलने वालो को भाषने ज्यादा समय दिया है। उपाध्यक्ष महोदय: पहले बोलने पाचों को ज्यादा समय और बाद में बोलने पाचों को समय ही न मिले यह ती कोई बात नहीं। अपा जल्दी खत्म करें।

श्री राम दास तिह : सन साप प्राह्वेट सेनटर को में ! उनका बहां मनवाना रूक होता है। यहां पर 67 साय 90 हवार खादमी काम करते हैं। उन पर कोई कानन लामु नहीं होता है। जितनों भी येज साम वस कर दें उनको नहीं दो जाती है। सेक्टी के जो कात्न हैं उनका पहां करते पालक नहीं होता है। उन पर से गर डिपार्टमेंट का कोई नियंद्य नहीं है। वहां मनमाने चुरून तेवर पर होते हैं।

एक्षिकल्यर मजदूरों की बात को आप ले। स्टेट मिनिस्टर साहव ने परलों वड़ा जोर दे कर कहा था कि इनके लिए हम खोग काम करने जा रहे हैं। अपनी रिपोर्ट में आपने कहा कि दो करोड़ चपये का अपने उनके लिए प्रावधान किया है। एप्रिकल्बर में 4 करोड 75 लाख मजदूर काम करते हैं। 3 करोड़ 17 लाख पुरुष हैं और 1 करोड़ 58 लाख श्रीरतें हैं। उनके पास न घर है, न उनके लिए तनक्वाह का कोई कानून है, न उनके लिए दवाई की कोई व्यवस्था है और न ही वे सोग संगठित हैं। जितने भी कानून बने हैं वे देहातों में लागू नहीं होते हैं । श्रीर ग्राज जो पांच करोड़ के करीब मजदूर हैं उन की मलाई के श्राप कीन से कदम उठाने जा रहे हैं ? इनकी रिवोर्ट में है कि हम मजदूर सैल बना करके मीटिंग करेंगे, सेमीनार करेंगे। जहां पर पीने दो करोड़ श्रीरतें काम बारती हैं क्या उनके लिये कोई मेटरनिटी बेनिफिट की स्कीम है ? क्या क्रीशेज (creches) है उनके बच्चों के लिए ? मेरा निवेदन है कि ग्राप जिन्दगी की जरूरत की चीजों में से कोई

एक मुद्दा चन लें, चाहे बच्चों को कम्पलसरी शिक्षा दें. चाहे उनको जीने का साधन दें, चाहे मकान दें, कोई एक धाइटम अगर .लाग् करें तो मैं समझ्गा कि सरकार खेतिहर मजदूरों की राहत के लिये कुछ काम कर रही है। नहीं तो भीटिंग शीर लेक्सरवाजी करने से और जो योजनायें है, उससे कोई काम नहीं होने वाला है। यह जो वैज फिक्से-शन उनके बीच में हथा है उस तरह की वातें ले कर उनकी तकलीफें दर की जायें। श्रीर इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के बारे में जितनी भी मशीनरी हैं, जितना भी बुरुपयोग हो रहा है उसका कुछ कहना नहीं। आज कीयले का ब्रोडक्यान टारबेट पूरा हो गया । लेकिन कितना लौस हम्रा? श्राज विजली का कितना परसँटेज उत्पादन हो रहा है, उसका क्या कारण है ? और जो उत्पादन कम हो रहा है जसका दूसरी इंडस्ट्री पर कितना श्रसर पड़ता है, इसका मुचार रूप से काम नहीं पल रहा है, बसंतोप है, मैनेजमेंट में फ्रष्टाचार भी है। इसलियों में पन: श्रम मंत्री जी से निवेदन कहंगा कि समय आ गया है छानवीन करके इस वर्ष के प्रन्त तक सम्चित कार्यवाही करें। नहीं तो भविष्य में इंडस्ट्रियल वैल्ट के लिये वड़ा अंधकारमय समय होगा और हर जगह उत्पादन के साथ साथ ग्रशांति फैलेगी।

इन कट्टों के साथ में अपना भाषण समाप्त करता हूं और आमा करता हूं कि जो मैंने मुझान दियं है मंत्री महोदय उन पर सहानुभृतिपूर्वक विचार करेंगे।

श्रीमती मुगाल गोरे (बन्बई उत्तर) : उपाज्य महोदय, सबसे पहले तो मैं श्रम मंत्री श्री रविद्य क्षाण को जरुर श्रीमनस्त करना नाहूंनी कि स्नामत स्थिति के दौरान में जो परिस्थिति पुरे श्रम विमान के लिये हो गई थी, मजदू रों के लिये हो गई थी उतमें शुमार करते का काम आपके संतासन ने किया । एक बात जरुर है कि सामत स्थिति के दौरान में बिस प्रकार से मजदूरों को देवारा गया या यह बिल्हुल स्वाभावित या वि द्यापात स्थिति उठवे ने बाद दबाय गय मजदूरा ना धान्दोलन ग्रीर जोर स शुरू हो जाय । ग्रीर यह देखते हुए उसमें मुझे नाई ग्राइचर्य नही लगरहा है कि स्रोद्यागित समान्ति साज भी बनी हुई है।

मैंने माननीय साठे का भाषण पड़ा तो मुझे ग्राश्चर्य होता है कि 1977 में जा थम दिन नष्टहुए उसका हिसाब समात समय वह 1976 के साथ तुलना कर रहे थे। जरूर 1976 में इमरजे सी नो ले नर जैसा भैने वहा प्रस्वाभाविक रूप से मजदूरा को दवाये जाने से कुछ थम दिन कुछ क्य हा गय, कम नष्ट हो गय जसरी सख्या क्ये हा गई। लेक्नि मैं यह जरुर कहना चाहुगी कि उसमे तालाबन्दिया ने जरिय ज्यादा श्रम दिन सीस्ट हुए। लॉन ब्राउट्स ज्यादा हुए इमर-जेंसी के दौरान, सीर मजदूरी का सपनी लडाई करने का मौका नहीं मिल रहा बा। लेक्नि 1977 में जिस प्रकार से जा धापने प्रावद्य दिया है 212 लाख श्रम दिन तष्ट हुए, सध्यक्ष महादय, नेवल धावडे से वि नितने थम दिन मध्द हुए यह चिन्ता की बात नहीं है मेरी दृष्टि में घसल में चिन्ता-जनक परिस्थिति यह है कि एक जा नया सिलसिका कासकर महाराष्ट्र **गीर** बम्बई वेलापुर थाने की पटटी में हम देख रहे है। श्रसल में जिसको हम ट्रेड यूनियन कह सकते हैं मजदूर धान्दालन कुछ हैं ही नहीं। जो है वह गुण्डागरीं है जानवूसकर मजदूरी पर खूनी हमला करना उनका स्टैब करना, सरिया से मारना यह मजदूर आन्दोलन नहीं हो सकता है।

मैंने इस परिस्थिति का विवेचन करने भीर समझने की नोशिश की है। वैसे सा जपाध्यक्ष महोदय मरे पास इसकी पूरी

लिस्ट है, लेकिन धाप घटो बजायेंगे, इसको ध्यान में रखते हुए, में पूरा पढ़ नहीं पाऊगी, इसलिय नहीं पढ रही हूं, वेक्नि इतना जरूर कहना चाहती हुँ, 267 कारप्राने द्वाज यन्द हैं जिसमें से 62 प्रतिशत शारखानो पर ता इटन कडा० दत्ता सामन्त की मूनियन है जहा जानमूयकर इस प्रकार के झगड़े खडे निय जाते है। जा हडताल बल रही है, बहुत नजदीव संदेखने का हमका भी भीका मिलता है। हमारे यहां भी बाफी वारखाने है और हम यह देख रहे हैं वि उनमें मजदूरी नी बसली डिमाइज ना नेनर स्ट्राइव होती हा, ऐसी बात नहीं है। वई जगह पर इन्टर-मूनियन राइवलरी है। कई जगह गर पहले एपीमेंट वर लेते हैं भौर फिर एग्रीमेंट तोडवर फायदा उठा लेत हैं। जो मजदूर बाधा देते है, बीच में धाते हैं, उनने ऊपर गारखान में या कारकाने के बाहर गुण्डे सगावर जनका मारने का कितने जारों से काम ग्राज चल रहा है यह भी देखने नी बात है। मैं मनी सहादय से बहुनी इस पर जन्द उनका विचार करना चाहिये ।

मैंने वाफी मजदूरी की हडताल नज दीव से दखो है भीर में समझती ह कि क्लै-विटय वार्गेनिय सं मजदूर घपनी मायों को हासिल बर लेते हैं। लेबिन मैं यह भी जानती ह नि देव में इस प्रकार की हवा सैयार की जाती है कि संगठित मजदूर फायदा उठा लेते हैं और जा मसगठित मजदूर हैं दूसरे मैंक्शन ग्राफ सोसाइटीज हैं, वह उनका बीच म रखकर फायदा उठा लेते है। लेकिन मझे विश्वास है कि अगर हम ठीक दन से सगठित मजदूरा की न्यायाचित मागे देवर उन्हें साय में वे लेते हैं ता उनके जरिये हम इस समाज म कुछ नया सिलसिला भी शरू कर सक्ते हैं। लेकिन क्लैक्टिय बार्गेनिय का प्रिसिपल यह नहीं कि कुछ मजदूरी भीर **धक्तरा पर हमला करके इस प्रकार से कुछ** सवाल हव वरने नी काशिश हो, यह मेरी दृष्टि से बहुत चिन्तनीय बात है। इसकी

तरक हमें देखना चाहिये। महाराष्ट्र में श्रो दत्ता सामन्त को यशियन, दीना चामा को मनियन, शिव सेना की मुनियन और दूसरी ऐसो युनियनें है जो यही तरीका अपनाती 1 8

में वहत दृ:ख ग्रीर संताप के साथ कहती हूं कि महाराष्ट्र की सरकार किसी प्रकार से भी ऐसी गण्डागर्दी करने वाली युनियनों को दवाने की कोशिश नहीं कर रही है। एक तरफ मालिक लोग मजदूरों की सही मांगों को दवाने के लिये ऐसी यनियनों का उपयोग कर लेते है और दूसरी तरफ ग्राज जो वहाँ सरकार है, वह भी इस प्रकार की यूनियनों को मदद देती है। मूझे लगता है कि डा॰ दत्ता सामन्त जैसे लोग, हो सकता है चुनाव में पार्टी के लिये उपयोगी होते हों, इसलिये उनको मदद मिलती है। इस तरह से जो काम चल रहा है, उसके बारे में मैं कहुंबी कि भाप जरूर कुछ करें।

ग्रापात स्थिति के दौरान जिन सीगों को निकाला गया या, उनकी बापिस लेना चाहिये। इसकी कोशिश आपके मंतालय ने मुछ की है, लेकिन ग्राज भी भैं कहना चाहंगी कि कई ऐसी प्राइवेट इंडस्टीज ग्रौर पब्लिक सेक्टर में ऐसे संस्थान है, जिनमें उस वक्त निकाले गये लोगों को भ्रमी वक न्याय नहीं मिला है। इ:ख के साय यह भी कहना पड़ता है कि एक साल तक इकने के बाद भी जब म्याय उनको नहीं मिलता है तो सोमों का विश्वास श्रापके मंत्रालय से उठ जाता है। इसके लिये हम लोगों को जागरूकता से देखना चाहिये। मिसाल के तीर पर मैं आपको श्रदामिक एनवीं विभाग के कुछ लोगों की बात बताती हुं जिनको उस बका निकाला गया था ग्रीर<sup>े</sup> वापिस नहीं लिया गया। इंडियन आयल कम्पनी के एक श्राफिसर पाठक को वहां से निकासा सवा, वह कोर्ट से गये, कोर्ट के ग्राउंर हो गये कि उनको वापिन लेना चाहिये, नेकिन ब्राज 6 महीनें हो गये, उनको वापिन नहीं ने रहे है, कोई जवाद नहीं दे रहे हैं। प्रिमैच्योर रिटायरमेंट जिनका किया गया, उनके बारे में भी कुछ नहीं तथा। हजारों की तादाद में ऐसे लोग है जिनको श्रापात स्थित के दौरान प्रिमेंच्योर रिटायर किया गया । इन लोगों के बारे में यवर्तमेंट नें कुछ ब्राइंस नियाने है, होम मिनिल्ड्री से भी बाउंद निकले है कुछ रिव्य वर्गर करने के लेकिन उसके धार्म नगा क्ष्या कुछ पता नहीं। कई ऐसे केसेज पड़े हुए है। यहां में सिन्धिया की स्टाइक की तरफ भी ध्यान खींचना चाहंगी कि उनके जनरल सेकेटरी की घन्यायपूर्ण तरीके से निकाला बया था। याठ नी महीने तक वह भ्रापक पास आते रहे, कहते रहे कि हम को न्याय दिलाइए । आप नहीं दिला सके तब इन्होंने हड़ताल की । लेकिन हड़ताल के बाद भी, में जानती हूं कि आप की पूरी सहामुभूति उन के साथ थी, फिर भी ग्राप उन्हें न्याय नहीं दिला सके। क्या धगर कोई प्राइवेट कम्पनी, सरकार जब चाहती है तद भी वर्षर्स को न्याय नहीं देना चाहती ती श्राप उसके बारे में कुछ नहीं कर सकते ? क्या आप इस प्रकार की उन की छूट दे देंगे कि वे वर्कर्स के साथ ग्रन्थाय करें ग्रीर किर भी उन के ऊपर कोई ऐयस्न न हो। सि श्राप से यह कहंगी कि इस बारे में जितने भी केरोज बाकी हैं उन की भाप तुरस्त देनों ।

ग्राप ने बोतस फिर वापस दे दिया. वहत ही अच्छा काम किया। गम्पलसरी डिपाबिट बापस देनेका फैसला फिया। बहत ही अच्छा किया। आज ही अभी एनाउंसमेंट की गई कि सेंट्रन गवनंमें सबंदस को जो कुछ डी ए दे रहे हैं, पहले नेशनल डिफेंस बांड में देने के लिए गहते थे, लेकिन वह ग्राप लब कीन दे देंगे। मैं यह कहती हूं कि वया यह नहीं हो सकता था कि यह सब जो काम आप ने किया इसे घौर जरा ग्रेसफुली करते? इनके लिए मज-टूरों को लड़ा कर, फिर बाद में करें या

इस प्रवार से करे कि इस मंदर लगे घीर मजदूर नहें नियह ठीन नहीं ही रहा है तभी बाप जा कर उसे बदत वर नाए? टोक है भाविर इस म एक ता बात बह माबित होती है दि दुछ सोनवद माप गानते हैं भीर मजदूरा ना पैसा, प्रकर माता है तो देते हैं। प्रेशर प्राने पर प्राप उस को मजूर करत है इस म कोई शव नही है। सेनिन मुझे जनता है दि धनर इन सब चीजो म घौर येम स घाप नुछ बरन तो हो सक्ताया कि इस देव के भन्दर मजदुरा ने पूरे जगत म एव नई हवा चनाने संभाप कामबाय हो जाता। यद भगनी घोर से मगर भाष उन से नहते रिज्ञा पान की पाम हम दें रहें है सेविक अपने देश में दशर श्रमगठित गतुरर है जिनको कुछ नहीं मित्र रहा है उनहीं तरफ सापको वेंधना होगा चौर इमी ए चापको पैना नैवानस विफेंप बाद में देना परियो मेरा ब्याल है कि मजदूर जरूर इस म वाम में साथ सहयोग करते। मूझ लगता है कि श्राच भी इस प्रकार की चीजा स सजय रह कर हम काम करना चाहिए। आप ने ट्राइपार्टाइट की बात फिर से शुरू कर दी। वर्द चीजा म देर लगा कर गुरू की है। लेकिन एक काम्प्रीहसिव विस नाते हे लिए वा कोशिश प्राप को धन रही है एसा न हो जायें। नि उस मंबदूत देरही जाय। ऍमा न ही निमजदूरा वाजो पेशेंस है वह टूट जाग यह देखन की जिम्मदारी भाष की रहेगी। मैं यह कहुगी कि आप यहुत ही जल्दी इडस्ट्रियल स्लिंगस व ऊपर नाम्प्रीहेंबिव विल ने ग्राए घोट वैस ही दूसरी बात वरस पार्टिसिक्शन के लिए भी कहना चाहूगी। मैं जत्नती हू ग्राप वहेंग वि उस पर बाफी कुछ एक्तरसाइन बन रही दै हम काफी मेहनत कर रहे हैं इन को बलाया, उन को बुलाया मजदूरा को बुलाया एल्प्यामन को बुलाया सरकार को बुलाया,

स्टेट सबनमट ने श्रम महिया नो बुझामा। यह बात ठीन है, झाप ने नाफी निया है। नेपिन धीर जरा जन्दो दन भीजा ने बार महिस स्टारा ना ना महिए।

धैतिहर मजदूरा व बार म जा भाप ने कहा है बिन्तुन बान सही है कि उनके तिए मिनिमम वैजेब ऐक्ट वई जगहा पर बना है, मराध्यात है लगभग सभी प्राता म गैमा हुमा हुगा सबिन उमना इध्लाम देशन विष्कृत नहीं हा गहा है, वह सागू नहा विद्याला यहा है। इस व सार्थ साय जा शमेटी वगैरह बनान या माम है वह नही हा रहा है भीर इसीनिए माज ता बह मिनियम बेजेज ऐक्ट नेवल नागज पर रह गया है। खैतिहर मजदूरा का मिनियम बेडेडे ऐक्ट का काई फायदा नहीं मित्रता है। उस का संगठित करना भी बहुत म्हिन है। सब राजनैतिक दन इस चीज का बहत आये हैं लेकिन बाज तक विसी भी राजनैतिक दल वा सही रूप म कोई सगठन इन का मही है। यह मैं जानती हु। इस म विनाई नया है यह भी मैं जानती हु । सनिय इन महिनाइया नो दूर वरने खेतिहर मजदूरा व सवाना का हर बरना चाहिए। मैं जानती है जनवरी ट्र भापने शाफेंस मी बी थी जिसक लिए मैं मापना धायवाद भी देना चाहती ह । मापने इसम पति ता दी है लिनन खेतिहर मजदरा को समस्याचा के बारे भ जार समावर उतका हल वरन की कोशिश वरती चाहिए।

धनुष्यिन जमान के भजदूरी में लिए प्रापने केल बनावा है। देख में मेरे देखाल के धनुष्यित जमात के मजदूरा नी विजयते का अच्छा निरम्पण भण्णे के लिए व्यवस्था को घई है लिक्न में नमसना हु सबी महा जबा म दे सम्मान नी व्यवस्था हुनों माहिए। दूसरे बेली मन्तरे एकेतीक म सी प्रमृत्यित साबि जमात ने मजदूरी की शिलायते दूर करने के लिए कोई खास व्यवस्था होनी चाहिए ।

बोनस ग्रीर सी डी एस वाश्यकरने में आपने थोड़ी देरी की । आय बीमा कर्मचारियों का कहना था कि आपात स्थिति में हमारा एग्रोमेन्ट रह हुआ, उनको न्याय देने में प्राप सुप्रीम कोर्ट के जजनेस्ट से मजबूर हुए लेकिन ग्रगर खद फाइनेन्स डिपार्टमेन्ट इसको कर देता तो अच्छा होता । जो फील्ड प्राफिसमें हैं उनकी मांगें आज भी कायम हैं। उनकी सांगें फाइनेंशियल नहीं हैं। ग्रापात स्थिति में जिस प्रकार से उनके साथ एग्रीमेण्ट हमा है उसकी मापको देखना चाहिए। मुझे चाप से यही प्रायंना करनी है कि अपके मंद्रालय को सरकार के दूसरे मंत्रालयों की कहना चाहिए किक्रपा करके श्रमने कर्मचारियों के साथ थोड़ी सहान अति ज्यादा रखें और अगर उनके कोई मामले हो तो उनको सुलझाने का काम जल्दी करें।

स्रांतिर में मैं कुछ स्त्री और पुरूप मजदूरों के समान पारिश्रमिक के बारे में कहता चाहती हूं। धैनकत रेन्यूनरेकन ऐवट 1975 का जो है उस पर पूरी तरह से समत हो रहा है। उसमें ऐसे प्रांतिकत्स ये जैसे—

Advisory Committees for promoting employment opportunities of women, appointment of authorities for hearing complaints, appells ate authorities, inspectors,

इस के बारे में क्या हुआ ? प्लान्टेशन इन्डस्ट्री के बारे में मैं कहना चाहती हूं। रिपोर्ट के पेज 45 पर दिया है:

"The matter was examined in connutation with the Ministry of Law and a clarification was issued to the State Government indicating that the State Government indicating that the to be the citorion for determining whether the work is similar or not, Output of male and female workers was, therefore, not relevant for determining whether the work was the some or of similar nature".

यह बहुत महत्वपूर्ण है। श्रभी भी वहां के मालिकों ने इसको मंजर नहीं किया है. यह अिंशियल धगर मंजूर नहीं होता है तो ईक्वल रेम्बुनरेमन फर ईक्वल वर्फ का कोई घर्ष ही नहीं रह जावेगा। सरकार ने बो स्टेंट्ड लिया है वह जिल्लुल सही है लेकिन चो माहिक रहाको मंजूर नहीं कर रहे हैं भी इसको मंजूर करें—इस बात को शायको देखना चाहिए।

एक चीज की धोर मैं संबी जी का खास ध्यान दिलाना चाहंगी। इस देश में 11 साल तक महिला प्रधान मंत्री रहीं वेकिन महिला प्रधान मंत्री के रहते को नहीं हो सका वह धापके जमाने में हो गया । आप प्लानिंग कमीशन को बिक्स प्रप धाफ एम्पलायमेन्ट ट् वीमेन के लिए एक सेल सेंटअप करने के लिए मनवा सके, इसके लिए ब्रापको धन्यवाद देना है। मुझे प्लानिंग कभीशन के सदस्य श्री राज कृष्ण जी के साथ भी चर्चाकरमे का मौका मिला। महिलाओं को ज्यादा नौकरियां मिलें, ज्यादा रोज-गार मिलें—इस के लिए क्या करना चाहिए, इन सब बातों पर काफी चर्चा हई । इस समय एक दो ठील सुज्ञाव देना चाहुंगी। इस समय सभी होतों में महिलाओं की संख्या कम होती जारही है। 1963 में दैक्स-टाइस्ज में महिलाओं की संख्या 5.5 परसेन्ट थी. 1972 में वह गिर कर 4.6 परसेन्ट रह गई। माइन्ड के क्षेत्र में 1963 में महिलाबों की संख्वा 14,2 परसेन्ट थी, चो 1972 में गिर कर 11.6 परसेन्ट रह गई। प्लांटेशन में घोडी कम गिरी हैं—1963 में 47.9 परसेन्ट थी, लेकिन 1972 में 47.7 परसेन्ट रह गई। एग्रीकस्वर में, यद्यपि वर्कर्म की डेफिनीशन उस में कुछ अलग है, फिर भी उस में काफ़ी फर्क पड़ा है। उन फैंक्ट्रीज में, जिन की ग्रपने रिटर्न सबमिट करने पडते हैं, 1963 में महिलाओं की संख्या 10.36 परसेन्ट बी. जो 1972 में गिर कर 8,73 परसेन्ट हो गर्ड। ग्राप देखेंगे कि सभी जगहीं पर महिलाओं को कम नौकरियां मिलने लगी हैं।

283 [श्रीमती मुगल गोरे]

मेरा सुप्ताव है कि महिलाग्रा को बोकेशनल टेनिंग ज्यादा में ज्यादा देने की कोशिश करनी चाहिए इसरे एम्पलायमेण्ट एक्सचेन्ड के जो बोड़ स है उनम महिलायो को सीजिए ताकि उन को ज्यादा नौकरिया मिलने की दब्टि में कुछ काम हो सके।

ग्राज जो महिलायें नाम करने जाती हैं, उन की एक सब से बड़ी समस्या उन के बाल-बच्चो की देखभाल की होती है। एप्रीवल्चर के क्षेत्र में जो महिलायें खैतीहर मजदर ने रूप में नाम नरती हैं, उन के बाल-बच्चा की देखभाल कीन करता है ? यदि उन के यहा 7-8 साल की लड़की है तो वह छोटे-बच्चा नो देखती है, जिस ने नारम छोठी लड़किया नी शिक्षा बन्द ही जाती है और शिक्षा के धेंद्र में उन के द्वार प्राइट का परिमाण बहुत बढ़ रहा है ? इस लिए मेरा कहना है कि छोटे बच्चों की देखभान की दृष्टि से भीर महिलामा में शिक्षा का ड्राप-माउट कम ही, इन दृष्टि से खेतिहर मंबदूर महिलामी हे बच्चा की देखमाल के निए "कैश" व्यवस्था हाना शत्यन्त भावश्यक है। यदि भाष "शाहरत है मर-फैसिनिडी को मिनिमम नीड्स प्राथान में प्लानिंग वसीशन में मनवा सकें दो इस म खेतिहर मजदूर महिलामा ना बहुत मदद मिलेगी उन के बच्चा की देखभात भी हो सकेगी और साम ही उन को ज्यादा नौकरिया मिल सकेंगी। बाप इस ब्रोधाम का "सिनिमम नीडम फैसिलिटी" स इन्कब्ड करावें--ऐसा मेरा छन्रोध है।

में बाशा करती ह कि श्रम महालय के नामा म नाफी सुबार होगा और समी तन जो कुछ माप ने किया है उस के निए माप का पून धन्यवाद देकर में ग्रापना भाषण समाध्य

SHRIK A RAJAN (Trichter) First of all, going through the report of the Ministry for the year 1977 78 you will find that in certain matters attempts have been made on certain basic problems which

have been left out in the past periods.



not me position

Now I shall skip over to the overall not on an asspect to the overall position of man days lost in 1977. I am not comparing with these of 1076. That is not my point whether 1976 was better or 1977 was better, I am not saying any-thing in that regard In 1977, 21 21 million man days were lost Out of that 50% was due to the lock outs What was bus phenomenon of 50°, man days lost by lock-outs? If you go into the history of this, you will find that there is no justification behind these lock outs Most of them are unjustified. It is simply to coerce or intimidate the workers. For instance, two days back there was tance, two days back there was a report in the press about foch out in the Press about foch out in the Premier Tyre Factory, kersla. One labourer was demanded to help in a particular section of the factory. The mobile refused to allot anyour. The workers could not carry out the work I mediately defined to the contraction of the factors. the factory was on a lock out and 2 000 workers were on the street.

These lock outs are an instrument to intimidate the workers and to bring down the workers to their knees

In 1977 the man days lost are 21 21 million 50% of these are lock outs What is the condition all over the country? We see strikes and lock outs It is told that certain elements are just intimidating or some persons with political motivation are creating all these things. It is not true But really there are some basic problems which give rise to all this

Please have a look on the picture in the country-in the Centre, in the States, country—in the Centre, in the States, in the public sectors or in the provate sectors. You may take Railways. The Railway workers, General insurance employees, LIC workers and various Certain instances make certain things clear. Certain penuliar things happened in certain factories in U.E., Hardwar, Bihar, etc. The employers with the help of their securitymen beat, shoot down the workers. They had the audaeity to do all thest things. They can beat the workers to bring them on the feet of their employers. This sittation is developing.

Due to deficit financing in the Budget and also due to certain indirect taxation, inflationary tendery it sure to develop. Discontentment is brewing in this country. Workers could show their resentment only through direct actions.

The peculiar feature of these direct actions in the Centre and in the States is that we found must of the trade unions meet on the common platform. The alegation is that there strikes are politically motivated. But that is not the fact.

What is the root cause of all this? We know there is the lack of proper in-dustrial relation machinery these days. There are multiplicity of unions, These are also some other causes to these problems. With all these things this cannot be taken so lightly. In UP it has happenedbe taken to figure, in or in an appended. The whole courtact system has played havoe in that area. There have been cases of whole sale burning of huts. This has been done deliberately. It is done to see that the workers do not stay there or agitate for their reemployment. As I just explained, in U.P. they have declared all strikes as illegal. They declared the Electricity Workers' strike as illegal even though there was no strike notice. Recently demonstrations before the U.P. Assembly for Trade Union rights have been banned. In Punjab and in Rajasthan also demons-trations have been very severely dealt with. Section 144 is being freely used to han meetings and to ban demonstrations strikes have been banned in Delhi. Central and State Governments have taken an attitude not to negotiate on any demands when any strike is going on, and thus prolonging strikes and struggles, There have been several cases of firings on workers killing scores of them, in Rajasthan mines, Kanour, Bokaro, Dhanbad, Shahi-babad, Maland, Lucknow, Bailadilla etc. How do all these things compare with your 'tall-claims' to give workers trade union rights? This is the question which I would like to ask.

Now I come to the very imporatant question of Bonus. Regarding Bonus, your manifesto clearly states that 'Bonus is a defersed wage.' Well, even titt is a deferred wage, why should there be any ad hee decisions?

Hed that you should make an announcement on bonns before 1978 August because in 1978 August, bonns is due for the workers in two or three States including Kerala State.

Therefore, unless your come up with an autouncement in this regard, the warkers will be forced to resort to agitational methods.

The hon Minister might say that we have to wait for the report of the Bhooth-alingam Committee. Sir, all the trade unions, (irrespective of political affiliations) have unequivocally stated that they have got nothing to do with this Boothstingam Committee and they are not going to wait for its decisions. It is considered to be a sort of ghost hanging over their head,

So, Sir, without waiting for this report the Minister himself should come out with the necessary announcement declaring the principle which will be accepted by the Trade Unions also. I do not want to go into the details in this respect.

Then, Sir, several times, responsible Ministers—including the hon. Labour Minister—have stared that there is no intention on the part of the Government to declare a "Wage Freeze". In this connection, I would like to quote from a letter of the Bureau of Public Enterprises, dated 27th August, 12972. It says:—

"As you may be aware, Government have since set up a study group on wages, incomes and prices under the Chairmanship of Shri S. Bhoothalingam rite Ministry of Finance OM No. 2(66/78-BPE-9 GM-I) dated 13 October, 1977-

The Study Croup is to submit its report to Government which is known. Government which is known. Government should be signed in the high wage probles sector understand the study of the signed in the high wage public sector understand there of wage is higher than that in vogue in the generality of public enterprise, all such time as the policy on incomes and wages is formulated on the basis of the recommendations of the study group mentioned earlier, and exhaust the study group mentioned earlier, the study group mentioned earlier, and exhaustic in the terms and conditions of service, compared to the bulk of the public enterpriser.

[Shri K A Rajan]

(The minimum wage -basic pay plus DA at the minimum-of the lowest level is Rs 415 per month The cor-responding earoluments, basic pay plus DA at the maximum of the highest scale covered by agreements with the workers has been generally in the range of R1 1000-1050, the actual figure

or public enterprises, to the moreoned)

has futher decided Government that in other undertakings also, the maximum testraint possible should be exercised during aegotiations, where argotiations are to be undertaken

Finally, in a such cases, high wage public enterprises and others in respect of the wage agreements which my come up for review before the recommendatitions of the above mentioned study roup and government decisions thereon become available, no new wage agreements should be final sed by any of the public enterpries without the adminis-trative ministry getting the appendix approval of Finance Minister BPE may also be kindly consulted in the event of doubts as to whether the wage even in any undertaking is higher than that in the generality of public-sector enter-prices"

They cannot do that without getting the specific approval from the Ministry of Finance The Minister can also be consulted in the case of wage 'ev- | 10 see whether it is higher in the undertak

may be the arguments. The working class is going to fight it out. On this question a joint trade union platform known as Working class front has been created. There, a respective of p rty affiliations, the CIFU, AITUG etc and nery other sector of trade union organ extion has unequivocally stated that a nothalingam Commattee must the wages of the working classes so that the country can flourish and industrial production may also be increased in this country

I would like to appreciate the decision taken by the hon Minister on a legislation which he is going to bring forward as initiated in Kerala by which the security of 100 and amenities and welfare of the or For and amenders and wettare of the agnetitural workers are ensured. Whatever be the law of whatever reformes the formal loss he is going to

nothing is going to come out of the \_ \_ 3 \_ share a highester

and their trade unionist and also with a strong administrative machinery

With these few words, I conclude

SHRI PURNANARAYAN SINHA (Tetpur) Mr Deputy Speaker, Sir, I thank you for giving me this opportunity to speak on Labour ministry's Demands for Grants But, I am confining my re-marks only to the plantation industry which employs a large number of people. The statistics given to me show that, at the time when India became free, the figure of plantation labour in tea was 9 83 000, in coffee it was 1,52 000 and in rubber it was nearly 45 000

Today the figures are so pathetic that though the number of plantations in tea coffee, rubber has increased by 200 per ceat On rubber from 13,900 plantations is has now gone up to 1,20,000. The number of labourers employed in the plantation has come down from 10,33 to offer, the number of workers in 1950 was 1,75 000 That has come down to 62,000 in 1976 In rubber, the plantation workers were 41 287 m 1950 but they have come down to 33 000 in 1975. Thus, though the number of plantations in tea, coffee and rubber has increased more and incre money has been invested in starting plantations or in expanding them, the Tea Board, Rubber Board and the Coffee Board have given enough money to the plantation owners for development of their plantations Is it not surprising, Mr Deputy Speaker, that the number of plantation workers has come down to nearly half At the time of Independence the number of tea plantation workers in Assam was 8 60 lakh whereas in 1976-77 st came down to 4 13 lakhs Sir, whereas the area under the tea plantation has mercased by 30 per cent the number of tea plantation workers has come down to half Why is it so ! I know it personally because of my contact with the labour In Cachar district of Assam in 1947-48 the number of 1ea plantation workers was 1-15 lakhs plus 15 thousand to 20 thousand casual labourers. Today the number has come down to 65,000 plus 15 thousand to 20 thousand easual labourers.

Sit, in 1947 the price per pound of an average good quality tea was Re. 4 50. At that time the wages of tea plantation labourer—according to the Government of tea plantation of tea plantation labourer is Rs. 3 13 (male) and Rs. 2 198 (female). Although the wages of both male and female workers are to be the same according to gray fact of the former and women blantation of the process of the three control of the process of the of

#### 14'03 hrs.

## [SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN in the Chair]

Madam Chairman, the price of good quality tea per kg, was Rs. 29 whereas the production cost of tea in the planta-tions in the State of Assam is Rs. 4-75 per kg. Upon it is added 46 palse of excise levy and cess. So, the total production cost of best qualiy ten is not more than Rs. 6.00. That tea is still sold at Rs. 29 kg. here. Where is the parity between the production cost of tea and the selling price in the market? The best quality of tea with some blending, of course, is sold at Rs. 200 per pound in the London market. My point is: Is there any comparison between the wages paid to the workers and the money earned by the planters. If a planter owns one ten garden today, he becomes owner of two gardens in the third year. The plantees are making money and so also the Government is. Government is earning-according to the figures quoted by Mr. Mohan Dharia the other day in Calcutta-to the tune of Rs. 550 crores as foreign exchange from tea exports. The Government also earned Rs. 533.0 crores as excise duty. And on the export of tea, Government earned Rs. 5.0 per Kg. more. Is that not an enormous amount? It is used to earn much more money. From the factory, avoiding auction, tea is taken to places like Amritsar, Wadi Bunder, Sundar Nagar. From these places it is smuggled out to Fakistan, Middle-East countries and also to other parts of the world. There are some fixed places and ports through which tea is smuggled out. Thus they are able to sell tea at higher prices and avoid export duty and other duty to be paid to the Government. Now, though they earn money the condition of the tea labourers is very had. The host, minister has been elected by a section of the people of the workers who are halfnaked and half-starved Adivasis. There are

Scheduled Caste people from Madras, Oriss and also from Madras, Pradeth. They live in 'shopsis'. They are wone than be people livenge on the foot-path of Bombay or in any other city. Nowadays there is throught in Cachar district and the Phopsis' have been built down by fire and they have been rendered housiles. As a post of carm from Re. 3:50 to Staff at oncessional prices. There is no proper medical care. There is no security of Reelihood. In our language there is a spring which means that if the Sabibis pleased the job will continue.

Now, Sir, during the Emergency, about 6,000 tea labourers were dismissed from job just because they were the members of the Union which did not support the Government in power at that time. Those who did not support the 20-point programme, those who resisted forcible sterilisation, were dismissed. Those who had undergone forcible sterilisation have now become handicapped and they are not able to work in the plantations. Even if the present Government which has taken over the administration a fortnight back, give them work in the plantations, they cannot work because they have undergone sterilization and become useless. Young-man aged 35 to 40 who have undergone sterilization cannot stand in the sun, cannot use his spade and cannot carry a bucket of water. They are so much handicapped. Not one who has become handicapped but I can name 6000, I can name even 16,000 persons. They have become sick for the whole of their life because of the sterilisation. Out of 8,50,000 plantation workers, about two lakh workers were tea gardeo workers who were lured to get job by undergoing sterilisation. People who were lured and undergone sterilisation could work for one year or one and half years. After, that they became handicap-ped. These things have happened.

Now there are more than eg lakht of ten garden labourers in Astan and there are more such workers in other parts of are more ready workers in other parts of the 
# [Shra Purnanarayan Sanha]

they have kept down the wage at the same level reducing the number of workmen This is the explanations as to how 260 thousand people have come down to 413

I must also regret \fadam Chairman, that this report prepared by my bon. Muniter's Labour Ministry—I do not accuse him because I know that he does not prepare it—deals with the conditions of 25 lakin of tea labour in Assam alone and more than fifteen lakin in elsewhere in the country, in just ten lines The hoa Members will see that there are only ten lines dealing with the bulk of this libour population Here, I refer to plantation I abour Bill 1973 in 1973 a Bill was ..

submitted to the Government on 3rd March 1975, The Report contains certain revelations. The Committee also find that remousness of the offences involving violation of Labour Laws is not appreciated and the Courts generally take a very lement view in dealing with such offences and let off the offenders are one of the second of the second of the second of the which normally does not exceed Rs 100! They have also recommended to the Central Government to amend the Section 36 of the Plantation Labour Act to provide punishment of the offending managements with imprisonment for violation of the provisions of the Act.

The housing condition of labour is very bad. Even if the Government provides the loans and subsidy for construction of the Houses the progress of the construction of the Houses has gradually declared. Not only that two even three fact her are forced to share one unit of h using pro-

MR. CHAIRMAN Please conclude Otherwise the Minister will not have true to reply

SHRI PURNANARAYAN SINHA You are stricter than the Deputy Speaker I have asked for your sympathy

MR, CHAIRMAN I have sympathy But I think you also want the Minister to reply to you Please leave tune for

SHRI PURNANARAYAN SINHA

There was a gentleman's agreement with the former Labour Minister of Assam that they will complete 8 per cent houses 10 12 1/2 years but two 12 1/2 years have passed by till now. If this is the treatment of the people who are advasus, Harjars and Backward Classes, it is a very sorry state of affairs. They are earning foreign exchange more than Rs 1000 crores to the Government exchequer through foreign exchange, excise duty and expert duty, etc Do they de-serve this treatment? I appeal to the hon minuter that he should create a separate portfolio for safeguarding the interests of plantation labourers not only in Assam but also in West Bengal, Tripura, UP, Vilgins Kerala and Karnatala India is going to face a great turnult from the backward clames great turnult from the Backward classes and down trodden people. That is the forecast I am also making this predic tion in that turnult, these people will play a very great role and they will be in the forefront unless some attention is paid to them I am grung this warning to my Government and I request the hon Minister to look into the matter and ameliorate the conditions of the poor people working in the tea, rubber, and coffee, plantations so that they may have a better and more comfortable living

SHRI CHITTA BASIJ (Barasat) Madam Chairman I rise to review the situation in the country particularly on the labour front. One year's perfor-mance is before us in the form of the report of the Labour Mantry I may be permitted to make the comment that this is nothing but a document which reveals the beginning of the decline and il de-back of the power of the Labour Vinnity, of course, after that initial advance You would agree with me that the working class of our country has been denied the fruits of what they call the first freedom. The working class of our country also joined the vast masses of the country to win the second liberation, the second freedom Again the working class of our country is going to be denied the fruits of the second freedom although they have borne the brunt of the attack from the bureaucracy and others in power

I want to mention certain instances to prove my accusation that the Labour Ministry has started a process of re-treat. The Labour Minister is to be accused in history that after exhibiting initial success he started the process of retreat The trade union right is the most essential part of the trade union

movement. We want the democratic trade union rights which were taken away to be restored. It was the duty of this Ministry to expand, broaden and deepen that right. But what has actually been done? You know that the trade union rights had been eurbed by the M.P. Government in the form of mini-MISA. Does it not constitute a retreat on the part of the Labour Ministry whose duty it was to restore the democratic and trade union rights of the working class? Several strikes in U.P. have been declared illegal. Is it restoration of democratic and trade umon rights? You will be astonished to learn that the Delhi Administration, under the directives of the Home Ministry of the Government of India have very re-cently declared all the sectors of industry in Delhi as essential services, thereby putting a blanket ban on any kind of strike in the Delhi metropolitan area. You know that Maharashera Government has promulgated a pernicious ordinance which provided for prosecuting absenting workers and employees.

List of all, I only want to mention an instance of attack on democratic and trade union rights by the Billian Covernment proposing that the employee control of the proposing that the employee traits unions, peaceful agitation and offering diaman. As a matter of fact there is a blanket but on the under the employee of the Government can be under the employee of the Government can be used to be

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): You have referred to many States, but not to the Centre.

SHRI CHITTA BASU: I will come Bat the Central Government over which you are preciding, is committed to retraining the democratic rights. We will be a consistent of the control of the c

outside this hall shall not accept it lying low. I say, the bonus issue is also a retreat particularly for him. I would only mean to say that the boens is a time henoured concept, it is also a legal ferror sugar. And by conceiling that the matter should be decided upon by the Blootalingam. Committee is retreat and he cannot deny. You have allowed the concept accepted by the country, accepted been allowed to large it before the Committee of Blootalingam. It is not a retreat ? I say it is a retreat on the part of the Labour Musitry here. Again, the Blootalingam Committee comes when the Government said and the said of the said of the committee of Blootalingam. It is not a retreat? I say it is a retreat on the part of the Labour Musitry here. Again, the Blootalingam Committee comes when the Government said and the said blootalingam Committee comes when the committee of Blootalingam Committee that the said of the committee of the co

Sir, my burden has been lightened by my friend when he quoted the Circular inseed by the Ministry of Finance Lay De has received, because it with a finance of the circular inseed by the Ministry of Finance Ministry and if he was to part steady he had been a tripertile discussion on the basic ways revision from body to graze in his pasture. It is the Finance Ministry, the foreign sheep which is to Hyange ministry, the foreign sheep which is the head of the high sheep with the high sheep

I also want to mention one thing here there is permission comprise, me there is a permission comprise, me the second of disparities, doa'nt want disparity of income, wages and prices. But it is the Finance Ministry within looking after the work of determining it. Disparity houses and multi-finance in the second contraction of th

[Shri Chitta Basu]

intilizeds are also to be taken late account, and then you can level them fonted and down that you are taking, ones only to level the income of a section of organized labour, under the logan of organized labour, under the labour and proces. This is where the Labour Minister has scored a retreat—and not a victory.

The last item of retreat comes in the case of Wage Board for Vorking Journalists. You will argue with me that the empirer in most proposed in the complete of the case of the law Section it of the Working Journalists Act specifically and clearly confers this on the Wage Board—Tquote 2

"All and any of the powers which an industrial tribunal coneticuted under the Industrial Disputes Act."

Madam Charman, it is the emparer and the owners of the newpaper is durry who have been beyond the transport of the property of

What the wacking classes in India want, after the Second Libera ion, is a wrong independent Labour Missiry

Vinstry I am sorry to find the Labour Mental of I was Manty-out the Labour Mental of the Labour Mental of the Ment

With hese words I conclude I want an answer from the Minister to these points

थम तथा संसदीय शार्व मंत्रासय मे राज्य मत्रो (थी लारंग गाय): गमापति बहोदय, थम विभाग की भाग। पर गिटन दिन में चर्चाचन रही है। हमारे विपक्ष वे माननीय गदम्य थी माठे, जिनवे प्रति मेरे दिन में मायन्त श्रद्धा है, मैं मानता ह वि यह वाफी मीनियर हैं, जब यह बाली ग्रहे हुए तो मेरे मन मे एक सालगा अर्थ। नि भागदग गीनियर मोन्ट भादमी ने द्वारा इतन दिनाका धनुभव मुननेका धनगर मिता है, जिसनो मुनवर मैं इस देश के श्रीमना के लिए उसका उपयोग कर बत्तमा. ऐसी मेरे मन में उत्पृत्ता हुई और इमीनिए मैं उनना गारा भाषण एर बगने की तरह स्थान समा कर मून रहा 411

एक बान ती उन्होंने गाप भीर मही वहीं हि छैतिहर मजदूरा के लिए काम करना इतना धामान नहीं, इस यात ना उदिने स्वीजार किया। उन्होंने इस बीच यह भी वहा कि सर्व इस देश के लागी का 19 महोन की एमजैसी का भूल जाना भारिए। में भी मानताह कि भगरे पिछती योती हुई बाता में हम उनमें रहेंगे तो शायद हा सरना है ति हम उन मञ्जूरा के निए ज्यादा बाम न कर गरें। यदि हमारी मपील से, \_हमारे कहने में इस देश में मजदूर भाई पिछती एमजेंसीकी बाताको मुलना चाहत है, ता मैं कहा। हूं वि जरूर मूलें, लेकिन जहाएक तरफ हमे उस एमजेंसी **वा भू**तने की बात वही जाती है, वहा उसी बात को घण्डा मिद्र करने के लिए मयय-मयय पर भौर स्थान-स्थान पर भगडे बरवाने के प्रयास चल रहे है। यह स्वय जमे बाद दिला रहे हैं, ता हमारे मजदूर नमें उसे मलें<sup>?</sup>

हम इस बात का मात लें ति एमजसी को सजदूर भल जायेंगे, लेकिन पिछने 30 साल में जो काम हुमा है उससे उनका हित बहा बा हुमा है, इस बात का सजदूर कैसे

भूल सकते हैं ? पिछले 30 सालों में जनकी सरकार ने खेतिहर मजदूरों के बारे में क्या किया इसको कहने की गुजाइश नहीं। में सोच यह रहा था कि साठे जो आज हमारे सामने ऐसा नवशा रख देंगे कि पिछले 30 साल में इन मजदूरों के लिए क्या क्या किया गया है और अब हमने एक साल में क्या किया है, यह वह हमसे पूछेंपे, ऐसा मझको समता था। लेकिन खेतिहर मजदूरी के लिए कुछ करने की बात तो दूर रही, उन्होंने इस बारे में कुछ भी नहीं किया।

हम यह मानकर और धैयं रख कर चल रहे हैं कि जो मुस्किल काम है, उसे भी हम हिम्मत के साथ करेंगे, ऐसा हमने संकल्प किया है और इस देश के खेतिहरों के लिए भी बचनबढ़ हैं कि कुछ न कुछ कर के दिखलायें। इसलिए हमने एक सम्मेलन बुलाया था, उसमें खेतिहर मजदूरों के बारे में ही चर्चा हुई। उसमें कुछ तथ्य भी सामने श्राये जिन में से बहुत सी बातों पर सभी एक मत ये ग्रौर ऋष्ठ वातों में दो मत भी ये। उससे हमको काफी फायदा हुआ।

हमने आई० एल० औ० करवैत्शम को भी मान लिया है। उसमें हम यह प्रयास कर रहे हैं कि उनको संगठित करने के लिए जितना हम सहयोग दे सकते हैं, उसको देने के लिए प्रयास करते हैं। हम जानते हैं कि जब तक मजहरों का संगठन नहीं होगा, तब तक उनका भला होने में दिशकत हो सकती है।

माननीय सदस्य, श्री सौगत राय, ने--वह इस समय सदन में नहीं है--इस देश के बंधुमा मजदूरी का जिक करते हुए कहा कि यह सरकार बन्बुद्धा म**बद्दों** के बारे में बहुत मन्दगति से चल रही है। वन्धग्रा मजदरों के सम्बन्ध में पिछली सरकार ने क्या किया है, उसका अन्दाचा इस बात में लगाया जा सकता है कि इस समय सामने

की वैचिज खाली हैं-- मैदान साफ़ है ! वंबुआ मलदूरों के वारे में कानजों पर कुछ हुआ होगा, लेकिन कार्यरूप मंजूछ नहीं हुआ। जिस गांच में मैं रहता हूं, वहां भी वन्धुया मजदूर हैं। जब बंधुया मजदूरों को मुक्त कराने के बारे में फैसला हुआ. उस समय मैं विधायक था। इस सम्बन्ध में जो मीटियह ई, उस में मुझे भी बुलाया गया । बहु जान कर मुझे प्रसन्नता हुई कि अब इस देख में वैधुआ मजदूरों की प्रथा समाप्त होगी। उस मीटिंग में कहा गया कि जिन लोगों के पास कोई जमीन नहीं है, और उस के कारण श्राचास की व्यवस्था नहीं है. उन सब को आवास के लिए जभीन दी जाये जहां उन के रहदे के लिए मकान बसाये जायेंगे ।

सैकिन उस समय की बनाई हुई स्कीमन के अन्त मंत कोई घर नहीं बना, और जो घर यने भी, उन में कोई मरादूर नहीं रह सकता है। हो सकता है कि यह योजना एयर कण्डीं-जन में रहने वाले पढेलिखे वडे आदिमियों ने वनाई हो। इस बारे में मजदूरों की सलाह नहीं मांगी गई। कागजों में तो बंधुआ मजदूर छूट गये, लेकिन बास्तव में वे फिर उसी मालिक से प्रार्थना कर के उसके यहां काम करने के लिए मजबर हो गये। इस लिए वन्युझा मजदूरों को केवल छुड़ा देवे से काम नहीं चलेगा। उन्हें प्रपने पैरों पर खड़ा करना पड़ेगा। लेकिन पिछली सरकार ने बन्धुमा गणदूरों को रीहैबिलिटेट करने के लिए उन को बसाने के लिए, कोई कार्यक्रम नहीं बनाया। इसलिए हमते गम्भीरतापूर्वक विचार कर के यह निर्णय लिय है कि इन मजुदूरों को केवल मालिकों के यहां से निकालने से काम महीं चलेगा, वल्कि इन्हे अपने पैरों पर खड़ा करना पड़ेगा । इस के लिए हम ने बजट में एक करोड रूपय का प्रावधान किया है। जो राज्य ग्रपने यहां वन्युया मजदूरों को बसाने

[श्रीं लार्ग साय]

कं निर्ितनिर्देश वी बाग गरेगा, जनमा भं सा हम जन का देंगे। पिछ्ली सप्तार द्वारा इस बारे में निरुद्ध प्रवास गड़ी रिचा गया था। भाव मी गईस्वारीगर बन्धुया मदर्गर है। हम प्रयास गरे रहे हैं वि इस तरह के सम मदर्गरों गा था। तथा वर उन्हें पदने गैरी गर बड़ा विचा जाये।

श्री राम देनी राम (पलामू ) एक करोड रुपय से बधुया मजदूर मुक्त नहीं हा सर्केंगे ।

धी सारगसाय वह ता टाकन ग्राट के रूप में है जिस राज्य का जितनी जरूरत होनी वह उमे मिनेगा।

श्री मौगन राय न माइब्रेंग्ट खेवर का दिक निधा है। लाज सभावा मेन्यर बन्दे के बाद जब मंदिल्ती के लिए रवाना हमा, ताउन से दादिन पहले मझे पता चला नि मरे गान सं दो मजदूर हरिद्वार, मधीरेंग, उत्तर प्रदेश में वाम कर रहे है। जन नक्ती की भाने रोक्य मुझ से कहा कि माप ही उम लहकी और मेरे दामाद का गता लगा मनते हैं, मेरा और काई नहीं है। जब में दिल्ली श्रामा ता एक इतदार के दिन मौता मिलने पर में हरिद्वार गया। इति द्वार ने पास जगन म गगा नदी के जिनारे नहर ना भाम चन रहा है। दिन भर ब्हन बूबते शाम के बाठ वजे हैं उन अबदुरी का पासका। उन लागा का हालत दख कर मेरी ब्रावा में ब्रायू ब्रायय।

मैं मार्थेण्ट संवर की ममस्या का आगवा हूँ। इस जिए मैंनतव किया दिहम जल्दी इस के बारे में नानून जनावें। एक कमेटी बनाई गई थी। उन को रिपार्ट प्रागर्द हैं। इस जनी हो एन कानून बनायों, जिस म उन नोगों के उन्ने दबाई, वंदि के जिए प्रीर उन्हें बाएम मेजने ने बारे में स्वक्रमा रहेशी। इस ने उन के निए मारी अवस्था करने को कोविश्व की है।

कुछ माननीय अदस्यों ने वीडी मजदूरा ने सम्बन्ध से नहा है। मैं दादिन पहले प्रता गयाथा। मैं इन बात से इन्बार नहीं करता है कि उन की हालत वडी खराय है। पुना जाने के बाद में उनके घर गया में यह तम करके गयो या कि साज मैं उनके यहा खाना खाऊगा । उनके घर कितने ऊचे हैं या चीटैं हैं और एक घर में कितने सोग रहत है इसका भाष यन्दाज लगायें। में जानता है कि वे अच्छी हालत मे नही हैं. वडी बुरी हालप म हैं। मैंने उनसे पूछा वि बया मालिक यहा धावर धापमे महयोग करने की बान करते हैं तो उन्होंने उसका नवारात्मक जवान्न दिया । मैंने छनसे यह भी पूछा विक्या वभी कोई ग्रफसर ग्राप के पाम ग्रापकी हालत पूछने के लिए भाषा या कभी कोई मबी भाषाता उन्होन कहा कि द्याप हो पहले भादभी है जा हमारे पास आय है। मेरे साथ बेलफेयर कमिश्नर में, देन्द्र कभी स्रोर राज्य के भी। मैन उन मजदूरों में पूछा कि भाषका क्या तकलीक है, स्राप बताइया । पहले कभी काई स्नामा भी हागा ता उसने सनिट हाउस या विसी सेठ वे यहा बैठ कर बात की हागी लेकिन मैं उनके घर पर गया था । जिसमें वह खडे प्रभावित हुए। मैंने उनके रहन सहन की देखा है हमारे मध्य प्रदेश में भी माफी बीडी मजदूर हैं में उनको पहले से जानता है। उनके निएयर की व्यवस्था करने की भाषश्यकता हैं। बीडी बनाने वाली को तस्वाक के कारण क्षय रोगकी शिवायत होने की अधिक सम्भावना रहती है। बुछ मालिको का कहना या कि जा लाग घरों म बैठ कर बीडी बनाते हैं उनका हम ज्यादा सहलियत नहीं देसकेंगे, औरलाका हमारे सामने आने में शर्म साती हैं, वे ध्घट लगाती है। मैं क्रनीटक गया, वगलीर गया बहा पर 60 प्रतिज्ञत महिलायें थी। पूना ने सम्मेलन में 90 प्रतिशत महिलायें थी। हमने

तथ किया है कि घर में बैठ कर बीड़ी बनाने वाली महिलाओं को भी फैसिलिटीख देंगे। (ब्यव्यान):

इती तरह से मकान बनाने और सकंग्र में काम करने वाले मजदूरों का भी स्वाल है, कभी कभी उनको खतरा हो जाता है और उसके बाद उनके परिचार के लिए तथा उनके दश्यों के लिए कोई गूँधायम प्रभी तक नहीं थी जिससे कि उनकी मदद हो सकती। इसके लियें भी हम प्रयास कर रहे हैं और कुछ करेंगे।

हं हुँबट मजदूरों के बारे में भी कहा भया है ! जैसे माता-टीला के सम्बन्ध में बात उठाई मई भी ! में माताता है कि उनकी हालत ठीक नहीं है ! इसके लिए हमारा एक एडवाईबरी बोर्ड है, यहां कहां कड़ेंक़ बीरत को चरम करने का स्वाल बाता है बहां हम बरम करते हैं ! इस कानून में तक्षीओं करने के लिए कुछ बोनों में सवाह हों भी जमते किए में हम प्रयास कर रहे है और जस्बी मंगीबन करेंगे !

हमारे भाई सीयत राय जी ने कहा कि मजदूर वैजकेयर को हालत वडी बरी हैं। सें इससे इनकार नहीं करता। पिछते दिनों में धनबाद गया था। वड़ों कोल माइन के भजदूर जिस घर में रहते हैं, जो पहले पहल उनके लिए घर बनाये गए थे, उस घर में नियस कर देखा। में उसमें पांच मिनट ही रहा और पांच मिनट में ही मुझे महत्रुस होने लगा कि अगर मुझे बीस मिनट में रवा जाये तो जायद मझे घतीट कर बाहर निकालाना पढ़े। इस प्रकार को वहां हालत थी। मेंने दूरन्त आकर निर्मय लिया कि वैलक्षेयर से सम्बन्धित जो भी गडबेडियां हैं. परों को बनाने में या दूसरो उनको दुवहुत करने के लिए कमेटी बनादी जाये। यह कमेटी जल्दी ही अपनी रिपोर्ट देने वाली है ताकि उनके मामजी मैं औक रंग में काम किया जा सके। उसी त रह से इस बलके ब्रर में जो अञ्चाचार है, उस को खत्म करने के लिये, सही हंग से उन की सहायता मिल सके—उस की छानवीन करने के लिये ही? उस का क्या सहीं एसता ही सकता है, क्या तरीका हो सकता है, इस को जानने के लिये यह कमेटी बना बी कई है जिस की रिपोर्ट माने वाली है और सरकार इन चींचों में सुदार लाने कें लिये पूरा प्रयात करेगी:

में पिछले दिनों धनवाद गया था, वहां मुझे कोन्नायरेटिव की दुकान दिखलाने के लिये ले गये । कोम्रापरेटिव की दकान होना एक बहुत प्रच्छी चीख है, लेकिन मैंने देखा कि उस दुकान की दशा बहुत खराब थी। मैंने मखदूरों से पूछा कि इस दूकान से आप की क्या-क्या मिलता है। कई जगह मुझे को लोगों ने कहा—इस में जो कपड़ा रहता है, वह हम नहीं पहनते हैं। क्ष्म की नमक चाहिये, लेकिन वह यहां नहीं रहता है। इसके बारे में भी हम ने सोचा और एक कमेटी वना कर कहा कि जल्दी से रिपोर्ट दो कि किस ढंग से कोन्नापरेटिका की दुकानों का ठीक दंग से चलाया जा सकता है। हम इन दुकानों को भी ठीक ढंग से चलाने की कोश्विश करेंगे।

सभापित महोदया, मैं धाप का ज्याचा समय नहीं सेंगा चाहना हूँ। यह वात सही है कि हमारे अनेक निकां ने यहुत प्रण्डे सुतां पिते हैं, उन सुतां में कि निर्माण कर महारा में निर्माण कर महारा है उस महारा महारा महारा है स्वारा स्थाण करा महारा है स्वारा महारा महारा है स्वारा महारा महिला कर महीं ।

्इन इन्दों के साथ में पुत: आप का ध्रम्यबाद करते हुए अपना भाषण समाप्त करता हूं। MR CHAIRMAN ShriRam Gopal Reddy

श्री उस क्षेत्र (देवरिया) मानतीय समापति महोदय, में एक निवेदन करता चाहता हूं। प्राप स्वय मबदूर नेता हैं प्रीर करायाने में रोड हो प्राप से मुतानात होती रहती है। प्राप जानती हैं कि श्रम महाज्य का कितना महत्व है। प्राप जानती हैं कि श्रम महाज्य का कितना महत्व है। प्राप कर बरहा साव-तीन बने तक नेपी, न्यों कि प्राप में र सरकारी दिवस है। यदि सब लोग निर्मयत समय में बोतें तो हम लोगों वा भी पाव मिनट मिल जावें में। इस लिये निवेदन हैं कि प्राप मोडा-योडा समय कम पर देविय, जिस से भीषक लोगा को मोवा मिल सर्वे से

cooperate so that the maximum number of Members can participate in the debate

Shri Ram Gopal Reddy

SHRI M. RAM GOPAL REDDY

The bonus which was granted by the previous Government was taken away during the Emergency But the present

keeping with their promises, have canctioned the bonus of 8 33 per cent to all workers. For that, the Minister deserves all congratulations

Regarding the workers, I want all

for the Covernment is creating trouble for the country. The production must go up and at the same time, we have to help the workers to get their due. I would request the bon. Minuster to see that bousing facilities for the workers are improved. In-

What he said was quite correct that is way I say that as far at his mardoon are concerned, in some places, they are given-hours and in some other places, they are not given borns. I will give all these that they was a some places of the places and the said of the said o

having so much of money

s ...... one the and thirts a mane congruenlated the Manuter

As I submitted earlier that there was a labour discontent, what are the reasons for the labour discontent? One of the

for the labour discontent? One of the reasons is that there is corruption in the Labour Ministry which has reached all time record.

There high concillation officers have been openly demanding money for the inclusions of the demands in the conciliation and also some people in Mantrayalas have been openly demanding bride from the employerarycting references of the worker while referring to the industrial tribunals.

However, I may submit that there are scores of writ petitions pending in the High Courts of Bombay, Karnataka and other States against refusal of the States to refer the workmen's demands to industrial tribunals. Why should these trade unions resort to this machinery where corruption is rampant? The remedy lies in the amendment of the Inneary nes in the amendment of the in-dustrial Disputes Act. The trade union should be given a right to approach directly, the industrial tribunals and labour cours in all disputes without any reference to the Labour Ministry. This would not only cut off corruption but also prevent delay,

Another reason is that victimisation has been one of the principal reasons which has resulted in a large number of strikes. The, Industrial Disputes Act should be suitably amended so as to provide speedy disposal of all cases of vic-timisation. Today the normal period required for disposal of a case of victimisation is not less than 3 years. It is also necessary that in all such cases of victimisation suitable provision for payment of subsistence allowance should be made pending decisions of the courts.

Another reason for the present industrial unrest is the ignorance of trade union trial unrest is the ignorance of trade union leaders of the present labour laws. One of the demands made by the INTUG labour leader is payment of minimum wages in accordance with the Industrial Disputes Act. Now, no such minimum wages have been prescribed under the Act, but they are fixed under the minimum. wages. Moreover, he made such claims where wages paid are higher than the minimum wages,

Another important reason for industrial unrest is a strong hatred of employers for certain trade unions.

Some employers are so much obsessed by certain names that they are willing to pay any price to get them out of their industrial units.

Experience shows that, in such units. strikes and lock-outs normally last for a long time as the workmen think that they have selected a right leader to teach a lesson to their masters.

The employers are not willing to dis-cuss with such labour leaders, though they belong to recognised trade unions under law. In the process, the employers in many cases employ a large number of goondas and anti-social elements to meet the situation. But in the end, the discipline in the plant is completely undermined.

A penal clause is required to be ireor porated in the present law so as to male it compulsory for employers to discuss matters with the office-bearers of the Unions which are recognised.

The uncertainty caused by announcements, pronouncements and speeches of Ministers from time to time has contribut at anissers from time to time has continued substantially to the present labour unrest. The Central Government declared that it would give guidelines for purposes of exempting industrial units from the payment of bonus under the Bonus Act. No guidelines have been announced till today. But the employers who did not want to pay even the minimum bonus to their workers took full advantage of the aforesaid announcement and applied for exemption. They informed their workmen that they should wait till their applications were decided by the State.

Applications for exemption from payment of bonus have been rejected, but the bonus has not been paid, resulting in strikes, gheraos and go-slow in all such

MR. CHAIRMAN: Please conclude.

SHRI JANARDHANA FOOJARY: I may submit that, in the country, there is unrest. Particularly when there is a voice of dissent, we have seen, the wora voice of distinct, we have seen, the wor-kers are killed by builets. It has been said that democracy has been restered. What type of democracy bas been restered? I do not understand this legic. When there is a voice of dissent, the workers are killed. For what? For raising their legitimate grievances, not for any other thing. When grievances are put for-ward by the workers, the grievances are met with bullets.

So far as the Bhoothalingam Committee is concerned....

MR. CHAIRMAN: You should corclude now. You are going from one Joint to another. There are a large number of Members who want to speak.

SHRI JANARDHANA 100JARY So far as the Bhoothalingam Committee is concerned, I may submit that this Committee is composed of bureaucrate and leaders of the management institutions. As I submitted in the morning. the composition of this Committee is particularly aimed at, and there is an attempt at, initiating a wage freere in the public undertakings in a deceptive way. I would ask the Minister to wind up this particular Committee because the trade union leaders have howcosted this Committee, their understanding is that the approach of this Committee would be a bureaueratic one and even the decision of the

[Shri Janardhana Ponjary]

Committee would be a secreptable to all concerned So I would request the Labour Minister to consider the appear of the numer and consider woulding up of this Committee in the interest of the labour movement.

Finally
MR CHAIRMAN Please conclude
MR chairman Please conclude
to cooperate with
me

SHRI JANARDHANA POOJARY
The bidi workers must be pad at least
Rs 7 per thousand. They must te pro
vided housing facilities med cal facilities
educational facilities.

MR CHAIRMAN Please conclude SHRI JANARDHANA POOJARY \* You are also concerned about these buds

MR CHAIRMAN Excuse me I have to call the next speaker

SHRI JANARDHANA POOJARY

श्री जगदीश प्रमाद शापुर (सीवर) श्रम महालय के सम्बन्ध म पिछले वर्षम जो परिध्रम श्रममती थीरवीन्द्र वर्गजी ने क्या है सबन म उसके लिए उनकी काफी प्रशसा हुई है। इस रिपोर्ट म जो प्रस्तृत की गई है कुछ क्मिटियों की चर्च की गई है। लेकिन बात जब राज्य यदी महोदय ने भावण दिया जमसे ऐसा लगा कि यह मतानव यव केंबल क्येटियों के आधार पर नामने लगंगयाहै। क्तिनी क्मेटिया के नाम इन्हान गिनाये। किसी कमेटी य उनरा कार नहीं या फिर भी इतनी रूमेटिया क नाम गिता दिये । क्या श्रम मजालय कमेटियो के द्वाराही चतेगा? मजी महादय ने जो भी प्रयास किये उसके बाद भी उर ग्रांच के दिन भी ग्रायातकाल म क्या हमा केवा उसी की चर्चा करेगे तो समस्या का निदान नहीं। होगा । ब्रापातकान म जो ना उसका निदान मत्री महोदय न कर क्या । श्रीवीडेंट फड़ के वारे में आपन निणय ने लिया, जिन्हें नीकरी से हटाया गया या सनकी बहाली ग्रापने निजय ले लिया, और भ्रतिवार्यं जमा के बारे म निषय स निया। लेकिन इतने निणय तेने के बाद भी बाज जा परिस्थिति विगडती जा रही है इस पर अगर

आप सम्भीरता से विवाद नहीं परेंगे तो वाम नहीं पतेला । उन्होंने वेवल एव बात की वर्चा की कि प्रवादकात के दौरान जो अभिन से बढ़ वर्ध हुए थे, एव उनकी पूला बातवंग्ल निसा है। हमने घगर समस्या का विवाद विवाद है, किर भी समस्या देश होती है तो हुछ उनके वारण हो सकते हैं जिनको प्रावशे दूर वनना चाहिये।

## 15 hrs

एव जगह भावने इटर यूनियन राइवेलरी वा जिक रिया है। इस सम्बन्ध में मुने वहना है कि अपन प्रान्त म देखने का मिला है विशेष तीर से जा सी॰ धाई० टी॰ यु० युनियन है बह इस प्रयत्न म है कि काई भी दुसरी यनियन वहां न जमे। हमारे प्रान्त म कई जगह पर मारपीट श्रीर हत्यामें १६ है। इसलिए में बहुगा पि राजनीतिक श्राधार पर हा सकता है कि सी० पी० एम० से कोई ऐबोमट हो लेनिन उससे पुनियन नहीं चलने वाली है। देवर मूबमट में जिस प्रकार से सी॰ भाई॰ टी॰ पू॰ वाम वर रही है भीर दूषरे भगठना को काम नहीं भरत दे रही है उनी रा परिणाम है कि हर जगह पर झमान्ति फैल रही है। इसलिये इस प्रनार का जो राजनीतिक हुनीमून सी० पी० चाई० एम० ने साथ है, भी० माई० टी० य० वे साथ है, उमना ममाप्त कीजिये, घीर जो श्रमिका मे सम्बंध मे जामप्रिहसिय लेवर ला बनाने वाले वे उसम विलम्य वरेगे हो उसवा परिणाम हम सभी नो मोगना पडेगा। विस यूनियन की जितनी सच्या है, क्या स्थिति है इन भाधार पर आज कई दिन। से चर्चा चल रही है खेतरी ने अन्दर आज जो स्ट्राइन चल रही है उसका मूल कारण मझी महोदय न बताया कि वहा पर कोई मान्यता प्राप्त यूनियन नहीं है। ता उसकी व्यवस्था धरनी नाहिए। वे कहते हैं कि इसलिए नहीं हो सनना क्याति केन्द्रीय सरवार ने कोई कानून मही बनाया । श्रव कानन विलास्त्र के बारण से अगर देश के अन्दर थम स्विति विगड रही है और लोग उसका

लाभ उठा रहे हैं तो मंत्री महोदय इस सम्बन्ध में विशेष चिन्ता करें। ग्रीर जिस प्रकार से वम्बई की समस्या श्रीमती मुणाल गीरे ने दत्ता सामन्त की यनियन के कारण बम्बई की समस्या बतायी, वैसा केवल बम्बई में ही नहीं बहिक सारे उत्तर भारत में, मध्य प्रदेख, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, सभी जगह थिमर ग्रान्दोलन केवल मांग के लिये कि उनकी कोई जैनइन मांग है, मांग की पृति के निये नहीं, बरिक श्रीमकों में ग्रमना वर्षस्व स्थापित करना है। चीर इस माते मुझे विशेष रूप से कहना है कि जिस प्रकार से सी । प्राई० टी । यु० श्रमिक जगत के अन्दर संशान्ति और हिंसा पैदा कर रही है, उसके बारे में ग्रगर मंत्री महोदय ने निर्णय नहीं लिया तो जो कुछ भी आपने प्रयत्न किये हैं, जो कुछ भी धापकी प्रशंसाकी गई है वह सारी प्रशंसा ग्रगले वर्ष में समाप्त हो जायेगी. सारी परिस्थित खराब होगी।

जहां तक लेवर रिलेगन्स विल की चात है मैं कहना चाहता हूं कि वित्त मंत्रालय ने भ्यालिगम कमेटी बनायी । उन्होंने नायद श्रपने संबंध में, नए वर्ष में कर लगाने के सम्बन्ध में जो स्पवस्था की है वह तो ठीक है। लेकिन मजदूरों के लिये, खास तौर से पव्लिक सैक्टर इंडस्टीज में काम कर रहे मजदरों के लिये, जनका समझीता हम हो गया और इय होने के उपरान्त भ्यालियम कमेटी की वजह से उसको लागू नहीं कर रहे हैं। इसलिये उस सम्बन्ध में आप विचार करें।

मजदुरों का प्रीवीडेंट फंड जमा नहीं किया जा रहा है कम्पनियों की और में, श्रीर माननाय जार्ज साहव यहां उपस्थित है, उनका रुपया जहां पर लगा हआ है, जिस कम्पनी के अन्दर केन्द्रीय सरकार का बहुत पैसा लगा हवा है, और इस सम्बन्ध में चर्चा भी हुई थी अयपूर उद्योग की, वहां पर जो मजदूरों का पैसर था उस पैसे को जयपूर उद्योग कालों ने जमा महीं किया है, और इसके कारण प्रौकीडेंट फंड का पैसा मजदूरों को नहीं मिल रहा है कम्पनी की श्रोर से। उसकी दजह से ग्रशान्ति का बातावरण देश में फ़ैल रहा है। इसलिये में मंत्री महोदय से कहंगा, यहां पर जो "मैजनल हैराल्ड" अखबार या उसमें भी जो धमिकों का प्रौदीहेंट फंड का पैसा था उस पैसे को मालिकों ने जमा नहीं किया। इस के बारे में में जब राज्य सभा का मेम्बर वा चर्ची हुई थी। उस सम्बन्ध में भी चर्चा हुई । तो इस सम्बन्ध में भी मजदूरों में भ्रामाति न रहे, चिन्ता न रहे, इसके लिये में मंत्री महोदय से कहुंगा कि वह इस सम्बन्ध में भी कदम उठायेँ।

खासतीर से अपने देश के अन्दर वंधुया मजदूरों की वात मंत्री महोदय ने कही कि 10 साख मजदूरों में से 28 हजार लोगों के पुनर्वात की व्यवस्था की गई। आपने कहा कि बंधुआ मजबूरों को हमने मुक्त कर दिया है। आपने 10 लाख संख्या बंताई और 28 हजार की काम दिया है तो यह कोई कैंडिट लेने वाली वास नहीं। अपने देश में जिस प्रकार से कज्ञल लेवर है, ठेकेदारी प्रया है तो इसके सम्बन्ध में क्या सरकार निर्णय नहीं लेगी ?

वेलाडीला से जो कुछ हत्याकांड हुआ है, वह भी सारे केंजुजल लेवरर थे। हिन्दस्तान कंस्ट्रनशन कंपनी सरकारी कंपनी है, वहां ठेकेदारों के माध्यम से कंस्ट्रवशन कराया जाता है। सारे उसमें केजुधल लेवरर हैं। इसके सम्बन्ध में सरकार को निश्चित रूप से नीति बनानी चाहिये। अगर सरकार ने कोई नीति नहीं अपनाई, बेतन की जिसत व्यवस्था नहीं की तो यह एक बहुत बड़ी समस्या है।

उसी प्रकार से एग्रीकल्चरल लेवर के चारे में रिपोर्ट में केवल दो पेज लिखे गये हैं श्रीर यह कह दिया गया कि यह प्रान्तीय

312

[थी जगदीश प्रसाद मासूर]

311

सरहार को बान है। धनरहम धानेनाइण्ड मैतर को देवें, वह बहुर बालो मो, मो उननी नमस्या रा हुछ जान मरेले, लेखिन देख मे बहुत थड़ा भाग अगर लेवर हम नहीं है तो वह एडीनन्चर लेनर है और धनर हमने नेवल राज्य सरमारा के भराम हम समस्या जो छोड़ दिवा तो में ममजता हू नि इसमा निवान नहीं होया।

इसलिये महीरय ने इस साल भर म जे कुछ दिया है, उसके लिये मैं उनकी जरू प्रमाश द रात, दिनन माने वाले बयों में निषित रप से देश में निस प्रकार कुछ प्रमुख प्रमित्व स्पठना की नीति, है उसके परिणाम स्वरूप प्रमित्व प्रोधीतिक द्वारा पैदा होगी। इसलिये घोषोतिक द्वारा को रीकने के लिये भनी महोदय स्वतं कि उन्होंने कीन में उपाय निकाल है, जह प्रपत्ने भावण से इस पर जहर दकान दालेंदे, इतना ही मुझे निकेश करना है।

धी वप्रवेश (देवीरागा) हमाणीत महीदमा में हवने पहले माननीय मही जो को वा वाणा ने नित्रे वधाई देवा चाहता है। पहली बात ता यह है कि एक्टमेंसी में जो बीतम का हुई बाट दिला गवा था, वह मझी जी ने पुन देना बातू कर दिला है। दुवारी उनना मंदिन वचाई यह देना बाहजा हूं कि माल मर में बीतम ने नानून में यह 8 33 मिलान बानल दिलाने पर विवार करेंसे।

मेरे मिलों ने बहा नि बहुत की हुटकाल हों गई। माफ कीजिय जब 2 माफ हमारे मूह पर ताना जमा दिया, हमें तिहाद जेल माफ हमारे मूह पर ताना जमा दिया, हमें तिहाद जेल मोर बरेजी मंद्रण जेल में मेज दिया मीर उड़े के वह पर एउंग्य करती रहें। जब हमने मूह जीना ती मा वात बड़ा तेनर वहरूर निर्देश मीर हम ही वा मारते तहें, तो यह ता जबरी होंगी तो में ममजता हु कि मजहर पर पर में ट्रेमें, तिहन गवहर पर गहें ट्रेमें, तिहन गवहर पर गहें हों। हमिला पर हमारे ट्रेमें, तिहन गवहर पर गहें ट्रेमें, तिहन गवहर पर गहें। हमिला दी बताने

वाने मनदूर है मनर क्षतमांग है कि मती वो वोन रहे हैं, सब का पर भीर पान देखे हैं, सिंग मीर व्यक्ति सादनी क्या है बहुन हो देखते। कान मार्डे 3 व्यने रीज में 27 वरोड कोन गुनर करते हैं 1 टाटा, दिला, मुनरकत नारधन, क्यान, मिहानिया भीर कोन क्या है, दन्ती दिखीन देखिये। 45 करीड का टाटा भीर विराग देखते। 1 हनार करीड का टाटा भीर विराग देखते। 25 करीड का टाटा की विराग देखते। 25 करीड का टाटा की विराग स्वास्ति महीदया, कारपानी में मुनिवनों है प्रभाग में भाग की काडा करती है, तेरिव में यहा थी नीरिव की दुछ लाइने कहा चाहता हु—

सनकी हाबस, मन का बूनाहमार बना देती है, बाव के बात को बीमार बना देती है, मूखी धनस्थि को मदेश मुनाने काला, मूखे इनान को गहार बना देती है।

पूर्व क्यान की नहर बना दता है।

मैं भी मीरताय से कहना चाहण है,
नेतिन वह मेरे विश्वर के हुन है जो गये

हैं, मैं मंबी जी में बहुना काहण है जेना
हमारे मित्र में बहुन है, बही बहुत है,
मार्च दस्ते जबदेम है, बही बहुत है,
मार्च दस्ते जबदेम है, बही बहुत है,
मार्च दस्ते जबदेम है, बही बहुत है,
में भी की बाज जब मोली से देने जाता मही
है। अफ कहन बहुत में कि जोवन में ही
में भी मेरी की उद्यात होनी है।
बहुत भी बहुते में कि जब तुम सरकार में
या जाता, तो बाजने ते काम नहीं जेगा,
नाम के सोना।

बहा वर बीडी भवदूरों वा सन्वत्थ है मोहन्तान हर्रभोजर—वडे प्रिया सो बडे निया, छोटे निया सुमान प्रत्याह—ने विलाक मबदूरी के द्वाव ने बारे में एवाई हुँगा, मगर उतने प्रवानन से बरकारत दे कर सामले को सदना रखा है। चाहिए तो यह या कि उस के पर और सामान क्यारह की मीलामी कर के वह पैसा चसून किया जाता, तेकिन कानून में खामी होने की वजह से ऐसे लोगों के ख़िलाफ़ कोई कार्यवाही महीं की जा सकती है। इसी तरह विमकों ने भी कभी पैसा नहीं दिया है। श्री जार्ज फ़र्मानिंडस ने उस को लेने का शस्ताव किया है। हम लोग स्पायर इस वारे में खालां उठाते रहे हैं, लेकिन पहले किसी ने इस वारे में कोई कार्यवाही नहीं की। ये लोग दो झाने की दरस्वास्त दे कर सुप्रीप कोर्ट में खेला जारों हैं भीर मानके की सटकार्य स्वती हैं

किसी उद्योगपति पर मजदूरों का पैसा वाकी है। गवनंभेंट ने हुकम कर दिया कि पैसा दे दिया जाये । मान लीजिए कि कानपूर के कलेक्टर ने राजाराम जयपुरिया के खिलाफ रोकवरी सर्टिफ़िकेट जारी कर दिया । वह सुप्रीम कोर्ट में दरक्वास्त दे देता है ग्रीर शलकत्ता के बाजार में मीज लोता है अगर मंत्री महोदय कानुन की इस ख़ानी को दूर कर दें, तो मामला ठीक हो जायेगा। जो कानसिलियेशन एक्ट बना हुआ है, उस में संगोधन कर के ऐसी व्यवस्था कर दी जाये कि इस निर्णय की पार्टीच पर लाग किया जा सके। जब रीकवरी सर्टिफिकेट इस्यू किया जाये, तो उन लोगों का घर, मोटर बाड़ी ब्रादि नीसाम कर के पैसा वसूल किया जावे ।

मंत्री भहोदय इंडस्ट्रिम्स रिलेबस्क के सम्बद्ध में भानून बनाने का रहे हैं। महले बन्बई में इंडस्ट्रिम्स बिस्तुद्दस एस्ट ना था, लेकिन उन में बहुत खासियों हैं। मेरा निवेदन हैं कि इस कानून की सख्त और आपक बनाया जाये थीर माजिकों को बांध कर रखा जायें।

मालिक-मजदूर का रिश्ता खाने और भी विगक्ता। इस लिए सव उद्योगों और सब सरकारी प्रतिष्ठानों में मजदूरों को हिस्सा देना चाहिए । प्राज लेवर पार्टिपिपेशन इस मैनेवर्मिट की बात कहीं जाती है । यह तो दिस के जो वहाना के की पार्टिपेशिय कर के दिस प्रांतित द्वार्य के वहाना के किए प्रांतित द्वार्य के प्रांति देन के किए में किए मे

उत्तर प्रदेश में 76 चीनी मिल है श्रीर जनमम कवा लाज मजदूर हैं। उन्हें भोनत नहीं दिया जाता है। जो बैठकी मजदूर सिवानन मजदूर हैं, उन्हें तात दित की प्रेयुद्धी दी जाती है। उन की मांग है कि पंडह दिन या एक महीने की दी जाये, विकल पह बात नहीं मानी गई है। अगर कोई मजदूर पर जाता है, तो मासिक उस की ताय उठा कर बाहर केंक देते हैं। कानून में संक्रीयम कर के इस स्मिच में मुझार करना चाहिये। प्राज उत्तर सम्मेच में बीती मिल मबदूर भूखों मर रहे हैं।

ई० एस० पाई० रकीम पीती फ्रीर टेस्स्टाइस सिसों पर सामू होती है। सवदूरों का पंसा तो पहली तारीख की काट लिया जाता है, जिलन मालिका रूप्या जमा नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में मालिकों पर 20 करते क्ष्मया कामा है। वे अदासत को दरकासत दे देते हैं कि हमें समय दिया जाये और उन्हें स्पर्य मिल जाता है। इस जिए मंत्री महोदय कानून में संशोधन कर के यह व्यावस्था करें कि मालिकान अपना हिस्सा महत्ते दें हैं, और उन पर को वकाया है, वे तम को भी अदा करें।

इस बात की बहुत आवश्यकता है कि एक इंडक्ट्री में एक यूनियन ही । रिफेंडम, संकंडक्ट्रे बैलट होना चाहिए और जिस यूनियन के ज्यादा सदस्य हों, उस यूनियन को मान्यता देती चाहिए । मंत्री महोदय इंडस्ट्रियल

[श्री उपसैन]

315

रिलेग-त के नारे में जा गत्न बनाने जा रहे हैं वह उस में यह बाबस्या रखें कि एक इडस्री में एक यूनियन रहे । मन्द्रित्त्रोसिटी माफ यूनियन से मजदूरी ना राई लाम नहीं होने बादा है।

एक बात की ब्रोर बडी घुडदौड चन गई है। सजनी हम इ राजदुमार-हमारी भी लेकर युनियन है, सात भारमी कम्पनी में लेदर यूनियन बना मेते हैं।

में ने चोतो मित्र मजदूरा के बारे में कहा, प्रामीण प्रचल के मजदूरी के बारे में भो बहुना चाहना इ कि सरकार ऐसी बनवस्या नरे कि उनका मगठन मी बन जाये। देहाना में कराड़ा शो सख्या में खेतिहर मजदूर है जिनका जबरदस्य मगठन यनना चाहिए ताकि वे भी अपने रहने की जगह सौर खाने पीने की ब्यवस्थानर लें। मैं उस्मोद करता ह कि सगला वजर धाते साते मधी जी हमें ऐसा मौहा देंगे कि हम उनका भण्डो तरह से वबाई देस हैं। वे बादम देशों भीर नये कानून बना देंगे जिनने कि मजदूराका लाम हो सके।

इन शब्दो के साथ में प्रम्तुन मागी का समान करता ह।

MR CHAIRMAN The Minuter of Industry will now make a Statement

15 16 hrs

STATEMENT RE TAKING OVER OF MANAGEMENT OF GROUP OF SWADESHI ENTIRE COTTON MILLS COMPANY LTD LANPUR

THE MINISTER OF INDUSTRY GEORGE FERN APPLY to Madam Chairman, inform this House through you, Sir, that yesterdar evening under the Industries (D-velopment and Regulation) Act, 1951, have taken over the management of the entire group of Swadeshi Cotton Mills Company Lamited, Kanpur The Na-tional Textile Corporation Lamited has been appointed as the Authorised Person under the relevant provisions of Indistries (Desclopment & Regulation) Act, 1951 The Indistrial undertakings thus taken over are

- (1) Swadeshi Cotton Mills, Kappur,
- (a) Swadeshi Cotton Mills Nami, UP, which has three units
- (ni) Swadeshr Cotton Mills, Maunath Bhanjan, U P
- (iv) Mis. Rae Barch Textile Mills I td . Rac Bareli, UP
- (s) Swadeshi Cotton Mills, Pondi cherry, and
- (xi) Udaipur Cotton Mi'ls, Udaipur in Rajastljan

Duly empowered officers of the National Textile Corporation have already moved in today and taken over the management of the various units. By this act Government have been able to fulfil a demand repeatedly made in this House as well as in Rays Sabha for appropriate action in respect of this group of mills. The intention behind the take-over is to afford a clean and efficient management to these mills in public interest. I may assure the flouse that the units will not be handed over back to the erstwhile management

example of how unprincipled self-centred private management can act in a manner which is highly prejudicial to a large cross-section of public interest Plagued by family feuds, the management not only led the mills to run but also defaulted on more than one occasion in the payment, of legitimate wages to labour. In 1975, there was default in the payment of wages on the eve of Diwah and the management had to be coaxed for disbursing wages through a UP Government guarantee of Rs t 1/2 crores against borrowings from the banks for the purpose. There were persistent complaints against mismanagement of the company and the Company Law Board had to undertake inspection under section 209 A of the Companies Act and a notice was issued to this Company in May 1977 under Section 408 of the Compinies Act to show cause why Directors should not be appointed in the Company to prevent the affairs of the Company from being conducted in a manner determental to public interest Despite the balang out of the Company by the U.P. Government in early 1976, the Company went on slipping and dues for the labour were once again in arrears. An assessment made by the Company Law Board in December 1976 indicated that the Company had accumulated Rs. 13 lakhs arrears towards wages, 14 lakhs towards provident fund duts, 4 lakhs towards ESI and 10 laklis towards statutory bonus. This was over and above the large overdues to Government by way of electricity charges and the like. 'The gross mismanagement of the company necessimmanagement of the company necessitated a special survey to be undertaken by the Teetile Commissioner is respect of the affairs of this Company. The management, once agoin, revived their normal pattern of working through non-payment of wages. In October, 1977, with arrear of wages over a few weeks, the distressed labour started becoming retire At the assessment of the comming retire. restive. At the same time the non-payment of dues to the Electricity Board led the U.P. Government to appoint a receiver who in his exercise of his rights attached shares worth Rs. I crore of the Swadeshi Polytex invested \*by the Swadeshi Cotton Mills. The labour situation fouled by continuous non-payment of wages took a serious turn and tragic incidents involving the loss of human lives took place on December 6th, whereafter the Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, remained closed.

317

While a large multitude of labout was adversely affected first by non-payment of wages and then by this compulsion of a closure, the family management continued with the family feuds and the interest of the workers and the community were nowhere in the picture.

Government was in a predicament since the policy of Government has been not to saddle the National Textile Corporation further with fresh liabilities. How ever, interest of the workers and that of the public at large could not be jeopardised; and Government had to take a decision to make an exception to the policy and to act for taking over of these units. This was done after satisfying that the U.P. Government were not in a position to take over the management.

On 11th March, 1978 however, the management, apparently apprehending Government intervention, went through the formality of ending the lockout; but the workers were in no mood to cooperate with the management which had forfeited its credibility. The lifting of the lockout remained only on paper and the workers did not resume duty.

I have surveyed these events in some detail to enable Henourable Members to appreciate the decision in its proper pers-pective. They may, however, be wondering why Government had to take over all the units of this Company and not only the Kanpur unit which was facing these particular problems. This Company has six units located in various places and all the units are combined in a single balancesheet of the Company. While the mismanagement and financial bankruptcy of the Kanpur unit was made conspicuous by the various events, the situation in the other units has also been far from satisfactory. An official group which went into the affairs of the Company and the detailed survey made by the Textile Commissioner and the inspection made earlier by the Company Law Board have revealed that the management has been transferring factors of production of men and machinery from one unit to other units freely. Assets of one unit are more-gaged for financing the other unit. In the case of five units it is found that the working capital was negative. It was also found that the reckless investment and creation of encumberances related to all the units, and in the process all the units have been heavily encumbered. The gratuity payable to workers in all the units have been funded and kept with the head have been funded and kept with the head office at Kanpur. It was clear that the takeover of only one unit will not serve the purpose intended under the Industries (Development and Regulation). Act. Schenes in industry is often infectious; and it would not have been appropriate for Government to interfree only after the situation got out of central in, these waits the. This controver on which of units also. This apart, even on principle Government would like to make it clear that any attempt to pass on one unit of a company to the Government after sucking out its vitals cannot be tolerated any longer. This case should be a lessen for all irresponsible management who think that they can play this game of affliction at one end and prosperity at the other.

Thirgroup comprises of 2-14 lakh spinthe and 250 looms. There are more than 12,000 workers, of which nearly 6,000 are in the Kanpur unit aione which has been plagued by frequent closures and repeated anti-labour acts. This group also produces on an average more than 60,000 kgs. of yarn and nearly 2 lakh metres of cloth per day. The dimensions are so vast that Government cannot

19 l'aking over of Swadeshi Cotton APRIL 14, 1978 DG .-- Min of Labour 320 Mills etc (St)

(Shr) George Fernandes]

afford to remain a passive spectator while a private management is playing foul with national resources and affects the interest of workers as well as that of the public at large

The addition of this group to the NTG

ment to adopt a persone austust. entrust the management of this group to the National Textile Corporation

The history of events of the Swadeshi group culinating in the take-over of the management provides us with an instructive case history of how family management is becoming more and more anarconditions present chronitie ın chronitie in present conditions.

The destinies of more than a lakh of people have been affected by family fends Scaree capital and other resour ces have been frittered away

money that are supporting the various units. Even management wise family management is hardly appropriate in today's context. The Swadeshi case history is a pointer for us to take a careful look at these larger issues

I am confident that with this decision. of Covernment we would be able to brang back the long forgotton smale on the faces
of a large number of workers affected in these units

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU (Clut toor) One information With regard to cement factory

MR. CHAIRMAN There are no question allowed on this

श्री यनुना प्रसाद शास्त्री (रीवा) मजदरा के हिना के मरक्षण के लिए उद्योग मत्री जी न जो यह साहनिक कदम उठाया है उस के लिए मैं उन का हार्दिक धन्यवाद देना ह सीर बधाई देता ह।

CHAKRAVARTY PROF DILIP (Calcutta South) Regarding that firing he has not mentioned anything

SHRI GEORGE FERNANDES 1 have mentioned it.

MR CHAIRMAN. There is no discusson No question also Now the discussion will continue Mr Lakkappa.

DEMANDS FOR GRANTS, 1978-79-

MINISTRY OF LABOUR-Contd

SHRI K. LAKKAPPA (Tumbur) Madam Chairman the hon Labour Minister has been appreciated as a very good Minister But unfortunately, the Ministry which he is handling has necessarily to get cooperation from many other Ministries But this Ministry is functioning without any cooperation of many other Ministries I am not pleading for one type or exterory of labour force in this contry I would like to urge upon the Labour Minist rt have plans and

policies which would cover the idle man power in the country and at the same time

to find out a probable-rational solution

to the attuation which is very explosive

in this country

I would like to draw his kind attention to the large number of agricultural workers covering more than six crores in this country who are working for generations together and there 'is no code of con duct

MR CHAIRMAN Mr Lakkappa, if you need some more time, you can continue on Monday because the House will now take up Private Member's Business

SHRIK LAKKAPPA I will continue on Monday

... 30 Hrs.

321

COMMITTEE ON PRIVATE MEM-BERS BILLS AND RESOLUTIONS 11

#### SINTERNEH REPORT

SHRI VINODBHAI B. SHETH (Jamoagae): Sir, I beg to move:

> "That this House do agree with the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 12th April, 1973."

## MR. GHAIRMAN: The question is:

"That this House do agree with the Statebath Report of the Committee on Private Manners' Bills and Resolutions presented to the House on the 12th April, 1978."

The mation was adapted.

# 25:31 Hes.

RESOLUTION RE. CONTINUANCE OF ENGLISH AS ADDITIONAL LINK LANGUAGE—Cond.

MR. CHAIRMAN: The House will now resume further discussion of the following. Resolution moved by Shri S. D. Somanundaram on the 17th March, 1978:—

"This Hune do urge upon the Government to amend the Constitution so as to implement Fandit Nehru's solema survance to Pariament that, buildes Hindi bring the link language English would continue as additional link language to long as non-Hindi speaking people want it.

'Shri Yuvraj may continue his speech.

Out of 5 hours allotted, there is a balance of 1 hour 26 minutes.

श्री रुद्राज (केंट्रिट्र): पान्तीन नारा का स्वर ज्ञान करने के लिए हिन्दी पूर्व गां स्वर है और मंदिवान ने जितिबत इन को राष्ट्रमार्श के यह पर बानीन किया है और इन को बोरणा कर इस को मसीया को हा में रिविट्र है बरिक यह से सीयनाय-पा है। प्रोत नारार्श के ज्ञाव इस में 433 1.52—11.

विट वट हैं बीर इस-देश भें किसी प्रदेश की कोई जनता नहीं होगी, कोई: पड़े लिखे लोग नहीं होंगे जो हिन्दी बोल नहीं सकते हैं और संगद्ध नहीं सकते । लेकिन-विदिश साम्प्राज्य-वाद के कारण ही हिन्दी को भारी नुकसान पहुंचा या श्रीर यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि प्रशासन के दड़ इरादे की कमी के चलते भोर सहयोग के समाव के कारण जा हिन्दी पुर्वतवा इस देश में एक मात्र सम्पर्क भाषा के रूप में समादत होती चाहिये थी वह नहीं हो सन्नी बीर धान मंत्रेनी को प्रतिरिक्त सम्बर्क भाषा के रूप म द्वारा कायम रखने के लिए हमारे भाई तकंदे रहे है। हम इसलिए इसका विरोध करते हैं कि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए सब से पहली और बड़ो बात है कि उसकी माया क्या है, उसके कामकाल की भाषा क्या है, सारे सरकारी , त्रयोजेंदों का काम किस भाषा में होता है, संबद्ध किस मापा में अपनी कार्रवाई का संवालन करती है, जिल्ला संस्थाओं में पढ़ाई का मान्यम क्या है। हर दृष्टि से विवार करने के बाद हम देखते हैं कि हिन्दी राष्ट्रमापा है,-जन भाषा है और इस देश में कोई प्रदेश मही है जहां हिन्दी बोलने वाले नहीं हैं और वहां उनकी संबरा इसरी या तीसरी नहीं है। हिन्दी भाषी राज्यों में तो शत प्रतिशत यही लोग हैं। आप देख कि हमारे देश में बंबेजी जानने वांनी की संख्या महज दी प्रतिबंत है। ग्रांपको बहुत मौका मिला यां हिन्दी को सर्वेग्राहय बनाने का और वह जिन्मेदारी प्रजातन की थी और अगर प्रशासन ईमानदारी से संविधान की माधना को कार्योन्त्रित करता तो अनेक दूसरे देशों की तरहें बहां भी हिन्दीं की जो स्वान मिलना चाहिये था वह स्थान मिल जाता । और चांज जो यहीं प्रशंस जारी है कि मृतिरिक्त सम्पर्क भारत के रूप में ग्रंपेजी बनाये रखी जान । मैं गैर हिन्दों माबो राज्यों के भाइयों ने अगोन करता चाहता है कि भाषा का ब्रस्त कोई कानून का प्रश्न नहीं । यह सो विश्वद्ध सांस्कृतिक स्रांट निण्ठा का प्रश्न

322

200

[थी युवराज] ै है, मीर इसना समाधान तभी हो सनता है जब हम सब साम मिल कर सहयान कर । इसनिय बहिन्दी भाषी क्षेत्र की जनता पर हिन्दी भाषनें ना प्रदेन नहीं है। यह है कि धाज बग्रेजी जा थोपी गई है हम उस बरकरार रखनी चाहत है ? इसकी भी एक सीमा थीं। एक भवधि बीती 15 धर्प वीत गय बार बार राजभाषा ग्रधिनियम में सशाधन कर के इस बर्करार रखन की काशिश का गई। यह दश के लिय क्लक का बात हागा जहां की 70 फीसदी जनता हिंदी समयना हा ग्राज उस देश ने धवेजी की गरिमा धभा वरतरार है। जहा श्रवजा साम्रज्यवाद न इस दश की साम्यातिक मनीदा का भाषनात्मक एक्सा का ताटने में जी जान की बाजी सर्गादा थी भाज हम जमामग्रीजा कतिय सदत है धपती वा

वरकरार रखन की काशिश धरत है। धगर हम भूतते नहीं है ता महात्मा गाधी ने पहने जा हमारे पुराने गुनीपी हा गय है जैमे नाजा राम मोहन राय, श्री केशव राय, एसे विद्वाना ने हिन्दी का प्रतिष्ठित करने के लिय प्रयास रिया या । में सदन का ग्रधिक मनय नहीं सेना चाहता, लेकिन हिन्दी का प्रश्न एक ऐसा प्रश्न है जिसका भावना से सम्बंध है। 5 मर्पल को बेगाल मुघय साहित्नार थी विमल मित्र-धाव ये, केरल और तमिलनाडु के बड़े साहित्यकार प्रविलेप्दम और पीड़ण राव मृति कावे थे, और एक स्वर से जब उनके सम्मान में श्रायोजन ग्रायोजित या पटना में राष्ट्रभाषा परिपद की तरफ़ से तो श्री विमल मित सौर दक्षिण के वड़े माहित्यकारों ने हिन्दी ने सम्बन्ध में प्रपनी राय व्यक्त करते हए यह भावना व्यक्त की थी कि हिन्दी ही सम्पर्क की एक मात्र भाषा हो सकती है

MR. CHAIRMAN ! We have a long lut of speakers. Please conclude now

महोदया, मेरी प्रार्थना श्रीयुवराज है कि अतिरिक्त सम्यक भाषा के रूप में जो

मग्रेजी को बरकरार एखन का प्रधास है यह ृतिसदह दुखद है, मीर ;में भ्रपील 4 करना दक्षिण क भाइया से, ग्रहिन्दी भाषी राज्यों के शाइया से कि हिन्दी सुवाध है, यह मास्कृतिक एकता की एकमात्र यही है इसे स्वीकार परना चाहिए।

English as addi

link language (Res)

धी पाधरा दिकी (धलीपुरदार ) मभापति महादय, यह भ या का रुवार यूत प्राना है। श्राणदी के समय में कहा रया कि दगरी भाषा यहा हागी ज। ५६ में मधिवतर सागा द्वारा बना जाता है। कित दर्भाग्यदश हमारी स्थिति वृष्ट एता यी विहम लगान विदर्श मापा या प्रपा सिया यार दिवशिया का इस देश स चल जान के लिए बान दिया। जनसाधारण व बीय में यही भाषना पैदा हारण है सि यह जा सब्रजा रखन को हिम्प्सल कर रह है जिल्ला सरकारी न क्री चावरी में एक गुटसा यन गया ई जो चाहल ई कि उसमें साधारण प्रमुख्य सुधा रहे । इसलिए ब ब्राजी का शासन की भाषा दन न व लिए दढ संबत्त्व हैं । माज जितन भी सरकारी पदा परहत्या प्रमें जी जानन बाल वे जा हिमायती है सही व बाहुबल पर काम रूसता का "हा है। इसलिए बनी तक जा बर्वेजी लाग् बरन वे लिए जा बाशिश की फा रही है घह केवल इसलिए हैं नि हिंदी भाषा भाषी इलाको में भी यहा के जा बुजुधा ने करदार है जा सरकार में प्रवेदी ने हिमासती है, वे सरकारी नौषरिया में धपने ही लगा का रखना चाहते हैं भीर साधारण मन्या का शापण घरने की साजिश चला रह ã,

साधारण बादभी दश्तरो घौर प्रदालता की मापा नहीं समझता है। धत्याचार थीर दुर्नीति छिपाने वाली भाषा यह खबेजी भाषा दन चूनी है, इसलिए जितनी जल्दी हो सब देश की भाषा ही सम्पर्क

भाषा होनी चाहिए। जिस प्रकार ज्यादा लांग हिन्दी समझते हैं, तो इसकी ही दिकास की ज्यादा गुंबाइव है। जब आज भाषा के सम्बन्ध में बात आई है तो मेरा अनुराध है कि हम सब गंभीरता पूर्वक इस थिपय में एक विचार करें और की माई हिन्दी का विरोध करते हैं एवं अबेजी की हिनायत करते हैं, उनको यह समानने की कोशिन करनी चाहिए कि ग्रनर साज हारे देश में अंग्रेगी की पढ़ाया जाय सी यह आजान होगा या हिन्दी को पदाया दाये तो वह आसान होगा । जो सबसे ज्यादा फ्रास्टान हो, क्या की हरू ले गहते है। यह सभी समज्ञते हे कि संग्रेजी परपा को अधर देशकों में पहचाया आये तो यह किसमा मुल्किल होगा ? पगर हम थोड़ी भी मेहनत वरें, थोड़ा सा सरकार ध्यान दे और गृष्ट प्रयत्न हो समुचे देश में, हिन्दी पडना पडाना हो तो जल्बी ही यह राष्ट्र भाषा हो कर यह देल की प्रगति में सहायक होगा । अंग्रेडी के सम्बन्ध में भी जो भाई यंग्रेडी की हिमायत करते हैं, उनसे में अनुरोध करांगा कि यह प्रपती , मानुसाया बोलें । चीन, जापान जैसे हरेक देंग में अपने देन की नापा जब लोग बोलने हैं तो हम भी क्यों न अपने देश

325

SHRI B. P. MANDAL (Madhepura): On the other day, I was present in the House; and I was pained to find that some of our Members still want to continue with English. English, as a matter of fact, has been left with us, due to foreign domination. I realize the difficulty of our friends from the South in learning Hindi so soon; and I am not in favour of saying that Hindi should be thrust upon them, or that there should be indecent haste in bringing it, against their will. But I think it is not at all difficult to learn, if a units it is not at an units to fears, it our friends from the South ty to learn it. After all, they have learnt English. They can easily learn Hindi. I am proqued to learn any one of the South Indian language, if it is made a link language, and people are compelled from now on to learn. a South Indian language. That will be far better; but to continue with English

की भाषा बोल और विदेशों में भी हम ग्रपना

नाम जंबा करें।

reminds us of our slavery and of the old British regime. When we see many heads of States and heads of Governments from other countries coming here and speaking to us in their own mothertongues and our Ministers and heads of Governments speaking to them in English we have to hang our heads in thame. So, I am speaking in English purposely so that our friends from the South may appreciate it. It is only for their convenitate that I am speaking in English. As a matter of fact, I am not so fluent in English as I am in Hindi, which is my English as I am in Hindi, which is my mother torage and also the national language. After all, only two per cent of the population of India Anous English. Dr. Ram Manolan Lohis of the Socialist Party, who was one of the half a dozen people will-wered in English, thrught it quite necessary in the national interest quite necessary in the national interest. and in the interest of our national prestige that we should do away with Lightle. Mathama Gandhi was the first leader who thought of the necessity of doing away with Legish. For the first time he addwith Legim. In the me me man is seed the connectation of the Banarias Hindi University in Hindi and that almost created a revolution in these days, Shri Rajagopalachari also in his time ex-pressed a similar view, in favour of Hindi. If this has received a set back, it is because of the over-anxiety of our friends from the

north, who want to bring Hindi with in-decent haste. I would suggest that there should ' be a national conference where we should sit together and devise ways and means of doing away with English. Along Hindi comp away with English. Along rimes we can also have any of the languages of the south to be learnt in the whole country, be it Tamil. Telegat, Malayalam or any other language, but English should go. Englishmen have left us but their legancy of language still remains in our country.
We should not, parrot-like, repeat the
English language. It is not in our national
interest. So. I would suggest that
our hon, friends should sit together and evolve ways and means to do away with English. It will, in fact, inrease our national prestige in the international world.

SHRI K. LAKKAPPA: (Tumkur): Sir, I take this opportunity to express my opinion on the language issue. When I got elected to this House, Dr. Lohia was a Member of Parliament. I think was a Meruber of Parliament. I think Shri Gupta was also with me. When for the first time I pressed my claim to for the first time I pressed my claim; to particiants in the discussion by speaking to Kannada, which is my motten tongue, Dr. Lohia's supported me. Since Dr. Lohia's mante was mentioned. I was reminded of that initient. But Dr. Lohia's intention was not to impose Hindi on the population with finattaictim. He wanted to do it gradually.

328

327

[Shn K, Lakkappa]

We have got a number of States which have got different languages. Even the the election results of the Janata Party have gone on language lines. The States in which the Janata Party is in power is called the Hindi belt. But this is not the sport in which the language issue was time of the drafting of the Constitution. When the draft Constitution was prepared by the constitutional advaces of the Draft ang Committee, it contained some provisions relating to the official language and the languages to be used in the Indian Parliament and in the State Legislatures

The langage usue figured prominently during the general discussions of the draft Constitution A special committee was appointed consisting of Maulana Abul

present and voting, at could be extended for another five years

Language should not become a controversial issue in a country with a develop ting economy A developing nation should not make language an emotional inter and create a sense of intecurity, a sense of parochislam a sense of division among the people

Ima 1 2 we not my has been ens much

My second language is Hinds We Tare not against Hindi, but we want that equal respect should be given to all the languages of the country.

Especially during the last year the party now running this Government has been creating not only disatisfaction among certain sections of the people and certain States of this country. The manner in which they conduct themselves in Par hament itself the supreme body, and the manner in which some Ministers respect the other languages and the spreches of Members in other languages shows that I do not want to este Mr. Raj Narain It is not only he

When the Home Minister visited Karnataka during election time the people there time and again told him that he was speaking in Hindi which they could not follow, but he insisted on apeaking only in Hinds, whether they listened or not The Home Minister who is supposed to be the custodian of not only the development of the languages but also the integration of this country made such a statement, creating an atmosphere of imposing Hinds.

Kamataka especially is not fanatic on the language issue. The peopl- there love to learn Hinds, but is there any machinery set up with the same zeal and enthusiasm in other parts of the country to learn the other regional languages? Is there any meaningful communication from the Centre to the biates about cultural and regional understanding?

L , , , d , La man

they answer in the language which these people cannot understand. These are the controversies. We do not mean any disrespect to the languages. So far as language assue is concerned, there are many countries which have bilingualism or even multi lingualism in the adminis-tration Even in Canada, Switzerland, USSR and many other countries, the language problem will not come in the way of the development of the country. But the administration has to take taterest.

are always protesting whenever the language problem is raised on the floor of this House. This will not be conducted to the astuation to understand each other. The people will ferl that the other corner of the country has no respect for the regional languages. Then how can you have the three-language formula? Was this threelanguage formula implemented fully? Mr Gopal was raising an issue that when we go to the railway station and buy a ticket, the destination on the ticket will be in a different language which the I passenger will not know, with the result the passenger will sit in a different train and will reach a different destination and ultimately he will land in Delha because some ticket checker may catch

take the population whose mother tongue is not Hindi and compare it, you will! find that English (knowing people are more. Even the sponsorer of the Resolu-tion Mr Somanindaram is common tion Mr Somanundaram, is coming from Tamil Nadu It is not that Tamil

Nadu people hate Hindi but they are a asking for a legitimate right to understand each other, a right to communicate with each other and feel oneness in the country. But their approach it that the people should not understand anything in the country and there should be a stop of communication from one State to another. This is not a democratic system or under-standing of the approach. Nothing will be done if Hindi us imposed. All the languagess provided in the Constitution should be developed, should be respected. There are a number of other languages which through emotional approach of the Government ...

329

MR; CHAIRMAN : You have made the point. Please conclude now.

Shri K. LAKKAPPA : The Home Ministry for the last one year is creating scare in the minds of the people.

MR. CHAIRMAN : I am calling the next speaker.

SHRI K. LAKKAPPA : I would humbly request the hon. Home Minister to take stock of the situation and kindly see that some sort of a solution which is acceptable to all, should be found out.

MR. CHAIRMAN: Shri Samar Guha, -

SHRI SAMAR GUHA : Madam Chairman ..... 3

MR. CHARMAN : Just five minutes.

श्री समर गृह (कन्टाई) : मैं हिन्दी में योल रहा हूं, इसलिए कुछ कन्सैशन दीजिए ।

MR. CHAIRMAN: There are a large number of speakers. I would appeal to you to cooperate. As I have already said, there is very little time left for the resolution

श्रीसमर गृह : मेडम चैयरमैन. वडे जोर-जोर से हिन्दी के प्रसार, प्रचार और उस की प्रगति के लिए हमारे बहुत से साथी निवेदन कर रहे हैं, यह वडी अच्छी बात है। वात यह है कि संविधान में कहा गया है कि हिन्दी सरकारी भाषा होगी और इसके प्रसार, प्रचार और प्रगति के लिए कुछ वाते सविधान में कही गई है लेकिन म एक बात हिन्दी भाषी भाईयो ने पृष्ठना चाहना ह कि यह क्या बात हे कि को हिन्दी

ायी माई हैं वे बड़े जोर-बोर से कह रहे हैं कि हिन्दों का प्रसार, प्रचार और अगित हो। सिर्फयही नहीं है कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाया जाए, नेशनल लँगुएल वनाया जाय, यही वह नहीं कह रहे हैं विल्य यह भी कह रहे हैं कि देश की एकता के लिए, सगठित करने के लिए और देश की प्रगति के लिए भी हिन्दी भाषा की जरूरत है। यह भी कहा कि अंग्रेजी जमाना चला गया, तो कोई हिन्दुस्तानी मापा ऐसी होनी चाहिए बो राष्ट्रीय भाषा हो और अगर हिन्दी भाषा न हों, की क्या होगा और सभी तक अगर अर्थेची भाषा 'रहती है तो यह कहा जाएगा कि युलामी की कोई छाया रह गई है, लेकिन में इस बारे मे एक प्रश्न पूछमा चाहता हु। हिन्दो के बारे में दो सत नहीं ही सकते कि जब सविधान में दिवा हुआ है कि यह हमारी सरकारी भाषाँ होगी, तो इस को तो मानना ही होगा लेकिन यह क्या बात है कि—इस पर स्नाप जरां ख्वाच कीजिए--हिन्दी भाषी इलाके से,जो भाई ग्राते हैं, वे ज्यादासर, एक दो बादमियों को छोड़ दीजिए, इस बात पर जोर देरहे हैं कि हिन्दी भाषा ही हो सीर को हिन्दी भाषी, नात-हिन्दी एरियाल से बाते हैं, वे इतना जोर इस बारे में क्यों नहीं दे रहे हैं ? पया इस का मतलब यह है कि अहिन्दी भाषी जो श्रादमी है, वे देशभवत नहीं हैं, उन के मन में देश प्रेम नहीं है और क्या वे कोई मातुभाषा मही चाहते हैं, कोई राष्ट्रीय मर्यादा नहीं चाहते हैं ? यह कहना ठोक नही होगा। समिल ना, केरल का, बंघाल का और आसाम का श्रादमी भी उतना ही देशभवतं है जियना कि हिन्दी भाषी क्षेत्रों का। लेकिन ए बयो है कि ऐसा भव, ऐसा टर, ऐसा बातक पैधा हो गवा है, इस पर गीर से सीचना चाहिए। प्रगर यह नहीं सोचेगे तो मैं श्राप को एक चेतावनी देना चाहता हं. ग्राप को स्तर्क करना चाहता हूं कि इस प्रवार में नरह-तरह ने मामले उठेगे, ज्यालामखी का उदरण

330

[र्थी समर गृह] होंगे जैना कि जातनत के बारे में हो रहा है भीर भरेतों में कहा जाए, तो एव पार्टे-शियन ज्वालानुवो है यह भाषा। सन्र इस तरह क प्रश्न का उठाया जाएगा, ता गडद हा जाएगी, विस्ताट हा जाएगा । इस मामने पर, जैसा कि जातपात के मामने पर हा रहा है ज्यादा गडवड हा जाएगी। इसलिए मैं आपसे कहूता कि जा बडे जोर-चार में हिंदो का, ए≆ ही मापा का रदन ने लिए मापवडा बार देरहे हैं, उस क लिए माप धीरे धीरे चलें. जरा सीव-ममन कर पर्ने मीर बरा माप चारा तरक देख कर चर्ने कि मारत की राष्ट्रीयता, जातीयता भीर हिन्द्रम्तान की भौगोलिक, ऐतिहासिक, मास्कृतिक मोर भाषाई जो स्विति है, उन सब का बरा सगडत है कैसा उन का यडन है। इत सर वानों को देव कर, विदार

कर मीरसमझ कर जरा माप चलिए भीर यह जो उरावनापन है जैसे मन उदल रहा हा, यह न दिवालें। हिन्दी को दूसरा पर लादना डोक नहीं होगा। इस से बडा भवतर विस्होट ही महता है और एक विस्काटक स्थित उपन हो सकती है। इसलिश् में प्राप्ता चेतावती देवा चाहता ह कि इत मामने म माप जरा धीरे वरें। हमारे संवजान में बना दिवा गया या। ' उस में कहा गर। या कि 15 साल तक भगेती चने गी मार उनके बाद लोक समा मीर राज्य समा हा 30 यादनियों की एक समिति प्रेगीरेंट सहब बनार और उस वमेदी के वनन के उद्यास मोर्बेड कि किस तरह में इस काम को किया जाए । उस कमेदी की राय 1967 में बाई। उस ने क्या कहा या। उसमें पह कहा गया था कि , हिंदी सरकारी भाषा रहेगी मौर अंग्रेडी उसके साथ सम्पर्क भाषा रहेगी। तो यह कहा गया था। तो भाप इतनी जल्द-बाजी इस मामले में मत कीजिए 1 जो

पालियामें देने फमना दिया या MR CHAIRMAN Th Hon Member may try to conclude n ow

ध्यो सन्दरगुर याडाग्रीर समय यह गमोर मामला है।

MR. CHAIRMAN . The Munister has to reply at 4 15 PM I would request you to cooperate with me. The next resolution is also yours There are other Member also who want to speak,

SHRI SAMAR GUHA Lindly give me a few minutes more

MR CHAIRMAN Only 2 minutes.

बीसमर गृह हिन्दी में पहली बार में दोत रहा इस सेशन में तभी भी मझे कछ मौका नहीं मिल रहा है भपने मन की बात का धुलासा करने का। (व्यवधान) मैं इसके जिलाफ नहीं हूं। मैं यही चेतावनी दे रहा ह कि इतना बताबलापन माप न दिखाए, इतनी जस्दी माप न करें। कहा है कि 1967 में पालियामेट ने यह राय दी मी कि हिन्दी को सरकारी मापा माना जाए घीर घरेत्री की निकलेंगएक माना जाए, इस फैसने की भापकी देखना चाहिए मीर इसका खयाल करना चाहिए। कास्टीद्यूषन में बचा है ? सस्हत से तया भीर जो भारतीय माबायें हैं उन से हिन्दी में शिव्द लेना । इन सब मोसिस से हिन्दी को मजदूत करने के लिए शब्द लिए जाए यह कहा गया था। हिन्दी की मजबूत बनाने के लिए ही यह बात कही गई थी। लैकिन बाज क्या हो रहा है। चौबरी साहब जानते हैं देमहात्मा गाधी वहा करते चे कि हिन्दुस्तानी भाषा राष्ट्र भाषा हागी. राज भाषा होवी । हिन्दी शब्द का उन्होंने कमी इस्तेमाल नहीं किया। लेक्नि माज क्याहो रहा है? कहाहिन्दी बौर कहा हिन्दुस्तानी । पगर पाप चाहते हैं हिन्दी को सरकारी भाषा बनाना तो हिन्दुस्तान की जितनी भाषायें हैं सब भाषामा मे से **पन** चुन कर बापको इस भाषा को सम्द वनाना चाहिए। लेकिन∫एँसा मही हो रहा है। इसकी घेपटा ही

नहीं को जारही है। जो चेण्टाकी बा**रही** है वह सकीने दृष्टिकोंग से की जा रही

है। इसी को एक मात्र भाषा बनाने की की बिन हो रही है। यान को खबास रवना चाहिए कि उन चोनों का नमा होगा जिन को हिन्दों भाषा नहीं है। अगर इसको एक मात्र सरकारी भागा मान विवा जाता है तो हिन्दों भाषा भाषी बो हैं उनकों किरनी शासानी ही जाएगी, पोलिटिकन, इकोनोभिक, एडमिनिस्ट्रेटिव कम्पीटीजन पादि क्षेत्रों में और ब्रहिन्दो माना माबियों पर इसका क्या असर पहुँचा, उनको बना न्दशान होता। उनके मन में क्यों डर है इतिहो प्राप्तां समझने की कोश्यित करती चर्तार्थ। में दिल्ली के मखवारों की बात नहीं करता । लेकिन कत्रकता के पदावारों में बद और प्राई है कि वहां पर एक बड़ी पारे भाव इंडिया निरिवह्डिक कान्क्रेंस इर्द यो जिन को कनकता के चोक्र जस्टिस . चैत्र प्रसाद मित्राने प्रियाहड किया याः धितम सें, पंचाय से सब जनह ने लोग उसमें भागले ने के लिए माए थे। उस कान्कों म की राय थी कि 1967 में जो पालियामेंटरी कमेटी बनी भी और उसने को राज ब्यहर की यी उत्के मुताबिक हन को चलना चाहिए।

में एक ग्रर्ड करना चाहता हैं, अपील करना चाहता हूं। द्यान करके बाप नर्ने, धीरे मे त्राप चरें। में यह भी कहना चाहता ह कि एक ऐसी कनेटी बननो चाहिए जो पर नुजान रे कि हिन्दी की हिन्दुस्तानी भाषा कैम दत्ताम जाए चीर कैम इसकी अगति बोर प्रयाद किया नाए । दत कमेटी में क्त ने इस क्या पर्नेट नान-हिन्दी नीम उहें।

र्भ पर्भी बहुचा नक्ता है कि जैसा कि हाउन में मत बादन किया नगा है प्रदर्भ में तो एक घीर घनेटी बार स्तियों ते बादेशे उसा सार्वेदै।

1967 में जो फार्नुता तैयार किया गया **या और** जो ,राय व्यक्त हुई यी उत राय के मजाबिक ग्रापको चलना चाहिए।

े हिन्दों ही केवल एक राष्ट्र भाषा नहीं है। राष्ट्र भाषा वंगना भी है तया मीर जो पंद्रह हमारे देश की भाषायें है वे भी हैं। हिन्दी पर जोर जरूर देना पाहिए लेकिन इसी एक मात्र भाषा पर नहीं देना चाहिए। दुसरी जी राष्ट्र भाषावें हैं सब के साथ मनान व्यवहार होना चाहिए बीर इनिवटेवन डिस्ट्रीक्यूजन थाफ सेंद्रल पैदनेय होनी चाहिए, ब्रांट्स का मार्यटन समान रूप से सब में होता चाहिए। बाज तो बाप हिन्दी पर ही पपनापुरा जोर लगा रहे हैं। मीर जो मापायें हैं बीसा मैंने कहा है कि इक्विटेयल डिस्ट्रोब्युवन हो वह नहीं ही रहा है। इसकी भी भाषको देखना चाहिए।

यन्त में में बनील करूंगा कि यरा धीरे माप चतें, समझ बूस कर चलें, ब्रहिन्दी मापा भावियों में बनों भय है टर है। भावंक पैदा हमा है इसको भाप समझने की कीशिस करें। झगर प्रापने ऐसा नहीं किया तो एक तथा ज्वालामुखी विस्कोटित हो आएगा स्रोर देश के विकरित होने का खतरा पैदा हो जाएगा, उसका रास्ता गूल जाएना बही चेतावनी घना में मैं धापनी देना चाहता हूं।

चो केंदर सात गुज (दिल्ली गदर ) : समानीत महीरयः यह बहुत हुए की याग है कि 30 माल की स्वतन्त्रकार याद भी मान हुनार देश में भाषा हा नाए जिलाय है। वह दुयर यान ते पीर निलाकों मी बात है। महबार वर्ष देशिया अब बह बान बारते हैं कि हिम्दी योगने पाँग 500

[बी कंबर लाल गुप्त] -60 प्रतिशत हैं इसलिए हिन्दी होनी ,वाहिए, मैं इसको ठीक नहीं मानता। हम हिन्दी को गर इस देश में लाना होगा तो सारे देश के सब लोगों की सद्भावनाची को साच ले कर के लाना होगा, उनकी सद्भावना को छोड कर के, खडित करके हिन्दी देश मे नहीं लासकते। धंगर हमने दूस प्रकार की कोशिय की तो देश दुकड़े दुकड़े हो आयेगा, इसमें कोई दो राये नहीं हैं। याज देश मे बाद - विवाद है माया का । इसके लिए कौन दोपी हैं? मैं किसी एक के लिए नहीं कहता ! , हिन्दी के सोग मी दोपी है जो हिन्दी की बहुत जल्दी देश में साना चाहते है, और गैर हिन्दी वाले भी दोपी हैं जो हिन्दों से घृणा का भाव रखते हैं न। इम्लिए ग्रगर देश में हिन्दों को चलना है श्रीर ठीक तरह से चलना है ता, दानो की भ्रमनी जगह पर एक वैलेंस वैठाना होगा

तभी देश में हिन्दी चल सकती है।

में इसमें प्रकार नहीं करता कि घरेंची
का पुन रोल है इस है ता में भी मीर विदेशों
में पुन रोल है इस है ता में भी मीर विदेशों
में पुने हों हो। महा दुन कि मानी भी हमारे
दिसान में हाई कोर्ट मीर मुझीम कार्ट की माणा
मुदेती हैं। जो वह एक पाल है भी रे
मानता हूं कि दीवान मानी भी ने वब तक
दिल्दी भी अपनी इच्छा है गुट मुझे कहते
के यह हमारी भामा है भी र हम, पड़ेमें
हम कारता ने मीर क्या पाल में
बन तरता जिस मानी मीर कि माने पह
बात ठीक रहेगी। हम करनी मान मान मान

लेकिन में यह कहना वाहता हू कि कुछ लोग, धाज देश में ऐंगे है, कुछ कोशो की जैनुहन फीलिंग होगी कि हिन्दी हम पर योभी जा रही है, सेकिन कुछ मोग ऐंगे है जो जा रही के पर प्रत्या रहना चाहते हैं। वह धगर प्राया का झगशान, उठायें तो शायद उनको बोट ही Intk language (Res.)

ग मिलें। इसलिए यह मांगा वा सगड़ा
रहुता साहिए। बिह देसमें राजनीतिक
साम उठाना चाहते हैं। उनसे मेरी
प्रार्थना है कि राजनीतिक साम उठाने की
इटि से देश म आया वा जो घाट विचाद
खड़ा करते हैं इससे झाथ देश की एवता की
पहित करते हैं। यह चीज झादशो वभी
भी नहीं बरलों माहिए।

English 'ds 'ndd'l.

राभापति महादय, में घण्टमान गया . मा। बहा यसला देश के ल म भी पहेते , है, तमिल, तेलगु भीर हिंदी वे लने कल भी हैं। तेजिन अब बहा पर यह बादस में बात गरते हैं तो हिन्दी में दात गरते हैं.। .. मेरे साथी इस चीज की मानैसे। ...मेंने ब्रह्मानुको एक बोद्रनंत्र स्वाया । छोटी जगह होते हुए भी, अध्य भाषामा है बालने न बाल लाग होते हुए मी, हैलगु, तमिल, बरला, गुजराती, मराठी बोलने वाले होते हुए, मी, लेबिन जब मापस में यह बात करते है तो -धरें जी में नहीं, हिन्दी में बात, करते है । तो वह एक समय प्रांता चाहिए। लेकिन -बह समय हम , लादना रही चाहते । आप -जितनी देर पाहें उतनी देर स्वित । हमें -कोई जरूरत नहीं है, लेकिन में एक चीज-पहना चाहता ह कि --

Do you want to equate Hinds with English? You should not. You cannot equate a foreign language with an Indianlanguage, whether it in Telugu or Hinds or Tamil or Marathi or Hengali.

ध्यर यह चीज प्रापकी समझ में, था जाये; कि धारेची विदेशी भाग है, प्राप पितने दिन में उहकी भीतण, अग्रेजी पत्रना बुरा; नहीं, धारेजों के जाने के बाद भी पद्रना लाहिए इटलोकनत भागा है, उन्हें में दूसना रोत है भीर यहा भी रहेगा, टेनगोलाओं है, साइस है, में उसकी दिनाई नहीं करता, पदना खाहिए। म भी चाहता हू कि सेन बच्चा पड़े, सेविजन यह विदेशी, आपाई शीर उसकी

link language (Res.)

किसी न किसी दिन यहां से जाना चाहिए। यह आपंको स्वीकार करना चाहिए। जाना कब 'चाहिए यह ग्राप तय करिये,' हम नहीं तय करेंगे। यह मेरा कहना है। और जो प्रस्ताव का भाव है मैं इसका समर्थन करता हूं। लेकिन मैं इस चीज की मानने के लिए तैयार नहीं हूं कि विधान में कोई संशोधन करने की जरूरत है। सरकार की पालिसी यही है, जो ग्राप कह रहे हैं। श्री थरणसिंह जी का जो उदाहरण दिया, में समझता हूं कि भ्राप वह राजनीति लाये।

चरणसिंह जी ने यह कहीं कि में हिन्दी में एक सवाले पूछ रहा हूं जनता से कि क्या हिन्दी बीलने की वजह से परिलक लाइफ में की हैं रह सकता है या नहीं ? यह में गलती नहीं कहता। यह सवाल किया-में विकि हिन्दी बोलता हूं, प्रप्रेजी नहीं ' बोलता, इसलिए मुझे परिलक लाइफ मे नहीं रहना चाहिए? मैं समझता ह कि यह उन्होंने बड़ा जायज सदाल किया। जसके बारे में आपके पास कोई जवाद नहीं है। लोगों ने उनकी बात को सना।

मेरा कहना यह है कि हिन्दी पंचास प्रतिशत बोलते हैं, 60 प्रतिशत बोलते हैं, तमिल 10 प्रतिज्ञत वोलते हैं, इस कीन के वेसिस पर हिन्दी देश की मापा वनेकी, यह में नहीं चाहता; न्यूमरिकल स्टेंड पर नहीं ....

MR. CHAIRMAN : You had conclude in one minute. One minute is over.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : I would not take now more than a mi-

श्री संबर लाज गुप्त: में मांग करता कि देश के इंटरेन्ट में हम लोगों की भाषा का लगडा पालियामेंट मे या पालियामेंट के बाहर नहीं छठाना चाहिए। जो यह झगड़ा उठांचा है, वह मैं समझेता हूं कि देख काहित भही करता है। बन्त में मै यह निवेदन करते हए समाप्त करता ह वि यो तैंगुएज फार्मले का में समर्थन करता ह आर यह देश में लागु होना चाहिए।

\*SHRI A. SUNNA SAHIB (Palebat): Madam Chairman, I have been henoured by the opportunity given to me for participating in this Debau. I am speaking in Tamii but I hail firm Kenala. I can speak in Hindi also ore I have learnt Sanstrit.

I can say without any fear of contradiction that Tamilis the most ancient language of the country with a culture of its own It has only 18 consonents and 12 voneis. It is the easiest lauguage to learn. It would het to know what efforts have been or are being made by Hindi-spak-ing people to learn Tamil or any other South Indian language. We have got even the grouse that Tamil has not recoved equal respect in the hands of Hindicuves equal respect in the hands of Hindi-speaking people, as much report as they show towards English. In fact, I should say that the Hindispeaking people, who call English as the Impertaint language, have hot shown even the elementary courtery and hindness towards regional languages of the country which have been recognized in the Constitution of India recognized in the Constitution of India. I would not like to think that I am an antagonist of Hindi:

Here I would like this House to consider what prompted Pandii Nehru, the Light of Asiz, to give an assurance to the country that English would continue so lone as the non-Hind speaking people was the continue to the contin that Hindi also should raise to the heights of English and till then English should be there. He wanted English to continue primarily in the interest of social, poli-neal and economic growth of the country. Netional integration was far more import-act for him than linguistic chausinim. He did not went to contribute to the ric did not want to contribute to the feeling that North was waning while South was waning. For him the percentage of people speaking Hinds was not the consideration for having it as the sole link language of the country.

We are not oppored to Hinds, but we are opposed to its imperituen. You now,

→ 340 €

[Shr: A Sunna Sahale]

Mailan that any imposition creates violent reaction. When the non-Hindl apeaking people find that Hindl is being appearing people and materished in being thrust on them they turn into violent haters of Hinds Fanaticism generates fanticism I am the President of Hinds Prachar Sabha in my constituency interested in the growth of Hindi as a language. It should not be linked with m norty and majority Can anyone speak better English than the late Sir Rama swams Mudaliar of late Sir Rama swams Mudaliar of late Satyamurthy? English was a vehicle of thohuge for them

teast or west hasiguage is an emotional outlet and it should be capable of generat-

tion in Malayalam It must be borne in mind that nation is to be kept at the highest pedestal and it should not be made the victim of language whirlwind

Wa from the South are equally, if not more, interested in national integration. We want to work for the growth of conposite culture of the nation. As is measured in Gita, YADHA YADHA HI DHARMASYA GLANIR DHAVATI BHARATA, good action will end in ancessive good actions. We should not be the torch bearers of the saying "Sow be the torch bearers of the saying "Sow the wind, Reap the whirlwind Lan-guage should be the communication for common good English has not taken the country backward it has contributed for the growth of the nation. The choice of one list language for the country should be left to the people of non Hinds apeaking Southern States and that would be the greatest honour which we would be showing to Pandit Nehru,

With these words, I thank you and resume my sest

थो राम विनाम पासग्रत (हाजोपुर) समापनि महादय, रवीन्द्रनाय टैगार ने वहा थाकि हमारेमन की मधुमक्त्री ससार के सभी उद्यानो में जायेगो, लेकिन अपनी ही रीति से मधु का कोश नैयार करेगी। पिछले तीस साली में हमने समने ससार का भ्रमगक्र लिया है। क्या मैं यह पूछने का हकदार ह कि हमने उस मब का बनन तरीने से तैयार किया है ? नहीं तैयार किया है।

आज इस बात पर अक्रसोस होता है नि हिन्दुस्तान की पालियामेंट, लाव समा में मी हम ब्रानी मातृभाषा में नही बाल पाते हैं और प्रस्ताव पेश करत है कि खंदेजी का बारी रवा गाये। माज-नल भारत में रशन डेलोगेशन घाया हुआ है। वह इस समय देश में भ्रमण वर रहा है। हगडे माहद ने हमे प्रसारा होटल म बुलाया था। द्याप की सुन कर भाक्त्यं होगा कि उस हैलीबेशन का नेता रशन आपा में बोलना था। वह ग्रयेको नहीं जानता था। हम लागा ने उनसे पूछा कि क्या भाग धर्में वी जानते हैं या नहीं। उन्होंने कहा वि मैं मरेबी नहीं जानता हूं। जब हमडे साहब धवेडो में डोलते थे, तो उस था धनुवाद रबन में किया जाता था। इतने पावरफल डेलीगेशन के सदस्य भी भग्नेजी नहीं जानते हैं भीर भवना सारा काम काज रशन में बताते

162 2 hrs.

[MR DEPUTY SPEAKER in the chair]

लेक्नि हम लाग इतने निक्रमें हैं कि सीस साल के बाद भी हम चाहते हैं कि धयेती का चलने दिया जाय।

में स्पष्ट करना चाहता ह कि हम साग हिन्दी को धापने के समयंक नहीं है। लेकिन हम पूरी दिनेशी ने साथ यह माग करते हैं कि मधेबी का तत्वाल खत्म किया जाये. धप्रेजी का इस देश में नहीं चलने देना चाहिए। धप्रेवी शोपण का हिययार है। दक्षिण के जो लोग अग्रेजो का समर्थन करते हैं, वे दक्षिण के हरिजनों भीर पिछड़े हुए लोगा ने साम न्याम नहीं कर रहे हैं। ध्राधिर दक्षिण में भी कितने परसेंट लोग मग्रेनी जानते हैं? दक्षिण भारत में भी श्रयोशी जानने वाले चार पाच क्रीसदी होगे--उससे मी क्म होने ! लेकिन शहरो के जिन लोगो की शहरी भाषा, अयेजियत, की भादत पड गई है, उन के द्वारा यह मांग हो रही है कि अंग्रेडों को जारा रखी जाय, ताकि वे देश पर राज कर सकें।

मिन एक बार इस सदन में कहा भा कि मुझे इस बात पर नमं आती है कि केब हमें सिकेटेरियट में कियों को टेबरिकेट करते हैं, तो जबता दिया जाता है कि मैं हिस्से नहीं जानता है। प्राज्य यह रियति है कि अगर कोई व्यक्तित अपेंडी न जाने, तो उसे पातदास्ट्रें में अपेंडी में में में महान कहीं, वहां पर अपनी के में महान होंडी कहांजा कि हिन्दी को जाता जायें। में कहाता कि हिन्दी को जाता जायें। में कहाता कि में महान होंडी के अपेंडी को जाता जायें। बीतिय की एक भागा की चुना जायें। बीतिय की एक भागा की चुना जायें। के पात्र की कम्पता और उत्तर को एक आया की कम्पता सिंग जायें। भी

दक्षिण में श्री रामस्त्रामी नायकर कैसे एक से एक नेता पैदा हुए । लेकिन कतर भारत में लोग जन का हान मी नहीं आनते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने प्राप्त को एक माया के मेरे में सोमित रखा। दो भाषामी को सम्पन्न सी किया आये, नत समान रूप से जोगा बढ़ी।

यह सामला किला मंत्री से भी टाक्लूक एखता है। आज जिलने मी साई॰ ए॰ एस॰ सोर बाई॰ एफ एस॰ एस॰ आफिसी हैं है ने कीन तीम हैं? वे एक ही तबके, एक ही वर्ग के लीम हैं। वे एक ही तबके, एक ही वर्ग के लीम हैं। कि किला मान में स्वाद कीमा जनीन मोड़े का नक्षाता मी मनता है मीर बड़े आहरे पर भी डेंडे हुर हैं। इस खा एक ही करए हैं कि ने तमम अदेवी स्कूल के पड़े हुर हैं। जम के से ये एक परवेंट भी देते नहीं होंगे, जो किली मान के स्कूल में पड़े हैं। मैं मूल में मान के स्कूल में पड़े हैं। मैं मूल मान कि स्कूल में पड़े हों। मैं मूल माना एन्हें कम डिनार्ट के मो अपना दार पड़े हमें हों में से अपना एन्हें कम डिनार्ट में में में से अपना दान हमें हों हों में मान अपना हमार हमें हमें हमें में से अपना दान हम हमें हमें मी

का प्रोटेस्ट, विरोध, सिक्षा मंत्री तक भी पहुंचा दें।

> हमने यह कमिट किया है कि--राष्ट्रपति का वेटा हो या चपरासी की हो।

342

संतान,

बाह्यणं या भंगी का वेटा, सब की शिक्षा े समान ।

देव भर में एक तरह की विशा जलनी चाहिए।
देख में भणनी मालुमायायें चलें —हिन्दी.
वर्ड, बंचता और तेन मुक्ते। देश में प्रथमी
भाषायें चलनी चाहिए, धंगेडी भाषा नहीं
रहनी चाहिए। जो लोग कहते हैं कि
समर देश में मंगेडी भाषा नहीं चलेगी तो
देश हुं धारेगा जनते में कहना चाहता है कि
बो तीन देश में मंगेडी भाषा चलाना चाहते
हैं वे देश की तीम आ का स्वाद महालिए
साजादी के तीस आता के बाद भाद हमें
सद्बुद्धि धानी चाहिए और दश देश के हरिफन
तथा तनाम गरीन पूर्ण जोगों के हितों की
रक्षा के तिए इस देश से तत्नाल धंगेडी
को जरम होना चाहिए।

इत शब्दों के साथ जो प्रस्ताव इस सदन में प्रस्तुत किया गया है उसका में भीर विरोध करता है।

महमंत्री (श्री बरण सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, प्राव का जो विषय है, उसमें में समस्त्रा हूँ कोई विकाद है ही नहीं। । केन्द्रीय सरकार को जो पहले से नीति पक रहीं थी, पं० नेहरू के उसाने से, उसको मानसीय प्रवान मंत्री जी मेरे साथी और प्रे स्वर्ष एक से अधिक बार रोहरा नुके हैं कि बहुई नीति इस गवर्नमेंट को है और इसमें कोई सन्तर किसी प्रकार का नहीं है, यहां तक कि इस्मेरित का नी मन्तराईं है। यहां तक कि इस्मेरित का नी मन्तराईं से 343

English as addl. link language (Res.)

[थ्री चरण सिंह]

सरकार दक्खिन के लागा पर हिन्दी थापना बाह्ती है। हा सकती है कि मपना पक्ष समताने में हमारी तरफ से काई कमजारी रही हा संवित्त नीयत की काई बमी नहीं है, धाशय में काई धन्तर नहीं है। मैं फिर फामली, जान्त के तौर पर कहना चाहता हू कि जा पालिसी पहले जमाने से, प० नहरू के जमान से इस थम्बन्ध में चली द्या रही है यह गवर्नमैट भी उस पर नायम है। इसनिए में मज बेरना चाहता हू कि काई श्रवेजन नहीं या, काई प्रवसर नहीं था इस प्रतीर में प्रश्तीय नो साने मा। देखे ऐक्ट के जरिए मेरे मित्र जा बात चाहते हैं वह परने 1967 से सागू हुँदें है भीर 1976 में उसने बधीन नियमावली यन गई ता फिर काम्डीटवृशन में चैजें केरने की नया मतनब है ? यह नैर-जरूरी है थॉर उसकी कोई 'मावस्तकता नहीं है।

भग रही बात यह वि हिग्दी पर शहत बल दिया जा रहा है। मुझे माननीय धमर गृह ने ब्याध्यान का सुन कर बड़ा साज्जुब हुआ। काई भी राष्ट्र हा, उसमें धास तौर पर एर ही भाषा रहती है। सिमें वनाडा ऐसा एक भूल्य है जिसमें दा मापायें हैं --भेंच ग्रीरइग्लिश। इसी भाषा न ग्राधार पर श्रव वहा फामीमी लागो की तरफ से मतालवा है वि जिस इलावीम वे हुए बसे हैं घह एव भलाहिवा मुल्य चना दिया गाये । इसके यलावा समी देंगी में एक ही राष्ट्र भाषा है। हमारे देश की यह बदकि स्मती रही है कि सैनडो वर्षों से हम छोटे छाउँ दुवडों में बदे रहे हैं। महाराज धशाब ने बाल की छाड पर और सौरगजेब ने कुछ माल को छोड कर हमारा मुल्क छाटी छोटी इकाइया में विभात रहा है। अपने राष्ट्र के नेमी को एक दूसरे में घलाहिदा करने के तीन नारण रहे हैं -- धन भाषा मार विरादशी। हम लोगों में अपने धर्न से ८० वर राष्ट्रीयता वाजा मार्गपैदा हाना चाहिए या. मझे unik language (Res.) , , अपूर्णाम के साथ मानना पहता है कि हम बसको पैदानही बर पार्थ। नतीजा मह हमा कि देश की सबसीम ही गई। धर्म भाजो भाष पैदा हुमा उसने भपनी कीमत चुताली। लेकिन प्रभीभी एक भाई की दूसरे भाई से , मलाहिदा भरने ने दा गारण भी बुदहैं-- भाषा और बिरादरी। विरादरी धीरे धीरे कम होनी चाहिए थी। अर्थे जी वे जमान में भी हम लाग जिरादियाँ में बढे हुए ये लेकिन चूकि एक दुश्यन सामने या इसलिए .विराहरी,मी,भाषना से नपर. च्टनर, लगमग समी सागी, ने,, 90 विक 99 प्रतिशत आयो न भाषेस व शह व नीचे. याम शिया । मूझें. मानूंग है, एस वर्त -भाई सामा दूसरे सामी सं विरादरा प्रथम मा ,सहस<sub>ा</sub>नही जरता,या, यतिक इस-की जरूरत महमूस नहीं परता पा। इसने बाद स्वराज्य द्याया, बोटिंग मुक्त हुए, फॅन्चाइड हुमा, हर बालिंग मार्दमी को मताधिकार मिला धीर बोटिंग के मनत, इलैंक्सन ने बनत विरादरी भा सहारा निया गया, इस वे लिए हम शमी बराबर वे दीपी है। इसी वन्ह से सीवसित की होड में भी विरादरी के माम पर भौकरिया हासिल बरने या अपनी हिमाण्डस नौबरी ने लिए मेश करने की बात शुरु हुई। मतीजा यह हुमा वि कास्ट सिस्टम, जो स्वराज्य माने में बाद मिटना चाहिए था, भ्यादा प्रवल हो गया। इस स ज्यादा शर्म की बात हमारे देम ने लिए भौर नोई गती हो सनती है। हम में मे बहुत में लीग, सब तो नही, विसी भी दूसरे प्रादमी की योग्यता भीर प्रयोग्यता उस की विरादरी से नापते हैं, उस की मेरिटस से नहीं । ग्रसम्बली, पालियामेण्ट जिला बोहै, पचायत वर्गरह के इसेवशन मे विरादरी हम लागी के मामने भाती है भीर अयर एक ही विदादरी के दो कैण्डोडेट्स एव-दूसरे में खिलाप खडे हो, तो गीत्र वे बल पर वोटस मागे जाते हैं। तो मेरे बहुन का सकसद है कि यह बिराइरी मिटनी चाहिए घी, लेकिन मिटा नही पाय । यह

इस वक्त हमारे सामने भाषा का सवाल है। हिन्दी का हमारे फाउण्डिम-फादर्स ने स्वीकार किया, इसलिए नहीं कि वंगला या न्दामिल भाषा का साहित्य कंचा नहीं है, ऐसी वात हरगिज नहीं है, हमारे लीडर्स ने हमेशा इस बात को कहा है कि ऐसी बात नहीं है। चेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि हिन्दी भाषा को बोलने और समझने वालों की संख्या बनिस्तत दूसरी भाषाओं के देश में ज्यादा है और जब ऐसी बात है, जो कि निविवाद है, तो अपर हम को देश के लिए कोई भाषा प्राफिशियल र्जैम्बेज बनानी हो, तो में अपने दोस्तों से पूछना चाहता हुँ-वह कौन सी भाषा हो सकती है, सिवाय हिन्दी के ? इसीलिए उस समय इस को स्वीकार किया गया था। मैं फिर इस बात को दोहराना चाहता हं-हमारे पुरखों ने, एक पीड़ी पहले, छायद मेरे लिए नहीं, लेकिन मेरे वहत से साथियों के लिए, जो पूरखें हमारे फाउण्डिंग फाइस ये, उन्होंने जब कांस्टीचूशन बनाया, तो अनेक बार उन्होंने कहा है कि हिन्दी की केवल इस लिए एक्सप्ट किया जा रहा है, क्योंकि सब से ज्यादा लोग इस को देश में समझेने वाले हैं।

दूसरी बात यह समझने की है कि क्या श्रंगेजी हमेशा यहां कायम रहेगी ? चीन श्राणिय हिंगा, एक दम चाइनीच उनकी आफिशियल लैंग्वेच वन गई । उन का सारा काम उसी भाषा में होता है। जांपानी लोग हे---जहा तक वैज्ञानिक विकास का त्ताल्लुक है, वैज्ञालिक प्रगति का सम्बन्ध है, किसी मे पीछे नहीं हैं। हो सकता है-उन्होंने टैक्नीकल टर्म्ज (तकनीकी गव्द) यूरोपियश भाषात्रों से लिए हों, लेकिन धात उन को वैज्ञानिक शिक्षा भी उन्हीं की भाषा में होती है। इसलिए अगर इस मुल्कका हम को मुधार करना है, तो आज नहीं कल, जल नहीं परसों, हम को एक भाषा, कम से कम केन्द्रीय स्तर पर लानी होगी. ऐसे तमाम कामों के लिए जिन का बास्ता सारे देश से पड़ता है, उन को चलाने के लिए हम को एक भाषा रखनी होगी। इसलिए जो लोग प्राज यह कहते हैं कि हिन्दी हो, हिन्दी हो, उन का मतलव केवल इतना ही है। इस से आगे अगर उन का कोई मतलब है, तो गवर्वमेण्ट उससे सहमत नहीं 8 1

यहां पर पहले रोज मेरे एक मिल ने कहा-मुझ को मालूम हुआ है-कि दक्षिण के प्रदेशों की गवनैमेंट्स के साथ जी पन-व्यवहार होता है, केन्द्र की तरफ से, उन्हें हिन्दी में पत्र भेजते हैं, हिन्दी में पत्नाचार करते हैं। यहां से सर्कुलर्स, कस्स, प्रार्डवी या इनक्टमेण्ट्स की जो कापियां जाती हैं, वे हिन्दी में जाती हैं। ऐसी वात नहीं है, वे अंग्रेडी में जाती हैं। सगर किसी प्रदेश के सार्थ केन्द्र का पत्राचार होता है, कारस्यों-डेंस होती है, तो वह घंग्रेजी के जरिने होती है। लेकिन अगर वहत मे प्रदेशों के साथ उस चीज़ का वास्ता होता है तो वह अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में होती है। ऐसा समी कार्यालयों में हो रहा है, एल० द्याई० सी० और रेल्वे डिपार्टमेण्ट हो या कोई भी डिगर्टमेण्ट हो । उस रोज मिलों ने जो आर्थका प्रकट की, तो मैंने दपतरों से मालूम किया, तो मुझे वताया गया कि हमारी तरफ से ऐसे कोई आदेश नहीं है कि केवल हिन्दी में भेजे जाय। हिन्दी ग्रीर इंगलिश दोनों के लिए आदेश हैं -। **यहां से जितने आ**देश और जितने पत्र जाते है, वे दोनों भाषायों में जाते हैं। अगर ज़हीं गलती हो गई हो, तो माननीय मिल गुलै बत्तलाई । बहु ठीक हो जाएगी लेकिन हम को यह मालम है कि श्रभी तक इस

[श्री चरण सिह] 17 सिलसिले में कोई गर्लती ही नहीं रही

भव मेरी यावत कहा गया कि मैंने इकार कर दिया अधेजी में बोलने से 1 'पहली बात तो यह है कि मैं 22 जनवरी को बगलीर गया था घीर यह बंगनीर की घटना है। मैं वहा पर देउ घाटे तर विक सी मिनट तक चेम्प्रमें आप कामसे की मीटिय में अमेजों में बोला घोर वहंसे वी मीटिंग में भी दो घण्टे तक अधेजी में बोला, लेकिन बह मीटिंग एक नेनेक्टेंड इव्डियिनुबल्स बी गीदिंग थी। "हा तर मास मीदिंग या सवान है, मैं नहीं समनता, मेरे ने ली सभी ज्यादा मार्दिल लीग यहां पर देठे हुए हैं, वि मास भोटिए मैं इपलिश में वह लहना था सकता है जो जनता समय तेती हो। मैं ऐसा नहीं समझवा। तो इसतिए मैंने यह पहा कि में हिन्दी में बोलुगा और उस का तरजुमा थी बीरेन्द्र पाटिल करेंगे । जब ऐसा हुआ तो योंडे से ऊदर से कुछ लडको ने कहा, "इगलिश, दगनिश "। मने उन से कहा कि जब माप ऐसी बात कहते हैं ती इस वा मतलव यह हुमा कि जो भादमी इबलिय नहीं जानता है वह यहा पर पब्लिक लाईफ में नहीं रहेगा। मैंने उन लोगों से यह भी नहां वि' अगर बाप विहार जाएँ **और** बिहार में लोग हिन्दी जानते हैं घोर फ़ब्रेजी सब लोग नहीं जानते,-वहा पर देहात भीर शहर के क्तिने लोग भगेजी जानते हैं-धौर वहा पर भाप अप्रेजी मे बोलें तो सूनने वाले लोग उस को समझेंगे नहीं भीर हिन्दी माप जानते नहीं हैं तो बचा रास्ता होगा ? इस ने लिए रास्ता यही होगा कि भाए भपनी मापा में बोलें भौर जो दूसरा भादमी है, वह उसका तरजुमा वहाकी भाषामे कर दे। भव यह कहा गया कि मेरे हिन्दी में भाषण करने से वहा के लोग नाराज हो गये। मालिदन यह ठीक नहीं है क्योंकि बनलोर में जो लोक

,समा की 6 सीटें हैं, उन सब सीटो पर जनता पार्टी जीती। द्यगर लोग नाराज हो गये होते, तो ऐसी बाद क्यों होती । वर्नाटक में बीजापुर, धारवाड, रावजूर, होस्पेट ग्रादि जगहो पर मैंने 12 भाषण दिये और उन 12 भाषणों में 7 में नहीं बर्लि <sup>1</sup>8 पींचर मीटिंग्स में श्री बीरेन्द्र पाटिल ने मुझ से बहा पहा कि याप हिन्दी में बोरिय । ये जो इलाके है ये पहले निजाम की डीमी-वियन येथे या महाराष्ट्र सधे और वैसे तो बटा की भाषा बच्चड थी जोकि छन की मदर टम थी, तेबिन वे लोग हिन्दी भी ग्रन्छी तरह में समय समते थे। यहां वत काध प्रदेश के एक तिहाई हिसी यी है, जो कि निवानावाद मे है। वहा पर मुख्नी वहारचाहि प्रापहिदी में बारिये भीर उस वा तरजुमे दरने की कोई जन्सत नहीं है, तेलगुमें उस वा तरजमा बरने की कोई गरूरत नही है। तो मेरे साविधी पा महे बहना नि क्योति में प्रयोजी में नहीं बोल सका, इनलिए में दिशण की भाषाओं बा दश्मन हु, उन मा विरोधी हू, यह नौन सा तर्क है? यह तो मेरी नारावित्यत रही सेविन इस बा मतलब यह नही है कि यवनंभेट समिल या तेलगु या जी दक्षिण के मेरे दूसरे दोस्तों की भाषाएं हैं, उन के विरद है या उन गा विनास नही चाहती है। हम सब का बराबर विकास चाहते हैं। इसीलिए प्रतने दोस्तो नी माननामी ना मादर रखने के लिए हमने हिन्दी की नेशनल सैष्एज नहीं यहा है, बेबल उस को राज भाषा वहा जा रहा है लेकिन में भपने दोस्ती से जो हिन्दी के नाम पर चिरागपा हो जाते हैं, यह जानना चाहता ह वि माखिर भवेबी कब तक 'बराबर भाषा' रहेगी ? नहीं रहेवी। महात्मा जी के जमाने में भगर मद्रास में कोई मीटिंग होती थी, वर्नाटव में होनी यी या केरल में होती थी, तो सारे सीडर हिन्दी में वहा पर बोलते में भीर हिन्दी में बोलने की कोशिश करते थे। हिन्दी बहुत सरल भाषा है भौर तीन महीने

के प्रन्दर वड़ी प्रच्छी तरह से ग्रासकती। है लेकिन आए या न आए और सींखें या न सीखें, गवर्नमेंट की तरफ़ से कोई दवाब, कोई प्रेसर, कोई स्कावट किसी प्रकार की मी नहीं है। इसलिए बार बार इस चीज को जारी रखना, इस के लिए मैं यह कहना कि यह लोगों के नेरो फीलिग्स को ग्रंपील करना है। ब्राखिर हम सब फिल कर नेवान को वनाना चाहते हैं और कन्टी हम सब का एक ही. है। हिन्दी के बारे में जो गवर्नमेंट की नीति है, उस को बहुत कार हम के विलयर कर दिया है। हमेशा यही सवास ,चठता है। तो मैं बहुत मोहबाना, दिनस भीर अनुस्य के साथ यह कहना चाइता है कि इस प्रश्न को उठाने की श्रावश्यकता नहीं है श्योंकि हमारी नीयत खराद नहीं है । हजार बार हम कह चुके हैं, बाहर कह चुके हैं और यहाँ कह चुके हैं कि पहली मीति में और हमारी नीति में कोई अन्तर नहीं है लेकिन साथ ही मैं यह यजें करूंगा कि यह समझना कि हिन्दी का इस्पोजीयन हो रहा है, ठीक नहीं है। इम्पोजिशन कौन कर पहा है ? कोई नहीं कर एडा है। जब अंग्रेजी की तारीफ की जाती है तो उस से यह माल्म होता है कि तारीफ करने वालों को शंग्रेजी पसंद है व-मुकेदले हिन्दी के । भाननीय .लोहिया साहद कहा करते थे कि प्रगर श्रंग्रेजी के बजाय श्राप 'तमिल में बोलें, तेलगु में बोलें तो वात समझ में आ सकती है लेकिन घाप अंग्रेज़ी में वोलेंगे और हिन्दी की गाली देंगे तो यह इक आपको हासिल नहीं है । अपनी भाषा में बोल कर भी हिन्दी को गाली देना समझ में सहीं श्राता है। हिन्दी के मुकाबले अंग्रेजी की तारींफ की जाय, यह हमारे स्वाभिमान और पेट्रोटिज्म का तकाजा नहीं है। अभी डघर के हमारे एक मित्र कह रहे थे कि सच्चाई यह है कि हमारे यहां से जो एम्बेसेडर्स मास्की, श्रमेरिका या दूसरे मुल्कों में जाते हैं तो दे श्रपने किडेंशयल यंग्रेजी में पेश करते हैं वहां के लोगों को ग्रफसीस ग्रीर जान्जूब

349

इन कव्दों के साथ मैं जपने माननीय मिद्रों से यह कहना चाहता हं कि रीज बहां जोर से जिल्लाना, एक इसरे को क्ष्मी बात कहनाँ भीर कडवी बात सुरुना ध्रम्छा नहीं है। यह बात मैदोनो तरफ के लोगों से कहता हूं। हम इसने बड़े देश के नमाइन्दे हो कर यहां बैठे हैं। इतने बड़े देश के नुमाइन्दे होने में हमारी वडी इज्जत है। हमें यह सोचना चाहिए कि इन सब बातों का बया प्रभाव पड़ता है, क्या इस्प्रेशन पडता है ? हम हिन्दी धीर अंग्रेजी के नाम पर झगड़ें, इस पर दूसरे लोग क्या कहेंथे, यह हमें सीवना चाहिए । हम द्यापस में बैठ कर तय कर लें छीर जो पास करना हो पास कर लिया जाए। लेकिन यहां बैठ कर अंग्रेजी के मुकाबले में हिन्दी की पृह पृह करना, यह बात समझ में नहीं ञाती है।

इन जन्दों के साथ में प्रपने कथन को समाप्त करता हूं। यह कोई ऐसा मजमून भी नहीं है जिस पर कोई कम्बा-चौड़ा भागल-दिसा जा सके। मैं आजा करता हूं कि मेरे मित्र मुखे से सहमत होंगे कि कम से कमा इस विवय पर सींब्यांग में जोई संगोजन करते की सावस्पत्ता गई है।

S HRI S. D. SOMASUNDARAM (Thanjaver): Mr. Deputy-Speaker, Sir, on the language issue most of the

# [Shra S D. SomasundaRam]

members spoke from all the ndes suportang my resolution directly or indirectly. Some of the members or a few of the members of the Janata Party are oposing my resolution because they are niting

foreign language One member from this side, Me Linnichnan bad alteredy replied that English has been a large of the Anglo-Indiana If they are citizens of the Anglo-Indiana If they are citizens of this country, and if the mother tongue of those people is English, how can the mother tongue of an Anglo Indian be a foreign language 7 Furthers and the mother tongue of an Anglo Indian be a foreign language 7 Furthers.

### Indiani we are not patriots

I want to bring it to your kind notice that late Thiru Subhas Chandra Bose, when he was the President of Indian Na-

marriage in the Roman script was he not a patriot?

In both the Husers of Parliament and outsid the Frinca Minister Three Minister Three Ministers and Minister Min

Tare is one O Bical larguage Emplomation Commuter in the Munitry of Civil Aviation and Turisti and they have considered that Hinds should be made and defaulting. Tare is any thing more The Commuter created the post of director in the scale of pay 1500—1500 for eT-true inndemnation of Hinds Is this not incolving of Hinds 2. This is a few of the consideration of the

hope to get jobs in air India and in the department of Tourism and Givil Aviation, unless they know Hindi Is this not imposition of Hindi?

In most of the post offices, when we want telegram forms, they will give only Hinds forms English telegram forms are not available. Even in the Parliament House, we cannot get English telegram.

we are not supplied with English transistion copies and we can get only in English and Illadt. It is in not imposition of Hinds on non Hardi people? Though we have been studying English for the past we centuries and more, it has not killed anyone of our regional languages of the contrary, every one of the regional languages of India has developed, time.

proved and enriched [ []

State have their own regional language rich in heritage and capable of administeration of the state of the state of the English, which is an international language can still beal link for the purpose of our later Sias and Centre-State relationship. There is no point it overburdening the student with a third language as if he has nothing else to learn except languages and the state of the state of the state of the modern age of science and techmology.

We, the non Hindi speaking people are constrained to feel that the Language policy of the Januara Government is designed to help only the Hindi-speaking people at the cost of others. If there is

Dangt the discussion, one member, from West Brazil. Thiru Saugata Roy, said that India is not a country but it a main nation. It is not only a multi-mate but it has multi-mate but it has multi-mate but it has multi-mate but it has multi-mate and also gave only of language issue and also gave

caution for Indian unity. We give the cautionary word. Always the cautionary word is followed by the commanding word. Today we also give a cautionary word here. In future, thousands of people will give the commanding words. The country is facing an extraordinary situation because of the language issue. Hindi is one of the national languages. Hindi is now given the status of link language of the country. I consider that as a discrimination among the national languages. I further demand that Hindi should not be given link language status. I demand that the Constitution should be so amend-ed as to maintain English as a link language and give chance to Bengali, Tamil, Telugu, Hindi and other suitable languages to develop themselves for becoming associate

353

In Bihat, they tearn only the mother-tongue Hindi, Second language Sanshrit, and third language English. In Haryana—Hindi, Sanskrit and English; in Hinanchal Pradeth—Hindi, English and Urdu; in Madhya Pradeth—Hindi, Sanskrit and English; in Rajastana—Hindi, Sanskrit and English; in Clurz Pradets—Hindi, English and Sanskrit. In all the Hueftspeaking States they are learning only their mother-tongue and Sanskrit. Sanskrit is also in the same family of Hindi. I want to know whether they are following three language formula? They learn only two languages.

link language in due course.

I have with me the questionnaire of the "Committee of Parilament on Official Language." It is better to put the title as "Committee of Parilament, not on official Language, but on Hindi Language."

I want to read one or two questions from this questionnaire. One question is:

"What are your views about the progress made in the use of Hindi in the following fields-Administration and others? There is another question which says : "It has been stated that one main reason why the translation work is not done in the Ministries/Departments and lacks communicative quality is that the staff engaged in this work are not properly train-ed. Do you agree with this view?" My answer is that it is not the fault of the staff, but it is the fault of the language itself.

There is another question: "Are you antified with the quantitum of financial aid being given to the Voluntary Organiza-tions doing work relating to the propaga-tion and development of Hindi?" My answer is that the quantity of financial aid to far grante is itself a colessal waste. In the same way all 'he arrangements for Hindi which you are making are a colonal

Lastly, I request every Member of the House to forget for the moment about his Party affiliation. Please think about the country, about the welfare of the people about the advancement of economics and science and technology and support my Resolution.

Once again I request the Members to support my Resolution not for myself, but for the country, for the integration of the country and for the welfare of the

The Home Minister in his reply said that the Hindi-speaking people are more in number than other people. But I want to tell the House that the Hindispeaking prople are concentrated in one area, in one region. They are not spread throughout the length and breadth of Iudia. They are concentrated at one place. From the satistics, I can tell that if we make a comparative can tell that if we make a comparative study of the Hindi-speaking peeple, and the English-speaking peeple including both speaking and virting, we can find that the English-speaking people are more than the Hindi-speaking people and they are spread throughout the length and breadth of India. Therefore, I request that English should be the conti-ruous find homeone. nuous link language.

Another point is that we want the con-stitutional amendment. I want to ask the Home Minister, what it wrong in having a Design at the manufament for making English a link language as long as the non-Hindispecking people want? I every request you all including the Hindispeaking people to support it.

#### 17 hrs.

MR. DEPUTY-SPEAKER: We have two amendments. One is by Mr. O. P. Tyagh. He is not here. I have to put it.

The question is:

That in the resolution,-

emit "to amend the Constitution to 25" (1)

The melion was negetived.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Ih. Ramji Singh's amendment.

The question is:

That in the resolution,-

for-

"to amend the Constitution to per to implement Pandit Neuro's selemn assurance to Parliament

# 355 Setting up of Weigh At

[Mr Deput; Speaker]

that besides Hinds being the link language, English would continue as additional link language so long as non Hinds speaking people want it."

5- bst tute-

to implement the Constitutional provisions regarding the national language and see that the interests of other national languages of India do not suffer on account of over lordship of English which is spoken only by 2 or 3 per rent prople. (2)

The part on an account?

VIR DEPUTY SPEAKER Now the main resolution. Vir Somasundrasin, do you want to 1 thdraw it 2

SHRIS D SOMASUNDARAM 1 I am not withdrawing it

AN HON MEMBER Let the Home Vinuter give an assurance

# Tre question is

This House do urge upon the Goemment to amend the Constitution so as to implement Pandit Nehrus solemin assurance to Parliament that beside Hindi being the link language English would continue as additional link language so long as non-Hunds speak ng people want it."

The motion tras negatived

#### 17 04 hrs

RESOLUTION RE SETTING UP OF NET VI NATIONAL AGADEMY

SHRISAVLAR GUHA Combo) 1 bes

"This House recommends on the Government that, in patroite recognition of the fundamental contributions made by Neap Sublass Chandras Dose in thousht and action, towards and evolution of decological and fundamental and decological fundamental as "stay "stional Academy", be set up by the Government within a very for making specialized and advance studies on subject in which

Netaji evanced ken nitetest, like,—(i) advance Villitary Scorne, (a) modern socio-conomic and political ideologist relevant to the constitution of 
Mr Depith Speaker, Sir, it may appear supprising to some of my friends why, whenever I get an opportunity for either moving a resolution or any kind of an apportunity of introducing something

House on various occasions—and I want to resterate it—that in the achievement of Indam independence, fundamental contributions have been made only by two great personalises, viz 'kladana Gandhi and \engi Subhas Chandra Pose,

It is not only in regard to the achievement of the objective of Indian indepen dence that they have made fundamental constitution but even in regard to the evolution of national ideologies of Irdia Mahatma Candhi and Netay Subbas Chandra Bose have made fundarrental and original contribution. But, very unfortunately for reasons of parochialism, for reasons of rivality among the leaders contemporary leaders of national struggle, deliterate attempts have been made abut out the image of Netaji to black out the contribution of Netay, and to create an impression what to speak of having any fundamental contribution to Irdian freedom or to the concept of Irdian national ideology as if Netaji nas nothing but a leader of second rate importance

When I entered in this Fariair enfrom the very day of my maden sprech when I spoke exclusively on Neta<sub>21</sub> and Neta<sub>21</sub> alone I was imprised the next day to find the wide publicity the maden speech of a member received all over the country.

I do not know how many new members of this Hone have had the expenses of their upsechologies being editorially contracted on, not be one paper but by nanuserable papers all mere the country. Why was it so? Even though it was the madern spread of a new member it was so because it was been about the property of the people of India for that anaryment the people of India for that analyment the property of the people of the

Sife, the inveiling accrement of the potential fixely in the Court Hall was a very natural one. I was an away natural one. I was an away that it took us go years for holding this accremony in the Central Hall. What a tempendous response it worked all over the country. Many nichshave the country, what publishy it received all over the country. Many nichshaves and tower the country. Many nichshaves come rickshave-wallahs and taxis-wallahs come telephane-wallahs and taxis-wallahs came to know me by change, I was simply surprised that they were bestowing blessing on me as if I have done something great, even though I have acted only as nation,

Similarly, when I wone the Book "Megi" zood or Affee, I did not expect that the President will agree to release it, nor did I expect that the Speaker will agree to preside over the function. It received wide coverage all over the country. After a west some portions of wide publicity in many dailies with forecolumn and five-column banner headlines. It appeared all over the country in innumerable papeer. I was thinking and thinking, and trying to analyze the meaning of this — why there was so much publicity.

As I mentioned once in this House, no political party, notice the Frince Minister nor the President of the Janassa Party, nor the President of any party, leaved any statement on the birthday of Noterij Substan Chandra Bose, but in Dubhi Noterij Substan Chandra Bose, but in Dubhi Organis and partrait of Netaji twee found in thousand or place, in Dubhi slone 25 or 90 occarnonies were held, and all over the countries of the President of the President of the Countries of the President of the Presid

I was trying to analyze it politically, I should say I was trying to analyze it more philosophically. The answer I received to my own query from within was this—that the powers might have bried to black out the image of Netais, and tried to make the people forget his contributions, but the Indian people who acclaimed hive and acclaimed him as an epic hero of Indian acclaimed him as an epic hero of Indian

revolution, who acclaimed him as a legendary hero of Indian national freedom, did not forget him.

It is not only a question of the recognition of the greatage of You and a men of destiny like Mahama and there is something else. Indianti, but through a crisis today, I should say the country is passing through a great incoloration of the country is passing through a great incoloration, and distinguishing a political distinguishing and the control of the country is passing through a great incoloration, and distinguishing a continguishing and the country is passing through a proposed distinguishing and through the country is passing the country in the country is and there are not finding. I should any, and there are feeling as if they are living and avoids an They are feeling as if they are living and avoids an They are freding as if they are living for a voolunt. They are fred certain fundamental values for which they can around the country of the

Gandhiji hat been ndored, acclaimed and proclaimed as the Father of the Nation. But in India, Buildhim has been raised and proclaimed by the India, Buildhim has been raised and the India, Buildhim has been raised and the India, Buildhim has been raised as the India, I

What are we finding? Gandhiji has been banished, and on the question of Netsji? In the last 29 years there has been no place for Netsji in the last 29 years there has been no place for Netsji in the national life of India, there has been no recognition been made in the last 29 years to project be image and the fitchogy of only our person, Pandit Jawahardh Nehru, who played not any fundamental role, who played only are conculary not, a middlary played only as conculary not, a middlary played only a scandary lock a middlary of a stability in the Gandhan orbit of political gravity.

My observation will be shocking to many. I have nothing to gradge. Pandit Jawaharlal Nehru was a great man. He was a great national leader but

### [Shri Samar Guha]

he out not a man of detuny. He did not make any fundamental contributions either photoophically, identospically or even historically, either to the Indian National Freedom, Movement or end to the concept of findian National Reconstruction. But every find the contraction of the contribution of the property of the contribution of the property of the contribution of the Time Copyule, is there any doubt in our minds? For the last many years,

circular to all the Army barracks that nowhere 'ctan's portrait or picture should be displayed. You will be astonished to know that in the 503 till 1964

image has now come out in the text of the "Time Capsule". In it there is no mention of the name of Netaji Subhas Chandra Bose

. .

Oh, there was no person

was in the admiration acclamation and adoration of whom?— the country hows you know that House knows and it has been resided in the text of the contract of the contract of the contract of the contract of the main of Fandir behin. I was trying for several years to factually understand what it the attitude of the Government control Gambin towards. Archin and what it the attitude of the Government with the contract of the contrac

they have spent about Rs 6 30 crores

٠. ..

Covernment of India for recognition of

Chandra National Institute of Sporti" as if Netaji is a great sportiman and therefore it was in the fitness of things, it was in recognition of his contribution to spores that it vision partied.

But not re-naming of the Dehra Dun Military Adademy after Netaji Has

national planning. They have not even an idea that they could say, "Netsyi Napomal Flanning Bi-wan?" or recognise. Netsyi as any other way. They are culy just mentioning of an ustitution as "Netsy Subhas Chandra National Institute of Sports".

It is not only the Education Department, but there are so many others who made large and the propositions of Nederlands and the proposition of Nederlands and the Library Transfer and the Library T

Chandra Rose If its an emblem of central youth, he is an emblem of figuring youth he is an emblem of figuring youth of India. It was the who presided over the largest number of another and youth of the largest number of another and you construct and pincered student too tenent, youth movement, in our country. All youth organizations, in change the Navyous Pharatt Sabba which was the construction of the Change of the Ch

But that was also not done Not only Nebra luvak Kendra but even Nebru Bal Kendra Nebru Bal Puntslalya, Nebru Doli Mussum, Nebru Park, Chacha Nebru Bal Park and what not have been set up in the name of Pandt Aebru I do not want to look at it parachially Certainly I again say and I reiterate that Nehru was a great man; he was a great national leader; he made many great contributions towards our Indian freedom and also towards the builing up of our country. He introduced many modern ideas into our nation. But to create an impression that it was Nehru and Nehru alone, not even Gandhiji who did it that should not be proper. Gandhiji was sidetracked; Gandhiji was eclipsed. He was raised to the Status of Avtarbood by banishing Gandhism. Buddha was made an Avtar by banishing Buddhism-Gandhi was made the Father of the Nation by vanishing Gandhism. Ghandism was no where in the last go years.

It is after the advent of the Januara Party and the friends on this side that the whole national attitude, I should say, national outlook, has charged, In the last few years, there has been some kind of a scismic change in political outlook, in the political psychology and even in the political perspective of our country,-I should not use the word "political"---rather, the national outlook, the national perspective and the national psychology of our country. There has been a revolution any change in the coun-I do not mean the political revolution. As to which party has been defeated and which party has been to power, that is not the question. There has been a national revolution. The national perspective has undergone a thorough change. The country in is search, in quest, of a new outlook of life, in quest of certain fundamental values, in quest of a new ideology so that our nation, so that our vounger, generation can be galvanised to a new concept of life. Let me repeat that the concept of our life in which our younger generation can dedicate themselves, for which they can consecrate their whole being in an urge, in a mission of fulfilling something great, is wanting in that perspective, I should say, if you really want India to become great, if you want to rouse our younger generation if you wadt to make them inspired with the spirit of the recolutionary dynamism, you should do this—accept this motion to set up Netaji National Academy. The value of politics has gone The politics has become a profession of careerism; polities no longer carries the spirit of national service; it has become a profession of executism.

It is only Gandhiji. Gandhiji's life of dedication. Gandhiji's life as a missonary, as a totally dedicated man, who can inspire moral values in our country, who can inspire ethical values, who can inspire people to get themselves, I should say, our of bounds of narrow parochial considera-tions of individual interest. There is only another image, the image of Netaji, his revolutionary urge, his image of dynamism, his image of dedication-

his image of, notal eacrifice, his image of, I should say, reckless abandon in search of fulfilling his mission, -- only that image can louse, can create a new life, can create a sense of value among the younger generations of our country,

I have nothing to say against the leaders of other countries. Certainly we should adore penin, Marx Mao Tsetting and other leaders also. They had built up their own

army of Liberation in their own countries, I explained in this House on f explained in this House on another occasion that earely in this cia of our human history was such a revolutionary born in any country of the world file Netali Subhas Chandra Bose. Is there any instance in the life of any other revolutionary . of a man, who alone broke the dragnet of the most powerful British Imperialism of these days, who left the country and crossed thousands and thousands of miles alone, crossed thousands of miles of air, sea and land and had established his organisation in 20 countries of the world, who had raised an Army of Revolution and challenged the mightiest British power and created a saga of revolutionary exploits? Is there any such instance? You, Lenin had created histery when he entered Russia with the help of Germany, when in a in a scaled train he crossed Germany to Helsinki and entered Russia. Yes, Sun Yat-Sen created history when he escaped from Ghina and went to Japan. Yes, de-Valera created history when he escaped from a British Jall in Ireland and went to America. But is there any instance of such a magnitude of reveolutionary exexploit, of revolutionary activities in the lifofany revolutionary as has been achieved

by Netaji? Lenin had his own political organisation in Russia to lead the revolution: Man Tac-tung had his own organisation in China; Sun Yat-Sen had his own organisation in China. Garibaidi had also built up his Army of Revolution, but it was in Italy. George Washington had built up his own in America But nonelike Netajihad the glorya revolutionary glory of building up an army of Liberation alone and out of dust. in areas far away from his own country, But here was a man, alone the Netali of India almost out of dust , out of nothing, covering two continents, going from one mea to another and piercing through two oceans, taking 120 days through the Atlantic and Indian occans to reach Singapore from Kiel which was inconceiveable in those days-raised an army of National liberation of India. When he suggested to Doenitz that he desired to move to Singapur by a submarine when it was not possible for him to go by plane from Berlin to Tokyo-it was impossible in these days because such a long-range plane was not there—when he suggested that "I have to go by a submarine", the Chief of Naval Staff of Germany Adm. Documitz said that this was a suggestion of a mad

#### [5hr: Samar Guha] Cat Ja

marinelto another It was an impossibility Therefore for the first time in the Indian Ocean cast of Madagasear from the German submarine to the Japanese submarine he was transported. It was a rough sea With the help of a tope he managed to get from one submarine on to another This is one instance I can give innumerable toer there

In Rangoon when he was taking the salate of his arms immediately a Bestish place zoomed machine gunning and carpet bombing \etail stood like a rock

tite a tork as it nothing had happened He gave the order to disperse and after his amy dispersed and took shelter, he cam down calmly, quietly and then him self took shelter. It is not my expression, my words I have heard these words from Gen hawabe who was in command of the wholeof the Burma front Hesaid Be have rarely seen a man of such courage digniti and formers

Chat sout town Actags . . was giving diciation to Abid Hasan about was giving dictation to total relate account in this fitture programme. Used Hasan got immored he could not take down the dictation. Vetaji asked, bbd, what happened? Hed dinot even bear Netaji happened? because he was completely upset alam bell was continuing The submarine was to go down it was likely depth-charged. Twice he called Abid there was no response when he called him for the third time then Abid said "Yes, Sir He asked him "What has happened to you? I am giving you dictation you are not taking down!" Here was the man What a man he was In how many revolutioneries life can you have such an exmaple of courage?

#### mainte was going steadily down

We have heard about the Long March of Mao-te-Tung Have you heard about the Long march of Netaji Subash Chandra Bose the long march from Moulemen to Bangkok when Rangoon was being evacua ted? The Japanese Government offered a plane to him and said, "The British Army is proceeding fast, at any time you may we request you, be captured ٠,

eaptured you may get exptured at any Netaji Japanese plane for Bangkol roughly and rudely rebuffed the Japanese

offserrs, he started the long march from Youl min to Bangkok for 21 days day and might. In the day time there with carpet bombing and machine-gunning In the day they could not corre out, they had to take shelter in the jungle because they were being followed by the British bombers. In the night they had to cover the later

world. But I am sorry, we have not projected of the smage of such a hero, such an inspiring figure, for the last three decades—before the Indian youth. And that is the reason why I was trying and whenever I get an opportunity. I am

With this perspective I have introduced

Anna UMA, and all other parties, participared and all of them gave unammous support to this Bill called "Netsin National Arademy Bill " At the last moment when the whip was issued from Her Majesty. Her Democratic Majesty, when she ssued a whip, those Congress Members and their all ed who supported the Bill finally voted it duen. Yes, it was voted down under a threa?. But what was the real mind of the members of this House? It was revealed when manninum support was given to this fill by all the Armhers from all the parties that a National Academy in the name of Netaji should be crabibilised. In the Power manninum support was given to the parties.

I have mentioned about the subject, all however the institution, but my lifes it not only to project the eyear personality of Xeraji before the Indian youth last and ideology to the Indian youth and ideology to the Indian youth of the Indian propile. For that resean his ideological propile. For that resean his ideological propile, I for the Indian people, their continuity of the Indian people, their that research is ideologically indian in Indian I have been the Indian people, their things of the Indian people, their that Xengland in Indian I have been the Indian in Indian I have been the Indian indianged in It had some fundamental ideology also to contribute. For that reason I vanat an endersy, so that some fundamental research in Indian and I want an another years that some of the basic and fundamental and another in the west that I have said.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Some amendments are to be moved and some others mant to speak.

SHRI PURNANAR WAN SINIA (Terpur): It has been said that more Members may also be prepared to speak. But what about the incembers present in the House? You had 25 Members previously to speak. But you do not have that much strength present in the House.

SHRI SAMAR GUHA: This is my privilege to the main speech.

I have suggested study of advanced Mikhary Science. With have I said on? It there any offer person that India produced in the freedom structure (See State 1) and the

country in adverse circumstances, where there was no possibility trhatesoever of raising such an army of revolution. There were so many armets of revolution which were raised in different countries of the world, but not of the kind that was raived by Netaji.

I centember in my sonnoer days in appli, when Neapi forment the Bergal appli, when Neapi forment the Bergal Volunteers during the 1938 Congress in Cadenta. Many people ridicated the idea he was indeeded and he was handed as 'Goe,' Fainthy did any of them register—even the national lenders did not resilies—even the national lenders did not resilies at that time—that Neapi's Bergal Volunteers would be the seed of the drevin of this future army of libration.

Go to any nation of the world, go to America, go to Russla, go to China, go to France, or Germany or anyulter, it is not the professional General's image that is placed before the officers and the oddiers. It is the image of a national here, of a legendary here, or anan who has created something extraordinary.

But in India is there any military instiution named after Netaji, any insigniaany other institution, any award for, heroism or anything of that kind? No nothing-

I had a personal talk with Grn. Katrabe and I want to quote what he told me about Yetzji, General Kauabe was in charge of the Burmese front and of the courageous men under his command. The British army was defeated by him in the whole of South-Bast Aka. I quote telast Gen. Kaurabe told me abous Netzjit.

"Chander Base was a great revolutionary but the greatness of his leadership is largely due to his brilliance as a military leader.

The unique chanters of Neaptemilitary leadership as the Superior Commander of 1.N.A. his magnetic templation, in flating dignity, the eighten and dauselless particular his the literation across, his paramount confere attack or retreat, his intercation of soul-uniring hatteries, his electrifying order-of-the-chap and all other gallam fighting foots in Germany and Iceding the Aradi History and Control of the History and Control of the History and Control of the theory and the control of the second of the control of the second of the control of the second military leader of Modern foots. [Shri Samar Guha]

This is not my word. This is an assessment and evaluation of one of the greatest Generals of Japan.

I do not want to quote more I can goo a many hierarner that share ceme out to East Germany and West Germany They have also evaluated the role of Verily as Supreme Commander Black what have we consider that what have had been supported that they have also been supported to the hadronial by International Confession of the conder milliam; section of the support of the Verily Automal Arnelmon.

The second subject is Modern Socio-Economic and Political Ideologies relevant to the objectives of Indian National Reconstruction.

Netsu was muunderstood and mustrepried unnen the days of feeders suresçie by many people as a neo-fasser; some called him a neo-fasser, other called him a crypto-communication other called him and the called him and the called him and acqueries multant nationalist, others described him just an appraisate freedom fighter Some of them even called him just an adventured the that But for find the time at the une of reply I will discuss his political for the called him just an adventured the that But for find the time at the une of reply I will discuss his political philosophy.

MR DEPUTI SPEAKER You will have ample time

SIRRI SAMAR CUPHA Even in the rigot, when Unrum and Unrum philosophy was talked about, even Endet rigot, when the control of the rigot, when the rigot was adventured to propagating that, and the rigot of the rigot

sad, sheays have sad, that 'I am a secalint' I have quotaons shout at But, I do no want to bother you. He sad: " The solvation of India and of the whole world depends on socialism. But Irdia will have to evolve her own method and her own outdook of socialism on the bass of Indian culture, philosophis, the herstage and conducent that will be found in a natural life."

He belved that it is the duty of a dynamic nation or a modern nation of a creative sening, to study the political philosophy

want to take much time. Netan, in brillianth, analyzing the evolution of the political philosophy of the modern world said British people, discovered the con-

it was the sift of Russian revolution, and finally, he said it is the duty of India, that it that it must go alread to evolve a new scoop-political ideology for consistence india, for reconstructing India, for fulfill rig the mission of India and to make the processary progress not only for India but for the world as a whole.

as out, yextues at propagates as so as a manual planning even during the war as Generally and South Last Asa, he had developed the rational planning when he read leading his zen. He made a sungue, spec of the other last and the state of the other last and the state of the state

That is who such a National Planning should also be a subsect for study About the history of the revolutionary movement, you now know that the capsule says—that the Indian freedom movement was started in 1900 Revolutionary movement was before that. Nethyle Revolutionary

struggle, after 1942 Quit India Movement, has no place there. Therefore, a Balanced study has to be made about the History of Indian freedom also and other respects.

I know what will be he stock answer of the Education Ministry. The stock answer would be: "Well, you have the Netaji Research Institute, Netaji Mescum. We have given Rs. ago,ooo to them increase it by rupoes one labh more." I am a Member of the Netaji Research Institute, I am desely associated with it. In a mental second that organization is a mental second to the purpose of that organization is the purpose of that organization is not be not been second to the purpose of the consistent with the life and activities of Netaji which our Government did not try or allowed to get lost those brilliant literature and documents of Awal Hinde Inference and documents of Awal Hinde They are publishing some of the writing and specules of Netaji. That is all.

My object is completely different. I would request the Januan Government and the Education Minister. . . I am not talking now as a Januan Member. I am talking as a particular sold of India expressing the will of the Indian people and, I hope, that the Government will understand and realise that there is a Let us at least amend the wrongs and sin committed towards that greatest revolutionary of ours during the last thirty years. Let us arend it just in a small way by agreeing to establish a National Academy to the hand of that great revolutionary to make fundamental study and specialized cod interest.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Resolu-

"This House recommends to the Government that, in patientic recognition of the fundamental control of the fundamental states of the fundamental stat

(iv) perspective and problems of Indian national integration, (v) history of revolutionary movements for Indian independence and (vi) mission of Indian culture and civilisation towards caliciving amity and understanding among the people of the world."

There are some amendments. Only Shri B.P. Mandal and Shri Hukamdeo Marain Yaday are present. They may move their amendments.

SHRI B. P. MANDAL (Madhepura) : I beg to move :

That in the resolution,-

for-

enbelitate--

\*\*a full flodged university be opened in his name, which besides other subjects should also teach the ideology of Netaji in respect of patriousm and political ideology and Netaji's concept of socialism." (3)

SHRI HUKMDEO NARAIN YADAV (Madhubani): I beg to move :

That in the resolution,---

add at the end-

"and (vii) respect towards the national, language and national heritage and culture." (2)

धी उग्रसेन (देवरिया) उपाध्यक्ष महोदय, माननीय समर गृहा साहब ने जो तज्यीज सदन के सामने मपने गैर सरकारी प्रस्ताव के रूप में रखी है उस के समयंत में एक दो बात कहना चाहता हू। मुझै मी इस वात वा गर्व हासिल है, जब मैं नौजवात या, 1941 में तिपुरी नाप्रेस में पे गया था। यहा जो नेताओं का नगानाच मैं ने देखा एन पर मैं ज्यादा नहीं बोलना चाहता है। मैं उस समय बाग्रेम सोशलिस्ट पार्टी बा मदस्य था। भेरे दिमाग पर उस वा वडा बरा धनर पडा। वहां पर में स्पष्ट बहुना चाहता हु हमारे बाग्रेस सोगलिस्ट पार्टी रे जो नेता थे, वे नेता जी से यादा गर के उन से मक्ट गए। मैं एन जी रना से उस समय बहुत पा। उस के बाद तीन चार महीने में उत्तर प्रदेश से बगाल तक नेता भी का दौरा कराने में लगा रहा। उन के क्या जबवात थे, में बमा बताऊ? में साउप ईस्ट एशिया की कन्टीज में भी गया, दर्भा गया. उन के लोगों से मिला । इस में कोई वक नहीं वि' हिन्दुस्तान की आजादी आवी लेचिन नेता जी की आजाद हिन्द फीज की लडाई न होती, उनके हमले न होते, बम्बई ना नानिक निद्रोह म होता और ज्यं प्रकाश नारायण ग्रीर टा॰ राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में नान्तितारी आन्दोलन न हुए होते ती माफ नीजिएगा चरखा चलाने में अग्रेज यहा से कदापि न जाते. जिसका वडा विंडोरा दूसरे लोग यहा पीटते ŧ١

स्रव उनके नाम पर हमारे समर सुदा साहब जो उनके कमाटर इन साम्से थे एव मामूजी सा प्रस्ताव रखे हैं कि एक नेवानस डिफेंस एकेडेमी बनाई जाग जहा वही पटाई

रखी जाय जो नेता जी ने इट्रोड्य्स की थी। मैं कुमाला लामपुर, रगून, बैकार वर्गरह में उन सोगो से मिला हुं जो वहा दूध वेचते थे अखबार देवते थे और जिन को उन्होंने एक दिन में वर्नल और जनरल बना दिया। वस के बाद उन्होंने जो लटाई लड़ी है और जहा तक वह आए थे मणिपुर में कोइरग वक, जहा उनका स्मारक बना है, वहा भी मैं गया हु। प्राजादी वे भ्रान्दो तन दुनिया में बहुत हुए हैं लेकिन जो बहादुरी उनके जवानों ने दिखाई उस की मिमाल नही मिलेगी। जवान जो बीच में ही मर जाते ये वे यह बहते ये निता जी से बह देना कि हम ने वादा किया था दिएली थलने का लेकिन हम दिल्ली मही पहुच पाए, यही हम शहीद हो रहे हैं। नता जी वहने थे-दिल्सी चनी, दिल्ली चलो, दिल्ली चली दित्ती चनेथे, रने हैं विमी के रहेंगे न विसी कोई दिल्ली चलेंगे- यह उनना बनाया हमा गीत है जिसको गाते थे। प्राजाद हिन्द फीज ने सिपाही जब भाषे, दिल्लन, शाहनवाज, सहगल साहब वा द्रायल हमा तो उन दिनो भैं बम्बई में या। उस समय की सरकार के जो हमारे मोमजियज वजीर माजम ध उन्होंने सोचा वि वही फौज को हवा स लग जाए ब्राई एम ए बालो से। नतीजा यह हुआ नि माबिक गडवडा गए। उन्होंने टेक्श्रप बर लिया और सार जहां जो पर भ्रपने झडेलगा दिये। प्रगर बाई एन ए न होती तो नाबिक विद्रोह नहीं होता । जवलपुर, झासी, मानरा में वैरक्स में जी रहते थे उनमे जयह जयह बगावत छिड गई । उस समय लोब, मुझे खयाल है, में श्री समर गृह को बताना चाटता हु, वहने से कि हम आजाद हिन्द फीज वे साथ हैं। में गाधी जी की प्रार्थना-समाम्रो मे जाता या ग्राजाद हिन्द फींज के जवानो की अपने साथ क्षेत्रर, वहा पर जयहिन्द और बदेमातरम् को लेकर वडी काट्रोवर्सी बनी हुई यी। हम जवहिंद कहते थे तो माधी जी कहते थे वदेमातरम् के लिए। मानाद हिन्द फींज के जवान रगुन, कुमा-

लालम्पूर, सिंगापूर में न्लड़े उसमें हमारे गोरखपूर जिले के लोग थे। ग्राज भी गांवों में वे लोग मौजद हैं लेकिन उन्हें सरकार पैशन नहीं देती। उनको ग्राज भी विश्वास महीं है कि मेताजी ब्राज नहीं है ! तो नेताणी ने जो स्पिरिट इंकेल्केट की, जो जोग पैटा किया, देश के जवानों में जिस साइंस को स्टैब्लाईज किया उसके लिए हम कह रहे हैं कि आप स्कूल खोल दीजिए तो कीन सी बड़ी मांग कर रहे हैं। मैं कहता है जनता पार्टी की सरकार से हम यह भी नहीं वहला सकते कि हमको कुछ सोचना पडेगा । यहां पर चेम्सफोर्ड एकेडमी है, सेंट मैरी एकेडमी है-में कहता है इनके चक्कर में शाप क्यों पड़े हैं। जब ब्रिटिश पालेयामैन्ट में मेकाल को चार्ज दिया गया कि तुम हिन्दुस्तान में क्या करना चाहते हो तो जसने फड़ा कि अंग्रेजी पढ़ाकर केवल बलकाँ की भर्ती नहीं करना चाहता, मैं चाहता है उनको इस प्रकार की शिक्षा दी जाये जिससे इंडियन्स अपनी करूचर को भूल जायें और अपने पास्ट की भूल जायें 1 कीई भी कीम जब अपने इतिहास को भूत जाती। है, अपनी तहजीव तमद्दन को भूल जाती है तो आने कुछ नहीं कर सकती। अंग्रेजों की भिलिटी साइंस आज भी हमारे देल में चली या रही है जोकि हमारी घरती की सूट नहीं करती है, जो हमारे देश के बातावरण के लिए ठीक नहीं है। हमारे यहां मनीपुर के मैदान में लोग पटिया टांगते थे तो उनको कहा जाता या कि घास की रोटी खा रहे हो, इम इधर पले आवो और हलुवा पूड़ी खावो लेकिन वें जवाव देते ये कि तुम्हारी गुलामी की हलुवा पूरी से हमारी घास की रोटी लाख गुनी अल्ही है। तो इस भावना को कहा पढ़ाया जाता है ? हमारे देश में चन्द्रगुप्त मीर्थ ग्रोर दसरे वहें वहे राजा हुए सद ग्रकबर ग्रीर ग्रॉरमजेब की नैवन पालिसी थी लेकिन प्रकबर की वह पालिसी आज कहां पढ़ाई जाती है? म्य**लों के जमाने** में मिलिटी साइन्स वहत डेवलण्ड थी ।

373

हमारी फौज के ज्यादातर अफसर सैंडहस्ट कालेज के ट्रेन्ड हैं। हमारे मरहम मोग्राज्जिज वजीरे ग्राजम के जमाने में इंग्लैंड की पढाई लिखाई वाले लोगों का सावका पड़ा चीन का तो भाग कर किनारे हो गए। एक दिन में वीस मील पहाडों में भाग गए। बाह रे हमारी फीज थीर बाह रे हमारी सरकार। 18.00 Hrs.

(Res.)

ऐसी हालत में मैं समर गृह जी के प्रस्ताव का समर्थन करता है। नेता जी के नाम पर नेजनल डिफेन्स एकेडमी वन जाती है सो आई एन ए गवर्नमेंट की तरफ से और इंडिया इंडेपेंडेन्ट लीग की तरफ से सारे कागजात छपे हुए हैं। जो तकरीरें की हैं वह हैं। झांसी की रेजिमेन्ट कैसे बनी, यह सारी बातें हैं। एक पैराशृद्धिकल रेजिमेन्ट वनी वी । हमारे यहां भाज भी लोग मौजूद हैं। दो सरह की कार्यवाई होती थी। एक तरक यह काम या कि फौज में भर्ती हो जाधो। दूसरा काम यह करा कि तूम वहां जा कर उस सरकार को गिराब्रो, ट्रेन तोहो, लाइन उखाड़ो। जिन लोगों को भेजा, वे कीन से दूध वेचने वाले थे, भाजी वेचने वाले थे, ग्रखवार देचने वाले थे। उन में से बहतों को फ़ांसी हो गई, बहत से मर गए, लेकिन जो बचे वे आज रोड़बेज की कण्डक्टरी करते हैं। मेता जी ने उन से कहा था-तुम हिन्द्रस्तान जाग्रो, हिन्द्रस्तान की फीज में तुम्हारा एक रैक वढ जाएगा सुम वहां की फीज में ले लिए जाओगी लेकिन बाद में क्या हुआ। नेता जी के कहने को कहां तक पूरा किया गया? श्राज हम को अर्म लगती है। आज हम वकालत करते हैं कि उन के नाम पर स्कूल खोल दीनिए, एकाडमी खोल दीलिए, लेकिन समरदादा क्या हुग्रा? बम्बई में नेताजी लाण्ड्री खुल यई, नेताजी शुकम्पनी खुल गई। नेता जी के लिए हमारे वजीरे-आजम-हिन्दुस्तान की पिछले 30 सालों में यह कन्ट्री[शन है। जिस ने देश को आजादी दिलाई, जो हिन्दस्तान के नीजवानों का सच्चा प्रसम्परदार [श्री उपनेंन]

375

या, उस के नाम पर मू हाउस खुले, साण्ड्री खली---वितने शर्म की बता है।

उपाध्यक्ष महोदम, में आप ना बहुत जमान हमन नहीं जेना पाहना। मुझे पूरी जमोन है कि इस हाउन मा हर मेम्बर, अधान मुझी से नेकर नीचे तक दश प्रस्ताद ना समर्थन नरेगा। में धाप ना बतनाऊ। एवर माजण्डीटन बनके हैं, बीर उस के ताम नो बतल नर अवशाना रखें दिया जाय, तो उस से कोई कायदा नहीं होगा, उस की टैविज बीर कुर्यं में को सातायहांही, से कीड होने—हमें उस के ऊन्हों ने अनुरुष उस को नगता होगा। लेनिन ने महा है—

"Destroy everything in bourgeouse, in art, culture and what not

जहा नहीं भी पूजीबाद की गध आती है उस का फूक दी, उस को तोट दो, उसको बरखाद क्रदों। इस लिए जब इन तरह नी एका-टमी बनेती धोर उस से 10 साल ने बाद जो बच्चे निजनेंगे वे धाजाद हिन्दुस्तान ने धाजाद बातावरण से, खुली हवा में निकस क्षाधीय धीर देश के लिए मरने बातें नीजान होंगे।

इन शादा ने साथ में सपने साथी थी समर गृह साहब ने प्रसाव ना समयेन नरता हू और उम ना तहीहत से शृहिया घटा परता हू और उम ना तहीहत से शृहिया घटा परता मूल ना प्रेरणा दो मूल ने लिए मर मिटने नी भावना पैया नी, उस ने लिए ऐसी मादगार सन्ताव नुद्र जरही है, इन तरह नी एनाउनी जन्म नगई नगए।

18 03 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleren of the Gock on Monder, April, 17, 19-3/ Chains 27, 1900 (Saki)

### CONTENTS

No. 38, Monday, April 17, 1978/Chaitra 27, 1900 (Saka)

| C  | OLUMNS          |
|--|-----------------|
| Oral Answers to Questions:   |                 |
| *Starred Questions Nos. 740, 741, 744, 745, 749, 750, 752 and 756  | 1-35            |
| Written Answers to Questions:  |                 |
| Starred Questions Nos. 742, 743, 746, 748, 751, 753, 754, 755 and 757 to 759   | 3557            |
| Unstarred Questions Nos. 6931 to 7027 and 7029 to 7130   | 57-83           |
| Re. Motions for Adjournment  | 28487           |
| Re. Points of Order  | 88301           |
| Papers Laid on the Table   | 305             |
| Calling Attention to Matter of Urgent Public Importance-   |                 |
| Reported Planting of nuclear device by the CIA in the Nanda Devi   |                 |
| Shri Dalpat Singh Paraste  | 306             |
| Shri Morarji Desai   | 07-315          |
| Shri K. Lakkappa   | 15—318          |
| Shri Shankersinhji Vaghela 3   | 18321           |
| Shri K. P. Unnikrishnan  | 321 <b>—</b> 27 |
| Shri Chitta Basu'  | 327—29          |
| Public Accounts Committee-   |                 |
| Seventy-first and Seventy-second Reports   | 329             |
| Committee on Absence of Members from Sittings of the House—<br>Fifth Report  | 330             |
| Air (Prevention and Control of Pollution) Bill—Introduced  | 330             |
| Matters Under Rule 377—  | 23              |
| /  |                 |
| <ul> <li>(i) Reported manipulations by the Multi-nationals like Wimco Ltd.<br/>to scuttle the Janata Government's industrial policy</li> </ul>     | 331             |
| Shri R. K. Mhalgi  | 3133            |
| Shri R, K, Mhalgi 3  *The sign + marked above the name of a Member indicates that the was actually asked on the floor of the House by that Member. |                 |

|      |  | COLUMNS |
|------|--|---------|
| (11) | Reported interference by Intelligence Bureau in CPI(M)'s Congress held at Julluradur | 333 34  |
|      | Shri Jyotirmoy Bosu  | 333-34  |
| (m)  | Inaccurate news reports to rape $C_{ommittee}$ on 65 women in Bihar                  | 334-35  |
|      | Shri Hukumdeo Naraln Yadas   | 334-35  |
| Der  | nands for Grants 1978-79-  |         |
| _(ı) | Ministry of Labour   | 335-94  |
|      | Shri k Lakkappa  | 335-38  |
|      | Shri Roop Lal Somani   | 339-44  |
|      | Shri Mohan Bhaiya  | 344-51  |
|      | Shri V M Sudheeran   | 351-57  |
|      | Shri Bharat Bhushan  | 357-62  |
|      | Shri Hukam Chand Kachwai   | 262-67  |
|      | Shri Ravindra Varma  | 367-94  |
| (u)  | Ministry of External Affairs   | 395438  |
|      | Shri M. Satayanarayan Rao  | 398-406 |
|      | Dr Murh Manohar Joshu  | 40615   |
|      | Shri Beda Brata Barua  | 415-22  |
|      | Shri S Kundu .   | 422-38  |
|      |  |         |

#### LOK SABHA

Monday, April 17, 1978/Chaitra 27, 1960 (Saka)

The Lok Sobha met at Eleven of the Clock.

[Mr. Speaker in the Chair]
ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Rural Students selected for Scholar, ship under National Talent Search Scheme

\*740. SHRI BHAGAT RAM: Will the Minister of EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) the number and percentage of rural students who are selected for the award of scholarships under the National Taient Search Scheme of the National Council of Educational Research and Training since the beginning of scheme year-wise and whether their number is negligible;
- (b) if so, what steps are being taken by Government to ensure that proper proportion of scholarships goes to rural students; and
- (c) whether the National Council of Educational Research and Training will be asked to modify their selection procedures in such a way that the 602 L.S.—I

rural students get their due and proper share?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER); (a) An analysis of the 250 awardees selected in 1976 for scholarships under the National Science Talent Search Scheme indicates that 15 candidates (6.1 per cent) were from rural areas. Information about the previous years is not available as no such analysis was made earlier.

(b) and (c). Since these scholar-ships are awarded purely on the basis of merit. Government do not propose to give any kind of weightage for selection of candidates for this purpose.

SHRI BHAGAT RAM: It is a well established fact that tallent is seemly distributed throughout the country. From the reply it is quite clear that NSTS scheme tends to leave out eighty per cent population out of which it should have skimmed the talent. In view of this, i would like to know from the hon. Minister whether the quota system would be adopted according to which the scholarships would be given to a State/Union Territory in proportion to its population. Then there can be a districtwise quota in proportion to rural and urban population.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: The number of scholarships is not very high. In 1977-73, the proposed scholarships are only 350 for class ten and hundred for class eleven. I understand that there are 352 districts and on an everage, we cannot have more than one per district if the suggestion of the hon. Member is taken. I am afraid, this suggestion cannot be accepted.

\_

SHRI BHAGAT RAM Will the contents of tests be such for rural students that the solution to the problems posed would be available in the rural environment?

DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER As I said, this scholarship is open for finding out the National Science Talent This Question is in respect of the places of habitation of the students Anyway, formerly there were no data available because in the form no such personal data were provided We were on the look-out whether that was possible Now some are provided I cannot give any assurance, but we can see if we can increase the number of scholarships later, so that more children may be involved in this

चौघरी बलबीर सिंह • क्यां मदी महोदय बतायें ने दि देहाती में जी लायक सडके मिलते हैं बया उनमें से भी सेलेन्यन बरने का कोई प्रच्छा दाशा वे बनायेंगे? जितने लायन लड़के शहरों में मिलते हैं उनने ही लायक खड़के देहाती में भी मिलने हैं। शहरी के लड़कों से सिवाय वैड ने-उठने के सलीके भौर योडे से क्तिवाबी ज्ञान के अलावा वैद्वाती लडको में ज्यादा सावितियल नही होती हैं। क्या मजी जी इस बात की देखते हुए और यह देखते हुए ति देहातों ने साबिल से बाबिल लडके भी रह जाते हैं, ऐसे इम्ति-हाना में नहीं था पाने हैं, उनवे सेसेक्शन ना या एग्जामिनैशन का कोई ऐसा सरीका अननार्येन जिससे देहानों ने नाबिन खडको को मौका मिल सके भौर वे भी इसका फायदर उठा सके?

ढा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र : मान्यवर तमाम मुल्द मे तीन सी नेन्द्र हैं जहां यह इम्तिहान हो रहा है। हम यह देखते हैं कि शहरी इलाको से माने वाले लडकी में से सैंब डे में 54 रिजेन्ट हो जाते हैं और देहाती इलाको से जो लड़के आते हैं उनमें से मैंबडे मे 20 रिनेक्ट हो जाते हैं। इससे पता चलता

Oral Answers है विहम देहाती के खिताफ नहीं हैं। से वित इमारे पाम साधन ज्यादा नहीं हैं इमलिए हम ब्रधिक कुछ नहीं बर पाते है।

#### Rajasthan Canal

\*741 SHRI K. RAMAMURTHY Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether the original estimate of Rs 184 crores for the Rajasthan Canal Project has gone up to Rs 420 85 crores on account of delay in the completion of the project.
- (b) if so, the reasons for the delay, and
- (c) how such reasons eliminated now?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House

#### Statement

Rarasthan Canal Protect which was estimated to cost Rs 184 crores, including share cost of the Beas Project, in 1963 is now expected to go up to about Rs 480 crores due to several reasons including general increase in the price level of labour, materials and equipment, increase in the share cost of the Beas Dam at Pong, change in the scope of the Project with the introduction of Loonkunsar Bikaner Lift Scheme, provision for lining of branches, distributories and minors to minimise water losses, as also long period taken for completion of the Project In the earlier stages, the progress on the Rajasthan Canal Project had been slow inter alia due to constraint of resources and nonavailability of adequate quantities of water during non-Monsoon perids for drinking and construction purposes due to absence of a storage dam on Beas

This is no longer the case. Against an average annual expenditure of over Rs. 4.6 crores during the five-year period preceding the Fourth Five-Year Plan and an annual expenditure of about Rs. 9.5 crores during the Fourth Five-Year Plan, the expenditure during the first three years of the Fifth Five-Year Plan has been about Rs. 63.43 crores and the expenditure during 1977-78 is likely to be Rs. 30 crores. With the considerably stepped up outlays, the engineering works on Rajasthan Canal Project are expected to be completed by 1983-84.

SHRI K. RAMAMURTHY: It is very regrettable to note from the statement laid on the Table of the House that the Rajasthan Canal Project was taken up in 1963 and the minister has stated in his statement that it is expected to be completed by 1983-84, i.e. nearly 20 years for a project with an outlay of Rs. 184 crores as originally planned. This happened due to the people who are sitting in the Planning Commission or somewhere in...

MR. SPEAKER: Kindly come to the question.

SRRI K. RAMAMURTHY: Yes, Sir, I am coming to the question. It is very regrettable and the constraints mentioned by the minister in his statement, would have been expected even at the time of the planning itself. May I know whether the Planning Commission has sanctioned this en-"hanced estimated cost of Rs. 480 from Rs. 184 crores and whether the minister will assure the House that this project will be completed even before 1983-842

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: This is one of the biggest projects in the country. There were many constraints in the way and there have been revisions also. After the signing of the Indus Water Treaty in 1960, a revision was made in 1963. This was the first and the estimated cost at that

time was approximately Rs. 184 crores. The share of the cost of Pong Dam and Harika Barrage was Rs. 44 crores. And then, subsequently, in 1970 again a revision was made because of certain reasons. Now it was thought proper that to conserve the huge losses caused by unlined canal because it bas to pass through a desert area, it was thought fit that the branches, distributories and minors should all be lined. So, the expenses on lining and also the expenses of this dam had increased. So, the total expenditure has also increased according to the second revision in 1970.

Oral Answers

MR. SPEAKER: This question is only two-fold. One is, has the higher amount been sanctioned by the Planning Commission? The second is, are you assuring that it will be completed within the time fixed.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Sir, I have to submit that for Stage I Rs. 176 crores have been sanctioned and about Stage II, still a revision has been made and it is still under the consideration of the Rajasthan Government and has not been finalised yet. But I would submit that it would be possible to complete this project before 1983-84.

SHRI K. RAMAMURTHY: The hon. Minister has stated that some portion of the amount has not been sanctioned so far by the Planning Commission because of some additional expenditure being expected, So, this is the way of our Government machinery's approaching the Plans and the finalisation of the construction of this and other projects. The hon, Finance Minister in his Budget speech last year had, stated that delay in the implementation of the projects has led to much more cost than was originally envisaged. This is a very important dam as far as Northern India is concerned. would like to know whether this can be taken up on a war footing,

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Sir, the project is not being delayed for the lack of funds Funds are available and have been allocated for the whole of this year For next year also Rs 30 crores have been allocated and the work is in progress in a big way on the project. While the project is going on it is found

that certain alterations are needed

That is the only thing that is pend-

ing now

श्रो दौतत राग सारग नपा राजस्यान केर'र म निकास बामा लिक्ट विवाहे याजनार इम ब्राजैस्ट के बन्दर सम्मिलिन है बारदरी खद स शामिल हैं ? उनकी भी इस क्रम्ड प्राक्षाम व अनुपार क्या पूरा क्रम दिया अवका ?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Loonkansan-Bikaner Scheme providing some branches distributories and minors was taken up and that is a part of this project

श्री बंगाराम चौहान राजस्यान कैनाल परिवाजना एव वडी नहर है। परन्तु क्या यह गही नहीं दि उस नहर म जा सिमेट थार इंट लगाई जा रही है वह सिमट मारा राजन्यान ही नहीं बल्चि हिन्दुस्तान में जा रहा है और बहा सिनेट नहीं सन रहा है। नहर खादी ग्रार बनाई जा रही है। लैकिन जमन मिनेट न उग कर धन्यत क्या वह मेजा जा रहा है ? मैंन इसके सम्बन्ध में क्ई पता म त्री महादय का लिखे है लेकिन उनका कोई उतर नहीं याया है। जा मिनेट ग्रादि णजग्यान कैनाल म लगना चाहिय यह वीनानर और गगानगर बार एजाव में पहल रहा है और नहर में सिमेट नहीं बन रहा है. नया यह मही नही है?

थी मुरजीत सिंह बरनाला इस याजना का एक्सोक्यशन राजस्थान के इजीनियर कर रह है। यह बहुत बुरा बार है जें है श्राप वना रह है कि मिनट बहा नहर भ न लग कर बहा धार जा गहा है।

E

41

13

= نت نند

12

ازر

32

Ŧ

21

14

}~

10

þ

Oral Answers

I will look into this matter and make an enquiry into this

Report of FAO on Fall in Food Production

\*744 SHRI JYOTIRMOY BOSU Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state 21

(a) Whether as per latest report, India is among the 48 "seriously affected' countries where food production per person decreased by 04 per cent during 1970-76, and

(b) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA) and (b) The FAO in its review on "The State of Food and Agriculture, 1977 circulated at the 19th Session of the FAO Conference held in November-December 1977 indicated that the average annual food production per capita during the period 1970-76 in the 45 Most Seriously Affected (MSA) countries including India declined by 04 per cent This fall is accounted for mainly by the low growth rate of 14 per cent in food production in the MSA countries of Africa, in the MSA countries of Far Eart also the rate of growth was, only 20 per cent There are however indications that the rate of growth of food production in the MSA countries during 1974-76 was higher than that during the previous

1977-78 Economic Survey for clearly indicates that the per capita nett availability per day for cereals has declined from 4202 grams to 395 4 grams in 1977 For pulses, from 471 grams it came down to 401

SHRI JYOTIRMOY BOSU

triennium 1971-73

grams, and it has now come to 43.3 grams. And the total from 467.3 grams in 1972, has come down to 433.7 grams. Will the hon. Minister tell us why, in spite of the huge money that has been spent on agricultural Research and on the Agricultural Research Institute—and such a lot of claims being made—and in spite of the budget for this year being Rs. 51 crores, the situation is so miserable ex this?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: The question related to the FAOs report on Most Seriously Affected areas, to which I have replied. My hon, friend has now mentioned some other report, which was not mentioned in the question. It would not be able specifically to answer that question. But I may say that the per capits nett production in the country is increasing. For exemple...

SHRI JYOTIRMOY BOSU: This is from the Economic Survey of the Government of India. He is supposed to know all these things.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: You have not mentioned it specifically in the question. Otherwise...

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Is it necessary to do it even for the Economic Survey of the Government?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: The per capita nett production is increasing. In 1969-70, the per capita nett production was 161 grams.

MR. SPEAKER: Only Mr. Bosu can remember all that.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: This year we are expecting a per capita production of 170 grams. (Interruption)

SHRI JYOTTRMOY BOSU: In regard to the per capita availability of certain important articles of consumption. I have given figures for pulses and cereals and their total

consumption. For edible oils, it was 3.5 in 1970-71; and in 1976-77 the production was for 3.2. For 1970-71, for variaspati, it was I gram per head. It has come down to 0.9. During 1970-71, for sugar it was 7.3 and it has come down to 6.1. I am again wanting to know from the knowledgeable hon. Minister as to whether he keeps track of these things, because he is only the trustee of the people in thte matter of agricultural production and of making available to the people-which the country has failed to do, in spite of all this fanfare-I am repeating-and tall claims by scientists doing agricultural research.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: The per capita total production of major oil seeds has declined, I would admit. In 1969-70 it was 14.3. In 1975-76, it was 16-point....

MR. SPEAKER: The question is different; the answer is different. He has gone out of the question.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Sir, will you dispassionately tell the House whether I am doing service to my public?

MR. SPEAKER: You are doing it; but not in the proper way, because your question is one thing. Your supplementary is another.

SHRI JYOTIRMOY BASU: I have to ask for an arbitrator.

MR. SPEAKER: You are doing service. There is no doubt about it.

SHHI SURJIT SINGH BARNALA:
The per capita total production of
oil seeds hard decreased in certain
years, and it had increased in certain
other years. For example, in 1975-76
it has, increased to 2.1.6 kilograms per
head. In 1976-77 it declined to 12.6
kilograms for certain reasons. It
is almost static with slight increase or
decrease. The production of politacy.

fish and other things have increased For example, potato had increased from

Oral Answers

MR SPEAKER Both of you are talking about quite different things

SHR1 JYOTIRMOY BOSU The hon Minister in his wisdom has tried to misland the House

MR SPEAKER The question was Now totally about the FAO Report you are on a different report.

SHRI JYOTIRMOY BOSU FAO Report has anticipated food produc tion

MR. SPEAKER I follow that It is too wide a question. Put a separate question

SHRI JYOTIRMOY BOSU If in this forum that question cannot be asked I do not know where it can be asked The hon Minister has made certain tall claims For pulses nuts and oilteeds the requirement is 85 grams per day the actual consumption as 65 grams similarly for green leaves the requirement is I14 grams and the actual consumption 83 grams vegetables and fruits the requirement is 85 grams per day while the actual consumption is 6 grams For fish. meat and eggs the requirement is 125 the actual consumption is 14 What s this?

MR SPEAKER Good learning but not relevant

SHRI BEDABRATA BARUA Ac cording to the FAO one of obvious reasons why in this country continuously the per capita availability or production has been always very low in our primitive agriculture and our incapacity to supply water in certain areas. The result is that a large part of our areas are unirrigated. It is stated that the Ganga-Brahma putra area if irrigated is capable of feeding the whole world May I know whether the World Bank team has brought it to the notice of the Government that the Brahmaputra valley itself has almost inexhaustible sources of water? It so what steps are being taken to utilize the water resources?

MR. SPEAKER It does not arise out of this aucstion

SHRI V ARUNACHALAM the reasons for poor production is the inadequate allotment of funds for the development of agriculture May know whether the Government aware that the Estimates Committee in its 12th Report has stated that the allocation of amounts for major and. medium irrigation projects has reduced considerably in the Plan periiods' If so will this Government come forward to allot more funds for armgation?

MR SPEAKER The main question is a very limited one. This does not ance out of that

SHRI V ARUNACHALAM Inadequate allotment of funds is one of the reasons for poor production

MR SPEAKER It is a very impor tant question but it does not arise out of this

SHRI CHITTA BASU In the course of the reply the hon Minister has quoted certain figures saying that the production of gram and other varieties of agricultural produce has increased May I know, in the context of the reply of the hon Minister, whether he does not agree that even then the per capita production is lower than in other advanced agricultural countries of the world? If that is so what particular steps the Government propose to take in the matter of further stepping up of per capita production in Indian agriculture?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Again, it is a very wide question

Ed

MR. SPEAKER: There are two questions. One is whether the per capita production here is less than in other countries.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: It is less than in some countries, but it is more than in many countries. We are making all-out effort to increase per capita production in the country.

Grants to States for opening of Schools in Rural and Backward Areas

\*745. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to lay a statement showing:

- (a) whether it is a fact that Central Government are giving grants to the States for the opening of schools in rural and backward areas;
- (b) if so, what is the amount of grants given to the State of Karnataka for this purpose during the last three years;
- (c) the details regarding the multipurpose and other schools opened in the State: and
- (d) the details regarding the amount of grant which has so far lapsed, if any?

THE MINISTER OF STATE . IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI): (a) Central Government do not give separate grants and aid to States for the opening of schools in the rural and backward areas. The Central assistance is given as block grants for the State plans as a whole,

## (b) to (d). Do not arise.

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Education is now in the Concurrent List, but in many of the rural parts many of the schools do not have any building and the students are studying under the shade of trees. They do not have a proper environment and proper building, and many of the buildings that do exist are half-constructed and not completed. The Janata Party Government is talking of more rural unliftment, Is it not the responsibility of the Government of India to see that more grants are paid to the State Governments and earmark them for this purpose? If so, what is the allotment made and what are Government's broad outlines on this matter?

SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI: Though the Constitution was amended during the emergency to bring education from the State List to the Concurrent List, no legislation has been brought forward to take it to the Concurrent List. It is still in the State List, and it is the primary or direct responsibility of the State Governments to open schools in the rutal as well as backward areas. The Government of India only gives the States greats as block grants in their olans.

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Much has been said about Urdu, but for the children of the minorities living in the rural and urban areas there is hardly any scope to get their education in Urdu. So, may I know whether the Government while giving grants to the State Governments will see that allocation is made particularly for the development of Urdu for the benefit of the children of the minorities?

SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI: Though this question is not related to the main question, so far as Urdu is concerned, we are giving guidelines to the State Goveroments for its development and teaching in the schools in the various States. So far as the development of Urdu is concerned, we are having

a national committee, the Tarakkie-Urdu Board, through which we are trying to develop the language

SHRI A SUNNA SAHIB know whether the State of Kerala has been included in the grants list and if so how much has been granted

SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI All the States are included It is in the State Plan It is not possible for me to say now how much Kerala has been given

श्रीपुत्रराज राज्या को जो केन्द्रीय सरवादी जाती है उत्का आधार क्या हैं। त्रो पिछडे हुए राज्य है उनकी भीवन प्राः दिया जाता है या यह भनदान जनसंख्या के आधार पर दिया ज र है इसका क्या काइटीरिया है ?

SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI It is the policy of the Janata Party Government the backward areas as much as possi ble The Planning Commission are doing an exercise on it as how the backward areas can be helped in this matter

कृषि मृत्य धायोग के सदस्य

749 श्री लक्ष्मीनारायण नायकः वया कृषि और सिवाई मती यह बताने की जपा करते कि

- (व) क्या केन्द्र द्वारा एक कृषि मत्य बायोग का गठन किया गया है.
- (ख) उसके मरकारी और गैर-मरकारी सदस्या यी भारत-भारत संख्या क्या है, धौर

(स) इसना गठन तिस प्रकार से विया गया है ै

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SNGH BARNALA). (a) to (c) The Agricultural Prices Commission was constituted with effect from 8-1-1965 by a Resolution of the -Government of India The sanctioned strength of the Commission consists of a Chairman and three Members ineluding Member Secretary One of the posts of Members is now vacant

As presently constituted, the Chairman and the Member Secretary are economists while the second Member has been appointed in pursuance of the recommendations of the National Commission on Agriculture in order to include in the Commission a nonofficial with understanding of agricultural production and consumer problems. The appointments have been made with the approval of the Appointments Committee of the Cabinet

श्री लटमी नारायण नायक : क्या मरदार ने यह बाधार माना है वि विमाना नै उत्पादन ऋर्वधीर वृषि ने उपयाग मे याने वाली वस्तुमा नी नीमता के मनुपान में रुपि-उपज का मृत्य तय किया जायगा?

थी सुरजीत सिंह बरनाला • यह प्राधार मु १९ र वरने वे तिए बुछ पूनिवर्गिटाङ मे धारडे लिय जाते हैं, बुछ यह समीशन खुद तब करता है सी। कुछ कार्य के सार्गनाइ के मन्त का बुलामा जाता है।

MR SPEARER He wants to know whether the cost of production 13 taken into account

SHRI SURJIT SINGH BARNALA The cost of production is also taken into consideration when the prices are fixed

MR. SPEAKER: He wants to know as to what are the names of the persons of Agricultural Prices Commission.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Dr. Dharam Narain, Chairman, Dr. Thamarajakshi, (Mrs.) Memher Secretary and Chaudhari Randhir Singh, Member,

श्री लक्ष्मी नारायण नायक: इस आये ग का गठन 1965 में हम्रा था। मैं यह जानना चाहता है कि ग्रभी तक इसके तीसरे मेम्बर की नियुवित क्यों नहीं की गई है और इसमें किसानों का सही प्रतिनिधित्व वयों नहीं रखा गया है, जिनका इस आयोग से सम्बन्ध है। क्या सरकार यह नहीं सोचती है कि किमानों की वान मानी जावे?

हाल ही में सरकार ने गेंहं की कोमत त्तय की है। कुछ मुख्य मंतियों ने में इ की कीमत 120 परे प्रति विवटल और कुछ में स्थ मंत्रियों ने 125 रुपये प्रति विजयत तय करने के लिए कहा था। मैं यह जानना चाहता है कि सरकार ने उनकी बात को क्यों नहीं माना।

MR. SPEAKER: The record question does not arise.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Chaudhari Randhir Singh was taken as agriculture representative and he is still a Member.

SHRI S. NANJESHA GOWDA: This Agricultural Prices Commission has done a great blunder in fixing the prices without knowing the background of the agriculture. I do not want to blame any individual there or any Member there. I think, there is no farmer at all in that Commission. The problems of the farmers must be understood while fixing the prices. They must take into account the cost of production. But they get details from universities or somewhere, A farmers' representative is necessary in the Agricultural Prices Commission

Another thing is that we have seen that the fixing of prices of so many industrial products is done on the basis of their cost of production. Here, the farmers have to see towards the sky and Government. Do you call for the advice of the Farmers' Federations in order to have a comparative study of the prices to be fixed? Will the Minister look into these things before announcing the prices every year?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Sir, the opinions of the Farmers' Federations are also taken into consideration while fixing the price. In fact, the question does not relate to this. The question was relating to the constitution of the Agricultural Prices Commission.

3/1 SATYANARAYANA RAO: Whether the Minister is aware of the fact that the farmers are very much agitated over the prices because they are not getting remunerative prices at all. In this Agricultural Prices Commission, the members are only from officer's cadres except of course, Ch. Randhir Singh, who is a Member. Whether the Minister is going to consider the suggestion that a non-official should be made Chairman and majority of the memhers should be non-officials. Members who are nominated to this Commission are from North who are interested more in wheat and they are neglecting the South as far as rice is concerned. I want to know whether he is going to nominate any person from south, particularly from rice-growing States, to this Commis-

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: I think, Dr. (Mrs.) Thamarajakshi is from south. There is no question of south or north....

SHRI M SATYANARAYANA RAO What about non official?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Chaudhun Randhir Singh is a non-official I would submit that it is not only south that produces rice, In fact rice surplus States are in the north

SHRI M SATYANARAYANA
RAO Whether it is from south or
north I want to know whether from
rice growing States, he is going to
nominate somebody

SHRI SUBJIT SINGH BARNALA So far as receptoring States are concerned, I would submit that northern States are surplus in rice. Pumpab Haryana and Western U P are the surplus States. They are more worried about fixation of higher pincer Other States are mainly rice-producing and some rice has to go from these States to other States.

MR. SPEAKER His question was whether you are nominating some-body from rice-growing States so that their case may also be considered

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Chaudhurn Randhir Singh comes from wheat as well as rice growing area

भी चरन सिंह यायस महीराय में मंत्री जी से सह नहता चहुना हि दिसी भी बार्ड म कार नहुनत होता है तो कुछ बान जनती है भीर बहुमत न हो तो कुछ बान नहीं चलती। इपिन्छ श्री फ्लारेट सिंह नशी चलती है क्यांत्र पीर एसे महत्त्रभाव उसम बैठें हैं जो देनल है दिहन्स ने हो बाम सेते हैं और जिहें प्रैशिन्दल वा काई बान नहीं। में प्रायंता करना मानतीय इपि मुझे जी से हि इसमें बहुमन हराना वा होना पाहिए क्या बहुरी ता चलते तो हुगा करेंने?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला • अभी ती ऐसा कोई विचार नहीं है। SHRI T A PAI The hon Minuster has quoted Punjab Harayna and western U P as rice-producing States May I bring to his notice that they are rice-producing States, no doubt but for them rice is a cash crop whereas for most of the rice-growing areas in south it is the main food crop. Therefore a distinction between the prices has got to be established between a cash crop and a food crop of the price has got to be established between a cash crop and a food crop of the price 
SHRI SURJIT SINGH BARNALA It is a suggestion to be taken into consideration.

#### Preservation of Heritage of Kumaon

\*750 DR MURLI MANOHAR JOSHI Will the Minister of EDUCA-TION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether it is a fact that some ancent temples in the district of Almora in Uttar Pradesh are rich 'n cultural bentage.

(b) whether it is also a fact that in the recent past some statues of immense archaeological value and historical unportance had been taken away from ancient temples of Jageshwar and Patal Bhuwaneshwar in the district of Almora (UP) by antique sungglets, and

(e) if so the steps taken or proposed ed to be taken to preserve this herrtage of Kumaon and to save it from unscrupulous elements?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) Yes, Sir

Various groups of temples at Jageahuar, Baijnath, Katramal and Dwarahat have been declared as of national importance

- (b) Ten sculptues and one bronze image of Ponaraja were stolen from the temples at Jageshwar. The lastnamed image was, however, subsequently recovered by the Central Bureau of Investigation. ment has no information about the theft of sculptures from the temple at Patal Bhubaneshwar which is not a centrally protected monument.
- (c) A Conservation Assistant, posted at Almora, looks after the repairs and maintenance of these monuments. Besides, four monument attendants have been posted at Jageshwar for watch and ward duty.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Now, Sir, from a large number of ancient temples, pieces of sculptures were taken from this part of . the country during foreign invasion to be kept under protetion and other safe custody. Now the Minister says that they have grouped them-some the temples of national importance. I would like to know whether detailed survey of Almora and other neighbouring hill districts was made so as to come to a conclusion that these are the only four groups in that district; if a survey has actually been made what are the other temples in other districts and what are the steps which the Government are taking to protect those monuments? Whether the image of Sun at the temple of Katarmal, the surge patrima, as they said, was also missing from that temple and has not yet been restored and has not yet been traced; whether the image of Ponaraja from Jageshwar, which is one of the 12 ivotirlingas in this country, has not yet been restored to the original place of the temple and is lying somewhere.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: Under one supplementary, the hon. Member has put a large number of supplementaries. It is very difficult for me to remember all these questions. However, I would like to

say that under the State list, that is List 2, item 12, are the ancient and historical monuments and records. other than those declared under law made by Parliament, to be of national importance, are provided. Therefore, of the monuments which are generally in the charge of the State Governments, now after making proper enquiries, certain monuments have been declared to be of national monuments and I find that six such monuments in that area have been declared to be of national importance. They are: temple group at Jageshwar-1; at Baijnath-2; at Katarmal-3; Dwarahat-4; at Champahat-5 and the remains of a few temples and the inscribed machinery at Gangahat -- 6. Those which have been taken over by the Archaeological Survey of India, we are frying to protect them and we have engaged more personnel for doing so,

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Whether the image of Ponaraia has not been restored; whether the image of Sun at Katarmal is also missing and has not yet been restored.

MR. SPEAKER: Does that temple come under the temples which are declared to he of national importance?

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Yes.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: I would like to have a notice for this question. I have said, only one bronze image of Ponaraja was stolen and recovered by the Central Burau of Investigation.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: I want to know whether it has been lying somewhere or whether it has been restored to the temple.

MR. SPEAKER: He wants a notice for this.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Whether the University of Kumson and the State Government have approached the Ministry to have museum especially in Almora so that all these monuments and idols and other sculputures can be housed there and a large number of tourists who come there can also visit there and see such things. They can also be rept well protected because now they are scattered sometimes at one place and sometimes at another place It is difficult to protect them because these are hills. We do not have adequate machinery to protect them Have you received any such proposal, if not whether the Government are themselves thinking of having a museum?

DR PRATAP CHANDRA CHUNDER I will respectfully submit that
this question does not arise out of
this I require again a notice I
hope the hon Member will not be
annoyed with me because here I do
not have any notes about this

धी हुश्य बन्द क्ष्रवाय 'प्रभाव महीना, देश में मोनी राष्ट्रीय मीटिय और हाष्ट्रीय क्षरालय है उनसे मिटने हुष्ट वर्षों से तगातार मूर्तियों की चीरियों वा ताता चना आ एं। है हाफी वेरेंद्र पड़े भी पमे हैं बहुत वह की नेमों पर क्षरार्वाण पूर्व कर विदेशों में बाशों में बची जानी हैं करोग की बमार्ट में जानी हैं, मैं जानता चाहता हु को बन्द कर पता के यह डेजारी विचाल जो बार्यवाही हुई है जमने मती महोदय क्षर्यूट है बगा भविष्य में इस प्रकार की चीरिया व हो उससी जानवारी मदन को देशे।

डा० प्रताप चन्द्र चन्छ र जो चोरिया होनों हैं उसने निम्म हमें मेद है। हम मस्तार मेरे में पोनिंग पर रहे हैं हिंग सर्वार मार्टीमयों को त्यानर चोरियों नो कर दिया जायें। इमने मस्तार की दिलचसी के मनावा जनता की भी जिम्मेदारी है इस्तिल्ए हम सोमान धवरनेत की वाला परी की भी कोंगिंग कर रहे हैं। श्री हुक्य चार कटवाय ' प्रभाम महोदम, मेरे क्रम चा उत्तर नही क्राया। इस वाम क्रमार्थ्य मिरोह वह पैमाने पर सलग है, भी भारत है मुद्रिया बुरा कर विदेशों में से का कर वेचते हैं। इस विम्म के कुछ क्रेमेड करने से गत है। इस विम्म के कुछ क्रेमेड करने से गत है और कुछ नार्यवाही सरकार नी उत्तर की है। मैं जानना चाहता हू—विज तांगी ने ऐंगे नार्य विपर्द है, उनके विज्ञाफ जो कार्यवाही हुई है बया सरकार को सम्प्रकृत क्रमार्थ के स्वतर है। इस है क्या सरकार के सन्तर है। इस है किया महारा देशा करना चही, इस विद्या करना चाहती है?

MR. SPEAKER Don't go on add ing new supplementaries You can have only one supplementary You cannot have an additional supplementary

श्रीहरूमचन्द कछुवाय घटमञ्जसहीदम, यह युरोनी मूर्तियी वा मवाल है। इससे सम्बन्धिय में देवल एक ही सवाल उठा रहा हु।

बां प्रमाप चन्न चन्नः मैंने वहां है कि चौरिया बन्द करने के विश्व हम कोशिश कर रहे हैं। इस नाम को रोकने के शिक्त हसारे चान्न्याकित्व महें में मताबा, जो धान्तर्याद्वीय में पड़ मृद्धिया बाहर से जाने को कीशिया कर रहे हैं, उनको राक्त के लिये हसारा बच्चम डिपार्टमेंट धीर आईन्सानिकत्व नर्षे को भी एक साराभी बहुत पर है। इस बरह को कई चीरिया परड़ी गई है।

थी हुकम चन्द कछ बाय • महोदय, मेरे भवाल का जवाब फिर नही द्याया ।

MR SPEAKER Your question has been answered

SHRI SARAT KAR The hon Munister has said that they are taking unterest only in monuments and things of architecture which are of things of architecture which are of things have acquired great international importance because all these monuments

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER; As a student of ancient Indian history and culture, I can assure the hon. Member that we are not taking things lightly; we are trying to do our best. But under the Constitution, the task of protecting monuments is divided between the Centre and the State Governments. It is the primary responsibility of the State Governments to look after these temples and other pieces of architecture. Only those which are declared to be of national importance are under our scope, and we are trying to do our best.

श्री रामानन्द तिवारीः में माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जन-कानरण के लिये ग्राप ने ग्रामी तक बवा किया है भीर कम से किया है ? मृतियों की चोरी का जो काम हो पहा है: वह कई वर्षों से हो स्ता है, इसलिये में निश्चित रूप से यह जानना चाहता हूं कि जन-आगरण के निये, लोगों को बचेत रखने के लिथे. आप ने कव और कीन से ग्रादेश दिये ग्रीर उनके क्या परिणाम निकले ?

Oral Answers

श्री प्रताप चन्द्र चन्द्र : में एक उदाहरण देना चाहता हं-कुछ महीने हए कमकला में एक प्रदर्शनी हुई थी, उस प्रदर्शनी में यह भी था कि कितनी मुतियां चोरी हुई है और उनको पकड़ने के लिथे हम किसने सफल हए हैं और किस तरह से हम उनको पकड़ने के लियं कदम उठाते हैं--इस सरह से हम प्रयत्न कर रहे हैं कि जन-बागरण हो र्थार अनुसाकी मदद भी हमें मिले।

श्री रामानस्द तिवारी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया।

MR. SPEAKER: Next Question.

Funds for Girl Institute, Lucknow \*752. SHRI HARGOVIND VERMA: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) whether "The Giri Institute of Development Studies", Lucknow has been given funds for special studies; and
- (b) if so, the amount given for the purpose and the subjects for study of which this amount has been given?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE OR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) and (b). A Statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

of Development Studies Lucknew for special studies and the subjects for which the grants have been given are at under —

| erial<br>No | Year | Subject   | Authorny giving the grant                                 | Amount      |
|-------------|------|---|---|-------------|
| ì           | 1373 | Problems of select Urban Handi<br>eraft of UP   | Planning Commission                                       | 2 57 962 95 |
| 3           | 1974 | Collection and Colletion of Papers<br>and Documents—All India Rail<br>waymen Federation                           | Indian Council of Social<br>Science Research              | 15 000 00   |
| 3           | 1975 | Financing of Chikan Industry in<br>Lucknow  | Indian Overseas Bank,<br>Lucknow                          | 3 250 00    |
| 1           | 1970 | Pilot Intennice Rutal Employment<br>Project   | Ministry of Agriculture,<br>Government of India,          | 18 000 p0   |
| 3           | 1976 | Studies on Regional Patterns of<br>Agricultural Development of<br>India   | Planning Commission                                       | 45 759 00   |
| 6           | 1976 | Impact of Emergency on Industrial<br>Relations in U.P.  | Ministry of Labour,<br>Covernment of India                | 7000 NO     |
| 7           | 1977 | ILO Project Technological Linkages<br>of Formal and Informal Sector<br>Industries (Meta) Industries in<br>Langur) | 1LO   | 57 000 00   |
| 8           | 1977 | Regional Seminar on Indian Youth  | Indian Council of Social<br>Science Research New<br>Delhi | 15 000 00   |
| 9           | 1977 | Land Administration in Northern<br>India  | Do  | t2 500 00   |
| 10          | tg B | Special Diversification of Manufactur   | Do  | 50 000 00   |

श्री हत्योविन्द वर्मा घटना महादम, जो पंगा ऐसी सत्यामा है वह जो पंगा ऐसी सत्यामा हो वहा पंचा है वह जैसा एसी सिन होन्स है कि उन्हें के हैं कि उन्हें के उन

छर्षं करती हैं येरियणने तिन दम पर नाम कररिहें । इसलिए में जानना चानता हु— क्या मती महोदय कोई ऐसी योजनायें बनो रहे हैं, जिससे ऐसी सस्थापा पर रोक लग मने ?

डा॰ प्रताप बन्द्र चन्नः भैने जो फहरिस्त दी है जनमें ऐमा पता चनता है कि जिन सब्जेन-स की जन्म के लिए, शोध में लिये कार्यवाही हुई थी, वह सफ्त हो पूकी है। ventifin क्मीशन की और से problems of urban handicrafts of U.P. के लिए 2,57,962.95 रुपए का धनुवान दिया पता है। यह प्रेजिन्ट सम्बद्धि हो गई है। Similarly, in regard to the financing of Chikan Industry, a report has been submitted. In regard to the Pilot Intensive Rural Employment Project, the work has been completed.

### इस तरह से सब भम्प्लीट हो गई है।

MR. SPEAKER: The question asked is, if there are irregularities, will you enquire into them.

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: I submit that he has prefixed that with some of the other matters. He wanted to know how many were completed. The second part of the question he asked is whether we are prepared to make enquiries.

Now, the Indian Council of Social Science Research schually sent on officer to enquire into the matter, and he has submitted a report. If further steps are necessary, the ICSSR will certainly take steps.

श्री हरपोवित्व वर्मा . सन्यक्ष महोबन, में आपने माध्यम हो जानना पाहुंगा कि मुल्क में कितनी संस्वामें ऐसी है जो बड़े नैताओं के नाम से है और तन पर कितना रैवा खार्च फिया गया है ? क्या मंत्री जो गढ़ भी जताने का सट्ट करेंगे कि इस तरह ची जो संस्थायों हमारे मुल्क में काम हर रही है वे कितने मैं, नों के कर रही हैं और हमारे देख के परीबों के पैने को नृद्ध कर प्रथमी ऐसामी और मक्कारो पर वर्ज कर रखी है ? MR SPEAKER: It does not arise under the question because the question is limited to the Giri Institute, Lucknow. (Interruptions). Mr. Verma, it is not allowed under the rules.

Oral Answers

# Don't record.

(Interruptions) \*\*\*

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: I had sent an identical or an almost similar question on the same subject and your Secretariat rejected it, saying that this Institute belongs to the Lucknow University, which is under the State Government. But the question of Mr. Hargovind Verma has been admitted. So, I would like to say that your Secretifiat and you should treat all Members alike so, far as admission of questions is concerned.

Now, I would like to know from the Minister whether he has seen the news item in the Plonear in which it is said that against the Director of the Girl Institute, Mr. V. B. Singh, who also happens to be a Congress M. P., a criminal charge has been filed and he is presently facing prosecution on that score. If so, does he have any details of this matter?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: There are criminal proceedings going on in respect of forgery and the matter is sub judice. But I understand Mr. V. B. Singh is no longer a Member of the other House: his term has expired. And from May 1977, he is no longer a Director. A new Director has been appointed.

श्रीहुकम देव नारायण यादव : इस संस्था का जहां तक सवाल है, यह पूरी राज्य सरकार के ब्राधीन नहीं हैं। केन्द्रीय सरकार

<sup>\*\*\*</sup>Not recorded.

इस सस्या को लाखा म्पया ग्रनुमन्धान दगैरह करने ने लिए देनी रही है और पिछले साल मर से इस सस्था के सम्बन्ध में ग्राह्मवारों वगैरह में भी बोफी निकलता रहा है कि बहा पर गोतमात हो रहा है। जितना पैसा इस सस्या को दिया गया है उस पैस का दह महो उपयोग नहीं कर रही है। एक व्यक्ति विशेष कानो पर्जी सस्था बना कर ग्रयन दिन ने लिए ओर दो चार बादमिया ने द्वित फीर स्वार्थं के तिए पैथे का खर्च अरतः रहा है। ना भै सरवार स यह जातना बार्या कि वह उस अनुदान के पैसे के खर्च के बारे में जान करा के तिए एव उक्च स्तरीय ममिति वनायेगी थीर जो इस तरह से गोलमाल करन बाले लोग हैं जनके खिलाफ कार्यवाही करेगी ? मैं जानना चाहनाह कि इसके निए नरकारक्या सर्वनाही करन का रही है?

टो० १ताप च इ च इ १२६७ १३ जो नस्या है 1t is registered under Societies Registration Act यह जा कमटो है पहलें श्री डी० पी० धर इसके चेयरमैन थे, पिछले जमाने में थी पीं० एन० हक्तर वैयरमैन से और युनिवसिदो न बाइन चात्सलर डा० नगेन्द्र मिह President, International Court of जैसे सम्मानित लोग इस म सदस्य थे । जहा वहीं भी कोई शिशायत साती है कि ठीज तरह से बाम नहीं हा रहा है वहा जान के निष्ट हम कार्यवाटी कर रहे हैं। मैंने अभी बताया या वि ग्राई० सी० एस० एस० इसार० वी ग्रौर एक्झाफिसर जाच के लिए, भेजे स्थ थे भ्रौरव ग्रपनी रिपोर्टभी देन्ने हैं भ्रौर ग्राई० सी॰ एम॰ एम॰ मार॰ उनको एग्नामिन कर रका है।

श्री रामधारी शास्त्री अध्यक्ष महादय, इस इस्टीट्यूट ने जाय-बढ़े ने बारे में 7 जनवरी, 1978 के बिल्ट्स चार्ज लगाया गया है । इस इस्टीट्युट वे बारे में यह चार्ज नवाया है वि 1973 से इमने लाखी रपनी ना सनुदान लिया । 1977 ते € ≼स सस्था मे न काई प्राटमी था बीरन नोई वहा रिमर्च हो रही थी। 1977 में इसने एक बिल्डिंग किराये पर ली। बया इस तरह की जिशायत इस सचनऊ के इस्टी-च्यूट के बारे में शिक्षा संबन्ध का प्राप्त हुई है<sup>?</sup> यदि हाना नगदन की रोसती में शिक्षा मही जी इस सस्यानो रिए जाने वाते अनुदार की सुरन्त स्टाप बरेबे मार इनने बारे में कोई जान करायेंगे ?

भभी भाननीय सुत्रहाच्यम स्वामी जी ने श्री बी॰ वी॰ सिंह ना नाम लिया जिनको कि वहा में हटना पड़ा क्योंकि उनने खिलाफ मुख्यमा चत रहा है। बया उनने बारे मे मरनार को शिकायत मिली है कि वे थर्ड बलाम के स्टब्ट रहे हैं भीर उन्होंने फर्जी तौर पर पस्टं बलाम की मार्कशीट करने अपने का यूनिवॉमटी में हेड बनाया और उसी हिमाब से इम सन्या में भी नाम हिया ? यह जो पाच लाख रूपया इम सस्या ने सरकार से लिया है बया इस राम के बारे में सरशार फीरन जान करायगी ?

डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र . श्री वी० वी० बिह जो इसके भानरेरो डायरेक्टर थे वे धप्रैल, 1977 में नहीं रहें है और उनके स्थान पर थी टी॰ एस॰ पकोला प्रोपेसर ग्राफ इकोतो-निक्स याल इडिया इस्टीच्यूट ग्राफ मैनेजमेट घडमदाबाद इस सस्या के डायरेक्टर बन गर्न हैं। बनुदान ने सम्बन्ध में हमारी मस्याः बाई०सी० एम० एम० बार० नो बोर से जान व रामी गयी भी। जो शिकायतें हमें प्राप्त हुई थी वे साबित नहीं हुई है।

दिल्ली में नेताओं की प्रतिमा तगाया जाना

756. श्री राम विलास पासवान: क्या निर्माण श्रौर श्रावास तथा पूर्ति श्रौर पुनर्दास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) दिल्ली में कुल कितने नेताओं की प्रतिमायें लगी हुई हैं:
- (ख) क्या डा० राम मनोहर लोहिया भीर बार्व स्थामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमार्थे दिल्ली में नहीं लगायी गयी हैं ;
- (ग) भविष्य में जिन नेताओं की प्रतिमायों लगायी जानी हैं उनके नाम क्या है: धौर
- (घ) क्या सरकार का विचार निकट भविष्य में डा॰ राम मनोहर लोहिया और डा० श्यामा प्रसाद मखर्जी की प्रतिमार्थे संगाने का है ?

निर्माण और आवास स्था पूर्ति और पुनर्वात मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम किंकर): (क) दिल्ली/नई दिल्ली में राप्ट्रीय नेताओं को 14 प्रतिमाएँ हैं जी दिल्ली नगर निगम तथा विभिन्न स्मारक समितियों दारा स्यापित की गई है।

- (ख) डा० राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा अभी तक स्थापित नहीं को गई है लेकिन दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्ली गेट के वाहर हा ॰ स्थामा प्रसाद मुखर्की की प्रतिसा स्थापित की गई है ?
- (ग) भारत सरकार ने स्मारक समितियों को दिल्लों में विभिन्न स्थलों में सरकारो भिन ०र गर्वश्री सी० राजगोपालाचार्य, कै० कामराज तया रफी श्रहमद किदवई की प्रतिमाएं स्थापित करने की इजाजत दें दी है। 602 LS.-2

सरकार भी गांधी जी की प्रतिमा स्थापित करने पर विचार कर रही है।

Oral Answers

(घ) जैसा कि उपर्युक्त भाग (ख) में बताया गया है डा॰ श्वामात्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पहले ही स्थापित को जा चकी है। डा॰ सोहिया की प्रतिमा स्थापित करने के बारे में किसी एजेन्सी ने कोई प्रस्ताव नहीं भेजा है तथा ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

 श्री राम बिलास पासवान : अञ्यक्ष महोदय, मानतीय मंत्री जी न जो जवाव दिया है, मैं उससे सहमत नहीं हूं । दिल्ली जैसे शहर में जहां सभी भी वहत से विदेशियों की प्रतिमाएं काफी संख्या में मौजूद हैं, वहां डा॰ राम मनोहर लोहिया जैसे महापुरुप की प्रतिमा स्थापित करने में उपेक्षा बरती वयों है ! सरकार को आज भी उनकी प्रतिमा स्थापित करने के लिए जगह नहीं मिल रही है । आप कहते हैं कि किसी एजेंसी ने इसके लिए श्रापसे सिकारिश नहीं की है यह किसी संस्था के सिकारिण करने का सवाल नहीं है, यह एक राष्ट्रीय नेता का सवाल है जिसको राष्ट्रीय दुष्टिकोण से लेमा चाहिए और सरकार को स्वयं अपनी तरफ से ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि डा० राममनोहर लोहिया वैते राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिसाएं स्थापित करें। में माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार डा॰ राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा स्थापित करने की ग्रावश्यकता महसूस करती है ? यदि करती है ता फिर उनकी प्रतिमा स्थापित करने में सरकार को क्या आपति है ?

श्री राम किकंर : मान्यवर, सरकार की सामान्य बोति किसी राष्ट्रीय नेता की प्रतिमा लगाने की नहीं है । यदि कोई व्यक्ति, स्मारक समितियां या स्थानीय निकाय

कोई मूर्ति स्थापित वरता चाहनी है तो वे जमीन के लिए माग करती हैं सीर मरकार उनको माग पर विवार करनी है ।

श्रो राम विलास पासदान आज ने कुठ दिन पहते मैंन 377 ने भ्रातान घाषरा तिव कर दिया या और मापन उसकी मजर माकिया या भार वह डा० राम मनाहर लोहिया डा॰ मुखर्जी, डा॰ ग्रन्बदकर भ्रादिके सम्बन्ध मधा। उस म मैंन अगह ग्रादि के सम्बद्ध म निश्चित जानहारी भी दी थी कि वासिवेट हाउस के सामने चाराहपर जगहे हैं जहा उनकी मृतिया स्थापित की जा सरती हैं। जिस महापुरुप की मृति का बाई एजेंगी स्पानर न करे और जिम महापूरप की कीई एजेंमी न हो बया यह दश अस महापुरप को भल जाएगा? जहां तर जगर की बात है मैंने मबी महोदय को लिए कर दिया या 377 के सन्तर्गत और सापन उसका मजर भी क्या था। उस म मैंन जनह दर्शांकी थी। मैं जानना चाहता है कि क्या उस जगह भाव मृति स्थापित वरींगे ?

भी राम किया मैंने पहने भी बाजाया है कि साधार की नीति वह गही है कि यह स्वता मूर्जिया स्थापित नरे । ववर्तमार ने किया मूर्जिया स्थापित नरे । ववर्तमार ने किया मूर्जिया स्थापित नरे । ववर्तमार ने किया में किया मार्जिया मेर्जिया मार्जिया मार्ज

MR SPEAKER Now, the Question Hour is over WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

# Suraigath and Jetsar State Farms

\*742 SHRI S R. DAMAM Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing

- (a) the expenditure incurred during 1977 78 on the Suratgarh and Jetsar State farms
- (b) the break up of the expenditure under major heads like staff expenses repairs to machinery, fertilisers and infecticides seeds, taxes etc.
- (c) the income during the said period and
- (d) the steps taken to run thes farms as profitable concerns?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) The financial year of the State Farms Cor poration of lodia is from 1st July to 30th June the expenditure figures for 1977-72 are therefore not available at this store.

### (b) and (c) Do not arise

(d) The State Farms Corporation of India is taking steps to improve the economic viability of these farms by adopting measures such as change in cropping pattern by substituting eed crops of low productivity with those giving more yield per unit aug mentation of irrigation supplies car rying out land shaping and land dese lopment and by reducing expenditure on inputs through better management and scientific application.

#### Audited Accounts of World Dalry Congress

\*743 SHRI OM PRAKASH TYAGI Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing

(a) whether the Government have received audited accounts and reports

for the Congress from the Central and State Governments, Dairy industry and individuals, outline of disbursement of huge funds collected and balance available immediately after the Congress ended its Session:

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA); (a) and (b). Yes. Sir. A statement giving the requisite information is laid on

Rs.

3,40,000.00

3,50,000.00

1,45,211.00

3,30,001.00

7,73,289.00

5.52.218.00

6,32,802.32

10 080 OO

31,17,940.18

(b) nature of expenses incurred after the Congress was over and broad heads of expenditure and the balance available now, if any; and

(A) Contributions raised by Dairy Board :

r. State Governments.

g. Indian Dairy Corporation

s. State Dairy Corporations

5. Contributions raised by N.D.D.B. .

TOTAL :

4. Dairy Cooperatives .

(B) Government of India's Contribution

Dairy Entrance Fee.

(C) Congress Registration Fee : 1. Congress Registration Fee. (c) No. Sir.

the Table of the Sabha.

## Statement

Amounts collected for the World Dairy Congress held in 1974 and the expenditure Insurred thereon.

### Receipts upto 31st December, 1971.

|       | Daily Landance a     |       | •     | •    | ٠. |   | ٠. | • | • | • | 13,200 00   |
|-------|----------------------|-------|-------|------|----|---|----|---|---|---|-------------|
| 3.    | Fee for accompar     | iying | perso | ns., | ٠. |   |    |   | ٠ |   | 1,04,725.24 |
| 4-    | I.D.F. Registratio   | n Fe  | ٠.    |      |    |   |    |   |   |   | 1,27,236-20 |
| (D) S | ale of Publications. | •     | ٠.    |      |    | ٠ |    |   | ٠ |   | 244. 81     |
| (£) 0 | ther Receipts:       |       |       |      |    |   |    |   |   |   |             |
| ٦.    | Ladies programme     | (sur  | lus)  |      |    |   |    |   |   |   | 12,517.95   |
| 2.    | Misc. Receipts.      |       |       |      |    |   |    |   |   |   | 9.941.99    |
| 3.    | Interest             |       |       |      |    |   |    |   |   |   | 25.572.67   |

| 39 | Written Answers                  | APRIL 17 1978             | Written Ansu | ers        | 40        |
|----|----------------------------------|---------------------------|--------------|------------|-----------|
|    | E o ndidu e neutral up o D cembe | 1974                      |              | Rs         |           |
|    | Adm 73 a 10 Espents              |                           |              | 7,37 578   | 00        |
|    | Ed or al & Technical Expens      | a                         |              | 10 60 167  | 00        |
| 3  | Exh b ons                        |                           |              | 39 588     | 00        |
| 4  | Tour expenses of d a ngu shed    | guest speakers            |              | 3 241      | 00-       |
| 5  | Congress Venue Expenses          |                           |              | 2 17 228   | 00        |
| 6  | Re ep on & Hosp al ty            |                           |              | 1 16 044   | 00        |
| 7  | Congress Func ons                |                           |              |            |           |
| 8  | to , Fees to IDF Brussela        |                           |              |            |           |
| 9  | M sc flaneous Expend ure         |                           |              | 5960       | 00        |
|    | Total                            |                           | -            | 21 79 762  | 00        |
|    |                                  |                           |              |            | ~         |
|    | Balance ava lable on 3 st De     |                           | •            | 9 38 178   | 10        |
|    |                                  | s after 31st Decembe 1974 |              | _          |           |
| 1  | Sale of Congress Volumes         |                           |              | 44 748     |           |
| 2  | M cellaneous Rece pts            |                           |              | 6628       |           |
| 3  | In erest Income                  |                           |              | 55 293     | 00        |
| 4  | Congress Reg strat on fee        |                           |              | 14 593     | 00        |
| 5  |                                  | Government of Ind a       |              | 6 04 500   | 00        |
| 6  |                                  | DB                        |              | 1 36 872   | -00       |
|    | TOTAL                            |                           |              | 8 6≥ 634   | 00        |
|    | Epnd urs afte 3 ! Dec mb         | 974                       |              |            |           |
| 1  | Adm a strat ve expenses          |                           |              | 5 61 232   | 00        |
| 5  | Ed o al & Technical Exper        | nd CS                     |              | 4 86 721   | 00        |
| 5  | Exh bons                         |                           |              | 24 901     | 00        |
| 4  | Tour Expenses of d s agu sh      | ed guest speakers         |              | 37 657     | 00        |
| 5  | Congress Venue expenses          |                           |              | 70 097     |           |
| 6  | Recep on & Hosp tal ty           |                           |              | 78 315     | . 00<br>E |
| 7  | Congress func ons                |                           |              |            |           |
| 8  | 10 fers to IDF Brussels          |                           |              | 6, 189     | 00        |
| 9  | M scellaneous ( unforseen ex     | penses)                   |              | 10 078     | 00        |
|    | Total                            |                           |              | 13 38 190  | 00        |
|    | TOTAL RECE PTS                   |                           |              | 39 80 574  | 18        |
|    | TOTAL EXPEND TORE                |                           |              | 35 17 952  |           |
|    | BALANCE AVAILABLE                |                           |              | 33 - 7 93- |           |

4 62 622 18

BALANCE AVAILABLE

Rice supplied by F.C.I. for Public Distribution System

\*746. SHRI D. B. CHANDRE GOW-DA; Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing:

- (a) whether Government have received any complaint from any State to the effect that the rice supplied by the Food Corporation of India for public distribution system is substandard and unfit for human consumption:
- (b) whether it is a fact that the State Government have stated that they will not accept supplies of such rice;
- (c) whether Government have en. quired into the matter; and
- (d) it so, with what results and whether any action has been taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SIRIN BHANU PRATAP SINGE): (a) Yes, Sir. Recently certain complaints regarding the quality of rice supplied have been received from West Bengal Government, Delhi Administration and Tribura.

- (b) No. Sir.
- (c) and (d). A statement is laid on the Table of the Sabha.

#### Statement

The position in respect of these complaints is given below:--

#### West Bengal

The complaints received have been investigated. As a result thereof and to avoid further complaints, a system of joint inspection of the stocks prior to its issue to fair price shope has been evolved in which State Governments and F.C.I.'s representatives are associated. To avoid complaints from

the consumers, it is ensured that rice supplied is of fair average quality and conforms to the specifications laid down by the Central Government, The State Government have tightened inspection at the Ration Shops to ensure that there is no mixing up of bad quality stocks by unscrupulous licencees. The Ration Shop keepers have been advised to go personally to F.C.I. depots and lift stocks only after satisfying themselves about its quality. It was observed that complaint generally pertained to the supply of IR-8 (raw rice) which has low consumer acceptability.

Joint Inspection by the F.C.I. and the State Government representatives/officers at the delivery points and the Ration Shops is now to be carried out at least once a month.

The representative samples of foodgrains issued by the F.C.I. depots are required to be displayed at the ration shops to facilitate investigation of complaints lodged by the monsumers.

### Delhi Admu.

The complaints received have been investigated by a Joint Committee consisting of officials of the Food Department, F.C.I. and Delhi Admn, It was revealed that the rice being supplied by the F.C.L conforms to the specifications laid down by the Central Government. The rice supplied from the F.C.L depots for the public distribution system in Delhi, irrespective of the area to which it is supplied, is of fair average quality and conforms to the specifications laid down by the Government of India, Sealed samples of the foodgrains issued from the F.C.I. depots are handed over to the F.P. shops dealers.

The enforcement us well as Circle Staff of the Department of Food and Supplies of Delhi Admn. keeps vigil to ensure that there is no substitution of good quality of foodgrains with infector quality by the F.P. shops. The foodgrains stock is issued to the F.P.

shops are occasionally checked and compared with the representatives samples given by the PCI. The Delhi Admin from time to time, also undertakes general sample survey either midvidually or jointly with FCI on as to ensure maintenance of quality of foodgrains sold by the PP shows

#### Tripura Govt

About 6 509 tonnes of rice is alleg-ed to be lying in substandard condition in Tripura. A team convisting of Quality Control Officers from the Department of Food and the FCI have investigated into the matter and have recommended reconditioning of the stocks before issue. Fresh stocks of rice are also being moved to the State

#### Motor Boats adversely affecting Poor Fishermen

\*748 SHRI AHMED M PATEL
Will the Mmister of AGRICULTURE
AND IRRIGATION he pleased to
state

- (a) whether it is a fact that poor fishermen are facing great bardship for their means of livelihood due to operation of motor fishing boats in the coastal area of Gujarat and
- (b) if so the action Government propose to take to remedy the situation?
- THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHI SURLIT SINGH BARNALA) (a) The fishermen operating non mechansed gilhetting boats have complained about certain hardships due to me chanised trawl operations
- (b) The Government of Gujarat have already advised the trawler operators to fish beyond 30 fathorn to avoid hardship Separately, the Government of India have recently issumment of India have recently issumment of the Mantime State to adopt with modification wherever necessary operational areas demarcated for different types of fish-

ing vessels. As per these guid-lines the non mechanised traditional fishing crafts should have exclusive right of operation upto 5 Km limit. A Committee constituted by the Government of Irdia for delimitation of fishing 20'es for different types of boats has prepared a draft report along with a draft Marine Fishing Regulation Bill After finalization, this report would be circulated to all the maritime State Governments for their concurrence

## Integrated Hill Area Development Projects in Garhwal Uttar Pradesh

751 SHRI JAGANNATH SHARMA
Will the Minister of AGRICULTURE
AND IRRIGATION he pleased to
state

- (a) the number of Integrated Hill Area Development projects operating in Garhwal Division of Uttar Pradesh,
- (b) what steps Government propose to take to bring about improvement in the working of the Hill Area projects in Uttar Pradesh,
- (c) whether any committee has been sot up to implement the programmes worked out by the Central Government for development of Garhval Division, and

## (d) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAF SINGH) (a) There are two Central sector piot Integrated Hill Area Development projects in Garhwal Division of Uttar Pradesh at Pauri and Tehn (Narendrangar)

(b) The two Hill Area Development projects referred to at (a) above are working satisfactorily Constant review of the progress of work in these Projects is made at the district, State and National levels through appropri at bodies, such as the Governing Commit at the agency level, State level Coordination Committee at the State Level and the Sanctioning Committee at the Central Ministry's Level.

- (c) No, Sir. Central Government has worked out hill area development programme only for two districts on experimental basis as stated at (a) above.
- (d) These are only pilot projects and results are being watched.

मध्य प्रदेश में छोटे ग्रीर सीमान्त किसानों के ्रिक्ट सामदायिक नल-कप

753. भी सुजेन्द्र सिंह : क्या कृषि और सिंबाई मंदी छोटे और संस्थान्त किसानी के लिए समुदाषिक नल-कृषों के बारे में 19 दिसम्बर, 1977 के तारांकित प्रम्म संस्था 473 के उत्तर के संबंध में ४,इ बकान की हुए। करेंग्रे कि मध्य प्रदेश के जिन छोटे क्षेत्रों में छोटे और सीमान्य किसानों के लिए सामुदायिक नल-कृषों की योजना सारम्भ की जाएगी जनका स्थारा स्था है ?

कृषि सौर सिंबाई मंत्री (श्री बुरजीत सिंह बरनाला) : मध्य प्रदेश और में छ देशीनान ष्टपकों के लिए सनुदाधिक गल-कुशों का निर्मारण कार्य दिलासपु दुर्ग क्या राजानस्थानि के जिलों; छोटे कृपक विकास एजीसभी के अन्वर्गत प्राप्तम किया का रहा है !

#### Appointment of National Professorships

- \*754. SHRI SAMAR GUHA: WILL the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:
- (a) whether the process of appointment of new National Professors has been expedited; and
- (b) if so, when the final decision will be taken?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (OR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) and (b). The scheme of National Research Professorship is currently under review.

46

#### Intensive Block Development Scheme for full Employment

- •755. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing:
- (a) whether Government have formulated definite proposals/guidelines for taking up Infensive Block Development Schemes to provide full employment to the people in selected blocks during 1978-79;
- (b) if so, details such as total number of blocks to be covered, Stafe-wise, and, district-wise, names of blocks selected in Maharashtra, financial scale of assistance per Block, criteria for selection of such blocks and whether the State Government were consulted in evolving the criteria for selection of Blocks;
- (c) whether large number of districts in Marathwada and Vidarbha region of Maharashtra with low and erratic rainfall and very low lavel of agriculture are not covered under various Central schemes; and
- (d) will Government consider inclusion of blocks from these regions on priority basis during 1978-79 in preference to the areas already covered by vraious Central sector/Centrally sponsored schemes in one State and the decision in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) It is proposed to take up a programme of Intensive and Integrated Rural Development in 2,000 out of

3 000 blocks presently covered by the three special on going programmes namely SFDA, DPAP and CAD during the current Five Year Plan starting 1978-79 State-wise statement is enclosed 116 blocks have been allotted to Maharashtra district wise allocation of these blocks is to be decided by the State Government taking into consideration certain criteria mentioned hereafter An additional sum of Rs 500 lakhs per block will be made for the blocks taken up under SFDA, Rs 400 lakhs for the blocks in DPAP and Rs 500 lakhs in the blocks under CAD These allocations will be over and above the present level of Central funding under the Special Programmes in these blocks Following criteria have been suggested to the State Government for the selections of blocks, final selection is to be decided by the State Governments

- (1) It might be logical to allot blocks more or less on a pro rate basis to each district presently covered under SFDA DPAP and GAD
- (n) Blocks with more than 20 per cent scheduled caste population should be covered first
- (iii) Higher incidence of unemployment and under employment might be kept in view if such figures are available
- (iv) Potentiality for development and organisational framework that has been built up
- (v) Low consumption level and preponderance of people below the poverty line
- (vi) Low agricultural productivity in addition to 2000 blocks it is also proposed to take up another 300 blocks for intensive block level planning every year during the Sixth Plan An amount of Rs 2 lakes per block will be provided for these 300 blocks for the year 1978-79. The criteria for selecting these blocks shall be

- (i) 2000 blocks proposed to be taken up for intensive development works out to approximately 40 per cent of the total number of blocks in the country Those States where 40 per cent of the blocks do not get cu-ored under the new programmes while apportioning 2000 blocks will be allotted the required number out of the additional 300 blocks in the quota of 1978-79 to make up the deficit and to bring it up to 40 per cent coverage
- (n) Every district in the country which does not have any of the Special Programmes will be allocated one Block per year during the Sixth Plan
- (iii) Further allocations will be made every year specifically to ensure that all blocks in the country with more than 20 per cent scheduled castes population are covered in the programme during this Plan period and preferably at the earliest
- (iv) The balance will be distributed among the States on the basis of their rural population etc
- (v) As regards consultation with State Governments, the programme and its strategy have evolved after continuous dialogue with State Governments and with the concerned Ministries and Departments of Government of India in Regional meetings and working Groups etc.
- (c) No Sir Only three out of 13 districts are without any of the three special programmes
- (d) 300 new blocks will be taken up for intensive development every year starting from the current year During the current year at least one block will be taken up from each district which does not have any special programme at present

## Statement

| State/Union Territory |      | 3 | rotal<br>No. of | Number Cov | of blocks<br>cred |      | blocks in | ion of 20<br>proporti | on to ( | Total<br>+6+7 |
|-----------------------|------|---|-----------------|------------|-------------------|------|-----------|-----------------------|---------|---------------|
|                       |      | , | ploces          | CAD        | DPAP              | SFDA | block     | number<br>s under     | of      |               |
|                       |      | , |                 |            |                   |      | CAD       | DPAP                  | SFDA    |               |
|                       |      |   | 1               | 2          | 3                 | 4    | 5         | 6                     | 7       | 8             |
| Andhra Prades         | h .  |   | 3≎4             | 74         | 72                | 134  | 45        | 43                    | So      | 161           |
| Assam .               |      |   | 134             | 7          |                   | 58   | 4         | ••                    | 35      | 3:            |
| Bihar                 |      |   | 587             | 213        | 57                | 236  | 128       | 34                    | 142     | 30            |
| Gujarat .             |      |   | 218             | 32         | 41                | 86   | 19        | 25                    | 52      | 9             |
| Haryana               |      |   | 87              | 22         | 12                | 32   | 13        | 7                     | 19      | 31            |
| Himachal Prad         | esh  |   | 69              |            |                   | 18   | ••        |                       | tī      | t             |
| Jammu & Kas           | hwir |   | 73              | 4          | 12                | 46   | 3         | 7                     | ⊈B      | 31            |
| Karnataka .           |      |   | 175             | 34         | 42                | 66   | 20        | 25                    | 40      | 8             |
| Kerala                |      |   | 144             | 17         |                   | 58   | 10        |                       | 35      | 4             |
| Madhya Prade          | sh . |   | 458             | 36         | 42                | 131  | 22        | 25                    | 79      | 12            |
| Maharashtra .         |      |   | 296             | 42         | 33                | 118  | 25        | 20                    | 71      | 11            |
| Manipur .             |      |   | 26              | 1          |                   | 7    | 1         |                       | 4       |               |
| Meghalaya .           |      |   | 25              |            |                   | 12   |           |                       | 7       |               |
| Nagaland .            |      |   | 25              |            |                   | 21   |           |                       | 13      | t             |
| Orista .              |      |   | 314             | 50         | 25                | 115  | 30        | 15                    | 69      | 11.           |
| Punjab                |      |   | 117             |            |                   | 76   |           | ••                    | 46      | 4             |
| Rajasthan .           |      |   | 232             | 17         | 78                | 76   | 10        | 47                    | 46      | 10            |
| Sikkim .              |      |   |                 |            | ٠.                | 4    |           |                       | 2       |               |
| Tamil Nadu            |      |   | 374             |            | 48                | 167  |           | 30                    | 100     | 13            |
| Tripura .             |      |   | 17              |            |                   | 12   | ••        | ••                    | 7       |               |
| Uttar Pradesh         |      |   | 875             | 320        | 39                | 191  | 193       | 23                    | 115     | 33            |
| West Bengal.          |      |   | 335             | 103        | 34                | 133  | 62        | 21                    | 80      | 16            |
| Union Territore       | rs   |   |                 |            |                   |      |           |                       |         |               |
| A & N Islands         |      |   | 5               | ••         |                   | ••   |           | ••                    |         |               |
| Arunachal Pra         | ieh  |   | .48             | ••         | ••                |      |           |                       |         | -             |
| Chandigarh            |      |   | ı               |            | ••                |      | ••        |                       |         | ••            |
| D & N Havel           | i.   |   |                 |            |                   |      |           |                       | ••      |               |

| Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  '357 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Munister of AGRICULTURE A REGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consumption of foodgrain sugar dal, shee oil, milk and vegetables during 1935 34 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of these articles in the country?  S No Food item Estoreschild in the country?  1 Cereals  2 P Isca 3 Vegetables  1 Cereals 2 P Isca 3 Vegetables  1 Roots & Tubers 5 Milk & Milk Products 6 Fatz & Ols 7 Sugar & Jaszery  THE MINISTER OF STATE IN TA MINISTERY OF AGRICULTURE A RIMINISTERY OF AGRICULTURE A | Written A  | APRI     | APRIL 17, 1978 V |     |  | Written Answers  |                        |                         |                    |
|--|--|----------|------------------|-----|--|------------------|------------------------|-------------------------|--------------------|
| Con Daman & Du 12 12 7  Lakidadweep 5  Miroram 90  Pondicherry 4 4 4 2  Soos 972 535 1818 58, 322 1073 2  Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  *757 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of AGRICULTITURE AND IRRIGATION be pleased to lay attement showing  (a) what was the per capita consumption of foodgrain sugar adal spee oil, milk and vegetables during 1935 54 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the aforesaid articles in the country?  S No Food stea Every 1935 54 and 1975 76 were follows—  Food stea 1935 54 and 1975 76 were follows—  Limits and vegetables during 1935 54 and 1975 76 were follows—  The MINISTER OF STATE IN T MINISTERY OF AGRICULTITURE A RIRIGATION (SHRI HAND UP) to a sumption of foodgrains etc as community of these commodities is entitle to a considerable evient dependent of a number of factors such of substitutable foodstuff food half articles in the country?  S No Food stea Products  1 Cercals  2 P Ises  3 Vegetables  And RRIGATION (SHRI EHAND UP) (a) and (b) It is feasible to work out the per cap to a sumption of foodgrains etc as communition of these commodities is entitle to a considerable evient dependent of a number of factors such of substitutable foodstuff food half articles in the country?  S No Food stea Products  1 Cercals  2 P Ises  3 Vegetables  And RRIGATION (SHRI EHAND UP) (a) and (b) It is feasible to work out the per cap to a sumption of foodgrains etc as communition of these commodities is entitled to work out the per cap to a sumption of these commodities is entitled to work out the per cap to a sumption of these commodities is entitled to work out the per cap to a sumption of foodgrains etc as communities of a sumption of these commodities is entitled to work out the per cap to a sumption of foodgrains etc as communities of a sumption of foodgrains etc as communities of a sumption of these commodities is entitled to work out t | 1  | 2        | 3                | 4   | 5  | 6                | 7                      | 8                       | 9                  |
| Laishadweep 5 Mirroram 50  Prondicherry 4 4 4 2  Socia 572 535 1818 583 322 1073 2  Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  "757 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing (a) what year the per capita consumption of foodgrain sugar dal, shee oil, milk and vegetables during 1935 34 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the aforesaid articles in the country?  S No Food item Estimated per capita available of different food items during years 1953 54 and 1875 76 were follows.—  1 Cereals 3 Vegrtables 59 8 59 8 51 50 8 10 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6   | Delhi  | 5        |                  |     | 5  |                  |                        | 3                       | 3                  |
| Miroram 20  Fondicherry 4 4 4 2  Social 972 535 1818 583 322 1073 2  Fer Capita Consumption of Food grains Sugar etc  *757 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of AGRICULTURE A RIND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consumption of foodgrain sugar dal, shee oil, milk and vegetables during 1935 34 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of these articles ring the country?  S No Food item Estimated per capita available of different food items during years 1953 54 and 1975 76 were follows—  1 Cereals  2 P Ises  3 Vegetables  Agency & Tubers  4 Roots & Tubers  5 Milk & Milk Products  6 Fats & Ols  7 Sugar & Jaszery  120 3 1915  | Goa Daman & Du   | 12       |                  |     | 12   |                  |                        | 7                       | 7                  |
| Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  "757 SIRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consumption of thodgrain sugar dal ghee oil, milk and vegetables during 1935 54 and what is the per capita consumption of thodgrain sugar dal ghee oil, milk and vegetables during 1935 54 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the aforesaid articles in the country?  S No Food item Estimated per capita available of different food items during years 1953 54 and 1975 76 were follows—  1 Cercals 2 P Ises 3 Vegetables  Are Super Milk & Wilk Products 4 Roots & Tabers 5 Milk & Wilk Products 6 Fats & Ols 7 Super & Jase Super Supe | Lakshadweep  | 5        |                  |     |  |                  |                        |                         |                    |
| Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  "175 Sirin KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of ACRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consumption of foodgrain sugar adal spee oil, milk and vegetables during 1935 54 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the sforestand articles in the country?  S No Food stema  Food stema  Link MINISTRY OF ACRICULTURE A RIRIGATION (SHRI BHANU PI TAP SINGHI) (a) and (b) it is fessible to work out the per capita consumption of these commodities is enter to a number of foodgrains etc as community of these commodities is enter to a number of footgrains etc as communities of the second of the commodities is entered in the country of the storestand articles in the country?  S No Food stema  Estimated per capita day available ty angulated per capita day available ty angulated per capita day available types of the storestand articles in the country?  1 Cereals  1 Cereals  2 P lies  3 Vegetables  Angulation (SHRI BHANU PI TAP SINGHI) (a) and (b) it is fessible to work out the per capita consumption of these commodities is event of a number of foodgrains etc as communities of the consumption of these commodities is event on a number of footgrains etc as communities of various of articles and the per capita available of substitutable foodstuff food hat extent of urbanisation etc. However, the state of urbanisation of these commodities is event of available and the stem of urbanisation etc. However, the state of urbanisation of these commodities is event on a number of foodgrains etc as communities of authority of these commodities is event on a number of foodgrains etc as communities of authority of these commodities is event of substitutable foodstuff food hat articles in the foods | Mizoram  | 30       |                  |     |  |                  |                        |                         |                    |
| Per Capita Consumption of Food grains Sugar etc  '357 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Munister of AGRICULTURE A REGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consumption of foodgrain sugar dal, shee oil, milk and vegetables during 1935 34 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of these articles in the country?  S No Food item Estoreschild in the country?  1 Cereals  2 P Isca 3 Vegetables  1 Cereals 2 P Isca 3 Vegetables  1 Roots & Tubers 5 Milk & Milk Products 6 Fatz & Ols 7 Sugar & Jaszery  THE MINISTER OF STATE IN TA MINISTERY OF AGRICULTURE A RIMINISTERY OF AGRICULTURE A | Pondicherry  | 4        |                  |     | 4  |                  |                        | 2                       | 2                  |
| grains Sugar etc  "757 SIRIK KANWAR LAL GUPTA Will the Munister of AGRICULATURE AND IBRIGATION be pleased to lay a statement showing (a) what was the per capita consump- tion of foodgrain sugar dal, ghee oil, milk and vegetables during 1935 34 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the aforesaid articles in the country?  5 No Food item  Food item  Etunated per capita 2 P Ise 3 Vegetables  Ant 2 P Ise 3 Vegetables  Ant 3 16 6 6 7 Sugar & Jaszery  MINISTRY OF AGRICULATURE A RIRIGATION (SHRI HAMU P) It is fassible to work out the per ca consumption of these commodities is e tic to a considerable overnous of factors such comparative price of various i ticles level of incomes available of different food items during years 1953 54 and 1975 76 were follows   1 Cereals 2 P Ise 5 9 8 55  Ant 3 1 1 2 2 3 111  6 6 66 7 Sugar & Jaszery   1 20 3 121  7 Sugar & Jaszery  |  | 5004     | 972              | 535 | 1818   | 5 <sup>B</sup> ə | 322                    | 1073                    | 2000               |
| 19.3 54   1975 76     1   Cereals   361 6   401     2   P   Ises   59 8   51     3   Vegetables   Not available     4   Roots & Tubers   34 6   60     5   Milk & Milk Products   120 3   111     6   Fair & Ols   9 3   13     7   Sugar & Jaszery  | *757 SHRI KANNAR LAL GUPTA Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to lay a statement showing  (a) what was the per capita consump- tion of foodgrain sugar dal, ghee oil, milk and vegetables during 1933 54 and what is the per capita consumption of these articles now in the country and  (b) what specific steps Government propose to take to increase the per capita consumption of the aforexaid |          |                  |     | IRRIGATION (SHRI BHAND PRA TAP SINGH) (a) and (b) It is no feasible to work out the per capit consumption of foodgrains ete as con sumption of these commodities is elas the to a considerable extent depend ent on a number of factors such a comparative price of various foo articles level of incomes availability of substitutable foodstuff food habits extent of urbanisation etc However the estimated per capita availability of different food items during th years 1953 54 and 1975 76 were a. |                  |                        |                         |                    |
| 1 Cereals 364 6 40, 2 P Ises 59 B 51 3 Vegetables Not available 36 4 Roots & Tubers 34 6 60 5 Milk & Milk Products 120 3 111 6 Fats & Ots 9 3 13   | 5 No   | Food ite | ma,<br>          |     |  |                  | Estimated<br>day avail | l per cap<br>labil ty i | ta per<br>at grams |
| 2 P Ises 59 8 51 3 Vegetables Not available 4 Roots & Tubers 34 6 60 5 Milk & Milk Products 120 3 111 6 Fats & Ots 9 3 13  |  |          |                  |     |  |                  | 19,3 54                | 1975                    | 76                 |
| 3 Vegetables 59 5 51 3 Vegetables 96 4 Roots & Tubers 34 6 60 5. Milk & Milk Products 120 3 111 6 Fats & Ots 9 3 13  |  |          |                  |     |  |                  | 364                    | 6                       | 404 9              |
| 4 Roots & Tubers 34 6 60 5. Milk & Milk Products 120 3 111 6 Fats & Ot 9 3 13  |  |          |                  |     |  |                  | 59 8                   | 3                       | 51 8               |
| 5. Milk & Vilk Products 120 3 111 6 Fatr & Ole 9 3 13 7 Sugar & Jacory   | 3 Vegetables   |          |                  |     |  | 1                |                        |                         | 36 o               |
| 5. Milk & Milk Products 120 3 121<br>6 Fats & Ols 9 3 13<br>7 Sugar & Jaggery  | 4 Roots & Tuber  | 5        |                  |     |  |                  | 31 6                   |                         | 60 n               |
| 6 Fats & Ole 93 13   | 5. Milk & Milk   | Products |                  |     |  |                  |                        |                         | 111 5              |
| 7 Sugar & Jaggery  | 6 Fats & O Is  |          |                  |     |  |                  | 9 :                    | 3                       | 13 9               |
|  | 7 Sugar & Jagger   | У        |                  |     |  |                  | 28 2                   |                         | 55 6               |

High priority is being accorded to the development of Agriculture and other altied fields. The measures taken include provision for adequate inputs and incentive for higher production, dissemination of technical know-how, price support at renunerative level, regulation of imports and exports, building up of builder stock etc. The overall availability of a number of these commodities is quite assisfactory at present.

53

#### Interest subsidy for Agro-service Centre

\*758. SHRI A. ASOKARAJ: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether any clarification was issued by the Government of India to Agro Entrepreneurs under the Self Employment Scheme that the interest subsidy for Agro-Service Centre will be available only for three years from the date of availing first loan and it is not for 3 years for each loan;
- (b) if so, whether any representation was received by Government from the entrepreneurs on the difficulties of the above said clarification; and
- (c) whether the Government of India propose to reconsider the difficulties and issue fresh orders?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA); (a) to (c). The interest subsidy on loans taken by agro service entrepreneurs under the scheme is allowed for 3 years from the date of the first loan. Accordingly, a representation from an agro-entrepreneur requesting that the period of 3 years should be counted from the date of last loan was not accepted and the entrepreneur was suitably advised. However, as in a recent meeting of agro-entrepreneurs this matter was brought up again, Government are examining whether the subsidy should be allowed for a period of 3 years on each instalment of the loan.

Arrears of Rent in Vithal Bhai Patel, House

- \*759. SHRI KIRIT BIKRAM DEB. BURMAN: Will the Minister of: WORKS AND HOUSING AND SUP-PLY AND REHABILITATION be pleased to state:
- (a) the details of the Vithnibhal, Patel House Suites and other residential units allotted to different parties for their offices or their workers;
- (b) whether buge arrears of rent have accumulated against the parties, including those which have since mersed in the Janata Perty;
- (c) the criteria or rules governing these allotments; and
- (d) the steps taken to recover the arrears of rent and eviction of the occupants of the units which stand in the name of the extinct parties?
- THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT); (a) and (b). A statement is attached.
- (c) Generally, Government residential accommodation is made available to the staff of the recognised Political Parties in Parliament to the extent of 33-1/3 per cent of the total number of their staff. However, Political Parties in Parliament having a strength of less than 50 members but recognised by the Speaker, are allotted one set of rooms in the Vithal Bhail Patel House. Carrages and servant quarters are also allotted on demand, subject to availability. Requests for allotment of office accommodation are considered we merits.
- (d) Steps are being taken both for eviction of manthorized occupants and for the recovery of arrear, of rent/ damages under the provisions of Pubhe Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971.

Written Answers

.25

#### Statement

Vibilible Patel House Sites and a her Res dentral Units an occupation of different Port of for their office or for the Soft

| No<br>SI | Sui e No<br>Quarter No                      |                            | Locality where allowed  | name of<br>the Party                   | Arream t 11<br>31-3 1978   |
|----------|---|----------------------------|---|--|----------------------------|
| 1        |   | 2                          | 3   | 4                                      | 5                          |
| 1        | Su te No<br>S Qr No<br>Su c No<br>S/Qr No   | 1<br>20<br>2<br>65         | V thalbha Patel House<br>Do<br>Do<br>Do                           | BKD<br>BKD<br>BKD<br>BKD               | Rs 10899 84                |
| 2        | Suite No<br>Suite No<br>Suite No<br>S/Qr No | 16<br>17<br>101<br>40      | Do<br>Do<br>Do<br>Do  | Socialist<br>Party<br>Do<br>Do         | 21242 03                   |
| 3        | State No                                    | 310                        | De  | Do<br>(Lohiawadi)                      | } 1995 09                  |
| 4        | State No                                    | 203                        | Do  | Swetantra<br>Party                     | } 58894                    |
| 5        | State No<br>S/Q No<br>State No              | 23<br>56<br>24             | Do<br>Do<br>Do  | Bhart ya<br>Jan Sangh<br>Do            | } 711 87                   |
| 6        | Suite No<br>Suite No<br>S Qr No             | tog<br>119<br>41           | Do<br>Do<br>Do  | Congress<br>(O)<br>Do                  | 2086 13                    |
| 7        | State No                                    | 15                         | Do  | DMK                                    | 2513 96                    |
| 8        | Sur e No<br>Surte No<br>Surte No            | 119<br>201 <b>A</b><br>309 | Do<br>Do  | CPI<br>Do<br>Do                        | 140 58<br>146 01<br>170 39 |
| 9        | Suite No                                    | 14                         | Do  | CPI(M)                                 | 2281 24                    |
| to       | Suite No                                    | 507                        | Do  | Janta Party                            | 1888 62                    |
| 11       | 5 Rau na R                                  |                            | Type VIII   | VI C'C'                                | 9468 00                    |
| 72       | Nork-charge<br>Qr 104                       |                            | Prithvi Ra Road<br>(Type-I)                                       | Do                                     | 130 30                     |
| 73       | S-11/598                                    |                            | R.K. Param (T I)  | Concress Party<br>Parliament           | m<br>Nill                  |
|          | 8-IV/181                                    |                            | Do (TII)  | Do                                     | Nil                        |
|          | S-IV /222<br>S-IV /892<br>15 D<br>S-IV /209 |                            | Do (T II)<br>Do (T II)<br>Raja Bazar (T IV)<br>R. K. Puram (T II) | Do<br>Do<br>Do                         | Nü<br>Nd<br>3 30           |
| 74       | 9 D   | -                          | Fire Brigade<br>Lane (TV)   | Delhi Pradesh<br>Congress<br>Committee | 216 40                     |

| 1  |         | 2      |         |           |          |       | 3      |         |        |                           | 4    |    | 5               |
|----|---------|--------|---------|-----------|----------|-------|--------|---------|--------|---------------------------|------|----|-----------------|
| 15 | rt-D.   |        |         |           | Fire Bri | igadı | c Lane | (T-V)   | I<br>O | Delhi l                   |      |    | Rs.<br>c 551.00 |
| 16 | 1-В .   | ٠      | ٠       | , Ma      | ulana Az | ad I  | Road ( | (T-VII  | 1      | Indian<br>Frade<br>Congre | Unio |    | 2212*00         |
|    |         |        |         |           |          |       | 1      | OTAL    | :      |                           |      |    | 62567-69        |
|    | Arrears | due in | respe   | ct of acc | ommodat  | ion   | airead | y vacat | d b    | y :                       |      |    |                 |
|    | (a)     | Undi   | vided   | Congre    | s Party  |       |        |         |        |                           |      |    | 26052.30        |
|    | (b)     | Socia  | list Pa | ury.      |          | •     |        |         |        |                           |      | ٠  | 5451.32         |
|    |         |        |         | GRA       | ND TOTA  | L:    |        |         |        |                           |      | ٠. | 91041-56        |

#### Expansion of Capacity of Sugar Mills in Ardhra Pradesh

57

6931. SHRI P. RAJAGOPAL NAI-DU; Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether the Government are considering to expand the capacity of existing sugar mills in Andhra Pradesh; and
  - (b) if so, the mills to be expanded?

THE MNISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) A statement showing the licences granted, for expansion, to sugar factories in Andhra Pradesh is enclosed

#### Statement

Statement showing the Licences granted, for expansion, to sugar factories in Andhra Pradesh.

 The Deccan Sugar & Abkhari
 Ltd., Samalkot, Distt. East Godavari. 2. The Thonadave Cooperative Sugar Ltd., Payakaraopeta, Distt.

58.

- Vasakhapatnam, 3. The Andhra Sugar Ltd.,
- Tanuku, Distt. Godavari.

  4. The Kirlampudi Sugar Mills
  Ltd., Pithapuram, Distt. East
- Godavari.
  5. V. V. Sugar (The Jeypore Sugar Co. Ltd..) P. O. Chagellu, Distt. West Godavari.
- 6. The K.C.P. Vuyyuru Distt.
- Krishna, Andhra Pradesh.
  7. The Cheda Varam Cooperative
- Sugars Ltd., Chodavaram, Distt. Visakhapatnam. 8. The Palakot Cooperative Agri-
- cultural and Industrial Society Ltd., Palakot, Distt. West Godavari. 9. The Etikoppaka Cooperative
- Agricultural and Industrial Society
  Ltd., Etikoppaka Distt. Visakhabatnam.

#### Fair Price Shops in Dadra and Nagar-Haveli

6932. SHRI R. R. PATEL: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRIGATION be pleased to state:

- (a) the details of foodgrains supplied through fair price shops;
- (b) whether Government will consider to include essential items i.e. oil, dals etc. to be distributed through these-shops; and

(c) if so when the action will be taken?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH) (a) Dadra and Nagar Havel Administration has reported that at present rice and wheat are being distributed through the fair price enons.

(b) and (c) A scheme for mereased production and distribution of essential commodities which will include oil pulses etc emphasising the need to widen the scope of the present arstem of Austribution has been circulated to all State Governments for their considered views and recommendations before a final decision is taken by the Government

#### Defective D D A. M LG Flats in Mayapun, Rajauri Garden, Delhi

6933 SHRI MAHI LAL Will the Minister of WCRKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA-TION be pleased to state

(a) whether defects in MIG Flats in Mayapun (Rajauri Garden G-8 Area) Delhi have not been rectified by the DDA authorities even after 9 months of their possession by the allottees and most of these flats are shabbily constructed having inherent defects like scepage falling of plaster, poor drainage system use of poor and inferior material

(b) whether these flats have been and are being handed over to the helpless allottees without proper snowcemming with the result that these new flats hear an old dilapidated umpleasant look

(c) whether a memorandum enumerating scores of the common ets was handed over by the Association to the Exer nfs\* concerned and , meer

Written Answers (d) if the position at (a), (b) and c) as correct, the action proposed to remove the defects?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) to (d) DDA have reported that, by and large, material used meet the requirements of quahiy and are as per the specifications prescribed by the DDA. A portion of the work has been duly inspected by the Executive Engineer (Quality Controll

Before a house is occupied by any allottee he is given sufficient time to suspect the house and furnish a list of defects All such defects are attended to before actual possession/occupatron

Memoranda have been properly acknowledged and compliance reports communicated Regular meetings are arranged with the Residents Welfare Associations and grievances are attended to promptly

Strength of Staff in Physics and the mistry Departments of Delhi University

6934 SHRI DUNGA CHAND WILL the Minister of EDUCATION, SOCIAL, WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether it is a fact that the slrength of Professors/Readers/Lecfurers in the Departments of Physics and Chemistry in Delhi University is disproportionate to the strength of students.

(b) if so what is the number of Professors/Readers/Lecturers and students in these Departments reparately, and

(c) what is the teacher and student ratio fixed by the UGC in such Departments?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-(a) to (c). According to information furnished by the University of Delhi, the strength of teaching staff in its Departments of Physics and Chemistry, which are largely research oriented and have been recognised by the University Grants Commission as Centres of Advanced Study, is not disproportionate to the strength of students.

No teacher-pupil ratio has so far been fixed by the University Grants Commission for the Departments in question.

#### Unauthorised Encroachments on Public Land

6935. SHRI SURAJ BHAN: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING AND SUPPLY AND REHABI-LITATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that if the present pace of unauthorised construction continues the Capital area will develop into a vast slum; and
- (b) if so, what Government are doing to prevent this undesirable development which erodes the confidence of the public in the Government?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT); (a) and (b). Every effort is being made to contain the problem of unauthorised constructions/ encroachments in the Capital Instructions have been issued to the local authorities to exercise constant vigil. The Delhi Administration have set up a Committee to review the position of reported unauthorised constructions/encroachments of Government land. The Committee issues directives to the local bodies for taking up demolition operations in such cases with the assistance of local police and magistracy. Another Committee has been set up to approve the day-to-day programme of demolitions of unauthorised constructions to be carried out in Delhi.

#### Projects by National Building Construction Corporation Limited executed in Karnataka State

- 6936. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state:
- (a) the number of projects that are being executed by the National building Construction Corporation Limited in Karnafaka State; and
- (b) what are the details regarding the performance of this work?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Two.

(b) 1. Construction of Rotating Machinery Division expansion in Bays for New Government Electric Factory at Bangalore valuing about Rs. 7.48 lakhs:-

The work is in advanced stage of completion.

2. Construction of Civil Engineering works for Equipment foundation of Forge Shop for Visveswaraya Iron and Steel Limited at Bhadravati, valuing about Rs. 76 lakhs:-

This work has almost been completed.

## ग्राम विकास के वारे में विचार गोष्ठी

6937. श्री धर्म सिंह माई पटेल : क्या कृषि श्रीर सिंचाई मंत्री यह वताने की कृषा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात के सौराष्ट्र सेंब के भावनगर् जिले में लोक भारती संस्था संशोसरा 63 में 9 और 10 मार्च, 1978 को ग्राम विकास

व बारे में विचार-गोप्टी हुई थी ग्रीर उनमें कृषि और सिंबाई मती भी उपस्थित में .

(ख) यदि हा नो इस विचार-पोन्डी में भारत सरवार स किस प्रकार की मार्थे की कर्≯ और

(य) उन में स डिस प्रकार की मार्गे मजुर की गई था और य मागें कब तक मजुर जी जागेंगी ग्रीर

(घ) अयोगरा में ब्रायोजित इस विनार गोप्टी में क्तिन और विस विम थेणी क किमाना और नायभ्यांचा ने भाग विवा था ?

कृषि सोर सिंबाई मत्री (भी भरतीत सिंह इरनाला) (क) जी हा, तेरिक करहीय इपि बीर जिवाई बजी में रूछ ही मनव व लिय भाग लिया था।

(व) स (घ) ग्रपशिव स्वता एवज की जा रही है और यवाशीध समा पटल पर रख दी जाएगी।

## Funds for Agriculture and Irrigation nurposes in Guiarat

6938 SHRI PRASANNEHAI MEH-TA Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether the Gujarat Government have asked for allotment of more funds for the agriculture and Irrigation purposes this year

(b) if so whether the Central Gosemment have not agreed for allotment of more funds for the agriculture and irrigation purposes

(c) if so whether in view of the poor response from the Centre the Government of Gujarat had to curtail the scheme prepared by them due to the non-availability of funds

(d) the reasons for the same and

(e) whether groundnut production in the State has greatly been affected this vear also?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (d) State Plan programmes under different heads of development, including agriculture and prigation, are implemented by the State Governments with their own resources supplemented by Central assistance. Under the existing procedure Central assistance is given to the States in the form of block loans and grants and is not related to any individual head of deselopment of scheme However, with a view to accelerating the pace of execution of certain selected projects, the Government of India have been providing advance plan assistance An advance plan assistance was given to the Government of Guiarat for selected major and medium irrigation projects during 1977 78 No proposal is at present under consideration for giving adtance plan assistance for major and medium irrigation projects during 1978-79

(e) As in 1975 77, in the crop year 1977 78 too the production of groundnut is reported to be lower than the record output of 1975-76

Setting up of University in Andaman and Nicobar Islands

6939 SHRIMATT BIBHA GHOSH GOSWAMI Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to set up a University in the Andaman and Ascobar Islands

- (b) if so, when; and
- (c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE

(SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) The need for a separate University for the Andaman and Nicober Islands has not so far been established.

Irrigation Projects In Ratnagiri and Colaba in Maharashtra

6940. SHRI BAPUSAHEB PARULE-KAR: Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether there are any schemes under consideration of Government regarding (i) major projects (ii) medium scale and (iii) small scale projects for irrigating the areas in the districts of Rainagiri sod Colaba in Wahsvashirta;
- (b) whether Government are aware that many of the lands in these two districts have remained uncultivated as there are no facilities of irrigation and whether Central Government have conducted survey to find out potentials for minor irrigation; and
- (c) whether Government propose to bring the uncultivated lands in these two districts by providing adequate irrigation facilities?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURIT SINGH BERNALA): (a) to (c). The Government of Maharsahte have reported that one misjor, one medium and 25 milnor irrigation schemes in Colabo district and one medium and 32 milnor irrigation schemes (SQL IS-3-2). in Rahingiri district are, at present, under construction. Tuey have also reported that two major and 14 medium Inrigation schemes in Colaid district and two major and 40 medium inrigation schemes in Raingiri district are under investigation. The Government of Maharashira have also stated that five medium irrigation schemes in Raingiri district are under propert for taken up during 1978-79.

The State Government have indicated that investigations and surveys are being carried out for identifying feasible irrigation schemes to provide further irrigation facilities in these districts.

The Central Ground Water Board has undertaken reconnistance surveys north of Ratangiri and coastal Colaba districts and have estimated that ground water resources available for further development in Ratangiri district are 1600 million units meters and in Colaba district 554 million cubic meters after allowing for the ground water already being tupped in these districts.

Incentive Scheme for setting up New Sugar Factories and expanding existing areas

6341. SHRIMATI PARVATHI KRI-SHNAN: Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether Government are examining the question of expanding the incentive Scheme for setting up new Sugar factories and for expanding existing area; and
  - (b) if so, what are the incentives being allowed to them and other details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) No such proposal is under consideration at present.

(b) Question does not arise.

बहादुरपुरा (नानेड) में ऐतिहासिक

६९४२. श्री केशव राव घोंडगे: स्पा शिक्षा, समात कत्याण ग्रीर संस्कृति मंत्री यह बनाने की कृता करेंगे कि

(क) क्या महाराष्ट्र राज्य नान्देड जिले में वृधर तारुव के गाव बहादुरपुरा में एक ऐतिहासिक किया है ;

- (ख) यदि हा, तो इमके रख-रखाद के लिए बचा प्रवन्ध किमे गये है ,
- (ग) क्या इस हिते वे ऐतिहासिक महत्व को देखने हुए जन्या की घोर से इसकी मरम्मन और न्छ-एवाद नी मान की गई है, ग्रीर
- (थ) यदि हा तो इस कार्य के लिए शरकार द्वारा किम प्रकार की महायता प्रदान की गई है भीर ददि कोई सहायता नहीं दी गई है तो इस क्या कारण है ?

शिक्षा, समाज करवाण सवा सहकृति मंत्री (वा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी हा ।

(ख) इस विने वा रय-रखान महासाद सरकार द्वारा किया जा रहा है ।

(ग)केन्द्रीय मरकार को अनुदा की ऐसी विसी माग की जानकारों नहीं है ।

(थ) प्रश्न ही नही उठता ।

Written Answers म्खमरी में हुई भौते

6943, धी राम मेवक हजारी : श्या कृषि और सिवाई मनी यह बनाने की क्या करेंगे वि

- (व) गत तीन वर्षों गंदौरान मुखभरी से किनते व्यक्तियों की मृत्युहर्द
- (छ) इनका राज्य-बार व्योता क्या है: धीर
- (ग) ऐसी संगति में निपटन के लिए सरकार क्या वार्यवाही पर रही है भीर ऐसी स्यिति से निपटने के लिए राज्यों की दी गई सहायता और परामशं का व्यीरा क्या है?

कृषि भीर सिवाई मत्री (भी मुरजीत सिंह बरनाला) (क) भीर (व) भंगी तक रिसी भी राज्य मरबार से यत शीत वर्तों ने दौरान चयपरी से मौन की कोई मुखना प्राप्त नहीं हुई है ।

(स) कृषि उत्पादन वढाने व प्रामीप रोजनार ने मुजन ने लिए जिनम भनोमी ने अस्ति वायांन्वित वी का रही मरकार की व निवादी नीति वे चलावा भ्रभाव की स्थिति का मामना करने हे लिए छड़े विस ग्रायोग वी सिकारिको के अनुसार राज्य महतारी को मानेन धनराशि हो गई है । इसरे श्रीतरिकन, प्रमाबित क्षेत्राय उत सीगी की निशल्क सहव देने के लिए जिन्हें रीजगार नहीं दिया वा मक्ता, से संबंधित राज्य संस्वारों के वार्वक्योकी पनुपृति व लिए, वर्तमान सरकार मार्के तिक मापवास्रो से प्रमावित राज्य सरकारी

को मुफ्त खाद्याञ्च प्रदान कर रही है। हास ही में शुरु क़ी गई एक अन्य महत्वपूर्ण स्कीम "कार्य के लिए खाद्य स्कीम" है जिसके अन्तर्गत भारत सरकार राज्य सरकारों को रोद्यशार बढ़ाने के लिए व मजदूरों को कम कीमतों पर भनाज की प्रापृति करने के लिए खायान्न नि:गुस्क उपलब्ध कराती है ।

Memorandum by the Central Government Employees, Mukundnagar, Pane regarding sale of tenements to the occupants.

6944. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA-TION be pleased to state:

- (a) whether he has paid a visit to the Flood affected Central Government Servants' colony at Mukundnagar, at Pune (Maharashtra) in the first week of December, 1977 and the Chairman of the said colony had submitted a memorandum with regard to their demands of sale of Tenements to occupants:
- (b) what action have Government taken in respect of the said memorandum: and
- (c) if no action has so far been taken thereon, the reasons thereof?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT); (a) to (c). A letter dated 4th December, 1977 was received from the Association of Flood Affected Centrul Government Employees requesting for the relaxation in the terms of sale of quarters. The decision to sell the quarters at Mukundnagar. Pune to the original occupants was taken as a special case and the terms of sale of those quarters have already been decided. It is not possible to relax the terms of sale.

Basic Amenities in new colonies in Delhi

70

- 6945. SHRI RAJ KESHAR SINGH: Will the Minister of WORKS HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state:
- (a) whether his attention has been drawn towards news item entitled 'Action threat by new colonies' published in the 'National Berald' dated 25th March, 1978:
- (b) if so, reaction of the Government thereto; and
- (c) steps taken or being taken by the DDA to provide civic amenities and other services in the new colonies?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKRT): (a) to (c), Yes, Sir. Civic amenities like street lighting drinking water, community latrines, roads and streets have already been provided in all the Resettlement Colonies. Tented schools are being replaced by pucca buildings and in some of the colonies buildings have already come up. Land has already been allotted to the Delhi State Industrial Develapment Corporation in many Resettlement colonies for construction of community industrial sheds. The existing J. J. Resettlement colonies have been transferred to the Municipal Corporation of Dolhi.

निर्माय और आवात मंत्रालय को हिन्दी पलाहरूका समिति

6946. थी नवाय जिह चीहान : क्या निर्माण घोर गांवास सवा पति घोर पनवांस मंत्री यह बताने की कृता वरंगी far ⋅

(क) क्या उनके मंत्रालय में हिन्दी मलाहबार वानिति का गटन किया गमा है। शोर

सदस्य सचिक

(ख) यदि हा, सो उनके सदस्यों के नाम क्या हैं और उनमें से क्तिने तथा कौन-कीन से सदस्य राजनाया विभाग की सिकारिश पर मनोनीत क्ये गये हैं?

निर्माण ग्रीर ग्रावास तथा पूर्ति ग्रीर पुनर्वाम मञ्जालम में राज्य मंत्री (धी राम विकर): (वं) जी, हा।

(य) हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्या को दर्शनि वाला विवरण सलम्ब है। 2 सदस्यों को राजमापा विभाग की मिकारिश पर मनोनीत किया गया था। उनके नाम निम्नलिधित हैं —

Written Answers

- श्री शम्भूताथ संस्तेता, मन्यादक "निरजन" दैनिक समाचार पत्र, खालियर ।
  - 2 श्री मुधासर दिवेदी, सपुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, नई दिल्ती।

|    | दिवरप   |     |           |
|----|---|-----|-----------|
| 1  | मक्षी (निर्माण, बादास, पूर्ति ग्रीर पुनर्वास)                   |     | शस्यक्ष   |
| 2  | राज्य मन्नी (निर्माण, शावास, पूर्ति मीर पुनर्वास)               |     | उपाध्यक्ष |
| 3  | सींचन, पूर्ति विभाग एव पुनर्नांस विभाग                          |     | सदस्य     |
| 4  | सचित, निर्माण एव भावास विमाम                                    |     | सदस्य     |
| 5  | समिव, राजभाषा विभाग एवं भारत सरवार के हिन्दी सलाहवार            |     | सदस्य     |
| 6  | सयुक्त सचिव (प्रध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति पूर्ति विमाग) | )   | सदस्य     |
| 7  | वित्तीय सलाहकार, पूर्ति विभाग                                   |     | सदस्य     |
| 8  | संयुक्त सचिव (भध्यस, राजभाषा कार्योन्वयन समिति) पुनवांस वि      | भाग | सदस्य     |
| 9  | सयुक्त सचिव, (प्रशामन), निर्मीण एव धावास विभाग .                |     | सदस्य     |
| 10 | संयुक्त सचिव (निर्माण), निर्माण एव माबास विभाग                  |     | सदस्य     |
| 11 | सयुक्त मचिव (विस), निर्माण एव पावास विभाग .                     |     | सदस्य     |
| 12 | . महानिदेशक, नेन्द्रीय लोक निर्माण विषाय                        |     | सदस्य     |
| 13 | उपाध्यक्ष, दिल्ली विशास प्राधिकरण                               |     | सदस्य     |
| 14 | सबुक्त सचिव, राजमाया विमाग                                      |     | सदस्य     |
| 15 | महानिदेशन, पृति तथा निपटान                                      |     | सदस्य     |
| 16 | . मुख्य लेखा नियत्रक, पूर्ति विभाग                              |     | सदस्य     |
| 17 | निदेसक, राष्ट्रीय परीक्षणणाला, कलकता                            |     | सदम्य     |
| 18 | . मुख्य बन्दोवस्त प्रायुक्त, पुनर्वाम विमाग                     |     | संदस्य    |
| 19 | निदेशक, पूर्ति विभाग  |     | सदस्य सरि |

### तंसद सदस्य

| 20. | श्री रामकृष्ण डान    |  |  | लोक सभा   |
|-----|----------------------|--|--|-----------|
| 21. | श्री राम देवी राम    |  |  | लोक सभा   |
| 22. | श्री गुणानन्द ठाकुर  |  |  | राज्य सभा |
| 23. | श्री नरेन्द्र सिंह . |  |  | राज्य सभा |

|     | 4. 6.11.1.4.4.5.4         | •                | •              | •          | •           | •    | 1104 /16 |
|-----|---------------------------|------------------|----------------|------------|-------------|------|----------|
| 23. | श्री नरेन्द्र सिंह .      |                  |                |            |             |      | राज्य सम |
|     |                           | संस्थाग्रों      | ग्रादि के      | प्रतिनिधि  |             |      |          |
| 24. | ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय सचिव | ।लय हिन्दी       | परिपद्         |            |             |      | सदस्य    |
| 25. | डा० विश्वनाय ग्रम्यर      | , ग्राध्यक्ष हिम | दी विभाग,      | कोचीन वि   | श्वविद्यालय | ٠.   | सदस्य    |
| 26. | थीमती सुमति देवी ध        | नवटे, उपाध्य     | क्ष, राष्ट्रभा | षा प्रचार  | समिति, ना   | गयुर | सदस्य    |
| 27. | श्री भम्भुनाय सक्तेना     | संपादक, "        | निरंजन", र     | वासियर     |             |      | सदस्य    |
| 28. | श्री ग्रानन्द प्रकाश सि   | ह, सह संपा       | दक, 'सारिय     | का', दम्बई |             |      | सदस्य    |
|     |                           | ;                | उद्योग प्रति   | নঘি        |             |      |          |
| 29. | श्री एस० बी० टोडी,        | बम्बई[           |                |            |             |      | सदस्य    |
| 30. | श्री ग्रार० एस० महेश      | दरो, ग्रध्यक     | इंडियन चै      | म्बर ग्राफ | कामर्स,     |      | सदस्य    |

#### कलकता। र्रु विल्ली में अनिधकृत मकानों का गिराया

73

विक्लो में श्रनधिकृत मकाना का गिर जाना

6947. श्री उप्रतेन :

## भी चतुर्भृज :

क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या गली कूंडेवालान में एक ऐसे स्थान पर फिर से उन मकानों का अनिधक्त निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है जिन्हें वर्ष 1972 में गिरा दिया गया था;
- (ख) क्या उक्त अन्धिकृत निर्माण कार्य उन लोगो ने किये हैं जो इस भूमि के मालिक तक नहीं हैं;
- ' (ग) क्या इन निर्माण कार्यों के विरुद्ध अधिकारियों की वड़ी संस्था में शिकायत

प्राप्त हुई है और संसद् सक्स्यों ने भी महापीर तया सकतित निदेशक को इस बारे में लिखा है परन्तु उक्त मकान क्रमी कक नहीं गिराये गये है: और

(घ) यदि हां, तो इन मकानों को गिराने में संबंधित अधिकारियों द्वारा उपेका तथा काररवाही दिखाये जाने के क्या कारण हैं और ये मकान कब तक गिरा दिये जावेंगे?

निर्माण और आवास सवा पूर्ति और पूनक्ति मंत्री (औ सिकन्दर चक्क): (क) परिस्तर की संक्था नहीं दी गई है जिससे प्रस्त का सम्बन्ध है। तथापि परिस्तर न० 770/viii मनी कुण्डेवासां जहां क्यसिष्ट्य निर्माण 1973 में गिरा दिया गया था श

(ख) इस मामले में श्री कन्हैया वाल नामक एक व्यक्ति ने रोकादेश श्राप्त कर लिये हैं। गृह कर के रिकार्ड के अनुसार, मालिक का नाम श्री हरि राम है।

(ग) भीर (घ) यह सही है नि इस मामले में शिकायतें मिली हैं। दिल्ली नवर निस्ता धरिमिया की धारा 343 धीर 344 के प्रनार्गत कार्रवाई ग्राएम की गई है और नोटिस ग्रादि देने जैसी कानुनी प्रक्रिया पूरी कर सो गई हैं। 16 फरवरी, 1978 ना गिराने का कार्य भी किया गया था जबकि भवान में बाले लगे पाये गय ये। वानुन ताला तोडने के लिए नोटिस जारी निया जा चुना है। वि'त पार्टी न 10 मार्च, 1978 को काट से रोबादण प्राप्त कर लिया । न्यायातय के निर्णय के पश्चात ही इस मामले में आगे

#### Amount Sanctioned for repairs of Garha Surwaya District

भारताई की जायगी।

6948 SHRI RAGHAVJI Will the Ministe of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE he pleased to state

- (a) how much amount has been sanctioned for special repears to Garbi Surwaya District Shivpuri in 1976-77,
- (b) how much expenditure has been incurred to date on this work.
- (c) whether the rates of materials and labour charges incurred are at par with MPPWD rates considering the distances of actual sources of materials procured and wages paid to masons and men cookes respectively and
- (d) what is the rate of execution of C R. Masonry and its difference if the item is analysed from M.P.P.W.D. Schedule of Rates?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) and (b) During 1975-76 a Special Repair Estimate amounting to Rs 136540/- was sanctioned for Garhi Surwaya District Shivpuri. Against this estimate Rs. 191,71433 was spint during 1976-77 and Rs 73,726 80 during 1977-78 making n total expenditure of Rs. 2,70,441 13 upto-February, 1978.

- (c) Materials were purchased at the lowest tender-rates after press publicity through Directorate of Advertising and Visual Publicity The wages paid to masons and men coolies are hased on Approved Collector's Labour
  - (d) The rate of actual departmental execution of C.R. masonry works out to Rs. 253 55 per cubic metre The nature of archaeo'ogical conservation, being a highly specialised one, work differs from that of the PWD Estimates on repairs of the ancient monuments are prepared on the analysis of rates based on actual execution. Accordingly the rate cannot heanalysed from M.PPWD Schedule of Rates

#### Meeting of Chief Ministers and Food Ministers Re Procurement and prices for 1978-79 Season

#### 6949 SHRI C K CHANDRAPPAN: SHRI RAM DHARI SHASTRI:

Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased. to state

- (a) whether a meeting of the Chief Ministers and Food Ministers was held recently to discuss the procurement and prices of the 1978-79 season.
- (h) if so, whether some State Govemments have demanded a higher wheat support price for the rabi season.
- (c) what are the details and the conclusion arrived at?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI RHANU PRATAP SINGH (a) and (b)-Yes, Sir

(c) A statement in this regard has already been made by the Minister of Agriculture and Irrigation in the Lok Sabha on 12th April, 1978. bad Developmen; Authority to build number of houses in Vijay Nagar, Ghaziabad for the economically weaker sections; and

# Aid to Ghaziabad Development Authority by H.U.D.C.O.

#### (b) if so, details thereof?

6950. SHRI M. A. HANNAN AL-HAJ: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state. THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes, Sir.

(a) whether it is a fact that H.U.D.C.O. has given aid to the Ghazia-

(b) HUDCO sanctioned the construction of 500 houses for economically weaker sections at Vijay Nagar, Ghaziabad, All the 500 houses were completed in March, 1976. The details of the houses are as follows:

| Particulars   | EWS I    | EWS II |
|---|----------|--------|
| Plot Area (Sq. M.)  | 38       | 38     |
| Plinth Area (Sq. M.)  | 21       | 22     |
| Total cost per dwelling Unit (including land<br>cost (Rs.)    | 7115     | 9030   |
| Sale price per dwelling Unit on outright sale<br>basis (Rs. ) | 6800     | 8725   |
| For sale on instalment basis: Ist Instalment<br>(Rs.)         | 1360     | 1745   |
| Subsequent Instalment (1/2 yearly) (Rs.) .                    | £ 391-50 | 203,30 |
| Period of recovery (Years)                                    | 10       | 10     |
| Disposal pattern :  |          |        |
| Outright sale basis   | 45       | 30     |
| Instalments   | 267      | 158    |
| TOTAL   | 312      | 581    |

गुजरात के लिये मंजूर की गई सिबाई घोजनायेँ (क) युवरात के लिए हाल ही में कितनी तथा कीन-कोन सी नई सिवाई योजनाय मंजूर की गई हैं तथा उनका व्योग प्या है;

6951. श्री ग्रमर सिंह वी॰ राठवाः वया कृषि ग्रीर सिम्नाई मंत्री यह बताने की कथा करेंगे कि:

(ख) मंजूर की गई प्रत्येक योजना के सिबे कितनी राशि स्वीकृत की गई है;

- (ग) उनमें से कितनी योजनायें ब्रास्टि बासी क्षेत्रों के लिये हैं ब्रीट उनके ब्रस्तगैत नितने हैनटेयर भूमि की सिचाई होगी.
  - (प) गुजरात के लिये स्वीकृत उन याननाम्रो ने नाम नया हैं जिनको प्राथमिनता दो गई है और इनके क्या कारण हैं तथा उनका स्वीरा नया है?

क्रांव मोर सिवाई मत्रो (थी सुरजीत सिह्बरताता: (क) में (ग) धर्मन, 1977 से योजना प्राचीण द्वारा गुमरात की मो बुक्र् भीर दो भव्यम निवाई स्कीमों को मजूरी दो बई है। राज्य मरकार द्वारा धर्मगी 1978-79 की नाणिक योजना में इन स्थीमों को नागत, लाभ और परिचया के बारे में जो परिकलना की गई है उसका स्थीरा नीचे दिया गया है गई है उसका

| स्कीय की नाम |  |   | पनुमानित सागत<br>साथ रुर्थ मे) | नाम<br>('000" हेश्टेयर) | 1978-79 में<br>परिध्यय<br>(साध रुपये में) |
|--------------|--|---|--------------------------------|-------------------------|---|
| गृहद्        |  |   |                                |                         |   |
| करजन .       |  |   | 3720.00                        | 61 97                   | 200 00                                    |
| हेरन .       |  | • | 2528.00                        | 36.42                   | 150 00                                    |
| मध्यम        |  |   |                                |                         |   |
| कालूबहार     |  |   | 313.48                         | 3.93                    | 75.00                                     |
| काबूकारी     |  |   | 113.55                         | 1.75                    | 25 00                                     |

उप्युक्त स्कीमों में से क्राजन, हैरन ग्रोर काबूतारी से राज्य के जनजाति खेंती को साम पहुचेगा।

(प) गुजरात सरकार ने मुख्त किया है वि जरने द्वारा धारितासी खेता से मिलन स्तोमों को, धायोजन धीर करने कियान्यरत, दोनों वे सामने में, सर्वोज्य प्रत्यस्त्रता दी बातों है। जर्दोरे यह भी मुख्ति दिखा है किये में मध्यम धीर तमु बिवाई स्त्रीमें किया जनसीव-धोतों की साम पुजता है, करनाति जनसीय-धोतों की साम पुजता है, करनाति जनसीय-धोतों की साम पुजता है, करनाति वनस्सिं की व्यवस्था प्रमुख सेक्टरों के क्यारंज की जाती है। उद्देश्य थह है कि स्वत्माति कोजों के लिए निर्मालित स्पिता का उपयोग प्रन्य सेजों के लिए न क्यारंज काये। विवास का क्यारंग प्रन्य सेजों के लिए न क्यारंज का है कि स्वत्माति राज्य से स्वत्माति राज्य के स्वत्माति की होने को वृहद् योजनार्थे नहीं धाती। जो स्कीमें पूरी होने वासी है वे उपद् और क्यारंज हैं।

## Amendment to Copyright Act

- 6952. SHRI SURENDRA BIKRAM: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to refer to the reply given to unstarred question No. 1963 on 30th August 1976 regarding Amendment to ·Copyright Act and state:
- (a) the names of the Publishers, Industries, Libraries, States and Individuals to whom the proposals were sent:
- (b) the present composition of the Copyright Board, its terms of reference: and
- (c) when the draft amendments are likely to be finalised for introduction In the Parliament?
- THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) and (b), Statements furmishing the information are given at Annexures I & II respectively. [Placed in Library. See No. LT-2111/78].
- (c) Proposals for the amendments are expected to be placed before the Cabinet shortly. After the Cabinet's approval has been obtained, the bill will be drafted and introduced in Parliament.

### Constructional Activity in Pitampura Residential Scheme, New Delhi .

- 6953. SHRI KACHARULAL HEM-RAJ JAIN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUP-PLY AND REHABILITATION be pleased to state;
- (a) whether it is a fact that the plot holders in Pitampura Residential Scheme, Delhi have started constructing houses on their plots;
- (b) whether it is a fact that there is no proper provision of roads for the trucks to reach the plots easily for unloading building materials; if so, the

steps proposed to be taken to improve the roads as the earlier marking for roads put two years back has vanished;

(c) whether it is also a fact that there is no provision of electricity and due to that persons building their houses are facing crisis for finishing floors etc: if so, the provision being made to provide at least temporary light connections to them?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes Sir.

- (h) No, Sir. The road work has been completed upto Phase I except in Pockets K and T where only metalling has been completed. The Phase II work is to be taken up only after 50 per cent of the plots are built upon.
- (c) Necessary funds have been deposited by the DDA with the Delhi Electric Supply Undertaking. The Undertaking expects to complete the electrification work of four pockets in one year. The Undertaking has reported that since Pitampura Residential Scheme area is not yet electrified, it is not technically feasible to sanction temporary connections for construction and other purposes. However, a few temporary connections have been allowed to plot-holders whose plots happen to be near adjoining electrified colonies. Temporary connections are allowed against specific requests and on completion of usual commercial formalities and subject to technical feasibility.

## सरसों का उत्पादन

6954. सुरेन्द्र झा सुमन :

- क्या कृषि और सिचाई मंत्री यह वताने की क्या करेंगे कि :
- (क) देश में गत वर्ष खाध-तेलों की श्रावत्यकता की तुलना मेंग रसों के उत्पादन में कितवी कभी हुई;

(य) नया उनत शमी मी देखते हुए इमका उत्पादन बढाने के उद्देश्य से विभानी ने बड़े पैमान पर गरसा की खेती की है **फार** गत वर्ष भी सुलना में इम वप विजनी प्रतिरिका भूमि में सरसो की खेती की गई है धीर उनने जलादन में नितनी वृद्धि हुई है, धीर

Written Answers

83

(ग) वादार में मून्यों पर इगना वना प्रभाव पड़ा है भीर भावी वा रख बहा तक सही दिशा में उटा है?

हुवि धौर सिवाई मत्री (धी सुरजीत श्तिह बरनाला)·(न')गन वर्ष प्रयान 1976-77 वे दौरान 15 62 लाख मीटरी इन सोव्या सरमी का उत्पादन हुमा या। देश म खाद्यात्र हैली क उपभाग की पदित का काई ब्यापक भीर वैज्ञानिक सर्वेक्षण नहीं किया गया है। श्रव खाद्य तेलो की प्रावस्पकवा की तुलना म सरसो ने जलादन में नमी ना ठीन-ठीन अनमान लगाना पटिन है।

- (य) वर्ष 1977-78 के दौरान सीरिया तथा सरसो की बुवाई सपमय धनकल मौनम की परिस्थितियों में की गई थी। क्षेत्र तथा उत्पादन ने पनने प्रतुमान कृषि वर्ष के समाप्त हाने के बाद समात जुलाई-प्रगरत, 1978 में निभी समय उपलब्ध होगे। त्यापि, भाषा है वि वर्ष 1976-77 की युलना में वर्ष 1977-78 के दौरान क्षेत्र स्था उत्पादन दोनी में स्थार होगा।
- (ग) सभी महत्वपूर्ण बेन्द्रों में तोरिया तया गरसी के बाल मुल्या म गत वर्ष के मुल्या की तुलना म निरावट बाई है। मार्च, 1978 के ग्रव में तोरिया तथा भरसी का धाव मन्ध रोहतक में 253 ६० (सरसो), बानपुर में 335 ६० (पीली) तथा दिल्ली में 290 ६० (लाहा) प्रति विवटल थे। यह मृत्य इन बेन्डो में गत वर्ष की इसी अवधि के मन्यों की त्वना में कमश 47 हर, 30 हर तया 30 हर प्रति त्रिवटल धम था। नोरिया तथा भरमी के

योव मूच्यो का मूचवाक, जो मार्च, 1977 के बात में 211 या, मार्च, 1978 के बात मे बिखर 189 5 हो गया। इस प्रशार इसमें 10 2 प्रतिशत की गिरावट माई।

कृषि उत्पाद-महो बाने क्षेत्रों में सहसों के दिशास के निए राजम्यान की केन्द्रीय

सहायना

6955, धी मीठा ताल परेल • यथा इयि और गिवाई मत्री यह बनाने भी हुए। क्यमें कि

- (व) क्या राजस्थान सरवार ने कृषि उत्पाद-मही वाले क्षेत्रों में सहरों में विकास के लिए बृहद् याजना की त्रियान्विति हेत् भारत सरकार से सहायता ना भनरोप्र विका है,
- (य) मंदि हा, तो तमस्यन्धी स्वीरा का है: भीर
- (ग) क्मी सरकार ने सहायवा देने के बारे में निर्णय लिया है और यदि हा, तो, पन भीर यदि नहीं, तो इसके क्या भारण है ?

कृषि भीर सिवाई महालय में राज्य मत्रो (थी मानु प्रताप सिह):

- (व) जी नही।
- (छ) घोर (ग) प्रश्न नहीं उठता।

बैनत जिने में सिचाई योजना के लिये प्रस्ताव

6956 भी सुभाष माहका: क्या कृषि भीर सिचाई दी यह बताने की वपा वरेगे कि

(व) मध्य प्रदेश मरशार ने बेतुल जिने में सिवाई योजनामी के लिए कितने प्रस्ताव भेडे हैं.

(ख) इन सिंचाई योजनाओं के नाम क्या हैं:

85

(ग) इन सिचाई योजनाओं पर कितना व्यय होगा ; स्रीर

(ध) क्या केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भेजी गई वेतूल जिले की सिंचाई योजनामों को इस दीच स्वीकृति दे वी है ?

कृषि और सिचाई मंत्री (थी सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) से (घ). देतूल जिले के लिए हो महयम स्तीमें मध्य प्रदेश सरकार से पांचवी योजना की श्रवधि में प्राप्त हुई बी। इनके नाम ग्रीर ग्रनगानित लागत इस प्रकार है :---

| स्कीस का नाम    |      | यनुमानित<br>सामत |
|-----------------|------|------------------|
|                 |      | (साख रुपए)       |
| 1. विङ्गाचित्रा |      | 244.20           |
| 2. सोमखेडी ताल  | परि- |                  |

सीनबेडी ताल परियोजना को योजना

गई थी। विख्या लतिया परियोजना को अभी श्रन्तिम रूप से मंजरी नहीं दी गई है।

86

थर्षं 1975-76 से 1977-78 तक राज-स्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा विहार को प्रावंटित को गई चीनो

6957. श्री तयाराम शाक्य : नया कृषि और सिचाई मंत्री यह बताने की कृपा न रेंगे कि केत्दीय सरकार द्वारा वर्ष 1975-76 1976-77 तथा 1977-78 में राजस्थान. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा विहार के ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण के लिये चीनी का कितमा-कितमा कोटा श्रावंटित किया пат?

कृषि और सिंबाई मंत्रालय में राज्यः मंत्री (श्री मान प्रताप सिंह) : राज्य सरकारी की मासिक शाधार पर और समचे राज्य के लिए लेवी चीनी के मासिक कोटे आवंटित किये जाते हैं। शहरी और प्रामीण क्षेत्रों के लिए ग्रलय से कोटे प्रावंटित नहीं किये जाते है। चीनी-वर्ष 1975-76, 1976-77 और 1977-78 (मप्रैल, 1978 तक) के दौरान राजन्धान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश श्रीर बिहार की सरकारों को आवंटित चीनी के मासिक

| श्रायोग द्वारा फरवरी, 1977 में मंजूरी<br>पैज 116<br>चीनी वर्ज<br>(प्रकटूवर-वितम्बर) | हे दी कीटें इस प्रकार हैं :  गासिक कोटें की माता  (भीटरी टन में) |              |             |        |  |  |
|---|--|--------------|-------------|--------|--|--|
| 1975-76   | राजस्थान   | उत्तर प्रदेश | मध्य प्रदेश | विहार  |  |  |
| <ol> <li>ग्रक्तू०, 1975—दिस०, 1975</li> </ol>                                       | 10,219   | 28,581       | 13,633      | 18,240 |  |  |
| 2. जन०, 1976—सिव०, 1976   | 8,520  | 28,433       | 13,833      | 18,240 |  |  |
| 1976-77<br>3. अन्तु०, 1976-सित•, 1977   | 8,520  | 28,433       | 13,833      | 18,240 |  |  |
| 4. स्रवतः और नवः, 1977  | 8,520  | 28,433       | 13,833      | 18,240 |  |  |
| <ol> <li>दिसम्बर, 1977—प्रवेस, 1978</li> </ol>                                      | 12,757   | 41,761       | 20,825      | 26,929 |  |  |

२ नवम्बर, 1977 से पहने, राज्य सरहारे स्थारीज स्थितिजी, लोगी की खावे

की यदाँ को झान वे रख कर बहरी धौर पानोग दोना क्षत्रा के लिए लेती चौती के वितरण को मात्रा निर्धारित करती थी लेकिन उत्ता सामान्य मार्गदर्शी सिद्धान्त यह था कि प्रति व्यक्ति का प्रति माह 1 कियो मै प्रधिक वारी नहीं मिनती चाहिये और प्रत्येक परिवार को प्रति माह 1 किलों से कम चौनी नहीं 'मिलनी चाहिये । दिसम्बर, 1977 नि 1-4-1978 की प्रायोजित जनमध्या के लिए 425 पाम प्रति व्यक्ति धालव्यता वे ग्राधार पर राज्यवार कोई फिर में तिसंदित किये गरे हैं भीर राज्य सरकारों से कहा गया है नि वें सेवी चोवी ने वितरण के लिए शहरी प्यौर प्रामीन जनसङ्ग्रा को समान समर्ते । कुछ राज्य सरकारों जिन्होंने महरी सेवो मे चीनी वितरण में वर्तमान मधिक माता देते रहेते की इच्छा ध्यक्त की है, को यह कहा गया यथा है कि वे शहरी और प्रामीण जनसङ्गा की समान माला देने के लिए सीपानवार मीर शोध

Offer of High Yielding variety of Wheat developed in USSR.

व्यवस्था वरे ।

695% DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state whether it is a fact USSK has developed high yielding variety of wheat and offered the same to India for its breeding experiments?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRT SURJIT SINGH BARNALA) USSR has not offered any high yielding variety of wheat for breeding experiments

Indianisation of Higher Education

6959 SHRI G M BANATWALLA: SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

Will the Minister of EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether Government propose to Indianise higher education through assimilation of Indian way of life history, culture and needs,
- (h) whether Government also propose to regulate admission to higher education on basis of social needs and employment opportunities, and
- (c) broad outlines thereof and benefit likely to be achieved as a result thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) to (c) The policy for the development of higher education during the next plan period proposed by the University Grants Commission visualises restructuring of undergraduate courses to include a set of foundation courses designed to create an awareness of areas such as Indian history and culture history of freedom struggle in India, concepts and processes of development, the scientific method, etc. The policy also suggests effective cocationalisation at the higher secondary stage to reduce pressures in Universities selective admissions, greater access to higher education for the weaker sections, expansion of facilities through non-formal channels, etc The detailed programmes to be implemented dunny the next plan period are being worked out by the Commission.

## Admission of students belonging Backward Classes

6960 SHRI K. PRADHANI the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether the Central Government has assued directions to States

9a-

that the students belonging to backward classes whose family income from all sources, is Rs. 10,000 or less per annum are eligible to special treatment in the matter of admission to educational institutions including professional institutions and other technical colleges and other institutions which received aid from the State Governments; and

(b) if so, the details regarding the fixation of ceiling in various States for this special treatment?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) and (b). No Sir.

## Sylction proceedings against Ex-M.Ps.

6961, SHRI HARI VISHNU KA-MATH: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to refer to his answer to Unstarred Question No. 819 asked on 27th February, 1976 regarding eviction proceedings against Ex-M.Ps. and state

- (a) whether further progress has been made in the eviction proceedings initiated against the six Ex-M.Ps.
- (b) if so, the details thereof, together with the figures for rent paid by each of them during their unauthorised occupation; and
  - (c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes. Sir.

- (b) Out of the six Ex-M.Ps., accommodation from one has been got vacated. One of them has filed a petition in the Supreme Court and has been granted slav orders. Efforts to get the-Government accommodation vacated from the remaining four Ex-M.Ps. are continuing. A statement of rent paid by each of the six Ex-M.Ps. is enclosed.
- (c) Question does not arise.

Statement ...... No facilly of Broaches economistic from Six-Ev. M. Pt.

| 81.<br>No. | Name of Ex-M. P.       |   |   |   | Amount due | Amount paid | Balance          |
|------------|------------------------|---|---|---|------------|-------------|------------------|
|            |                        |   |   |   | Rs.        | Rs.         | Rs.<br>5,798-60- |
| 1.         | Shri S. S. Mohapatra   | • | • |   | 15990-59   | 10,191.99   | 5,790 00         |
| 24         | Shri S. M. Basserjee . |   |   | • | 10,791.05  | 7,612-17    | g,18t-88-        |
| 3+         | Shri Shankar V. Giri   |   |   |   | 13,495*39  | 5,212.88    | 8,282-5          |
| 4          | Shri Jambuwant Dhote   |   |   |   | 16,882.21  | Nil         | 16,882*21        |
| 5          | Shri Kartik Oraon .    |   |   |   | 13,948, 47 | Nii         | 13,948-47        |
| 6          | Shri Tul Mohan Ram     |   |   |   | 22,336. 92 | Nil         | 55*338.85        |

पोखरों की मरम्मत के लिये ग्रनदान

6962 थी ईश्वर चौधरी: क्या शिक्षा, समाज क्ल्याण और संस्कृति मन्नी यह बतान की क्या करेगे कि

- (क) क्या केनीय मरकार ऐतिहासिक महत्व के मन्दिरा तालावा ग्रार पांचरा तथा ग्रन्य दर्गनीय स्थता को नष्ट हार से बचान के लिए उनकी मरम्मन करने हुँन राज्य सरवारा को कोई धनुतान देनी है
- (ख) यदि हा तो गत दो वर्षों के दौरान विद्वार नरशार को कितना धनुतान मित्रा है ग्रार
- (ग) क्या बोज गजा का भी केन्द्रीय मरकार में कोई प्रन्दान मिला है और यदि हा, नो न मन्द्रस्त्री बदौरा हवा है ?

शिया, समान कायाय तथा सस्कृति मत्री (ढा॰ प्रनाप चन्द्र चन्द्र)ः (क) जी नहीं।

- (व) प्रश्न ही नही बङ्गा।
- (ग) जी नहा। नयनि भारत सरकार के पर्वरन विभाग न राज्य सरकार का बीज गया मन्दिर के श्रासपास का 21 % 6 एउड भिम प्रतित करन के लिए 19 54 लाख मार की जनसाधि पारित की है।

विक्रनाग व्यक्तियों के लिए पदो का श्वारक्षण

6963 थी यनुता प्रनाद शास्त्री . क्या शिक्षा, समाज क्ल्याण और सहकृति मत्री यह बनान की कम क्रेसे कि

(क) क्या केन्द्रीय महकार के केन्द्रीय सेवाग्रा म विकलाग व्यक्तियों के लिए 8

Written Answers प्रतियन पद आरक्षित वरने का निर्णय लिया à.

- (ख) बबा केन्द्रीय भरकार का विचार विक्लाय व्यक्तिया ने लिए प्रथम और दितीय थेपी के 3 प्रतिशत पद भी धारक्षित करने मम्बन्दी निर्पय लेने का है और यदि हा. तो क्व और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं. चीर
- (ग) क्या के द्वीय सरनार इस प्रकार के बारक्षण हेत राज्य सरकारों को धनरोध करेबी और यदि हा, नी यह कब तक कर दिया जासमा ?

शिक्षा, समाज कल्याण क्षया सरहति मत्री (हा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) • (क) सरकार ने विक्लाग व्यक्तिया के लिए "ये ' और "घ" पदो म अप्रतिशत पद ग्रासीलन करत का निर्णय दिया है

- (ख) सरकार भगत कडम उठान के बारे म विचार करन से पूर्व वर्ग "त" होर "ध" पदा म अप्रतिरात का कार्यान्वयन देखना चाहती ĝι
- (य) राज्य सरकारो में विकलाग व्यक्तिया के लिए रिक्त पद भारक्षित करन का मनुरोध निया जा चना है। इस मामल पर कार्यवाही नाकी जा रही है परन्तू ऐसे ग्रारक्षण तिम तारीज तक हागे, यह राज्य सरवारी पर निर्धेर करता है।

R.S.S help in Adult Literacy Proeramme.

6964 SHRI K LAKKAPPA the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether it is a fact Union Ministry of Education have ex93 Written Answers CHAITRA 27, 1900 (SAKA) Written Answers

tended an invitation to R.S.S. to belp

- ,(b) whether the Minister is not aware that the R.S.S. is a communalminded and controversial organisation with a para Military apparatus:
  - (c) whether the involvement of R.S.S. In adult literacy programme will not be tantamount to subsidising the R.S.S. and extending state patronage to disseminate communal propaganda:
  - (d) if answer to (a) above is in the affirmative whether the Minister will take immediate action not to involve R.S.S. in the adult literacy programme; and

## (e) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER); (a) to (e). Government have Inunch a massive at bahinah gramme of adult education from October 2, 1978 which will cover the entire illiterate population of about 10 crores in the age-group 15-35. The programme of this magnitude cannot be successfully organised without involuntary agencies. To these meetings ty. For this reason meetings have been held with leaders of all political parties in the Parliament, representatives of trade industry and employers, teachers, students youth trade unions and voluntary agencies. To these meetings organisations working at the all India level were invited irrespective of their political affiliations and R.S.S. was one of them.

The question of financial assistance to participating organisations would be considered on the basis of the merits of their proposals. Report of Committee of Review on Rehabilitation work in West Bengal

91

- 6965. SHRI SAUGATA ROY: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING AND SUPPLY AND REHABILI-TATION be pleased to state:
- (a) whether the previous Government received the report of the Committee of Review on Rehabilitation work in West Bengal by Shri A. C. Guha;
- (b) whether Government implemented the recommendations of Guha Committee: and
- (c) if not, whether the present Government propose to do so?

THE MINITER OF STATE IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI RAM KIN-KAR): (a) Yes, Sit.

(b) The Committee of Review submitted 20 reports in all of which 11 reports were submitted by Shri A. C. Guha as Chairman. Out of these, 4 reports were submitted to the Department of Social Welfare as that Depart. ment was concerned with the subject matter of these reports. Of the remaining 7 reports pertaining to the Department of Rehabilitation, one report related to remission of loans and conferment of right and title to lands in possession of the displaced persons in West Bengal. The recommendations contained therein were by and large. accepted by the Government of India. Necessary orders for liberalisation of remission of 'type' loans and for colferment of right and title were issued to the Government of West Bengal in 1974. The remaining 6 reports submitted by Shri A. C. Guha were passed on to the Government of West Bengal for necessary action since it was considered that with the remission of loans and conferment of right and title to land free of cost, the displaced persons in West Bengal should longer be treated as refugees, but

रुखाइन है

should be deemed to have merged with the general population of the State These reports were however also considered by the Working Group on the Residual Problem of Rehabilitation in West Bengal set up by Government of India in July 1975 The Group endorsed the view taken earlier in this regard and observed that at this stage. the schemes recommended by the Committee of Review to achieve rehabilitation through pountry fisheries, in dustrial estates, sericulture etc need not be taken into consideration exclusively for the benefit of displaced persons for they have by and large, merged with the mainstream of the

(c) No further action on these re ports lies with the present Government.

general population of the State

## धामों का उत्पादन घीर निर्धात

6966. थी राजेन्द्र कुमार सर्नो : स्या कृषि भौर सिबाई मन्नो यह बनाने की कृषा करते कि :

- (त) गत दी दर्शे म राज्यवार, धामा के उपादन का क्रीरा क्या है .
- (ख) ग्रामा के उत्पादन में वृद्धि करने के निए सरकार कौत-कौन सी योजनायें बनायेंगी, ग्रीर
- (ग) इस समय किन-किन राज्यों में धाम की फमल धंधित है भीर उनके निर्मात के निए क्या नीति निर्धारित की गई है?

हणि भीर सिवार्ड मश्री (थी बुरबीद सिंह बर्रास्ता) (१) रेग म मामा के राज्यार उत्तरक ने फन्यम म नोर्ड मुख्य-नियत सर्वेशण नहीं निया गया है। भन्न नग दो बन्दी के लिए धानडे उत्तरका नहीं है। तवानि भारतीय हरिंग धनुसन्धान परिवृद्द्वार सन् 1978 मत सनिन रिय पार्च तर्दर्य प्रमुखन

| इम | त्रगर | ₹  |  |
|----|-------|----|--|
| _  | 77    | 30 |  |

| 4124         |   | ·\ |                  |  |  |  |
|--------------|---|----|------------------|--|--|--|
|              | • |    | (इजार)<br>रीटनम) |  |  |  |
| म्राध प्रदेश |   | •  | 1694 3           |  |  |  |
| धनम          |   |    | 25 <b>2</b>      |  |  |  |
| विहार        |   |    | 1153 6           |  |  |  |
| गुजरात       |   |    | 220 1            |  |  |  |
| हरियाणा र्   |   |    | 33 6             |  |  |  |
| वर्नाटक      |   |    | 243.6            |  |  |  |
| वेरत.        |   |    | 486 7            |  |  |  |
| मध्य प्रदेश  |   |    | 201.4            |  |  |  |
| महाराष्ट्र1  |   |    | 130,5            |  |  |  |
| उडीमा        |   |    | 559 8            |  |  |  |
| প্রাব        |   |    | 25 1             |  |  |  |
| तमिलनाड्     |   |    | 371.2            |  |  |  |
| चत्तर प्रदेश |   |    | 2987 (           |  |  |  |
| पश्चिम बगाम  |   |    | 675              |  |  |  |
| धन्य .       |   |    | 117.             |  |  |  |
|              |   |    |                  |  |  |  |

(व) पावशे पवदर्गीय योजना के दौरान महाराष्ट्र, गुजरात, पर्नोटन, मान्य्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, प्राप्त प्राप्त राज्यों म 35.02 तथा कर ने परिच्यम सं मान्य प्रव्यों के मान्य प्रदेश वार्येश में एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना प्राराम की गई। इस योजना म स्टाफ तथा उचित सस्यविज्ञान सम्बन्धी नावश्रमात्रियों एवं कनस्यति रक्षण उत्तरी में को दे है। इस मीजना में की दे है। इस मीजना में को दे है। स्वयं प्रदेश में की स्वयं मान्य प्रदेश स्वयं मान्य स्वयं महि स्वयं मान्य स्वयं महि स्वयं स्वयं महि स्वयं महि स्वयं स्ययं स्वयं 
8925 3

योग

(ग) उतर प्रदेश, धान्ध्र प्रदेश, बिहार भीर पश्चिम बंगाल, में धाम प्रचुरता से पैदा किया जाता है भीजदा नीति के ग्रनसार ग्रामों का निर्वाध रूप से निर्वात करने की ब्राज्ञा है ग्रौर उस पर माता सम्बन्धी कोई नियंत्रण नहीं है। तयापि आमीं का बहाब पर सदान तभी किया जा सकता है जब कि :

97

- (क) विदेशी खरीदार द्वास प्रेपित मालकी पोत पर्यन्त निःशस्क राणि पर 100 प्रतिज्ञत के लिए ग्रपरिवर्तनीय ऋण पत्र 'खोल दिया गया हो; या
- (ख) अग्रिम भुगतान कर दिया गया हो बगर्ने कि:
  - (1) अग्रिम शुगतान किसी विशेष निर्पात प्रादेश के लिए प्राप्त हुआ हो और प्रेपित माल की पोत पर्येन्त नि:शल्क मत्य के 100 प्रतिशत के लिए हो.
    - (2) व्यक्रिम भुगतान विदेशी शृहा के विए प्राधिकत स्पापारी के द्वारा प्राप्त तथा हो ।

खाद्यात्रों के भंडार में अवरुद्ध पंजी 6967. या॰ रामजी सिंह : श्री मशवन्त बौरोले :

क्या कृषि और सिचाई मंती यह बहाने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या लगभग 2,000 करोड ६० मूल्य की सरकारी पूंजी खाद्यानों के मण्डार में संवरद हैं **;** ‡
- (ख) क्या ग्रागामी क्यों में खादासीं के भंडार में वृद्धि होने की सम्भावना है ? 602 LS-4.

कृषि स्रोर सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भान प्रताप सिंह) : (क) ग्रीर (ख). भारतीय खाद्य निगम के पास 31 मार्च. 1978 को रखें खादालों आदि के स्टाब्ट पर सगभग 1930 करोड़ रुपये (अस्यायी) की पूजी लगाई गई है। वर्प में विभिन्न वारीकों को 35 से 88 लाख मीटरी टम के बीच परिचलन स्टाक रखने के ग्रलावा. 120 लाख मीटरी दन का बफर स्टाक रखने के निर्णय के अनसरण में खाद्याओं के स्टाक पर पूंजी लगाई गई है । खाद्यानों के स्टाक में बद्धिया कमी ग्राने वाले वर्षों में ज्त्यादन और खपत की सम्भावी प्रवत्ति पर निर्भर करेगी जी कि स्वयं बहुत से परिवर्तनशील ,सत्वों पर निर्भर है। ब्रतः पहले से यह बताना मुश्किल है कि धाने वाले वर्षों में स्टाक में वृद्धि या कमी होगी।

## लेबी चीनी के कोटे की कम सप्लाई के कारण चीनी के मूल्यों में वृद्धि

6968. डा॰ लक्सी नारायण पांडेय : क्या कृषि और सिचाई मंत्री यह बताने की क्षपा करेंचे कि

- (क) क्या ग्रामानो दो महीतों, यथा अप्रैल और मई, 1978 के दौरान चीनी शाजार में लेबी चीनी के कोटे की कम सप्लाई बारने के सरकार के निर्णय के परिणामस्त्ररूप चीनी का मृत्य प्रति क्विंटल 60 रुपंथ से 70 रुपये तक वह गया है और उपभोक्ताओं को वडे हए मृत्य पर चीनी मिल रही है ;
- (ख) क्या व्यापारी सरकार की इस बारे में अनिश्चितता का फायदा उठाते हैं जिससे उपभोक्ताओं पर भारी आधिक बोझ पडता है; और
- (ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विवार सेवी चीनी की सप्साईकी अपनी

APRIL 17, 1978

100

99

प्रणाली पर पूर्नीवचार करने अपवा उसमे सुधार करने वा है ताकि बाजार मे चीनी के मन्य ग्रचानक न वर्डे ग्रीर उपभोक्तामी की ध्यधिक पैसे त देने पडें ?

कृषि 'स्रौर सिंचाई मत्रालय मे राज्य मत्री (धी मानु प्रताप सिंह)ः (व) म (ग). राज्य सरकारों को भावटन गरने के लिए लेवी चीनी की मासिक निमंदित दिसम्बर 1977 से 2 05 नाख मीटरी टन से बढ़ा बर 2 71 लाख मीटरी टन कर दी गई है और तव से इमे उक्त स्तर पर बनाय रखा गया है। श्रत ग्रंपेन, 1978 मान के लिए 2 71 लाख मीटरी दन लेबीं चीनी निर्मुबत की जा पकी है बीर बगने माह बर्बोत् मई के लिए उतनी ही माला निर्मक्त करने के बारे मे 12-4-1978 को घोषणा की जा चुकी है।

2 खुने बाजार में भीनी वे मूर्का में बहुत में कारणों जैसे कि समय समय पर माग में घट-वड गुड तथा खडसारी जैने अन्य स्वीटनिय एवटा की उपरम्यता, उत्पादन की प्रवत्ति भादि से परिवर्तन होता रहता है। दिल्ली कानपुर कलकत्ता, बम्बई और मदास की प्रमुख मरिया म जीती के बीद मुन्य, जो कि दिसम्बर 1977 के चल में 376 रपद से 395 रपद प्रति क्विटल के बीच चन रहे ये थीर जो कि फरवरी 1978 के श्रत मंनीचे गिर गर्देथे और 305 रूपद से 348 रपये प्रति निवटल ने बीच थे. में फिर ब्राजिक नौर पर बद्धि हुई है और वे 7-4 1978 की 330 रुपये में 360 रुप ३ प्रति निवटल के बीज चल रहे थे। य मन्य पिठले वर्ष उसी दारीख की चल रहे मत्या की दलना में लगभग 65 रुपय से 70 रुपय प्रति व्हिटल तान क्य हैं।

3 सरकार मृल्य प्रवृत्ति पर कड़ी निगरानी रख रही हैं और खते बाजार मे उपयुक्त स्तर पर मृत्यो को वनाय रखने के उद्देश्य से खुली विकी की चीनी की निमंक्त भी बढ़ादी गई है। यत चीनी वर्ष 1977-78 ग्रपीन श्रक्तुबर, 1977 से मई, 1978 सुक के पहले बाठ महीनों के लिए निर्मुक्त खली दित्री की चीनी के कोटे की माला 8 90 साध मीटरी टन है जब कि 1976-77 के दौरान तदनस्थी प्रवधि ने लिए 7 95 लाख मीटरी टन की निर्मुक्ति हुई धी।

Prawn Cutture Farm in Balasore, Origo

6969 SHRI BAIRAGI JENAthe Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether the Government Orissa has sent any scheme to estabhish a prawn culture farm at Irchude in the district of Balasore.
- (b) what is the estimated cost αť that scheme, and
- (c) what steps have been taken by Government to establish it so far

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA) Yes Sir

- (b) The estimated cost of the scheme 15 Rs 12 33 280
- (c) The Government of India approved the scheme and issued sanction to Government of Orissa for setting up the Prawn Culture Far m at Irchudi in the district of Balasore, OTISSA.

मोहं ग्रीर चावल के वसूली मूल्य तथा उचित दर दुकानों से वसूल किये जाने वाले मूल्य

6970. श्री मृत्यंत्रय प्रसाद : क्या कृषि और सिचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या पिछले तीन वर्षों में प्रति वर्ष मेहूं और चावल की सरकारी वमूकी मूल्य तथा उनके डक्कित वर कुकारों से बमूकी किये में मूल्य और उक्ति वर दुकारों से बमूक् उपभोचताओं से क्यूल किये गये उनके मूल्य की बारे में सारणीवड जानकारी ही जाएंगी;
- (ख) सरकारी खरीब के मूल्यों तथा जपभोक्ताओं में लिये गये मूल्यों में जो प्रकार है उसका कीतता भाग प्रणासन के खर्ज में जासा है और कीत सा लाब का सरकार का न्या उचित दर की दुकान का या विश्री कर का है;
- (ग) गेहूं और चावत खरीद कर गोदामों में रखने तथा उसे जिन्त दर तो दुकानों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहेचाने में पिछने पांच बचों में तक पहेचाने में पिछने पांच बचों करती पड़ी :
- (घ) इस सम्बन्ध में कितना मुद्ध लाभ या हानि हुई ; ग्रीर
- (ङ) यदि हानि हुई है, तो इसके क्या कारण हैं ?

हिंदि और निवाई मंत्रास्थ में राज्य मंत्री (श्री मानु अवाय नित्तृ) : (क्र) पिठले तीन धर्मों के दौरान में हुँ बौर पावन के बमूनी मूल्यों को प्रतृतका 1 के रूप में संबन्ध विदरण में बताया गया है।

देश भर में भारतीय खाद्य निगम के जियो पर निर्मम मूल्य एक समान हैं। पिछखे तीन वर्षों का गेडूं का निर्गम मूला 125 रुपये प्रति क्विंटन है और नावन का इस प्रकार है:---

|              |   | रुपये प्रति विवंदल |
|--------------|---|--------------------|
| मोटा         |   | 135                |
| मध्यम        |   | 150                |
| वढ़िया       |   | 162                |
| शहुत वृद्धिय | : | 172                |

राज्य बरकार उपयोजनाओं को जावास सम्बाह करने से पहुँक मारतीय बाय निर्मा को को पर मिर्चन मुख्य में प्राप्त है विस्तात तया परिष्य स्थार में स्थार के स्थार है विस्तात तया परिष्य स्थार में स्थार के स्थार है विस्तात तया परिष्य स्थार स्थार स्थार के स्था के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्था का स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था का स्था के स्था

- (ख) प्रज्ञासन पर जो घनराज्ञि खर्च
   की गई उसमें निम्नलिखित शामिल हैं:—
  - (i) बसूली एजेंसियों को दिये गये प्रशासनिक प्रभार :
    - (ii) भारतीय खाद्य निगम के प्रशासनिक प्रभार ;
    - (iii) भारतीय खाख निगम डिपो से देने के बाद राज्य सरकारीं के प्रशासनिक प्रभार !

जहातक (i) भीर (ii) का सदध है, स्यिति इस प्रकार है --वसवी एजेंसियों को दिए गए प्रशासनिक प्रभार

रुपये प्रति विवटस

1975- 1976- 1977-76 77 78

(स०४०)

येह 1 10 1 06 1 04 वावत 0 43 0 56

भारतीय खाब नियम के प्रशासनिक प्रभार (गेह तथा वादत के लिए एक ही)

1975-1976-1977-76 77 78

> (ন০ঘ০) 2 67 2 76 2 65

पिछले शीन वर्षों के दौरान राज्य सरकारों द्वारा लगाये गये प्रशासनिक प्रमारी के कारे से जानवारी तुरल एपलव्य वही है और उसे इक्ट्रा करके सभा के परस पर रख दिवा जाएगा ।

पास्तविक लागत के प्राधार पर पसूती एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम की प्रशासनिक प्रभार दिये जाते हैं। उपापि, उसमें शामिल म्नाफे के यश को बताना व्यवहार्वं नहीं है

क्य कर/विक्री करया तो बेसूनी के समय भयवा भूपभोक्तामी का विकी के समय सगाया जाता है भीर प्रत्येक राज्य में दर

भिन्न-भित्र होती हैं। इस सबध में सूचना इक्टठी की जा रही है भीर सभा के पटल पर रखदी जाएगी।

(ग) परिचालन तथा वफर स्टान ने लिए मेह भौर चादल ने भटारण पर खर्च की गई धनस्यति (भण्डारण प्रचं, व्याज और नार्ग -तथा भण्डारण में हुई हानियो समेत) इस प्रभार है --

रुपये प्रति क्विटल

(स॰ध०)

1975- 1976- 1977-76 77 78

(i) परिचातन 6 55 6.69 (11)वर (स्टाक 21 63 19 99 22 75

मण्डारण पर धर्च की गई बनराणि (भारतीय खाद निगम डिपा से देने के बाद) राज्य सरवारी ने हैंडलिंग प्रभारा का एक भाय होनी है और मण्डारण पर इस समय

खर्च की गई धनराशि के बारे में बताना

व्यवद्गयं नहीं है ।

चढता ।

(घ) और (इ) वास्तवित्र वमूली मृत्य धौर मारतीय खाद्य निगम दाश खर्च विधे गरा चमूती नया वितरण सबधी भासगिक धर्चों के प्राचार पर खादान्नी की इक्नामित लागत रा हिमाद लगाया जाता है। इवनामिक लागत भौर निर्वेम मृत्य के बीच जो मन्तर होता है, उसकी भारतीय खाद्य निगम का राज सहायतर केरूप में प्रतिपूर्ति करदी जाती है। समूचाः काराबार लागत के भाषार पर होता है भीर इमलिए लाभ प्रयवा हानि वा प्रस्त ही नहीं.

130.00

## विवरस्य पावल श्रीर बेहं के वसली मृत्य

| चावल (मोटे किस्म का) |                  |        |   |   |         | (रुपये प्रति विवटस) |         |  |
|----------------------|------------------|--------|---|---|---------|---------------------|---------|--|
| श्रम<br>संच्या       | राज्यः           | का नाम |   |   | 1975-76 | 1976-77             | 1977-78 |  |
| 1                    | श्रान्ध्र प्रदेश |        | • | • | 121.00  | 118.00              | 123.00  |  |
| 2                    | विहार .          |        |   |   | 125.00  | 125,00              | _       |  |
| 3                    | हरियाणा          |        |   |   | 127.00  | 126.00              | 131.00  |  |
| 4                    | मध्य प्रदेश      |        |   |   | 120.00  | 121.00              | 125.00  |  |
| 5                    | कर्नाटक .        |        |   |   | 121.00  | 121.00              |         |  |

127.00

| गेहं (सभी किस्में) |             |         | (स्पवे  | प्रति विदटल) |
|--------------------|-------------|---------|---------|--------------|
| राज्य का नाम       | <br>1975~76 | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79      |
| सभी राज्यों में    | 105.00      | 105.00  | 110.00  | 112.50       |

## केन्द्रीय विद्यालय

उड़ीसा

पंजाब है

105

6971. श्री सालजी भाई: स्या शिक्षा, समाज कल्याण श्रीर संस्कृति मंत्री यह बतार्ने की कुम करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में समूचे देश में फिन किन स्वानों पर केन्द्रीय विद्याल : संगठन द्वारा नये स्कल खोले गए ; श्रीर

## (ख) सरकार का ग्रीर कितने नथे स्कल खोलने का प्रस्ताव है ?

126.00

दिक्षा, समाज कत्याण श्रीर संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बहकडकी): (क) निम्निक्षियित स्वानी पर 58 स्कृत खोले गए थे:

> रामपुंडम, दिजन, दुलियाजन, लोकरा, समझेर, वरीनी सं० 2 बोकारो संख्या 2, धनकाद,

षाटसिया, एव०ई०मी० रावी स॰ 2, मेंग्रहाटुवरू झरोदा बता लारेस रोड, फरीदाबाद सन्त्रा 2, गुरुवाद, पिजीर, पालमपुर, योल छावनी, भवनूर विदार, बुदेमुख, सम्बरा, योबीन मण 2. वैरागढ, विलासपुर, देवाम, ग्वालियर स॰ 2, जबलपूर स॰ 2, मह, मरानी, सिगीनी, बाबरें, हैरी बैली खुने राड, धमृतमर छावनी, परीदशाट द्याती, गुरदानपुर छाइती, जनधर छावनी म० 2, परियाना, फ्नेहनगर जायपुर, जवार खार्ने (उदयपुर),गगनार, घष्ट्यनहरू, गारेनुडी, स्टानसद, इलाहाबाद नई छावनी बार्गे गाव, बगनीर, दरीवा खानें, जम्मू छावनी स० 2, हरिद्वार, ग्रहमापुर (सानपुर), मयरा छावनी स॰ 2 मगत्मगय, तलबाहुत, क्लरता क्वपरैत,

(व) नए बेन्द्रीय विद्यालय (वेन्द्रल स्वीत वेन्द्रतीय वेत्रावालय (वेन्द्रल स्वीत वेन्द्रतालय केन्द्रता विद्यालय सायव्य प्रतिवार्ष छदनेन्द्रीय विद्यालय (नेन्द्रद न्ह्रून) स्वीत सनना है——रा रखा प्रतिष्ठाना में सीर सारा सर्वेतिक स्वाता थे। 1973—74 वे छट्ट सर्व की प्रवधि के तिए रखा प्रनिष्ठाना में प्रति वर्ष छहु प्रतिदिक्त केन्द्रीय विद्यालय (वेन्द्रल स्टून) सर्वित जाने वा एक विजेव कीट्रा भी स्वीतुत निम्म गया है।

Ro 21

1978-79 में दौरान खोले जाने बाले गए स्कूरा ने स्थान निर्धारण के मंत्रध में भगी तम काई भ्रत्निम निर्णय नहीं लिया गया है। Fodder Scarcity in Rajasthan

6372, SHRI S S SOMANI Will the Minister of AGRICULTURE AND IR-RIGATION be pleased to state

(a) whether any steps have been taken by the Central Government to meet the situation created by the acute scarcily of fodder, particularly in the State of Rajasthan, and

(b) if so, what are the details thereot?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA) and (b) In spite of scarcity tions in 19 districts in Rajasthan, fodder availability is reported to be sati-factory in all the districts except in Jhumhunu District where the Government has already authorised the Collector to procure 50 000 quintals of fodder and make available at subsidised rates for the cattle m the scarcity areas of the district. No reference has been made by the Government of Rajasthan to the Government of India for assistance in connection with fodder supply

There was no specific request from any of the State Governments to meet the situation created by fodder ccarcity during the current year

Allotment of paper for production of Cheap Janata Books and Note Books

6973 SHRI R. MALLANNA. WIR the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE, AND CULTURE be pleased to state

(a) the terms and conditions laid down by the Government for rilotment of paper for production of cheap Janata Books and note books for use of students.

(b) the quantity of paper allotted to Delhi for the purpose during the year 1976 and 1977.

(c) whether it is also a fact that still the books and note books are not easily available; and

(d) if so, the steps Government has taken in this regard? THE MINISTER OF EDUCATION.

SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER); (a) 1.20 lakh tonnes of white printing paper per annum at a concessional rate of Rs. 2750 per tonne has been earmarked for the educational sector and this paper is allotted to the States and Union Territories who distribute the allotted pener among various consumers like Text-books Boards. Exercise Books Manufacturers, Private Publishers etc. keeping in view the guidelines issued by the Government of India from time to time. These guidelines inter-slig lay down that (a) the concessional rate of paper be reflected in fixing the price of books, (b) the exercise-books will be manufactured in accordance with the standardised pattern and revised rate structure of exercise-books as approved by the Government of India, (c) the allotment of paper will be made only to the bonafide exercisebooks manufacturers who have the required machinery/equipment and are registered with the State Department of Industry as a small scale Industry, (d) each book/exercise book will bear the superscription "Paper used in the Production of this book/ exercise book has been made available by the Government of India at concessional rate" (e) the price of hook/exercise book will be indicated clearly on cover of book/exercise book.

- (b) Delhi has been allotted 2001 tonnes for 1976-77 and 6800 tonnes for 1977-78 for text books and exercise books.
- (c) and (d). No shortage of text hooks and exercise books has been reported to the Government although complaints about delays in supply of paper by some mills have come to the notice of the Government.

Paper Mills have been advised to make supplies of concessional paper expeditiously.

Rice Production Programme of Indian rice development Council

6974, SHRI R. V. SWAMINATHAN: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased state:

(a) whether it is a fact that rice production programme and future strategy for boosting its production was reviewed at a meeting of the indian Rice Develomenpt Council in March, 1978;

- (b) if so, the decisions arrived at;
- (c) details of the programme sorted out for rice production during the current rear?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). In order to increase rice production in the country, it was decided that particular stress should be laid on the use of simple and improved implements for line sowing of paddy in direct seeded areas; adoption of improved package of practices by majority of the farmers: timely release of canal water supply: popularisation of bio-sources of nitrogen like 'Azolla'; control of pests and diseases in endemic areas; control of weeds; and land reforms.

Besides increasing the coverage of area under suitable high yielding varieties of rice; increasing the irrigated area; and adequate and timely supply of inputs, it was agreed to continue the on-going programmes the Central Sector viz. Minikit Demonstrations of Rice; raising of Community Nurseries; training of extension workers and farmers including the farm labourers; popularisation of

improved agricultural implements and information support through mass communicatom media including radio V T back

#### Difficulties being experienced by Cane Growers

- 6975 SHRI MANCHAR LAL WILL the Munister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state
- (a) whether Government is aware of the various difficulties experienced by sugar-cane growers in selling the cane to sugar mills, as it takes two or three days in taking the delivery by the mills after the goods reach gates of the mills, delay in receiving payments etc. from the mills, and
- (b) if so, the remedial measures proposed to be taken so that there is no difficulty to came growers disposing of the cane?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) and (b) Super Mills generally have a system of informing the cane societies regarding the requirements of cane at various burchase centres and cane societies attende for supply accordmely Where the factory directly deals with the can growers, the cane staff of the factory distribute "Parchis" to the came growers indicating the date and the quantity of came re quired either at the purchase Centre or the factory gate If cane growers cooperate with this system and do not bring cone in excess of the quantities mentioned in the 'Parchis nor do they bring come out of turn, there should be no problem. It is m the mterest of the factory that the cane is crushed as soon as possible after harvesting/arrival at factory gate Duder Law, payment must be made to cone growers within 14 days of delivery Hence a delay upto 14 days is

not objectionable Efforts are made to that came dues are paid within this period but due to operational and other practical difficulties a delay may sometimes occur The situation is assessed at the end of the working season and remedial measures taken. To ensure that all the available came in the factors area is crushed in the current season or before the on-set of the monsoon a rebate in excise duty for cruthing beyond 30-4-1978 is likeir to be announced shortly

Written Answers

#### Summer Shope Programme

- (a) whether Union Agriculture Commissioner has written to the States to intensify summer moung programme,
- (a) whether Union Agriculture Commissioner has written to the States to intensity summer moone proeramms.
- (b) if so, what is the response of the States.
- (c) whether any increase in pulses output has been achieved during 1977-78, and

#### (d) if so, details thereof?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA) (a) Yes Sir

(b) The response of the States is favourable The area proposed to be cultivated under summer moong in different States in given below -

| tates      |       |   |  |  |   |  | Area targetted to be cultivated<br>(in lakh hectares) |
|------------|-------|---|--|--|---|--|---|
| Bihar      |       |   |  |  | - |  | 2.00  |
| Gujarat    |       |   |  |  |   |  | 0.48  |
| Madhya P   | rades | h |  |  |   |  | 0.02  |
| Maharasht  | ra    |   |  |  |   |  | 0*25  |
| Rajsthan   |       |   |  |  |   |  | 0.50  |
| Uttar Prac | lesh  |   |  |  |   |  | 3.00  |
| Tamil Na   | lu    |   |  |  |   |  | 5,40  |
| West Beng  | al    |   |  |  |   |  | 0.25  |

(c) and (d). The estimates of pulses output during 1977-78 are likely to become available after the close the agricultural year i.e., sometime in July-August, 1978. Therefore, it not possible to give details of increase in pulses output during 1977-78 this stage. However, the pulses production is likely to show an increase over that in 1976-77.

राजस्थान में भारतीय खाद्य नियम के गोटाम

6977. श्री जगदीश असाद मायर :

चया कृषि और सिबाई मंत्री यह वताने की कपा करेंगे कि:

- (क) इस समय राजस्थान राज्य में भारतीय खाद्य निगम के कितने गोदाम हैं :
- (ख) इस समय राजस्थान राज्य में भारतीय कर्म निगम के पास कादाल का कव कितना अंशर है और इसमें से कितना खादान्न गोदानों में है तथा कितना खले में पढ़ा हुआ है;
- (ग) क्या पाजस्थान पाज्य से ऐसे समाचार प्राप्त हुए हैं कि वहां पर गोदामों के अन्य में बाद्यान नव्द हो जाता है ; भौर

(घ) वर्ष 1977-78 के दौरान राजस्यान राज्य में कितने गोदाम निर्मित किये गये भीर वर्ष 1978-79 में कितने गोदाम निर्मित करने का प्रस्ताव है ?

कृषि और सिंचाई मंत्राल में राज्य मंत्री (श्री मान् प्रताप सिंह): (क) राज्य में भारतीय खाद्य निगम के 33 अपने और 112 किरावे के गोदाम हैं।

- (ख) 31-3-1978 को भारतीय खाद्य निगम के पास कुल 14, 11 लाख मीटरी टन का स्टाक था, जिसमें से ८. 11 लाख मीटरी टन बोदामों में या धीर 6, 00 मीटरी इन इतर और प्लिंब (कैप) में रखा था।
- (ग) भारतीय खाद्य निगम को खाद्यात्रों की सति के वारे में कोई ऐसी रिपोर्ट प्राप्त महीं हुई है ।
- (घ) 1977-78के दौरान, भारतीय खाद्य निगम ने वर्तमान गोटाम कम्पलेक्सों में 8वनिटों का निर्माण किया था और भारतीय खाद्य निगम के लिए प्राइवेट पार्टियों ने भारतीबद विधानेन वाधार पर ३४ गंदामी का निर्मात किया था।

1978-79 के दोरान, भारताय खाड निनम न 1 12 मृतिदा का निर्माण नरत, भारतीय खाड निनम न निन प्राइतेट पादिया द्वारा गास्टीमट खाँटमाम के भाषाद पर 15 मारामा का निर्माण करने प्रीर भारतीय खाड निनम क निर्माण करने प्रीर भारतीय द्वारा गादामा ना निमाण करने ना प्रस्ताव हीरा गादामा ना निमाण करने ना प्रस्ताव

#### Medium of Instruction in Regional Engineering Colleges

- 6978 SHRI HITENDRA DESAI Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state
- (a) what is the medium of instruction in Regional Engineering Colleges and in other Engineering Colleges of each of the States and Union Territories of India and
- (b) what is the policy of Govern ment in the matter of medium of in struction in Engineering colleges\*
- THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE DIP PRATAP CHANDRA CHUNDER) (a) Medium of instruction in all Engineering Colleges/including Regional Engineering Colleges is English.
- (b) The policy of the Central Government is to introduce regional languages, as media of instruction progressively, at all levels thowever, before switching over to the new media it is considered desirable to make adequate preparation by way of text books and other instructional material. The question of mobility of technical personnel and the availability of good employment etc. have also to taken into account.

#### Cost benefit ratio in Drought Prone Area

6979 SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether there is any proposal before the Government to give special relaxation in cost benefit ratio in the Drought Prone Area for the construction of irrigation project,
  - (b) if so the broad outlines, and
  - (c) if not what are the reasons?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRII SURJIT SINGH BARNALA) (a) and (b) Normally, major and medium trigation projects are approved with benefit cost ratio of 15 1 or more. In the drought prone areas projects with ratio between 15 1 and 1 1 are also approved.

(c) boes not arise

मगर प्रायोजन तथा यास्तुकला स्कूल, दिल्ली

६५३० भी नायू सिंह : स्या शिक्षा, समाज कत्याण और सस्कृति भवी पह बनाने की कपा करमें कि

- (क) नगर धायाजन तथा धास्तुतका स्कूल दिल्नो में प्रवेश सम्बंधी नियम वया इ.
  - (व) क्या यह सच है कि इस स्कूल में केवल ऊने घराने और उच्चे प्रधिकारिया के लडका और लडिक्यों का ही प्रवेश मिलता है. सीर
- (ग) गत पाच वर्षों के दौरान ऐसे कितने प्रतिचत छात्रों को प्रवेश दिया गया है जिनके पिता की मास्कि प्राय 1000 रुपए से वस है 7

रिक्षा, समाज कत्याण तथा सस्कृति मन्नी (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) - (क्) आयोजन तथा बास्तुकता स्कृत नई दिरती के विभिन्न पार्व्यत्रमा प्रवेश के नियम दर्शान वासा

विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। बिन्याना में रखा गया । देखिए संख्या एल० टी॰ 2112/78]

117

- (ख) स्कूल के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेख केवल योग्यता के आधार पर किया जाता है तथा ग्रभ्यथियों के साता-पिता की ग्राय. धयन के लिये कोई मापदण्ड नहीं है ।
- (ग) प्रवेश पत्नों में शाजा-पिता की आय के सम्बन्ध में भूचना देना नियारित नही है, भतः इस सम्बन्ध में सांच्यिम आंवडे उपलब्द नहीं हैं।

Libraries Functioning in the Ministry

- 6981, SHRI RAM NARESH KUSH-WAHA: Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:
- (a) the number of libraries functioning in various departments, offices and Commissions under his Ministry;
- (b) the details of the selection Committees appointed for the purchase of books in these libraries and the subject.wise details of the Hindi and English books purchased by those selection Committees during the last year;
- (c) whether Hindi books and persodicals are not purchased in adequate number and indifference is being shown to Hindi in these libraries; and
- (d) the steps being taken to stop this indifference towards the provisions of the Official Languages Act and to associate the Hindi Officers with the said selection Committees?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d). The information is being collected and will be placed on the table of the House.

Category of Posts of S.C./S.T. in Ministry and its Undertakings

118

6982. SHRI R. N. RAKESH: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased fo state:

(a) total number of posts in the Ministry and its attached and subordinate offices and the public undertakings filled in each category of posts with specific shares of S.C. and ST. in such employment and also the number of posts de reserved in each category during the entire period of Janata regime and reasons thereof; and

(b) total number of departmental promotions/upgradation of posts in each category of posts and how many posts went to Scheduled Castes and Scheduled Tribes?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the table of the Lok Sabha.

#### Preservation and Protection of Heritage of India

6983, PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have any strategy and plan for the overall and proper preservation and protection of the Heritage of India;

- (b) if so, broad details thereof;
- (c) concrete steps taken in this regard in the years 1976 and 1977; and
- (d) the total cost thereof and the percentage of the said cost to the total budget and expenses of the Education Ministry for the said two years?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE OR PRATAP CHANDRA CHUN- Written Answers

ments for repairs and development. (c) Apart from annual maintenance and upkecp, special repairs were undertaken at 614 monuments (in 1976) and 683 monuments (in 1977).

lopment of monuments were also taken

up to cover a large number of monu-

(d) The total expenditure incurred on the annual maintenance and special repairs in 1976-77 is Rs 2,21,99,576 against a total budget allotment of Rs 6,05,09,000 for the entire Archaeological Survey of India thus showing a percentage of 36 69 The budget allotment for the Archaeological Survey for the year 1977-73 was Rs 679 99 000 out of which an allotment of Rs 2,12,33,000 was made avatiable for annual maintenance and upkeep of monuments and for their special repairs, thus showing a percentage of 31.23

Sanction for Cattle, Poultry and Pizgery Unit in Orlssa

- 6984 SHRT GANANATH DHAN Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state
- (a) whether the Government had sanctioned any special grant to the State of Orissa to up-grade the load cattle, poultry and piggery units run through the State Government,

- Written Auswers (b) if so, the total amount sanctioned by the Centre therefor; and
- (c) is there any proposal to organise a Central Cattle fair by the Extension Directorate for the year 1978-79 in Orissa\*

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b) The Central Government has sanctioned no special grant to the Orissa State for up-grading the poultry and Piggery units run by the State Government, However, the Central Governments has sanctioned a grant to the Orissa State for astablishment of Exotic Cattle Breeding Farm at Chiplima, district Samhalpur The objective of of the farm to to produce high quality exolic bulls for cross breeding/grading up local eattle in the area. Total amount sanctioned for this project is Rs. 32 lakhs (Rs. 29 lakh as Grant-in-Aid and Rs 3 lakb as loan).

(c) No. Sir; no central cattle fair is proposed to be organised in Orissa State during 1978-79 by the Extension Directorate of Ministry of Agriculture and Irrigation.

Division of Leased Plots by the Lesees themselves in Bhogal, Jangpura, Delhi

- 6985 CHOUDHURY BALBIR SINGH. Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state
- (a) when the plots were leased out at Jangpura-Bhogal and the area of plots:
- (b) whether the construction maps etc are sanctioned by the Municipal Corporation Delhi and not by DDA there.
- (c) the number of cases where the division/partition has been allowed by DDA in that area and the cases where courts division orders have been complied with by DDA,

122:

- (d) in how many pints division has been allowed in the Municipal records:
- (e) whether atleast 50 per cent plots have been divided by the owners themselves:
- (f) whether DDA has any objection to it, if so, action taken against those;
- (g) how many division/partition cases are pending in the Courts of Law against DDA when 50 per cent plots already stand partitioned?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT); (a) The plots were leased out in the year 1922-23. The areas of the plots range from 108 to 422 sq. yards, according to the D.D.A.

- (b) Yes, Sir.
- (c) 30 ceses.
- (d) The division has been effected in 105 plots in records of the Assessment and Collection Department of the Municipal Corporation of Delhi for property tax purposes.
- (e) No survey of such plots has been conducted. However it is a fact that a number of lessers have divided their plots.
  - (f) Such Sub-divisions are not recognized in the revenue records maintained by the Authority except in cases of sales made by the Custodian.
  - (g) The DDA has reported that no such case is pending in the court of law

#### Setting up of University in Tripura

- 6986, SHRI SOMNATH CHATTER-JEE: Will the Minister of EDUCA-TION, SOCIAL WELFARE AND CUL-TURE he pleased to state:
  - have re-(a) Whether Government ceived any proposal from the Government of Tripura regarding setting up

- of a University in the same State;
- (b) if so, the reaction of the Gov. ernment thereto?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE. (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a). No, Sir.

(b). Does not arise.

Provision of Basic Amenifies by D.D.A. in Peetampura, Delhi

6987. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHA-BILITATION be pleased to state:

- (a) whether the possession of undeveloped plots was handed over tothe allottees in the new colony of Peetampura by D.D.A. in May, 1976 as the full cost of the land was already recovered from the allottees in January/February, 1976;
- (b) whether D.D.A. is charging ground rent from the date of handing over possession of undeveloped plots from the allottees:
- (c) will the D.D.A. consider charging ground rent from the date plots are fully developed i.e. basic civic amonities like water, sewerage, electricity, reads, parks etc. are provided if not, reasons therefor;
- (d) the specific date by which theabove civic amenities will be provided in that colony; and
- (e) will the D.D.A. pay interest on bank rate on the amount paid by the allottees for undeveloped plots from the date of making payment to the date when the development in the colomy is completed; if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHA-BILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a). Full payment was not

recovered from the allottees in Jan uary/February 1976 However plots were handed over without full develop-

- (b) Yes Sir
- (c) No Sir The Delhi Develop ment Authority has not agreed to do
- (d) No specifie date can be given-The work to provide necessary ameni ties is however being expedited
- (e) No Sir The Delhi Develop ment Authority has not agreed to do

### National Housing Policy

6088 SHRI R. A RAJAN Will the Mini ter of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA TION be pleased to state

- (a) whether a proposal for evolv ure a National Housing Policy is under Gove nments consideration for a long time and
- (b) if so the details thereof and what steps are being taken in this re gard?

THE MINISTER OF WORLS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHA BILITAION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (s) and (b) A preposal for the se ting up of National Housing Commission for evolving a National Housing Policy was considered in the Ministry It has been decided not to pursue the proposal

The main highlights of the proposed future programme in the feld of hous ing are -

(i) Adoption of a housing pro gramme aimed at cleaning the back log and meeting the additional demand due to population growth ard replacement of unusable houses over a period of 20 years.

(ii) Restricting utilisation of publie funds for low income households so that larger number of dwelling units are constructed with the resources allocated to this sector

Written Answers

- (ili) Provision of incentives to the private rector for taking up housing on a larg scale
- Dr Botlaugs views on Floor Prices for Agricultural Products
- 6989 SHRI P K KODIYAN WILL the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state
- (a) whether Dr Narman Borlaug Nobel laureate and noted agriculturist had been here on a two-month long tour

(b) if so whether it is a fact that he has pleaded for floor prices for all major agricultural products and

(e) if so the details and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF AGRICUL TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) DR Norman Borlaug came to India in the third week of February 1978 to attend the Fifth International Wheat Gene tics Symposium He spent about one mouth in India visiting some of the Agricultural Universities and Research Institutes

(b) Dr Borlaug in his inaugural address delivered at the Fifth Interna tional Wheat Genetics Symposium pleaded inter the for reasonable prices to farmers as a measure for increasing agricultural production

(c) Assurance of remunerative prices to the farmers is a major objective of the Government's price policy for agricultural commodities Prices for Agricultural products are normally fixed by the Government on the basis of the recommendations of the Agri cultural Price Commission who while fixing the procurement/support price

keep in view the need to provide incentive to the producer for adopting improved technology and far maximising production. Government also takes into account the views of the State Governments before fixing prices of different commodities.

#### Underground Shopping Complex in Connaught Place

6990, SHRI MADHAVRAO DIA; Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to :state:

(a) whether underground Shopping Complex in Cannaught Place, under N.D.M.C. control. ìs complete and ready for allotment:

- (b) if so, whether it is also a fact that shopkeopers of Janpath and Panchkuin Road are likely to be shifted there:
- (c) if so, whether the rent fixed for underground complex is so high that the shopkeepers of Janpath and Panchkuin Road are reluctant to shift there: and
- (d) if so, Government's reaction in this regard and what steps are proposed for alloiment of these shops to persons other than the shopkeepers at Janpath and Panchkuin Road?

THE MINISTEHR OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes, Sir, except stalls being constructed for vendors and Tibetans.

- (b) to (d). The latest policy of the Government is that those shopkeeners (from out of the undermentioned categories) who wish to leave their present shops and desire to obtain shops in the Connaught Place underground shopping centre, may be allowed to eome,
  - Punchkuin Road-98 (all those who falls within the N.D.M.C. area).
    - (ii) Januath Stalls-71 Nos.

- (iii) Tibetan Stalls-24 Nos.
- (iv) Connaught Circus (Yusufzai Market)-117 Nos.

Others who do not wish to take these shops may not be forced to come; the remaining shops be let out on tender. The rent has been calculated on "No profit no loss basis" taking into account the capital investment and the maintenance cost.

#### कृषि सेदा केन्द्र

6991. थी मोती भाई ग्रार॰ चौघरी : क्या कृषि और सिवाई मंत्री यह बताने की क्रपाकरेंगे कि:

- (क) कृपि सेवा केन्द्र किस-किस स्थानों पर स्वापित किये गये हैं और इस वारे में क्या नियम है:
- (ख) क्या किसी छटे हथ केन्द्र को, याँद अन्य शर्ते समान हैं, तो मांग किये जाने पर घोळ्या ये आसिल क्रिया जायेगा ।
- (ब) क्या पंजाब में ऐसे 247 केन्द्र हैं। जब कि गजरात में उनकी संख्या केवल 100 है और यदि हां, दो इसका क्या कारण है श्रीर क्या पंजाब कृषि, उद्योगों के मामले में गुजरात से आये है, परन्त श्रीद्योगिक बस्तियों में गजरात से पीछे है: और
- (घ) यदि हां, तो केन्द्रों की संख्या में अन्तर होते के क्या कारण हैं और ऐसे केन्द्रों को खोलने के लिए क्या नीति वयनाई गई à?

कृषि और सिवाई मंत्री (श्री सुरजीत सिह बरनाला):(क) से (घ). भारत सरकार ने वेरोजगार जवमियों द्वारा कृषि सेवा-केन्द्रों की स्थापना करने के सम्बन्ध में उन्हें सहायता देने की योजना दिसम्बर, 1972 में शुरू की ची । इस योजना के अन्तर्गत इंजीनियरी

स्नातका, डिप्लोमा धारिया, कृषि स्नातको सवा कुछ श्रणी के भृतपूर्व सैनिका को वित्तीय य ग्रन्य सहायता मिल सकती है निर्धारित पद्धति के मनुसार, राज्य कृषि उद्योग जिनमे पाल उम्मीदवारों से मावेदन पत्र सामितन करन योग्य व्यक्तिया का चयन करती है तया उन्हें प्रशिक्षण देती है और बैक से रकम प्रा**प्त** करने में उनकी सहायता वरती है। इस योजना के ग्रातगैत दिसी भी पान उद्यमी के लिए उसकी ग्रावश्ययकता तथा ग्रायिक क्षमता के ग्रनगर विभी भास्थान पर कृषि सेवा वेन्द्र स्यापित करने के लिए कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

ग्रभी तक्षिजाब ग्रीर गुजरात में कमश 264 तथा 102 ऐमे केंद्र स्थापित किये गये हैं। विन्तु इस याजना के घन्तर्गत विसी राज्य म स्यापित हाने वाले चेन्द्रा की मध्या के बारे मे कोई प्रतिबन्ध नहीं है । स्थापित हाते वाले कुल केन्द्रा की सदया अन्तत पात्र जम्मोदवारः की संख्या जनकी उद्यम सम्बंधी क्रालता, चनके धलग-धलग स्वली पर सक्षम ब्यापार की सुविधाया तथा मधीनों के प्रयोग और इपि भ्रादाना की भावस्पनताओं के विशेष सदमं मे कवि विकास की स्थिति पर निमंद करती है कृषि उद्योग के द्वा. कृषि उद्योगों तथा भौग्रोगिक तन्नो की सख्या के भागार पर काई भी प्रन्तर्राज्यीय तुलना मान्य नहीं होगी ।

न्या याजना के लाम ऐसे केन्द्र की भी प्राप्त हो सकते हैं, जो योजना के बन्तर्गत नहीं भाता ? यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या यह याजना की शतों को परा करता है।

#### Food for Work Programme for Road Development

6992 SHRI YADVENDRA Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whither the programme of 'food for work' which was for one

year only has been extended for oneyear and

(b) will the Government earmark this programme for Road Development so as to join all the villages to the main Roads in the Districts?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) Yes Sir

(b) It is not proposed to earmark the scheme only for Road development In addition to road construction programmes any kind of developmental work resulting in the creation of durable assetts are eligible for considera tion under the scheme

Government Employees Allotted Government guarters out of turn/On retirement of their parents

6993 SHRI MOHAN LAL Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state

(a) the total number of employees who were allotted Government Quarters out of turn in Delhi during the last 5 calender years due to retirement of their parents from Government service, and

(b) the total number of applications pending for such allotment as on 1st January, 1978?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHAT) (a) 1142

(b) 100

# दिल्लो विकास प्राधिकरण के फ्लंटों की बढ़ी हुई कीमत

6994. श्री गया भगत सिंह ' क्या निर्माण और भावाम तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार मे एक जॉन दल निवृक्त किया है जो यत दस वर्षों में निमांग-नागत में हुई दुन्ती वृद्धि के अधीनत्य के वारे में निष्यक्ष जॉन करेंगा और यदि हां तो तत्तास्वाधी स्थोत क्या है ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वात मंत्री (श्री सिन्दर बक्त) : सरकार ने काँई जांच दक्त नियुक्त नहीं किया है। तथापि, दिल्ली चिकार प्राक्षितरण ने पलैटों को लागत कम करने की सम्भावना खोजने के लिये एक समिति नियस्त की है।

# Committee on Master Plan, Delhi

6995. SHRI 'AGHAN SINGH THA-KUR: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

- (a) whether the representatives of his Ministry and DDA have decided to set up a high level committee to discuss the policy frame of the next master plan for the development of Deihi: and
- (b) if so, whether ' the Committee has been set up and if so, the members of the Committee and if not, the time by which the Committee would be set up?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKKIT): (a) No such high level committee has been set up. The Delhi Development Authority is to prepare the Master Plan.

(b) Does not arise.

#### Libraries in Rural Areas

6996. SHRI MANORANJAN BHAK-TA: Will the Minister of EDUCA- TION, SOCIAL WELFARE AND be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that there are no library facilities in the rural areas at present;
- (b) whether Government propose to establish a net work of mobile and stationary libraries in the rural areas to cater to the masses there; and

#### (c) if so, details thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) to (c). Under the Constitution, the subject "Libraries", to the exclusion of central libraries or libraries declared by the Parliament to be of national importance, is a State subject. However, with the voluntary co-operated of the State Governments, steps have been taken for the co-ordinated development of libraries in rural as well as urban areas. These form part of the Central and State Five Year Plans. Apart from maintaining and developing the libraries of national importance, the Central Government is giving financial assistance to libraries in various parts of the country. In addition, the Raja Ram Mohan Roy Library Foundation, an autonomous organisation of the Government of India supplies books and reading material to them and helps State Governments in introducing mobile library services as an extension to different district, central and areas libraries established already.

Pitampura and Shalimar Bagh Residential Schemes, Delhi

6997, CHAUDHURY BRAHM PER-KASH: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) when the plots of land were sold to the low and middle income group people in Pitampura and Shall mar Ragh Residential Schemes Delhi

- (n) the rates at which plots of different sizes were sold there
- (c) whether the postession of plots has since been handed over to the allottees and the lease has been regus tered if so when and

(d) whether all the necessary facilities like water, sewerage electricity. street lighting parks etc have been provided there so that the allottees of land could start construction of their residential houses it so when and if not when these basic facilities are likely to be provided there?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SIIR! SIKANDAR BAKHT) (a) Between December 75 to January "6 and on 22nd March 1976

(b) The rates are as under -

Plots Rates 36 sq mtrs Rs 72/- per sq mir 70 sq mtrs Rs 84/- per sq mtr

84 sq mtrs Rs 96/- per sq mtr 126 sq mtrs Rs 120/- per sq mtr 167 sq mtrs Rs 150/ per sq mtr

(c) 3200 plots in Shalimar Bagh Residential Scheme and 1980 plots in Priampora Residential Scheme were allotted Except in 60 cases in Shalimar Bagh and 55 cases in Priampura possession has been handed over in all cases Lease deeds in respect of 2925 plots in Shalimar Hagh and 1800 plots in Pitampura were registered during the period December 76 to February 78

(d) A statement showing the stage of development in Shalimar Bagh and Pitampura Residential Schemes is enclosed.

132

#### Statement

Position of Development Works of Shalimar Baah

I Roads Phase I treatment of road has been completed in Block A and B except roads in Pocket H. F J. K N and S (Paschimi), J and N (Poorvi) in Block B The works in these pockets could not be taken up along with other pockets as originally these pockets were carmarked for group housing but later on converted into plotted development. However road work in all these pockets have been awarded recently and will be completed by Jure 1978 subject to availability of funds The phase-Il work is to be taken up only after 50 per cent of the plots are built upon.

2 Water Supply The work of lay ing water supply lines in Block A and B is complete except in pockets H F J and K (Paschiml) and J H (Poorvi) These pockets were originally earmarked for group housing but later on converted into plotted development The work of laying water supply in pockets H F J K has been awarded recently while the tenders for pocket H (Poorvi) J (Paschims) are being called The work is likely to be completed by June 1978 The water from MCD may not be available for quite sometime as such two tube wells have been installed in Block A and 4 tube wells in Block B to meet the immediate requirement of allottees. The water from these tube wells will be acaifable in about two months time for Shahmar Bagh area MCD laid the water mains upto DDA underground tank The water supply scheme has since been approved by the MCD DDA has also constructed underground as well as overhead tank and connection will be made with the inunicipal mains as and when MCD will complete the water mains

- 3. Sewer Work: The work of internal sewer in Block A is complete except two connection with the deeper sewer line. In Block B, the work is complete except in pockets H, F, A, J, E and C (Paschimi). These pockets also were originally meant for group housing and converted into plotted development. The tenders for the nockets have been received and are under scrutiny. The work is likely to be completed in about six months. The work of deeper sewerlines is also in progress and this also will be completed in about 6 to 9 months time. Final disposal of this area will be done in Rithala treatment plant. This work is to be done by MCD, DDA has made own arrangements for disposal of sewerage by constructing sumpwell pump house and exidation pend.
- 4. Electricity: This work is to be done by DESU, Necessary funds · have been deposited with them and the work has been commenced re-cently. DESU has assured to complete this work within 6 months.
  - 5, Parks: Those have already been developed in Block A and further grassing and plantation is being done my Horticulture Department DDA. As regards the parks in Block B, the grill fencing has been done in three parks and further work could not be taken up in view of the conversion of some group housing pockets in plotted development. However, these would be completed in about 12 months when some houses will come up in the area.
- Position of Development Works in · Pitommura Residential Scheme
- 1. Parks: These have been demarcated and provided with grill fencing in all the pockets except in pocket B Dakshini and 'S' Uttari. Tenders for pocket B (Dakshni) have been received and are under scrutiny. Ten-

- ders for 'S' Uttari are being invited. The expected date of completion is June 1978.
- 2. Roads: The road work has been completed upto phase I except in pockets K and T where only mealling has been completed. The phase-II work is to be taken only after 50 per cent of the plots are built upon.
- 3. Water Supply: 80 per cent of water supply lines have been completed. In pockets D.H.K. (Poorvi). UT (Uttari and C D (Dakshni) which were originally carmarked for group housing and later converted into plotted area, the work is at varying stages of design, estimating, tendering and allotment, and is expected to be completed by September, 1978.

MCD supply is not yet available in this area. Interim arrangements will be made through tube wells, some of which have already been installed. An O. N. tank is also to be constructed.

4. Severage: 70 per cent work on the main scheme has been completed except for pockets originally earmarked for group housing but later converted into plotted area where the work is at various stages of designing. estimating tendering and allotment, The severage work is expected to be completed by June 1979,

The final disposal of sewer from this area is to be done through Rithala treatment plant which is yet to be taken up by MCD. For interim disposal of sewerage sumpwell and exidation ponds etc. have been proposed for which designs are being finalised.

5. Street Lighting: This work has to be executed by the DESU, Necessary funds have been deposited with them. DESU has assured to complete this work within one year.

# USSR Experts for Adult Literacy

6998 SHRI SARAT KAR Will the Mirister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether the USSR bas offered India its entire expertise' to help it root out adult illiteracy and to send USSR Experts to India for training Indians for the purpose and
- (b) if so the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) and (b) During the course of discussion held with the Minister for Higher and Specialised Secondary Education, USSR on his recent visit to India it was reter cha mentioned that India was proposing to launch adult education programme in a big way The Russian Minister expressed his willingness to share their experience with India in this field, which the Government welcomed

#### News Item entitled "Racker afleged in FC.1 Wheat Despatches"

RAM GOPAL 6999 SHRI M REDDY Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether Governments attention has been drawn to the news item published in Financial Express dated 3rd January, 1978 under Backet alleged in FCI Wheat despatches, and
- (b) if so the persons who are in volved in the racket?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) Yes Sir

(b) Consequent upon the staff of the Food Corporation of India in

Delhi Depots resorting to 'work to rule' and causing dislocation by going slow in the supply of wheat to the fair price shops and the roller flour mills in Delhl, movement of wheat was undertaken by the FCI, by road after inviting tenders and entering into a contract in accordance with the prescribed procedure with the Transport Union whose rates were the lovest. These rates varied between Rs 290 and Rs 340 per quintal, depending on the place of delivery in Delhi Since awarding of the contract took about 8 days' time the roller flour mills in Delhi, during this intervening period, were persnaded to make their own arrangements with the local Transport Union for lifting wheat from adjoining States to maintain the supply of wheat products in Delhi subject to the condition that the additional road freight mourred would be reimbursed to them The bills received by the FCI are under examination. The actual reimbursement by the FCI is not likely to exceed the rates payable to the Truck Unions directly In the aforesaid circumstances the allegation that there was a racket in FCI Wheat despatches was not based on facts

# Enhancement of Housing Loans Limit

7600 DR BAPU KALDATE the Minster of WORKS AND HOUS-ING AND SUPPLY AND REHABI-LITATION be pleased to state

- (a) whether Government have recerved any representation from the Covernment employees, Semi-Government employees Teachers of the aided schools requesting to increase the limit of housing loans to middle income groups from Rs. 10 000 to Rs 50 000 and
- (b) if so, whether Government have taken any decision in this regard?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE- loan to Rs. 50,000.

(b) It has been decided not to increase the limit of housing loan under the Middle Income Group Housing Scheme. The Government intend to ensure utilisation of public tunds in such a way that larger number of dwelling units are constructed for lower income households with resources allocated to this sector.

#### Consultancy Service of F.C.I.

7001. SHRI MOHINDER SINGH SAYIANIWALA: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGA-TION be pleased to state:

- (a) whether the newly-started consultancy service of Food Corporation of India in food storage and process, ing bas found encouraging response at home and as well as from abroad;
- (b) if so, the names of the countries showing interest in our consultancy;
- (c) whether to cope up with increasing responsibility the FCI intends to train a large number of its employees to suit the requirements; and
- (d) if so, steps being taken in this direction to make this service interalia employment intensive also?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). The Consultancy Service is confined with in India and has received encouraging response.

(c) Assignments so far received do not warrant training on a large scale. (d) Does not arise.

सामाजिक, सांस्कृतिक तथा जातीय भेदभाव समाप्त करने के लिए शिक्षा प्रणाली में सवार

138

7002. श्री हुकम देव नारायण यादव : बवा शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की ज्या करेंगे कि :

- (क) क्या सामाजिक, सांस्कृतिक तथा जातीव भेदभाव को दूर करने के लिए सरकार विका प्रवाली में सुपार अपने की योजना पर विद्यार कर रही है: और
- (ख) यदि हां, तो उपर्युक्त योजना के ग्रन्तर्गत क्या कार्य करने का विचार है ?

शिक्षा, समाज कत्याण तथा संदक्षति मंत्री (दाठ प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) और (ख), ऐसी शिक्षा प्रणासी के विकास के उद्देश्य से, जो सामाजिक एवं जातीय मेंदभाव की समाया कर चके, सरकार सम्पूर्ण राष्ट्रीय नीति का पूनरीक्षण कर रही है।

#### Bal-Kunj Institute, Delhi

7003, DR. RAMJI SINGH; Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state;

- (a) whether Government are aware of the activities of the Institution named Bal-Kunj in Delhi;
- (b) if so, whether the said Institution is really doing public service;
- (c) if so, whether Government ever gave any aid to that Institution; and
- (d) if not, whether Government propose to do so now?

Written Answers THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) Yes Sir

- (b) The Institution is engaged in Child Welfare activities like organising Holiday Camps Library and other recreational activities
- (c) No direct Central Government assistance has been given but small grants ranging from Rs 2000/- to 6 000/- per annum were given to this institution by the Delhi State Social Welfare Advisory Board during the year 1974 75 and 1975-76 In addition the Directorate of Social Welfare Delhi Administration has given them a small amount Rs 200 in 1976-77 for celebration of children day grant during the year 1977 78 was given because the working of the Institution was not found satisfactory
- (d) As has been stated above, the Central Government have not given any direct assistance to this organisation The Delhi State Social Welfare Advisory Board have a proposal to give this institution a grant of Rs 5000/- in 1978-79 for holiday camps on a written assurance from the Institution that they will abide by the terms of the grant

Assistance to State for opening Schools in Rural and Backward Areas

7004 SHRI AMARSINH V RAT-Will the Minister of EDU-CATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether the Central Government provide some assistance to the State Governments for opening schools in the rural and backward areas of their respective States.
- (b) if so the assistance given to Guiarat State by the Central Govern ment for the purpose

- (c) the number of high schools and other schools opened in Gujarat during the last 3 years with the assistance given.
- (d) the amount of assistance and contribution given by the State Government for the purpose and the percentage of amount which should be borne by it as per the scheme Guarat State and the Central Government.
- (e) whether grants given to Gujarat State for the purpose have lapsed because of their non utilisation by it
- (f) if so the amount so lapsed and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI) (a) Central Government do not give separate grants and aid to States for the opening of schools in the rural and backward areas. The Central assistance is given as block grants for the State plans as a whole

(b) to (f) Do not arise,

Encroachment on Sites of Monnments of Archaeological Deptts.

7005 SHRI R K MHALGI WILL the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether a number of sites of the monuments of Archaeological Department of Government of India have been encroached upon by various State Governments, if so how many of what nature and for what period and by which States Govern-
- (b) whether the Central Government or the Directorate of Archaeo. logy have brought to the notice the said fact to the respective State Gov ernments and if so when, what is the response to it and

(c) what action Government India propose to take in respect of the said existing encroachments in near future?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER); (a) Yes, Sir. There are 28 cases so far listed of encroachments covering varying periods in respect of sites and monuments by State Governments of Delhi, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Tamil Nadu and Karnataka, They comprise construction, lease or allotment of lands to private parties inside protected limits, occupation of the monuments or parts thereof for schools, offices, etc.

(b) and (c). Invariably the matter has been taken up with the State Governments. Each case of encroachment is being carefully examined and efforts are being made to have the encroachments removed.

गंगानगर में किपानों को मुमावजे का भुगतान व्यक्तिया लामा

7006. श्री वेगरराम चौहान : क्या · निर्माण ग्रीर ग्रावास सेया पूर्ति ग्रीर पुनर्वास मंत्री ग्रंप क्लाने की क्या करेंके कि :

(क) 1971 में भारत-पाक बढ़ के दीरान सरकार के आदेशों के अनुसार संगानगर (राजस्थान) के 10 मील नम्बे सीमावर्ती क्षेत्र में जिन किसानों को वहां से स्थानान्तरित किया गया श्रीर जिनकी फल्लें नप्ट कर बी गई थी उन्हें मुधावजे का भुगतान न किये जाने के क्या कारण है:

(ख) वया इनमें से केवल 50 प्रतिशस किसानों को मधावजा घटा किया गया था और च्या सरकार का विचार शेव 50 प्रतिशत कितानों को भी मुखावजा ग्रदा करने का है; สโร

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और क्या उनकी एक मुची सभा-पटल पर रखी जाएगीः ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पनदीस राज्य मंत्री (श्री राम किंकर) :

- (क) और (छ). कुल 12,431 मामलों में से 11,562 मामलों में पहले ही 1,36,24,650 हाथे की राणि का भगतान मुखावजे के रूप में किया जा चुका है। इन समय लगभग 10,95,640 रुपये के सम्मावले के केवल 869 मामले विचाराधीन है।
- (ग) प्रत्येक तहसील मे कुल मामली - को संख्या को दर्जान वाला विवरण संलग्न है। राजस्थान सरकार उन मामलीं को श्रीम्न निपटाना चाहती है ।

#### विवरग

1971 में भारत-पार युद्ध ने दौरान जिन भारतीय राष्ट्रिको की पमलें नप्ट हो गुई थी उनने मधावने नो ग्रहायणी में सम्बन्ध में ब्रस्यन शहमील, में सम्बन् पड़े मामनी की सध्या ---

| त्रम<br>सध्या | तहमील वा नाप     |   | दी जाने बानी शेष राशि |                    |                |  |  |  |
|---------------|------------------|---|-----------------------|--------------------|----------------|--|--|--|
| 1891          |                  |   | f                     | स्यानों की<br>सहया | राशि           |  |  |  |
| 1             | गगानगर तहमीन     |   |                       | 741                | 10 10,490 হয়  |  |  |  |
| 2.            | ररापुर तहसीत .   |   |                       | 88                 | 59,070 हपये    |  |  |  |
| 3             | रायमिह नगर नहसील |   |                       | 21                 | 11,050 रपवे    |  |  |  |
| 4             | धनुषगढ तहसीम     | • |                       | 19                 | 15,030 ₹₹      |  |  |  |
|               | यो               | ч |                       | 869                | 10,95 640 हपवे |  |  |  |

Consumption Loan to Weaker Sections

7007 SHRI JANARDHANA POOJ-ARY Will the Minster of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that Reserve Bank of India had issued guidelines to the cooperatives to assue consumption loans to the weaker sections,

(b) if so, whether it is also a fact that some States have not implemented these guidelines so far, and

(c) if so, the nartes of such States and reasons therefork

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AURICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) to (c) The Reserve Bank of India has assued guidelines regarding assue of consumption loans to the weaker sections These guidelines have been addressed to the State Governments with copies to the concerned State Cooperative Banks for information and necessary action. The guidelines presuppose that consumption credit will be disbursed through the reorganised primary agricultural credit societies having full time paid secretames/Farmers' Service Societies/ Large-sized Multi-purposes societies organised in tribal areas.

The programme of reorganisation has been more or less completed in the State of Andhra Pradesh, Assam, Haryana, Kerala, Orissa Rajasthan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, and West Bengal The programme has made substantial progress in the States of Karnataka and Madhya Pradesh Ont of above States, Andhra Pradesh, Assam, Haryana, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Orissa, Tamil Nadu and Uttar Pradesh have issued necessary instructions/guidelines to the cooperatives also Government of Rajasthan have appointed a Committee to make recommendations about the measures to be taken for

implementing the recommendations regarding issue of consumption loans.

#### Preduction and Export of Gum

7008. SHRI UGRASEN: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

 (a) the quantity of gumarable (gum) produced in the country, State-wise, during the last two years;

 (b) how much gum is consumed indigenously and how much is exported;
 and (c) whether Government propose to organise the production of gum so as to benefit the economic life of the adverse inhabitants; if so, the details thereof?

146

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRICATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) The scacia gums, largely known as gumarabic, are derived from several species of genus acacia. Statewise production of gums in the country during 1975-78 and 1976-77 is as under:—

#### (Production in tonnes)

| Producting States   |   |       |  | 1975-76 | 1976-77  |
|---------------------|---|-------|--|---------|----------|
| , Gujarat           |   |       |  | <br>1.1 | 3,8      |
| t. Punjab           |   |       |  | Neg.    | Neg.     |
| 4. Haryana          |   |       |  | 16-0*   | 16.0*    |
| 4. Rajasthan        |   |       |  | 483-3   | 302.7**  |
| 5. Madhya Pradesh   |   |       |  | 640.0   | 357'0    |
| 6. Himachal Pradesh | Ċ |       |  | Neg.    | Neg.     |
| 7. Uttar Pradesh    |   |       |  | ±18.8@  | 323,48 @ |
|                     | , | TOTAL |  | 1419-6  | 1001.0   |

Neg. . Negligible
Average Annual Froduction.
Relates to the year 1974/75

Relates to the year 1970-72.
 Relates to the year 1972-73.

(b) The bulk of the gum from indigenous sources is consumed locally. Experts of gumarabic during 1975-76.
and 1976-77 are reported to be 6.1

and 1976-77 are reported to be 6.1 and 10.9 tonnes valued approximately at Rs. 38,700 and Rs. 143,000 respectively.

respectively.

(c) Yes Sir. The following measures have been taken by certain States to organise the collection of gum so as to benefit the economic life of the adivasi inhabitants:

Gujarat: The Gujarat State Forest Development Corporation Ltd., took up the work of collection of gums from Raipipla East and Bulsar Forests Divisions during 1977-78.

Madhya Pradesh: The introduction of State Trading of gums in Madhya

Pradesh State since 1969 has insured proper wages to advasts collectors for their benefit year after year

Rayasthan Gums are being collected regularly from 1977-78 in tribal areas through Trbal Areas Development Corporation Lmited

जायसवाल भदन को खाली करना

7009 श्रीहरमञ्जूकष्टवाय देया शिक्षा, समाज करपाण और सस्कृति मन्त्री यह बनाने की बना करते कि

(व )यम बनारम हिन्दू नियनविद्यालय ने विश्वविद्यालयक सम्क्रुन विभाग के कमचारिया भीर छाता व लिए होस्टन के रूप मे उपवान करने हेतु जायमवान भवत को किराये पर लिया है मीर

(ख) क्या न्यायालय ने प्रपने निणय म वहा है कि विश्वविद्यालय का यह भवन (जिसम उन्त होस्त्त है) खाली वर देना चाहिये यदिहा तो उत पर सरकार की वया प्रतिक्रिया है और इते कब तक खाली कर दिया जायेगा और क्या सरकार का विचार इमे बाजार मत्य पर खरीदने का है ?

शिक्षा, समाज क्ल्याण तथा सस्कृति मत्री (डा॰ प्रतापचढ चड) (त) जी, नदी

(ख) प्रश्न नहीं उठना ।

Sugar and Khandsarı Factories in UP

7010 SHRI P RAJAGOPAL NAI-DU Will the Minister of AGRICIIL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) the number of sugar factories and Khandsar, factories in UP; and

(b) the number of sugar and Khandsari factories which have given agreed price to the sugar cane growers in that State?

Written Answers

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) 85 sugar factories worked in Uttar Pradesh during the current season 1977-78 According to information furnished by the Government of U.P., 3500 khandsar, units worked in the State during 1976-77

(b) All the 85 sugar factories are paying the agreed price of cane to cane growers There is no agreed price in the case of khandsar, units Complaints have been received against some khandsarı units paying prices less than the minimum prices notified under law The Government of UP have reported that action is being taken against the defaulters

Strength of Staff in Mathematics Department of Delhi University

7011 SHRI DURGA CHAND Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether it is a fact that the number of students in Delhi University Colleges in Mathematics is very lon as compared to the number of teachers

(b) if so what is the number of students in each year of B.A. (Hons) in Maths in each college as compared to the number of teachers and

(c) whether it is proposed to introduce pooling system in respect of teaching in Matha?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) to (c) The information as being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course

गिर इंस्टीट्यूट श्राफ डेंबलपमें टें राष्ट्रीय स्तर के संस्था का दर्जा दिया जाना

7012. श्री हरनोविन्द दर्मा : श्या शिक्षा, सनाज कल्याण श्रीर संस्कृति मंत्री यह वताने शी कृपा करेंगे कि :

- (क) स्था सरकार ने विना निरीक्षण किये ही 'निरि इंस्टीट्यूट खाफ डेवस्पमेंट स्टबीज' को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान का दर्जा दे दिया गया है :
- (ख) यदि नहीं, तो इस मिस्यान के बारे में सरकार ने जानकारी प्रान्त कर सी है: और
- (ग) यदि नहीं, तो इसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान का दर्जा देने के क्या कारण हैं ?

शिक्षा, समाज कत्याण ग्रीर संस्कृति मंत्री (जा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी, नहीं :

- (ख) नयम्बर' 1976 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसम्बान परिषव् हारा नियुक्त की गई एक निरीक्षण समिति ने संस्थान सिने ये वे कार्र निया इसकी विकास योजना की जांच की।
  - (ग) प्रध्न नहीं उठताः

#### ग्रमाधिकृत निर्माणों को नियमित करने के सिए दण्ड

7013 भी हरगोदिन्द वर्मा: क्या निर्मार्ग श्रीर श्रावास तथा पूर्ति श्रीर पुनर्वात मंत्रो यह वताने की कृषा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार दिस्ती -में प्राधिकृत निर्माण की अनुमति दे रही हैं: . ब्रोट (ख) बढि नहीं, तो क्या सरकार ने ऐसे निर्माणों को नियमित करने के लिए कड़ कम कर दिया है?

विमीण और बाबास तथा पूर्ति और पुनर्वीस मंत्री (श्री सिकन्दर ववत) : (ह) जी. नहीं।

(ख) दिल्ली नगर निगम ने उन धनिधक्त निर्माणों को नियमन करने के हिए खुर्माना घटा दिया है जो 31-12-77 ने पहले के बने थे, वक्षत्र कि वे अन्ययाभवन ज्यानियमी नीति और पृहत् योजना थोनिन नियमों के जनुसार हो :

#### Foreign Assistance for Dairy Development

7014 SHRI AHMED M. PATEL: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

 (a) the details of the foreign assistance given for dairy development in the country during the last two years;

(b) the manner in which it was disbursed. State-twise; and

(c) if so, the details thereof and the action taken?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) The details of foreign assistance given for daity development during the years 1975-76 and 1976-77 are shown in the statement attached.

(b) and (c). Skimmed milk powder (S.M.P.) and hatter of (B.O.) received under World Pood Programme assistance was said to the dairies in the States of Maharashtra (25.45 formes S.J.P. and 300 tonney (B.O.). West Bengal (6.564 tonnes S.M.P. and 578 tonnes B.O.), ramil Nebu (5.567 tonnes S.M.P. and 1097 tonney B.O.).

Gujarat (1,752 tonnes SMP and 806 tonnes BO) and Delhi (10146 tonnes SMP and 2219 tonnes BO) for generation of counterpart funds for implementation of the Operation Ficod Poject The gift supplies of SMP from Australia and European

Written Answers

Economic Community were pooled with indigenous SMP, and sold to various dairy plants/factories under commercial quota The funds generated through sale of gift SMP will be utilised for dairy development programme in the country

#### Statement

Statement showing details of foreign assistance green for dairy decelopment during the year 1975 76 and 1976-77

| SI No | Jear    | Type of anstance Source  |
|-------|---------|--|
| :     | 1975 76 | (a) 25 86; tonnes of Stammed Milk Powder World Food Programme (United Nations)                               |
|       |         | (b) 7:65 tonnes of Butter Oil Do   |
|       |         | (c) 765 tonnes of Skimmed Valk Powder Australia,   |
|       |         | (d) Cash assistance of US \$ 1,35 000 Ford Foundation  |
|       |         | (e) Training of 6 officers from Madhya Pradesh,<br>Rajasihan, Himachal Fradesh, Meghalaya and<br>Tripura FAO |
|       |         | (f) 7 expent UNDP  |
| g     | 1976-77 | (a) \$\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \  |
|       |         | (b) 1,762 tonnes of Butter Oil Do  |
|       |         | (c) 2 000 tonner of Skinned Milk Possder E.E.C.  |
|       |         | (c) Training of 3 officers from Terpora, West Bengal and Della F.A.O.  |
|       |         | (c) 7 expests UNDP   |
| ^     |         | · , , ,  |
|       |         | •  |
|       |         | (i) Karmitaka - Rs. 3 984 million  |
|       |         | (a) Rajasthan Rs. 22 B3 million  |
|       |         | (iii) Madhya Pradesh . Rs 1 529 million  |

गेर्ड वसली बोनस योजना के अन्तर्गत गुजरात हारा मांगी गई राशि

7015. श्री धर्मसिंह भाई पटेल: क्या कृष्टि और सिवाई मंदी यह बताने की कृपा करेंगे कि ।

- (क) क्या यह सच है कि गेह बसूली बोनस योजना के अन्तर्गत बोनस देने के लिए गुजरात सरकार ने 70 लाख रुपए की राजि की केन्द्रीय सरकार से मांगी की है, श्रीर यदि हां, तो गुजरात सरकार ने कब कब ऐसी मांचें की हैं और उक्त मांगें किस प्रकार की हैं;
- (ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने गुजरास सरकार को 70 लाख रुपए का बीनस दें दिया हैं और यदि नहीं, तो इसके क्याकारण हैं; श्रीर
  - (ग) 70 लाख रुपये का बोनस गुजरात सरकार को कब दे दिए जाते की सम्भावना 青1

कृषि और सिंबाई संत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मानु प्रताप सिंह):(क) से (ग). गुजरात सरकार ने केन्द्रीय पूल में गेंड के सांके-तिक अंशदान पर 70 लाख ६५ए के प्रोत्साहन वीवस के भगतान के लिए नवस्वर, 1976 में अनुरोध किया था । बाद में समय समय पर अन्स्मारक भी प्राप्त हुये हैं : ईस अ**न्**रोध पर वित्त मंतालय के परामर्श से विचार किया जा रहा है और बहुत जल्द निर्णय किये जाने की सम्भावना है।

Deep Sea Fishing on Coast of Ratnagiri, Maharashtra

7016. SHRI BAPUSAHEB PARU-LEKAR: Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION pleased to state:

- (a) whether it is a fact that fish worth crores of rupees is exported from areas in Ratnagiri district Maharashira every year;
- (b) whether it is a fact that no deep sea fishing vessels are operating on the coastal line of Ratnagiri district;
- (c) whether Government propose to introduce deep-sea fishing vessels by the end of next year for the development of deep-sea fishing in Ratnagira district through fishermen's Cooperative Societies; and
  - (d) if so, the details thereof?

MINISTER OF AGRI-CULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d). The information is being colicted and will be placed on the Table of the Sabha.

Mango Plantation in Ratnagiri, Maharachtra

7017. SHRI BAPUSAHEB PARU-LEKAR: Will the Minister of AG-RICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether in order to remove economic backwardness of the people in Konkan in Maharashtra, Government propose to frame a scheme for extensive mango plantation in Ratnagiri district of Maharashtra;
- (b) whether any survey has been made in this connection; and if not, whether Government propose to make the survey; and if so, when; and
- (c) details of the scheme; if any? THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA):

The State Government of Maharashtra is considering to formulate Integrated Tree Crop Development Project for Kookao region with major emphasis on mango plantation.

(b) No survey has been made so Survey will precede project preparation and the State Government

Maharashtra has canthoned an of amount of Rs 20 000 on 28-3-78 as State Government share for payment as Consultancy charges to the Deve lopment Corporation of Konkan Ltd for preparation of the project report

(c) Details of the scheme has not been worked out as set

# Grants to Indian Council of Social Science Research

7018 SHRI DURGA CHAND Will the Minister of EDUCATION CIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) what is the amount of grant sanctioned to the Indian Council of Social Science Research during the last three years-wise,

(b) what to the amount of grant sanctioned by the Council to the Rural Educational Institutions in each State during the above period year wise,

Written Answers (e) what is the amount of grants sanctioned to each Educational Institutions in Himachal Pradesh during the last three years year-wise and

(d) what steps the Council have taken to popularise its project in the rural areas of the country?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE IDR PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) The amounts of Grants sanctioned by the Government of India to the Indian Council of Social Sciences Research during the last three years are as under -

| Year    | Amount    |
|---------|-----------|
|         | Rs        |
| 1975 76 | 91 96 000 |
| 1976-77 | 93 75 000 |
| 1977 78 | 99 48 000 |
|         |           |

(b) Amount of grant sanctioned for Research Projects to the Rural Education Institutions in each State during the last three years is as follows.

| 9 30 | Name of the State | 1975 76 1975-77 | 1977 78 |
|------|-------------------|-----------------|---------|
| -,   | Renjasthan        | 49.875          | 5 000   |
| 2    | Tam 1 Vadu        | 51 830          |         |
| 3    | Ut'tar Pradesh    |                 | 76 590  |
| 4    | West Bengal       | 15 461          |         |

(c) Amount of grant canctioned to the Education Institutions in Hima chal Pradesh during the last three Years is as under -

1975 1976 1976 77 1977 73 Rimachal Pradesh 20000 20 000 University Simla

(d) The Council has financed number of research projects relating to the problems of rural poverty. development and planning

Review of cases against Students Teachers and Employees of Central Universities

7019 SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN Will the Minister EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) Whether there is any proposal to review and withdraw the cases against

the students, teachers and employees of the Jawaharlal Nehru University, Delhi and other Central Universities instituted during the past two years in connection with the different students, teachers and employees agitations; and

(b) if so, what decision has been taken in this regard and the steps so far taken to review/withdraw these cases?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

#### Overdues in Land Development Bank, Maharashira

7020. SHRI BAPUSAHEB PARU-LEKAR: Will the Minister of AG-RICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the main issue which is faced today by the Land Development Bank of Maharashira is about its mounting overdues;
- (b) is it a fact that as against a demand of Rs. 61 crores during the year 1976-77, the Bank could recover an account of Rs. 21 crores only as on 30th June, 1977;
- (c) whether the President of the Bank has submitted a memorandum in this connection to Prime Minister on 28th September, 1977; and
- (d) what action the Government propose to take on the suggestions made in the memorandum?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OP AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH): (a) and (b). Yes, the percentage of evidence of the Maharshitra State Land Development Bank has risen from \$8.53 in 1974-75 to 60.50 in 1975-76 and further gone

upto 63 per cent in 1976-77. As on 50th June 1977 according to the information received from the bank, against the demand of Rs. 5947, lakhs the secovery was of the order of Rs. 2210 lakhs.

(c) and (d). Yes; the points raised in the memorandum are being examined.

#### महाराष्ट्र में विद्यापीठ की स्थापना

7921. श्री केशव राव घोडगे : क्या शिक्षा, समाज कल्याण श्रीर संस्कृति मंत्री यह वकाने की ज्या करेंगे कि :

- (क) बया महाराष्ट्र राज्य में तथे विद्यापीठों की स्थापना के लिए महाराष्ट्र मन्कार द्वारा सरकार फ्रांग विश्वविद्यालय अनुवान आयोग को अस्ताब प्रस्तुत किये यथे हैं और कितने विद्यापीठों के लिए प्रस्तुत किये यथे हैं:
- (ख) किन स्थानों पर इनकी स्थापना करने का प्रस्ताव है:
- (ग) सरकार फ्रीर विश्वविद्यालय अनु-दान आयोग द्वारा इन प्रस्तायों पर किये गये - मैंच का स्थीरा गया है : और
- (घ) ध्रवर ये प्रस्ताव ग्रमान्य हैं तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (बांक प्रताप चन्न चन्न) : (क) ते (ध). विश्वविद्यालय अनुवान आयोग की ऐती कोई योजना नहीं है जिसके अन्तर्गत देश की किसी प्राम में विद्यापीठों की स्थापना के लिए महा-पता दी बाती हो। नहाराष्ट्र सरकार में पांची योजना अबधि के तीरान राष्ट्रीय मंस्कृत संस्थान के तत्वावकाल में चल एहें केन्द्रीय संस्कृत विद्यान पीठो की तरह पूना मीर बम्बई प्रत्येक मे एस-एक सस्त्रत विद्यागीठ विकसित करने के अछ प्रस्ताव किये थे। तथापि, सरकार इस पश्च मे मही थी कि राष्ट्रीय सम्द्रन सरमान विशिष्ठ राज्या में नए कन्द्रीय सस्कृत विद्यापीटा की व्यापना भरने और ग्रनुरक्षण की जिम्मेदारी क्ष ।

### सन्त कवि सरदास की 500वीं वर्षपाठ

२०२२ औ रामसेवक इजारी शिक्षा, समाज कन्याण और सहकृति मनी पह यताने की कुपा करेने हि

(क) क्या सरकार न मत कवि सरदाम नी 300भी वर्ष-गाठ मनाच ने लिटे कार्ड भोजना बनाई है.

(ख) यदि हा,ता उसना व्योगा नवा है ,

(ग) वडे पैमाने पर वर्ष-गाट सनाव ने निए न्या नामें वाही की गई है?

शिक्षा, समाज कवाण और सस्कृति महालय में राज्य भनी (श्रीमती रेण्का देवी बरनटनी) (क) जी हा।

(च) ब्रोर (ग) भरवार हारा, शिक्षा, सभाज कहनाण और संस्कृति सन्त्री की मध्यक्षता में एक सुर पनशनी समन्त्रम मिति स्थापित की गई है। इस समिति ने मल कवि सरदाम की 500की जमनी मर्दे 1978 से लेक्स अप्रैन 1979 स्टब्स् मर मनाने के लिए कार्यक्रम नैयार विक् ត៌ 1

12 मई 1978 का दिल्ली में एक मुर समारीह के ग्रामाजन वे साथ इस समारीह के उद्घाटन का प्रस्ताव है। इस समाराह के

तिये जिन प्रत्य प्रमुख कार्यक्रमी की पीजना बनाई गई है वह सुरदास के चुने हुए पदो का भारतीय/मापामी अप्रेजी में अनुवाद, मुखास की कृतिया का प्रामाधिक सम्पादित पाठ ना प्रवाशन, स्रदास नी चींपनी भीर वित्री के एक एलवम, केन्द्रीय मौचवात्रय पुस्तवालय मे मुखास में सम्मन्धित एक पुस्तकालय खण्ड खीलने, स्रदास से मम्बन्धित स्थान। ने विशास, विश्वविद्यात्य/वालेको मे गीडिया, व्याच्याना के घाषाजन, रेडिया और टेनिकीजन पर कार्यक्रम, सहमारक डाक टिक्ट जारी करना, रासनीला जैसे सास्कृतिक कार्यक्रवो के पार्याजन में सम्बन्धित है।

Written Answers

राज्य सरकारी तथा सब कानित क्षीता से अनुराध दिया गया है कि वे अपने अपने क्षेत्रा मे जायका कार्यक्रम धार्याजित वरे।

Non-Formal Part Time Education to Drop-outs

7023 SHRI C K. CHANDRAP-PAN. Will the Minister of EDUCA-TION, SOCIAL WELFARE CULTURE be pleased to state

(a) whether Government have pre pared a "cheme for providing non-formal part-time education to the dropouts, and

(b) if so, What are the details of the scheme and what steps are being taken for its implementation\*

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-(a) and (b) On the basis of the recommendations made in the interim report of Working Group on Universalisation of Elementary Education, models for non-formal parttime education for children of the age group 9-14 and the programme of non-formal education for implementation during the next Plan period are being prepared m consultation with the State Governments and

experts. The problem of drop-outs mostly relates to the stage of Elementary Education (classes I-VIII).

#### Times Bound Programme for Elementary Education to Children

7024. SHRIMATI PARVATHI KRI-SHNAN: Will the Minister of EDU-CATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government have drawn up a time bound programme for providing elementary education to children upto the age of 14; and
- (b) if so, the details of the scheme and the steps being taken in this regard?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) and (b). The Government have decided to universalise Elementary Education for children of the age-group 6-14 in another 5-7 years' time. For this purpose State Master Plans of Universalisation are being prepared by the State Governments. The State Plans will indicate the year-wise targets of enrolment in formal schools and nonformal part time education centres, the number of location of schools and centres and other inputs required for this programme.

The State plans will be on the basis of the framework suggested by the Working Group on Universalisation of Elementary Education, The Working Group has estimated that 452 lakhs of additional non-enrolled children will have to be brought under the school system by 1983/1985, to achieve the goal of universalisation. The National target for the next-plan period is 320 lakhs of additional nonenrolled children-comprising 220 lakhs in classes I-V and 100 lakhs in classes VI-VIII, 160 lakhs children will be covered by non-formal part-602 LS--6 '

time education while the remaining 160 lakhs will be enrolled in formal schools.

The hard core of non-enrolled children consists of children from the weaker sections of the community like schedules castes, schedules tribes and landless agricultural labourers, 74 per cent of the non enrolled chindren are in the eight educationally backward States (viz. Andhra Pradesh, Bihar, Jammu and Kashmir, Madhya Pradesh, Orissa, Rajasthan, Uttar Pradesh and West Bengal). Special nonformal programme suiting different target groups in varying conditions are being prepared.

As an evidence of Centre's concern for these backward States, the Working Group has recommended a Central sector scheme during VI Plan with a provision of Rs. 50 crores which will essentially take care non-formal part-time educational programmes in the eight backward States. The details are being worked out. The budget provision for this scheme during 1978-79 is Rs. 4 crores.

Drinking Water Arrangements .in Pitampura Residential Scheme, Dellii

7925. SHRI KACHARULAL HEM-RAJ JAIN: Will the Minister WORKS AND HOUSING AND SUP-PLY AND REHABILITATION pleased to state:

- (a) whether it is a fact that drinking water lines have been laid in Pitampura residential scheme: Delhi
- (b) if so, the particulars of the blocks where this work has since been completed; and
- (c) when the water connection is proposed to be provided to the persons who have already started constructing houses on the plots there?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) to (c) 80 per cent of water supply lines have been completed. In pockets DHK (Poorsi) UT (Ultari) and C&D (Dakshni) which were originally earmarked for group housing and later convicted rise bot ted area the work is at varying stages of design estimating tendering and allotment and is expected to be completed by September 1978 MCD supply is not yet available in this area Interim arrangements will be made though tube wells "one of which have already been installed An O II tank is also to be contructed

#### Group Housing Co-operative Societies in Pitampura Residential Housing Scheme Delhi

7020 SHRI KACHARULAL HEN
RAJ JAIN Will the Minister of
WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be
pleased to state

(a) the total number of members meach of the Group Housing Cooperative Societies who have been allotted land in the Pitampura Residential Scheme, Delhi

- (b) whether any of the above societies has since started construction work there and
- (e) when the other societies are likely to start construction work and whether no time limit has been fixed by the Government so that these so creties could start construction work early and thus ease the housing problem?

THE 'INISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SILANDAR BAKHT) (a) Details are furnished in the Statement attached

(b) No Sir as reported by the DDA

(e) It is for the societies to decide on starting construction vork. No time limit has been laid down by the Government However according to the terms of the leave deced executed with them they are required to complete construction of flats within four years from the date of execution of the perpetual leave deed.

Statement

Coop Group Hou ing Societes which have been alls and land in Pitampura area

| No. | Nume of Society                       | to of members  |
|-----|---------------------------------------|----------------|
| ,   | S P L Employees CGHS                  | r <sub>2</sub> |
| 2   | Jhutelal Sindhu Ngur CGHS             | 5,,            |
| 3   | Em pabad C G H S                      | 10             |
| 4   | IDPL Employees C.G.H.S                | 70             |
| 5   | Garhwal CGHS                          | 81             |
| 6   | E.K., Jot C.G.H.S                     | 10             |
| 7   | DTC Employees C.G H 5                 | 160            |
| 8   | Ajay CGHS                             |                |
| 9   | Apna Ghar C.G H S                     | 97             |
| ro  | State Bank of Ind a En ployees C.C.HS | 105            |
|     | Rajasthani Ehawan \ rman Sam ti CCHS  | 3,5            |

(c) whether Government propose to give any subsidy for the installation of

नेत्रहोनों के लिए राष्ट्रीय केन्द्र, देहराद्रम के ग्रधिकारियों द्वारा कार्यभार सौंपा जाना

7027. श्री नवाव सिंह चौहान: क्या शिक्षा, समाज कल्याण ग्रीर संस्कृति मन्त्री यह बताने की कुपा करेंगे कि:

- (क) नेत्रहीनों के लिए राष्ट्रीय केन्द्र, देहरादून में प्रथम श्रेणी के कितने अधिकारी काम कर रहे हैं तथा वर्तमान निदेशक का माम क्या है; और वह किस श्रेणी का है;
- (ख) क्या छुट्टी पर जाते समय निदेशक प्रथम श्रेणी के अधिकारियों की उपेक्षा कर दितीय थेगी के ग्रधिकारी को अपना कार्य-भार सीपता है; घौर
  - (ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) नेत्रहीनों के लिए राष्ट्रीय केन्द्र, देहरादन में प्रथम श्रेणी के तीन ग्रधिकारी हैं, जिनमें निदेशक श्री जे०वी० ग्रग्रवाल शामिल है।

(ख) धीर (ग). भी अन्नवाल ने जब से कार्यभार सम्भाता है, तब से वे सम्बी छुड़ी पर नहीं गए हैं ।

Applications for Gobar Gas Plants

7029. SHRI D. B. CHANDRE GOW-DA: Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) the number of applications received so far from the farmers for the installation of gobar gas plants:
- (b) the approximate cost of such a plant; and

THE MINISTER OF AGRI-CULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): The information is being collected from the programme implementing agencies and will be placed on the Table of the Lok Sabha as early as possible,

such plants?

- (b) Estimated cost of a gobar gas plant varies from Rs. 2,332 for 2 cu. m. size to Rs. 58,000 for a 140 cu, m. size.
- (c) Central subsidy for installation of gobar gas plants is 25 per cent of the capital cost to small and marginal farmers for small plants (2 and 3 cu. m.), 20 per cent to other farmers for all sizes, 33 per cent for community plants and 50 per cent for plants set up in hilly and tribal areas.

Financial Assistance for Development of Cities from Metropolitan Development Funds

7030. SHRI C. K. JAFFER RIEF: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased state:

- (a) whether Government provide financial assistance from the metropo. litan development funds for the development of cities:
- (b) if so, the assistance disbursed during the last three years and to which cities;
- (c) whether any case for further request of financial assistance are pending with Government in this regard;
- (d) if so, what are the details thereof and what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) Fmancial assistance by way of loan is provided under the Scheme for Integrated Urban Deve

167

lopment

12 Luckne v

13 Asansol

It Rapur

15 Jullundur

16 Baroda

17 Calcutta

18 Bombay

rg, Madras

20 Ultain

21 G alor

# (b) A statement is attached

(e) and (d) Assistance is sanctioned and released on the basis of assess ment of the progress of the on going project from year to year and appraisal of the new projects

30

20

ID

10

10

10

750

TTOO

112

600

215

265

170

51

39

75

1050

484

084

95

15

Statement Statement and cating the Critici ass starces at aned order the Chinef . Int a ated Labon D : loft at E of Metrojel ten Cut es and areas of hat mal infortant

|      | of Cry/Town IUDP              | Amount sanct oned -Rs. in lai |         |         |  |  |
|------|-------------------------------|-------------------------------|---------|---------|--|--|
| anto | on Caylown Tobr               | 1975 76                       | 1975-77 | 1977 70 |  |  |
| 1    | Bhopal                        | *5                            | 100     |         |  |  |
| 2    | Indose                        | 75                            | 110     |         |  |  |
| 3    | Ludh ana                      | 75                            | 130     | 10.     |  |  |
| 4    | Coch n                        | €o                            | 60      | 84      |  |  |
| 5    | Kanpur (IUDP)                 | 61                            | 107     |         |  |  |
|      | Kanpur (IDA Water Supply)     | 20                            |         |         |  |  |
| 6    | Allahabad (IDA Water Supply)  | 50                            |         |         |  |  |
| 7    | Hyderabad (IUDP)              | 43                            | 40      | ts      |  |  |
|      | Hyderabad (Six Point Formula) | 60                            | 151     | 358 38  |  |  |
| 8    | Visakhapatnaso                | 75                            | •       | #J- J   |  |  |
| 9    | Hald a                        | 50                            | Bo      |         |  |  |
| 10   | Ahmedabad                     | 35                            | 75      | 117     |  |  |
| 11   | Bangalore                     | 33                            | 15      | ,       |  |  |

|               | <br> | <br>2 |    | <br> | 3    | 4    | 5       |
|---------------|------|-------|----|------|------|------|---------|
| 2. Jabalpur   |      |       |    |      | ••   |      | 75      |
| g, Korba      |      |       |    |      |      |      | 20      |
| 4. Amritsar   |      |       |    |      |      |      | 100     |
| 5. Pune       |      | -     |    |      |      |      | 20      |
| 6. Nagpur     |      |       |    |      |      |      | 20      |
| 7. Kolhapur   |      |       | ٠. | -    |      |      | 20      |
| 8. Sholapur   |      |       |    |      | ••   |      | 46      |
| 9. Colmbatore |      |       |    |      |      |      | 146     |
| o. Madurat    |      |       |    |      | ••   |      | 30      |
|               |      | TOTAL | ٠. |      | 1889 | 2925 | 3416.38 |

#### Implementation of Community Development programme in States

7081. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) the total amount sanctioned to various States for the implementation of Community Development Programme for the last three years; the amount spent by various State Governments during that period.
- (b) whether the Planning Commission have set up any machinery at Centre's level for ensuring implementation of the Programme by the various State Governments with the money sauctioned to them and if so, what are the details thereof;
- (c) what is the amount for the programme sanctioned to each State during the last three years, year-wise and the amount spent by each state during the above period and what is the amount lapsed each year; and
- (d) what is Government's present policy in respect of Community Davelopment Programme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH): (a), (c) and (d), Community Development Programme has been transferred to the State Sector from the beginning of the Fourth Five Year Plan. In view of this no sanction have been accorded by the Government of India to the States for implementation of Community Development during the last Programme Information regarding the vears. amount spent by various State Governments in this behalf during that period is not available.

(b) Does not arise.

Procurement of Rice from Dadra and Nagar Haveli

7032, SHRI R. R. PATEL: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Food Corporation of India is purchasing paddy/rice from Dadra and Nagar Haveli. Union Territory;
- (b) if so, the quality purchased during the last three years, year-wise;

- (c) whether Government is aware that the officer of FCI and the millions are engaged in foul play and are mixing the inferior quality of rice with superior quality, and
- (d) in view of the fact whether Government will make an enquiry in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH) (a) Food Corporation of India does not handle procurement of paddy/rice in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli

(b) to (d) Do not arise

#### Staff Position at State Agricultural Farms

7033 SHRIS R DAMANI Will the Minister of AGRICULTURE AND IR-RIGATION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that State Farms are over staffed. (b) if so the details of staff post
- tion at each farm as on 31-12-77 and those considered in excess of the requirements and
- (c) the steps taken to rationalise the staff without recourse to retrench. ment?

Name and particulars

of Agriculture

s

AGRI-THE MINISTER OF CULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) No Sir the farms of the State Farms Corporation of India are not over stal-

(b) and (c) Do not arise

## State Farms Corporation of India

7034 SHRI S R DAMANI Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) the names of the Chairman and the Directors of the Board of Directors of the State Farms Corporation of India Ltd. and their qualifications,
- (b) since how long each one of them has been on the Board,
- (c) whether in view of the low profile of the performance of the State Farms, Government is thinking of changes in the Board and other manacement personnel, and
  - (d) if so the details thereof?

Qualifications

THE MINISTER OF AGRI-CULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) and (b)

From

| ~~ |   |         |                         |         |
|----|---|---------|-------------------------|---------|
| t  | Smt Anna R Malhotra Depart<br>ment of Agriculture | Charman | MA (English Literature) | 28-3 78 |
| 2  | Dr G 5 Kalkat Department of<br>Agriculture        | Member  | MSe PhD                 | 15 4 77 |
| 3  | Shri R K Rath Deptt of Ager                       | Member  | MA IAS                  | 21 3 78 |
| 4  | Shri A N Mukhopadayay, Deptt of Agriculture       | Member  | B Com \$A\$ & 1\ & A\$  | 21 3 78 |

Position

| 1 | 2  | 3   | 4       |
|---|--|---|---------|
| 5 | Shri P. J. Zachariah, Deptt. of Member<br>Agriculture              | <ol> <li>B.Sc. in Agri Engineering</li> <li>M.S. in Agri. Engg. West<br/>Virginia (U.S.A.)</li> </ol> | 21-3-78 |
| 6 | Dr. D.R. Bhumbla, I.C.A.R. Member                                  | M.Sc. Ph. D. (Agronomy)   | 21-3-78 |
| 7 | Shri S.S. Bal, Managing Director. Member<br>N.S.C., New Delhi.     | M.S. (Agronomy)   | 21-3-78 |
| 8 | Dr. A. S. Sandhu, General Mana- Member<br>ger. S.F.C.L, New Delhi. | Ph. D. (Agroncmy)   | 21-3-78 |

- (c) No, Sir. The Board has been reconstituted only recently.
- (d) Does not arise.

Area of Land attached to each Farm of State Farms Corporation

7035. SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

 (a) the extent of land held by each of the farms managed by the State Farms Corporation of India Ltd.;

- (b) how much of land in each case has been provided so far with irrigation facility; and
- (c) the steps taken to cover the entire area with irrigation and by what time this will be completed?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b).

| S.<br>No. | Name of the Farm      |       |      |     |        | Arca | in | hectares | ar on            | 30-6-1977 |             |
|-----------|-----------------------|-------|------|-----|--------|------|----|----------|------------------|-----------|-------------|
|           |                       |       |      |     |        |      | _  |          | under<br>session | Ar        | a irrigated |
| x         | Suratgarh including ! | Sarda | garh | (Ra | jastha | n) . |    | ti       | 181              |           | 3644        |
| 2         | Jetsar (Rajasthan)    |       |      |     |        |      |    | 5        | 1991             |           | 2911        |
| 3         | Hissar (Haryana)      |       |      |     |        |      |    | 2        | 798              |           | 1215        |
| 4         | Ladhowal (Punjab)     |       |      |     |        |      |    | 1        | 168              |           | 924         |
| 5         | Raichur (Karnataka)   |       |      |     |        |      |    | 2        | 960              |           | 1490        |
| 6         | Chengam (Tamil Nac    | ln)   |      |     |        |      |    | 3        | 096              |           | 445         |
| 7         | Cannanore (Kerala)    |       |      |     |        |      |    | 3        | <b>6</b> 0       |           | 115         |
| à         | Kokilabari (Assam)    |       |      |     |        |      |    | 15       | 86               |           | 200         |
| 9         | Bahraich (U. P. :     |       |      |     |        |      |    | 2        | 307              |           | 1052        |
| τo        | Rachareli (U.P.)      |       |      |     |        |      |    | 1        | 190              |           | 120         |
| 11        | Mizoram (two units)   |       |      |     |        |      |    |          | 523              |           | 16          |

(c) An Expert Committee was ap pointed by the Government of India to look into the irrigation problems at the various Central State Farms The Committee in their report mitted in May 1976 bave recommend ed various measures to increase the quantum of water supplies to the requirements of the farms Follow up action is being taken by the SFCI The Government of India is also in touch with the State Governments of the work involved it is likely to and other agencies concerned In view take appreciable time to bring the whole irrigable area under irrigation

Teacher victimised in various Univer sities during Emergency

7036 SHRI JAOTIRMOY BOSU Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) name<sub>3</sub> of UGC nided Universities where teachers were victimised in various forms during the period of Emergency
- (b) number of teacher in each Uni versity (1) dismissed (2) suspended and (3) transferred during the period of Emergency
- (e) how many teachers salary Uni versity wise was withheld for not getting sterilised and
- (d) University wise number of teachers reinstated todate without any disciplinary action?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CLANDRA CHUN) DER) (a) to (d) Although the University Grants Commission provides grants to all Central Universities and those established under the Acts of the State legislatures neither the Commission nor the Central Govern near has any say in the administration and management of these universities

In early June 1977, all the Vice Chancellors of Central universities and the State Governments were requested to look into the legitimate grevances of teachers Varamcharis and students and to take immediate aleps to redress them However, no information is available with the Government about the number of teachers who were victimised during the period of emergency the nature of victimisation and the reason in each case

According to information furnished by the Central universities one tea cher of Delhi University was deemed to have been placed under suspen sion for the period for which he was detained under the Defence of India Rules and he resumed duties on release In the Banaras Hindu Uni versity one feather was suspended but reinstated with full pay for period of suspension after an enquiry There have been no cases of any dis ciplinary action on political grounds during the period of emergency in any other Central University There were also no instances of stoppage of salary of any teacher in any Central University for not getting sterilied

# House Sites for the Rural Poor

7037 SHRI JYOTIROY BOSU Will the Minister of WORKS AND HOUS ING AND SUPPLY AND REHABI LITATION be pleased to state

(a) what is the latest figure of the number of rural families without house site State wise

- (b) total number of families State wise provided with house site todate
- (c) how many families State wise have availed of house sites and built houses with Government financial assistance
- (d) average financial assistance given to each family Stale wise for building houses and

(e) whether it is a fact that in the absence of adequate Government essistance the families provided with house sites have not been able to build their own houses?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABBLITATION (SERI SIKANDAR BAKHT): (a) and (b). A statement is appended at Annexure—I [Placed in Library. See No. LT-2113/78].

(c) to (a). The Scheme provides for allotment of house-sites free of coat, to leadless workers in rural areas and the allottees are expected to construct houses with their own resources or with such essistance as can be provided by the State Government or voluntary organisations. State Governments and Uniso one State Governments and Uniso Territories Administration are rendering assistance to the allottees to build their own houses on the house sites allotted under the scheme. A note is appended at Annexure--I [Placed in Library. See No. IT.-2113778].

#### Realisation of Sugarcane Affeats 7058. SHRI JYOTIRMOY BOSU: SHRI SAMAR MUKHER-JEE:

Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2572 on 13th March, 1978 regarding sugarcane arrears and state:

- (a) what steps, if any, have been or are being taken to realise the arrears; and
- (b) the reasons why no penal action is being taken against the defaulting mills?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINCE): (a) Cane arrears outstanding as on 15-2-78 against various sugar factories in the country amounted to 242 per cent of the dues for the cane purchased in this seatch. As a result of various measures taken by the 'Government, the arrears are coming down gradually and were 21.2 per cent on 28-2-78 and 20.1 per cent on 15-3-78.

A statement listing steps taken by Government for liquidation of case arrears is attached. As some of the steps have been taken only recently their effect will be perceptible after some time.

(b) Action against defaulting factories wherever necessary is taken by the State Governments under the Essential Commodities Act, 1955.

#### Statement

Steps taken by Government to reduce arrears of cane price-

- (i) A continuous dialogue is maintained with the State Governments to reduce the arrears.
- (ii) The Sugarcane (Control) Order has been amended w.e.f., 2-2-78 to provide for a 15 per cent interest on delayed payment of care price.
- (iii) Provision has also been made in the Sugarcane (Control) Order for the transfer of cane price arrears for which there are not bona-

Written Answers

179

Bes des the above steps the follow ing decis ons since taken by the Goternment will also be helpful in li quidating the cane price arrears

1 The weighted average ex fac tory price for levy sugar on all India basis shall be fixed at Rs 187 50 per qti The prices appl cable for the different zones have also been notified These prices have taken effect from 1st March 1978

II Excise duty rebate will given to encourage the factories to continue late crushing beyond 30th April 1978 to absorb as much the additional cane production as possible this year Details of the scheme are being worked and will be announced shortly

III Export of 65 lakh tonnes of sugar (which is the quota in effect for 1977 78 under the International Sugar Agreement) has been per mitted This will help the sugar factories by reducing the stocks which they will otherwise have had to carry

IV Since with the additional pro duction the factories will have to carry larger stocks than last year arrangements are being made to suitably increase the credit limit of the factories to cover the additional credit needs

Out of turn Allotment of Government Accommodation to the Physically Handleapped Employees

7039 SHRI C K. JAFFER SHA-RIEF Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether out of turn allotment of Government quarters is being sanc tioned in the case of physically handl capped Central Government Em ployees in Delhl

(b) if so what is the number of out of turn allotments made to these employees during the last one year

(c) whether it is a fact that a long period intervenes between the issue of a sanction order and the actual allotment to these employees and

(d) whether Government propose to allot quarters to these employees on en over riding priority basis and

(e) if so the details in this regard? THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SILANDAR BAKHT) (a) Yes Sir on fulfilment of certain conditions

(b) 26

(c) There is a i me lag between the sanction and actual allotment as only 5 per cent of the vacancies are for allotment to persons who are sanction ed ad hor allotment on medical grounds.

(d) No Sr

e) Does not arise

Sale of Periodicals by Sapru House Library

7040 SHRI D CHANDRE COWDA

> SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WEI FARE AND CULTURE be pleased to state

#### (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE OR. PRATAP CHANDRA DER); (a) and (b). The Indian Council of World Affairs has appointed a sub-committee to look into the matter. However, its report is awaited by the Council.

Accommodation for Retired Government Employees

7041. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA:

#### SHRI MOHINDER SINGH SAYIAN WALA:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state:

- (a) whether Government propose to allot alternative accommodation to retired Government servants before their eviction from the present accommodations, particularly the Central Government employees who have spent major part of their lives for the service of the country; and
- (b) whether any committee was appointed by Government to look into this matter and if so, the details regarding its recommendations and the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) No. Sir.

(b) No. Sir.

Ancient Places of Historical Importance in Almora

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Will the Minister of EDU-CATION, SOCIAL WELFARE CULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that there are many ancient places of historical importance in the district of Almora;
- (b) whether any effort has been made to locate those historical sites with a view to excavate things and articles of archaeological importance;
- (c) if so, the details thereof and if not, the reasons for not doing so?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE OR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) to c). Yes, Sir. Remains of old temples have so far been located at Devidbura, Pinath, Someshwar, ateeng. Binteshwar, Gwaldam and Bageshwar, besides a painted rock shelter at Lakhiodyar. So far polential mound deserving excavation has come to light. However, village to village survey of the area is being undertaken.

गिरी इंस्टीटयूट श्राफ डेवलपमेंट स्टबीज. सख्यक्र को कृषि विकास पर सायोजित विचार गोरठी के लिए दिवा गया धन

7043 श्री हरगोविन्द वर्मा : त्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या गिरि इंस्टीट्युट आफ डेबलप-मेंट स्टडीज, लखनक की घापात स्थिति के दीरान कृषि विकास पर आयोजित विचार भोटते के लिए धन दिया गया था ; और
- (ख) यदि हां, तो कितना और यह विचार गोंप्ठी कव आयोजित की गई थी और उस पर कितना खर्चा हम्रायाः

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) बार (ख). योजना बनाने ग्रीर उसके कार्यान्वयन से सम्बन्धित विषयों पर समा-जायिक अनसन्धान को प्रोन्नत करने के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, योजना श्रायोग,

जनवरों, 1976 म गिरि विशास ग्रध्ययन सस्थान, लावनऊ को कृषि विकास के लिए धेवीय ग्रायोजना की नीति श्रीर तक्नीका मे सम्बन्धित उमकी धनुसन्धान परियाजना के तिए 45 759 00 रु ना एक महायक ग्रनुदान दने के लिए महमत हथा **या**। इसमें अनुमन्धान काणजात तैयार करना तथा एवं मेमिनार मं जा कि 5 ग्रीर 6 भ्रमस्त 1977 को हुआ था, उन पर विचार करना शामिल था। मस्यान न स्पिटंदो है ति इस पर 40 543 30 स्पय खर्च हुए है।

Students problem in University Campus

7044 SHRI SAMAR GUHA

SHRI OM PRAKASH TYAGI

Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether students agitations inside various University Campus, particularly of the University under Central control, bave increased,
- (b) if so facts about such agita tions and disturbances during last three months, and
- (c) the steps taken or proposed by the Government for dealing with such students' problems'

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUN-DER) (a) and (b) With the lifting of Emergency, students are able to venti late their grievances on issues like postponement of examinations recog nition of Student Unions reservation of seats removal or appointment of Vice Chancellor, etc., basides issues like provision of better transport facilities, disputes in buses restaurants cinemas etc

So far as Central Universities are concerned, there have been distur bances in the Aligarh Muslim University, Banaras Hindu University and Delhi Umversity during the last three months as per details given below -

Written Answers

Aligarh Muslim University There were some incidents on January 23 24, 1978 when following the announce ment of appointment of some students to managerial posts in a Hostel, one group of students attacked another group with lathis and knives etc., 12 students were severely beaten up and admitted to the Hospital and the matter was reported to the Police The names of 28 students involved in the incidents were removed from the rolls of the University and the Campus was declared out of bound for them. The Vice-Chancellor also set up an Enquiry Committee to examine the causes of the incidents and suggest suitable action

Banaras Hindu University There was student agitation in February. 1978 in support of their demand for giving weightage of marks in the Premedical Test and also for reservation of seats in MBBS Course were violent incidents on account of which the Police had to intercene Teaching in the University was suspended for one day Subsequently, the Rector of the University issued at Office Order closing the University sine die with effect from 11th March 1978 The University started re-oper ing in phases from March 31 1978 According to telegraphic intimation received from the University on 11th April 1978 students have started agitation once again and have indulged in violence

Delhi University In March 1978, p section of the students led by the president and secretary of the Delhi University Students Union started agitation for postponement of exami nations The students ind.lged in violence and manhandled the Vice-Chancellor and certain other officers and employees of the University The

(c) It was suggested to the State Governments and the Central Universities to set up forums for dealing with genuine grievances of students and to take immediate steps to redress hem. The State Goverments have also been advised recently to set up State level and District level Committees to watch the functioning of such forums and to give them ndvice and guidance, to anticipate problems and to ensure timely action to prevent minor problems becoming mejor issues. It also proposed to infinite discussions with the leaders of political parties at the National level to seek their cooperation in keeping University Compuses free from political interference. The State Chief Ministers have also been requested to take similar steps at the State level.

Houses constructed by Central Goverament through H.U.D.C.O. in the Country

7045. SHRI SAMAR GUHA: WILL the Minister of WORKS AND HOUS-ING AND SUPPLY AND REHABILI TATION be pleased to state:

(a) facts and the expenditure about the development of Housing by the Central Government by H.U.D.C.O. during 3-years from 1975 to 1977; and

(b) break-up of the figure, of such development for different years and the places where such housing developments have been made?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) HUDCO does not construct houses but finances housing schemes of various housing Agencies throughout the country. The only direct construction work done HUDCO has been at Calcutta where 252 houses for Low Income and Middle Income Group house-holds were constructed.

Break up of HUDCO's loan sanctions for various categories of Houses for various State Governments and Union Territories during the years. 1975-76 to 1977-78 is as under-

| Category              |      |      |       |        |       |        |      |  | 1977-73<br>Amount | 1976-77<br>Amount | 1975-16<br>Amount |
|-----------------------|------|------|-------|--------|-------|--------|------|--|-------------------|-------------------|-------------------|
|                       |      |      |       |        |       |        |      |  | (R                | s. in crores)     |                   |
| Economically Weaker S | ecti | 200  |       |        |       |        |      |  | 27,435            | 18-543            | 11-225            |
| low Income Group      |      |      |       |        |       |        |      |  | 20-423            | 22-683            | 15. 700           |
| Middle Income Group   |      |      |       |        |       | _      |      |  | 19-995            | 17:540            | 17.584            |
| Higher Ireame Group   |      |      |       |        |       |        |      |  | 6-952             | 2.914             | 5*280             |
| Rental Scheme         |      |      |       |        |       |        |      |  | 2-562             | 3-880             | o•e6e             |
| Others                |      |      |       |        |       |        |      |  | 10-600            | 6-292             | 2-126             |
| Commercial buildings, | buil | ding | mater | ial in | dustr | ics, c | ic.) |  | -                 |                   |                   |
|                       |      |      |       |        |       | Т      | TAL: |  | 88· o54           | 71-858            | 51.793            |

39 479

591 100

643 c6:

786 810

14 170

95 280

8 5 930

1115 66

207 660

1106 440

151 2,0

430 80

91, 730

391 (70

123 5F0

157 110

466 000

848 057

187 570

17 910

2 00

934 250

44 740

319 320

227 829

181 Gos 146 000

380 810 484 500

1367 200

704 20

396 45

217 36

8 57

17 37

5179 263 7185 826 8803 341

466 53

177 2a

79 40

122 35

585 72

225 56

115 03

374 22 971 666

621 63

664 5°

813 65

453 39

150 010

TOTAL

\$1 Lt. 23 se loans salation d by HUDCO done 1975 76 to 1977 18 (At on 31 3 78)

A am

P1 ar

Guiarat

Harvana

Karna aka

Kerala

Or 412

Puniab

Rajasti an

Tam | Nada

Uttar Pealesh

West Bengal

Dellar

UNION TERRITORIES Chand garh

Coa Daman & D +

Pondicl erry

II machai Pradesh

Jammu & Kashmir

Malhya Pradesh

Maharasi rea

Loan sanctioned Saclin a Ter tory 1975 /6 19 6 77 1977 ,8 (Rs in lakhs) Andhra Prais h 471 905 502 500

#### Survey of Unauthorised Colonies in Delhi

7046, SHRI KANWAR LAL GUPTA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state-

- (a) whether physical survey of Shastri Nagar and other unauthorized colonies in Delhi Sadar Parliamentary Constituency has been pleted;
- (b) the details of progress in each unauthorized colony in Delhi Sadar Parliamentary Constituency; and
- (c) how much amount will be spent in each colony for providing civic amenities during 1978-79?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) and (b). The Municipal Corporation of Delhi-have reported that physical survey of Shasiri Nagar is being done and is likely to be completed in the near future. No list of unauthorised colonies constituencywise has been prepared.

(c) A sum of Rs. 50 lakhs has been provided by the Municipal Corporation of Delhi for providing civic amenities in unauthorised colonies in their area. The budget provision has not been allocated to the various unauthorised colonies.

#### Hostels in Delbi University and Colleges

7047. SHRI KANWAR LAL CUPTA: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) total number of seats in hostels in colleges of Delhi University:
- (b) what is the total requirement of seats in hostels for girls and boys;

(c) what is the proposal to add seats in hostels in 1978-79, 1979-80 and 1980-81;

190

- (d) has Government or U.G.C. received any representation from the Delhi University about it:
- (e) if so, the details thereof and the action taken by Government thereon; and
- (f) what specific steps Government propose to take to remove this shortage temporarily?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER1: (a) The number of seats available in the College hostels is 3922 while that in the University hostels is 697.

- (b) to (f). In order to meet the growing demand for hostel accommodation, both in the University and its affiliated colleges, the University ho taken the following steps:-
- (i) Proposals for construction of a new hostel for boys consisting of 200 rooms and a hostel for the Faculty of Music consisting of 50 rooms and addition of 100 rooms to the existing Post-graduate women's hostel in the main campus have already been submitted to U.G.C. and are under their consideration.
- (ii) Proposals for construction of a new hostel for girls consisting of 200 rooms and addition of 100 rooms to the existing International Students Hostel, both in the University Campus, are being sent to the University Grants Commission shortly.
- (iii) The University has approached the Ministry of Health and the Lady Hardinge Medical College, for permission to use 75 rooms, which are currently available, for use as hostel accommodation.

- (iv) The University has recommended to the University Grants Commission a proposal of Shr, Venkateswara College for construction of a hostel and that of LP College for addition of rooms to its evisting hostel.
- (v) A proposal of SGTB Khalsa Cellege regarding construction of a hostel is under consideration of the University

Grants for construction of hosters are given by the University Grants Commission and not by Government

Development of Ghonda Residential Scheme to LLG Employees

- 1048 SHRI MAHI LAL will the Munister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 4391 dated the 19th December, 1977 regarding Development of Ghonda Residential Scheme for persons under L1G and state
- (a) the progress made in the construction of roads, laying of sewage and water supply and completion of electric lines and wires,
- (b) whether tenders in respect of the said items have already been called for, accepted and the work awarded to the contractors,
- (c) whether a good number of houses have already been constructed and/or are under construction in Block 'C'.
- (d) whether the development work in those residential scheme, eg Priampura which were announced much later is far ahead than that of the Ghonda Residential Scheme, and if so, the reasons thereof, and
- (e) the time by which all these facilities will be completed?
- THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-

- HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) and (b) A statement is enclosed
- (c) About 100 houses have come up in Block C
- (d) The Pitampura Residential Scheme was started in 1973 74 and the Ghonda Scheme was started in 1975
- (e) Subject to the availability of material and funds, the development works are expected to be completed by March 1980

#### Statement

The progress in the development of Ghonda Residential Scheme is as under—

- (i) Roads In Block C-1 to C-4 all roads are complete In Block C5 to C9, 9 meter and 135 meter roads are complete and 5 meter roads are in the process of award In Block C-10 to C 12 all the road work is under process of award In Block B-1, B-2 and B-5, 9 meter and 135 meter roads are complete and 5 meter roads are under the process of award All 18 meter and 24 meter roads are under the process of award All 18 meter and 24 meter roads are under execution
- (ii) Sewerage The shallow sewer lines have been laid in Block C-1 to C-6 For the remaining area the designs are under consideration of the Numerical Corporation of Delhi
- (iii) Water Supply 6 tube-wells have been sunk In Block C2 to C4 distribution lines; have been laid in Block C1 the laying of distribution lines is under progress Two sub merssible pumps have already been installed and another two pumps are going to be installed shortly
- (iv) Electrification The estimate for Block 'C' is awaited from the Delhi Electine Supply Undertaking Due to unauthorised occupation of sub-station stex in Block B the estimates could not be prepared Out of 9 sub-station sites planned for this area, 3 sub-station sites bave been handed over to the Delhi Electine Supply Undertaking.

Persons sent abroad for Training in Agriculture

Written Auswers

7049. SHRI MAHI LAL: Will the Minister of AGRICULTURE AND JR? RIGATION be pleased to state:

- (a) the number of persons sent abroad for training in agriculture during the last three years indicating the names of those countries;
- (b) the experience possessed by the persone in the field of agronomy sent for training and the criteria for their selection as also the expenditure incurred on them; and
- (c) country-wise number of foreign agronomists who came to India for imagrating training in agronomy during the said period and the names of the places where their training programme was conducted.

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

# छोटे-छोटे मूमिधारियों वाले देशों को किसानों के प्रतिनिधर्मंडल

7950 श्री भही साल : क्या कृषि श्रीर तिवाई मन्त्री यह वताने की कृषा करेंगे कि क्या तरकार का विचार उन देशों में, वहां भारत की तुकता में भूमि की कोटी-कोटी जोने हैं भीर प्रतिकृष्टियर प्रक्षिक उनक होती है, कितानों के प्रतिनिधमण्डल भेजने का है?

कृषि और सिंबाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : जी नहीं। 600 LS-7 दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अल्पधिक दरों पर मिम की बिकी

7051. श्री दयाराम शाक्य : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मन्दी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने पुनर्वास कालोमियों में 5 रुपय प्रतिगण की दर से भूभि खरीदी थीं और प्रव यह इस पूर्मि का विकास किये वगैर ही 200 रुपये प्रति गण की दर से प्रते वेद रही हैं;
- (व) नग्र यह सन है कि दिक्ती किया प्रशिक्तण हारा गिर्मित किए प्र कता लिट का त्रेवफ्त 25 वर्गाण है जिसमें एक हो करारा है, जिसकी तागत 6360 क्यर है बर्गात 26 वर्गाण पूर्म की साम्बा 5000 क्यर कोर कर्म के सागत 1360 क्यर है जबकि इसमें तीनर, क्सशा बीचायल बीर विजती की व्यवस्था नहीं की गई है: और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस मुनाफाखोरी को बन्द कर जनता को उचित लागत पर मकांन देन के लिए कदम उठाविकी?

िन्तीय और धावास तथा पूर्ति और पुरवित्त मंत्री (भी तिकारद यवात) : (क) को, नहीं ! पुतर्शित कालांगियों को भूमि को दिल्लाकों भी श्वामिटियक प्लाटों में विकासित किया बाता है ! रिहायबी प्लाट लाइसेंस जुल्क के बाधार पर व्यावस्थित किए जाते हैं को 28 वर्षणव के प्लाट के लिए प्रधिक से अधिक 8 प्रधार प्रतिमात है, एक्से एक रुप्या सफाई प्रमार का गामिल है । क्षेत्रन कुछ वाणिविक्य प्रसार का नामिल है । क्षेत्रन कुछ वाणिविक्य प्रसार का नामिल है ।

(ख) प्लाट को लागत केवल 1860/-क्षर्य है और एक कमरे वाले टेनामेंट की लागत 4500/-रुपये हैं। सभी गुनवाँत कालीनियों में मड़क की रोगती बड़कों, पेयबल और शीचालयों बादि के दुप में

सामाजिङ सुदियाये उपलब्द कराई जा जुकी है।

(ग) मकानो को लायत मूलव पर साविट किया जता है सौर कोई लाम नहीं सिया जता है।

# दिल्ली में पुनर्वाम बस्तियों मे दूध की मप्ताई की व्यवस्या

7052 श्री दयाराम शास्य स्या कृषि ग्रीर सिंचाई मन्त्री यह दताने नी कृषा करेगे नि

(म) बचा दिल्ली दुग्ध योजना ने बस्ताणपुरी, मन्दनगरी, नई मीमापुरी मादि जैमी राजधानी को पुनर्वाम बस्तियों में जिनमें प्रशिक्तर गरीब साम बसे हुए हैं, दूध की सम्माई के काई प्रबन्ध नहीं किंट हैं; ग्रीर

(छ) बना मरकार वा विचार इन वस्तियों में नए दुःध टोरन बनाने प्रववा रावत काड़ों के प्राधार पर दूध मप्पाई करने वा है और मदि नहीं, तो उनके क्या बारव ह ?

कृषि और सिवाई मंत्री (थी सुरवीत तिह बरनाला): (प) रिक्ती दुख माजना ने 15-4-77 में मध्य नगरी महिला पुत्रवर्तात नानांतियां में टींड दुख की सप्पाई के जिए प्रकथ निया है। परन्यु किस्ती दुख योजना ने क्टाणपुरी एव नई नीमापुरी की पुत्रवर्तान वांतियां में दूध की सप्पाई के निए कोई प्रकथ नहीं विचा है।

(ख) जो नहीं, दिरती हुए योजना ने प्रतिदिन लगभग 3 75 लाख तिटर हुए ना वितरण करना पहले से ही प्रारम्भ कर दिया है, जो इननी प्रमुग्नतम क्षमना है तया इस समय प्रीर प्रधिक व्यवस्था करने नी कोई गुजाइम नहीं है।

परन्तु, मदर डेरी त्रीघ ही समुनापार के क्षेत्र विचत्रोपुर, त्रितोरपुरी, नन्दनगरी भीर गोकुनपुरी पुनर्वाम कालोनियो में दुख-दूथ स्रारम्भ करेगी। श्चातू एवं प्याज का परिरक्षण

7053. श्री दयाराम शाक्य : क्या कृषि और सिचाई मन्त्री यह बनाने की कृपा मरेगे दि:

- (क) क्या सरनार का विचार झानू एव प्याच को सड़ने से बचाने के निए नई पढ़ीन सपनाने का है जिससे प्रीन वर्ष वर्षी के भौतम में इस कारण होन चाली करोड़ो राष्ये की हानि को रोज़ा जा सके , स्रोर
- (त) जवा मरकार का विचार ऐसे प्रजय करते का है जिससे छोटे किमानो को बैकों से मूल्प मिल सने भीर वे बैकों के माध्यम से प्रपत्ने प्रालू एव प्याज 'कोस्ड माध्यम से जस कर सके जिससे एन्ट्रें प्रधिक साम हो सरे?

हिष और सिवाई मतालय में राज्य
सत्री (थी मानु प्रताप सिह): (क)
कितहाल सालुसी के परिरक्षण के लिए सीन
सम्प्रारों का प्रयोग किता जाता है। सालुसी
की शीत भण्डारों में रखने के सलाया,
उत्तर प्रदेश सरकार के साम्याणी विभाग
द्वारा पहाडी क्षेत्रों में मालुसी को सानुगीत
मण्डारों में रखने के लिए परीक्षण कित् जा
रहे हैं। सालु मीर प्याज वा नम्य परने क
विल् भामा सनु मनुमन्यान केण्य, बस्बई
द्वारा मी परीक्षण किए जा रहे हैं। किर
भी, यह केचल प्रयोगान्यक सदस्या में है।

(घ) वैक प्राधिकृत क्षेत मण्डारों में रखें स्टान के मुकाबले में विमानों को सब भी ऋज की मुविधाए मुलम कर सकता है। सरकार स्रोर संधिक कील मण्डारों की स्थापना को बढावा दे रही है।

## उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों में अध्या-पक्षों की निवक्तियां

7054. श्री इयाराम शाक्य : शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति गन्त्री यह बताने की क्रमा करेंगे कि :

- (क) क्या केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश से 1971 से 1977 की अवधि में राज्य में प्रशिक्षित हजारों प्राथमिक विद्यालय चारमाणकों को सभी तक नियक्त न करने के कारगों की पृछताछ की है जिससे उनमें बढ़ते हुए असन्तीय की रोका जा सके; और
- (स) नग उत्तर प्रदेश के विकास की ध्यान में रखते हुए, केन्द्रीय सरकार उस राज्य में वडे ग्रामों में नयं प्रायमिक विद्यालय खोलने के लिए राज्य सरकार को अतिरिक्त धनराशि प्रधान करेगी, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) उत्तर प्रदेश सरकार से की गई प्रचताछ के फलस्वरूप मालम हुआ है कि प्राथमिक विद्यालयों में नियवित के लिए पात प्रशिक्षित वैरोजनार अध्यापकों की कुल संख्या इस समय लगमन 53,000 है। 1977-78 के दौरान, राज्य सरकार तारा 1:40 के ब्रह्मायक छाव अनवात के साधार पर 10,900 प्राथमिक ग्रध्यापकों सवा 40 से अधिक छात्रों के लिए एक ग्रतिरिक्त अध्यापक की नर्ती के लिए मंजुरी दी गई थी ; इसके अतिरिक्त 1977-78 के दौरान खोले गए 3162 एकन जिलक प्रायमिक विद्यालयों ग्रीर 612 वृतियर उच्च (हाई) विद्यालयों के परिणामस्वरूप 5122 श्रतिरिक्त श्रायमिक श्रध्यापकों को रोजपार मिला। 1978-79 के दौरान राज्य सरकार का प्रस्ताव 317 एकस विश्वक प्राथमिक विद्यालय और 1020 जनियर

- उच्च (हाई) विद्यालय खोलने भा है जिसके फलस्बरूप 7270 ग्रतिरिक्त प्राथिमक शिक्षकों को रोजगार मिलेगा । इसके श्रतिरिक्त विद्यमान अध्यापकों की सेवानिवत्ति तथा त्या**गपत के** कारण जयलब्ध होने वाली रिवितयों के विरुद्ध लगभग 6000 ग्रतिरिक्त ग्रध्यापकों को रोजगार मिसने की सम्भावना है। स्थिति की सम्भीरता से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा निम्नलिखित प्रमुख उपाय किए गए हैं।
- (1) वर्ष 1977-79 में अध्यापकों की भतीं पर पूर्ण प्रतिबन्ध को उठामा जो 1974~ 75 से 1976-77 तक लाग था।
- (ii) सबी प्राइवेट प्रशिक्षण संस्थाओं को बन्द करके और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को सुदुइ बनाकर तथा प्रशिक्षण भी श्रवधि की द्यना करके बी बटी ब्सी व प्रशिक्षित शिक्षकों की वार्षिक संख्या को कम करना ।
- (ख) सरकार ने प्रगले सात वजीं की अवधि में 6-14 आयु वर्ग के सभी वर्ज्वों के लिए प्रारम्भिक शिक्षा की सर्व व्यापी वनाने का निश्चय किया गया है। उत्तर प्रदेश में, सर्वेच्यापीकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए 67 लाख दाखिल न हर अतिरिक्त बच्चों को विद्यालय पद्धति के अन्तर्गत लामा होगा। यह कार्यक्रम औपचारिक स्कूलों और साथ ही अनीपचारिक अंगकालीन शिक्षा द्वारा कार्यान्त्रित किया जाएगा। इस सन्दर्भ में, उत्तर प्रदेश सरकार को, प्रतिरिवत प्रध्यापकी सहित सर्वेव्यापीकरण के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए योजना के अन्तर्गत राज्य और केन्द्रीय, दोनों क्षेत्रों में पर्याप्त राजि प्राप्त होगी।

#### Power Given to Director of Education, Delhi

7055. DR. VASANT KUMAR PAN-DIT: Will the Minister of EDUCATION

SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether any rule of Delha School Education Act or Rule 1973 give power to the Director of Education Delha who is a respondent in an appeal filed by an employee, to allow the management of any school who is also a respondent to start de novo enquiry after setting aside the termination orders by the Delhi School Tribunal

(b) if not, whether it is correct that the Director of Education Delhi issued any instruction to the Manager of an aided school of Delhi to this effect and

### (c) if so reasons why?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRI-MATI RENUKA DEVI BARAKA-TAAL) (a) NO S.r

(b) and (c) The position is being ascertained from the Delhi Administration and facts will be laid on the Table of the House

# Money Involved in Foodgrain Storage

7050 SHRI G M BANATWALLA-SHRI MUKHTIAR SINGH

MALIK
Will the Minister of AGRICUL-

Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) the quantity of foodgrains with the Food Corporation of India as on 31st March, 1978,
- (b) what is the money involved therein for foodgrains storage in the country during the last three years, year-wise,
- (c) the agencies, banks etc from whom FCI has obtained wans for

the storage of foodgrains as on 31st March, 1978, and

(d) whether FCI propose to obtain fresh loans for the coming rabs wheat crop expected in the next three months and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN FIRE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRII BHANU PRATAF SINGH) (a) The quantity of the foodgrams with FCI as on 31st March 1978 was 13724 lakh tonnes (provisional)

(b) The value of foodgrains held by the FCI at the end of the last three years was as under —

Rs / Crores 31-3-76 1390 66 31 3-77 2184 69 31-3 78 (Provisional) 1880.95

(c) The funds required by the Corporation for financing the stocks of feedgrains are obtained by it primarily from the banking sector. The Corporation has also obtained losis and equity from the Government of India for its buffer stock operations. The bank over-draft its provided by a consortium of banks with State Bank of India as the leader.

(d) No Sir

.

Development of Sanskrit

7057 SHRI G M BANATWALLA-SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether Government have since approved Sixth Plan for the development of Sanskin in the country,
- (b) if so, the amount allocated for the purpose during the 6th Plan, and

(c) main features of the plan relating to strengthening of correspondence courses, institution of composite course for teaching Sanskrit alongwith the mother tongue and research development;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SO-CIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARA-KATAKI); (2) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) Main features of the Plan are being worked out.

#### Procurement Plan for Rabi

7058. SHRI G. M. SANATWALLA:

' SHRI R. V. SWAMINA-THAN;

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRI RAMANAND TIWARY:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether Government have since finalised the procurement plan of rabi harvest from the farmers of Wheat Growing State of the country during the next six months; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (h). Attention of the Honourable Member is invited to the statement made by the Minister of Agriculture and Irrigation on the Boor of the Sabha on 12th April, 1978, giving details of procurement plan in respect of wheat for the 1978-79 Rabi Marketing Season.

#### Coarse Grains for Orissa

- 7059. SHRI K. PRADHANI; Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:
- (a) whether the Central Government are aware of the inadequate supply of coarse varieties of foodgrains for meeting the basic requirement of such foodgrains of the tribal and other backward population in the State of Orissa:
- (h) whether Central Government are also aware of the discontent prevailing among the tribal population in the State over the inadequate stock of milo available for them; and
- (c) if so, what steps the Central Government are taking to increase the supply of coarse grains to the State for these people?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGE); (a) and (b). According to the information received from the Orisse Government, availability of coarse-grains in Orises is adequate. The Orises Government have also reported that tribled in Orises do not consume mile.

(c) Does not arise.

#### Master Plan for National Capital Region

7060. SHRI K. PRADHANI: Will the Minister of WORKS AND TOUS-ING AND SUPPLY AND REHABILI-TATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government have prepared a new Master Plan for the National Capital Region: and
- (b) if so, what are the details thereof?
- THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) No, Sir.
  - (h) Does not arise.

बिहार में फाल्गुन नदी पर बाध

203

7061 श्री ईश्वर चौधरी : कृषि और सिचाई मती यह बताने की हुआ करेगे वि

- (क) बना सरनार को मालूम है वि विहार में फारगुन नही गरियों में सूख जाती
- (ख) यदि हा तो क्या इस नदी पर बाध का निर्माण करने की योजना सरकार के विचाराधीन है जिससे 12 महीने जल मिल सवे, स्रोर
- (ग) यदि हा, तो हत्सम्बन्धी व्योरा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मदी (धी सुरजीत सिंह बरनाता) (क) फाल्पुन नदी को उननी कपरी पहची में लीलाजान वहा जाता है। यह हजारीबाग जिले दे पहाडी केंग्रो से निक्लती है और यह एक वर्षा-पोपित नदी है । भी गर्मी के दिनों में विसक्त गुन्द अति है ।

(ख) ग्रीर (ग) विहार सरकार ने वेन्द्रीय जल आयोग को तक्तीकी जान के लिए "लीलाजान जलाशय स्नीम" प्रस्तुत की है जिसमें मिट्टी ने दो वाधी का निर्माण परिकरिपत है जिनमें में एक बाध लीलाजान नदी ने ऊपर सिन्द्यारी गाव ने निकट और दूसरा विहार ने हजारीवाग जिले में जोरी गाव वे निषट जाम नदी पर बनाया जाता है। इस परियोजना पर 19.85 करोड रूपये की लागत आने का अनुमान है और इसमें गया और हजारीबाग जिलों में प्रति वर्ष 36.915 है स्टेयर क्षेत्र की सिचाई होगी।

राष्ट्रीय सस्रुत सस्यान के ग्रधिकारियों के विलाफ क्यित ग्रारोप

7062. थी नवाव सिंह चौहान : क्या शिक्षा. समाज बत्याण और संस्कृति मती यह बनाने की क्या करने कि

- (व) बया निज्ञा मज्ञालय को राष्ट्रीय सस्त्रन मस्यान वे ग्राधनारियों वे खिलाफ शिक्षायनें प्राप्त हुई थी, ग्रीर
- (य) यदि हा, तो इन शिकायनो का स्वरूप क्या है और एन पर नरा कार्यवाही नी मई है ?

शिक्षा, समाज कत्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मती (श्रीमती रेण्डा देखी बडकटकी) : (न) जी, हा।

(ख) सामान्य रूप में शिकायतों में क्रियन प्रणासनिक तथा विसीय प्रनिर्वामत-काओं और गैर कानुनी परिनोपण लेने का उल्लेख निया गया है। बुछ मारोप निराधार बाये गये है, तया कुछ एक की उपयक्त प्राधि-कारियो द्वारा जान की जा रही है। इसके भ्रतिरिक्त, साधारण प्रशासनिक प्रकृति की शिकायनो पर विभागीय कार्रवाई परले ही की जा चुकी हैं।

राजमाया प्रधिनिधम, 1963 के प्रधीन बनाये गये नियमो का पालन

17063 श्री नवाब सिंह चौहान : नवा शिक्षा, समाज फल्याण और संस्कृति मजी यह बताने की अधा नरेगे कि -

(क) क्या राजभाषा मधिनियम, 1963 वे अधीन बनाये गये नियमा की धारा 3 (3) के उपबन्धों का उनवे मजालय में पूरी तरह कियान्यपन नहीं किया जा रहा है.

किये गये: ग्रीर

(म) यदि उक्त धारा का पूरी तरह से कियान्वयन नहीं किया जा रहा तो इसके वया कारण हैं तथा उसकी कियान्विति वे लिये क्या कदम उठाये गये हैं ?

शिक्षा, समाज करबाण तथा संस्कृति मंत्री (हा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) से (ग). सुचना एक सकी जारही है और लोक समा पटल पर रख दी जायेगी।

### मंत्रालय द्वारा प्रकाशित प्रकाशन समाचार-पत्र और पत्रिकायें

7064. श्री नवाद सिंह चौहाम : स्वा शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंती यह वताने की क्ष्मा करेंगे कि :

- (क) उनके मंत्रा*लय/*विभाग द्वारा 1977 के प्रकाशित प्रकाशनीं, समाचारपतीं ग्रीर पविकाशों के नाम क्या है;
- (ख) उनमें से कितने प्रकामनों, समा-चारपतों और पितकाओं को हिन्दी में भी प्रकाशित किया गया तथा भेग प्रकाशनों को हिन्दी में प्रकाशित न करने के क्या कारण है;
- (ग) ध्या सरकार का विचार उन सभी प्रकालनों, समानारपक्षों और पविकाओं की हिन्दी में प्रकाशित करने का है जो इस समय ग्रवेजी में प्रकानित की जाती हैं; श्रीर
- (घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

शिक्षा, समास कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) से (भ). सुचना एकल की जा रही है लया सभा पटल पर रख दी जावेगी।

206

# उत्तर प्रदेश की ग्रावास सहायता

7065. श्री राजन्द्र कुमार शर्मा : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पूनर्वास मंत्री यह बताने की ध्रमा करेंगे कि:

- (क) उत्तर प्रदेश को ग्रावास योजना के विए 1975-76, 1976-77 ग्रीर 1977-78 के लिए कमतः कुल कितनी राशि का न्नावंटन किया गया:
- (ख) क्या राज्य है नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-प्रलग बावंटन किया गया है: श्रीर
- (ग) यदि हां, तो इस बारे में पूरा स्वीराच्या हैं?

विमाण और आवास तथा पूर्ति और पुनवीत मंत्री (श्री सिकन्दर बरत): (क) से (म). राज्य सरकारों को सभी राज्य क्षेत्र कार्यकमों के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता 'समेकित ऋषों' और 'समेकित अनुवानों' के रूप में दी जाती हैं जो किमी योजना विशेष बा विकास शीर्ष से संबद्ध नहीं होती । राज्य सरकारें विभिन्न राज्य क्षेत्र कार्यकर्मों के विए ग्रपनी बादश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार निधियां निर्धारित करने में स्वतंत्र हैं। पिछले तीन वर्षों अधीत् 1975~76, 1976-77 और 1977-76 के दीरान उत्तर प्रदेश सरकार का आवास पर योजना

परिव्यव जिन्नन ग्रामीत ग्रावास ग्रामिल है. कमज 654 लाख, 1372 लाख मार 1419 लाख स्पर्वे था।

ग्रादास तथा नगर विकास निगम ने वर्ग 1975-76, 1976-77 मीर 1977-78 म उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न सावान ग्रमिनर्गा को त्रमा 8 44 वरोड राने. 7 04 जरीड करने मीर 9 16 करोड दावे के ऋषा की स्वीतित दी भी।

# तम्बास् का उत्पादन

7066. थी राजेन्द्र हुमार शर्मा वया कृषि भौर सिवाई मत्री यह बनाने की हुना क्रोंगे कि

(क) देगमें 1976-77 और 1977-78 के दौरान विभिन्न राज्या में विभिन

ग्रजिल मारत .

(ख) बुल ज्वितो मात्रा में तन्सर्वा नियान क्या मया स्थार उसमें कितनी विदेशी मद्रा प्रदित की गईं?

क्षि और मिवाई मन्नी (थी मुस्बीन सिंह बरनाता): (न)एश विवरण मनान है, त्रिनमें तन्याक पैदा करने वाले प्रमुख राज्यो में बर्व 1976-77 के दौरान तस्त्राक्त का हिस्स बार उत्पादन विदा गया है । राज्य मरबारी में वर्ष 1977-78 वे लिए ऐसी ही मुबना इपि वर्ष मनाप्त होने भवीत् बनाई प्रवस्त, 1978में विनो ममय उपलब्ध हो महेगी।

(व) वरं 1976-77 वे दौरान 96 6 बरोड स्पर्व के मृत्य के 80 1 हबार मीटरी टन तथा वर्ष 1977-78 के प्रयम स्पारत महीनों के दौरान 105 4 वरीड राजे के

| किस्म के नम्बाकू का क्रिना उन्हा<br>चौर |                      | य के 71 2 हजार मोट<br>विदेश किया ग्या। | शादन तम्बान् |
|---|----------------------|--|--------------|
|   | विवरण                |  |              |
|   |                      | (हजार                                  | मोटरी टन)    |
| राज्य                                   | निशोटियान।<br>रस्टिश | विकोटिमाना<br>टैंबैक्स                 | योग          |
|   |                      |  | -            |

वर्जीनिया

|              | 1 |               |   | 2   | 3    | 4     | 5     |
|--------------|---|---------------|---|-----|------|-------|-------|
| भान्य प्रदेश |   | <del></del> - |   |     | 91 7 | 41 8  | 133.5 |
| बिहार        |   |               |   | 7 2 | _    | 5 8   | 13.9  |
| गुजरात       |   |               |   | _   | _    | 164 6 | 164 6 |
| वर्नाटक      |   |               | • | 0.7 | 2 4  | 23 6  | 26.7  |

सडीमा

महाराष्ट्र राजस्थान

19 8 19.8

7.6

5.4 तमिलनाइ

उत्तर प्रदेश 10.2 पश्चिम समाल 12.4 2.5 15. 28 4

94.4

291.4

414

## प्राचीन ऐतिहासिक सामग्री की सुरक्षा के लिए विशेष ग्रनिलेखागार

7067. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि :

- (क) बना सरकार का विजार प्राचीन ऐतिहासिक सामग्री की मुरला के लिए कोई विजेष अभिनेखागार बनाने का है;
- (ख) यदि हां, तो वह कहां पर बनावा जाएगा ; और
- (ग) उसके निर्माण पर कुल कितना स्मम किया जाएगा और यह कव तक बन कर तैयार हो जाएगा ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी, नहीं । इस प्रकार के किसी विशेष प्रभितेखा-गार को स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ख) और (ग). प्रश्त नहीं उठता ।

निर्धमों के लिए त्रावास
7068. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा :
श्री सरत कार :

क्या निर्माण श्रीर श्रावास तथा पूर्ति श्रीर पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृया करेंगे कि:

(क) वर्ष 1978-77 और 1977-78 में निर्धनों के आवासों के निर्माण के गर्ध हैं। और (ख) उपर्युक्त योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में कुन कितनें मकानों का निर्माण किया गया?

इसके श्रतिरिक्त, इस श्रविष्ठ के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों को विभिन्न सामाजिक श्रावासीय योजनाएं चलाने के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय ने 3,925 लाख रुपये की आवस बीमा नियम ऋण का नियतन विकार 1

इस धवधि में दौरान धावात तथा नगर विकास निगम ने राज्यों में धावास ध्रमिकरणों को कुल मिलाकर 8,908,63 साख रुपये के प्रदेश मजुर किए को ऐसे परि-सारों के लिए मकान बनाए जिनको मासिक ग्राय 600 रुपय से ध्रमिक नहीं हैं।

(ख) विभिन्न आवासीय योजनातों के अन्तर्वतं उत्तर प्रदेश में 58,549 मकान बन चुके हैं। इसके स्नितिस्त ग्रामीण क्षेत्रों में 12,12,014 परिवारों को वास स्थल दिए जा कुके हैं। इसके स्नितिस्त, इस अवधि के सीचन सहकारी आवास सिनित्तों ने भी मकान क्ष्मण हैं। उत्तर प्रदेश गुड ग्रीर खण्डमारी मर्चेट्स फेंड-रेशन, मजपकरनपर की भीर से जायन

7069 भी धर्म सिह माई पटेल -क्या कृषि भीर सिचाई मती यह बतान की कृपा करेगें कि

- (क) वया उत्तर प्रदेश गृह प्रोर सड सारी मर्चेरम फेडरेशन नद महा गृज्यकर-नवर नदानद स्वाप्त हामा दिव्या है जिसमें सन उत्तादक सता में मन्मीर प्रार्थिय सन्द नद्या और गृह उत्तादका का भागी हानि खडसारी कमरा बार वानी मिला व वन्द हाने और विमाना का गर्दे क उचित मूख्या क मुगनान के बारे में 9 मार्ग प्रस्तुन का गई है पहि हा ता सम्में किस रिस प्रवार
- (ख) उन 9 मागो के सम्बन्ध में मरकार ने क्या तात्कालिक मौर प्रभावकारी क्यम उठाय हैं, घीर
- (ग) गता उत्पादका तथा वरनारी निर्मानाधा के हिंग की रक्षा करन क लिथ क्या कामवाही की गई है प्रयता करन का विवार है तथा प्रस्तावित कार्यवाही कव की आपनी?

कृषि धौर सिंबाई भवातय में राज्य मत्री (धौ मानु प्रताप सिंह) (क) जी हा। मागा का ब्यौरा सत्तमा विवरण-] में दिया गया है। [प्रन्यातय में रखा गया देखिये सब्या एउटी--2114/78]

(य) कोर (ग) गते वी मरपूर फनाल होने ओर सभी स्वीदित्तम तरा वे मुख्या में पिरायद धान के नारण पैदा हुई न्यित की दृष्टि में तरवार डारा विरु पए उपायो वा ब्योरा गतना चिवरण—II में दिया नया है । प्रियालाय मे क्या गया । देखिये सच्या एसटी—2114/28] । Drinking Water in Maharashtra

7070 SHRIR K. MHALGI

SHRI BAPU SAHEB PARULEKAR

Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state

- (a) the number of villages (District, wise) in Maharashtra where safe drinking water is not available as in March 1978
- (b) the time by which arrangements of safe drinking water in the said village, will be made, and
- (c) the plan of Central Government in this regard?

THE MNISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) and (b) The requisite information has been called for from the Government of Maharashtra and will be laid on the Table of the Sabha on receipt

(c) In order to accelerate the pace of provision of dinnking water in rural areas in various States (including Maharashira) the Government of India hate launched a Centrally Sponsored Accelerated Rural Water Supply Programme from 1977-78 to give grant in-oid to State Governments for providing drinking water in problem villages. The programme envivages the coverage of all problem villages in the country in about 6.7 years

Grant-in aid amounting to Rs 31280 lakhs has so far been given to Maharashira during 1977 78 under the Centrally Sponsored Programme

# भारतीय खाद्य निगम द्वारा मध्य प्रदेश में धटिया किस्म के गेहूं की सप्ताई

7071. डा॰ सस्मीनारायण पांडेय : नवा कृषि और सिंचाई मंत्री यह नताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारतीय खाद्य निगम द्वारा कुछ स्थानों पर उन्नाई किया जा रहा ने हूं बहुत ही घटिया किस्स का है और तडा हम्रा है;
- (ख) क्या मध्य प्रदेश के बधिकारियों मे ऐसा गेड्ड केते से इन्कार कर दिया परन्तु फिर भी वहीं गेड्डें उन्हें सप्लाई किया जा रहा है :
- (ग) क्या राज्य सरकार ने इस सारे में केन्द्रीय सरकार को भी सुचित किया है;
- (घ) यदि हां, तो इस दारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रासय में राज्य मंत्री (श्री सानु प्रताप सिंह): (क) बीर (ख). जी नहीं ! सार्वजनिक वितरण के लिए सरकार झार निधारित मानकों के अनुख्य स्टाक ही चलित मूच्य की दुकानों से दिया जाता है !

- (म) जी नहीं।
- (घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

गन्ना मूल्य ब्रायोग नियुक्त करने के लिये प्रस्ताव

7072. डा॰ लक्ष्मीनारायण पाँडेम : क्या कृषि श्रीर सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार का विचार प्रतिवर्ष गन्ने का मून्य निर्धारित करने हेतु एक पृथक गन्ना मृत्य आयोग नियुवत करने का है;
- (ख) क्या यह सच है कि इस समय नियुक्त समिति अवंदा आयोग का दुष्टिकोण क्या क्यायकों के हित में नहीं है और इसके स्थान पर दूसरी समिति अवाचा आयोग नियुक्ति करने की मांच की गई है जो किसानों के दियों का द्यान रखें :
- (ग) क्या गमा खरीय अधिनियम में उपयुक्त संजोबन करने की प्रावश्यकता है;
   और
- (घ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिकिया है ?

कृषि और तिचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागु प्रताप तिह) : (क) जीनहीं।

- (ख) कृषि मृत्य प्रायोग का रवैया गन्ना उत्पादकों के प्रतिकृत नहीं रहा है। हाल ही में, गन्ने के मृत्य निर्वारित करते के लिए पुत्रक निवम निमुक्त करने की व्यवस्था करने के निए स्रोक सभा में एक प्राइवेट मेन्बर विन येन किया गया है।
- (ग) बेल्हीय सरकार ने "गला क्य प्रविनियम" के नाम से कोई प्रविनियम नहीं बनामा है। तथापि, पत्रा (नियंत्रण) आदेण, 1966 हारा भन्ने का मूल्य निर्मारण शासित होता है। फिलहाच क्स प्रादेग में कोई भी संगी-धन करने पर विचार नहीं किया जा रहा है।
- (घ) उपर्युक्त (ग) की दृष्टि में प्रश्न ही नहीं उठता।

# Written Answers Price of Agricultural Inputs

7073 SHRI G Y KRISHNAN WILL the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) what were the prices of insectiendes, fertilizers and other agricultural inputs during the period from April, 1976 to January, 1977 and from April, 1977 to January, 1978 and
- (b) what facilities were provided to the farmers during these period in respect of insecticides, fertilizers and other agricultural inputs?
- THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SUBJIT SINGH BARNALA) (a) A statement showing the prices of the more important insecticides, seeds and fertilizers during the periods from April 1976 to January, 1977 and April, 1977 to January, 1978 is appended
- (b) The following facilities were provided to the farmers in respect of insecticides, seeds and fertilizers -

### I Insecticides/Pestandes

1 Efforts were made to make available insecticides/pesticides to farmers at as reasonable a cost as possible in two ways, (1) Firstly, appropriate subsidies were given wherever possible For example, under the Centrally Sponsored Endemic Areas Scheme for Eradication of pests, Government has been providing subsidy on operation cost @ Rs 750 and Rs 1750 per ha for ground and serial spraying respectively Besides, under a sub-scheme of the main endemic areas scheme, Government has been providing central assistance @ 33 per cent to 50 per cent towards the cost of pesticides, and operational subsidy @ Rs 750 per ha by ground operation for the control of five pests of national importance Further Government has been giving subsidy @ 25 per cent towards the cost of weedscades and ground operational subsidy @ Rs 7.50 per hactare (ii) Secondly, as a result of Government persuasion, the Pesticides Industry agreed to re-

Written Answers duce the prices for a number of pesticides ranging from 2 per cent to 12 per cent

2 Efforts have been made to ensure availability of pesticides to farmers at the right price by introducing a scheme of allocating 50 per cent of the technical grade pesticides to the State Governments for formulation and sale through their formulating units in the States with a view to breaking the monopoly of distribution by a single agenty

#### 11 Seeds

- 1 Government is giving subsidy to farmers under Intensive Cotton District Programme, Pulses Development Programme and Oilseeds Development Programme
- 2 Prices of some varieties of seeds have been reduce as shown in the statement
- 3 Government have launched the National Seeds Programme which aims at adequate and timely supply seeds to farmere at reasonable prices through the net work of sale counters and dealers at the village level

### III Fertilisers

- 1 Efforts were made to make available fertilisers to farmers at reasonable a cost as possible by (a) reducing prices wherever possible. providing subsidy to farmers, and (c) reduction of customs duty/excise levy where possible
- 2 Efforts were made to increase the number of retail outlets and storage points so that fertiliser became available to farmers nearer to the place of consumption
- 3 To cope with unforeseen shortag es of fertilisers due to failure of domestic production or sudden sport in demand, a system of buffer-stocking was introduced.

Statement showing the approximate prices of inacticides, Fertilizers and Seeds during the period from April. 1976 to January, 1977 and from April, 1977 to January, 1978.

|     | Name of Products             |        |      |         | Price<br>to | from April, 1976<br>Jannuary, 1977 | Price | from April, 197<br>o Jannuary 1978 |
|-----|------------------------------|--------|------|---------|-------------|------------------------------------|-------|------------------------------------|
|     |                              |        | 1    |         |             | (Rs.)                              |       | (Rs.)                              |
|     |                              |        |      | 1       | NSECT       | TCIDES                             |       |                                    |
| Į,  | B.H.G.: Technical .          |        |      |         |             | 5,500/tonne                        |       | 3,700/tonne                        |
| 2.  | Malathion Technical          |        |      |         |             | 28,000/tonne                       |       | 26.0co/terre                       |
| 3.  | DDT Technical .              |        |      |         |             | 12,920/toune                       |       | 11,930/tonne                       |
| 4.  | DDVP Technical .             |        |      |         |             | go,coo/tome                        |       | 85,000/topne                       |
| 5•  | Copper Oxychlorida Te        | ch.    |      |         |             | 24,000/tonnc                       |       | 20,000/tonne                       |
| 6.  | Aluminium Phosphide T        | cch.   |      |         |             | 90,000/tonne                       |       | 72,000/tenne                       |
| 7.  | 2, 4-D Technical .           |        |      |         |             | 24,000/tonne                       |       | 20.000/terre                       |
| 8,  | Endosulfan (35% EC)          |        |      |         |             | 70/litre                           |       | 6c/litre                           |
| 9.  | BHC (50% WDP) .              |        |      |         |             | 4,600/tonne                        |       | s,600/tonne                        |
| 10. | DDT (50% WDP) .              |        |      |         |             | 10,000/tonne                       |       | 9:5co/tcane                        |
| ıı. | Monocrotophos .              |        |      |         |             | 146/litre                          |       | 146/litte                          |
| 12. | Carbofuran                   |        |      |         | p           | 13,600ftenne                       |       | 13,600/tonne                       |
| 13. | Phenthoate (50% EC)          |        |      |         |             | 6o/litre                           |       | 6o/litre                           |
| 14. | Phorate (10% granules):      |        |      |         |             | 63/kg.                             |       | 63/kg.                             |
| 15. | Phosolone (35%) .            |        |      |         |             | 86/litre                           |       | 66/litre                           |
| MA  | IZE                          |        |      | Si      | EEDS        |                                    |       |                                    |
|     | (a) G. S-2, Histarch & I     | Decos  | n".  |         |             | 400/quintal                        |       | 400/quintal                        |
|     | (b) G-4, G-5 & Him-12;       | 3 •    |      |         |             | 425/quintal                        |       | 425/quintal                        |
|     | (c) Vilay Composite          |        |      |         |             | 380/quintal                        |       | 380/quintal                        |
| SOL | GHUM:                        |        |      |         |             |                                    |       |                                    |
|     | (a) C.S.H-1                  |        |      |         |             | 730/quintal                        |       | 730/quintal                        |
|     | (b) C.S.H5 & C.S.H           | 6.     |      |         |             | 955/quintal                        |       | 885/quintal                        |
| BĄ  | JRA<br>All varieties         |        |      |         |             | 955/quintal                        |       | 650/quintal                        |
| WF. | IEAT                         |        |      |         |             |                                    |       |                                    |
|     | All varieties .              |        |      |         | 2ţ0 to      | 255/quintal                        | 255   | to 255/quintal                     |
| PA  | DDY<br>(a) Coarse & Medium ( | Zoarsi | e Va | rictics | 180 to :    | 200lquintal                        | 168 t | o 18olquintal                      |
| (1  | b) Fine & Medium Fine        | Varie  | ties |         | 200 to 9    | 220/quintal                        | 190 t | o 216/quintal                      |

# Fertilizers

Rs per tonne

| Nam- of Fertilizers                      | Price during Ap                                 | nl, 1976-January,<br>977      | Price during                     | April 1977-Jaunar<br>1978                                       |
|--|---|-------------------------------|----------------------------------|---|
|  | Imported  | Indigenous                    | Imported                         | Indigenous  |
| Urer 46% N                               | 1750 \$   | 1750 ª                        | *1650 (1550<br>from<br>12 10-77) | *1650 (1350<br>from<br>12 10-77)                                |
| Ammonium    Sulphate<br>100 kg packing . | 925 *   | 925 *                         | *925                             | *925  |
| Lin Innun Netrale                        | ••  |                               |                                  |   |
| 12% 1                                    | -   | *1015                         |                                  | *1015   |
| 45° U . • •                              | *10€o   |                               | *10Go                            |   |
| Di Ammonium Phosphate                    | 2600 (2210<br>from<br>20-4 76) ]                | 2210                          | 2210                             | 2210  |
| Muriate of Potath (100<br>kg Packing)    | 900   | ••                            | 79,                              | •   |
| Amm Nuro-Phosphota                       |   |                               |                                  |   |
| 30-30 ¢                                  | 1660 FACT<br>FCI                                | 2150<br>1950                  | 1590                             | 1845 FAC<br>1750 FCI  |
| 31-31 0                                  | 2295 (2270<br>from<br>20 4 76)<br>IFFCO<br>34FL | 2270<br>2330                  | 2045                             | 2080 IFFCO<br>1950 MFL  |
| N P K                                    |   |                               |                                  |   |
| 15 15 15                                 | 1615 (1570<br>from<br>20 4 76)                  | 1570                          | ₹520                             | 1520  |
| 7 17 17 .                                | 2125 (1970<br>from<br>20-4 76)                  | 1970                          | 1810                             | 1810  |
| 4-28-14                                  | 2020  | 2920                          | 1855                             | 2045  |
| ingle Superphosphate                     | •   | 492 to 686<br>(from 18-10-75) | •                                | 496 to 662<br>(freeze 121-4-77)<br>475 to 676<br>(from 1-12-77) |

### Flood Control Scheme in Rajasthan

7074, SHRI S. S. SOMANI: the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the Rajasthan Government has formulated new perspective flood control schemes of the order of Rs. 15.30 croses in the State-
- (b) whether Central Government is aware that there are certain parts in the State where there are chronic drought conditions and facing worst flood furr after every two years; and
- (c) if so, the details regarding the scheme sponsored by the State Joyernment and the financial assistance extended by the Central Government to the State?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): The State Government of Rejecthen have reported that they have taken up a phased programme of flood control in the State, at an estimated cost of Rs. 27.94 crores against which an expenditure of Rs. 9.33 crores been incurred upto March, 1978.

- (b) The Member probably has mind the areas lying in the North-Eastern parts of the State which are subjected to both drought and flood conditions like Bharatpur district and other scattered pockets.
- (e) Flood Control and irrigation form part of the State Sector and, therefore, the initiation, planning and execution of flood control and irrigation schemes including financing thereof is the responsibility of the State Governments. However, during 1977-78, an Advance Plan assistance of Rs. 7.97 crores was allocated to the State by the Centre for meeting the increase in expenditure necessitated by floods. Out of this, the amount earmarked for flood control schemes was Rs. 2.70 crores as detailed below:-

### 1. Bharatour district :

(Rs. in lakhs) ( i) Providing increased capacity of regulators on inundation tanks of Banganga 30.00 (ii) Providing increased capacities of regulators of inundation tanks of Looparail. 20.00 (iii) Renovating and remodelling Homes Canal. 10.00 (iv) A catch-water storm drain in the West of Bharatpur- district opposite Ranject Nagar leading the flows into the outfall drain including the washed away road bridge . 25.00 (v) Provision for spreding up construction of outfall drain. 50-00 2. Providing link drain and inlets into Pahari Kaman drain. 15.00 3. Providing pump houses and pumping sets for permanent arrangements of pumping flood waters from low lying areas into the Kaman Pahari dmin. 20.00 4. Restoring, raising and strengthening and providing embankments in vulnerable reaches on Banganga river. . 100.00 TOTAL : " 270.00

### पुनर्वाम बस्तियों के निर्माण में दिवस्तें

7075- श्री एस० एस० सोमानी: क्या निर्माण भौर भावास तथा पूर्ति भौर पुनर्वास मत्री यह बतान की कृपा करेंगे वि

- (क) क्या सरकार का ध्यान इस तथ्य की सार दिलाया गया है कि दुखाँम विकास के निवासी इस बात का निर्णय नहीं कर पा रहे है कि ये दिल्ली में जन्हें सावदित लाटों पर पहले महानों का निर्माण करवायें सववा वेप्स्ले सावेपान कार्ड बनवाये क्योंक की कृष्ण की के समय राध्य कार्ड दिलाना जरूरी है.
- (य) क्या राजन कार्ड बनाने सम्बन्धों नियमों के ध्रुसार किसी व्यक्ति को राखन कार्ड तभी जारी किया जाता है जब उनका स्थायी पना हा मौर दर परिस्कितियों में न को मकान कार्डी निमाण किया जा नकता है और न ही राजन कार्ड बनवाया या सकता है, और
- (ग) यदि हा, सा सरकार ने इस समन्यानाच्याहन निकालाहै ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और
पुनर्वास मंत्री (श्री सिहन्दर सहत): (जृ) और
(य) आपून- वाज और पूर्वित, दिन्मी
प्रमायत न मूनिन निया है हि पह व्यक्ति वा
दिल्की ने मय राज्य क्षेत्र में न्यायी वीर पर रह
रहा हो या रतना वाहना हा और वह पाहिसादिन पूर्व कांग्रे वत्यकात ना राहता हो तो यह
उम के लिए प्रावेदन नर सहना है। कुठ नाई
ने पत तभी जारी निया नाता है वह सावेदन
पराने यागर हुए रत पर रह रहा हु, चाह
उम मूनियम संपनान्यायी हो सा प्रमायती
विना पत्र ने (हान्येन) वाई उन व्यक्तिओ
वा पत्र ने (हान्येन) वाई उन व्यक्तिओ
वा पत्र ने ही होन ना नाई जिस आरी
विना पत्र ने ही हिन ना नाई जिस आरी
विना पत्र ने ही हिन ना नाई जिस पारी निहनन

### (ग) प्रश्त हो नही उठना।

### Ban on Hunting of Wild Animals

7076 SHRI K MALLANNA W.II the Minister of AGRICLTURE AND IRRIAGATION be pleased to state

(a) whether the Central Government have issued orders to prohibit completely the hunting of wild animals,

(b) if so, the names of the States which have complied with these orders, and

(e) whether Government propose to frame rules restricting the trading in the hide of panther also in order to discourage the tendency of hunting?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA). (a) No, Sir

(b) Does not arise

(e) Sale or offer for sale of ponther or any article made out of it, any trophy, uncured trophy or meat derived from it is strictly regulated under Section 43 of the Wild Lafe (Protection) Act, 1972 As the Leopard or Panther is included in Schedule I of this Act, its hunting is totally bannel.

#### Scheme for Personal Promotion in B.H.U and A.M.U

7077 SHRI DURGA CHAND Will the Minister of EDUCATION, SO-CIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether it is a fact that a scheme for personal promotion for various categoins of teachers has been introduced in Banaras Hindu University and Aligarh Muslim University.

- (b) if so, what are the details thereof and from when the scheme has been introduced:
- (c) what steps Government are taking to introduce the scheme in Delhi University and other Central Universities and by when the scheme will be introduced; and
- (d) if the answer to part (c) above he in the negative, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) No, Sir. However, the Executive Council of the Banaras Hindu University, at its meeting held on October 27, 1977, decided that the teachers already recommended for promotion by duly constituted Selection Committees under the Personal Promotion Scheme, which was discontinued from 1974 onwards, be given the benefit of personal promotion to mark the celebration of the Diamond Jubilee of the University with effect from January 24, 1977, under intimation to the University Grants Commission.

The Executive Council of the Aligarh Muslim University also passed a resolution in February, 1978 to the effect that all those members of the teaching staff, who were considered eligible by the Selection Committees for personal promotions in 1973-74 and were not accommodated in higher posts in the first 5 per cent selections, may be accommodated, after the approval of Executive Council in each case in the next higher posts on similar lines as in the Banaras Rindu University.

According to the information received from the University Grants Commission, the Personal Promotion Scheme which was introduced in the Central Universities, was allowed to be implemented only for one year, in 1972 and thereafter it was withdrawn. The Banaras Hindu University, however, continued this during

1973 and this was objected to by the University Grants Commission. The Commission have taken serious exception to the decision of the Banaras Hindu University and the Aligarh Muslim University and the matter is presently under consideration of the Government.

#### (b) Does not arise.

(c) and (d). The Sen Committee bad in its report recommended Scheme of Personal Promotion University and College Teachers, This recommendation has not been accepted by Government so far.

### Coarse Grain Output during VI Plan

7078. SHEI G. S. REDDI: Will the Minister of AGRICULTURE IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether Government have any plan to tocrease course grain output during the Sixth Plan; and
  - (b) if so, details thereof?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) Yes, Sir.

(b) In the current Plan, it is proposed to increase the production of coarse grain in the country through (a) increased coverage under high yielding varieties/hybrids of jowar, bairs and maize by 5 million hectares; (b) conservation of soil and moisture and adoption of other dry farming techniques on a large scale; and (c) need based pest management particularly in the case of jowar where high yielding varieties/hybrids similar maturity period need to be cultivated in large compact areas within the shortest possible time to avoid pest build up,

Groundaut Seed Multiplication Programme

7079 SHRI BALASAHER VIKHE PATIL

SHRI D D DESAI

Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleas ed to state

- (a) whether attention of the Gouern ment has been drawn to the new steem published in the Economic Times david the 20th March 1972 indicating that groundnut seed multiplication programms undertaken by the Indian of and Produce Exporters Association is likely to run in Jeopardy for want of funds and
- (b) if so whether Government are considering the need to give financial assistance to the programme?
- THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) Yes Sir
- (b) The matter is under consideration of the Government

### Management of Sugar Mills

7080 SHRI BALASAHEB VIKHE
PATIL Will the Minister of AGRI
CUTURE AND IRRIGATION be
pleased to state

- (a) whether the management has been taken over, by the Government of such of those Sugar Mils which did not fulfit their obligations towards cane growers for the current year and which are those mills
  - (b) if not the reasons therefor and
- (c) the steps taken by the Govern ment to ensure fulfilment of the obligations of sugar mills towards the cane growers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE

AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) and (b) To protect the interests of sugarcane growers who have not been paid their dues by sugar factories the Sugar cane (Control) Order, 1936 was amended recently on 2 2 1978 to provide for interest at 15 per cent per annum on payments delayed beyond the statutory period of 14 days and also to provide for depositing all unpaid dues of cane growers at the end of the sugar year with the Collector of the district who would arrange payment to the growers Proposals for taking over of the management of sugar mills who are unable to fulfil their obligations to cane growers and other reasons are sent by the State Governments which are considered on ment in the current season the management of one unit in Andhra Pradesh was taken over as it was lying closed and arrears of cane dues were also high

Written Answers

(c) Recovery of cane growers' dues is generally covered by State Legis lation regarding purchase and supply of sugarcane which provide for recovery of cane dues as arrears of land revenue The need growers ing prompt payment of such dues is impressed upon the State Govern ments from time to time at a very high level

Recommendation of National Commission on Agriculture re Agricultural Production

7031 SHRI BALASAHEB VILHE PATIL Will the Minister of AGRI CULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether Government have accepted the recommendations of the National Commission on Agriculture to augment the production of the Agricultural Commodities and

(b) if rot what are the reasons there-

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI

SURJIT SINGH BARNALA): Out of about 2400 recommendations made by the National Commission on Agriculture for the improvement and modernisation of agriculture and increasing the level of agricultural production, about 1200 recommendations have already been accepted by the Government. Only eight recommendations not having a direct bearing on augmentation of production of agricultural Commodities have not been eccepted. The remaining recommendations are still being processed.

#### (b) Does not arise.

#### Contracts and Licences granted to S.C./S.T.

7082. SHRI R. N. RAKESH: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE pleased to state total number of contracts/licences granted Ministry, its attached and subordinate offices including the public sector undertakings and the share there, if any, to S/C and S/T in each category of such contracts/licences during the entire period of Japata regime and if not, why?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): The information is being collected and will be laid on the table of the Lok Sabba.

#### Loss to F.C.I. in Dadra and Nagar Haveli

7083. SHRI R. R. PATEL: Will the Minister of AGRICULTURE AND TRRIGATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Food Corporation of India's unit in Dadra and Nagar Haveli is facing a great financial loss for the last few years;

- (b) if so, the loss incurred during the last two years;
- (c) whether enquiry has been conducted- and
- (d) it so, the details thereof and the reasons for these losses?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) No. Sar. There is no unit of Food Corporation of India at Dadra and Nagar Haveli.

(b) to (d). Do not arise.

Stoppage of work by Graduate Junior Engineers in C.P.W.D.

7084, PROF. P. G. MAVALANKAR; Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state:

- (a) whether the C.P.W.D. Graduate Junior Engineers have stopped doing design work of Government Buildings and if so, whether such action has resulted in the paralysing of Government construction works all over the country; and
- (b) if so, how are Government tackling the said situation?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Graduate Junior Engineers in the C.P.W.D. have stopped doing design work. However, this has not resulted in paralysing the Government work all over the counirv.

(b) Alternative arrangements have been made to get the design work done by senior officers.

7085 PROF P G MAVALANKAR Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether the afforestation pro grammes and projects all over the country including Andaman and Nicobar Islands are implemented by the coordinated and even joint machine ries of the Central and State Govern. ments.

(b) If so broad indication thereof

(c) concrete steps being taken in this regard in the years 1975, 1976 and 1977. and

(d) the expenses thereof and the net results achieved so far?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) The afforestation programmes projects all over the country including Andaman and Nicobar Islands are not implemented by the coordinated or even joint machineries of the Central and State Governments Though Central assistance is being released to States under the Central/Centrally aponsored forestry schemes for afferestation works the execution/imple. mentation of the schemes is being done by the State Governments and forest development corporations

(b) to (d) Do not arise

#### Journals

7086 PROF P G MAVALAN KAR Will the Minister of EDUCA-TION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether the Education Minus. try brings out one or more journals in English, Hindi and other languages,

(b) if so, full facts thereof, including the years of their starting, periodicity annual subscription total number of copies printed, etc.

(c) how many of such copies are distributed gratis and to whom, and

(d) what is the actual net sales of the said Journals during the last five years?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUN DER) (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House

### Pakistan Refugees in Banaskantha

7087 PROF P G MAVALAN-KAR Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether there are any refugees from Pakistan living in Banaskantha and other districts of Gujarat,

(b) if so full facts thereof.

(c) whether the said refugees are rehabilitated on a proper and permanent footing and if so how, and

(d) if not, why not?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI RAM KIN KAR) (a) Yes Sir

(b) A statement is attached

(c) No Sir

(d) Government have since decided to allow the benefit of permanent rehabilitation to these persons. The State Governments have been request ed to formulate schemes for the purpose

Written Answers

ű

STATEMENT

| Name of Cump         No. of persons at precent staying in camps.         No. of Pale Parade         No. of Pale Parade         Children Total         No. of Pale Parade         Children Total         No. of Pale Parade         Children Total         And Parade         Children Total         Parade         Parade |        | Statemen         | Statement showing the position of Pak Actienals staying in Gujarat State as Oth 31-12-773 | positie | m of Pak  | Ne tie nal | s staying in t | Jujarat Stat | eas on 31-12     |        | 1       |              |          |
|--|--------|------------------|---|---------|-----------|------------|----------------|--------------|------------------|--------|---------|--------------|----------|
| Name of Lump No. of Male Famale Children Total Analty No. of Male Famale Children Total family Shivhkin 299 655 465 203 1345   |        |                  | No. o'  | of per  | ans at pr | esent s    | taying in c    | amps.        | No. of Pale      | Nation | vil sla | ng outside 1 | he camps |
| 1. Shivinkin 194 387 283 1343 2. Kanbavati 194 387 284 465 283 1343 3. Zarn 179 320 817 869 4. Nirona 179 190 128 30 865 5. Adaman-Machi 194 202 800 301 823  Thand 5 carryi 039 200 1491 394 4391 63 149 171 61 61 7. Thand 1437 395 800 301 8234 1903  | ine of | Name of Camp     | Jo. oK  | -       | fale Fo   | male       | Children       | 1_           | No. of<br>family | t      | Femule  | Children     | Total    |
| 1. Shlvinkin   |        |                  | Ismury  |         |           | -          |                |              |                  |        | :       | :            | :        |
| 1. Kenkawiti 194 347 360 463 300 1269 2. Zum 190 300 413 300 305 3. Zum 190 300 413 300 305 3. Mattaro-Machi 73 100 122 50 365 Total 6 camps 520 300 3006 1491 599 493 309 304 1209 1. Thurd 309 433 306 314 1209  | UTCII  |                  | 259   |         | 635       | 465        |                | 1343<br>804  | : :              | : :    | :       | :            | :        |
| 3. Zurra 179 200 473 869 800   |        | 2. Kankavati     | ·   |         | 247       | 9          |                | 1269         |                  | :      | :       | :            | :        |
| 4. Mitmo-Madi . 73 100 122 55 365  |        | 3. Zura          |   | e :     | 8 8       | 6 2        |                |              |                  | :      | :       | :            | :        |
| g. Mattaro-Miceli . 73 100 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   |        | 4. Nirona .      |   | 20      | 25        | •          |                |              | :                | :      | :       | :            | :        |
| Tani 6 campi   |        | g. Matano-Mach . |   | 23      | 100       | •          |                |              | -                |        |         | 1            | -        |
| Thard 1 427 932 800 501, 2223.   |        | Total 5 camps.   |   | 1 %     | 2096      | 3          |                |              |                  | ř.     | 1       |              | - 1      |
| 1, Thursd 1, 427 93. 396 314 1203  |        |                  |   | 1       | 1         | 1          |                | 1            | Ì                | :      | :       | :            | :        |
|  | KANAS  |                  |   | 200     | 493       | , 67       |                |              |                  | :      | :       |              | :        |

Rs. 233 50 Lakis 'upto 31-3-1978.

Total expenditure incurred since the beginning of camps

Written Answers परीक्षाको हैं माध्यम से शिक्षकों की नियस्ति

7088. श्री राम सेवक हजारी : क्या शिक्षा. समाज कल्याण ग्रीर सस्कृति मन्नी यह बताने की कपा करेगे कि

- (क) बया दिल्ली प्रसाशन ने शिक्षका नी निवित्त परीक्षामी के माध्यम से बस्ते का निर्णय लिया है , और
- (ख) यदि हा, तो नया सरकार का विचार सब राज्यों की परीक्षायी के माध्यम से शिक्षको की नियुक्ति करने का सुक्षाब देने का है जिससे देश में शिक्षका का स्तर ऊबा हो सने ।

शिक्षा, समान कल्याण तया संस्कृति मंत्रालय मे राज्य मन्नी (धीमती रेणका देवी बरकटकी) (व) जी, नहीं ।

(ख) प्रम्त नही उठना।

Issue of Milk tokens by Delhi Milk Scheme

7089 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of AGRICUL TURE AND IRRIGATION be pleased ta state

- (a) whether it is a fact that Delhi Milk Scheme have could mile where to the people even after the announcement made to the effect that after 31st of December, 1977 no milk tokens will be issued as no wailing list is being maintained in Delhi Milk Scheme,
- (b) if so how many mulk tokens have been issued after 31st December. 1977 till date.
- (c) how many persons from the above (officers and staff) belonging to Delhi Administration, have been sanctioned milk tokens, and

(d) whether it is a fact that Delhi Milk Scheme are not entertaining applications for issue of milk tokens even to the patients of TB. Cancer, Ulcer, etc on medical ground, if so, why?

THE MINISTER OF AGRICUI -TURE AND IRRIGATION SURJIT SINGH BARNALA) Yes. Sir

- (b) During the period 1-1-1978. to 6-4 78 DMS issued milk tokens to 855 applicants on compassionate grounds.
- (c) Since DMS issues milk tokens after verifying the identity of the applicants with reference to the ration cards, the D.MS maintains records as per the residential address and not official address In view of this, it is not possible to indicate the specific number of the applicants belonging to the Delhi Administration. might have been assued milk tokens during 1-1-1978 to 6-4 1978
- (d) It is not a fact that DMS is not entertaining applicantions for milk tokens to the patients of TB, Cancer, Ulcer, etc on medical grounds,

### Stoppage of work at Modern Bakerles Ltd, Madras

7090 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the Government-owned Modern Bakeries Lamited at Madras has stopped work due to continued labour unrest.
- (b) if so, what are the demands of the workers and what efforts have the management made to peacefully negotiate the same till today, and
- (c) what efforts have been made by the Government to bring peaceful end of the strike and start function. ing of the Bakery Unit?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir. The Unit at Madras suspended its operations on 11-3-1978 afternoon and resumed them on 18\_3-1978.

- (b) and (c). The demands were:-
  - Stoppage of engaging casuals to cover absenteeism.
- 2. Grant of overtime to regular employees to cover absenteci-

The matter was taken up with the labour authorities for concilation. As a result, settlement was reached quickly and production was resumed from 18-3-1978. The unit is now functioning normally

### Objection to R.S.S. or ABVP help for Adult Literacy

7091. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) whether the Education Ministry has invited, sought or accepted the help of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad or the R.S.S. to help in its scheme to educate the illiterates in the age group I5-35;
- (b) whether the Prime Minister has received any representations objecting to the involvement of the above mentioned RSS or the ABVP in the Adult literacy programme of the Government; and
- (c) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER): (a) The National Adult Education Programme would require the support of all sections of the community and all organisations including political parties and in this context the ABVP and the RSS were among those who were invited participate in the discussions.

- (b) Yes, Sir.
- (c) In view of the answer to (a) above, Government's view is that a party which is not banned could participate in the programme of Audif Education.

### Representation on Formation of Agriculture Research Service

7092. SHRI M. A. HANNAN AL-HAJ: Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION pleased to state;

- (a) the number of representations received by Government on the formation of Agriculture Research Service with their details:
- (b) if so, the action taken thereon on each; and
- (c) if not the reasons therefor? THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): Representations have been received from time to time in regard to the Agricultural Research, Service which has been formed with effect from 1-10-1975, consequent upon introduction of the new personnel policy for the Indian Council of Agricultural Research. The representations mainly relate to:
  - (i) Change in the recruiting agency for the Service:
  - (ii) Modification of the norms adopted for assessment of scientists for their career advancement as also making direct recruitment to the Service: and
  - (iii) Removal of certain anomalies that have arisen in the operation of the Service rules.
- (b) The action taken on these representations is indicated below seria-
  - (i) A proposal was made that recruitment to the Agricultural

Recent h Service should be entrusted to the Union Public Servi . Commission Yie proposal was examined in detail in consultation with the UP S.C. and concerned Govern m at Department It was found that the UPSC is not suthor sed to make recruitment for the ICAR, which is an au onemous relistered Society The work of recruit ment to Agraulural Pe search Sern e has therefore been cutcus id to a speciality constituted Agricultural Scien ists Recturtment B and with a serupe Agra ultural Scientist as its full time Charman who we ke dater ly under the Presid at of the So 1sty The Board functions independently on the pattern of the LP.C

- (ii) The Agricultural Scientists Recruitment Board being an independent agency adopts its own norms in matters of sa lection and recruitment to the Agricultural Research Service However wherever any suggestions are recented regarding modificat on these norms the same are brought to the notice of the Board for su h action as it may consider necessary
- (in) Certain anomalies in operation of the Service Rules were poin'ed out in the representations made to the Council. These have been examined in con alta ion with the Standing Advicory Committe set up for the Agricul tural Pesearch Service and necessary action taken to rectify them to the extent fea sible

Inclusion of Technical Assistant (Sta trafics) in Agricultural Research Service

2093 SHRIM A HANNAN ALHAJ Wilt the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to "tate

- (a) whether graduate Technical Assistants (Statistics) of Indian Agriculture Statistics Research Institute have represented under ICAR. are not their non inclusion into the Agricultural Research Service recent ly formed
- (b) whether at the time of forma tion of service all the existing said Technical Assistant were not taken in the service
- (c) if so the reasons therefor when the interest of all exiting staff is to be protected under the Fundamental Rules
- (d) whether the said Technical As sistants have also protested against promoting purious including Senior computors to senior position
- (e) if so the rea ons therefor whe ther they were given opportunity to improve their prospect and

(f) if so when?

THE MINISTER OF AGRICUL TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) Yes

(b) and (c) The minimum qualifics tion prescribed for induction into Agricultural Research Service is a post graduate degree excepting in the field of Agricultural Enginee ing where B E or B Tech is the mini mum qualification Accordingly Technical Assistants possessing these qualifications were considered for in duction alongwith other eligible per sons. Those possessing lower quali fications being ineligible were not considered for induction.

(e) and (f). With the reorganisation of personnel system in the LCAR, Senior Computers who were earlier in the scale of pay of Re 425-600 krev been brought on to the same scale of pay as that of Technical Assistants, viz., Rs. 425-700. Such of the Senior Computers as are post-graduates are also being considered for induction into the Agricultural Research Service. Since the ARS, is distinct from Technical Services, the induction of these Senior Computers into ARS does not affect the seniority of the Technical Assistants.

After the introduction of the Agricultural Research Service with effect from 1.10.75, scientific and technical personnel who do not possess the requestion qualifications are being gir u facilities like Study Leave etc., for acquiring post-graduate qualifications. They are also being assisted in the matter of their admission to the Aericultural Universities.

# मिथिला विश्वविद्यालय को नियंत्रण में लेगा

7094. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या शिक्षा, समाज कल्याण श्रीर संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार देव के पिछड़े खेवों में केन्द्रीय विश्वविद्यासय स्थापित करने के प्रस्ताव पर विश्वार कर रही है और यदि हों, तो क्या सरकार का विचार विद्यार के मिथिका विश्वविद्यास्त्र को केन्द्रीय विश्वविद्यास्त्र में पर्यवित्त कर अपने नियंत्रण में तेने का है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और
- (ख) नया सरकार का विचार प्रत्येक जिला मुख्यालय में केन्द्रीय हाई स्कून श्रीर केन्द्रीय कालेज स्थापित करने का है श्रीर यदि महीं, तो इसके नया कारण है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) ग्रीर (ख). ऐसे कोई प्रस्ताव सरकार के विचारा-बोन नहीं हैं।

### प्रामीण क्षेत्रों में पेय जल

7095 श्री सुखेन्द्र सिंह : क्या निर्माण और स्रावास तथा पूर्ति स्रीर पुनर्वास मंत्री यह क्वाने की क्या करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि देश के प्रधि-कांश गावों में शुद्ध पेय जल की गम्मीर समस्या है:
- (ख) यदि हो, तो केन्द्रीय सरकार श्रीर राज्य सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में जनत समस्या को हल करने के लिए नया कार्यवाही की जा रही है;
- (व) इस समस्या को हल करने में यूनी-सेक का क्यायोगदान है और वर्ष 1976-77 और 1977-78 में उसने कितने नावों के लिए कितने हैं व्हपन्प दिथे है;
- (घ) "यूनीसेक" द्वारा दिए गए उप-युनत पम्भों में से कितने पम्प असी तक लगाये जा नुके हैं; ओर
- (ङ) मध्य प्रदेश में "यूनीनेफ" द्वारा अब तक कितने पम्प लगाये जा चुके हैं और इससे कितने यादों को लाम पहुंचा है ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वात मंत्रो (श्री सिकन्दर वस्त) : (क) जो हां।

(छ) समस्याधस्त प्रामी को बुद्ध पैय-जन देने की योजनायें राज्य सरकारी द्वारा न्यून-तम आवश्यकता कार्यक्रम के प्रधीन चलाई जानी है। इसके श्रतिरिक्त, भारत सरकार ने वर्षे 1977-78 के दौरान समस्याप्रस्त ग्रामो में शद्धपेयजन दैनकी याजनाओं के कार्यन्ययन ने लिए नेन्द्र द्वारा प्रवर्तिन स्वरित ग्रामीण जनपूर्ति वार्यक्रम ने भवीन भन्दान महायना वेरूप में 38 20 वराट रुपए दिय**है।** 

Written Answers

- (ग) भौर (प) युनियेक सन्त पय-रीने क्षेत्रा तथा बोल्डर क्षेत्रा में जमीन में छेद करने के लिए डिलिंग रिग्ज, मनिरिक्त पूजें, उपनर मारि दे रहा है। यूनिनेफ ने वर्षे 1976-- 77वे शैरान 50हैंड परश्योग 3500 पुम्पहेड तथा वर्ग 1977-78 ने दौरान 950 हैडपम्प तया 8 000 पम्पहेड दिव हैं। ये लगा दिव गये हैं।
- (ह) यूनिनेक ने मध्य प्रदेश को 200 हैडपाप तथा 2200 पम्पटैड दिव हैं जा समस्यायस्य ग्रामो के 2400 कामबाद वारी म लवाबे जावेंगे।

#### Setting up of sugar factory In Narsinghpur Distt, M.P.

SHRI HARI KAMATH Will the Minister of AGRI-CULTURE AND IRRIGATION pleased to state

- (a) whether his attention has been drawn to Press Reports to the effect that a sugar factory will soon be set up by Government in Narsinghpur District, Madhya Pradesh.
- (b) if so, the details of the proposed project, and
- (c) whether it is a fact that it has been strongly recommended by the Government of Madhya Pradesh\*

THE MINISTER OF STATE AND MINISTRY OF AGRICUT AND IRRIGATION (SHRIBHA taken to AP SINGH) (a) The Government iot Madhya Pradesh have informed there is no such proposal,

#### (b) and (c) Do not arise

# Written Answers गनरात में सिवाई योजनायें

7097 थी प्रपर सिंह थी॰ राठवा ब्या कृषि भीर निवाई मत्री यह स्तान की श्रम करेगे हि

- (र) यनतीन वर्षी में मजरात राज्य में केन्द्रीय गृहायना में किननी और कीन कीन भी बड़ी थीर मध्यम दर्जे की निवाई योजनाए धारम्भ की गई.
- (ग्र) उनमें ने दिनती योजनामी पर बावें बन स्टार्ट ग्रीर उस्त प्रायेक ग्रोजना पर क्तिना स्वय हथा तथा क्तिना व्यय होने का घनुमान है, यौर
- (य) ऐसी योजनामों की मख्या कितनी है जिनके बारे में मोजना मल्याकन नहीं विया गवाहे और उनने बद तन पूरा होने की मबादता है 1

हृषि भौर तिबाई मश्री (भी सुरजीत निह बस्ताला) (व) वेन्द्र द्वारा विसी मिवाई स्रोम की जित-ध्यवस्या नहीं की जा रही है नवानि सिनाई गाउँ विषय है और राज्य मरवारो द्वारा निचाई परियाजनामी की स्वय तैयार निया जाता है धीर उतनो नार्या-विन्त क्या जाता है भीर उनरी विन्त-व्यवस्था भी उनके द्वारा ही की जाती है। राज्यों का केन्द्रीय सहायना बनाक ऋणी भौर भनुदानों ने रूप में दी जाती है भीर यह निमी विशिष्ट विराम शीएँ ग्रथवा विशिष्ट स्रीय से सम्बन्धित नहीं होती । जिल्ल बुछ चुनी हुई मिचाई परियोजनामी वे निर्माण बायों को प्रयति में तेजी लाने के उद्देश्य से येजरात राज्य वा 1975-76, 1976-77 कीर 1977-78 में वर्षों में दौरान अमण 7 30 जगह राए, 3 वरोड ध्पए भीर 18 25 वराड काए की प्रविम योजना सहायता दी गई थी।

- (ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।
- (ग): गुजरात की 1978-79 की वार्षिक योजना में निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए व्यवस्था की गई है :

बहद मध्यम ग्राधनि-कीकरण

20

- (1) पांचवी योजना से पूर्व निर्माणाद्यीन परि-
  - योजनाएं
- (2) पांचवीं ग्रोजना नई परियोजनायें :
  - (क) स्वीकृत (ख) अस्वीकृत

पांचवीं योजना से पूर्व की सर्जा वृहद श्रीर मध्यम परियोजनाशों और वहत सी नंहीं मध्यम परियोजनात्रीं के पंचवर्तीय योजना (1978-83) में पूर्व होने की संमावना

# Reduction in cost of sugar production

7098. SHRI P. K. KODIYAN: WIH the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether he has urged the sugar industry to make efforts to reduce the cost of production and also work for the development of rural areas: and
- (b) if so, the details and the sugar industry's response thereto?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH); (a) In his speech on the occasion of the 44th Annual General Meeting of the Indian Sugar Mills Association held on 2nd December, 1977, the Minister for Agriculture and Irrigation urged the sugar industry to devise ways and means of re-

- ducing the cost of production of sugar. Development of sugarcane in sugar factory areas was also urged.
- (b) No reply or specific response has been received from the industry or the association.

### Homesteads to the Shelterless

7099. SHRI SURAJ BHAN; Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA-TION be pleased to state:

- (a) whether it is the policy of the Government to provide homesteads to the shelterless poor by providing them accommodation on lend lease basis;
- (b) if so, how many one room tenements were constructed in Delhi/ New Delhi and handed over to the needy during 1977-78; and
- (c) if no construction has taken place, whether Government propose to chalk out yearly plans for the purpose to remove housing shortage?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT); (a) Housing is a State subject. However, Government is aware of the heavy backlog. Efforts are constantly being made to increase the housing stock.

- (b) The Delhi Development Authority has reported that 2,028 one room tenements were allotted during 1977-18.
  - (c) Does not arise.

#### Vacant Posts of Teachers in Delhi Colleges

7100, SHRI JYOTIRMOY BOSU. Will the Minister of EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are 550 vacancies in Delhi colleges; (b) if so, what steps the Government propose to take to ensure that these vacancies are filled up, and

(c) reasons for such vacancies continuing?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUN DER) (a) to (c) The information is being collected by the University from the colleges and will be laid on the Table of the Sabba in due course

# भारतीय छात्र निगम के कार्यकरण के बारे में कथित शिकायतें

7101 डा॰ संश्मी नारायण पाडेंग । क्या कृषि भीर सिवाई मन्नी यह दताने की कृपा करेंगे कि

- (त) क्या यह सच है कि भारतीय साथ निगम के कार्यकरण के बारे में देव के तिवित भागों में निकायर्ज प्रस्कृत रही है और खादासा के रख रखाय पर कोई निमसान होने के कारण यह निगम एक बाटा देने सासा निकाय सनता ज रहा है.
- (ख) यदि हा, तो इत जिलायनी का मुख्य प्राक्षार नेया है भीर इसमें धाटा होने के क्या कारण हैं
- (ग) अनेन स्थाना पर खुने में पड़े हुए और इस अनार गीटामी की मुक्तिआयी की नभी न कारण छराद होने आ रहे खादा-म्नों की मुरक्षा के निध नया उनाय निध गढ़े हैं, भीर
- (प) वर्ष 1976~77 वे दौरान तथा दिसम्बर, 1977 तक निगम के कुल कितना व्यय हुआ और इसे कितनी आय हुई हैं?

कृषि भीर निवाई मत्रातव मे राज्य मत्रो (भो भानु प्रताप सिंह) · (क्)सै(ग) हालानि निषम के पामें ने बारे में मुख्तेन विमान्न प्राप्त हुई हैं, सिनन यह पहला टीन पदी है कि निषम हानि उठाने वाली सस्या बनारों जा रहा है प्रीर वाद्यागों ने प्रतुरक्षण पर कोई निषमण वही है। निषम ने याद्यागा भी मुख्ता नरते के निष् पर्द एवं उपाय निष् हैं प्रीर इतना स्वीरा सस्या विवरण में दिवा गया है।

भारतीय चाछ निगम सरनार की घोर शं कादायों का क्या, धहारण, सवनन, विद्युत, वितरण घोर विश्वय करता है। देखे बनूची घोर निर्मम मून्य सरनार हार विश्वारित किए जाते हैं कोर खालाश की इनग्रीम लागत बोर निर्मम मुख्यों ने बीच भवरत की निगम की राजसहम्मता के कल मे प्रतितृत्विको जाती है। बनापि, निगम हारा विल् ग्रंप सामुकी वालिमक परिचारती में उनकी दुक्त माजनत लाभ हुंघा है।

(प) वर्ष 1976-77 वे दौरान निवस ने ब्योरारी तथा प्रत्य मदो पर कुल 3007.37 नरोह करण वर्ष निरु से। विको से लाभ भीर भारत करनार द्वारा की नई राजसहायता की प्रतिकृति की ध्यान सराय ने वार, निगम ने प्रपते माजियत व्याप्त्रकर परिवतातों से 2 00 नरीह रुएए या थावृती लाभ क्याया। इसी प्रवार, बनुमान है नि 1977-78 में 2398 25 नरीह रुएए से घरोरारों की साधार पर 1.99 करोड रुपयें ना साम होगा।

## विवरण

भडारण में स्नाद्यान्तों को सुरक्षा करने वे सिए किए यए उपाय, जैसाकि भारतीय स्नादय निवस ने सचित विषय है।

भारतीय खाध निगम अपने गोदामी में स्थवा राज्य सरकारो, वेन्द्रीय भाण्डामार निगम, राज्य भाण्डामार निगम, प्राडवेट धाटियों से क्टिये पर खिए गए गोदासी तथा कैन स्टोरेज में वैज्ञानिक इंग से खाखाओं का मण्डारण करता है ! कीट नियंत्रण संबंधी आधुनिक तरीके अपनाने जाते हैं और खाधाओं की मास में कम से कम एक बार जांच की जाती हैं और जब कभी उनमें कीड़े पाये जाते हैं, तब उनमें कीटमाणक दवाइयां डाली जाती हैं ! यदि 'स्टाक की क्षांतिस्ता पाया जाता है, जो कि प्राकृतिक कारण हो स्कार्धा स्थान स्वार्ध कार्य कारण हो स्कार्ध है, तब स्टम्मन कार्य

खुले में रखे गए स्टाक को उचित डंग से मुरक्तित रखा का रहा है और दूपन होने का प्रन्त ही में रखे गए खांचामों को सुरक्तित रखा के किए निम्म-क्षित पर के किए निम्म-क्षित पर वा के किए निम्म-

तुरन्त किया जाता है।

- (1) स्टाक को लकड़ी के केटों में रखा जाता है और उनको विशेष रूप से बनायी गई पोलियीन की बाटर प्रूक चादरों से ढका जाता है।
- (2) बांधी के दौरान हवा के कारण चावरों का उड़ने से बचान करने के लिए पोलीमीन की चावरों को उचित डंग से चांधने के लिए नाडलोन की रस्सियां मुलभ की जाती हैं।
- (3) मौसन के प्रकोष से और सुरका करने के लिए प्रमुख कैंप कास्थ्वेनसों में मोनोफिलामेंट के जान और कबर टाप्स भी मुलभ किए जाते हैं।
- (4) खाचानों की सुरक्षा करने के लिए पोलीयीन की चादरों को समय समय पर बदला जाता है।
- (5) खाद्याचीं को अच्छी झावत में बनाए रखने के लिए साफ मीसम में खुले में स्टाक का आवश्यक रूप से बाहान किया जाता है।

(6) खुते में रखे गए स्टाक का निय-मित रूप से निरीक्षण, उपचार करने तथा उसे सुरक्षित रखने के लिए विशेष ध्वान दिया जाता है। भागी माता में खाधाओं का स्टाक खुते में सम्प्रमा दो वर्षों से पड़ा होने के बाद भी काफी अच्छी हालत में हैं।

Allotment of Plots in Delhi to non-Resident Indians

7102. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION be pleased to state:

- (a) whether a scheme to allot plots in Delhi for non-resident Indians living abroad to build residential houses has been introduced;
- (b) if so, the details of the same; and
- (c) the response to the said scheme?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes, Sir.

(b) About 260 plots of 400 sq. , ds each (334.452 sq. metres) in Badarpur-Mehrauli Road area will be available after development, for allotment the non-resident Indians living abroad @ Rs. 200.00 per sq. yd. (239.20 per sq. metre) as premium plus 21 per cent of the premium as annual ground rent. The price of land and the cost of construction shall be payable in foreign exchange. All non-resident Indians living abroad except members Indian Foreign Service are eligible for allotment of plots provided they do not have a house/flat/plot in Delhi/ New Delhi either in their own name or in the name of their family members as defined in the Urban Land (Ceiling and Regulation) Act, 1976. For such persons who are unable to arrange their own executing agency, the Cen-

tral P W D can undertake the design ing and construction work on "deposit basis' Prospectuses containing the full details of the Scheme are available with the Land and Development Office on payment of Rs 1900 last date for receipt of applications 1s 30th April, 1978

Written Answers

(c) Over 3000 copies of the pospectuses have either been sold in Delhi or have been despatched to the Indian Missions abroad for sale 25 applica tions along with the earnest money have been received

# केरदीय महियाँ और समद सदयी के बगते

7103 भी हरूम अन्द रूछवाय स्था निर्माण और बाबास सबा पृति और पुनर्वास मधी यह बताने की क्या करणे कि ससद सदस्यों और मिल्रयों के लिए बनाये कर प्रस्पेन टाइप के बगलों की भूमि का कुल धीवफल नगा है तथा भूमि प्रयंदा उस के परिसर के बुझी से किसको ग्रायदनी होती है ?

निर्माण और ब्रावास तथा पूर्ति और पुनर्वात मत्री (श्री तिकन्दर बटन) महियो तया समद सदस्यों के दयल के प्रत्येक टाइप के बंगतों के कुछ उद्यान क्षेत्र मलग्न विवरण में दिया गया है।

क्चिन गाइन तया फली मे पेडा को पैदाबार का उपयोग उसी कोठी के ट्याल-कार करते हैं जिसमें यह किवन गाउँन होते हैं। प्रत्येक बगले ने मशीन से काटे गए धार तथा पैडा की सकडियों की नीटामी दारा प्राप्त श्राय को केन्द्रीय सरकार के राजस्व के नामें शाला जाता है।

# Written Answers विवरण

मितियो तथा ससद् भदस्यो के दखल में प्रत्येक टाइप के बंगलों के कुल उद्यान क्षेत्रपत का विवरण ।

#### बेन्डीय मधी

| त्रम<br>स | टाइप | वगली<br>भी<br>संख्या | उद्यान क्षेत्र       |
|-----------|------|----------------------|----------------------|
| 1 2       | VIII | 42                   | एकड<br>82 76<br>0 64 |
|           |      | 45                   | 83 40                |
|           |      | ससद सदस्य            | TTT                  |

|   |           | 163 | 121 05 |
|---|-----------|-----|--------|
| 4 | ٧         | 5   | 1 07   |
| 3 |           | 61  | 27 89  |
| 2 | VII<br>VI | 57  | 29.83  |
|   | ****      |     | 02 20  |

62 26

I VIII

World Bank Ald for Planting of Pine 5apling

# 7104 SHRI VASANT SATHE

# SHRI SHARAD YADAV

Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether the World Bank have proposed to finance project entitled Intensive Foresting' envisaging Plant-

ing of several lakhs of pines sapling with the investment of Rs. 200-500 crores:

- (b) if so, important details of the project and the decision taken in the matter:
- (c) whether Government are aware of the criticism appearing in certain section of the press alleging that it will spell a disaster and that it is not in the interest of the Government; and
- (d) if so, what action is being taken in this regard?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA); (a) There is no such proposal to be finenced by the World Bank which envisages the planting of several lakhs of pine saplings with an investment of Rs. 200-500 crores. However the World Bank appraised and made available IDA credit to the tune of U.S. \$4 million to M.P. Forestry Technical Assistance Project of Bastar district. One of the components of the project is raising plantations of Tropical Pines on an experimenal basis.

- (b) The World Bank Project already under execution is mainly a research and development scheme for a period of 5 years starting from April 1, 1976. The main components of the scheme are:--
- Research trials and pilot plantations of fast growing species especially pines from tropical regions for establishing technique of large scale plantation programme. The total area to be planted in five years will be 3,200 hectares and the aim is to defermine whether self-sufficiency in production of long fibre pulping material for the Pulp and Paper industry could be attained by converting some of {he / ' low value forests into man-made forests of long-fibre pulpwood.

- (ii) A comprehensive feasibility study to provide a basis for determining the location, size and configuration of forest based industries that could be established in the catchments of Jagdalpur, Barsur and West Bas-
- (iii) Pilot logging/training unit to develop suitable systems for handling and supply of large volumes of forest raw material that would be needed by the forest based industries as suggested by the feasibility study,
- (iv) A study on tribals to work out plans to ensure their integration with the future forest operations forest industries that would be established in the area.
- (c) The Government is not aware of any specific criticism regarding the raising of tropical pine plantations. As has already been stated the area to be covered under tropical pines in 3.200 hectares which is only 0.0014 per cent of the total forest area of Bastar district of Mudhya Pradesh these plantations are being raised. It is not true to say that raising of tropical pines wil Ispell disaster and that it is not in the interest of the G vernment. In fact, tropical pines provide long fibre raw material which is extremely useful for making ceriain varieties of paper which are in short supply in the country. This species is raised only in such areas where the existing forest is of very low value.
  - (d) Does not arise,

जनता काफी हाउस, कनाट प्लेस, नई दिल्ली के लिए स्थान

7105. श्री राम सेवक हजारी : क्या निर्माण श्रीर स्रावास तथा पूर्ति श्रीर पुनर्वास मंत्रो बह वताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या कताट प्लेस, नई दिनी में जनता काकी हाउन, ने निर्माण ने निष् स्वान का चुनाव कर लिया गया है और यदि हा, तो इन करने भ व्योरा क्या है .
- (ब) ग्राम ग्रारमी की जरुरतों को देखते हुए इसवा गीग्र निर्माण करने ने लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है, ग्रीर
  - (ग) यह स्व तर दनकर तैयार हो जाएगा <sup>?</sup>

निर्माण और शानाम तया यूनि और पुनर्वात मत्री (थी निकन्दर बर्त) . (व) जी, नहीं ।

(ख) गीर (ग) प्रश्न ही नही उठता।

Repairs to Quarters at Rouse Avenue, New Delhi

7106 2ARI K PRADHANI Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA TION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the roofs of Daftry type quarters in Rouse Avenue (Din Dayal Upodhyaya Marg), New Delhi are damp and plaster broken at several places,
- (b) whether the CPWD Enquiry Office in that area does not respond to the requests of the local residents for adequate roofs plastering and re pairs of these quarters
- (c) whether it is a re that daring the ramy season হেনী কীতা of these quarters leaking and কিবল শাৰ্ডন panse is received fre Enquiry for redress, and নি ই বাই
- (d) if so, what action Go नीतामी propose to take to remedy स्व situation?

THE MINISTER OF WORKS AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHI) (a) Celling plaster has fallen at some places and dampness also appears in a few roofs in the raily season.

- (b) within the limitations of funds the Central PWD Enquiry Office always responds to the requests of the residents for repairs to roof plaster and other repair works
- (c) Complaints of leaking roof are immediately attended to
- (d) These are very old houses and the department is maintaining filem in a reasonable state after carrying out necessary repairs. Some roof painting with bitumen is likely to be corried out as special repairs

## Grievances of Employees in Clerical Cadre in National Archives of India

- 7107 SHRI MAHI LAL WILL the Minuster of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to refer to the reply given to Unsterred Question 1998 on 29th November, 1971 regarding grievances, of employees in clerical cade in National Anthrives and state
- (a) action taken so far in regard to creation of additional clerical posts on Administrative side.
- (b) whether many new technical posts have been created under the Plan Schemes in National Archives of India, while the Ministerial side has been over looked merely on the groundy that there is a ban on creation of Munisterial posts and the technical staff is put on Administration work
- (c) whether Administration work being dealt with by the Technical Staff is not the misuse of their technical capability, and

(d) if so, the steps taken or proposed to be taken to recruit additional clerical staff to look after the House keeping jobs which at present is being dealt with by the Technical

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULIURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER); (a) to (b). 12 additional clearical posts on the administrative side have been sanctioned during the period November, 1971 to-date. Consequent on the increase in the number of technical posts, a proposal for further augmentation in the staff strength on the administrative side is under work study assessment. Pending this assessment, some important administration work such as planning has been entrusted to technical statf. No house keeping job has, however, teen assigned to them.

# मराठत्राड़ा विस्वविद्यालय को सहायता

7108. श्री केतव राज धोंडवे : क्या तिला, समाज कल्याण और संस्कृति भंती यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) महाराष्ट्र में श्रीरनावाद स्वित मराठावाड़ा विकाविषास्य में गत दो वर्ष 'के दौरान विकाविषास्य अनुदान श्रायोप के फितनी राधि के तथा हिस प्रकार की सहायता मीनी;
  - (ख) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कितनी राजि की तहायता दी; और
  - (ग) यह सहायहा देते समय क्या धर्ते स्तगाई गई ?

सिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डाठ प्रताप चन्दू चन्द्र) : (क) से (ग). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग डाउ दी गई. सूचना के अनुसार विकास कार्यकर्मी के लिए मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के लिए पोचनी ग्रांचाना अवधि के हेतु 84.00 लाख स्पए की सहायता के विकास कार्यक्रम स्वीकृत किए यह थे। इसके अतिरिक्त, विश्व-विवासम ने पिछले दो वर्षों के दौरान 47.10 ताल क्षर की सहायता अतिरिक्त उपस्करों की खरीद (13.60 लाल रुपए) अवन निर्माण (18.65 लाण रुपए), तरण जास (13.40 लाल रुपए) पुत्तकांक्य, पुस्तक इत्यादि (1.45 लाल रुपए) और 2 रोडर के पर्दों, 8 स्वेनस्टरों के पर्दों और ऐतिहासिक सामगी के संग्रहालय के लिए रुप्तक क्ष्मारी हैं।

प्राचीय ने उपस्करों की खरीद के लिए (7.10 लाक रुपए) भवन (4.50 लाक रुपए), पुस्तकां कर (1.45 लाक रुपए), पुस्तकां कर (1.45 लाक रुपए) और धिरविष्यालय हारा प्रस्तायित समस्त स्टाफ के लिए 16.00 लाक रुपए के अतिरिक्त प्रनुवान मस्ताव सम्बाधित किए हैं। प्राचीय से उपस्वध सहायता भवन की लागत का 50% और सेववर रों के वेतन का 75% है इस प्रतिरिक्त अनुवान में से विवधिवणालय ने मन तक उपस्करों की यारीद के लिए केवल 50,000 रुपए गांधें हैं जो दे दिए गए हैं। मामकड में उस स्मातक केन्द्र के लिए सहायता और दिवस्वविद्यालय में एक केन्द्रीन की व्यवस्था के प्रसाद प्राचीय के विवस्ताविद्यालय में एक केन्द्रीन की व्यवस्था के प्रसाद प्राचीय के विवस्ताविद्यालय में एक केन्द्रीन की व्यवस्था के प्रसाद प्राचीय के विवस्ताविद्यालय में एक केन्द्रीन की व्यवस्था के प्रसाद प्राचीय के विवस्ताविद्यालय में एक केन्द्रीन की व्यवस्था

द्धागरा के किले में शिवाजी का स्मारक

7109. श्री केशव राव घोंडगे : वया शिक्षा, समाज कल्याण श्रीर संस्कृति मंती यह बतावे की कृपा करेंगे कि :

(क) झागरा के किले के उस कमरे के परीक्षण के लिए क्या प्रवन्य किए गए हैं जिसमें छत्तपति जिवाजी बन्दी रखे गए थे;

Written Answers

259

(ग) बया सरकार इस क्लिम जियाजी महाराज वा स्मारण बनाने वे प्रस्ताब पर विचार कर रही है भीर यदि हा, तो तत्मन्दाधी व्योचा कवा है ?

सिला, समाज बल्याण तथा सस्रति मत्री (ता प्रताय चत्र चत्र) (म) भ्रोर (य) उपलच्य ऐनिहासिस प्रमायों ने भ्रतुवार ठक्यपित कियानी को ध्यागरे के कित्ती से नहीं, भ्रपितु चुनार राम मिह को हिरासता में भ्रामरा नगर की प्रमारे से बाहर एक मदान म न्या पा पा विस्तरी बाहतियह दिखीत मीनिक्सरा ही हैं।

(ग) जीनही।

## Storage Capacity in Tripura

7110 SHRI KIRIT BIRRAM DEB BURMAN Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that there is acute shortage of proper storage capacity for cereals in Tripura,
- (b) if so, the total storage capacity required in the State and how much of it is available there with the Food Corporation with Central Government, Tripura Government and with private ware-houses and
- (e) what steps are proposed to be taken to provide for adequate and scientific storage capacity in the public sector including that required for maintenance of the required buffer stocks of about 100000 M tonnes for meeting the demands during the kan season?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PHANU PRATAP SINGH) (a) and (c) There is no acute shortage of proper storage capselly for cereals in Tripura However, steps being taken by FCI to increase storage capacity include construction of built capacity of 330 tons construction of 6570 tons by private parties under Guarantee Scheme and, proposal for additional construction of 10,000 tons

(d) The owned capacity available for storage with FCI and Inpura Government is 2 500 tonnes and 34.211 tonnes respectively In addition FCI has hired capacity of 10,80 tonnes from private parties

Rice to Tripura under Food for Work' Programme

7111 SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) the quantity of rice required by Tripura Government annually for a supply under the Food for Work Programme, as approved by the Planning Commission, and
- (b) the amount of rice allocated by Government for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) The State Government of Tripura requested for an allocation of 7638 tonnes of wheat and 5091 tonnes of boiled rice under the Food for Work Programme

(b) No rice could be allocated us the scheme in ris present form provides for allocation of wheat and mile only

# Setting up of Sugar Mill in Punjab 7112. SHRI BHAGAT RAM: WIL

26<sub>T</sub>

the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state: (a) whether any proposal for setting

- (a) whether any proposal for setting up a Sugar Mill in Punjab Cooperative sector is pending with the Union Government;
- (b) what is the policy of the Union Government with regard to issuing of licences for the setting up of fresh sugar mills and by what time the proposal of the Punjab Government will be given clearance; and
- (c) what steps have been taken to utilise the surplus capacity of sugar?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH): (a) Yes, Sir.
- (b) The policy of the Uniou Government for licensing new capacity in sugar industry during the Plan Period 1978—83 is under consideration. The decision on the proposal of Punjab Government will depend on this policy.
- (c) The following steps have been taken to utilise the surplus sugar;
  - (i) Export of sugar quota in effect for 1978 has been permitted.
  - (ii) Monthly releases of levy sugar has been increased from 2.05, lakh tonnes to 3.71 lakh tonnes from December, 1977.
  - (iii) The excise duty on Free sale sugar has been reduced to make free sugar available at cheaper rate and thereby to increase its consumption.

# दि त्ली में गन्दे पानी की निकासी

7113. श्री ग्रोम प्रकाश त्यागी: श्या निर्माण श्रीर श्राज्ञास तथा पूर्ति श्रीर पुनर्वास मंत्री यह दताने की कृपा करेंगे कि: (क) क्या यह सच है कि दिल्ती में कुत गन्दे पानी से केशन 60 प्रतिग्रत की निकासी की व्यवस्था सरकार के पास है और अप 40 प्रतिग्रत गन्दा पानी दिल्ली के नायरिकों के दिए खतरा क्या एहता है; और

262

(क) यदि हां, तो दिल्ली के लोगों को पानी के प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है?

निर्माण और ज्ञावास तथा पूर्ति और पुनर्जस मंत्री (श्री सकल्द बदत): (फ) बिस्सी में प्रतिदिन सम्ताई निर्म जा रहें 2250 साब गैलन पानो ती सुजाग में मीण्डा मद कल बोधन संश्रंब प्रतिदिन 1180 साव गैलन मत तक ला गोधन भर रहे हैं। वेच मतन्वस यमुमा नदी में बहा दिखा जाता है। ऐसा नहीं किया जा सकता कि बिना गोधन थिए मत-थल से दिख्ती के मार्गपियों के स्वास्थ्य को खतरा वैद्या हो रहा है भ्योंकि चरेल्यू अयोग के किए सम्लाई किया जाने बात पानी नदी के च्यरि भाग से लिया जाता है तथा उसका पूर्ण कप से गोधन

(ख) दिल्ली जल प्रदाय तथा मल-जल व्ययन संस्थान ने इस नदी में विना शीधन किए मल-जल को गिराने को रोक्याम के लिए आवश्यक उपाय धारम्भ कर दिए हैं।

Irrigation Projects pending clearance submitted by Maharashtra

7114 SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

 (a) whether it is a fact that some of the irrigation projects submitted by the Government of Maharashtra are pending clearance of the Central Water Commission for long

(b) if so project use details in respect of the schemes which are not cleared by the Commission and the reasons therefor

(c) what specific steps have been taken/proposed to expedite elegrance of these grigation proposals submitted by the Government of Mahara-hira, project-wise and

(d) what is the anticipated expendi ture for arrigation schemes financed by the Central Government in Maharashtra during the current year and firi cation notential likely to be created alongwith the provision of funds made for 1978 797

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION SURITT SINGH BARNALA) (a) and (b) The Government of Maharashira have sent reports of Snewmajor and 11 new medium irrigation projects to the Central Water Commission. The details of these schemes are given to the attached statement

Of the above comments on 5 major and 2 medium schemes have been sent by the Central Water Commission and the replies of the State are awaited The remaining 4 major and 9 medium schemes are in various stages of examination

- (e) The Central Water Commission has requested the State Government to expedite their replies/compliance with the comments and to depute their officers for discussions to expedite the elearance
- (d) Irrigation Schemes are not financed by the Ceptre as irrigation is a State subject and irrigation projects are formulated implemented and financed by the State Governments themselves Central assistance to the States is given in the form of block loans and grants which is not related to any individual sector of development or spenific scheme

During the year 1977-78 an expenditure of about Rs 120 crores Was anticipated to be incurred on major and medium schemes of the State creating an additional irrigation potential of 135 lake hectures. For the year 1978-79 an outlay of Rs 1119 crores is provided for major and medium irrigation projects

#### Statement

| St<br>No | hame of Project                                   | Estimated<br>cost<br>(Ra<br>Iakhs) | Benefits<br>(1000 ha. |
|----------|---|------------------------------------|-----------------------|
| _1_      | *   | 3                                  | 4                     |
| Afg.or   |   |                                    |                       |
| ī        | Bawanthadi [Jointly with Madhya Pradesh)          | 2317 36                            | 50 926                |
| 2        | Nandur Madhmeshwar                                | 3626 51                            | 37 65                 |
| 3        | Lower Turna                                       | 2003 96                            | 21 57                 |
| 4        | Lower Godavars                                    | 2515 00                            | 8q 50                 |
| 5        | S na at Kolegaon                                  | 1486 g6                            | 16 83                 |
| 6        | Upper Tapa Stage-II (Jointly with Madhya Pradesh) | 8793 00                            | 106 54                |
| _ 7      | Warna Project                                     | B197 00                            | 85 39                 |

1 3 4 8 Tillari Irrigation (Jointly with Gea Administration). JIE7 +3 5E E2 9 Modernisation of Canal System of Girna Project. 372:50 8-141 Medium Kalimatitala 112:201 2 80 Vadivale 330 11 5-83 3 Nivra . 188 38 3146 4 Kalyan Project 175.084 2:00 5 Kumari Nalla 73.E35 1.353 6 Chikutra Project 128-49 4.696 7 Kasari Project 615:18 9.458 8 Kadvi Project 347\*30 9.210 9 Morna Irrigation Project 176-85 1.650 to Kalu Irrigation Project. 275.26 3:977 11 Aniari Irritation Project 28± 60 3 981

#### Uniformity in Timing and Duration of Academic Year at School Level

7115, SHRI MANORANJAN BHAK-TA: Will the Minister of EDUCA-TION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is no uniformity at present about the timing and duration of academic year at the schools level thereof;

## (b) if so, reasons:

(c) whether Government propose to bring about uniformity with regard to the commencement and closure of academic year in all the school, in the country so as to mitigate hardship to parents for admission etc. of their wards: and

## (d) if not reasons thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE

(DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER); (a) and (b). Yes, Sir. State Governments and Union Territories decide the timings and the duration of the academic year according to the needs and conditions obtainable there.

(c) and (d). No. Sir. The Ishwarbhai Patel Committee which was appointed by the Education Minister to review the curriculum for the 10 year school has also recommended that as more than 80 per cent of primary schools are in rural areas, no rigid academic year should be prescribed. The school sessions should be scheduled according to local needs.

रक्षताम सीर लाब्छा जिलों में माइलों की सप्ताई न होना

7116. टा॰ लक्नी नारायण पांडेंय :

व्या कृषि श्लीर सिचाई मंत्री यह बताने की क्रपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की सहमील सेलाना में ग्रीर झाबुधा जिले में घरेक स्थानी पर मुद्या पडने तथा फसर्ने नष्ट हो जाने के कारण धादिवासियों का मृख्य खाद्य पदार्थ मक्ता का उत्पादन ग्रत्यधिक कम हग्राहै,
- (ख) क्यायह भी मच है कि महा के ग्रादिवासियो ने मक्का के स्थान पर 'माइलो' खाना स्वीदार कर लिया है परन्तु वह भी उन्हें उपलब्ध नहीं हो रहा है जिससे वहा लगभग भखमरी की सी स्थिति पैदा हो गई 8.
- (ग) वया यह भी सच है कि सन्वन्धित क्षेत्र के खाच निगम को ग्रादिवासियों के लिए 'माइलो' की सप्लाई करने का चन्रोड किया गमा था परन्तु उन्होने भी 'माइली सप्लाई करने से इन्कार कर दिया है . और
  - (घ) यदि हा, तो भारतीय खाद्य निगम द्वारा 'माडलो' सप्लाई न किने जाने के बया कारण है ?

कृषि धौर सिवाई मत्रालय में राज्य मत्री (श्री मानु प्रताप सिंह) . (क्) मध्य प्रदेश सरकार ने मुचित किया है कि रखलाम जिले के सेलना तहसील में ग्रनियमित वर्षा होने और जावम्रा जिने में मन्यधिक वर्षा होने ने नारण मनना ने उत्पादन पर प्रतिकृत प्रभाव पडा या।

(य) से (घ) मध्य प्रदेश सरकार ने सुचित किया है कि धादिवासिया का सक्ता के विकाप के रूप में माइलो स्वीकार्य है । नेन्द्रीय भण्डार में ग्रायातित माइली का स्टाक लगभग समाप्त हो गया है चौर यव कोई ब्रायात नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम के डिपो में माइलो की जी बोडी माना उपलब्ध है उसे राज्य सरकार की उसकी तात्कालिक जरूरतो को पुरा करने के लिए दिया गया है अबवा दिया जा रहा है

साकि वे उसे आवधा धीर रतलाम जिली के प्रभावित क्षेत्रों को दे सकें। महाराष्ट्र में भारतीय द्याज निगम के हियों में उपलब्ध 500 मीटरी टन माइलो मी मध्य प्रदेश भरनार को मावटित कर दिया गया है। भीर मध्य प्रदेश को जनत स्टावा भेजों के लिए सनदेश जारी कर दिए गए हैं राज्य सरवार को यह भी मुखित क्या गया है कि यदि राज्य भरतार की इच्छा ही तो उन्हें माइलो के स्थान पर गेह की ग्रतिरिक्त मात्रा भावटित की जा सकती

पश्चिमी बगाल को चावल, गेट्ट और चीनी का धावटन

7117. थी हक्स चन्द क्छवाय : नया कृषि भौर सिवाई मदी पश्चिम बगाल की चावल, गेह धीर चीनी के बादटन के बारे में 12 दिसम्बर, 1977 के तासावित प्रश्न सध्या ३६८ के उत्तर के सम्बन्ध में सह ववाने की ब्रुपा करेंगे कि

- (क) पश्चिम बगाल की सरकार ने वर्ष 1976-77 घोट 1977-78 के दौरात वितनी माता में चावल, गेह भीर चीनी भी माय की थी और बेन्द्रीय सरकार ने जनका वित्तवी माता में भावटन विया था , और
- (ख) वर्ष 1976-77के लिए ग्रावटित काटे में से चावल और गेह की विसती माता मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त थी भीर वर्ष 1977-78 वे दौरान सरवार का विचार नितनी मात्रा में इन वस्तुग्री की सप्ताई करने नाहै?

कृषि और सिचाई मत्रालय से राज्य मत्री (भो मानुप्रताप सिंह). (क) पश्चिमी बनाल के बारे में चावल और गेंह की मान

और आवंटन के सम्बन्ध में स्थिति इस प्रकार है :---

(लाख मीटरी टन म)

वपं

मार्ग ग्रावंटन वावल गेंडं चावल गेंडं

1976-77 5.8 48.7 4.2 18.7

1976-77 5.8 38.7 4.2 18.7 1977-78 9.1 21.0 8.7 21.0

पश्चिमी बंगाल सरकार को आवंटित लेवी चीनी की माना इस प्रकार है :---

(लाख मीटरी दन)

1976-77 2.28\* 1977-78 2.47\*

\*इसमें भेषज निर्माताओं, सीभा नुरका दल, श्रीर सी०आरं०पी० के लिए श्रावंटन जामिल है।

दिसम्बर, 1977 में धारे लेवी चीनी के ब्राबंटन का मासिक कोटा 21,994 मीटरी टन (भेयज निर्माताग्री, सीमा सरका दल और सी॰ग्रार॰पी॰ की जहरतों को छोडकर) कर दिया गया है । यह कोटा 1-4-1978 को प्रायोजित जनसंद्या के लिए 425 ग्राम प्रति व्यक्ति को उपलब्धता के ग्राघार पर निर्धारित किया गया था। परिचमी बंगाल सरकार ने 28.225 मीटरी दन लेवी चीनी का मासिक ग्रावंटन करने के लिए कहा था (इसमें भेवन निर्मातायों, सीमा सरला दल और ती०ग्रार०पी० की बहरतें गामिल नहीं हैं)। राज्य मुरकार के लिए सेवी चीनी का कोटा निर्धारित करने के लिए ग्रपनाया गया ग्राधार एन्हें विद्याया गया है थीर राज्य सरकार की सूचित किया गया है कि लेवी चीनी के मासिक कोटे में बद्धि करना सम्भव नहीं है।

(ख) 1976-77 के आवंटनों के प्रति राज्य सरकार को मानव उपमोग के अबोग्य वाबल और गेहूं का कोई स्टाक नहीं दिया गया हैं। 1977-78 के दीरान, राज्य सरकार हारां श्रावंटनों के प्रति 5.62 लाख मीटरी टन चीवल ग्रीर 11.95 लाख मीटरी टन गेहें लिया गया था।

West Bengal opposition to cordoning of movement of paddy and rice

7118. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether the Government of West Bengal opposed withdrawal of State-wise and district-wase cordo-
- ning of movements of paddy and rice;
  (b) whether after withdrawal of such condoning, the State faced any difficulty for which its Government lodged any complaint with the Central Government and if so, facts thereabout.
- (c) whether withdrawal of cordon has in anyway affected either price or supply of food and distribution of food through ration shops and if so, facts thereabout; and
- (d) whether West Bengal Government asked for additional supply of food for the State and if so, facts thereabout?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP sINGH): (a) to (c) Government of West Bengal had represented at the outset for reconsideration of the decision to lift restrictions on movement of paddy and rice mainly on the grounds that the procurement of naddy/rice in the State would be adversely affected and that the open market price of rice would rise on account of large movement of pady and rice to other States. The basic aspects of the new policy of allowing free movement of rice/paddy throughout the country were explained to the State Government, who were assured that Government of India would come to their assistance to the extent necessary for effective maintenance of public distribution system. There-

after, the State Government have not pointed out any specific difficulties Procurement of rice in West Bengal, if anything is higher than last year Upto 13th April 1978 for which information is available, a total quantity of 180 190 tonnes of rice has been procured against the quantity of 140318 tonnes in the corresponding period of the last Khanf marketing season of 1976-77 The market prices of various varieties of rice are renerally lower this year as compared to the last year's prices. With inflow of rice from other States the position of availability is much better than before Distribution of rice through public distribution system and ration shop has not been affected because of removal of restrictions on movement of rice/paddy

(d) An allotment of 80 000 tonres of rice per month is being made regularly to West Bengal since September 1977 There is no request to far from the State Government for allotment of additional quantity of rice

# मध्य प्रदेश के वस्तर जिने में शिक्षा का प्रचार श्रीर प्रसार

7119 भी ग्रधन सिंह ठाकुर . वया शिक्षा, समीन कल्याण और सस्कृति मन्त्री यह बंतानें की कृपा करेंगे कि

- (क) वया मध्य प्रदेश में बस्तर जिला निक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुझा है और बहा वेरोजगारी तथा पिछड़ेपन होने का यह एक मध्य कारण है.
- (ख) यदि हा, तो क्या सरकार ने वहा शिक्षा का प्रवार और प्रसार करने के लिए काई योजना बनाई है
- (ग) यदि हा, तो उस भोजना की मुख्य वानें क्या हैं और क्या सरकार समझती है कि इस क्षेत्र के पिछडेपन को दूर को के

तिए वहा विज्ञान, इजीनियरिंग ग्रीर कृषि वालेड स्थापित घरने यी ग्रावस्यवता है ; ग्रीर

(घ) यदि हा, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करते का विचार है ग्रीर यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

शिक्षा, समात्र कत्याण तथा सस्कृति मत्री (डा॰ प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क्) योजना भाषोष ने भनुभार यस्तर जिने को पिछडा जिला भाषित कर दिया गया है।

- (ख) जी, हा।
- (ग) धौर (घ) केन्द्रीय योजनायी की मुख्य वार्ने निम्नलिखित हैं —
- 1, তুৰ্ব নিলাঃ

विश्वविधालय धनुदान धायोग के भाग्यम से कालेगों को उनके विकास के लिए सहायता दो जा रही हैं।

2. स्नातकोत्तरशिक्षाः

5नी पचनपीय योजना के घतर्गत राजकीय कालेज जगदलपुर (जिला वस्तर) के विकास के लिए निम्नेलिखित सहायता स्वीकृत की गई है।

| • |       |              |         |     |
|---|-------|--------------|---------|-----|
|   | याजना | म्बीकृत राणि | ग्रायोग | वा  |
|   |       |              | डिस     | mr. |

| 1 प्रयोगशःला |          |          |
|--------------|----------|----------|
| उपन रण       | 1,00,000 | 1,00,000 |
| 2 पुस्तकालय  |          |          |

| पुरतकें<br>पुरतकें | 1,30 000 | 1,30,000 |
|--------------------|----------|----------|
| 3 पशुगृह           | 27 574   | 27,574   |

4 वनस्पति

सप्रहानय (हरवेरियम) ३०,००० ३०,००० पुस्तक वैक की स्थापना के सिए 10,000 रुपए की एक राणि (जिसमें विस्वविद्यालय अनुदान ग्रायोग का हिस्सा 7,500 रूपए है) भी स्थीकृत की गई है।

# एकोकृत वाल विकास सेवाएं :

इस प्रयोगात्मक परियोजना के खंतर्पत बस्तर जिला के लोनगान प्रकृष्ट में 15-44 वर्ष की आयु वर्ष की महिताओं को स्वस्थ्य एवं पीरण निक्षा देते की एक योजना की क्यवस्था है।

## कार्यातमया साक्षरता योजना :

15-45 वर्ष के प्राप्त वर्ष की प्रीट्ट महिलाओं को बच्चों की देख भान, स्वास्थ्य, पीषण, पर्यावरण स्वच्छता, प्रामीण शिल्यों इस्यादि के श्रोत में शिक्षा दी जाती है।

# प्रोड़ महालायों के लिए शिक्षा के मधन पाठयत्रम की योजना :

केन्द्रीय ममाज करपाल बंधे, नई डिक्ली हारा 1975 में इस योजना का विस्तार मध्य प्रदेश के जिला दस्तर के जिला महिला मध्य ल लगकपुर तम दिस्सा प्रमा ताम और प्रणिक्षण के लिए स्पृत्तम जैकिक सोरपताई भारत कर मही विद्नुसार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के लिए 25 महिलाओं को तैयार किया गया। संस्था की छावब्दियों, जिलाओं के पेत्रां, वैधिक उपरुद्ध आकरिमक एवं वायात के विदाए के युषे पुरे करने के लिए 25,150 रुपए का धनुशन स्वीकृत किया वाया था।

## क्रिय काले ज

त्रपने पड़ीसी जिला वस्तर की कृषि प्रशिक्षण में सेवा के लिए रायपुर में, जवाहर लाल नेहरू कृषि विज्वविद्यालय का एक सुरुववित्यत परिसर है। एक ही कृषि जलवाय वाले क्षेत्र में एक दूसरे कृषि कालेज का भौजित्य प्रतीत नहीं होता है।

#### 7. इंजिनियरिंग कालेज

टम कथ को ध्यान में एउते हुए कि वक्नीधी जन श्रीत की वर्जमान प्राप्नति प्रमानी बनाव्यी के निए पर्याप्त है, इस क्षेत्र में वस्त्रीकी किशा की मुविधाप्री के विस्तार वस ऐसा कोई प्रस्वाय प्रतिश्वत नृद्दी पड़ा है।

जिले में शिक्षा के प्रसार की मृत्य जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

#### Exploitation of underground water of dry river in Rajasthan

7120, SHRI S. S. SOMANI: Will the Minisfer of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether investigations involving satellite photography have revealed that the extinct river thannels in the Rajasthan desert are still maintaining the flow of water underneath the present dry beds:

(b) whether it is also a fact that according to a paper presented by some experts at the international symposium on desert research and development held at Jodipur, there are indications of the water flow beneath the dry river beds which are considered potential zones for ground, water exploitation; and

(c) if so, the details thereof and the scheme of Central Government in this regard to help the State of Rajasthan?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) Yes, Sfr. Study of aerial photographs of this region has revealed numerous relics of old channels.

(b) At the International Symposium on desert development held at Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur

a paper was presented on this apect by the Scientists of National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning This paper confines to the interpretation of Satellite Imageries for purposes of mapping burned channeis which are supposed to be potential zones for ground water exploitation. On this basis it has been concluded that multiband LANDSAT imageries can act as reliable tools for getting synoptic view of the ground water location Further the interaction cooperation and coordination 'etween the imagery analysers and ground water Hydrologists through feed back process can obtain quick results for detection of ground water in the desert.

(c) Research on this aspect is in progress at Central And Zone Research Institute Jodhpur

CAZRi proposes to undertake opera tional projects on this aspect in the next plan

#### Reorganisation of Agricultural Credit Institution in Rajasthan

7121 SHRIS S SOMANI Will the Min ster of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that an ex pert team of Reserve Bank has been asked to reorganise the pattern and procedure of agricultural credit institutions in Rajasthan and

## (b) if so the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRA-TAP SINGH) (a) and (b) Aeither the State Government of Rajasthan nor the Government of India have requested an Expert Team of the Reserve Bank of India to reorganise the pattern and procedure of agricultural credit institutions in Rajasthan now However at the instance of Govern ment of India the Reserve Bars of India had appointed a Study Team on the Agricultural Credit Institutions 11 Rajasthan 4 years back The Saudy

Team considered primarily the shortterm agricultural production credit and the cooperative credit structure deal pe with the short and mediumterm credit The Team finalized its Report in April, 1975 The mendations relating to cooperatives are being implemented by the State Government The Report of the Sindy Team is available in the Library of , Parliament

#### Distribution of Fertiliser produced in Rihar

7122 SHRI ISHWAR CHAUDHRY Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that fertilizers produced in the fertiliser plants in Bihar are distributed in that State or are being despatched to other states also, and

(b) if so the quantum of fertilizers despatched to other States during 1976-

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARVALA) (a) Fertilizers produced in Bihar State are being distributed in Bihar and also to other States Similarly fertilizers produced by ferful zer plants in other States are also distributed in Bihar

(b) The quantum of fertilizers al lotted from the fertilizer plants locat ed in Bihar to States other than B har during 1976 77 was 37365 tonnes of The whole of the production of P2Oo in Bihar was distributed in the State afself

## Per capita Income of Farmers

7123 SHRI AGHAN SINGH THA KUR Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that despite the tremendous increase in farm pro-

(b) if so, the reasons therefor and the steps being taken to improve farmers' per capita income?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA); (a) and (b), The information on per capita income of the farmers is not available. However, several programmes are being implemented to increase agricultural production which will raise the izmers' income. These programmes relate to expansion of crop areas, extension of irrigation facilities and improvement in crop yields. For :mproving the crop yields, the steps taken by the Government include increased provision of inputs like certified seeds, fertilisers, pesticides and improved farm machinery and implements to the farmers, bringing larger areas under the cultivation of high yielding varieties, expansion in the supply of institutional credit and intensification of problem-oriented research. In addition. incentives are being provided to the farmers to produce more by assuring them remunerative prices for their agricultural produce and through subsidies on different inputs.

## promotion of Graduate and Diploma Junior Engineers in CPWD

7124. SHRI AGHAN SINGH THA-KUR: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

- (a) what is the eligibility period for promotion of Graduates and Diploma JES according to CPWD Manual:
- (b) whether Government adhere to the provisions of the manual regarding the promotions of graduates and Diploma JES: and
- (c) if not, the reasons for flouting their own regulations?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND RE-HABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) For promotion of Junior Engineers to the grade of Assistant Engineer, the eligibility period is five years' service in the case of graduates and ten years' service in the case of diploma-holders.

(b) 50 per cent of the vacancies are to be filled by promotion of graduals and diploma-holders on merit-cumseniority basis. For this the eligibility criterion mentioned in part (a) is followed: but for the remaining 50 per cent, which are to be filled, through a Ilmited departmental competitive examination, four years of service have been prescribed as the minimum eligibility period by a duly notified rule, (c). The rule regarding competitive examination supersedes the provision of the Manual which was meant for normal promotion otherwise than through a competitive examination. For the latter, a lower eligibility orlterion has been fixed to enable comparatively junfor people also to compete and secure their promotion.

## Housing Loans at reduced rates by LIC and Nationalised Banks

7125. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITA-TION be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that due to non-availability of housing loans to middle-income groups the housing in the middle income group has come to a standstill; and
- (b) if so, whether Government propose to advise the LIC and Nationalised banks to provide housing loans to middle income grops at reduced rates of interest?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHA-BILITATION (SHRI SIRANDAR BAKHT): (a) No. Siz.

(b) Does not arise.

#### Exploitation of Fish Resources

7126 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of AGRICUL-TURE AND IRRIGATION be pleased to state

- (a) whether it is a fact that Government are thinking of a massive plan to exploit fish resources in the off shore economic zone as also developing Inland Water resources,
- (b) if so what are the suggestions of the working group for resources, utilization employment potential and foreign exchange carnings
- (c) has the Government tapped the possibility of aid available from the World Bank if so what are specific projects and schemes
- (d) what is the total figure of fish production both marine and inland in the country during the fast three

years and how much of it carned foreign exchange and of what value, and

(e) what steps Government have taken to protect domestic consumer and peg down the prices of sea-food?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) Yes Sir

- (b) The suggestions of the Working Group are of interim nature and are being revised and finalised
- (c) les Sir An Integrated Marine Fisheries Project in Gujarat is being implemented with World Bank Assistance Another Project an Integrated Marine Fisheries Project for Andhra Pradesh has been approved by the World Bank and further negotiations are being held at Washington. There is one more Project Deep Sea Fishing Project for Kerala which is in the early stages of consideration
  - (d) The details are as follows ---

| Fuh Products on (in theu and terres) |          |                                   | Expert   |  |
|--------------------------------------|----------|-----------------------------------|--|--|
| Marine 7                             | Inland   | Total                             | Quantity<br>(Tennes)                               | (Rs crores   |
| 1472                                 | 783      | 2255                              | 450rg  | 68 4   |
| 1478                                 | 850      | 2328                              | 54463  | 124 5  |
| 1525                                 | 875      | 2400                              | 66750  | 1E9 1  |
|                                      | Marine 7 | Marine Inland  1472 783  1478 850 | Marune Inland Total 2  1472 783 2255 1478 850 2528 | Marune Inland Total (Tennes)  1472 783 2255 450°9  1478 850 2528 54463 |

(e) All efforts are being made to merease the fish production both from marine and inland waters in order to fill the gap between the consumers on mand and supply A scheme of linking up of major production centres with interior marketing points is also under consideration in order to stabi lise the prices

# Ragging in Educational Institutions

7127 SHRI SAMAR GUHA the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether reports of 'Ragging' of freshers in different educational insti-
- tutions have appeared in press. (b) whether ragging was stopped
- by Government orders,
  - (c) if so, facts thereabout, and
- (d) the steps taken or proposed to be taken by the present Government for stopping attempts of re-introduction of ragging in different educational institutions?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDER CHUN-DER): (a) to (d) In july-August 1975, the vice-Chancellors of Central Universities, Directors of Indian Institutes of Technology and Heads of other institutions under the control of this Ministry were requested to ban the practice of ragging and to take disciplinary action against those who indulged in it. The State Governments were also requested to take action on similar lines. These instructions have not been withdrawn. It is expected that the authorities of various institutions would take appropriate action whenever any instance of ragging comes to their notice.

#### Development of fishing on Western Coast

7128. SHRI VASANT SATHE: WILL the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

- (a) whether Government have formulated a massive programme for development of fisheries on the Western Coast of the country:
- (b) if so, details of the scheme, incentive proposed yearwise phasing of financial and physical/production targets for areas in Maharashtra;
- (c) whether foreign agencies have offered any technical/financial cooperation in the scheme; and
  - (d) if so, details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SUBJIT SINGH BARNALA): (a) Various plan programmes for the development of fisheries of both coasts of the country are under formulation by the Working Group constituted for this purpose.

- (b) The details have not yet been worked out for areas in Maharashtra.
- (c) and (d) At present an Integrated Marine Fisheries Project in Gujarat is being implemented with World Bank

Assistance. Under Norwegian Agency for International Development, work is progressing on the construction of fishery survey and fraining vessels in the Goa Shipyard. With assistance from the United Nations Development Programme/Food and Agriculture Organisation, investigations on the pelagic fishery resources of southwest coast of India is nearing completion at Other development grammes which may require technical/ financial assistance from bilateral/ multilateral organisations are under discussion with the concerned Agencies.

#### Teaching of Foreign Languages in Universities

7129. SHRI D. B. CHANDRE GOWD 4: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

- (a) the names of the Universities in which foreign languages are taught alongwith the names of languages;
- (b) the details of the financial assistance given for the purpose by the University Grants Commission to these Universities during the last three years, year-wise and Universitywise; and
- (c) whether Government propose to increase the quantum of financial assistance to the foreign language departments of these Universities?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) and (b). The University Grants Commission has been supporting universities for teaching of foreign languages. According to the available information, universities and 4 institutions deemed to be universities have provision for teaching of foreign languages. A statement indicating the names of foreign languages the universities. taught and financial assistance provided by the Commission during the 1-st three years is laid on the Table of the House. [Placed in Library, Sec No. LT-2115/78].

Written Ansuers

#### Centrat University of Sanskrit at Kalady

7130 SHRIR K MHALGI Will the Minister of EDUCATION. SOCIAL. WELFARE AND CULTURE be pleased to state

- (a) whether a memorandum requesting the establishment of Central University of Sansknt at Kalady (Kerala), birth-place of Shri Shankaracharya and to raise the sald village a Pilgrim Town was submitted by Shri Ram Krishna Advaita Ashram of Kalady (Kerala) to the Prime Minjster during his visit to the place in September, 1977,
- (b) if so, what vere the other requests made in the same memorandum, and
- (c) what action Government have taken or propose to take in near future?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUNDER) (a) Yes, Sir

(b) The other requests relate to provision of funds for the buildings of Brahmanandodayam High School,

Re Ad1 Ms Upper Primary and Junior Basic Schools

(c) It is not possible for Government to set up a Central University of Sanskrit at Kalady The other 'equests are being referred to the State Government for suitable action.

#### MR SPEAKER Papers to be laid. (Interruptions)

12 00 hrs

RE. MOTIONS FOR ADJOURNMENT

MR SPEAKER Now I am on my legs Will you please resume your seats?

Two questions have been raised, One is about the law and order situation at several places. I have received adjournment motions about several places-from UP, from Punjab and other places also I have disallowed the adjournment motions But I am going to allow a discussion under Rule 161 Mr Stephen ha, given a notice which provides not for any particular State but you can bring up whatever you want I shall try to find sometime in consultation with the Business Advisory Committee for tou to discuss the matter in depth ...

SHRIO V ALAGESAN (Arkonani) Kindly fix it up for tommorrow,

MR SPEAKER I have to consulf the Bu mess Advisory Committee ... (Interruptions) I will try to find time as early as possible I will immediately eall the Business Advisory Committee (Interruptions) I am not going to be dictated by anybody. But I take suggestions

(Interruptions) \* \*

MR SPEAKER Do hot record.

I shall try to find out I shall call an emergency meeting of the Business. Advisory Committee, if possible, today itself and if not, tomorrow

I will try to find time this week itself. So far as tornado is concerned, I am going to allow under 377 to-morrow. (Intermintions)

MR. SPEAKER; All will be discussed.

No further recording.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: Which is the rule that is broken? Please tell me.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): On your ruling. Sir. MR. SPEAKER: On my ruling you cannot have a point of order. (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: I am hearing point of order.

Yes, Rule 56.....

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Rule 58. It is about Motion for Adjournment. We are moving Adjournment Motion with a specific purpose.

MR. SPEAKER: I have rejected it.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Please listen.

MR. SPEAKER: You cannot go to the merits of the case. You must tell me the rule which has been breached.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Under Rule 38 the motion is quite in . order.

MR. SPEAKER: Because it is in order, I need not allow. There is no point of order.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: I have told you, I am giving you the opportunity for law and order discussion.

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): On a point of order. I only want a clarification. I am not on merits. Rule 58 clearly states about the admissibility of an adjournment motion. When we are moving an adjournment motion, we feel that there are certain urgent issues which should be brought to the attention of the Government. There has to be some debate and we can allow it to bring out the anxiety faced by the nation. I fully agree Sir, we are not competent to , and it is not right on our part to, discuss a State matter or Law and Order of the State. I don't want to discuss that. But the only question is, the attitude which is developing in the country today among the police and the Government. We want you to look into this.

MR. SPEAKER: That is on merit. Now you are going into the merit.

SHRI VAYALAR RAVI: On an earlier occasion also I myself raised the issue. I also requested you to look into it, as to what is happending in this country with the Police and the Government.

MR. SPEAKER: I have told you; I have allowed it.

SHRI VAYALAR RAVI: That is law and order, Sir. I want to speak on the democratic right of every citizen to make dissent. They have: been shot down.

MR. SPEAKER: Mr. Ravi. It will come on two scores. First of all we can discuss the law and order situation throughout India. Police attitude will be one of the essential parts of it. The second is, the Home Ministry's Demands are there.

(Interruptions) .:

\_\_\_\_

Please allow me. I have also a right to speak. I have got the right to speak. I have considered this matter and under Direction 115 when-I say that I have not allowed it, you, are not allowed to open a Debate about it. The Direction is very clear and it is not arbitrarily done. Thereare several motions on several sub-

[Mr Speaker]

287

sects and it is more appropriate to discuss them together because they are all interlinked in a way

Your complaint is that the Police are not behaving in the marer in which they should. That is why one incident will not do and that is why all incidents have to be discussed together (Interruptions) \*\*

MR SPEAKER Don't record. Which is the rule that is broken? I am not allowing a dehate or argument You tell me which is the rule that is broken I will allow

> श्रीमती चद्रादनी (भिवानी)

मध्यक्ष महादय मेरा व्याहरू धारू खारर

है मैं क्वाचाहनी द किला एड धाउर म्टेट सबर्जन है

MR SPEAKER It is not a point of order What is the rule

SRRIMATI CHANDRAVATI I can say anything on a point of order

VR SPEAKER No No Not at all You are mutaken. You can only ay under what rule Please sit down. She has no right You are not alowed Don't record

(Interruptions) \*\*

SHRI K. P UNNIKRISHNAN (Badagara) I am on a point of order My point of order is this The Agricultural University Pantas gar is heavily subsidised by the Central Exchequer (Interruptions)

MR. SPEAKER This is point of order I am asking which rule Why dong you take note of my response bility? I am asking the rule or the law which is broken.

SHRIK P UNNIKRISHNAN The Pantnagar Agricultural University is heavily subsidised by the Central Exchequer It is not merely a matter of law and order of the State but it 15 olso a matter of concern for this House how the Central Exchequer's finances are being disbursed Now the operations and all the projects subsidised from the Central Exchequer have come to a standstell. That is why you know I had sent a separate motion to you to consider the situation arising out of this. It happened because of a massive offensive launched by the police at the instance of certain people in Delhi. This is the point. (Interruptions)

MR SPEAKER What he says 15 that it is a Central subject

SHRIK P UNNIKRISHNAN I: is not only law and order. Of course, partly law and order is there ther, are other issues which are inrolved

MR SPEAKER I have considered that also. It has not appealed to me Merely because Central Government is giving the money it does not become a Central subject

(Interruptions) \*\*

MR SPEAKER Do not record.

12 15 hrs.

RE POVITS OF ORDER (PRO-CEDURE)

PROF P G MAVALANKAR (Gandhinagar) Mr Speaker, Sir I am rising on a point of order under Rules 376 (1) (2) (3) (4) (5) (6), (a) (b) (c) (d) (e) and under Rule 377 and under Rules 56 57 and 58. Under these five rules I am raising the point of order We have been watching for the last week and this week that the Chair-not only you but even the other people who sit in the Chair -ask for the Rule Sir whenever we

<sup>\*\*</sup>Not recorded.

raise a point of order obviously we raise the point of order under Rule 376. There is no other rule under which we can raise a point of order. Now, Sir, from last week and this week. I have been watching, and I must say with great respect, that you are asking "this question from us "which rule is broken"? I like to ask you under which rule the Chair asks us that we must give the rule which is broken. Sir, you will kindly see Rule 376(1). I will read out that and then I will come to Rule 58.

"376(1) A point of order shall to the intempretation :r enforcement of these rules or such Articles of the Constitution as regulate the business of the House and shall raise a question which is within the cognizance of the Speaker."

My point is that there are a number of things which are not specifically regulated by this or that rule but by conventions which come under the cognizance of the Speaker and if, therefore, I, as a Member of this House, feel that a particular matter comes under the cognizance of the Speaker, then I am within my right to get up under 376 (1) and invite your aftention. If you think that I am abusing the point of order by taising a matter through a point of order which you have rejected, then by all means you can interrupt and ask me "sit down" and I must sit down and I must not even go on record. But before I fully raised the point of order on a particular matter which I may consider to be within your cognizance, I do not understand how the Chair can ask a Member by saving "which rule is broken"? .... {Interruptions). Secondly. You will find that in re-

gard to this Rule Book, howsoever intelligent and good one may be at all these things, many things bappen on the spur of the moment and the debate takes place and we are not

thorough with the Rule 1 to Rule 389. But we know definitely that several rules are broken and discussion is needed. Therefore, I would request you please do not use this blanket technique of preventing us from raising a point of order. And during the week-end I did some quiet study. Sir, I could not find any rule in this Book which tells the Speaker "vou have a right to tell the Member to quote the rule which is broken or sit down"! There is no such rule in this Rule Book. We could not get it from this Book.

(Interruptions)

PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): May I say a few words? I am surprised that my hon, friend Shri Mavalankar should have raised an omnibus issue. He seems to consider himself to be a defender of all the people who raise points of order. In this House it is common knowledge that anybody who wants to rise immediately to speak says: "On a point of order". It is a common thing. Now, is the Speaker going to allow everybody to do that? Then there will be nothing except points of order and even bogus points of order. if I may say so. Many a time, you insist that when it is within the cognizance of the Speaker he should allow it. The fact that he does not allow it means that he does not take cognizance of it. Why is that not accepted? We are bound by our pledge to the Speaker that we will accept the decision of the Speaker, But the hon. Member had the courage to ask the Speaker "under what rule you say this, will you tell me?" (Interruptions) I am afraid . we are exceeding our rights. (Interruptions) I do not agree with this, (Interruptions).

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: rase-

MR. SPEAKER: Your point of order is on this issue....?

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): Now, Sir, the

# [Shri Shyam Nandan Mishra]

291

Member, Mr. Mavalankar, has rased the question whether the Chair is in order to ask for reference to the Rule which has been breached. I think the Chair is perfectly in order to ask which rule has been violated or breached. (Interruptions)

MR. SPEAKER Mr Mavalankar has raised a point of order that the Speaker has no right to ask (In terruptions)

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA So far as that position of the Charis concerned, I have absolutely no doubt in my mind that the Chair is perfectly in order to ask for the rule which had been violated or breached But the point is that the Chair also has to be governed by certain rules and therefore the Chair also will have to eay, whether in giving ruling, the Chair is doing so according to certain rules The Chair also is not beyond the rules so if there is any order or ruling of the Chair that can be challeged on the basis of the Rules of Procedure of the House, that could be done. In this matter I should like you to take fully into account whatever observations you have made in the past on this subject and correlate them to whatever hon Member Shri Mavalanhar has said I think that if it comes amply to this that the Chair cannot esk a Member to refer to rules then of course the hon. Member's position would be completely out of order But If there have been certain observation, of the Chair with regard to the points of order raised in the past which may not be in conformity with the rules, that can form a different category altogether

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) My point of order is under rule 376

MR. SPEAKER Are you speaking on the point of order of Mr Mayalankar?

SHRI JYOTIRMOY BOSU I also epeak on that, Rule 376(1) says that the point of order shall relate to the interpretation or enforcement of the rules Para 2 enables a person to raise a point of order during the interval between the termination of one item of husiness and comencement of another if it relates to the maintenance of order or any arrangement of bulness before the House The Question Hour 1, over and you are about to take up the laying of the papers. Now points of order have been raised and we have been quite right to do so under the rule, Para 3 cays, subject to sub-rules 1 and 2 a Member may formulate a point of order and the Speaker shall decide whether the point raised is a point of order and if so he shall give a decision thereon which shall be final. The point of order under this rule which I wanted to bring before you is this can you kindly educate me why the hon Home

### (Interruptions) \*\*

Minister is visting

MR. SPEAKER That is not a point of order I am not aware of it. Under the guise of a point of order, you mention something It will not be recorded

#### (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER It is not recorded. We are now or a point of raised order raised by Mr Mavalankar about the authority of the Speaker

SHRI JYOTIRMOY BOSU My

MR SPEAKER If it is a different point of order, do not raise it now

SHRI K LAKKAPPA (Tumkur): I want to say this on behalf of the Opposition.

MR. SPEAKER If you are not speaking on the point of order now under discussion it will not be recorded.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: Do not record it. श्री गौरी शंकर राय (गाजीपुर):

मान्यवर, . . MR. SPEAKER: Are you supporting Mr. Mavalankar's point of order?

श्री गौरी शंकर राय : मान्यवर, में ,निवेदन करना चाहता हूं कि यह दर्भाग्य है इस सदन का, जैसा माननीय प्रधान मंद्री खी ने कहा कि इस सदन में जो प्वाइंट आफ आईर उठाये जाते हैं उनमें 95 प्रतिशत प्याउंट आफ डिस-आर्डर होते हैं । इस सम्बन्ध में आपको विभिन्न दलों के सोगों से मिलकर इस सदन में एक कन्सेन्सस बनाना होगा। इस में हमारी एक देवनीकल मजबरी है और इस के लिये सारे हाउस का कन्सेन्सस वनाना होगा। मेरा यह निवेदन है कि जबग्राप कहते हैं कि किस रूल के मुताविक प्वाइन्ट आफ आर्टर उठा रहे हैं तो इस में यह समझ लिया जाना चाहिये कि इस में रुल और कन्वेत्वन दोनों लाग है। केवल रुल के ब्राधार पर हो प्वाइट प्राफ आर्डर नहीं होता है। इस में प्रोसीजर, कन्वेन्जन ग्रीर दूसरी चीजें भी जुड़ी होती हैं।

But no chair can ask everything before raising the point of order. प्वाइन्ट आफ आईर उठाने का राइट तो इस सदन की मिला हुआ है । इसलिये आप इस चिलसिले में सब की राय से । इस के प्रलावा कन्वेन्यन, प्रोसीजर ग्रीर संवैधानिक अनिय-मिततायं भी होती हैं, जिन के लिने प्वाइन्ट ग्राफ ग्राहर स्ठाना पड़ता है। इस लिये इस पर सोच-समझ कर ओई रास्ता निकालना होगा ।

SHRI NARENDRA P. NATEWANI (Junagadh): Mr. Speaker, Sir, there is no point in the point of order raised by my friend, Mr. Mavalankar. Rule 376 (I) is very explicit. There can be a a point of order as regards the interpretation and enforcement of rules. I would proceed on that basis. Sub-rule (i) expressly states that if there is any question that of interpretion or enforcement of any ruce of business, a point of order may be raised. If

any member deviates from, infringes or breaks any rule, another member can point out that that particular 'ule is broken and may be enforced. Therefore you are well within your rights....

SHRI K. GOPAL (Karur): He is supporting you

MR. SPEAKER: That is alright.

SHRI MORARJI DESAI: to draw your attention to Rule 389. which is very specific, which is about the residuary powers of the Speaker. All matters not specifically provided for in these rules and all questions relating to the detailed working of these rules shall be regulated in such manner as the Speaker may from time to time direct and we have to accept the directions.

MR, SPEAKER: Mr, Prime Minister, specifically there is a rule here.

SHRI RAM JETHMALANI (Bombay North-West): I rise to support what the distinguished Prime Minister has said and to oppose the point of order which my friend, Mr. Mavalan-kar has raised. Mr. Speaker, we must base our decision on correct principle. Rule 376 (i) on which Mr. Mavalankar is relying contains the word 'and' and therefore, both conditions are to be read conjunctively whereas he seems to read them disjunctively. He seems to think that merely because a matter relates to something which Speaker can take cognisance of, that by itself satisfies the conditions, which it does not. Both the conditions must be Satisfied and therefore, you are entitled to ask a Member, "which is the rule that is broken?".

SHRI K. GOPAL: Mr. Speaker, Sir, as far as I understood my friend, Mr. Mayalankar, I do not think that he challenged your authority.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Not ifs .ts

SHRI K. GOPAL: There are certain things in this Houselike conventions and precedents. Not only hereyou have occupied the highest post

[Shri K Gopal]

in the judiciary—there also we have precedents and conventions You would lake to take note of the feelings of the Members, the mood of the House is the mood of the House is the mood of the Nation and it cannot be the other way round While I completely agree with you in the matter of regulating the House, discipline should be there, in instances live this in exceptional cases where a specific matter haso been frught. I wish that you could have stuck to the conventions which are there in this House where the Speaker has pillowed the Members to

MR SPEAKER No. No Mr Gopal.

Having done that now, Mr Mavalankar has raised a question which has been probably raised many times and Mr Mavalankar is more interested in it because he is one of those persons who constantly raise points of order It is necessary therefore, to decade it finally

The main rule is 376 The main provision is sub-rule (i) which governs all other rules Sub-rule (1) says A point of order shall relate to the interpretation or enforcement of these rules or such articles of the Constitution as regulate the business of the House and shall raise a question which is within the cognisance of the Speaker Two things are relevant The first is, it must raise a breach of a rule or an Article of the Constitution which regulates the business of the House and second, it must be one which is within the cognisance of the Speaker These are the two things. The question is, as soon as a matter is raised is there a breach of rule is there a breach of any Article of the Constitution, is there a breach of any other law, and further whether the point raised is within the Cognisance of the Speaker? for this, again it is regulated iv a Direction of the Speaker given earlier. The procedure he has laid down is that while formulating a point of crder, a member should quote the specirule or the provision Constitution relating to the procedure of the House which might have been ignored, neglected or violated This is the Direction given earlier and I am merely following that Direction Nothing more hasbeen done This Direction is fully in. accordance with the rules. The other remaining provisions are further limitations and they do not confer any further rights under Rule 376. Otherwise, if that is not the position, under the guise of point of order, we will raise many disorders in this-House That is what has been happening in the House I am not going to allow it I am sticking to the rule for the benefit of the House, not for my benefit I am perfectly in agreement with you that I am us much bound by the rules as any member is But what the rule is finally you should leave it to the decision of one person and that person can be no other than the Speaker of the House. It is more by convenience not because I have greater knowledge than you My knowledge need not be greater than yours but my authority must be final for the benefit of the House.

SHRI JYOTIRMOY BOSU Whathappened to my point of order? Under rule 376 the point of order I want to raise is this I again restorate that this House is not competent to discuss law and order issues relating to a State That is clearly defined and we are quite prepared for that Here I em trying to understand The Home Minister of the. Umon Government is visting - ...

MR SPEAKER. Again you are going into the merits I am not poing to allow I have disallowed your point of order. SHRI JYOTIRMOY BOSU: I have not finished.

MR. SPEAKER: I have disaflowed your point of order.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Let me finish. You can give your ruling or you may push me out.

MR. SPEAKER: No; I am not going to do it. The House will be poorer if I push you out.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: That is very kind of you. I am trying to understand, You educate me. The Union Home Minister.....

MR. SPEAKER: I am not going to allow that. Don't record.

#### (Interruptions) \*\*

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): On a point of order, Sir. You rightly said while giving your verdict on Mr. Mavalankar's point of order that one has to quote the rule which has been violated and you again rightly said that just as we are bound by cartain rules, the Chair also is bound by certain rules.

MR. SPEAKER: What is your point of order.

SHRI KANWAR LAL GUPTA I am coming to that.

MR. SPEAKER: You must first come to that.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Rule 380 is there. You ask us to state which rule is violated. Secondly, you say that nothing will go on record. My question is about the second one, that is, "nothing will go on record." You can expunge certain words if you like but so far as the rule, are concerned, I do not see anywhere any rule giving the power to the Speaker to say, "nothing will go on record."

MR. SPEAKER: I have understood your point. The rule provides that no one can speak in the House without the permission of the Speaker. That is the rule. When you speak without the permission of the Speaker, that is where my power comes in.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN (Badsgara): We have not come here on account of your countery or any one clebs. You would be violating the spirit of the Constitution and the Rules of Procedure if you take up this position. If I utter anything unparliamentary, you can expunge it you can certainly have the power to expunge and we shall not question it and those expunged portions shall not form part of the record. But you cannot say that nothing of what I say shall go on record.

MR. SPEAKER: Not at all.

SHRI K. P. UNNHERISHNAN; Unfortunately that is the precedent you have laid down, and you remember that on the last day we had to take recourse to certain things which unfortunately happened in this House, So, if you persist, it is total violation of the Constitution, You cannot just do it.

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): Sir, I am on a point of order, I was patiently listening to your ruling that nobody should question the authority of the Speaker.

#### (Interruptions)

MR. SPEAKER: Mr. Ravi, I had given a ruling, may be right or may be wrong.

SHRI VAYALAR RAVI; I am not questioning that. But I am raising a very relevant point which you have to consider. We speak everything in this House only with your permission. Rule 350 very clearly says that. You are the authority and it you believe that everything of what those who speak with permission should go on record, it means, Sir, that all the decisions that you take—we move some urgent matters under Rule 55. Rule 55 says that I

<sup>\*\*</sup>Not recorded.

# [Shrı Vayalar Ravı]

can do only with your permission I can move any motion with your con sent So in your wisdom you decide whether my motion is relevant or serious or important or not All the doors are completely closed for raising my voice in the House if you go strictly by Rule 350

That is why I MR. SPEAKER don t camply do it

SHRI VAYALAR RAVI So my point is that when you stick to your interpretation regarding the point of order it means that it may or may not benefit the House but it will only henefit the Ruling Party

MR. SPEAKER Yot necessarily

SHRI VAYALAR RAVI You are the custodian of the House to protect the interests of both sides But you go strictly by Rule 350 or you vav Don't record

MR. SPEAKER When I think it is not in the public interest. I do not give permission

SHRI VAYALAR RAVI Str. raising the voice of the people in the House against butchering of hundereds of people

MR. SPEAKER Now we go to Papers Laid

SHRI K. LAKKAPPA Under Articles 355 and 356 of the Constitution of India it is very clear that the State Government should run in ccordance with the provisions of the Constitution of India Article 355 says that it shall be the duty of the Union to protect every State against any external aggression and internal disturbance and to ensure that the Government of every State is carned on in accordance with the provisions of this Constitution. That is why, the Members on this side have been arging for the last six months that in many States including UP the constitutional machinery has completely

broken because of internal disturhance

MR SPEAKER Do not record (Interruptions)\*\*

MR SPEAKER Under Article 355, it requires every State to run according to the Constitution. That is also so far as the Union is concerned 101 will find that it also provides that the Union as well as the State Government must run according to the Constitution.

SHRIK LAKKAPPA Sir, if the Member is allowed to quote the relesant provision of the Constitution, has he not to express himself fully to satisfy the House and the Speaker ard can the consent not be given to him to express on the provisions which are in conformity with the Constitution? Before I submit to you kindly hear me

MR. SPEAKER I am hearing you all the time

SHRI K LAKKAPPA Article 355 the constitutional machine ery has completely broken down. That is why there are internal disturbances

MR. SPEAKER Mr Lakkappa have you given a rotice that the Constitutional machinery has broken down?

SHRI K. LAKKAPPA Yes

MR. SPEAKER Where?

SHRI K. LAKKAPPA In U.P.

MIR SPEAKER Which is the motion you are referring to?

SHRI K. LAKKAPPA The adfournment motion

MR. SPEAKER Your adjournment motion does not say that the constitutional machinuery has broken down in UP and President a rule should declared That is under article 356 No Member has given me much natice Of course if the notice is there, I will consider it. That is another matter

No Member has' given me notice that there has been a breakdown of the Constitution, and that President's rule should be promulgated. Therefore, those questions under article 355 do not arise.

SHRI K. LAKKAPPA: My submission is that in such situation..... (Interruptions)

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: On a point of order. Sir. I have sent you two notices of motions of privilege against the Minister of External Affairs, Mr. Vajpayce and yet another motion of privilege against Shri H. M. Patel. I would like to know whether you have considered them.

MR. SPEAKER: It is under consideration. We will inform you.

Now. Papers to be laid.

#### 12.46 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE ANNUAL REPORT OF GUJARAT STATE FOREST DEVELOPMENT CORPORATION LID., VADODARA FOR THE YEAR ENDED 30-9-1977 AND CERTIFIED ACCOUNTS OF ANIMAL WELFARE BOARD, MADRAS FOR 1974-75 WITH STATEMENT FOR DELAY

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SUR-JIT SINGH BARNALA): I beg to lay on the Table:-

- (1) A copy of the Annual Report of the Gujarat State Forest Development Corporation Limited, Vadodara for the year ended S6th September, 1977 along with Audited Accounts and the Comments of the Comptroller and Auditor General thereon, under section 619A of the Companies Act, 1956. [Placed in Library. See No. LT-2101/78].
- (2) (i) A copy of the Certified Accounts (Hindi and English versions) of the Animal Welfare Board, Madras, for the year 1974-75 and the Audit Report there-

on, under sub-rule (4) of Rule 24 of the Animal Welfare Board (Administration) Rules, 1962.

(il) A statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the documents mentioned at (i) above, [Placed in Library. See No. LT-2102/78].

MR. SPEAKER: Mr. Ravi wanted to raise on abjection. Mr. Ravi,...

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): This is a matter often raised in the House, Sir, you have also warned the Government once that it is not a fair practice to delay the reports so much. Item 2 (2) (i) is about 1974-75. Reports are yet come for 3 years.

MR. SPEAKER: We have got the explanation.

SHRI VAYALAR RAVI: What about other years? You have got the explanation only for 1974-75. What happened to the rest of the years? It is not this alone. You must give a severe warning, that Government should see that ....

MR. SPEAKER: You know how many times....

SHRI VAYALAR RAVI; And it is the same thing about Dr. Chunder also. Mr. Barnala has put in an explanation only for 1974-75.... what about the rest of the years? Do you think that a person can give the report at any time and get away with

MR. SPEAKER: I will send it to the Committee ... . Now stem 3.

CERTIFIED ACCOUNTS OF INDIAN INSTI-THE OF TECHNOLOGY, KHARAGPUR FOR 1975-76 WITH STATEMENT FOR DELAY AND STATEMENT RE, NOT LAYING THE AN'-MAL REPORT ETC. OF RASHTRIYA SANS. KRIT SANSTHAN, NEW DELHI FOR 1976-77.

THE MINISTER OF EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE OR. PRATAP CHANDRA CHUNDERY:

I beg to lay on the Table -

(1) (1) A copy of the Certified Accounts of the Indian Institute of Technology, Kharagpur for the year 1975-76 along with the Audit Report thereon, under sub-section (4) of section 23 of the Institutes of Technology Act, 1951

(ii) A statement (Hindi and English versions showing reasons (a) for delay in laying the above document and (h) for not laying simultaneously the Hindi version thereof [Placed in Library See No LT-2103/78]

(2) A statement (Hindi and English versions) explaining reasons for not laying the Annual Report and the Audited Accounts of the Rashtriya Sanskrit Sansthan New Delhi for the year 1976 77 within the stipulated period [Placed in Library See No LT-2104/78]

SUGAR (PRICE DITERMINATION FOR PRODUCTION) ORDER, 1977-78 and NOTIFICATION CORRECTING NOTIFICATION No GSR 767(5) DATED 22-12-77

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under sub-section (6) of section 2 of the Essential Commodities Aet 1955 --

- (1) The Sugar (Price Determination for 1977-78 Production) Order 1977 published in Notification GSR 767 (E) in Gazette of Ind a dated the 2°nd December 1977
- (2) The Sugar (Price Determination for 1977 78 Production) Amend ment Order 1978 publishes Notification No GSR 155 (E) in Gazette of India dated the Tst. March 1978
- (3) G S.R 178(E) published in Gazette of India dated the 1th

March, 1978, containing corrigends to Notification No G.S.R. 787(E) dated the 22nd December, 1977 [Placed in Library See No LT-2105/78]

BOSU (D'a SHRI JIOTIRMOY mond Harbour) Sir, I have written to you on Item 4 I am very sorry and I am constrained to say that this might have been a deliberate set Item & (1) 5355

"The Sugar (Price Determination for 1977-78 Production) Order, 1977, published in Notification No G S R. 767(E) In Gazette of India dated the 22nd December, 1977"

And this House Is sitting from the 19th February Why on earth has not been laid on the Table of House, Sugar is a very paying proposition But it does not mean that the report should not he laid on although the Table of the House House has been sitting from 19th February It is two months.

Item (2) says

The Sugar (Price Determination for 1977-78 production) Amendment Order 1978 published in Notification No G.S.R 155 (E) in Gazette of India dated the 1st March 1978" A month and a half has passed Now Item 4(3) says

GSR 178(E) published Gazette of India dated the 18th March, 1978 containing corrigends to Notication No GS.R 767(E) dated the 22nd December 1977"

What is the explantion of the Gov ernment? The House is sitting for the last 2 months. Yet they delibera tely delayed it in spite of your caution You have been cautioning them. You have been good enough, What is the result that we are from it? It is a very serious matter because it concerns sugar tyconns.

MR. SPEAKER Now, Mr Minister, why have you not submitted 4(1) and 4(3)? About 4(2) there is not much delay. Not even an explanation is given. Your Ministry must be forgeting too many things.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: 1 am sorry; that is all I can say.

MR. SPEAKER: No, no. You should not do that.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: I will enquire and let you know.

MR. SPEAKER: Now item 5.

MEDICAL AND TOLLET PREPARATIONS

(2ND AMENDMENT RULES 1977 AND
NOTIFICATION UNDER CUSTOMS ACT,
1962.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHEL SATISH AGRAWAL): On behalf of Zulfiquarullah, I beg to lay on the Table:—

- (i) A copy of the Medicinal and Total Preparations (Second Amendment) Rules, 1977 (Hindi and English versions) problished in Notification No. G.S.R. 368 in Gazette of India dated the 18th March, 1978 under sub-section (4) of scition 19 of the Medicinal and Tollet Preparations (Excise Dules) Act, 1955. [Piaced in Library. See No. LT-2109/78]
- (2) A copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under section 150 of the Customs Act, 1962:—
  - (i) G.S.R. 225(E) and 226(E) published in Gazette of Indiadated the 5th April, 1978 together with an explanatory memorandum.
  - (ii) Notification No. 78-Cus. IV published in Gazette of India dated the 10th April, 1978 comtaining corrigendum to Notification No. G.S.R. 226(E) dated the 5th April, 1978. [Placed in Library. See No. LT-2107/78.]

12.52 hrs.

CALLING ATTENTION TO MAT-TER OF URGENT PUBLIC IMPOR-TANCE

REPORTED PLANTING OF NUCLEAR DEVICE BY CIA IN THE NAMPA DEVI

MR. SPEAKER: Now I come to Calling Attention,

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamand Harbour): I rise on a point of order under rule 376. There is an error in this matter i.e. about the arrangements with the CIA, like the International Dynamich and other things which was all entered around 1962-63. Shri Blin Patnaik Is man who was entrusted with this and asked to go to USA to cover this deal. It is better that Mr. Blju Patnaik is asked to enlighten this House, because he has the first-hand information about dealings with the International Dynamics and plutonium boxes being planted. Everything he knows. Let him be gracious enough to tell this House.

MR. SKEAKER: Anyway, I cannot direct. The Minister must be there.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: My humble submission is that since the princal person who acted in the whole matter is present here, let him enlighten the House, rather than our hearing it from second-hand sources.

श्री दलपत सिंह परस्ते (शहडोल): मैं ग्रीबचन्द्रशीय लोक महत्व के निम्मितिखिठ विषय की थ्रोर प्रेंथान मंत्री का ध्यान दिसाता हूं ग्रीर प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे मैं एक 'ब्रस्टाव्य हैं:

"बीम के परमाणु विस्कोटों का एता बगाने के लिये नन्दा देवी पर सी० झाई० ए० हारा प्यूटोनियम-बातित अध्वक उपकरणीं के समाये दाते के समाचार तथा उस पर सरकार की प्रतिकिया।"

PRIME MINISTER (SHRI THE MORARJI DESAI) Mr Speaker Sir Honourable Members are quite understandably exercised over the reports that have appeared in the Press here based on a news item which appeared in the United States about the attempt to locate a nuclear fuelled powerpack on the heights of Nanda Devi The failure in this attempt which has raised just apprehengions the possibility of contamination the water of our sacred river Ganga I can assure the House that all us share this concern of the Honour able Members as well as by the people at large at the possible hazards our environment and people

SHRI JYOTIRMOY BOSU What are you doing about it?

SHRI MORARJI DESAI Will you have some patience" The Houle is that asy soon as these reports came to our attention we expressed our grave concern the US authorities and have subre quently been in touch with them in New Delhi and in Washington have also made thorough enquiries at our end to obtain as complete details as possible in the last few days the light of international situation pre vailing at that time and scientific develonments which were taking place both far and near it was decided by the Government of India and the Government of United States of America at the highest level that remote vensing device with nuclear power pack should be installed near the highest point of Nanda Devi with the object of securing information about missile developments.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA Which year?

SHRI MORARJI DESAI It started in 1964

SHRI MORARJI DESAI It started SHRI MORARJI DESAI According ly, a mountaineering expedition manned only by Indian mountaineers went up the Nanda Devi followed by a John Indo-American expedition rd cettifully stupiped with tigs device with a view to installing it at a height of 25000 feet

When the expedition was approaching the summit it was overtaken by a birzzard which made further ascent impossible and facing fatal hazards to the party they were obliged to retreat to the jower camp at a height of 23 000 ft. In the precipitate discent under very trying and exacting con ditions they had to leave the powerpack securely cached With the onslaught of winter no attempt to locate and retrieve the device was 1mme diately possible and had to he postponed Another expedition was moun ted in May 1966 that is in the following spring With the intention of retrieving and installing the device hot ever the expedition party on ar rival at the area discovered that major avalanche had occurred around the area and the device could not be located Every attempt was made by ground and aerial search aided by supersensitive scientific equipment to trace the power pack but these efforts proved in vain After all such attempts the conclusion reached by our experts which included Scientists was that if the power pack had broken it would have been detected trough these means and the likelihood was that the device got buried deep somewhere after having been smothered or carried into neighbouring crevice by the avalanche.

Searches both on the ground and by helicopters were organised every year over a wide area and continued till late 1968 but without the equipment being sighted or detected by scientific means

Simultaneously samples of the water were taken up to 1970 and were under observation for some years but no trace of contamination was detected.

In 1957, a new device was taken to the same area and was duly installed on a neighbouring peak. This functioned normally for a while but was removed subrequently in 1958 and the equipment was returned to the full the first propertions as

I said, were apparently carried out predominantly by Indian personnel but under joint auspices and were in the know of and with the approval at the highest political level of the Government of India at that time.

309

After the news reports appeared a few days ago we have assembled relevant details and background of these expeditions with reference to available record and in consultation with both the US Government and the Indian Departments who were involved in this project.

We have tried to got as much technical information about the device as was possible. According to information obtained and published literature on the subject, the device comprises of a power system energised by 2 to 3 lbs. of plutonium-238 metal alloy which is contained in several doubly encapsulated leaktight capsules. The inner capsules enclosing the plutonium are made of 20 mm thick tantalumrefractory metal. The primary function of tantalum is to inhibit corresive action of the Plutonium fuel. The capsules are of Nickel alloy having high strength and temperature resistant properties. The capsules are encased in a Graphite heat block which along with the thermo-electrical modules in turn is encased in evlindrical aluminium easing which is 14 inches in diameter and 13 inches high. The total weight of the entire assembly was 38 lbs.

According to the records it is clear that at that time all aspects of safety, including the possible hazards to the operating hands and general public, were taken into account and conclusion was reached that no undue hazard existed. The tests, which have been carried out by the United States, indicate that even under extremely unlikely conditions of complete instanteneous fuel exposure to water, there is little, if any, possibility of pollution attaining unsafe limits. We understand that even in such an unlikely eventuality, a flow

of 5,000 gallons per day would itself dilute the dissolved material to safe drinking water levels. It is also believed by Scientists that the dangers of pollution on instanteneous exposure to air are also minimal. In brief they claim that the design details and protective systems are such as to ensure the maximum possible safety againt splintering and consequential contamination and environmental hazards.

Notwithstanding the safety factor in the design and the results of physical search and scientific detection now that our Government's attention has been drawn to it, we are making renewed efforts to make ourselves triply sure. It is proposed to appoint a committee of scientists to and assess the problem and with the help of all possible expert advice, to recommend such further action as may be considered necessary to safeguard against future hazards to the environment and to the people. We have taken immediate action to obtain fresh samples of the water from the upper reaches.

As I mentioned we have been touch with the American Government. The US authorities had provided technical details, scientific cooperation and sophisticated equipment at the time when the search operations for the missing power-pack were being made in the summer of 1966.

Mr. Speaker, I can recall the critical situation with which we were faced during those days of concern, apprehension and anxiety. The authorities concerned in India at the highest level assessed the situation in terms of certain precautionary effective devices to identify the various threats and contingencies and decided upon the measures which I have It is clear from out-lined above. the records that as far as agencies could provide against hazards they were taken into account. It unfortunate that nature intervened to present for the future as we now find it a continuing source of apprehension and anxiety.

# [Shri Morarji Desai]

However, as far as I see no cause for slarm on grounds of health or environmental hazards exists. The indirect exidence so for is that the safety precautions built into the pack may be as effective as has been claimed and it so pollution effects may not take place in the future. It is gratifying that none have been delected so far I would also like to assure the House that to our knowledge, no other device of this kind exists on Indian soil and no such operations which carry potential national hazards would no permitted by us

13 hrs.

धी दत्तरत सिंह परस्ते प्रध्या महोस्स, हिन्दुस्तान को धारी जनता नित परित्र स्थानों पर प्रवित्त होती है, पाहे बहु गया मा मूलात हैं, नर्पम का मुहतात हो धीर पाहे होती का मुलात हो, पार कर कर कर के बे उद्यानस्वती पर इस प्रकार के द्वित्त करवों को छोड दिया जात, धीर इस जाता भारत के अन-भारत को महा धीर बीचनाहर ने हात दिया जाये, वो हम पर हारी माजींच जनता भीर इस स्वर का विन्तित होना इस्तामित हैं

में भाप ने माध्यम से प्रधात मनी जी से स्पट रूप से यह जानना चाहता है वि क्या सी० प्राई० ए० के एजेन्ट दनिया के सभी देशों में सनिय हैं ? बचा भारत सरवार को मुचना होने से पूर्व धमरीकी राजदत, रावर्ट एफ । गोहीन, ने यह मदेश अमरीकी सरकार को भेजा है ? बया तेव्ह वर्ष पर्व 1975 ईमवी में चीन के बणुविस्कोट का पना लगाने के लिए यह प्नटोनियम की शक्ति से चालित उपकरण नदादेवी पहाड दे खेत में गगा ने मुहाने पर छिपा दिया गमा था? क्या यह गती है कि इस प्रकार के स्वत का जीवन एक से दम वर्ष तक का होता है और प्तटोनियम के विचार जाने से प्रदृष्टि जल का व्यवहार करने में कैन्सर तथा प्रत्य **रोग** ~पैसते हैं ?

समेरिता की नेप्तीय गुरावर एवंडी बहुत बढ़ाम सगड़न है भीर जब भारतीय सेत में उसने मह सातव उपकरण रखा हो इस को जानकारी भारत की गरकार को उस समझ भी या नहीं?

planted in the

Nanda Devi (CA)

क्या अमरीको नेन्द्रीय गुप्तचर एउँसी की मदद में भारतीय प्रसामाजिक तन्त्री स्था सन्यामो का भी हाय था ?

गत सन् 1967 में गृह मजानय का विभिन्न निर्मेश स्त्रों से धारिक सहस्ता हि धमरोत्ती धोर करते सोतों है धारिक सहस्ता सम्म देती की सादिक सहस्ता की धमरेना प्रधान कर सहस्ता कर सहस्ता की स्वीक्ष स्व कि स्ता कर सिक्त स्त्रा की धमरेना प्रधान के सहस्ता के धमरेन यह सुमान यह सादिक साति सादिक सादिक सादिक साति सादिक सादिक सादिक सादिक साति सादिक सादिक सादिक साति सादिक सादिक सादिक साति सादिक 
वया परमाणु कर्जा घायोग पर गया स्था सहायत नरियों के बल की जान करने द्या यह पदा लगाने का मार सौंचा जायेगा कि जत द्रिष्ट हुआ है या नहीं ?

भी भीरार जो देखाई े सम्माननीय सदस्य ने मैंने, जो बहुत बहु भीर से मुना नहीं, ऐहा मानुल होना है। इस में सीठ माई ए ए को बीच में माने की जम्मल महीं है। यह हसारी क्ष्मिंगट ने हो जा में पूछ के रिज्या। हमारी क्ष्मिंगट ने महा से लोगों को में जा मा प्रा इसीतिय कीठ माई ए ए जो ने बूले का बाद मनत्व है? दो पबरों मेट का मामता है। इस में मोई एम एजेंसी का मामता है। इस में मोई एम एजेंसी का मामता है। है हु में ते होने, माम जो हमाई कहा मामती है। वें हु मा ते नीड़े, माम जो हमाई कहा मामती है। पहला में हमा है। इस ने बोन में मामती हैं पहला के नोई में सीता है नहीं की सामानी में किया पहला के बारे में सामानी में निर्मा पहला माम के बारे में सामाना में निर्मा

यह सब कुछ किया गया। ऐसी घवराहट में वही करना चाहिए या या नहीं करना चाहिए था यह दूसरा सवाल है । मूखे करना होता तो मैं नहीं करता ऐसा मैं नहीं कह सकता । परन्त जिन लोगों को घवराहट होती है उन को ऐसा करने में फायदा क्या है, उन्होंने सोच के किया, वह भी देश के हित में किया, ऐसा में मानता हं ग्रीर काफी सावधानी सी भी थी, यह भी मैंने कक्षा । इसीलिए मझे इस में किसी को दोष देने का सवाल नहीं है।

SHRI K. LAKKAPPA: (Tumkur): Mr. Speaker, Sir, I have carefully gone through the statement made by the hon. Prime Minister containing passing remarks about two Governments coming to an agreement such a sophisticated operation of plutonium device in the Himalayan region. I take this opportunity say that the present Government has got an onorous responsibility to give not only a proper answer but an explanation to the people of this country because of the manner which it was reported in the press. Even today it has been reported the press. The External Affairs Minister, Mr. Atal Bihari Vajpayee, has made a disclosure departing from the statement made by the hon. Prime Minister. I quote:

## "Disclosures to be shocking.

Mr. Atal Bihari Vaipayee here today that he would make a statement in the Lok Sabha tomorrow-not knowing that the Prime Minister would be making a statement-in response to a Call Attention motion on the planting of a nuclear device by the CIA in the Himalayan region.

Talking to reporters, Mr. Vajpayee said that the revelations following inquiries by the Central Government in the matter would come as a 'bombshell' ".

I do not know what is the "bombshell" which has been hidden in the mind of the Government, The hon, Prime Minister has said that there is no question of any CIA or CBI, For the last three days, we have beenreading reports that the CIA has been operating in collaboration with CIBsince 1960 regarding trekking system about this Himalayan expedition comprising of many people of this count-They are not only in collusion with US operation but are also completely assimilating the technical devices and other things which are experimental upon. (Interruptions)

The responsibility does not vest on the Government but the Home Minister was also involved in I am not talking about the present Home Minister, There were a series of actions taken; first expedition secondexpedition and so on the Nanda Devi. The reasons are going to cause great concern to this country. I not find any of the statements in conformity with the statements or the re ports he has made, Today, it is reported that there is a bomb-shell and sensational revelation of these things. Therefore, there is something the Government of India is suppressing, because CIA is operating in this country.

#### (Interruptions)

The manner in which their relationship is being developed is also to be taken into consideration,

#### (Interruptions)

It is not only in the Ministry of External Affairs, but also in the Defence Ministry and other Governmental organisations that many officers are involved. Our scientists are also thinking on this issue. The scientists this country are guided by the outsideforces and the present Government has dismantled the operation: Therefore, a sort of situation has arisen out

# [Shr<sub>i</sub> K Lakkappa]

315

of certain reveiations, it may be from 1970 But it is a great concern to this country whether we should have an independent thinking an understand ing about the sophisticated science and technology that has been deliberated by our scientists

MR SPEAKER Please come to the question No no You have taken more than five minutes

AN HON MEMBER This is a very important issue

SHRI K LAKKAPPA This is not a small matter This was brought to light because of the television interview programme in the "Today Show" of the National Broadcasting Company Mr Kohn's version, is to be printed in the May issue of "Outside" magazine, a new monthly publication from 'Rolling Stone" publications So. all these things are going to establish that certain outside forces are operating in this country If there are such things which he has statedthere is no alarming shutation of contamination of sacred Ganga water. there is no health hazard-these are all not conclusive proof of the statement, because no ecientist of our country has gone there and fully investigated the matter And they have been operating throughout the Himalayan region

MR. SPEAKER Please come to your question

SHRI K LAKKAPFA The conclusion drawn by the hon Prime Minns ter is very premature Therefore 1 would like to pose this question. If according to the contradictory statement given by Mr. A. B. Vaipayee there are sensational revelations—1 do not know if there are—and if such things are investigated into by an impartial body consisting of our eminent scientists who will give their correct findings on these issues then they will have to come out again and clarify and explain to the whole rountry. That responsibility is vested in them.

I would like to know what were the expedition teams involved in this at that time, the officers concerned involved in these things and the advice of the scientists on this freue I want an impartial high level scientific body, to go into all the aspects of this question, to give the ultimate analysis and conclusions and explanation to this country

SHRI MORARJI DESAI My hon. friend seems to have taken a yow of not wanting to be satisfied by fullest facts That is what I see have given the facts in great detail. I do not know what has been kept back. And then he tries to compare it with what my colleague has said to some Well, I do not know he has said to the press Therefore, I cannot say anything about it. He will have sufficient opportunity to tell you when the time comes What is the use of bringing in CIA. CIB+ (Interruptions) When the decision is taken at the highest level of the Government in both the countries, then the agencies would certainly be agencies like those utilised by them I do not say that they are not the agenies which worked It is not only those two agencies but there were scientific sgencies too I do not want to name all of them. But they were all under Government at the highest level, of the Prime Minister There were three Prime Ministers involved, not one It begins from 1964, it does not begin in 1966, it begins in the early part of 1964 Therefore all the three were there, and they did it, as I said, because of the extraordinary situation that had arisen round about our country That is why, they thought that they must have some protection from the consequences of that and they tried to find out which danger's if any were involved They took the precautions also to train the peo ple here and not entrust the workers to other people That is why, people were trained Then it was taken up by our own people kept there again. With their help all enquiries were made they were made continuously

for three years. He finds fault with me when I said that there are no health hazards, Would my hon, friend be happy if I frightened him to death by saying that he will be dead tomorrow by this contamination? Then my hon, colleague has said that this will be a bombshell, what is wrong with it? I do not use this language (Interruptons), I know that I cannot compete with my friend in matter of criticism or condemnation or things like that. I do not want to condemn anybody. But this is a serious matter, on which we ought not to be less than serious. This is a matter where the Government is concerned where the country is concerned. It was under the instructions of Government that this was done-at the highest level. Therefore, what is the use of finding fault with other agencies? Nobody acted on his own It was done with the best of intentions, if I may say so; and, proper precautions were taken. But hazards are always inherent in it. Why do I say that I have nothing to do with atomic weapons and nothing to do with making of atomic wea-It is because pons? of That is why want to do that .That is why I don't want to take any risk. But everybody does not think like that. If it comes to that even my hon, friend will tell me that he will have atomic weapons: I am quite sure. Therefore, let think about it rationally and properly and not doubt the bona fldes of people in this manner. That is all that I say.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE); Sir, if you will allow a point of personal explanation, Mr. Lakkapar referred to my statement reported in the Press. I did not tell the Press that I was to make a statement in the House because I had requested the Prime Minister to make the statement.

So far as the question of bombshell is concerned, I did say that the revelations are a bomb-shell because Mrs. Gandhi, who has been accusing America and the CIA and accusing us also of joining hands with America before and during the Emergency, herself joined hands with America when the situation demanded.

318

SHRI K. LAKKAPPA: The Prime Minister has stated that there are three Prime Ministers involved. (Interraptions)

MR. SPEAKER: Shri Vaghela.

भी शंकरसिंह जो बायेंसा (क्युवंब): मातमित कामल जी, में प्रधान मंत्री जी को बार्या है ता हूं कि तीन प्रधान मंत्रियों की को बात कियी हुई थी, उस को आज श्रहोंने हमारे सामने प्रीर है। के सामने बोका है। रोजिय स्टोग मकायम संस्था को भीर 'बाउटलाइड' मेगजीन में प्रतिस्ति सककार बीएएन हानडे की हुं, ने को बाँठे सन्दर्भ कामकर की हुं, उस के लिए इनको भी में बाडाई देता हैं।

आप ने स्टेटमेंट में जो बातें बताई है, उस में यह भी फहा है कि मंगा के पानी में कोई उक्कोंक महीं होंगी, लेक्न जिस देवा में संगा बहुती है, जिस देवा में मंगा की पविल्ल जलकारा बहुती है, बहुतं के लोग उस के पानी को श्रीपित तैयार करने में श्रीर दुख दर्द को दूर करने के लिए इस्तेमाल में लाते है और जब उस पानी में पहुंचीनियन मा जाएगा, तो बहु दुख दर्द दूर करने वाला पानी केंसर भी कर सकता है धीर इस देवा में केंम्सर वैद्या करने बाले उस समय साला पर बैठे हुए जो दोग में, उन की बातों को श्राम ने हुमार सामने पेज किया है, उस के लिए में ब्याप को फिर से खड़ाई देता हूं। साप ने समने स्टेटकेंट में स्वाप्ट कर सी करता है।

इसका भवलव जा में समझता हू कि उप मनप बाजी हायरट लेबिल या उस लेबिल के उपर वैठी हुई थी उम समय की प्राइम मिनिस्टर श्रीमती इन्दिरा गांधी । उम समय बाप भी शायद केविनट में थे थीर उस टाइम पर इन्दिश गावी जी अपातीशन को सी० माई० ए० वे एजेट अमरीका ने एजेन्ट कहा करती मी भीर पेटमर गालिया दिया करती पी चाहे अनवा पेट राजनारायण जो से छोटा ही। वया न हो, व राजनारायण जी से सद वर गालिया दिया करती थी (रववधान) शाजनारायण जी और चन का भय बरेनी ना सम्बन्ध है और उम समय मुझे पीलु मोदी वी भी बाद पार्वे थे। एन्हाने प्रेस प्रोपेगण्डा मे भी मह पहा था कि ये लाग मूचे मारने वाले थे। उन्हाने बाजपाये जी का हिटलर की क्यमा भी ही ही । इदिरा जी शास्त्र रशिया भी और मुकी हुई थी और दूमरी बोर बमेरिका में सी॰ बाई॰ ए॰ के साथ भी मध्योड कर क उन्होंने हिमालय पर कराइकी पर चाउना की ग्रीर आमूमी करने का यत रखवाया था। भै यह जानना चाहता हू नि नपा उम समय की प्रधान मती बाहर से ती रिश्वया के माय थी ग्रीर अन्दर से अमेरिका के माथ थी? सरकार इस बात का सुलासा नरे। इसरे यह हिमालय पर जी जामुसी का यह रखवाया गया। this precautionary and effective device to identify the various threats and contingencies with the appro al at the highest political level of the Government of India at that time'

में समजता ह कि इसक मतलब यह है कि उस टाइम की सरकार ने प्रमेरिका से मिल कर ज्वाएट डिफेंस स्ट्रेटजी चाइना के खिलाक द्यपनायी थी ।

श्री मोरारजी देसाई : चाइना वे खिराफ धरनाने वा सवाल नही है। चाइना वे साम हमारी बाई लडाई घोडे ही है। चाइना वे विक्षाप प्रधनाने वा तो सवाल ही मही उठता। यह यहना भी ठीक नहीं हागा कि यह सत्र श्रीमती इदिस गांधी के कारण हुआ। क्योंकि यह सब उसके पहने से बनाधा रहा माधीर वहा मह नितसिताचाल्या। उनके अञ्चेटका तो दाप हो मक्ता है। जो थी बाजपेपी ने नहा उसना दूसरा एपित है। उन्होंने जो कहा यह इसम पत्रीभूत हाता है, यह दूसरी बात है। ग्राप मब उनका दीय देते हैं, मापने ही उर्हें इन रिमार्क्स के लिए इन्वाइट विमाया।

He was justified in saying what he said

AN HON MEMBER You are those in the Government

SHRI MORARJI DESAI I am in the Government and Leader of tho-House Therefore I swallow all the poisons including yours, it you want Why do you want to say that? This is not the question. When my bon. friends opposite make remarks against us and if people say things in reply, are they responsible? In season and out of season this is being said. The wonderful part of it is that Shrimati Indira Gandhi says this that we aretheir friends and we are selling the country Who did this in the first 1 place may I ask' I do not much to get involved in this kind of thing

SHRI C M STEPHEN (Idukki) Is this the way to reply to this?

SHRI MORARJI DESAI Let us not go into it I do not want my reply to be diverted It is no use therefore getting involved into that kind of a thing If my hon friend, wants to get into a controversy, I am prepared to have a controversy in the House itself. Then he will be sorry for at. I am, not therefore, bothered about it, SHRI C. M. STEPHEN: I am prepared for a controversy; I will not be sorry.

SHRI MORARJI DESAI: You are prepared for all kinds of things, I know.

I have nothing more to say.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN (Badagara): Mr. Speaker, Sir, I was not only astonished, but I must say that I was also a bit shocked to read the statement and the subsequent answers given by our respected Prime Minister on this question. His attitude reminds me that of the Chinese monkeys, the Jamous three monkeys/hear no evil, see no evil and speak no evil—and more so, if it is about CLA.

The question that we put hefore you through this Calling Attention motion. I would contend, was specifically confined to certain reports that appeared in the U.S. Press and it is very clear from the earlier reaction of the Miuister for External Affairs and the Prime Minister that there is something more in'it. Even the Foreign Office went to find out about this. If they knew about it, what did they want to find out?. There could have been collaboration. It was not a minor scientific expedition in search of something. What is important is that CIA exists as a grave danger to the national security of this country and other developing countries. And this danger need not be minimised. The expose of this particular expedition which appeared in the 'outside' a magazine published by Rolling Stone, in U.S. I might recall and I was surprised, came up earlier also in a similar torm in another magazine called Ramport. a few years ago in the United States. At that time also somebody raised it but there was no discussion.

Sc. the major point of this statement is that the political aspect has been totally neglected. There is no meation of it. We would also like to know and get an assurance and like to be reassured that CIA will not be allowed to function in this country. This was not merely a question of radiation and

pollution. It is very important, I ammit. It is also important because an assault on the Himalayas or on the Ganges would almost amount to an assault on the entire Indian way of life, but, equally important, I would contend, are the political aspects >2 well as the revelations. When we said that we wanted a call attention, we also meant that the Prime Minister would throw light or the External Affairs Minister would throw light or the External Affairs Minister would throw light or the control of the property of the prope

We are not discussing something in the air, we are discussing specifically this question which has been exposed by Mr. Kohn in the U.S. media and where the Prime Minister's statement is astonishing. On one hand he says, 'We have expressed our grave concern to the American authorities.' Concern about what? If you really knew, if this government really knew, then where is the question about concern? That means they did not know. That means that subsequently they have found out something and so there is no use, let me say, blaming Late Lal Bahadur Shastri or Indira Gandhi or anyone.

The point remains that CIA, simultaneously when it is involved in this project of co-operation through the US Government, was steading the urme and medical reports of the then Prima Minister, Lal Bahadur Shastri which was also exposed in the United Takes. They stole medical records and as soon as he went to the Willingdon Hospital, all the samples of his urine and blood were removed, removed overnight This also happened at that time of this expedition exposed by Kohn.

Let me also tell you; the CIA is against this Prime Minister and the Minister for External Affairs. Thus has a political aspect. You may say 'Ha, ha', but you will one day realise. I can give you and that is why the most important thing in this exposis what has not beed revealed and what is concealed in this statement is the pressure put on the people wine

Nuclear device [Shri K. P Unnikrishnan]

are involved in this expedition. They were pressurised by the CIA agencies not to reveal all to the government of India even though there was close collaboration and even though there was an agreement That is the crucial point and Prime Minister says that they were trained here I am surprised if he reacts that way The Prima Minister said they were not trained in Carolina or in Alaska but here

SHRI MORARJI DESAI Not here hut there.

SHRIK P UNNIKRISHNAN 1 am sorry We would like to know whether the government has obtained further information about the subsequent activities of the individuals who base been involved in this expedition because as I said it has a political aspect. It was even kept as a secret by the CIA from their President Presi dent Johnson and his successor This is important with great respect to the great man who has also gain tried to instil a spirit of fearlessness in us I would say this is important So my question would be have you ascertained the subsequent developments and movements of all those who have been involved? Were they in volved in any other clandestine moun taineering efforts in subsequent years? Has he got any information or wall he go into it because there is a sery related important question which has also come to light earlier

That is a number of expeditions have been organised to Trisul and o Ler peaks in the Himalayas One German travel agency took some people and they were stopped hrought back. Did they climb? There were reports even at that time that some Americans who travelled in different pass ports were in some of these expeditions. Now it has also been brought to light that even in 1975 a particular travel agency organised as what they called a skiing expedition but they did not do skiing It is very important-whether Government proposes to hold any enquiry into all this The last and the most un

portant question which I would like to know is about the reassurance at the political level. There is nothing for us to be ashamed in this connection as it happened during emergency when the CIA passed on Press Censor ship guidelines according to Kaldip Nayyar to the then 'crown prince" Whether similar things are not hap pening now? When Shri Vajpayee strongly protested in drawing the name of Mrs Gandhi I was reminded of this. But let me tell you Mr Vajpayce there are people hovering around you and foreign office who have written text books for CIA text books commissioned by ClA paid for hy CIA and by pentagon and it would be good to keep such people away from the present Government and foreign office premises

As I said I will again say there are continuing conspiracies

MR SPEAKER You will be serving the nation if you give the names of the persons and the books

SHRI L P UNNIKRISHNAN please be careful about such elements I want a specific reassurance on (nis tevel from the Prime Minister that their activities will be curbed as far as possible

SHRI MORARJI DESAI My bon. friend never misses an opportunity to speak strongly whether occasion demands it or not. Now he says-that his information is that shows what the nature of his information is like that we are pressurised by the American people not to disclose something We are not going to be pressurised by any body, not by any power on earth, least of all by my hon, friend, He must realise that. Where is the question of being pressurised in this? Why does he not see this simple thing which I have said

AN HON MEMBER (Interruptions brief,

SHRI MORARJI DESAI It is not the brief I have gone into I am not ake you I am not credulous as you people

Nanda Devi (CA) MR. SPEAKER: He said he is angry

with yourself.

are and I do not speak the way you do. I know my responsibility. Therefore, I have studied it fully. I have questioned all those whom I have to question. I am convinced that this was not started by either CIA or CBI. This was started by the Scientific Department of this country.

(Interruptions)

SHRI MORARJI DESAI: I would not name anybody. It would not be fair to do that. I would not get involved into that kind of flexing of muscles against people. But it was not done by any lower authority than the highest authority and if I ask some people now to do certain things and if they do it, will it be their fault or my fault? Why blame those people and why try to say that they are meddling into it? This was a danger which was considered at that time in this country and they wanted to take steps to ward off the danger. That is why they did this. When people get afraid. this is what happens. That is why I do not want the people to be afraid. Therefore, one should not indulge in these things.

He wants an assurance without his asking. I said the last sentence which he does not seem to have heard or read:

"That no other device of this kind exists on Indian soll and no such operations which carry potential national hazards would be permitted by us."

What more assurance does he want? Should I do it very crudely?. 1 never thought that he does not urderstand polite language. This is very different. What more does be want me to say?

SHRI K. LAKAPPA: (Interruptionso...as a Prime Minister. Do not take in such a manner.

SHRI MORARJI DESAL I have not said you are angry with me. Why preyou unnecessarily going off of a tangent?

SHRI MORARJI DESAL How can he be angry with me if I do not give him any cause for anger? It is impossible for you to do so. Therefore, I don't believe you can be angry with

me. Where is the question of it? SHRI K. GOPAL (Karur): Even if there is no cause still he can get angry!

SHRI MORARJI DESAI: That he can be on his own. He is perhaps, 23 hours out of 24, in a state of anger. What can I do? But then I will not be anery with him at all. That much is certain. Why have I to be angry with him?

Therefore, this is a question where there is no question of hiding any facts, but, I have given all the facts. I have gone into them carefully and therefore I am saying that it is not a question of blaming some one or the other. The decision was taken at the highest level here. The help given. Therefore, those who gave help did not ask this to be done themselves, but, of course, it suited them also. Therefore they helped, Otherwise who would help? That is why this has happened and it was done with motives which were in national interest and then precautions were taken. I am satisfied about those precautions. And, if in 12 years, water has not been polluted, is that not enough evidence? My hop, friends have not suffered; we would all have suffered from cancer if there had been contamination. None of us here would get affected by it. (An hon, Member: God forbid.) Why God forbid? If God wants to forbid He will forbid it; we need not bother about it. But that is not the question.

These 12 years have shown no evidence that there is any pollution so far. I have said on top of it that we are appointing a Committee of Scientists to go into it in order to take extra care, so that we are not eaught

[Mr Speaker]

the prevention and control of afe pollution, for conferring on and assigning to such Boards powers and functions relating thereto and for matters connected therewith."

The notion was adopted SHRI SIKANDAR BAKHT I introduce the Bill

13.57 hrs

[MR. DEPUTY-SPEAKER In the Chair] MATTERS UNDER RULE 377

(1) REFO<sup>\*</sup>TID MARKULATION BY THE MULTINATIONALS LIKE WIMCO LID TO SCUTTLE THE JUNATA GOT PRIMENT'S INDUSTRIAL POLICY

SHRI R K MRAIGI (Thans). Six I am constrained to hum to the notice of this Hon bis Hours the motion of the motion of the Ministry of the multimationals his window to scuttle the Janata Gorennent's insulating policy and demand Government's immediate and mocessary action to counter the anti-national move of the multi-national move of the multi-national concerns.

The aim of the Janata Government is to gave employment to the maximum number of persons to that the courage of unemployment is eliminated and means of hyelihood is assured by out one and all 70 this effect, the Government denie to curb the activates of the Multinational concerns who use the most sophistic cated maximizery to produce more at the cost of millions of workers There are not a maximized the amounts by dubrous means to their father lands.

Winco Lunted Eaclory at Ambarnath in Maharashira had ever 3000 workers in 1956 57 on their roll. New the production of factory increased ed several-fold, but the number of working were progressively reduced to 500 the ways made possible by the acture connurance of our previous Governments The Juntat Government has allotted the match manufacturing process to small scale or cottage industry section, so that the optimum number of persons (men and women) could be employed. The notice is served on units like Messra. WIMCO Limited, Ambarnah to progressively reduce the Match making activities and concentrate on other products which could not be manufactured in India by Indian concerns

Now, WIMCO Limited, Ambarnath In Maharashtra in contrasention of this declared policy of the Government has imported a machine, the same is to go into production of Cardboard Match Boxes soon, This machine when commissioned, will be able to produce cardboard match boxes for the factory at Ambarnath and also for the other units of the company as well. Moreover, another machine of the same nature is also expected soon. The one machine alone could climinate the need of 200 workmen in the Ambarnath factory. Likewise another 1500 persons working in the various other factories of WIMCO Limited will also be thrown out of work. From the present strength the workforce could be reduced to 500 te this company only in their Ambarnath factory has progressmely reduced 2500 or the workforce within 20 years When the other factories are also taken into account, the reduction in manforce will run to several thousands

I am at a loss to understand how permission for the import of the above machinery was allowed?

To pacify the present employees, the company has outwardly assured, that so workmen will be retremched But Sin, every year about 200 workmen will retire from service and no replacement shall be thought needed. The work force in spite of the sourrance will thus be reduced automatically. I would, therefore, request the Government to usp their netarious activities in the bud.

It may not be out of place if I may mention here, that the company is asking their workmen to rebel against the Government for their new industrial policy and a signature campaign is afoat. They have succeeded in collecting signatures from their Madras factory and it will not be long before the workmen of this factory may also fall in line.

333

Immediate action to counter the company's move is the need of the hour.

(ii) REPORTED INTERFERENCE OF INTEL-LICENCE BUREAU DURING CPI(M)'S CONGRESS AT JULIUNDUR

SHRI JYCTERMOY BOSU (Dismond Harbour): I note the contents of a press publication covering the statement of Shri Charan Singh, the Home Minister on the issue of interference of the Intelligence Bureau during our Party Congress in Jullundur. The actual facts of the case are as follows:

On 9th April night a man was caught red-handed stealing an ordinary file containing perty papers where there were no secret op private papers. This man revealed that he worked for the LB. and his name was Gautam Das. He admitted that he is a sub-inspector of Intelligence Bureau and his identity card No. is S. No. 12/25.

On 5th April two motor cycle riders armed with revolvers deliberately gave a mild knock to one of our party delegates from Bibar Shri Ramanand Singh. Shri Ramanand Singh Shri Ramanand Sh

a dinner because he was able to snatch the file from our party congress.

The Home Minister has wrongly informed by his subordinates. That will be revealed from the facts' mentioned above. The Research and Analysis wing did it frequently; it is a thing that was started by Mrs. Gandhi. Why is it that the present government is taking recourse to the same method? We are surprised that this is being allowed to continue even after Janata government has come to power. They had promised to restore democratic rights and civil liberties. Our party was not functioning underground and we were not doing anything prohibited. Inspite of this this sort of ugly and unwarranted operations being conducted by the I.B. Home Minister may please clarify on the floor of the House. We have authentic proof to establish what we have stated here, which we are not revealing just now.

(iii) INACCURATE NEWS REPORTS RE, RAPE COMMITTED ON 65 WOMEN IN BIHAR.

थी हुकमदेव नारायण यादव (मधवनी): उपाध्यक्ष महोदय, 14-4-78 को "नवभारत टाइम्स" में प्रकाशित समाचार "ग्रारक्षण की परिषाति—65 शीरलों के साथ बलान्कार" सरासर असत्य और भ्रामक है है। निहीत स्वार्थी समाचार पक्षों और सम्बादवाताओं हारा बलत प्रचार के हारा विहार में जातीय दंगा करवाने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा है। संघर्ष में दोनों पक्ष में पिछड़ा वर्ग और ऊंची जाति के लोग हैं। दो सामन्तीं के बीच प्राना संघर्ष चलता था रहा है, जिस में पूर्व में भी कई बार इस तरह की घटना घट चुकी है । समाचार पत्न अपनी स्वतन्त्रता का गलत इंग से दृश्ययोग कर रहे हैं। इस तरह के गलत समाचार से सारे देश में दंगा फैल सकता है, जिसमें कु छ स्वार्थी त्तत्व लगेहए हैं। श्रारक्षण का समर्दन

भाषी सब्या में अथी जाति के लोग कर रह हैं। जिस घटना का दिक किया गया है, वह बरे बिले की है। विहाद सरकार के एक मुत्री पर जी भारोप लगाया गया है वह भी विराधार और गलत है। मैं गांच ऋला ह कि इस परना की जान केन्द्रीय जान व्यस्ते से करवा दर इस तरह के गैर जिम्मजार भगवार छाप कर जातीय दंगे का बदयन्त्र करने बानो एजेन्सी पर राष्ट्रदाह को कार्यवाही भी जाये। यह मामना नेवन विहार वा नटी, वित्य सारे दश का है और यह प्रवृत्ति काकी तेवी स देन एरी है। गलत आमक, सम्यहीन, धतिराजित, वर्तवनायुक्त और देव कैताने वाले सवाचारों का प्रमुखता दी का रही है जो पाटु के लिये वानव है। सरतार इस सम्बन्ध में कीध्र कोई व्यवस्था करें।

14 hrs

DEMANDS FOR GRANTS, 1978 79-

(1) MINISTRY OF LABOUR-CORID

MR DEPUTY-SPEAKER The House will now take up further cuscusion and voting on the Demand for grants under the control of the Ministry of Labour Str. Lakrappa may continue his speech.

SHRI K LAKKAPPA (Tumbut) On that day I was saying that the Lebour Ministry must have a good understanding with other Ministries and must get their full cooperation because various Ministries come with m the bursiew of the Labour Minis try But many Munisters have not been consulting the Labour Minister An example to this is the recent trage incidents that took place in Bailadella about which the hon Steel Minister has come out with a wrong statement, musleading the Rouse and the probleras have not been decreased with the Labour Minister before such a statement was made and this has created such a disheartening situation

There many workers have been butchered and slaughtered and the culprits have not been brought to book.

I would like to focus the attention of the hon Minister again to the unemployment problem, I would like to give the recent figures, quoting 'Patriot' The job-seekers are over one erore and out of this the num her of job-seekers belong to scheduled castes and scheduled tribes in the employment exchange registers in June 1977 is 1208 lakhs and scheduled tribes 275 lakhs. The number of placements effected by the employment exchanges in respect of the scheduled castes and scheduled tribes during the period January to June 1977 was 33 291 acheduled castes and 1974 scheduled tribes I raised this i-sue through a non-official Bill for providing a subsistence allowance to the unemployed people. But friend, Mr Varman has no sympathy and no consideration and has come out, after making arithmetical calculations, saying that they will have to spend so many erores of supees for this purpose This clearly shows that the Labour Minister has got no sym pathy towards the unemployed people One day, at well blow you off from power You must also see that youths are on rampage Youths are demandmg dales

Intervening in the debute, your colleague made a statement that you would advuse the farm workers to enable the Government on as to enable the Government of the statement and their demands and to redress their graces ances May I add on to your symph their for them, at all you have? If you have fet any to take you can shed them now.

Will jou kindly see that the conditions of militors of thorganised farm workers are improved and there is amelioration of the onaltion of three sockers? They are the backbones of this action. Where the land referms have been implemented, even there,

it has not been implemented in the spirit of the legislation. Will you kindly treat the marginal farmers on par with the workers in the industrial concerns? Will you kindly extend to them the same pension and other facilities? Will you also provide that compensation should be given to them for loss of their limbs or lives? Will you kindly consider giving them transport facilities to move from one place to another for work? The wages that they have to be paid have not been completely implemented in various States, Even the annually paid agricultural workers should be brought under the Industrial Disputes Act and all the appropriate labour laws should be applied to them. Therefore, it is necessary that there should be codification of legislation to bring under it the millions of farm workers who have been unorganised in this country, so that their grievances may be redressed. We have asked questions in this House about the clandestine operations of certain organisations indulging in selling of human force in this country not only from Southern States but elsewhere also. You have stated in reply to a question that people were taken to the Gulf and sold out. There is no legislation to prevent such selling of human beings. It is nothing but slavery which you want to introduce and perpetuate, Will you kindly unearth such clandestine organisations which are onerating in connivance with many of the officers attached to the various ministries and also in your ministry. because they are encouraging such clandestine organisations in Bombay, Calcutta, Delhi and other important cities and making money? They allure them with jobs, take them and sell them. That is how man-power is being misused and the power is being abused in your ministry and other ministries.

My friend Mr. Sudheeran wanted to speak and I shall cut short my speech. The railway employees of various categories including station

masters have demanded that at least uniforms should be provided; let alone other grievances. In spite of many representations by unions in the Southern States, the Railway Ministry has turned a deaf ear to them. Therefore, it is the responsibility of the Labour Ministry to look into the matter when such demands come to your ministry in consultation with the Railway Ministry. come out with a statement that those who were victimised at the time of emergency will be taken care of and their legitimate demands will be met. But these are only crocodile tears. Even today, one year after your coming to power, the people are still agitating for small things as they were doing before. There is not even an iota of sympathy for them and not even an iota of understanding of their legitimate demands and grievances. The All India Station Masters' Association, Southern Zone, have given notice of a "Stay In Strike" from 20th April 78. They have given a list of 36 demands. Will the Labour Minister look into the difficulties of these people and also into the grievances of those people who are attached to the Southern States and who have represented to the Railway Minister, Industries Tribunal and also to the Labour Ministry? With these words, I conclude and request the Deputy-Speaker to provide an opportunity to my colleague to speak.

DEPUTY-SPEAKER: You said you would conclude, but you have taken more time!

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad) : How much time is still left?

MR. DEPUTY SPEAKER: When we started, we had one bour and 45 minutes including the Minister's reply. Now, I think, it is hardly about one and a haif hours.

धी रुक्ताल सोमानी (भीलवाड़ा) ! **उ**ग.च्यन महोदय, में थम मंत्री जी और उनकी सरकार को सब से पहले वधाई देना

[ब्री रूपलाल सोमानी]

339

बाहता ह कि उन्होंने भ्रापात स्थिति म मजदूरों समा के अधिकार जो समाप्त कर विषे गये थे उनका फिर से बहाल किया है। म पात स्थिति म राजनीतिक दमन भौर भेद-न्नाव के ब्राध र पर नौकरी से निवाले गए लागाको फिर से बहाल किया गया है। व्यापात स्थिति का लाभ उठा कर प्रवासको ने ग्रपने ग्रधिकार। का दरपयोग करने मजदूरों पर नाम के बोल नो बढ़ा दिया उनके साथ भैदभाव करके, पदीनतियों के सामले म ग्रीर भरती के नियमा म परिवर्तन कर दिया था, इन सब की जाच करवाने तथा उन सभी को न्याय दिलाने का प्रमतन विया जा रहा है, जिनने माथ बापात स्थिति म झदाद किया गयश्यर ।

बोनस सदाय ग्रंधिनियम म सशोधन करके 1976 के न्युननम बोनस 8 33 को देने शी ब्ययस्या की गई है, चाहे प्रतिप्ठान ने पास प्रावदनीय अदिशेष हो या न हो । इसरे साथ ही धनिवाये जमा योजना के श्रनगत क्टीतिया को भी मरकार ने समाप्त कर दिया है। इसे भी ग्रागे जाकर विपक्षीय तव का पून स्थापन किया गया है जिसे पिछली सरकार ने गत छ वपों से निध्किय कर रखा या । ये सब कदम तात्कालिक असन्तरेष ने भारणा की दूर करने व लिए उठाए मए हैं। श्रमिक अशान्ति ने ये लक्षण मजदूरा मे दिवे हुए मनोभावा को अभिव्यन्त करने क फल-स्वरूप भर वर सामने आए हैं।

यह सही है कि 1976 में 127 5 श्रम दिवसा की हानि हुई थी, जब कि 1977 म 212 1 थम दिवसो नी हानि हुई है। यह केवल दबे हए मनाभावा को समिव्यक्त करने के कारण हम्रा है यदि यह कहा जाये तो ठीक ही होगा। लेकिन उससे भी धार्ग, जी बाज श्रमिक ग्रज्ञान्ति फैली हुई है, उसके क्या कारण हैं उसकी गहराई में हमकी जाना होगा । मेरी अपनी मान्यता है कि मजदूरों की माधिक या धन्य कोई शिकायतें विशेष न होते हुए भी भो श्रीयक अमान्ति है इसके पूर्व में

राजनिक तत्वा की ग्राधक सनियता है भीर उनसे प्रेरित यह ध्रणाति है। हम सब जानते हैं कि माज उद्योगे। म मजदूर सघो की बहुलता है। प्रत्येक राजनीतिक दल भ्रपना मजुदर सगठन रखता है भीर वह अधिक से अधिक प्रभाव बढाने की दृष्टि से, उचित हो या धन्चित, मजदूर सधी वा सहारा वेता है । इसलिए समय मा गया है कि हम इन राजनीतिक नारणों से जो श्रमिक ग्रशन्ति उत्पन होती है उसरे निराशारण मा रास्ता दुई ।

Min of Labour

हम जानते हैं कि मजदूर सधी की वहलता से मजदूरा म भदभाव उत्पत होता है, प्रतिस्पर्ध होती है, प्रवायक उसका लाभ उठाने हैं। वे मजदूरी ने भैदमाव की जमारते हैं भीर मजदूरा की सामृहिक सौदेवाजी की धनित भी उससे कम होती है। इसलिए मेरी मा यता है ब्रीर समय का यह तकाजा भी है भीर हम सबको इस बात को स्वीकार करना चाहिये कि एक उद्योग म एक यनियम हो. एक मजदूर संगठन हो । यह वहां जा सकता है कि सभी वह समय नहीं श्रापा है कि एक उद्योग म एक मजदूर सगठन की ध्यवस्था सरकार करे। इसकी प्रक्रिया स्वैच्छिक होनी चाहिये। ऐसा कहना समले को दालने के समान होगा । ग्रगर एक उद्योग भ एक यनियन होगी तो मजदूरों की प्रक्ति बटेगी। उन्म यापस में मतभेद नहीं हार्गे। उनम भेद खें नहीं किए का सक्ये और सामृहिक सौदेवाजी करने की शक्ति भी जन्म ब्रधिक से ब्रधिक बढेगी ! मजदूर झान्दोलन के स्वस्य विकास वे लिए भी यह बहुत झावरयक है। मजदूर सभी की बहुलता के कारण मजदूर विभाजित होते हैं मीर उनकी सामृहिक सौदेवाजी करने की शनित कम हो जाती है। इससे मजदूर सध की पारस्परिक प्रतिस्पर्धा समाप्त या कम होगी। बाज तो किसी भी समझौते का आधार उसका गुणावगुष न होकर किसके हारा वह सम्पादित हुमा है यह होता है। एक मजदूर सब ने समझौता किया है तो दूसरा बह समझता है कि उस के हारा यह होबा

चाहिये था । इन परिस्थितियों में सुधार होगा। लोकतंत्र और स्वस्थ मजदूर आन्दोलन के विकास के लिये हिंसा को कोई स्थान नहीं होना चाहिये।

D.G. 1978-79-

341

अमिक धान्दोलन के स्वस्य और मुदुक् विकास के लिए मजदूर संव की मान्यता और सीदेवाणी के एजेंट के निर्धारण का प्रश्न की बहुत महत्वपूर्ण है । चाहे हम मजदूर संध की सहस्वता के आधार पर में, चाहे हम मृत्य मतदान से में। उस के लिए निध्चित तरीके होने चाहिये जिन झाधार पर मजदूर संधों को सान्यता निसती है, उसके लिए सही सरीके हैंडने चाहिये।

सामहिक सीदेवाजी की ग्रगर एक एजेंसी होगी तो उससे मजदूरों का बहुत लाम होगा। हम इसके लिये मखदूरीं की संयुक्त परिपद् वना सकते हैं। एक निस्चित प्रतिशत इस बास का कायम किया का सकता है कि जिस के प्राधार पर मजहूरों का प्रतिनिधित्व स्वीकार्य हो । यह सामहिक सीदेवाजी को एजेल्सी के लिये वहत उत्तम होगा, उसके दो तरीके हो सकते हैं। या तो सभी मजदूरी के गृप्त मतदान के आधार पर उसका गठन किया जाय, या फिर एक तिहाई मजदूर संघ के प्रतिनिधि हो ग्रीर श्रेप दो तिहाई मजदुरों के गुप्त मतदान से चुने हुए हों इसी आधार पर एक सामृहिक सोदेवाजी की एजेंसी को खड़ा किया काय । मुप्त मतदान के द्वारा चुने गये श्रमिक प्रतिनिधि इस प्रकार से होने के कारण वह ज्यादा इफ़ेक्टिव दरीके में प्रवत्यकों के साथ अपनी समस्याओं के निराक्षरण के लिये धामे था मकते हैं। एक शीसरा विकल्प भी हो सकता है कि घपनी सदस्य संख्या के आधार पर अभिक संबदनों कै प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति का निर्माप हो । लेकिन हर हालत में अगर आपसी वाक्चीत से मामला हल नहीं होता है तो पंच निर्णय की व्यवस्वा भी अनिवार्य लप से स्त्री-कार करनी चाहिये।

यह बहुत बुती को वात है कि श्रम मंती जी ज्यापक बीचोंगिक संबंध किंग्रेगक हती सत में प्रस्तुत करने का रहे हैं। इसी जितने बीचोंगिक सन्वती जानून हैं, श्रम बानून हैं वे वहत पुराने हैं और वहत अधिक हैं। उनका एक संक्षिता में होना निरम्य ही मज़्दूर शान्तोकन के विकास और शीचोंगिक बालि के विये बहुत साथदायक होगा। में थम मंत्री जो से के इस संकर्ष का स्वागत करता है।

लेकिन एक बात इस सम्बन्ध में प्रवश्य कहना चाहंगा कि जिन कारखानों में वड़ी सादाद में मजदर काम जरते हें उनके और मसले उद्योग के वारे में तया लघु उद्योग, खादी ग्रामोद्योग के संबंध में कानून बनाते समय सयु उद्योग और विशेषकर के खादी ग्रामोद्योग के कानून के सम्बन्ध में अन्तर करना चाहिये। हम सब जानते हैं कि खादी का उद्योग सारा का सारा द्रस्टीशिप की भावना पर आधारित है। खादी कमीणन द्वारा राज्य-बार समितियां बनी हुई हैं जो उनका लागत पतक तैयार करती हैं और नो प्राफिट नो लीस के आधार पर सारा वादी पद्योग चलता है। इसलिये उसकी विशेष स्थिति को ध्यान में रख कर उसमें अन्तर करना चाहिये । नहीं तो इनका उद्देग्य पूरा नहीं होगा। इन ज्योगों में भी अधिक से अधिक मेकेनाइ-जेशन होना और सब हम अधिक लोगों को रोजगार देना चाहते हैं उससे हम वंचित रह जायेंगे ।

द्वी के साथ साथ इस बात की बड़ी खुबी है कि प्रवन्धन में अमिकों को भागीदारी के लिए प्रयन्त हो रहे हैं। अभी तक 1398 एककों में यह व्यवस्था लागू की गई है। [थी रूप लाल सोमानी]

**343** 

पारस्परिक विश्वास और सहयोग की दृष्टि से मालिक गौर मजदूर के बीच में ट्रस्टोरिय की भावना बढे यह बहुत प्रावश्यक है कि प्रवन्धन मे श्रमिकों की भागीदरी हो ! उसके लिये हम चाहे तो समुक्त परिवदी का निर्माण कर सकते हैं। इन परिषदो को. कारखाने के प्रशासन और नीति निर्धारण तक के प्रधिकार सभी स्तर पर देने चाहिये। वायेशाला स्तर से लेकर के कीएँ स्तर तक की भागीदारी उनके उसमे शामिल होनी चाहिय । इससे सालिक वम जदूरी मे आपसी विश्वास और सहयोग खडेगा भीर उसने मारण जनकी समस्मार्थे पम से बम होती चली जायेंगी।

में सरकार को और धम मनी जी नो इस बात के लिय भी बधाई देता ह कि उन्होंने विधित अभिको की समस्यामी की हल करने वै लिये क्दम उठाया है। 1 लाख 2 हजार बधित श्रीमर ये जिनमें से 28,719 को बसाया दा चुरा है। तैनिन 'यह मख्या नम है। शैप वधित समिको की भी यसाने का काम शांध्र पूरा होना चाहिय।

कृषि श्रीमकों की समस्या बहुत बडी है। जितना सरल हम इमको समझने हैं, अन्तो सरल यह नहीं है। क्योंकि कृषि श्रमिक गाय-गाव में फैन हुए हैं । जनको द्यापिक लाभ मिल और उनक हित के लिए जा बानव बनाय गा है, जनना इम्पलीमटेशन ग्रन्छे तराव में हा, इसर तिरे मद से भ्रन्ट एव हा रास्ता है कि ग्राम पचायती को उनके इम्मलीमटेशन का पुरा उत्तरदामित्व दिथा याना चाहिय । जनना प्र**री विस्मदारी** सौंपी जानो चाहिय ।

धना में में अम महा से निवेदन वरूवा नि खेतडी की मजदूर हडताल बट्ट लब्दे ममय से चल रही है। यह बहुत बटा प्रजन रै भीर इस समस्या की सुतलान के लिये जहीं तत्वास ध्यान देना चाहित।

इसके भलावा क्रमैवारी राज्य बीमा के जो यमिक हैं. उनके लाभ के लिये भी भीषक भन्छे और सक्षम नियम बनाने चाहिये ।

दोजगर सेवा योजना को भी नाफी मश्रम बनाने की जरूरत है ताकि ठीक धनुमान हमारे सामने बा सके कि कितने लोग बेरोज-गार हैं भीर उनको रोजी देने की जहरत है।

मैं इव स्वादों के साय थम मतालय के धनुदानों की मागों का समर्थन करता हू भौर दूरगामी उपाय जो धम मती जी श्रीमर द्यागान्ति को दर करने के निये और उद्योगी के सम्बन्धों की सुधारने के निर्म बारने जा रहे हैं, उनके लिय में उनकी धन्यवाद देता है ।

थी मोहन भैरवा (दुर्ग) . भानतीय उपाध्यक्त महोदय, मैंन कल श्रम मन्नी का भावन सना भीर वडी प्रसप्तता यह शानरर हुई कि वह मजदूरी के लीपड़ों में जाकर उनका द खदर देखते हैं। अन्तर्गियीय प्रवामी र्थामको की समस्या जो अपने देश में है, उसके यारे में विशेष रूप से ब्रापका ध्यान भावपित करना चाहना । अपन देश में लाखों की सब्दा में ऐसे थमित हैं जा एक मान्त के अन्दर बाम न मिलन पर भन्य प्रान्तों में जाते हैं, पग्न्त जनको स्थिति बहुत ही गम्मीर भौर दास्य है। मुझे कुछ दिन पहने एक पत इवाहाबाद से प्राप्त हुया था, जो कि 16-3-75 की मेरे पास बाया था, उस पत्र से पता संयना है कि वैसी स्थिति म वह सीम काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में विगत 5,6 साल से धनाल पड़ रहा है और वहा से बहुत से थमित उत्तर प्रदेश के निमित्र प्रचलो म जाबर बाम बरते हैं। मैं उनके इस पत से बाद्य बृत्तान्त पटकर सुवाता ह जिससे पदा संग जायेगा हि कैसी स्थिति मे वह सोग है।

इलाहाबाद के आस-पास करीव 113 इंटों के मदुठे हैं जहां मध्य प्रदेश के छारीसगढ़ इलाके के, जो कि आज भी पिछड़ा हुआ है, अमिक काम करते हैं। उनके एक पत्र में इस प्रकार किवा है—

345

"हम विलासपुरी,हिमनदास के भट्ठेपर बहुत तकलीफ या रहे हैं। दो स्पया निकासी है ग्रीर तीन रुपये कच्ची है।" यानी वहां जो कच्ची ईंट है उसका 3 रुपये श्रीरजो पकी हुई ईंट है उसके 2 रुपये एक हुआर के हिसाब से मजदरी दी जाती है। "वहत दूर-दूर ले जाना पडता है। श्रीर इस प्रकार हम लोग 2 ग्रादमी स्त्री भीर पूरव मुश्किल से एक दिन में 4 रुपये का काम कर पाते हैं. जिससे हम लोग भोजन खरीदें, कि साम सब्जी खरीबें, कि प्रपने बस्त्र खरीवें? तथा हफ्ते में 10, 5 रुपये कटौदी करता है जिसके कारण हम लीग बहुत दुःख पारहे हैं। जिसके कारण हम लोग आपसे प्रार्थना करते हैं कि ग्राप भटके पर श्राकर, या त्राप नहीं था सकें तो फोन करके हम लोगों का दुःख दूर कर, गरीव को सहारा दें। ब्राप हम लोगों के दुःख को दूर कर हमारे जीवन को संकट से बचावें। यदि आप कारणवश नहीं आ सकें तो आप दिल्ली से फीन करके पुलिसवाले दो वस (मोटर) ग्रौर सैनिक भेज कर हम लोगों को भटते से निकाल दें। यदि आप नहीं आयेंगे या फीन भी नहीं करेंगे, तो इस पत्न का पता वात्र हैमनदास, ठैकेदार को लग जावेगा और वह हमको खूव तकलीफ देंगे।"

इस पत के मिलने के बाद में रच्यें वहां इलाहावाद गया और देवा कि वहीं श्रीमक गुलामों की जिन्दगी स्वतीत कर रहे हैं। एक सप्ताह काम करने पर वहां 15 स्पर्य एक मजदूर को दिये जाते हैं। न उन के रहने की वहां व्यवस्था है, न पीने के पानी की उन्त मजदूरों की तरह की कोई मुलियों है। उन मजदूरों की ची पत्तिलां हैं वा जो उन की

जवान बहर्ने हैं उन की भी वहां पर विकी होतो है। वेड्जन एवम श्रपमानित की जाती हैं। जब मैं वहां जा रहा या इलाहाबाद के निकट पिप्पलगांव के मटडे से तो वहां पर मुझे बताया कि विलासपुरिया ग्रीर विहार की महलाएं न्नीर पुरुष यहां काम करते हैं। यहां जिब-राती नाम की एक हरिजन लड़की अकलतरा चे फुसलाकर लायी गई। उस की वताया गया कि दस रूपये रीज यहां मजदरी मिलेगी. एक रूपया किलो नावल मिलेगा ग्रीर एक रुपवे का पांच किलो याल मिलेगा। उस सड़की को ईटों के भटठे पर जो दलाल काम करता या उस ने रखा । दो तीन महीने रखने के बाद इस ने इस लड़की को धार सी तपये में विकी कर दिया। विकी करने के बाद उस को दूसरे व्यक्ति ने और फिर सीन सी रुपये में विकी कर दिया। जब फिर विकी किया तो जिस की विकी कियाबह उस की लेने के लिए बन्द्रक ले करके पहुंचा। बह लडकी परेशानी से बचने के लिए वहां से भाग गई। सदेरे उस का पता नहीं लगा कि वह लडकी कहाँ गई, मर गई या जिल्हा है।

इसी प्रकार बहुं। जो श्रीमक काम करते है उन की सद्दृष्टियों के साथ बरातकार फरांत एक स्वानाविक पटना है। वन्द्रुक के महरे में उन की रवा जाता है। उन को देख कर के प्राचीन समय में जो गुलाम काम करते दे उन की स्विति नामने मा जाती है। उन से भी वरतर स्थिति साज उन की है। उन की कोई सुरक्ता को व्यवस्था नहीं, मं उन्हें कोई कार्तुनी संरमण है न उन को रोजी रोटी एवं इज्जत को कोई सुरखा है।

इसी प्रकार से रायवरेली के पास की एक घटना है जिस के कुछ उद्हरण में आपके सामने रखना बीहता हूं। बहु। पर दस समये प्रति सप्ताह प्रति परिवार मजदूरी दी सासी है बाहे परिवार के सदस्यों की संख्या [थी मोहन भैय]

क्तिनी ही क्यों न हो। चमार राम उर्फ रविसिंह नामक व्यक्ति द्वारा ग्राम तेन्दवाही, क्यराडीह, चिरको तथा भन्य कई ग्रामी के हरजिन थमिकों ने समक्ष भावपैत प्रस्ताव रखागया कि यदि वे उत्तर प्रदेश कार्य करने चलेंगे तो उन्हें प्रतिदिन प्रति व्यक्ति सगमग दम रुपये मजदूरी मिल संत्रेयी, माय ही वहा धावल, क्पडा, साप सब्बी मी उन्हें सस्ती सथा सहज रूप ने उपलब्ध हो मनेगी। चनार राय द्वारा ग्राम शन्दवाही इकराडीह तथा चिरलो ने लगभग 35 परिवारी नी जिन में बच्चे व महिलाए मिला कर लगभग 125 व्यक्ति थे साथ मे ले जाया गया । विलासपुर तक साथ मे जा कर चमार राय ने इन धमिकों को उत्तर प्रदेश के क्यित कार्यकर्ता यादव के हवाले कर दिया और दन श्रमिको का काफिया जीवन के बर्दनाक मोड की भीर अग्रसर हुआ।

रावजरेली से लगभग 2 मील पर स्वित द्यसपती नामक ग्राम के कार्यस्थल पर वहबते ही इन श्रमिको की भागायेँ भाराखाए श्वीत वसरित हो गई। इन श्रमिको के ऊपर हैनेदार के बार्यक्लांग्री द्वारा जो निर्मम ध्यवहार निया गया, उस से पीडित हो कर एक राजि 6-7 व्यक्ति इस भावना शिविर से माग निक्ले तथा भटकते भटकते किमी संग्रह धपने ग्राम पहचे । उन्होंने ग्रा कर दर्शनाक चित्रण किया । फलस्वरप ग्रधिकारियों का दल उत्तर प्रदेश खाना हुआ हुया समझन 200 वधक थमिकों की रिहाई समत्र ही सकी।

प्रत्याचार की गाया बताते हुए बोडा ने वहा कि एक दिन माल जलाऊ सकड़ी की माग करने पर उसे बेदम पीटा गया. परिणाम यह हुया कि स्वेच्छा से नोई बात कहने की हिम्मत भविष्य मे नही हुई । परसराम नामक एक श्रमिक तथा सीनमत बाई के अपर होने वाले भ्रत्याचार का वर्णन करते

हुए उस ने जानवारी दी कि दोनो के हाप षोछे बाध दिये गये तथा हाथ भीर पीठ के बीच मे एक सबदी सगादी गई भीर उन्हें रात भर ख्ले मे रखा गया। सोनमत बाई की धत्य ते जा नर टार्च जना जला कर पेशाव क्सवाजाताया।"

यह कुछ चटनाए हैं जो यह बनानी हैं नि बहा निस तरह ना व्यवहार उन ने साय होना है । प्रन्तरराज्योय प्रवासी श्रमिको वे साय भारी बन्यायही रहा है। उस की मोर हमे ध्यान देना चाहिए ।

केवत इलाहाबाद या उत्तर प्रदेश में ही वही यहा पर दिन्ती में भी जहा हम रहते हैं बहा भी यही हाल है। सभी दो दिन पहने महा बन्गेरिया धोर हथी की एम्बैसी की इमारत बन रही है, वहा ने करीब दी सी श्रमिकों से मैंने भेंट की । उन की बडी दर्देनाव हासत है । उन्होंने बताया वि हम रोहतर जिले में नाम नर रहे ये भीर वहा हमें 60 पैसे रोज की मजदूरी दी जाती थी। पता नहीं हिन्छ प्रकार हमारे थांगक ग्राधकारी उन की देख-रेख करते हैं। उन्होंने एक नहर के बारे में बताया कि वहा पर बै काम कर रहे थे, नहर में पानी शर गया, सी मजदूर गले तक पानी में डब शए और पन्द्रह दिन की मजदूरी उन मजदूरों को नहीं मिली। ये कुछ घटनाए ऐसी हैं जो हृदय को दहना देने बाली हैं । मैं निवेदन कम्या कि उन धियको को व्यूनतम समुद्री और कान्ती सरझण मिलना चाहिए । मैं स्वय इसाहाबाद गया भीर वहा के विशेष्टर से मिल कर के मैंने उन श्रमिकों को वहा से मुक्त करदाया । बडी कठिनाई से उन को ग्राने-जाने का प्रवास खर्च इलाहाबाद से बिलास-पुर तक का प्राप्त हो सका। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे पास इय समय ऐसे 80 श्रमिकों के नाम हैं। जब मैंने देन में इस का हिमाब लगाया तो मैंने देखा कि उन 80 श्रमिको का 16-17 हवार देवेदार की तरफ विकलता

है, सेकिन प्रवास धर्ष देकर उनकी भेज दिया गया, धव वाकी का पैसा वसूल करने के लिये कोई कार्यवाही नहीं हो सकती है । ऐसा कोई कार्यवाही नहीं हो सकती है । ऐसा कोई कानून वनना चाहिय कि उन को उन की मजहूरी प्राप्ता हो सके और उन को उन के जीवन की सुरक्षा मिल सके ।

आज लाखों की संदया में मजदूर इधर-उधर कैंत हुए हैं। जैसा मंद्री जी ने बहीं पर जिस किया या कि अन्वतंत्रचीय प्रवासी श्रमिकों के हिंसों की रखा के जिसे एक कार-पैतर कमेटी बनाई पई है, जो उन की उसरमाओं पर विचार करेगी। में आतना चाहता हूं कि उस करेटी ने क्या कार्य किया है, उसे ने क्या विकारियों दी हैं, उन की विकारियों को श्रीष्ठ ही कान्त्र का रूप दिया द्वाय वार्तिक दम श्रमिखों की स्थाप दिस को ।

उपाध्यत महोदय, मैं जहां से चुन कर आदा है - - निश्वाह होत मेरे केल में सहता है। मिछने लीक समा के चुनाव के बाद राजकुरों में गोली चली, जिस में 10 अमिक मारे प्ये। में बाजिल की भी यही क्यित है, वहां भी काफी लीय मारे पये। गोली क्यों चली है इस विसे कि अमिलों के हियों की करफ व्याम महीं दिया थाड़ा है। जो मजदूर मिलत होते हैं, वे भी ठेकेवारों की दक्तां की करफ व्याम महीं विया थाड़ा है। जो मजदूर में महाने में केल की कि उन के लिये सीपड़ी बनावप यी बाज, जिलत पर 100 क्या वर्च प्राता या, सेंडिज आप का अम विभाग वर्च की वह भी वहीं विदा सरा ।

बहुँ पर ठेनेदारों के जो अमिक काम करते हैं, उन के बारे में एक पत्र मिन मानतीय मंत्री जी को निजा या, जिस में मिन उन को सूचित किया या कि वहां पर किस तरह से मजदूरों का बोमण होता है। में राजहरा केन्द्र की एक बटना का उल्लेख करना चाहवा हूँ— 22-7-1975 को एस० के एम० एस० के साथ ट्रांसीट कोट्रेस्टर का सससीता द्वारा

था। 8 टन माल 8 घंटे में लोडिंग-प्रनलोडिंग होता है । इस काम की कीमत 12 रुपये निर्धारित हुई। इस के पूर्व इसी काम हेत् 11.97 रुपया मिलता था। एक टन का सोडिंग-जनसोडिंग का 1 रुपया 50 पैसा पड़ता है। ये श्रमिक 14, 16,20 की टोसी में काम करते हैं। समझौते के अनुसार 1 रुपया 23 पैसा लोडिंग का और ट्रक को खाली करने (ग्रनलोडिंग) का 27 पैसा, इस प्रकार 1 दन लोडिंग-प्रनलोडिंग दोनों का मिलाकर 1 रुपया 50 पैसा होता है। वहां पर तीन प्रकार के दकों से काम लिया जाता है-केमल बाडी, फ्लैट बाडी और टिपर बाडी । जो ट्रक प्राटोमेटिक सिस्टम से स्वयं खाली हो जाता है, उन इकों का भी मजदरों ने 27 पैते दिप का दावा किया था। ठेकेदारों का कहना या कि ब्राटोमेटिक दकों के लिये पैसा नहीं दिया बायगा, परन्तु जन्होंने यह स्वीकार किया कि एक मजदूर सन-लोडिंग के काम में झवश्य लगता है, जिस की मजदूरी पयक से दी जानी चाहिये, परन्तु यह मजदरी नहीं दी गई।

27 पैसे की मांग की ले कर 54 दिनों तक हड़ताल हुई और एक मजदूर की करीब 500 रुपये का नकसान हथा और हड़ताल उनके मैता की अदुरद्शिता के कारण बीच में ही दृढ गयी। मजदूर संघर्ष के मैदान में जीते, किन्तु नेता समझौते की टैविल पर हार गये। जिस तारीख से समझौता हथा-मैंने हिसाब सगा कर देखा-एक मजदूर का 11 रुपया रोज होता है। 150 ट्रक वहां पर प्रतिदिन काम करती हैं। इस प्रकार 150 श्रमिकों की मजदूरी 1650 रुपये प्रति दिन होती है । यदि एक महीने में कार्य दिनों की संख्या 4 साप्ताहिक छड़ी छोड कर 26 दिन मी मान लें तो 42,700 रपदे एक माह का होता है। इस प्रकार 12 माह का 5,14,800 रुपया होता है भीर दो साल तक 12 लाख रुपया होता है---बह 12 लाख रुपया मजदूरों के प्राप्त नहीं हो

[थी मोहन भैवा]

351

सका । हयूमैनिटी ग्राउण्ड्स पर 100 रपये पर समझौता हुआ, जिसमें से भी मात 60 रपया हेनेदार से दिलाया गया भीर 40 रुपया मेनेजमेट सयद्र के नियोजको द्वारा औद्योगिक शांति के नाम पर भूगतान निया गया। इस तरह से वहां पर मजदूरी वे साथ भ्रन्याय हुमा **।** 

दल्ली-राजहरा क्षेत्र म थमिको की छटनी की समस्या पैदा हो गई है। यहां पर 29 करोड की लागत की मशीनें तैयार खड़ी है यदि उनसे कामें प्रारम्भ निया गया सो 8 हजार मजदूर वेकार हो जायेंगे। बेलाडीला में भी यही समस्या है, यहा भी, जैसा मुझे मालूम हुआ है, श्रमिकी की छटनी का जो पेंसा दिया जाना चाहिये, यह एत-एक मजदूर का 500 दपमा या मधिक बनत है । प्रनूप चन्द जैन कम्पनी ने तो दे दिया बताते हैं, लेक्नि बोरा एण्ड सम्पनी भीर दूसरे ठेपेदारों ने नहीं दिया है। वहा पर गोली चती भीर ग्रव सारे मजदूर धेरीजगार हो गमे हैं।

एव० एस० सी० एस० मे मजदूरी का रेट 7 रुपये 50 पैसे है, लेकिन ठेवेदार के जो मजदूर बहा पर काम करते हैं, उन को ढाई या तीन रुपये मिलते हैं । इन मजदूरी से निरन्तर 12 घटे काम लिया जाता है 1 भिनाई सयत्र एव एव॰ एस॰ सी॰ एत॰ के अन्तगत लगभग 50 हजार मजदूर काम करते हैं और लगभग इतने ही ठेनेदारों के श्रीमक काम करते हैं। पर इन की सुरक्षा की वहा पर काई व्यवस्था नहीं है। नन्दनी माइन्ज म मिनियम बैज 56 पैसे है, लेकिन जो ठेकेदार के मजदूर वहा काम करते हैं, अन को 12 पटे मिट्टी तोडने पर भी डाई रुपये से ज्यादा नहीं मिलता है । कानुन बना हुआ है, लेकिन उस का पालन नही होता है। ए%० एस० सी० एल० में यह कहा जाता है कि प्रदेश सरकार के कानन के धनसार मिनिमम वेज 2 रुपये 75 पैसे है, इस लिये

हम इस में कुछ नहीं कर सकते हैं। ग्रीर जगह में 5 हुपये 56 पैसे का रेट है, लेक्नि यहां के ठेरेदारी के मजदूरों को यह भी नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार भी स्थिति बैलडीला मे भी है। वहां पर मजदूरों की यह हासत है। चाप का स्टील देज गाँड बना हमा है, सीमेट वेब वोहं पन हुम है भीर एन एम सी। एल का बाम सारे हिन्दस्तान में चलता है, इमलिए मेरा कठना यह है कि एक बन्मद्रकान वरंमं वेज बोढं भी वनना चाहिए। सारे हिन्दुस्तान में बन्सद्वशन का बाम होता है भीर उस के जो दर्बर्स हैं उन की स्टील केज बोर्ड के धनमार उचित मजदूरी देनी चाहिए । माज भादनः लेवर भी सख्या साओं में है भीर हमारे इस्पात मती जी वहते हैं कि ठेवेदारी प्रया को हम धरम मही कर सकते है और ठेनेदारी द्वारा मजदरी दिलाने का हमारा दायित्व नही है । भाप ने नहा है दि हम बेरोजगारी 10 साल में दूर करेगे । इस सक्त्य नो हम ने इस ससद म व्यक्त विया है लेकिन उस सकल्प पर हम वहा काम वर एडे हैं। मैं चाहता ह कि मजदूरों के लिए रोजगार की हम व्यवस्था करे घौर छटनी क वाद उन को वैवल्पिक रोजगार देने का प्रवन्ध करे साकि उन को मर्पेट मोजन मिले भौर ने भूखों म मरे । मजदूर 12 घटे काम करना चाहते हैं लेकिन भाज उन को दो, ढाई रुपये ही मज-दूरी मिलती है। उन को 10 रुपये मजदूरी तो मिलनी ही चाहिए। कार्टेक्ट लेवर की बहत बड़ी समस्या है और मेरा धाप से निवेदन है कि काट्रेक्ट लेवर को उचित मज-दूरी दी जाए । जो मजदूरी दूसरे मजदूर को मिलतो है भीर जो काटेक्ट लेबर को मिलती है उस में बड़ी विषमता है और यह विषयता दूर होनी चाहिए ।

Min of Labour

एक निवेदन भीर करुगा भीर वह यह है कि मिलाई एव वैलाडिला से एक करोड रुपये के करीब सेस फड में माता है।

ब्राइस्त श्रोर पर ४ थाने प्रति टन के हिसाब से तैस वसूल किया जाता है नेक्टिन यह फड़ मजबूरों के हिस्तों में खर्च नहीं होता है। विज्ञान लोगों की तत्त्वाह 500 से 1000 रूपये हैं, उन स्वामी कर्मचारियों को सुख-मुविधाओं के अपहों उस के मजबूरों के लिए उस तेया पढ़े के कार उस के मजबूरों के लिए उस तेया पढ़े का उपयोग नहीं किया जाता है। मेरा फड़ता यह है कि कांट्रेस्ट नेवर पर चाहे बह दिल्ली राजपा की खदान हो, चाहे वह निस्ती माईना हों और पह बह बह दिल्ली राजपा की खदान हो, चह वह निस्ती माईना हों और पह बह बह दिल्ली हो स्वाम हो, इन में जी कांट्रेस्ट नेवर है, उस की युख-मुख्याओं पर यह पैता खर्च होना पाहिए और इस के निए कोई कानून बनना चाहिए और इस के निए कोई कानून बनना चाहिए

बीड़ी उच्छोग के बारे में एक बात कह कर से समाप्त करूंगा 1 इस बीड़ी उद्योग में केवल मध्य प्रदेश में ही करीच 5 साख मजदूर काम करते हैं और इसमें एक बीड़ी वर्कम बेलमेयर सेस एक्ट, 1971 बना हुआ है, जिस के सम्तर्गत सेस फंड की राजि बहुत को जाति है। मेरा कहना यह है कि इस को केन्द्रीय सरकार न कर के प्रान्तीय सरकार की इस का सूर्य प्रतिकार देगा चाहिए और 5 लाख अमिनों के कट्याण के सिए उस के पैसे को खी सी क्या जाता चाहिए।

जो गतें मैंने मन्दर्शेण्य प्रवासी श्र्मीकर्से के बारे में, कांट्रेन्ट लेवर की सुख-मुविधामां के बारे में धीर वीड़ी मजदूरों के सेस फंड के बारे में कही हैं उन पर सरकार को ध्यान देना पाहिए भीर एक प्रभावी कानून बना कर सेस फंड की राधि का उनवोग मजदूरों के हित के लिए हीना वाहिए।

इतना कह कर मैं समाप्त करता हूं और श्रम मंत्रालय की मांगों का समर्थन करता हं।

SHRI V. M. SUDHEERAN (Alleppey): Mr. Deputy-Speaker, Sir, 602 LS-12. this Government has totally failed in safeguarding the interests of the working class. Even the basic rights have been taken, away from them. They are being dealt with guns, not with peaceful conclinatory methods. I am sure, this Government has no right to continue because the working class of this country has been brutally handled and they have been shot to death.

The reports from Pantnagar are a clear indication as to how the Janata Government deal with labour problems and agitations of the working class. The workers have been shot to dealth and their bodies have been burnt in the cane field. This shows the tendency developing in the country as far as the labour situation is concerned. This Government is in power because of the atrocities committed during Emergency. But, now, this Government has totally out-beaten the previous regime in the matter of excesses. Now the unemployment situation is very explosive, although the Government and the Prime Minister had assured the House that it should be solved with in ten years. But no programme has been seen in that connection. The unemployed youths of this country had not been given any indication regarding the solution of the unemployment problem or how they are going to solve the unemployment problem. There is no concrete programme in that regard.

Even the demand for providing unemployment allowance to the unemployed youths has not been accepted. Some of the State Governments like Kerala, Punjab and others have come forward to provide unemployment allowance to the unemployed youths. But this Government has refused the demand of the youths of this country to provide unemployment allowance.

May I know from the Minister what is the policy of the Government regarding creating more employment potential. It is to create more employment potentials or to kill the

employment potential? I come from Kerala where lakks of people have been engaged in traditional industries: I will give you one example in this regard. Contrary to the declared policy of the Government, for mechanical processing units licences were given to a private factory at Narercoll to produce coir mat mechanically

This is a major traditional coir industry of Kerala providing employment to about five lakhs of workers. This will pose a serious threat to the unemployment situation. Repeated requests of the State Government, Members of perliament rade unious and of the political parties have been ignored by this Government to safeguard the interest of the workers.

This Government is issuing licences to the monopoly houses for mechanised fishing. That will throw out thousands of Sakerimen from their traditional job. May I know from the Minister, if this is the situation, if this is the policy they wish to continue, what will be the fate of those people? If they wish to continue this policy, then there will be an upsurge against them and this cannot be tolerated at this level.

I would like to highlight come aspecty regarding age limit for recruitment in lobs. Now the age limit for recruitment in the Central Government State Governments, public undertakings nationalised banks has been fixed at 25-30 years In some S ate Governments it is 30 years. If you do not increase the age limit then lakhs of people would be left unemployed The fact is that age himt must be increased atleast for five years in the case of Central Govern-10bs State Governments, nationalised banks, public undertakings and other agencies If you increase the age limit then they can provide more jobs. This Government has not evolved any national wage policy Now the prices are mounting up and the Workers are not in a position to have both ends meet. There has been a lot of suffering So, I

request the hon. Minuster to evolve a need-based wage policy which will help the working class of the country. The number of I abour disputes, bas mercased this year. There is total survest in this field. The existing system has failed to cope with the demands. So, it is high time that the existing labour laws were amended so as to give more powers to the conclusion officers because a lot of labour disputes are kept pending. It is very necessary to amend the existing labour laws to give more powers to the conclusion officers.

Another point I would like to raise is about the pitiable condition of the agricultural workers in the country There is no comprehensive legislation in that aspect. Although we have been doing something for the promotion of agriculture and for the welfare of the rural masses, the real benefit in this regard has not gone to the poor people They are still underpaid or even uppaid, and they are explosted by the rural rich of the country There is no security of tenure The Standing Committee on Agricultural Labour has recommended the need for a comprehensive legislation a model Bill, in this regard. I would like to appeal to the Minister to prepare a model Bill for the benefit of the agricultural workers of the country The Kerala Government has gone to a certain extent in this regard, the Kerala Government have passed the Agricultural Workers Bill, it is a landmark in this aspect

Our country is facing a serious unemployment problem. A lot of our youngsters were seeking jobs abroad Non, the Labour Ministry is going into that aspect and is trying to evolve a new policy in this regard But I would like to point out that hundreds of job-seekers have been brutally presented from going abroad by the strict implementation of the Immigration Act of 1922 Even those people who got the tisa or the NOC from the Gulf countries have been deported This has created a scare in many parts of our country, especially in Kerala. So, I would request the hon.

Minister to evolve a formula in this regard and use his good offices to relax the Immigration Act of 1922.

MA. DEPUTY-SPEAKER: Please conclude.

SHRI V. M. SUDHEERAN: I do not want to speak more. The main function of the Labour Ministry is to safeguard the interests of the working class of the country. But unfortunately this Ministry has failed in upholding the trade union rights of the working class The anti-labour attitude of the Government was very clear when the Government asked the State Government to de-register the trade union which functioned in Tumba. This method, this attitude, is a clear indication of the policy of the Government-of the Labour policy. I would request the Minister to re-assure the House, reassure the representatives of the people, that their pledges and promises made during the last Election will be fulfilled.

श्री भारत भवश (नैनीतात) : उपाध्यक्ष महोदय, ग्राज देश में प्रगति की जब चर्चा होती है, समाजवाद की चर्चा होती है तो यह प्रश्नी बड़ा महत्वपूर्ण वन कर प्राता है कि जहां श्रीको-गीशरण होना है, कृपि की प्रगति और विकास होना है वहां पर यह आवश्यक हो जाता है कि उसमें थम करने वाले सोग जो अपना पसीना वहाते हैं उनको उनके उचित श्रध-कार मिलें। मूझे खुन्नी होती है जब आपके वाई और वैठन बाले लोग यह मांग करते हैं कि एक वर्ष के अन्दर इस सरकार ने कोई ऐसा कानून नहीं बनावा जिससे श्रीमकों का लाभ हो। तो एक बात स्पष्ट हो जाती है कि अब तक की सरकार ने ऐसे कानून नहीं बनाए ये जिससे श्रमिकों को साम हमा होता। उद्योगों को चलना है तो उसमें श्रमिकों को भागीदारी मिलनी चाहिए. उसमें उनका पाटिसिपेशन होना चाहिए। में समझता ह कि मैनेजमेंट में ही नहीं एक राष्ट्रीयकृत उद्योग में पंजी, मैनेजमेंट में सब

प्रकार से उनको भागीदारी बनाया चाहिए, उन्हें अपनी जिम्मेदारी महसूस हो जिससे बहु उस उद्योग के लाम के लिए काम करें। यह देख कर आश्चर्य होता है कि एक अरिश्वमिक वर्गकी ग्रोर से समाजवाद के रास्ते पर चलने का जो लोग रत लिये हैं उनकी श्रोर से बात श्राती है कि राष्ट्रीयक्ररण होना चाहिए। व्यक्तियों के हाथ में, पंजी-पतियों के हाथ में उद्योगन रह कर हमारे राष्ट्र के हाथ में यह उद्योग होना चाहिए. समाज को उत्तका नियत्नणं करना पाहिए। किन्द्र यह देखकर दूख भी होता है कि जितनी स्ट्राइक, हड़ताल, गोटिस और श्रम का ग्रसंतीप है वह केन्द्रीभूत हो जाता है राप्ट्रीय-कृत समाज के हारा संचालित उद्योगों में जो व्यक्तियों के हाथों में उद्योग ये वहां पर ठील चलते रहे, वह शोपण काले । हें और यहां पर ऐसा हो गया। मिसाल के लिए परसों पतनगर के अन्दर अभिक आन्दोलन को लेकर एक बडी दुर्घटना हो गई। ऐसा क्यों हचा? भेरे क्षेत्र में वह स्थान है, में आपको बताना चाहता है कि पिछली सरकार ने एक नियम बनाया कि कम से कम इतनी यजदरी दी जाएगी। दो वर्ष में वह मजदूरी दी नहीं गई और जब उसकी जोर से लागू कराया गया ती उन्होंने निवम बना विधा कि इतना वैसा तो आपका किराए का काट लिया जाएगा जिस जमीन पर भाष छप्पर बनाते हैं, जो वह बेबारे अपना खद बनाते हैं, पानी का नल अपना लगाते हैं सेवित पानी का पैसा भी काटा जायका. विजली का इतना पैसा काटा जाएगा। इस प्रकार से पिछले दो सालों में जो इमरजेंसी के वर्ष थे, गरीब के हित के वर्ष थे, उन दिनों में उनका पैसा काट कर उनको पूरा रुपया नहीं दिया गया । जब से जनता सरकार ग्राई, मंत्री जी की जानकारी के लिए में यह बताना चाउंगा कि बन हमने परिवर्तन किया, उनकी सारी कटौतियां बन्द करके जनको प्रस बैतन

## [श्री भारत मृषण]

दिलाना प्रारम्म कर दिया तो श्रमिक ग्रान्दोलन नर्सामा ने उनका नेतृत्व करने वालो ने उनके भीनेपत ना लाग उठाकर यह माग संपानी शुरू नी नि इमरजेंसी मेजो मजदूरा नी कटीतिया हुई है वह मजदूरी की बायम किया जाए। वही सोग जो इमरजेसी के समय बोल नहीं सक्ते थे, जो इमरजेंसी लवान वाता में से थे, उन्हीं सीगा ने मन मजदूरी ने मादेवन का लाभ उठा बर माग लगव यो वि पहले दो वर्षा का जो हमारा रुपया बटा है वह बावस हो तब भागे बात चलेगी। इस प्रकार से यात्र, लिन चला भीर चनत चनने हिमर हो हो गमा और बहा गोली चरी। सब सर सरकारी धावजा ने घनमार 14 घाटकी मर चुने है। यह वडे दुखनी बात है, बहुव बडी दुर्माप्यपूर्ण दुर्पटना हुई है।

प्रभानन्वर तबर के बारे वे बहुत मारी बहुत मारी बहुत मारी है। में उत्तहा हुस्य मुक्तामी है, बत्तवि है। में उत्तहा हुस्य मुक्तामी है, बत्तवि वह बीमाण बेही बत्तव है कि किलें 18 बगों में पाल बलें बेरे बेत में क्यों कोई प्रान्तेत्वत नहीं हुया। हिस्स । प्रभावत्वर में समस्या क्यी इंडवों कहीं बढ़ी शह सबर पैदा हुई तो पननगर मे। मैं बहु
बातनारी देना पाहुणा कि जो मित्र पूरत है।
क्षेत्रों से एन्ड हैं, बहु जायें सोर देशों कह बहुत ने सेदर को प्रमान से मी उसादा सुम्मानं सबसे। स्वरित दम बात का सगड़ा नहीं है, मैं तो बहु पाहुणा है कि जो निवस बने, यह स्वदृष्टिय हा, उत्तरा दम्मानिद्येशन हो और उन्नो तादने बन्ता के लिए गर्मा गत्रा का प्रावणन ही। उने स्मामान्य के पननगर में दम से में ने बन्ता जीए दम बात को मुनिविषन कर लेना

मैं अस महास्त को बारो सारी जिल्लेसपी सम्पता हूं। वत्रपर मह बास है हि हिता पर्स सम्पतान में वित्ती तरफ में न सामें। हिता पर्स से भी न पास । उन्हों मान। पर कियार वन्हें बा पोरम होता चारिए। यह मिनिक्वत बात तर हतता रहें, जानवारी हो न हो, नियन न होन पाए, मानदा गुमोब न हो में चना जाए, स्मित्त चहीत्रत हो, सनदा हो, चिर प्रमावत जाए, मोनो चर्चाई सार मादिस हम न नहीं होता चाहिए। एसो न धीनदा, नहीं का न चुठोंद वा २ स्थाप हो गरमा है।

इसरोध्यान म रखने हुए जो मंत्री जी नै यात प्रारम्भ की थी, हा मकता है कि जनम उन्हा वाधा मिन, एक उद्याग-एक युनियन का निद्धान हो भीर उसम अमिरी वा प्रश रिप्रेजेटेशन होना चाहिय । धाय हाता वर्गा है ? उठीय संधमिता की एवं युनियन है उपन एन माग रखी, तुरन्त ५ छ लोगा मी तोडकर एक नई प्रतियन बनाई, उसके उस मान के बिराइ कुछ और मान रफ्या दी भी। अ।पन में उतका झवडा करवा दिया। कहे दिन बाता है कि तुम भाषन म सगडा कुछ नहीं ही सरवा है। ऐवा हर जगह पर हा रहा है। इस तरह की भावनाए त रहे थमिका को भगते ऊपर यह भागवासन रहे कि उमनी मागा भीर हित की रक्षा के लिए मारा समाज खड़ा है। यह भावना हानी चाहिय ।

श्रीमका म जो श्रम करत आवता हो वीकर मेकान ही किसी ने यहा मकरी मानन збі

जाता है उसके साथ कोई भेदमाब रहीं होना चाहिये। उनको संस्था देना चाहिये जो असहार है, उन्हीं जो अस्तार को सरकार मंरकाण देती है, चहीं उसका काम है, सेकिन में समसता है कि आज सरकार एक प्रकाशकीय जुम में समाज का प्रतिक्रिय बनकर उन्हों होनी है जी आसन चलाते हैं, उनकी चिम्मेयारी होती है कि इस प्रमत्सा को समझें और इस तय्य को जाम लेने का काम थय मंत्राच्य

उसका काम है कि वह अमिकों के हितों भारत उसे बार इस सुरक्षा की ओट में अमिक उसेगों को हाति न पहुंचारों । इसके तिए अमिकों में भावता देश करे कि उनकी जिला-दीक्षा रहन-महर, जल-मान और मैंडि-कल एड वर्ष रह सब ठीक मिन, पहं हमारे अम महाक्षद का काम है।

मुने याचा है कि इस विजा में हुमारे को किया में हुमारे को किया हुमारे हुमारे कर कर कहा है , जो चित्रान हुमारे हुमारे हुमारे कर का मुश्तिमान में किया में किय

हुई है, उसमें हमें सबक देनां चाहिए। इस में मुख हाईना जीवर स्मिट सिल्ह । को सूद सिल्प्य सिल्ह । को सूद सिल्प्य सिल्ह । को सूद सिल्प्य है, वह सिल्प्य है। को सिल्प्य है कि वो कुछ हो चुन्न है, उन्हों मिला वो जाएगी, ताकि ऐसी दुर्मटना फिर कभी किसी जवारी, ताकि ऐसी दुर्मटना फिर कभी किसी जवारी का प्रमें में म होने पाये, और इस दुर्मटना को के सिल्प्य सम्मानम्य बहुत तेजों म काम करेगा। इस सामा और प्रमेशा के साथ सिल्प्य सम्मानम्य बहुत तेजों म काम करेगा। इस सामा और प्रमेशा के साथ हैं।

श्री हुनम धन्द कछुवाएं(उर्ग्यन):
उत्ताश्रव महीरव, मैं प्रम मताव सी मार्गों में स्त्र समर्थन करता हूं पिछने एक वर्ष में स्त्र मंत्राक्त में सो कार्य किये हैं, वे सराहतीय है। पिछनी चरकार ने मजदूरों के प्रशिकारों पर कुठायावत किया या और उनके प्रशिकार छीन लिए थे। इस सरकार ने उन महिल कारों को पुन: बायस जोडा दिया है। परस्तु कुछ समस्याय ऐसी है, जो पिछने प्रमेक बर्यों में चली या रही हैं। मैं नयी सरकार से प्रमायना करेगा कि बहु इन समस्यायों को शीध

उदाहरण के बिन्, यदि प्राज कोई मजदूर-स्यायात्वर में जाता है, तो उसका फैतना होने में बहुत दिस्मक होता है। उसकी मैक्सी वी आती हो है, परम्यु जान ही साथ केत बहुत में भी उसे काकी देगा इन्हें करना पड़ता ! है। में चरकार से प्राचंना इन्हेंग कि तो का खत्यात्वा को वार्ष कि जब तक उसके केत का खत्यात्वा को वार्ष कि जब तक उसके केत का खत्यात्वा को वार्ष के जब तक उसके केत का खत्यात्वा को वार्ष के उसके कर का क्यांत्व मितवा रहें। इसके प्रकास उसे कातृत्व सहस्था से वार्ष । केत कहने के निष्ठ उसे सरकारी ककील दिया जाये। मानिकों के पान खब्छे ककील होंगे हैं श्रीर देने की भी अनके आध्य कमी नहीं होता है। वह व्यवित चेनों के खन्नाव में मिटना है और कानृती महस्वता [श्री हुकम चन्द वहादाय]

363

न मिलने के कारण उसे हारना पडता है। इमलिए यह भावस्पन है कि मने ही उसे बाम पर न लिया जाये, लेकिन अन्तिम निर्णय होने तक उने बेतन मिलना रहना चाहिये ।

मरहार ने भविष्य निधि के बारे में हुछ वानत बनाये हैं, परन्तु सरकारी उद्योगों में इस 'स्कीम का पानन की के अग से नहीं हो रहा है। जो उद्योगपनि अपना पैसा जमा नदी करते हैं. उन्हें दढ देने का प्रयास किया जाता है, परन्त ग्राज तक विभी ऐमें सरवारी ग्रीववारी की दंद नहीं दिया गया है, जो पैमा जमा करने के लिए जिम्पेदार हो। मारत मरनार न जितनी टैश्सदाइन मिलो को घान हाय म निया है. उत्तन मविष्य निधि के सम्बन्ध में जो बहुत प्रशार की गृहवंदिया चल रही है, उनहीं दूर करना चाहित । वहा नियमिक स्प से पैसा जमा दिया जाना चाहिये और नियमों हे भनुनार मजदूरी को सोन मो मिलना चाहिये। यह देवा गया है कि क्पड़ा मिलो मे मजदरी को नोन नहीं मिलना है। मत्री महोदय को इस तरफ ध्यान देना चाहिय ।

राज्य बीमा मीजना ने धन्तर्गत जो हास्पिटल बल रहे हैं, जनकी कैपेसिटो काफी क्म है। वहा दबाइया पर्यान्त माला में नहीं मितनी हैं। इतना हीं नहीं, जहां मजदर बहुत वडी सहया में कम करते हैं, उनके प्रतु-पात में हास्पिटल में पलग भी नहीं मिलते हैं। जिसके कारण काफी समस्यायें होती हैं और मजदूरो ना ठीन प्रनार से इलाज नहीं हो पाता है । उसे वहा भवीं होना होता है तो वह मतीं नहीं हो पाता है और घर ने इलाज नहीं कर पार्वा।

मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि मजदूरों की बीमारी की छटटी जो मिलनी जाहिये वह मिलती है, परन्तु उसका दूरपयोग वे बरते हैं। ये दर्शयोग न वरे ऐसी व्यवस्था सरनार वरे। बीमारी नी छुटटी चेतर वे धपने निजी बाम में लगते हैं। विसी प्रकार

Min of Labour मे भी भाष उसकी चेकिंग करें भीर ऐसी व्यवस्या करे कि वे ऐसा न कर पाये।

[SHRITMATI PARE ATHI KRISHNAN in the Chair?

माज देश के घन्दर ठेवेंदारी प्रधा बहुत बड़े भैमाने पर है और इस मदन में इस बात की भनेतः बार कहा गया है ति ठेने दारी प्रमा समाप्त होनी वाहिये। प्रधिव से प्रधिक भीर कम से कम मजदरी का भन्दाज नगाना चाहिये और यह देखना चाहिये वि कम से कम मजदूरी जिननी हो । प्राज बहत से सीय है जो पवास पैसे, साठ पैसे रोज पर नाम नरते हैं। उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश के छतीत्रपर इताने में माज भी लोग पचाम पैसे रोज में काम करते हैं। सरकार वो तब करना चाहिये कि राष्ट्रीय श्यूनतम वेतन क्या है। । यह मोति जब कर तय नहीं होगी तब वर हमारी समस्या बनी रहेगी ।

प्रशिक लोगो को रोजगार देने की बात नहीं है। धारडे भी समय समय पर बताये हैं। इस समय 1 शरीड 9 लाख लीग ऐसे है जिन्होंने रोजगार दपतरों में नाम तिसा रखे हैं। हम उन्हें प्रधित से ध्रधिक रोजगार दे सकें । ऐसी व्यवस्था करनी माहिने । बीक है बगाल सरकार ने बेरोजगारी भला दिया है। चेहिन वह जिनने रोज उसे चला मजेंगे यह ब्हता बडा बृध्नि है। में सरकार से यह बहुना चाहता हू कि यह माग देश में प्रधिक जोर न पनडे कि बिना काम का मता मिले । सदि यह ओर पकड गई तो सरकार के सामने बहत वडा भयानह सक्ट खडा होगा । इमी-लिए मेरा निवेदन है कि मधिक से मधिक जल्दी से जन्दी लोगों को रोजगार देन की व्यवस्था हम बरे । देहातो में सडकी का जाल विछायें, पृतिया बनाए, बसें चलायें, छोटे छोटे शारखाने स्राधिक माला में खोलें, देहात में रोजगार के साधन बनाए जिससे जी लोगो वर धावर्षण शहरी की तरफ भागन का है उसे हम रोक सकें। आज दिल्ली में और बड़े बड़े शहरों में देखने को मिलता है कि लोग देहात से निकल कर अपनी खेती छोड़कर बड़े नगरों में भागे चले ग्रा रहे हैं, इस श्राशा में कि वहां उन्हें **रोजगा**र मिलगा। इससे शहरों की ग्रावास व्यवस्था भी गड़वड़ होती है और काफी संकट बहरों में इकट्ठे हो जाते हैं। तो देहात के अन्दर म्राकर्षण निर्माण किया जाये ताकि सोग देहात में जमें रहें ग्रीर देहात में ही उनको रोजग्-गार हम दिला सकें।

मैं माननीय मंद्री जी से ग्रापके गाध्यम से एक वात और कहना चाहता है कि आज सारे देश के अन्दर पिछले साल भर से जो मजदर ग्रान्दोलन चलाया जा रहा है यह योजनाबद्ध तरीके से सारे देश में चलाया जा रहा है। जहां शान्ति हैं वहां उलटी मांगों को लेकर कान्ति करन का प्रयास कर रहे हैं। भेरा इतना ही कहना है। कि उत्पादन में कति किसी प्रकार से न हो इसको ध्यान में रखना चाहिये। मैं इस बात से कोई इनकार नहीं करता कि मजदूरों को ब्रान्दोलन करने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ता है। मेरा एक निवेदन सरकार से और सरकार के माध्यम से राज्य सरकारों से है कि जब भी मजदूरों की कोई समस्था हो तो इसके पहले कि मजदूर | प्रान्दोलन पर उतारू हों, हुड़ताल पर जायें, 'उससे पहल ही उसे सुलझा भेना चाहिये। "होता क्या है कि ब्रान्दोलन काफी कम्बा चलता है, लाक ग्राउट हो जाता है, उत्पादन की क्षति पहुंचती हैं, लेकिन मामला नहीं सुल्झता है। सरकार का और मालिक का प्रयास इस प्रकार का होता है कि धान्दोलन चलने दो, कितना लम्बा चलेगा? चुप बैठो रहो। ज्यादा हो तो पुलिस की फोर्स लगा दो, उनको दवाने का प्रयास करो । दव तो जाता हैं कुछ समय के लिए लेकिन कुछ दिन के बाद फिर वह खडा हो जाता है। कारण यह हैं कि मजदूर ज्यादा लम्बा ग्रान्दोलन नहीं चला सकते क्योंकि उनकी श्रायिक स्थिति चरमरा जाती है जिससे वह उसे लम्बा नहीं खींच सकते । ऐसी स्थिति

पैदा न हो उसके लिए मैं निवेदन करूंगा कि कोई भी ग्रान्दोलन प्रारम्भ हो तत्काल उस पर मौर किया जाये. तत्काल ऐक्शन लिया जाये ग्रीर तत्काल निर्णय ले कर समस्या को सुलझाया जाये । आज महीनों और सालों मामलें उलझे रहते हैं लेकिन उस क्षेत्र में विश्वेष कोई प्रयति नहीं होती है।

इसी तरह से समाचार पत्नों में काफी वहा चढा कर समाचार प्रकाशित किये जाते हैं जिससे सोगों में काफी असन्तोप पैधा होता है। जिन उद्योगों में हडताल होती है वहां कछ लोग जो काम करना चाहते हैं, जो युनियन इस बात का प्रयास करती है कि उद्योग की किसी प्रकार की क्षति न हो, इसरी युनियन वालों चाकुछ्रे की नोंक पर उन्हें काम पर जाने से रोका जाता है। य 'प्रयास सी० ट्र० नामक युनियन से किया जाता है। यह प्रवृत्ति ग्रच्छी नहीं है ग्रीर इससे देश का कोई मला नहीं होगा। जो शक्तियां देश के अन्दर इस प्रकार की हैं जो इस प्रकार का वातावरण बना रही हैं, छरे की नोंक पर मजदरों को काम करने अन्दर नहीं जाने देवी हैं, उन पर तत्काल एक्शन लेभा चाहिए श्रीर इस प्रवृत्ति को रीकना चाहिए। यह ठीक है कि आपने यह कहा है कि पुलिस गाली-गलीच का व्यवहार न करे और मारपीट न करे लेकिन कोई एक्शन न लेने के कारण कानुनी घ्यवस्था मजदूर-क्षेत्र में, मजदूर जगत में काफी खराव हो रही है और कुछ लोग यह चाहते हैं कि यह सरकार बदनाम हो और वे इस प्रकार की चीजें कर रहे हैं जिससे मजदूरों की समस्या को चुलझाने में यह सरकार फेल हो । इस प्रकार का प्रयास वे कछ बनियनों हारा करा रहे हैं और वे अपनी योजना को सारे देश में सफल करने का प्रयास कर रहे हैं, परन्तु सफल नहीं हो पायेंगे । यह योजना सफल न हो और फैल हो जाए, इसके लिए सरकार कदम उठाए, तो मैं

[श्री हुनम चन्द्र ब्छ्याय]

मनजता हु नि प्रान मरहर क्षेत्र में जो अमानित पैना रही है, उत्तवा ग्रान्ति ने रूप में बदनने में सरवार सदन होगी परोति देन ना तराना है भीर देन नी प्रपति हमी में है नि देन में जाता से जाता उत्तादत हो।

इस बाद्य स इसार नहीं दिया का सबता कि जबोगपति इस प्रभार का प्रयास करता है ति क्यांति उसरा माल ग्रांगर में उठता नहीं है ब्रीर उत्पादित मान उद्योगी में पड़ा स्ता है। मजदूरी की माणा का मेकर यूनियने वा उनकी जैव में हानी हैं उनके क्षारा अपने उद्योग में बुछ मश्रदूर गड़बड़ बरवाने हैं हडताल बरवा देते हैं। सीर प्रपते मात मा उपायन प्रन्य बन्धाता है। इस प्रकार की प्रवृत्ति झात देश में बाद रही हैं भीर मही महोदय इंग मार ध्यान दे। जा उत्पादन उसरे भाग इरदा हो गया है भीर उसरे पाम पदा हुआ है उमलिए बह मजूरा की कुछ यूनियना द्वारा भान्दोपन व खोता है और इसमें अपने उद्योग का दिन ही समयता है। मेरा वहना यह है वि मजदूरी के हित से ही उद्याग का दिन होगा और इस बात नी ध्यान में रख वर सरवार काई नीति बनाए जिसम यशान्ति का वातावरण दूर हो।

> इन शब्दा व साथ मैं श्रम महालव की मानो का समयन करता हूं ।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI HAVINDRA VARMA) Comrade Chairman I am very grateful to the hon. Members who have partacipated in the debate on the Demands of the Ministry of Labour

In fact it is very clear from he observations that have been made by the distinguished members who spoke in the course of the debate that there is a considerable degree of unanimity as far as the attitude to the problems of labour is concerned

Madam, my distinguished and hon. friend Mr Sathe who opened the debate from the benches of the opposition who unfortunately is absent this afternoon-I am sure he must be attending to more important things of which there is no dearth-as well as my distinguished friend who spoke last, Shri Hukam Chand Kachwal, underlined the need for a national attitude to the problems of labour They said that this is a subject in which party differences should not cloud our attRude, that industrial relation is a matter of national concern, that unless there is harmony and peace in our industrial undertakings production is bound to suffer and if production suffers there will be shortages There will be scarcity There will be increase in prices There may even be loss of employment if the economy goes out of gear it is, therefore, a common national concern to ensure that the wheels of industry go on efficiently And it is accepted by everyone that this happy consummation for which we devouily wish cannot be ochieved unless labour receives its legitimate recognition, the rights of labour receive their legitimate recognition the wages that labour receive are commensurate with the demands that are made on them to lead a life that is in conformity with a minimum standard of living, unless there is security in employment, unless wases retain their worth and unless it is possible for us to ensure that the erosion in the value of money does not erode the reat wares of labour as welt

It was also pointed out, Madam, that bendes this it is necessary to ensure that Inbour has a sense of belonging—I am quoting my hondle friend, Shri Sathe—that Labour most have confidence that their problems would be attended to confidence that there would be an impartial objective sympathetic machinery that would enable the expeditious settlement of their disputes and gnewones

Madam I shall not at this moment go into the details of what this means

But I wish to underline the fact that there is a universal desire in this House that the policies of the Government, the policies of trade-unions and the policies of the barons of industry must be such as promote peace and unders anding in our industrial undertakings. It is a national obligation cast by the demands of development, the demands of justice on the government and the leaders of the trade-un.on movement as well as the leaders of industry to ensure that each in his own way contribute to the creation and maintenance of barmony in our industrial undertakings.

Madam, I was somewhat sorry listen to Mr. Sudheeran as well my hon'ble friend, Shri Saugata Roy, who almost painted a picture of gloom. They were not sparing in their words. Ordinarily, Madam, I am one of those who expect a high standard of bate and a high standard of contribution from my hon'ble friend, Shri Saugata Roy who, unfortunately not here this afternoon, I was, therefore, somewhat surprised at the manner in which they attempted to paint a gloomy picture of the scene. I wondered whether they were looking backwards; I wondered whether they were living in the present or the ugly dream of the past was still hounting their imagination,

MR. CHAIRMAN: As a nightmare.

SHRI RAVINDRA VARMA: I stand corrected when you Madam Chairman make such delectable suggestion for improvement of language.

Madam, it is sometimes said by many in this House as well as outside that the industrial situation has taken an ugly turn. It is said that industrial unrest is galloping in this country. An attempt is made to present a very alarming picture, I am not complacent....

SHRI K. GOPAL (Karur): President has also said about it. SHRI RAVINDRA VARMA: I think Madam Chairman, it is one of the rules that in the debate President's name is not be mentioned-for a purpose or in vain, Madam, it is being said by some that there is an increase. alarming increase, in unrest. I am not taking a complacent view, but there is a difference between a realistic view and a pessimistic view. The facts that are before us, that are available to the hon. House so very clearly is that there is nothing alarming in the number of mandays that have been lost in the year. In the last 8 10 years, the annual average mandays lost has been approximately 20 millions. It is true that there have been some variations in the year of the military involvement with Pakistan. The number of mandays lost decrease in the next year, in the peak year of the Emergency too. number of mandays lost increases in the year of the railway strike, number of mandays lost went up to 40 millions but otherwise the national annual average has been around 20 millions. This year the figure is 21 millions. I would like to point out that apart from the absolute number of mandays lost, it approximates to 0.4 per cent of the total mandays scheduled for work. And I would like to remind the hon. House that this is not far different from the average of the mandays lost in many of the industrially advanced countries like the UK or Italy, Australia or Canada or many other countries. Now, when I say this. I am not justifying loss of mandays. Let my hon, friends who are interested in trade union movement realise that I am not saying that mandays should be lost. No mandays should not be lost. But what I am trying to point out is the manner in which a scare of panic is being created.

Now, here I would like to point out another important factor which has been underlined by my hon, friend Mr. Saugata Roy and other Members including my good friend, my estcemed colleague, Shri Chitta Basu-he

#### [Shri Ravindra Varma]

always keeps vigil over the working class-who has made a very powerful and cloquent speech the other day and it is unforgettable for me It was pointed out that in the last 7 or 8 years, the chare of mandays lost due to lockouts has been steadily increas ing In 1970 it was 28 per cent 1972, it was 33 per cent in 1975 was 65 per cent in 1976, the full of the glory of the Emergency,-it was 73 per cent And in 1977 still it is over 50 per cent. I want the House think whether it is the share of the mandays lost which is increasing or galloping or whether it is the loss of mandays due to stoppage of nork by strikes that is increasing This is a fact which cannot be ignored Now the number of mandays lost due to strikes in 1977 was 105 millions the lowest compared to the years 1970-1975 It is 105 millions as a result of strikes

Now, I come back to this question of spreading a scare creating a panic saying that the situation is alarming and deteriorating in an alarming fa shion it is suffering from galloping Madam I would beg to submit for the consideration of the that there are two vested interests which are interested in creating this One is those who believe that bу Saving that there is chaos there 15 anarchy there is no control possible by the removal of the curbs enforced on the working class on the restoration of the rights of the working class one vested interest political vested interest which tries to prove that the Emergency was justified They say, that after the emergency is over, there is chaos in this country. The other vested interest is economic vested interest which is represented by some owners of industries who are for curbing the rights again, who want to create on atmosphere in which it will be possible for them to do what they want, they say that the restoration of the rights of trage

unions and the workers has led to this pass and therefore restrictions should be reimposed in one way or another They do not want to surrender the fruits of the emergency, fruits that they garnered during the emergency it is well known that among there who sung the praise of emergency, who said that they never had it so good were the capitalists of our country I may not be far wrong If I say that many of those therefore today are very anxious to prove that the freedom that has come with the going of the emergency is responsible for industrial chaos. They are accustomed to the authoritarianum of the emergency, to the economic fall outs that they had as a consequence of the authoritarianism of the emergency. they remember the days of polipse with nostalgia and they would like them to return I say this becaus inspite of the efforts that the government has made many of those in terests have refused to reinstate those who were victimised, whose services were terminated during the emergency, they have refused to review the workloads which were unilaterally altered by them during the emergency

SHRI CHITTA BASU (Barasat) What have you done against them?

AN HOW MEMBER That would be his conclusion

SHRI RAVINDRA VARMA hon friend shows the technique of debate I mas trying to point out that there was an interest behind painting this picture and I am sure my hon friend will agree with what I say in this regard

I come to another point to which reference was made by my good friend Mr Saugata Roy The other day he ridiculed the Labour Minister, he is free to do so I shall not ridicule him. He looked at the report and found that the Labour Minister

had intervened only in 12 disputes.

SHRI K. GOPAL: He ridiculed the Labour Minister, not the Minister of Parliamentary Affairs.

SHRI RAVINDRA VARMA: You can make a distinction between one and the other. Mr. Gopal is yet to learn something about Advaits. Now Mr. Saugata Roy saw that the Law Miniter dealt only with 12 disputes and he worked out mathematically and said; one dispute per month, the Labour Minister has tackled. am afraid he did not look through the report with the care with which he should have. Those 12 disputes were disputes which the Minister himself had to deal with, like the dispute of the Port and Dock workers of Bombay port, bargemen's strike, Vizag Shipyard negotiations, cement dispute, bankmen's dispute, etc. all those cases very ugly situations were averted by the timely action by the Labour Minister; there could have been loss of production worth crores of rupees in many of these cases if timely action had not been taken. He forgot to look forward, to look into the other pages, to the CLC's organisation which is the organisation which should deal with the disputes. Every dispute cannot be dealt with by the Labour Minister. The CLC's organisation in this year dealt with 5964 cases and settled 4885, out of which 81 per cent were disputes settled during the year itself; of this 70 per cent disputes were settled in 2 months. In the same way the labour officers handled 1,38,763 grievances of which 1,38,325 were settled during the year,

Now I would like to turn to some other important questions, i.c., the questions relating to the policy that this Government has adopted in this field. Soon after our Government came into power, we realised that if we have to deal with the problems that we saw in the field of labour relations, we have to take some short term measures as well as some long term measures, These short term measures we thought should consist of

identification and removal of irritants which were responsible for the eruptions of unrest in different parts of the country. These included the restoration of the trade union rights, action for reinstatement of those whose services were terminated in the Emergency or to reinstate or review the cases of those whose services were dispensed with without the normal judicial processes associated with disciplinary action or termination of services, alteration of work loads, the Compulsory Deposit Scheme and the Bonus. In all these cases, as the House knows, the Government have took action. The other day my distinguished friend, Smt. Ahilya Rangnekar referred to the fact that in spite of the Government's issuing necessary instructions in this regard, there are many cases of the victims of Emergency not being reinstated. I shall come to this question currently; but as far as the long range action that we had to take are concerned, we thought that the first thing we had to do was to revive the machinery for tripartite discussions and to find out ways by which we can streamline and bring into being an effective machinery for the settlement of collective disputes and individual grievances. In pursuance of this analysis of ours, we not only revived the tripartite conference and invited all central trade union organisations—to attend this tripartite conference...(Interruptions) Therefore, we took the necessary steps to revive the tripartite machinery and to have a full-fledged discussion on all aspects of the legislation as well as the other steps that the Government have to take in this field.

Last year after the tripartite conference, I had occasions to tell the House about the discussions in the tripartite conference as well as the major decisions taken—one was to set up a Committee to report on a comprehensive Bilt for Industrial Relations and the other was to report on the workers' participation in management, the third was in relation to the Consumers' price index and the fourth

was a decision to hold a special con facence to deat with the problems of the agricultural labour and unorganised jabour. I am happy to be able to tell the House that on each of these counts action has been taken by the Government

The other day my good friend, Mr. Saugata Ros again said that this Minister is carning a reputation of being a Minister who appoints Committees and he referred to my dis tanguished colleague Mr Charan Singh and said that as Mr Charan Singh appoints Commissions the Lab our Minister is appointing Com mittees. Here again I am utraid that he was a captive of caption hunting He looked at the report and found a committee for this a committee for that and said that the work of this Ministry lies only in appointing the Committees All of us Madam, ore sometimes fond of captions. But if We chase cantions to the effect that we become captives of caption hunt ing then we revert to an infantile state as far as the contribution to debates are concerned and I did not expect that from him

If we do not have Committees then are we to have obster decter 15 at that the Minister or the Ministry or the Government should dectaled about Committees have us it possible to ensure the widert possible consultation and discussion with all in

tereste concerned? Now I would like to remind you and the House that each one of these Committee was asked to submit its report in two months and with the exception of one Committee or so almost all the Committees completed their work in two months and sub mitted their reports I know the next question will be what has been done with the report? Somebody said the other day that the report was submuited in December why was no legislation introduced? I plead guily to the charge that no special session was summoned to introduce this legis lation But the presentation of a report is not the end of the question. The report has to be studied. It has to be discussed in the Cab net has to be draffed as a Bill and then it has to be introduced. I would like to tell the House that after the reports were received we had discursions on the contents of the reports with the presiding officers of indus trial tribunals and labour courts. with labour commissioners and other interests and with the State labour ministers Who will say that these were not necessary steps in consultation? After the widest possible consutation therefore we have now armed at the stage where as I told the House parlier the Government will introduce a comprehensive Bill on industrial relations in this session stself

Now I come to the question of workers participation in management This committee also has pratically completed its work except in relation to the question of trus teeship which is a somewhat tonger range question as you can easily understand In respect of the ques tion of workers participation, the other day somebody I think from this side of the House said-ideas are common and they so round-"This Government is committed to the concept of workers participation. The Janata Party said it in its manifesto Why this delay?" The impatience is highly understandable it is excusable I do not know whether one takes menitation from the Hible

"And God said Let there be light and there was light"

The Januta Farty Stad on als manifectal Let here be workers participation. There he workers participation. And to and behold? There was workers profusionable? It is a simple? Those who are an are of the problems of workers perturgation in minancement—and I are sures there intumber is not install in this House—know that there are many aspects of the question that have to be considered. It is true that from 1945 there has been itsly of workers participation. Some schemes were introduced as far as the banks were concerned.

and in the emergency two schemes were introduced for a limited kind of workers' participation. But you are aware that this has not given satisfaction to our workers, or employers, There is no feeling that these schemes that were introduced either during the emergency or before emergency allow the workers to have their full share of effective participation in the management of industry. No trade union has said that these schemes give them scope for effective participation in management, My good friend, Dr. Subramaniam Swamy, would agree when I say this. First of all, there is the question of levels of participation in management and the kinds of functioning that can be transferred to the organs for participation at the different levels-at the shop floor level, at the plant level, at the Board level or at the industrial level. Then again there s this question of the attitudes of the management as well as the workers' organisations to the question of participation. It does somewhat seem odd to the uninitiated, but you know that the management is very anxious that any workers' participation in management should not lead to the erosion of managerial prerogative. In the same way, the representatives of trade unions, are keen that the workers' participation in management should not lead to the attenuation of the rights of collective bargaining. Now, therefore, you have to find an intervening area. While fully respecting the rights of collective bargaining and preventing inroads into the area of collective bargaining; yet, to find the area in which there can be participation in the function of management is a thing on which you have to spend some time. And that is why this Committee which is a tripartite committee consisting of the representatives of trade unions, employers as well as the Government and the public sector undertakings, spent some time-two months-which is a long period of time to work out the details of the machinery for participation, the method of election to which

again there was some reference made from the other side, the method of selecting the representatives of labour. of the employees, who will work on these different organs of partipative management. Madam, this report also will be before us very soon.

On the question of consumer price index, the hon. Member has believe in workers' participation...

SHRI O. V. ALAGESAN (Arkonam); Madam, on the question of workers' participation in equity, does he say something?

SHRI RAVINDRA VARMA: Most certainly. I am always very ready to answer my good friend. In fact, the role should be reversed. I am more to learn from him than he has to learn from me. And I do not know whether he believes in workers' participation in equity. But that does not affect my answer.

SHRI O. V. ALAGESAN: Kindly don't doubt my sincerity. I do believe in it.

MR. CHAIRMAN: I don't think he doubts your sincerity. He has already called you a good friend.

SHRI RAVINDRA VARMA: Madam, I did not say either that he believed or he did not believe. It is one of the many conundrums when the hon. Member sits on the opposite side.

As for participation in equity, I shall ignore this crossing of the floor for the time being. I hope it is not defection.

Madam, on this question of participation in equity, there are two views. If it is a question of compulsion to participate in equity or if any part of emoluments or other income that accrues to workers, or should accrue to workers, is to be given in the shape of participation in equity, there is a feeling that one should be

DG 1978-79-[Shr: Ravindra Varma]

careful that this does not lead to 18vestment in something which may turn out to be a loss. I am sure the hon Member as well as the other Members of the House understand what I mean and it is not necessary for me to expandite on this especially in view of lack of time

Madam, I shall go to the question of victimisation

SHRI DINEN BHATTACHARYA (Serampore) What about the Committee on Price Index?

SHRI RAVINDRA VARMA I was on that perhaps I am sorry, he beaded off the Board Madam, you are very familiar with the Consumer Price Index Committee, as you are with all other committees This Committee worked under the chairmanship of a very distinguished prolessor Prof Rath, and included such distinguished luminaries as Comrade Parvath, Krishnan, a Member of Parhament, and this Committee has con cluded its labours and submitted its report which is under examination by the Government at the moment and as soon as its study is completed, it will be made available to the House

I said that I would so to the question of victimisation to which my hon friend, Comrade

MR CHAIRMAN You ere somglez between Madam and Comrade

SHR! RAVINDRA VARVA The e are both qualities which are co existing and you can't escape from one or the other

MR CHAIRMAN Much to the docomfiture of Dr Subramaniam Snamy

SHRI RAVINDRA VARMA 1 3on \* think. Madam that he would either desire or accomplish a change

MR CHAIRMAN I was only worried about the discomfiture of Dr Subra maniam Swamy

SHRI RAVINDRA VARMA He can conceal any discomfiture with a wnile

Going back to victimisation, I referred Madam, to the circular we had issued and the Government not only declared its policy that there should be reinstalement, but it also wanted that full pay should be paid for the period of the break in service and also that there should be protection of the promotion prospects of the person We set up a special cell in the Ministry here to follow up these cases But unfortunately I have to say that in many of the States the progress has been very slow 1669 out of 5,765 people affected have been reinstated which is a very poor number. We are not complarent in this matter regret that further progress has not been made, in spite of our repeated efforts, and at the moment, Madam, I can say that we are in touch with the Governments of the States which are particularly concerned in this regard to ensure that there is reinstatement as well as that other benefits are made available to them.

SHRIMATI AHILYA P RANGNE KAR (Bombay North-Central). What about Central audit and accounts de nartment?

SHRI RAVINDRA VARMA I have made a note of this I will not rep'r to each and every point, but I will make a note of them I would a ro look to another aspect of the bill 'nat ue would like to bring before Parlia ment You are aware, Madam, that there has recently been a very important sudgement of the Supreme Court on the question of definition of 'indus trs. Apart from the import and implications of this definition of 'industry' to which the Supreme Court judgement referred there have also been demands from many sections of the employees who are not covered by the existing Industrial Disputes Act. We are therefore, very senously think mg of having some provisions or some legislation which will ensure 10b security for even those who are ... act to-day under the coverage of the Industrial Disputes Act.

I would now turn to the question of lock-outs. I have alreay referred to the increasing incidence of lock-outs. My good friend and esteemed colleague, Mr. Chitta Basu refers to the fact that some of these lock-outs are disguised cases of layoffs or closure. And I am sure there are many hon. Members who would agree with him that there are such cases. It is also true that of late, there has been a demand that Chapter 5B which was introduced during the Emergency, prescribing the prior approval of the appropriate Government in cases of lay-offs, retrenchment and closure should be withdrawn. There are demands that this should be withdrawn. Now, in the light of the increase in the incidence of lock-outs, and the manner in which lock-outs are being employed, such a demand becomes a demand that may not contribute to the reduction in problems raised by stoppages of work. 1 am using phrases different from what my hon, friends would use. As far as we are concerned, we are keen that the legislation that we introduce as well as the machinery that we provide should assure workers of employment security. It should assure them of economic security, in the sense of a minimum wage or minimum wages; and the level of the wages being protected against erosion, that there must be a provision for profit-sharing and that there must be social security and safety against hazards and accidents. It may not be possible for me, in the limited time at my disposal, to deat with all aspects of questions like safety and social security. My distinguished colleagues who intervened in the debate, have already referred to the different aspects of the question of special security; but, with your permission, I would like to deal with the question of safety, which is also an important question.

The question of safety in the places of work, is one of most paramount coneen to this Government. Therefore, we refer not only to the question of safety in coal mines and other mines, but to safety in all places of work. One has to take an integrated view of the problem of safety. An unsafe place is no place to work. It would not contribute to health, or safety or productivity—or to eliciting the best from the workmen.

For the moment I will start with coal mines. The number of fatal accidents has been approximately the same, but the number of fatalities in the last year has shown a marked decline. The House would be happy to hear that from 298 it has fallen to 230, a reduction of 68. Of course, we should not have even a single fatality, but an improvement from 296 to 230 is a marked improvement, definitely. And the death rate per thousand employees has fallen from 0.57 to 0.44 in coal, from 0.38 to 0.33 in non-coal and from 2.83 to 2.33 in all put together. I must here point out that, unfortunstely in spite of improvement in many collieries, the Singareni collieries has shown marked increase in the number of accidents. In fact the number there is four times the all India average, and we are therefore paying special attention to improve the conditions of safety there.

Madam, as you are aware, soon after our Government took charge, we called a Safety Conference in which workers' representatives were associated, revived the Mines' Safety Review Committee with increased representation for workers' organisations and took steps to upgrade the level of administrative supervision and responsibility for safety and to strengthen the Directorate-General of Mines Safety, to fill up the posts that were vacant so that the number of inspections may be increased and measures were taken to attract and retain staff of efficient competence in the Directorate-General of Mines Safety and ensure that they are of appropriate administrative levels to deal with the nationalised coal fields.

MR CHAIRMAN Did you implement the recommendations of this Committee you are referring to?

SHRI RAVINDRA VARMA There is a quarterly meeting of this Coro mittee which monitors the implemen tation of these reports

As far as other industries are con cerned you are well aware of the work that is done by the Director General of Factories (Advice Service Labour) Institute I hope I had the time to describe the work of this Directorate-General at length I would wish that the hon Members should particularly take interest in this field and visit the office and the laboratories of the Directorate-General of FASLI for short in Bombay to see that the work that is being done for safety to produce inexpensive implements that can be used inexpensive protective devires that can be used for eyes for the respiratory system for ear drums etc so that at all the places the bazards that our workers face for their health and their safety can he reduced For lack of time I shall not go into these details, but I do hope that the hon Members of this House would take interest in this field of activity, will sometimes acquaint themselves with the work that is being done in this sphere

SHRI DINEN BHATTACHARYA You have to arrange our trip to that

SHRI RAVINDRA VARMA will be done

I shall go to the question of some other special areas of labour I shall begin with plantation labour to which my hon friend Shri Purna Sinha referred I find that even roy taking his name does not make him listen to me He spoke at length about the plight of plantation labour and said that unfortunately the Report has devoted only ten lines to the question of plantation labour I would like to

submit to the House that the number

of lines does not in any way reflect our interest in the question of plantation labour I know my hon friend does considerable work among planta tion labour and he is oulte familiar with their problems. He raised the question of the land man ratio and pointed out the fact that the number of people employed in plantations has fatlen You yourself, madam, are well aware of this problem. I do not think that this question of the land-man ratio is one that can be tackled only by the Labour Ministry There are many as pects of the question including the economic aspect of it the effect on productivity and what not but the main question relates to wages and the statutory provisions regarding housing water supply medical benefits etc Here I must tell my hon friend that t am accepting the suggestion that he made, and we are going to set up a special cell to monitor the implementation of the statutory provisions As it is you are aware that some of these provisions are more satisfactorily amplemented in the south than in the northeast and east If I am not mistaken you madam have had oppor tunities to visit some of these plantations and so you will bear out the truth of what I say in this regard though you are not supposed to speak from there

I shalt now turn to agricultural labour As I said earlier, we had contened a special meeting in this regard to deal with the problems of agricultural labour There are problems to which many hon friends opposite as well as on this side bave referred My distinguished friend who has just come and taken his seat, Mr Shastri many occasions has referred to this problem so also my good friend Mr Lakkappa whom I shall not fail to mention whose example I shall follow and never fail to take his name in season and out of season. The pro blem mainly is not only one of having statutor, minima in wages. You can easily put minimum wages on statute book but it is very difficult sometimes to put them in the pockets

of the workers in the field. Unless the machinery to implement the minimum wages is efficient, unless it is ubiquitous in its presence and efficient in implementation, and unless the efforts made through legislation and the administrative machinery are bolstered by organisation of workers, minimum wages or the passing of legislation on minimum wages by itself cannot solve the problem of our agricultural labour. You are well aware that our Government has ratified the LLO. Convention on rural workers. We, therefore, hope that the Government will be able to play its part in helping all those who want to promote the formation of organisations of rural workers. also hope that it will be possible for us to orient workers' education as well as training towards our rural workers and extend the henefits of social security to agricultural workers and seasonally employed workers in a phased manner.

Now I shall refer very briefly to the question of bonded labour because I am running out of time, and we are on the border of dealing with international matters. On the question of bonded labour. my distinguished colleague Mr. Larang Sai. plained the action that we are taking and pointed out the difficulties in making progress unless we have a method for identifying bonded labour and freeing them and rehabilitating them. In the past, the programmes that were adopted for rehabilitation of bonded labour were within the framework of the existing plans, there were no special provisions. We have begun with a modest token provision of R: 1 crore, which is nothing at all when we want to deal with the question of bonded labour in all its ramifications, but I mention this only to noin! out the fact that we are aware of the need to devote special attention to the question of bonded labour.

Now I shall turn to another question, that of women. I am not suggesting that we turn from one problem to 602 LS-13

the other, from bonded labour to women.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJ-PAYEE): Both are in bondage!

SHRI RAVINDRA VARMA: Niv distinguished colleague seems to think that both are in bondage. I am more concerned with releasing them from bundage than characterising one way or the other.

#### 16.00 Jurs.

My distinguished and hon, friend Shrimati Mrinal Gore, who is not here unfortunately, referred to the question of women and to the working group that has been set up on the question of employment of women. This is a very major question and it has to he teckled at various points. We have special responsibility for the Equal Remuneration Act. I do not want to deal with the various aspects of this question but the provisions of the Act have been extended to almost all sectors of employment, almost 23 sectors of employment. One or two remain and in these sectors also the Act will be made applicable very shortly. have impressed upon the State Goveraments the need for effective employment and to see that the necessary authorities are appointed in terms of the Act and the advisory bodies visualised in the Act are set up. At the central level too, we are setting up a central advisory committee and also setting up a non-statutory advisory committee to advise the Central Goverament on all matters relating to equal remuneration, problems of employment of women and also to deal with the recommendations that may come from the working group on the employment of women. We also propose to convene a conference of the representatives of the State Governments employers' organisations, workers' organisations and voluntary orgamisations of women to take stock of

# [Shr: Ravindra Varma]

387

the situation and to see how we can contribute to the full implementation of the Equal Remuneration Act as well as other schemes necessary for employment and the kind of employment in which women can have preference

श्री हुइम चन्द कठबाय उपाया ने अन्दर सन्यता का नव" कफी सपडा चला हुहै। गुष्त सरदान में सन्यता सिलेडस ब ने में श्रीप मुठकरन जे "है है?

श्री स्वीन्द्र यमां में ने सभी खत्य नहीं किय, उनके वद साप पछ रक्षेत्रे हैं। मवाल का जबाब अपका मालुम है उनके पाद सी युक्तरा सापके पर्वे है।

I wish I could deal with the question of migrant labour My good friend, Mr Mohan Lein referred to the question of migrant labour and particularly dadan labour I am referring the need for immediate action in this regard If I had the time I would have liked to describe to you and the House the harrowing conditions in which migrant labour work, how they are recruited by Sardars without pay ing any money to them, how wages are not paid, how there is no restne tion on the hours of work how they are huddled together like cattle in tin-sheds in places where the temperature is sub-zero and how no kind of emoluments is paid to them directly but unfortunately. I have no time to go into these things But I would like to point out that as a result of the enquiries that have been made and the discussions that have taken place we have decided to introduce a jegislation in this regard which will particularly provide for regular payment of wages that are already agreed to, provision of suitable conditions of work for the migrant workers taking into account the fact that the migrant worker had migrated from a different State with

different environmental conditions to take one of the need for providing protective clothing, etc., supply of free medical facility for the migrant worker so grant of option to the migrant worker to rasee a claim either at the place where he is employed or the State to which he belongs and provisions by the home State to legal aid free of charge to the migrant workers. These will be some of the major provisions in the Bill that we hope to introduce for the protection of migrant workers, otherwise known as dadan labour.

Now, I turn to the question of employment exchanges and overseas employments to which some reference was made by my good friend Mr Lakkappa

SHRI K LAKKAPPA Man-power being sold out

SHRI RAVINDRA VARMA He was rather concerned about the sale of flesh Those who have more to sell should be more concerned I do not know whether I have more or the hon Member has more

As far as employment exchanges are concerned, a number of factors have been brought to the attention of the House in the course of the Question Hour by my good friend Mr Lakkappa as well as by many other hon Mem bers. A question was raised about the number of placements being inadequate A part of the reason for the fall in the number of placements is the fact that a number of vacancies are not being notified to employment exchanges now as a result of the setting up of the Staff Selection Boards in various States and the Staff Selection Commission at the Centre The House is aware that the Government has recently set up a committee to go into all the complaints that have been made about the employment exchanges to see how the employment exchanges can be made more effective and how the practices and laws in certain States

which make it difficult for some people to register themselves or to be placed from the register can be dealt with.

I shall now pass on to the overseas employments to which my hon. friend, Mr. Sudheeran made a reference. I think, Mr. Lakkappa also made a reference to it. So old some other Members of the House, Here, we are concerned with the deployment of skilled, semi-skilled and unskilled labour in foreign countries. I think, it is a good curtain raiser for the debate that is going to follow. We are concerned with the full utilisation of the opportunities for employment in these areas and, at the same time, I am sure, the House will agree that the Government should be concerned with the protection of interests of our workers who are deployed in these areas, the conditions of recruitment, living conditions and the conditions under which they work in these foreign countries. It is this concern which has made the Government to decide that recruitment for deployment of persons abroad should be through agencies that are registered.

We are taking steps to strengthen the overseas employment cell to deal with the various aspects and the questions that have been raised and the committee that has been appointed will also consider whether it is necessary for us to have some kind of supporting personnel either in our Embassies in the form of Labour Attaches or welfare officers attached to the number of people who are deployed from our country in foreign countries.

I shall now refer to a few more points before I conclude lest it be said that I did not deal with them. One is the question about the neces-· sity of a wage policy. There can be no two opinions on this score. There must be a national wage policy. The Januta Party and this Government are committed to the formulation of a national wages, incomes and prices policy. In this context, many references were made to Mr. Bhoothalingam and his committee. I do not say that many encomiums were naid to the committee but many references were made to the committee. No good esteemed friend, Mr. Chitta Basu in his steptorian manner of delivery upbraided me and said that I was retreating and he almost made it look as if I was Wavell-for a moment I did feel for my eye. I know, my good friend does not mean that I am retreating. He is more interested in cautioning me against being compelled to retreat. And I should not take any umbrage at the caution that he gave me, because nobody goes up to a bold cautioning about danger or pull the sacks and kicks at the Board out in ire or anger. I therefore understand the spirit in which my hon, friend has cautioned me against forces that may compel a retreat from the position that we have taken. I can assure him that as far as I am concerned and this Government is concerned, there will be no such retreat.

Now, on this question of the Boothalingam Committee, my distinguished colleague, the Finance Minister, made it very clear that this is a study group and this study group will formulate its recommendations which the Government would consider. It is very wrong to think that this group has been appointed with a view to engender some third of wage freeze. I am afraid. this is looking for a serpent in a rope; it is not the rope; it is the shadow of a rope; it is a figment of imagination.

SHRI CHITTA BASU: You have already issued a directive suggesting that there should be no wage revision.

SHRI RAVINDRA VARMA; This is a mis-statement.

SHRI CHITTA BASU: You please

clarify it.

SHRI RAVINDRA VARMA: This cir cular was quoted, I think, by Mr. Rajan, the other day. It was quoted by my distinguished colleague and friend the other day. It does not say that there should be a wage freeze;

it only says that in areas where there are high incomes there must be a reference to the Finance Ministry and the Finance Ministry's approval must he obtained If your idea is to have come kind of a uniformity-without uniformity there cannot be a wage policy-then it is a caution as my friend has cautioned to ensure that there is no further increase in dis parities. Therefore there is no ques t on of a wage freeze no question of moratorium no question of a blanket These are all apprehensions which are unfounded apprehensions, and as my distinguished friend the Finance Minister has pointed out this "roup will consider not only the question of wages but of incomes incomes of magnets incomes of executives all incomes and therefore it is somewhat outside the field of responsibility of the Labour Ministry

If it was merely a Wage Board or it was merely concerned with the wages the appropriate Ministry to handle it would have been the Labour Ministry But when it deals with all incomes and prices I would be making inroads into other people's domain if I say that this should fall within my domain while I hold charge of the Ministry of Labour

Another question was about homis This is a very fallacious question and like a d ssert I reserve it for the end of the menu Unfortunately or fortun ately this is a question which we have to take up in the light of our own overall view of incomes of labour, wages to which I have referred and this question had been discussed in this House before and in course of a few months we will have to come back to the House on this question So there is no doubt about it I chall not take more time of the House on this guestion There is another point which, if you permit me I would like to refer to in conclusion I should not take more time because the Minister of External Affairs is also Even the comprehensive Industrial Relations Bill to which several Members made a reference would consolidate and amend various ex asting laws like the Industrial Disputes Act Trade Unions Act, Industrial Employment Standing Order Act etc We are thinking of mitiating an exercise for a similar simplification and codification of other labour Iaus in different fields like wages social security, working conditions and welfare etc. An attempt would be made to adopt as far as possible a common definition of term, like wages employers work men etc Today, as you are well aware the same term has different connotations in different laws is not an easy task because each law has its own logic and structure Even so we propose to have a look at this problem and make a serious attempt in this direction as visualised by the National Commission on Labour as well

Apart from codification and simplification of laws on these lines it will also be necessary to examine the extent to which it would be possible to reduce the various registers to be maintained and returns to be submitted by the employers particularly small employers and the relevant labour laws I shall not deal with this question at length But in conclusion, I would like to cay that as far as security and workers' education are concerned, my good friend and colleague Dr Ram Karpal Sinha the other day referred to our ideas on the question of social security, streamlining the various schemes that we have for social security, and our ideas about integration the possible advantages that might flow from the integration of some of these schemes the possibility of extension of coverage of diversification of services of reduction of administrative costs, of im proxement in the conditions of service of the medical personnel and oppor tunities for better career prospects of increasing the efficiency of medical through improving quality as well as the availability

and variety of drugs to which my hon, friend, Mr. Kachwai, referred in the course of his speech.

393

Reference has also been made to our idea that workers' education should be integrated with the national campaign for adult education that is being launched by my colleague in the Education Ministry."

I think that I have tried to cover most of the main points that were raised in the course of this debate....

श्री हुकम चंद कछ्याय: चुनात के मान्यका से मान्यता

SHRI RAVINDRA VARMA: This is a part of the question of comprehensive legislation. Surely I can assure the hon, Member that there will be a suggestion, which will fully meet his point of view, in the Bill that will be brough before the House.

If I have not dealt with all the other questions that were raised, it is not because I do not think that they are important. They are very important; I shall consider all of them, and in the course of the maxt few months, I ghall try to accept and implement as many of them as can possibly be accepted.

Once again, I would like to thank you and the hon. Members who have participated in the debate, and I bope that the House will be gracious enough to pass the Demands for Grants of the Ministry.

MR. CHARMAN: Before I put the Cut Motions moved to the Demands for Grants of the Ministry of Labour to the vote of the House, I would like to know whether any Member is withdrawing his Cut Motion...

SHRI PURNA SINHA (Tezpur): 1 want to withdraw the Cut Motions standing in my name,

Cut Motions Nos. 2 and 3 were, by leave, withdrawn.

MR. CHAIRMAN: I shall now put all the other Cut Motions together to the vote of the House.

Cut Motions Nos. 1 and 4 to 31 were put and negatived.

MR. CHAIMAN: I shall now put the Demands for Grants to the vote of the House. The question is:

"That the respective sums not exceeding fine amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the fouth column of the Order Paper be granted to the President out of the Consolidated Fund a India to complete the sums necessary to defray the charge that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1973, In respect of the heads of demands entered in the second column thereof against Demando Nos, 65 and 56 relating to the Ministry of Labour."

The motion was adopted.

Demands for Grants, 1978-79 in respect of the Ministry of Labour voted by Lok Sabha.

| No. c |                       |   | Amount of I<br>Grant on acc<br>by the Hous |                | Amount of I<br>Grant voi<br>Ho |                |
|-------|-----------------------|---|--|----------------|--------------------------------|----------------|
| 1     | 2                     |   | 3  |                | 4                              |                |
|       | MINISTRY OF LABOUR    |   | Revenue<br>Rs.                             | Capital<br>Rs, | Revenue<br>Rs.                 | Capital<br>Rs. |
| ~     | Ministry of Labour    |   | 13,68,000                                  |                | 68,39,000                      |                |
| 66    | Labour and Employment | • | 11,50,66,000                               | 1,160,000      | 57,53,33,000                   | 8,00,000 }     |

16 20 hrs

\*DEMANDS FOR GRANTS 1978-79

### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

MR CHAIRMAN The House will now take up Discussion and Voting on Demand No 31 relating to the Ministry of External Affairs for which five hours have been alloited.

Motion moved

"That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue

Name of Demand

Account and Capital Account shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President cut of the Consolidate Fund of India to complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1979, in respect of the head of demand entered in the second column thereof ugainst Demand No 31 relating tothe Ministry of External Affairs

Demand for Grant 1978 79 or respect of the Munitry of External Affairs soon wied to the cole of

A------ - C D------ d C--

| Demand | Name of Demand |               |               | Grant submitted to the vote of the House |         |
|--------|----------------|---------------|---------------|--|---------|
| 1      | 2              | 3             |               | 4  |         |
|        |                | Revenue<br>Rs | Capital<br>Rs | Revenue<br>Rs                            | Capital |

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

11 Ministry of External Affairs

18,92,83,000 7,46,98,000 91 61.40 000 12,31,89,000

MR CHAIRMAN Shri Banatwalla, Shri Jethmalan, Frot Shibban Lal Saksena and Shri Sudheeren have tabled Cut Motions to the Demands for Grants relating to the Ministry of External Affairs I would like to know if they are present in the House and desire o move their Cut Motions

SHRI G M BANATWALLA (Ponnam) I beg to move

"That the demand under the head Ministry of External Affairs be reduced to Re 1"

[Increasing number of restrictions being imposed upon presons going abroad, especially to Middle East countries, for employment and the consequent hardships faced by them (1)].

"That the demand under the head Ministry of External Affairs he reduced by Rs 100"

[Need for a Regional Passport Office in District Malappuram (Kerala) (7)]

SHRI RAM JETHMALANI (Bom-

reduced by Rs. 100"

bay North-West). I beg to move
"That the demand under the head
Munistry of External Affairs be

<sup>\*\</sup>foved with the recommendation for the President

[Failure to denounce the Palestinian raid on Israeli territory and the massacre of innocent Israeli citizens including children on March 12 this year (2)]

"That the demand under the head Ministry of External Affairs be reduced by Rs. 100."

[Failure to stop continued interference by Officers of the Ministry with Indian citizens going abroad in cearch of employment , to the total detriment of individual and the country alike. (3)]

"That the demans under the head Ministry of External Affairs be reduced by Rs. 100.12

[Failure to sign and ratify the 1966 United Nations Human Rights Covenants known the International Covenant on Economic Social and Cultural Rights and the International Covenant on Civil and Political Rights together with the Optional Protocol. (4)]

"That the demand under the head Ministry of External Affairs be reduced by Rs. 100,"

[Failure to denounce the continued violation of the democratic rights of the people of Pakistan and the people of Bangladesb and lending international respectability to and thereby perpetuating the dictatorial regimes ruling the two countries. (5)]

MR. CHAIRMAN: Prof.

and Shri Sudheeran are not present. Now, Shri M. Satyanarayan Rao.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO (Karimnagar): Madam Chairman, before I speak about the Ministry of External Affairs, I should pay a compliment to Shri Vaipavee. You know, Madam, that before he became a Minister, he was here with us. He was sitting with us for about six vears....

THE MINISTER OF EXTERNAL-AFFATRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): For twenty years.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: All right, for twen'y years. But for six years be was sitting with me.

As an Opposition leader he was never irresponsible. Of course, there were so many people who were irresponsible-I should not mention their names- but he was the only leader who behaved so well though, wherever criticism was necessary he used to criticise. He was a gentleman to the cadre, no doubt. But, unfortunately, although for one year after he became Minister he was all right and there was no controversy about him, of late I do not know why he is entering into such controversy. Recently he also made a statement saying that Mrs. Indira Gandhi has entered into a secret agreement with Mr. Bhutto. I do not know what was the provation: probably Mr. Subramaniam Swamy was the provocation. I was surprised and many of the Members were also surprised on seeing his statement because, as I have said, he was a very responsible Opposition leader. Similarly, we expected that he would be a responsible Minister of Extral Affairs too, but, unfortunately, he bas said that; he should not have made that statement. There cannot be a secret agreement between two Heads of Governments. Anyhow, it is up to him to prove whether there was any

Today also, when Mr. Lakkappa was putting some question, he intervened and made a very angry statement, saying 'Yes, this is a bomb-shell' and he mentioned Madam's name. You know he was one of the great admirers of Mrs Indira Gandhi. In 1971, when Bangladesh was liberat. ed I think he paid compliments to (Interruptions). Certainly, whenever anybody made a mistake, he used to criticise but, if any good things were done, he used to appreciate also. He admired her and I think he used the term 'Durga Mata'

secret agreement or not,

[Shri M Satyanarayan Rao] or councibling like that In the House le used to prose her there is no doubt about it

Anyhow it is not my intention to drag him unnecessarily into these con troversial matters. But he should not unnecessarily make certain allegations against Mrs Indira Gandhi. There is no problem for him at all Dailywhether it is the External Affairs or Home Ministry or anything else-he always says comething about Indiraji Please forget her and try to solve your own problems This Is not going to pay you This is my sincere opinion und advice to the Minister for External Affairs because he happens to be my good friend He also used to come to my rescue when I was not getting a chance to speak I have great regard for him It is really astonishing and is unfortunate that such a statement should have come from him I would not be surprised if such a statement is made by Dr Subramaniam Swamy, I would be surprised if he did not make such a statement

Now coming to the Demands for Grants of the Ministry of External Affairs it has been mentioned in the report itself that so far as the foreign policy is concerned there is no controversy there is no difference of opinion I would like to read the relevant portion from the report

"While burning domestic con troversies dominated the election, it was noticed both within India and abroad that foreign policy had not been a matter of controversy in the campaign. This was possible because during the years immediately before independence and sub sequently when India played a dominant role in the political process of decolonisation a consensus on foreign policy had developed within the country cutting across party lines Against this background it was only national that on frequent occasions during the months after the formation of the new government, the basic continuity of India's foreign policy was re-asserted in no uncertain terms "

We must pay compliments to Shri Jawaharlal Nehru, the then brime Minister of India, who is responsible for evolving this foreign policy, particularly the non-alignment policy. which has stood the test of time Some people are there who criticise him also for this policy At that time America and some other western countries and people like John Foster Dulles and Dulght D Eisenhower were criticising him for this kind of policy They wanted India to be with those countries From the very beginning it was only Russia who has appreciated our policy Not only has it understood and appreciated our policy, it has also come to our rescue when the need arose We should not be ungrateful to any country, whether Russia or any other country, which has helped us in our crisis For example but for their help Kashmir would have been with the other country There was a lot of pressure of USA and other western countries It was Russia alone which exercised Its veto in the Security Council many times on the Kashmir question. It also came to our rescue when we wanted to liberate Goa The same thing happened during the liberation of Bangladesh while other countries like USA England China and others were as a matter of fact thinking how to cause harm to us and stab us This is the situation. That country has been consistently with us, it has not only appreciated our policies it has helped us in economic and other fields We have so many projects with the help of Russia I do not say that Shri Vajpayee Is ignoring that country or is not anxious to improve relations with that country, but somehow some impression is there not only in Russia but in other countries also that he is not giving due im portance to this country and he is giving more importance and attention to USA and other countries This is rather unfortunate. This kind of impression if at all there is any, should be removed

With regard to our relations with neighbouring countries. Shri Vajpayee is really very fortunate, very lucky. When he became the Foreign Minister, we had no problems with our neighbours. There are no major problems in the world also; there is no tension. There are small problems like the problem between Israel and West Asian countries or some problems are there in Africa, otherwise there is no such tension which used to be there earlier. He is, therefore, lucky in that sense. So far as improvement of our relations with neighbours is concerned. I would like to tell him that it is a test for him. Before he hecame the External Affairs Minister, we were having very good relations with our neighbouring countries, China and Pakistan,

## AN HON, MEMBER: No, no.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: You might have differences but we are having good relations with our neighbours. The only thing is that after you became Minister, you have continued it and to some extent you have improved it. There is no doubt about it and I admit it. I am not a person who will say unnecessarily that you have not improved. You have cone and that is why at the outset I have paid my compliments to you.

No doubt you have improved the relationship. But the real test is that there are two problems confronting our country not only now but since independence. The Kashmir problem is there which has not yet been solved and the border problem with China is the other one. Unless these two prob'ems are solved, your saying that we have good relations with our neighbours and we have improved our relations with China and Pakistan is not sufficient and it is not going to convince anybody. Because of these two problems, at any time there is a danger of a war between these two countries. So, try to solve these problems.

Now you have improved the relationship with China, You say. All right agreed. Recently when a delegation came here from China, we had a talk with fhem. What transpired at your meetings we do not know. But the Prime Minister and you yourself have given an impression that they are also very much anxious to solve the border problem. If that is the case, you should take immediate steps and also, if necessary, go there. Not only yourself should go hut you may send Dr. Subramaniam Swamy to China, There is nothing wrong in sending him. Since you have not sent him, he is angry with you. I will request you to let him go there, but let bim not create more problems. Take some steps and visit that country. Not only you visit but it is better if you also send some Members of Parliament in a parliamentary delegation. There is nothing wrong and that can also improve our relations. The China problem is there and the Kashmir problem is also there and if these two problems are solved, we will have no problem with our neighbours.

Of course, I am very happy that you have entered into an agreement with Pakistan over the Salal project, Nepal Prime Minister also is here and our Energy Minister Shri Ramachandran and the Nepalese Prime Minister have reached agreements over projects concerning the two countries. Anybow, with Burma, with Nepal, with Bhutan with Sri Lanka, with Afghanistan and Pakistan good relations are there. At the same time we must have good relations with the West Asian countries also, particularly, Iran Saudi Arabia and....

#### AN HON, MEMBER: Also Israel.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: Yes, if you want to have some friendship with Israel, there can be no objection at all. As a matter of fact I was also pleading for that. Nothing wrong in it. The only thing is that problems with Israel and West Asian countries are there and President

[Shrt M Satyanarayan Hao]

Spdat also you must appreciate, has taken the initiative and has gone to ternet and had bilateral talks You roust encourage his efforts. If that problem is solved there is nothing wrong in having friendship with Israel also We must see that the problems between them are solved immediately and if any help is required then we should not hestitate to extend that 0218

We are following a policy of nonalignment But that does not mean only keeping quiet whatever may happen in our neighbouring countries Always Panditil used to say that our per-alignment policy means dynamic neutrality Neutrality does not mean that whatever happene in our neighbourhood you must keep quiet If you keep sitent and remain quiet it will affect us. Dynamic neutrality must be mainfained For example take Pakistan I may tell you about Ebutto's death septence China and Arab countries and all countries except India have written to the Martial Law Administrator in Pakistan that this is very bad you should not do at, you should abandon it You say that we do not want to interfere 127777

AN HON MEMBER The matter 1 with the Suprema Court

SHRI M SATYANARAYAN RAO We know what is the Supreme Court and the High Court there?

You yourself say what happened in emergency Now you say about the Supreme Court and the High Court there It you teel that this is not good you think over it. That is what I would like to say

Recently we have improved our relations with Japan Previously unfortunately we had been neglecting Japan for a long tune It is a very gowerful country economically should not have neglected it I apprecrate that Shri Vajpayee is taking

some steps and oconomic and other resettors are being maintained with Japan and South Asian countries.

I would like to warn you about America You see the history of Amenea With whomsoever it was triendly ultimalely it stabbed that country on the back CIA is a very bad agency I must warn you I know your Mrs. Indira prosperation-because G indhe said that CIA has some connection with you that is why you came out with all this There is some misunderstanding. I warn you in your own interest whether it is Januta Party Government or that of the Congress Party CIA is very dangerous, he careful about it

Recently President Carter visited India At that time you thought that he was a good man But ofter his meeting with the Prime Minister, what remarks did he pass? He used nome words-he is cold headed or cold blooded man

You take the case of Uranum supply In your report you have said that they have agreed to release it But in the paper day before yesterday it appeared that they were not prepared to send that They are always interested in their own That is the difference between Russia and the USA I am not saying that you should stop relationship with Russia lou should not neglect a friend who has been belging us in economic and other matters but you should be carefor while having any business with America I think Shri Battacharyya arrees with me

I am glad that you are having some interest in African countries There you are raising your voice about racial discrimination imperialism and color pualism In the case of South Africa you are not saying that it is their in ternal affair and they should try to solve their problems

I come to the passport problem In your report you have also said that this power has been given to the Members of Parliament. You have unnecessarily thrown burden on us. You have created a problem for us. I would like to bring to your notice that there are agents. They are earning lakhs of rupees. They are plundering the poor people. They bring 200, 300 passports and ask us to sign. We cannot say 'no' to anybody. We cannot say whether he is a right or a wrong person. We sign without knowing the consequences, Please see that something is done in this regard. Please see to this difficulty of ours.

I would like to say something about our foreign missions,

About our foreign missions, I wish to say that I had been to Australia and other countries in connection with our Parliamentary Delegations. We have seen the functioning of our Ambassadors there. They have got certain vested interests. These so-called officers are being appointed as ambassadors. Now of course you have appointed Mr. Goray and Mr. Palkhivala-you have changed the policy. But what I say is that you should see that at least a majority of these Ambassadors are from non-officials from this country. This is my request to you. We find that these officers are not up to the mark. It is not only my view but it is the view of those who have visited these foreign countries.

Now my last point is about the Indian Ocean.

Sir, I am happy that some talks are going on between the USA and the Soviet Union with regard to this. This is a very important problem for us. If these big powers are there, it will be very difficult for us to keep peace. There will be war in our next door. And, they are not fighting in their own territory but they are fighting in our territory here! Have some talks in this matter with the littoral coun-

tries like Australia and New Zealand; they are also concerned about it. They are also requesting the two big powers to keep away from the Indian Ocean and to keep it a zone of peace. This is my request.

406

With these words I conclude my speech.

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (अल्मोड़ा) : सभापति महोदय, मैं विदेश मंत्रालय के धनदानों की मांगों का समर्थन करने के लिए खड़ा हमा है ।

सब से पहले में भारत की विदेश नीति के सफल संचालन पर विदेश मंत्री और जनता सरकार को वधाई देना चाहंगा । संभवतः मेरे प्रतिपक्षी मिल ने भी ग्रपने 22 मिनट के भाषण में इस विदेश नीति के संवासन की भरिभरि प्रशंसा की, उनको केवल 2 थाली का ऋफसोस या। एक 'तो यह कि विदेश मंत्री जी ने शिमला समझौते में किसी गुप्त धारा का उल्लेख क्यों कर दिया और दूसरे यह कि श्रीमान मुट्टी महोदय के ऊपर जो पाकिस्तान में कार्यवाही हो रही है, उसके बारे में सभी तक कोई भर्त्सना वयों नहीं की गई श्रीर उसे पाकिस्तान का आस्तरिक मामला क्यों वताया गया ?

इस्त या तो भायद इसलिये कि श्रीमती गांधी और उनके दल को इस वाल का संदेह हो कि बदि कभी श्रीमती गांधी पर कोई कान्नी कार्यवाही इस देश में हो तो विदेशों में उसी प्रकार से आवाज उठाने की की शिश की जाये और उसी प्रकार से कार्यवाही हो ग्रीर उस कार्यवाही का विरोध करने के लिये विदेशों में ऐसे मुंच का प्रयोग किया जाये, शायद उसकी पेलवन्दी आप पहले से करना चाहते हैं

40 7

[310 मरली महोहर विशी] भौर इसीलिए कोई,पैरेललिज्म शायद श्रीमनी गाधी और भी भड़ो ने मामले ने लिए इंडा जा रहा हो इस मामले में बरना तो यह साधारण तीर पर पाविस्तान का ग्रन्दरकी मामला है. इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जिस ममय हम मीमा में बन्द थ श्रीर मानदीय श्रीधनारी का हतन किया गया था उस समय भी विभी राजनीतिज्ञ ने मानवतावश यह पह दिया कि भारतवर्षे में प्रन्याय हो रहा है, लाखो लोगो नो मताया जा रहा है और विसी वैर-सरकारी राजनीतिह मच ने भी रह दिया तो उस समय की सरकार के पेट में दर्द भयानक रूप में उठने लगता था कि यह बयो यहा जाता है और वहा जाता या दि उस तमाम भ्रान्दोलन के बीछे विदेशी। ताकतें नाम कर रही है और उतनो विदेशों दा सहारा मिल रहा है। शामद श्रीमती गापी भीर श्री भट्टो में कोई ऐसी साठ गाट हुई हो कि जब ऐसी चींत हो तो सु मुझे बचाना धौर में बुझे वचाउनी । इससे भाप यह सिद्ध वर रहे है कि वावई में कोई न कोई बप्त धारा शिमला समजीते के समय हुई है । लेक्नि फिर भी उन्होंने विदेश मवालय के कार्यक्तापो का समर्थन किया है। इसके लिये वह धन्यवाद के पान है। ठीव उमी सरह से जैसे कि श्रीमती गाधी ने उस समय यगला देश में कोई ग्रन्छा काम किया तो उम समय हमारे विदेश मती ने क्या कहा होगा, यह तो मैं नही जानता बयोजि में उस समय ससद सदस्य नहीं था. खेकिन यदि बगला देश में शीमती गाधी ने तेत्व के लिये उन्होंने कोई प्रशसा की तो मैं समझता

है कि वह बोर्ड धापनिजनर बात नहीं थी। मदि ग्राष देस चान थे निए नैयार है जि वगला देश के मामने में श्रीमती गांधी की प्रणमा विदेश मनी ने वी तो भाग इन बात ने लिन भी तैयार रहें कि राश्मीर और चीन की समस्या, जिसरे नियं द्वापने उन्तेय रिया है. बह भी श्रीमती गांधी वे स्वनाम धन्य पिता जी की ही देन थी घार उसरी निन्दा भीर भन्मेंना के जिये भी भाषतों तैयार रहता है।

मानतीय संदम्य ने कहा है कि केंद्र र से दो समस्यावें ही ऐसी है, जिनशा निरागरण पर देने पर विदेश मनात्रय को निकट भविष्य में धारा-पान वे क्षेत्र में विसी धन्य समस्या का समाधान करने की जरूरत नहीं होंगी। मैं जनका ध्यान इस और बाक्ष्ट करना चाहता ह कि वे समस्यार्थे भृतपूर्व प्रधान मत्री के जिनने लिए उन्हें यहते मधिन प्यार हैं। जिनके प्रति उनकी बास्या है, पिना जी के डारा ही, देश के भारी विरोध के शवजद, ग्रीर उन की सररार तथा दन के बहुत से साथियों जी राय के विरद्ध जा बर, वैदा की गई थी। उन्होंने ही बावमीर समस्या को जन्म दिया-जा समस्या नही थी. जो ममाप्त हो रही थी, जिसका निरायरण भारत भी सेनावें एछ ही दिनो भीर कुछ ही घटो में बर तेनी, उसकी उन्होंने बनावे रखा। इसने लिये उन्हें साधवाद दिया जाये या उनकी भत्मेना की जाये ? वह धव इस विश्व में गही हैं भीर दिवगनी ने विषय में कुछ वहा जाय, यह भारतीय परश्परा मही

लेकिन में भाननीय सदस्य की भ्राश्वासन देना चाहता हु कि हमें भ्रपने विदेश मश्री के नेत्रत पर, उन की डिप्कोमेसी और नीतिमता पर, देश के प्रधान मधी और जनता मरकार पर और उनके दारा विटेश तीति के अफल मचालन पर, इतना विश्वास है कि ये जी दो समस्यायें हमे विरासन में मिली हैं, वे इन दोनी समस्याग्री को भी शोध्य इल कर देगे।

Affairs

इस बीच में हमारे विदेश मंतासय ने ग्रास-पास के तमाम पडोसी देशों के साथ सन्बन्धी सुधारे हैं। ग्राज से कुछ साल पहले तक अपने तमाम पड़ोसी देजों के साथ हमारा लगडा था। कभी कभी गांव में कोई वृद्धिया श्रीरत होती है, जो किसी भी पड़ोसी ने साथ ग्रच्छे सम्बन्ध नहीं रख सकती, हर एक को टोकती रहती है. हर एक के साथ सडती रहती है, जहां कोई सगडा न हो, वहां भी वह खोज खोज कर लड़ाई के लिए कोई वात निकासती है। ग्राज से कुछ साल पहले हमारे देश की भी बढ़ी दणा थी जिस देश के साथ कोई झबडा नहीं था उसरे साथ भी सम्बन्ध अच्छ नहीं थे। हमारा कोई भी पड़ोसी देश हमसें सत्त्य्ट नहीं था। हर एक पड़ोसी देश हमें आशंका और डर से देखताथा। हर एक पड़ोसी देश के साथ हम जगडे के सम्बन्ध स्थापित किये हये थे।

लेकिन यह सौभाग्य की बात है कि अब पाकिस्तान के साथ हमारे सम्बन्ध मध्र हो रहे हैं। बंगलादेश के साथ फरक्का का मामला श्रीर सीमा-विवाद हल किया गया है। आज-कल हम देख रहे हैं कि नेपाल के साथ हमारे कई प्रकार के बादान-प्रदान हो रहे हैं। नेपाल ग्रीर भारत के गासन ग्राधिक तथा श्रन्य क्षेत्रों में मिल कर काम कर रहे हैं। इससे हमारी विजली की समस्या हल हो जाएगी ग्रीर नेपाल का ग्राधिक विकास होना । थीलंका के साथ भी हमारा ग्रादान-प्रदान हजा है। और वर्मा के साथ भी हम आपनी समस्यास्रों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने ब्राखासन दिया है कि वे भारतीय मूल के निवासियों की नागरिकता के सवाल को जीझातिसीझ हल करेंगे 1 हमारे राज्य मंत्री विवतनाम गये थे ग्रीर हमने उस देश के नाय 80--90 करोड़ रुपए का समझौता किया है, उनको सहायता दी है और उनके साथ तम्बन्धों में एक नवा अध्याय शुरू किया गया हे ।

अभी होल ही में दुनियां के फई देशों के शासनाध्यक और राजनीतिक इस देश में शाये। वे शास्तवर्ष के साथ अपने सन्वन्धीं को बहुत मधुर, स्थायी श्रीर स्थिर बनाने के लिए संकेष्ट हैं श्रीर हम उनके साथ बराबरी के आधार पर आदान-प्रदान की प्रतिया में भाग ले रहे हैं।

मानवीय सदस्य ने कहा कि हमें डायना-मिक न्यूट्रेलिटी, गत्यात्मक गुटनिरपैक्तता, अपनानी चाहिये। में समझता हूं कि हमारी गुटनिरपेदाता गत्यात्मक होने के साथ साथ वास्तविक भी होना चाहिये। हमारे विदेश मबी ने इस गुटनिरपेक्षता की वास्तविकता को ग्राधार दिया है। अब हमारी न्युट्लिटी केवल डायनामिक ही नहीं है, बल्कि रीयल भी है। पिछले दिनों में पूछा जाता था कि रीयल नान-एलाइनमेंट न्या हीती है--- फकत नान-एलाइनमेट होती है। घगर किसी को रीयल नान-एलाइनमेंट समझ मे नहीं श्राती है, तो फिर फकत नान-एराइनमेंट भी हमारो समझ में नहीं श्राती है। फ्रोनली नान-एलाइनमेंट क्या होती है, उसका मतलब क्या होता है?--एक बार रूस को गाली थी श्रौर एक बार ग्रमरीका को गाली दो; एक पांव एक शव पर रखो, और दूसरा पाव दूसरी नाव पर रखो, और वे नावें चलती रहें, तो वह गत्वारमक न्युट्लिटी है । उसमें कोई गत्यारमक न्यदलिदी नहीं है । उसका कोई मतलब नहीं है। खदही इव जायेंगे।

दुनिया में अगर इस वारे में किसी को सदेह यह, दो बहुँ हूर हो गया है। जीगों में कांध्र मकट की भी कि श्री अदल विद्वारी हाव्ययेथी विदेशी नीति से फणेश्रार हो गये हैं, बहु बड़े संबन्ध फिल्म के, बहुत शाबिनिस्टिक फिल्म के ब्रायमी हैं, उस राष्ट्रकारी है, क्या है, बत्त मही हैं, फिल्म बला की ही अपने देखा कि आपकी वह सारी आपका में निरोक्षात हुई। एक खुत ही 'स्वाभियातेंं मिरीक्षात हुई। एक खुत ही अपनेवातेंं के स्वाप्त की स्वोध्य की स्वाप्त में देश की विदेश सीति को स्वाप्ति कि स्वाप्ता है सीर बारे विद्मांडन में मार्ति की स्वाप्ता के सिए सीत खुत सहसे मारतवर्ष ने सीत कि सार बीत सुक्त सुक्त सारतवर्ष ने सीत [डा॰ मुरली मनाहर नामी] ने मारे विश्व म शान्ति ग्रीर स्वाधित्र की स्थापना र लिए भारत की विदेश नीति मक्षम है और उमर निर्प्रयत्नगील है।

प्रमुख्यार निर्देश की जा मधि है उसके बारे में भीर भणु अस्ती के बारे म एक बहुत ही महत्त्वपुणं ग्रीर बहुन ही ठोम रदम उठावा गया है। गापद पहली बार इननो बहादरी न नाथ और इननी सामगोई र याथ ये पानें कही गई है कि हम ग्रमु प्रमार निपेध मीनि पर दबाहरूनाथर नहीं कर नहें हैं उसके पीछे त्या बारण है ? आज जा बड़ी ग्रा प्रक्रिया है उन्हों हमने भान मन्तव्य में गित्रत साफ-नाफ समना दिश है और साज उसका जितना र्याधक एप्रिमिगशेत है याज जितती संधित उसके बारे में पणमा है मैं समयता ह कि यह शायद विश्व म कभी नहीं थीं। में समझता ह कि प्रथमी जिडेन मीति में हम त्रोय इस घोर पहल बनवान में मान हाने कि गुपर पादमें पड़ी मिल्या जो मणु मिल की ठैकेंदारी करना चाहनी हैं जा भणु भन्तों की होड को जन्द नहीं करना चाहतीं, मायद विभी एक मभय-बद्ध बार्यक्रम के प्रत्मार उन्हें हम ग्रण अन्ता ने प्रसार पर रीक नगवा सकेंगे श्रीर जी तयाम इतिया म अन् अन्तो का निर्माण है उमको बन्द भी करता सकेंगे। मैं निवेदन करना चाहता ह कि विदेश मती जी में कि वह इस थोर बहुत सनिय रहें और सनने रहें बयोबि यह अण प्रस्तों के प्रमार का निषेध हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस ग्रम नीति हे मचालन मभी मेरा ऐसा विश्वास है वि वह बहुत ही ब्रापता र माथ इस और बदम उठावेंगे १

हिन्द महासागर और अफ्रीजा के श्रम की समस्या पर हम ने यहत ही यथार्थश्राती दिष्टिकोण ग्रपनाया है। मैं इस बात के लिए भी बाद को वधाई देता ह कि बाप ने बार- बार इस नीति को स्पष्ट दिया है कि आप हिन्द महासागर में तिसी भी पंचार के विदेशी ग्रइडे की नहीं महन करेंगें।

यतीरा रा धग एवं बहुत ही विस्तादक स्विति को जम दे गरना है। यह कहना वडा वटिन होगानि स्नाज बहासक चीज वितर्व शात हो गई हैं। उन घार पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए । मारा वे प्रस्तिव ने निक्र भारत के तमाम ग्राविश ग्रीर राजनैतिर हिनों के निए धारस्यर है कि धर्मारा में भावि स्वापिव हो सौर स्राप वहा जिए प्रशास की केंद्रिका सचा का बाद रहे हैं वर मसहनीय है। बरादनों ने घाप वो मैती है जो बरतक्त है और और पुष्ट हुई है। वहां पर जो बर्ज-समर्प है उस में जो ग्राप ने रूप निया है और जिस प्रशार से बाप से खेंने माना में यह बहा है कि राडेकिया की समस्या में ग्रीट शास्त्रवाना पड़ेगी तो तर प्रशार से यायिक ही नहीं भामरिक तौर पर भी उस की सहायता करने के निए हम सकर रहेंगे, यह एक मन्त्र यहाद्शी का वस्तुव्य है और भारत के उद्देश्यों को, भारत की विदेश नीति ने महो तो बहुत साम नरने बानी चीत ŧ,

Min of External

Affairs

विदेश व्यापार भी विदेश मीति से सम्बन्धित रहता है भौर हम ने देखा है कि इस बर्ष भारत ने निदेश व्यापार में क की सत्तन भाषा है। जनमें कुछ ऐसे मुट्टे जनह कर गामने बाए हैं, जिसने हम यह बाशा बरते हैं वि स्वायित्व के साथ हमारा विदेश व्यापार बडेंगा घोर एमे अवेक दिपनी नमशीने होवे जिन स हवारे द्यायात निर्वात की स्थिति ठीर होगी भीर हो रही है। जिस प्रकार से बाबिक्त प्रतिनिधि महल इधर से उधर जा रते हैं जमनो देख बर यह सगता है कि निरेश नीति का परिणाम हमारी मारी व्यापारिक गतिविधियो पर पड रहा है और व्यापारिक गविविधियों ने वह हमारी सारी ग्रीधीगिन गीतिविधियो पर प्रतिविम्त्रित होगी । स्वामावित है कि इस तरह देश के ग्रायिक विकास के लिए भी हमारी यह जनना सरकार नी विदेश नीति सहायश होगी ।

ग्राप ने पास पड़ोस के देशों के प्रति जो ग्रपना रुख रखा है मैं समझता हं कि वह भारत की प्राचीन विदेश नीति की परम्परा में है। मेरे वहत से मिन्नों ने यह कहा कि भारत की इस नीति के लिए जो बाज की नीति है, हमें जवाहर लाल नेहरू जो का ग्राभार प्रकट करना चाहिए, उन्होंने इसका सूत्रपात किया । में समझता हूं कि यह कहना कि उन्होंने ही सुतपात किया यह सो कोई बहुत ठीक बात नहीं होगी । भारत की विदेश नीति परम्परा से यही रही । हमारे विदेश मंत्री ने उस नीति की, भारत के जीवंन दर्शन को, भारत की जो एक जीवन की फिलास्फी है उसको प्रक्षेपित करने का अवस्न किया है । भारत ने बहत पहले यह कहा कि--

# एक सब् विश्राः बहुधा वदंति ।

यानी अपने विरोधी को, जिस का हित हम से विलयुल विरोधी हो, जिस का दुष्टिकोण हम से विलक्त विरोधी हो, उसकी वात को भी सुमना चाहिए, वह भी सच बोल सकता है, उसमें भी कोई न कोई तथ्य हो सकता है, उस को एप्रिशिएट करना चाहिए, उसकी समझने की कोशिश करनी चाहिए । जो दूसरा प्रतिपक्षी है जस के ऐंगिल श्राफ थाट को देखना चाहिए, उसको समझने की कोशिश करनी चाहिए । इस देश का दार्शनिक स्तर यही था। इस ने हमेशा ग्रपने जीवन दर्शन में, श्रपनी सम्यता में, श्रपनी संस्कृति में, श्रपने पहोसियों से ग्रपने संबंध में इस श्राधार पर ही चर्चा की कि हां, यह भी ठीक कह चकते हैं। उनका मन्तव्य भी सही हो सकती है, उस में भी दम हो सकता है, उसमें भी कबन हो सकता है, उसलिये उस को देखने की कोश्चित्र होनी चाहिये । इसलिये सहिष्णुता, सहग्रस्तित्व समन्वय-में तो भारत की प्राचीन परम स है विकले हैं. हमारे सम्बन्ध इण्डोनेशिया से लेकर ईरान तक ग्रीर वेबीलोन से थे. दिमश्क से ये और ग्ररव देशों से थे, मैंक्सिको से यै । उन आरे सम्बन्धों में भारत के व्यापारिक सम्बन्ध थे ग्रीर सांस्कृतिक सम्बन्ध थै। भारत ने कभी

जोपण नहीं किया । साम्प्राज्यवाद में विश्वास नहीं किया । भारत के द्रधिक शवितणाली होने के बाद भी, सामरिक दण्टि से. नासेना की दुष्टि से, ग्रह्य-ग्रायुधों की दुष्टि से, सभी प्रकार से गाकार में बड़ा होने पर भी, हम ने केवल यही कहा कि हमारा उद्देश्य इस मानवता को ग्रवने ग्रनुभवों से परित्रित करना है-

Affairs

एतहेश प्रमुतस्य सकाशद् अग्रजन्मनः स्वं स्वं चरितं शिक्षरन पथिन्यां सवं मानवा: यह था--- जीवन दर्शन । केतल इस कारण से कि इस मन्त्रताकी श्रृंखला में हम एक या दो दिन पहले चा गये हैं तो जो हमारे पास अनुभव है, उसको हम भारे विश्व में विवस्ति -करें. सब के साथ मिल कर उसकी श्रेयर करें, सहभाग के साथ, सहिष्णता के साथ भीर सहयोग के साथ । सहयोग, सम्पर्क. सहग्रस्तित्व ग्रीर सहिज्यता-ये भारत के जीवन दर्बन की देन हैं. जिस को हम ने हर जगह जवारा है। भारत ने इस बात की मान्य किया कि यह फिलास्फी केवल पुस्तक लिखने की चीज नहीं है ....

MR. CHAIRMAN: You should try to conclude: your philosophy will help you to do so.

डा॰ मुरली मनोहर जोशी : हमीलिये शक्ति सन्तुलन की नीति, वैनंस आफ़ पावर इस पर विदेश मीति की आधारित न करते हुए विदेश नीति को प्रजेन जास्त्र देने की कोशिश की गई। में समझता हं-दर्शन बास्त से बाप को कोई एलर्जी नहीं होती चाहिए। यदि है तो इस में मेरा कोई दोप नहीं है, कभी-कभी हो सकती है।

MR. CHAIRMAN: I was only trying to point out to you your philosophy and asked you to cooperate.

डा॰ भरती मनोहर जोशी : हमारे विदेश मंबी ने, हमारी जनता सरकार ने, इस जीवन

दर्शन की जो परम्परा से भारत का जीवन दर्शन है. उसका विदेश नीति वे क्षेत्र म प्यवहरति करन ना एक उपप्रम निया है श्रमी थीगणेश है एक वर्ष हथा है, लेनिन मझे बहत सन्तोप है घोर समाधान है वि इस नीति वा वरी वृणलता मे ग्राप न सचालन क्यिं है।

ग्रव केवल एक ग्रन्तिम बाउप निवैदन ररना है कि जो हमारे ग्रधिकारी ग्राज विदेश प्रचार विभाग में और विदेश प्रसाशन विभाग में नाम करते हैं जनका पुनवियास निया जाना चाहिये । भारत के सरी स्वस्य का परिचय विदेशा के सागरिका का. विदेशा क भद्रिजीविया को करवाना ग्रावश्यक है। माखा नेवल साजनहत और कोणावं ही नहीं है भारत नेवन ग्रजन्ता और बृत्व मीनार ही नहीं है भारत का जीवन दर्शन भारत का विज्ञान, भारत का खाद्यात्म, भारत का सहमस्तित्व भारत की विविधता. भारत की भाषायें --- इन सब के बारे म विदेशा म जानकारी कराना यह हमारे विदेश मचार विभाग का परम वर्त्तन्य है । मेरा निवेदन है--ग्राप इस आर भी ध्यान दें।

इन मात्रा के साथ इन ग्रन्दानी वा पूरा समर्थन करता ह ।

SHRI BEDABRATA BARUA (Kahabor) It is a matter of satisfaction that the foreign policy has been taken to be the continuation of the country's foreign policy the outcome of certain geopolitical realities and the Foreign Minister and the foreign ministry had been saying that this country would follow the policies enunciated earlier As they have stated that was not an election issue. There were certain apprehensions about the sea-change in India's foreign policy to the detriment of 'he interests of the country, more so when Mr Vajpayee with all the views he had expressed earlier had come to the stewardship of this ministra, it was expected that he would be like a bull in a China shop and distort everything and would disturb our relations with all our friends without making the enemies more inclined towards us We are happy that this has not happened because it is not a question of having a sigh of relief, it is a national question and it is a good thing that it has not happened. I think we should continue with certain major policies that have been continued I should like to say that first of all there are certain inevitabilities like our South African policy, policy with regard to Namibia or Rhodesia-they remain. We can be a hit more tough with reference to this. Then there is the question of relations with the USSR which other speakers also referred to It is good that we have maintained our good relations it was expected that these relations would be disturbed

17 hrs.

Not in the interest of USSR but in the interest of our countra, we need to maintain the closest relations with the USSR, not only because USSR was of help to us, a persistent and close friend to our coun try but also because USSR had something to do with our economic development and the USSR also had the same experience that we had USSR had no conflict of interests have no bilateral problems with the USSR and the USSR is a super power. and our long term interests appear to be similar, our security and our de velopment are closely related to good relations with USSR I had some doubts that the Government may because of certain prejudices or pressures, deviate from the po which r ould Ъe trous for us because this would lead to a situation where this country may find itself friendless so far as our security problems are concerned Although things have improved very much-not because of the Party but because of the situation as

it is such-I will give the Janata Party certain credit for improving the relations with our neighbours-I think this security problem will dog us and we can never depend on the smile of any of our neighbours, whose intentions alone could not be a justification for relaxing ourselves. I am also glad that in our relations with the Arab world, there is some significant change in the policy of the Government, but I do not think that they are basic changes, but there are changes. would like to reiterate on behalf of tmy party that the Government must continue to support this policy and that any settlement in the Arab world must be acceptable to the Arabs and the Palestinians and so long as the Arabs and the Palestinians do not come to a settlement, we should not back other reactionary forces that are operating in that area disrupting the world peace.

It has been claimed that our relations with USA has improved. There is no doubt that it has improved, iuspite of the irritanta which the USA is capable of applying almost all along the line the irritants are there, they are not as big as the presence of the Seventh First and the famous Nixon tilt, but ail the same the irritants would be there. The Foreign Minister knows well that on Tarapur, under the shelter of the Nuclear Regulatory Commission, they are delaying a matter which should not have been delayed, which was their commitment to this country. These irritants appear to be part of the US policy towards our country. I think it is mainly because of their global commitments and their relations with the people around us, which we do not expect to change easily, nor do we want them to change, But I think it is more so due to the US refusal to recognise India as an important power in the world. I do not mean that India should strive to be a super power, which it is not and whatever little options we had about being counted as a nuclear power, we have abdicated and I am sorry to say While the nuclear explosion is 602 LS-14.

essential for taking the country into a Nuclear Club, I do not mince words in saying that India by her status, by her geography, by her position, by her population deserves to be a member of the Nuclear Club. But now the US position is that India's arms can be twisted, but not China's.

Why not the same position be taken in regard to China? They have reconciled themselves to the Chinese nuclear exlosions and nuclear weaponry. but not ours. Not only that President after President, the Senate and all power complexes in the United States have taken the position that India has no right to even peaceful nuclear development. A member of the Nuclear Regulatory Commission bas gone on record saving that the best way to twist the arms of a country like India without mentioning India is to refuse supplies of even essential costly electricity producing plants. The idea is, even with Tarapore, they would play politics. They would try to pressurise us even when it is a mere electricity producing plant. These are facts which we all know. I would be the last man to say that we should have no good relations with USA. USA is the biggest power in the world. It is a military power. It is an economic nower It has a dynamic society and excellent people. That does not mean that even if they would not accept us as a country worthy of the respect due to us, we should cringe. What is really bappening is, we have given a guarantee about explosions. Attempts have been made to slur over one fact. I do not think the word 'guarantee' has been used, but no explosions means, you will not be considered a member of the nuclear Club. In 1974. the world press said, India was a member of the nuclear club. After the Bangladesh war, after the removal of the constraints that were built around our country by the machinations big and small powers, India leapt into an era of comparative freedom from the world powers, pressures. Our Government took advantage of this

#### [Shr; Bedabrata Barua]

situation to go shead. It was the age of Arvabhatta We launched the space satellite after the Bangladesh war we had the nuclear explosion and we in tegrated Sikkim Unfortunately the Prime Minister does not see the signi ficance of this integration in terms of our position in terms of democracy in terms of progress and doing away with that obsolete protectorate status that Sikkim was supposedly emoving We have not today into a notition in which because of the United States commitment they would pressurise We have made concessions with out achieving anything. I can see the possibility of the U.S. Administration finally announcing that 75 tonres of enriched uranium would be supplied a week before the visit of the Prime Minister And we would look sheep ish and obliged that they have made the concession. It may be their style I do not know

So far as our neighbours are con ceroed with Pakistan we are glad we have been improving relations. With Bangladesh bilateral issues appear to have been solved With Nepal Bhu tan and Sri Lanka our relations are improving But in spite of that may I say that my party feels and I feel that we are adopting too much of non interventionist policy to the extent of being blind to the emerging forces around it is not only the govern ments of Bangladesh and Pakistan that we are friendly with it is also with the people I will not dilate on what has happened to the patriots of Bangladesh who took shelter in our country I do not have the time But about the immediate issue of the pos sible execution of Mr Bhutto with all his defects represented the people against military rule I would like to say something The Janata Party is mommitted very much to h berty I do not see how and when the world is speaking out for fear of being called intercentionist the Gov ernment has kept a very great silence This is not the way to foresee events Mr Bhutto dead or alive is going to

rute Pakistan I have no doubt about it This Is the same with Nepal We do have good relations with the Aing of Nepal But they are all emerging forces with which our equations have gone down I am sorry to say I would take to know from the Foreign Minis ter—I hope he would reply he has been making allegations that the for mer Prime Minister had entered into a secret clause in the Simla Agreement

Stirl ATAL BIHARI VAJPAYEE Secret understanding

SHRI BEDABRATA BARUA secret understanding And Mrs. dira Gandhi has denied it Now Mrs Gandhl can deny it It is not for her to prove it But we as the people of India and I would include people of Pakistan are not entitled to know as in what really happened. When the Government makes an allegation when the Foreign Minister makes an allegation at must have a basis We are entitled to know as to whether really our leaders in those days heads of the Government in those times really entered into understandings without the knowledge of the people of the sub continent

DR SUBRAMANIAN SWAMY (Rombay North East) It is a surprise what they did

SHRI REDABRATA RARUA hope he will make the issue clear and let this House know in the first ins tance about what actually bencened We welcome the developing relations with all those other countries-Burms Vietnam and Afghanistan About Burma I am very glad that he made a visit to Burma Burma is neighbour to India Burma is suffering from insurgency from all sides I am of taid even after getting our help and I think insurgency in Burma is vers much related to insurgency in tad ? and other places It could have a very deep projection into our country's future so far as the eastern area is concerned and India should be able collaborate with Burma and it is the

Affairs

test of Chinese good intentions whether they would object to this type of a thing or not. As to whether Burma would be agreeable, I have no doubt that the Burmese would like us to help putting down the insurgency. But at the same time they would not dane to do it because of the fear of China. Since we are improving relations with China, I hope the hilateral problems would be solved. Unless they are solved, our security problems will remain. Our security problems cannot be solved unless we have got firm friends, I don't consider USA as a friend as far as security problems are concerned. It could be a friend in economic matters. When the multinationals would like to come, they could he very friendly. And I do not envisage any situation where India finds things much different from what they are today. We do not have any other effective friend except the USSR. I would say that these frozen postures could be defreczed. This is the right time. I hope China may respond, I also hope that in Asian matters, matters of Asia where we have been taking a back seat, our government will take more interest, our country will take more interest with all this foreign exchange advantage we need trade. Even there the European community today is following a strict'y protectionist policy. In fact, they have become more protectionist than in the nast. We have to face the situation that with all the goodwill that they have shown to get into our country and start companies without possibly any capital sometimes, they are not prepared to purchase goods that are produced by our factories.

India had a great time, as I said when we liberated Bangladesh, when we exploded the nuclear bomb, when we transformed Sikkim from a Pro tectorate to shared citizenship with the people of India and when we hat Arnabhatta hovering ever as as a satellite. I hope all these gains would be remembered and the Government will continue to assert its independence, not the type of kow-towing-1 know it is a strong word, but I am advisedly using it-to the United States who have been trying, in spite of our concessions, I think it is a very major concession which hurts our selfrespect that this country would not go io for nuclear explosions without explosives, you cannot any nuclear development, even if you don't have the bomb, After that also, we find that they are more inclined to twist our arms. Is it because Government has shown some weaknesses, or because Government of India has become weaker? I would like Government to take a strong stand in this respect, consistent with our seif-respect and dignity.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SAMARENDRA KUNDU): Mr. Chairman, Sir, It is my great privilege to participate in this debate on behalf of the Government for the first time. My burden has been very much lessened, because what I find is that there has been a great deal of praise for the foreign policy which this Government has pursued.

HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad); Others have not spoken yet.

SHRI SAMARENDRA KUNDU; I have found it to be so, far I know Mr. Kamath will be very critical.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: It will be constructive criticism.

SAMARENDRA KUNDU: SHRI Mr. Kamath belongs to the Janata Party. With all love he says this, of COURSE.

I will touch on some of the aspects of our foreign policy, as my esteemed colleague Mr. Vajpayee will deal broadly with it, while replying the debate, I remember, Mr. Chairman [Shri Samarendra Kundu]

423

Bir, how eye-brows were raised by some persons and parties, when the present Government assumed power last year, and some people said that India would end up as a quasi satellite of some Super Power and that it would heavily lean to one side-like the leaning of the Tower of Pisa, we were particularly told that in West Asia particularly, we would falter and flounder, and that our neighbours would not be kind to us I am happy to say today that all these have come day-dreams. We have not only emerged from the fire, but have emerged unscathed And I am proud to say today that India's prestige in the international arena is sky high This is the impression I got after my trip to the West as well as to the East, and also after a short visit to the UNO I am happy to convey my impressions to the hon Members.

The Janata Party which was voted to power by an over-whelming public opinion in the March miracle has, in the past one year, followed a foreign policy of genuine non-alignment, and under the new, dynamic dimensions of this policy all the cobwebs of contradictions have been removed. We have vigorously pursued a policy of genuine non alignment under which we have judged various issues strictly in the basis of ment, and in accordance with the UN Charter The basic premises of our policy have been to save mankind from the danger of nuclear war, halt the arms race, ensure the elimination of force or threat of force safeguard the sovereignty of nations and to follow a strict policy of non intereference in the internal affairs of other States and to avert or stop conflicts. In spite of all this I am sorry to say it is a tragedy that some leaders belonging to some opposition parties refused to be guided by reason and see the light and go on accusing us, whenever they get an opportunity, of being subservient to some super-power They are as

blind, I am sorry to say, as the four blind men trying to identify the elephant

SHRI IIARI VISHNU KAMATH Six blind men

SHRI SAMARENDRA KUNDU Two more are added

Sri Barua, while making a very good speech with a whole lot of constructive suggestions, said that should not take a back seat in Asia I can assure Shri Baura that we are not going to take a back seat in May I say that we have at long last, under the Janata Government, begun to take concrete for strengthening our ties with countries of Asia and South East Asia We have realised that this region, with which we share many cultural values and with which we had a long history of spiritual and material inter-action, must receive high priority and a place of its own in our think-We have decided to impart fresh vigour to the existing point of contact as well as develop new areas of understanding and co-operation share the same aspirations and, to the extent that our problems are similar and we have common elements in our cultural ethos, any exchange of experience between us can only be a valuable contribution to the process development

Let me hasten to add that we are conscious of the fact that our resources are limited We do not begin with illusions. We are not in a position to launch a massive programme of aid, but we are keen to build ties of mu tual beneficial co operation on as wide a horizon of human endeavour as possible I would like to add that in line with the world trends, there is consciousness of the importance of regional and sub-regional economic cooperation in this region To my mind, regionalism or sub-regionalism do not militate either against nationalism of against internationalism We appreesate the legitimacy of this new urge,

which is manifest even in the ASEAN. which we have welcomed and supported. I hope you will appreciate this is the point of view which my Ministry holds.

In our dealings with South East Asia, we are prepared to co-operate not only bilaterally with the countries thereon but also institutionally with groupings as ASEAN. We are convinced that ASEAN is an instrument of economic co-operation not a military alliance. However, this does not mean that we have any desire to joint such groupings as members. In fact, we cannot, if the memhershin is strictly limited to the South-East Asian countries. But we do hope that the whole of South-East Asla will come within the compass of such a grouping, so that the region can have a new accretion of strength, a new sense of solidarity and can add a new dimension to inter-State relations by creating ties of economic inter-dependence among them, and thus pave the way for harmonious and friendly cooperation, which is more than peaceful co-existence, We do not want to live in the "peaceful co-existence"; we want to look beyond that.

Our support to economic co-operation in South-East Asia does not any way detract from our vision Asian solidarity. We are detrmined in our own humble way to protect, as possible, Asian personality, far as which was unfortunately forgotten during the last many years. national movement contributed to the concept of Pan Asignism and was in turn enriched by it. Unfortunately, Asia, the most populous continent and the cradle of ancient culture and civilication, has lagged behind the crystallisation of a regional ethos. This may be due to the fact that we are a heterogeneous continent, hut it would be a betraval of our Asianhood if, engaged in the task of national development of building subregional or regional ties, we are to lose sight of our Asian personality. I hope all the Members will bless us so that this Government will have adequate strength to building up the long-cherished Asian personality.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Indian personality also.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: Without Indian personality. there cannot be an Asian personality. You know that, you have told us so many times for the last 30 years and taught us also.

However, we cannot hope that the continental edifices of Asian co-operation would be constructed overnight or in one big jump. We have to make a beginning each State in through bilaterial and sub-regional co-operation in our immediate neighbourhood. Once sub-regional groups sprout, take shape and acquire in various parts of Asia, they will have mutually beneficial interaction with each other, and I am convinced that in course of time these will come together in one form or other and ioin hands to form an Asian cooperation stretching from one of the continent to the other. That will be the dawn of the Asian personality which will be a factor of international life, a force for peace and co-operation and a synthesis of the great values that originated in Asia and have today become the common heritage of mankind.

SHRI G. M. BANATWALLA (Ponnani); The statement should be laid on the Table of the House.

SHRI GAMARENDRA KUNDU: Ultimately it will be laid, and you can read it when you go back to your

Shri Banatwalla perhaps knows that I had visited Vietnam as the leader of the economic delegation, and I can say that I have come back enriched with a lot of goodwill which the people of Vietnam repose in the people of India. It was a very successful trip. This shows that we have widened our contacts in Asia. We have earned a very good friend, Viet Nam. For a humble man like me, it was

### (Shr) Samarendra Lundu]

an extremely good gesture for the Prime Minister of Victnam to walk down all the steps of the Presidential House to embrace me It is because we said that it was our moral duty to go to the help of the Victnamese people to heal the wounds of war Not only dld we say that we also proved it Later the Prime Minis ter of Vietnam came and visited We proved it through the us here small steps that we took Alt Members know that I do not want to dilate on that point

I am really amazed at the pragma tism of the Vietnamese people I can tell you a story I hope the Mem bers would love to listen to it I was accompanying the Prime Minister of Vietnam at the Taj Mahal at Agra Somebody in the delegation recited an Urdu couplet and the Prime Mi nister wanted its translation 11 was translated 71 see that this Tal 304 Mahal has been built with the tears and sweat of a lot of people Naturally 1 thought that a Communist Prime Manister would ctap But you know what he said He said that without love this monument cannot be built So I only appeal to my CPl friends particularly to understand this prag matism that has been developed in this part of the world

During this period cultural agree ments have been signed with That land Malaysia and Vietnam and our maritime boundary with Thailand and Indonesia has been finalised Our trade our cooperation in the field of industrial development education and culture with the South East Asian countries has shown a measurable in crease The process I am sure with gather momentum

Mr Chairman when you were there on your seat you so kindly referred to non alignment You said that non alignment is not meant for keeping quiet I can assure you Mr Chair man that we do not believe that non alignment is non involvement. We

do not believe that non alignment is neutralism and if anybody has given a concrete shape to this idea that non augument is not neutrality, it is the Janata Party by pursuing a dynamic non aligned policy

Min of External

Affairs

The hon Members would receall that within hardly a fortnight taking over relny of office the sanata Government hosted the Conference of Foreign Ministers of the Coordinating Bureau of Non aligned countries The Conference served to reinforce India s commitment to the poticy of non alignment which been the corner stone of our foreign policy since Independence For India other non as indeed for all the aligned countries the policy of non alignment flows from our struggle for freedom from colonial rule. The policy le inspired by the ideals of our freedom struggle and reflects the desire of our reople to preserve com plete independence based on our national niterests and independent judgment of International Issues their merits without being influenced one way or the other by outside forces

The Government has not only dec tored at the earliest opportunity its resolve to continue non alignment but has in the course of one year endeavoured to restore to the policy its original positive thrust When I attended the 32nd session of the UN General Assembly last year I found that our stress on genuine nonalignment and our decision to pur sue the policy with vigour and dy namism had been understood and appreciated by the world community in its proper perspective Consistent with non alignment we have main tained that our faith is in genuine and not tactical peaceful co-exis We adhere to the policy of promoting non military and ideological bilateral relations alt countries regardless of their so cial systems Our emphasis has been confronta on cooperation and not tion We have stood for preservation of peace and international stability

elimination of the remnants of colonialism and the monstrosity of racial discrimination and apartheid.

May I add that it is not a cept of ideology of a narrow grouping of States but a positive and indispensable factor even in a fast changing multipolar world for strengthening, the forces of peace and for the promotion of cooperation among nations on the basis of equality and justice to usher in a international economic order. Our endeavour will continue to make the movement purposive, dynamic and independent so that it will effectively represent the hopes and aspirations of the millions of people longing to this movement,

I shall take only 5 minutes to refer to a far off continent that is known as Latin America and South America. While developing warm relations our neighbouring countries. please do not for a moment think we are oblivious of our friends in distant places in South America. October last year, when I went to New York to attend the UN General Assembly season. I took the opportunity of visiting some of the countries In the region. Unfortunately. because of shortage of time. I to confine my visit only to Trinkdad & Tobago and Guyana, I was indeed moved by the warmth of friendship showered on me during the visit by many leaders of these countries, including Acting President, Prime Minister, Foreign Minister and others.

There are some 20 odd Republies in this part of the world. The total area of the region is over 8.5 million sq. miles and the estimated population is about 270 million. The population is likely to reach the 400-million mark by the year 2000.

The economic growth rate of some of these countries is equally impressive. Brazil's volume of annual trade is over 22 billion dollars and country which has an area of 8.5 million sq. kms. and a population of 110 million is gradually assuming the status of the colossus of the South America. Argentina is the other leading nation in South America which exports large quantities of grains, meat and milk products. The average per capita income of countries is around 1000 dollars.

SHRI VAYALAR RAVI (Chiravinkil): There is no democracy in that area. They are killing all national freedom movements. I want that Gov-\* ernment to express solidarity with the people not with the military regimes in South America.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: It is also gratifying to note that there is a great respect and admiration for Indian philosophy and culture in most of these countries. The names of Indian leaders, like, Mahatma Gandhi Rabindra Nath Tagore are household words in many of these countries. There is no doubt that all these countries are interested in developing closer relations with India, particular-Iv after the new Government, the Janata Government, has come.

I am fully convinced that after the peaceful revolution of the last general elections with the show of maturity and wisdom of our people to defend values of democracy new hones of cooperation have been aroused in these parts of the world.

We are making every effort for expanding our economic and cultural cooperation in the fields of dance, music, art, trade and commerce, pgriculture, industry, science and technology.

Now I will take you to the field of economic activity in West Asia, The other matters will nerhaps be dealt with by my senior colleauge, Mr. Vaipavee, The resources of these rich countries have embarked upon an unprecedented programme of economic develorment Till date in the West Asia and North Africa region Indian narties both in the public sector and in the private sector have been awarded

[Shri Samarendra Kundu]

projects as prime contractors or subcontractors of the value of Rs 1500 crores Out of this during the last 12 India secured contracts to the tune of Rs 740 crores—when our Government when Janata Govern ment came to power-which is almost 50 per cent of the total value of contracts so far secured by us. This has been possible only because those people have trust and confidence in us What we say they believe Now these people act on it We do not believe m diplomatic talk in these matters-to speak with tongue in the cheek. Sir this is not all As of date. Indian parties are in various stages of processing and negotiating offers and tenders for projects valued at approximately Rs 2500 crores These figures appeared staggering but considered in the context of a planned expenditure during the next five years of roughly about US \$ 400 billion by the major oil exporting countries in the WANA re gion this is insignificant. Therefore Mr Chairman Sir we are aware of the new responsibilities and my Ministry is doing everything possible to see that this part of the world gets sup port and encouragement and through cooperation of all our activities developed in this part of the world

Now I come to the passport and immigration Immediately after new Government came to power and restored democracy it tried its best to translate into action the fundamen tal right and desire of the people to travel freely and hopefully It is in deed unfortunate and sad that during the dark days of emergency dark days of tyranny there was serious curb on this valuable right of the citi zens And on unsigned and unidents fled slips supposed to have been given by the police travel documents were not issued. This is what we discovered when we came to power No comer than the new Government introduced liberalisation of issue of

and are also strengthened

Min of External passports it faced with unprecedented inflow of passport applications.

Affairs

During the year 1977 78 the out put of passports was 9,06 061 compared to 5,73 527 in 1976 77 which represents an increase of nearly 60 per cent In one year there has been a tremendous increase-60 per cent I hope the hon Members will realish and appreciate this Rays will realise and appreciate this because I had been to Ernakulam and he knows what I have done Members will realise that a new spirit of enthusiasm we have releas ed among the people they feel that they are free, not only do they feel free but they want to translate into actron by trying to acquire pas And this Government sports. determine to give all of facilities to these peopla and see that all those who want to have passports get the passports at the minimum possible time

MR CHAIRMAN You have al ready taken about 35 minutes Your senior colleague is going to take about one hour Then what will be the time left out for the members? Please do not yield to the other Mem-

SHRI SAMARENDRA KUNDU Nevertheless in soite of this increase the inflow of aplications also recorded an increase of nearly 65 per While in some offices such as Bombay there are hardly any arears in other offices such as Ernakulam there are large arrears May I add here- Mr Ravi knows about it I had been Ernakulam-that there are more than two lakhs of applications in backlog there and I have said that, by the end of this year all the backlog will be wiped out and people will start getting passports within 35 to 45 days

SHRI VAYALAR RAVI Are you making any arrangement for it?

SHRI SAMARENDRA KUNDU: Yes. We do not sleep. What do you think?

433

SHRI MANORANJAN BHARTA
(Andaman and Nicobar Islands): In
Port Blair, they have stopped issning
passports because you have introduced a Bill here to increase the fee
upto Rs. 50 and you have instructed
that, till it is passed, either Rs. 50
may be collected or the issue of passports may be stopped...

SHRI SAMARENDRA KUNDU: No.

SHRI MANORANJAN BHAKTA: I have seen personally. You inquire into it.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: It cannot be so.

All passports issued earlier are converted to liberalised endorsements system on application, and it is estimated that over 700,000 passports have now been validated on the basis of the liberal policy.

It has also been decided to open Regional Passport Offices in Rajasthan and Karnataka as well as Sub-Regional Passport Offices in Madhya Pradesh, Bihar, Orissa, Jammu and Kashmir and Calicut.

In Bangalore, Jaipur and Calicut, accommodation has also been arranged and other anciliaries such as furniture, telephones, etc, are being moved into position, so that they will start functioning early in June, 1978.

PROF. P. G. MAVALANKAR (Gandhingar): Please strengthen the existing passport offices also in terms of personnel because delays are increasing—more applications and more delays. Please look into that aspect also.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: 1 am very much thankful 19 you for pointing this out. We are very much concerned about this. We have increased the strength, and we will still increase the strength and will see that all backlogs are cleared by certian fixed periods; and then, we can assure you, every applicant can get the passport in 35 to 45 days.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Every day we get dozens of applications for passport and we sign them.
We do not mind it. But having signed them and having given the clearance, we find that the passport offices take many more weeks. Then what is the point in burdening us with this and not improving the passport offices?

434

SHRI SAMARENDRA KUNDU: This will be streamlined. I can give the assurance that, as far as possible, it will be streamlined. Our passport offices are working on a war-footing.

PROF. P. G. MAVALANKAR: We strike off the line if we do not know the persons concerned for more than two years. Naturally if I do not know a person for more than two years, I have to strike off that line. The Passport offices committees refuse those applications. You must see to it that, when the signature of M.P. is there, even when we strike off that line truthfully—to say that we do not know the person or persons concerned for more than two years—that application should be considered as valid

SHRI SAMARENDRA KUNDU: It cannot be considered as valid. In that case, you should not sign.

PROF, P. G. MAVALANKAR: How can we know so many people?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI . VAJPAVEE): Then do not sign.

PROF. P. G. MAVALANKAR: This is a serious point. If Members are given the right to sign,—sfter all, Members, represent their constituencies—they cannot afford to displease as many people....(Interruptions)

AN HON MEMBER: You can, if you charge your constituency.

PROF P. G MAVALANKAR all seriousness I suggest that, after having given the right to MPs sign Government should think terms of eliminating this requirement of two-year acquaintance That more honest Do not make us sign something by being false to ourselves We want to be truthful our conscience and also serve our countrymen

AN HON MEMBER Once we say that we are satisfied, what is the necessity of requiring an acquaintance of two years?

PROF P G MAVALANKAR Yes Kindly consider this suggestion

SHRI SAMARENDRA KUNDU Certainly we will consider the suggestion with all sympathy .

PROF P G MAVALANKAR Dont make us hars

SAMARENDRA KUNDU We are suggesting that in those cases where you are not sure that you know the applicant for two years you can direct him to sign an affidavit and file it We have introduced new methods whereby he can sign an affidavit and file it We will give due consideratwo to your suggestion Instead of two years we can make it one year but you must know the person for a certain period.

Now, the dissemination of passport application forms through Post Offices was introduced in Delhi and has been extended to Punjab, Gujarat, Kerala Maharashtra and Tamil Nadu. It is expacted that this system will gradually cover the whole country and application forms will be made available at Head Post Offices un the various States

Coming to the immigration point, lots of doubts

SHRI CHITTA BASU He says that you should take away the right you

have given us to sign on the passport application (Interruptions)

SHRI SAMARENDRA KUNDU How can I venture to take away rights given to a Member of Parliament . ..

PROF P G MAVALANKAR You remove the sentence regarding two years' acquaintance

KUNDU ISHS SAMARENDRA We will consider at (Interruptions)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE Why? You are getting an opportunity to meet so many people?

SHRI SAMARENDRA KUNDU Now, regarding immigration, I would however like to draw the attention of the Hon Members to the fact that in issuing passports we also have to bear in mind that we have a duty to see that Indian citizens and specially those belonging to poorer and weaker sec trons of the people are not lured by unscrupulous agente into travelling abroad either with false expectation of work or on terms and conditions which would be exploitative It is in this context that we are all aware that the immigration Act of 1922 is somewhat outmoded and an examina tion is currently under way in order to overhaul this legislation and bring up-to-date The Ministry of Labour, in collaboration with us is actively engaged in this case

We fully realise that there is still scope for improvement in the functioning of our pasyport office Every roember of the public has a right to receive courteous attention in these offices It shall be our endeavour to do so I may add here that we have promptly looked into the complaints whenever they have come to us and we would like to assure the people that we will welcome and look into any complaint on transgression of these norms

To end my speech I will refer briefly to the 'Hay' matter Thousands also, we have taken some sort of a revolutionary decision.

The Government has paid special attention during the last year to improving the facilities for the members of our Muslim community to go to Saudi Arbia for Haj and to other Muslim countries for Ziarat. The Government bave agreed to release foreign exchange for 20,000 Haj pilgrims in 1978, a record figure. The amount of foreign exchange has also been increased. The Haj Committee and the Central Haj Advisory Board bave been re-constituted and are actively engaged in identifying the problems and in suggesting solutions for them. The Government will consider their recommendations with sympathy.

The Government are considering the replacement of the present Haj Committee Act by a new enactment which would democratise and broadbase the composition of the Committee and streamline the Haj machinery. The Government have also decided to atrengthen the Haj Wing of the Embassy of India, Jeddah so that it can look after the welfare of pilgrims more effectively. This year, for the first time, we hope to send a medical mission of 14 doctors and 14 compounders as against ten each in the past years. Government is in touch with Government of Saudi Arabia for the restoration of Indian Rubats for the use of Indian pilgrims during Haj season and the problem has become particularly urgent because of the high cost of accommodation. Last year, they were asked to pay about Rs. 800 for less than 2 sq. metres of floor accommodation. This is indeed unfortunate. As I said earlier, we will do everything possible to see that life's cherished desire of a pious muslim to do Hai is realised.

SHRI VAYALAR RAVI. There is a complaint from the people of Kerala that they are put to a lot of difficulties because of the Immigration Rules.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: You always think of Kerala and Ernakulam; you never think beyond that. You should think beyond that.

In spite of the Immigration Act, we are trying to liberalise the conditions. We have given instructions that the genuine people who go abroad for jobs or otherwise should not he obstructed. But at the same time, you must agree with us that the people who go should not turn out to be destitutes and hring shame to us. In order to keep the prestige of India very high and also for the food of these people, it would be in the fitness of things if some restrictions are there. But we have also said that genuine people who have some sort of documents with them can always go.

SHRI VAYALAR RAVI: In the West Asian and Gulf countries, you are not putting important people as ambassadors. That is the complaint. They are not able to look after the interest of the country nor are able to improve our relations with them. You must see that these embassies are suitably strengthened .... (Interruptions)

SHRI HARI VISHNU KAMATH: This is a bachelor Minister's maiden speech in the House.

MR. CHAIRMAN: That is why I gave him forty-five minutes, while his senior colleague is going to take one hour. Nothing is left perhaps.

SUBRAMANIAM SWAMY: There is no need for Shri Vajpayee to reply.

MR. CHAIRMAN: Have you anything else to say, Mr. Minister?

SHRI SAMARENDRA KUNDU: No. Sir.

12 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, April 18. 1978 Chaitra 28, 1900 (Saka).

# CONTENTS

No. 39, Tuesday, April 18, 1978/Chaitra 28, 1900 (SAKA)

| Oral A  | nswers to Questions.  | •                |            |                 |                |              |         | COLUMN |
|---------|---|------------------|------------|-----------------|----------------|--------------|---------|--------|
| *St     | arred Questions Nos. 760 to                                   | 765, 7           | 68 aı      | nd 76           | 9.             |              |         | 132    |
| Writter | Answers to Questions:   |                  |            |                 |                |              |         |        |
| Sta     | rred Questions Nos. 766, 767,                                 | 770 1            | 0 774      | and             | 776 t          | 0 779        |         | 32-44  |
| Uns     | tarred Questions Nos. 7131 to                                 | 7266             | and 7      | 7 <b>2</b> 68 t | 0 731          | 9            |         | 44-240 |
| Papers  | laid on the Table   |                  |            |                 |                |              |         | 240-41 |
| Re. Cal | ling Attention · · ·  |                  |            |                 |                |              | ٠.      | 24142  |
| Public  | Accounts Committee-   |                  |            |                 |                |              |         |        |
| Sev     | enty-third Report presented                                   |                  |            |                 | ;              |              |         | -242   |
| Commi   | ttee on Public Undertakings -                                 | _                |            |                 |                |              |         |        |
| Fou     | rth Report and Minutes presen                                 | ited             |            |                 |                | ٠.           |         | 242-43 |
| Commi   | ittee on Private Members' Bills                               | and              | Resol      | lution          | s              |              |         |        |
| Sve     | nteenth Report presented                                      | -                |            |                 |                |              |         | 243    |
| Commi   | ittee on Petitions-   |                  |            |                 |                |              |         |        |
| Thi     | rd Report presented   |                  |            |                 |                |              |         | 243    |
| Matter  | s under Rule 377-   |                  |            |                 | ٠              |              |         |        |
| (i)     | Reported Withdrawal of Co<br>Karnataka to the exercise of po  | nsent            | by<br>by C | Chief<br>.B.I.  | Mini<br>in the | ster<br>Stat | of<br>e |        |
|         | Shri Kanwar Lal Gupta .                                       |                  |            |                 |                |              |         | 243-45 |
| (ii)    | Reported Delay in Supply of I<br>for Atomic Power Plant at Ta | Enrich<br>arapui | ned U      | raniu           | n by I         | J.S.A        |         |        |
|         | Shri Hari Vishna Kamath                                       |                  |            |                 |                |              |         | 245-46 |
| (iii)   | Reported Drought Conditions is                                | : Ma             | nipur      |                 |                |              |         | _      |
|         | Shri N. Tombi Singh .   |                  | -          | -               |                | ٠.           |         | 246    |
| _ (iv)  | Reported Threat to resort to s<br>banks                       | trike t          | y offi     | cers o          | f•nati         | onalis       | ed      |        |
|         | Shri Vinodbhai B. Sheth                                       |                  |            |                 |                |              |         | 247    |
| (v)     | Reported Fire in Indian Emb                                   | assy :           | at Ma      | mila            |                |              |         |        |
| •       | Shri S. S. Lal  | -                |            |                 |                |              | •       | 247—48 |
|         |   |                  |            |                 |                |              |         |        |

<sup>\*</sup>The sign+marked above the name of a Member indicates that the question was actually asked on the floor of the House by that Member.

| Demands for Grants, 1978-79-                             |   | COLLMAS                          |
|--|---|----------------------------------|
|  |   | 251-68,                          |
| Ministry of External Affairs                             |   | 288-416                          |
| Shri Somnath Chatterjee                                  | ٠ | 251—56,<br>406—407               |
| Shri Hari Vishnu Kamath                                  |   | 256—64,<br>403—404               |
| Shri Ram Prakash Tripathi                                |   | 264-68                           |
| Shri K Mayathevar  |   | 288-94                           |
| Dr Subramaniam Swamy                                     |   | 295 <b>—3</b> 04,<br>41 <i>0</i> |
| Shrı C K. Chandrappan                                    |   | 304—10<br>405—40 <sup>6</sup>    |
| Shri C.M. Stephen  |   | 310-21                           |
| Shri Krishan Kant  |   | 321-29                           |
| Shri KP Unnikrishnan                                     |   | 331—4°,<br>397—98                |
| Shri U.S. Patil  |   | 340-43                           |
| Shri Ratansinh Rajda                                     |   | 343-48                           |
| Shri Nirmal Chandra Jain                                 |   | 34853,<br>41213                  |
| Shrı Ram Jethmalanı                                      |   | 353—61 <b>,</b><br>409—10        |
| Shri Balwant Singh Ramoowaha                             |   | 361-64                           |
| Chowdhry Balbir Singh                                    |   | 36467                            |
| Shri Shrikrishna Singh                                   |   | 36772                            |
| Prof PG Mavalankar                                       |   | 372—75,<br>401—402               |
| Shri Chitta Basu   |   | 37 <del>67</del> 7               |
| Shri Atal Bihari Vajpayee                                |   | 377—97,<br>414—15                |
| Calling Attention to Matter of Urgent Public Importance- |   |                                  |
| Cyclone in Orissa-                                       |   |                                  |
| Shri Somnath Chatterjee                                  |   | 269,                             |
| •  |   | 271-74                           |
| Shri Surjit Singh Baranala                               |   | 269 <del></del> 71,              |
|  |   | 274—75,<br>278—80,               |
|  |   | 284-85,                          |
|  |   | 28789                            |
| Shri Jyotirmoy Bosu                                      |   | 275-78                           |
| Shri Laxmi Narayan Nayak                                 |   | 281-84                           |
| Shri Govinda Munda                                       |   | 285-87                           |
| Business Adivosty Committee-                             |   |                                  |
| Fifte-nth Report presented                               |   | 417-18                           |

## LOK SABHA

ĭ

Tuesday, April 18, 1978/Chaitra 28, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[Mr. Speaken in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Appointment of Chairman and Members of Law Commission

⊹

\*760. SHRI G. M. BANATWALLA: SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether Government bave since appointed the new Chairman and other members of the reconstituted Law Commission; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI STANTI BHUSHAN): (a) and (b). Shri Hans Raj Khanna, a former Judge of the Supreme Court has been appointed as Chairman and Shri P. M. Bakshi, a member of the Central Legal Service, has been appointed as Member-Secrétary of the reconstituted Law Comulsion.

The question of appoining the other two Members of the Commission is under consideration.

SHRI G. M. BANATWALLA: This government has appointed a record 512 LS-1

number of Commissions but it is undecided about the composition of the Law Commission. It is rather an unfortunate factor that it is a prisoner of indecision here in this matter.

May I know, therefore, from the government when the Chairman and the Secretary were appointed, and what are the formidable ressons for the delay in the appointment of the other Members of the Commission?

SHRI SHANTI BHUSHAN: So far as the Chairman and the Member-Secretary were concurred, they were appointed a few months ago. If intended that the Law Commission should consist of four members including the Chairman. The Chairman and the Member-Secretary have stready been appointed. The appointment of another Member has already been processed and approved by the Appointments Committee so that it will be aunounced within a few days.

So far as the fourth Member is concerned, what I wish to say is that it is extremely important that a person who would really fill the role with distinction has to be appointed. Therefore, consultation with the Chairman of the Law Commission is going on. The Chairman of the Law Commission is trying to find out who would be the most suitable person for the fourth membership of the Commission. As soon as that is completed, the appointment would be amounced.

SHRI G. M. BANATWALLA; It is very obvious that there is no satisfactory reply to this particular point. Since a few months the consultations are going on and this government is not in a position to appoint even four members of the Law. Commission. This is a very unsatisfactory state of affairs. We can understand that very

outstanding persons are to be appointed That does not however, mean that the constitution of the commission should go on in an unsatisfactory and necemeal manner May I know in what time would this entire Commission be reconstituted? May I know what was the occasion for the re-constitution of the Law Commiseion?

SHRI SHANTI BHUSHAN The occasion for the re-constitution the Law Commission was that a Law Commission is appointed for a term of three years. When the term of the three years of the previous Law Commission expired then the Law Commission was re-constituted at that time decided that the Law Commission should not be too large a body. We therefore reduced the membership to four including the Chairman and the Member Secretary As I informed the hon member just now one more Members name has been finalised. It has been processed Because the person was over 60 years of age therefore some formalities had to be complied with. The appointment has been approved by the Appointment Committee Therefore very soon it will be announced

So far as fourth Member is con cerned the Chairman of the Law Commission had after some enquiries suggested a distinguished name Shortly thereafter he informed the Government that that distinguished person for some reasons individual and personal reasons was not willing to come for the Law Commission Therefore the Chairman is looking out for another person because the Chairman is anxious that a really distinguished person who can really perform an important function in the Law Commission should be selected Therefore he is in the process he has not yet been able to select that fourth person, after he selects and suggest to us then we will process the matter

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK 1 fully support the observations made by my learned colleague But this long reply by the hon Minister to the question does not satisfy the House However, I would like to know from the hon Minister whe ther for constituting such an important body the Bar Council of India has been consulted in the matter or not

SHRI SHANTI BHUSHAN Νo Sır

SHRI K. MAYATHEVAR Law Commission may be dealing with the law questions including the amendment to the Indian Constitution. Therefore what is the special quali fication for the appointment as a Member or the Chairman of this Com mission? Is it the High Court Judge or the working judge or the Supreme Court judge or retired judge of the High Court or the Supreme Court

SHRI SHANTI BHUSHAN Chairman and the Vembers could either be serving judges or retired judges of the Supreme Court or the High Court or he could be a legal expert a junst, a professor of Law m a University of India This is the field from which a person can be taken

Case regarding Swadeshl Cotton Mills Ltd

\*761 SHRI MOHAN LAL PIPIL Will the Minister of LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleas ed to refer to reply to Unstarred Question No 2853 on 14th March 19"8 regarding Delhi High Court orders on Appointment of New Directors of Swadeshi Cotton Mills and state

(a) the outcome of the Petition for Special Leave to Appeal under Article 136 of Constitution along with Applica tion for stay of operation of the order of High Court filed in the Swadeshi Cotton Mills Co Limited case and

(b) what interim measures Government propose to take to ensure sloppage of furthe, deterioration of the working of the company under continued mis-management of the present Managing Director?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (2) Petition for Special Leave of Appeal came up for hearing before the Hon'ble Supreme Court on Monday, the 10th April, 1972. After hearing the parties for sometime, the Court adjourned the matter to 24th April, 1978.

(b) The matter is sub-judice and no further action can be taken under the Companies Act, 1956. However, as per the Notification No. SO 265/(E)/ 18AA/IDRA/78 dated the 13th April, 1978 the Ministry of Industry, Department of Industrial Development, have in exercise of powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (85 of 1951), authorised the National Textile Corporation Limited to take over the management of whole of the said Industrial undertakings namely (i) M/s, Swadeshi Cotton Mills, Kanpur (ii) M/s, Swadeshi Cotton Mills Pondichery (ili) M/s Swadeshi Cotton Mills, Naini (iv) M/s Swadesbi Cotton Mills, Maunath Bhanjan (v) M/s. Udsipur Cotton Mills Limited, Udaipur; and (vi) M/s Rae Bareli Textile Mills Limited, Rac Bareli of M/s Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur.

श्री मीहन लाल पिपल : सब से पहले में कनता सरकार को सम्बवाद पूगा कि उसने स्वरंशी काटन मिरक के 6 गृनिद्स को टेक ब्रोवर वर लिया है। झाज मेने टाइम्स झाफ झेंडिया के पेल 2 पर यह स्माचार पड़ा है कि इंटस्ट्रीज मिनिस्टर ने एहा है कि स्वरंगी काटन मिल्स के जितने श्रीम के हीने, उन्हें सरकार लेभी। मैं बहु

जानना चाहता हूं कि ये शेयर्ज कब तक ले निर् वार्येंगें । ६ दिसम्बर, 1977 को बहां पर खनेक व्यक्तियों की मृत्यु हुई। तब से यह मिल तन्द पड़ी है। मैं यह जानना चाहता हूं कि ग्रव बह मिल कब तक चालू हो बायेंगी।

भी शांकि मूपण: माननेथ सदस्य
ने पूछा है कि इस मिल के शेयर्ज को कव
तक टेक श्रोवर कर निया वायंगा। में
इसका उत्तर देने में समार्य हूं। जब
तक सरकार इत बारे में निर्णय न ले ले,
तक तक में किस तरह बता सकता हूं कि वे
स्वर्त्त कव तक ले किए जायेगे। मातनीथ
सदस्य ने यह भी पूछा है कि कानपुर की
वह मिन कब तक पानू होंगी। प्रभी हाल
हो में नेवानक टैक्सटाइन कार्योरणन को उस
का एथाराइण्ड कड्डोक्ट निमुक्त किया
गया है। उन्होंने उस को टेक श्रोवर कर
स्वार बत्यी से जरूरी इस मिल की सानू
करती की जरूरी इस मिल की सानू
करती की जिस्सी इस मिल की सानू

श्री मोहन साल पिपिल: वहां की लेवर प्रावलम की हल करने के लिए क्या क्या कदम उठावं आवेंगे, ताकि वहां पर आईंटा ऐसी पटनान हो?

श्री शान्ति भूषण : एन० डी० मी० ने उसके मैनेकमैट को टेक श्रोवर कर लिया है। परिस्थिति को देख कर जो भी कदम आवस्थक होंगे, वे उन को उठायेंगें।

SHRI K. LAKKAPPA: Mr. Speaker, Sir, I welcome the taking-over of the Swadeshi Cotton Mills regarding which a statement has been made by the Industries Minister. Here is a case of the Swadeshi Cotton Mills

MR SPEAKER Please come to the question.

SHRI K. LAKKAPPA Sir, this is a very important question There has been allegation against Shri Sitaram Jamuria.

MR. SPEAKER We had a discutsion on this even earlier

SHRI K. LARKAPPA I want to know from him what prevented the Government from taking over the Saadeshi Polytex Ltd. run by Shri Sitaram Jaipuria What are the reasons for that?

I would like to put a straight question The Law Ministry specially, the Law Minister, was engaged by Shri Sitaram Jaipuria in two cases namely under company petition No 20 of 1977-Swadeshi Polytex Ltd as also under company Petition No 21 of 1977 \*\*

## (Interruptions)

MR SPEAKER I am not allowing that unless you give prime facie proof

SHRI K. LAKKAPPA I would now put a categorical question (Interruptions) In view of that, will the Minister kindly consider the taking over of the Swadeshi Polytex Ltd. run by Shri Sitaram Jaspuria as there are large-scale mismanagement and other thurgs and there as an fluence of this Government the-at

MR SPEAKER It 19 open to 321 to answer or not to answer because this question does not arise from it (Interruptions)

SHRI SHANTI BHUSHAN In view of this ruling, I cannot answer that, But if you give me the option, I can BUSWAL

MR SPEAKER You may answer

SHRI SHANTI BHUSHAN So far as the taking over of the management under the Industries Development and Regulation Act is concern ed, it is just like the taking over of the Suadeshi Cotton Mills and that is within the purview of the Industries Ministry That does not concern the Law Ministry

So far as the appointment of Goverament directors under Sec. 408 of the Indian Companies Act is concerned, for instance in Swadeshi Cotton Mills Ltd., Government direcfors had been appointed under Sec. 408 But, the operation of that order was stayed by the Delhs High Court. I had had an occasion to inform this House earlier that so far as Swadeshi Polytex Ltd. is concerned there were certain allegations which were being enquired into Inspection of the accounts had been ordered result of the inspection of the accounts that question would be examuned as to whether thore is a case for appointment of Government directors under Sec. 408

थी हुरूम चन्द कद्मश्राण सरनार ने स्वदर्शी बाटन फिल्म के छ पुनिटस का अपो हाथ में लिया है इस वा मृत्य कारण यह है कि उसके मैं वेबमेंट व द्वारा लगातार बडे पैमाने पर नातृन का उल्लंघन निया ज**ा र**हा है। इस पर जा लायविजिटी हैं वा नाया का येसा देना है मनदूरों का प्राविडेट कड और वेन्युइटी वा पैसा दना है और जिन लागों ने माल सप्लाई किया है, छाटे छाटे व्यापारिया न, भ्या वह सारा वैमा मरनार उन्हें लौटाएगी तानि जिन्होंने

<sup>&</sup>quot;Not recorded.

इस में पैसालगाया है उन का पैसा और मजदूरों का पैसा ठीक प्रकार से मिले ? इस की कोई व्यवस्था मंत्री महोदय करेंगे ? श्रगर हां, तो वह कब तक पैसा खौटा देंगे ?

श्री ज्ञांति भूषण : मैं समझता हूं कि जब एन० टी० सी० ने इस ग्रंडरटेकिंग को टेक ओवर किया है तो अवश्य उनका यह कर्तव्य होगा कि जो मजदुरों का पैसा बाकी हैं जिस के कारण मजदूरों में असंतोष था और जिस के कारण एक वड़ा गंभीर मामला बहां हमा या, उसका भी ये समाधान निकालें और उन का पैसा देने का बन्दोबस्त करें। जहां तक और लोगों ने कोई रुपवा कम्पनी को दिया है . . . .

श्री प्रक्रम चन्द कछवाय : जिन्होंने माल सप्लाई किया है।

श्रीभांति भूषणः जरूर जो कुछ भी आधिक स्थिति उस कम्पनी की होगी उस को देखते हए कोई न कोई स्कीम ऐसी बनायी जायगी कि किस तरह से इन का रथया दिया जा सकता है।

SHRI SAUGATA ROY: Sir, in May 1977, the Company Law Board had to undertake inspection under Section 209(a) of the Companies Act and a notice was issued to this company under Section 408 of the Companies Act. I do not know why Directors could not be appointed in the company to prevent the affairs of the company from being conducted in a manner detrimental to public interest. My question is in regard to the backlog of the wages. Let the U.P. Government appoint a receiver who in the exercise of his rights attach shares worth Rs. 1.0 crore of the Swadeshi Polytex invested in the Swadeshi Cotton Mills. I would like to know from the hon. Minister whether he would place a report of the investigation carried out by the Company Law Board on the Table of the House because whatever has been stated up till now has been a sort of eye-wash. What will be the position vis-a-vis the Company Law Board regarding the Swadeshi shares which are already invested in Swadeshi Cotton Mills?

SHRI SHANTI BHUSHAN: So far as the first part of the question is concerned in regard to proceedings relating to the investigation under Section 408 of the Companies Act against Swadeshi Cotton Mills Limited, as I have stated earlier, as a result of the investigation, the Government had decided, in fact appointed Government Directors under Section 406. But in respect of ..... (Interruptions). Now, even before the Government made that order, a writ petition had been filed in the Delhi High Court. The Delhi High Court had made an order saying that the proceedings may go on and the Gov. ernment could proceed with the consideration of the matters under Section 408 and may also make an order, if necessary. But the order shall not be given effect to till the High Court permitted the same to be done. Therefore, an order under Section 408 was made appointing the Government Directors but which had not been given effect to. Thereafter, the writ petition was heard in the Delhi High Court. It was admitted and a stay order was made staying the operation of the Department of Company Directors under Section 408, since the matter is still sub judice, because the writ petition is still pending. Therefore, it will not be possible to go into this matter, namely, as to what proceedings had been done because the tnatter is still pending ... (Interrup. (zgoit

MR. SPEAKER: He wants to know whether you will place the report on the Table of the House.

SHRI SHANTI BHUSHAN: I would consider that after taking into consideration. The matter is pending in the Court of Law. I will consider as to whether it would be proper to lay any such document.

Oral Answers SHRI SAUGATA ROY What about my second part of the question regerding Swadeshi Polytex ?

11

SHRI SHANTI BHUSHAN So far as the other part of the question 15 concerned perhaps the bon. Member has got a little mixed up because it is not that Swadeshi Polytex has got shares in Swadeshi Cotton Mills Ltd On the other hand Swadeshi Cotton Mills Limited has got certain shares in Swadeshi Polyter So far as those shares are concerned as I bad said on an earlier occasion the receiver appointed by the State Government for the purpose of collection of electricity ques which was due to the UP State Electricity Board bad been appointed and then these shares were attached The delivery of these shares according to my information has not been procured by the receiver but the receiver had advertised and invited offers for the purchase of these There have been certain offers and one of them had been accepted namely a large industrial house I had occasion to inform the House that no application for approval of the Law Ministry namely Company Affairs department under section 372 of the Companies Act or under the MRTP Act had been received so far (Interruptions)

SHRI SAUGATA ROY I am reading from the statement of the Industries Minister and what I said was correct The hon Law Minister says that what I said was the wrong thing

# (Interruptions) \*\*

MR SPEAKER Don't record All that the hon Minister said was that there was a little confusion because the shares were not taken by Poly (Interruptions) For every small mater should people get up like this?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) May I ask my hon friends why can they not speak more politely? Why do they always want to have a quarrel I cannot understand it ( Interruptions) It is not the way to do it (Interruptions)

MR SPEAKER What is most disturbing is, when one man gets up and speaks I can understand it, but does he require the support of another half a dozen people to shout together? I think the voice of Mr Saugata Roy is loud enough to be heard by everybody Is Mr Lakkappa's assistance necessary? Mr Saugata Roy is on his legs-I can understand that there is any error that can be cor rected But I cannot understand half a dozen people getting up and saying No No What the Minister said was that there was a mixing of thought and it is a polite expression,

(Interruptions) SHRI SHANTI BHUSHAN May I clarify? Perhaps the hon Member would appreciate that the Swadeshi Cotton Mills Limited which is one company owned shares in the other company viz Swadeshi Polytex Limited Now the sentence to which my attention has been drawn by the hon Member the relevant portion reads like this "Let UP Government appoint a receiver who in exercise of his rights attach shares worth its 1 crore of the Swadeshi Polytex -of course it can refer to the shares of Swadeshi Polytex Limited-"invested in the Swadeshi Cotton Mills " Perhaps the happier expression should have been invested by the Swadeshi Cotton Mills 'In' or 'by', in a com-plex sentence many people use a particular word Invested in the Swadeshi Cotton Mills-that is money invested in the Swadeshi Cotton Mills in the sense that Swadeshi Cotton Mills holds those shares in another company So it can in one sense be regarded as investment in the Swadeshi Cotton Mills This is also one of the

<sup>..</sup> Not recorded

14

investments. But this is merely a matter of language. Language is a vehicle of thought. Many people speak in different ways. But both mean the same.

Relaxation of Restrictions on Season Ticket Holders on Paschim Express

\*762. SHRI SOMJIBHAT DAMOR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether the additional restriction was relaxed for season ticket holuers for travel by Air Conditioned express (Deluxe) Paschim Express during August, 1975 till further notice; and
- (b) if so, the reasons for not relaxing at present between Vadodara and Dohad?

OF RAILWAYS THE MINISTER (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

- (a) Season ticket holders are not permitted to travel by 25 Dn/26 UP A.C. Express (Deluxe)/Paschim Express trains. Due to extensive breaches, train services were drastically curtailed during August/September, 1976. Season ticket holders were temporarily permitted to travel by these trains between Godhra and Vadodara upto 30-9-1976. This was done only as a temporary measure to alleviate the difficulties of daily passengers till normalcy was restored.
- (b) These trains cater for long distance passengers and the occupation being heavy, season ticket holders cannot be permitted between Dohad and Vadodara.
  - श्री सीमजी माई डामौर: माननीय ग्रध्यक्ष जी, पहले रेलों में भ्रष्टाचार जलता था. ग्रव रेलों में व्यक्तिचार टाखिल कर दिया गया है। यह गाडी मवह 7 बजे दोहद ज्ञाती है, वहां पर पैसेन्ज़र्स मुझालय

में ऋौर दूसरी जगहों पर बुरी तरह से भर जाते है। में यह पूछना चाहता हं--जिस तरह से फर्स्ट बनास में पैकैन्यर दिन मे बैठ सकता है, क्या उसी तरह की सुविधा स्लीपर कोच में बैठने के लिए आठ धाना कर देगे?

EDUT. भो० मध दण्डवते : मान्यवर जो <sup>3</sup> मूल प्रश्न पूछा गया है, उस से यह प्रश्न विपरीत ह। फिर भी में माननीय सदस्य को वतलाना चाहता ह -- इमन गरा का पूल टट काने के बाद जब उस की रिपेश्नर का काम शुरू हुआ, उस समय लोगों को टाशिप-मेक्ट की सुनिधा देने के लिए हम लोगो ने इजाजत दी थी। उन्होंने अपने प्रश्न में जो दैटस दी है, वे गलत है । उन्होंने धनस्त, 1975 का जिक्र किया है, वे एक साल पीछे है। द्यास्त, 1976 से सितम्बर, 1976 के दीच सीजन-टिकट होल्डर्स की वह सुविधादी गईथी। इस समय वहां पर डोलनस श्रीर पश्चिम एक्सप्रैस--दो गाडियां चलती थीं। इसरी गाडियां रह कर दी गई थी, फण्टीयर मेल को सेण्टल रेल के से डायवरें कर दिया गया था। इस लिए सीजर टिकट होल्डर्स को इन गाडियों से जाने की इजाजत दो गई थी। लेक्सि जैसे ही त्रिज रीकंस्ट्रक्ट हो गया, यह ट्रांशिप-मेण्ट की सुविद्या रह कर दी गई और पुरानी स्थिति को रेस्टोर कर दिया गया। इस लिए इस में किसी पुरानी सुविधा को एड करने का सवाल नहीं है।

श्री सोमजी भाई डामोर : मैंने यह पुछा या कि धाप सीजन टिकट वालों को इस में एलाऊ नहीं करते हैं। जब फर्स्ट बलास में पैसेन्जर दिन में भी उन गाड़ियों से ट्रेथल कर सकता है तो ग्राप इन लोगों को भी स्लीपर कोच में एलाऊ कीजिये। इस समय 15 वा 20 रुपया देकर जगह मिल जाती है। अगर धाप एलाऊ कर देंगे तो जो करप्यन वहां यस रही है, वह वन्द हो जायकी । बया ऐसी सविधा देंगे ?

प्रो॰ मध् दण्डवते : ग्राप ने डोलक्स श्रीर पश्चिम एक्नप्रेस गाडियो ना जिक किया, य दाना गाडिया लम्बे सफर की गाडिया है। हमार पास लगानार यह माय भानो रही है नि जब हम दिल्ली से बम्बद्दे वे लिए सकर करन हैं और इतना पैसा सर्व करत है, धगर दूमरे यात्रियो का इन में भ्रान को इजीजन देंगे ता हमें बहुत तक्लीफ हागो । यदि घाप इन दोनो गाडियो नी ग्रावयपेंजन की फियम का देखें ता प्रापका मालम हागा दि इन में आव्यूपेशन 139 परसेंट है। रिजर्ड और धन रिजर्ड दाना को हर महीने की फियम मेरे पास हैं, नेक्नि में मदन का ज्यादा ममय नहीं लेना चाहना ह एवेज ग्रावयुपेशन 139 परसेंट है, 100 को जगह है सैनिन 139 लाग भावे है। ऐसी हारत में लाग डिल्डेंस पैनेग्जर्म जब ग्रंपना विजयसन करा कर जाने है ग्रगर मीजन पाम-हान्डम की उन कम्प टमेंटन में जाने तो इजाजन दे दें. ता लाग डिम्टेंन पैने जम का काफी तस्त्री ह हागी चौर इस सदन में भी यह बहा जाता रहा है कि लाग दिस्टेंस टेस्स में चररिजाई लागो का रिज्ञ इं कम्पार्टमें इस में सफर करन की देनाजन न दी जाए क्यांकि इस में उन का तरपीय हाती है।

Recommendations of Law Commission

\*763 SHRI MANORANJAN BHAK-

SHRI PRADYUMNA BAL

Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state the act on taken by Govern ment on the recommendations contained in the 58th Report of the Law Comm.ss on on structure and jurisdiction of the higher judiciary In respect of the following matters

appeals in criminal cases.

Oral Answers (2) retirement age, and

(3) grant of other benefits to judges of High Courts and Supreme Court?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS SHANTI BHUSHAN) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House [Placed In Library Sec No LT 2127/78]

SHRI MANORANJAN BHAKTA. The Law Commission suggested that the Constitution should be amended to restrict the criminal appeals to the Supreme Court and therefore in the statement laid by the hon, Minister, it is stated that article 134 (1) (c) of the Constitution would be arrended along with articles 132 and 133 which is un der consideration of the Government. May I know what will be the salient features of the amendment\*

MR. SPEAKER It is sideration.

SHRI SHANTI BHUSHAN The matter is still under consideration So long as the matter is still under consideration and a decision has not been taken, obviously I would not be in a position to say what will be the shape of the final amending hill.

SHRI MANORANJAN BHAKTA The High Court Judges (Conditions of Service) Act, 1954 and the Supreme Court Judges (Conditions of Service) Act, 1958 were amended in 1976 Considering the suggestions made by the Law Comm ssion, sometimes it appears much more benefits have been provided by the amendments of 1976 That was the time of the emergency and there was very often criticism in this House and outside regarding committed judges, etc. In view of the changed political situation. I want to know whether the government is thinking of re-examining the whole amendment made during that period?

4/

SHRI SHANTI BHUSHAM: Whatever improvements were made in the conditions of service of the judges of the High Courts and Supreme Court by the amending Act of 1976, there is no proposal under the consideration of the government to withdraw any of them.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: May I know whether the government is considering raising the retirement age of Supreme Court Judges and consequently the retirement age of High Court Judges because they want to keep a distinction between the Supreme Court Judges and High Court Judges? May I know whether the the State Governments in regard to providing proper facilities with regard to dispensation of criminal justice? So far as I know, a representation has been made by the West Bengal Government for financial assistance, May I know whether the Government is considering it?

SHRI SHANTI BHUSHAN: So far as the age of retirement is concerned, the suggestion made in the report of the Law Commission was that the age of retirement of High Court Judges should be raised from 62 to 65. At that stage it was decided by the government not to accept that recommendation of the Law Commission because the government felt that there should be a difference in the retirement ages of High Court Judges and Supreme Court Judges, one of the reasons being obvious, i.e., some attraction for going to the Supreme Court is provided even by the difference in the two ages.

Now, so far the Government his not applied lits mind to the question of making a general raise in the age of retirement of the Supreme Court Judges also except the fact that the former Chief Justice of India had sent a suggestion some time back that the age of retirement of the Supreme Court Judges should also increase, but no consideration has been given to that proposal.

About the other part of the question relating to facilities for providing better criminal justice, it is true that I had written a letter some time back to the Chief Ministers of all the States in the country drawing their attention to the fact that even criminal justice was too much delayed and pointed out the various serious consequences which arose on account of delays not only in the administration of criminal justice, but also in the administration of justice by itself and I had suggested that perhaps they might consider the question of constituting more courts and taking other steps also, whatever might be feasible, to rectify the situation. In that connection, many of the State Governments have already increased the number of courts and various other things are being done and the Chief Minister of West Bengal also wrote to me saying "Yes, we are trying to increase the number of courts, providing more court rooms, buildings and so on, but then there are financial implications". He wrote that special assistance to the West Bengal Government might he provided by from the Central financial assistance in that connection. Now, it is obvious that this is not a problem special to the West Bengal Government, this is a problem which occurs in almost all the States of the country so that the question of providing any special assistance only to the West Bengal Government and not to other Governments obviously does not arise. But so far as general assistance to State Governments etc., is concerned, that is a general question and obviously everything, allocation of funds etc., is taken into consideration.

New Direct Train from Ahmedalad to Madras

\*764. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

 (a) whether Government have started a new direct train between Ahmedabad and Madras;

- (b) if so when and with what periodicity.
- (c) is it an all recond class train,
  - (d) if so, what are the special and additional passenger amenities provided on the said train?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) (a) to (c) Yes Sir, 145/146 Madras Beach-Ahmedabad weekly Navajisan Express has been introduced with effect from 6th April 1978 It is a classless train having only Had class accommodation.

(d) It is a fully reserved fast train with Second Class cushioned sleepers Janata Bed rolls are supplied nn demand on payment of prescribed charpes Water containers have also been provided in the coaches to provide cold water A pantry car has been provided on this train to supply hot food. A lending library has also ocen introduced on the train

PROF P G MAVALANKAR SIT 1 do wish to congratulate my friend, the Railway Minister for starting this new train which has been a great help and it was welcomed by many people Classless society is all right. But I do not know why he calls it a classless train. What he means is a single class train-only the second class I would like to ask him apart from congratulating him on this and also congratulating him on the name given Navantan Express a very significant and good name and it is his choice I understand-I congratulate him for that also-just as he has given the name Gitanjah Express' to the train from Calcutta to Bombay which is also his choice whether the Govern ment will eventually consider increasing the periodicity of the Navalivan Express between Ahmedabad and Madras. Today it is a weekly train But I would like to know whether it can he made more than weekly-twice or thrice a week Secondly, I would like to know whether this train-I do not want to take the time by going into the whole route-will also be muted in such a way sn as in enable hundreds of thousands of people nf Andhra Pradesh who live in Ahmedabad, Barnda and other places in Gujarat in eatch this train and get down at a particular station in gn on their onward journey to Hyderabad and nther places

PROF MADHU DANDAVATE He has congratulated me, but during the Ouestion Hour he must only saw "Whether I can congratulate" Anyuay, he has congratulated me I am thankful to him As for the suggestions which he has made we have already made the announcement. Firstly, as far as the frequency of the train is enneemed the occupation of train goes un increasing as the frequency increases. It is directly proportionate to the occupation and therefore, we are watching the occupation of the train Secondly we quite see the difficulties of people coming from ather regions of South like Andhra, Mangalore and Kerala 1 have already announced while introducing the tran that within a few days we are going to have some additional bogies for pen ple travelling to Kerala and other parts so that they should be able to get full advantage In addition to that

SHRIMATI PARVATHI KRISH-NAN At least you give South Indian names to the additional bogies.

PROF MADHU DANDAVATE Yes. we will give For that I will consult Shrimati Parvathi Krishnan and I am sure that she will give a good suggestion Then there was also a suggestion from the passengers from Ahmedabad that till the new bogies are introduced some re-admistment of the time table can be made for the people m the South, so that when they reach Madras if they have to get connecting trains for the southern region, adequate connections should be available. We are examining that problem.

As far as the third question is concerned we are trying to give more

facilities, and you will be happy to know that our idea is to give more connections between Ahmedahad and Madras, not only in terms of earrying passengers, we have also tried to depict, in this very train, the saga of Indian freedom movement, in which the important events in the life of Gandhiji when he led the struggle, have been pictorially inscribed, and important quotations have also been inscribed. We have received very good response to it.

FROF. P. G. MAVALANKAR: Music is also very important, Music is soothing.

PROF. MADHU DANDAVATE: H he travels by this train, he will find that the entire music of the wheels is also very pleasant.

PROF. P. G. MAVALANKAR; said in his answer that it was a fully reserved train. I want to know whether reservations are also possible for the passengers to Madras or viceversa at the intermediate stations, and whether the janata bed rolls which are provided are really of good quality or they are only of janata quality. (Interruptions) When we give things free or at low cost, we don't look at the quality. I want that quality things should also be given. We should not look merely at the price. I did not mean Janata Party quality! I said janata quality. I want to know whether the quality of the thing will be looked after, and what is the fee charged for the bed roll? Finally, the Railway Miniser has already storted this train. There is also a train from Ahmedabad to Calcutta. Will he also think of having a train by name 'Young India'-a name also given by Gandhiji-between Ahmedahad and Delhi via Jaipur, so that these States can also be connected?

MR. SPEAKER: The last question does not arise.

PROF. MADHU DANDAVATE As for as part A of the augstion is concerned, the entire train is so devised

that it starts from Ahmedbad, goes to Baroda then to Surat, Nandurbar, Jalgaon, Manmad Dhond Sholanur, Guntakkal, Gooty, Renigunta and then to Madras. The tickets for all the stations are available, Reservations for the intermediate stations are available. And since the train does not stop in between these stations, the question of reservation does not arise, for others.

Secondly as regards the janata bed rolls, if the hon, Member travels by this train, he will find that we have taken proper precaution to provide clean janeta bed rolls, so that passengers should have sound sleep and not be disturbed by the bad smell of the janata bed roll. That precaution has been taken.

As regards the extension of the train, Members will be very happy to know that we want such facilities extended to different regions. And., therefore, we are already examining the starting of such classless trains, with all these facilities. We examining the problem of starting them between Bhubaneswar-Secunderabad: Secunderabad-Bombay and similarly between Ahmedabad-Bhavnacar-Porbandar and also between Bhubaneswar and Delhi via Asansol.

MR. SPEAKER: Mr. Minister, you are extending the scope of the question.

PROF. MADHU DANDAVATE: He has asked the question.

MR. SPEAKER: That is why I said that the last question need not be answered. Once you extend the scope of the question, the supplementaries will also be extended.

PROF, MIADHU DANDAVATE: Now about the last train. I have mentioned these trains. There is also one train in the northern region, I must mention it. Otherwise I will be guilty of regionalism. There is the Howrah-Jammu train which will nass through Patna, Lucknow and Ludhlans. We are also trying to examine it.

SHRI VIJAYKUMAR M PATIL.

Will the Minister consider the peesshibitly of linking Nardans and Dhale
line a distance of 20 miles with this
tunn? It is lying in the region bet
were Ahmedapad and Madras This
Merdano Dhulechlingson into will reduce the distance between Ahmedhad
and Madras by this frain by 65 miles
There is already a demand placed on
the Government by the people of Dhuledistrict for the provision of this 20
mile his between Nardans and Dhule

PROF MADHU DANDAVATE That is altogether a different question

MR SPEAKER Mr Minister, You have opened the topic That is the difficulty Anyway, the Minister will consider that

SHRI VIJAYKUMAR N PATIL' Will the Government agree to this of least?

PROF MADHU DANDAVATE 1 am saying that already we have received a memorandism on those lines. We will take it into account 1 am not going to give a firm commitment. Unless we examine the problem it is not proper to give a reply.

MR SPEAKER May I suggest that the Minister may kindly reply to the question? Do not enlarge the scope Then it will enlarge the scope of the supplementances. That is my request to all of you.

# Train Accidents \*765 SHRIMATI BIBHA GHOSH

GOSWAMI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to lay a statement show n<sub>b</sub>

- (a) total number of train acc dents during the last six months
- (b) total number of people died in these accidents.
  - (c) details zone-wise, and
- (d) total amount paid as corrects.

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) (a) to (d) A statement is laid on the Table of the Sabha

#### Statement

The number of train accidents in the categories of collisions, derailments, level crossing accidents and fires in trains which occurred on the different Railways during the period 1 10-197 to 31-3 78 and the number of persons folled therein is given below—

| Radway           | No of<br>train<br>accidents | No of<br>persons<br>kalled |
|------------------|-----------------------------|----------------------------|
| 2 Central        | 67                          | 8                          |
| 2 Castern        | <b>2</b> Ĝ                  | 8                          |
| 2 Northern       | 62                          | 77                         |
| 4 North Eastern  | 25                          | 4                          |
| 5 Northeast Fron | ter 29                      |                            |
| 6 Southern       | 43                          | 8                          |
| 7 South Central  | 32                          | 12                         |
| 8 South Eastern  | 59                          |                            |
| g Nesem          | 59                          | 25                         |
| TOTAL            | 419                         | 139                        |

(d) A sum of Rs 251 lakin appractimately as been paid as compensation under the Indian Raila, are Act 1820 to the victums or their dependents in valved in train accidents during the period from it (jetaber, 1977 to 3 likach 1978 The other claims are pending in the courts of the Africa Claims Commissioners and the payingst will be made to the claiments on the passe of the verdict, of the courts.

Out of 16 Railway employees who were killed on duty in these accidents a sum of R 3 32 100 has been paid as compensation due under the Workmen's Corthensation Act 1923 in the case of 14 deceased employees

26.

SHRIMATI BIBHA GHOSH GO-SWAMI. The Minister must be aware that there is a widespread feeling that the maintenance of the railways is not up to the mark; especially, in regard to gangmen etc. the accepted formula for appointment maintenance of manpower, what is called the Mufflin formula, that formula has been given up in many of the sections. The result is that vacancies caused by death or retirement are never filled up. Considering also the fact that the volume of traffic has gone up several times, this is a real danger for the safe running of trains. I want to know whether the Minister has gone through all these questions and whether he is considering the replacement of those vacancies caused by death and retirement by appointing more gangmen and other manpower necessary for fulfilling the Mufflin formula at least, if not more steff.

PROFF. MADHU DANDAVATE: There are two aspects of the problem. One is mantenance. second is the question of alloument of work to gangmen and judicious implementation of the formula that has been observed so far. I am very happy to inform the House that recently we had tried to strengthen and to reinforce all our maintenance arrangements and a number mechanical devices are also being introduced. As far as the problem of gangmen is concerned, I have said it in this very House, that for a variety of reasons we would perfer to introduce the concrete sleepers, instead of the wooden sleepers, because the durability of the concrete sleepers in the long run will be very high, about 50 years instead of the usual 12 to 15 years for wooden sleepers. When we are introducing the concrete sleepers, in that new arrangement, gangmen are not able to do it manually and, therefore the job has to be done mechanically. But even with this mechanisation, we will see that the gangmen will not be shifted. As regards the initial complaint that she has mentioned, we will see to it that when vacancies of gangmen occur, we will not allow those vacancies to go uncoverea or unfilled. Injustice to gangmen will always be avoided.

SHRIMATI BIBHA GHOSH GO-SWAMI: There have been 412 troin accidents causing 129 deaths. I want to know in how many cases sahotage was the cause of the accident.

PROF MADHU DANDAVATE, I have already informed the House a number of times that from 1st April 1977 to 31st March 1978 we detected 127 obstructions in the path. Some of them were by way of removal of fish-plates; lu some places the rails were cut. Even though 127 attempts were made, 8 of them resulted in accidents due to sabotage. In addition to other steps, in November we set up a patrolling agency of 25,000 men-14,000 gangmen and 11,000 RPF men-and I am very happy to say that after starting the practice of patrolling from 23rd December 1977 not a single accident dun sabotage has taken place, and that is a tribute to our gangmen and RPF men.

SHRI T. A. PAI; May we know whether the Minister has raised the quantum of compensation in the case of deaths from Rs. 50,000 to Rs. I lake because the cess collected is leaving an insufficient belance every year and it would be fair that the travellers by trains are treated on a par with travellers by planes?

PROF. MADHU DANDAVATE: The hon. Member, who is also an exRailway Minister, is aware of the fact that even this particular quantum of compensation of Rs. 50,000
was introduced after considerable discussion. Normally, there is somesort of link between the compensation paid to the victims by the airways and the compensation paid by:

the railways. In air the risk is sun posed to be enormously large and therefore to that extent the compen eation quantum has always been grore there There is a certain interna tional concept that has been accepted, and it has always been accepted that whenever there is an upward revi sion of the one there is an upward revision of the other In fact I my self had suggested that this should be examined. We have examined this and come to the conclusion that the maximum compensation should be Rs 50 000 and that if we revise it upwards the compensation to the ar victims will have also to be rais ed At present we are confining ourselves to Rs 50 000 Let there be no incentive for acc dents

SHRI SHAMBU NATH CHATUR VEDI May I know how the accident figures of the current year compare with the figures of the previous Acous.

PROF MADHU DANDAVATE In 1974 75 for this period the number of accidents was 479 They are 412 for this year In 1975 76 it was 428 in 1976-77 it was 368 and in 1977 78 ıt 15 412

SHRI BEDABRATA BARUA May I know from the hon, Minister what has happened to the theory of cabot age? Has it remained only a theory or has there been any finding also that many of these accidents took place due to sahotage resulting in log of life and property? I would like to know whether after six months or one year of propounding this theory Government has come to any conclusion as to who indulged in this sabotage. It is no use saying there is sabotage but we do not know who did it We should be told if they suspected certain elements and have made certa n findings about the matter

PROF MADHU DANDAVATE There is no question of a theory of sabotage II sabotage were to re

mam in theory I would have been extremely hoppy Then there would have been no danger at all But it has been put into practice

There were 127 obstructions to the railway track in the form of removal of fish plates tampering with the track cutting of the rails They resulted ultimately ın accidents Even after introducing natrol, we find that 27 attempts at sabotage were there but they were detected by our patrolmen well in time before the trains could pass. In the case of these eight accidents which were due to sabotage there is no clear cut indication. The final report has yet to come

In one case 13 men at Murtapapur have been arrested but I wish to make if clear that they do not happen to be railway employees because a theory is sought to be built that be cause bonus has not been green there is distonient and the workers are indulging in it. In 1974 there was the maximum discontent and a 21 days trike but not a single act of sabotage took place even during that struggle Therefore I do not want to allege that the railway workers are indulging in this ho railway worker has committed any act of sabotage

SHRI BEDABRATA BARUA political elements involved in it?

PROF MADHU DANDAVATE The enquity is going on. No politi cal adentity tas been established but it has been established that they are not railway workers. That much I cate say

# वतर अदेश म तेल भीर गैस की खोज

\*768 सी रामधारी शास्त्री नया पेटोलियन तथा रसायन भीर उत्ररक मन्नी यह वताने की उपा करेंगे कि .

(न) उत्तर प्रदेश के किन विन स्थानी पर तेन भीरगत की खोज की जारही है मीर इसमें क्तिनी प्रगति हुई है और

30 MR. SPEAKER: This question

(ख) क्या देवरिया जिले में भी ऐसी खोज की जा रही है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौराक्या है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र ): (क) इस समय औ० एन० जी० सी० उत्तर प्रदेश के पीली भीत जिले में पूरनपुर के पास एक कुएं की खुदाई कर रहा है। श्रमी तक 402 मीटर गहराई तक कुएं की खुदाई की जा चुकी है।

(ख) जी, नहीं। परन्त देवरिया जिले में भूकम्पीय सर्वेकण का काम चल रहा है ।

श्रीरामधारी शास्त्री: उत्तर प्रदेश में किन किन स्थानों पर इस तरह का सर्वेक्षण चल रहा है ? क्या उत्तर प्रदेश में पीली-भीत के प्रलाबा और कहीं भी इस तरह का सर्वेक्षण चल रहा है ?

श्री जनेस्वर मिश्रः इस समय पीली-भीत के प्रलावा और कहीं सर्वेक्षण नहीं इस रहा है।

भी रामधारी शास्त्री: देवरिया जिले में जो काम चल रहा है, वह किन किन स्थानों पर चल रहा है ? श्रीर वह काम कव तक पुरा हो आयेगा ?

श्री जनेश्वर मिश्रः एक निस्मेक पार्टी गोरखपुर ग्रीर देवरिया जिलों में काम कर रही है। उस के सर्वेक्षण के आंकडों का इंस्टीट्यट ग्राफ़ पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन अध्ययन कर रहा है। इस दारे में और कोई व्यौरा ग्रभी देना मश्किल है।

श्री राम विजास पासवान : मैं जानना चाहता हं कि ग्रभी तक किन किन स्थाबों पर तेल ग्रीर गैस की खोज की बई है और वहां से कितना तेल ग्रौर गैस निकल रही है। उत्तर प्रदेश के ग्रतिरियत किन किन राज्यों में ....

related only to Uttar Pradesh. श्री जनेश्वर मिश्रः उत्तर प्रदेश

में चार जगहों--उनानी, कासगंज, तिलहर और मोंहद में पहले तेल की खोज का प्रयास किया गया था। लेकिन वहां जो कृएं खोदे गये, उनसे कोई सफलता नहीं मिली।

श्री व्रजभूषण तिवारी : क्या उत्तर प्रदेश में और जगहों पर सर्वेक्षण कराने का कोई प्रस्ताव सरकार के सामने हैं ?

श्री जनेश्वर मिश्रः जिन जगहों के बारे में मैंने वताया है, उन के ब्रलावा केवल गोरखपुर के पूर्व में, गंडक की तलहटी में एक सिह्मिक दल भेजने के लिए छो। एन० जी० सी० विदार कर रहा है।

## गया में उपरियुक्त

769 श्री ईश्वर चौधरी : क्या रेख मंत्री यह बताने की क्रपा करेगे कि।

- (क) त्या मंत्रालय ने गया (विहार) अंक्शन पर उपरि पूल बनाने ग्रीर उसे श्रप्रैल, 1974 तक पूरा करने का शास्त्रासन दियाधाः
- (थ) यदि हां, तो उसे ग्रव तक पूरा न करने के नया कारण हैं; और
- (ग) वह उपरि पूल सम्भाव्यतया कव तक पूरा हो जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण ): (क) से (ग). एक विवरण सभाषटल पर रख दिया गया है :

#### विवरण

(क) से (ग) यान्नी यातायात के लिए बया बंदणन पर एक ऊपरी पूल पैदल पहले से है। गया रेलवे स्टेशन पर एक दुसरे पैदल पूल के निर्माण का काम 1973-74 के रेलवे निर्माण कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

पुल की नीव ग्रौर इस्पात के नाम की विरचना सम्बन्धी कार्यपूरे ही गये हैं तथा सरचनाओं के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है।

3T

गवा स्टेशन एवं व्यस्त विज्ञती कृत खण्ड परस्थित है, ग्रत पुल का निर्माण बहुत ही सावधानी से करना होता क्यांकि विजली के ऊपरितार धादि हेटात पडेंगे। द्यत यह काम ऐसे चरण बद्ध तरीके से करना होगा जिससे यातायात में कोई दाधा न पडे। बाशा है कि यह काश 1979 ने भन्त तक पूरा हा जायेगा।

धी ईश्वर चौधरी • पिछली सरकार ने यह दचन दिया या कि इस पुन के सम्बन्ध भ मदकाम ग्राप्त, 1974 तह पूरा वर दिया जायगा। अब सरकार से बचन दिया है कि यह काम 1979 नक पूरा कर दिया जायगा। इस देलिए में मती प्रहादय को धन्यदाद देना चाहता है। जैसा कि मैंने बढ़ा है पिछली सरकार ने इस काम की भ्रप्रैल, 1974 में पूरा करने का वचन दिया था। उसने क्तिने वरस बाद मैं यह प्रक्त कर रहा है। मैं यह जनना चाहता है कि क्या मली महादय इस कार्य में तकी लाने ने लिए कोई व्यवस्था करेंगे । जहां तक मृत्रे जानकारी है वह काम भ्रमी गुरू नही हुमा है। पुल के फाउडेशन का काम पूरा हा गया है। यह नाम बहुत धीमी गति से चल रहा है। क्या मती महोदय इस मे नेश्री लाने के लिए काई पालना बना रहे 责?

श्री शिव नारायच • फिडली सरकार की जिम्मेशरी तो हमारी नहीं है। जनता सरवार ने जिस्मेदारी ली है और इस बहत तेज चल रहे हैं।

श्री ईक्वर चीघरी । नया मत्री महोदय वनायेंगे कि इस पल की लवाई और चौडाई कितनी है? इस पूल पर ब्रावासमन की क्षमता कितनो है । यह पूल 1974 में बन जाना चाहिए था, लेकिन वह 1976 धीर 1977 में भी नहीं बन पाया। अब 1978 हो गया है। क्या जनना पार्टी के भिनिस्टर महोदय अपनी इस गलती को स्वीबार करेगे कि यह पूल इस बरस बन जाना चाहिए था जब कि वह नही बना है ? वया उन की तेजी वा मही लक्षण हैं?

श्री शिव नारायण: इस की लवाई 109 मीटर मीर चीडाई 2 44 मीटर होगी :

थी मोहम्मद शकी कुरैशी - ग्राप की लवाई क्तिनी है ?

شوی متعمد قربشی آب کی

لمبائي کنلي ہے

श्री शिव नारायण : 5 पुट 6 इच। WRITTEN ANSWERS TO

QUESTIONS Rajdhani Express'

\*766 SHRI A K ROY Wall Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) what is the per cent occupancy, punctuality and economy (with break up details) of Rajdhani Express,

(b) whether it is a fact that this Express is a big white elephant on the Railways enjoyed only by the upper strata of the society, and

(c) whether the Government proposes to substitute it by a Janata Raidhani Express in near future?

THE MINISTER OF RAILWAYS MADHU DANDAVATE): (a) to (c) The occupation of Howrsh-New Delhi Raidhani Express ranges between 63 and 100 per cent in IAC and 87 to 100 per cent in AC Chair Car and that Bombay Central-New Delhi Rajdham Express ranges between 70 and 100 per cent in IAC and 83 to 100 per cent in AC Chair Car Out of 51 trips run during January to March, 1978, New Delhi-Howrsh and New Delhi-Bombay Central Rajdhani Express trains ran to time on 43 and 44 occasions respectively. The comparative earnings of Rajdhani Express with other trains running on these routes show that it is economical. In order to avoid dust nuisance at the high speeds of these trains, air-conditioning is essential, This train is highly appreciated especially by tourists coming from Toreign countries. Ordinary coaches cannot he attached to these high speed trains.

#### Arrangements to clear summer Traffic Rush.

767. SHRI K. MALLANNA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any special arrange-ments have been made by the Railway authorities for clearance of such of traffic during summer months this year; and

#### (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b). Yes, Sir. In order to clear the exodus of summer rush traffic during the coming summer season. Railways propose to run about 1200 special trains on various routes, subject to traffic offering. A statement showing important routes and the frequency of trains is laid on the table of the Sabha.

Statement 'Arrangements to clear Summer Traffic Rush'.

| Special Trains  |                    |
|---|--------------------|
| Route   | Frequency          |
| (1) New Delhi-Madras  | Biweekly           |
| (2) Howrah-Delhi-Kalka  | Weekly             |
| (3) Delhi-Jammu Tawi  | Triweekly          |
| (4) Nizamuddin-Bomba;<br>Central<br>(5) Bombay Central-Jamm<br>Tawi | Biweekly<br>Weekly |

| Ronte                   | Frequency |
|-------------------------|-----------|
| (6) Bombay VT-Trivandru | m Weekly  |

- (7) Bombay VT-Madras Weekly
- (8) Bombay VT-Vasco-da-
- gama . Biweekly (9) Bombay-Secunderabad Weekly
- (16) Bombay-Pane . Daily
- (11) Bombay VT-Varanasi . Biweekly
- (12) Bombay Contral-Gandhidhatq . Biweekly
- (13) Bombay Central-Ahmadabad, . . 5 days in a week
- (14) Ahmadabad Marson , Daily
- (15) Viratugam-Jamnagar . Biweekly
- (16) Howrah-New Jalpaiguri Biweekly
- (17) Howrah-Jammu Tawi , Weekly
- (18) Howrah-Barauni . Weekly
- (19) Dhanbad-Varanasi . Alternate days
- (20) Delhi Sarai Rohilla-
  - Jodhpur . . . Biweekly.

### Dhanbad Railway Loco Workers

\*770, SHRI YADVENDRA DUTT: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether on 1st February, 1978. Dhanbad Railway Loco Workers had gone on strike which has led to total stoppage of railway traffic; and

(b) if so, the demands of the workers and steps taken by Government thereon?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) There was a stoppage of work from 31-1-78 to 1-2-78; passenger services were maintained by-passing Chopan.

(b) There was a demand for inereasing the earnings out of the crew links of the Loco Running Staff of Chopan. The question of readjustment of the links of running staff

of Chopan Shed and other contiguous sheds in under consideration of the Railway Administration

## उद्योगों मे स्रनिवार्य सागत-सेखा परीक्षा

- \*771 श्री सुचेन्द्र सिंहः क्यांपियः, न्याप श्रीर कम्पनी कांप मन्नी यह बताने की कना करेगे वि:
- (क) श्रव तन वस्त्र तथा अन्य उद्योग। वे वितने कारखाना में अनिवायं लागत-लेखा परीक्षा आरम्भ की गई है, और
- (स) यह लेखापरीक्षा कव ग्रारम्भ की गई और इनके क्या परिणाम निक्ते

विधि, त्याय और स्मानो स्थाय मयो (भी सानित पूरा )' (क) (1) जारत नेखाकत प्रनितंत्र (मुन्नी स्वत) तियम, 1977 प्रमान जुनाई 1977 में जागू किये गये हैं, घत मूनी बस्ता वा गोई एकक मदी तर लागन तेखा-गरीका के म्हत्योत नहीं साथा है। ये एक्स 1-7-1978 में, सदवा परचात् शरफा होने वाली प्रपृत्ति विस्ताय वर्ष ने जानत नेपा-परीक्षा क्षत्यांत् प्रारंभ

- (2) अन्य उद्योगों के एक्ट्रा की व्यक्त 1-1-69 में अब कर, 23 बर्गों ने उत्योग वाली 732 कम्पनियों के लिए लामत लेखा-परीक्षा ने आदेश शेषित किय गर्थ हैं।
- (ख) रागन लेवा परीक्षा से सम्बन्धित उपवन्य नम्पती (मगोधन) प्राधिनियम, 1965 पा 31) द्वारा पुर म्यापित किने पव रे जो 15-10-1965 में सागृ हुया। दन उपवन्धा ने प्रमानंत निर्माण माने प्रमानंत निर्माण प्रमानंत निर्माण प्रमानंत प्रमानंत पर, 23 वर्षों को मन्यनिया शे व्यवत सागृत लेवाम्परीक्षा करन के प्रादेश मैंपित निये पर प्राप्त प्रमानंत पर, 23 वर्षों को मन्यनिया शे व्यवत सागृत लेवाम्परीक्षा करन के प्रादेश मैंपित निये पर प्राप्त करन ते प्राप्त में मनुसान सागत सेवाम्परीक्षा करन के प्राप्त में मनुसान सागत सेवाम्परीक्षा के उपमृतिया, विस्तत हम में मीचे वर्णित है

- (1) सागत लेखावन अभिलेख के सधारण की प्रणाली तथा लागत लगाने की प्रणाली में अपूर्णता।
- (2) कुछ मामलो मे क्षमता वा वम उपयोग, इसरे कारण लागतो मे घमिषटून।
- (3) कुछ मामलो मे उत्पादन सुवि-धाग्रो में तुलनहीनता।
- (4) कुछ मामला मे अनुकूलतम क्षमता की आणि वे विषद्ध मागीवरोध प्रति-नुसता !
- (5) कुछ म मिलो में श्रमतीयजनक वित्तीय स्थिति तथा सगातार हानिया :
- (6) शुंछ मामता मे उच्च सागत सम्यता।

## Kharagpur Werkshop

\*772 SHRI DINEN BHATTA-CHARYA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) has the Government received any representation from the staff of Kharagpur Workshop to the effect that repair work is being entituded to private firms at costs higher tean the costs if repairs were made in the Railway Heavy Electrical repair shop,
- (b) if so whether any enquires have been made and with what results, and
  - (c) If so, what steps the Government propose to take against the officers responsible for causing a loss to rail, way revenues in the process?

THE MINISTER OF RALLWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) (a) Yes, Sir Representation from the Working President and Secretary on behalf of Heavy Repair Shop, Electrical Staff Council, Kharaggur, addressed to the Horbibe Raulway Minister has been received Repair work has been entusted to private parties.

only to the extent that Railway Workshop was not able to find capacity. The works contracts to private parties have been awarded by following all rules of tendering.

- (b) The matter has been investigated and the complaints are not found to be correct.
  - (c) Does not arise.

37

## A.C.C. Travel by Railway Officers

\*773 SHRI SHYAMAPRASANNA BHATTACHARYYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state why the pay limit for A.C.C. Travel by railway officers on duty has been reduced from Rs. 2.250/- to Rs. 1.800|- violating recommendation of Third Central Pay Commission contained in para 7 of Chapter 57 of the Report?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): With a view to broadly maintaining, in the revised set-up, the same set of relativities that existed between the railway employees on the one hand and other Central Government employees on the other, in the matter of entitlement to the class of travel, the recommendations of the Third Pay Commission in this regard were modified to the extent necessary. The entitlement of Railway officers in the J.A. grade for travel on duty in ACC was fixed at the pay limit of Rs. 1800/and above, with the approval of the Cabinet, to maintain the broad relativities that prevailed in the prerevised set-up between the officers on the Ralways and those on the Civil and Defence sides.

#### Ticket-Checking Supervisors at Howrah

\*774. SHRI SOMNATH CHATTER-JEE: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state:

(a) whether the Government has received any representation about the corrupt practices by the Ticket Checking Supervisors at Howrah during Emergency:

(h) if so, the facts given out in the representation:

38

- (c) whether any enquiry has been conducted in the matter and if so, with what results: and
- (d) what the Government propose to do to stop such practices and to punish the delinquent officers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Sir.

- (b) Eight representations and complaints containing allegations of illegal charging, realisation of movey without issue of receipts and use of abusive language towards passenger (s) were received.
- (c) Yes, Sir: Enquirles have been completed in the case of seven of the representations and the allegations could not he substantiated in Departmental and confronted enquires. In one case, the enquiry is still in progress.
- (d) Secret watch is being kept by Vigilance Organisation and anti-fraud squad. If any staff is detected indulging in any malpractice, suitable disciplinary action is taken.

#### कार्यान्वयम समिति का राजभाषा गठम

\*776. श्री नवाब सिंह चीहान : वया पैटोलियनः रसायन ग्रीर उरर्वक मंत्री वह बताने की क्रमा करेंगे कि :

- (क) क्या उनके मंत्रालय/विभाग में राजधापा कार्यान्वयन समिति गठित कर दी गई है:
- (ख) यदि हां, तो 1977 में इसकी वैवर्के किस किस तारीख को हई धीर ततम वया वया निर्णय लिये गये :

- (ग) उनमें कितने निर्पाय पूरी वरह सैं लागु किये गये स्रोर
- (घ) शेष निर्णयाको लागू वरने मे बिलम्ब के नया कारण हैं?

बेट्रोतियम तथा रसायन धौर उबैरक मत्रालय भे राज्य मत्री (धी जरेतवर मिथा): (क) दोनो-येट्रोतियम तथा रमाया धौर वर्वरक निकासा में राजभाषा कार्यान्ययम मीमीतया गठित की जा चुकी है

(ख) से (घ) ग्रंपेक्षित सूचना दर्जाने बाला विवरण समा पटल पर स्व दिया गया है

#### विवरण

राजभाषा कार्यान्वयन समितियो को बैठक दिनाक 17-1-1977, 19-1-1977, 25-5-1977, 7-6-1977, 27-9-1977, 6-10-1977 थीर 30-12-1977 को हुई थी। इन बैठको से निक्सियित महत्वपूर्ण निर्वय तिये कवे

- उपक्रमों में हिन्दी प्रकोष्ठों की स्थापना भीर हिन्दी स्टाफ की मर्ती;
- (2) हिन्दी टाइपराइटरी की खरीद
- (3) हिन्दी की सहायक पुम्तक स्पौर सामग्री की खरीद:
- (4) हिन्दी में प्राप्त पत्नों का उत्तर हिन्दी में देना:
- (5) हिन्दी मापी राज्यों में स्थित कार्यालयों के साथ मूलरूप से हिन्दी में पत्र व्यवहार करना,
- (6) सभी सामान्य बादेश द्विभाषिक रूप में जारी करना .
- (7) मतालय मे प्राय: प्रयोग मे माने वाली शब्दावली तैयार करना;

- (8) राजभाषा अधिनियम, 1963 भौर राजभाषा नियम, 1976 के उपबन्धी से सम्बन्धित सूचना वा वर्मेवारियाँ मे भ्रवार एवं प्रमार वरना,
- (9) श्रीपधिया ने पैकटा के लेबलो/ कार्टूनों को द्विभाषिक रूप में रूपवाना
- (10) रवड की मोहरे डिमापिक रूप से प्रयाग करना
  - (11) हिन्दी टाइपिंग जानने वाले टाइ-पिस्टा का बारी बारों में हिन्दी अनुमाग म नियुत करना
  - (12) हिन्दी क विशालाए प्रारम्भ करना ,
  - (13) नश्द पुरम्झार योजना लागू करना,
  - (14) टिप्पणी छोर छानेखन मे हिन्दी के प्रदोग का बढावा देन में लिए प्रभावकर/श्रमुभागवार समिनिया गठित बरना।

जनत सूची के कम मध्या 2, 3, 4,6 8, 10, 11, 13 और 14 पर त्रिमे गया निर्णयो का पूर्व रुपेया लायू कर दिया गया है सन्य निर्वया का लागू निया जा रहा है धौर उनसे दुई प्राणि का पुत्रशिक्षण राजभाषा क्यान्वयन समितिया की बैठका में विया जाता है।

Expert Committee for Modifying existing Plant of Cochin Refinery

\*TIT SHRIK A RAJAN Will the Minister of PETROLEUM, CHEMI-CALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) whether a Central Expert Committee is examining a plan to modify the existing plant of the Cochin Refinery, and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI-ZERS (SHRI JANESHWAR MISH-RA); (a) and (b). In December 1977 Government appointed a Study Group under the chairmanship of Shri R. N. Bhatnagar, Chairman and Managing Director, Bharat Petroleum Corporation, to examine the additional refining/secondary processing capacity to be set up/initiated during the Sixth Plan (1978-83) and for two subsequent years. The functions and duties of this Study Group were to recommend the priority and location for the establishment of such additional capacity based on an evaluation of technical, logistical and economic implications of different projects. The Study Group has also studied the prospect of setting up of secondary processing facilities at Cochin. report submitted by the Study Group in March 1978 is now under consideration of the Government.

## प्रायकर प्रपोलीय स्वायाधिकरणों में हिन्दी का प्रयोग

\* 778. श्री राधवजी : क्या विधि, म्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कपा करेंगे कि:

- (क) ग्राय कर ग्रपीलीय न्यायाधि-करणों में हिन्दी के प्रयोग के बारे में संरकार की क्या नीति है:
- (ख) इन न्यायाधिकरणों में उत्तरोत्तर हिन्दी का प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए त्या कार्यवाही की गई है : श्रीर
- (ग) देण में कल कितने आयकर ग्रपीलीय न्यायाधिकरण हैं ग्रीर इनमें से किन न्यायाधिकरणों ने अपने पंचाट हिन्दी में रिकाई करना ग्रारम्भ किया?

विधि. न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भवण ):(क) और (ख)

आयकर अपील अधिकरण राजनापा प्रधि-नियम, 1963 के अनुसार हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनदेशों/आदेशों और परिपत्नों श्रादि को कार्यान्वित करता रहा है। अधिकरण के सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारिवृन्द को हिन्दी शिक्षण स्कीम के अधीन हिन्दी में प्रणिक्षित किया जा रहा है: अधिकरण के अध्यक्ष ने आय-कर अपील अधिकरण नियम, 1963 के नियम 5% के श्रवीन अधिस्चित किया है कि यदि पत्नकार चाहें तो वे अधिकरण की हैदराबाद/बंगलोग नागपुर/इलाहाबाद/श्रमृतसर/चण्डीगढ/ दिल्ली इन्दीर/जवलपुर/जमपूर/पटना में स्थित बैचों मे हिन्दी में लिखें दस्तावेज फाइल कर सकते है। इसी प्रकार ग्रध्यक्ष ने नियम उस के ग्रधीन ग्रधि-सुचित किया है कि अधिकरण स्वविवेकानुसार . उक्त बैचों में अपनी कार्यवाहियों में या श्रादेश पारित किए जाते समय हिन्दी के प्रयोग की धनुका देसकता है।

(न) देश के 19 स्थानों में 38 वैचें हैं। श्रमी तक किसी भी वैंच ने हिन्दी में आदेश लिखना प्रारम्भ महीं किया है।

#### Railway Crossings in Delhi

\*779. SHRI KANWAR LAL GUP-TA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) the details of main Railway crossings in Delhi where over-bridge should be constructed;
- (b) the details of the Railway crossings where over-bridges are proposed to be constructed in 1978, 1979 and 1989;
- (c) in how many cases Government has received representation to construct over-bridge on the Railway crossing; and
- (d) why no action was taken over those representations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Replacement of following level crossings

te nu sited

their share of cost as per extant rules

by road over/under-bridges is considered desirable

- (1) Jail road level crossing No 12 B at km 14/4 5 near Delhi Cantt
  - (2) Level crossing gate No 2 at km 4/45 near Shakti Nagar, Delhi. (3) Level crossing No 5 at km 7/1-2 near Rampura
  - Rampura

    (4) Level crossing No 7 at km 9/2-3 near
  - Ranibagh
    (5) Level crossing No 9 at km 13/7-8 near
  - Mangolpura.
    (6) Level crossing No. 12 at km 35/2-4 near
  - Entania Factory
    (7) Level crossing No 13 at km 26/3-3
  - near Ashok Vihar

    (8) Level crossing No 580 at km 1519/6-7
    near Tughlakabad.
  - (9) Level crossing No 580-A at km 51523/1-2 near Okhla Industrial Estate
  - (10) Level crossing No 581 at km 1526/4 5 near Okhla Industrial Estate.
  - (11) Level crossing No 4 C & 4 B at km 5/8-9 at New Robiak Road.
- (b) No road over-bridges are proposed to be constructed during 1978-79 Proposals for 1979-80 can be considered if Delhi Administration[Road Authorities complete the necessary preliminaries/formalities in respect thereof before hand
- (c) Representations have been received in two cases viz., for the construction of road over-bridges in replacement of level crossings menhon ed against item (1) & (2) (1s, on Jail Road and in Sbakti Nagar respectively) of the reply to part (a) of the question
- (d) For the road over-bridge on Jail Road, acceptance of the Munucpal Corporation of Delhi for the proposed apportionment of cost and general arrangement drawings is awailed

For the road over-bridge at Shaku Nagar, a firm proposal from the Delhi Administration/Road Authority together with their undertaking to bear

#### Board of Directors of Kanoi Industries Limited

7131 SHRI K, LAKKAPPA Wi'l the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

- (a) the composition of Board of Directors of the Kanol Industries Private Limited Calcutta as at present,
- (b) full particulars of its principal sharebolders and value and percentage of shares beld by each of them,
- (c) whether it is a fact that the company does not maintain its books of accounts and the statutory books in accordance with the provisions of the Companies Act,
- (d) whether the Company has accepted loans and deposits and has also transferred loans to various other companies contravening the Companies Act, and
- (e) if so, the facts thereof and action taken against the principal officers?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN). (a) Board of Directors consists of the following persons

- J. Shr. Murlidhar Kanni
- 2 Shri Om Prakash Kanoi
- 3 Shri Hari Krishna Kanoi
- 4 Smt Karuna Kanou
- (b) A statement I is attached.

(c) The Department of Company Affairs has no information in the matter and no complaint on the subject has been received.

(d) and (e) A statement-II is at tached

#### Statement-I

Names of principal shareholders, value and percentage of shares held by each of them as per the annual return made upto 30th September 1977 are as under:

|  | Value of<br>Share Held |            |
|--|------------------------|------------|
| Name   |                        |            |
| ı. Shri Murlidhar<br>Kanoi                     | 45,000                 | 9%I<br>CSE |
| 2. Smt. Karuna Kanol                           | 45,000                 | 9%         |
| 3. Shri Om Prakash<br>Kanoi , .                | 35,000                 | 7%         |
| 4. Shri O.P. Kanol                             | 53,000                 | 10.6%      |
| 5. Mrs. Sabba Kanoi                            | <b>240,</b> 000        | 8%         |
| <ol> <li>Kum. Shrikanta E<br/>Kanoi</li> </ol> | 60,000                 | 12%        |
| <ol> <li>Kum. Umakanta<br/>Kanoi</li> </ol>    | 60,000                 | 12%        |

#### Statement-II

Particulars regarding loans and deposits accepted by the company as disclosed in its Balance Sheet as at 31st March 1977 are as under:

| Unsecured Loan    | 15 |  | R3.       |
|-------------------|----|--|-----------|
| Short terms loans |    |  |           |
| From Directors    |    |  | 7,16,500  |
| From Others       |    |  | 38,95,314 |
| Other Leans       |    |  |           |
| From Directors    | ,  |  | 7,75,154  |
| From Others       |    |  | 5,34,031  |
|                   |    |  |           |

Auditors in their report of the Balance Sheet as a 131st March 1977 remarked that the Company is taking, steps to comply with the provisions of Section 55A of Companies Act, 1956 and the Companies (Acceptance)

3

of Deposits) Rules, 1975 with regard to deposits; accepted. "Action on this remark is under examination. Department of Company Affairs have no information on about the alleged transfer of loans to various other companies.

Cell for Reservation of Posts for S.C. and S.T.

7132 SHRI P. RAJAGOPAL NAI-DU: Will the Minister of LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether special cell have been functioning in the Department of Legal Affairs to ensure strict enforcement of reserving posts for Scheduled Castes and Scheduled Tribes; and
- (b) whether any complaint was sent to the cell during 1977-78?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) Yes, Sir.

(b) One complaint was received in the Cell during 1977-78 which was duly considered and finally disposed of.

Monthly Season Tickets for Passengers between Dina Nagar and Amritsar

7133, SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that there is a great demand for issue of monthly season tickets for passengers travelling between Dina Nagar and Amritsar;
- (b) whether it is fact that Station Master, Dina Nagar is reported to have observed that the monthly season tickets can be issued only with the sanction of the Chief Commercial Superintendent, Northern Railways;
- (c) whether the Pathankot-Amritsar Railways Section train traveller Association, Gurdaspur have sent any re-

presentation to the Chiet Commercial Superintendent, Northern Railway in this regard, and

(d) if so what action Government have or propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Yes

(b) No The Chief Commercial Superintendent is also not competent to authorise issue of Monthly Seasmi Tickets beyond 80 Kms

#### (c) Yes

47

(d) The Association were advised on 10th March 1978 that under the extant policy, Monthly Season Tickets cannot be issued between Dina Nagae and Amritar the distance being 32 Kms

#### Proposal to improve Service Conditions of Judges

7134 SHR: SHYAM SUNDER GUPTA Will the Minister of LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

(a) whether Government propose to raise the pay scales and to further improve the conditions of Service of the Judges of the Supreme Court and the High Courts and

(b) if so what are the details there

THE MINISTER OF LAW. JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) (a) ard (b) There is no proposal under Government's consideration to raise the pay scales of Judges of the Sup reme Court and the High Court How ever, the Government are at present oonsidering -

(1) a proposal to exempt Judges of the Supreme Court a d the High Courts from payment or income tax in respect of rent-free accommodation allotted to them or the house rent allowance admissible in heu thereof to the Judges of the High Courts

(ii) a proposal to amend the High Court Judges (Conditions of Service) Act, 1954 and the Supreme Court Judges (Conditions of Service) Act, 1958 so as to allow Judges of the High Courts and the Supreme Court to avail of leave on full salary for 120 days when it is on medical grounds in place of exist ing limit of 45 days

The former Chief Justice of India sent a proposal in November, 1977 recommending that the age of retirement of Judges of the High Courts and the Supreme Court may be raised from 62 years to 65 years and from 65 years to 68 years respectively The Government has not yet given any consideration to this proposal

## Task Force Officers Unclassified

7135 DR LAXMINARAYAN PAN-DEYA Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state

(a) whether there is a strong task force of thousand officers on the Indian Railway unclassified because they were recruited as temporary officers

(b) whether Allahabad High Court has pronounced verdict with 5 judges in 3 stages that these officers are assistant officers and they should be entitled to semonty from their respective dates of recruitments, and

(c) on what grounds his Ministry disregards the judicial decrees and does not implement the above decisions unlike other Ministries, as this has a strong repercussion and demoralising effect on the career growth of these temporary officers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) temporary officers recruited through Union Public Service Commission

ग्रीर

with certain relaxed conditions were "unclassified" i.e., neither in Class I nor in Class II as they were recruited against the temporary posts.

(b) The Allahabad High Court in their judgment in the Writ filed by one Temporary Assistant Officer had only directed the Railway Administration to consider the name of the netitioner for appointment in officiating vacancy to the post of District Officer in the Senior Scale as soon as the vacancy arose. This has been complied with,

(c) Does not arise.

नागरिक संघर्ष समिति, गंगटोक. सिविकम की मांगें

7136. श्री हरूम चन्य फछवाय: क्या विधि, स्याय और कम्पनी कार्य मंत्री सिविकम के प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन के बारे में 28 फरवरी, 1978 के ग्रतारांकित प्रश्न सं० 1056 के उत्तर के संबंध में यह बताने की रूपा करेंगे कि:

- (क) नागरिक संघप सिमति, यंगटोक सिक्किम द्वारा अस्तृत ज्ञापन में उल्लिखित मांगों का न्यीरा क्या है: ग्रीह
- (का) क्या सरकार ने इन भागों पर विचार किया है और यदि हां तो इस वारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और यदि नहीं. सो इन पर सरकार जब तक विचार करेगी ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्व मंत्रो (श्री शान्ति भूषण): (क) नागरिक संघर्ष समिति, गंगटोक (सिक्किम) ने प्राप्त तारीख 2 दिसम्बर, 1977 के भाषन की एक प्रति सभा पटल पर रख दी गई है। [प्रन्यालय में रखी गई। देखिए संख्या एल. ਈ. 2128/78]

(ब) जापन में जो नहीं है उनके स्थापक ब्रयें हो सकते हैं, इसलिए सरकार को उन पर विनिश्चिम करने में कुछ समय लगेगा। सरकार का यह प्रयास होगा कि उस विषय में विनिष्टचय राज्य विधान सभा के खगले निर्वाचनों से पर्याप्त समय पहले कर लिए जाएं १

पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर का वेरावल का दीरा

7137 श्रीधर्म सिंह माई पटेल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि पश्चिम रैलवे के जनरल भैतेजर ने गजरात के जनागड़ जिले में वैरावल टाउन का दौरा किया था: यदि हांतो कव ;
- (छ) क्या सोपठ चैम्बर ब्राफ कामर्स, त्रेरावल ने पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर को कोई मांग पत्र दिया था, यदि हां, तो उसमें की गयी मांगों/शिकायतों का व्यारा क्या है ;
- (ग) उन्त मांगों/जिकायतों के बारे में क्या कार्यवाही की गयी है और यदि श्रव तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो इस बारे में कब और क्या कार्यवाही करने का विचार **§** ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्रो शिव नारायण) : (क) जी हो. 28-2-1978 फी।

(ख) और (ग) सूचना इक्ट्ठी की वा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगो ।

Representation received by F.T.A./ Administration

7138. SHRI ROBIN SEN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) total number of representations received by the F.T.A./Administration. Western Railway during the year 1972 to 1977;

- (t) total number of representations finalsed and still pending,
- (c) the reasons for this long delay, and
- (d) steps taken by Government for the quick disposal of staff representations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) 67

- (b) Finalised 59 Pending 8
- (c) Pending representations are not very old and there is no undue delay They are being finalised
- (d) Instructions exist for prompt disposal of staff representations and all efforts are being made to ensure this

# Camplaints made to MRTP Commis-

7139 SHRI D B CHANDRE GOW DA Will the Minister of LAW, JUS TICE AND COMPANY AFFAIRS he bleased to state

- (a) whether some cases have been brought to the notice of Government from the dealers who made complaints to MRTP Commission against manufacturers in respect of unfair and resinchie trade practice during the last two years and
- (b) if so, the details thereof and the decision taken by the Commission in each case?

THE MINISTER OF LAW JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) (1) Yes, Sir

(h) A statement 13 laid on the Table of the House [Placed in Libraty See No LT-2129/78]

#### Violation of Companies Act by Hindustan Lever Limited

- T140 SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state
- (a) whether Governments attention has been drawn to the various irregularities committed contravening the provisions of the Companies Act 1966 by the Hindustan Lever Limited Bomhay.
  - (h) the facts thereof
- (c) the composition of Board of Directors of the Company including the principal shareholders and value and percentage of shares held by each of them.
- (d) whether it is alleged that the Company has secured deposits from various sources without appropriately securing any permission of authorities,
- (e) if so the defails thereof and action taken thereon

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COUPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BRUSSHAN) (a) and (b) Governments attention was drawn to an article published in Yiew Age dated the 26th of September, 1976 containing allegations of irregularities communited by the company The following are the main allegations.

- (a) There was discrepancy in the figures reported in the Profit and Loss Accounts of the company for the years ended 31st December 1974 and 31st December 1975
- (h) There was discrepancy in the provision for bad and doubtful debts
- (c) Discrepancy in the closing stock.
- (d) Production in excess of lices ced capacity plus permitted liberals sation.

- (e) Collection of security advances from distributors without payment of interest, and utilising the said money without disclosing in the Balance Sheet.
- (f) Running trade load schemes and making hidden earnings,
- (g) Running Guest Houses as Hotels without any licence.
- (h) Company has not diluted its foreign equity holding which stands at 85 per cent.

These points were taken up with the company who has satisfactority explained the position.

- II. Additionally, during the course of inspection of the books of accounts, etc., of this company under section 209A of the Companies Act, 1936, following irregularities were found by the Inspecting Officer in 1974:
  - (i) Non-compliance of the provisions of section 150 read with rule
     (c)

- 7 of the Companies (Issue of Share Certificates) Rules, 1960.
- (ii) Non-compliance of the provisions of section 297, 299/801 of the Companies Act, 1956 (Director's interest in contracts entered into by the company).
- (iii) Non-compliance of the provisions of section 193, of the Companies Act, 1956, relating to maintenance of Minute Books.
- (iv) Non-compliance of section 211 read with Schedule VI on account of understatement of the authorised capital.
- III. Item (ii) is under examination in consultation with the Department of Legal Affairs. The remaining items have been dropped after rectification of the defects by the company.

| Name of the Directors !                             |       |       |        | Value of .<br>Shares held. | Percentage                              |
|---|-------|-------|--------|----------------------------|---|
| 1. Shri T. Thomas (Chairman)                        |       |       |        | Rs.                        |   |
| 2. Shri E. H. Shimmin (Vice-Chairman) .             |       |       |        |                            | • |
| g. Shri R. Banerjee                                 |       |       |        | 3,000                      | 0.0012                                  |
| 4. Shri H. C. Bijawat                               |       |       |        | 5,000                      | 0,0052                                  |
| 5. Shri J. C. Chopra                                |       |       |        | 5,000                      | 0.0052                                  |
| 6, Shri S. M. Datta                                 |       |       |        | 6,000                      | 0,0088                                  |
| 7. Shri A. S. Ganguly                               |       |       |        | 7,500                      | 0.0032                                  |
| S. Shri S. H. Gursahani                             |       |       |        | 2,000                      | p.00098                                 |
| o. Shri J. P. Lusty                                 |       |       |        |                            | ••                                      |
| 10. Shri J. S. Raj                                  |       |       |        |                            | ••                                      |
| Principal Shareholders (having shares valued at mor | e tha | n Rs. | ı ləLb | )                          |   |
| r. Unilever Limited, U. K.                          |       |       |        | 14,35,48,500.00            | 70.39                                   |
| 2. Life Insurance Corporation                       |       |       |        | 16,67,530.00               | 0.82                                    |
| 3. Unit Trust of India                              |       |       |        | 40,82,640.00               | 2*00                                    |
| 4. General Insurance Corporation of India           |       |       |        | 5,45,930,00                | 0*11                                    |

|   | Value of<br>Shares leld | Percentage |
|---|-------------------------|------------|
|   | R:                      |            |
| 5 Bank of India .                                   | 1,80,210 00             | 0 09       |
| 6 The Calcutta Hos & Nur Home Benefits Asson Ltd    | 1 69,510 DO             | o o83      |
| 7 Industrial Investment Trust Lamated               | 3 61,180 00             | o 18       |
| 3 Oriental Fire & General Insurance Company Limited | 10 35 660 00            | o 51       |
| g United India Fire & General Insurance Company Ltd | 7 92 590 00             | o 39       |
| to New India Assurance Co Ltd                       | B 94 890 00             | . 0 44     |
| 11 National Insurance Co Ltd.                       | g ~6 550 on             | o 16       |
| 12 Ruby General Insurance Company Limited           | t 59 270 oo             | o o78      |
| 13 National Assurance Co Ltd                        | 1 23 460 00             | 0 061      |

Sheets

(d) and (e) It was alleged that the company had collected huge amounts interest-free es security advances from distributors and these were not disclosed in the Balance Sheets The matter was taken up with the company The company ey plained that due to continuous flow of company's goods to the redistribu tion stockists and the edverse expe rience the company had in the matter of bouncing of cheques it was decided to cover a part of its risk of bad debts by taking from the distr bution stockists an advance to cover partix the price of goods continuously being sold and supplied to them The company explained that taking such advances to cover the rick of bad debts was prudent business practice and any supplier of goods cannot be compelled to extend credits or to supply the goods otherwise than on cash payment simultaneously, with delivery of goods to the purchaser It was also explained that since these were in the nature of security advances for price of goods continuously supplied to the distribution stockists the question of payment of interest did not arise The company contend ed that at any given time the value of

goods sold including those in transit

to the distribution stockists in which the company had already transferred ownership to them was far more than the security advance standing to their credit. The company also edder that it was not correct that these advances were not disclosed in the Balance

In this connection it is seen that the following amounts heve been stated in the company's balance sheets under the head Security Advances'

| Financiel year | Antount of Security Advance (Rs in lakhs) |  |
|----------------|---|--|
| 31 12 1974     | 221 37                                    |  |
| 31 12 1975     | 188 51                                    |  |
| 31 12 1976     | 270 73                                    |  |
| 31 12 1977     | gon ag                                    |  |

Under the Companies Act no permission is required to be taken from Government to accept such Deposits

## मनसाई स्टेशन का विकास

57

7141. श्री युवराज : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के कटिहार डिवीजन के मनसाई, महिमपूर और तेजनारायणपुर रेलये स्टेशनों के विकास के लिए समुचित प्रबंध है।
- (ख) क्या उपरोक्त सभी क्रासिक स्टेशन 'ख' श्रेणी के स्टेशन थे लेकिन सब उन्हें 'घ' धेणी के स्टेजनों में बदल दिया गया है: ग्रीर
- (ग) यदि हां, तो तिमनल लगाने, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को वापस लेके, रेल गाडियों के लिए कासिंग सविधाओं की व्यवस्था करने और उपरोक्त स्टेशनों की प्नः 'ख' श्रेणी में बदलने के लिए कव तक प्रवेत्य कर लिए जाएंगे ≀

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) से (ग). फरनका और कुमेवपुर होकर वह ग्रामान की लाइन खोलने के पश्चात कटिहार-मनिहारीधाट पर चलने वाली गाडियों की संख्या में बहुत कमी हो गई थी और इन तीन स्टेशनों को 'बी' थेकी ने लाइन क्लीयर स्टेजनों के रूप में वनाये रखने का कोई ग्रीचित्य महीं था । इसलिए वर्ष 1969 में मनसाई को 'डी' श्रेणी में और महियारपुर स्रोट तेजनारायणपुर को 'डी' के श्रेणी में बदल दिया गता था तथा इन स्टेशनों पर सभी याली सुविधाओं सथा अन्य सुविधाओं को बरकरार रहने दिया गया था । इन स्टेशनों पर कार्य-भार के अनसार श्रेणी 4 के कर्म-चारियों की तैनात किया गय। है। इन स्टेशनों को फिर 'बी' श्रेणी में बदलने का न तो कोई श्रीचित्य है और न ही श्रांचश्यकता ।

#### Proposal to Start Express Train from Bhubaneshwar to Bombay

7142. SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN: Will the Minister RAILWAYS be pleased to state whether there is any proposal for starting any express train from Bhubaneshwar to Bombay via Hyderabad and from Bhubaneshwar to Delhi via Kharagpur, Asansol, Mughalsarai, Allahabad?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): There is a proposal under active consideration to run direct trains between Bhubaneshwar and Secunderabad and between Secunderabad and Bombay in near future. The proposal to run a train between Bhubaneshwar and Delhi via Asansol is also being examined.

## Conversion of Gauge in Karnataka

7143. SHRI C. K. JAFFER SHA-RIEF: Will the Minister of RAIL. WAYS be pleased to state:

- (a) the details of proposals sent by Karnaiaka Government to the Central Government for construction of new railway lines into broad gauge lioes during the Fifth Five Year Plan;
- (b) whether some incomplete projects have also been included in the Sixth Five Year Plan; and
  - (c) if so, the details thereof?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): Karnataka State Government have been pressing for early completion of the conversion of Guntakal-Bangalore line and for taking up the gauge conversion of Mysore-Bangalore railway line from metre gauge to broad gauge.
- (b) and (c). Guntakal-Bangalore conversion project is in progress, and the progress made is 48 per cent. A sum of Rs. 11.3 crores has been incurred on this project till the end of March, 1977 out of the total cost of about Rs. 24 crores. Provision of

60 Written Answers

Rs 206 crores has been made for the project in the Budget for the current year The project is expected to be completed by 1983 subject to availability of adequate funds in the next and subsequent years

## Representation from Ex Combatants of Defence

7144 SHRI R. K MHALGI the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Government have received a representation dated the 12th January 1978 from the ex-combatants of Defence Services South Central Railways Secunderabad and

(b) if so what action have Gov ernment taken or propose to take in the matter soon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) A representation dated 20th January 1978 from a clerk of the FA & CAO s Office South Central Railway Secur decabad has been received by the General Manager and the same has been forwarded to the defence authorities Further action in the matter will be taken on receipt of a riply

#### Goods earning Revenue at Achalda Station

7145 SHRI R L P VERMA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the revenue earn ed from goods at Achalda Railway station of the Allahabad Division of the Vorthern Railway from 1967 68 to 1977 78 year Wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWALS (SHRI SHEO NARAIN) The revenue earned from goods at Achalda rail way station year-wise from 1989 70 to 1977-78 is as under

| Year 4  | Arzount<br>(Rs.) |
|---------|------------------|
| g6g-70  | 338713           |
| 970-71  | 459531           |
| 971 72  | 343463           |
| 972 73  | 4795*2           |
| 973 74  | 607354           |
| 974 75  | 473721           |
| 1975-76 | 1225492          |
| 1976-77 | 1568158          |
| 1977 76 | 1137567          |
|         |                  |

Information for the years 1967-68 ard 1968-69 is not available

## Fertilizer Unit at Uran, Bombay

7145 SHRIMATI PARVATHI KRI SHNAN Will the Munister of PET-ROLEUM CHEMICALS AND FER TILIZERS be pleased to state

(a) whether it is a fact that Gov ernment are considering a private sec tor proposal to set up a fertilizer unit at Uran in Bombay and

(b) if so what are the details thereofo

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI ZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) and (b) A proposal received from M s Deepak Nitrite Ltd to set up a small size gas based plant for the manufacture of 235 tonnes per day of ammonia near Uran in Maharashtra was earlier rejected for the following reasons

(1) The capacity of the plant viz, 235 tonnes per day is uneconomical as agains, a capacity of 1350 tonnes per day being blanned for the gas based plants in the Bombay region

(iii) The applicant did not have a clear marketing plan for ammonia.

The company has represented against the rejection. This representation is under consideration.

Judges of High Court of Punjab and Haryana provided with official Residences

7147. SHRI OM PRAKASH TYAGI: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

 (a) bow many Judges are working in the High Court of Punjab and Haryana;

- (b) how many out of them have been provided with rent free official residence as required under the provisions of the High Court Judges (Conditions of Service) Amendment Act, 1976; and
- (c) what steps have been taken by the Chandigarh Administration to provide rent free residence to the other Judges who are not having official residence?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN); (a) Nineteen Judges including the Chief Justice are working in the High Court of Punjab and Haryana;

- (b) Seventeen Judges including the Chief Justice have been provided with rent free residences;
- (c) Rent free residences remain to be provided to two Judges, who have recently been appointed/transferred. According to the Chandigath Adminis-

tration, a search for suitable houses is being made by the Administration and both the remaining Judges are expected to be provided with rent free residences shortly.

Monetary Limits of Divisional Superintendents to enter into Agreements for entrusting Goods and Parcel Handling contracts

7148. SHRI BATESHWAR HEM-RAM: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state;

- (a) what are the monetary limits up to which the Divisional Superintendent's working on Northern. Eastern and North Eastern Railways are competent to negotiate and enter into agreements with Labour Cooperative Societies/Contractors for entrusting Goods and Parcels handling contracts;
- (b) what is the present annual valuation of parcels handling work at Alishabad;
- (c) whether the Parcels handling contract at Allahabad fails within the competence of the Divisional Superintendent concerned or the final authority is vested in the Chief Commercial Superintendent; and
- (d) what is the hitch in deciding fresh award of contract at Allahabad as the old centract had already expired on the 31st July, 1977?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN). (a) The monetary limits up to which Divisional Superintendents on Northern, Eastern and North Eastern Ruilways are competent to negotive and enter into agreements with Labour Cooperative Societies/Contractors for entrusting Goods and Parcels handling contracts are sunder.

Northe in Railway - up to Rs to labbs

per annum.

Eastern Railway - up to Re 5 Indi- fo-

3 years.

North Eastern Railway — up to Rs. 10
lakhs in each care.

(b) Rs 254,100 per annum,

(c) The Parcel handling contract at Allahabad falls within the competence of D visional Superintender, ABaha

d) This is under examination. In the meantime the existing Society is being allowed to continue

कुछ कम्पनियो द्वारा नियमो काउलधन कियाजाना

7149 श्री हुस्म दव नारायम यादव वदा विधि, न्याय भ्रीर सम्मती सामे मत्री निम्न-तिथित जानसारी दन साना एक विवस्ण मनान्यदम पर रखन की सुपा करेंग्री कि

(न) निम्तिनिधित क्ष्मिनिया के बार म प्रारम्भिक पूत्री थय 1977 में पूत्री सौर बैटा में पत्रा विजनी है

- (एक) महादीर राइम मिल्ल दरमगा (विद्वार)
- (दा) गारीशकर बद्रीनारायण सकारी (बिहार)
- (तीन) विनय कृष्ण प्रयचाल एवट सम्पनी, उरभगा (विहार)
- (चार) शिवनन्दन अप्रवास एकः नम्पनी दरभगा (विहार)
- (पाच) मातादीत एक कम्पनी, दरमना
- (विहार) (छह) नीनी माटिन, दरमगा (बिहार)
- (मान) राषाहण नवरीवान एण्ड
- कम्पनी, दरमगा (विहार);और

(स) नगाइन नम्पनियोद्वारा नम्पनी प्रायिनियम ने उपनया ने उपनयम ने मागेष मित्र हो गये हैं और न्या मरनार ना विनार इस मस्याप भी जान नरते ना है और यदि गई, नाइमने न्यानारण है? विधि, न्याय धीर बस्पनी कार्य मधी (धी शांति मूचण) (त) प्रश्न में विध्त मात पर्भों में से कोई भी करणनी प्रधिनियम, 1956 के भूनुबार फत्तर्गत, प्रवीहत बस्पनी नहीं है। प्रत-इकामधारियों की प्रारम्भिक पूरी, वर्ष 1977 में पूर्वी नाय बेकी में पूर्वी में मार्किय नुपना एवरफा मही है।

(य) च्रि भाग (न) में विजित फर्मों में ने काई भी नम्पनी मधिनियम न मन्तर्गत एव नम्पनी ने रूप मैं पनीइन नहीं है, मन ये उनन प्रतिनियम नो मीमान्तर्गन नहीं मानी।

> ममन्तीपुर दिवीजन में हुई दर्शतमा

7150 श्रीसुरेंद्र हासुमन क्या रेल मुझी यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (न) नवा यह सब है कि उत्तर रेलवे ने सम्बतीपुर विवीचन के शैल में 14 से 18 फरवरी, 1978 ने बीच दी दर्जीतमा हुई थी. सीर
- (छ) यदि हा, तो जनका स्थोरा क्या है और ऐसी घटनायी को राजन के सिए विभाग द्वारा क्या मुरक्षा ज्याम किय संग्रेह ?

रेल मजानव में राज्य मन्नी (थी शिव नारायण) (क) 14 से 18 फरवरी 1978 तक को प्रविध के बीरान पूर्वीसर रेलवे के ममानीपुर मदल के क्षेत्राधिकार में रेल-मादी में दर्वेतों का कोई मामला गरी हुआ है।

(न्द्र) प्रज्ञन नहीं उठना ।

Booking at warside Earlway Stations
7151 SHRI SURAJ BIFAN Will
the Minister of RAILWAYS be p'eased to state

(a) are the Government aware of the fact that on wayside Railway Stations the booking windows are not opened quite in time to enable the passengers to purchase tickets without inconvenience, they are some times opened after the train leaves the last station and thereby much confusion is caused; and

(b) what steps are proposed to be taken to remove this difficulty of the railway passengers who generally come from the rural areas?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). A few complaints about non-opening of Booking windows in time have been received by the Railway Administrations. Instructiver sitracely exist that Booking windows are kept open at least one hour before the train is due to arrive and longer where the offering requires so.

Frequent checks are conducted by the Inspecting Officials and the staff found at fault are taken up suitably.

## सिन्थैटिक एण्ड कैमिक्स सिमिटेड, हरेली

7152 श्री सुरेफ विकन : क्यां विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की क्या करेंने कि:

- (क) सिन्धेटिक एण्ड कॅमिकल लिपि-टेड में सखतक में प्रपंते प्रतिनिधि की नियुनित काद की भी और ठक्त प्रतिनिधि एवं उसके महायकों पर विभिन्न शीधी के ऋत्वनंत कितना मासिक ब्यय होता है; और
- (ख) लखनऊ में नियुक्त प्रतिनिधि ने 1974 से 1977 तक कुल कितना मासिक व्यय किया और उनका ब्योरा क्या है?

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य भूमंत्री (श्री सास्त भूषण): (क) श्रीर (ख): कम्पनी कार्य क्षितान के पास इत विषय श्री सूचना नहीं है, स्वीतिक सम्पनी श्रीधिनयम, 1936 में ऐसा कार्य उपन्य नहीं है, जिसके यन्त्रमेत कम्पनी 512 LS-3. के निये, इस प्रकार की सूत्रना युक्त कोई विवरण-पत सरकार को भेजना अपेक्षित हो।

#### Proposal to amend Constitution to proscribe detention Law

- 7153 SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether the Bar Council of India has urged the Government to amend the Constitution to proscribe detention without trial; and
- (b) if so. Government's reaction thereof?

THE MINISTER OF LAW JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAM): (a) The Bar Council of India has unged that the Constitution be suitably amended to proscribe detention without trial or cillizens of India except during a real emergency.

(b) Government will give aue consideration to the said suggestion white finalising the proposals for amendment of the Constitution.

#### Recommendations of Tarkunde Committee

7154 SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any decisions have been taken on the various recommendations of the Tarkunde Committee; and

## (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) The recommendations of the Tarkunde Committee are under consideration of Government along with other proposals for electoral reforms. No decisions have yet beet taken thereon.

(b) Does not arise.

# युप [[] के रेलवे कर्मवारी

7155 औ रामचरण क्या रेल भन्नी यह बताने भी कृपा करेंगे कि

(व) मध्य रेल वे वे ग्रुप III के शितने क्मंचारी है जिनने धर्प 1971 से पूर्व ने अभ्यावेदन अनिणित परे हुए हैं ,

(ख) उन परकोई निर्णयन लेन के क्या नारण है, और

(ग) उन पर कब तक निर्णय दिये जाने की सम्भावना है ?

रेल मत्रालय में राज्य मत्री (धी शिव नारायण) (र) में (ग) मूचना इवट्ठो की जारही है और मना पटल पर रख दी जायगी।

सनाक को मुजिधाजनक बनाने के लिए प्रस्ताय

7156 थी एस० एम० (सोमानी विधि, स्याय और कम्पनी कार्य महो बताने की क्या करेगे कि:

(क) क्या तलाव का मुखियाजनक यनान का कार्र प्रस्ताव उनके मजालय के विचाराधीन है ,

(ख) क्या यदि दित-पत्नी क्यायालय का मुनित किए विना पाच वर्ष तर प्यक-पथक रहें, एक-दूसरे मे पत्र-व्यवहार न करें बीर न्यायालय में भरण-पायण भत्ते ने निए श्रन्राधन करें तो तानक स्वत ही हो गया मान निया जाता है, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके बना कारण है ?

विधि, न्याय और कम्पनी साम मन्नी (श्री शान्ति मूपण) (क्) सरकार इस अक्त पर विचार कर रही है कि बबा हिन्दू विवाह श्रधितियम्, 1955 में इस बात को प्रि विवाद ऐसे भग हो ग्रा है कि उसका समाधान नहीं हो भरता है, विवाह-विच्छेद के एक द्याधार के रूप में जाड़ा जाए। "विवाह-बिच्छेरका स्वार" बनाने के जिए शरनार के विचाराधीन काई दमरा प्रम्ताय नहीं है।

(म) जी नहीं।

(ग) भारत की ध°मान गामाजिक परिस्थितियो भें, पति श्रीर पत्नी वे जिसी विनिद्विष्ट भवधि के निए धनग-धनग रहने भात रा विराह विच्छेद ने एव ग्राधार ने रूप में स्वीकार नहीं विया जा सबता है।

> वित्रेताधी की एक ऐत्रेंसी का रह किया आता

7157 श्री रामजीलाल सुमन : क्या रेत मही यह बनाने की उप करेंगे कि

(व) स्वा 20 फरवरी, 1978 की म4रा जक्यन पर कभी गत के बाधार पर बाम बरने चारे दा विकेताया की एक एकेंनी विना विभी कारण रह घर दी गई थी , और

(य) क्या मरकार पाइस बात की जानकारी है कि एजेंनी रह किय जाने का काई यौवित्यनही है और जान बनुवित थी ?

रेल मतातय भे राज्य मती (थी शिव नारायण) (क) और (ख) 21-2-78 वा भवरा जन्मन ने विभागीय धानपान यनिट ने पाच कर्नाशन बेंटरो को नित्रवित किया गया या । भवरा जनधन पर मननैता निरीक्षको द्वारा 21-8-77 की धात्रस्मिन जान के दौरान उस स्टेशन पर पेठा, पेडा धादि की विकी करते हए, कुछ अविश्वन बेंडर पार्य यन थे। जब निरीजन धनधिइत वेंडरो ने गबाही ले रहे थे, इन पाच वर्मी शन बेडरों ने दुव्यंवहार क्या और सनकंता निशिक्षका की धमशीदी और पछनाछ करने में बाधा डाली । खानवान स्थापना के काम को जान बारने के लिए सनर्वना निरीक्षक प्राधिकृत

हैं। इन वेंडरों को गलतियों के लिए निलंबित किया गया था।

5 69

Legislative Constituencies on Nagaland

7158. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY. AFFAIRS be pleased to state:

- (a) the total number of Legislative Constituencies in the States of Nagaland, Meghalaya, Arunachel Pradesh and Sikkim;
- (b) the names of the constituencies State-wise with the total number of electorates in each constituency; and
- (c) the criteria laid down for demarcating the various constituencies in the States?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI EHUSHAN); (a) and (b). Two Statements containing the requisite information are laid on the Table of the House, [Pinced in Library, See No. LI-2130/78].

(c) The criteria laid down for demarcating the Assembly constituencies in the States and Union Territories are contained in Article 170 of the Constitution and relevant provisions of the Government of Union Territories Act, 1963, the Delimitation Act, 1972, and the Ryresentation of Sikkim subtlets Act, 1974.

Strength of Railway Employees i Allahabad etc. Divisions

7159. SHRI SHIV SAMPATI RAM: Will the Minister of RAHLWAYS be pleased to state:

(a) what was the total strength of Railway employees in different categories over Allahabad, Bikaner, Delhi, Ferozepore, Jodhgur and Moradabad Divisions of Northern Railway including workshops, constructions and railway electrification during the year 1972 and up to 31st December, 1977;

- (b) what is the total number of employees in different categories in all divisions over Northern Railway who were recruited or promoted during each year and what is the total number amongst them who belong to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and others (list of SC and ST employees be furnished); and
- (c) what steps have been taken to make good the shortfall in all categories in the divisions of Northern Railway mentioned in (a) above for the reserved vecancies earmarked for SC and ST through direct recruitment and promotions?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (STRI SHEO NARAIN): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the table of the Sabha.

Appointments and Promotions against Reserved Posts

7160. SHRI R. N. RAKESH: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

- (a) the total number of posts in the Ministry, its attached and subordinate offices including Public Sector Understdings. if any, filled in each category of posts with specific share of Scieduled Casts and Scheduled Tribes in such employment and also the number of posts de-reserved in each category and reasons thereof during the last one year, and
- (b) the total number of departmental promotions/upgradation of posts in each category of posts and how many posts have gone to S/C and S/T?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI

| NAR SINGH YAI Number of Posts Filled  Group   Total No of Ross Russ A 55 B 73 | DAV); (a<br>S C<br> | sT           | Group A B   | Total   | S C  | ST.  |
|---|---------------------|--------------|---|---|--|--|
| Geoup Total No of Pos's filled  A 58  | 7                   |              | λ.  | Total   | sc   | ST.  |
| A 58  |                     |              | В   |   | •  | ••   |
|   |                     | 2            |   | 2   | ••   | ••   |
| B 73  | 8                   |              | C   |   |  |  |
|   |                     | 4            | Ð   | ••  |  | ••   |
| C 175   | 32                  | 13           |   |   |  |  |
| D 15  | 6                   |              | Cookin  | Compar  |  | issaed   |
| (ii) Number of Posts De-  | tserped             |              |   |   |  |  |
| A 1 B 3 C 1 D   | i Non ava           | torn reserve | the M<br>CHEMIC<br>pleased<br>number<br>gas; co<br>March, | HRI VASA  Linister of ALS AND to state of gas impany-will 1978 and I as securif | FERTIL<br>what is<br>cylinders<br>ie issued<br>the total | ROLEUM, IZERS be the total (cooking by 31st amount |
| (b) (1) Tetal number of Croup Tou   | sc.                 | ST.          | THE   | MINISTEI<br>MINISTRY<br>CHEMICA<br>SHRI JA                                      | OF<br>LS AND   | TATE IN PETRO- FERTILI- AR MISH-                   |
|   | 2 14<br>2 5         | _            |   | equisite in<br>given belo   |  | , as avail-  |
| Name of the Oil   | Company             |              | cylinder  | umber of gas<br>is usued to<br>umers  | ed as  | ount collect-<br>security                          |
| t Indian Oil Corpor<br>(81 on 31 12 77)                                       | ation Limite        | d            | About   | e5 lakhs  | About R  | s 22 crores  |
| 2 Hindustan Petrole<br>(as on 31 12 77)                                       | an Corporati        | ion Lamited  | A succiA  | labhs   | About Rs   | 5 3 crores   |
| 3 Bharat Petroleum<br>(as on 1 3 78)  | Corporation :       | Limited .    | . About 5   | 4 lakha   | About Re   | . 5 8 crores                                       |
| 4 Calter Od Refinit<br>(as on 31-3 78)  | g (India) Lu        | mted         | About   | thousand  | About R  | s 20 lakhs   |

The cylinders issued to Calgas customers before take over of the Caltex Oil Refining (India) Limited in 1976 are owned by the distributors/con-cessionaries of the company and are not included in the figures shown above against that company.

#### abandoned in Tanzania Exploration by ONGC

7162, SHRI JANARDHANA POO-JARY: Will the Minister of PET-ROLEUM, CHEMICALS AND FER-TILIZERS be pleased to state:

- (a) whether ONGC has abandoned its exploration ventures in Tanzania; and
- (b) if so, the reasons therefor?

: THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (2) and (b). The ONGC has not taken up any exploration venture in Tanzania. It has only a drilling cont-Development Corporation which is still in force.

## Levy on entry of Cars at Railway Innetion

- 7163. SHRI D. N. TIWARY: WILL the Minister of RAILWAYS be pleased to state:
- (a) whether any levy on the entry of cars is made at railway junctions;
- (b) if so, the amount of the levy; hrte
- (c) if not why at Patna Junction Re. 1/- per car is taken as levy when A car enters the station yard at Patna function?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS

(SHR1 SHEO NARAIN): (a) At important stations where separate parking space has been provided, parking fee is levied on private cars parked in the station premises.

(b) and (c). The amount of levy . varies from 50 Paise to Re. 1/- per car depending on the importance of the station. At Patna Jn. the parking fee for private cars has been fixed at Re. 1/- per car.

#### Shifting of Workshop from Jamnagar to Hapa

- . 7164. SHRI VINODBHAI B. SHETH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:
  - (a) whether Government have taken a decision to shift the workshop at Jamnagar to Hapa on the Western Railway: and
  - (b) if so, what amenities would be provided to the staff in the matter of housing, water and transport, etc.?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) With the conversion of Viramgam-Okha-Porbundar Metre Gauge Section into Broad Gauge, Jamnagar will no longer remain on the M. G. route and at that time the structures and equipment of Jamnagar workshop will be shifted to Hapa and utilised for repairs to Broad Gauge Wagons.

(b) Hapa is about 5 Kms. from Jamnagar. The Railway staff working in Hapa Metre Gauge Yard reside at Jamnagar and come to work at Hapa by utilising their own or the available public transport facilities. The staff of Jamnagar workshop will not be required to change their residence with the shifting of their workplace from Jamnagar to Hapa. As such there would be no need to provide any special amenities like Housing, Water and Transport etc.

Import of Paraffin Wax and Criteria to distribute to States

7165 SHRI AHMED M PATEL Will the Minister of PETROLEUM CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) the quantity of Paraffin Wax imported during the last two years
- (b) the name of the agency through whom imported.
- (c) the quantity of Paraffin wax manufactured in India during that period.
- (d) the criteria adopted to dis-tribute it to States for the use of small scale industries and
- (e) the quantity supplied to Guiarat State during that period against their requirements?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) and (b) With a view to supplementang indigenous gvailability of parallin, wax the Import Pohcy for 1977 78 was amended to provide for the first time for canalised imports of paraffin wax by the actual users through M/s Balmer Layrie and Co Ltd Calcutta a public Sector undertaking of this Ministry Firm orders for the import of paraffin war aggregating to about 2 600 tonnes were registered by the actual users with the Company durng the year 1977-73 Out of this a quantity of 1713 5 tonnes was actually imported upto the end of March 1978 M/s Balmer Lawrie and Company have also placed orders for a further quantity of 1050 tonnes of paraffin Wax based on firm registrations

(c) The Digbol Refinery of the Assam Oil Company is the main source for the production of paraffin way in the Country The production of paratin vax at this refiner, during the calendar years 1976 and 1977 was as under

43 000 tonnes 1976

1977 41 780 tonnes

(d) The yearly allocations of indigenous paraffn vax to the States/ Union Territories are made on the basis of total expected availability in a particular year and the wax upliftment performance of each State

Under the provisions of the Paraffin Wax (Supply Distribution and Price Famtion) Order 1972 the 'Competent Authority (usually the Director of Industries) of the State/Urnon Territory concerned is only competent to make allotment of paraffin wax to the actual users under his jurisdiction whether falling under large, medium or small scale industries setors from within the wax allocations made by this Ministry

To protect the interests of the existing small scale units in the matters of allotment of indigenous paraffin wax the Development Commissioner (Small Scale Industries), Minis try of Industry, has in a circular dated the 5th November, 1977, asked the Directors of Industries of all the States/Union Territories to give prionty to small scale units in the distribution of indigenous paraffin wax and direct the large scale units to procure their requirements from imported source

(e) The upliftment of indigenous paraffin wax by wax allottees in Gujarat State during the last two years has been as under

> 1976 796 tonnes

1977 .. 1135 tonnes

## ए० एव० कीलर एव्ड कम्पनी में फेरीवाले

7166. थी अर्जन सिंह भदौरिया : क्या रेंस नंत्री यह बनान की कुना करेंने कि:

- (क) ए० एच० कोलरं एण्ड कम्पनो में विभिन्न रेलवे स्टेशनी पर ठेके के बाधार पर फितने फेरी वार्षे काम कर रहे हैं : और
- (ख) उनकी मैदा काँ मतें क्या हैं और चन्त्री सेवा के नंदलन के लिये बना कदन ज्ञाये करें हैं ?

रैल मंद्रालय में राज्य मंत्रो (श्री जिब भारायण): (क) १६३ ।

(ख) मैसर्न ए० एच० व्हीलार एवड कमानी अपने एजेंटी हारा रेलवे स्टेशनीं पर वक स्टाली का प्रयन्त्र करनी हैं सीर ये एजेंट फ़ेरी वालों को नियुक्त करते हैं। फेरी वालों की मैचा की शर्ते और उनकी सेवाओं की मुस्ता ब्रावि रेलीं के ब्रधिकार क्षेत्र में नहीं ब्राती । फिर भी, रेलों के माथ किये गरी करार में वह व्यवस्थाकी नयी है कि नैसर्स ए० एच० व्हीलर एण्ड कं० प्रयने कामगारों को अच्छी मनदी देगा। मैसर्च ए० एच० स्हीलर एव्ड कं ने बनाया है कि फोरी वालों को नियुक्त करने की मते प्रत्येक स्टेशन पर एकेंट और फेरी बालों के बीज प्यक-पृथक रूप में निया-रित की जाती हैं और फेरी बाल केवन कदाचार श्चवन गवन के मामलों में ही हटावे जाने है ।

Proposal to start Super Fast Trains between Bombay and Surat

7167. SHRI HITENDRA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) is there any proposal with Government for super fast train between Bombay and Surat; and

(b) if so, when is it likely to come into operation?

THE MINISTER OF STATE IN MIXISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) Does not arise,

Bhagalpur Mahadevpur-Bhipur Steamer Rail Service

7168 DR. RAMJI SINGH; WHI the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (2) whether Government are aware of the fact that on Bhagalpur Mahadevpur-Bhipur Steamer Rail Servce lines there is also a private ferry:
- (b) is it a fact that the private ferry charges only 50 paise whereas steamer charges Rs. 1.40:
- (c) if so, will the Government reduce this disparity so as to make railway service more popular;
- (d) is it a fact that the private company plays also during night and stations its steamer very near the railway steamer and draw the passengers to its own site violating rules; and
- (e) if so, what action Government has taken or proposed to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) Yes.

·(b) Yes.

(c) The ferry charge, fixed by the Railway Administration include an element of over-head expenses such as maintenance of the ghat, keeping the channel of the river navigable, costly stand-by equipment etc. Hence it is not possible to reduce the charges which will increase the huge loss already sustained by the Railway Administration in running this ferry.

(d) Yes.

(e) The Railway Administration has taken up the matter with the State Government to shift the prisate ferry operators to a distance of 3 kilometres from the railway ferry ghats

79

#### राजस्थान में उर्वरक **कारपाना**

7159 थी जगदीश प्रमाद मायुर • नया पेटोलियम रस यन ग्रीर उर्वरक मदी यह बनान की प्रया करते कि

- (व) वया राजस्थान राज्य में एक पार्वेट} बीर पावराज्या पर बाह्यारित उवेश्व बाश्याना स्थापित क्रम की काई याण्या पंतान का भण्डार का विचार है, ग्रीर
- (थ) नवा उपरादन सिन्जा से सर्वरक वनान वे विचार में काई मर्देशण किया गया हैं और यदि हो, तो जनने बना परिणास निक्त है ?

पॅट्रोलियम तथा एतायन मौर उदंश्क मजालय में राज्य मजी (श्री जर्नेश्वर विद्य) (भ) भीर (ख) डामरकातल स खादे गर्प राम फारफेट का फारफेटिस उर्वरका के निर्माण के लिय उपयुक्त पाया गया है और उनवा प्रकार देश में दर्बन्य एकका द्वारा निया जा रहा है। उबरका व निर्माण के निय मलोदीपुरा व पाइराइटस की एप-यागिना का धभी निश्चित नहीं निया गया है। राज्स्यान के अमनवातरा राक कारफेट गर आधारित एक उबेरक सयज स्थाकित न रने भी सभावना का पता लगान के लिय यपेक्षित तकतीकी-प्राविक समान्यता, अध्ययन करन के लिय उपाय किय जा रहे ।

## Late Running of DB.K. Railway

7170 SHRI K PRADHANI Will the Minister of RAILWAYS be pleaser to state

(a) whether Government is aware

Written Answers that the DB.K. Railway line of South Eastern Railway is running late daily since long.

- (b) whether passenger trains operated diesel engines are scheduled for run with lengthy time schedule,
- (c) whether Railway authorities have taken any step to improve the link roads from the important Railway Stations like Jey Pore Koroput etc to the National High Way 43 for the convenience of the train passengers, and
- (d) what action has been taken for catering the passengers on these lengthy line isolated from the towns?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) The puntuality performance of 1 WK/2 WK Waltair-Kirandul mixed trains has been generally satisfactory, the punctuality percentage being 935 and 867 respectively during the month of March 1978

- (b) As 1WK/2 WK are the only mixed trains running on the section, their overall running time cannot be reduced without affecting clearance of goods traffic Running of an independent passenger train on the route is also not feasible as the section capacity is fully committed for moving fron ore traffic for export
- (c) Link Road connecting Jaypur rarlway station to the National Highway is being repaired Link road to Koraput is already black topped. Approach roads to other important stations are also being maintained to a satisfactory standard
- (d) Tea stalls have been provided at Kottavalasa, Araku, Koraput, Shungavarapukot, and Jagdalpur stations of Kottavalasa Kırandul section Arrangements are being made for train side vending for service of Tea, Coffer, Pan, Smokes etc at Padua Jaypur and Kırandul stations At

present meals are served at Jagdalpur. Arrangements for service of meals at Shunvarapukot and Koraput is in hand.

#### Proposal to run Trains from Utkal and Puri to Nizamuddin

7171. SHRI SARAT KAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether there is any proposal under the consideration of Government for running National trains from Utkal and Puri to Nizamuddin daily;
- (b) whether Government is aware that a number of pilgrims are facing difficulties without daily service of this train; and
- (c) if so, the steps Government has taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

(b) and (c). For the convenience of pilgrims a bi-weekly 77/78 Ukal Express was introduced between Puri and Nizamuddin in October; 1869. The frequency of this train was increased to tri-weekly from 15-3-76 and to 4 times a week from 1-4-77. Besides, 143/144 Kalinga Express, a weekly fast service has also been introduced bokween Puri and Nizamud-din from 1-4-77. The proposal to run a train between Bhubaneshwar and Delhi via Asansol is also being examined.

कानून ग्रीर साधन पर सम्मेलन श्रायोजित करने का श्रस्ताव

7172. श्री राम सेवक हजारी: बया विधि, न्याय श्रारकम्पनी कार्य मंत्री यह वताने 'की ज़पा करेंगे कि:

- (क) स्वा वन्तून ग्रीर साधन पर नई दिल्ली में श्रन्तराष्ट्रीय सम्मेलन बुलाव जाने का प्रस्ताव है:
- (ख) यदि हां, तो उसकी कार्यसूची क्या है खीर उस म सम्मिलित होने वाले देशों के नाम क्या है : और
  - (ग) उस पर कितना व्यव होगा ?

विधि , न्याय ब्रार कम्पनी कार्य भंती (भी सामित भूषण): (क) विधि और साधन पर कोई प्रस्तार्द्धाय प्रमाणन कार्य माधन पर कोई प्रस्ताद्धाय प्रमाणन प्राचीविक करने का कोई प्रस्ताव मन्द्रवर के विचाराधीन नहीं है। पिकत्, यह पता चना है कि ब्रेन इंस्ट्रीट्यूट ब्राफ टिवा उन्तर विध्य पर नई दिकती में एक प्राइवेट मीर्पार्टी कर रहा है।

(व) ग्रार (ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

कर्मचारी कल्याण निधि

7173. श्री राम नरेश दुशबाहा : नया रेस मंत्री यह बताने की क्रपा करेंने कि :

- (क) पूर्वोत्तर रेलवे कर्मवारी कल्याण निधि में 98 साख रुपये की जो राजि जमा है उसे किन-किन भदों/कार्यो पर कैसे-कैसे खर्व किया जा रहा है;
  - (च) क्या यह राशि कर्मचारियों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयोग में लार्ड जा रही है धववा ऐज-आरीम की श्रामग्री पर है; और
  - (ग) यदि यह ऐश-बाराम की सामग्री पर अर्थ की जा रही है तो इसके ग्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंती (थी शिव नारायण): (क) 1977-78 के दौरान रेल कर्मचारियों के सभी वर्गों की निष्ठा तथा सहयोग को देखते हुए. सरकार ने कर्मचारी Written Answers

बल्याण यार भारतीय नेता पर मृतियाया ने तिर 15 रसाइ राज के निशेष **मनुदान की** स्वीवृति दी है। इस रागि में में 95 लाख रुपर की राशि कमचारा कल्याण गतिशिधवा पर सर्व बरन के जिए पूर्वोत्तर रेउदे का ग्रावटित भी गया थी। इस समित का नियन-तिरिवत बल्याण सनिविधिया पर खर्व विचा जारहा है ---ताप्र स्पनामें (1) 1333 समचारी बनादग की 20 00 (11) 1649 वसवारी वसदर। में ज्यान रहा व्यवस्या . (111) 1251 वर्भवारी नगर्दरी में दिवती खतान (1v) रेल वर्मचारिया के बच्चा के लिए गैशिक सुविधामा वे निए समिति प्रतिरिवन स्थान की स्पन्नस्था (v) मभ्याना, बन्धाण के द्रा धाँद सभा वेसा के रूप में वर्म-

5 00 16 00 58 5 चारिया के लिए मनारजन मवधी मुख्यात 18 25 (v1) वेहतर खेत बूद मुनिधार, 5 30 (VII) धनराभ मह 90 2 (VIII) वर्मवास्थिवे स्तल जाने वाले बच्चा ने लिए बनो, मारखपूर में विश्व केटी की व्यवस्था भीर ग्रम्थतालो में प्रतिरिक्त जपस्कर 95 00 (म) और (ग) प्रस्त नहीं उठता।

# Written Answers Introduction of Rallway Line

7174 SHRI GANGADHAR APPA BURANDE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) the total Rall ray lines 'ntroduced (in Kilometre) in Bhir District, after the independence,

(b) the reason of neglecting the sast areas of Bhir District,

(c) whether the Government is aware that due to want of railway times there is no industrial development in this district, and

(d) If so s'egs taken to introduce railway lines in sast Bhir D strict"

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) No railway line has been constructed since independence in Bhir district.

(b) to (d) Government are aware of the need for construction of new lines in the areas where transport facilities are lacking or are inadequale to meet demands of the area. but have not been able to take up the construction of more such lines on account of the constraint of recources

## Sleps to curb Waron Breaking Activities

7175 SHRI R P DAS Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state what steps the Government have so far taken to curb the growing activities of wagon-breaking in the Ranaghat-Lalgola Section under Eastern Railway and in other parts of the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) The steps taken ure ---

1 Escorting Goods trains running between Ranaghat and Lolgola by Rallway Protection Force;

- able consignments/foodgrains by Railway Protection Force;
- 3. Patrolling vards vulnerable for high incidents of thefts by RPF Dog Squads also:
- 4. Patrolling important and vulnerable yards round-the-clock and guarding by armed Railway Protection Force personnel;
- 5. Staff of Crime Intelligence Branches of the Zonal Railways and the Central Crime Bureau of Railway Board are deployed to collect erime intelligence with a view to tracking down criminals, receivers of stolen property and also to organise raids;
- 6. Important Goods-sheds and platforms are guarded by Railway Protection Force:
- 7. Close coordination between Railway Protection Force and Government Railway Police is maintained to exchange criminal intelligence;
- 8. Escorting of Goods trains carrying iron and steel, foodgrains, sugar, oil seeds, etc. by Railway Protection Force armed personnel in vulnerable sections,
- 9. Proper rivetting and locking is is provided on wagons carrying valuable goods;
- 10. Seals on wagons are checked at important yards to localise crime. 1.37.53

#### Complaints made by M.R.T.P.C. against Indian Oxygen

- 7176 SHRI SAMAR GUHA: WIII the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether M.R.T.P.C. made complaint against Indian Oxygen Limited on various accounts and on several occasion during last few years;

- (b) if so facts thereabout:
- (c) the reaction of the Indian Oxygen Limited regarding such complaints; and
- (d) the steps taken or proposed to be taken by the Government in this regard?
- THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN); (a) Monopolies And Restrictive Trade Practices Commission instituted two restrictive trade practices inquiries against BI/s, Indian Oxygen Ltd. during 1976.
- (b) The Restrictive Trade Practices inquiries instituted by the M.R.T.P. Commission against Indian Oxygen Ltd. pertain to the following allegations: -

#### R.T.P. No. 2 of 1976

- (a) discriminating in the matter of charging prices for the sale of the said gases manufactured by it in-as-much as at places where there is either no competition or less competition higher prices are charged and at places where there is competition lower prices are charged: and
- (b) charging prices on slab basis in such manner as to charge higher prices for the consumers whose offtake is lesser and charging lesser prices to the consumers whose offtake is comparatively more; and
- (c) prescribing different number of slabs at different places for charging prices and thus further discriminating between consumers of different places.

#### R.T.P. No. 44 of 1976

- (a) Insistence on selling a set of accessories with each gas cylinder, irrespective of customers' requirements, and
- (b) Inordinate delay in extending repair facilities to the gas

equipment thus indirectly compelling the customers to go in for new equipment accompanied with the acces ones etc

- (c) M/s. Indian Ovygen Limited has entered appearance before the Monopolies And Restrictive Trade Practices Commission and wanted to be heard in both the cases
- (d) Necessary steps to support and pursue the complaint before the commission has been taken by the Director of Investigation of the MRTF Commission.

## Recruitment through U.PSC.

7177 SHRI MANOHAR LAL Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether about 1083 officers were recruited through the Union Public Service Commission by regular modes of recruitment to Class I Service at Assistant Officer 10-15 years back and still their services are not confirmed and
- (b) if so, what is the reasons for not confirming them in spite of Cabinet Secretariat Principles under their CM dated 22nd July 1972 to all the Millitries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (s) and (b) 1089 Temporary Officers (Unclassified) were recruited through Union Public Service Commission 1e neither in Class I nor in Class II egainst temporary posts with certainrelaxed conditions during the years 1955 to 1967 300 officers still semain as Temporary, but 109 will be permanently absorbed in Class I in the very near future leaving a balance of only 191 officers as temporary These officers are not covered by the Cabinet Secretariat O.M dated 22nd July, 1972.

sa Watten Answers वितम्बन्धान्त्र भ्रीर धाट-गुन्त्र से माय

7178 थी बोरेड प्रमाद: प्या रेस मत्री यह बताने की हुणा करने कि नेसके को वर्ष 1977-78 के दौरान विजय्ब-गुरूक स्रोर घाट-जुल्क में किननी साथ टूर्ड ?

रेल ममानय में राज्य मधी (थी शिव नारायण): यह मूचना वर्ष 1977-78 में लेखा ने ममापन के बाद जलाई, 1978 में उपनव्य हा सनेगी।

वर्षे 1976-77 ने दौरान विषय्व-मून्य भीर स्थान मूल नो राणि 48 45 बराड रुपये बननी थी जिनमे से बमुनी तथा मन ने वर्षी राणि जमन । 28, 53 नराड भीर 15 85 नराड थी

Creation of a Post of Member

7179 SHRI HARI VISHNU KA-MATH Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the Administrative Reforms Commission had recommended the creation of the post of a Member (Electro-nics) on a restructured Raika ay Board.
- (b) whether the Commission had made the recommendation with a view to taking advantage of and fully utilizing the modern technological activities in the field of electrical and electronic engineering.

te) whether Government have created only the post of an Adviser (Electrical) in the Railway Board,

tot the reasons therefor and for not fully implementing the recommendation of the Administrative Reforms Commission.

(e) whether it is not a fact that the absence of the Member (Electrical) in the Railway Board has contributed to the neglect of Railway electrification during the last few years. (f) whether Government do not consider it necessary in this electrical electronic Age to create the post of a Plember (Electrical Electronic) with full responsibility for electric traction and allied activities; and

#### (g) if so, the reasons therefor?

*e*8

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) The Administrative Reforms Commission had not specifically recommended the creation of the post of a Member (Electrical and Electronics) on the Railway Board. In Recommendation No. 6 of the Report on Railways, Administrative Reforms Commission had recommended that "for efficient functioning, the Railway Board should he compact in size. The number of Members of the Board excluding the Chairman and the Member Finance (Financial Commissioner) should not normally exceed six." Vide para 17 of Chapter II of their report, Administrative Reforms Commission had, in their observations leading to Recommendation No. 6 suggested a distribution of work among the Members of an enlarged Board (a Board of 7 Members) as under:-

Chairman: General administration (including Menagement Development), Pisnning, Public Relations, Security, Vigilance and Research, Designs and Standards Organisation.

Member (Finance): Finance, Budget, Efficiency Bureau, Statistical and Economic Cell.

Member: (Engineering) Civil Engineering.

Member (Mechanical): Mechani-

Member (Transportation and Commercial): Transportation, Traffic and Commercial Branches, Railway Safety.

Member (Electrical and Electronic): Electrical, Signalling and Telecommunications. Member (Staff): Personnel matters, Manpower and Personnel Planning, Organisation and Methods, recruitment and training of Gazetted Officers, Stores.

(b) The Administrative Reforms Commission had observed vide para 17, Chapter II of their Report:

"In recent years certain departments have acquired increased importance and from the point of view of operational efficiency, modernisation and sophistication, they will continue to do so. We would spesifically mention Electrical Engineering, Signalling and Telecommusication."

#### (c) Yes.

- (d) It was decided not to make any addition to the existing strength of the Board in the interest of economy and efficient working.
- (e) No. There is no ground for such an apprehension.
- (f) and (g). The existing organisational set up and arrangoments are considered adequate for effectively meeting the Railways' present needs and responsibilities in the matter of electric traction and allied activities.

## Vigilance Organisation

7180 SHRI DAYA RAM SHA-KYA: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state:

- (a) is it a fact that the Vigilance Organisations are manned by Railway Officers who are subordinate to the G.M. of that Railway;
- (b) is it also a fact that these officers of the vigilance organisation do not work freely and fearlessly due to their future being in the hands of the Railway Officers above them;
- (c) the number of cases the vigilance organisation has successfully investigated and the number of persons punished, category\_wise, including officers; and

(b) No All the officers in the Railway, Vigilance Organisations are independent of other Heads of Department in regard to Vigilance work. They have been and are also working freely and fearlessly in this regard

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Vigilance Organisation, on the Zonal Railways as part of the Management functions under the overall supervision of the General Manager

effective and purposeful organisation?

(c) The number of cases in which departmental inquiries were held and the number of employees punished in such Vigilance/SPE cases during the last three years, is as under,

| 1974 75 |  |  | 1975-7   | 6                                      | 1976-77  |  |
|---------|--|--|--|--|--|--|
| -       | Cases in<br>which depart<br>mental<br>enquiries<br>were held | Employees<br>punished in<br>each cases | Cases so<br>which depart-<br>mental<br>caquines<br>were held | Employees<br>punished in<br>such cases | Cases in<br>which depart-<br>mental<br>enquires<br>were held | Employees<br>punished in<br>such cases |
| Gas     | 251  | 36                                     | 172  | 63                                     | 209  | 75                                     |
| Non Gaz | 2912   | 1351                                   | 3249   | 1958                                   | 3303   | 249                                    |

(d) Vigilance Organisation, being part of the management has to remain under the overall supervision of the General Manager of the Zonal Railways

## फर्रवादाद-मैतानी

7811 थी टी०एस० नैगी॰ श्रीमुरेन्द्र वित्रम • [

नवा **रेल** मता यह बनाने की ह**म** दरेने

(क) नवा जाहनहापुर होकर फर्टवाबाद से मंतानी वन श्रीर जाहनहापुर होकर फर्टवा बाद से मोना जाकरनाय कह रेस जाहनो के निर्माण के जिए कोई मर्वेदाण निरमा नवा या श्रीर नवा गोरवपुर स्थित उत्तर-पूर्व रेसक के वडी साइनों के निर्माण के चीक द्वीनिवर ने प्रभावन प्रमुख्य स्थान ना श्रीतम प्रभिवेदन उनमें मेना या श्रीर यदि हो, तो उस पर क्या नायेवाही की बर्ड है तया यदि नही, तो इसके क्या कारण है, स्रोर

(छ) बया यह इन रेन लाइनो में निर्माण को प्राथमितता देंगे क्योंकि ये नाइनें सबसे खबिक पिछडे छेन्न में हैं।

रेत मजालय में राज्य मंत्री (थो शिज जारावण) - (त्र) प्रीप्ति जो जी हा, सर्वेत्वल रिपोर्ट की सित्तत्त जान को जा रही है बर्षेक्षय रिपोर्ट की पूजेस्पेण जाल पडनाल कर तेने बाद पर्मियाजना पर प्राणी स्वनार निया जायेगा। देश के पिछ्ड क्षेत्रों में नयी साहना के निर्माण के जिल्ला की वजवळ्या को देखते हुए निर्णय तिया जारेगा।

## जबतपुर से नई दिल्ली तक कुनुब एक्सप्रैंस चालू करने का प्रस्ताव

7182 थीं नमेंदा प्रसाद राय: क्या रेल मही यह बताने की कृपा करेगे कि (क) बया जयवपुर से नई दिल्ली तक कुतुव एनसप्रैस चालू करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है: है

93

- (ख) क्या यह सच है कि इस गाड़ी का मार्ग तय कर लिया गया है; ग्रीर
- (ग) यदि नहीं, तो उसका वह वर्तमान मार्गे कीन सा है जिसे तय किया गया है ?

रेल मंत्रास्थ्य में राज्य मंत्री (श्री विव-नारायण) : (क) में (म). 149/150 हजरत निजामुहीन-प्रागरा छावनी कुछव एकाप्रेस का सांसी, हरपावयुर, मानिकपुर, सतमा ग्रीर कटनी के रास्ते जवनपुर तक विस्तार के संबंध में निजय हो चुका है। गई, 1978 की किती तारीज ते यह चाड़ी जवन-प्रर तक बड़ा वो जायेंगी।

Modernisation of Rallway Workshops

7183. SHRI M. RAM GOPAL RED-DY: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state;

- (a) whether there is a proposal with the Government to modernise railway workshops; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

(b) The objective of Workshop Modernisation Project is to improve performance and availability of robing stock and reduce cost of its manufacture and maintenance. In the past if has not been possible to undertake timely replacement of Machinery and Plant within the limited resources at the disposal of Balluways. This has resulted in 70 per cent of Machinery & Plant in Workshops and repoir depots becoming overaged and rundown thus impairing manufacturing and maintenance ability of

the workshop complex. Modernisation Project will extend over a period of 10 years and involve provision

- Modern Machinery & Plant to replace old and antiquated machinery;
- (ii) Unit Exchange Assemblies for minimising maintenance downtime;
- (iii) Better material handling material:
  - (iv) Metrological and testing equipments for better quality control; and
  - (v) Improved layouts and rationalisation of workload,

माइहार में 'साइडिंग' की संख्या

7184. श्री शरद यादवः क्या रेल मंत्री यह वंताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) मध्य रेलवे में माल के लदान के लिए माइहार में कितनी 'साइडिंग' हैं।
- (ख) उन फर्मों के नाम क्या है जिनकी प्राइवेट 'साइडिंग' हैं ; ब्रीर
- (ग) क्या किसी कंपनी ने रेलचे साइडिंग पर कड़का कर लिया है और यदि हो, तो कब से ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव . नारायण ):

- (क) तीन, जिनमें एक इमदादी सार्जीटम भी सामिल है।
- (ख) इस स्टेंगन पर कोर्ड प्राइवेट साइडिंग नहीं है, लेकिन मेसर्ग महर सीमेंट्स के लिए इस प्रकार की एक साइडिंग निर्माणाधीन है। मैसर्ज महर स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड के लिए भी एक इमदारों नाइडिंग है।
  - (ग) जी नहीं।

More Trains from Jammu to Pathanket

7185 DR BALDEV PRAKASH
Will the Minister of RAILWAYS be
pleased to state

- (a) whether Government has received ed representation to start more trains from Jammu to Pathankot, and
  - (b) if so the actions taken?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWANS (SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) introduction of an additional train on the Pathankol Jammu Tavi section is neither unstified nor operationally feasible due to lack of adequate terminal facilities at Jammu Tawi.

Freight Concession on movement of Export Cargo

7186 SHRI MOHINDER, SINGH SAYIAN WALA SHRI YASHWANT BOROLE

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether a decision has since been taken to give freight concession on the movement of export cargo

(b) the nature of the decision taken and

(c) if not when it is ble y to be taken?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) No

(b) and (c) Do not arise

रेनवे स्टेशनो का खोता जाना और जकरानों में बदला जाना

7187 थी सालजी भाई \* क्या रेल मत्री यह बतान की हुगा करेंगे कि

(क्) गत तीन वर्षों म पूरे देश में कुल क्तिने नये रैलवे स्टेशन खोलें गयें हैं ,

- (स्र) उनमं से क्तिन स्टेशना का जनवन मधदला जाचुना है, ग्रीर
  - (ग) इनक बार म क्या ब्योरा है?

रेत महात्म में राज्य मही (थी शिव नारायण) (क) स (ग) मूचना इकटटा को जा रही है ब्रीट सभा पटन पर रख दो जायेंगे।

Direct Fast Express Train from Delhi to Oriosa

THES SHRI BAIRAGI JENA WILL
the limiter of RAILWANS be pleased to state the ressons for not taking
steps to run super fast express directly to Orissa from Delhi as the
train is the only direct communication to Orissa whereas other State
capitals are provided with such facilities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF RALLWAYS (SHRI SHEO NARAIN) At present 143/141 Kalinga Expres, a weekly fast service has been provided between Pur, and Nizamuddin from 1rt April 1977 Besides 77/78 Ukal Express is running between Pur, and Nizamuddin on 4 days in a week

Deradment of a Goods Train on Bhavnager Division

7189 SHRI PRASANNBHAI MEH-TA Will the Minister of RAIL-WAIS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that twenty wagons of a goods train deruled on 22nd Alarch 1978 between Supedi and Dhoran stations on Bhavaragar Division of the Western Railway.
- (b) If so the cause of the arcident and its details
- (c) whether in the month of March the railway accidents again increased and the Gujarat State shows the higher number, and

(d) if so, the reasons for the same and what steps are being taken to check them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) In this accident 13 wagons had derailed.

(t) At about 13.25 hours on 22nd hiarch, 1978 while 14 Up Diesel Goods train was running between Supedi and Dhoraji stations on Porbandar-Jetalsar Meire Gauge section of Bhavmagar Division of Western Railway, it derailed at Km. 145/14-11. No one was killed or injured in this secident.

The inquiry into this accident has not yet been completed.

(c) and (d). Yes. Out of 13 derailments which took place in March. 1978, on the Western Railways, 9 occurred in Gujarat State. There was also an accident at an unnanned level crossing in Gujarat State. Of the 9 derailments which occurred in Gujarat State, 4 were due to failure of railway staff, 3 due to failure of mechanical equipment and 2 were accidental in nature. The accident at unmanned level crossing was due to the failure of road users.

Besides counselling the staff to ensure that they do not violate the rules and indulge in short cut methods, examination of trains and spot checks at Carriage and Wagon depots have been intensified. Surprise checks are also being conducted in coordination with police authorities to ensure strict compliance with the Motor Vehicle Rules by the road uters.

गालियाबाद और सहारतपुर के बीच चलने वाली गाड़ियां

7190 श्री कैसाश प्रकाश : क्या रेले मंत्री यह बताने की कृषा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1947 में माजियाबाद-सहारतपुर के बीच चलने वाली नियमित 512 LS-4. माड़ियों की संख्या कितनी थी और 30 वर्ष बाद उनकी श्रव संख्या कितनी है; श्रीर

(ख) क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि इस साइन पर गाड़ियों की कमी के कारण यांतियों को भी भारी श्रसुदिधा का सामना करना पड़ता है ?

रेस मंत्रासय में राज्य मंत्रो(श्री शिव नारायण): (क) शस्तुवर 1948 की समय-सारणी (सवसे पुरानी उपलब्ध) के अनुसार, गावियाबाद और सहारलपुर के बीच 6 कोड़ी गाड़ियां, मेरठ शहर और गावियाबाद के बीच 2 जांड़ी गाड़िया और मेरठ महर और सहारलपुर के बीच एक जोड़ी गाड़ी उपलब्ध थी, जबकि धत्रैस, 1978 की समय सारणी के अनुसार इस समय सहारलपुर और गावियाबाद के बीच टाइन रिवाम में 9 गाड़ियां और उप दिशा में 8 गाड़ियां, गाजियाबाद थीर मेठठ शहर और मेरठ शहर और सहारलपुर के बीच एक-एक जोड़ी गाड़ियां उपलब्ध हैं।

(ख) यद्यपि व्यतिरिक्त गाड़ियों को मांग को जा रही है, इस संतुष्त खंड पर प्रतिरिक्त लाइन क्षमता की कमी और दिल्ली/मणी दिल्ली पर टीमन कुषिधाप्रों की कमी के कारण इसे व्यावहारिक नहीं पाया पया है।

Violation of Companies Act by Foreign. Companies

7191. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) names and particulars of the foreign companies, branches as well as subsidiaries, who were charged with violation of the provisions of the Companies Act during 1977;

(b) specific charge against each of the firms; and

(c) action taken against the firms concerned for this violation?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House

#### Corruption Cases

7192 SHRI RAJENDIA KUMAR SHARMA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) the number and nature of corruption cases pending at present on the Northern Railway especially in Moradahad Division, and

(b) the action taken against them?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) The number of vigilance cases pending on the Northern Railway and in particular on the Moradabad Division as mallet March 1978, is given below:

|                           | (2ll divisions<br>ang Morae | Aorthern Railway<br>(all divisions includ-<br>ing Moradabad<br>Division) |          |            |
|---------------------------|-----------------------------|--|----------|------------|
|                           | Gazetted                    | Non-<br>Gaz  | Gazetted | Non<br>Gaz |
| Major Penalty Proceed nes | 18                          | 144  | 2        | :8         |
| M 10r Penalty Proceedings | 10                          | 445  |          | 21         |
| Pro cution in Courts      | 3_                          | 25   |          | 2          |
|                           | 31                          | 315  | 2        | 41         |

(b) Disciplinary proceedings are in progress in all these cases and action as called for will be taken on finalisation of the proceedings Constant efforts are being made for their quick finalisation.

## Higher Grade Posts to Post Graduate Extension Health Educators

7193 DR. BIJOY MONDAL Will the Minister of RAII WAYS be pleased to state

- (a) whether Doctors with Diploma have been promoted from class III service to class I between 1966—13 and Health Inspectors given two higher stade scales of Rs 559—730 and Rs 700—900 with enhanced percentage just two years before,
- (b) if so the reason for which Post Graduate extension/Health Educators

recruited in 1966 have not been given any percentage of higher Grade Posts so far.

- (c) is it because that it is a temporary organization, or
- (d) is it because this organisation is financed by Ministry of Health and Family Welfare,
- (e) if the answer to (c) and (d) be in the affirmative, is there any embargo to give further grades to the staff of temporary status and
- (f) whether the Ministry ever made proposals to the Ministry of Health and Family Welfare for additional funds and got refusal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (f) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha

#### Unlicenced Producers of Lubricants and Greases

TOT

7194. SHRI FAQUIR ALI ANSARI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

- (a) the number of unlicenced producers of lubricants and greases in the country;
- (b) whether it has been established that the sub-standard and spurious products marketed by these producers are playing havoe with the sophisticated machinery and equipment; and
- (c) the firm step taken by Government to curb the activities of these unlicensed producers of lubricants and greases?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA); (a) The information is not available with the Government.
- (b) and (c). Substandard and spurious lubricants if used in sophisticated machinery and equipment will cause damage but the extent to which this is taking place is not known. However, to prevent this and ensure proper quality of the lubricants the following steps are taken/contemplated.
- 2. The State Governments/U.T. Administrations have been advised to invoke the powers available with them under the Indian Penal Code and deal severely with adulterators of petroleum products.
- 3. Apart from initiating follow-up action on the measures suggested by an expert panel set up by the Government to look into the problem of adulteration/misuse of lubricants Government have prescribed a scheme of discipline in regard to distribution of lubricants which is required to be implemented by all the major oil companies. The oil companies have

been conducting surprise checks on their retail outleis/agents with a view to ensuring that there are no malpractices in distribution of labricants through their outlets. The oil companies have also been asked to increasingly take up direct sales to all the major consumers. Some of the further steps being contemplated with the objective of minimising the circulation of spurious labricants are set out below.

- (i) Government propose to make use of the ISI mark mandatory for all manufacturers of automotive oils, industrial oils and greases. The details in this regard are being worked out in consultation with the ISI and other concerved organisations.
- (ii) stricter control has been prescribed over allocation of feedstocks for the purpose of lube manufacture. The idea is to ensure proper accountal of feedstock releases as related to the output of the end-product.
- (iii) The oil companics have been asked to eliminate intermediaries and prevent multiplicacation of agencies engaged in lube distribution so as not to weaken effective control by the oil companies over their operations.
  - (iv) The oil companies have been asked to launch a major publicity drive to bring about greater consumer awareness and involvement.
- (v) Specifically in regard to the activity of re-refining of used lubricarity which is potentially a major source for adulteration of lubricants decisions have recently been taken to introduce a scheme for voluntary registration of re-refiners who fulfil the basic quality

criteria and possess the requisite facilities including inprocess quality controls.

103

4 An Industry Group is presently engaged in the task of evaluating in depth the problems in this field including the specific aspects of the adequacy of the existing laws for curbing the activities of manufacturers of spurious lubricants They have been asked to come up to the Ministry with definite and concrete suggestions for implementation

#### Availability of Molasses and its Utilisation

7195 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of PETRO-LEUM CHEMICALS AND FERTILI ZERS be pleased to state

- (a) what is the current availability of molasses in the country and how much of it is utilised by (1) Industries manufacturing wines and liquors (2) Industrial alcohol and (3) by paints spirit varnish and other companies,
- (b) what are the plans of utilising molasses production with the progressive implementation of Prohibition policy by the Government, and
- (c) how many new licences would be given for producing Industrial Alcohol and whether such industries would be set up in rural areas near sugarcane producing zones?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI-ZERS (SHRI JANESHWAR MISH-RA) (a) The current availability of molasses in the country is of the order of approximately 22 lakh tonnes per annum About one lakh tonnes of molasses is utilised for cattle feed and fodder and other mucellaneous uses like tobacco curing The remaining quantity of molasses is used in the distillenes for the production of ethyl alcohol (rectified spurit) About 70 per cent of the rectified spirit is

Written Answers and utilised for industrial purposes the remaining 20 per cent is used for manufacturing potable hottors

- (b) Government are encouraging the setting up of further alcohol based industries
- (c) The distillery capacity should match the availability of molasses The distillenes are established within an economic distance from the sugar factories.

#### Demand for New Division with If Q at Rontkela

7196 SHRI GANANATH PPA-DHAN Will the Minister of RAIL-WAYS he pleased to state

- (a) whether the Government have received any demand to establish a new Division with Head Quarters at Rourkela by reorganising the existing Bilaspur, Chakradharpur, Walteir and khurda Road Division in a rational manner to achieve optimum operation at efficiency and
- (b) 1f so, the action taken thereon and the probable period of its implementation?

THE MINISTER OF STATE IN MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Yes

(b) The demand was carefully considered but was not found acceptable on administrative operational economic grounds

#### Representation for Howrah Coach upto Gandhiriham

7197 SHRI ANANT DAVE the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether the people of Kutch and passenger association are writing to Railway authority for the extension of Howrah Coach upto Gandhidbam which at present comes up to Viramgam
- (b) why this Howrah Bogie is not extended up to Gandhidham, and

(c) if not, the reasons thereof:

105

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

(b) and (c). At present two through service coaches viz, one composite I and II class and one II class 3-ther sleeper coach are running between Howrah and Virengam by 2Up/73/15 Dn and 16 Up/77/1 Dn. Quotas have been allotted for different stations including a quota of 4 and 2 sleeper berths for Gandhidham and Bhuj area respectively. As the quota for stations upto Virengam and stations via Virengam is fairly high the extension of the through coaches uplo Gandhidham will inconvenience the present users of Sourashtar region.

#### Stoppage of Work

7198, SHRI SAMAR MUKHER-JEE: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state;

- (a) whether there have been any stoppages of work by railway workers due to inordinate delay in payment of their dues;
  - (b) if so, the details thereof; and
- (c) the steps taken by Government to prevent recurrence?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). Yes, there have been 3 such instances in the recent past;

- (i) On Eastern Railway, Loco Running Staff of Gemoh stopped work from 29th December, 1977 to 30th December, 1977 demanding immediate payment of their overtime on the basis of award of Railway Labour Tribund, 1988 for the period from 1st August, 1974 to 30th April, 1975.
- (ii) On Southern Railway a 'Dharna' was organised on 28th February, 1978 at the

entrance of D,S's. Office, Madras as a protest against delay in clearance of overtime bills in the Divisional Accounts Office.

(iii) On South Eastern Railway, certain substitutes working under Chief Yard Master, Santragachi, stopped work on 20th March, 1978 demanding immediate payment of their

(c) The payments as admissible in the above cases have been arranged.

Instructions to the Railways already exist to ensure that the work in regard to timely payment of annual increments, payment of overtime and running allowances to staft, fixation of pay and payment of arrears in regard to the recommendation of the Third Pay Commission etc. etc. is kept current without any arrears being accumulated.

Reilway Administrations have further been instructed during recent discussions in the office of the Ministry of Railways to ensure that the work is kept current and to arrange for a high level watch over delayed payments.

Repayment of Deposits by M/s. Globe Motors

7199, SHRI M. A. HANNAN AL-HAJ: Will the Minister of LAW. JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state;

- (a) whether it is a feet that M/s. Globe Motors, Delhi had to return the money of the depositers in a systematic scheme as ordered by the Delhi High Court;
- (b) whether it is also a fact that after paying 3-4 instalments M/s. Globe Motors, Delhi stopped to make payment to them;
- (c) if so, the reasons for not taking any action by Government to safemand the interest of depositers; and

(d) the steps Government propose to take in this regard?

107

THE MINISTER OF LAW JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) (a) and (b) As was stated in reply to Lok Sabha Unstarred Question No. 3791 answered on 13th December, 1977 under scheme of arrangement sanctioned by the Delhi High Court which was effective from 22nd February 1970 M/s Globe Motors Limited was required to repay its creditors (including depositors) in six instalments the last instalment being due by 22nd March, 1974 Payments were made up to fourth instalment and as was stated in reply to Lol. Sakha Unstarred Question No 7909 answered on 29th April 1975 the Court had granted excens on up to 31st July 1975 for payment of the fifth instalment and the sixth instalment was payable up to a period of two years from the completion of payment of the fifth instalment

As was indicated in reply to Lck Sabha Unstarred Question No 3791 answerd on 13th December, 1977, the company has not filed with the Registrai of Companies. Delhi any return of deposits for the periods ended on 31st March 1975 31st March 1976 and 31st March 1977 The winding up of the company was ordered by the Delhy High Court on 15th April 1977 The company did not file with the Official Liquidator Delhi the statement of affairs The Government is therefore not aware of the latest position regarding payment of depoeits by the company A criminal case has been filed by the Official Liquidator, Delhi against the ex-directors for non-filing of statement of affairs

(c) and (d) Winding up proceed ings of the company are conducted under the directions of the High Court and hence further action will be taken by the Official Liquidator in this regard in accordance with the directions issued by the High Court

Written Answers Concentration of Economic Power

7200 SHRt CHITTA BASU Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Starred Question No 388 on 21st March, 1978 regarding turn over and profits of industrial Houses and state

- (a) whether there bas been further concentration of economi- power in the hands of few during these years and
- (b) if so, the particular steps taken to assess and reverse this trend?

MINISTER OF LAW, JUS THE TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) The reply to Star ed Question 388 of 21st March 1978 gives information about the turn-over and prohis of 45 Industrias Houses The data reveals that there has been an increase in turn-over and irofits most of these cases and to 'hat extent there has been an increase in the economic poner of these Houses

(b) Paragraphs 18 and 19 of Government's Statement on Industrial Policy of 23rd December, 1977 detail the new restrictions to be placed in the future expansion of Large Houses Relevant extracts [Placed in Library See No LT 2131/787

#### Fees paid by Porter

7201 SHRI B C KAMBLE the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) the different fees including licence fee each railway porter, and head of the porters (Mukadam) is required to pay to the (1) railway authority, (11) railway union either monthly or annually in Central Western Southern and Eastern Railways and
- (b) whether in view of the conditions under which the railway porters labour, Government propose to reduce

109

the fees; and grant the facility of providing more pieces of red-uniforms to the railway porters?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) The licence fee paid by the licensed porters to the Railway Administration rauges from Re. I to Re. 5 per porter per month depending upon the importance and the traffic dealt with at each station. The Mukadams do not pay any additional licence fee.

The Railway has no information about the subscription/fee paid by porters to their Unions which are not recognised by the Railway Administration.

(b) There is no such proposal.

रसना महार में 'फ्लैंग स्टेशन '

7202. श्री मोती माई खार० चौधरी: क्या रेस मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि:

- (फं) क्या अजभेर डिबीजन में पासनपुर गांधीधाम लाइन पर चंडीसर झीर डीसा स्टेशनों के बीच रसनामहार में क्लेग स्टेशन की मांग की गयी है!
- (श) क्या यह सम है कि कि चंडीसर तथा डीसा के बीम काफी दूरी है और यदि हां, तो इस तथम की ध्यान में रजते हुए सोनों की सुविधा हेतु यह स्टेशन बनाया जायेगा और यदि हों. तो कव : और
- (ग) नया इतिवाझ वांध के कर्मचारियों ग्रीर गुजरात राज्य के कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों को सुविधायें देने की दृष्टि से बीझ ही यह स्टेशन स्वापित किया वार्येगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किव नारायण): (क) ते (ग). चंडीसर और डीसा स्टेंबनों के बीच रसना महार में एक हाल्ट स्टेंबन बोलने के लिए वर्ष 1961, 1969, 1972 और 1976 में मांच की नगी थी। इस प्रस्ताव की जांच की गयी थी। सेकिन इसका वित्तीय दृष्टि से श्रीक्रिय नहीं पाया गया था। यंत्रीसर और हीसा स्टेशनों में बीच की दूरों 14.20 किंग्र मींग्हें है। यह क्षेत्र सङ्क्ष्म परिवहत हारा भनी भाति सेक्षित है। रेतवे ताइक के समान्तर एक डायर की सङ्क्ष्म मौजूर है और जनता तथा दांतियाहा योध और हुएं श्रीवकाविष्यात्वय के कर्मचारियों की सुनिवा के लिए गुकरात राज्य सड़क परि-वहन निकाम द्वारा पर्याप्त संख्या में वसे चलायी चा रही है। किर भी, इस प्रस्ताव की एक बार पुन: जांच की जायेंगी।

Cinder Picking and Ash Handling contracts

7203. SHRI GYANESHWAR PRA-SAD YADAV: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether lumpsum payments are being made to the contractors? labour Co-operative Societies holding Cinder picking and ash handling contracts for "cleaning and sweeping of shed including open area" on Allehabad and Lucknow Divisions;
- (b) the details of lumpsum amount paid to Contractors/Labour Cooperative Societies at Tundia, Shikobabad, Aligarh, Etah, Allahabad, Kanpur, Juhi, Chunar etc, including other loco sheds on Lucknow Division separately:
- (c) whether coal handling, cinder picking and ash handling contracts are awarded by the Divisional Superintendent concerned on Allahabad and Lucknow Divisions of Northern Railway or the same are awarded by the respective Senior Divisional Mechanical Engineers; and
- (d) who is the competent authority to review the appeal made against the decision of Senior Divisional Mechanical Engineer in respect of award of contracts to Labour Co-operative Societies?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) TIT

For ash handling lumpsum payments are being made on Lucknow Division while in Allahabad Division, lumpsum payments are being made in some sheds and in others payments are being made on the basis of actual quantity of ash handled For emder pick-

Written Answers ing, payments are being made for the quantity picked and delivered.

(b) The lumpsum payments being made monthly for handling of ashes in the sheds of Allahabad and Lucknow Divisions are as follows --

| Allahabad Division   |              | Lucknow Divisio   | n |                  |
|----------------------|--------------|-------------------|---|------------------|
| She.I                | Amount<br>Rs | Shel              |   | Amount<br>Rs     |
| Mahabad              | Departmental | I ucknow          |   | 5975 00          |
| Tundla               | 7001 00      | Fazzabad          |   | 1825-00          |
| Shikohabad           | 1871 00      | Pratapgath        |   | 1000 00          |
| Al garh Jn           | 1100 00      | Varanası .        |   | 950 00           |
| Etawah               | MIL          | Ras Baresly       |   | E00*00           |
| Kanpur               | 2191 00      | Sultanpur         |   | 1130-00          |
| Kanpur<br>(GMC'Juhi) | \IL          | Jaunpur<br>Prayag |   | 850 00<br>600 00 |
| Chunar               | 701 00       |                   |   |                  |

- (c) The Senior Divisional Mechanical Engineer is empowered to award contracts on the recommendation of the Tender Committee
- (d) The Divisional Superintender is the competent authority to review the appeals in this respect

# Gauhati Teensukia Line

7204 SHRI AHMED HUSSAIN Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) the Governments plans on providing/extending Broad Gauge line from Gauhati to Teensukia in the near future and
- (b) what is the financial aspect involved and whether any survey etc. have been finalised/required to he finalised and
  - (c) if so the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (c) The question of extending the broad gauge line beyond Gauhati upto Tinsukia can be considered after the broad gauge link is established anto Gauhat: The approximate cost of the proposed gauge conversion of this 513 Km. long line would be about Rs 55 crores

#### Licence for Caustic Soda factory at Madras

"200 SHRI G BHUVARAHAN Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that Government of India have given licence to start caustic soda factory at Madras,
- (b) when was the licence given; and
- (c) the reasons for not starting the factory so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZ ERS (SHRI JANESHWAR RA) (a) and (b) Yes Sir An

FII

- (i) Caustic Soda . 33,000 tonnes per year
- (ii) Liquid Chlorine 20,000 tonnes per year
- (iii) Hydrochloric Acid 24,750 tonnes per year
- (c) Caustic Soda is a long gestation industry. A capital goods import licence for import of equipment and machinery was granted to the firm on 31-3-76 to CCIEE. The firm is in the final stages of construction of eivil works and erection of machinery etc. It is estimated that this unit will go into production during 1979.

# Complaints regarding Swadeski Poly.

7206. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be plessed to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2688 on 14th March, 1978 regarding copisints of mismanagement in Swadeshi Polviex Limited and state:

- (a) the name or names of persons/ parties said to have made the complaints against Swadeshi Polytex Limited referred in part (a) and (b) thereof;
- (b) whether he is aware that the complaints are being made at the instance of the present Managing Director of Swadeshi Cotion Mills Company Limited who is out to disturb efficient working of Swadeshi Polytex Limited; and
- (c) if so, action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) A statement is attached.

- (b) As mentioned in the Statement Shri R. R. Jaipuria the Managing Director of Swadeshi Cotton Mills has made certain complaints. It is not known whether he has instigated others to make complaints against Swadeshi Polytex Limited.
- (c) The complaints are being looked into, as mentioned in reply to unstarred question No. 2688 of 14th March, 1976.

#### Statement

- 1. Shri V. N. Ahuja
- 2. Shri Balkrishna Tandon
- 3. Shri Shashi Kumar Malhotra
- 4. Shri Ved Prakash Agarwal
- â. Shri Murlidhar Gupta
- 6. Shri Raja Ram Jaipuria
- Shri Rajendra Kumar Maheshwari
- 0 Chai n n 17---1
- 8. Shri B. B. Narula
- 9. Shri Gopal Chand Mittal
- Shri Kunj Behari Lal
   Shri Swadeshi Cotton Mills
- Company Limited.
- 12. Shri G. P. Khaitan
- 13. Shri S. D. Vengurleskar
- 14 Staff of Swadeshi Polytex (unsigned).

## Railway Strike in 1974

7207. SHRI DAYA RAM SHAKYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that A!! India Railway employees confederation fought shoulder to shoulder in strike 1974 as constituent of N.C.C.R.S.
- (b) the present Government are also holding consultation with all Unions but ignoring confederation at the advice of A.I.R.F.;
  - (c) what steps the present Government are taking to give proper representation to all categories as both Federations have totally failed to do so;

115

(d) whether Government are aware of the fact that a few office bearers are helding posts of ALRF and NFIR. for the last 25 years and their elections are not held democratically and

(e) if so the Government's action to make the Unions democratic?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAU-I AYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) The Confederation or its constituents had served notice of strike on the Raily ays

- (b In pursuance of the statement m de by the Minister for Railways 14 the Parliament that he would be hav ing discuss one with Labour Organi at one on the problem of Rankway employees informal discussions were h a th the two recognised Federa ti " in the All India Railwaymen's F derat on and the National Federa tion of Indian Railwaymen and also with certain Members of Parliament connected with Railway Labour along v".h trade Unionists who accompany ed them, in order to explore what concrete measures could be taken to wards fostering a proper industrial re ations climate on the Railways.
- (c) Both the recognised Federal ons have been found to sponisor; the case of many categories of staff Further the policy of the Government is to take due note of all greavances and demands of railway employees whe ther they are represented by recognised of unrecognised Unions/Federa tion.
- (d) and (e) These relate to internal affairs of the bodies No disputregarding the office bearers of these two organisations has come to notice

Views of FICCI on the Concept of Monopoly Commission

"708 SHRI SHYAM SUNDED GUPTA Will the Minister of LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry has urged Government to modify the concept of Monopoly Commission, and
- (b) if so what are the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF LAW, JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) and (h) The Federation of Indian Chambers of Commerce and try New Delha in its Memorandum to the Committee appointed by the Government under the Chairmanship of Mr Justice Rajinder Sachar submitted that Chapter III of the Monepolies and Restrictive Trade Pra cisce Act 1969 should be deleted. It has further suggested that the Monopoly Commission should deal only with matters relating to restrictive trade practices. The Government is awaiting the report of the said Com m tiee which is expected to be submitted to the Government by the 30th June 1978 and would thereafter for mulate its views after studying the recommendations made therein,

#### रायपुर-धमतारी नैरी गेज साइन को बडो साइन में बदलना

7209 श्री हुन्स चन्द कछुदाय वया रेल भन्नी मण्य प्रदेश म ग्रालाभप्रद रेल लाइना न बारे म 28 फरवरी 1078 ने मनाराजित प्रश्न सरुवा 10-7 न उत्तर न बार म यह बनावि का प्रणा नरेग नि

- (क) रायपुर प्रमन्तरा नैरागज लाइन का बडी लान म बदलने का बाम क्य तव स्मरम्भ क्या जायमा क्योकि इस का सर्वेश्यम काय पुराहो चुना है।
- (घ) जवलपुर-गोडिया नैरो गेज लाइन ना बड़ा लाइन न माथ जाइन स सबधित मर्वेद्धण नाय ने नव तक पूरा हा जाने की सामा है तथा बड़ी रेल लाइन विछाने ना नाय नव सारम्य निया जायेगा !

(ग) क्या कालियर-शिवपुरी गैरो गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदस कर उसे गुना-माक्सी लाइन के साथ जोड़ने का विचार है: और

117

(घ) यदि हां, तो क्या इस क्षेत्र के निवासियों ने सरकार को कोई विकासियां प्रथम पुसान दिने हैं तथा 120 किलोमीटर प्राइत को वड़ी साइन में बदलने परअनुभारत: कितनी प्रमराणि खुले होने की संधावना है?

रेल मंत्रातय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) रावपुर-धमतरी छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदतने का काम संसाधमों की उपलब्धता पर निभर करता है और इस काम को कब युक किया बाचेणा इस बारे में प्रभी शुक्र नहीं कहा जा सकता।

- (ख) जवसपुर-भोदिया छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के बारे में प्रारम्भिक संजीनियरी एवं पातामाठ तर्वेक्षण का कान पूरा हिंके बाला है। त्यवहण काने पूरा होने और रिपॉर्ट की जांक-पड़काल हो जाने पर लाइन के सामान परिवर्तन के बारे में निर्णय निवा जानेमा।
- (ग) धौर (घ) . :वालियर-धिवपुरी लाइन ठवाड़ दी गयी है। च्यालियर की वही लाइन द्वारा गुना से जोड़ने के सिये अध्यादेवर प्राप्त हुए हैं। प्रत्यादिवर साइन 225 किसोमीटर संबी होगी और उस पर नगभन 32 करोड़ रुपये सागत आयेगी। मंत्रीहर्मी की रिकार में ठोस चुवार होंगे पर देखा के रिएड इसलों में नयी वाहनों के निर्माण के प्रकार हमा कर पर विचार किया जायेगा।

पश्चिम रेलव के महाप्रवन्धक का पौरवन्दर का दौरा

- 7210. श्री धर्म सिंह भाई पटेंल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कुश करेंगे कि :
- (क) क्या पश्चिम रेंतने, वस्वई के महाप्रवन्धक ने गुजरात के सीराष्ट्र क्षेत्र के

पोरवन्दर शहर का दौरा किया था और यदि हां, तो कब।

- (ख) क्या रेलवे कर्मचारी संघ [पोरवंदर ने उस समय कुछ मांगें प्रस्तुत की थीं और यदि हां, तो सत्संबंधी व्योरा क्या है।
- (ग) किन-किन मांगों को स्वीकार कर सिया गया है और किन-किन मांगों को अब सक स्वीकार नहीं किया गया है और इन मांगों को स्वीकार न करने के क्या कारण है : और
- (घ) इन मोगों की कव तक स्वीकार कर लिया जायेगा ?

रैल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव मारायण ): (क) से (ध). मूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी लाजेंगी।

श्रहमदाबाद से बम्बई हाई तेल तथा गैस सम्बन्धी विचार गोस्टी

7211. श्री धर्म सिंह भाई पहेल : [क्या पेट्रोलियम, रसायन श्रीर उर्वरक मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि:

- (क) स्वा 23 जुलाई, 1977 को जुलात सामित्य तथा उठोग मण्डल स्वाच्या क्या उठोग मण्डल सहस्वाच्या कीर जुलरात विकास फोरस, सहस्वाच्य के सत्यावधान में सम्बद्ध में हाई केत तथा पैन और उनके उपयोग पर विचार गोल्डी हुई श्री आर उन संप्ली में उठाई गई मांगी हुई श्री आर उन सरकार के अरता किया नया था:
- (ख) यदि हो, तो सरकारको उपरोक्त ज्ञापन कब आप्त हुआ था और उसमें किन मांगों का उल्लेंब है ;
- (म) इनमें जीन-सी मांगें स्वीकार की मई है और इनको कब स्वीकार किया गया
   शा; और

(घ) ग्रद तर तिन नागाना स्वो**गार** नहीं किया गया है और इनक बना बाराण हैं और इनहा कब और हिम प्रकार स्वीहर िन्या जीवसा ?

119

पेट्रोलियम तथा रमायन और उदेरक मतालय मेराज्य मत्रो(श्रो जनेश्वर मिथ) . (व) में (घ) गुजरात प्राणिज्य तथा उद्योग मण्डन द्वारा जुलाई 1977 म बम्बई हाइ ग्रपनदीय म रचना और वसीन क्षेत्रा विशेषकर गुजरात में गैम ने उपयाग पर विचार मोर्प्डी ग्रायाजित की गई**ै**। इस गाप्ठी में उठाई गई मागा व सबन्य में बार्ड जापन सरकार का प्रस्तुन नहीं किया था।

तयापि विचार गाप्ती म मह निश्चम वियागया माहि एक कार्यकारी समिति जिनमें उद्याग श्रीवाणिकी और मरकारी प्रमामन क प्रतिनिधि सदस्य हा का प्रपत्रदीय गैस और बच्च केन का समावनामां स्थार इसके प्रभावी बार धनुकुननम उपयाग का मुख्याकन करने के लिये नियुक्त किया जाय। न्द्रनुसार गुजरात वाणिब्य तथा उद्याप मण्डन के ग्रध्यम की ग्रध्यमना में एक मसिनि गठित की गई जिसकी रिवार्ट मरकार का 4 भगैल 1978 का प्राप्त हा गई है। इस स्मिदं भी विभिन निमारिया की इस समय जाच की बारहा है।

#### Transfer of S Os

7212 SHRI ROBIN SEN Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether it is a fact that Section Officers working at Rajkot Bhavnagar, Ratlam and Kota Divi sions are transferable while the Section Officers sitting in Delhi office of the Western Railway Traffic Accounts Office are not transferable?

THE MINISTER OF IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN) No The post of Section Officers (Accounts) is a slection post ority is maintained on whole Railway basis and thy are hable for transfer anywhere on Western Rail-

Signal and Telecommunication staff Association of Varanasi Division

721° SHRI ROBIN SEN Will the the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether the Government have received any representation from the Signal and Telecom Staff Association of Varanasi Division about their grievances.
  - (b) if so, the details thereof, and
- (c) the steps taken by the Government to settle the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House

#### Board of Directors of Darjeeling Plantation Industries Limited

7214 SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA Will the Minister of LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

- (a) the composition of Board of Directors of the Darjeeling Plantation Industries Limited, Calcutta and aims and object of the said Company,
- (b) whether it is a fact that the Company has been promoted and formed to take up the business of a foreign Company tiz Darjeeling Tea Company Limited.
- (c) if so, the facts thereof and whether huge investment has been made in the same Company contratening the provisions of the Compames Act, 1956.

(d) who are the principal shareholders and percentage and value of shares held by each of them; and

72.7

- (e) whether it is alleged that the Company has committed large number of irregularities in contravention of the Companies Act, 1956 if so, the facts thereof and action taken thereon?
- THE MINISTER OF LAW. JUSTICE, AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN); (a) A statement is attached.
- (b) and (c). The company was promoted and formed to acquire the business and undertaking in India, of "The Darjeeling Company Limited", U. K. The company was registered with the Registrar of Companies. Calcutta, or 241-21-1976. No information about investments in the company is available as the company has not filed any Balance Sheet so far. The first Balance Sheet of the company is due to be filed with the Registrar of Companies, Calcutta by June, 1978.
- (d) The company has not filed any Return of Allotment since its incorporation. It has also not filed any Annual Return. Its first annual return is not yet due for filing. Hence no information is available shortholders and shares held. However the following persons subscribed to the Memorandum of Association of the company and have each taken one equity share of the value of Rs. 10<sup>4</sup>.
  - (1) Shri Siram Kapur.
  - (2) Shri N. A. Rajan.
  - (3) Shri J. Kapur.
  - (4) Shri P. Subramanlam.
  - (5) Shri S. N. Dhawan.
  - (6) Shri P. K. Pandey.
  - (7) Shri R. Menon.
- (e) No such allegations have been received.

#### Statement

(i) Following is the composition of the Board of Directors of M/s Darjeeling Plantation Industries Limited:

#### Name

- (1) Shri Frank Arthur Ferrow.
- (2) Shri Sriram Kapur.
- (3) Shri Golam Momen.
- (ii) The main objects of the company, inter alia include acquisition, take over and development of the business and undertaking in India of the Darjeeling Company Limited, a company incorporated under the English Companies Act, having its registered office at London and its Head Office for India at 31. Chowringhee Read, Calcutta and all the property and assets and all the debts and liabilities, contracts and engagements of the said business, and undertaking in India. The main objects which will be pursued by the company as given in its Memorandum of Association further include the business of -

dealers of tea. coffee and other produce and to manufacture and deal all kinds of mathinery, implements. requisites, etc. of planters and farmers."

"Planters, farmers, growers and

Composition of Board of Directors of A.S.C. Engineers and Consultants Limited

- 7215. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Minister of LAW. JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:
- (a) the composition of the Board of Directors of the ASC Engineers and Consultants Limited, Calcutta;
- (b) full particulars of the principal shareholders and the value of each individuals or firms shares and percentage thereof;

IZ£

- (c) whether it has been alleged that the Company management have committed large number of irregularities contravening the provisions of the Companies Act, 1956, and
- (d) if so, the facts thereof and action taken thereon?

THE MINISTER OF LAW JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN). The composition of Board of Directors of M/s. A. S C Engineers and Consul-

M/s Giovanola Binny Ltd

3 Shra S L Rateria

(d) Does not arise

Shri P K Mittal

M s. Kanona Plano-Chem Private Limited

made upto 2nd May, 1977 is as under.

1 SHRI B C. MITTAL 3 SHRI R. K CHOUDHURY

2 SHRI M L MITTAL

4 SHRI M SUDARSANAM 5 SHRIL N MITTAL

6 SHRI M GOENKA

SHRIK K DAMANI was appointed subsequently as per Form 32 filed on 17-5-1977 as additional Director (b) The following are the principal

each held

2,15 150

1,20,000

40,000

21,000

19 30°°

27 50%

9 17° 0

4 6t a 4 50% 4 58%

| ants | Lamited | as pe  | Annual       | Return | equity shareholders of the                   | company    |
|------|---------|--------|--------------|--------|--|------------|
|      | Vam     | of the | Shareho'lder | ,      | Number of<br>equity<br>shares<br>of Re. 10f- | Percentage |

| 5 | Shra V K. Mattal |      | 20 0,0   |
|---|------------------|------|----------|
| 6 | Shri S K. Kanona |      | 20 000   |
|   |                  |      | 4,36,200 |
|   |                  | <br> | <br>     |

- (c) No, Sir, No complaint has been received in this Department
  - झौबा रेलव स्टशन के निकट रेलवे फाटक

72 16 श्री युवराज . बना रेल

मती यह बनाने की हुना बरेंगे कि

(क) क्या भीवा, कुरमेल धादि गावा में रह रहे किसाना और यमिको के लिये प्रवीतर सीमान्त रेलवे में झीवा रेलवे स्टेशन . के निकट एक रेल वे फाटक के निर्माण की यावश्यकता है .

(ख) बया कटिहार में ग्रामाम और विद्यार में वडनोई और सबिसापुर रेलवे स्टेशनो को जाने वाती यहत सी रेलगाडिया ē,

(ग) क्या मरवार का विचार अनता की विक्तिइयों को देखते हुए वहा पर एक 🕽 रेलवे फाटक की व्यवस्था करने का है और यदि हा, तो उपरावन रेखने फाटक की कन तर व्यवस्था वर दी जायेगी . ग्रीर

(घ) यदि नहीं, तो उसने क्या कारण

रेल मत्रालय में राज्य मत्री (श्री शिव

नारायण) • (क) वया समपार वनाने की

726

कोई श्रावश्यकता नहीं है क्योंकि सीवा स्टेबन के निकट कि० नी० 597/11-12 पर वर्तमान समपार पहले से ही उपलब्ध है, जहां से ग्रामीण रेक्पथ पार कर सकते हैं।

(ख) जी हां।

(ग) और (ध). प्रश्न नहीं चठता।

Coach Repairing Factory at Mancheshwar

7217. SHRI PABITRA MOHAN

PRADHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Department have

- any scheme to establish a coach repairing factory at Mancheshwar near Bhubaneshwar; and
- (b) if so, the progress made so far for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

(b) The work for construction of this Coach Repair Workshop at Mancheshwar is expected to commence shortly. A provision of Re. 4291 lakshhas been made in the Budget for 1878-79 for this work. The Project Report and Estimate received from the South-Eastern Railway for this work are at present under examination.

RailWay Service Commission at Cuttack

7218. SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Department is proposing to open a branch of the Railway Service Commission, Eastern Zone either at Cuttack or Bhubaneshwar or Khurdha Road just as branchoffices have been opened at Ranchi and Dhanbad; and

(b) if not, why?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RALL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). The Government of Orissa have suggested opening of a branch office of the Railway Service Commission Calcutta at Bhubaneshwar or Cuttack. The matter is being examin-

Proposal to run a Passenger train between Palasa and Balasore

7219. SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state wnether the Railway Department pave received any proposal from the people for running any passenger train in between Palesa and Balasore in view of the fact that the travelling people are put to difficulty in travelling in this area because of absence of any through passenger train in this portion of the line?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRT SHEO NARAIN): Introduction of a passenger train between Balasore and Palasa is at present, not operationally feassible for want of spare line capacity on certain sections enroute and lack of requisite facilities at Balasore forminal Palasa. Apart from 3 pairs of Mail/ Express trains stopping both at Balasore and Palasa, connected services are also available between these points with a change at Khurda Road.

Railway concession to Physically handicapped

7226. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government have received a representation dated 30th October, 1977 from ladies of Thana (Maharashtra) in regard to railway boncessions to physically handicapped students; and (b) if so what action Government have taken or propose to take in near future?

STATE THE MINISTER OF IN THE MINISTRY OF RAIL-PAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) No representation as was received from Indies of Thana Powever representations were recent ed from the Guardian Association and the Principal Vikas High School for Deaf Students, Dadar Bombos consideration it was decided that in the case of physically handicapped stu dents one escort should be allowed for e ery 5 such students instead of la se provided in the extant rules o,her in o demands of the Association that deaf students under 12 years of age should be allowed to travel free on the authority of the attendants con cessional ticket and the limit of escorts in the case of deaf students bet ween the age of 6 & 12 and 12 & 16 years be increated could not be agreed

## Grievances of Car Attendants

221 SHRIR & MHALGI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to

(a) whether it is a fact that Divisional Superintendent of Central Railway Bombay has received a representation dated the 4th October 15°6 regarding the greatness of Car Attendants of the Bombay Division no 1

(b) if so what action has been

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAIS (SHRI SHEO NARAIN) (a) No

(b) Does not arise

# Unition Answers हिन्दी सनाहकार ममिति

1222 थी नवाव सिंह घौटान: क्यां देनोलियम, रसायत घौर उर्दरर मनी यह ब्राग्निकी क्यां नरेंगे नि

(र) क्या उत्तर महात्त्व में हिसी समारकार का गठन विसासना है , भीर

(ग) यदि हा तो उपने सत्स्या ने तात का ह मोर दत सदस्या में उन सहस्या देश बन्या मीर नाम क्या है जा राजभाषा भाषाय को गिकारिया पर नियुक्त किय गर है?

चेट्रीसियम तथा रसायन झीर उर्धरक भजातम से राज्य भन्नी (थी जनेस्वर सिक्ष) (४) बीन (ग) वा नगा। इन भन्नस्य का जिन्दी सम्बद्धार समिति व गृहत का प्रस्त समित रूप में विवासधीत है।

#### Registered Labour Co operative Societies holding Coal Handling and Ash Handling Contracts

7223 SHRI BATESHWAR HEM RAM Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state

(7) names of genuine and registered Labour Co-operative Societies of actual workers holding Coal Handling Cinder Ficking and Ash Handling ete contracts on Allahabad and Lucknox Divisions of Northern Railway together with details of contracts held by them during the last three years

(b) details of piece rates fixed by the Railway Administration and paid to Labour Co-operative Societies for different items of schedule together with average quantum of traffic dealt with monthly at each Individual shed on Allahabad and Lucknow Divisions separately.

(c) whether higher rates have been fixed on Allahabad Division for doing coal handling work during night hours together with details thereof (d) whether it is a fact that rates paid to the Labour Co-operatives on Allahabad Division are lower than the rates paid on Lucknow Division; and

129

(e) if so, steps proposed to remedy the situation to avoid dissatisfaction amongst the labour force?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAIL-WAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) A statement as Annexure 'A' is laid on the Table of the House.

[Placed in Library. See No. LT-2132/78]

(b) Two statements as Annexure 'B' and 'C' are laid on the Table of the House.

[Placed in Library. See No. LT-2132/78]

- (c) Yes, at Aligarh Junction in case of unloading under three items. Details given in Annexure 'B'.
- (d) Contracts rates vary from Station to Station as the same are fixed keeping in view the previous rates of contract, the casual labour rates and other factors prevailing at each Station.
  - (e) Does not arise.

पूरु पी॰ ट्रेडिंग कस्पनी और श्रन्थ फर्मों की पूंजी

722 4. श्री हुकम देव नारावणयादवः व्या विद्यि, त्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्री यह स्वान की छूपा करेंने कि:

(क) यू०पी०ट्रेडिंग कम्पनी, वरमंगा मार्जिट्य कम्पनी (निहार) की प्राचीमक पूजी कुल कितती-कितती थी; ब्रौर उनकी पूजी 1977 के ब्रन्त में कितनी-कितनी थी; उसमें से बैंक का कब कितना-कितना था; बीर इन कम्पनियों के किन-किन बीधोगिक प्रतिष्ठानों में कितन-कितने मूल्य के शेयर हैं ; बीट

130

- (च) इवा इन कम्पनियों ने व्यापार करते समय कम्पनी अधिनियम के उपवच्यों का उल्लेयन किया है और वे दोषों पाये गये हैं और यदि हों, तो इन कम्पनियों के विरुद्ध क्या कार्यवादी की गई है ?
- विधि, न्याय और सम्मानी कार्य मंत्री (भी शामित मूच्या): (क) नीतर्स उत्तर प्रदेज हैंदिय कम्मानी निव्धी में में सम्मानी मार्गीटिन कम्मानी निव्धी प्रारम्भिक प्रदक्त पूर्वी, 31-3-77 तक उनके प्रमान तुनत प्रद्र और उनकी नवीनतन प्रदत्त पूर्वी के अनुनार कमा 31-3-77 तक प्रस्य प्रारमित में स्वीत तमा में मार्गीयी में उनकी निवेदी में व्यापी मीहित नुवाना संस्मान विवरण प्रवासी की कार्यों में व्यापी मीहित नुवाना संस्मान विवरण प्रवासी की कार्यों है। जाती है।
- (ख) इन दोनों ही कम्पनियों के कम्पनी श्रविनियम 1956की बारा 209(4) क अन्तर्गत निरीक्षण किये गर्प थे, दरभंगा मार्केटिंग कम्पनी चि॰ का 1973 में ग्रीर उत्तर प्रदेश टेटिंग कम्पनीका 1974 में निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान कस्पती अधिनियम । १५६६ हा कोई भी उल्लंबन भत्रप्रये कम्पनी के मामले में सचना में नहीं आया । बाद रासी कम्पनी के मामले नामणः जनर प्रदेश कम्पनी, की निरीक्षण रिपोर्ट से कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 293(1) (घ), 204(1) और 370, कम्पनी (जीयर प्रमाण-पत्र प्रेपण) नियम, 1960 के नियम 7 के साथ पठित धारा 150 के बनुबन्धी के बनुपालन न करने का प्रगट हुआ। कम्पनी अधिनियम की धारा 370 की कोडकर इनके अनुपालनहीनता को उपयक्त वनान के लिये सन्तोषजनक अनपालन करने/ ग्राश्वासन देने के मत से इनको ग्रागे नहीं वहाया गया था । कम्पनी अविनियम की धारा 370 के अनुपालन न करने के लिए, कम्पनी को भविष्य में अधिक सबैत रहते की चेतावनी दी गई है ।

131

#### विवरण

मेंक्से उत्तर प्रदेश ट्रेटिश कम्पती निमिटेड मीर मेंगर्ज उरका। म केंटिश करवती निमिटेड की 31-3-77 तक उत्तर प्रथम तृत्व प्रदा घोर उन्हीं न्यांतरण प्रदेश पूरी के प्रमुक्तर मोरे दन कम्पतिया दारा निया गया येत रूप घोर उन्हें के मन्य घोडोलिन स्वारामाम में उन्हें तिवेती क स्वीरा गहित प्रारमिक प्रदान पत्री का प्रदीवन करता होगा विवरण पत्र-

| <b>ম</b> म | वस्पती बा | पत्रीकरा        | ম্ব           | র শুঝী       | र्देश की      | 31-3-77 **   | गणि |
|------------|-----------|-----------------|---------------|--------------|---------------|--|-----|
| स०         | नाम       | तारोख <b>र्</b> | रु०<br>(प्रथम | ६०<br>नदीनतम | 31-3-77<br>वर | निवेश ने ध्योरे<br>उन कम्पनियों के<br>नाम जिनमें निवेश<br>धारित निया | 70  |
| 1          | 2         | 3               | 4             | 5            | 6             | 7  | 8   |

र उत्तर अदेग 23 2-51,80,000,16,00,000 बुट नरी ट्रेडिंग क्यांनी सिविटेंड सास्य होयर

- 1 इन्डिया स्टीमरिय सम्पती निमिटेट 10 51,198
- 2 दी स्पूर स्वदेगी शुगर मिल्ला 1,12,787
- 3 टी स्थ्य गुगर निम
- বিদিইছ 11,263
- 4 रत्नासर शिविय सम्पनी विभिटेड 7,71,840
- 5 इण्डियन मेरिया देनगराइन बरहद 2,94 181 मार्थत सिमिटेड 4 00 000
- 6 बान्डीवियन स्टीन एण्डन ० निमिटेट 2,11,728
- र बोरे प्राटामाबादल। प्रोडेक्ट्स लि० 💆 50,000
- 8 विजन रोनर पनार मिन्स ति० 1.90000

Ruly as Bom representation d 15°5 regarding the Attendants of the Bombas and

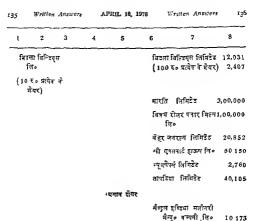
(a) whe

s.c.al Supe

- (b) if so what action has been there and when?
- THE MINISTER OF STATE
  IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a)
- (b) Does not arise

इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन ग्राफ इण्डिया लिमिटेड 7,500 रत्नाकर शिपिंग कम्पनी 89,024 विभिन्ने व

> विहार स्टेट फाइनैशियल कारपोरेजन लिमिटेट 12.032



# ऋष-पत

दावरीवाला स्टील एण्ड

इजीवियरिय कम्पनी नि॰ 2 50,000

योग

21,82,963

10 173

उपरोक्त म विषयवस्तु जुगर फिल्म लिमिटेड के बेबरा को खरीद के लिए कम्पनी द्वारा 1 07 91 4 ६० की धैमर निषेक्ष राशि सम्मिलित नहीं हैं।

#### Unlicensed Hawkers and Beggars Frequenting Radiway Carriage

7225 SHRI SURAJ BHAN Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state

(a) are the Government aware of the fact that a large number of hawkers who are not licensed by the Railways and the beggars frequent the railway carriages and are a source of musance to the travelling public, and

(b) if so, what steps are proposed to be taken to remove this nuisance and source of inconvenience to the travelling public which in a way erodes the confidence of the public in the management of the Railways?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRE SHEO NARAIN) (a) and (b) Yes Every effort is made by the Railway 137

Administration to check the beggars' and uanuthorised hawkers' nuisance in trains and at stations.

Special drives are launched with the assistance of Railway Police, Railway Protection Force and Ticket Checking Staff to prevent the entry of beggars and unauthorised hawkers at the station and to evict them from stations and trains.

Public cooperation is sought through exhibition of posters, announcements over the Public Address System etc., requesting the public to refrain from giving alms to beggars and purchasing edibles from unauthorised persons.

The unauthorised hawkers found selling food stuffs and other articles in running trains as well as at stations are dealt with in accordance with the provisions of the Indian Railways Act, 1890.

#### वरेली स्टेशन

7228 श्री सुरेन्द्र विक्रम . क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या उन्हें पता है कि उत्तर रेखवे में बरेली स्टेशन के प्लेटफान संख्या 4 के ਯਾਨੀ ਦੇ ਜਕ ਸਾਂਹ ਧਾਂਚ ਵੜੇ ਸੈ ਵਸ ਥੋੜੇ ਰਚ चुले रहते हैं जिसके परिणामस्वरूप वातियों को भारी कठिवाई होती है; और
- (ख) यदि हां. तो बबा इस बारे में वहत सी शिकायत भी शिकायते पुस्तिका में दर्ज की गई हैं ब्रीर यदि हां. तो लोक महत्व के इस मामले पर कोई कार्यवाही न करने के क्या कारण है और क्या डिविजनल संपरि-न्टेडट मरादाबाद ने इस वारे में कोई ध्यान नहीं दिया था?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) ग्रीर (ख) उत्तर रेलवे बरेली स्टान के सभी प्लेटफामों पर पानी की सप्लाई 24 घंटे रहती है, सेफिन एक नलक्ष के विसरण पाइप के फट जाने के कारण, पानी

का दलाव 31-3-78 से 2-4-78 तक पर्याप्त नहीं था और इसके फलस्वरूप इन तीनों दिन व्यस्ततम अवधि के दौरान प्लेट-फार्म नं ० 4 के नलों में पानी नहीं था। पाइप लाइन की 2-4-78 को गरम्मत की गयी बी ब्रॉरतब से प्लटफार्न नं० ± पर नलों में पर्याप्त पानी है।

138

पानी की अपर्याप्त सप्लाई के संबंध में कुल मिलाकर 4 जिकायत प्राप्त हुई थीं जिनमें से एक 31-3-78 और दूसरी 2-4-78 को प्राप्त हुई थी। अन्य दो शिकायतें बहुत पुरानी, विना हारीख और विना हस्ताक्षर को हैं।

## पश्चिम रेलवे में गैंगमैंनों की मनी

7227. डा॰ सक्सी नारायण पांडेय : वया रेल मंत्री यह बताने की क्रमा करेंगे कि:

- (क) स्या पश्चिम रेलवे के रतलाम डियोजन में गैंगमैनों की भनी के संबंध है में।फलिन जार्नुला लाग है :
- (ख) उक्त फार्मले के अनुसार नैमि-तिक तथा स्थानन्यन कर्मचारियों की संख्या में कितनी कभी है; ग्रीर
- (ग) प्राने नैमित्तिक और स्थानापन्त कर्मचारियों को कद तक नियमित किया कार्येगा ।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) अवोधित मैफलिन फार्मला स्विगित कर दिया गया है।

- (ख) प्रश्न नहीं उठता ।
- (ग) यह रिक्त स्थानों और उन प्रत्याजियों की उपयुक्ता पर निर्भेर करता है जिनका स्थायी संवर्ग में गैंगमैनों के रिक्त स्वानों पर भर्ती के लिए चयन किया जाना होता है ।

Companies owned by Evangelical Bodies of Foreign Origin

139

7228 SHRI G M BANATWALLA (SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK) Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

- (a) the number of companies owned by evangelical bodies of foreign origin at present registered in India under the Indian Companies Act,
- (b) the upto date investment made by each one of them in India
- (c) the nature of their business activities as companies and

(d) profit earned by each company during the last three years year-Wase?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) (a) As per the latest available information as on 31 3-1978 there were 15 evangelical bodies corporate of foreign origin with places of husiness in India and registered under Section 592 of the Companies Act 1956

(b) to (d) Statement annexed gives the latest available information a out the investment (i.e value of assets) in India of these evangelical bodies the nature of their activities and about their profits/losses during the last three years.

EVANCELIGAL. BONES OF PORRIGH ORIGHS OPERATING IN BERA THROUGH THEN BRANCHES

| į į   | Name of the Evangelical Body   | Country of in-<br>corporation of the<br>Evangelical<br>foreign<br>company | Value of assets of Indian Branch as por latest balance abeer available (Rs. lakhs) J | nen Nature of activities   | Excess of expenditure<br>over income thring<br>the last three years | nditure<br>nring<br>cars |
|-------|--|---|--|--|---|--------------------------|
| 1     | C.   | 3   | 4  | 23   | 9   |                          |
| - 1   | A STATE AND A STATE OF THE STATE AND ADDRESS OF THE STATE ADDRESS OF THE STATE AND ADDRESS OF THE STATE ADDRESS OF THE STATE ADDRESS OF THE STATE AND ADDRESS OF THE STATE ADDRES |   |  |  | Year Amount   | nount<br>like            |
|       | Annote Bandhu Gulin & Sons Lette   | , Bangla Desh   | 7.72 (Balance Sheet as at 30.9-86).  | Religious and charitable activities.   | :   |                          |
|       | Annua Banniet (Overtagens) (foreign missis   | n Canada  |  | Tonanage the foreign missionary work.  | :   |                          |
| er er | Aloka Lámited  | . U.K.  | o. 77 heet at at 31.12-62. The coupany is reated as medibund)                        | Only charitable activities i.e. to encourage education, study or research in youth in all purity of the world.   | 1   | -                        |
|       | 4 Church Missionary Trust Association .  | . u.K.  | Exempted from filing halance<br>sheet.   | To act as and allow its name<br>to be used as Trustee whether<br>alone or Johntly with any<br>person or porsons for the<br>formal. Messionary Soperity |   |                          |
|       | * Mestionary Society Corporation   | . U.K.  | Do   | charge superconding. To preced the knowledge of Christ-  | i   |                          |
| 10    | Tolling recovery   | 11 %  | Do.  | Religious activities.  | :   |                          |
| 9 1   | Methodist Missionary Trust Association Mission to Lapers Corporation   | . U.K.  | Exempted from filting balance sheets.  | Charitable netivities.   | : [   |                          |

| 400 | 42  | J.  |   |   |   |  |  |  |            |     |
|-----|-----|---|---|---|---|--|--|--|------------|-----|
| _   | 143 | Writte  | n Ans   | wers  | AP  | RIL 18   | 1978   | Writt  | en Answers | 144 |
|     | 9   |   |   | 21 71<br>20 18  |   | o  |  | 222  |            |     |
|     |     |   |   | 1974<br>1975<br>1976  |   | 1975   |  | 1972   |            |     |
|     | z,  | Charitable activities<br>Charitable activities  | Religious acumins   | Chartable activities 1, to promote the welfare education and employment of the blind and to prevent blindness | Chartable activities                                  | Charnable activit es                                     | Benevolant and religious acti  | Rel gious activities   |            |     |
|     | *   | Exempted from filing<br>balance sheet<br>Do   | Do  | 8 72 (as per company s balance<br>sheet as at 31 12 76)   | The company is in the process<br>of being closed down | 14 76 (as per company s<br>balanced sheet as at 30-6-77) | 5.35 (as per companys ba<br>lance sheet as at 30-6-69)<br>The company is in the pro-<br>cess of being closed down) | 66 21 (As per company s ha 'Rel gious activities lance sheet as at 31 12 74) |            |     |
|     | 6   | UK<br>UK  | USA   | U K   | U K   | US.A   | USA  | USA  |            |     |
|     | 8   | 8 St. John the Evangelut Truxt Associat on<br>9 Wesleyan Methodut Missionary Trust Asso-<br>ciation | Vomen s Home of Fore gn Masson Society of USA the Advent Christian Domination | Royal Commonwealth Society for the Blind  | War on Want   | Christian Children r Fund Inc .                          |  | United Church Board for World Ministries                                     |            |     |
| 1   | - [ | <b>~</b> 65   | ů   | =   | <u></u>   | 5  | ž  | 2  |            |     |
| i . |     |   |   |   |   |  |  |  |            |     |

#### Violation of Companies Act by Companies

7229. SHRI G. M. BANATWALLA: SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: SHRI HUKMDEO NARAIN YADAV:

Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased

to state:

(a) the number of companies against whom prosecution cases have been initiated for violation of various provisions of the Companies Act during

the last three years; and

(b) the broad features of charges against them and the action Government contemplate taking against them?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI . SHANTI BHUSHAN): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House

#### Remittances abroad by Foreign Brug Industry

7280. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be bleased to state:

(a) remittances abroad by way of dividend royalty and technical fees by foreign-collaborated companies in the pharmaceutical industry during the three years 1975, 1976 and 1977;

- (b) foreign exchange earned by the said companies during the said period;
   and
- (c) Government reactions thereto, and whether Government propose to curb or restrict the remittances, if any, abroad and if so, broad details thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS 'AND FERTILIZERS (SHRI JANSSHWAR MISERA): (a) and (b). A statement furnishing the requisite information for the years 1975 and 1976 in respect of foreign collaborated companies in the Organised Sector having direct foreign equity exceeding 49 pur cent and engaged in the manufacture of drugs and pharmaceuticals is enclosed.

Information for the year 1977 is not yet available.

(c) Repatriation of profits, etc., is permitted in terms of the relevant statutory/regulatory provisions applicable to all such foreign companies in all Sectors of the Industry.

#### Statement

| Sl. No. | Name of         | fim)     | _ | <br> | <br>Amount rem<br>as Dividence<br>and Tech | itted abroad<br>l, Royalty<br>mical Fee | Foreign<br>Exchange<br>earned by<br>export of |
|---------|-----------------|----------|---|------|--|---|---|
|         |                 |          |   |      | J'ear                                      | Amount<br>(Rs. in<br>lakhs)             | drugs<br>Amount<br>(Value in<br>Rs. lakhs)    |
| 1       | 2               |          |   |      | 3  | 4                                       | 5   |
| 1.      | M/s Abbott Labs |          |   |      | 1975<br>1976                               | Nil<br>16: 76                           | 72: 73<br>53: 23                              |
| 2,3     | i/s. Beecham    |          |   | ٠.   | 1975-76<br>1976-77                         | NiI<br>2.68                             | 1· 30   |
| 3-      | M/s Burroughs   | Wellcome |   |      | 1975<br>1976                               | 3.01<br>Vil                             | 18·40   |

| 47 | Written Answers A             | PRIL 18 1978             | Written Answors          | 14                     |
|----|-------------------------------|--------------------------|--------------------------|------------------------|
| 1  | 2                             | :                        | 3 4                      | 5                      |
| 4  | M/s Warner Hindustan          | 1975<br>1976             | 6 55<br>13 00            | 26 17<br>28 60         |
| 5  | M s Ca tar Wallace            | 1975<br>19 <sup>-6</sup> | Nil<br>o 83              | N A.<br>N A            |
| 6  | M s Whiffens                  | 1975<br>19 b             | N I<br>0 20              | NA.<br>NA              |
| 7  | M/s May nd Baker              | 1975<br>1976             | N 1<br>3 91              | 50 24<br>39 76         |
| 8  | MiSEF                         | 1975<br>19 <sup>-6</sup> | °0 55                    | o 90<br>2 60           |
| 9  | M/s Roche                     | 1973<br>1976             | 8 59<br>30 77            | 9 98<br>55 41          |
| 10 | M/s Indian Schering           | <b>19</b> 75<br>1976     | 0 47<br>Nu               | N.A.<br>N A            |
| 11 | M s Pa ke Da 18               | 1975<br>1976             | Nai<br>10 ot             | 9 30<br>30 91          |
| 12 | M/s Ang o French              | 1975<br>19 6             | 6 60<br>6 90             | 3 62<br>12 53          |
| 13 | M s Glaxo                     | 1973<br>1976             | 33 43<br>45 46           | 66 52<br>65 94         |
| 14 | M/s Johnson & Johnson         | 1975<br>19 6             | 1 80<br>16 8             | 49 13<br>38 01         |
| 15 | M/s Pfizer Lim ted            | 1973<br>1976             | 15 <sup>6</sup> 0<br>N A | 84 29<br>86 21         |
| 16 | M/s Wyeth Labs Ltd.           | 1975<br>976              | 4 45<br>11 13            | Nil<br>Nil             |
| 17 | M/s Ciba Geigy  M/s Cyanamid  | 1975<br>1976             | 21 33<br>34 18           | 37 00<br>8 00          |
| 19 | M/s Alkal & Chem. Corpn of In | 1975<br>1976             | 1 35<br>59 70            | 8 23<br>14 37          |
| .9 | M/s E. Merck                  | td a Ltd 1975<br>1976    | N I<br>Nil               | 22 00<br>27 00         |
| 31 | Ms Merck Sharp & Dhome        | 1975<br>1976             | N 1 83                   | 7 69<br>8 90           |
| 22 | M/s Sandoy                    | • 1975<br>1976           | 0 02<br>13 45 1          | 16 oo<br>10 o <u>5</u> |
| 23 | M/s Boots                     | 197 <sub>3</sub><br>1976 | Nil<br>26 84             | 61 oo<br>68 oo         |
| 24 | M/s Richard on Hindustan Ltd. | 1975<br>1976             | 4 79<br>10 17            | 33 25<br>37 99         |
| 25 | M/s Bayer (I) Ltd.            | 1975 ;<br>19 6-          | 76 4 60<br>77 12 00      | 33 00<br>40 00         |
| _  |                               | 1975<br>1976             | 59 14<br>23 27           | 10 47<br>13 00         |

| 1   | 2                       |  | <br> | 3                  | 4             | 5             |
|-----|-------------------------|--|------|--------------------|---------------|---------------|
| 26. | M/s Geoffrey Manners    |  |      | 1975<br>1976       | 6· 03         | 2·58<br>5'58  |
| 27. | M/s Hoechat Pharm. Ltd. |  |      | 1975<br>1976       | 9°48<br>20°36 | 1 00 · 60     |
| 28. | M/s Organon .           |  |      | 1975<br>1976       | 4°30<br>4°06  | 122.25        |
| 29. | M/s Suhrid Geigy .      |  |      | 1975-76<br>1976-77 | 2°00<br>Nil   | Nil<br>N.A.   |
| 30. | M/s Symbiotics Limited  |  |      | 1975-76<br>1976-77 | 1:34<br>Nil   | 3° 28<br>N.A. |
| 31. | M/s Uni-Sankyo .        |  |      | 1975<br>1976       | 0.40          | g·61          |

#### Ticketless Travel

I 49

7231. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether ticketless travel is still largely prevalent in the country;
- (b) if so, its magnitude, usual regions wherein it is noticed more and the overall loss of revenues to the Railways on this count; and
- (c) steps being taken to effectively check the said evil and with what concrete results?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (c). To combat the evil of ticketless travel on the Indian Railways, apart from normal ticket checking arrangements, vigorous ticket checking drives are undertaken. During the period 1-4-1977 to 28-2-1978, 99,442 special checks were conducted as against 88,737 during the corresponding period of last year. As a result of these concentrated drives, the sale of tickets and earnings realised therefrom during the period 1-4-1977 to 28-2-1978 have shown considerable increase over the figures for the corresponding period of last year. The extent of ticketless travel tends to vary from area to area and in each area from train to train. On the basis of sample checks conducted on all Indian Rallways during the year 1976-77, the loss on account of ticketless travel wag estimated at about Rs. 18 cores per annum.

150

There has been no let-up in the drive against ticketless travel. The ticket checking activities have been further intensified.

#### Posts of Judges lying vacant

7232. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

 (a) whether there are any posts of Judges including Chief Justice vacant in one or more of the High Courts;

- (b) if so, full facts thereof; and
- (c) when will the said vacancies be

filled and how?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) Yes, Sir.

- (b) A statement indicating the vacancy position in the various High Courts as on 13-4-1978 is attached.
- (e) Steps are being taken to fill up the vacancies expeditiously. The State authorities and the Chief Justices concerned have been reminded to expedite

| Name of the High C  1 Milahabad 2 Andhra Pradesh 3 Bombay 4 Calcutta 5 Delh 6 Gauhat 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jamuu & Kashmur 10 Karmatala 11 Aerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orusa 15 Patma 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan 18 Sikium |                  | ·              |                     | Addi             | is that of                      | the vacancie<br>i Ch ef Jun<br>ancy is that<br>Justice                      |
|---|------------------|----------------|---------------------|------------------|---------------------------------|---|
| I Mibhabad  Mibhabad  Midra Pradedi  Bombay  Calcuta  Delhi  Gauhat  Gujarat  H machal Pradesh  Jammu & Kashmur  Karnatala  Karnatala  Karnatala  Madhya Pradesh  Madra  Orissa  Pama  Punjab & Haryana  Rajasthan  D                               | Court            | •              | Fmt  2  3  4£  1  1 | 3<br>4<br>3      | is that of                      | i Ch ei Jus   |
| 2 Vndhra Pradesh 3 Bombay 4 Calcuta 5 Delhi 6 Gauhat 7 Guyarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnataka 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orassa 15 Paina 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  | •              | 2<br>1<br>4£<br>1   | 1 4 3 1          | is that of                      | i Ch ei Jus   |
| 2 Vndhra Pradesh 3 Bombay 4 Calcuta 5 Delhi 6 Gauhat 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnataka 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orusa 15 Patna 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan   |                  | •              | 1<br>4£<br>1        | 3 3 1            | is that of                      | i Ch ei Jus   |
| 3 Bombay 4 Calcutta 5 Delha 6 Gauhat 7 Guyarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnatala 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Patna 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  | •              | 1<br>4£<br>1        | 3 3 1            | is that of                      | f Ch ef Ju  |
| 4 Calcuta 5 Delhi 6 Gauhat 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnataka 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madra 14 Orissa 15 Pama 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  | •              | 4£                  | 3 3 1            | is that of                      | f Ch ef Ju  |
| 5 Delhi 6 Gauhat 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnataka 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Pama 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan   |                  | •              | 4£                  | 4<br>3           | is that of                      | f Ch ef Ju  |
| 6 Gauhat 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jamnu & Kashmur 10 Karnataka 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Orissa 14 Orissa 15 Pama 16 Punjab & Harjana 17 Rajasthan   |                  |                | 4£                  | 4<br>3           | is that of                      | f Ch ef Ju  |
| 7 Gujarat 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnatala 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orusa 15 Patna 16 Punjab & Harjana 17 Rajasthan  |                  | •              | ;                   | 3                | is that of                      | f Ch ef Ju  |
| 8 H machal Pradesh 9 Jammu & Kashmur 10 Karnatala 11 kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Pama 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  | •              |                     | 3                | The vac                         | ancy is that<br>Jusuce  |
| 9 Jamnu & Kashmir 10 Karnatala 11 Kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Patna 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  | •              |                     | 3                | The vace of Ch cf               | ancy is that<br>Justice   |
| 10 karnatala 11 kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Patna 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  |                | -                   | 3                | 17 CE CT .                      | Jisutt  |
| 11 kerala 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orissa 15 Fatma 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan   |                  |                | -                   | 1                |                                 |   |
| 12 Madhya Pradesh 13 Madras 14 Orisia 15 Pama 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan  |                  |                |                     | 1                |                                 |   |
| 13 Madras 14 Orissa 15 Patna 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan   |                  |                | •                   | 1                |                                 |   |
| 14 Orisia<br>15 Pama<br>16 Punjab & Harjana<br>17 Rajasthan   |                  |                |                     | 1                |                                 |   |
| 15 Fatma 16 Punjab & Haryana 17 Rajasthan   |                  |                |                     |                  |                                 |   |
| 16 Punjab & Haryana<br>17 Rajasthan   |                  |                |                     |                  |                                 |   |
| 17 Rajasthan D  |                  |                |                     |                  |                                 |   |
|   |                  |                |                     | 3                |                                 |   |
|   | -                | •              | 39                  | 4                | Justice !<br>ment ha<br>fied bu | f these variation of the appoint is been not it the Chi des gnate he assume |
|   |                  |                |                     |                  | -                               |   |
|   |                  |                | 15                  | 41 <sup>25</sup> |                                 |   |
| NB -In addition there are 14 newly c<br>sanctioned with effect from the date  | reated<br>c they | post<br>are fi | n the filled and w  | ollowing F       | ligh Courts<br>to be filled     | hch a   |
| Allahabad   |                  | -              | 11111               | 3                |                                 |   |
| Himael al Pradesh   |                  |                |                     | 3                |                                 |   |
| Madhya Pradesh<br>Karnataka   |                  |                |                     | 6                |                                 |   |
| Patna   |                  |                | •                   | 3                |                                 |   |

#### Movement of Coal by Railways to Guiarat

7233. PROF. P.-G. MAVALANKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state;

- (a) whether Government are aware that the movement of sponsored quota coal in South Gujarat is seriously affected because of the recent abrupt 35 per cent cut imposed by the Railway Board;
- (b) if so, reasons for effecting such a cut; and

(c) what steps Government are taking to improve and augment the movement of coal by the railway efficiently and speedily?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS SHEO NARAIN): (a) No such cut has been imposed by the Railway Board.

- (b) Does not arise.
- (c) All efforts are being made by the Railways to maintain the loading of coal to the maximum extent possible,

## Project Raies to Casual Gangmen

7234. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) the policy and principle adopted by the Ministry in the matter of giving Project Rates to the casual Gangmen working in Open Line and depriving them of the project rates again in case of their absence for more than 20 days in subsequent 6 months due to illness or other genuine reasons;
- (b) justification for introducing project Rates and C.P.C. Scales partially to casual Gangmen for the same nature and specification of work in open line;
- (c) total numbers of Casual Gangmen, given C.P.C. Scales and Project Rates in Dhanbad Division since 1976; and
- (d) reasons for giving Project Rates, mentioning the date of introduction

of this new system in open line of Dhanbad Division?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS SHEO NARAIN): (a) and (b). On the open line Casual labourers are on daily wages for the first 120 days. On completion of 120 days continuous service they are granted temporary status with monthly rates of pay and are eligible for almost all the benefits given to temporary Railway servants. On projects, on completion of 6 months they are given the scale rate of pay. These are in accordance with the recommendations made by the Miabhov Tribunal Project casual labourers cannot be allowed to abstain from work for long periods. Hence have been given 20 days authorised absence for contingencies like illness. etc. Any absence beyond this limit is treated as a break in the continuity of employment and they have to complete another six months of continuous service before being entitled to scale rate of pay.

(c) and (d). Information is being collected and will be Iaid on the Table of the House.

#### Strike by Technical Supervisors of Sindri Unit of F.C.J.

7235, SHRI A. K. ROY: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMI-CALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the Technical Supervisors of Sindri Unit of the Fertilizers Corporation of India are on hunger strike since 20th March, 1978 if so, details of their demands;
- (b) whether it is a fact that the demand of the technical supervisors are pending before his Ministry since long and the matter is still under con. sideration; and
- (c) if so, how long the matter will remain under consideration and what steps Government will take to end the strike of the Technical Supervisors?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (CHRI JAVESHWAR MISHRA) (a) and (b) The Technical Supervisors of the Sudar Unit resorted to hunger strike to press their demand for introduction of single channel of promotion for degree and non-degree holder argineers in the FCL. The agitation was withdrawn consequent on the decision of the FCL to introduce single channel of promotion of promotion.

## (c) Does not arise

155

#### Award of Michhoy Tribunal

7236 SHRI A L ROY Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that 165 gang men of Brakar and Kaltobathen PWI of Asantol division have been stopped from duty since 16th March, 1978 as they refused to accept artificial break in service to remain deprived of the CPC for eter.
- (b) whether it is a fact that the system of artificial break in service is not in the spirit of the Award of Mishbov Tribunal, and
- (c) it so, whether the Government would give instructions to stop such practice?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RALLWAYS (SHEI SHEO NARAIN) (a) No They, in fact refused to accept uppointment on 16-3 1978 against a new spartion after the expiry of the temporary sanction for the earlier work. They have however resumed working from 23-3-1978
- (b) and (c) The existing rules provide that casual labour should not de Liberately be discharged with a view to causing an artificial break in their service. These instructions have been reiterated from time to time.

बम्बई हाई में तेल का उत्पादन

7237 थी मुखेन्द्र मिहः ज्या पेट्रोलियम, रसायन श्रोर दर्बरक मती यह बनाने की हुपा करेंगे दि .

- (व) इन समय वस्त्रई हाई से प्रति महीने/प्रति वर्ष विननी माद्रा म तेल निवासा जा रहा हैं ;
- (य) इसमें निननी मात्रा में पेट्रील था उत्पादन हाना है सौर देण में कुल पेट्रील उत्पादन में इसकी प्रनिशनता क्या है, सीर
- (ग) बम्बई हाई से प्रनि धर्ष प्रधिननम् विस्ता तेल निवासे जाने की ममावना है तथा यह संस्य कव तक प्राप्त विद्या जारेका ?

पेट्रोतियम तथा रतायन धीर उउँरक्त माताल मे राज्य मनो(धी करेयद मिथ)
(प) 18-1-1978 ने सम्बंह हार से अव्याद स्था 18-1978 ने सम्बंह हार से अव्याद नी स्था र 8,000 देख्य प्रतिदित्त तक हा गया है जा कि 4 मि० धी० टन प्रतिबंध ने बराबर है। 5-4-1978 में अप्तराधी यादणवादन दिकाने में गाण्य प्रशादन र कि दिया गया है। हम हे मात्म्य प्रशादन र कार्य के बाद र रोजाला दी उत्यादन दर क्षया मा 100,000 देख्य प्रतिदित्त हथा 5 मि० भी० टन पत्ति वर्ष के वाय वर्षान कर सामा स्था है।

- (ख) स्वना एकत्र की जा रही हैं भीर ममा पटन पर रख दी जायेगी।
- (ग) मार्च 1980 में बम्बई हाई वे विकास करण III पूर्व होन पर सम्बई हाई से समाबी उत्पादन प्रतिवर्ष 6 मि० भी० टन हान को माता है और 1981-82 तन चर्च I के पूर्व होने पर उत्पादन क्षमना 10 मि० भी० टन प्रति वर्ष हो जायिंगी।

#### Heavy Renair Shop Electrical. Kharagpur

SHRI DINEN BHATTA-CHARYA: Will the Minister of RAIL-WAYS be nleased to state:

(a) is it correct that the Heavy Repair Shop, Electrical at Kharagpur is not being put to full use and there is idle capacity while the work is being transferred elsewhere:

- (b) is it correct that after such transfer of work the same is being entrusted to private firms which costs nearly double than Kharagpur estimated cost;
- (c) whether the Government has received any representation on the subject:
- (d) if go, what are the facts and demands; and
- (e) what steps the Government propose to take to do away with the idle capacity?
- . THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHR) SHEO NARAIN): (a) and (b). No.
- (c) to (e). Yes. Representation from the Working President and Secretary on behalf of Heavy Repair Shop, Electrical Staff Council, Kharagpur, addressed to the Hon ble Railway Minister has been received. The issues raised and the actual facts are indicated below:
  - (i) Shifting of the work from Heavy Repair Shop at Kharagpur to Totanagar.

Repair facilities were set up of Tatanagar as approved by the Board to take care of the additional workload on account of increase in electrical assets. The work between the two repair shops has been rationalised. Kharagpur shops repair machines of General Services and Train Lighting while Traction Repair shop Tatanagar, repairs traction motors, transformers etc. of Electric locomotives. The rationalisation has been done to avoid infructuous expenditure due to haulage of defective and repaired equipment.

(ii) Entrusting of the work to the private firms at higher costs.

158

The repair work has been off-loaded to the trade only after utilising the full capacity of Kharagour and Talamagar Shops and only to the extent these shops were not able to undertake repairs of defective equipment thereby leading to heavy loss. Works Contracts were placed after due process of tendering and observance of all laid down procedures with fue finance concurrence. The cost of the work by trade for such works for which facilities exist at Kharagpur Shop is not higher than the estimated cost of the same at Kharagpur shop.

(iii) Surrendering of the staff sanctioned for repair of traction motor armatures at Kharagpur.

The total workload at Kharagpur has not come down. No staff at Kharagpur Workshop has been rendered surplus. There is no idle capacity.

#### Micro-wave section of S. & T. Depart. ment in S.E. Railway

SHRI DINEN BHATTA 7239. CHARYA: Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state:

- (a) whether the Government have received any representation against curtailment of posts and reversion of staff in the Micro-wave, section of Signal and Telecommunication Department in S. E. Railway:
  - (b) if so, the details thereof; and
- (c) the decision of the Government on the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS SHEO NARAIN): (a) to (c). Norms for providing maintenance staff multi-channel radio relay systems (Micro-wave, UHF and VHF) been evolved by the Ministry after a detailed investigation of the maintenance workload at different types of repeater stations and having due regard to the pattern of staffing followed by the Zonal Rail" ays and the Posts & Telegraphs With the implementation of the new norms the maintenance staff strength is to be augmented on some of the Railways while on South Eastern Railway it is to be somewhat scaled down Staff rendered surplus on the South Eastern Railway will e utilised for the maintenance of new Micro wave installations on that Railmay itself and there will be no retrenchment whatsoever on this account

159

## Higher skill for Micro wave work

SHRI DINEN BHATT 3 CHARYA Will the Minister of RAIL WAYS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the work in Micro wave section is of higher skill and the staff had to be specially trained to tackle the work
- (b) whether initially certain rules were laid down not to entrust rertoin wo k to staff of lower category.
- (c) whether an attempt is now being made to lower down the highly technical posts and increase work load on staff and
  - (d) what is the policy of the Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHR) SHEO NARAIN) (a) It is a fact that the work in micro wave maintenance is of higher skill and the staff are given special training both on job and in the Railway Training Institutions

(b) When initially Railways pro vided micro wave networks they had no experience of the requirement of maintenance set up Each Railway was therefore following its own stand ards in 19°5 the Efficiency Bureau of the M nistry of Rallways conducted a study and after taking into account the practices obtaining in some other organisations and the special requirements of the Railways formulated norms to be followed for the maintel ance of the micro wave equipment

(c) No

(d) The policy of the Government is now to follow the norms as referred to in answer to question (b) above

Traction Distribution Workers' Association

7241 SHRI DINEN BHATTA-CHARLA Will the Minister of RAIL-WAYS be pleased to state

- (a) whether Government has recessed any representation from the Traction Distribution Workers Asso cialion about their grievances
- (b) if so the details thereof and (c) the steps taken by Government regarding solution of these grievances?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHPI SHEO NARAIN) (a) Yes

(b) A statement is attached

(c) In accordance with Government s policy staff representations received from any source are gien due consideration and action is taken demands of all categories of staff are considered and solved through the various tiers of the Permanent Nego ltating Machinery and the Joint Con sultative Machinery

#### Statement

- 1 High tension hazardous allowance
- 2 Running Allowance
- 3 Workshop facilities
- 4 Risk Insurance
- 5 Free diet.
- 6 Free Railway quarters
- 7 Job and workload analysis
- 8 Acting in higher grade
- 9 Payshp
- 10 Promotion
- 11 Safets
- 12 Confirmation 13 40 per cent BTM Post
- 14 Supply of duty dress

Estimators of Civil Engineering Department of South Eastern Railway

7242. SHRI SHYAMA PRASANNA BHATTACHARYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) why the Estimators of Civit Engineering Department of South Eastern Railway are not yet confirmed even after rendering twelve to fourteen years service and availability of permanent posts;
- (b) why the posts of estimatory draftsmen and tracers in civil engineering department of South Eastern Railway are lying vacant sincer long thereby increasing workload on the existing staff; and
- (c) when the posts are expected to be filled up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NAKAIN): (a) Confirmation of staff depends on a number of factors. Confirmation against available vacacies was last made in March 1977. Due to non-availability of lien-free posits all the staff at present working as Estimators could not be confirmed as yet even though they have rendered a long period of service.

(b) and (c), No posts of Junior Draftsmen, Junior Estimators and Tracers of Cicil Engg. Department of the South Eastern Railway are lying vacant. As regards the higher grade posts, the same could not be filled as the Drawing Offices of the Civil Engineering Department on the Railway are already over-staffed. An overall review of the cadre has since been conducted and the matter is now under review by the Rallway. Meanwhile selections and suitability tests for filling up the posts earmarked for promotion are under process and the same are expected to be finalised shortly.

Strength of Railway Employees in Nagpur, etc. Divisions

7243. SHRI SHIV SAMPATI RAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) what was the total strength of Railway employees in different categories over Bhusawal, Bombay, Jabalpur, Jhansi and Nagpur Divisions of Central Railway including Workshops, Constructions and Railway electrification during the year 1972 and up to 31st December, 1977;
- (b) what is the total number of employees in different eategories in all divisions over Central Railway who were recruited or promoted during each year and what is the total number amongst them who belongs to Scheduled Castes and Schaduled Tribes and others (list of SC & ST employees be furnished): and
- (c) what steps have been taken to make good the shortfail in all cate, gories in the divisions of Central Railway mentioned in (a) above for the reserved vecancies earmarked for SC and ST through direct recruitment and promotions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabba.

Strength of Railway Employees in Asabsol etc. Divisions

7244. SHRI SHIV SAMPATI RAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what was the total strength of Railway employees in different categories over Asansol, Sealdah, Calcutta. Coal Tpt. Dhanbad, Danapur, Howrah and Mughal Sarai Divisions, of Eastern Railway includ-

512 LS--5

ing Workshops, Construction and Railway electrification during the year 1972 and up to 31st December, 1977,

163

- (b) what is the total number of employees in different categories in all divisions over Eastern Bailway who were recruited or promoted during each year and what is the total number amongst them who belong to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and others (list of SC and ST employees be furnished) and
- (c) what steps have been taken to make good the shortfall in all categories in the divisions of Eastern Hailway mentioned in (a) above for the reserved vacancies earmarked for SC and ST through direct recruiment and promotions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RA ILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha

#### Contracts/Licences Granted

7245 SHRI R N RAKESH Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFARS be pleased to state the total number of contracts/ heences granted by his Ministry and the share thereof if any to S/C and S/T in each calegory of such contracts/licences during the period of Janata Government regime and if not why?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTEY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SIRI) NAR SINGH YADAY) Apart from petly job contracts like contracts for repair of room toolers air-conditioners healer, livery items for class IV staffete roughter items for class IV staffet roughtery items for class IV staffet roughtery tems for class IV staffet roughtery items for class IV staffet roughtery items among the same properties. The contract of the contrac

## Pay of Primary School Teachers 7246 SHRI SOUNATH CHATTER-

161

7246 SHRI SOMNATH CHATTER-JEE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether the Government have received any representation regarding anomaly in the pay of Primary School Teachers of S E Railway, Adra an-sing out of orders issued by Railway Board.
  - (h) if so the details thereof, and
- (c) the steps taken by the Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Yes

- (b) Some junior teachers of Adra Primary School, SE Railway ere getting higher rate of pay than the r senfors on account of fivation of the r pay in the authorised scale with effect from 27-3-1970 at the next higher stage with date of increment remain ing unchanged.
- (c) The matter is under consideration in consultation with the Ministry of Education following whose decision to revise the scales of pay of teachers, revision of scales of pay was ordered in respect of Railway School teachers.

#### Garhara Transhipment Sheds N E Railway

7247 SHRI SONNATH CHATTER-JEE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the work of Garhara Transhipment Shed, North Eastern Rulway regarding loading and unloading is being done with departmental labour.
- (b) Whether similar steps were taken for Manduadih Transhipment Shed
- (c) if so what pay-scale is granted to the workers at Garhara and at Manduadih and
  - (d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Loading and unloading at Garahara Transhipment Shed is done by casual labourers who have attained temporary status.

- (b) No.
- (c) and (d). Scales of pay at Garhara are as under:

Rs.
Transhipment labour .. 196-232

The loading and unloading at Manduadih is done by contract labour.

#### राजभाषा अधिनियम, 1963 का जियान्ययन

72.48 श्री नवाव सिंह चौहात : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) नाग उनके मंदातव/विशास ने राजपापा प्रधिनितम, 1963 के उपकर्षा और उसके प्रदोत जुन, 1976 में बनावे गये नियमों के बारे में यपने सम्बद्ध और सबीतन्य कार्यावयों को सुचित कर दिया है और क्या उनके उन्हें किवानित करने के किय कहा गया है;
- (ख) यदि हां, तो क्या उनके मंत्रालय।
   विभाग ने उक्त उपवन्धों और नियमों का
   पूर्ण क्रियान्वयन मुनिध्वत कर दिया है;
   धीर
- (ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और राजभाषा से सम्बद्ध नियमों के पूर्ण कियान्यमन को सुनिध्चित करने के लिए यमा कार्यवाही की जा रही है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेस्वर मिश्र) : (क) से (ग).राजभाषा श्रधिनियम, 1963 के उपबन्धों और उनके प्रन्तर्गत वने नित्यमां के कार्याच्यन के जिये फरिलाइजर इंडस्ट्री कोग्रार्डिनेश्वन कमेरित जो कि दिसाबर, 1977 में स्वापित की गई बी के नोरिंद में लाया जा रहा है। इस मंत्रालय के प्रन्य सम्बद्ध प्रथना ग्रायीनस्य कार्यालय नहीं

नियम पुस्तिकाओं श्रीर प्रपत्नों का टिमाधिक रूप में प्रकाशन

7249. श्री मवाव सिंह चौहान : च्या पेट्रोलियम तथा रसायन श्रीर छर्वरक मंत्री यह वताने की क्या करेंगे कि :

- (क) उनके मंत्रालय/विभाग में फितनी नियम पुस्तिकान्त्रों ग्रीर प्रपन्नों का प्रयोग किया जाता है;
- (ख) उनमें से कितनों का हिन्दी में अनुदाद है बीर कितने द्विभाषिक रूप में प्रकाणित किये जाते हैं:
- (ग) जिनका अनुवाद अभी तक नहीं किया गया है अथवा जिनको द्विभाषिक रूप में प्रकासित नहीं किया गया है, उसके क्या कारण हैं; और
- (घ) उनको हिमापिक रूप में कव तक तैवार किया जायेगा ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्बरक संज्ञालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर सिश्र): (क) विश्विष्ट रूप से पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय के प्रयोग के लिए अभी तक कोई नियम पुस्तिका और प्रयत्न प्रकाशित नहीं किये गमें।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

fied

भोपाल-विदिशा शटल ट्रेन को बीना तक से जाने का सप्ताब

7250 थी राधवशी: दग रैस मत्री यह प्रतान की कृपा करेंगे कि

Written Answers

167

(व) क्या मापात-विदिशा शटल मादो रा ग्रीना स्टेशन तर से जाने के बारे में रेतके को कोई मुझाव प्राप्त हमा है ,

(ख) यदि हा, ता उम पर क्या

वार्षवाही की जा रही है, भीर (ग) सुनाव की स्वीतार करन में

नया कठिनाइया श्रयवा बाधार्थे है ? रेल मशालय में राज्य मत्री (धी शिव नारायण) • (म) जी हा !

(श) घोर (ग) 1 शि॰ वी०/ 2 शे० बी० भाषान निरिप्ता घटन गारिया ना बदानर बीना तन से जाना घोर से प्राता, बीना स्टेशन पर टॉमनन मुविशाए पर्योक्त न होने में नारण परिवानिक नीट म इस ममय ब्योवनारिक नहीं है।

Heavy Increase in Salaries of Em-

7251 SHRI KANWAR LAL GUPTA Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

(a) is it a fact that some of the Companies such as Bharat Commerce and Industries, Southern Petrochemicals Industries Private Limited, Hoechet Dyes and Chemicals Ltd. have increased tremendously the salaries of some of their employees, including their relations, with the approval of the Central Government.

(h) if so, what was their salary before and how much it has been increased in 1973 and 1976.

(c) what were the special reasons for permitting these companies to enhance the pay scales substantially.

(d) in how many other cases the matter has been pending through the employees, including the relations in the other compan es are highly quali-

(e) what is the criteria in the matter.

r 68

(f) has Government received any complaints about this, and

(g) if so, give the details thereof

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS SHANTI BHUSHAN) (a) to (e) The emoluments of the Employees of these companies have shown an increase as per the information disclosed by the companies pursuant to Section 217(2A) of the Companies Act, 1956 in two successive Accounts of the Companies but in most of such cases approval of the Central Government is not required for such increases under the provisions of the Companies Act, 1956. The extent to which approval has been sought for and accorded by the Central Gosernment after consideration of the applications made by the Companies is stated in Statement attached. The increases in respect of the cases covered under Statement 'A' have been allowed in accordance with the guide lines followed by the Department at the relevant time

(f) and (g) Yes Sir The Department received an allegator velocities to substantial nursease in salaries of the Managerial personnel of these three companies. On examination, it was found that they mostly relate to increase in the emoluments of the employees of the Companies for which the approval of the Central Government is not necessary under the evising provisions of the Companies Act. 1956.

#### Statement

(1) Bharat Commerce & Industries Limited

The Directors of the company were together sanctioned 1 per cent of the net profits of the company subject to a maximum of Rs. 1.20 lakhs per

amum for the period 29-3-1972 to 31-12-1975. On a representation made by the company, the ceiling was inceased vide this Department's letter dated the 12th December, 1975 to RS 1,50 lakhs taking into account the increased profits of the company. This commission is divisible among the directors of the company who were 8 in number at the time of application.

#### (2) Southern Petrochemical Industries Corporation Limited.

The salary of Shri R. Narasimhau, whole-time director of M/s Southern Petrochemical Corporation Limited was increased from Rs. 4.000 per month in the scale of Rs. 3509-250--5000 to Rs. 4.500 per month in the scale of Rs. 4500-500-6500 with effect from the 15th July, 1974, keeping in view his seniority in the company vide this Department letter dated the 24th March, 1975. As a result of the inspection of the books of account of the company carried out recently, it has come to the notice of the Department that Shri K. R. Srivatsa, ex-Managing Director has been drawing excess remuneration from December, 1974 19 October, 1976 than what was approved by the Central Government, Necessary action is being taken regarding recovery of the excess remuneration drawn.

# (3) Moschet Dyes and Chemicals

The remuneration of Mr. P. S. Reporter, Managing Director of the company was increased by allowing commission at the rate of 1 per cent of the host profits of the company, subject to a maximum of 25 per cent of the balary, when he was re-appointed with effect from 1st May, 1976, vide this Department letter dated the 12th October, 1917.

## Jhoogee Walas Living on Railway

7252. SHRI KANWAR LAL GUP-TA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many Jhoogee walas have been living on the Railway land near the Railway line in Rana Pratap Bagh, G. T. Road, Delhi;

- (b) that many accidents took place and some children died in Railway accidents:
- (e) has Railway written to Works and Housing Ministry to clear the site and rehabilitate them somewhere else;
  - (d) if not, why not?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

- (b) No accidents have taken place near Rana Pratap Bagh between Sabzimandi and Azadpur Railway Stations in the recent past nor was there any case of children dying in railway accidents in this area.
- (c) Delhi Development Authority, who is the competent authority for removing and rehabilitating the squatters has already been addressed in the matter.
  - (d) Does not arise.

Supply of Uniforms to Class III Staff

7253, SHRI KANWAR LAL GUP-TA: Will the Minister of RAILWAYS he pleased to state:

- (a) is it a fact that Government has been supplying very shabby uniforms to Class III Staff;
- (b) is it a fact that they have been agitating since long for provision of cloth and stitching charges; and
- (c) if so, why Government have

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) and (c). There has been demond from some staff for supply of cloth and stitching charges for uniforms but it has not been possible to accept the demand mainly on account of the following reasons; 171

- With a view to saving money, some employees might sell the cloth and continue to use the old uniform thus appearing on duty in shabby dress,
- (2) Some staff may not be able to arrange stitching of uniforms themselves by paying higher tailoring charges prevailing in the market,
- (3) Staff at road side stations might not be able to have their uniforms stitched for want of tailoring facilities at or near their places of work;
- (4) At present uniforms are cut by the Railways in their centres/factories and are got stitched through Mahila Samits, Handeralt Centres Ordinane, Factories, etc. In the process, considerable saving of cloth is effected because of bulk manufacture and low stitching charges. This procedure is also considered advantageous &s it ensures additional income to dependent of Railway employees working in Handicraft Centres, etc.

However, the procedure for manufacture and surply of uniforms has surce been streamlined with a view to avoiding any complaints from the staff and ensuring individual measurements being taken.

## Import of Diesel oil from USSR

7254 SHRI MANORANJAN BHAK-TA Will the Minister of PETRO-LEUM, CHEMICALS AND FERTILI ZERS be pleased to state

- (a) whether the diesel oil imported recently from USSR contains high sulphur content and is unfit for use in railway and other machinery workshops, if so, details.
- (b) whether a large number of workmen have been physically affected for using this diesel oil, and

(c) if to, what steps are being taken to test it properly before use and to make it fit with Indian conditions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) to (c) The specification for high speed diesel oil prescribed by the Indian Standards Institution stipulates that the sulphur content should be 1 (one) per cent maximum by weight As per the contract entered into by the Indian Oil Corporation with the Somet suppliers, the sulphur content of high speed diesel oil is required to be between 02 per cent and 10 per cent The partels of diesel oil recently imported from the USSR had a sulphur content ranging between 0 09 per cent and 0.26 per cent which is within the limits prescribed by the ISI No complaints from any of the Railways or other quarters about the high sulphur content of diesel oil imported from the USSR or any adverse effect of this oil on their employees handling it hat c been receiv-

#### Judges in various High Courts

7255 SHRI VASANT SATHE WILL the Minuster of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

- (a) what is the approved strength of Judges for the various High Couries in the country and the number of judges actually in position,
- (b) the number of vacancies as on 31st March, 1978 and steps taken 1to have them filled.
- (c) details of proposals approved under consideration High Court-wise, for increasing the strength of judges and other supporting staff for 1978-79, and
- (d) the decision taken in this re-

THE MINISTER OF LAW JUS-TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) and (b). A statement indicating the sanctioned strength, the number of judges in position and vacancies as on 31-3-1978 is attached. Steps are being taken to fill up the vacancies expeditiously. The State authorities and the Chief Justice concerned have been reminded to expedite their recommendations. They have also been asked to adhere to certain specified time schedules in sending proposals.

(c) and (d). A proposal from the Chief Justice of Delhi High Court for

the creation of 4 posts of Additional Judges in that High Court has been received and is being processed. Another reference for conversion of the existing 6 posts of Additional Judges into Permanent Judges and the creation of 9 posts of Additional Judges in the Punjab and Haryana High Court has been received from the Registrar of the Punjab and Haryana High Court recently. The reference is being examined. As regards supporting staff, appointments of officers and servants of a High Court are made by the Chief Justice of the High Court in accordance with the provisions of article 229 of the Constitution.

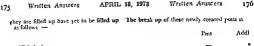
#### Statement

| S.No. | Name of the High<br>Court |         | Saect |       | Ar<br>str | ctual<br>ength | Vac  | ancies |
|-------|---------------------------|---------|-------|-------|-----------|----------------|------|--------|
|       |                           |         | Pmt.  | Addl. | Pmt.      | Addi,          | Pmt. | Addl   |
| 2     | 2                         |         | 3     | 4     | 5         | 6              | 7    | a      |
| 1     | Allahabad                 |         | 40    | 10    | 30        | 10             | 1    |        |
| 2     | Andhra Pra                | desh .  | 18    | 3     | 31        | 2              | -    |        |
| 3     | Bombay.                   |         | 27    | 8     | 24        | 7              | 3    | 1      |
| 4     | Calcutta                  |         | 33    | 7     | 33        | 7              | _    | _      |
| 5     | Delhi -                   |         | 18    | 3     | 17        | _              | 1    |        |
| 6     | Gauhati.                  |         | 8     | ~     | 5         | -              | 3    | -      |
| 7     | Gujarat                   |         | 14    | 4     | 13        |                | 1    | 4      |
| 8     | Himachal P                |         | 3     | -     | 2         |                | 1    | -      |
| 9     | Jammu & K                 | ashmir  | *4    | 2     | 2         | 2              | 1    | _      |
| 10    | Karnataka                 |         | 14    | , 4   | 12        | 4              | 1    | _      |
| 11    | Kerala .                  |         | . 13  | 3     | 13        | 3              | ~    | -      |
| 12    | Madhya Pro                | edesh   | 20    | 3     | 19        | ` 3            | 1    | _      |
| 13    | Madras                    |         | 16    | 6     | 16        | 3              | _    |        |
| 14    | Orissa .                  |         | 7     | 1     | 7         |                | ~    | 1      |
| Ιĵ    | Patna .                   |         | 18    | 9     | 18        | 8              | -    | 1      |
| 16    | Punjab & H                | laryana | 17    | 6     | 16        | 3              | 1    | 2      |
| 17    | Rajasthan                 |         | 10    | 4     | 6         | 1              | 4    | 3      |
| 18    | Sikkim .                  |         | 2     | -     | 2         | ~              | -    |        |
|       |                           |         | *282  | 73    | 263       | 53             | 18   | 20     |

\*355 N.B. In addition to the above vacancies, 14 posts sanctioned recently with effect from the dates

316

98



|                  |   |     | • •  |
|------------------|---|-----|------|
|                  |   | 1   | 13   |
| Patna            |   |     | 3    |
| Karnataka        |   | 1   | -    |
| Madhya Prade-h   |   | -   | 6    |
| Himachal Pradesh |   |     |      |
| Mahabad          | • | -   | 3    |
|                  |   | Pmt | Addi |

\*O in part kept is a beyance and a post of Additional Judge was created in I on there of

# Passes issued during 1977-78

7256 SHRI VASANT SATHE, Will the Minister of RAILWAYS be pleas ed to state

- (a) whether the guidelines for issue of passes have been revised and details thereof
- (b) what are the important consi derations and the procedure adopted for usue of such passes and
- (c) the number and names of per sons from Maharashtra who have been issued passes during 1977 78 and the number and names of person/organisations to whom complimentary passes have been discontinued?

THE MINISTER OF STATE IN

(SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) Government have laid down the following broad guidelines for the issue of complementary passes -

- (1) Institutions and organisations devoted to social, cultural scientific literary, sports and educational activities and whose work is of an
- all India character (11) Organisations devoted to the welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes backward and neglected sections women, blind and han-
- dicapped persons etc (in) Emment persons engaged in work of national importance for which they are required to under-
- take frequent journeys

| Statement No. 3   |                  |               |
|---|------------------|---------------|
| lances of persons from Manarastica who have been essendirenessed passe  | dawg 197         | 7 78          |
|   | Class of<br>Pass | No of<br>Page |
| a) New passes ussued during 19,7 78   |                  |               |
| t President Dr Ambedkar Memorial Society, Chandrapur  | Est              | on-           |
| 2 One office bearer of Mahatama Gandhi Institute of Medical Sciences<br>Sevagram with one Attendant in 1Ind class | <b>I</b> st      | one           |
| 3 One office hearer of National Leprosy Organisation Wardha   |                  |               |

|     |   | 255 of<br>Pass | No. of<br>Pass |
|-----|---|----------------|----------------|
| (b) | Posts resert duirg 1977-78  |                |                |
| 1.  | Sh. P. N. Rajbhoj. President, Bharat Dalit Sangh, Pune with one attendant in Hnd class  | Let            | one            |
| 4.  | Shri N. V. Tungar, Pane, a worker of Gandhian philosophy and Untouchability   |                | ene            |
| 3   | One office bearer of the Tata Agricultural & Rural Trg. Centre of the Blind, Bombay   | ,,             | ope            |
| ÷   | Sanchalika and/or Assistant, Matru Seva Sangh Nagpur, with one<br>male/female worker in Hod class   |                | one            |
| 3   | Any two workers of the Gandhi Memorial Leprov Foundation.<br>Wardha   | "              | one            |
| 6   | One office bearer of Kashurba Health Society. Wardha, with one attendant in IInd class  |                | one            |
| 7   | Smt. Nirmala Gandhi of Sevagram Ashram, Wardha  |                | one            |
| 8   | One office bearer of Indian Secular Society, Bombay   |                | one            |
| 9   | One blind worker of the Poona Blind Men's Association, Pune, with one guide   | **             | one            |
| 10  | One office bearer/worker of the National Association for the Blind.<br>Bombay, with permission to take one Personal Assistant when the<br>official is blind |                |                |
|     | Specified office bearer of Antar Bharsti, Pupe  | 21             | one            |
|     |   | **             | one            |
| 12  | Shri Mahadeo Joshi. Member of the Bharatiya Sanskriti Kosh Mandal. Pune   | 72             | one            |
| 13  | Director or one more office bearer (to be used by one at a time), Rang-<br>manch Research Institute, Bombay   | .,             | one            |
| 14  | Shri D. G. Kelkar of Raja Kelkar Museum. Pune. with one companion   | ,,             | one            |
| 15  | Shri Ram Singh Bhanavat, General Secretary. All India Banjara Seca<br>Sangh, Bombay   | •,             | one            |
| 16  | . One office better of Indian Council of Social Welfare, Bombay   | IInd           | one            |
| 1'  | . Any worker of the Gandhi Memorial Leprosy Poundation, Wardha  | Do.            | nne            |

List of Complementary Card Fasses correlated

Serial Name of the party or organization.

2

First Class

 Shri Lalhan Prasad Vyas, Assistant Secretary, World Hindi Convention, Nagpur.

No.

1

2 One worker of Sant Salaitya Sadan, Bombay.

3 One worker of Sant Sahitya Sadan. Bombay.

Seered Cless NHL Housing problem for Field Staff of ONGC

7257 SHRI VASANT SATHE Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) whether attention of Government have been drawn to the news report appearing in the Times of India dt 22nd March, '78 under the caption ONGC field staff uneasy over housing shortage,
- (b) if so what is the reaction of Government to the various observations made therein and
- (c) details of the action taken propored in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) Yee, Sir

(b) and (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House

ज्दणपुर श्रीर बीकानेर के बीच सीधी एक्सप्रेस गाडी झारम्स करने का प्रस्ताव

7258 भी एस॰ एस॰ सीमानी नवा रेल मन्नी यह बताने की कृपा करने दि

- (न) नवा उदयपुर बौर वीनानर क भीच वात्रिया का मुचिधाए प्रदान बरत क उद्देश्य ने सर्वार का विचार इस सैनग्रन पर मारवाडा अनवान बौर जायपुर हातर एन नीधी एक्मप्रेस गाडी चलाने ना है बौर
- (ख) यदि नहीं, ता नया मरकार का विचार गाडिया ने समय में परिवतन करने ता है जिममयह सुनिश्चित दिया जा सके कि उदयपुर सौर बीकानेर ने बीच यात्रा करने में 36 घटे के स्वात पर 16 घटे नसे ?

रेल मत्रालय मे राज्य मत्री (थी ग्रिव नारायण) (क्) जी नहीं। (य) इस समय उदयपुर धौर बीनानेर न बीन 95/96 मारवाड मेन धौर 221/ 222 मार्डी गाडिया म पहले एव इसर दर्जे मा एन सीमा सवारी दिख्या चल रहा है निवसा बीनानेर-उदयपुर दिशा में कुल मार्जा समय 26 घंटे 35 मिनट लगना है धौर विपरीत दिशा में 25 घंटे 50 मिनट समता है।

# Overseas Exploration by ONGC

7299 SHRI JANARDHANA POO-JARY Will the Minister of PETRO LEUVI AND CHEMICALS AND FER TILIZERS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that ONGC has suffered a severe setback in overceas exploration ventures and
- (b) if so the names of the countries in which exploration was carried out and total los, in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) and (b) The OVGC hat so far carried out of exploration only in two countries namely Iran and Irag

In Iran two commercial discoveries have been made and both the fields are under exploitation.

In Iraq oil was discovered in the well drilled by the ONGC but the rate of flow of oil was not sufficient to declare it a commercial discovery in terms of the provisions of the contract. The total expenditure incurred on this venture till March 1977 was approximately Rs 988 crores including Rs 129 crores as depreciation.

#### Gauge conversion of Sonpur Barabanki

7260 SHRI D N TIWARY Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to reply given to Unstar red Question No 3734 on 21st March, 1978 regarding conversion of Sonpur-Lucknow section and state:

181

- (a) the original scheduled time of completing the gauge conversion between Sonpur and Barabanki;
   (b) whether more than 75 per cent
- work between Sonpur and Chapra Railway Stations has been completed;
- (c) when the remaining work is likely to be completed; and
- (d) the new schedule for completing the gauge conversion between Sonpur and Barabanki and the amount required for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RALLWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) The project was originally targeted for completion by December 1977 but it had not been possible to do so on account of limited availability of funds.

(b) to (d). 55 per cent of the total conversion work has been completed and the entire remaining project is planned to be completed and commissioned by 1980.

According to the latest assessment, the cost of the project is about Rs. 69 erors and the expenditure on the project upto March 1978 was Rs. 38.07 erores. A sum of Rs. 12.37 erores has been allotted for the project in the current year. A further sum of Rs. 15.46 erores will be needed to complete this gauge conversion project.

#### Surcharge on Halt Stations

7281. SHRI D. N. TIWARY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to reply given to Unstarred Question No. 50 replied on 21-2-1978 regarding surcharge on Tickets to and from Sher Halt and be pleased to state.

(a) the number of Halt Stations on which such surcharge has been levied:

- (b) the number of Halt Stations on which no surcharge has been levied;
- (c) the criteria for levying the surcharge on Halt Stations; and
- (d) the circumstances under which surcharge is levied on certain Halt Stations while no surcharge is levied on other Halt Stations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) 273.

- (b) 798.
- (c) and (d). When the working of a halt station is not found financially justified surcharge is levied to reduce the recurring loss.

#### Railway Bridge at Jamnagar

7262. SHRI VINODBHAI B. SHETH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether Government are aware that the Railway Bridge at Jamnagar is in a dilapidated condition and is a hazard in view of the same being more than 70 years old; and
- (b) what steps government propose to take for either repairing it or replacing it with a new construction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) The Railway is aware of some cracks that have developed in the arches of Victoria Metre Gauge rail-cum-road bridge (No. 376) at Em 3249-12 near Jamnagar on Rajkot-Jamnagar Section. There is however no danger to Railway traffic on account of these cracks in the Bridge Structure.

(b) Strengthening of the arches by cement grouting is already in progress and this has given good results.

After the completion of Virangam-Okha Broad Gauge Conversion Project, the existing Victoria-M.G. bridge will be closed to rail traffic

Written Answers which will then be carried over the new railway bridge constructed up stream

183

# Rallway Overbridge at Cuttack

7263 SHRI SARAT KAR Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether any representation has been received by the rulway authorities for Railway Overbridge at Cuttack, and
- (b) if so, the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Yes

(b) Proposals for the construction of road over-bridges in replacement of existing level crossings have to be sponsored by the State Government together with an undertaking to share broadly 50 per cent of the cost as per extant rules Even though a proposal for the construction of a road over-bridge at Cuttack was under the consideration of the State Government for the last 10 years, they have recently decided not to go ahead with the same Hence, the proposal has been dropped Further action in the matter can be taken by the Raslway only when the proposal is revived by the State Government

#### Overhauling Cuttack Junction

THE THE TARKS LIKE WILL THE Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether there is any proposal under the consideration of Government for the overhauling of the Railway Cuttack Junction, and
- (b) whether any representation has also been received by Government in this regard and if so the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) The cxisting facilities at Cuttack Station are considered fairly adequate for the present level of passenger and parcel traffic However, some additional faculties such as a dormitory type returing room, water cooler on platform a fruit stall and a Cycle Shed are programmed for construction during the current year. No other mafor remodelling of the station is contemplated for the present

(b) Government of Orissa (Trat.sport Department) in their Memorandum presented to the Union Minister for Railways at Bhubaneswar on 10-9 1977 had asked for increased terminal facilities at Cuttack Railway Station in view of the increased importance of this Station and increase in pa cenger traffic

Work done by Department of Legal Affairs

7265 SHRI P RAJAGOPAL NAI DU Will the Minister of LAW. JUS TICE AND COMPANY AFFAIRS Le pleased to state

- (a) the work done in rendering legal advice to the Government by the Department of Legal Affairs during 1977-78, and
- (b) the legislature measures dealt with by the Department during that period

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS NARSINGH YADAV) (a) During the period of 14 months from 1-1-1977 to 28 2 1978, the Department of Legal Affairs attended to about 61 906 advice cases

(b) Although no separate record is maintained with regard to the advice matters relating to legislative measures as such yet according to the available information, during the relevant period the Department considered about thirty five important legislative measures

#### Depreciation Reserve Fund

7266. SHRI P. RAJAGOPAL NAI-DU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) the Depreciation Reserve fund in the Railways now available with the Government;
- (b) whether Government are contemplating to utilise this fund; and
  - (c) if so, in what way?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) The Depreciation Reserve Fund had a balance of Rs. 212.67 crores so on 31-3-1977. The balance at the end of March, 1978 is estimated to be Rs. 226.51 crores.

(b) and (c). The Depreciation Reserve Fund was started from 1st April, 1924 to provide for renewal of all wasting assets excepting formation, fencing and ballast. Every year a specified amount, as fixed on the basis of the recommendations of the Railway Convention Committee, is appropriated to the Depreciation Reserve Fund from the Revenue and the entire expenditure on replacement and renewal of assets is chargcd to this fund. The amounts approprinted to the Fund from Revenue in 1976-77, 1977-78 and provided in the Budget for 1978-79 are Rs. 135 erores. Rs. 140 crores and Rs. 145 crores resnectively. The expenditure from the Fund during 1976-77 was Rs. 125.22 crores and estimated to be Rs. 147 crores during 1977-78 and Rs. 151.42 crores during 1978-79. The expenditure is incurred under various plan heads such as rolling stock, machinery and plant, track renewals, bridge works, traffic facilities, signalling and interlocking etc. The balance available at the end of 1978-79 is estimated to be Rs. 235.69 erores. The amount available in the Depreciation Reserve Fund is taken into account while fixing the overall ceiling for the Annual Plan expenditure in

consultation with the Planning Commission and the Finance Ministry.

पूर्वोत्तर रेलवे में उच्च ग्रधिकारी

7268- श्री राम नरेश कुशवाह: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

- (क) रात 10 वर्षों में पूर्वोत्तर रेलवे में उच्च अधिकारियों की संदेया में विश्तनी वृद्धि हुई है:
- (ख) क्या जगरोकत रेखवे के लेखा विभाग में भी वृद्धि उसी अनुपात में की गयी है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;
- (ग) क्या अधिकारो-पर्दा में वृद्धि के साथ-साय तीसरी श्रीर चीथी श्रेणी के पदीं में भी वृद्धि की गयी है श्रीर श्रीर नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; श्रीर
- (घ) क्या पदों में की गयी यह वृद्धि रेलवे राजस्व में वृद्धि के अनुरूप है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री क्षित नारायण) : (क) अधिकारियों के पदी की संख्या 466 से बढ़कर 597 हो नयी है।

- (ख) लेखा अधिकारियों के पदों की संस्था 24 से बढ़कर 41 हो गयी है।
- (च) ब्रोद्(घ). श्रेणी III बार IV के पर्से की संस्था 94,674 से बढ़कर 1,00,929 हो गयी। प्रतिरिक्त पर्से को ब्रोहित रेकने राज्य में नृदि से प्रत्यक्ष रण ते संबंधित नृद्धि है, बिक्त काम की मान्ना श्रीर महत्व तथा जत्तरसाधित्व पर प्राधारित हैं। फिर भी, जन्त जनसि में यातायात ने कुत प्राप्ति 37.67 करोड़ रूक से बढ़कर 88.54 करोड़ रूक हो गयी।

इष्टियन रेलवे मैन फेंडरेशन हे साय वातचीत

187

7269. थी हुरम चन्द रह्याय: बनारेल भनी यह बनान की कृता करेंगे कि

- (व) बना उन्होंने इडियन रेलवे भैरत पैडरशन (भारतीय मजदूर मध) के सभी प्रतिनिधिमा के साथ 28 सक्तूबर, 1977 का बातकीन की यो भीर यदि हा ता बातकीन के दौरान वह विन बाता के बार में महमन हर ये और उनेश भीरा क्या है। सीर
- (ख) बना इंडियन रेलवे मैन्ज फैंडरेशन के प्रधान तथा ग्राय पदाधिकारिया ने काई मागु-पत्न पत्र विया या घोर यदि हा, ता उसका ब्योरा क्या है धोर उम पर धव तक किस प्रकार की कार्यवाटी की गई है और यदि काई कार्यवाही नहीं की गई है ता उमने क्या कारण है ?

रेल मत्रालय में राज्य मत्री (धी शिव नारायण) (क) भीर (ख) रेन मती द्वारा समद में दिये गये इन दयान के धनसार वि वह रल वर्मवारिया की मनस्याओं पर श्रम संगठना ने नाय विचार-विमर्ग करेंगे, रेल मजदूरी में मम्बद्ध कुछ ससद सदस्यी तया सार्य ही ट्रेंड युनियना न प्रतिनिधिया के साथ यह पना नगाने के लिए भनीपचारिक विचार-विमाने किया गया या कि रेना पर उचित श्रीद्यागिक सम्बन्धा का बाताबरप नाने की दिला में बना ठीस बदम उठाये जा सकते हैं। इसी प्रकार की एक वैठन थी हरूम चन्द्र वछवाय और थी नुजर्माण्यम स्वामी ने माय 28-10-77 का हुई घी जिसमें देह युनियनों ने कुछ प्रतिनिधि भी शामित हए थे।

जिन विषयों पर विचार-विमर्ग हमा था, वे हैं

मई 1974को रेजबैहरताच में गम्बरियन कुछ बदो-खुवी सन्त्याए, रेन वर्मवारियी के लिए बोनन, 15 कराड रचन के तिरोप श्रद्धान का रेत कर्नेवारिया को मुविधाओं मोर कन्या। वे तिर इस्तमात, मनिनापे जन्म बाजना ने मन्त्रमें र जन्म राशियी वापमी क्रमंबारियों को नियमित करना तया नेवा श्राचार निवम भीर भारतीय रेल मजदूर सब तबा उमी सम्बद्ध मृतिबना ना मा बना प्रदान वरना । इन मांगा के सम्बन्ध में स्थिति बैठक में ही स्पन्ट कर दो गया। थी।

कुछ मारा पर सबिय रव से विवार क्या जा रहा है जबित प्रत्य मागापर जिनका उजरत, गाय एवं मुन्यों में तहरा सम्बन्ध है, विचार तमी शिवा तायगा जबति मरकार द्वारा हान ही नियुक्त की गयी मृतविगम, ममिति द्वारा इन ममन्याया ू वासहराई ने श्रश्यन वर निया जाया।

मार-पत्र में उठायी गयी कुछ समस्यामी जैसे धनिवार्ग जना याजना के भ्रम्तर्गन जमा यश्चिता मृग्यान, महगाई भन्ने का वेतन में मिलाता, आदि पर प्रतेति रता द्वारा विचार नहीं तिया जा सहता द्याति ये ध्यापक समस्याए हैं जिन पर सरकार का समग्र रप में बार्ड फैनला बरना है।

मर्दे 1974 को हडताल के फलस्वरूप उत्पन्न समस्यामा तथा माग्रन्थव में सहित्रचित धन्य प्रत्ना पर विचार किया जा रहा है। मई 1974 की हडताल में सम्बन्धित एक ममस्यापर फैंडला कर निया गया है आर 1-3-78 का ने आदेश जारी कर दिव बब है दि उक्त हडनाल व दारान रेल् कमचारिया रा धनुपस्थिति की ग्रविध का उन्हें दय छुड़ी में नमायाजिन वर दिया बाय मौर यदि काइ छुट्टा दय न हा ता विना-वेतन की प्रमाधारण छुट्टी की स्वीकृति देवर उक्त प्रविध का समायाजित कर दिया जाये।

खान-पान के पांच स्टालों वाले ठेकेदारों की संख्या

7270. थी हुकम चन्द कछ्वास : नवा रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि !

- (क) सभी रेसदे में खान-पान के पांच स्टाचों वाले जितने ठेकेदार है और खान-पान के एक ठेकेदार के अधीन कितनी ट्रानियां सवा अन्य स्टाल है और उनमें हरिकतों सथा आदिवासियों के कितने ठेकेदार हैं;
- (छ) पया सरकार का विचार प्रविष्य में एक परिवार को केवल एक खान-पान का स्टाल स्वया एक ट्राली प्रावेटित करने का है वीर पदि हों तो इस बारे में ब्योरा क्या है बीर यदि नहीं, तो ऐसी कोई योजना कब तामु की जायेगी; बीर
- (ग) नथा ऐसी योजना देन में बेरोजगारों को कम करने में सहायता देनी और यह देश से बेरोजगारी को दूर करने में जनता सरकार के आक्वासन के अनुस्थ होगी?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जिब भारायण) : (क) सूचना इक्टठी की जा रही हैं ग्रीर सभागटल पर रख दो जायेंगी।

(ख) धार (ग). धर्तमान नियमी के प्रमुतार जो रेजने चान-पान और रेज वाजी मुनिवा समिति की तिकारिक पर ब्राम्यात हैं एक ठेकिया रेजने स्टान्स रेजनों पर व्यापन्यान अहिंग के प्रक्रिक में प्रक्रिक में प्रियंत 6 ठेके से तक्का हैं। एक परिचार को चान-पान के ठेके का केवत एक स्टाल और एक झानी रखते तक स्तिमत करने मा फिलहाल, कोई प्रन्तान नहीं हैं।

चूनर इंबीनियरिंग तथा ग्रन्य फर्नो इस्स कम्पनी ग्रधिनियम का उल्लंघन

7271 श्री हुकम चन्द कछ्वाय : क्या विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री यह वताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) जूनर इंजीनियरिंग, श्रीहोल इंजी-नियरिंग बन्धें, सिराज सन्ध्र श्रीरहीस्टन इंड्रह्मेल प्राइवेट तिमिटेंड, 10 मी-तुलसी पाइय रोड, महातदमी, बन्धें -13 क्य स्थासित की गई वी श्रीर उनके निरेयक पंडकों में कितन-वित्तते लोग हैं और उनके स्थासा हैं:
- (छ) क्यायहस्य है जि उनके निदेशकों के हमेशा कम्मनी कानून का उल्लेषन किया है; और यदि हो, तो सरकार ने समय-कमय पर उनके विरुद्ध क्या भागवेवाही की है; और
- (य) क्या उरकार को पता है कि उनके निवेशक मंद्रक पियमों का उल्लंबन फरले कियों भी व्यक्तित को निवेशक बर पर पियुक्त कर खेठे हैं और अपने उत्पादों की सन्दार्थ के बिक्त अपने पुरुष्टों के निवेशक बर पार्टि उत्पादों की सन्दार्थ के खिल अपने पुरुष्टों के लागों क्यार्थ के खिल अपने की स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व
- विश्व स्थाप, और कम्पनी कार्य मंत्री (औ सान्ति मूलक) : (क) संदर्भित भार नामों में से केवल को कम्पनियों स्थात पेट तीराज सम्प्र प्राइपेट तिन नामा मेंन इसिस्टम इंड्युनेल प्राइपेट निन्न हों प्रपत्ती अधिनियम के मत्तर्पत्र पंजीकृत है। ये दोनों कम्पनियों, कम्पनी रजिल्द्रार, महाराष्ट्र, स्वस्त्र के पास कमाना दिनांक 12-8-1977 नवा 25-11-1958 को पंजीकृत हुटें मी। इन कम्पनियों के निरंगकों के नाम

- 🕕 भीराज सन्स प्राइवेट ति०
- (व) थी ग्वाय चन्द औ० मीराज
  - (स) श्रीधर्मेन्द्र जी० मीराज
  - (ग) थी ग्रनिप जी० मीरगज
- (2) हैमिटन इण्डब्ड्रीब प्राइबेट नि०
  - (क) श्री चन्द्रामी चतरा बाई उरेशी
  - (व) भी जिल्लामर लात मनु वयात खेनान
  - (ग) थीं बनन्त साल जेठा साल उपाध्याय
  - (घ) थी जितन्द्र जैराम सम्पत
- (ख) (1) नम्पनी नायं विमाय या अभी तक यह बताने वे लिए कोई मूचना नहीं। मिनी है नि मैं • सीराज मन्मप्राइवेट विमिटेड ने निर्देशका न कम्पनी कानून के सपदन्यी भा उल्लामन निया है **मत उन**ने विरद्ध गामवाही गरनेना प्रश्न चन्पन मही हाता।
- (2) मैं ० हैमिन्टन इण्डम्ट्रीन प्राट-बेट लि॰ के निवेधकान गत कई **बयों से,** पम्पनी की साधारण बैठक के समक्ष बुलन पत्र प्रम्तुत न वरन तथा उन्हें विहित प्रविध व शन्दर वम्पनी रिजस्ट्रार के पास प्रस्तुत न [ करके, कम्पनी द्राधिनियम 1956 की धारा 210 व 220 का उत्तपन विया है। निदेशकापर

इत चुरो ने तिए मुक्टमा चलाया गया या, ण्य दोप निद्ध होने पर जुर्माना निया गया था। उन्होंने वाधिक त्रिवरणी विशेषसमन्य तथा जमाधन मी दिवरणी को प्रस्तुन करने में देरी बारने यधिनियम की धारा 159 व 192 तथा शम्पनो (जमाधन वी स्वी-नारोहिन) नियम, 1975 के उपप्रची का उलक्षत किया है। इस देरी के लिए, रम्पनी रजिस्टार द्वारा धतिरिका शुल्क नकायां गयां थीं।

- (ग) (1) सरवार भा यह जानवारी वहीं है, जिइन कम्पनियों में नियमी बा उन्तयम करने बोई निर्देशक नियुवन विया का रहा है।
- (2) सीराज सन्स प्राहवेट लि० के नामले में, निर्देशको द्वारा प्रभिदत 30 नाम्य हिस्मा ने ग्रताबा, कम्पनी रजिस्ट्रार महाराष्ट्र ने पास अभी तन नोई बदन विवरणी प्रस्तुत नहीं का गई है। प्रन इस नम्पनी ना प्रथम तुलन पन्न तथा सम होति लेखा धभी तक प्रस्तुत करने का समय नहीं भाषा है, ग्रत काई श्रन्य सूचना उपलब्ध नहीं है।
- (3) है मिल्टन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट चि॰ नो बाबत, निर्देशनो द्वारा धारिन हिस्सा वे स्प में, नियोजित पूजी निम्नप्रकार **å** 1

|  | 100 रु० की दर के<br>साम्य हिस्सों में | 1,000 २० की दर<br>के अधिमान हिस्सों में |
|--|---------------------------------------|---|
|  | ₹0                                    | र्∘                                     |
| 1. थी जे० जे० सम्पत                    | 1,25,000                              | 1,00,000                                |
| 2. श्री बो॰ जे॰ उपाध्याय               | 1,69,000                              | 8,000                                   |
| ं 3. श्री बी० हो० खेतान                | 1,25,000                              | 30,000                                  |
| <ol> <li>श्रो सी० सो० उदँगी</li> </ol> | 2,21,000                              | ~                                       |

गर को न न में हैं। पर बन कि है को न न न न न है के बाव पर कार्य है कि कि प्राप्त कर कि है

| अग्रिम धन तथा ग्राहकों से जमा धन  |           | -র ।ক্রম শ্ব |          |
|-----------------------------------|-----------|--------------|----------|
|                                   | 1974      | 19 75        | 1976     |
| _                                 | ₹₽        | ₹०           | ₹0       |
| 1. उक्त आदेशों के विरुद्ध प्राप्त |           |              |          |
| ऋग्रिम धन                         | 22,49,578 | 33,55,724    | 8,64,274 |
| 2. ग्राहकों से जमाधन              | 1,15,750  | 1,99,000     | 1,99,000 |

#### T.T.E.'s and Conductors as Running Staff

7272. SHRI R. P. DAS: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is not a fact that the T.T.E.'s and conductors were classified as running staff in most of the zones of the Indian Railways till 1931;
- (b) despite the recommendations of the Corruption Enquiry Committee headed by Shri J. B. Kripalani, these T.T.E.'s and conductors have so far been debarred from being classified as running staff; and

#### (c) the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No, only on a few ex-State and ex-Company Railways Ticket Checking staff were treated as running staff.

(b) and (c). The Corruption Enquiry Committee did not make any

specific recommendation in this regard. However, only such staff as are directly in charge of ,and responsible for the movement of trains are classified as Running Staff. Since the T.T.E's and Conductors are in no way directly connected with the movement of trains, they have not been classified as Running Staff. They draw Traveiling Allowance like other nonrunning staff while on tour. Further, the issue went before the Board of Arbitration under the Joint Consultative Machinery and the Board gave its award on 30th June 1972 rejecting the demand for treating the T.T.E's

Appointment of Chairman and Members of O.N.G.C.

as running staff.

7273. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:

SHRI C. K. CHANDRAPPAN:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item

appearing in the Times of India, Delhi dated the 27th March, 1978 under the caption ONGC officials against Bahuguna scheme',

- (b) if so, the facts thereof and reaction thereto.
- (c) whether the selection for the post of Chairman of the Commission has since been done from outside the ONGC.
- (d) if so, the details thereof and how Government propose to minimise dissatisfaction arising out of such outsiders selection amongst the senior officials and members of the Commission in its larger interest, and
- (e) why outsiders are being brought in when capable people are available within the ONGC?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI-ZERS (SHRI JANESHWAR MISII-RA) (a) to (e) Yes, Sir The following are briefly the main points men tioned in the said news item

- (1) A large section of officials of the ONGC is in fayour of scrapping the 'restructuring' scheme announced in Parliament last year
- (ii) The implementation of the scheme will lead to dominance of "generalists, in what is basically a tech nological organisation.
- (iii) The status of the ONGC has been downgraded by proposing to in duct as part-time members relate elv less senior officials of the concerned Ministries of the Central Government As a result the Secretaries of the Ministries of Finance and Petroleum will have the power to 'veto' decisions of the Commission when these are finally referred to the respective Ministries for their approval.
- (1v) Apprehension that the three newly created posts of Executive Di rectors Onshore Offshore and Over

seas Operations, may go to some influential outsiders instead of to senior officials in the organisation itself

(v) Lakelihood of the successor to Shra N B Prasad Chairman, ONGC not being from the organisation

The various reasons based on which the final decreions of Government on the future organisational set-up of the ONGC were announced, have already been enumerated in the statement made by Shri H N Bahuguna, Mmister for Petroleum, Chemicals and Fertilizers to the Lok Sabha on 6-12-

It is not correct to say that by nominating Additional Secretary/Join Secretary as Members of the Com mission instead of the Secretary, the statue of the ONGC has been downgraded

All top level and second level appointments in the public sector enterprises of the Central Government are made in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Bureau of Public Enterprises) Resolution No 5 (1)/74/BPE (PESB) dated the 30th August 1974 Action for the apopintment of Chairman and Executive Directors for Onshore, Offshore and Overseas Operations is being taken as per these instructions

न्यायालयों में हिन्दी मे ध्ये कामों की उपलब्ध रा

7274 श्री स्याराम शास्य: विधि, न्याय और रूप्यनी कार्य मती यह बताने वी बपा बरेते कि

- (क) क्या यह मच है कि कुछ न्यायालयो में भ्रमी भी अग्रेजी और उद्देश ही फार्म मिलते हैं और हिन्दी में बड़ी
- (ख) यदिहा.तो मरनार इस सम्बन्ध में बया वार्यवाही वर रही है. छीर

म हिन्दी में फार्मों की व्यवस्था की बर्ड

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भूषण ) : (क) से (ग). जानकारी इकट्ठी की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

Accommodation for Passengers at Pathankot

7275. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that passengers coming from Kangra-Chamba-Kullu side find great difficulties in getting accommodation in trains Pathankot bound for Delhi-Bombay-Howrah and Madras:
- (b) if so, whether Government have looked into the difficulties experienced by these passengers at Pathankot-
- (c) if so, what are the details thereof; and
- (d) what remedial measures are proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (d). Representations have been received for running a new train and to augment the loads of existing trains from Pathankot to Deihi side, For the facility of passengers entraining at Pathankot, the following sectional coaches are at present provided:-

- (i) One II class ceach ex-Pathankot to Sealdah by 52 Dn. Jammu Tawi-Sealdah Express.
- (ii) One II class 3-tier sleeper coach and one Il class coach ex-Pathankot to New Delhi by 69 Dn. Srinagar Express,

(iii) One II class coach ex-Pathankot to Delhi by 34Dn Jammu Tawi-Delhi Mail

Introduction of a new train from Pathankot to Delhi/Bombay/Madras Howrah is at present operationally not feasible for lack of line capacity on sections on route and of requisite terminal facilities at the terminals. Augmentation of loads of existing trains is also not feasible for want of room on these trains to haul an extra coach on a regular basis.

### Institutions receiving Grants

7276 SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

- (a) the names of the Institutions, official, semi-official, non-official, separately for which the grants are given by the Ministry of Law;
- (b) the names of each such Institutions together with the amount of grant sanctioned to them by the Ministry of Law during the last five years year-wise:
- (c) what is the purpose for which grant is sanctioned for each such Institution:
- (d) what is the criteria for sanctioning the grant; and
- (e) in what way the Ministry of Law, exercise control over these Institutions in their functioning?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) to (c). Statements I & II containing the requisite information are annexed.

(d) The grants-in-aid are given to the institutions in accordance with principles laid down and the instructions issued by the Ministry of Finance from time to time in this behalf.

(e) Overall functioning of the institutions is watched from the achievement cum - performance reports, audited statements of accounts,

programme of research work and programme of other activities of the institutes

#### Statement No I

Stremmiconturing the names of the visit thousanding arms all great in-old together with the amount of great sandamed

#### (A) NON OFFICIAL INSTITUTION

| Year    | Institute of Corsta Indian Law Institute<br>futuonal and Parliamentary<br>Studies |             | International Law<br>Association Regional<br>Branch (India) |  |
|---------|---|-------------|---|--|
|         | Rs.   | Rs          | Rs.   |  |
| 1973 74 | 2 00 000 00   | 5 49 500 00 | 75 000 00   |  |
| 1974 75 | 2 00,000 00   | 4,50,000 00 | 2 75 000 00   |  |
| 1975 76 | 2 00 000 00   | 600 000 D0  | 25,000 00   |  |
| 1976-77 | 4,00 000 00   | 5 66,972 00 | 24 903 00   |  |
| 1977 70 | \$ 00 000 00  | 6,00,000 00 | 6 ggz ug  |  |

#### (B) STATUTORY ORGANISATIONS

Central Walf Council (set up under the provisions of Section BA
of the WALF ACT, 1904)

|         | Rs.           |
|---------|---------------|
| 1973-74 | NIL           |
| 1974 75 | r5 00 000 00  |
| 1975 76 | 10,00,000 00  |
| 1976-77 | 15 00,000 00  |
| 1977 78 | \$0.00.000.00 |

#### Statement II

Statement showing the visitations to whom coronal gravitational are given and the purpose for which greats are given

| Name of the Institute | Purpose |
|-----------------------|---------|
|                       |         |

<sup>(1)</sup> Institute of Constitutional and Parliamentary studies.

To meet the expenditure on publication of Journals relating to Farhamentan Studies and partly on payment of salary and americanous expenses of the Institute

#### Name of the Institute

#### Purpose

(2) Indian Law Institute

- (i) To meet the cost of research teaching and
- training staff of the Institute; (ii) To meet the cost of establishment of the
- Institute: (iii) To meet the cost of Journals published
  - by the Institute; and (iv) To meet the expenditure incurred on
  - holding the Seminars and Conferences by the Institute.
- For meeting expenses on-(i) Cost of research project undertaken by
- the Association; (ii) organising seminars on 'International

  - E(iii) loctures by the visiting Professors, etc., (iv) publication of Journals of the Associa-

For advancing loans to the State Wakf Boards and Dargah Khwaja Sahib Ajmer for the development of their urban wakf properties.

(3) International Law Association, Regional Branch (India).

(4) Central Waln Council .

पिछडे क्षेत्रों में रेल लाइन

7277, श्री नर्मदा प्रसाद रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: (क) क्या सरकार ने यह घोषणा की

- थी कि पिछड़े सेतों में नई रेल लाइनें विछाई जायेंगी:
- (ख) क्या मध्य प्रदेश के सागर और जवलपुर डिवीजनों में महोबा से करेली तक रेल लाइन विछाने का प्रस्तान है :
- (ग) यदि नहीं, तो इन डिवीजनों के पिछड़िपन को दूर . करने और व्यापार के संबर्धन हेत्र उनत रेल लाइन कद विछाई जायेगी तथा क्या इस सम्बन्ध में सर्वेक्षण किया गया है :
- (घ) क्या इस प्रस्तावित रेल लाइन में महोवा, जवलपुर, मबगांब, टीकमगढ, खरगापुर, मल्हरा हीरापुर, भाहबढ़, वण्डा प्रकरोनियां, ढाना--मिलेट्री कॅप, सरखी, गोरझामर,,देवरी, छिवली रसना, डोमी, तेंदू खेड़ाई वरमान और करेली को सम्मिलत किया गया है; और 🤃 (ङ) क्या इस नई रेल लाइन को विकाने से सागर डिवीजन में डाक्यों

का आतंक कम होगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) (क) देश के पिछड़े इलाकों से रेलवे लाइनो के निर्माण की एक नया नीति सरकार को विचाराधीन है। इसपर स्रीतिम निर्णय होने पर पालियामेंट में नीति की धोषणा कर दी जायेगी।

(ख) से (ङ). महोदा से करेली तक लाइन के निर्माण का कोई प्रस्ताव इस समय विचाराधीय नहीं है । संसाधनो की स्थिति में ठोस सुधार होने पर देश के पिछड़े इलाको में नयी लाइनों के निर्माण के प्रक्तपर विचारकिया जायेगा।

Amount spent by ONGC on Explora, tion in Iraq

SHRI M. RAM GOPAL 7278REDDY: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS FERTILIZERS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that huge amount has been spent by O.N.G.C. on exploration in Iraq without any success; and
- (b) if so, loss incurred on this account?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI-ZERS (SHRI JANESHWAR MISH RA) (a) and (b) The ONGC had signed a contract in August 1973 with the Iraq National Oil Company for exploration and exploitation of oil On the basis of the results of the geophysical surveys the ONGC drilled one well where oil was dis covered but the rate of flow of oil was not sufficient to declare it a commercial discovery in terms of the provisions of the contract. The total expenditure incurred on this venture till March 1977 was approximately Rs 968 crores including Rs 1.29

# Proposal to set up Petro Chemical Plants durior 1978-79

crores as depreciation

7279 SHRI M RAM GOPAL REDDY

SHRI AHMED M PATEL
Will the Minister of PETROLEUM

- CHFMICALS AND FERTILIZERS
  be pleased to state
  (a) whether there is a proposal to
  set up Petro chemical plants during
- 1978 79, and
  (b) if so location of these plants?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI ZERS (SHRI JANESHWAR MISH RA) (a) and (b) In addition to the continuing programmes of the Indian Petrochemicals Compension. Int. (IPCL) and the Bondaugaon Refinery & Petrochemicals Ltd (BRPL). Investment approval has recently been issued for setting up of the following new plants by the IPCL, work on which is expected to commence in 1978 79

- (1) A plant for the manufacture of 55 000 tonnes/annum of PVC (2) A plant for the manufacture of 10 000 tonnes/ annum of Aerylates
- (3) Expansion of the capacity of the existing DMT plant from

24 006 tonnes/annum to 30 000 tonnes/annum.

No decision has been taken to set up any other petrochemical project in the public sector during 1978-79

#### Railway lines in Punjab

7280 DR BALDEV PRAKASH Wilt the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether any new Railway lines are to be spread in Punjab in 1978 79 and
  - (b) if so the details thereof?

STATE IN THE MINISTER OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) No new railway line will be under construction in the Punjab during 1978 79 Survey for a new railway line from Rajpura to Chandigarh is however, in hand Gauge conver sion of Suratgarh Bhatinda metre gauge line into BG, a portion of which falls in the State of Punish is also in progress and is expected to be completed shortly

#### Speed of Kalinga Express

7281 SHRI BAIRAGI JENA Will the Minister of RAILWAYS be pleas ed to state

- (a) what is the average speed of superfast express train
- (b) whether Kalinga Super fast express is maintaining its speed, and (c) if not why?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF RAILWAYS (SIRH) SHED NARAIN) (a) to (c) The average speed of some of the fag express trans ranges between 49 KMPH and 75 KMPH. The average speed of 143/14 Kalinga (Express is 51/49 KMPH Speeding up of 143/14 Kalinga Express will be reviewed at the time of next revision of time table

कटिहार श्रीर गौशाला के बीच उपरिपुल

7282. श्री युवराज : व्या रेल मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि :

- (क) क्या यह किट्हार गीलाला और आर० बी० एच० एम० जूट मिस्स के बीच यार्ड के रेल फाटक पर तकड़ी का उपस्पित के होते के कारण सलभग 5 ह्वार व्यक्तियों को आगे-आने में किटगाड़यां होती हैं;
- (छ) क्या मंडलीय अबीक्षक श्री सरकार स्वयं व्यक्तियत रूप से मीके कर गये है: स्रोर

(ग) यदि हां, तो रेल फाटक पर उपरि-पुल का निर्माण कश्च किया जाग्रेग और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री तिव नारायण ): (क) रहेजन के मिल्हारीयाट दिशा की श्रीर के नरें स्वान के सत्यार का जनता उपयोग कर तकती है। इस सम्पार के उपयोग करने में कुछ प्रधिक रास्ता तरना पड़ता है जिसके कारण योजी प्रमुखिता होती है।

- (ख) जी हां, फरवरी, 1978 में ।
- (ग) समयार के पुराने स्थल पर रेलव लाइन के लगर एक कारी पंदल पुना की व्यवस्था करने के प्रका पर बहु नंतानय सिन्ध रूप से जिवार कर रहा है और जब प्रतिसम निर्णय निया जायेगा, इस कम्बन्ध में पूर्वोत्तर रेलवे को करपक्त धनदेश है दिए जायेंगे।

Shortage of Railway Wagons

7283. SHRI PRASANNBHAI MEHTA:

SHRI R. V. SWAMMATHAN:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state;

(a) whether it is a fact that shortage of reliwar wagons is the main cause of shortage of coal to the steel units in the country;

(b) if so, how for this is true;

- (c) the total number of wagons provided by the Government for transporting the coal to the steel plants during 1977 and up to March, 1978;
- (d) whether in view of the serious crisis to the steel plants the Railways have decided to provide more wagons to these plants for transporting coal to them; and
- (e) if so, to what extent the wagons will be provided?

THE MINISTER OF STATE IN THE MUNISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) No.

- (b) Does not arise.
- (c) During 1977, 1594 wagons daily were loaded with coal from Bengal-Bihar fields for Steel Plants. During 1978, 1636 wagons (Provisional Figures) of coal were loaded daily upto end of March 1978.
- (d) and (e). Movement of coal to Steel Plants already receives a very high priority in allotment of wagons for coal loading. The coal stocks held by the Steel Plants at the end of March, 1978 was approximately 4.5 lakh metric tonnes representing more than 10 days' consumption.

Resolutions passed by States regarding abolition of Legislative Councils

7284. SHRI PRASANNBHAI MEHTA; Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that some of the States had passed resolutions regarding abolition of the Legislative Councils in the States;
  - (b) if so, the names of the States;
- (c) whether no action has been taken on these resolutions by the
- (d) whether all these resolutions adopted by respective legislatures of the States have larged:

Centre;

(e) if so whether some of the States have referred the matter to the Law Mustry for clarification and

207

(f) if so the reaction of Govern ment thereto?

THE MINISTER OF LAW JUS TICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI EHUSHAN) Yes Sir

(b) and (c) The Legislative Council of the State of Punjah was abolished by the Punjah Legislative Council (Abolition) Act 1969 pursuance of a resolution passed by the Legislative Assembly of the State of Punjab The West Bengal Legislative Council was abolished by the West Bengal Legislative Council (Abolition) Act 1969 pursuance of a resolution passed by the West Bengal Legislative Assemb

At its sitting held on 3rd April 1970 the Legislative Assembly of Bihar adopted a resolution that the Legislative Council of the State be abolished On December 4 1970 that Assembly passed another resolu tion that the resolution for the aboli tion of the Bihar Legislative Council passed on 3rd April 1970 may not be implemented before 7th May 1974 In view thereof no action was taken on the resolution

There were newspaper reports and some communications in May 1970 to the effect that a resolution had been adopted by the Legislative Assembly of Uttar Pradesh recom mending the abolition of the Legisla tive Council of that State No mis mation was however received in this Ministry either from the Secreta riat of the Uttar Pradesh Legis'ative Assembly or from the Government of Uttar Pradesh about such a resolu tion having been passed by the State Legislative Assembly In the circum stances, no action was taken by this Ministry in the matter

(d) Subject to what is stated about Bihar and Uttar Pradesh against part (e) there is no resolu

tion adopted by the Legislative Assembly of a State for the abolition of the Legislative Council of that State pending consideration

- (e) No Sir
- (f) Does not arise

Decision to set up a new Fertilizer Plant at Sindri

7285 SHRI PRASANNBHAT MEHTA

SHRIR V SWAMINATHAN

Will the Minister of PETROLEUM CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) whether it is a fact tat Union Government have taken the decision for setting up of a new fertilizer plant at Sindri in place of the existing one
- (b) if so the main reasons for the same
- (c) whether the new fertiliser plant will be equipped fully with modren
- techniques and know how (d) the cost of expenditure involv ed and tume the plant to start pro
  - (e) the details of the same?

duction and

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILI ZERS (SHRI JANESHWAR MISH RA) (a) to (e) Yes Sir The exist ing plant at Sindri which is based on coke and coke oven gas as feedstock and on technology which is now obsolete has outlived its useful availability and thereby overcome the principal limitation to produc tion at the existing plant a scheme of modernisat on is being implemented there This project envisages the setting up of a 900 tonnes per day ammonia plant based on partial exidation of fuel oil Six hundred tonnes per day of ammonia from this plant will be used in the manu facture of 1000 tonnes per day of urea in a new plant and the balance of ammonia will be used in the exist ing facilities for the production of ammonium sulphate

The present estimated cost of the Sindri Modernisation project is Rs. 152.04 crores. The project which was originally expected to be mechanically completed by November 1977 is now expected to be completed in May 1978. The Modernisation scheme will not only maintain the supply of ammonia for the manufacture of ammonium sulphate in the existing facilities but will result in an additional tertilizer.

# of nitrogen in the form of urea. भेरठ में उच्च न्यायासय की बेंच स्थापित करने का प्रस्ताव

capacity of 129,000 tonnes per annum

7286 श्री कैलाश प्रकाश : बया विद्यि, स्थाप श्रीर कन्यनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंने कि : (क) क्या उत्तर प्रदेश की बर्तमान

सरकार ने मेरठ में उच्च न्यायालय की वैच खोलने की सिफारिश की है; और यदि हां, तो यह सिफारिश कब प्रास्त हुई; और

(ख) भया बार एसीस्थिशन, मेरठ से भी उन्हें कोई संकल्प प्राप्त हुआ है जिसमें भेरठ में उच्च न्यायालय की वैच बोलने की मांग की गई है और यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की। पड़े हैं?

(ख) की हां। राज्य सरकार से यह अनुरोध जिला गया है कि वह इस वितय में इलाहाबाद उच्च त्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति के विचार जान कर सूचित करे।

#### Issue of Licences to Foreign Drug Firms

7287. SHRI JYOTIRMOY BOSU:
Will the Minister of PETROLEUM,
CHEMICALS AND FERTILIZERS
be pleased to refer to the reply
given to Unstarred Question No.
2832 dated 14th March, 1978 regarding nationalisation of foreign drug
fitns and state:

(a) whether many foreign drug firms have been given licences and letters of intent to produce various types of drugs since the submission of the Hathi Committee Report;

(b) if so, names of the firms who have been given licences/letters of intent to-date since the submission of the Hathi Committee Report;

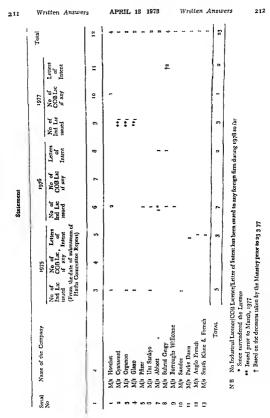
(c) types of licences given to each firm; and

(d) the reasons why so much time is being taken to finalise Government's decisions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISH-RA): (a) to (c). Thirteen foreign drug manufacturing companies (having direct foreign equity exceeding 40 per cent) have been granted 33 Industrial Licences/COB Lecences/Letters of Intent for the manufacture of drugs and pharmaceuticals since the submission of the Hathl Committee Report to date.

A statement furnishing the requisite information is attached.

(d) A statement containing Government's decisions on the Report of the (Hathi) Committee on Drugs and Pharmaceuticals has been laid on the Table of the House on the 29th March, 1978.



#### Use of Saloon

7288. SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether Government propose to abolish the use of Saloons, luxury cars and A.C.C. by high railway officials and VIPs to effect economy and austerity in the country; and
  - (b) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). Instructions have been issued only to use the Inspection Carriages which are generally referred to as saloons, for functional purposes and to places where suitable accommodation is not available. It has been decided not to manufacture inspection carriages on additional account, Therefore, the existing numbers will not increase any further, but may gradually come down when some old unserviceable stock are condemned without replacement.

> Minimum cancellation fee per person

#### Refund of Fare for Unused Tickets

7289 SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether any refund of fare is allowed to passengers and students with escorts who miss the train for any reason on return of unused tickets after the departure of the train;
  - (b) if so, to what extent: and
  - (c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). Yes, the Station Masters are authorised to grant refund on unused tickets surrendered for cancellation within 3 hours after the departure of the train in the case of unreserved/wait-listed passengers and 12 hours after the departure of the train in the case of reserved passengers. A clerkage charge of 50 naise ner ticket is levied on unreserved tickets. In the case of reserved passengers, a cancellation fee of 30 per cent of the fare subject to the following minimum and maximum as levied:--

Maximum cancellation fee per person

| A.G. Class | Ist Class/<br>2-tier A.C./<br>A.G. Chair Car | and Class | A. C. Class | Ist Class/<br>2-tier A.C./<br>A.C. Chair Car | and Class |
|------------|--|-----------|-------------|--|-----------|
| Rs.        | Rs.  | Rs.       | Rs.         | Rs.  | Rs.       |
| 36         | 18   |           | 72          | 36   | 18        |

(c) Does not arise.

pleased to state:

Posts of Extension/Health Educators

7290 DR. BIJOY MONDAL; Will the Minister of RAILWAYS be

(a) is it a fact that the vacant posts of Extension/Health educators are filled by Matriculate Health Inspectors ignoring qualified and experienced Field workers of the same branch; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b) 50 per cent of the vacancies of Extension Educators are filled by promotion of Health Inspectors with 10 years serv ce and from among other serving employees between 30 to 48 years who nave direct association with the railways family planning programme for a period of 5 years continuously The posts are filled by selection. The remaining vacanicies are filled by direct recruitment through the Railway Service Com

215

mission

Facilities provided to Members of Board of Directors and Officers of

7291 SHRI C K. JAFFER SHARIEF Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

- (a) the item wise details of facilities provided by the Fertilizer Corporation of India to the members of its Board of D rectors and its top efficers during each of the last 3 years and the expenditure incurred on each of the items and
- (b) the steps have been taken to economise on their perquisites and the date from which such steps have been taken?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHIT) JANESKWAR MASS. RA) (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table at the House

Members of Superior Judicial Service of States Appointed as Judges

7292 SHRI D B CHANDRE GOW DA Will the Minister of LAW JUS TICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

(a) how many persons who were members of Superior Judic al Service of State were appointed as Judges of the High Court of another State after the (Fifteenth) Amendment to the Constitution of India

- (b) whether the Law Commission in its Fourteenth report has made any recommendations about such appoint ments and
- (c) what is the number of persons so appointed the service to which they belonged and the High Courts to which the appointments were made?

THE MINISTER OF LAW JUS
TICE AND COMPANY AFFAIRS
(SHRI SHANTI BHUSHAN) (a)
and (c) The information regarding
the number of Members of Superior
Judicial Service of one State sp
pointed as Judges of the High Court
of another State after the Fifteenth
Amendment to the Contribution of
India the service to which they belonged, and the High Courts to
the appointment; were made is being
collected and will be laid on the
Table of the House

- (b) In its 14th Report the Law Commission observed as follows -
  - 59 Further the whole country must be treated as a single unit for the purpose of selection as it is vitally important that the best available talent which the country is eapable of providing be mobil lired for the task of meeting a situation which has undoubtedly assum caregrame as to emergency If suitable persons of the necessary ment and character are in the opin ion of the appointing authority not ava lable in the State the authority should not hesitate to draw upon per sons available in other States Selec tions from the Bar must necessarily be of persons of outstanding merit commanding a large practice who may well be willing to make a pecumiary sacrifice and render public service by accepting these judgeships An effort should be made to persuade suitable senior practitioners to accept these judge-

ships at least for a short period as a public duty. Their position at the Bar must be of such eminence that it could not be suggested that acceptance by them of judgeships was likely to increase their earnings on their reverting to the Bar.

217

60. We envisage that in some States persons of the required standing and competence may not be available and the State Chief Justice may not have information set to the talent available elsewhere in the country. Our further progosal, therefore, is for the creation of an ad hoe body presided over by the Chief Justice of India to draw up a panel of names of suitable persons both from the Bar and the Service in each State.

We have already stated that in appointing these additional judges due regard will have to be had to the availability of suitable persons both from the Bar and the services. It may be that the senior members of the Bar may not be willing to accept a position which would involve a considerable sacrifice on their part. It may further happen that one may not find suitable persons at the next lower levels of the Bar. In such cases, suitable talent will have to be looked for in the services. In short, both these sources of recruitment should be treated as one field of selection with an eye solely to appointing the fittest men available from the entire field. During our tour of the country we have observed that the judicial services in certain States do not yet possess men of the calibre needed to make competent High Court Judges. In some States, even Bar suffers from want of the necessary talent. It is in view of these deficiencies that we recommend that the country as a whole be treated as one single field of selection."

सिन्बेटिक एण्ड कॅमिकस लिमिटेड, बरेली को अल्कोहस की सप्लाई

7293 श्री सुरेन्द्र विक्रम : स्वा पेट्रो-लियम तथा रमाधन और उँवरक मंत्री यह बनाने की कृषा करेगे कि :

(क) नैमर्ज मिन्येटिक एष्ड कैमिक्स सिम्टिंड, बरेसी को उनके मंतासय द्वारा प्रति माह कितनी मोवा में प्रत्कोहन दिया जाता है: श्रीर

(ख) नित्येटिक एण्ड कीमकल निसिटेड, बरेनी द्वारा बनारं गये सित्येटिक एवंड के नूक्षी को नियंतित न करके तथा एवंड के मन्त्रामें दामों पर वेचने की झरमनि दें। के क्या करण है।

पेट्रोतिजय तथा रातामा श्रीर उर्घरक मंत्रास्त्र में राज्य मंत्री (श्री क्लेस्सर मिश्र ): (त) देहीसिया- राज्य करीर उर्देश्य मंत्राः स्वय में से प्रिन्येटिक एच्छ केमिकला लिसिटेड, बंग्सी केमें पूर्वक प्रकृत संध्योतिक संबंदीं की एक्केंद्रल प्रस्वायां प्रन्य मंत्री का झार्यहरू मन्द्री करता ।

(य) वर्षोक एन० वी० प्रार० का उपयोग करने वाले उत्पादों पर मूल्य निसंबण नहीं था चीर केवल एन० बी० प्रार० का उत्पादन करने के लिए केवल नाल कव्या माल प्रवाद करने के लिए केवल नाल कव्या माल प्रवाद प्रकाशक मुख्य नियंवण के प्रनायेत या जो एम० बी० प्रार० के जरपादन की कुल लागक का जयमण 15 से 20 प्रतिकात या जता यो पर्य प्रविचित्त कर्छ (एस० बी० धार०) पर से मूल्य नियंवण हुटाने का निव्यय फिया गया था । क्योंकि प्रकृतिक रच्छ और एस० वी० धार० के मूल्यों के जीव बहुत विपन्तवा भी प्रतः ऐसा दिवार किया गया थि मृत्य उपयुक्त दर पर बन.ए पर्यने के लिए बाजार स्वयं ही

मैनसे सिन्येटिक एण्ड केमिकस्त द्वारा विभिन्न ग्रेड के सिन्येटिक रचड़ के लिए बन्नूस किया क्या मून्य टैरिक झायोग द्वारा अनु-मोदित मई, 1975 के मृत्य से कम है ।

7294 श्री धर्मसिहमाई पटेल : बबारिस नदी यह बाते हो इस करेंग्रे €Ŧ

- (क) क्या सरकार का गुजरात में श्वकाट जिले ने उपलेटा निटी से सामनाय मल के प्रहमशबाद मान्ताहिक गाडो के मेन न होते ने बारे में शिकायतें मिली है थीर विद्यातालय ग्रीर उनस्थिति वराहै .
- (स) जन पर मरतार द्वारा नवा कार्य-बाहो भी है भ्रमवा ति । जाने का विवास है,
- (ग) इन दानो गाडिया दे सीच एक बारे का प्रतार रखने क लिये सरकार न का कार्यवादी की है लागि सामनाय मन वह प्रतमदाबाद साम्पाहिक गाडी में प्रतिदिन नियमित रूप से मिला हा नहे. भीर
- (च) मामनाय मात के साथ पहणशाबाद प्रतिदिन चलते वाली भाष्ताहिक गाडी का निवीमत का समेल कराने के निष् नरकार का विवाद क्या गार्थवाही करने का है तारि सोमनाय मेल गाडी के यात्रिया का मुविधा विते ?

रेल मत्रालय में राज्य मत्री (श्री शिव नारायण ) (च) जीहा। महमदाबाद में 23 मा वेरावल-महमदाबाद सामनाय मेल भीर 133 श्रम भहनदाबाद-इ बढा एत्याम ने बीच मेल लो ने लिए एक घट दे मन्तरालका व्यवस्था नरने ने निर्ध्र नक्षाव प्राप्त हथा है।

(य) से (घ) सम्ब सारवी के प्रनुसार इस समय 23 द्रप सामनाम मैल 6 25 बजे महमदाबाद पहचनो है भौर 133 ग्रंप सहमदाबार--हन्बडा एनसबेत बह-मदाबाद से 6 40 वर्जे रवा गा हानी है, इस प्रवार मेल सी वे लिए 15 मिनट का समय रहता है। मेल लेने थे समय ने अन्तर में वृद्धि ने लिए सहमदावाद में 23 सप मामनाय मेल की राम्य मूर्वी का घल्दी करने वे परिचाम स्बन्ध प्रापुर, जेनपमर, विजाहिया द्वासा श्रीवदाता पर इस गाडी ने गुष्ट महत्वर्षे मन समाप्तहा जावेंगे । महमदा-बाद म्डेजन पर प्लेटफार्म सम्बन्धा शक्तिनाइय। ने बारण भी इस समय शहमदाबाद से 133 रेश एवमबेस का और बाद में चलाना परिवासिन देखि में व्यावहारिक मही 1 5

# धोराजी के रेत कर्मवारियों के लिए बवार्टर

7295 श्री धर्मासहमाई पटेंस : क्य रेल नकी यह दताने की कृपा करेंगें fr ·

- (क) मूजरात में भाराष्ट्र क्षेत्र के दिला र जनोट में <u>गोर जो के रेल</u> कर्म बारियों के तिए वितते वेबाटेर हैं और उसी, से जिला बनाईरों में क्या से बिकली भी है भीर उसके क्या नारण है,
- (ध) वया छन ववाहंसा म पहले विजली भी और यदि हा, तो निसंग्रवधि ने निए थी भीर पद ब्हा पर विजयो क्यों नहीं है. चोर
  - (य) इत क्वटरी में विजली बंद तक सगाई जायगो र

रेल महालय में राज्य मंत्री (थी शिव नास्तयस ) (क) गुजरत राज्य के भीराष्ट्र क्षेत्र म राजकोट जिने के घोराजी रेववें स्टेशन परटाइप । के 20 और टाइप--🛛 वे 📭 नवार्टर हैं। इन सभी नवार्टरा में विक्ली लगी हुई है। विजनी ने बिना बोर्ड वेबार्टर नहीं है।

(ष) भौर (ग) प्रवन नहीं उठता।

# of ONGC

7296, SHRI FAQUIR ALI ANSARI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that some persons had been chargesheeted in Ahmedabad for involvement in the theft of crude oil from the pipelines of Oil and Natural Gas Commission;
- (b) whether it is also a fact that this stolen oil was being sold to some mills;
- (c) steps taken to ensure safeguards against future thefts from the pipelines of ONGC: and
- (d) the names of those mills who used to purchase this stolen oil and the action taken against them?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) to (d). There had been a case of theft of crude oil from a Well of Mehsana Project which was detected by police authorities. Six persons were arrested including one driver of ONGC Mehsana presently under suspension and chargesheeted in the court of Judicial Magistrate First Class, Kadi.

It was alleged that stolen crude was sold to two rice mills, namely, Patel Rice Mill and Bhavani Rice Mill of Bawala. The case against the six accused persons for the theft of crade oil is presently pending in the court. The question of taking action against the two mills who are alleged to have purchased this stolen crude oil would depend upon the outcome of the cases pending in the court. Intensive patrolling is being done to guard against such thefts in future.

#### Recognition of Trade Union in C.L.W

7297. SHRI ROBIN SEN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to

- (a) whether it is a policy decision of the Railway authorities not to recognise Trade Union in C.L.W .:
- (b) whether it is a fact that C.L.W. Employees have been pressing for recognition of Union for the last twenty
- (c) whether the present Government are thinking to recognise the Union at C.L.W.:
  - (d) if so, when; and
  - (e) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) to (e). Government did not consider it necessary to have any unions recognized in the Production Units on Indian Railways including C.L.W., as the grievances of staff of these organizations are taken up by the elected Staff Councils functioning in these Administrations, unlike the Zonal Railways, where there are no staff councils.

Following a Tripartite Labour Conference held in May 1977, a Tripartite Committee was set up by the Labour Ministry to make recommendations inter alia regarding norms for recogni. tion of Unions. Government is considering their report and the question of recognition of unions in the Production Units including C.L.W. would be examined on merits in the light of the decision that may be taken by the Government on the report of the Committee.

#### Drilling in Kutch District

7298. SHRI ANANT DAVE: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMI-CALS AND FERTILIZERS be pleased

(a) whether it was decided to start drilling work for oil after August, 1977 in Kutch district;

(b) if so, whether any work of drilling has been started and

(c) if so the result thereof?

223

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) (a) No Sir

(b) and (c) Do not arise

#### Gandhidham-Lakhpat Railway Line

7299 SHRI ANANT DAVE Will the Minister of RAILWAYS be pleased lo state

(a) whether the new Railway line from Gandhidham to Lakboat is under consideration, and

(b) whether Government propose to give priority to this new Railway line as this line is in backward district and crores of rupees of minerals have been found out after commerc at sur vey and it is in border area?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) and (b) The question of gauge conversion of the existing metre gauge line between Gandhidham and Bhus and construction of a broad gauge line from Gandhidham to Lakhpat via Mandyi were examined during the course of surveys carried out in 1971-72. The projects were not found to be viable on account of very limited prospects of traffic and were not therefore taken up. It will be possible to consider this project afresh when there is substantial im provement in the availability of resources

#### Conversion of B. G. line between Gan dhidham and Bhui

7300 SHRI ANANT DAVE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether the work of converting metre gauge line from Gandhidlam to Bhuj into broad gauge line is under consideration as Kutch District is quite backward district and Government have accented in principle that back ward District would get priority, and

(b) if so the present progress of work and time by which it was to be completed in accordance with the plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHR) SHEO NARAIN) (a) and (b) A sur ver was carried out for the conversion of Gandhidham-Bhui metre gauge line into broad gauge in 1971-72 The project was not found to be viable on account of very limited prospects of traffic and was not therefore, taken up It will be possible to consider this project afresh when there is substantial improvement in the availability of resources

# पुराने द्यधिनियमो के स्थान बर नये

73.01 डा॰ लक्ष्मीनारायण पाडेय र नया निधि, स्प य और कम्पनी कार्य मंत्री यह व ताने की कपा बच्चा हि.

- (४) क्या यह सच हैं कि इस समय धनेन ऐसे प्रधिनियम लागू हैं जा 50 से 60 वर्षे पूर्व द्याय गय ये घोर ग्राज व सदर्भ म उन्हें परी तरह संशाधित र रनकी जनरत है तथा अनवे स्थान पर नये क्रियनियम नाये जाने चाहियें.
- (ख) बदि हा, तो उन अधिनियमा ने नाम क्या है, ग्रीर
- (म) क्या सरकार ना विचार उन अधिनियमो का बाधनिकी करण अथवा उनमे संबोधन करने का है ताकि वे ग्राप की सामा जिक् परिस्थितिया वे धनकल हा ?

विधि, स्याय और कम्पनी कार्य मन्नी (থী शान्ति মৃত্য ) (ৰ) में (म) कुछ ऐसे अधिनियमा म जो 50

से 80 वर्ष पहले कानून वने थे, संबोधन की भीर कुछ मामलों में उनके स्थान पर नेए प्रधिनियम बनाने की आवश्यकता है।

ऐसे सभी श्रीविन्तमों के व्यापक पुन-वितोक्तन का प्रवाद पढ़ी किया पता है कित्तु व्यवद-धन्ता श्रीवित्तमां के सम्बन्धनाव पत्त संशोधित किया जा रहा है सा उनके स्थान पर तथ् श्रीवित्यम बनाए जा रहे हैं। यह कार्य प्रशासिक संहासभा से प्राप्त मुखाबों के बाधार पर या किसी श्रीय-मित्रम को लागू करने में चतुषय की गर्दे आवश्राधिक केटिनाइमों के बाधार पर बचना निधि बाधोंन को शिलादियों के साधार पर क्या जाता है। प्रश्चनित क्रिशित्यमों को भी समय-समय पर निरस्त अधिनित्यमों को भी समय-समय पर निरस्त अधिनित्यमों को प्रारक्तित किया जा रहा

# रेलवे में प्रशिक्ष

7302. डॉ॰ सहमी नारायण पांडेय: स्था रेल मंत्री यह बताने को कृषा करेंगे कि:

(क्ष) क्या यह सच है कि विभिन्न रेसवें डिजिननों में प्रशिक्ष्मों के रूप में निवृत्त किये गये व्यक्तियों को रेसवें खर्च पर प्रतिसम दिया जाता है;

(छ) क्या यह भी सच है कि रेसवे के खर्च पर दिये गये प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए ऐसे लोगों को नियुक्ति के मामले में प्राविमकता दो जाती चाहिए; और

(म) यदि हां, तो पश्चिम रेसवे के रसलाम डिवीजन में ऐसे तीमों की संख्या क्या है जिन्हें ऐसा प्रशिक्षण दिया गया वा परन्तु जिन्हें नियुनित नहीं दी गई ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रो शिव नारायण ): (क) की हो, प्रशिवन प्रधिनियम, 1961 के ग्रधान।

- (क) प्रजिल्ह प्राथिनियम के अधीन प्रशिक्षण की प्रशिक्षण केने की साध्यता है ताकि वेल के धारोगों के लिए कुमार जनवित्त की व्यवस्था की जा सके। वेकिन प्रशिक्षण देने बाले संगठन का नौकरी की व्यवस्था प्रत्येत काड़ी दोगायन सहिंद। देनों हारा मौकरी प्रदान करने की समक्षा सीमित है, बीर यह चिक्तियाँ व दूसरों के रावों पर भी निर्भट करती है।
- (स) रतनाम मंडन में 127 प्रशिक्षु हैं लेकिन वे अभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे

बीस उर्वरक संयंत्रों के प्रयन्ध की जांच करने के लिए विशेष समिति

7303 डा॰ लक्ष्मी नारायण पांडेय : बया फेट्रोलियन, रसायन श्रीर उर्वरक मेला यह बताने की कृप करेंग कि :

(क) यदि हां, तो क्या यह भी सब है कि सभी बीस संयंत्रों को एक निगम के ब्राधीन जावा गया था: जीर

(ग) क्या च्यरियत भाग (ख) में इन्दिरियत तिकारिक को सरकार ने क्रिया-न्वित किया था ; औरयदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

येट्रोसियम तथा रसायन और उवेरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जिनेश्वर मिळा): (क्री स (ग्री): वर्ष 1967 में दो सरकारी उपत्रमें, अर्थात् फटिलाइवर कारपोरेवन आफ इंडिया और फटिलाइवर

एण्ड कैमिनत्स ट्रावनकोर लि० ने सगठनात्मन ढाचे का भ्रष्ट्ययन वरने के सिए एक भ्रष्ट्ययन दल नियुक्त निया गया या, पेट्रोलियम घौर रसायन मत्रालय के तत्कालीन सम्बद्ध सचिव थी एम॰ रामाकृष्णैया इस दल वे सयोजन थे। सन्ययन दल ने प्राय बातो के साथ साध यह भी मुझाव दिया या कि सरकारी क्षेत्र मे एक ही उर्वरक निगम होना चाहिए। सरतार ने इस सिफारिंग को स्त्रीकार नही किया क्योंकि इसमे निर्णायक प्रविकार एकी कृत हो जाते थे जो समझ नी नाम-कृशालता के हित में नहीं होते ।

समस्तीपुर-दरमणा साइन का बदला जाना

7304 थी सुरेन्द्र झासुमन क्या रेन मनी मह बताने की दुपा करेंगे वि

- (क) क्या समस्तीपुर-दरमगा मीटर गेज लाइन की वडी लाइन में बदलने वे सम्बन्ध में सर्वेक्षण रायं पूरा वर लिया गया B .
- (ख) वियेगये सर्वेक्षण कार्यकेतस्य वया है, और
- (ग) इसको बदलने ना नाम कब सक परा हो जायेगा?

रेल मत्राचय में राज्य मत्री (श्री शिव नारायण) (क) से (म) . समस्तीपर और दरभगा के बीच मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए ग्रन्तिम मार्ग निर्धारण इजीदियरी सर्वेक्षण एव माताबात पुरेमृत्याकन का काम प्रश हो चुना है। पुनमूल्याकन के प्रमुक्तर इस परियोजना पर 8 73 मरोड रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह एक अनुमोदित परि-योजना है जिसे 1974-75 के बरुट म शामिल वरली गई थी। सप्ताधनो नी भारी तगी ने नारण वर्तमान वित्तीय वर्ष मे इसके लिए केवल 1,000 रुपये की मानेतिक

Written Answers व्यवस्या की गई है। इस परियोजना के [निर्माण की बार्यत्रम सूची बनना धन की सलमतापर निर्भर गरेगा।

Recruitment of 10 000 Additional Staff

7305 SHRI SAMAR MUKHERJEE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether recruitment of 10 000 additional staff for implementation of RLT Award as announced on 19th December, 1977 has been completed,
- (b) if so has the Award been implemented and
  - (c) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (e) Recruitment of these 10 000 posts belonging to various class III and class IV categories will take some time as the process involves recruitment and training of staff Railways are making all efforts to complete the work as early as possible The accepted recommendations of the Railway Labour Tribunal 1969 on Hours of Employment Regulations are in the process of implementation Since these recommendations take effect from 1874 the time taken in implementing them will not so against the existing staff who are getting overtime wherever due

# Violation of Rules in regard to Employment

7306 SHRI SAMAR MUKHERJEE Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

- (a) whether Government have received any complaint about violation of the rules in force in the matter of employment retrenchment artificial breaks grant of temporary status ab. sorption in permanent departments
- (b) if so their numbers zone-wise, bas

(c) what steps the Government propose to take for disposal of these complaints?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RALLWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Some complaints in this regard have been received from time to time.

(b) Statistical information in this regard is not being maintained.

(c) These are looked into and remedial action taken wherever warranded. Instructions have been issued to the Railway Administrations to avoid artificial breaks and to gear up the personnel department to ensure proper radressal of grievances.

#### 1974 Strike

7307. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Government are aware that some employees of South Eastern Railway who were removed from service for participation in May, 1974 strike have not been taken back to duty as yet:

#### (b) if so, their number;

(c) whether Government had received any representation for their reinstatement; and

(d) what is the decision of the Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (d). Only two such persons remain out of service. They are undersoing life imprisonment and the question of their reinstatement does not arise.

#### Railway Concession to Blind Men

7308. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government have received a representation from Blind people of Pune (Maharashtra) dated 3rd December, 1977 suggesting a change of procedure in utilizing effectively and convenient. by the concession offered by Railways to Blind men;

(b) if so, what action have Government taken or propose to take; and

#### (c) the reasons for delay?

THE AINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (c). A representation was received from the Poona Bling Meris Association in Blay, 1977, and not in December, 1977, suggesting the issue of concession tickets to Bling persons on production of identity cards instead of the requisite medical certificate as prescribed under the extant rules. The request could not be agreed to and the Association was replied accordingly in May, 1977 itself.

Under the existing procedure for availing of the concession, Blind persons can have the concession tickets direct from the station conterned on production of a requisite medical cortificate, which is maintained as a record by the station staff for internal check and also forms an authority for the issue of a concession ticket. In view of this, if her not been considered possible to have the cancersion ticket issued on production of identity cares.

#### Proposals from MRTP Commission to amend MRTP Act, 1969

T309 SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to refer to reply given to Starred Question, No. 388 on. 21st, March, 1978 regarding turn over and profits of Industrial Houses and state:

 (a) whether the MRTP Commission submitted some proposals for suitable amendments of the MRTP Act, 1969 further expansion of the authority of the commission; and

APRIL 18, 1978

(b) if so, the nature of the proposals and the reaction of the Government thereto?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SIIRI SHANTI BHUSHAN) (a) and (b) Certain proposals have been made by the MRTP Commission They interalia include proposals for amendment of the MRTP Act to enable the Commission to exercise its powers of enquiry and investigation more effectively and in particular,-

(i) to enable the Commission to function when there is a vacancy/ absence of the Chairman.

(n) appointment of Director of Investigation and other members of staff.

(iii) to enable the Commission to have the same powers as a Civil Court under the Civil Procedure Code and the proceedings before the Commission be deemed to be judicial proceedings,

(iv) reference to the Commission of monopolistic trade practices in dulged in by one or more undertakings

(v) the power to the Commission to enquire into rejection of applica tions for industrial licence and

(vi) to empower the Commission to pass interim orders

These proposals are presently under consideration of the Export Committee headed by Justice Rajindar Sachar which is reviewing the provisions of the Companies Act. 1976 and the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 to as to simplify them and to make them more effec tive The Report of the said Committee is expected to be submitted to the Government by the 30th June, 1978 and thereafter the Government would consider it and formulate its views on the recommendations made by the Committee

राजनैतिक दलों घोर नेताधों को कम्पनियों टारा सबे

2310 ची हकम देव नारायण मारव : बया विधि, न्याय और रूम्पनी शार्य मती यत् बताते को क्या करेंगे कि.

(क) वर्ष 1970 से 1977 तन विन कप्तियों ने हिन राजनैतिर दलो तया नेताघो को प्यत-प्यक वितना-वितना चन्दा दिया . भीर

(ध) क्या चन्दा देना कानुनी दृष्टि से लिखत या?

विधि, न्याम और कम्पनी कार्य मही (धो शान्ति मूपन) (व) तथा (ख). कम्पनियो द्वारी सम्बन्धित भवधि के मध्य राजनैतिक दलो तथा राजनैतिक मेताधी को हिये गये चन्दों की बावत कम्पनी कार्य विभाग के पास कोई सूचना नहीं है। कम्पनी मधिनियम, 1956 की बारा 293 क की उपधारा (1), जो 28 मई, 1969 वे परिनियमित है, में, एक कम्पनी के लिए. किमी राजनैतिक इस प्रयवा विसी राजनैतिक उत्तय ने लिए चन्दे देने का निर्मेश है । मत बोई बम्पनी, उक्त घारा की उप-घारः (2) ने मन्तर्गत सपने साप पर मक्दमा पताये जाने का उत्तरदायि व वहन विये बिना, इस प्रकार वे चन्दे नहीं दे सरती ।

सपापि, 1-1-74 से 31-3-77 तक की धवधि के मध्य, बंदने धनेक सगठनो सकेत. राजनैतिक दलो द्वारा प्रकाशिका प्रकाशित की जाने वाली स्मारिकामी मे विज्ञापनी के लिए 1013 वस्पतियों में 10 13 करोड रुपये के सगभग धन राशि दी है। यह प्रश्न कि क्या इन मदायगिया में से किन्ही का कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 293 क के ग्रन्तगंत चन्दे देने का भास होता है की, जाच/परीक्षा, की जा रही है।

बस्तियारपुर-राजगिर बड़ो लाइन का विस्तार

7311-थी बीरेन्द्र प्रसाद : न्या रेल मंत्री यह बताने की कृषा करेंगे कि :

- (क) क्या बिस्तयारपुर-राजविर वड़ी लाइन का विहार में गया तक विस्तार करने के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है; श्रीर
- (ख) यदि हां, तो इस लाइन के विस्तार कार्य को पूरा करने के लिए कार्य कब आरम्भ किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (धी शिव नारायण): (क) धीर (ध). बिल्यागपुर-राफांगिर बड़ी लाइन को गया तक बढ़ाने के लिए मर्वकाल का काम पूरा होने बाला है। सर्वेक्षण का काम पूरा हो आमि के बाद और संताधनों को उपलब्धता के प्रमुखार इस लाइन के निर्माण के सम्बन्ध में बिनिक्षय किया जारिया

#### Proposal to appoint Representatives in the Boards of Management Multinational Drug Companies

- 7312. SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:
- (a) whether Government propose to appoint its representatives in the boards of management of multi-nationall drug companies operating in the country; and
- (b) if so, the details and objectives thereof and the steps being taken in this direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLLUIG. AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA):

(a) and (b). There is no such proposal at present. However, paras 15 and 19 of the Statement containing Gov-

ernment decisions on the (Hath) Committee on Drugs and Pharmagenticals Industry, a copy of which has been laid on the Table of the House on 29-3-1978, provide for acquiring, of disinvested shares of foreign companies by Government financial and public sector institutions, representation on the Boards of such companies would be decided in each case depending on such equity holding by Government financial and public sector institutions as may result.

#### Representation from Senior Stenographers

7313. SHRI ISHWAR CHAUDHRY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any representation dated 18th August, 1977 has been received by the Government from Senior Stenographers of Northern Railway against their revised grade of Rs. 425-799 (LS):

- (b) if so, what action has been taken to redress the legitimate grievances of Senior Stenographers;
- (c) whether it is a fact that prior, to revising of their grade, maximum of their grade, and that of Chief Clerks was the same i.e. Rs. 425 but whereas the maximum of the grade of Chief Clerks has been raised to Rs. 780/- in the revised scale of pay, rozximum of Stenographers have been fixed at lower level Rs. 780/- only; when both the posts of Chief Clerk and Senior Stenographer carry equal Importance and responsibility:
- (d) if so, why this discrimination in fixing the revised scale of both of these categories has been done; and
- (e) what steps Government propose to take in the matter to remove this disparity in pay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (e). Representations for improvement in pay scales have been received from

the category of Stenographers from time to time In accordance with the recommen-

235

dations of the Third Pay Commission,

the following scales of pay have been allotted to the category of Steno graphers and Chief Clerks on Railways

| Category          | Authorised scale          |                   | Revised Scale |                       |
|-------------------|---------------------------|-------------------|---------------|-----------------------|
|                   |                           | Rs                |               | Rs.                   |
| (i) Stenographers | . (ı) 210— <del>1</del> 2 | 5                 | 425-          | 100                   |
|                   | 30/50<br>30/50            | plus Spl. Pay Rs. |               | -                     |
| (u) Chuef Clerks  | · 335-425                 |                   | (i) 425-      | -700 (1/3rd of posts) |
|                   |                           |                   | (u) 550-      | 750] (2/3rd of posts  |
| It has not bee    | n found feasible          | to THE            | MINISTER      | OF STATE IN           |

make any deviation from the recommendation of the Third Pay Commis sion Since the scales of pay recommended by the Pay Commission have been implemented, it is not considered that this constitutes an anomaly

#### Payment of Wages to Parcel Potters at Allahahad

7314 SHRI BATESHWAR HEM-RAM Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 5709 on the 2nd August, 1977 regarding Payment of Wages to Parcel Porters at Allaha had and state

- (a) the specific month and year from which the Society started paying Parcel Porters @ Rs 350 per day.
  - (b) the total payments made to the Parcel Porters and Supervisory staff employed for performing Parcels handfing work at Allahabad Railway Station during the period July, 1975 to July, 1977 month-wise separately,
  - (c) whether these payments were made to the Parcel Porters in presen ce of the representative of the 'Principal Employer' as per provisions made under the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1979, and
    - (d) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN . THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) From August 1975 to June, 1976

- (b) Information is not available as the account books of the Society are stated to be under the Government Audit
- (c) and (d) Payments have been witnessed by the Rallway representa tive with effect from September, 1977 only Prior to this, a certificate that fair mage is being paid to the workers' furnished by the Society alongwith the monthly bills was accepted

# Licensed Porters at Allahabad

# 7315 SHRI GYANESHWAR PRASAD YADAV

CHELL N. K. CHELWALKAR

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 3625 on the 13th December, 1977 regarding Licensed Porters at Allahabad and state whether entire question of introducing the 'decasualisation scheme at Allahabad Raliway station, after taking all pros and cons of both the systems into consideration has been examined in the Ministry and what is the final putcome of their examination?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): The matter is still under consideration

#### Workmen Engaged for Parcel Hand. ling at Mughalsarai

7316. SHRI ISHWAR CHAIRDHRY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 3610 on the 13th December, 1977 regarding workmen engaged for parcel handling at Mughalsaral and state:

- (a) the total amount paid to workmen during the period November, 1975 to March, 1978 month-wise separately and whether the entire payment was made in presence of authorised representative of the principal employer:
- (b) the total amount paid to the Supervisory Staff during the abovementioned period month-wise separately: and
- (c) the details of payments made by the Eastern Railway against work done bills for the period November, 1975 to February, 1978 month-wise separately?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabba.

# Bareli to Sagar Railway Line

- 7317. SHRI HARI VISHNU KAMA-TH: Will the Minister of RAILWAYS pleased to state:
- (a) whether it is a fact that survey was undertaken some years ago for the construction of a railway line from Bareli (district Rairen, Madhya Pradesh) to Sagar (Madhya Pradesh):
  - (b) if so, the outcome thereof;
- (c) whether Government propose to include that project for implementation

in the near future particularly in view of the hackwardness of the tract; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a), No.

(b) and (c). Do not arise,

Sir

(d). There is extreme shortage of funds and the limited funds which are available are not sufficient even to meet the requirements of the projects already in hand.

# Idling of Wagons

7318, SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state-

- (a) whether it is a fact that large scale idling of wagons is in evidence in the delay caused in the carrying of whole cement, fertilisers and other goods both for public and private sectors and the situation has become critical enough to call for immediate action to normalise the position:
- (b) if so, furnish details regarding the reported idling of wagons; and

(c) details of action taken/proposed in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); (a) to (c). There have been cases of delay in loading and releases of wagons at loading and unloading points respectively, resulting in blocking of a number of wagons mainly in the Thermai Collieries, Steel Plants, Power stations, Fertilizer unloading points etc. The following steps have been initiated by the Ministry of Railways in coordination with the other concerned Ministries, to improve the situation:-

(i) Frequent meetings by the Director, Rail Movement, Calcutta, who controls the allotments of coal APRIL 18 1978

239

in Calcutta with the representatives or the Coal India Limited and the Steel Authority of India.

- (n) Setting up of a Task Force consisting of senior officers of Ministry of Railways Energy and Industry following the meeting of Ministers of Railways, Industry and Energy to review the position with regard to supply of coal to cement plants The Task Force is also reviewing the position regarding supply of coal to Power Houses
- (iii) Constitution Working of Group with representatives of the Department of Agriculture and Rail ways to review the loading of fer tilizers and the release of wagons at unloading points and to rationa lise movements to the maximum extent possible
- (iv) Periodical meetings with the representatives of the Department of Food for streamlining the movement of foodgrains

# मेरठ जिले में रेल लाइन

7319 थी द्याराम जास्त्र : स्वा रेल मती यह बताने नी हुपा नरेगे कि

- (क) क्या सरकार ने मेरठ जिले मे एक नई रेल लाइन बिछाने हेत् कोई सर्वेकण निया है, और यदि हा, तो तत्मवन्धी व्योख नया है, भीर
- (ख) इस रेल लाइन को विद्याने का कार्य सव तत पूरा कर लिया आयेगा और इस पर अनुमानत नितनी राशि खर्च होगी?

रेल मत्रालय मे राज्य मत्री (थी शिव नारायण ) : (ग). भौर (ख) भूतपूर्व शाहदरा-महारतपुर लाइट रेलवे जिसना कुछ भाग मेरठ जिले में पहता है, हारा सैनिव क्षेत्र मे बडी लाइन विछाने ने काम पर 22 53 वरोड रुपये खर्च होने वा धनुमान है। यह नाम चल रहा है और ग्राशा है नि वर्ष 1980 तन पूराहो जायेगा।

(1) मवाना ने रास्ते दौराला से हिस्तनापुर और (2) बडोत स स्परीली ने बीच बडी रेल लाइन विछाने के लिए प्रारम्भिक इजीनियरी इव यातायात सर्वेक्षण अभश 1963-64 और 1974-75 मे विये गये थे। रोविन, इन परि-बोजनाओं को अर्थक्षम नहीं पाया यमा । सद्याधनो पर भारी तमी और बहते से की गई भारी वचनबद्धता ने नारण इस समय इन रेल लाइनी ने निर्माण नानाम शुरु नेरना सम्भव मही है।

#### 12 00 hrs

#### PAPERS LAID ON THE TABLE

REVIEW ON THE WORKING AND ANNUAL REPORT OF PYRITES, PHOSPHATES AND CHEMICALS LIMITED FOR 1976-77

पैटोलियम तथा एसायन भीर उर्वरक मजालय में राज्य मंत्री (थी जनेश्वर मिथ ): ग्रध्यक्ष महोदय, में कम्पती ग्राधिनियम, 1956 की धारा 619म की एपधारा (1) के धनार्गत निम्नलिखित पत्रो (हिन्दी तथा समेजी सस्टरण) की एक-एक प्रति समा पटल पर रखता ह

- पाइराइट्स पास्पेटस एण्ड वैमी-बल्य लिमिटेड, हेरी भान-सोन, जिला रोहतास (बिहार) के वर्ष 1976-77 के कार्यकरण की सरकार द्वारा अमीकाः।
- (2) पाइराइटम, पास्फेटम एण्ड बैमी-बन्स निमिटेड, हेरी धान सोन, जिला रोहतास (बिहार) का वर्ष 1976-77 वा वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा-बरीक्षित लेखें तथा उन पर नियत्नक महालेखापरीक्षक की टिप्पणिया ।

[Placed in Library See No LT-2108/78]

Public Undertakings Report 242

NOTIFICATIONS UNDER REPRESENTATION OF THE PEOPLE ACT, 1950 AND COM-PANIES ACT, 1956

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रात्वय में राज्य मंत्री (श्री नर्रात्त्व यादव ) : प्रध्यक्ष महोदय, में निम्नतिचित पत्न सभा पटल पर रखता हं :

(1) लोक प्रतिनिधित प्रधिनियम, 1950 की धाराक की क्षायारा (2) के धन्तर्वत प्रधिमुचना संद्या सांक्ष्मा (1) कि एत्यत्वेत प्रधिमुचना संद्या सांक्ष्मा (1) (क्ष.) (हिन्दी तथा प्रवेशी संस्करण) की एत्य प्रति, वो हिनते 22 मार्च, 1978 के भारत के पाल्यत में प्रकाशित हुई तथा जिसके द्वारा संचित्रीय तथा विधान सामेई निर्वाधन क्षेत्र परिवीमन प्रादेश, 1976 की कृतुमुनी 16 में बर्णित निर्वाचन क्षेत्र के ब्रान्तर 
[Placed in Library. See No. LT-1109/78.]

(2) राज्यनी मधिनियम, 1956 की धारा 620क की चरधारा (3) के धारा 620क की चरधारा (3) के धारा की सिंदी हैं कि धारा के शिल्प के प्रत्यों के धारा के शिल्प के प्रत्यों के प्रत्यों के प्रत्यों के प्रियं के प्रत्यों के द्वारा की धार के धार

[Placed in Library. See No. LT-

# RE. CALLING ATTENTION

MR. SPEAKER: Calling Attention; hri Somnath Chatterjee,

SHRI SOMNATH CHATTERJEE Jadavpur): Up till now, we have not sceived any statement. THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): I was collecting all the facts; I have collected the facts....

MR. SPEAKER: I will take it up at I O'Clock. Will that be all right?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: I bave got the statement ready.

MR. SPEAKER: Is it a long one?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: It is three pages,

MR. SPEAKER: I will take it up at I O'Clock. Is it suitable to all the hon. Members?

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): I would suggest 4 O'Clock,

MR. SPEAKER: We will take it up at 1 O'Clock.

12.01 hts.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE
SEVENTY-THIRD REPORT

SHRI C. M. STEPHEN (Idukki); I beg to present the Seventy-third Report of the Public Accounts Committee on paragraph 48 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1973-76, Union Government (Civil) on University Grants Commission relating to the Ministry of Education and Social Welfare.

12.15 hrs.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDER-TAKINGS

FOURTH REPORT AND MINUTES

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): I beg to present the following Report and Minutes of the Committee on Public Undertakings -

- (1) Fourth Report on Extraordinarily High Expenditure on Publicity by Public Undertakings
- (2) Minutes of the sitting of the Committee relating to the above Report.

12 02 hrs.

243

COMMITTEE ON PRIVATE MEN-BERS BILLS AND RESOLUTIONS

SEVENTEENTH REPORT

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN (Seom) I heg to present the Seventeenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions

12.21 hrs

COMMITTEE ON PETITIONS

THERD REPORT

थी हरि विल्लु कामत (हाशगावाद) . भ्रायक्ष महादय, में इस छटी लाल समा की याचिका समिति का तृतीय प्रतिवेदन प्रस्तृत करता ह।

12 03 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

- (1) REPORTED WITHDRAWAL OF CONSENT BY CHIEF MINISTER OF KARNATAKA TO THE EXERCISE OF POWERS BY CBI IN THE STATE
- SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar) With your permission, Sir, I want to make a statement under rule 377

The Chief Minister of Karnatalia Mr Devraj Urs, has withdrawn the State Government's consent to the exercise of powers by the Central Bureau of Investigation for criminal offences in that State The consent was given many years back by the State Government Thus, the Minister has opened up possibility of a potentially explosive conflict with the Centre in another sensitive areas There are reports that some other State Governments will follow in his foot steps. The Andhra Government has also withdrawn its consent Thus, the CBI will not be able to operate in many parts of the country and thus it may pose a serious problem for the Centre

The background for the withdray of the consent by the Chief Minn. is that the Central Government exercise of its powers appointed the Grover Commission last year to look into the charges of corruption and nepotism against Mr Devro; Urs The Commission found him guilty on four counts It is stated that another list of charges of corruption etc was submitted to the Grover Commission after the dismissal of the Karnataka Ministry headed by Mr Urs The Commission is supposed to look into all these charges By withdrawing the consent, the Chief Minister wanted the Centre to drop further proceedings against him on the plea that the people of Karnataka had given him a fresh mandate But the Central Government has refused to agree with him. The Central Government rightly feels that any person, whosoever he may be small or big must be punished if he has indulged in corrupt practices as everybody is equal in the eye of the lau

The Karnataka Chief Minister has refused to accept this principle and he has now retaliated by striking at the CBI operation at Karnataka news that the Commission has L facing hostile demonstrations also appeared in the press tion of the Chief Minister is a crude attempt to save himself from the clutches of the Commission If he is

innocent, he should be ready to face the Commission boldly. It happened many times in the past that many State Governments had requested the Central Government to give the help of the C.B.I. to investigate serious cases of corruption, bribery, afrecities etc. The withdrawal of the consent will amount to the destruction of a useful instrument like C.B.L. It will also disturb the Centre-State relations. It will create many complicated problems because there are many enemy agents, saboteurs and anti-social elements in all parts of the country and the Central Government is supposed to keep a watch on them. If the Central agencies like C.B.I. are checked by the State Government in this way. a peculiar situation can develop, which may pose a threat to the security of the country. It should also be presumed that the Central agencies like C.B.I. should work in the States, independent of any political influence. The withdrawl of the consent made the conditions from bad

I demand that the Home Minister should make a statement on this issue, If the Home Minister wants to say something on this, let him say.

(ii) REPORTED DELAY IN SUPPLY OF ENRICHED URANTUM BY U.S.A. FOR ATOMIC POWER PLANT AT TARAPUR

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad): By your leave, I proceed under rule 377 to make the following statement: There has apparently been inordinate delay on the part of the Government of the United States in arranging for the shipment of enriched propium needed for our Atomic Power Plant at Tarapur, There are also two statements made by the Minister of External Affairs in Lok Sabha, one on 23td of February, 1978 that "President Carter in one of his communications to our Prime Minister, has reiterated his hope that India would see its way to accepting the safe. comprehensive international guards on all of its nuclear activities," and secondly by the Minister of State in the Ministry of External Affairs on the 2nd of March, 1978 that "Government are at present studying the legislation, meaning, Nuclear Non-Proliferation Bill passed by the U. S. Senate, the legislation in the context of its implications of Indo-US Nuclear cooperation,"

The Government would do well to take the House into confidence with regard to the exact position today on this matter.

(iii) REPORTED DROUGHT CONDITIONS IN MANIPUR

SHRI N. TOMBI SINGH (Inner Manipur): Mr. Speaker, under rule 377. I would like to raise a matter of public importance. Severe draught condition all over the State of Manipur has caused indescribable hardship to the people of Manipur. Rains are late this year. Usually the monsoon starts in March. This year upto this time of April, there is no rain. In that region, there is no big river. All the small rivers originate in the hills surrounding the Manipur Valley. They are all rainfed. Dry season started from the month of December. Owing to the unique topographic condition of the region flood and drought follow each other quickly. Every day is precious. All the sources of water in the hill areas well as in the Valley have dried up. The State Government, the Municipal Board and such bodies are addressing themselves to the task of emergency water supply spending huge amounts of money every day. May I request the Government of India and Agriculture Minister to rush to the rescue of the people in this plight? It is time that permanent measures be taken avoid such situations in the future by digging sufficient number of tanks in the Valley and by creating more catchment areas near foothills in the northern portion of the Valley from which the Valley acutely slops down towards the south. The forest department also should see that indiscriminate destruction of forests for firewood or shifting cultivation be stopped to ensure rainfall throughout the veat.

(IV) REPORTED THREAT TO RESORT TO STRIKE BY OFFICERS OF NATIONALISED BANKS

SHRI VINODBHAI B SHETH (Jamnagar) Mr Speaker, Sir, with your permission, I would like to raise the following matter under Rule 377—

The reported threat to resort to strike by 3600 officers of 14 nationalised banks, the State Bank of India and its gubadarises throughout the country, against the unilateral decision of Government to implement the Pillai Committee, recommendations from May 1, 1976 has created widespread discontent in business circle.

The Finance Ministry is requested to discuss this matter with the All India Confederation of Bank Officers'

of the nation

(V) REPORTED FIRE IN INDIAN EMBASSY AT MANUA

श्री स्वाममुख्य लाल (बयाना) प्राप्त से मार्थम से बहुल गी एन बार इस समस्या नी तरफ सरकार कर गाया किया पान दिला पुना हूं। पिछले 25 मार्च नो सिहमी में बार पर रही हैं। प्राप्त दिला हि हम जानना ही प्राप्त कर रहे हैं। प्राप्त कि सम्बद्ध में मार्नाला में हमारी एमंदी में मार्नाल हमें होंगे, हम उस नो स्वादा स्वादा सकते हैं। ये जो मार्गेन्दिन इस तरह नी स्वादा 
MR SPEAKER Mr LaI, I would like to point out one thing. The rule is that you have to give a written statement and stick to that You have given something but are making another point. If you depart a little,

I do not mind. But the rule is that you have to suck to your written statement

थी स्पानसन्दर साल : मैं मध्यक्ष महोदय, वही बतला रहा हू । भाज दिवया भर में हमारो एम्बेसीब में साथ जो लोग काम कर रहे है, वही पर छरेवाओं हो रहो है, वहीं बम पटते हैं, वही माग लगती है। मैंने पहल भी सझाव दिया पा हि बोई ऐसो एजनी बनाई जाय, जिसके द्वारा चन भी सुरक्षा ने लिए मुछ ठोस नदम उठाये जाय । हमारी एम्बसीत मे याम करने वाला के मन मे जो ग्रसुरक्षा की भावना पैदा हो गई है, उसनो दूर हरने ने जिए हम मोध्र मुख उशाय करना चाहिए। करि समय रहते इन की नहीं रोका गमा ती जैसा मैंने पहले भी बहाधा - धर्मी तो पतां क्रोर शाधो पर चोट हो रही है, माग चन कर जिस पेड की छाया में अम बैठे हए है, उस की जह ५२ बोट होगी सीर वह वेड गिरजायना भीर हम सब उस की चपेट मे पालायेंगे।

SHRI KANWAR aLAL GUPTA The Home Minister may like to say something on the matter that I have faised

MR. SPEAKER It is upto the Minister, if he wants to make a statement, I do not object.

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur).
When matters are raised under Rule
377, statements should come from
Ministers

MR SPEAKER I have requested them to do it

Mr Stephen has given a notice

SHRI C M STEPHEN (Idukkı)
There 18 a small matter which I want
to rause on which, I am sure, all Members of this House will be united in
supporting me The point is what was
raised here yesterday, though off the

249

record, about the law and order situation in the country. Enough has been said-and enough has happened-in the House and outside, by high and low, to give the impression, the feeling that the situation in the country is grave. You were pleased enough to announce yesterday that there will be a discussion. I expected it would be scheduled for today at least and I was disappointed when I found it was not there. I am not making any accusation or any such thing, but the matter is very, very urgent. I do not want to use the name of the President-it should not be used-but when a certain announcement has come, it behoves us that the Parliament does take note of it with a sense of urgency, with the highest priority; and I urge upon you to allow a discussion in this matter, with sufficient time, on a very early date. If possible, today or tomorrow it must take place; it is a matter of very, very urgent importance which I am submitting for your consideration.

MR. SPEAKER: Now we go Legislative work.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Before we take up the Demand, may I make a request that, firstly the time allotted for this Ministry's Demand be extended by one hour and secondly, in order to ensure that the Home Minister's Demands are also not guillotined after only a partial discussion, the House, if it is so agreeable, may sit till 7 o' clock today, tomorrow, and next Monday and Tuesday too. Otherwise, because Thursday will be only half-s-day-as there will be Private Members' Business....

MR. SPEAKER: Friday to holiday.

SHRI HART VISHNU KAMATH: Thursday is half-day and Friday is a holidday. So I would only request that, if the House so agrees, -since the Home Ministry, which is the key Ministry, has been put last, I am sure there is the danger of your letthal weapon, the guillotine ...

MR. SPEAKER: Not mine, it is that of the House.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Yes, ours, but you wield it. Therefore, I am anxious that it would not descend on the Home Ministry by any means. (If the Steel Ministry goes scot-free and if the Energy Ministry goes scot-free, I don't mind.) Therefore, the only way out is for the House to sit tifl 7 o'clock today, tomorrow, next Monday and Tuesday, Yesterday the Minister of External Affairs took about 40 minutes. He is a young bachelor Minister who was making his maiden speech, and we didn't want to upset him ....

MR. SPEAKER: All bachelors should not speak about maidens.

AN HON, MEMBER: All-young or old!

SHRI HARI VISHNU KAMATH: The time allotted which is five hours. is far too inadequate. Already, think one hour and forty minutes has been taken....

MR. SPEAKER: I shall place your suggestion....

SHRI HARI VISHNU KAMATH: How much time has been taken so far.

MR. SPEAKER: Out of the (five hours, one hour and forty minutes has been taken up and the time remaining is three hours and twenty minutes.

As for your other suggestion, whether today it should be extended or not the House can decide. For other days I will place it before the Business Advisory Committee which is meeting today in the evening at 4.30, for sitting beyond six o' clock upto seven. Thereafter, it will come before the House That is the normal procedure But so far as today is concerned, the House will decide whether it will be extended or not.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: The House is supreme.

MR SPEAKER That is why I have said that the House will consider it We will consider it at the appropriate stage

25 I

SHRI KANWAR LAL GUPTA May I make a submission with your kind permission? Today we received List II of 'No-Day-Yet Named Motions' This List has been approved by you The last is 252 which is regarding the law and order situation You mentioned it yesterday also that Mr Stephen has sent a motion In this connection I want to make a submission This very motion is already there in the first List which you accepted and circulated and that is in my name So I think those who have given the notice first should be given the first priority and those who have given the notice later should be given the second priority If my name is first I should be given the first chance if some other hon Members name is first, he should be given the first priority That is my submission

MR SPEAKER Business Advisory Committee Will consider that

12 21 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1978-79-Conld

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS-Contd

MR SPEAKER The House will now take up further discussion on the Demands for Grant under the control of the Ministry of External Affairs

Shri Somnath Chatterjee

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur) Mr Speaker Sir in the field of external affairs I feel that the present Government car claim to have made some achievements and She Atal Biham Vappayce has to some extent redeemed h.mself greatest task of this Government was to restore amongst the nations of the

world the faith that ours was a demoeratic country and that people believed in democratic principles and civil libertles and W ere against authoritarianism this country meant what it said in severe contrast to what people had experienced during the last regime There are still various distortions in the world politics our foreign policy should be based upon the realization that the days of colonialism and impenalism have not yet come to an end and the stronghold of the colonial and imperialist pow ers has not been loosened. We realise that the direct colonial political rule has ended in majority of the countries but still the people of Zimbabw Namebia and South Africa are groad ing under the worst types of sepre sion misrule and colonial heremony Shill in South Africa a large number of people are victums of the victous policy of apartheid which is the very negation of a civilised system of Government Su'l millions of people have been denied their right of self-deter mination and are held as hosinges of a repressive white minority rule

DG. 1978-79

Ser as I was saying although direct and over political rule in many countries by colonial powers has ended yet "he imperialist forces are still operating in multitudinal forms We bave seen the neo colonial exploitation of the under-developed and developing countries by the developed and imperialist countries. We find that in the fields of monetary reforms and economic fields like procurement and supply of raw materials adequate prices of finished goods and in sharing of profits by multi pronged activities of the imperialist countries through their agencies including multi-national corporations These are the various fareis of colonial and impenalist strategy that has been taken by the developed countries in the world to exploit the noor and developing countries In South Africa where Mahatma Gandhi had started his struggle against colo-

nialism and imperialism, the people are still fighting for their emancipation, political and economic. They are fighting against the inhuman policy of apartheid and it is our solemn responsibility that we should pledge our total support by all means political, diplomatic and economic to those people in Africa who are fighting for their political liberation and against exploitation of all types and forms. We should see that the imperialist and the colonial powers do not get any foothold and do not get any opportunity to create divisions amongst the people who are fighting for their liberation. One of the methods of entrenwhing the minority rules in these counries like Namibia and Zimbabwe is to ary to create divisions among the peo-: ple of the country. As we have seen the recent Anglo-US proposal with regard to Zimbabwe is directed towards creating a division among the black majority there and I find there is some anomaly in our foreign policy with regard to Zimbabwe because in the annual report of this Ministry we find that our government has welcomed the so-called positive elements in the Anglo-US proposals which are supposed to be directed towards achieving independence for them, but we find these Anglo-US proposals are nothing but an attempt to create divisions amongst the majority people. We have expressed our strong support for democratic rights of the people of Zimbabwe and in their struggle against the white-dominated minority regime. At the same time, when we are supporting their fight for liberation and freedom from the white-dominated minority regime, and I request this anomaly to be removed, we also welcome the Anglo-US proposals and there are supposed to be some positive elements in these proposals which are nothing but an attempt to create divisions as we have seen, amongst the majority people and which will seriously affect their united struggle for emancipation and for political and economic freedom.

We must thank our Foreign Minister for the policy which he has taken in forging good neighbourly relations with the countries surrounding us and we particularly welcome the steps taken in that regard and the visits which the hon, Foreign Minister had undertaken to different countries like Pakistan, Bhutan, Burma, etc. It is essential that we should have the best of relations with them. The relations have improved. We should have better trade relations. We should have better travel facilities. We should have more and more cultural exchanges and this is a welcome change we find from the policies that had been followed by the last regime.

Many apprehensions had been expressed by some of the Members on the Congress side of both houses but it appears that Mr. Atal Bihari Vajpayce has taken to this Department as a fish takes to water and we very much welcome and I must thank him for the way he has tried to cement better and better relations with our notishbours.

With regard to China we also welcome the Government's decision to improve the relationship with China, One aspect I want to make it clear. The Communist Party of India (Marxist) was the subject matter of various types slander campaign. was advocated by them? They had advocated that all outstanding problems should be solved by mutual negotiations and that is precisely what the Foreign Minister has said in respect of our relations with China. We find after a long time positive steps are being taken to improve the relationship with China and I must welcome this approach of the present government. It is essential that we really reciprocate all attempts to improve the relationship with China and we hope that greater and grater co-operation will be there and with greater and greater understanding bet[Shr: Somnath Chatterjee]

255

usen these two countries we shall have the best of relations between us.

So far as West Asia is concerted we must protest against the attempt of the US Government to divide the Arab world. We have accepted as the basis of our policy that the occupied term tories must be returned to Egypt and that the representative character of PLO ha to be acknowledged. But the recent attempt by Prestdent Sadat who has really played the role of the US imperialists has been directed towards creating a division in the Arah worlds which the United States Government; is encouraging

We are supporting the PLO but on the other hand the Government has been looking upto President Sadits visit to Israel to bring about a real change in the situation in West Asia There types of anomalies are creating little distortions in our foreign policy

So far as the policy of non-slips ment is concerned we feel that we should continue with this policy of non-sligment. We should follow the Colomba Resoution of the non-slien of countries and we want that India should be in the fore-front in the fight against imperialism and nee colonial ism and we should signously pursue this policy of non-sligment.

With regard to South Fores I have something to say The is a country with which our rel uons should have been on the basis of our own expert ence We shout, have remembered our own experience in our country The is the regime which has been propped up by US Armed For specially after the defeat of the U.S. imperiatist forces in Vietnam the U.S. and Japan are holding military evercases in this area and unfortunately I find there is no mention in the Annu al Report of the Ministry to the pro posal for untileation of the two Koreas and what this Government is going to do and what is its policy with regard to unification

With regard to the Indian ocean we want that this should be a zone of peace and there should be abolition of bases. I find there is no mention a total Diego Garcia and our attitude to wards that and it has been referred to as if there is a major power rivary and that is creating difficulties in the valuation.

It seems that the US imperialist forces have been equated with the socallst forces and as it we are trying to inhumise the danger which Diego Garcia poses for us.

We want that in the field of eco 'mer co-operation there should be ree er and greafer participation by the stouding to the struggle for liberation both poil tical and economic of all the countrie but we should do our best to have better and better economic relation as well.

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hochangabad) Mr Speaker Sir wher we lift our anxious minds from the comewhat disconcerting it not drend domestic seeme to the global scene out hearts do warm up somewhat. Dut Sir that zone that landscape is also overshadowed by some mwellings some doublis. There are trouble spois there are difficult spots and there are many areas of conflict where we can ply a useful role

I with come to that presently Racing aguinst time I will not indulge in a long speech. I think you will per mit me to make my few points

MR SPEAKER That is true You are right

SHRI HARI VISHNU KAMATH Ett Str I should have been given more time The two Ministers wit take one and half hours betweet, themselves and out of what is left at least twenty minutes should have been given to me for you.

D.G., 1978-79

258

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I am prepared to forego my speech.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Give me twenty minutes.

MR. SPEAKER: Only ten minutes

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I would rather not speak.

MR. SPEAKER: I hope you will make a very useful contribution and.

in ten minutes, you know how to summarise. I know he can compress that, SHRI HARI VISHNU KAMATH:

Hefore I come to the main issues. I will have just for a few seconds a glance at the Demands of the Ministry of External Affairs. On pages 5 and · 15. in the printed booklet I find there are two curious items-first is the entertainment charge. Under that, there is an item-entertainment of the dignitaries.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Including those of the United Nations.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I am glad that you have raised this point. But, Sir, this is blank. Nothing is shown against it. Under Entertainment charges and Entertainment of dignitaries that is blank, Nothing is shown.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): They do not want to tell us about others,

SHR! HARI VISHNU KAMATH: Fortunately, the expenditure is shown on page 15; there is an item called-'entertrinment of foreign dignitaries!' That means to say, does it include Indian dignitaries as well? I do not know. That should be made clear. I am glad to find that the budget estimate is now reduced from the last year's estimate of Rs. 104 lakhs. This year's estimate will be only Rs. 63 lakhs. That, I suppose is due to the policy of prohibition. I think it is a welcome reduction in our budget for entertainment.

SHRI JYOTIRMOY BOSU; Prohibition could not make such a puny reduction.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Now I will come to the other issues which are very important from the point of view of our policy. It is a truism to say that a nation's foreign policy should conduce to and promote its national interests in conformity with its basic domestic policy.

MR. SPEAKER: It is an extension of the domestic policy.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Thank you very much. Sir. It is in conformity with the basic principles of peace, friendship and cooperation with all nations and here we have to see and show that our national interests are promoted. All the whole, while we are promoted. All the while, while we to the basic principles.

The mam trouble spots are in Asia and Africa. As a matter of fact, the entire world, all the countries of the world; are now free except, as far as I can see or as far as I am aware, some countries of Southern Africa and certain Islands in the Pacific; and the Atlantic. The other countries are nationally liberated. Whatever their internal systems are, we do not bother about.

Now, we are mending our fences very well with many countries, with our neighbours, particularly due to the personal relations, personal contacts of the External Affairs Minister who in his amiable flexible style has managed to shed many of his former Jan Saugh predilections and adopted himself very well to the Janata Party and Janata Government's foreign policy. shows his resilience and flexibility and adaptability and thereby it has promoted the country's interests very well indeed. But Sir, even then with regard to China, with regard to Pakistan, with regard to Kashmir-I mean-in answering a question of mine in the Lok Sabha recently-he said that so

tions)

[Shri Hari Vishnu Kamath] far as Kashmir is concerned he has had so many talks with the Pakistan representatives here recently, he has been to Pakistan also and I do not know what detailed talks he had there It has been a sort of top secret 1 do not think he has told us all about it so far The latest statement made by him in regard to a question of mine on the 6th of April, with regard to Kashmir was that the Government of Indias position on Lachinir is wellknown The whole of Jammu Kashmir is constitutionally and legally an integral part of India, that is to say, it is only a de jure part of Irdia not set de jacto because a part of Kashmir is still in Pakistan's possession and perhaps a little part is also in Chinese possession Lia Pakistan (Interrup-

VIR. SPEAKER He will be disturbed

SHRI HARI VISHNU KAMATH I think the Minister should make the Government's position elear on this subject as to what exactly the Government proposes to do with regard to the Kashmir issue whether it is by peaceful negotiations whether there is any prospect of a successful outcome of peaceful negotiations So also with regard to China the Prime Minister made a statement recently in regard to a Call Attention by me last month, I believe saying that we would certainly settle border disputes by peaceful negotiations and he suggested that it would be done on the baeis of the five principles of Panch Sheel Now, infortunately, Pandit Jawaharlal Nehru, as Prime Minister who was shocked and dismayed and who finally internally collapsed after the Chinese aggression at the beginning was msistent that China should withdraw from the occupied territories But then China unilaterally withdrew not from those territories withdrew from India, and then threatened to come again That was the statement which was made by one of the Chinese Generals. we have come to India once, if need be we will come again" That is what

one of the Generals v as reported to have said At that time, Six Colombo Powers, Six non aligned Nations, met at Colombo and decided on a plan Pandu Javaharlal Nehru, the then Prime Minister, accepted the plan with alacrity though it fe'l far short of the original proposal made by him for the vacation of aggression by China of Indian territory The Prime Minister Shri Moraril Desai, wants a change, the only change in the resolution which Parliament passed in 1962, the historic resolution passed by the Lok Sabha in 1962, the only change that the Prime Minister made was that the words 'drive the aggressor from the sacred soil of India' should be changed, to 'vacation of aggression' Even in the time of Pandit Nehru a special session was called in January 1963, one-neck session, in the history of free India there was no other special session in January for a special purpose; it was called to endorse the proposals made by the 6 Powers which had mel in Colombo, and Parliament also ondorsed the proposals made by the Colombo Powers and accepted by the Prime Minister at that time 1 should like to know whether any community tion has been received by the gof our ment from the Chinese govern Biget from any Chinese authority, the Ilso. nese President or the Chinese President Minister with regard to this subject after the Prime Minister made we'h statement in the House, whether tlames are willing to enter into pegotiation in and if so on what basis

Hen there is the question of gf, mount near-alignment. Non-alignment is a much bandled word, sometiming musused always of Genuline non-alignment, it reads non-alignment. Can we at all say so far as West Asia is concerned, can we place our hand on our hearts and; say that India is genuinely non-aligned so far as West Asia is concerned of so far as West Asia is concerned.

MR SPEAKER It depends upon the nature of the heart

SHRI HARI VISHNU KAMATH While in the Opposition, he was as

vehement also or even more vehement than some of us used to be with regard to government's West Asia policy, at that time Congress Government's West Asian policy and now of course the Janata government's policy which be has to follow. Look at the prepostrousness of this policy. It is only a hangover of the moronic policy initiated by Jawaharlal Nehru and cartied on for 25 years and pursued with even greater vigour by his daughter Shrimati Indira Gandhi, The hangover is still there; it is difficult to shake off 30 years policy hangover. But some beginning should be made. I should like to suggest that in the world there are countries, even small countries like Vepal and Burma who are our neighcours who have got full diplomatic States. I have got a list here: I do not

26 I

have the time to read the whole list. MR. SPEAKER: Your time is up. SHRI HARI VISHNU KAMATH: I have got two or three points to make and I hope they are not unimportant ones: you will appreciate. There are European countries, African countries, Asian countries-there are about 48 countries that have got full diplomatic relations with Arab States as well as Israel. Among them are States like Nepal Burma, Turkey among the Muslim States, Iran also. But we are not having even bilateral consular relations. I do not ask for more at present. What is this, if not pusitlanimitv?

क्षत्रं हदयदीवंत्यं स्योगत्वां क्तिष्ट परंतप ।

They have got a consul here; but we have no consul in Israel.

SHRI JYOTIRMOY BOSU; We can ask this consul to go away.

SHRI HARI VISHNU KAMATH:
That is alright. If we can do that, it is
alright. But look at the absurdity.
The British Embassy in Israel is supposed to look after our interests, in
Israel; used to; I do not know what
the position is today. That is the
absurdity of the whole position. The

Government should look into this and rectify the position. Then two more noints.

MR. SPEAKER: You have already taken fifteen minutes.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I will take another five minutes. This is what the first Speaker used to say: fifteen minutes and if the Member is making substantial points, five minutes more.

MR. SPEAKER; At that time you were lucky because there were very few speakers.

SHRI HARI VISHNU KAMATH; Time can be extended by one hour.

There is a conflict going on between Victorm and Cambodia in Asia, both are communist countries. But the Minister for External Affairs was reported by the Samachar Correspondent on the 3rd of January to have observed "that the conflict was unfortunate, especially as both Vietnam and Cambodia were non-aligned countries." If do not know where he got this conception from that both Victoram and Cambodia were non-aligned countries. This was Samachar report, I do not know whether it is wrong report or misresporting.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Are you objecting to the word 'were' or to the substance of the matter? Both are non-aligned.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Both are non-aligned? One is pro-Moscow and the other is pro-China. They are non-aligned? (Interruptions).

Now one last word. Airs. Indira Gandhi, who is taking every opportunity to condemn this Government, in season and out of season, has now come out with a statement, preposterous statement, that too many pacts is a sign of weakners. That she herself indulged in too many pacts, it does not matter! But our Government should not Look at this.

SUBRAMANIAM SWAMY (Bomhay North East) She is jealous

SHRI HARI VISHNU KAMATH OF course Lastly, she says 'who was it that brought Kashmir within the folds of India?"

#### Look at this

263

those very Janata reonle were opposed to it because Nebru was a Kachmiri What is this? If people go about saying this kind of thing I think the soorer they shut up the hetter

SHRI ATAL BIKARI VAJPAVEE There is freedom of speech.

SHRI HARI VISHNU KAMATH II is a licence. One last word about external publicity External publicity is so badly arranged particularly public relations in our Embassies abroad that the speech made by the External Affairs Minister in United Nations did not get even one word coverage in the American Press, not even one word coverage I do not know whether it is due to our relations with them I am afraid that in many of the Embassies abroad, the old tondies and flunkeys of the Emergency regime are still ruling the roost and that should be looked into

Lastly the question of Hindi in the United Nations The Minister for the first time made his speech in Hind and all kudos to hum for it, but the difficulty of making it a language among the languages of the United Nations is very great Hopes have been aroused But apart from the money that we will have to spend on that-our contribution to the United Nations Budget is at present only 0 68 per cent of the entire Budget. it is not even 1 per cent it is just 0 68 per cent of the UN budget -we have to depend upon the votes in the General Assembly for getting Hindli accepted We are third in the queue so far as languages are concerned Japanese and Swahili are slready in the queue in the United Nations and unless the question of Japanese and Suahill is decided Hindi cannot be taken up at all in the United Nefinns

DG, 1978-79

I hope all these questions which I have raised will be looked into by the Minister, and next year we will have a few brighter things to say about the performance of the Ministry in foreign affairs.

थी राम प्रकाश प्रिपाठी (वसीज ) • मध्यक्ष महोदय, में विदेश मत्रालय की प्रस्तावित धनदान की मागो ना समर्थन हरने ने दिए घडा हुमा हू। सब से पहने तो मैं माननीय विदेश मंत्री जी और जनता पार्टी की सरभार की बधाई देना नहना ह---उन्होंने बाम्तविश्योर सहाग्रयों में तदस्यता को नोति को अधितगर दिया है। पस हमारे बादेस के एक किन्न ने कहा था कि हमारे नय विदेश मली जी दे भारे से पहले भी हमारे उडीमो देशों ने साथ जन्म बहुत सच्छे थे। में ऐसा नहीं शहरा । अपता पार्टी की गरकार के धान बाद हमारे विदेश मही जी ने अपन पड़ीमी देशी है साथ जितने ग्रन्छे सम्बन्ध स्थापित किये. इसस पहले की मरवार ऐस भग्वत्य स्थापित महीं बर पाई थी। उन के साथ हमाने सम्बन्ध जस्र थे, लेकिन एक भन का बातावरण, यात्र ना वातावरण, प्रणानित वा वाता-वरम सभापडीसी के देशों म स्याप्त था। हमारी 'मतपूर्व प्रधान सती न यद्यपि पडौम वैद्या देनिया के धन्य देशों के साथ कुछ समझौते या सम्बन्ध स्वापित किये थे, लेकिन वे सम्बन्ध देन की जनता के साथ सम्बन्ध न हो कर, उन के व्यक्तियान सम्बन्ध भने हैं रहे हो। लेशिन जनना सरहार पहली बार इन बात के लिए बधाई की पाल है ि उसने विश्वास पर हमारो विदेश नी किं भाषारित विया, हमारे पटीसी देशों के सन में जो सन्देह ब्याप्त था. उस मे पहली भार विस्वास ना बातावरण पदा हटा है। इर

लिए सब से अधिक बबाई में इस लिए देना बाहुता हूँ कि स्थतन्त्रता के बाद पहती बार भारत की धारमा संयुक्त राष्ट्र संघ में फैसी। हुगारी हिल्दी भाषा में हुमारे विदेश मंत्री की में संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी बात कहळ पास्त्र की जी अतिना वहाँ प्रस्थापित की है, बहु बाहत्व में अंदितीय है।

अब में बुख महस्वपूर्ण बातों की श्रोर, जिन का संकेत हमारे पूर्व-बदताओं ने भी दिया है, आप का ध्यान धार्कायत करना चाहता है। कें प्टेन चाहे जितना धच्छा हो, लेकिन जब तक इसरे विसाडी ग्रच्छा खेल नहीं खेलेंगे. तव तक खैल को जीता नहीं जा सकता। विदेश मंत्रालय की सेवा में को लोग काम कर रहे हैं, जैसा मेरे पूर्व-वक्ता ने संकेत दिया, उस का खामियाजा हमें समय-समय पर उठाना पड रहा है। मैं तो जाम्बिया के प्रधान मंत्री को धन्यबाद देता हूं। उन्होंने वह पत्र निख कर स्थिति को साफ़ कर दिया, इस लिये में पस ग्रध्याय को खोलना नहीं चाहता, लेकिन उस का कारण क्या या, हमारे मिलक्ड वहां पर क्या कर रहे थे। एमर्जेंसी के दिनों में जो लोग हमारे देण की प्रतिभाको विसाइ रहे थे. क्या ग्राज भी बही लोग उच्च पदों पर काम नहीं कर र हैं। ये वही लोग हैं जो इनिया में घन-घुम करएमजेंसी के बीव गाया करते थे, ग्राहरणीय जय प्रकास जी को देशद्रोही, ब्राज के प्रधान मंत्री को इस देश के लिए खतरा और विदेश मंती जी को फासिस्ट, प्रतिश्रियाचादी, देश का दुश्मन कह रहेथे। यही कारण है कि जगह-जगह पर हमारे प्रधान मंत्री जी और विदेश मंत्री जी देश की जिस प्रतिमा को खड़ा करते हैं ग्रीर ये लोग देश की उस प्रतिमा की जबह-जगह धुमिल कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में माननीय विदेश मंत्री के समक्ष कुछ स्त्राव रखना चाहता हूं । पिल्लै कमेटी का एक सञ्जाब छत्ते में पड़ा हुग्राहै **। उन्होन** कहा था कि इस सेवा के पदों पर बाहर के

लोगों को भी लिया जाए। मूझे लोक सभा प्रश्न संख्या 639 के उत्तर पर खुणी है कि श्रव इस पर कुछ फ़ीसला हुआ है। लेकिन मेरे सुनने में यह ग्राया है ग्रीर मझे इस वात का पता लगा है कि जो लोग बाहर से लिए गये हैं हमारे विदेश मंत्रालय के ग्रधिकारी उन के साय सहयोग मही कर रहे हैं। श्री पालकीवाला, श्री एन० जी० गोरे श्रीप दी एक ग्रीर लोगों को इस सरकार ने इन ऊंचे पदों पर लिया है। एक सुझाव में यह देना चाहता हुं कि बाहर के कुछ ग्रीर ऐसे ग्रनमती सोगों को इस विदेश मंतालय की सेवा में लिया बाए जो जनता पार्टी के दिव्यकोण की, इस देज में हुए परिवर्तनों को और जन-भावत की सहीं अभिव्यक्ति को दुनिया के सामने रख सर्जे।

### 13.00

त्रव एक बात में पालिसी प्लानिय क्नेटी के सम्बन्ध में कहना चाहता है। पालिसी प्लानिंग कमेटी के सम्बन्ध में मेंने एक प्रम्न भी किया था और माननीय विदेश मंत्री जी ने उस का उत्तर भी विया था। मुझे ग्रपने विदेश समिव की योग्यता और उन के प्रनुभव के बारे में किसी प्रकार का कोई सन्देह नहीं है। लेकिन में एक छोटा सा सजाव देना चाहता हं कि इस कमेटी की चैश्ररमैनशिप फारेन सेनेटरी के पास महीं होनी चाहिए। उन के क्रपर और बहत वडी जिम्मेदारियां और दायित्व हैं और ग्राज हमारे विदेश मंत्री श्रीर प्रधान मंत्री जी हैं, वे सक्षम हैं और उन्हें देश के किसी अच्छे राजनीतिज्ञ को इंड कर इस चेश्रारमैनशिप के पद पर रखना चाहिए जिससे यह कमेटी जनता पार्टी के दृष्टिकीण को, इस देश के दिस्तियेण को और इस देश की एक ग्रन्छी प्रतिमा द्विया के सामने रखें और उसमें ग्रपना पूरा सहयोग दें। इस कमेटी का सदस्य की छन्हीं लोगों को होना चाहिए जिन्हें अपने काम का प्रयोगात्मक अनुभव हो।

[धो राम प्रवाश सिपाठी]

267

विदेश मज्ञालय की सेवाओं के बारे में श्रीर पामपाट के बारें में हमारे दमरे माननीय सदस्यों ने बताया है थीर ग्रुपने सुझाय दिये हैं । यह ठीवा है वि हम लोगों को, इस ससद् वे भदस्या को ग्राप ने जो ग्रधिकार दिया है, जसके भारण लोगा को बहत महलियत हुई है लेकिन फिर भी में यह देखता ह वि आज भी दफ्तरों में भीट देखने को मिलती है। हमारे इस्ताक्षर करने वे बाद भी लोगों को परे-मानी उठानी पडती है, इन तरफ माप नो ध्यान दना चाहिए और इस सम्बन्ध में जो मुझाव दिये गये हैं, उन की ध्यान में रख कर उचित कार्यवाही गरनी चाहिए।

में एक बात और कहना चाहना हू। नाग्रेस ने एक माननीय सदस्य ने बल इम वात का सकेत दिया था वि चय हमारे विदेश मती जी विरोधी पक्ष में थे, तव उन्होंने इन्दिरा गाधी की बडी प्रशसाकी थी। लेकिन मैं धाने नापेस ने मित्रों से पहना चाहता हू वि वैइन्दिरा गाधी जी ते यह पूछें कि हमारे जो शब्छे नाम है जन नी मराहना नरने में उन्ह क्या क्ष्ट है। लेकिन श्रीमती इन्दिरा गाधी तो धान भी खाखें कद कर के बालीचना में लगी हुई है। ब्राज इस बात को सब जानते हैं, देश का कोना-कोना जानता है, झौपड़ी से ले कर महल तक शहरों से शेकर गावा तक प्रस्येक व्यक्ति यह जानता है कि जनता पार्टी की सरकार भाने के दाद सदि कोई ऐसा मतालय है, यदि कोई ऐसी नीति है, जिस पर गर्व निया जा सनता है तो वह विदेश मलालम ही है और उस की नीति है। विदेश तक मे इस की मृदि-मृदि प्रश्नमा हो रही है लेकिन हमारी भूतपूर्व प्रधान मली इस के बारे में भी नगी और झूठी ग्रालीचना चारो स्रोर से कर गही है। अभी कुछ दिनों से एक चर्चाचल रही ग्रौर एक बडा विषय जठाया जा रहा है कि भुट्टो के मामले को सेवर हमाछ मरवार बोलती नहीं है। इस सम्बन्ध में मने तो कुछ ऐसा लगता है विह्मारी भृतपूर्व प्रधान मनी यह भण्ट इमिलिए सडा कर रही हैं कि जब बभी उनके चिताप कोई एक्शन हो, माह बमीशन उन के खिलाप बोई यार्थवाही घरे, तो जनता सरकार कोई धापति न गरे यदि जन को छोट देने में लिए भी दुनिया ने मुख देश बोसने लगे। ग्राज वह यह बात चाहनो है सेविन जिस समय हमारे जार्ज पर्नानटिस शाह्य की जनीसों से जगडी हुई तस्वीर इसबेंसी के दिनों से दनिया के गुछ देशों से पत्तेण की गई थी, उम समय श्रीमती इन्दिरा बाधी और उनकी सरकार रिस्ती जोर से चिरुवाई थी वि' यह हमारे देश का म्रान्तरिक मामता है और दनिया है देशों की इस मामले मे नहीं योजना चाहिए। लेविन माज श्रीमती पाधी चाहती है कि जनता पार्टी की सरकार भड़ो को फानी देने के बारे में अपना री-एनतन नयो स्थान नहीं भारती और दूसरे देश के प्रान्तरिक मामते में इयो नहीं बोलती या हम्बाक्षेप करनी। जहा हम यह चाहते हैं वि हमारे घरेलु मामलों में कोई च बोले, बहा हम भी विभी दूसरे देश वे मरेल भामलो में मही बोलना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय, इम प्रतालय की मागी पर कोई लम्बा-चीटा व्याख्यान देने की भावश्यवता नहीं है। इमलिए मैं भपना प्सापक समान्य सन्ताः कृ स्प्रीर स्थापके। धन्यवाद देता हू कि भापने मुझे इस भ्रवसर पर स्पने विचार व्यक्त करने का मौका तिया।

MR SPEAKER Non ne go back to the Calling Attention.

13 06 hrs.

[MR DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

MR DEPUTY-SPEAKER Now Calling Attention Mr Somnath ChatterCALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

#### CYCLONE IN ORISSA

SHRI SOMNATH CHATTERIEE (Jadavpur): I beg to call the attention of the Minister of Agriculture and Irrigation to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereor:

"the reported death of 150 persons and injury to saverel hundred others as a result of the freak cyclone which swoot five villages in Keonjinar District in Orissa on 16 April. 1978."

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): Sir, with a sense of great sorrow I have to inform the House that there have been considerable losses to human lives and properties due to a tornado which struck for a few minutes parts of Cuttack and Keonjhar Districts in Orissa, According to the information received from the State Government, the devastating tornado lashed parts of these districts at 16-30 hours on the 16th April, 1978 with wind speed of 70 kms per hour. We are advised by the India Meteorological Department that it was a localised tornado and not a frenk cyclone. Two blocks-namely, Dangadi and Koral of Jaipur Sub-Division in Cuttack district were affected. As per the latest report, 9 persons have died, 100 persons injured and 159 houses totally collapsed in Cuttack district. Ghasipura block of Anandapur Sub-Division in Keonjhar District was worse hit where as per the State Government's latest report, 151 persons died and 250 persons injured, 500 houses were wiped off and 1000 houses collapsed. The figure of partly damaged houses is under collection. A large number of cattle, goat, sheep have died. More dead bodies are expected to be salvaged from the debris which is being cleared It is expected by the State Government that the exact number of deaths would be known by this evening. Relief operations have been started by the State Government. Special Medical Team has reached the affected areas and the temporary hospital has been opened. Injured persons have been hospitalised and serious cases are being removed to Cuttack Medical College Hospital. Besides normal diet, special nutritive diet like fruits and Horlicks for affected patients have been sanctioned. Gratnitous rollef for 7 days has already been started. Water tankers have been engaged for supply of orinking water. Disinfection wells and tanks is being done. Tents targauline bamboo mats are being supplied for temporary shelters. Clothes, medicines and emergent relief in shape of dry food is being distributed. Four companies of Orissa Police have been sent to assist the local authorities 'n relief and rescue operations. The State Chief Minister, Minister of Revenue, Minister of Irrigation, Minister of State (Tribal Welfare) have already visited the affected tribal area. The Special Relief Commissioner along with the Revenue Divisional Commissioner are camping in the areas for directing relief operations. The concerned col lectors are on the spot for personally looking siter the working of the relief operations.

Instructions have been issued from the Allnistry or Health to the Central Government Wellical Store Depot, Calculta for meeting the immediate requirements of essential medicines and equipments for relief operations. The Indian Red Cross Society is arraging to send two Medical Units, 200 family, tents, 2 tomes of milk powder 20 bales of assorted clothes, 500 Kgs of bably food, 100 tutentil sets and 250 pieces each of Dhotis and Sarress to the affected areas.

Local voluntary organisations are supplying cooked food. A team of reterinary services is also operating in the affected area. Special Control Room has been opened at Ramachandrapur.

The State Government has reported that a number of badly affected vil-

[Shri Suriit Singh Barnala] lagers are to be shifted to safer sites for rehabilitation and Central assistance for construction of new houses puchase of bullocks and assistance for agr cultural operations is necessary The requirements of Central assist ance are being worked out by the State Government We are in constant touch with the State Government and I may assure the House that all necessary action is being and will he taken to assist the State Government

in mitigating the

affected population

The Government of India bas decid ed to provide an interim Advance Plan assistance of Rs 2 crores to assist the State Government to meet their im mediate commitments. This will be in addition to the margin money of Rs 358 croses already available with the State Government for rebet operations

distress of the

An amount of Rs 3 lakks has been provided to the State Government from the Prime Minister's Relief Fund also I may also add that the Government of Orissa is doing commendable work and it has taken up relief operations in very quick time

SHRI SOMNATH CHATTERJEE Mr Deputy Speaker because of this natural calamity a large number of poor people of our country in the State of Orissa have been affected We find that what has happened in that State is devastating It appears from the newspaper reports that hundreds of dwellings mostly mud buts col lapsed like a house of cards The report says

According to an eye-wriness semdreds of trees were uproofed and many cattle lost Corruse ed tim sheets bamboo poles oors and windows were seen for \_ in the air The impact of the lwind was so severe that cattle w re lifted high in the air and a rid ding in which 100 people had a m shelter col lapsed trapping most all of them.

Another eye-vitness said that hardly 25 per cent of the inhabitants of seven villages under Rama chandrapura police station were beheved to be alive Those v ho have survived are still dazed and unable to give a graphic description of what had happened

Orissa (CA)

The Times of India has given the grim details of the tragedy It says

That impact of the cyclone was so great that in one case the head was severed from the body Some people lost their ears or eyes. ten year old child was seen orying for his parents who were pelieved dead

This is the magnitude or severity of the problem According to unoffic al reports the death toll has almost reached 500 Though the statement says 9 persons in Cuttack district and 151 in the Keonshar district accord ing to other reports the figures are much more This magnitude of the devastation should be fully appreciated A large number of percons have been injured. So far as Purnahandha guda village is concerned it appears that all the houses have been destroyed and the entire village has been razed to the ground. The difficulty is that most of the houses are mud houses or buts and they could not possibly withstand the violent tornado which hit them It has very seriously affected the cattle population also of that area

I am happy to note that the State of Orissa with its limited economic resources is trying its best and the Minister has been good enough to appreciate the commendable effort that has been made. But we want that the Central Government should also play its role We notice that the assistance which has been given is the very minimum Only gratuitous relief for seven days has been started When faced with a calamity of this magnitude relief for seven days will be hardly adequate Apart from provid ing free medical treatment we think that unmediate arrangements should be made for gratuitous relief and supply of food for at least a month in view of the situation that has been created.

It is also essential that these voor people in the villages who had only mud huts should be given full rehabilitation grants. Otherwise it is impossible for them to rebuild their houses. It may be necessary to see it they can be shifted to other sites, in which case the land necessary should be provided to them. Otherwise they cannot rehabilitate themselves. For rebuilding their houses and dwellings, full financial assistance should be given.

What is indicated in the statement is that the Orissa Government is being given interim advance Plan assistance of Rs. 2 crores. I do not know whether the Central Government should give outright relief or not because it will affect the State of Orissa which is a backward State if Plan expenditure is to be diverted. In the circumstances, we request the hon. Minister to tell us whether the Central Government will undertake to bear-and we demand that it should bear-all expenses that have to be incurred not only for giving them temporary relief, but also for the rellet of the affected people in full. For no fault of theirs, they are victims of this calamity, and it is not fair to require that the State Government, which is under financial constraint like all other States, should bear all the expenses or the major cart of the expenses for this. Therefore, we want an assurance, and I request the hon. Minister to tell us what the policy of the Central Government is with regard to providing assistance.

Secondly, for the purpose of proper co-ordination, a team should go from the Centre and be there to see that proper co-ordinated relief operation as well as rehabilitation operation is carried on and all necessary facilities are given by the Central Government to the State Government in this connection.

Thirdly, we would like to know whether the Central Government will set up some sort of a permanent relief body. We find that whenever these calamities take place, non-official bodies go there to help, but their resources are finadequate. To meet calamities like this where the State Government's resources are limited, where the resources of the non-official bodies are limited, there should be, spart from the Prime Minister's Relief Fund, a permanent machinery for giving relief to the people as soon as possible. May I know whether such a proposal is being moded?

Lastly, as the Plan resources of the State Government are going to be affected by reason of the advance that is being made by the Central Government, we would like to know whether there would be an outright grant.

SHRI SUBJIT SINGH BARNALA: The bon. Member bas mentioned that gratuitous relief is initially provided for only seven days and that it is not sufficient. This is just the beginning. Gratuitous relief is being provided for the time being for seven days. It will probably be extended according to the needs of the people there and if any assistance is required from the Central Government in the form of food, we will be very glad to provide it as we have done in the case of other calamities also.

So far as the advance Plan assistance is concerned, as my hon, friend already knows, after the Sixth Finance Commission's recommendations, the earlier method of providing ad hoc Central assistance has been stopped. Since 1st April, 1974, the method of providing relief has been through advance plan assistance and some marginal money is provided to various States. As I had mentioned, Rs. 3.58 crores had been provided as marginal money to Orissa Government also. So, that money is available for purposes of relief in these cases. Whenever a calamity like this is faced by a State, the State Government normally asks for relief and the relief is advanced from the advance [Shr: Surpt S ngh Barnala]

plan assistance Previously during 1977 78 floods also the Orissa Gov eriment had asked for some rehef and Rv 852 crores were advanced as edvance plan assistance to Orissa Government

SHRI JYOTIRMON BOSU (Dia mond Harbour) Science today has enabled many countries to tackle the fury of the nature In India although we are independent for 30 good years we become victims of natures fury so frequently We have cyclone tornado ve have flood we have drought and we are helpless victims of these furies. I have said it more than once on the floor of this House that certain super powers are ex perimenting with weather warfare I am again requesting the Government to enquire into the matter because this is happening much too frequently

In China recently, they had repeat ed earthquisks; but the suffering compared to the fur; of the nature that came on China was negligable. The Government tackled the situation in such a manner that people's suffering was reduced to nothing practically and they refused help from out side countries also.

Here I read a tolex from the Chief Secretary of Orissa Government I talked to him because the Chief Minister was out of Bhubaneswar he had gone to the affected areas Here he says All houses in these two villages with 900 population have collapsed This is a very important point The point is that 900 houses had collapsed at 430 p.m. If we take half a person per house as dead be cause it was total collapse uprocing it comes to 450. The news item of the Times of Ind a of this morning cannot be scoffed of Although the Government have said in telexes that the death comes to about 158 or 159 I am afraid I am not quite able to accept that because as they say all the houses in these two villages of 900 population collapsed. This is the most important point Therefore

this is a matter where I would like a clans cation from the hon Agricul ture Minister

This is one of the worst tragedies that Orissa has faced Besides this severe loss of human lives I am told, property worth about Rs 2 crores is totally written off It cannot be used it cannot be salvaged. Nothing will happen But the only trouble is-I do not understand-as seen in this case most of the deaths are due to house collapse Most of the dead bodies are being pulled out of the debris This is what the Chief Secre tary told me on telephone The only remeds one can do in that sort of situation is go to the open field if you had the earlier warning and he flat on the ground That is the only remedy that you can possibly think of But what is happening to the warning system Mr Barnala on 6th December had said about Andhra Pradesh cyclone

"So a definite information positive information was received by about the mid night on the 18th and the warnings had been given But unfortunately it appears spe cific warning regarding evacuation was not given I do not know why the authorities did not think it pro per to give that waring also because that was one of the essentia warungs that should have beel given at that time I do not b'am anybody for that There might be a lause on the part of somehods But the only thing is that it wa not done Otherwise possibly some more number of people could have been evacuated from that place and could have been saved Without entering into any political contro versy-etc etc

The question here that I would like to ask is as to whether any kind of prior warning was given to the people of the affected area

Only the other day we had in Delhi a tornado exactly of this type

and almost of the same duration. How severe was the tornado in Delhi can be gauged from the fact that a double-decker bus, full of passengers, was lifted up and dropped in a ditch. I am again asking, in the context of weather warfare, or weather modification techniques, whether anybody is experimenting on that. Is it an outcome of our own human, economic and scientific activities? Is it due to climatic instability owing to our expelling every day huge quantitles of fossil fuel burning and synethetic chemicals into the brosphere? This is what we have to find out. This is not a matter which can be just ruled out like that. The setellites can predict cyclones, etc. It is an expensive method. We may not be able to afford it. But there is the modern Doppler Radar which the Bharat Electronics, a public sector undertaking, can easily undertake to manufacture. That should be tried. The modern Doppler Rader with a real time processor and colour display will do.

I would like to know from the hon. Minister as to what this Government is doing? Are they all the time behind the quacks and generalists of the Indian Administrative Service or do they consider these people as scientists adopting scientific methods? The world is moving ahead fast with weather warfare techniques, change in weather technology and all that. This is a very serious question. I have been saying it repeatedly-it is throwing pearls before swine. This Doppler Radar is an outcome of the study done by Dr. Harold W Bayton of National Centre for Atmospheric Reserch Boulder.

I am making a concrete suggestion. I would like to have a categorical reply and an assurance from the hon. Minister that they are going to look into the matter. Every time, we cannot sacrifice hundreds of people and end up with a debate in the Lok Sabha. We cannot do that. I want to know from the hon. Minister whether, as it was indicated earlier, a National Calamity Insurance Fund has been ereated and, if not, what is the reason for the same. We have repeatedly said, let there be a National Calamity Insurance Fund. Whenever something happens, let the money be taken out from that fund.

No need to beg. I know, my hon. friend from Orissa will say that he needs Rs. 10 crores, and rightly so. You must give a minimum of Rs. 5 crores grant, not less than that. I would like to have a clear and catecorical assurance about having a proper "previous warning system" which science has already provided.

Secondly, adequate grant should be given, no loan, no assistance. The whole nation shares the sorrow of Orissa, the poorest State in the country with the richest natural resources exploited by other States which have become richer at the cost of Bihar and Orissa. We know all these things. Therefore, I want to have a clear and categorical assurance from the hon. Minister that at least Rs. 5 crores grant will be rushed to Orissa, You leave it to the State Government to do what they think best. We do not want subedars going from the Centre. I would like to know in concrete terms how much do they propose to give and in what shape and form.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: My hon, friend has correctly said that in some villages, there has been a colossal loss. I had also mentioned in my statement that about 500 houses have been wiped off, that they have lost their existence as such and, about 1900 houses have collapsed. I ulso stated that by this evening, probably, after salvaging from the debris, we will be able to know the exact number of the casualties that have taken place. And we are in constant touch with Orissa Government to know the latest figures, so

[Shri Surnt Singh Barnala] far as this is concerned. So far as

warning is concerned, in case of tornado the warning is not possible It is not of evelone that it can be seen no some advance information can be gathered about that

SHRI JYOTIRMOY BOSU ing may not be possible, but the forecast is possible

SHRI SURJIT SINGH BARNALA As regards tornado it is not possible, but we did have a warning in this case also For example the India Meteorological Department, issued a general bulletin also and assued a warning also on the 16th April, 1978, at 1230 PM The station at Bhubaneshwar issued a general bulletin as well as a special weather warning and a bulletin for fishermen. This special weather warning was as follows

'Isolated thunder squall wind speed reaching 70 km per hour in individual gusts likely in north Orisia during the next 48 hours"

This is the maximum they could do because it is under that thunder squall that the tornade forms and we do not know until we see actually that it has been formed, we cannot give any warning In other countries this is the only system. They keep a watch, they can only see, they can find out that in an area of 100 kms by 200 kms there will be thunder squalls etc So they give a warning and they keep a watch Whenever a tornado is seen a warning is issued that it has occurred at such and such place and now it is travelling in this direction, etc. That warning is issued. That is the only method. There is no other method That is why in Delhi also within three minutes so much damage was caused and nobody knew what was happening

In Orissa also Mr Biju Patnaik was there He did not know what actually had bappened unless he got the news after a long time. My State Minister was also there He said I was about to board a State plane Be said the pilot told me that Sir the wind velocity is increasing Probably there might be a thunder storm or something like a cloud burst, so, we must start So, they immediately started towards Calcutta and reached there safe in time But on the way also they found out that there was a formation of thunder storm. Probably there might be a squall, etc This was what they could get So, I was submitting that whatever possible could be done was done and information was given

So far as assistance of Rs 5 crores as suggested by my hon friend is concerned I have already submitted that now the Seventh Finance Commission is sitting Probably, they may recommend such things. But so far we have to go according to the recommendations of the Sixth Finance Commission and according to that we have provided assistance that was required for the time being

SHRI JYOTIRMOY BOSU Seventh Finance Commission is not a tornado commission.

MR DEPUTY-SPEAKER Don't try to create a tornado in the House

SHRI JYOTIRMOY BOSU I wanted an assurance that money will be rushed as grant and there will be no reference of this matter to the Finance Commission and all that, Let the Minister give an assurance Other wise it is very unfair on their part if they do not do if

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Direct grant cannot be given, according to the recommendations of the Finance Commission We only advance from the plan assistance whatever amount is required

SHRI JYOTIRMOY BOSU point of order

174 4

MR DEPUTY-SPEAKER. There is no point of order. Mr. Naik.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: On a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: There is no point of order. I have called Mr. Naik.

SHRI JYOTIRMOY BOSU- On a point of order. In case of Andhra Pradesh, the State Government had been good enough to pay money as grant, I am a party to that,

MR. DEPUTY-SPEAKER: I know the facts, as far as Andbra is concerned.

श्री सक्ष्मी नारायण नायक (खजुराहो): उपाध्यक्ष जी, ग्रमी माननीय कृषि मंत्री महोदय ने, उड़ीसा प्रान्त के कटक और न्योंझर जिलों में जो चक्रवात श्रामा उसके कान्ण जो मृत्यु हुई, उसके छोकड़े दिए ? में ऐसा मानता हूं कि जनता पार्टी की सरकार को सही प्रांकड़े देने चाहिए थे। जैसा कि अखवारों में छपा है, आप सभी ने पड़ा होगा, पांच सौ के लगभग लोग मरे हैं लेकिन मंत्री महोदय ने बदाया केवल 9 कटक जिले में ग्रीर 151 क्योंझर जिले में भारे गये हैं। इस तरह से जो ब्रांकड़े दिये गये हैं-में ऐसा मानता है कि ये वहुत कम हैं। कम यांकड़े देनें से जितनी सहायवा वहां पहुंचनी चाहिए, उत्तनी नहीं पहुंच पा रही है।

धभी मंत्री जीने कहा कि राज्य शासन से हमें जो सूचना प्राप्त हुई है, मैं वहीं वतला रहा है। मैं ऐसा महसूस करता हं कि केन्द्रीय सरकार का यह फर्ज था कि यहाँ . से तुरन्त एक सरकारी प्रतिनिधि मंडल वहां जाना चाहिए वा और उसकी देखरेख में बह जांच होती चाहिए थी । तथा बत्काल सहायता पहुंचनी चाहिए थी । केवल प्रान्तीय सरकार ही इस काम को करे, भ ऐसा नहीं मानता। केन्द्रीय खरकार की

भी यह जिम्मेदारी है कि तत्काल यहां से प्रतिनिधि मंडल वहां जाना चाहिए था और उसके आधार पर तत्काल महायता दी जानी चाहिए थी।

अभी कहा गया कि हम ने सात दिन के लिए उनको खाना दिया है। लकिन मझे को सचना मिली है--इन दोनों जिलों के जो गांव प्रभावित हुए हैं-वे सब हरिजन श्रीर श्रादिवासी गांव है, वे पिछडे औरगरीव व्यक्ति असहाय हो चके हैं, इस लिये बहुत लम्बी सहायता मिलनी चाहिए तथा केन्द्रीय सरकार के पास की ग्रनाज रखा द्रवाहै. उस के द्वारा कई महों तक उन की सहायता की जानी चाहिए। उन के मकान कच्चे थे. जो वह गये हैं. इस लिए तत्काल उनके लिये मकान बनाने चाहियें। यह नहीं होन चाहिए कि श्राप उन को लकड़ी या मिट्टी कोमदद कर दें, बल्कि उनके परि-वारों के लिए मकान बना कर देने चाहिये।

जब आन्ध्र में तुफान द्याया या, उस समय प्रधान मंत्री जी ने सारे देश से ग्रपील की थी। कि बहां पर सहायता पहुंचनी चाहिए। में चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी धौर कृषि मंत्री जी तुरन्त सारे देश की जनता से ध्रपील करें, विलंब में तो यहां तक कहंगा, कि हम संसद सदस्यों से भी अपील करें, ताकि वहां पुर ज्यादा से ज्यादा सहायता पहुंचे और जी गरीच बादमी इस से प्रभावित हए हैं, उनको कुछ राहत मिल सके।

अभी कहा गया कि 250 साड़ियां दी गई हैं। मुझे दुख है कि किस तरह से ऐसी हल्की वास की जाती है। 250 साड़ियों से क्या हो सकता है ? एक बात यह की गई कि जैसे-जैसे लागें निकलती जायेंगी, उन की सारी सुचनायें देते रहेंगे कि कितने आदमी **मरे** हैं। उपाज्यक्ष महोदय, जो परिवार प्रभावित हुए हैं, उन के वजे हुए लोग वहां रह रहे होंगे, वे लोग कलैंबटर या इसरे अधिकारियों से आ कर कहते होंगे कि हमारा

ग्रादमी नहीं मिल यहा है। वे द्यारडे भी इन में शामिल होने चाहिए पे और बहना चाहिए या वि इतने धादमी नहीं मिले है। जायद नीचे दने हुए हैं, ऐसा ग्रन्दाजा है विवेभी मर चुके हैं। इसलिए मेरा बहुना है कि पूरे घान है दिय जाने चाहिए ये तानि उस ने श्राधार पर लोगा को सहायता मिल सबे । क्यडो की ज्यदा से ज्यादा सदद उन को पहचानी चाहिए।

ग्रमी मौसम विभाग के बारे में वहा गया ति जम ने 12 वर्जे मूपना दी और साडे-चार धरे चत्रवातचा गया। ऐसा कैसे हधा ? में यह मानना ह कि मीमम विभाग के ब्रिधि-नारी साने रहने हैं, एक तरह में सिर्फ छाना-पूरी की गई है। उनकी मूचना के ब्राधार पर कृषि मत्री जी ने यहा कह दिया वि 12 वर्ते सूचना दी गर्डे, हमारे खान मन्नी जी भी बहाग्य हुए थे, उन का ह्याई पहाज नहीं ग्रामना। इस ठरह की बानें वह कर जन की इपटी यतम नहीं हो जाती है। उपाध्यम महोदय, हमारे देश में देशन का एक माधारण विसान भी इस बात की जानवारी दे देगा है कि इस ग्राम्ह भी हवा चतरही है इस में पानो आयेगा या नहीं आदगा। दिन तरह से वरनेया। सगर प्रवैया हवा चत्रती है तो बहते हैं कि पानी नम बरनेगा, अगर पश्चिमी हवा चलेगी तो पानी ज्यादा बरसेगा-इम सरह का ज्ञान रूप माधारम दिनान को भी होता है। वेश्नि हमारे मौमम विमाग के अधिकारी, जिन की इयटी है कि इस तरह की मुचना दें, वे मही सूचना न द कर हमार देश के साथ जिलबार गरत है। उहे थोडा सचेत रहना चाहिए। अगर वे समय पर सूचना दे दते तो लोगा की जाने वच मकती थी।

हमन इस सार शास का प्रान्तीय सरकार पर छाड दिया है, प्रान्तीय मरकार क पास जिनने माधन है, उननी महायता ता वह करेगी ही, लेकिन केन्द्रीय गरकार की तरफ

से सुरन्त प्रतिनिधि महत्र यहा जाना चाहिये बाम्बय इस काम को देखे। विना भाग ने प्रतिनिधि मदात ने गये, यह नाम नहीं होंगा, उनका जा कर दखना चाहिये कि जा महायता दी जा रही है, वह पूरी तरह में वहां पहुंच रही है या नहीं, उन था जिननी और ज्यादा महायता की जन्मत है, उस की व्यवस्था भी ग्राप को करती चाहिये।

भै चाहता ह कि कृषि मझा जी इन बाती के बारे म बतलायें।

थी सुरजीत सिंह भरनाला : प्रानरेविल मेम्बर या गिला है इस दात का कि हम ने फीरन ही यहा में सेन्ट्रल टीम बयी नहीं भेजी धौर इस बान का भी गिला है कि हम ने नम्बर बहुत ज्यादा नहीं बताया मरे हुए सारों का भीर बाहा ही बताया है। पद जो वहा पर प्रान्तीय मरनार नाम नर रही है, उस ने द्वारा सै देज का काम हा एहा है भीर मवाना से मिड़ी हटा बर, सवडी घीट मिड़ी दे ढेर उठा कर प्राया या उसमें से निकाल रहे हैं। भ्रत यहा न जा सैन्द्रत टाम जातो ता बह भी देख ही मक्ती थी कि क्या हा रहा है भीर जिती बादमी नियान जा रह है ? धीर काई तरीना ता मन्दाजा लगाने ना नहीं था। ध्रव इन्हान यह पहा कि जा लाग बन यथे हैं ने कन्नटर के पत्म जा भर कहते होने कि हमारे इतन भ्रादमी मर गये। जा भवान जागा ने अपर गिर गये, उनमें ता शायरहा काई बचा हागा। इमारिए छत्र मत नाग निरल जायों और मैन्येज का काम परा हा जाएगा तभी बताया जा सकता है कि वितन भादमी मारे गये । इनलिए मैस्टर से भवर काई टीम जानी ता घह और काई बन्दाजा नहीं लगा कसता थीं। जा धाकडे बतान का तरीका है वह वही है नि स्टेट मवनंगेट से जा ग्राव है मिलन है, जन्हीं का पानियामट का वताया जाता है और हमें अपना तरफ स वडा कर नहीं बता सकता। उन्हान 160 मार्दामया का माकडा मेजा ।

सब समर हम इस की बड़ी कर 1,000 क्वा रेते तो प्राप्त कुछ लोग चुत हो काले सेकिन हम की बहीं बताना पहता है. जो स्टेट नवर्नमेंट से हमें निवता है। लेडेस्ट फीम्से को यहां से प्राप्ट है वे हाउन के सामने राज दिय हैं। मिने प्रत्ने मिन्ना पर कि ह्याम तक ठीक चाँचड़े हमारे पास प्राप्ते तो हम के बाद हम दता सर्वेंगे।

सनाज के बारे में भी माननीय करका ने कहा। उस के बारे में भी पहुँजे कार्य कर चुका हूं कि जितने सनाज की करूरत होंगों और कितना पहुं की सरकार चाहुँगी, हम देने की तैनार हैं।

SHRI GOVINDA MUNDA: Mr. Deputy Speaker, Sir. it is very unoriunate that, on seeing the statenent of the Minister for Agriculture und Irrigation we find that it is a otally incomplete report. Of course, the Government's intention is very good but in the figure mentioned in the report there is a difference of Hell and Heaven, I find from the paper Hindustan Times that the Chief Minlsier of Orissa has stated to the Press that 400 to 500 people have already died. I believe they are poor class people-Harijans and Adivasis, You know that Reonihar is a District (this is my Constituency also) where there are very very poor people Harijans and Adivosis. They are very poor

people who have lost so many lives, along with their cattle and other things.

Amy way I am very much grateful to our Hon. Prime Minister, I thank our Hon. Prime Minister who has kindly sanctioned a sun of Rs. 3 takis for the relief operations from the Prime Minister's Relief Fund. But, so Iar as the loss caused to the area is concerned, the amount sanctioned is unsufficient. I therefore urgo the Prime Minister to kindly look into the matter more sympathetically and gratiously, so that these distressed families could find a sheller again.

Again, I beg to draw the kind attention of the Hen. House to the disaster which has occurred due to termade in the fire villages of Keonylan District of Orisra State on April 18, 1978. The houses of about 700 families in the five villages have been pared to the ground and 1800 persons are forted to have been dead. Even now dead bodies and injured persons are being taken out of the debris.

Even though some relief work is being done by the District authorities. the Central Government may think very seriously, to give substantial financial help for the relief of those distressed people who have been affected by the tornade, Indian Red Cross may be asked to send the relief supplies immediately, I would request that the Central Government may send a Central team to assess the less. The Metercological Department has failed to warn the prople of this impending tornado. It came upon them all of a sudden, I would reduct that the Central Government should strengthen the Metercological Department to be an effective instrument for the good of the yeaple. Since the area is very fertile and paddy grows in abundance, the Ministry of Agriculture may be asked to give financial help from their funds to the affected farmers in the shape of sheds. fertilizers and other instruments.

# [Shri Govinda Munda]

287

The House may be well aware that all the houses in the villages of Keonjhar district are thatched ones For the last thirty years after independence not even a single house in any of the villages has been pucca May I earnestly request the Government to kindly set apart certain funds from their Rural Upliftment Fund and create an organization which may select certain villages year after year and make them pucca? This will create a sense confidence amongst the tribal people and Harijans

May I know whether the Minister for Agriculture will agree to send a team of Members of Parliament to this area to assess the actual position there? Secondly will be himself kind. ly agree to visit the area and have a complete picture of the situation theres

SHRI SURJIT SINGH BARNALA-Sir I have all the sympathles with the hon Member in whose constituency the tornado has caused such a big loss in fact he should have been there by now and should have supphed more information to the House That would have been very good Whatever information he has got has been collected by him from paper reports As submitted eather, We cannot take all these reports as correct We are submitting only those reports which we are getting from the Government there

So far as the relief and rehabilitat un work is concerned, necessary measures are being taken and as I stated earlier probably come of the villages will have to be shifted to some other safer places and then the construction of houses will also come in If they are keen to have pucca houses they can ask the Government that they want pucca houses This is a good suggestion that has been made by the hon Member However as the entire villages as stated by the hon. Member have thatched houses, probably all houses cannot be pucca also in that area If one village is made up of pucca houses it will cause a great heart-burning to the other villages, the neighbouring villages, and it would create difficulties for the hon Member himself

## 13 49 brs

DEMANDS FOR GRANTS, 1978-79-Contd.

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS-CORED

MR DEPUTY-SPEAKER We will now resume further discussion on the Demands for Grants of the Ministry of External Affairs

#### Shra Mayathevar

SDRT K MAYATHEVAR (Dindi Mr Deputy Speaker, Sir, I rise to support the Demands Grants of the Ministry of External Affairs on behalf of All India Anna DMK It was the late Pandit Jawa harlal Nehru, who, in 1954 propounded the foreign policy of India, which was also styled as non-alignment policy He taught this country and other countries of the world much about the policy of co-existence and panch sheel. We were able to propound so many non-violent policies and very good policies which are nonviolent according to Mahatma' Gan dhis principles and policies. In spite of our preachings of non violence and peaceful co existence and the Panch Sheel and in spite of the fact that in 450 replied a replied of the second and self. China and declared to the world Hends-Chini Bhas Bhas', the Chinese stabbed us on our back in spite of our sincerity, honesty and straightforwardness in our foreign policy to wards the Chinese Therefore must be very careful, very cautious and alert towards China

We had great respect for Britain The British Government was responsible for dividing our motherland Mahaima Gandhi said India is like a con. The cow is respected by us as it is considered a representative of God. Gandhiji said 'Cutting India into two amounts to cutting a cow into two'. But the former President of Pakistan said, 'No I do not want to hear your words. I want India should be divided.' And accordingly it was partitioned and it has created so many troubles. Who is responsible dividing the country? Is it not the cunning Britishers who are responsible for dividing our motherland into two? Therefore we must be careful with the British fox also so far as the foreign policy is concerned.

Then we come to the Commonwealth of Nations. We are not ashamed to say that we are still a member of the Commonwealth of Nations, When there was a tussle between Pakistan and India the British Government, our old master-I am ashamed to say and we do not admit but some people say they were our masters, the British Dorais-in Tamil we call Dorais but we never accepted them as our masters an actually we are the masters of the Britishers-created another They not only divided the trouble. country but they created Kashmir also with the object and intention that we must have an international trouble throughout our life. That trouble is even now continuing but our hon. External Affairs Minister who is one of the very responsible and seniormost leaders of the country and even at the time of Jawaharlal Nehru he had vast experience so far as Indian politics and foreign affairs are concerned, is making his best efforts to solve our problems.

Then, Sir, we must be very careful about America also, not alone with China and Britain ... (Interruptions). Anna DMK is very non-violent, It believes in Mahatma Gandhi's nolicies of nonviolence. Therefore, you need not be careful about us. If you are careful, we will be careful about you...

MR. DEPUTY-SPEAKER: Anyway, it does not come under External Affairs,

512 LS-10.

SHRIK MAYATHEVAR: Regarding USA even before 1947 they were not in favour of our Independence but Russia was in favour of our independence-subject to correction. the course of our fighting and the international clash with Pakistan the American Government was pouring arms and ammunitions and extending all kinds of military aid to Pakistan but they withdrew their aid to our government. Even the little aid they were giving us was withdrawn by the Americans but they gave double the quantum to Pakistan. At the time of Indo-Pakistan war, it is shameful on the part of the American Government that they sent Seventh Fleet in support of Pakistan. Although I welcome the genuine non-alignment policy of this Government, although I appreciate the genuine foreign affairs policy of non-alignment. I request the hon, a Minister of Foreign Affairs of the Governmet of India to be very careful about the USA Government.

Yesterday, we were discussing about the nuclear powerpack, Hon, Prime Minister made a lengthey statement in this House. I quote:

"The remote sensing device with a nuclear powerpack was installed at the highest point of mountain under an agreement between the Government of India and the United States."

If so, why was it not announced to the people, in this House if this was in the interest of the country to instal such a device at the height of 20,000 feet. If it was in the interest and security of our motherland, why after the Chinese clash, it was not dismantled. Why were the people of India not informed about it? We are highly disappointed about the secrecy. I accuse the former Congress Government also which allowed impliedly, directly or indirectly, this kind of spy system in our mountain. This should not be allowed to continued hereafter. This Government should be very careful towards such kind of spying

## [Shri K. Mayathevar]

activities by the American Government CIA is working, for what? CIA is working to depose certain Government elected by the people The democratic Government are de posed by the CIA Therefore must be very careful about the CIA and its activities in India

P UNNIKRISHNAN SHRI K Subramaniam (Badagara) Shri Swamy gets excited when the word 'CIA' 15 uttered

SHRI K. MAYATHEVAR 1 welcome genuine ron alignment on behalf of my party Do you think that the former Government was following non geruine or in-genuine nonalignment policy? I do not accept that You should not, once for all, shift the burden on the Indira Gov ernment-that Indira Government was not sincere I am not soing to accept that That Government was also as sincere as this Government is

### 14 hrs

So far as India is concerned, we are genuine to everybody, even to America or China But I doubt whether anybods is genuine to our policy, that is my doubt. Is any country genuine to our country? No Yesterday, the hon Prime Minister said, we are respecting China and We are going to revive our relations with China, Pakistan. Burma and all the countries including America and British Government But I doubt very much very reasonably I am doubting that no Government is following our nonalignment policy which v as being fol lowed at the time of Pandit Jawaharlal Nehru when we were stabbed by China and Pakistan twice. We must be very careful. Other countries are behaving as if they are following that non violent pol cy taught by us But nobody is following They are talk-ing from their lips only They are stabbing and shooting on our back, on our shoulders if not on our cheet 1 request the hon Minister to very careful about the policy of gen uine non-alignment Although appreciate it we must be very care-

ful about thege things because at the time when the Israel Arab war was on, the Americans vere supporting Israel. We were supporting the Arab countries At the time when North Korea and South Korea were fighting we vere supporting North Korea and they were supporting South Kores Finally Americane beaten to mi in the battlefield of Vietnam. When Vitnam war broke out Americans were supporting South Vietnam and we supported North Vietnam. Therefore I request the hon Minister to be very careful in regard to our foreign policy towards America and American CIA and American foreign policy

Then, Sir, we had the highest regard, honour and respect to the pre sent President of the U.S.A Mr Carter We accorded him the higgest welcome and reception in our Central Hall when he came and visited our country But he did nothing. It is love's labour lost! We loved him we lahoured for him, we lost ever thing finally here in the Central Hall! He did not help our country. He did not support our hon Prime Minister's policy regarding uranium, in spite of our sincenty and honesty towards America Therefore even Carter, I am sorry to say, is not eincere. I am told his mother was working here in India as a nurse We thought that the American President would have greatest respect and sincerity from the bottom of his heart towards India not from the lips just like the other former Presidents of USA like Mr. Essenhover and others Bur this man has unfortunately accidentally and unexpectedly proved that he is also a legal heir of those former Presidents of America. He is only following the old American foreign policy and he is not an exception Therefore we must be careful about Carter also

I am coming to the last point. This is regarding your Report for 1977 78 assued by the Ministry of External Affairs Please see page 56 para 2. It says

This Ministry has two specialised fields of work, i.e., protocol mat-

ters and international relations. In these two fields, Hind; was regularly used during the year under review. Documents like Letters of Recall, Letters of Gredence and Commissions of Appointment as well as other protocol documents, were prepared in Hindi. The Ministry also advised Ambassadors and Heads of Missions that while presenting gredentials, they may as far as possible, make their introductory specches in Hindi.

My submission on this point is this, I want to know whether the Foreign Affairs Department is a Hindi propagating Department or propagating Indian foreign policy? This is a simple question. On behalf of the non-Hindi speaking people, on behalf of the South Indians, I am asking this question. They are giving special respect to Hindi and Hindi alone in foreign affairs to ,make the world understand that Hindi alone and Hindi only is the only language available in India in the language market. Are no other languages available here?

Therefore, Sir, I do not oppose this. Lat, my submission is this. The non-Hindi speaking officials will lose the opportunity in the matter of appointment or selection in different services. Therefore, this discrimination should not be made against the non-Hindi speaking people. You must encourage at the languages of our Indian people. The pe ple who do not know Hindi will not be selected in the LAS LES. clc., scriptes.

The hot, External Afters Minister mide a speech, emembre in Bherest List he subsrquently funder that That was on the question of the Hinds language bring the official language in the Public Service Commissions. The hot, Minister later said that he did not make a mention of it in his

speech. On the first day we were unhappy. The next day we were extremely happy to hear his speech here. You should not take away the opportunity of the non-linidi speaking educated people in the matter of selection of officials in your ministry for these higher posts on the basis of the language.

I would now quote one sentence from page 58 of this report. See the last sentence of the last paragraph. I quote:

"The Council regularly sent Hinds books for presentation to the cultural institutions and also arranged to project Hinds films in foreign countries".

Why Hindi films alone? It means that it includes, indicates and reveals also that the Hindi pictures alsone are despatched to the foreign countries for screening.

Equal opportunity should be given to the Tamil, Bengeli, Malayalam, Kannada, Telgu and Marathi pletures also and not only to Hindi pletures. (Interruptions). Under, Art. 14 of our Constitution there should be equality for all before the law. Under, Art. 14 we say we allow equality of opportunity before law. Similarly, there should be equality for every language pleture. Equal opportunities should be given to all the language pictures that are produced here. With these few works, I conclude.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Dr. Subramaniam Swamy

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Heshengabad): I want to know when the Minister will reply,

MR. DEPUTY-SPEAKER: Well, some time in the evening. We had drive hours twonly minutes when we started. So, I have to calculate the time because we have been doing it in blacks.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I think the time may be extended by one hour. The Speaker sale that he will consider the matter. (डा॰ मुद्रहाष्यम स्वामी)

299

दूसरी बात में यह कहना चाहता ह कि हमारे बान गास के देगों के साथ हमारी दोम्ती हो गई-यह बहुत चचडी बात है , ऐसा प्रवश्य होना चाहिए था, । किसी भी देश व माय दुरमनी रखना ठीक नहीं है, गत्रता किसी भी देश का साधार पर होना चाहिए । परन्तु भाग यह भीति बनाने की भी ग्रप्यवता है कि पाकिस्तान वे साथ हमारी नीति बना हो ? पास्त्रिम्तान ने साथ हमारे सम्बन्ध सुधरे, में भी इसी पक्ष म ह, उमशे जित्तरी मदद चाहिए, वह देनी चाहिए । वह एक छोटा सा देश है, हम उस में कोई ज्यादा खतरा नहीं है। मतेंबा से ग्रगर बह हमारे देश पर भाकमण करेगा, सा जितने दिन बचेगा--भें कह नहीं सकता । दिक्ति उन की यह बात समझ में भानी चाहिए कि वह छोटे हैं, हम बड़े हैं, सिक्योरिटो की इंग्टि ने पारिस्तान से डरने को प्रावस्पनता मही है। लेक्नि यह मावश्यक है कि पातिस्तान के बारे में कोई पालिसी होती चाहिए पाकिस्तान के साथ हम बंधा करना चाहने हैं। पाकिस्तान भ्रमम देश कुवी बना ? ब्रिटिश सामान्य ने इस देश को दो हिम्सा म वाटा या। इस लिए बना। वास्तव म तो, एह ही देश होना चाहिए था, लेकिन दो देश दन गये । अम इम का एक बनाने के निए दौरनी. मिलना, प्रेम यह दीर्घ कालीन दृष्टि रहे, ती यह एक हो सकत हैं। मेरे ऐसा कहन ना यह मतलव नहीं है कि नोई घदराहन पैदा हो नाए कि यह तो एकी करण की बात कर रहा है, ग्रवण्ड भारत की बात कर रहा । में प्रखण्ड भारत नी बात नही कर रहा हू । अखण्ड भारत ता पहले या ही लेक्नि उस की अदग अलग हिस्सा म बाटा दिया गया, उन य दृश्मनी पैदा की गई--हम इस को हटाना चाहिए, जो जहर फैनावा गया या, उस की हटाना चाहिए । पाकिस्तान के लोगों के दिला म यह वात धानी चाहिए ! वि हिन्दुम्तान वे लोग दोस्त, है, उन के मित्र हैं, यह बात उन के दिल में जगानी चाहिए।

इसके विष् एव पालिसी की आवश्यकता है। इमलिए में विदेश मती जी में आग्रह करना---माप ने पाविस्तान साथ दोस्ती की, सलावः डैम का समझौता किया, इस के लिए आप बधाई के पात है। जो नाम पुरानी मरकार इतने एपीजमेट के बाद भी नहीं कर सकी थी. इतनी नाटक-बाजी करने के बाद भी नही कर सकी थी, उस का हमारी सरकार ने कर दिखता दिया, परन्तु इस व साथ ही आगे ने लिए हम ग्रपनी एक नीति बनानी होगी. दोनो देखे की जितना तियह लाया जा सकता है, साना चाहिए, जो वॉर्डेर वन-हैं, उन का ग्रन्तर्राष्ट्रीय रप हो न रहें--ऐसा यदि दोनो देश मान से ता मैं समझता हू कि हम हमार देश के लिए भी अनक्ल होगा और पाकिस्तान क लिए भी मन्द्रम होगा।

दूसरी बात में यह नहना चाहता हू कि जहात ह चाइना का सवाल है, इस मंजी परिवर्तन हुए हैं और जिस दिशा में हमारी मरकार बड़ी है प्रश्नुबर माम से उस का में विलवुल स्वागत वरता हू । बहुत समझदारी र साय हम बागे बढ़े हैं और वाइना में भी इस का स्वागत हुमा है परन्तु में दी, तीन बातें

इस सम्बन्ध में वहना चाहता हू। जब भी चाइना म भारत के विरोध में कोई भी समाचार छपता है, छोटे से छोटे यखवार से छन जाए, जदको यहा के दिदेश मतालय के सचिव, विदेश महालय के मारिशियन्स यहा के पत्रकारा को दे देत हैं भीर वह समाचार खुब छपता है, पन्ट पेज पर छाता है और मतालय नी धोर से भी वक्तव्य भा जाता है लेकिन जब वहा पेपर म कोई बच्छी मात छनती है, तब वह यहा व बखवायों में नहीं छाती है। सभी सभी बाइना म "पीपुरम डेली" जिस को चाटना म अधिहत रूप में स्थान दिया गया है, एक एडीटोरियल छता था, जिस म आरत की बडी सराहना की गई थी ग्रौर जो स्वागत यहा पर र्वेष पिन नेन का हुआ था, इस बात की उन्होंने उठाया या भी हेडवाइन्स में हिन्दी चीनो माई भाई' की वात छपी थी। हम ऐसे

स्तोगन को वाधत महीं से आना चाहते हैं घर हमारे सोर चीन के बीच में जो दोसती उहेगी, वह नेवानत इन्हेंस्ट के आधार पर रहेगी और पढ़ दोस्ती कोई मार्च कर कर के सा एमेक्स के आधार पर नहीं हो सकती, परस्तु में यह जरूर कहना चाहता है कि इस का समाचार का गाँदि कार्यनिस्ट पर कुछ निवास है कि

Vajpayee is a reactionary.

Morarjibhai is an imperialist.

ती यह तो बखबार में आ जाता है लेकिन विदेश मेवालय द्वारा यह समाचार हमारे यहां के पेपर्स को नहीं दिया गया । छोडे पेपसं में जो समाचार भारत के खिलाफ होते हैं. ने तो छप जाते हैं लेकिन 'पीपुल्स डेली' जो आफिशियल पेपर माना काता है और उस ने लो एक एडीटोरियल तिखा है और उसमें भारत की सराहका की गई है, उस के बारे में कुछ नहीं कहा गया। इस का अर्थ में क्या लगा सकता हं ? मेरा कहना यह है कि दोनों का समाचार ग्राप मत दीजिए। हांगकांन के पेपर को भी छोड़ दीजिए और चाइना के 'पीपल्स डेली' में जो निवा है, उस को भी छोड दीजिए। दोनों का मत दीजिए, लेकिन अगर हांगकांग के पेपर का समाचार देना है तो दूसरे पंपर का भी रिलीज कीजिए।

श्रीरद्दन्दिस गांधी किसप्रकार के लोग थे। \* \* मैं कहता हूं कि जो यह किया गया.... (स्यवद्यान) ...

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN (Badagara): How dare you talk?\*\*

डा॰ सुब्रह्मप्यम स्वामी : यह प्रधान मंती के स्वर पर किया है और मैं कहता हं कि श्राब तक, हमारी सरकार बनने तक, खन्या को शहफल्स दिये गये. गन्स दिये गय और सी॰ प्राई० ए० ने इन का माथ दिया या। 1969 में इसकी समाप्त किया गया। इस प्रकार की जो बाह बोलने वाले होते हैं. वे सी॰ बाई॰ ए॰ की बाद करते हैं। मैं तो कहंगा कि सी॰ बाई॰ ए॰ का नया नाम क्लीरस श्राफ इन्दिस श्रम्मा होना चाहिए। एव इमजेन्सी सनाई गई तब सी० भ्राई० ए० मे इन्दिरा गांधी का साथ दिया। मैं उस टाइम में समेरिका में था और वहां पर सी० आई० ए० के लोग और साम तौर पर अमेरिका के लोग, कहते थे कि इमें जेन्सी अच्छी है और संअप यांधी कर प्राइम मिनिस्टर बनना चाहिए ।

"Because Sanjay Gandhi is eminently purchasable we have got a lot of money and he is foolish enough to take money"

में कहता हूं कि भाष 1966 के स्टेटमेंट्स की देख सीजिए, जब इन्यिस गांधी थी अमे-रीका में गई थी। उस सवय के भाषण में

[डा॰ सुद्रह्मण्मम स्वामी]

क्या था। उस ममय उन्होंने कहा था कि ग्रमेरीना जो बीयतनाम में पर रहा है, वह विल्क्ल मही कर पहा है।

"We have sympathy with America about Vietnam."

यह न्युयार्क टाइम्म म यन्ट पेज पर छपा या।

धो बसन्त याठे (ग्रकोता) · ग्राप मी० ग्राई० ए० की स्कालरोंगए लेकर अमेरीका गये ये या नहीं ?

डा० सुत्रह्मण्यम स्दाभी : इसः प्रसार वे सोग यहा प्रचार कर रहे में । ग्रव सी० धाई० ए० को क्या ही गया है।. (श्यवद्यान)..

ग्रन्त में में यह कहना चाहता हू कि जो मुलाब में ने धाप के मामने एवं हैं, उन पर ग्राप विचार हरे।

थी बसत साठे ' मी० धाई० ए० की क्लालक्ष्मिय पर धाय समेरीका पटने की सर्वे थे. इस बात को बाद ने इम नदन में माना था. बोलो?

टा॰ सुब्रह्मण्यम स्वामी ' श्रन्त में में इतना ही बहना चाहना ह नि हमारे देश का यह बड़ा सोबाम्ब है कि वड़े ही सन्दलित. साच विचार न रने वाने, मनतदार प्रन्तराष्ट्रीय क्षेत्र म सहयोग में मान्यता रखने वाने श्री घटल विहारी वाजायी हमारे देश के विदेश मती हैं (ध्यवधान) ये लोग हमारी बात ने खग होत हैं इनसे मझे बोटा डर मी सगता है। लेक्नि में जनर कहना चाहता ह कि इतने ग्रन्छे विदेश मुत्री हमारे देश में बारी भी नहीं रहे हैं। स्ये पहने से पता या कि ऐसा होने वाला है। इस वास्ते हम जो भी वात एउने है वह मही होती है। मैं कहना चाहता हु कि एक उच्च पद पर वह पहच गए हैं और अब उनका अपनी प्रमुख करने बाली से सावधान

रहता चाहिए (क्थबद्यान) वह और भी करे पद पर जाने वाले हैं। उस पद पर जाने के लिए ममय है । मैं उनको सावधान करना बाहता द कि इन से वह दन कर रहें । विशेषकर ऐसे नोगो से-(ध्यवधान)

र्भने वास्तविकता धापने मामने एस दी है। मैं इतना ही धन्त में निवेदन गरना चाहता हू कि जवाहरलाल नेहरू के नाम से हमारी विदेश नीति को प्रापन जोट। Jawaharlal Nehru was a failure all through. उन्होंने मार्वजनिव रूप से जो बात वही भीर निजी स्थ में जो बात की वे चलग-अनग थी। हमे भारत नी चात्मनिर्धन्ता के ब्राधार पर खड़ा करना है।

एक माननीय सदस्य : यही जवाहरसाल नेहरू पहने थे।

डा॰ सुबह्मज्यम स्वामी ' एम॰ घो॰ यबर्द को पुस्तर पड लें समझ मे था जाएगा। भारत की असली चेतना और जो बास्यविक स्थिति है यह तभी सामने या मक्ती हैं जब बारम निर्भरता में माधार पर विदेश मीति बनाई जाएमी और उसको चलावा जाएका।

इतना यह कर मैं सपनी बात की समाप्त करता है।

SHRI L K DOLEY (Lakhmipur) We take objection to the allegations made by Dr Subramaniam Swamy against Jawaharlal Nehru and his foreign policy Let it go on record that we take objection to this

MR DEPUTY-SPEAKER No ques tion of objection. It is his view and that is your view Mr Chandrappan.

SHRIC K. CHANDRAPPAN (Can nanore) We are discussing about India's foreign policy in the context of very significant developments in the

international field. In the report presented by the Ministry of External AI. fairs, the very introduction of it begins with a half truth. It says that a consensus on foreign policy had developed within the county cutting across party lines immediately after independence when the process of decolonisation was going on. I am only saying that it is a half truth.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): There is some voice of dissent, but there is consensus.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: We heard a bit of that dissent. We have seen in the speech of Dr. Subramaniam Swamy, the unashemed moment in which Dr. Subramaniam Swamy tried to denigrate the policy this country had evolved in relation to external affairs at the time of Nohru. We may have had so many differences with Nehru. but the fact of the matter remains and it will be upheld by history that it was he who enunciated a foreign policy which was fully in tune with the national traditions of this country.

The anti-imperialist tradition of this country was upheld by Shri Jawahorlal Nehru in enunciating India's foreign policy. The same forces which are now trying to denigrate Shri Jawaharlal Nehru and India's foreign policy of non-alignment were there even at that time. Dr. Subramaniam Swamy might have been very young. At that time Krishna Menon was the target of attack in the Bombay elections. I do not know whether you were elected from the same place. Some of the present leaders of the Janata Party raised all these issues of relation with China. relation with Soviet Union, non-alignment, India's relation with America, etc. even at that time to oppose Krishna Menon. Today strangely these people are so friendly with China! Dr. Subramaniam Swamy was speaking in the tone of Brzezinski, National Security Adviser to the U.S. President. Wr. Brzezinski was speaking before

Jimmy Carter came to India. Explaining to the press the importance of the
visit, he said two things. Firstly, he
said that Jimmy Carter was coming to
India to change the tilt in India's
foreign policy. He said, there was a
tilt towards the Saviet Union and the
US President wanted to till it towards
should become friendly with China.

We have always stood for normalisation of relations with China. We want it. But why did China and India become enemies?

There were reasons for that, China changes those policies, we are for friendly relations with China. But today with Dr. Subramaniam Swame, there are other gentlemen like the Shah of Iran and Brzezinski who are advising this prescription to India: "You become friendly to China!" It was the same forces of imperialism and their agents-I do not know whether the words 'running dogs' are parliamentary; if it is parliamentary, I would say-these running dogs of imperialism were the forces who were trying to scuttle India-China relations when it was in the interest of world peace, non-alignment and progress of mankind. But today you are speaking like this and the world will under stand.

In this report, there are certs:n other factors missing. I do not know whether it is not for us to say something more positive against the attempt of US imperialism to make bigger defence preparations, and 10 manufacture the neutron bomb. I am happy the Prime Minister is going to attend the UN disarmament conference, if I am not wrong, Certain questions will come up there in relation to disarmament. There is a very positive proposal for disarmament advanced by the Soviet Union and other socialist countries but mainly by the Soviet Union. There is no use bracketing both USA and Soviet Union as super powers as your report tries to do. At least

### [Shri C K Chandrappan]

DG. 1978-79

307

in our interest it is not good to say that there are two super powers in rivalry and we are non-aligned in between That is not the fact Take India's own interest As Mr Subra maniam Swamy said I agree with him, we have to take our own national intrests and we have to see which forces are for us and which are against Our policy towards the United States Mr Foreign Minister is not an acc dent you will agree with me During the last 30 years whenever the interest of India was affected we have seen the US imperialism standing against India in the other camp On the question of Kashmir, on the questien of Goa's liberation, on the question of Bangladesh and on ever so many questions on all the wars that India had to fight against her aggressors, we have seen the US imperialism standing on the other side. In the early da s of India's Independence there were even attempts made to be friend USA but they did not succeed hecause the imperialist nation as the USA is, it is always against the interests of developing countries So, they will be alvays against us and today also So if you take the national interests afr Subramaniam Swamy, you cannot gain anything by making friendship with the United States and this Report is trying to make a white-wash. Our relation with the Shah of Iran your

## चौधरी बलबीर सिंह (हाशियान्यूर) साप जरा विदेश मही की में कल रहे थी मब्ह्या यम से क्या करते हैं ?

ney friend-not yours but his

SHRI C K CHANDRAPPAN SIT the Shah of Iran the first product of US destabilisation policy 35 years ago is the result of that They killed democracy there butchered thousands of people. He has some petro-dollars and we became so friendly with him We are bartering our economy to the Shah of Irao Your Kudremukh js nothing but bartering away india's economy And what is this Rajasthan Canal? You are becoming share croppers, Indian peasants of Rajasthan will become share-croppers of the Shah of Iran That is the policy

AN BON MEMBER How?

SHRI C K CHANDRAPPAN Yes you will understand if you read it. Then, the policy of Iran is presented in this Report The new, traditional, historic relation is being revised. They subtert, they hutcher people and kill them We have a responsibility to fight these people also

SUBRAMANIAM SWAMY What about Mr Sakharov?

SHRICK, CHANDRAPPAN don't know who he is,

Sir, the point is that the Shah of Iran ls playing a sub-imperialist role in this part of the world (Interrupfrons) It is again he who played a destructive role in the heart of Africa about which the Government says that we are not concerned. No You should have take to a policy which would have been appreciated by the African rentle the OAU The OAU adopted the policy of supporting Ethiopia The Source Unino was on the side of Ethiopia just as it was on the side of India and Bangladesh at the time of the Bangladesh liberation struggle The Cubans are on the side of the national liberation movements Strangely, we found that the Shah of Iran going with his arms and everything. And if you take the South-East Asian policy. your Report is trying to depict-my friend Mr Samarendra Kundu was there in Vietnam He has done some good sob there What is this ASEAN? ASEAN is nothing but the presentation in civilian clotthes, of SEATO which is dead and bursed It could not surtive with his arms and everything. And the onslaught inflicted on it by the people of Indo-China-Victnam, Laos an Cambodia They had to swallow the SEATO and they presented the ASEAN, a colour in civilian dress, but the US imperialists are trying to make it a militar yground and you say that we are trying to develop very good relations with them.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SAMARENDRA KUNDU): Ask your friend, Mr. Dong

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I will ask them. Let us not quarrel. I have no quarrel with you.

These are the developments that are taking place. In my opinion, the Government of India should take more positive and more forthright steps in relation to the coming Disarmament Conference, the North-South dialogue and all that. They have taken some good steps. I welcome them.

The last point is on the question of African liberation struggles, especially in the southern tip of Africa. Your stand is good. I appreciate it. I do not know whether some of your people agree with it. My point is that it is not enough. You will have to be forthright in supporting them, helping them financially in a much bigger way-and not merely in expressing solidarity with them. The time has come for the Foreign Minister Mr. Vaipavee to put it correctly. The last chance, he described it. The Anglo-US plans for Zimbabwe have been rejected by the African people and their representatives; and to-day as Mr. Vaipayee said. the only solution is the armed insurgence there. And there, India should play a more positive role. And about Bangladesh, Sir, it is good that Govemment are trying for good neighbourly relations, but it should not be at the cost of the democratic elements there. When people are butchered and democracy killed in Bangladesh, I think India has a moral responsibility to come forward in support of the people there. It is not an intervention in the internal affairs of the country.

MR. DEPUTY SPEAKER: You will have to conclude now.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: The really last point is about the CIA. Yesterday, Mr. Swami was very happy. I knew he will be happy. Yesterday CIA was white-washed here. An innocent, angel-like CIA fluttered in India. with the consent of the Government, It is very good. But let us not forget one fact. I was reading one book. During the last 5 years, CIA had interfered 660 times in the affairs of other countries. In this connection, Mr. Krishan Kant will remember it. I think he also participated in the "Rampart" magazine interview about the revelation made in this House, At that time, the present Prime Minister, Air. Morarji Desai was one of the trustees of the Indian Assembly of Youth which was involved in receiving CIA money. Mr. Morarji Desai was honest enough to say, "I resign from it." The Indian Assembly of Youth has changed its garb; and to-day with the blessings of the Swamis in this country, it is there-our own SwamL

At that time, is it not a fact that the Indian Government as it was told by the Foreign Minister and the Prime Minister-agreed to the CIA coming and planning that highly sensitive plutonium device with a nuclear explosive there? Is it not a fact that the Government at that time could do it only after butchering Krishna Menon? Yes; there is a story behind it. The whole proposals of the US, including. ....

MR. DEPUTY SPEAKER: conclude. You cannot go on with the story now.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: The whole proposals of the US, including the proposal of nuclear umbrella were stoutly resisted by Krishna Menon; and he was butchered at the altar of HS imperialism; and then this concession was made. I hope the Foreign Minister who revealed that hombshell yesterday, will reveal this bombshell

SHRI C. M. STEPHEN (Idukki): One year back, when the new Government started functioning, they began with an assertion that they were continu[Shr<sub>1</sub> C M Stephen]

311

ing the foreign policy of the former Government The foreign policy was the one thing on which the present Government asserted that the policy will be one of continuation and con tinuity and that there was not going to be any deviation. At that time this policy statement by the External Affairs Minister of the Government it was more or less clear was not the unanimous voice of the Janata Party We had for instance persons like my very beloved friend Subramaniam Swamy coming openly and strongly against

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE Beloved?

SHRI C M STEPHEN 1 said beloved and lovable

SHEL ATAL BIHARI VAJPAYEE Is he lovable?

SHRI C M. STEPHEN He came out strongly against the basic tenets of the foreign policy. He had gone to the extent of demanding the scrapping of the Indo-Soviet Treaty On the basis of that news was floating about that in spite of the identity of their party offiliations within the party there was much of confrontation between them and there was not much love lost bet ween them. Today we found hir Subramaniam Swamy giting tery handsome compliments to Shn Atal Bihari Vajpajee It is a fact that he gave very high compliments to him and there was an appearance of com plete friendliness

Now I am wondering whether there is something which could be read bet ween the lines whether some change is taking place or not I do not think that Shri Swami is the type of person who can change that easy because with respect to these matters what he speaks is not what really is his He is bound to speak by certain com mitments

AN HON MEMBER Indira

SHRI C M STEPHEN Forget about that

AN HON MEMBER Why?

SHRI C M STEPHEN But then there is a change I have got before me documents which spell out certain new propositions Last year when the 1976-77 report was presented they said

the substance of the coun try's foreign policy was not an issue during the elections the Government reaffirms its commit ment to the policy of non alignment and affirms that is continuing that policy

Today also thiey have said something like that They have said

during title years immedia tely before independence and subsquently when India played a domi nant role in the political process of decolonisation, a consensus on foreign policy had developed with in the country cutting across party lines Against this background it wa only naturel

Then they went on to say

This did not however mean that this major political transforma tion did not have any influence on the content and style of foreign policy

Here we get the first indication openly stated, that the foreign policy is not going to be the same as it was They now say that there is a change in the content and style of the foreign policy new phases are coming in. I am putting these two togetherthe present attitude of Mr Subra manian Swamy on the one side and the statement in this document of the Government on the other side where the Government says that the content and style would remain chang

ed. If the content and style, if these two things are removed, what remains in the foreign policy, I do not know. As far as the content and style of the foreign policy are concerned, they are not going to be the same, they are going to be changed, the change is taking place. What exactly the change is what the Minister of Externai Affairs in truthfulness must explain to the people and explain to the world.

313

Now you have high-lighted certain new points, certain new philosophy and certain new phrases have started coming. In this Report you have stated about "neighbourhood diplomacy." Yesterday, Shri Kundu coined a new phrase "Asian image of India" or something like that.

AN HON, MEMBER: Asian personality.

SHRI C. M. STEPHEN: Yes, Asian personality of India, as if it was ever in doubt that we are an Asian country that we have got an Asian image or Asian standing. They are going to find a new Asian personality. The question is whether this endeavour to discover a new Asian personality is the same as the personality that we wanted to project.

As far as good neighbourliness is concerned, this is what the document of 1976-77 says:

"India worked for the extension of detente in its own region by trying to normalise and improve relations with all the neighbours. A. number of issues were settled through bilateral negotiations. The entire maritime boundary with Sri Lanka was deliminated on the basis of agreement signed with that country. An agreement was concluded with the Maldivis for delimitation of the maritime boundary between for two countries. Friend-Iv ties were maintained with Afghanistan and Nepal. Excange of visits with Afghanistan and Nepal, at the ministerial and official levels, and the discussions held during these visits reflected a spirit of

goodwill and understanding, Initiative was taken to normalise relations with China and diplomatic ties were re-established with that country at the level of Ambassador."

The whole chronicle, as far as the neighbouring countries are concerned, is that normalisation took place, that agreements were arrived at, that we were on the path of normalisation and good neighbourliness. It was attempted in 1976-77 itself, and that is acknowledged. Therefore, the question I am now asking is this. Apart from this, what is the new element in the neighbourhood diplomacy that are evolving, what is the new Asian Personality that you are projecting. that you want to project? I am saying that you are doing something wrong or anything like that, but tell us, when you use the phrases of "neighbourhood diplomacy" "Asian Personality", against the background of what was being attempted earlier, what is the thting that you are attempting? This is a matter which has to be explained.

Somebody said that India must lead the other countries, somebody else said that India must go to the assistance of the other countries. Another Member said that India must give confidence to the neighbouring countries. One Member went to the extent of saying that Morarji Desai's statement on Sikkim sent terror into our neighbouring countries. So, what is the role that we are playing? Are we playing role of only an Asian country, are we playing the role of leading somebody, are we playing the role of a big brother, giving monew and everything to everybody? That was not the role that we were playing We had been playing plain role of a country which knows its mind, which knows its inherent strength, which has got an economic sub-structure to rely upon with personality of its own, not limited to Asia or the Southeast Asian area

[Shri C M Stephen] only but covering the entire world the non aligned world not linked with any particular bloc not being under the umbrella of any particular bloc but having its own percenality and projecting its domestic policies on the international feld Therefore the sort of thing that "e are now finding 14 lather disturbing

Mr Atal Behan Valpayee does make occasional visits to India know! when those occasional visits to India are made he should make an attempt to understand what exactly the economic policy of this country is or must be. This attempt has got to be made

There are new phraces coming up like genuine non augmment? Is it different from the non-abgument that we had been following so far? Or is it suggested that the non alignment that Pandit Nehru followed was not gen uno non alignment? If that was not non alignment and non-alignment characterised by genuineness is now forth coming then you candidly concede that you are changing the foreign policy You have got the cancilon of the people you can do it, but do not come out with the statement that this is non alignment

India has its own concept of non alignment from the Power blocs We are not part of any Power bloc we are not subject to anybody alignment means as far as we are concerned not neutrality not mach vity not just blindness but a positive policy in the interests of the country in our self interest

Every foreign policy of any country projects its foreign policy from its own interest its own self-interest Our internal democracy or our internal economy has got to be develop ed. For that we want peace in the We want relationship with other developing countries We want freedom from attack from foreign areas With this, we project our

ı

ŧ

foreign policy On issues we take a particular stand We refuse to bt tied down to any country at all On the international field we have got our preferences Let us not forget the fact that two forces are operating in the international field. The force of imperialism colonialism suppress on, explostation is functioning openly or unopenly On the other hand there are forces which are supporting the descloning countries and the import alism and the colonialism. forces are there We have got to take our sides with one of these forces. It is natural therefore that certain countries which take up our own position come nearer to us You call it a tilt Whether we tilt to comebody or somebody else tilts to us is a ming It has been acknowledged in this Report stscif that the Soviet Union has felt that non alignment which was being followed by India is a bulwark for international peace and international harmony and profress They acknowledge us as an independent country which takes its own stand. As we think on lines similarly whether the socialist transformation or economic not everything but many things they ret tilled to us Nobody need ashamed of it Nobody need to it as a sort of deviation from nonalignment But you need genuine non alignment. You say that would be egui distant from both. Now you are going to say that we will be equi distant between the oppressor and the oppressed You would say that we would be equi-distant between Israel and the Arabs You are going to be equi distant between the African countries and the oppressing nations You just cannot be We have to take a position That is not a deviation from the policy of non alignment A new concept is being evolved I would appeal to the hon. Minister to spell out what exactly he means by the new concept of genume non alignment Whether it is any way different from the non augmment that we have been pursuing You kindly explain this matter

A new discovery has been made. They say because of restoration of democracy in India, the attitude of America has changed, the attitude of different countries has changed towards us. I ask in all humility, before emergency is it your case that there was no democracy? During Pandit Jawaharlal Nehru's time, was there no democracy? During Lal Bahadur Shastri's time, was there no democracy? Before emergency, say that there was no democracy. . There was democracy in the country.

D.G., 1978-79

THE MINISTER OF EXTERNAL (SHRI ATAL AFFAIRS BIHARL VAJPAYEE): What about emergencv?

SHRI C. M. STEPHEN: I am speaking of the period before emergency.

Now the question I am putting is: Pakistan and India came to war. Was Pakistan a democrat? Was not India democratic? And what was the attitude of this great democratic country. the United States of America? If they were in love with democracy they should have supported us against Pakistan. Pakistan attacked us during Lal Bahadur Shastri's time. Un-der Shastri, there was certainly democracy in the country and Ayub Khan's Pakistan was certainly democratic. What did this great democratic country de during that time? Whom did they support? The point I am making is that no country postulates its attitude to any other country on the basis of its political system. It postulates its attitude on the basis of the basic interests that they have. If they are a capitalist country with a capitalist interest and the other is also a capitalist country, then they will be mearer to That was why the USA were nearer to Pakistan. That is why, they are conniving with all sorts of sabotages that are taking place everywhere. They were very much against the

Emergency here. But they had nothing to say about the butchering Banga Bandhu; they had nothing to say about him; the whole lot of them was murdered, but not a whisper; they were not bothered about that. But about this they were gathered.

#### 15.00 .hrs.

The point that I am emphasizing is that, when they project a particular attitude, they know where bread is buttered, they understand that they have got their own economic philosophy. They want a colonial economy in this country.

You now say, 'Come back to the rural economy'. They are happy about it. They wanted us to suspend the nuclear explosion, and you have agreed to suspend it. They are happy about it. About every step you are taking, they are absolutely happy. Therefore, Mr. Carter comes here, not as a friend but as a victor who has conquered this country, and he addresses us in that particular tone, I do not want to put it in this particular fashion, but this is the picture which you cannot avoid. One after another, a long galaxy of Western bosses are coming to us, the Red Carpet is being thrown out, and we Members of Parliament are being drawn out every alternate day to the Central Hall to hear the speeches that they are delivering. With one or two persons, it was allright: but then the benches were empty: the officers were put in and the whole thing was filled up in order that we might hear those speeches.

Let us not forget that India is a great country, it is self-reliant and completely self-supporting. It did not bend itself to anybody. Let us not be petly-minded in our behaviour, be it with a small country or a big country. Let there be a sense of proportion in our dealings with other countries. Agreements can be evolved. Talks can take place. But forget not that India is India with 60 erores of people Let that balance be main-

tained and without maintaming the balance let us not give an impression that i e are so anxious to get on with arybody they get away with what they want and we give away one after another kindling hopes which connot be satisfed ultimately creating hostility all around promising all sort of financial support which we will not be able to satisfy ultimately creating hostility all around This sort of an attitude is certainly not

the one we have got to foster

DG. 1978 79

What has been stated by the Gov erment when they assumed the ad ministration and the government in this country in the line of the foreign po cy? Here is something which was . evolved during the years by a consensus cutting across party lines which stood the test of time which has elevated the position of India in the international arena If you want to deviate from that come out with a clear statement giving the points of deviation that you want to inculcate and say where the foreign policy has been drawn what it is going to be Tell us clearly rather than play this and of hide and seek game

Again political controversies there c n be When Mr Atal Bihari Val payee was on the Opposition Benches -I hope he will acknowledge thiswe had the highest of respect for hur-even when he was in the Op position attacking us There is a ic el belos which we do not expect hun to go One or two of his recent utterances gave a real shock to me. He told about Mrs Indira Gandhi that there was a secret deal with Kashm r Come out with the terms of that deal, if it is there That has been denied by her That has been denied by Mr Aga Shahi, That has been denied by everybody If there is a secret document that you have then you tell the Parliament-rather than go to the platform and say-what is that secret arrangement. This is a thing which you have to tell us

DG 1978 79 and prove Otherwise you will have to applogise to the nation-if was said was incorrect

He said about Bombshell What exactly is the bombsbell?

MR DEPUTY SPEAKER There is something like time

SHRI C M STEPHEN One minute more

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE Here is a time bomb

SHRI C. M STEPHEN Yes it can be a time bomb He came out with a bomb-sbell I thought something big was coming and wonderedy what was that bomb-shell bomb shell was that when 1960 this plutonium device was planted Mrs Indira Gandhi was responsible for that-that she was responsible for that and that she in leagen withe America. W25 Are you saying that this is something which you are against? What exactly is your attitude? We on these Ben ches were never against any Govern ment at all we never wanted to get away from anybody We made our best efforts to be friendly But on the basis of the self respect of this country on the basis of the reignty of this country on the basis of the economic interests of this country on the basis of the personali t, projected not on the Asian field but on the international field. the basic of projection of the international personality of this country ite 60 crores of people will be a stand ing source of strength for the purpose of evolving peace lasting peace and progress. Let us not ridicule it. International questions are not ques tions for political parleys on the ba not be adopted I vould only submit "to my friend that be could perform his task fairly well without stooping to this sort of low-level rhetorical performances.

While concluding, I would like him spell out the deviation that he is attempting. It is clear that deviation is being attempted. Spell out where and to what extent you want to deviate in the different areas. Be honest with us: be honest with Parliament; be honest with the nation, rather than attempt deviation by a revolutionary back-door method.

With these words I conclude,

SHRI KRISHAN KANT (Chandigarh): Mr. Deputy Speaker, Sir, 1 am happy to speak in support of the Demand of the Ministry of External Affairs, Whatever people may say about the performance of Government in various other, fields, this is one field where there is unanimity that it has been successful. The credit goes, by and large, to the Minister of Foreign Affairs Mr. Atal Bihari Vajpayee. I would like to offer my personal, congratulations to him for his dynamic stewardship of the External Affairs Ministry. But I would like to say that my compitments are not left-handed or righthanded or many-sided, like my friend Shri Subramaniam Swamy's. compliments are genuine, because I feel that he has taken the national policy which has been evolved over the last 30 years. And when Mr. the usa- --Vajpayee says: सरकार बदलने से साट्ट

हित बदलता नहीं है,

he is correct. Subramaniam Swamy has criticised him for that. He may have been saying other things too. Generally, I ignore what my friend · Subramaniam Swamy says, but he has said today in Parliament House, in the Lok Sabha, while speaking on the Demand of the Ministry of External Affairs, and people asignt take it that he speaks the voice of the party and the Election Manifesto of the Party. Our Manifesto has the words 'genuine non-alignment' but he is against the word 'non-alignment'. According to me, as I understand the policy and the Election Manifesto of the Janata Party, definitely and deliberately the words 'genuine-nonalignment' were put in the Election Manifesto knowing fully well the background of the various constituents of the Janata Party and I feel and consider that Mr. Vajpayee represents the majority view of the erstwhile Jana Sangh which has merged with the Janata Party and has the right to say that we believe in 'genuine nonalignment, and to spell out the historical growth of the non-alignment movement,

Mr. Subramaniam Swamy bas his own views. He may be representing certain forces which are in a minority, which we had been fighting earlier and which we continue to fight even now. (Interruptions). I do not want to enter into a controversy; but these forces, I can assure the House and the country were never in a majority when Gandhi was leading the freedom struggle. This force was never in majority even for the last thirty years after independence. We thought, these forces have taken new knowledge, new experience and have suffered and changed. Well and good, if they have not changed, then we have to fight those forces again, because they do not represent the integrating forces, they are not the uniting forces.

He says that he does not want to hear the name of Nehru; he wants to completely cut himself off from the foreign policy of thirty years and the foreign policy of Janata Government now. He is making the same mistake which his erstwhile party and the socalled voluntary organization was making. You cannot cut out history; history is a continuity; you cannot cut out the Mughal period; you cannot cut out the Muslim period. They are a part of history, they are our life and blood. We have to learn from them and we have to learn from the experience. If you want to cut off that history, you will not be the India which you are today. I am glad that Mr. Malkani who has written that book about the jail experiences, has

### [Shri Krishan Kant]

changed his interpretation of history He says now we can say that Mushims and Hindus can live and should live as brothers Later on in other chapters because of his experience at the feet of RSS he has not changed that much.

Dr Subramaniam Swamy wants the Janata Party to cut off from the foreign policy developed by Nehru in the background of freedom struggle of Mahatma Gandhi and others which is a very valuable aset for us and on the hasis of which the Janata Party has built up its foreign policy

He mentioned about our relations with Pakistan. When Mr Asba Shahi came here he said that he has built up more trust not only in the Janata Government but in the Prime Minister and in the Minister of External Affairs in spite of the background of Shri Atal Bihari Vajpayee Shri Vajpayee while speaking at the press conference in Islamabad when he was asked about his backgraund of Jansangh said I have shed off that He said he has become part of the Janata Party which adopted the election manifesto where we mertioned about genuine non alignment If the forces represented by Dr Subramaniam Swamy want to continue the same approach towards Pakistan the same approach to non-alignment I feel they are heading towards a dismal failure This country is not going to accept that. He still talks of Akhand Bharat History has changed He feels like the RSS that the Muslim period the Mughal period be cut off from history and can be linked to two thousand years back. He feels that we can start from where we started in the beginning and Nehru is no more in history No history of a nation no history of a people can be cut off from the people Whatever mustakes Nehru might have made it is the duty of the future generations to learn from those mistake, and go forward but not to decry them. That

is a valuable heritage that Nehru has left I must say that be talked dangerously he said he would like to have a situation where there is no border between India and Pakistan When the Prime Minister and the Minister for External Affairs are build ing up bridges of trust such a speech at this time can be harmful to the foreign relations of India Mr Chairman I would like to dissociate myself from that. He has tried to belend the Prime Minister and criticised the Minis ter of External Affairs I think the policy of the Janata Party and the policy of the government are the same Whether it is Prime Minister or the Minister of External Affairs at is the Janata Party policy as a whole and there is no division between the two Assuming division in the basic approach of the Janata Party by those who are representing the minority forces of my friend-I can tell you it will not belo them

He then referred to China Perhaps he is talking of the new friendship with China as if we were not friends earlier I think we are more than friends of China We want that friendship to grow not at the cost of our self respect. We want friendship with Soviet Union We want friendship with America but with our dignity remaining intact. He says that because we are afraid of Russia so we do not want to become friends with China Then there are fears in Russia about this country This is wrong And we are not guided by these considerations I can say whether of the previous government or this government as far as our foreign policy goes there is no difference What Russia likes or does not like is immaterial to us. What is Indias interest it is on that we decide He criticised the Nanda Devi expedition and the plutonium device and everybody connected with this I am sure in those circumstances anybody might have reacted in the same way as the three Prime Ministers Nehru Lai Bahadur Shastri and Indira Gandhi did Perhaps as the Prime Minister said he would have

agreed to that. If the forces represented by Dr. Subramaniam Swamy were in power at that time, they would have not merely allowed the expedition but they would have even calles the American forces here.

Some of his criticism, I think, was because he does not like the word non-alignment. Other friends also said it. But I would like to say something about that. I have held the view that friendship with the Soviet Union is a geo-political necessity whatever government comes into power, rightist, centrist or leftist. We may not like their method of working in their own country. That is their look-out. When we talk of genuine non-alignment, I would like to clear it very much as to why we call it genuine non-alignment. Genuine non-alignment means that we did not want to become a part of the cold war. Because of our genuine nonalignment we steered through and we became successful. Non-alignment has an element of reciprocity. It does not mean that somehody attacks you and you will be still friendly with him. So we did take side on issues and we will continue to take side on issues. When the United States acted against our national interests in 1971, we went in for the Indo-Soviet Treaty of friendship, but not at the cost of our policy of non-alignment, Even there is an article in that treaty that Russia respects our policy of nonalignment. We said while signing that treaty that we will not participate in the rivalry of the super powers. When we talk of genuine non-alignment, I want to make it very clear what we mean. During the emergency and earlier when certain forces in the Soviet Union tried to criticise JP, Morarji in 1974-75 and also suported the emergency, it was interference in our internal affairs. When Mr. Brezhnev made his speech at a public meeting near the Red Fort supporting the programme of the Congress Party, I objected to it as a member of the Congress Party that he had no business to do that.

What I mean genuine non-alignment is non-alignment on the basis of the five priciples and non-interference in each other's affairs. I think Mr. Atal Bihari Vainavee will make it more clear. We know the Soviet Union has come to our help in every difficult time, whether it was conflict with Pakistan or the question of a steel mill. We know all that. In spite of that, we would not like them to interfere in our internal affairs, Prohably they were misled by our friends in the CPI and they have also now changed and they have said that their support to emergency was wrong. When we say genuine non-alignment, it is non-alignment-clear and honest. No friend can interfere in our internal affairs. That is what I would like to say.

I would like to deal with another point. Nobody has dealt with that point and that point is.....

I am glad Mr. Stephen said we have always cared for neighbours. It is true and I think when Mrs. Gandhi was the Prime Minister, I also praised that we were giving more attention to our neighbours. Though Nehru was trying to build up non-alignment. somehow our people bureaucracy in the foreign office in the earlier years were trying to he friendly with the richer people than others. Slowly, the policy was developed and I think what Mr. Vzjpayee has done after taking over the Foreign Ministry, is that he has tried to mend fences with the neighbouring countries. Why should we not praise him for that? He has done that. He has done a good thing. To-day in the sub-continent there is greater relaxation than there was at any time in the last 30 years. Because of many historical events Vietnam has changed. So many other things have changed. We are trying to have more moves of friendship with China, but not at the cost of Soviet Union or anybody else. Another important thing that has been done is that the foreign economic policy is slowly becoming an impera-1

[Shri Krishan Kant] tive and important component of our foreign policy As the Report shows our technical help to Asian African countries our economic agreement with Vietnam breaks fresh grounds

SHRI K LAKKAPPA (Tumkur) What about economic policy?

SHRI KRISHAN KANT We are not discussing on economic policy with you want economic agreement with Victnam or not? Then why do you speak like that

I would like our food and foreign exchange reserves to be utrhsed in a way that the new concept of aben ment grows having self reliance not based on the support of the big powers or industrialised nations mutual help of the non aligned coun tries. That should be given impetus I think in that direction Mr Vaipasee has gone ahead. I think now initia tives have been taken during the last one year of his stewardship of Ministry of External Affairs I think now opportunity has come when special sassion of the General Assembly is being called to discuss disarmament 1 would like him to take initiatives in that

One factor-awful and terrible to the whole world-is nuclear power growth all over the world. The nuclear stock piles are growing with two super po wers This has led to rivalry This has led to intervention in the developcountries. I would like Vajpayee and the Prime Minister-Mr Desai-when thtey go there take more senous action in this respect I know he has written latters to his counter parts in non aligned countries. But writing letters would not suffice Just as we dd earher I think a resolution must be brought in Parlin ment and later on in the Nations saying that these nuclear weapons are a crime against humanily As we did in Nehrus time in 1961 we must bring in a Resolution Regional nuclear weapons free zone idea must be given up It must be given the shape of global free zone because any other thing below that is to legitimise nuclear weapons of the big super powers whether it is NPT whether it is nuclear power free zone whether it is in South America or Asia or it is the question of taking nuclear protection from hig powers. I would like to warn hum, the bureaucracies all over the world are the same They have been influenced by money and propaganda and the media which was to legitimise the super-power hegemony m the nuclear stock piles you must have read a book by Ashok Kapur on India's nuclear option He has mentioned the names of two im portant officials-Shri C S Jha and Shri Jagat Mehta, who have been propagating in favour of the N.P.T. and other things. I would like that such things should not be allowed to happen again against our national policy

DG, 1978 79

1 wanted to give lot of points on this But I would like only in the end to say that this is the time when we should take the mutative We have lost that initiative after the Chinese aggression We have this for the last 15 years because many other things developed in the world and in the country I request you to take that initiative which may lead us to a situation where production of nuclear weapons becomes a crame against humanity against the con science of the people And in the next General Assembly of the UNO you please try to get a Resolution nasted to that effect so that later on you can go ahead with the idea so that in the shortest possible time our real dream when we took to nonalignment is realised. Before conven tional disarmanet takes place nuclear weapons disarmament has to be realised With these words I would once again request the hon. Minister that he should not lose this oppor tunify because genuine non-align ment policy is the only correct policy and India must play its historic role and we are confident Because we are powerful in nuclear technology

we have the credibility and we take our stand on right lines. With these words I conclude my speech.

D.G., 1978-79

MR. CHAIRMAN: Now, Mr. Unnikrishnan.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North-East): I have a point of order, Sir. I have to draw your attention to Rule 357. (Interruptions) How can he say that there is no point of order? I draw your attention to 'Rule 357. It says:

"A member may, with the permission of the Speaker .... "

. I am asking for your permission, Sir.

MR. CHAIRMAN: Mr. Subramaniam Swamy, you are referring Rule 357. It is very clear that a Member may, with the permission of the Speaker, do so. But, I am sorry, I am not giving you the permission...

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: My point is a small point only. I don't want to take the time of the House, · Sir.

Sir, an allegation has been made against me. Have I not got the right to defend myself?

MR. CHAIRMAN: But he has not made any allegation.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: I would like to make one point clear. I would request you to give me permission to make a brief personal Explanation.

SHRI VASANT SATHE (Akola): What is the use of his Personal Explanation? He uses every kind of word for others. If he is given an opportunity to offer a Personal Explanation, then, we should also be given an opportunity to give a Personal Explanation.

MR. CHAIRMAN: Mr. Subramaniam Swamy, you please resume your seat, Your point is not relevant.

SHRI VASANT SATHE: Let him write to the Speaker.

MR. CHAIRMAN: Mr. Subramaniam Swamy, you also made so many allegations against others. They have not made any allegations against you-As a matter of fact, I have not given you permission, there is nothing now. I am not giving you permission ...

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: Idon't understand why you should not allow me to speak. (Interruptions).

MR, CHAIRMAN: Mr. Subramaniam Swamy, will you please resume your seat? You please refer to Direction 115 C. It reads as follows: -

"No member shall be permitted to make a statement by way of personal explanation under rule 357 unless a copy thereof bas been submitted in writing by the member to the Speaker sufficiently in advance and the Speaker bas approved it."

So, that is the Direction of the Speaker. You have not given me in writing and I have not given you the permission.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: will give it, Sir. Let me quote again. This is not a long speech or anything like that. If a member is present he can interrupt. I do not want to go out of the way. If a Member is present, he can interrupt. After all, have a right to defend myself in this House, If an absurd allegation made against me, have I not got the right to defend myself? I have got that right here. You just allow me a minute.

MR. CHAIRMAN: You are only wasting the time of the House.

SHRI VASANT SATHE: It should not go on record. He is speaking without your permission.

MR. CHAIRMAN: Now, Mr. Unnikrishnan.

SHRI K P UNNIKRISHNAN (Badagara) Mr Chairman, Sir,

SHRIK LAKKAPPA He is weeping

SHRI B P MANDAL (Madhepura) Sir I rise on a point of order

मेरा प्याइन्ट ग्राफ ग्राइंट यह है कि भानतीय सदस्या ने \*\* यह हाउम में नहीं बहा प्याना चाहिए, रिलाई पर नहीं जाना चाहिए। ऐसा कहना इस हाउम की परम्परा में, विकानीतों को गिराना है।

MR CHAIRMAN There is no point of order

SHRIBP MANDAL There is

MR CHAIRMAN There is no

SHRI B P MANDAL This is my point of order

MR CHAIRMAN

मडल साहव आप ने जो बहा है, उस को चैंक श्रप बरेंगे। श्रमर कोई सन-प तिया- मेटी वर्ड है तो उन नो देख लेंगे।

There is no point of order There is to time at all There are several Members from your side o ly who want to speak Why do you waste your time? I will exampe if there is anything Unparliamentary Then I will expunge it There is no point of order

SHRI GANGA SINGH (Mandi)
The unparliamentary expression must
be removed from the records.

श्री एच० एत० पटबारी (मगलदाई) यह कोई इन्दिरा गाधी ना जंगल नहीं है। इस बान को विद्डा कराइये।

"Expunged as ordered by the Chair

MR CHAIRMAN I will examine it whether it is unparliamentary or rot Now, Mr Unnikrishnan.

SHRI K P UNNIKRISHNAN Mr Chairman, Sir, I do not want to take away Mr Krishan Kant

थी एच० एत० पटवारी ग्राप इमहादिदश राज्यार्थि।

SHRI K P UNNIKRISHNAN Mr Chairman, Sir, I do not want to take off where my friend, Shri Krishan Kant left off I do not want to go into various things that Dr Swamy had said because, I know that this House does not share his views and he will not only be isolated but may find himself in microscopic minority in the whole country

Jawaharlai Nehru stands rbove all this din of controversy Jawaharial Nehru articulated the hopes and asparations of mallans of our people A. a great captain of our national struggle, he moulded the national destiny before Independence and, later, as an architect of our national and international policies does not need any bouquets or brick-bats here now and whatever Swamy may have said-one objectronable word which he used in relation to Nehru-I hope, will be expunged He used the word gaddar I do not want to go into this controversy A great contribution of Jawaharlal Nehru was not only in the evolution of the concept of non-alignment but also associating the House and the people with this concept of non-alignment We function in a particular milieu in a particular international environment and our policies at any green time must have relationship with this international environment and forces which operate for the international foreign policies are primanly concerned with the forces that are generated in the international community

333.

Now, the Report of the Ministry of External Affairs talks about Neighbourhood diplomacy' and about 'Genulne non-alignment'. Sir, these years, we have changed from a bipolar world into a multi-colar world Office, after Mr. Vajpayee has taken over.

Now, I would like to know, what is the content of this term Neighbour. hood diplomacy? Sir, neighbourhood issues and our relations with our neighbours are something which is very crucial and which is very important for us and our bilateral relations should undoubtedly improve. But the other point is this: is it right on our part to prop up unstable regimes with no social base? This is an important question. This question is very relevant when we discuss the question of our relationship with certain neighbours.

Then the next question is this: Is it our objective to enhance the expectations of our neighbours to a level which we can never fulfil? What shall be the consequences of such a police for our future relations with

the neighbourhood? These are the crucial questions which would come up when we talk about 'Neighbourhood diplomacy'.

Also, there is yet another related question. That question has been raised here earlier in the "Goue, namely, the question of authoritarianism and human rights, an issue over which your party came to power, an issue over which you sent people all around the world, including My friend Mr. Subramaniam Swamy, you tried to show that there was an authoritarian regime here. It is as though Indian History was to be divided between pre-emergency and post-emergency periods, as if this is the great dividing line.

Sir, it would be a great bistorical fallacy to suggest such a thing. But that does not mean that you defend or condone everything that went on during those 19 unfortunate months.

But the other point is this: What ic our attitude towards the aspirations of freedom-fighters in Bangladesh? What is our attitude to the great freedom-fighters like Mr. B. P. Kolrala in Nepal? What is again our attitude on the question of human rights and the democratic right of people like Mr. Bhutto with whom we may have disagreed? These are the questions which assume importance when they talk in season and out of season about . . human rights. And when you want to raise many issues relating to human rights in the United Nations and other . forums, the international community can legitimately pose this question: What is your attitude to the question of human rights in your own neigh- . bourhood, with whom you want to improve your relations?

Sir, I am not arguing for any kindof paternalistic approach or that we should dictate to them, nor am I arguling for a policy of benign-neglect But it is very important that we should have a clear conception of what we want to do in the entire South [Shri K, P Unnikrishnan]

Asian region The whole attitude of what US and the West pursued, of building up Pakistan as a countervall. Ing force in South Asia against us has failed since 1971 and this cannot be revived

I would like to say that in this country we have a stake in hurran rights. We have a stake in democracy and more so in our neighbourhood. we do not want the dismemherment of Pakistan and we do not contribute to the idea as a nation to 'Akhand Bharat whatever might have been the views of Mr Vajpayee it and many other friends on the other side on this question. People who talked about Akhand Bharat like Shri Aurobindo, who very much disagreed with the partition of India said that the unity that will come in future will be different in texture' And therefore, what should undoubtedly pursue is a policy of friendship and concern for the democratic rights and help for evolution of emocratic regims We cannot have anything to do with unstable and authoritarian forces operating in our neighbourhood

MR CHAIRMAN Mr Unnikr.shoan may I know this? From your parts' are you the only last person to speak or you are also given a chance?

SHRI VAYALAR RAVI He may take as much time as he wants we don't mind

MR. CHAIRMAN I am saying this because your party has 34 minutes and 17 minutes are over Please continue

SHRI K. P UNNIKRISHNAN So Sur India is a major power hetween Suez and Singapore it ig not only a regional power both a major power India's, voice counts not in terms of the arsenal it has, but India always had a certam moral authority I would not like the authority to be diluted by considerations that we are only concerned with our own neighbour hood. That is why it is very impor

tant that we have an involvement with what goes in Asia or in South East Asia. It is good that Mr Kundu had gone to Victnam and, I hope, it will further strengthen our relations. But if you are going all round the world to every country and say that we want to be friendly with you, that means you have no conceptual framework of foreign policy! You have a policy of no thrust by putting your eggs in hundred baskets! While it is important not to put all your eggs in one basket, it is equally important that you do not put your eggs in a hundred different baskets1

DG., 1978-79

Sir, Vietnam is going to he a bul wark of non alignment. It is going to be a power Centre in. Asia and the earlier we realise it the hetter it will be

Another related question is the question of the Indian Ocean. The very concept of super power has to be re examined in depth. The Unistabilisa-States wants tion of existing mulitary situation in the Indian Ocean ares That is very different from what we demand that it should he a zone of peace and that there should he total de-militarisation in the area. There se a distinct difference also in the approach in building up of the Diego Garcia base It is a military base and you there is multary presence! This subtle distinction can impart a new element to your approach on Diego Garcia and the question of

peace in Indian Ocean zone Similarly, on the question of West Asia There were murmurs when certain initiative were taken by Sadat -some officials of Foreign Office ciarted saying that there is a great achievement as though he has already achieved a great deal! I would like to reiterate that the policy that we had even during the Freedom Struggle has been a commitment to the cause of Palestine and Arab nationalism and also we bave made it clear, I am glad that the External Affairs Minister did say that the basic question is one of vacation of aggression

D.G., 1978-79 CHAITRA 28, 1900 (SAKA) 337 D.G., 1978-79

Our concern with problems of Africa is vital. You cannot contribute anything in Africa unless you accept the role of imperialism in Africa and also understand the role of neocolonialism. If you reject these concepts, you cannot play a positive role in the African developments in Zimbabve, South Africa and Namibia or help front line states and above all meet the aspirations of African people.

Now, I find that in this Report even the typographic letters have undergone a change when it came to the Soviet Union, When it comes to Western Europe there are bold letters but in the case of USSR and Eastern Europe there are smaller letters which means they have been relegated to background!

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHR! ATAL BUHARI VAJPAYEE): It is not deliberate.

SHRI K, P. UNNIKRISHNAN: 1 know the Minister of External Affairs has a correct understanding and perspective. Simultaneously efforts are going on to subvert the Indo-Soviet relations. I will give a small example. There is an Indo-Soviet Commission on Social Sciences. Now, an attempt is being made to propose a man-who is an intellectual undoubtedly and a professor but who is totally anti-Soviet-as Chairman of this Indo-Soviet Commission on Social Sciences. He is totally -unwelcome. He has taken a distinct position of certain things. He is a person whose institute -Centre for Development Studies or so-was financed for years by the Asia Foundation, which was exposed by the New York Times in American Mass Media to be a conduit for CIA funds. He is sought to be imposed by the Ministry of External Affairs and the Ministry of Education as a new Chairman of the Indo-Soviet Commission on Social Sciences. This is how you want to promote cooperation with Soviet Union! Attempts are afoot to

sabotage Indo-Soviet relations though there are public declaration to the contrary.

338

I would like to say a few words about the bilateral relations between India and United States. Undoubtedly, we on this side want to improve the relations but not at the level that Vajpayee ji would like to have. Once be took a letter of Guru Golwalkar to the President Jhonson which said "you are the leader of the Camp of Dharma."

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Took to whom?

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: Took to the President Johnson.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: No. You are wrong.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: You can correct me. I said you took a letter of Guru Golwalkar.

The most important question is to understand the case that United States has certain global interests These global interests are dictated by the Military Industrial Complex of the United States and they cannot be changed. It is my friend, Mr. Chandrappan who quoted Brezenski another exponent of the new trilateral view. That is the view which holds sood with President Carter-the views of trilateral commission. Harold Brown, the U.S. Defence Secretary, has said recently that the situation in Asia, India and particularly South Asia is better for us How do they look at the situation! I quote:

"We want to ensure that this environment continues. In the next five years, we will be strengthening our forces in the region by the introduction of several advanced weapon systems, trident nuclear missiles for our submarine fleet, cruiser missiles for B-528, F-14 fighters for our carriers F-158 for Air Force squadrons, etc. etc."

# [Shri K P Unnikrishnan]

339

This is how Mr. Harold Brown bopes to improve the situation in Asia So, what the United States want us is to be an honest broker between these people who have these neo-clonial projections and the rest of the third world. Are you prepared to play this role? That is the basic question whether you rease it in connection with Browns remarks or Brezenskis or the tiews of the Business International Team which came here and which was given a red carpet treatment.

Now, again you have a threat to cut off uranium supplies by Joseph Nye Before I conclude I would say we had a disarmament workshop here at a considerable expense-Rs 30 lakhs or so-to the exchequer Afterall the Papers had been prepared and accepted for the UN Special Session on Disarmament! I did not know what was the need for this kind of lavish gettogether Undoubtedly, disarmament is a question with which we should be concerned and we should have taken initiatives in the matter as we had in the earlier past in 1950s. I would like you to revive this interest but the whole question is how you do it I hope this kind of workshops-expensive workshops-may be good enough for some people who claim to advise the Foreign Office in their non-official capacities, but I do not know whether they can really contribute anything more than that On disarmament, what is more important is that you seize your opportunities and initiatives and take a more active role in international forums-a decisive role -which you can take only if you are clear in your minds as to what you

Before I conclude I would only say one thing When he assumed office a year ago we welcomed his assertions of continuity and course of Indian foreign policy We will continue to do so despate Dr Subramaniam Swamy, but we would have much to say, as we have pointed out, on these questions we have quite a few apprehen-

sions because there have been disqueting trends during the last year I hope he will not allow himself to be a prisoner of this disqueting trends and of the non-official advisers who crowd around him. I hope he will himself clarify the issues to the satisfaction of this House so that a genuine consensus, ean be built up which is vitally important. But on the basis of what you have shown, there can be moreosensus there can only be disquetines apprehensions and doubts. I hope he will be able to clear it up.

MR CHAIRMAN Mr Paul, you have got only three minutes But I will give you five minutes.

श्री हुएक you nive minutes.
श्री दूर एसर वादित (सादूर)
पेयरमिन माइन, नान-एनाइनमेट, तदस्यता,
इन देश की पिछने तीस मात से नीति फ्री है।
जनता पार्टी में भी इन मीति को स्वीकार दिया
है, भीर उसकें माय "जेनिकन" सभ्य भीर दहा दिया है। माननीय गदस्य, भी हुएल कात के प्रभी 'जेनिकन' का मतान की क्यां की कीविस की है। मैं इन दोनों झूब से इंडिनाफ रखता हूं भीर इस के कारण प्रभी मार ने मानने रखना।

यह नान-एताइनमेट की बीति खास सीर पर पूजीपतियो और सरमायदारो के लिए बहुत पायदेगद रही है। इस देश वा निवाम भरमायदारो और वैपिटलिस्टम का निजाम एहा है। इसलिए नान-एलाइनमेट पालिसो को अपनाने दे पीछे यह मक्सद रहा है कि हमे दोनो माहनारों से-मगरीना से भी थौर रमा से भी-सस्ता कर्जा, ईजी टर्म्ज पर लोन भौर एड, मिल जाये, भौर उन दोनो के काम्पीटीशन की बजह से मिलता भी रहा है। नेविन इस बात से इन्कार नहीं किया जा मनता है नि हम ज्यादा कर्जा वेस्टर्न बच्द्रीख से मिलता रहा है। मुझे शक है कि उन देशा के माध हमारा ऋण देन वाले ग्रीर ऋष लेने बाले का नाता हाने के कारण हम एक माजाद ग्रीर माविरेन फारेन पालिसी को किस हद तक चला मर्वेगे ? इस बारे में दो तीन एम्बाम्पल्ज देना चाहता ह।

इस मृत्क के भनी लीग आनते हैं कि कल्मीर के मनले पर पब्चिमी देशों ने हमें काफ़ी तकलीफ दी। नेकिन फिर भी हम उन्हें नाराज नहीं दखते हैं। यजा ने युव एन० ग्रो० में बीटो का इस्तेमान कर के हमें परेजानी से बना लिया, बर्मा वहा प्येवि-माइट के बारे में रेजोल्युगन पान हो। जाता । नेकिन इसके बावजुद हम उन माहकारों के चिनाफ़ नहीं बोन मनते हैं।

शास्त्री जी के जमाते में जब पानिस्तान के माथ युद्ध हुआ, तो अमरीका में हमारी प्लानिंग के लिए पैना देना बन्द कर दिसा। हम यह भी जानते थे कि ग्रमरीका ने पाकिस्तान को ईरान के द्वार हथियार भेजे याते है। लेकिन फिर भी हम अमरीकी जानकों के खिलाफ़ नहीं बोल मक्ते हैं। उसकी बजह एक ही रही है कि प्तानिंग के निए पैना वहां से ब्राह्म है। दिखाने के लिए यह गहा जाता या कि हम नव देशों के मात्र दोली एउना चाहते है।

हमारी मईशत ग्रीर इकानोमी मं.नो-पिलस्ट प्रीर कैपिटलिस्ट हं ग्रीर हम वेस्टर्ग कष्ट्रीज और अमरीका पर डिपेड कन्ते है। में कभी चाइना नहीं गरा है। इस लिए किसी को यह गक करने की उत्तरत नहीं है कि मेरा रना, वाइना या धमरीका से मन्त्रका है। मैं तो इस देश का किसान है और इस देश में ही पेदा हथा थीर पला है। मुझे तो सिर्फ अपने मुल्क और है यहां के रहने वाले गरीव ग्रवाम के इन्ट्रेस्ट का ही खबाल है ।

जब बंगनादेश का युद्ध हो रहा था, सो अमरीका ना गेवस्थ फ़लीट बंगाल की खाडी में ब्रागया। क्षय इसा के साथ हमाशा एग्रीमेंट हथा, जिन में एक बार्टिकल यह या कि धगर दोनों मुल्कों में से किसी पर एक पर हमला हो, तो वे एक दूसरे के नाय कन-मल्टेमन कर के इमदाद करेगे । इस का नतीजा यह हथा कि मैवन्य फ़्लीट उमी

बन्त वापम चला गया। लेकिन धाज भी हम यह नहीं वह मकते है कि अमरीका ने टम बक्त यनती की श्रीर वह हमारा दुश्मन है। हर मुसीबत के बक्त उस ने हमारी मुखालिफत की है, लेकिन फिर भी हम नहीं कह सकते है कि वह हमारा दुञ्मन है। वजह एक ही में जानता हं, मेरी राय से बजह यही है कि वह माहकार है। श्राप का नियोजन, ब्राप का निजाम भी उसी तरह से चन रहा है जो अमेरिका मे चन रहा है। वहा मोनोपालीज बढते का रहे हैं, वह यहा भी बकुने जा नहे हैं। उन की एक दोस्ती है श्रोर वह दोस्त उतने पावरफुल हैं कि एलेकान में. मिनिस्टीज के बनाने में और विगाहने में उन का काफी हाथ होता है। लोग बोट दे देते है लेनिन हमारा एलेक्शन का जी मैचड है यह पैसे पर और पुंजीपतियों पर ग्राधारित नहीं है ऐसा बायद ब्राप ब्रपने दिल पर हाय एकें तो नही कह नकते हैं। मैं उस पर ज्यादा महो जारहा है। मैं यह कह रहा है कि वब सक इस देश का नियोजन नहीं बदलेगा., (व्यवधान ).. इंदिरा गांधी का भी वहीं हाल पहा है. तीम माल का हाल यही है और आर भी बही हाल होने वाला है यदि हम श्रपना निजास, श्रपना नियोजन श्रपने बस्तवृते परखड़ानहीं कन्ते । हमारे पास मैन पावर काफी है, जमीन है, देवन लाजी है, लेकिन ग्राब तक हम किसी न किसी की बरफ देखते हैं। वहत से उद्योगपतियों को हम यहां लाते हैं। हमारे पाम काफी टैक्नीकल लोग हैं, अस उनको एनकरेज कीबिए । में चाडना की मिसाल इसीलिए देखा हूं कि उन की दोस्ती करने की कीशीश अप्रमेरिकाने भी की इंग्लैंड ने उनको रेकन्नाडण किया और रशिया तो है ही। वह मेहूं खरीदने जाते हैं तो केण डालर दे कर ले आते है और हम को तेल भी उधर से लाना पड़ता है, कुटुम्ब नियोजन के सामान भी उधर से लाने पड़ते हैं, पैना भी उधर से ब्राला है और यहां यह वात वोली जाती है कि हमारी फारेन पानिसी नान-एलाइनमेंट की

[श्री यु॰ एय॰ पाटिल—जागी]

343

है, हम प्राजाद हैं, हम ग्रपने ढग से ग्रपनी नीति तय कर सबते हैं। मैंने इतने इन्डाम्पल दिए हैं सीर मुझे यांज भी मह शक है कि जब तक हमारी सही समाजवादी स्वतन्त्र प्लानिंग यहाँ नहीं होती, जब तक हम समेरिका भौर दूसरे वेस्टर्न कण्ट्रीय के पैसे पर यहा नियोजन करते रहेगे तब तक इस देश की भारेन पालिसी बाजाद नहीं हो सकती I गही एक काउटीरिया है। जो जैनइन नान-एलाइनमेट की बात कही जाती है वह नया है <sup>?</sup> यह दिल्ट दुर्रियामा दिल्ट ट ग्रमेरिका बनाही हुमा है। इन दो टकड़ो में हमारे देश का नियोजन चल पहा है। एक दुवरे की तरन से जरा कच्चे ही जाने हैं तो इसर पर ज्यादा बोझ हात देते हैं, ग्रमेरिका पर डाल देते हैं, ग्रमेरिका म कच्चे हो गए तारशिया पर ज्यादा बोझ डान दते हैं। तो इस गामन से धौर खास कर जनता पार्टीकी मरकार से मेरु यह वहना है कि धार धपने प्लानिंग म जब तक मुलभूत बदल नहीं करते तब तक माप गाजाद सरीके से राही मीति घपनी नही चला सहते । बाज भी मूलमूत प्लानिंग वहीं चल रही है जा तीस साल की प्लानिंग रही है। इस म कोई पर्व नही आया है। ग्रशोन मेहता जब प्लानिन मिनिस्टर ये तो उन्होंने यह कहा था कि हम ने परदेशी कम्पनिया और मन्टीनेशनल्स ने लिए अपने देश का व्मव खोल पर रखा है ग्रीर माज भी वही चीज हा रही है। उस म काई फर्न नहीं ग्रामा है। यह समझ जो ग्राप का चल रहा है यह कुछ योडा ना तो एमर्जेसी का राग है और योडा सा कुछ और अगडा है। देश नी नीवि ग्राजाद सही माने मे नभी हो सनवी है जब हम अपने देश का मामरत बदल कर मगाजवादी मामरत साए। जब तक यह हम नहीं क्रिते हैं सब तक यह नहीं होगा।

SHRI RATANSINGH RAJDA (Bombay South) I have heard with rapt attention various speeches by my hon friends with regard to foreign policy If there is any domain about which 99 or 100 per cent unanimity could be obtained, it is in the domain of the foreign policy of this country It has been evolved for historical reasons, all these years and there is unanimity, by and large as far as this policy is concerned I am very much distressed that some voices had been raised not only denouncing this policy of non-alignment but also suggesting that in the Janata Party this policy does not exist or should not exist I am very much distressed because this statement has come from my friend Dr Subramaniam Swamy The Janata party manifesto is clear

"The Janata Party is committed to genuine non-alignment free from attachment to any power bloc, to peaceful settlement of international disputes and to work with the other third-world instons to establish a new and just international economic order."

#### 16 00 hrs

Anybody who denounces this statement which is enshrined in the manifesto of the Janata Party has no right to remain in the Janata Party and he cannot be the spokesman of Janata Party's foreign policy I was further shocked to hear when it was said that Jawaharlal Nebru was a traitor I can have difference of opinion with Jawaharlal Nehru or Ataly or Shri Morary Desai but to question the bonafides and to describes Jawaharlal Nehru as the traitor of the country, I say, the man who speaks this either he must be suffering from bouts of insanity or he -- -+ L

made this statement He is not a spokesman of the Janata Party and Janata Party's policies are not clearly caunciated by him I fully endorse the views expressed by my colleague

Shri Krishnan Kant on this. What is the foreign policy of a country? It is after all an extension of the national interest and extension of the cornestic policy on the international plane Looking from this view point, any Indian and in fact every Indian would be proud of the record that Jawaharlal has created in the international field. Panditji is not only a deven of vur foreign policy and an architect of our foreign policy, but he has also given a new direction and new thrust to our internationalism in this country. Even the common man in the street became very conscious of the internationalism and he knew what was the foreign policy that was being pursued in the interest of the country. The entire country would be indebted to Jawaharlal Nehru for centuries to come. I am shocked to hear Jawaharlal being described as a traitor and I am ashamed that this was spoken on the floor of this House: this should not have been nttered.

Having said this, as far as this policy is concerned, after the change in the Government, a new wind of change has come in this country and I would like to pay full compliments and congratulation to Vajpayee, who has been pursuing the right foreign policy enunclated in the manifesto of the Janata Party. Yesterday, one of my colleagues in the Congress Bench was telling that Atalii being an erstwhile Jansangh Member would behave like a bull in a China shop. But now they would have known that he is in no mood to oblige them. He is working throughout in the interest of the nation. He is a patriot and if anybody criticises Atalii and finds fault with him. I would say that he is doing great injustice not only to Atalil, but to himself also and to his party and his colleagues. That should not have been uttered on the floor of the House. After ali. there deviations. I would say certain that genuine and proper foreign policy is being pursued by this Government what does it mean? We definitely supported the non-alignment policy of

Jawaharlal Nehru. But at the same time, we believe that there were certain deviations. Some elements there and they to tilt the balance, We wanted rectify that imbalance which was introduced and if that is so, the entire country would be indebted to our present Prime Minister and External Affairs Minister. Whatever tilt was there, that is being removed and we are not tilting towards Russia or USA. We say that hitherto there was a phenomenon in the name of progressivism and leftism; some people were pro-Russia, some were pro-USA, but there was nobody who was proindia. This is a real patriotic policy that is being pursued in this country. Now the tilt has been removed and we genuinely say that this is tho genuine policy of non-alignment. From this point of view, I would beseech and appeale to all my friends in the Congress Benches to understand the implication of proper and genuine non-alignment. If they understand it in the proper perspective, I think, they would also agree with us and hy and large support this foreign policy. Since the time at my disposal is short-I am told that you have warned the Members that the time at our disposal is very short-I would like to make some suggestions to our Foreign Minister.

So far only rhetories and cliches and lobhving was going on in favour of particular interests, but now it is very essential that we must create a nonbureaucratic cadre. I do not criticise or condemn the bureaucratic cadre. We have got fine patriotic youngmen in our External Affairs Ministry. At the same time, it is necessary that we must create a non-bureaucratic cadre comprising of academicians and many other people who seriously study the foreign policy in depth. They must be constantly invited by our Foreign Office and a constant dialogue should be carried on with them so that constructive and refreshing suggestions can come from all these friends. That would go a long way in helping us in our decision-making.

[Shri Ratan Singh Rajda]

We have got our Policy Planning Division It requires revamping I am told that dynamic Atalii has already introduced new changes in the department It must be under a constant revamping process 1f that is done, our policy would always be dynamic

We are suffering from poor publicity If our publicity is carried on systematic and scientific lines, that would go a long way in creating a good image for our country It must be our duty, and our new government has been doing it,-to mobilise the countries of the third world to resist the pressures, economic and political, exerted on them by affluent nations This is very essential from the point of view of our country's policy Economic injustice and exploitation on a world scale is one of the chief destabilising factors in the third world India shall have to continue to play a positive role in fostering unity among third world nations to improve their bargaining strength We shall have to take the lead So far, after 1958, we had lose our moral leadership. Now, we are going in the direction of gaining that leadership in the third world

Other members have spoken about normalisation of relations with China and I do not want to go into it in detail We want to be friendly with China but not at the cost of the selfrespect of this country If we can normalise our relations with China. that will go a long way and it would help stabilise us in our foreign policy and stablise the positron of nations in this region After normalisation of relations with China, we shall have a zone of peace from Australia to Iran and beyond, and in Africa, South of Sahara, we shall have to pursue a policy of graduated response, developing closer ties with enlightened governments of Kenya, Tanzania, Zambia and Nigeria

Sir, as the time is short I would conclude with this words I would

like to congratulate our Foreign Minister, who has been pursuing a correct, genuine and proper non-alignment policy and the entire country of 650 million people are with him

DG, 1978-79

थी निर्मल चद्र जैन (मिवनी) : श्रापन महोदय, सन्तर प्रिय विषय भी यह पूरी बहस डा॰ सुब्रहमण्यम स्वामी पर जा कर केन्द्रित हो गई है। यह एक अजीव मी बात है कि जब हम विरोध पक्ष में यह अपेक्षा करते ये कि वह जनता सरकार ग्रीर श्री वाजरेबी के द्वारा ग्रवनाई गई नीति पर चर्चा करेंगे. वे ज्यादा से ज्यादा समय डा० मुक्तमभ्यम स्वामी को दे रहे है। यह सही है कि पहने जो हमारी गृट निरमेश ता की नीति थी बाज भी बही जहर है लेकिन उसना रग बदल गया है, उमरी खुशब बदल गई है। परराष्ट्र नीति वा मतलब यह नही होना विहम बया भीचते हैं अपनी नीति के बारे मे, उसका महलव यह होता है कि दूसरे राष्ट्र हमारी नीति वे वारे में क्या मीचते हैं । यदि हमारी नीति के वारे में उनके मन में शका उत्पन्न हो जाती है तो हमारी नीति विकल है और इसी विकलता ना गामना भ्रमी तक हम जा करना पडा या जब कि हम दिंढोरा पीटते ये थि हम गृट निरपेश है और साय कहते थे जिहम सम ने पिछारग् है। अमरीका हम से अलग था, हमार आस-पाम के पडोसी देशों म रहने वाले लोग हम से प्रलग थे, सुदुवं पूर्व एशिया के राष्ट्र हम से अलग ये । अभी मने मोरिया और जापान शाने का भवसर मिला था। में एक प्रतिनिधि मडल में वहा गया था। इस सरङार वे चाने के बाद यह पहला मरकारी प्रतिनिधि मडल जापान भीर साउथ कोरिया गया था । उन्होंने इडियन पार्नियामेटरी डैलीगेशन को बलाया था। उन से चर्चा के दौरान मुझे बड़े स्पष्ट रूप में यह जानरारी मिनी कि वे हम में सम्बन्ध बडें घतिष्ट रख सकते हैं क्योंकि वे भी महमूस करते है कि हम गुट निस्पेक्ष हैं। इसी सदमें में में वहना चाहता

349

हं कि हमारे सम्बन्ध आसपास के लोगों मे गड़ीसी राष्टों से वहे हैं ...

SHRI VAYALAR RAVI: You have got a good certificate from the American colonies. South Korea is an American colony and you are getting a certificate.

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN: I think I disagree with you.

SHRI VAYALAR RAVI: Of course, you disagree with me. But you cannot ignore the fact.

थी निर्मल चन्द्र जैन : ग्रमी तक हमारी विदेश नीति यह थी कि हम बड़े भाई के से व्यक्तित्व का निर्माण करना चाहते थे और जब तक हमने यह नीति अपनाई तब सक निश्चित रूप से हमारा विरोध हआ। एक वहुत छोटी सी बात है। यदि कोई व्यक्ति पहाड़ पर घड़ा रहता है तो वह अब नीचे वाले को देखता है तो उसको सब लोग छोटे दिखाई देते हैं ग्रीर जो नीचे वाले लोग हैं वे जब उसकी पहाड़ पर चढ़ा हुन्ना देखते हैं तो वह उनको छंटा दिखाई देता है। हम ग्राज तक पहाड पर थे। ग्राज हम ने सनानता का व्यवहार करना जी शुरू किया है उससे लोगों की यह मालुम हो गया है कि हम वास्तव में बड़े भाई की भूमि का निर्वाह नहीं कर रहे हैं, हम सीघे सीधे उन से मंत्री पूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं।

जब हम इतनी सीधी सी वात करते हैं तो कहीं वहीं से आवाज आदी है कि हम देण को बेच रहे हैं। मुझे याद है वह जेर

हम श्राह भी भरते है तो हो जाते हैं बदनाम वे करल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होती। देश को तो उन लोगों ने वेचा था, हम सो सीधे सीधे मध्यम मार्ग पर आए है और इसीलिए में भी अटल विहारी वाजपेबी और जनता पार्टी की सरकार की नीति की सरहाना

करता है।

कुछ विषय में अरूर ग्रापके सामने रधना चरता इं। 1977-78 को जो रिपोर्ट है इसके पुष्ट 9 पर सब से नीचे वाले पैरे में एक बात वड़ी स्पष्ट कही गई है :

बन्तर्राप्टीय सम्बन्धों में गुटों की विचारवारा के विषद सच्चा गुट निरमेक्ष देश होने के नाते भारत इस बात पर विश्वास नहीं करता कि किसी एक देश के साथ मितता-पूर्ण सम्बन्ध किसी तीसर देश के साथ इस प्रकार के सम्बन्ध विकसित करने के मार्ग में बाधक बन सकते है ।

मुझे दुख है कि इकराइल के बारे में श्रभी तक हमने मही दिला निर्दिष्ट नहीं की है क्योंकि हम समझते हैं कि शायद इससे अरव देश नाराण हो जायेंगे। जब रिपोर्ट में यह स्वप्ट कह दिया गया तो हमें इस बाद को मन से निकाल देना चाहिए कि उसने कुछ देशों की जमीन दबाली है। इस भी उन से बाद कर रहे हैं, चर्च कर रहे हैं जिन्होंने हमारी जमीन दया ली है। हम उनसे मित्रतापूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना चाहते है। हमने वहां पर अपना इताबास भी खोल लिया है, सम्बन्ध साधारण कर लिये हैं। लेकिन हम चर्चा नहीं करना चाहते इजराइल के साथ, पता नहीं नयों ? मैं चाहंगा कि इजराइल के वारे में पुनर्विचार किया जाये।

प्रचार के बारे में एक चंचन सरकार कमेटी बैठायी गयी थी, उसकी एक धन्तरिम रिपोर्ट ग्रायी है. ग्रभी उस पर विचार चल रहा है, मुझे पता नहीं है कि वह क्या है। सेकिन विदेशों में हमारा प्रचार अब बहता बहुत ब्रावञ्चक है। समाचार के एक संवाद-दाता जापान म हैं, लेकिन जापान के किसी पत्न की प्रभावित करों को उनकी क्षमता नहीं है। इस कारण उस पर भी विचार करना चाहिए। प्रचार बढाने के लिए हमकी सांस्कृतिक सम्बन्ध और वढ़ाने चाहियें। ग्रीर एक बात और कह दूं कि प्रवकारों के प्रतिनिधि मंडल का प्रवाह भी वहना चाहियें

35I

[थो निमल चन्द्र जैन] दूसरे देशो भें जाने ने लिए। ग्रीर जब मै यह .. बात कह रहा ह तो एक भीज और स्पष्ट कर देना चाहता ह कि माननीय बाजनेयी जी से वि इसम रोजनल पेपर्स को भी छाप प्रतिनिधित्व दें । सिर्फ बड़े दड़े पेपर्स को ही प्रतिनिधित्व देने में काम नहीं चलेगा । खाप जब चाहते हैं कि धापना प्रचार बाहर हो श्रीर बाहर ना प्रचार यहा हो तो ग्राप भध्य प्रदेश, भ्रान्ध्र प्रदेश दक्षिण ने पत्रकारा की भी बुलाइये, सिर्न दिल्ली ने पत्रवारा की ही अनेले बाहर न भेजें, यह मरा विनम निवेदन है ।

जब मैंन यह निवेदन स्थि। वि मास्युतिक सम्बन्ध बढान चाहियें तो सभी उस दिया म पहल तो की गई है लेकिन पहल बात कुछ हमारे द्वारा भी की गई है। हमने पाक्स्तान ने गायन और गायर भी अपने यहा बनाय, लेक्नि हमारा नोई गायक और शायर वहा नहीं गया है । इस सम्बन्ध म पहल होनी चारिये । सास्त्रतिक मबधो की एक बडी परम्परा हानी है। हम लोग जब कोरिया गर्वे थे, स्पीकर साहब हमारे लीडर थे, वहा पर जिनने लोग भी मिने, भीर खामबीर से बुद्धिस्ट प्रीस्ट्रम मिने, उन्होंने इन मन्दो म हमारे स्वीवर साहब का स्वागन किया कि धाप वद के देश से आये हैं इमलिये हम जानत है नि भगवान बढ स्वत हमारे यहा ग्राये हैं । इसका एक महत्व है । ग्राप याइलैंड जायें बद्ध के नाम पर हम अपन सम्बध ज्यादा से ज्यादा स्थापित कर सक्ते हैं। ग्रभी ग्रफगानिस्तान भ कठ मतिया मिली हैं बुद्ध की, इन मब से जात होता है कि हमारे ो सास्त्रतिक सम्बन्ध पहले ये उनको भौर बडाना चाहिये तानि हमारी भिन्नता न सम्बन्ध ग्रौर भी यच्छे हो सके ।

एक बात की धीर विशेष गौर चाहुगा कि ग्रभी विदेश मतालय म ग्राई॰एप॰एस॰ ' को जो विशिष्ट स्थान प्राप्त है वैसा स्थान

कुछ और दूसरे विशेषज्ञों को और रिसर्व बरने वाने लागा का भी होना चाहिये। प्रचार ने बारे भ, ग्रयं के बारे भ, भ्रतग ग्रतग प्रकार ने लोग वहा हमारे भन्नालय ने अन्तर्गत रिसर्च करते रहें, ग्रीर ज्यादा श्रन्छी तरह से कर सकें, ऐफीनियेंटली कर सकें, इस बात की वहन प्रावश्यक्ता है।

DG. 1978-79

य० एन० घो० को हमारा डेलीगेशन गया भीर मुखे दुख के माय कहना पडता है कि कभी कभी ऐसे लोग भी, डेलीगेशन म चने जाने हैं पना नहीं दिस वजह में जो यह कहते हैं कि हिन्दूस्तान म जब यहा पर प्रत्या-चार हरिजनो ने निरद्ध हो रहे हैं तो हम सान्य श्रभीका की किस बारे म मत्मेंना कर सकते हैं? हिन्दुस्तान को बदनाम करन के जो बाहर प्रयत्न क्रिये जाते हैं उन सब को बन्द करना चारिये ग्रीर इनलिये यु॰एन॰ग्री॰ नो जो लोगेशन जाता है मीर जो बाहर डेलीगेशन जाते हैं उसके बारे म हमे सतर्वता बरतनी बाहिये ।

हिन्दी की बात जरूर करना चाहुगा। वाहर जब हम जायें और बाहर के लोग जब हमारे यहा बाते हैं तो बब्रेजी जानते हुए भी वह अपनी भाषा में ही बोलत हैं और हम जब बाहर जाते हैं

SHRI VAYALAR RAVI I am speaking a clarification. A very serious allegation has been made, because a member of the UN delegation spoke there ...

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN You know it I have just referred to

SHRI VAYALAR RAVI. I believe. it is only in India Then it is all right I know whom the hon Member means

थी निर्मल चद जैन: हिन्दी का बढावा होना चाहिये, घोर में साध्वाद देना चाहता हु माननीय वाजपेयी जी की जिन्होंने यु०एन०

विदेशों में जब इताबास के लोग सम्पत्ति लेने की बात करते हैं, तो यहां दरख्वास्त देते हैं अनमति लेने के लिये । लेकिन 6, 6 महीने लग जाते है यहां से अनुमति देने में श्रीर जब ग्रनमृति दी जाती है तो वहां पता चलता है कि सम्पत्ति की कीमतें वह चुकी है और उसके बारे में ऐस्टीमेट से सैक्शन मांगने है। उसमें भी दोवारा 6 महीने लग जाते है भीर जब सैक्शन वहां पहुंचती है सी फिर कीमतें बढ़ी हुई मिलती हैं और यहां तक कि कीमतें दुगुनी तक हो जाती है, स्वीकृति देत-देते बहुत समय चला जाता है इसीलिये कई जगह सम्पत्ति नहीं खरीदी गई।

हमारे दूतावासों में जो कर्मजारी काम करते हैं, उनके बच्चों की विदेशों में कम स्विधाएं उपलब्ध हैं । कई जमह शिक्षा वहत महंगी है। जितना शिक्षा पर खर्च होता है, उस अन्पात में वनव्वाहें बहुत कम हैं 1 इसलिये कर्मचारियों के बच्चों की जिला की ओर भी इनान दिया जाये । मैं समझता हं कि इन सब बातों की ओर विदेश मंत्री ग्रवस्य ध्यान देगे ।

SHRI RAM JETHMALANI (Bombay North-West); Mr. Chairman, Sir, I rise generally to endorse the foreign policy of my Government and to compliment my distinguished Foreign Minister on the substantially successful conduct of his Ministry. Sir, I must say that in the traditional style of secret and silent diplomacy, without resorting to spectacular public statements, which often land us

in glorious contradictions and notorious embarrassments, he has succeeded in creating a two-fold image of India on the world stage, internally committed to freedom, democracy and the rule of law and externally committed to international decency, world peace and universal friendship for all nations of the world, whether they are our neighbours, or are situated at a great distance from our frontiers. It is gratifying that our Government has not only maintained but strengthened friendly relations, with Soviet Union, the German Democratic Republic, other countries of Sovlet bloc and the somewhat unique Government of Yugoslavia, because this friendship is vital to world peace and for this country a political and economic necessity. But what is still more gratifying is that the distinguished Foreign Minister has succeeded in reconciling this friendship with our friendship with world democracies.

The democracies of the world, I say, must cultivate a joint commitment to their own peculiar values, namely, the worth and dignity of the individual, his basic human rights and, above all, a dedication to the defence of these values, wherever they are threatened by forces of totalitarianism of all kinds and shades. I hope this friendship shall confinue to flourish to the mutual advantage of not only the friends invloved, also of the world in general,

I must advise my Foreign Minister not to be influenced or dismayed by the advice or criticism of those people wbo continue to use a dictionary, the first and last edition of which sopeared in 1844 in which "democracy" is "imperialism" and "imperialism" is "democracy". Let us not forget that this is a country of Gandhiji, and Gandhism is not inconsistent with gratitude. Let us not forget that when the Combrades across the Himalayas attacked us, it was the Americane who brought arms and other supplies and helped us to repel that attack ... (Interruptions).

|Shri Ram Jethmalani[

355

I must congratulate not only the Foreign Minister but also the distinguished Prime Minister of our country, who have refused to blow their own trumpets and wbo have not taken credit for something for which they should be taking credit, namely, a revolutionary breakthrough in the foreign policy which had been practised before

The previous regime talked of nonalignment and we also talk of nonalignment, but the glaring difference, of which we ought to be proud, is that though Pandit Nehru did start a very sensible policy of non-alignment and to that extent my bon. friend Shri Rajda was right equally let us recognise what in his own way the great Subramaniam Swamy told us namely that in course of time. ultimately, that sensible policy which the great Pandit Nehru started degenerated into an undignified posture spurious neutrality But the neutrality of our Prime Minister and Foreign Minister and of the Janata Party Government in general is pregnant with robust manliness and transparent genuineness Dont be dismayed by the Congressmen thinking of you as a bull in a chara shop Whether you are a bull is a natter of concern only to the Congress cows It is not that they are happy that you are not acting like a bull. They are disappointed that you are not My suggestion is that you do occasionally oblige them

While I have said all this I do not wish to create an impression on this House or on anybody else nor on your Ministry that everything is perfect and therefore incapable of improvement in many spheres. It is in this spirit of constructive suggestion that I have taken upon myself the somewhat irksome task of moving four cut motions but believe it or not I would not have moved them if our consultative meetings had not been very rare and if our own party meetings in which foreign policy could be discussed continuously were not themselves very rare

Our record of commendable communent to the principle of universal finendship for all and genuine non-alignment carries an avoidable black spot, a black spot which has been very ably pinpointed by the distinguished Mr Kamath and by my young friend, the distinguished Mr Jain here who spoke a few minutes before

Our policy in the Middle East presents a look of unforgivable crookedness, which must immediately put an end to We must polish up and round off the angularities of that policy

I value our friendship with the Arab countries I am next to none in believing that we must sympathise with Arab objectives at least some of them but the manner in which we have irrationally identified ourselves with some obscurantist elements in the Middle East has robbed our voice robbed our advice robbed our counsel, of that moral authority and political effectiveness which are due to the voice of this great country It is in the interests of our Arab friends that we should have some effective channel of communication with the small but gallant country of Israel We should be more reasonable in our denunciation of that cour-(Interruptions)

MR CHAIRMAN He has got his

SHRI VAYALAR RAVI Here is a lobby speaking on bebalf of Israel. It is in the interests of our country, of the Janata Party? They are the ruling party (Interruptions)

SHR! RAM JETHMALANI I suggest that we should be more reasonable in our denunciation of that country We should be more conscious of the imperatives of its survival. And above all, we should be more even-handed in the judgments which we pass upon issues which wise in that region. Let me say for the benefit of my learned friends on the other side that Israel is not a western country, it is an

Asian country and when all our comrades and all our Arab friends had deserted us during the Bangladesh war, it was the Foreign Minister of Israel who made a speech which should have been made by the Foreign Minister of India, Let us not forget that and let us not be carried away by our spurious secularism which we have been practising in this country for so long,

I wish to remind this House that our Government welcomes all kinds of people from all countries but it is a matter of some shame that we did not allow the great Zubin Mehta, a world gentus in the field of music. and his orchestra to come to this country. Does music become bad because it is produced or played by a Jewish musician? This is not secularism, this is not Gandhism and this is not Indianism. It is something which is destructive and frustrative of the very objectives of helping the Arab cause. We welcome all peoples from Arab countries but why cannot we welcome philosophers, scientists and musicians from that democratic and brave country?: The people of this country shall not tolerate it for long. I wish to declare that I deeply deplore the Palestinian raid on the 12th March upon the legitimate territory of Israel, not on disputed territory but on legitimate and lawful The commandoes went on that soil, got hold of a bus, moved down with fire arms innocent men, old men, pregnant women and children in arms. (Interruptions)

SHRI VAYALAR RAVI: He cannot speak like this. Thousands of Palestinians have been butchered. Thousands have been killed. You cannot speak like that

MR. CHAIRMAN: Mr. Ravi, you have wasted two minutes time unnecessarily. It is for Mr. Vajpayee to see to it, why do you bother about it? Mr. Jethmalani, please conclude.

SHRI RAM JETHMALANI: I WILL take five minutes for my cut motions.

MR. CHAIRMAN: I know that you can contribute something. You are a good speaker, But what can 1 do? It is left to your whip. If your name was first, you could have got some time. But always, your name is in the last.

SHRI RAM JETHMALANI: While it is true that all violence breeds counter-violence and it did produce massive counter violence from Israel, but I want to ask why you kept your mouth shut when the first act of violence took place and you opened your mouth wide only when retaliation took place. I plead that bereafter at least let this country rise to its full Gandhian statute and let our moral authority be found effective in the world. If we are prepared to throw away crores of rupees for the purpose of prohibition, we can spurn a few petro-dollars if speaking truth in international councils costs us a few petro-dollars.

In our manifesto, we have taken upon ourselves a great obligationthe obligation to denounce the violation of human rights whenever and wherever it occurs. In 1966 when Mrs. Gandhi came into political ower, it is precisely at that time that the United Nations brought into existence two of those monumental documente relating to the preservation and support of human rights, the two United Nations Covenants with the Optional Protocol. I have been asking that these should be ratified by the Government. I wish to congratulate the Foreign Minister for having told me that this is going to be done very soon. I want a firm statement of policy from the Foreign Minister because the entire intellectual world, the world not of Mr. Lakkappa but the world of those who are wedded to human rights, is waiting to have that ratification soon. We have already announced it at international Conferences and it is time this country ratified if....

SHRI SYED KAZIM ALI MEERZA (Murshidabad): May I put a question

IShri Sved Kazım Alı Meerza] to my friend Mr Jethmalani? Whom

359

1, he supporting? Is he supporting the aggressor Israel which has been committing prutalities and atrocities against all human rights condemned by all nations of the world (Interrup\*ions)

MR CHAIRMAN Mr Jethmalanı please conclude

SHRI RAM JETHMALANT word about the third point which I wanted to mention which is the subject matter of the third Motion-the manner in rbcn the provisions of this outdated Emigration Act of 1922 are being enforced in this country

SHRI VAYALAR RAVI I support you here

SHRI RAM JETHMALANI glad sometimes you see light

That Act embodies the text of 1860 It incorporates the colonial ideas of the last Century when the British wanted to have the monopoly of the use of Indian manpower for the pur pose of their being exploited in the British colonies and not in other colonies That Act today has become the instrument no longer of exploitation by the colonial powers because we are free but it has become an instrument of corruption and bribery in the hands of a large number of officers who collectively call themselves the Protector of Emigrants But they are not the protectors of Emigrants they are out to destroy and exploit them for their own profit

There is an Ambassador of ours living in one of those countries-I do not wish to name him here-who has assued a circular in which he has said that the passport of any Indian who accepts employment for less than the particular figure which he has prescribed shall be impounded. The postion in this country is that we cannot give a man Rs 100 or give him an employment And if that man goes and gets Rs. 2000 there you-Ambassador tells him that unless he gets Rs 2500 his passoprt will be impounded By this he is not serving the national interests. He ought to go

DG 1978 79

MR CHAIRMAN Please conclude

SHRI RAM JETHMALANI Onmore minute Sir

I admire the efforts of my Govern ment in developing friendly relations with our neighbours particularly with Pakistan and with Bangladesh But let me remind the Minister that in developing this friendship, should not forget the obligation of our manifesto. The obligation of our manifesto is to denounce violation of human rights wherever and whenever that occurs That is our Bible " I do not accept the suggestion of Mrs Gandhi because she never talks on principle she talks on the basis of personalities She has said that we must talk about Mr Bhutto Mr Bhutto is not a person who should be very loved in this country because he has been the cause of discord between India and Pakistan and he is the man who like a common urchin had presided over the burning of the hijarked Indian plane in Lahore Therefore we have no sympathy with him But we have sympathy with principle we have sympathy with conscience we have attachment to human rights Mr Bhutto considered from the point of view of a lawyer has not had a fair trial in Pakistan he has been denied that human righ" We should denounce the verdict on the ground that he has not had a fair trial a basic right. Even the worst criminal is entitled to a fair trial and that is what he should have Our stock will rise in the international world if we supported Mr Bhutto not because he is Mr Bhutto but because hè is the victim of an unfair trial his conviction is the result of

We are today playing host to a Russian Parllamentary Delegation

While I say, and I have said, that I am next to none in my advocacy of Indo-Soviet friendship, let us very politely and gently into the ears of our Russian friends that we admire them for the Helsinki Accord which was arrived at in 1975. But the proof of the pudding is in the eating, Today are imprisoned almost without a trial eleven persons who have been feiling their Government 'why are you not following the Helsinki Accord'. Read the latest bulletin of the International League for human Rightsa document which my friends across

us tell our Soviet friends that we do SHRIMATI AHILYA P. RANGNE-KAR (Bombay North-Central): were the Chief Guest when the Soviet delegation came.

not approve of this.

will not touch because for them it is poison; they do not like it. But let

SHRI RAM JETHMALANI: I told them. I had the courage to tell them, which you did not have.

Let us rise to our full stature and talk of human rights. It does not matter if it costs us some inconvenience and loss of fair weather friendships.

MR. CHAIRMAN. If Members do not cooperate with me, it will be very difficult; I cannot accommodate the Members. After all, I am trying my best to accommodate everybody, but you don't listen. That is the situation.

Only five minutes please.

SHRI BALWANT SINGH RAMO-OWALIA (Faridkot); First of all, I appreciate the external affairs policy of my Government, But before appreciating the External Affairs Minister Sahib I want to appreciate someone else also. Who is that? Before appreciating the Hon. External Affairs Minister I want to give my thanks and appreciate the great people of this great country who provided enough opportunity to the Hon. Mr. Vajpayee to do something for nonalignment-the non-alignment policy which got eclipsed during Gandhi's regime,

There were some friends from the CPI and others who, with the help of the Russian people, said in this country that if Mr. Vainavee Mr. Desai and Mr. Charan Singh come to power, Delhi will be converted into (Interruptions) They said it. Even the CPM said it But the whole world can see that Delhi has no, become 'chile', (Interruption),

Sir, after appreciating the nonalignment policy and foreign affairs policy, I want to bring to your kind notice two or three things which are of utmost importance to the Sikh community. An Arab country-Saudi Arabia-has banned the entry of Sikh people into that country. Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee the biggest representative organisation of the Sikhs of the world and the Akali Dal leader and the Puniab Chief Minister had written to Hon. Mr. Vajpayee to take up the matter. Now two and a half years have elapsed and yet nobody has talked about the Sikhs' entry into Saudi Arabia. Sir, a third nation is creating a wedge between citizens of the same country. A third nation is creating a wedge and it is a challenge to the capability of the Hon, External Affairs Minister. (Interruptions). Even I had applied for a visa to Saudi Arabia as a Nember of Parliament but, because I am a Sikh, I was denied the visa to Saudi Arabia, I hope the Minister will take it up.

Further, I want to say that the Sikh Community lost property, houses etc during Partition and we lost Gurudwaras also. At that time there was a provision that 25 Sevadors of Sikh community can go to Pakistan and live there to see to the organisation of Gurudwaras. That also has been denied Now, the Salal Dam has been discussed and other things have been discussed, but I am sorry that the Hon. External Affairs Minister has not

[Shri Balwant Singh Ramoowaha] taken up this Issue which is a burning issue for the Sikh Community I hope he will do justice to that also

The Foreign Exchange Regulations Act was enacted in the year 1973 There are many Indian who went to some foreign countries ten years back or twenty years hack. The Government enacted a law in 1973 which is causing great harassment to such people A person some members of whose family went to England Malaysia or some other country about twenty years back is now being harassed by the Enforcement authorities and they ask such a person Where from did you get this property or this house etc" I would request the Minister of External Affairs to see that at least such people are not harassed under this Act Such people who went abroad before 1973 should not be harassed

Then Sir, Uganda expelled Indians and Burma also expelled indians. When they came to this country, they became a hurden for us. Such a situation can be created in certain other countries and thousands of Indians who are there can face the same problem and have the same ill luck Countries like Pakistan Italy Bangladesh have dual citizenships When Indians are expelled from any country and they have some money, they would not be a burden on this country I would humbly request that the Government should think on the lines of dual citizenship for such people

In the end I would submit that I have been receiving hundreds of letters Shiromann Gurudwara Par bandhak Committee as also Guyarat Association of Foreign Persons have been receiving hundreds of tellers that when persons of Indian origin came from abroad to get their villages, to meet their friends and kith and kin or their families they are harassed like dogs by the Customs authorities I would request the hon Minuster kindly to do something in this regard viso

Mr Chairman Sir, I have taken the minimum time of the House and I hope the Minister will consider my requests with maximum of a attention

MR CHAIRMAN The whole House is grateful to you

बोधरी बतबोर सिंह (होणियारपुर) ।
समापति महोदय, मैं भारत अपेपति मितिस्टर
का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने देश की
बाहरी नीति को इस दग से पताया कि हमारे
देश की उससे इन्जत बडी हैं। उन्होंने इस
बात को गतता साविश कर दिया है कि जो
सोम यह समझा करने ये कि इस देश की
विदेश नीति जो है वह इस दग से पतेगी कि
हम बाहर का मूल कोई प्रदेशा गरी, साथ
के मूलको में हमारी पतेगी नहीं। उनकी दे
सब आगाए धन्म हो गयी हैं।

मुशे बाज श्री प्रप्ण कात जी की कुछ बातें सून कर बड़ी हैरानी हुई । ग्रगर ऐसी बातें थी स्टीपन, थी उन्नीष्टरणन, थी चन्द्रप्पन साहव या कोई भीर उधर का कहता तो सझे बोई मपसोस नहीं होता । लेक्नि उन्होंने जब ऐसी बात कही तो अपसोम हथा । वे सी पटित नेहर में भी ज्यादा खशामद करने म लग गये। पडित नेहरू की जो कारन पालिसी बी उसने बारे म ही इज मोर लायल देन दि क्यि । 1962 में बीन के हमले के बादपहित नेहर न बहा था कि मैंने जो पचलील का किला बनाया था वह एक हवाई किला या, अब तक मैं हवाई दनिया में रहता या, अब मैं घनली दुनिया में भागया है। उस समय हमन पचशील की पालिसी की अपनाया या भीर 'हिन्दी चीनी भाई भाई. का नारा लगाया या । यह नारा हमने चीन ने बारे म दिया था जिस चीन की रूस ग्रपना भाई बहता था और हिन्दस्तान को अपना दोम्त कहता था। मैं समझता हू कि हमारी विदेश मीति तभी सही दग से चन सकती

है जब हम मजबूत हों । भारत 65 करोड ग्रादिमयों का देश है। जब 65 करोड़ ग्रादमी मजबूत होंगे तभी हमारी विदेश नीति सही ढंग से चल सकेगी। ग्राज तीस साल तक यही होता रहा है धीर यही कहा जाता रहा है कि एक प्रादमों के हाथ मजबूत करो। जब वह एक आदमी नहीं रहा तो हिन्दस्तान क्या खत्म हो गया ? पहले एक आदमी के और उसके बाद एक धौरत के हाथ मजब्त करने को वात कही गई। वह ग्रीरत मी जब नहीं रही तो क्या हिन्दुस्तान खत्म हो गया ? हिन्दस्तान तो घलेगा । 65 करोड ब्रादिनयों के 130 करोड़ हाथ हमें मजरत करने होंगे। यदि हमने ऐसा किया तो दुनिया की कोई शाकत हिन्दुस्तान की तरफ दशी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगी।

माज हमारी नीति सही साइन पर चल री गुरू हुई है। पहली सरकार रूस की तरफ सकी हुई थी, लेकिन खब कोडे यह नहीं कह सकता है कि हम अमरीका की तरफ लुक रहे हैं। हमारी इंडिपेंडेंट पालिसी है। जो भी हमारे सनने हिन्दस्तान के हित में होगा वही हम करेंगे। पहले हम इस हद तक गिर गर्थे कि ठिकाना ही नहीं। तेल को कीमतें बढ़ गई। पैट्रोल की कीमतें बढ़ गई तो हम ने म्वारिकवाद दी उन पैदोल वाले । मुल्कीं की जिन्होंने कीमतें बढ़ाई थीं। जब हमें खुद तकलीफ शरू हुई तो हमने भिक्षा उन से मांगनी शुरू कर दी और कहा कि इसकी माफी हमारे लिए कर दो । हमारी विदेश नीति हिन्दुरतान के हिस में होनी चाहिये। हमें किसी की परवाह नहीं करनो चाहिये। हमें अपने तौर पर चलना चाहियें।

जिस ढंग से जनता पार्टी की सरकार ने : डिस्ट्रियल, फारेन तथा दूसरी नीतियां ग्रानाई हैं उससे यकीनन हिन्दस्तान को फायदा होगा। जब हर श्रादमी को काम मिलेगा, देहातों में सनते च**लेंगी, पानी के** सगड़ें जो तीस साल से तय नहीं हुए हैं वे . तय हो जाएँगें। हर श्रादमी मजबूत होगा तो लाजिमी तौर पर बाहर के देश हमारी बात को सुनेंगे, हमारी बात की कद करेंगे। श्रमर हम भिक्षा मांगनी शुरू कर देंगे तो हमारी कद्र नहीं रह जाएगी । दुनिया का कोई छोटे से छोटा मुल्क भी नहीं होना जिससे हमने भिक्षा न मांगी हो । यह नीति तीस साल तक चली । हमारी विदेश नीति इसी वात पर धाधारित बी, निर्भर करती थी कि हमारे फारेन मिनिस्टर, हमारे एम्बेसेडर कितना कर्जाहम को लेकर देते हैं। हम बड़े फब से कहते ये कि हमने फलां छोटे से मुल्क से भी कर्ज से लिया है। हमारी नीति वड़ी कामवाव हैं। उन को तब बहस मवारिकवाद दी जाती थी।

मैं कहना चाहता हं कि हमारे ओ सिकारतजाने हैं उन पर भी शापको जरा अंकृष रखना है। वहां भी करोड़ों रुपये का गवन हो रहा है। वहां जो लोग हैं अभी भी वै उसी जवान में बोलते हैं जिस में पहले बोला करते ये। उनको नई पालिसी के बारे में ग्रापको बताना होगा । पहले के ढंग से काम करने वालों को धापिस ला कर उनकी जबह हमें उनको भेजना होगा जो हिन्दस्तान के बारे में सही बात कर सके। हम इन सिफारित-खानों पर करोडों रुपया खर्च कर रहे हैं। वे हिन्द्रस्तान के बारे में उन देशों में सही बात बात कभी नहीं बता सके हैं। पाकिस्तान के सिफारतखाने वहां अपना केस सही ढंग से पेश कर सके हैं लेकिन हमारे नहीं कर सके हैं। यह सब से बड़ी बीज है। उनकी हिन्द-स्तान के इंटरेस्टस को बाज करना होगा । कोई भी गलत बात वहां ग्रगर होती है तो उसको काटना होया और सही स्थिति बतानी होगो । जिम्बाववें के बारे में वात हुई है। हमारे भी खिलाफ वहां के जो प्रेकीडेंट थे जन्होंने कुछ वात कही थी । बाद में उन्होंने भाफी मांगी । हमारे सिफारतवाने को एलर्ट होना चाहिये।

चौधरी बलवीर सिंही

367

यहा में जिन को वहा भेजा गया है ऐवासी करने के लिए नहीं भेजा गया है। उननो चाहिये कि वे वहा पर विदेशा में मपने देश की नहीं समबीर पेश वरे, हमारे देश वी जो पालिमी है वह मही दग में लोगा की बताएं, मेवा भाव से काम वरे और देश के मान की वहाऊ चा वरे।

भ्रन्त भ में इतना ही बहना चाहता हू कि पाकिस्तान के नाय दोली ठी वहै, ईरान ने नाय ठीन है चीन ने माय ठी र है। सब के साय भाई भाई का नारा ठीक है हिन्दी चीनी माई भाई, पाकिस्तानी हिन्दी भाई भाई का नाराठीक है निक्त जब भी हम लगे कि हमारे भाई के हाथ म छुरा है तो हम म ताकत होनी चाहिये कि हम उस छुटे को छीन सहैं।

समापति महोदय मनो जी को पाच वने ब्लाना है इसलिये थी थीकृष्य सिंह जी, ग्राप गरना भाषण जन्दी समाप्त कीजिये ।

थी थीकृष्य सिंह : (मृगेर) महोदय, सबसे पहले म विदेश मती जी को प्रन्यवाद देना चाहता है कि उन्होंने अपन पडोसी देशों के साथ सम्बन्ध सुधारन भीर बढाने मे पहल की है, जो जनका बाकई में वडा गौरवशाली ध्रष्टवाम है एक साल का ! एक एक करके उसकी चर्चा नहीं करूना नयोकि समय कम है। नेकिन एक बात घ्यान में रखनी होगी कि भारतीय राजनीति म जो शक्ति परिवर्तन हुमा है, जो एक नया शक्ति सतुलन हुमा है और जिम श्रहिसक तरीने से हुन्ना है उसका व्यापन प्रमाब हमारे पडौसियो पर पडा है, सारी दुनिया पर पडा है, मध्य पूर्व और मध्य पश्चिम पर पड़ा है, नपाल पर भी पड़ा है और नेपाल की जनता पर मोर राजमहल दोना पर पड़ा है। नेपान राजशाही में भी उत्साहबर्धक वंदलाव आया है। वह भी कुछ सीमित उदाखोदी होती जा रही है। नोयराला नो उन्होंने छोडा भीर सीच रहे हैं बुछ धार्ग की वास । सम्बन्ध भी हमारे घण्डे हुए हैं और वहा की जनता में, नेंनाल बाग्रेम में भी यह भावना पैल रहा है कि अब हम अहिंभेक तरीके से सत्यादह कर ने अपन हड़ा को ले सकते हैं। कोयराला साहब ने वहां विमहल के तत्वावधान में भी जनगात्रिक व्यवस्था समिव हो सन्ती है। उनके सोचने में फर्ड आया है। पिछले एँग साल म भारत मे जो शक्ति संतुलन हुँगी श्रसिंहव तरीवें में उसका श्रहर नेपाल पर भी पड़ा । पिछली मरकार का जो तानाशीही एवं दच्टतापूर्ण रवैया या उसने चलने कीयराला को भारत छोड देना पडा भौर राजशाही से जी दिल्ली सरबार का गठबंधन हो गया या, दिल्ली भीर काठमन्डू में भ्रपन संकीर्ण राजनीतिक स्वायों की पूर्ति के लिये, उसमे नपाल की जनगातिक महितयों की ताकत घटी थी । लेतिन बन वह तानत वह रही है भीर भव जो भाज मसला है नपाल में वहा एव तरफ राजशाही है भीर दूसरी तरफ जनता है। यह ठीव है कि राजशाही म भी कुछ परिवर्तन झाया है भौर जनता म भी भाया है, लोगा को भपने बुनियादी ग्रधिकारा के लिये खड़ने का अधिकार है। इतिहास म कभी कभी ऐमा समय भाता है जब राजशाही, उपनिवेशवाद यह धसगत हो जाते हैं। तो इस मामने में विदेश मतालय की पहल करनी चाहिए ।

इसके साथ साथ एक सवाल और है कि अभी अमरीका के राष्ट्रपति श्री कार्टर हिन्दस्तान में घाये थे, तो उन्होने एक बात नहीं यी कि हम भारत को उतना ही महान देश मानते हैं, जितना कनाडा ग्रीर जर्मनी को। उनके इस क्यन में यह बात निहित थी कि अमरीकी के जो सम्बन्ध कताड़ा से है मा जर्मनी से हैं, उने पर जो दंबीव है, जैस बह सीव स्वीकार करते हैं प्रमरीका का दवाब, बेसे ही भारत भी अमरीना का दबाव स्वीकार करे। मेंगर हॅमोरे प्रधीन मती

ने उस दबाव को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। श्रीर हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि धमरीकी सहायता की हमें जरूरत है, वड़ी आवश्यकता है, फिर भी हम , उनके राजनीतिक दवाब और उनकी न्तकनीकी वरीयता की स्वीकार करने में असमर्थ हैं। यह हमारा और अमरीका की वृत्तियादी मतभेद है, घीर इस चीर्क का जिंक करने से हमारे प्रधान मंत्री का च्यवितत्व और कृतित्व बढ़ा है। उससे चनकी प्रतिष्ठा बड़ी। इसी दृढ़ता का प्रमीव यह हुआ, श्री कार्टर पर इतनी पड़ा, कि उन्होंने जो खत लिखा, भारत को 7.6 टन पुरेनियम देने की स्वीकारता के बाद भी हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री श्री देसाई पर उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। वापस जो कर उनकी एक सब्द और ठेडा लैटर लिखेंगे और बता देंगे कि हम अपनी जगह से चल-विचल हीने बाले नहीं हैं। अमरीका की सहायता जिस गत-नाम के मताबिक थीं, उसी में यह बात थी कि भारत उसकी शर्ती को स्वीकार करे, लेकिन हमारे प्रधान मंदी ने उसकी श्रस्त्रीकार कर के हिन्दुस्तान का सम्मान बढ़ाया श्रीर श्रीसत हिन्द्रस्तानी नागरिक की काफी इज्जत वंढाई ।

### 17.00 hrs.

दूसरे महायुद्ध के बाद उपनिवेशकाद चला गया, इम्पीरियलिज्म की चर्चा बरावर चली। श्रंबं इंग्पीरियंलिंग्नं समाप्त हो गया, मगर . एक नये ढंग का इम्पीरियलिज्म, एक तकनीकी उपनिवेशवाद चल पढ़ा है। पश्चिमी देश, चाहे रुस हो या समरीका हो, सब चाहते है कि पूरे अके शियाई देशों पर मजीनों का भीर तकनीकी दवाब डालकर उसकी अपने ग्रण्डर में लावें, उन देशों की प्रमुता को काफी, प्रमाबित करें। पश्चिम एशियाई देशों में तेल का प्राकृतिक वरदान है, देल के कृए हैं, लेकिन आप देखते हैं कि वहां उद्योग पनप

नहीं पादे हैं। वहां पश्चिमी देशों का दवाव है ओकि उन्हें पतपने नहीं देना चाहते ।

हमारे भारत की जो प्राणविक नीति रही है, जब पहला एटामिक रिएक्टर बनाया या, उंसी वक्त यह वात साफ कर दी थी कि हम प्राकृतिक शक्ति का उपयोग अपनी गरीबी हटाने के लिए करेंगे, देश के आर्थिक और कृपि-प्रधान कार्यों का विकास करने में चनायेंग ग्राणदिक शक्ति को शांति की अपेक्षा हविवार के रूप में इस्तेमाल करने की नीति इन्दिरा गांधी की थी, उन्होंने यह पार्वट रचा था और प्रयोग के स्तर पर छोटे मोटे एक बमंका विस्कोट राजस्थान के रेगिस्तान में उन्होंने किया। हम अपनी सरकार को धम्यवाद देंगे कि उन्होंने कहा है कि हम ऐसी पाखण्ड रचने वाले नहीं है।

 जहां तक जनता सरकार का सवाल है, इसके पक्ष में हम नहीं हैं कि हम इस तरह का कोई आउम्बरपूर्ण काम करें, लेकिन इसके पक्ष में भी नहीं हैं कि इसके पालन के सिलसिले में विदेशी दवाद था हस्तक्षेप को हम स्त्रीकार करें और अपनी सर्व-प्रभुता और स्वाधीनता को अपने राष्ट्रीय तत्व की धक्का लगने दें ...(व्यवधान) ...

हियंपारों की सौदेवाजी को बन्द किया जाये, यह सब मानते हैं । इस शक्ति को वीसरी दुनिया और तीसरी अवित के निर्माण में समाचा . चाहिए जो दुनिया में समता के आधार पर नवे भानव समाज-की स्थापना कर सकती है। ब्राणविक शक्ति के अन-संधान और निर्माण में यही दृष्टि होनी चाहिए। प्रधान मंत्रों जी ने श्री कार्टर के साथ जो द्रिकोण अपनाया, इससे दिशाबीच और दिशा शक्ति का अनुभव सव नागरिकों और हिन्दुस्ताच को होने लगा है।

.. अन्त-में में एक वात और कहना चाहता हैं नान-एलाइन्मेंट की चर्चा चलती है।

राष्ट्रीयता की नोति, देशभित की नीति नहीं वर्ते । हम ग्रानी प्रश्वित को आर्थे बढाने के लिए. झन्तर्राष्ट्रीय शक्तियों के सत्तलन ने निए प्रयास करेंगे।

372

MR CHAIRMAN I think Prof. Mavalankar and Shri Chitta Basu I will have to call the Minister

want to speak. I have every sympathy for you. My difficulty is that

PROF P G MAVALANKAR (Gandhinagar): Because so much time has already been extended, I request that we may be given some time

MR. CHAIRMAN. How much time will you take?

PROF P G MAVALANKAR shall take from five to seven minutes.

MR CHAIRMAN You will please stick to the time schedule of five minutes. Yourself and Shri Chitta Basu will fake five munutes each And then 7 shall call the Minister, Prof Mayalankar

PROF P G MAVALANKAR Mr. Chairman, Sir, I am very grateful to you for giving me a chance to speak m this debate I will speak for five minutes If I go beyond that and if you stop me, I shall sit down.

1707 hrs

[See N K. Shejwalkar in the Chair]

I shall begin with a suggestion. It is this like the Annual Economic Survey which is presented to Parliament every year in our country for many years, I should be happy and grateful if an annual survey of "India and the World" is presented to us so that the House can get an opportunity of discussing it An account of India's role in world affairs should

श्री थी वष्ण निह इसके नाम पर पिछले 30 वर्षों में कभी हमने धमरीका को एक कथे पर विठाया और कभी स्स को । एक मन्नीको कहा कि तन रुख की स्तृति वरो और दूसरे का वहा कि ग्रमरीका की स्तृति करो और बी॰ एन॰ 480 वा में? तुम्हारे यु श्राथमा, कभी कहा कि बेसिन इडस्ट्री के लिए तुम्हें म्य से मीदा करना होगा । एक ग्रदिमी ग्रीर एक सरकार, जिसने भिन्न भिन्न मुहरहे। हम वरावर बोलते है परन्तु मह नान-एनाइनमेड क्या है ? हमने भिन्न अवित गुटों को चाकरी की है रिश्या की गुलामी नहीं की, प्रमरीका की गुलामी नहीं को है। चाकरों जन्द की है। क्या यही नान-एलाइन्मेट है ? हम विदेश मनी को धन्यवाद देंगे कि उन्होंने अैनुइन नान एलाइनमें टकी दात की है। सब हम चाकर नहीं हैं। जिन दढता वे साथ हम चल रहे हैं, उससे बड़ी में बड़ी गरित को विश्वास हो गया है कि भारतवर्ष में परिवर्तन है बदलाव है। इसी प्रकार से हम यह भी बह देना चाहते हैं कि दूमरे देशा को दबाने की भी हमारी नीयत नहीं है। भारत की यान और इंग्यत बढाने के लिए जो भी शरीका होगा, विसा किसी के माने खुके श्रीर दवे हम उसे अपनायेंगे। अपने पहीसियों को आगे करने के सवान पर भी जा सभव होगा हम उन्हें भी मार्ग बहायेंगे।

हम बराबर कण्टोवर्गी में जाने हैं कि यह जैनइन नान-एलाइनमेट क्या है ? हमेशा कहा जाता है कि नान एलाइनमेंट । अगर हमारे थी सुब्रहमध्यम स्वामी ने कहा कि जिन लोगों ने पीछे नान-एलाइन्में? की नीति नो चलाया. वह गहार थे। हम वह भाषा नहीं बोलेंगे, लेकिन क्या वह देशमनित भी जो चानरी का काम किया गया ? हम सुब्रहमायम् स्वामी ना समर्थन करते हैं कि उन्होंने स्पष्ट बोला। हम गहार तो नहीं वहेंगे लेकिन इतना जरूर क्ट्रेंगे कि पिछले वर्षों में जो चलवा रहा नान-एलाइन्मेंट, उसकी हम be presented on annual basis for discussion for at least a day or two as we have in the case of the Economic Survey. Going abroad I find that in several foreign countries, such opportunities are increasingly available to Members of Parliament to take legitimate interest in the foreign affairs, and if such an annual survey comes to our House also, I think it will give us a chance to discuss foreign policy issues, and if the House extends the facility of discussing the annual report on foreign affairs in such a manner, it would be helpful to us. I have gone through the 96-page annual report of the External Affairs Ministry for 1977-78 and as far as reports of any department or any association go, they are good, but they do not tell us in succinct manner what the Government's emphasis is going he on various important aspects of foreign policy. Therefore it is utmost importance that an annual survey is presented to the House as it would be very useful to us.

Foreign policy as a matter of fact is largely and broadly the result of a national consensus. I agree with Mr. Vaipayee when be said that, But this debate has clearly shown that even within the ruling party and other sections here and elsewhere outside this House, there are bound to be differences in emphasis or shifts on priorities. Therefore, we may not harp too much on national consensus. At the same time I wish to say that foreign policy of a country, especially, our country has been going on for many years on the basis of a consensus, and there have been basic and fundamental agreements. So, on our side, I do not think we should do anything which will disturb that particular situation.

Now, Sir, our foreign policy is also dependent on our home policy. It is unfortunate that our domestic policy in the last one, year is not as happy as it should have been. But, fortunately, for us, the foreign policy has had many gains and advantages.

In fact, Sir, there has been some kind of a fortunate imbalance; I want to suggest in all humility that the country's foreign policy, however good it may be, cannot remain good unless the country's domestic policy is taken care of. If the domestic policy of the country goes to dogs, if there is no law and order, if there is no sense of justic and if there is no fair play, if there is no discipline and a commitment to Rule of Law by all, then no matter bow good our foreign policy may be, it is only going to upset the entire balance and it is bound to have its disturbing effect. The Janata Government, in the last one year, bas made a good start in the field of foreign affairs. In fact, it has taken many welcome initiatives. I am bappy to say that it has taken positive steps on its own in various fields. But, what is more important is this. Since 1977 we seem to bave grown in maturity in the conduct of our foreign policy. After all, if you believe in an open society, then let us remember that other countries also believe in an open society. We must be prepared to take the risks involved in the open society. After all, foreign policy does not depend on our own wisdom only. It depends also on factors which are unforeseen, factors which are of a contingent nature, factors which are unstable, factors which are not permanent, and, moreover, it is also something like this that you may drive very carefully and eautiously but if you get involved in an accident because other vehicles may make mistakes, then obviously you get into difficulty. So the foreign policy of our country should be viewed from a Jarger point of view. Now, I will say three things.

One is of course about the external publicity. Although Shri Vainavee has been telling us again and again in terms of assurances, it is far from satisfactory. I want him to go into this matter since our image abroad is not commensurate with the image

## Prof P G Mavalankari

375

that is actually in the minds of the peoples of the various countries. Secondly, we have about 127 Embasses and Missions abroad but many of them are not functioning satisfactority and they are not serving the Indians who go acroad That is the compliant in which you will have to go in detail.

Finally I find that IFS(A) and IFS(B) is inconsistent with the general objectives of administration of the Government. Why are these two separate categories still continuing. This was done on the hasis of the British pattern but the British have away with it There is utmost need to decide the merger of these cadres I do not understand these two separate cadres should continue in our country These two must be merged so that the service conditions and benefits are uniformly applied to all. In conclusion, I would only say that the foreign policy of our country has to be viewed in the context of India's political system par liamentary set up its democratic func tioning and also in view of the fact that we are a sub-continent causing awe and causing suspicion and there fore an our relationship with neighbours we should not let them feel that we are adopting a big brother ly attitude towards them. We should be cautious

Finally I would say that the significance of India's size and shape its population its richness as well as po verty its past heritage-both as a bur den and an asset-and its vastness and variety may also be taken into consideration And whatever we do we must be active and dynamic we must embrace all, we must be concerned with everything that causes assaults on Freedom and justice but at the same time we must be eautious and wise and we must not overdo in any thing or overplay our role and overplay our attitudes in implementing our foreign policy

SHRI CHITTA BASU (Barast) SR, I want just to make certain points. I think the foreign policy of the country must depend on certain fundamental premises and to me fundamental premises must be formulated. They are

- (1) Projection of the enlightened interests of the nation at the given time
- (2) The assessment of the chang Ing variables in the International relations.
- (3) Steadfast pursuit for a common aim of establishing a near so-cal order of peace and friendship free from dangers of war and conduct

Let me say that tested on these touch stones the foreign policy pursued by Shri Lamayee is commendable It is practicable it is in tune with national aspirations which we been thinking all these years. But while saying so I have to mention in this connection that the policy pur sued is termed as genuine non align ment But in practice it has been the policy of equi-friendship for all. But so far as non alignment is concerned I am not in agreement with the Foreign Minister But I am sorry to say that the policy of this genuine nonalignment should not be equated to it. I am afraid that the genume equi friensdhip is not according to me the reniune non alignment. The genuine non alignment should be equated with equi friendship I am sorry to men tion that more and more the trend of equi friendship is becoming predomi nent in the whole policy of formulation of international affairs. Because we should also know that India which has fought against imperialism and against foreign domination has still 

The four major aspects of India's foreign policy are:

- 1. Indo-Soviet relations;
- 2. India-China relations;
- 3. Indo-Pak relations; and
- 4. Indo-U.S. relations.

I am afraid that the practice of equifriendship is being pursued in all these cases but equi-friendship is not to be the criterion as we have got certain values and aims to be achieved. Imperialism is not there for peace, stability, social progress and new social order. I will only say that it will be wrong on our part to equate non-alignment with equi-friendship. I am afraid and I must say that under the garb of non-alignment the practice of equi-friendship is being practised. I think the Foreign Affairs Minister should take note of it and exercise genuine non-alignment for the purpose of international peace and bringing about a new social order and that must have a thrust against imperialism. The more and more the thrust against imperialism is blunted, the more and more our foreign policy might be mis-directed. I only warn against that possibility of mis-direction of the foreign policy. It must be for peace and against the forces of imperialism.

बिहुत मंत्री (श्री ब्रह्म बिहुएरी बाबपेयी) सुनापति जी, मैं पहले हिन्दी में बोलूना और बाद में अंत्रजी में। इसारा देश एक सह-भारती हेन हैं और यह सब है कि मुनाइटेड नेन्रत में मी हिन्दी में बोला लेकिन क्यी क्यी इस सबस में मुत्ते बेरेडी हा न्ययोग करना पृष्ठता है नुसीम में समझता है नामा पहलकुर्ण है बेरिकन सामा एक साइन है, साइय मही है। अगर इस अपनी नाम में नानी में तो स्वा कियी को अक्या चुंगमा ?

श्री एमः रामगोपाल रेड्डी (तिकामानाद): क्या दूसरे की भाषा में गाली देनी चाहिए ? श्री प्रटल विहारी बाजपेयी : गाली देना अरूरी नहीं है।

378

स्वापति जी, जिन मामनीय सदस्यों ने इस वहस में भाग लिया है में उन सभी को विधाई देना चाहता हूँ। कल तो बहस वडी वेजान हो रही घी लेकिन ग्राज उनमें जरूरत से ज्यादा जान बागई। जिन्होंने गत एक वर्ष की विदेश नीति के संचालन और उसके संचालन की प्रतिया की सराहना की है उन्हें मै धन्यवाद देना चाहता हूं लेकिन चमसे भी यक्षिक में उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होने आबोचना की है। मराठी में कहा गया है -- निदकाचे घर ब्रसावे सेजारी--निन्दा करने बालों का घर पडोप में एहना चाहिए। मगर लोक्तंत्र मे पडोम में रहते की जरूरत नहीं है—े घर ले लिया है हमने तेरे घर के सामने । लेकिन यह श्रावण्यक है कि प्रशंसा अनुराग से रहित और प्रालोचना द्वेष से मुक्त होनी चाहिए । श्राण जो चर्चा हुई है, मावलंकरजी मुझे भाफ करेगे--मेरी राय उनसे मिन्न है। इस चर्चासे यह बात स्तप्ट हो गई है कि मोटे तौर पर देश में विदेश नीति के भवाल पर एक आस सहमति है। विदेश मीति के कुछ पहलुओं की अ,सोचना मेरे दल के सदस्यों ने भी की है और कुछ पहलुओं की प्रशंसा विरोधी सदस्यों ने भी की है। लेकिन निदेश नीति का निर्धारण और संचालन इलं-बन्दी के ग्राधार पर नहीं किया जाता। मुझे खेद है कि गुट निरपेक्षता की बात को लेकर थोड़ी कटता पैदा हो गई है।

मनापति जी, 1857 में जब में पहली बार सोन नेता का सदस्य निवीत्तित हो कर यांना मु, पं अवस्यूर लान केल उस सम्य पीवित में, हमारे अग्रम मंत्री हे और विदेश मंत्री भी में। अब उनुकी उनस्थित में मेंने कहा या— स्वतन्त्वा के बाद यार कांग्रस भी जगह नी भी मुंद्र पार्टी मानने मानी और पीवत नी भी कुबह कोई और प्रधान मंत्री होता, तो मी [श्री ग्रटल बिहारी वाजपेयी]

383

भारत की विदेश नीति का सहय विश्व-शान्ति, स्यायित्व तथा ग्रन्तर्राष्ट्रीय सहयोग ना बदाबा देना है। हमारे राष्ट्रीय दिवाँ न म रक्षण तथा सबर्धन में लिए, यह आवश्यन है किन बबल हमारे पडास म शान्ति हो तिन विश्व मंभी भान्ति वा वातावरण रह । शान्तिपुर्ण वातावरण म ही निर्माण सम्भव है। नव निर्माण ने बिना राजनीतिन ग्राजादी प्रधरी है। हम चाहते हैं कि तनाव भौविल्य की जा प्रतिया यूरोप म मुर हुई है वह दुनिया के सभी भागों में भैने । हम यह भी चाहत हैं कि निशस्त्रीररण के थारे म होत् वाली वार्ता में तजी से प्रयति ही जिस्म विश्व ने मीमित माधन विनासन हीययारा म व्यव होने के बजाब भूत, बीमारी भीर बजान पर दिजय प्राप्त करन के नाम मे भाए ।

इस चर्चा स इस बान पर भी एनराज क्या गथा है कि नान एल। इनमेट ता हम समझते हैं लेकिन यह वैन्द्रम नाद एलाइन-भेट क्या बला है। भदन के बाहर ता यह भी वहा जा रहा है कि यह तो नान- एलाइन-मट ही नहीं है। मैं नहना चाहता ह कि मामना इतना सरल नहीं है। हम लोक-ततवारी हैं। लेकिन पिछने उन्नीम महीने में भारत म जो कुछ हुआ जमसे यह कहना जररी हो गया है कि जनता पार्टी मच्ने लोकतत्र म विश्वास करती है। उत्रीक महीने भ जा कुछ हथा वह भी तो लोकतब वे नाम पर तथा था। बाद वोई वहे कि आप मच्या लानतज्ञ की बात क्या कर रह है लोक्यत तो लोक्तत ही है, सच्या और सठा क्या है तो मैं कहना चाहता हू कि हमने अपनी प्राचा में देश निया है कि मच्चा लोकतत्र क्या और झटा लाकत व क्या होता है। लाकत से नाम पर ग्रयर मधिनायक वाद जगाया जा सकता है ता गुट निरपेक्षता न नाम पर गुटाम मिलने का भी चोरो क्रिये पालन दिया जा सकता है। देवल गुट

DG., 1978-79 निरपेस होनाही बाकी नहीं है। दुनिया को यह दिखाई भी देना चाहिए वि हम गुट निर्पेक्ष है।

भाव दुनिया में ऐसे देश हैं जिन की भूमि पर विदेशी सेना भीजून है भीर जो गुट निरवेश श्रान्दालन के तए ग्रदस्य बनना चाहते है। क्याहम उन्हें ध्राने दें? दुनिया में ऐसे देश हैं जो किमी सैनिक गठबन्धन में नहीं हैं। दिकिन दिमानी तौर पर किसी गुट व शाय जुडे हुए हैं। उनवे सदमें म भी हमें बहुना पड़ना है कि हम गुट निर्पेक्ष भान्द्रोलन की एकता की, दहता की श्रीर सिद्धान्ती के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की कायम काना है।

जब भारत ने गुट निरपेश होते ना फैसना किया तब गुट निरमेशता हो भनैतिन साना जाता या। मेरे मित्र स्वामी को इस बात वा भ्यान रखना चाहिए कि उस वक्त गट विरपेक पहने ने लिए साहस की जरूरत वी और स्वतन्त्ररता संगम में जो सेनानी बलियान और त्यांग की भ्रतिन स कुरेदन बन कर धमने ये वही गृट निरपेक्षता की बात वर सहतथे। हमने उन्हीको ग्टनिरपेक्षता की मौतिको अपनाथि है। मैं फिरकहना चाहता है वि यह नीति किसी व्यक्तिकी नीति नहीं है, विसी दल को नहीं है, सारे राष्ट्र की बाति है। जब दुनिया के नए नए माजाद होने वाले देश गुट निरपेक्ष भन्दोलन का सदस्य उनत र लिए बाबह कर रहे हैं भीर गुट निरपेक्ष देशा की सहया लगभग नव्ये हो गई है तब हमारे देश में अगर गुट निरपेक्षता ने विलाफ नोई प्राचार उठे तो समझना चाहिए कि हमारे लिए विदेश नीति ने भामले पर थाडा और गहराई से विचार करना जम्सी है।

में कहना चाहता ह कि गृट तिरपेक्षता की नीति कोई नशरातमक नीति नही है, यह भावात्मक, सकारात्मक और रचनात्मक नीति है ब्रीर म केवल अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में हम्मरी सर्वे अपूर्त का विस्तार है विस्क यह एक नए विश्व की रचना का श्रीवार भी है, ऐसे विश्व की रचना का जिस में राजनीतिक गुलामी नहीं होगी, आधिक कोरण नहीं होगा और चमड़ी के रंग या जन्म के बाधार पर मनुष्य को छोटा या बधा नड़ीं समझा जाएना।

गुट निरोक्तता क्यां नहीं है, शायद यह वताना इस संदर्भ में लामदायक होगा । हमें समझ लेता चाहिए कि गूट-निरमेक्तता सटस्थता नहीं है ।

Non-alignmen: 15 not neutrality.
स्वतन्त्वता जीर गुतामां के बीच में, ज्यान और
अल्याय के बीच, रंप भद और वर्ध मनतः
वे: बीच में, अन्तराष्ट्रीय कहयीग और
अर्थित होंगा तत्त्वर किया में
आदिक बीगाण पर जाजारिक बिज्ञ अवस्था और गीगण परित का के बीच में,
आदिक बीगाण पर जाजारिक बिज्ञ अवस्था और गीगण परित नई अर्थ प्तना के बीच में भारत तत्स्य नहीं एह सकता ।
हम स्वतन्त्रता ने पल में हैं, हम आति चाहते हैं, हम जातीय समता के सचर्य में हिस्सेवार हैं और मूं महिल्य अर्थ प्यना के सिष्

सभापित महोचय, विदेश नीति की प्रमाना के वीच में एक ऐसी प्राथान शुनायी देती हैं, प्राय करता हो तो स्तुनाई देती हैं, को वही जानी पहचानी है! विद्यालय प्रायाना में दर्जा देती जो जीता भर कई है वह सर्वका प्रमानानी है। कोलाहल देवीच ने मह प्रायान क कभी कभी एक बील जेती मुनाई देती है, एक ऐसी भीय जो सन कुछ मुद्र नामें पर व्यक्ति

सभापति जी, हम दिरोध का नगरत करने हे, प्रान्नोपता के निष् व्यक्षारी है। जिल्हु में चिरोध की जिस ध्यापत्य का हशाना दे रहा हूं उससे प्राप्तोचना कम कीर प्राप्तीच जाता है, प्राप्ता कम प्राप्त प्रत्येग्य ब्रियिक है, रीतनी कम, धुली घीर जतन च्यादा है। अगर यह कहा जाय कि विदेश नीति के सवास पर जिस अग्वाज के बारे में में जिक कर रहा हूँ वह देन के भीवर और बाहर जानदूत कर एक अग पैदा करने की कोशिश कर रही है वो चलव नहीं होगा !

ताज्जुव की बात यह है कि यह जानी पहचानी आवाज एक साल में ही कितनी बदल गई? जो धीमी आत्राज में बौलना पतन्द करते थे, ऐसा करना क्रनीरता की विश्वानी भावते थे और इस मदन में बड़े जोर से बात कहने वालों को हैय या हल्की नजर से देखडे थे बाज वह किस कदर भीख और पुकार मना रहे हैं। उठते, बैठने बाते. जात, सोत, जागत, खाने, पीत एक ही बात कही जा रही है कि जनता सनकार भारत की विदेशों में बैचन पर तुनी हुई है। यया इससे वड़ा झूठ कोई हो सकना है ? क्या इससे अधिक अनुवित शात कोई हो सकता है? भारत इतना सस्तानहीं है कि उसे कोई खरीद ले। इस रेसे कपून नहीं है कि राष्ट्रीय सम्मान का सौदा कर लें। देशभीवत हमारा बाना है, राष्ट्रीय सम्मान हमारे लिए एक अनमोल धरोहर है। देश का मीदा करने से पहले हम अपने प्राण देना ज्यादा पसन्द करेंगे।

समापति महोदय, हं दे श्या कहा जा रहा है :

"The Janata Government dependent on the West India leaving the non-aligned path. The present government is moving away from nonalignment in a way that would please western countries. Jenaia policy may trigger war in the Indian Ocean. Non-alignment diluted to suit U.S.A. India's stock ebbing among nonaligned. Some powers plotted to oust me."

SHRI VAYALAR RAVI: Whose quolation it is?

17.40 hrs.

[MR. SPEAKER in the Chair]

यी भ्रटल विहारी बाजपेयी ग्राम प्राप समझ गर्भे टार्गे।

मेरा निवंदन है कि विरोधी दल म रहते हुए हमने भी कभी आलोचना मे नगर मही की लेकिन जहां प्रशंगा वी बात आई, हमने प्रशंमा भी की, धीर एमी की, कि जो बाद म चनाव म हमारे ही गले एड यह ।

मैं प्रतिश्व में यह पाता नहीं नगता हिं सह मेरी तरह ने उत्तरता ना परित्य दें। प्रगर मेरा निवेदन है नि विदेश सीति वे नवाल पर देश ना बादने नी नोतिया नहीं होती: चाहिए। विवाद के लिए, हागड़े ने लिए, जन्मा कर पहुरते ने लिए प्रतेन मनते हैं। प्राप्त पुत्र सेन तो ऐसा होना चाहिए नि जिसम स्वार हाने बुन्यादी परित्रेन नहीं विवाद हैं। उस लिस पहुरा मिन कर काम कर हैं।

भी बसन्त साठे प्राप क्य-से-क्य गुज्यान काता परिचय दीजिए।

श्री भ्रटल विहारी या प्रेपी श्रमी भाता हु।

थी बसन्त साठे ग्राजकत ग्राप मृप्त रोग में पीडिन हैं।

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE Now I would like to say a few words in English The price of our democratic freedom will always be elemal vigilance We can hovever, claim that without any sacrifice or short sightedness India today has sess reason than ever before to apprehend threats which would distract us from bending our best efforts towards cons tructive endeavours The sub continent as a whole pulsates with a new desire and confidence in peace and cooperation We have moved a long way, indeed faster than anyone thought was possible to arrest the correcton of suspicion and rediscover the 1 - contravertible logic of the geographical compulsions of good neighbourly cooperation and the vision of regional stability. Having visited or met the leaders of all our neighbouring countries, I can assert that the confidence of a new era in relationships with India is shared by their leaders. These new perspectives are, of course, as much due to their leadership as our own. We can all feel more confident that if we can sustain these efforts towards mutual understanding the sub-continent will remain free from the play of male ollent politics as it affects many other parts of the world.

The House is aware that the year under review has been an unusually exacting and intense period for our diplomacy, and concrete improvement has been made in the wide circles of external relations. The House is familiar with the number of high level visitors from different continents re presenting different social systems who have either visited our capital or have invited our leaders to their own countries These visits have been mostly at the suggestion of high dignitaries and are proof enough of the regard in which India is held cannot think of any other country-in fact even our own in the past-which in such a short time has been honoured by so many important Heads of States and Governments

The interest which these leaders have shown in our country is a tribute to this land and its people Whitever their own social systems our demonstration of a mature commitment to democracy has earned their inspect for the polit call wisdom of our people. Our rather nations he ealso been impressed that however poor we may be in statistical terms, our potential in the field of agriculture industry, technology and science is significant.

These visits and contacts have not been for purely ceremonial or protocol purposes Each visit had a character of its own and all of them deepened understanding and identified new potential of bilateral economic complementarity with our own developmental dynamism. Such occasional criticisms that the Government's policies were tilting in one direction or tilting away in other directions, are often based on an antiquated understanding of the world situation.

Consistent with non-alignment, our purpose has been chartered within a conceptual framework of promoting and enriching relationships based on beneficial bilateralism. We have, with full confidence, carried Indo-Soviet friendship and economic cooperation to levels well beyond what existed before. At the same time, we have restored mulual confidence in our relations with the United States. Problems, no doubt, exist or may arise. but Indo-US relations are no longer clouded with unwarranted and acrimonious mistrust. Without pretending to overlook the existence of difficult problems and the ups and downs of our nast relations, we have created the basis for improved bilateral exchanges in the economic, commercial and cultural fields with China.

We have truly broken new grounds in responding with sincerify and alscrity to co-operate with Vietnam the immense task which that brave country faces in its national reconstruction. We feel proud that India may be the first country outside 'he socialist bloc with which such links are being forged with the Democratic Republic of Vietnam. We are poised for improved relations bilaterally and regionally in our sub-continent. have prepared the ground for closer rapport and greater economic and collaborative relations with Japan.

There is a new warmth of understanding in our relations with Australia on the one hand and, at the other end, with the United Kingdom. We have concluded far-reaching agreements for new fields of economic cooperation with Iran. Our public sector undertakings have, during the year under review, forged new economic links in Libya, Iraq and the Gulf States. We are hopeful of higher technological and scientific trade co-operation with the Federal Bepublic of Germany and France, as with Western and Northern Europe. Our strong ties of technical co-operation with many countries, notably Afghanistan, Mauritius and Africa, continue to grow in diversity and scope. The thrust of our foreign policy has moved on a broad front, and everywhere our diplomatic effort has gone hand in hand with an integrated effort to strengthen our economic links.

May I, at this point, say a word on the national problem of international co-operation in the field of peace. ful use of nuclear energy? Our policy on this bas been made clear by the Prime Minister. Our entire foreign policy is one which has always recognised the need for discipline on all matters which may be a threat to international peace. As such, we strongly believe that the world should not make use of nuclear energy for destructive purposes and should aim not only at non-proliferation but the elimination of existing weapons.

Our problem arises out of a contractual obligation by which the Tarapur reactor was planned on the presumption of a pledged supply of enriched fuel for its functioning. We have adhered to our side of the contract. We . have noted the recent American mestic legislation on non-proliferation, which seems to imply that even past contracts may be sought to be re-negotiated with new conditions. While willing to adhere to our side of the obligations and while continuing the dialogue with the US Government, we certainly hope that such long-standing co-operation will not come to un end. But we will have to face the contingency, if this should arise.

MP. SPEAKER: Just one minute, I will ask the House to extend time of the House till the Demands are voted. Because, under

ruler I have to do it 15 minutes before the scheduled time of adjournment Is it the pleasure of the House to extend the time?

SEVERAL HON MEMBERS les SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE, Thank you

SHRI K. GOPAL (Karur) You should thank us

MR SPEAKER All of us not excluding me

SHRI ATAL BIHARI VAIPAYEE
May I say that we do not believe in
the use of the option of nuclear weapons? We cannot but maintain that
it is unrealistic half these chances of
nuc ear war can be averted and sensitive technology can be exclusively
preserved for peaceful uses unless
there is a universalised disripline
against nuclear weapons.

Some of the hon. Members referred to our poor performance in the field of evternal publicity. I have been all too aware of the need to re-orient ond give a more purposive content to the efforts made by our Missions abroad and the organisational structure in India to project the correct image of contemporary, India the policies and programmies of the Sovenments and the hopes and aspirations and traditions of our people

The Report of the Ministry of External Affairs alludes to some of the efforts which have been made in the past year to gave meaningful content to our publicity efforts abroad must say that whereas I am gratified at some of the progress which has been made I fully recognise that there is scope for improvement committee headed by Shri Chanchal Sarkar was recently set up to go into the various aspects of our publicity efforts The Chanchal Sarkar Committee has made far ranging recommerdations on not only strengthening and reorganising the institutional framework of the external publicity organisation but has made recommendations on equipment formulation of publicity hierature training lialson with Indian organisations and a number of other related matters. I vould like to assure the House that we are carefully evaluating the recommendations made by the Committee and Covernment will take expeditious decisions to streamline and improve our publicity fort abroad

It has long been recognised that esokes considerable Interest faccinating among the scholars and public intellectuals and indeed the at targe abroad who see in our cul tural heritage the panacea for many of the Ills which affect present-day civilisation. It is recognised that our national ethos which stems from this cultural heritage has an abiding tionale in a world which is beset with increasing materialism neg ect of the values of yore It is for this reason that we have recognised the importance of our culturai diplomacy as a vital arm of our foreign diplomacy

Apart from the bilateral relations, we have continued and indeed intensified our participation in the United Nations and other international ganisations and in the gamul of multitateral diplomacy It would be pertinent to recall the success of meeting of the Non aligned Bureau which took place in Delhi soon after we assumed office We are at present engaged in consultation with friendly Afghanistan for the preparation the Kabul Bureau meeting This will be followed by a meeting of the Foreign Mmisters and the entire movement which will take place in Belgrade where it will be recalled the first major meeting of the movement took place in 1961 These meeting, are coming at a time when the non aligned movement faces challenges They will demand sober judgment and careful adherence to the spirit of the movement

It was I believe well recognised that our Prime Minister's contribution played a significant role in the

success of the Commonwealth Heads of Government meeting in London last year and the first ever Regional Commonwealth Conference in Sydney two months ago. In all these and other international meetings, approach is one not of trying to seek leadership-and here I would to draw the attention of my friend, Shri Subramaniam Swamybut responding with whatever expertise and capability we possess to fulfil the ideals of constructive interdependence and beneficial solutions to international problems. We consistently sought to play an active and responsible role to help fashion a new economic order and joined the developing countries in their quest for development and correcting economic imbalances through international co-operative effort and promotion of economic collaboration within our fraternity.

Notwithstanding the consensus favour of peaceful solutions, the international scene today is beset with grave problems. We still have see the vacation of aggression the fulfilment of the rights of the Palestinian people, so that the serious efforts and hopes to see peace and stability established among States of Asia are fulfilled.

We have been active directly and in international formus, striving underline the urgency of bringing about majority rule and democratically granted independence for Zimbabwe and Namibia. We are alarmed at the diverse conflicts between fellow non-aligned countries such as in the Horn of Africa where we have counselled the end of conflict and respect for established frontiers.

Though the U.S. and the U.S.S.R. have made a beginning, we have yet to see a genuine break-through wards making the Indian Ocean a zone of peace. Here I would like to correct the impression-I do not know from where he got that impressionof my friend, Shri Unnikrishnan. India is opposed to all foreign bases in the Indian Ocean. All foreign bases including Diego Garcia must be eliminated from the Indian Ocean. There is no change in our stand. But we are living in a strange world. The problem of Indian Ocean is being discussed by two big powers without the participation of any of the littoral countries. But we have been exerting our influence in the United Nations and outside that the pace of the talks should be accelerated and there should be an agreement between all big powers to make Indian Ocean a zone of peace. We do not believe that if the big power rivalry is eliminated, there will be a vacuum. The littoral and hinterland countries are in a position to guarantee freedom of navigation. The Indian Ocean will be free for all countries provided they do not indulge in military rivalry and we propose to accelerate the efforts in this direction in the United Nations at the forthcoming session.

While I do not pretend to catalogue all the world's problems, I can assure you that on the basis of our wellestablished policies of independent judgment, non-alignment and international cooperation, we shall strive vigorously and play a constructive role wherever possible as a responsible member of the international community.

Now I come to the question, a delicate question whether there was some secret understanding between Mrs. Gandhi and Mr. Bhutto in Simla or not. When I was in the opposition, I had made an open charge. But now when I speak, I speak as the Foreign Minister of India and I am in possession of all the records.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: You must lay it on the Table.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Not necessarily. All the records cannot be placed on the Table of the House. I would like to take the House into confidence.

DG. 1978-79

SHRIK, PUNNIKRISHNAN This is an important issue

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE I do not speak on unimportant issues Let us have the discussion in a cool and calm atmosphere

Ever since I took charge of the Ministry of External Affairs, I have been trying to know the circumstances in which the talks between Shrimati Gandhi and Mr Bhutto in Simla in 1972 which had run into serious difficulties suddenly culminated in the Simla Agreement

r myself was present in Simla when the talks were going on between the two sides and it was common knowledge there that the negotiations had run into rough weather Therefore, it puzzled me and I am sure it must have puzzled many other observers of Indo Pak relations at that time, how all of a sudden an agreement had emerged Several journalists, some of whom had interviewed Mr Bhutto, have given stories of a sudden change in the course of events after a post dinner meeting between the two leaders In fact the country at large was surprised that a reference to "final settlement of Jammu and Kashmir" had been included in the Simia Agreement

Sirce assuming the charge of the Ministry of External Affairs I have made an effort to acquaint myself with not only various documents relating to the discussions but also have held personal discussions with a number of knowledgeable individuals Precing together all the evidence from different sources, I cannot but reaffirm that some sort of secret understanding was reached by Shrimati Gandhi in her confidential conversation with Mr Bhutto

#### 18 00 hrs

SHRI K. P UNNIKRISHNAN IS he telling us from the minutes" Were any minutes kept I would like to know He is saying this on the basis (Interruptions)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE I have not yet completed ...

Let me add straightaway that in drawing attention to this, I am look ing at it as an internal matter

SHRI VASANT SATHE That does not make any difference

SHRI ATAL BIHAPI VAJPYEE So far as external policies are concerued contrary to what has been suggested by certain interested quarters we have maintained continuity and adherence to the broad parametres of our non-aligned foreign policy Perhaps, it was being hoped that India's image will have a setback after the Janata Party came into office This may be the reason for annoyance and disappointment in some quarter

As far as Pakistan is concerned whateve- may have been my differences with our Government in power at the time of the Simla Agreement, we have accepted in letter and spirit the ohli gations undertaken by India in that accord We have indeed managed and improved the climate of relations with Pakistan We have assured Pakistan that we would continue to follow a policy of strict non interference in Pakastan's internal affairs. In fact, the House knows, even with regard to the legal processes affecting Mr Bhutto, we have observed scrupulous detachment.

Keeping in view the fact that our foreign policy which is strictly and transparently in tune with national interests and has been based on a broad national conensus, I would urge that any discussion we may have on this subject should not weaken our efforts for peace in this subcontinent

Mr Speaker, our foreign policy, I believe, has a conceptual coherence and transparent logic from the point of view of both national interest and international stability Indeed I would hope that India along with its neighbours, can continue to be both an example of stability and a force which

stands for a cooperative world order. I would beg of the House not only to approve the modest demands put forward on behalf of my Ministry but also give its blessings and support so that the standing of India continues to rise and commands respect amongst the comity of nations.

SHRI VAYALAR RAVI: On a point of order. Rule 370 reads as follows:

"If, in answer to a quetion or during debate, a Minister discloses the advice or opinion given to him by any officer of the Government or by any other person or authority, he shall ordinarily lay the relevant document or parts of document containing that opinion or advice, or a summary thereof on the Table."

Here, the hon. Minister made some observations. He has referred to a certain document which, he says, is in his possession and on the basis of that he comes to the conclusion that there was a secret agreement between the former Prime Minister of India and the former Prime Minister of Pakistan, Mr. Bhutto. Naturally fluis House is competent enough to demand, under this rule itself, that we must know what is that document, and we have every right to demand that it should be placed on the Table of the House, because rule 370 clearly prescribes that it must be laid on the Table. It is a very serious matter, and this House must know what happened and what conspired between the two Prime Ministers, whether it was in the interest of the nation or nat.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYER: Mr. Speaker, Sir, before you give your ruling, please hear me-

MR. SPEAKER: I will certainly hear you.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: few days ago, the Minister for External Affairs made a charge outside the House which has been contradicted by the former Prime Minister.

The charge in substance was that Mrs. Gandhi, acting as the Prime Minister of India entered into a secret deal over Kashmir....

SHRT ATAL RIHART VAJPAYEE: Understanding.

SHRî K. P. UNNIKRISHNAN: 'Deal' or 'understanding', whatever it was-if you want to put it that way. Now you know that we have trying to raise this issue also through various Motions but, since you felt that the Demand of the Ministry vias coming up you probably did not allow us. Now he has repeated this, but left it very vague-delightfully vague -so that anybody can say anything and got away with it. He said he was present in Simla-of course not in the capacity of Minister but as a Member of Parliament,-and he heard certain things, And, again, he has that Mrs. Gandhi had a meeting with Mr. Bhutto because there was a dead-And now, he says, after became Minister he has gone through the relevant records and also had discussions with what he calls 'knowledgeable people'. Now, I would like to know whether any minutes of these discussions have been kept and whether he has gone through those minutes. Or is he basing it on mere assumptions? Is he basing it on the advice given to him by the Ministry? Or are these just deductions? This is very important for the House and the country to know. If Mrs. Gandhi is guilty, she shall be punished. If Mr. Vajpayee is blutting, he shall be exposed, but the House is entitled to know.

SHRI VASANT SATHE: We sre really surprised that the Hon. External Affairs Minister, having made an innuendo or an indirect hint or suggestion that there was some secret agreement or understanding on question of Kashmir, has not, even to day placed before us what was that understanding, what was the nature of that understanding, what was the perport of that understanding relating to Kashmir, The Simla Agreement is a recorded document. Therefore, we [Shri Vasant Sathe]

399

do not and any such understanding, coverity or overtly Now, if the Hon External Affairs Minister has come to know whether from documents from knowledgeable sources wnen he has contacted or from his personal knowledge having been present there -I do not know whether he met Mr Bhutto himself or Mr Bhutto comeyed something to him the other day when he went there I do not know whether Mr Zia had some document which he showed to him but the Adviser to the Pakistan Government on External Affairs Mr Aga Shahi who was here the other day denied basing any knowledge of any such understanding and the previous Prime Minister also, has categorically denied it Therefore the country must not be left in the lurch or with any sense of suspicion particularly by a respon sible Minister like Mr Vaipasee Therefore he owes it to the Housewhatever the consequences at does not matter, but he owes it to the Houseif the consequences are of a personal nature and if the consequences are going to fall on the previous Prime Minister, let her face the consequences but I do not understand why he is trying to keep the House-today if he does not, having said "0 much, take the House and the country into connected about the nature of the understandig

The two concerned persons are the ex Prime Minister of India and on the other ade is Mr Ebutta both are fortunately alive Unless the Minister corroborates it or con tradicts it we cannot allow it-to so as one man's word against another mans word This would be very unfair to the country if this is not made clear in the garh of the matter being in national interest. How is it an mternal matter any longer? When it is an understanding between two Prime Ministers of two different countries, it is no longer an internal matter I do not think Shri Vajpayee can get away by caying that Al-

though he asserts and reaffirms that there has been such a secret understanding yet he is not willing disclose what that secret understand me is In the interest of the country, Shri Vajpayee owes it to this House to disclose what that understanding is and what exidence he has to justify that

DG, 1978-79

MR SPEAKER Before I call upon other Members, I would say that if you have anything new to mention. kindly add, otherwise leave it

Shrı Desai

SHRI D D DESAI (Kariar) Speaker, Sir, under the garh of sec recy, the Minister should not dep-(Interruptions).

SHRI RAM JETHMALANI on a point of order The House sust recolved to continue these proceed ings only until Shri Vajpayee finishes

MR. SPEAKER Until the mand is voted.

SHRI RAM JETHMALANI Vappayee finishes this is what you pres

MR SPEAKER No, until this demand is voted

SHRI RAM JETHMALANI can have it tomorrow, this is a matter of importance (Interruptions)

MR SPEAKER No. Mr Desai

SHRI D D DESAI The principle 15 whether the Government or the Cabinet operates under the supervi sion of Parliament or whether they are entitled to have some secret nego tuations and treat the country or part thereof as a private property of individuals This is the principle Therefore, we must decide once for all that whether the Parliament should be taken into confidence and within the parameters laid own by Parliament, the Government would operate and not that they would have some 401

private negotiations and private settlement for the country, which would be binding on the country.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Mr. Speaker, Sir. I do not want to repeat what has been said, but I must say that my esteemed friend, the hon. Minister has been treading on a very serious and delicate ground. He did say, if you recall his words that not only did he believe that this kind of a pact existed when he was not a Minister but he said and I am quoting his words.

"I take full responsibility as Foreign Minister to repeat what said." Therefore, this is no longer a matter which can be taken lightly. Here is a Minister of the Cabinet and that too, a senior Minister like Shri Vajpayee, coming out with statement on the floor of the House and not substantiating that statement with any convincing details. All I would suggest is that you may kindly consider this aspect of the matter. If the Minister stands the point that there are certain docurrents or understanding or discussions, with knowledgeable persons that he had and these are of such nature that it would not be in the public interest to disclose any those things, I can understand that posture that he may take.

.... (Interruptions).

SHRI VASANT SATHE: That stage has gone.

PROF. P. G. MAVALANKAR: My contention is that a Minister in any Government has a right to even come to the conclusions without telling this House as to how he came to the conclusions if he thinks that the process of coming to the conclusion is something which is a matter of secrecy and which is not to be disclosed in public interest. Then, my submission is, let him say so that there are certain documents and papers in his possession,

which he thinks are not to be disclosed in public interest. (Interruptions). That is one aspect of the matter. am not discussing merely the question of any secret agreement between Mrs. Gandhi and Mr. Bhutto. This may again happen on some other matters. I am discussing a fundamental question. Therefore, if any Minister takes the view that there are certain things which he will talk publicly, but will not give all details because it should not be disclosed in public interest, let him say so, let him go on record saying that there are certain things which should not be disclosed in public interest. That is right. Certainly the practice has been that if the Minister thinks that there are certain things ... (Interruptions). As a matter of fact we pass so many things an dwe give so many powers to the Government and if the Government says that it would not be in public interest to disclose certain things, we accept it in bonafide. That I have said.

My second and last point is, if the Minister has certain documents and he said, "I would like to take the House into confidence"-that is the phrase which he used-if he feels that he has certain things in his possession which he would like to share with us all, his hon. colleagues in this House, without detriment to national interest at publicity, etc., there is the other possi bility of converting this House into a secret session, let the press and the strangers be called off and let the Minister tell this House in full con fidence what he has got to say in this That is also the second course left to him. But if he does not take either of the two courses, then we are left in the lurch and darkness and in a situation which we cannot accept as Members of Parliament.

SEVERAL MEMBERS. rose-

MR. SPEAKER: I am calling different party members.

This is not going to be another debate. Mr. Chandrappan.

SHRI SAUGATA ROY I am on a point of order MR. SPEAKER I have called Mr

SHRI HARI VISHNU KAMATH rose-MR SPEAKER Are you on a point

of order?

SHRI HARI VISHNU KAMATH Yes, Sir I am afraid, the rules regarding laying of the documents on the Table of the House have not been fully and in their totalty, brought to your notice viz. Rules 368, 369 and 370

Now Rule 368 says

Chandrappan

"That if a Minister quotes in the House a despatch or other State paper

The Minister has not done so at all.

" which has not been presented to the House, he shall lay the releant paper on the Table"

The Minister has not done anything of that sort. He has not quoted any despatch nor any other State paper The provisos do not apply because he has not quoted any despatch nor any other State paper The provisos of public interest does not arise at all. So they are misleading the House, the other side is completely, totally and deliberately misleading the House (Interruptions).

MR SPEAKER Let there be orderly debate

SHRI HARI VISHNU KAMATH Now please see Rule 370 also

#### It reads

'If in answer to a question or during a debate, a Minister discloses the advice or opinion given to him by any officer of the Government or by any other person or authority ."

As far as I am aware. I listened to b s speech wary closely with all respect and attention, I do not think he disclosed the opinion of any officer or authority on the subject at all He said he bad access to all papers in the Ministry, but he did not name any officer, by name or des gnation. This rule therefore, says

SHRI VASANT SATHE Any other person.

SHRI HARI VISHVU KAMATH No. he has not disclosed any name I listened to him with all my heart and with all my mind This rule says

"If in answer to a question or during debate a Minister discloses the advice or opinion "

He has neither disclosed the advice nor the opinion given to him by any officer or any other person

SHRI VASANT SATHE Knowledgable person

SHRI HARI VISHNIJ KAMATH No be has not disclored

(Interruptions) P UNNIKRISHNAN Knowledgable persons Hundred times he has said.

SHRI VASANT SATHE He is not on the Point of Order He is defending the Minister

SHRI HARI VISHNU KAMATH The Rule says-'be shall ordinarily '

SHRI VASANT SATHE Give the reasons now

MR SPEAKER Rule 377 debate

SHRI HARI VISHVU KAMATH Neither of the Rules 368, 370 has been broken He has not quoted any des patch, nor he has given the opinion by any officer or any other person, or authority, nor be has quoted any advice in the House So he is not hound under rules to lay any document or any paper.

405

MR. SPEAKER: I have understood the point.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): My point is there are no two opinions in the House that the charge made by the hon, Minister is so serious. The Minister himself said that he look the entire responsibility for levelling that charge. The only question is that the Minister said that in the public interest he cannot place those documents on the table. But afterwards whatever explanation he had given was not convincing to the House into confidence.

There are certain practices in this House. Perhaps, Mr. Vajpayee, when he was sitting on this side as one of the leaders of the Opposition, would remember that this House discussed the Pondicherry Scandal case and at that time the argument advanced from the treasury benches was that the files were confidential and in the public interest it could not be vealed. Then the House found out the solution because the whole country wanted an answer and the House also wanted an answer and then the House took the Speaker into confidence and a Committee of the House was constituted. The whole files were placed at the disposal of the Speaker and the Speaker constituted the Committee representing various members from various parties. I think including Shri Morarii Desai. 'I do not know whether Shri Vaipayee himself was a member seeing those files. If he was not, then somebody from Jan Sangh was there. My Point is ....

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: This is not a scandal

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: This is the biggest scandal. If the Prime Minister of that time had entered into an agreement over the head of the Parliament, over the head of the country, it is a crime. Shri Vajpayee by making it public, he wanted the country to know that such a crime had been committed. There is no reason

to keep that a secret. My suggestion, therefore, is that the Speaker as the custodian of the House should be taken into confidence and the Speaker should constitute a Committee as was the tradition of the House and the document should be gone through because you owe an answer to the country. No doubt, there is no escape.

Some time back another thing was also said. I think Mr. Vajpayee may be you and your friends said that there is a secret provision in the Indo-Soviet friendship treaty.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE, I did not say that.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Somebody at that time had said including people from the party. But then after coming into power the Prime Minister came and said there is no secret provision. Here again comes another secret deal. The House has a right to know and the country too. My concrete suggestion is that the Speaker should take the consensus of the House and you may constitute a Committee and the records should be placed before you and the Committee to see

That is the tradition and so I am pointing it out.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: One point was missed, -a short point...

MR. SPEAKER: Mr. Somnath Chatterjee. I have called Mr. Somnath Chatterjee.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur); Mr. Speaker, Sir, reference has been made to Rule 368 by my friend here.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I cited it.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: It has been pointed out that on the basis of that rule it is incumbent on the Minister to lay the paper on the Table. MR SPEAKER Rule 370

407

SHRI SOMNATH CHATTERJEE Rule 368 is obviously not applicable because there has been no quotation from any document. So far as Rule 370 is concerned what is stated here is this -

If in answer to a question or during debate a Minister discloses the advice or opinion given to him by any officer of the Government or by any other percon or authority he shall ordinarily lay the relevant document or parts of document con taining that opinion or advice or a summary thereof on the Table

As such I am not holding any hrief for him But it is obvious that he was not referring to any advice or opinion given by somebody which is contained in a document. He has not referred to it Therefore there is no question of applicability of Rule 370 in a matter like this. There is no applicability of Rule 379 Therefore he cannot be compelled to do it Further Sr in a matter like this we have to rely on the judgment of the Foreign Minister that in the public init is not to terest he closed Sir we are not surprised that there was such a secret understanding because the person who was a party to it was quite capable of doing it She played with the lives of millions of people of this country. The people of this country had been denied their freedom. They lost their civil liberties. They lost everything Therefore she is quite capable of it (Interruptions)

SHRI SAUGATA ROY I rise on a point of order

थी हरूम चन्द कछ्वाम अध्यक्ष महोदय भाष एक दल के क्लिने लागा को वलायेंगें।

MR. SPEAKER I am going to give you adequate hearing

श्री हकम चन्द कछ्वय आप एक दल सेक्निनें लागा का बलायेंगें।

MR SPEAKER I have not called you Mr Kachwai Mr Shankaranand you may say if you have to add any thing

DG, 1978 79

SHRI B SHANKARANAND (Chk kods) I am not repeating anything Sir an attempt is being made by a few members to defend the Foreign Minister under the technicalities of some rules I do not think he can be defended in this way. By making reference to a secret understanding he has really damaged the prospects of smoothening the relations with our neighbouring countries

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJ PAYEE! I have not

SHRI B SHANKARANAND Now the main point for us to consider is whether the Foreign Min ster is re cognising respecting and following the S mla Agreement He is not

MR. SPEAKER Vir Shankaranand ne are not on that issue We are on another point. Let us have a Limited dehate. (Interruptions) We are not on that point eW are on the scope of Rule 370

SHRI B SHANKARANAND Hay ing referred to the vecret agreement or understanding

MR SPEAKER The debate is not whether it is right or not. What shall I do? What is my power under Rule 370\*

SHRI B SHANKARANAND I am eoming to that Sir He has referred to certain knowledgeable persons The House is entitled to know the names of those persons as to who they are (Interruptions) If he refers to certain documents we are entitled to look into those documents He cannot get away by saying that there was secret understanding because he wanted to justify himself or defend himself hy saying all this outside What has the Foreign Affairs Minister got to say?

410

SHRI SAUGATA ROY: Let me be heard.

MR. SPEAKER: I shall bear you also.

SHRI B. SHANKARANAND; Sir, he has referred to the persons saying that they are knowledgeable persons. Who are those persons-whether they are in his ministry or outside. How did he come to know? All the relevant materials we should have,

MR. SPEAKER; Mr. Ram Jethamalani.

SHRI RAM JETHAMALANI: Mr. Speaker, Sir, the question of legal obligation of the minister to comply with Rule 370 must be distinguished from the question of propriety of taking this House into confidence.

Purely on the construction of rule 370, it appears that on the face of it. that Rule 370 comes into play only when the Minister has voluntarily disclosed to the House the advice or opinion given to him either by an officer or by somebody else.

What The Minister has actually done is to give his own opinion, conclusion, judgement, formed, (Interruptions) The hon. Member will not understand the law unless he hears something from me. He has purported to give his own opinion which is based upon circumstantial evidence which he has ascertained from others but not upon the opinion of others. You know as a judge, that when you record an evidence of an expert, then you are acting on opinion evidence. Based on the circumstantial evidence he draws upon his own conclusion from that circumstantial evidence. He is not relying upon the opinion of somebody else. Let us not take what the Minister said. I am not going into it. (Interruptions).

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Is it a criminal evidence?

SHRI RAM JETHAMALANI: example, the Minister said that there were loss of difficulties. The difficulties appeared to be insoluble. there was a dinner. Then, after the dinner, there was a meeting. After that meeting, the difficulties disappeared.

Now it is possible for somebody from the circumstantial evidence to form an opinion that there was some secret agreement; he is giving an opinion on it but he is not relying upon the opinion of others. Therefore, some other witnesses, some other gentlemen have come and given some materials and on the basis of those materials, he has formed his own opinion which he has given to the House.

May 1 say one word? I want to appeal to my learned friends not to embarrass the Minister by insisting on disclosure of a thing so delicate,

MR. SPEAKER: That aspect is for the Minister to say. Dr. Subramaniam Swamy.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: I support the points made by Shri Kamaih and Shri Jethamalani, Listening to the Minister It was quite clear that he was summarising in his own words and he had put that in his own words.

I now come to the second provision namely.

"provided further that where a Minister gives in his own words a summary or gist of such despatch or State paper it shall not be necessary to lay the relevant papers on the Table."

Sir, even assuming that he had used the words 'state paper', where it is done by his own words or where he is using a gist, it is not necessary for him to lay it on the table. Therefore, they have no case on either ground.

SHRI SAUGATA ROY: Mr. Speaker, Sir. while rising on a point of order under Rules 368 and 370 I shall point [Shri Saugata Roy]

411

out two precedents from Sixth Lok Sabha One was about the Farrakka agreement which was signed There was lot of turmoil in Lengal You allowed a debate. I made a charge that the Prime Minister of India Shri Morarn Desai made a secret deal with General Zia Rehman The Foreign Minister denied it. Since the Fore gn Minister denied it we did not pre-S the charge because it was on a delicate matter of foreign relations

There was another precedent in which the Home Minister, Shri Charan Singh had made the charge that the former Prime Minister had thought of shooting off of people in the sails We asked him to substantiate the point He could not We brought a censure motion against him. He could not prove the point at the time of the censure motion

Now Sir this case is still a more serious case. The Minister has made the statement in the House If he makes it on some platform outside in a public meeting to whomsoever be had spoken could so to the court and sue him for libel. But here in the House when the Minister speaks he speaks with all responsibility. The Mirister could have entirely avoided making a reference to it. Here he says that now I am the Foreign M nister of the country and I have in my possession full documents and I have talked to knowledgable people who have fold me about it

SHRI H L PATWARY What is the new point? V hat is the new point that you want to make?

SHRI SAUGATA ROY Now Sir. there are two alternatives open to the Minister As Dr Subramaniam Swamy has correctly pointed out if the Minis ter cannot prove the point then the Opposition will have to bring a censure motion against him If the Minister wants to take protection under Rule 368 then the Minister bas to make a statement on the Floor of the House that I have got in my possession all these documents but it is inconsistent with public interest and, therefore, I take protection under Rule 368 Or the Minister can say what I bave said is from my personal inference I take protection under Clause 3, viz.

DG. 1978-79

Provided further that where a Minister gives in his own words a summary or gist of such despatch or State paper it shall not be necessary to lay the relevant papers on the Table

He can say from the gist of summary of State papers I have come to this conclusion and I do not want to lay it on the Table of the House Let him state that clearly What I want to stress is that you instruct the Ministers to be very responsible in their utterances on the Floor of the House in future If they are not they can take protection under Rule 368

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN Sir there are two most impo tant points in this matter In Rule 370 first it is said 'discloses the advice or oninion given Kindly see the latter portion where it is said ordinarly lay the relevant document or parts of document containing that opinion or advice or summary thereof on the Table ' The first thing is that opinion or advice must have been taken from somewhere This forms part document If there is come evidence somewhere then it would stand in contratention of advice or opinion for which there is relevant document, Secondly you will kindly see that there is one important word ordinarily'. Here the responsibility has been given to the Minister to use his own discretion. Here it says like this

370 If in answer to a question or during debate a Minister discloses the advice or opinion given to him by any officer of the Government or by any other person or authority he shall ordinarily lay the relevant document or parts of document containing that opinion or advice or a summary thereof on the Table'

So, he can take shelter under this and say "ordinarily I would not lay it" and he has got certain reasons lor that. The discretion would be his and not of the House.

413

SHRI D. N. TIWARY: Mr. Speaker, Sir, the Minister has made certain statement which has been doubted by the Opposition Members. They think that he has not made the correct statement. Whether it is a bluff or a stunt whether it is true or not Mr. Mavalankar has suggested formation of a Committee under you..... (Interruptions).

SEVERAL HON. MEMBERS: No. No.

SHRI D. N. TIWARY: My submission is when the Minister says that it is not in the public interest ..... (Interruptions).

MR. SPEAKER: He has not said that. I will hear the Minister.

SHRI D. N. TIWARY: My suggestion is that he should show the papers or the statements to you..... (Interruptions)

SOME HON, MEMBERS: No. No. (Interruptions)

SHRI D. N. TIWARY: And you may, after you are satisfied tell the House and the matter will rest there.

MR. SPEAKER: Now, the External Anairs Minister.

SHRI VASANT SATHE: Sir, on a point of order under Rule 353.

MR. SPEAKER: I have beard your noint of order.

SHRI VASANT SATHE: That you have heard under Rule 370. This is under Rule 353.

MR. SPEAKER: A Member cannot raise point of order on the same subject, one time under 374, another time under 358 and so on. No further point of order.

SHRI VASANT SATHE: But you will refer it Sir.

MR. SPEAKER: I will refer it.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Sir, I did not quote a despatch or any other State paper. So, the ouestion of laving the relevant paper on the Table does not arise. Nor did I disclose the advice or the opinion given to me by any officer of the Government or by any other person or authority ...... (Interruptions) If I am not allowed to complete how can I make my point? Please hear me.

SHRI SAUGATA ROY: What about the Simla Agreement?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Whatever I have said on the subject is the conclusion which has been derived from circumstantial evidence after talking to so many people, after examining so many documents. As the question relates to national interest, let it not be compared with the Pondicherry scandal. (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: Ruling is reserved. I shall examine the matter carefully and I will give the ruling ... (Interruptions)

AN HON. MEMBER: The Minister cannot make a statement.

AIR. SPEAKER: I have heard all of you. I am not hearing any more on this. I am going to examine the matter carefully and I will give the decision.

## (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: Don't record ...... (Interruptions) If necessary I shall hear the tape also. No further debate on this.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Will you allow me?



<sup>\*\*</sup>Not recorded.

MR SPEAKER I am hearing you completely Do you want to say auxthing more? I said that after hearing the Foreign Minister I will give the ruling

415

SHRI ATAL BHARI VAJPAYEE
The House is not discussing the Pondicherry scandal not the opinion of any
particular Minister This is a delicate
question where Palistan is involved.
We are having (Interruptions) You
must allow me to conclude Here are
the statements made by the former
Primo Almister and I will hit back
(Interruptions) It will not be in public
interest to disclose the details about the
secret understanding between Mrs
Gandhi and Mr Bhutto (Interruptions)

"SHRI VASANT SATHE This will not do This is not a question of Mrs Gandhi

#### (Interruptions) \*\*

ME SPLAKER Don't record I am going to examine the matter (Interruptions) I am net concerned with other matters I am only considering the legal aspect I am going to give my decision after carefully considering it. Now there are some cut motions to the voce of the House I should like to know whether Mr Hanatwalls and Mr Ram Jethamalan are withdrawing their cut motions.

SHRI C M BANATWALIA (Ponman) Certainly not. In the face of
such arbitrary attitude of the Foreign
Minister I am not withdrawing Instead of hitting the person outside he
is abusing the floor of this House to
hit back it is politically motivated
Therefore in the face of such attitude
I will in protest certainly not withdraw
any of my cut motions. It is politically
in motivated Seeak outside (Interriptions)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE I know what to speak and where to speak I am not to learn from you

\*\*Not recorded

AIR SPEAKER I shall now put the cut motions to the vote of the House

The question is

'That the Demand under the Head Ministry of External Affairs be reduced to Re 1"

[Increasing number of restrictions being imposed upon persons going abroad especially to Middle East countries for employment and the consequent hardships faced by them (1)1

The motion was negatived

MR SPEAKER Mr Jeihmalani are you withdrawing your cut motions?

SHRI RAM JETHMALANI Yes, Sır

MR SPEAKER Has the hon Member the leave of the House to withdraw his cut motions Nos. 2 to 5

SEVERAL HON MEMBERS Yes

Cut motions Nos 2 to 5 were by leave

MR SPEAKER Now I will put the cut motion No 7 moved by Shri Banatwalla

Cut motion No 7 was put and negatived

MR SPEAKER The question is

That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue Arcount and Capital Account shown in the fourth column of the Order-paper be granted to the President out of the Consolidated Fund of India to complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March 1979 an respect of the heads of demands entered in the second column thereof against Demand No 31 relating to the Ministry of External Affars'

The motion was adopted

| A.C. | Report | CHAITRA | 28, | 1900 | (SAKA) |
|------|--------|---------|-----|------|--------|
|------|--------|---------|-----|------|--------|

Demand for Grant 1978-79 in respect of the Ministry of External Affairs voted by Lok Sabha.

| No. of<br>Demand | Name of | Demand | Amount of Demand for Grant<br>on account voted by the House<br>on 16-3-1978 | of Der |  |
|------------------|---------|--------|---|--------|--|
|                  |         |        |   |        |  |

| Revenue | Capital | Revenue | Capital | Revenue | Capital | Rs. | Rs. | Rs. | Rs. | Rs. | MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS | 1 Ministry of External Affairs 18,02,88,000 | 2,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,31,89,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,000 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,40,400 | 19,46,400 | 19,46,400 | 19,46,400

18.54½ hrs.

417 B.

r

# BUSINESS ADVISORY COMMITTEE FIFTEENTH REPORT

THE MINITER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): I beg

to present the Fifteenth Report of the Business Advisory Committee.

B.A.C. Report

418

#### 18.55 hrs.

3

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Wednesday April 19, 1978/Chaitra 29, 1900 (Saka).

# CONTENTS

No. 40, Wednesday, April, 19, 1978 | Chairra 29, 1900 (Saka)

| Oral A        | inswe          | rs`to Q           | uestion             | ; :             | -            |                 |                      |               |                 |         |              | COLUMNS  |
|---------------|----------------|-------------------|---------------------|-----------------|--------------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------|--------------|----------|
| *5            | Starre         | d.Ques            | tions N             | os. 781         | , 78         | 3 to 7          | 86 and               | 1 <b>7</b> 91 | to 794          |         |              | r35      |
| Welcos<br>Ara | me to<br>ib Re | His E             | xcellenc            | y Mr.           | Hafe         | z-Al-           | Assad                | Pres          | ident (         | f the   | Syria        | n.       |
| Writte        | n Ans          | swers to          | Questi              | ons:            |              |                 |                      |               |                 |         |              |          |
| St            | arred          | Questi            | ons No              | s. 78o,         | <b>7</b> 82, | 787,            | 789,                 | 790 a         | nd 79           | 5 to 8  | 05           | 35-46    |
| Uı            | nstarr<br>7456 | ed Que<br>7458    | stions 1<br>to 7484 | Nos. 73<br>7486 | 20 t         | 0 732<br>501 a  | 22, <sup>5</sup> , - |               | 7340<br>7519    | 734     | 2 to         | 46-257   |
| Papers        | laid           | on the            | Table.              |                 |              |                 |                      |               |                 |         |              | 257-62   |
| Calling       | Atte           | ntion t           | o Matte             | er of U         | Jrgei        | nt Pa           | blic I               | mpor          | tance-          | -       |              |          |
| Ro            | porte          | d fire i          | n the A             | rmy h           | utme         | ents is         | 1 New                | Dell          | i               |         |              | 263-73   |
|               | Shri           | Mukht             | iar Sing            | n Mai           | k            |                 |                      |               |                 |         |              | 26466    |
|               | Prof.          | Sher S            | lngh                |                 |              |                 |                      |               |                 |         | . 26         | 3, 26673 |
|               | Shri           | Dalpat            | Singh 1             | Paraste         |              |                 |                      |               |                 |         |              | 26768    |
| ;             | Shri           | Kanwa             | r Lei G             | upta            |              |                 |                      |               |                 |         |              | 26970    |
|               | Shri           | Vayala            | Ravi.               |                 |              |                 |                      |               |                 |         |              | 271-72   |
| Leave         | of ab          | sence fr          | om the              | Sitting         | s of         | the H           | ouse.                |               |                 |         |              | 274      |
| Public        | Acc            | ounts (           | Commit              | ee Se           | enti         | h R             | eport                |               |                 |         |              | 273      |
| Comm          | ittee          | on Pub            | lic Und             | ertakin         | gs F         | ifth I          | Report               | ٠.            |                 |         |              | 274      |
| Estimat       | tes C          | mmitt             | ec-                 |                 |              |                 |                      |               |                 |         | ,            |          |
| Six           | cteent         | h Repo            | ort and I           | Minute          | s            | ••              |                      | •             |                 | •       |              | 27475    |
| Commi         | ttee c         | n Gov             | ernment             | Assur           | atace        | s               |                      |               |                 |         |              |          |
|               |                | Report            |                     |                 |              | ,               |                      |               |                 |         |              | 275      |
|               |                |                   | ay Ac               |                 |              | dmc8            | ıy Ce                | n:ral-        | -Vı£a           | r secti | ion o        | Ē        |
|               | Shri           | Sheo N            | arain               |                 |              |                 |                      |               | •               |         | . f          | 275-76   |
| Busines       | s Ađ           | visory (          | Commit              | 95              |              |                 |                      |               |                 |         |              |          |
| Fif           | teent          | h Repo            | rt.                 |                 |              |                 |                      |               | -               |         |              | 27578    |
| Mainte        | nance          | of In             | ernal S             | ecurity         | (Re          | peal)           | Bill-                | Intro         | duced           |         |              | 279—80   |
| מייים ו       | The s          | ign +<br>s actual | marked<br>ly asked  | above<br>on the | the<br>floc  | name<br>or of t | of :                 | a Ma          | ember<br>y that | indio   | eates<br>ber | thu the  |

|               |                                     |          |                |         |        |        |        |       | COLUMA              |
|---------------|-------------------------------------|----------|----------------|---------|--------|--------|--------|-------|---------------------|
| ndian Explosi | ves (Amend a                        | ent) B   | ıll <i>⊸In</i> | tro.l.i | ce.i   |        |        | •     | 282 <b>→</b> 81     |
| Matters under | rule 377—                           |          |                |         |        |        |        |       |                     |
| (1) Pligh     | t of Danlakarai                     | ıya refu | igees a        | t Hu    | 50163  | d in t | West I | 3:ng) | l <del></del>       |
| ohr           | Samar Guha                          |          | •              | •       | •      | ٠      | •      | •     | 281—83              |
|               | orted strike by r                   |          | college        | stud    | ents 1 | n De   | ihı—   |       |                     |
|               | ı C. K Chandr                       |          | •              | ٠.      |        | •      | •      | •     | 283-84              |
| ser           | orted decision                      | r3 lectu | ras H          | indu    | Unive  | rsity  | to te  | min   |                     |
| Sh:           | n Harikesh Bah                      | adur     |                | •       | •      | •      | •      | •     | 284—85              |
|               | ce of Paddy—                        |          |                |         |        |        |        |       |                     |
|               | rı K Mayathev                       |          | •              | •       |        |        | ·      |       | 285—86              |
|               | ed for more find                    |          | sistan         | ce to   | cycle  | ne a   | nected | 1     |                     |
|               | n Rama Chand                        |          | k              |         |        |        |        |       | 285-88              |
|               |                                     |          |                |         |        |        |        |       |                     |
|               | Grants, 1978-79<br>of Agriculture a |          | ation          |         |        |        |        |       | 288—468             |
| Shri P        | Rapagopal Nac                       | lu       |                |         |        |        |        |       | 289-310             |
| Shn D         | haram Vir Vasis                     | ht       |                | •       |        |        |        |       | 329-36              |
| Shri A        | nnasiheb P Shi                      | nde      | •              | •       | •      | •      |        |       | 337 <del></del> 53  |
| Shri R        | am Murtı                            |          | •              | •       | •      | ٠      |        |       | 3536                |
| Shri R        | ajaram Shankari                     | rso Man  | e              | •       | •      | •      | •      |       | 3 <sup>6</sup> 4-70 |
| Shri P        | K Deo                               | •        | ٠              | •       | •      | •      | ٠      |       | 37077               |
| Chaud         | hary Multan Sir                     | igh      | •              | •       |        |        |        | •     | 37786               |
| Shri S        | hyamaprasanna                       | Bhattac  | haryya         | ı       |        |        |        | •     | 38688               |
| Shra I        | qbat Singh Dhil                     | on .     | •              |         |        |        |        | •     | 388 <del>9</del> 9  |
| Shr: V        | Arunachalam                         |          |                |         |        |        |        |       | 399— o              |
| Shri I        | D Desai                             |          |                |         |        |        |        |       | 408—12              |
| Shri I        | warks Nath Ti                       | wary     | •              |         |        |        |        |       | 412-23              |
| Shri I        | Kesalram                            |          |                |         |        |        |        |       | 423-28              |
| Shri I        | L. Kapcor .                         |          |                |         |        |        |        |       | 429-36              |
| Shri 1        | Nathu Ram Mire                      | tha      |                |         |        |        |        |       | 436-47              |
| Shri I        | K Kodiyan                           |          |                |         |        |        |        |       | 447-52              |
|               | Rudra Sen Chau                      | shurv    |                |         |        | -      |        |       | 452-60              |
|               | Motibhai R Cha                      | -        | •              |         |        | -      |        | ٠     | 460-65              |
|               | viotenark Cas<br>3 P Kadam          | ,,,,,,,, |                | ,       | ,      |        | -      |       |                     |
| 2001          | ) L Vadaur                          |          | •              |         |        |        |        |       | 465-68              |

#### LOK SABHA

Wednesday, April 19, 1978/Chaitra 29, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

# त्रिपुरा की जनसंख्या

\*781, श्री विनायक प्रसाद यादवः ह्या गह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) बंगलादेश बनाने से पहले लिपुरा राज्य की जनसंख्या कितनी यी और जसमें से पर्वतीय आदिवासियों और गैर-पर्वतीय मादिवासियों की पृथक-पृथक जनसंख्या विजनी थी ;
- (ख) उपरोक्त राज्य की वर्तमान जनसंख्या कितनी है और पर्वतीय श्रादिवासियों तथा गैर-पर्वतीय आदिवासियों की पयक-पथक जनसंख्या कितनी है ; श्रीर
- (ग) जब वंगलादेश बना उस समव राज्य में शरणाधियों की संख्या कितनी थीं श्रीर इस समय उनकी संख्या कितनी है।

गह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लास मंडल): (क) 1971 की जनगणना के अनुसार 1 अप्रैल, 1971 को तिपुरा राज्य की जनसंख्या 1,556,342 थी। उनमें से 450,544 प्रथवा 28.95% अनुमूचित जनजाति के थे (पर्वतीय ग्रादिवासियों तया गैर-पर्वतीय ऋदिवासियों की जनसंख्या का ग्रलग-प्रलग व्योत्ता उपलब्ध महीं है }। 554T/S-1

- (ख) सुचना उपलब्ध नहीं है क्योंकि श्रयली जनगणना 1981 में होनी है।
- (ग) 25 मार्च, 1971 को जिपरा में प्रवासी परिवारों की संख्या 75.710 थी। इसके अतिरिक्त 25 मार्च, 1971 और दिसम्बर, 1971 के बीच 13.82 लाख श्चरणार्थी तिपुरा में ब्राये थे श्रीर जनमें से लगभग सभी वापस जा चुके हैं । 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवासी परिवारों की संख्या 75,571 है 1

श्री विनायक प्रसाद यादव : मध्यक्ष जी, उत्तर में कहा गया है कि गरणाशियों की संज्या 75,710 के प्रताचा 13.82 लाख रिपयुजी जो श्राये ये वह 1971 तक सब बापस काने गरी।

जिपुरा सरकार का कहना है कि पहां प्रतिदिन शरणायीं बांगला देश से साथा करते हैं और इतनी ज्यादा माला में सभी भी आते हैं कि वहां का जो इकोनामिक ढांचा है उस पर बुरा प्रसर पड़ता है। अभी लोक सभा की एस्टीमेट कमेटी रूरल अनऐन्सायमेंट प्रोवलम के सम्बन्ध में बात करने के लिये विप्रा गयी थी तो घडां की सरकार का कहना था कि प्रति दिन बारी भी काफी तादाद में बांगला देख से रिपवजी वहां आते हैं और उनकी रोकने का कोई भी .....

MR. SPEAKER: Please come to the question. You are making a statement

श्री विनायक प्रसाद यादवः सरकार तो यह कहती है कि श्रभी 75,571 सिफं वहां रिपयुची हैं । हमारा कहना है तिपुरा सरकार के मुतादिक कि वहां इससे ज्यादा रिप्यूजी हैं और हर दिन रिप्यूजी ग्राया करते

हैं जिसको रोजने का कोई भी वहा की सरकार के पास प्रधिकार नहीं है। तो , मैं मती 💤 महोदय से जानना चाहता ह कि यभी तर जा रिपपूजी वागला देश से तिपुरा स्टेट में भ्राया करते हैं उसको रोवने का सरकार के पास, सेन्ट्रल गवर्नमेंट वे पास कौन सा बातन है या ग्रह्मियार है जो ग्रमी ग्री रिफ्युजीब का <sup>र</sup>ग्राना बन्द नहीं हो रहा है, सीर जो पाते हैं तिपुरा में ही रह जाते हैं। इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कहना है ?

गृह मत्री (श्री चरण सिंह): प्रध्यक्ष महोदय, वागला देश से कुछ लोग मसम में मी, तिपुरा में भी भीर वैस्ट बगाल में भी या रहे हैं, लेकिन बहुत कम तादाद में घह एक भाम समस्या है जा विपुरा तक ही सीमित नहीं है। उस पर सरकार विचार कर रही है कि क्या किया जाम ।

थी सोमजी माई डामोर: मध्यक्ष जी, जा बागला देश से भरणायीं तिपुरा में पाये हैं वह प्रादिवासिया का शोयन करते हैं। तो इसके बारे में सरवार क्या करने जा रही है ?

श्री ग्रामिक लाल महल: यगला देश से शरणायीं जिल्ला में आमे हैं। 1947 से ही वहा पर लागा था ग्राना जारी है। 1947 से 1958 के बीच लगमग 69 000 परिवार ग्राये भीर 1964 में 1971 न वीच सनसम 6 हजार परिवार ग्राये । यह कुल मिलाकर 75751परिवारवनते हैं। 25माच, 1971 जिस दिन वंगला देश बना, उसके बाद जा साग भागे, वह सब लौट गये हैं । इनसिये 1947 से 1971 के बीच जो परिवार ग्रावे. और घीरे घीरे प्राते रहे, वहा बसते रहे उससे उनकी इकनामी पर प्रभाव पडा है. जैसा कि मानतीय सदस्य कहते हैं। सब बाता को ध्यान में रखकर केन्द्रीय सरकार बहा की मरकार को भदद देती है जिससे जन पर त्रो बोल पड़ा है, वह कम किया जा सके।

Implementation of Recommendations of R. C. Dutt Committee

- \*783 SHRI SAUGATA ROY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state
- (a) whether the previous Government appointed R. C Dutt Committee to find out the problem of Bengal Film Industry.
  - (b) what are the recommendations,
- (c) whether the previous Government implemented those recommenda. tions, and
- (d) if not, whether the present Government desire to implement those recommendations?

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L K, ADVANI). (a) to (d). Sir A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

The R. C Dutt Committee on problems of film industry in West Bengal made the following recommendations

- 1 To meet the shortage of cinema houses in West Bengal and to facilifate the exhibition of films produced in the State as part of an all-India effort in this direction, a comprehensive public sector Corporation should be set up with adequate capital, and entrusted with the work of import an possibility of export also of films, of distribution of imported films and with the construction of chinema houses either directly or in collaboration with private parties Such a Corporation should depend not only on its capital resources but on the profits that is generated for financing the contruction of cinema houses
- 2 A scheme for setting up a colour film laboratory in the joint sector in collaboration with other parties in the film industry of West Bengal interested in this matter should be

considered on the basis of a feasibility report prepared by a competent professional body.

- 3. A proposal for amalgamation of the existing concerns owing black and white processing laboratories and the studios in Calcutta and the formation of a joint sector company for the modernisation, proper maintenance and management of these tenance and management of these on the basis of a detailed project report prepared by a comptent professional body.
- 4. Production of documentaries and news reals by the Films Division should decentralise and a branch office of this Division should be set up for this purpose in Calcutta. Similarly, the work of production of lims for TV should also be decentralised and necessary facilities for this purpose developed in Calcutta.
- As suggested by the Committee, a multi-functional corporation namely, the National Film Development Corporation, for planning promoting and organising an integrated film industry; import-export of films; distribution/ exhibition of films; construction and maintenance of film theatres etc. has been set up by the Central Government, This Corporation however, did not grow as envisaged. But Film Fin. ance Corporation and Indian Motion Pictures Export Corporation have been energetically performing the role envisaged for this Corporation. The Government of West Bengal have also set up a Film Development Board for developing film industry in West Bengal. The Government of West Bengal is also reported to have initiat\_ ed steps towards setting up a colour film laboratory in Calcutta. The Films Division has put up a production centre in Calcutta for production of films through individual producers from the eastern region. The Films Division is also helping the processing laboratotries in Calcutta by getting a part of its processing work done through them.

Thus, the recommendations made by the Committee have been already largely implemented.

SHRI SAUGATA ROY: I have gone very carefully through the statement which the Minister Iaid on the Table of the House. I am surprised to find that it is very delightfully vague.

Sir. my question was very specific, as to whether the previous Government had implemented the recommendations of the R. C. Dutt Committee on the Bengal Film industry and also whether the present Government desire to implement those recommendations. The Minister only makes a vague statement. He says: "These recommendations made by the Committee have been already largely implemented" without saying how many of them were implemented during the previous government's time and how many have been implemented during the tenure of the present government. The fact remains that in spite of the Minister's claim, the Bengali film industry which has produced glants like Satyajit Ray and Mrinal Sen, continues to languish and the number of Bengali films goes down every year.

The main recommendation of the R. C. Dutt Committee was with regard to distribution channels that the distribution a long as it is in the hands of a few exhibitors and distribution. He good films will not fourish. So it recommended that this distribution should be taken over in the public sector. And the Minister's statement says, the National Film Development Corporation, a multi-functional Corporation, has been set up. This Corporation, has been set up. This Corporation, however, did not strow as equipseed.

WELCOME TO HIS EXCELLENCY MR. HAFEZ AL-ASSAD PRESIDENT OF THE SYRIAN ARAB REPUBLIC

MR. SPEAKER; Hon'ble Members, I have to make an important announcement. On my own behalt and on behalt of the Hondle Members of the House, I have great pleasure in welcoming His Excellency Mr Hafer Al-Assad, President of the Syrian Arab Republic You on a State visit to India as our horoured guest

7

He is now scated in the Special Box together with other distinguished Members of his delegation. Through him we comey our greetings and hest withes to the people of the Syman Arah Republic

ORAL ANSWERS TO QUESTIO\S-

OF R C DUTT COMMITTEE-contd.

SHRI SAUGATA ROY'Now I come to the question As the Bengah film industry is languishing today and as if can be saved from the stranglehold of the exhibitors and gistributors. J would like to know whether this Government grouposes to have a public sector Corporation for the exclusive purpose of exhibition and distribution of Bengah and other regional films so that good quality films can come up.

SHRI L. K. ADVANI Sir, the question did pertain to what was done by the earner Government and what is done by the present Government The statement is not vague. It elaborated at length the steps taken, because this is a question about the recommendations made by the Dutt Committee, which have relevance to the State Government and to the Central Government It is a continuing process and steps have been taken I have specifically mentioned what was done by the previous Government and the present Government I have already said that though the National Film Development Corporation was act up by the earner Government, it was not activated it was allowed to remain mactive, passive During the year we have taken some steps. On hehalf of the FFC, a Branch Office has been opened in Calcutta, because this is one

of the main recommendations that the distribution of films and coloured raw stock should be done there aself. A Script Commuttee has been Set up in Calculta in October 1977. Apart from that several steps have been taken which, though they do not strictly relate to the recommendations of the Dutt Committee, I am sure are going to help the regional film industry in general and the Bengal film industry in particular I may point out that till last year there used to be an export obligation on the use of coloured raw stock, as a result of which there has been a constant demand from the Bengal film producers for the usue of coloured raw stock without export obligation, because they say this favoured only the Hindi film industry As a result of the new industrial policy announced on 3rd April there, would be no export obligation on the use of coloured raw stock. This step would greatly help the growth of the regional film industry in Bengal. Then one of the important recommendations was the setting up of a coloured film laboratory in Calcutta. In this year's budget the State Government have made a provision for the setting up of a coloured film laboratorv

SHRI SAUGATA ROY I thank the Minister for mentioning the steps take to retire the film industry If I may tell the Minister, Calcutta is not only the centre for Bengal film industry, it is also the centre where the Assamese and Onya films are produced So it is a very important regional centre. What the Minister stated pertains to the duties of the State Government I want to know specifically from the Minister whether the Central Government is coming forward with any help in the coming year to revive the studios in Calcutta, two of which are closed and the others are facing a very difficult situation so that not only the Bengal, film industry but also the regional film industry in the eastern region can be revived. Has the Government any proposal to establish and cours these studios?

fo

SHRI L. K. ADVANI: The hon. Member will appreciate that so far as studios and very many other aspects of the film industry are concerned, they lie within the purview of the State Government. The Government is conscious of the problem. In the rolling plan of the Government of India the total outlay envisaged for this purpose is approximately Rs. 2.75 crores, and this includes the production of additional films in Bengali, Oriva and Manipuri at Calcutta itself. So, we are conscious of it and we would be pursuing this matter in collaboration with the State Government.

SHRI VINODBHAI B. SHEFIT; will the hon. Minister recommend to the Bengst Government to grant the films exemption from entertainment tax, especially to the new regional films, on the pattern of what has been done by the Guisrat Government? In Guisrat earlier the new films were exempted from entertainment tax, because of which some new studies were set up in Guisrat, which gave an impetus and incentive to the regional films.

SHRI L. K. ADVANI: In the conference of Information Ministers in November last, we had a long discussion on the need to utilize the entertainment tax for promotion of the film industry, at least a part of it. This was discussed at length and it was agreed that certain steps would be taken. This House would appreciate that it would not be proper for the Central Government to make any recommendation or impose any scheme of action which cuts into their revenue.

SHRI CHITTA BASU: The hon Minister in the course of his original reply mentioned about the formation and establishment of the National Film Development Corporation, but one of the recommendations of the Dutt Committee is:

"To meet the shortage of cinema houses in West Bengal and to facilitate the exhibition of films produced in the State as part of an allIndia effort in this direction, a comprehensive public sector corporation should be set up with adequate capital."

The need for such a public corporation was indicated by the Dutt Committee, and as a matter of fact, the National Film Development Corporation does not fulfil the purpose for which it was suggested. So, may I know whether the Government will go in the direction of setting up such a public sector corporation for West Bengal?

Secondly, may I know from the hon Minister whether it is not a fact that the Government of India proposes to have a central legislation on the conditions of work and life of the workers engaged in the climma industry, and if so, what is the reason for the delay in the enschment of such an important legislation governing the interests, of the working class?

SHRI L. K. ADVANI; In pursuance of the recommendations made by the Dutt Committee, the National Film Development Corporation was registered on 1st May, 1975, with an authorised capital of Rs. 3 crores and a paid-up capital of about Rs. 10 lakhs, but, as I said, the earlier Government thought that it was not necessary to pursue the matter further because of the fact that the essential functions of the Corporation were being performed by the FFC and the IMPEC, but this Govern. ment is having a second look at this problem, and the need to revamp the institutions pertaining to the film industry, which are presently related to the I. & B. Ministry is being considered, and it is likely that the functions of the FFC and the IMPEC may be added to those of the National Film Development Corporation.

As for the second question put by the hon. Member, Government regards that it is necessary to have central legislation in respect of the welfare of

Oral Answers

12

the workers in the film industry Government appreciates the need to legislate in this regard and presently some discussions are heing held in the Ministry, some discussions have been held with the workers and others interested, and I hope it will be possible

SHRI SAMAR GUHA May I know whether it is a fact that very good Bengalı and other regional films are facing two difficulties. One is that except for the films produced by eminent producers like Satyant Roy and Mrinal Sen, the others are not finding cinema halls for their display. They have to wait for not only months, but many years Secondly, the Film Finance Corporation is not liberal in giving aid to the new eminent producers In view of this, may I know whether the Government will take steps so that the films produced by eminent but new producers can be displayed in the cinema houses quickly and see that proper financial help is offered to talented persons?

SHRI L. K. ADVANI Those who are dealing with the problems of the film industry are consenus of the fact that lack of exhibition outlet is one of the main bottlenecks which is holding upon the progress of the film industry, and the Film Finance Corporation is presently working out a scheme in consultation with the State Governments and the State Film Finance Corporations where they exist and in this context efforts are being made

Production of Shaktiman Trucks

\*784 SHRI G Y KRISHNAN Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) what was the production of Shaktiman trucks and Government requirements during the last five years year-wise,

(h) whether it is a fact that the production falls short of Government requirements and Government have, therefore, to depend on trucks manufactured by the Tatas, and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF. SHER SNGH) (a) to (c) During the last five years the Vehicle Factory, Jahalpur fulfilled the targets of production of Shaktiman Trucks set for it This production met about 80 per cent of the total purchase of this range of vehicles by the Defence Service The halance of about 20 per cent were obtained from the civil trade

The capacity of the Factory is not set adequate to meet the entire defence requirement in this regard, hence part of the requirement is ohtained from civil trade.

SHRI G Y KRISHNAN Sir the Minister has not answered part (a) of my question.

PROF SHER SINGH It will not be in the public interest to disclose the figures

SHRI G Y KRISHNAN Tt. stated that the factory has not been fully equipped and that is why, some quantity has been obtained from the private trade Is it the policy of the Government to encourage the private trade and allow the factory to remain unequipped? If it is so why not the manufacture of Shaktiman trucks be entrusted to Bharat Earthmovers?

PROF SHER SINGH During the Fifth Plan sufficient funds were not available Therefore the rated capacity could not he converted into installed capacity I think we may be self-sufficient by the end of the Sixth Plan to produce all the vehicles that we may need.

SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: May I know whether it is not against the public interest to allow the private sector to come into this vital production sector which has so far been done by the public undertakings. Just now, the Minister himself said that it is against the public interest to disclose even the figures of the last five years. But when it is given to the private trade, they will automatically know the number of trucks that have been manufactured. What is the policy of the Govern-Will you continue to encourage private sector in the produc-

13

PROF, SHER SINGH: It is a much wide question. We have stated several times on the floor of this House that the critical items will be produced in the public sector only. We can take from the civil sector where the capacity exists non-critical items. Sub-assembly and components, but components of critical nature will be manufactured in the public sector.

tion of vital items?

SMRI VAYALAR RAVI: Why do the Government allow private sector to come in?

MR. SPEAKER: He has mentioned that the present capacity is not sufficient and in the Sixth Plan, they are taking steps.

डा॰ रामची सिंह: अध्यक्ष महोदय, नया प्रतिरक्षा मंत्री बतायेंगे कि देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय हित में बेटूकों के निर्माण कार्य और उसके कारवानों का राष्ट्रीयकरण करने के पक्ष में हैं? बदि हां, तो कब तक राष्ट्रीयकरण करेंगे और -बदि नहीं, तो क्या ऐसा न करने से राष्ट्र का नुकसान नहीं हो सकता हैं?!

में भी कोर सिंह: प्रतिरक्षा के सम्बन्ध में, में मिलंदन फिला कि हम केपीस्टी बड़ा रहे हैं डकी योजना में जितने दुस्स की जरूरत होंसी बहु हम उम्मीद करते हैं कि हम पैदा कर सकें। रही बात मैजनसाईखेगन की, दुसरे ट्रक्ब के बारे में, तो वह मैं समझता हूं करते महीं हैं हैं।

Heavy Water for Atomic Reactor Plants

\*785. SHEI DURGA CHAND: Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state:

(a) what is the total requirement of . Heavy Water for our Atomic Reactor

Plants, plant-wise;

(b) what is the amount under foreign exchange incurred on the import of Heavy Water during the last 3 years, year-wise; and

(c) what steps are being taken to produce this item indigenously?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) The requirement of heavy water, plant-wise is as indicated below:

Rajasthan Atomic Power Project Unit-I . 20 Tonn

Rajasthan Atomie Power Project Unit-II

Madras Atomic Power Project Unit-I

. 20 Tonnes/year towards make up.

 250 Tonnes towards initial charge and 15 Tonnes/year towards make up on reaching stabilised operation.

. Initial charge of 250 Tonnes at the time of commissioning and estimated make up requirement of 12 Tonnes/year on reaching stabilised operation. 15

Narora Atomic Power Project (Unit I & II) , 260 Tormes for each unit for initial inventor at the time of commissioning and to tonnes must per year towards make up on reach any stabilised operation

(b) The total expenditure on the import of heavy water during the last three years amounts to Rs. 11,20 32,397 as per details below -

1975-76 1976-77 [1977-78 Nil 8,00,69,571 2,19,62,826

(c) The heavy water plant in operation at Nangal is producing about 14 tonnes of heavy water per year To meet the requirements of heavy water for the atomic power stations, construction of four heavy water plants have been undertaken. each at Kota, Baroda Tuticorin and Talcher with a total production capacity of 200 tonnes per annum.

थी दुर्ग चन्द : हमारे यहा जा चार एटामिक पावर प्लाट्स हैं, इनकी हैवी-बाटर और मरेनियम की जरुरत को इस इम्पोर्टकर के प्राक्रते हैं। इसलिये में प्रधान मती जी से जानना चाहता ह— इस वक्त जो हमारे चार प्लादम लगे हुए हैं, चनकी हैवी बाटर की जरूरत 1000 टन की है, जब कि हम जो बार हैवी-वाटर बनाने के प्लाट्स लगाने जा रहे हैं, उन से केवल 300 टन हैवी वाटर पैदा होगा, ऐसी स्थिति में जो 700 टन की वसी रहेगी. उसके लिये हम को इम्पार्ट करना पडेगा । क्या सरकार इम वारे में विवार कर रही है मिं हैवी वार्टर के कुछ और प्लाइम समाये जांपें ताकि हम अपनी चरूरत के मताविक यही पर हैवी थाटर पैदा कर नहें ग्रीर हम को इम्पोर्ट न करना पड़े।

थी मोरारजी देमाई - हम का 1000 टन हैबी-बाटर एक साथ नहीं चाहिये। इस बान तारापुर का प्याट चल रहा है, राजस्थान वा एक हिस्सा चन रहा है. इसरा श्रमी नमीणन नहीं हुया है, वह यांडी देर से ममीयन हामा, मद्रास का प्लाट दिसम्बर, 1979 में कमीशन हाता, उनता दूसरा हिस्सा 1981 म क्मीशन हागा, नरारा का एक हिम्मा दिसम्बर, 1982 में होगा, दसरा 1983 में होगा । इसलिये हर साल 250-300 टन से ज्यादा नहीं चाहिये और इतना हम प्रोडयस कर सकते हैं। इसके मालाबा कुछ मीर हैवी-बाटर प्लाट लगाने के बारे में भी हम सोच रहे हैं।

बी दर्गां चन्द: मेरे प्रश्न कि (बी) भाग के जबाब में पहा गया है कि पिछले दो वर्षों में हम ने जो हैवी-बाटर इम्पार्ट विया है, सम बर नरीव 11 नरीड रुपये का फारन **एक्सचेन्त्र लगा है और इस साल के बजट** में इसकी खरीद के लिये गरीब 29 करोड रुपया रखा गया है। मैं प्रधान मती जी से जानता चाहता हु-इस साल घाम कितना हैवी-बाटर इम्पोर्ट कर रहे हैं-अपने एटामित-पावर प्लाटस के लिये ?

भी मोरारजी देसाई: इस साल वितना इम्पोर्ट कर रहे हैं-इम के बारे में मोटिस हेंगे तो जरूर वतलाकगा ।

SHRI M S SANJEEVI RAO The hon. Prime Minister is very well aware what a mess we are in, in getting enriched uranism ...

MR SPEAKER This is about heavy water

SHRI M S SANJEEVI RAO 1 am coming to that.

Now, again we are getting into similar trouble in getting heavy water from other countries He is promising that we will be self-reliant in atomic energy power stations this is a very vital element, that is, heavy water We are all aware that there is a big blast that has taken

iKA) Oral Answers 18

place in Baroda. I want to know categorically from the Prime Minister whether he is going to take effective steps to see that we produce enough heavy water and see that we become self-sufficient in atomic power stations.

27

SHRI MORARJI DESAI: We are trying to do our best, but doing our best also cannot account for accidents.

श्री कंवर लाल गुलाः अध्यक्ष गहोत्य, में माननीय प्रधान मंती जी से यह पृष्ठना पाइता हूं कि यह को हेनी बाटर है, इसको प्राप्त कि मति हमें बाटर है, इसको प्राप्त कि मनि प्रधान मंती की ने कहा कि 300 टन हम बता नि से कि से कि प्रधान में हम में हम प्रधान के इस से हम प्रधान के उत्तर के स्थान के उत्तर के स्थान के उत्तर के स्थान के स्थान के उत्तर के उत्तर के उत्तर के स्थान के उत्तर के उ

श्री मोरारजी देसाई: ग्रमी ज्यादातर रूस से ब्राता है और नेरा विश्वास है कि दो साल में हम पूरा प्रोड्यूस करने लगेंगे।

SHRI KRISHAN KANT: May I Isnow whether the enquiry which was ordered by you-due to blast of the Haroda Plant—has been completed and what findings have been given by the finding committee?

SHRI MORARJI DESAI: I cannot a give final opinions about it. But what has happened so far what has been done so far shows that it was an accident and not the case of sabotage.

विद्युत् पारेयण (ट्रांसिमशत) साइनों के वारे में मध्य प्रदेश का प्रस्ताब

ि \*786. श्रीसुमाप ब्राहूनाः क्याऊर्जा मॅत्ती यह बताने की छपाकरेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश सरकार ने बार॰ ई० सी० योजनाओं के ब्रन्तर्गत किन-किन विद्युत पारेपण लाइनों को मंजूरी के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत किये हैं ; ग्रीर

(ख) चन पर केन्द्रीय सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) No scheme for Power Transmission Line of Madhya Pradesh is pending with the Rural Electrification Corporation Lid, for sanction at present.

(b) Does not arise.

श्री सुभाष झाहुंचा। अञ्चल महोदय, मैंने अपने प्रका में यह पूछा था कि मध्य प्रदेश सरकार ने आराट ६० सी० योजनाओं के अन्तर्गत किन-किन विच्च पारेपण साहनों को मंजूरी के लिये प्रस्ताव भेजे हैं। मैंने उन विच्च पारेपण लाहनों के नाम पूछे हैं?

SHRI P. RAMACHANDRAN; Sir, the Madhya Pradesh Government has submitted four special transmission schemes involving a loan assistance of Rs. 2.52 cores and the names of the schemes are: Dhar & Ratlam district—Rs. 35 lakhs, Schoor & Dewss-Rs. 60 lakhs—Dhar district—Rs. 61 lakhs and Mahssumand theist of Raipur district—Rs. 94 lakhs. The total comes to Rs. 2.52 cores.

प्रकार के AS, 202 etvices,

श्री सुभाष खाहूबा : अभी मानतीय
मंद्री की ये यागा है कि मध्य प्रदेश सरकार
ने भार स्कीमों के लिए प्रस्ताव भेजे हैं।
तो में माननीय मंद्री जी ने यह जानना
पहुंद्रा कि मंद्री जी ने यह जानना
पहुंद्रा कि मंद्री जी ते यह
बहुत स्वीद्रित देने बाले है और वे कब तक
बुक हो आएंगी? इस के ताम ही यह भी
कहता चाहता हूं कि प्राम निज्दीकरण की
योजनाओं के लिए राज्य सरकारों की दाम
विद्युत्तीकरण निमय पैसा देता है लिकन इस
समय वो साम विज्यातिक को मार्चवर्शी
में बहुत है किंग का सकता । तो में
माननीय मंद्री जी में यह निवंदन करनेगा कि
माननीय मंद्री जी सह निवंदन करनेगा कि

तिए विद्युतीकरण के जा मापदड है, उनम कुछ डिलाई करण जिससे मध्य प्रदेश के भादिवासी क्षेत्र इस प्राम विद्युतीकरण याजना से साभावित हा मकें।

19

SHRI P RAMACHANDRAN S.F., with regard to four schemes that I have already mentioned all those schemes have already been sanctioned and there is no scheme pending With regard to special concession to advenue and harijans already in the norms prescribed by the REC, there is a relaxation with regard to interest and also the quantum of assistance that is being given to all these areas, backward areas

भी रायमी। नेपा मती जी यह बताने वा वरण करेंगे कि मध्य प्रदेश में गांवा म दिवली पहुचने का मौतत प्रतिकत्त बया है और देश का मौतत प्रतिकत क्या है ? यदि सध्य प्रदेश के गांवा म विजली पहुचने का भौतत प्रतिगत कम है तो कहा के पाढा को विजली जल्दी उपलग्ध हो सके, इसके लिए सामन क्या कर रहा है, यह मैं जानना चाहता है।

MR. SPEAKER That does not arise out of this question. It goes out of the question. If you have a information you can give. I have no objection if you give any information.

SHRI P RAMACHANDRAN I do not have information at this time.

MR. SPEAKER He requires a notice

Rise in price of paper

\*791 SHRI G S REDDI Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) whether paper prices are continuing to rise despite his warning to the mills and

(b) if so whether he proposes to take over all the mills output and distribute it at reasonable price? THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) (a) Certain paper mills had announced price increases for some varieties of paper in January, 1978. It is reported that most of the other mills which had refrained from effecting similar price increases earlier have also decided to follow suit.

(b) At present, only white printing paper supplied at the concessional rate of Rs 2759 per tonne is being distributed to the educational sector and the DGS&D and there is no proposal to ake over the entire output of the Paper Industry Steps have however been taken to increase the production of common viruelus of writing and printing papers through "The Paper (Regulation of Production) Order, 1972" and the question of intrher regulatory measures and the necessity of imports would be considered after watching the results.

SHRI G S REDDI Will the hon Minister tell us as to what steps are being taken to see that price risa does not take place? Those paper mills which did not raise the price earlier bave now begun to raise the price I want to know what steps are being contemplated to stop this kind of an increase

of an increase SHRI GEORGE FERNANDES There is no statutory control on paper prices The only control, which also has been through an understanding with the paper mills that we have is to make available white printing paper, and this also to the educational institutions and as of now to the DGS&D This paper is made available at Rs. 2750 per tonne In the case of rest of the paper the price invariably has been fluctuating over the years declined at a certain point of time and has gone up recently We have in order to see that those sections to whom paper at Rs 2750 per tonne is to be made availableprimarily the educational sector-get it taken steps to see that under the new order that has been issued in March this year adequate quantities of paper are produced and made

available to the educational institu-

So far as the general price increase is concerned, we are discussing this question with the paper mill-owners, and I hope that it will be possible for us to see that the prices are brought down. We have also uggested that, if necessary, we shall import paper to see that the overall needs are met.

SHRI G. S. REDDI: What are those mills and what are the qualities of paper wherein the price increase has occurred?

SHRI GEORGE FERNANDES: As I have said, except white printing paper that is made available to the educational sector, all other paper is without any statutory control on prices; therefore, prices keep varying off und on.

श्री किशोर लाल: में यह मालम करना चाहशा हं कि 2750 रुपये प्रति मी० ट**न** पर जो पेपर ग्रवेलेवल किया जाता है, क्या गवर्नमेंट के पास ऐसी शिकायतें श्रायी हैं कि जिस समय बच्चों के एग्जामिनेशन का सीजन होता है या दूसरा सीजन होता है जब कि बच्चों को एक्सारसाइज बुक्स खरीदनी पड़ती हैं तो उस वक्त मिल वाले गवर्नमेंट की डायरेक्णन के वावजूद पेपर सप्लाई नहीं करते हैं और ग्राटिफिशियल स्केग्ररसिटी कियेट कर देते हैं ? इससे बच्चों को ज्यादा दाम देकर ये चीजें खरीदनी पड़ती हैं । क्या गवर्नमेंट ऐसी मिल्स के खिलाफ कोई एक्शन कंटेक्प्लेट करती है ? वया गवर्नमेंट जैसे शगर और सीमेंट के मामले में प्राइस फिक्स करती है, इस पेपर की प्राइस फिक्स करने के बारे में भी कोई अध्ययन करने की कार्यदाही करना चाहती है ?

श्री चर्ज फर्नानडिस : अध्यक्ष जी, ऐसी कोई शिकायत हमारे पास नहीं आयी है। कागज का बटबारा, टेक्सट वृक्स श्रीर अन्य कामों के बास्ते शिक्षण संस्थाओं को राज्य सरकारों के नाध्यम से किया जाता है। जब भी किसी राज्य सरकार से ऐसी कोई विकायत चित्तती है कि उन्हें कागज नहीं गहुंच रहा है तो ऐसी स्थिति में हस्तकेंद्र कर के राज्य सरकार को कागज गहुंचाने की ज्यवस्था भी जाती है। यदि इस सरक्य में आये भी कोई विकायत होगी तो हम कार्यवाही करेंद्री।

जहां तक दाम के बारे में प्रध्यपन करने की बात है, जाम तीर पर मिलों के साथ बातचीत होती रहती है और उनको कहा जाता है कि वे उचित दाम नगायें अनुचित दाम न लगायें !

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN; In view of the importance of
keeping the price of paper down, if
we are to fulfi! our educational
schemes and guarantee that sudents
get books and paper at reasonable
prices. I would like to know whether
the Minister hae any plans for expanding the public sector in the paper
producing industry, whereby he would
be able to guarantee that prices
would be kept at a lower level which
would be commensurate with the
needs of the country today.

SHRI GEORGE FERNANDES: As of now, hardly one per cent of the paper is produced in the Central public sector, and enother five per leading to the paper is produced in the State sector. The projects that we just now have his hand, including the Newsong, Cachar, and Nagaland projects, when completed in the next three years or so, will raise the public sector contribution to 19 per cent from the present 6 per cent, and we shall see that this sector is expanded.

SHRIMATI PARVATHI KRISH-NAN: Will you increase it further?

SERI GEORGE FERNANDES: Yes, we are moving in the direction of expanding it, so far as paper is concerned.

श्रीमती प्रेन्नलाबाई चरहाण में जानना चाहती हू कि बीमार पेपर फैस्ट्रीअ ने लिए भी ग्राप कुछ नीति ग्रपनाएगे, उनका भी कुछ इतजाम करेगे ?

-23

धी जाजं कर्नानडिज : जैनी नीति घन्य वीमार नारखाना ने लिए प्रयनाई जाती है वही इनके लिए भी ग्रयनाई जाती है। इस समय नियम यह है कि तीय परसेंट कावज सस्ते दाम वा 2750 रुपये टन वा वनता चाहिये । लेक्नि यह नियम बीमार नागज को मिलो पर लागू नहीं हाता है। इतना कसेशन जनको दिया गया है ।

## Repeal of MISA

\*792 SHRI KANWAR LAL GUP-TA Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state.

- (a) whether MISA will be repealed during the current session of Parliament.
- (b) whether Government have advised Madhya Pradesh, Jammu and Kashmir and other States to repeal the MISA and Preventive Detention.
- (c) if so, the reaction of the conremed State Governments, and
- (d) the details of replies received by Government from the concerned States?
- गृहमन्त्री (थीचरगसिंह) (क) मदत को ब्राज का कारकाई की सबी में पीमा में निरमन के जिर एक विजेदक बन करना शामित है।
  - (स्र) तो नही धानात ।

Oral Answers (ग) झोर (घ). प्रश्न नहीं चठना।

**हो कवर लाल गप्तः** किन किन राज्य सरवारी ने भीना अभी भी लाग विया हमा है। क्षाप ता बिदड़ा बर रहे हैं नेकिन राज्य सरकारा में ग्रमी भी भीमा दाको है मैं जानना चाहताह विवेतीन तीन मेराज्य हैं. वाश्मीर के बार में धापने कहा या इस सदन म कि हम कुछ मुयाव काश्मीर मरकार को देंगें । सापने क्या मृत्राव दिए हैं सीर उनका क्या उत्तर ग्राया है ? काफेरासा इकानीमिक बार्फेंटर्भ के बारे में जा है उसके बार में प्रापका क्या विचार है? उसका भी ब्राप खत्म करेंगे का पर्वेत ?

श्रीचरण सिंह काफैंगमा या काफेमीसा है में ठीक नाम नहीं जानना । इस के लिए मैं तैयार नहीं ह बयांति यह इस सवास के प्राप्टर धामित नहीं है।

जहां तक मीमा की बात है मीमा सारे हिन्दम्तान से निरमन हा जाएगा । विसी भी प्रदेश में मीसा के पायम रहते का सवाल नहीं है। हमारा कभिटमेट इसका रिपील करन का था। वह पूरा क्या जारहा है। क्ल तीन स्टेट्स ऐसी है भाध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश श्रीर राजस्थान दहा निमी प्रनार का नजरब दी बानन साम है। मालि बौर व्यवस्था उनकी जिस्सेदारी है। वे जैमा उचित समझें कर। प्रबंदिव दिदेंशन कानन का चाह बापिस ने लें या दशका मगावित कर सें, यह काम उनका है। लिन यह भीमा न मलग चीज है। उत्तर प्रदेश में बदन महाज विराधी तत्वा के लि (नरू वन्दो नानन है। मैं नहीं समझना ह कि हाउन चाहता है कि इनका दापिस ले लि**या गर।** उस में क्या काई पालिटिक्ल भ्रादमी गिरपनार नहीं किया जा सकता है। ब्रव सम्मान, ब्राध प्रदेश रह जाते है। दणकी स्थिति प्राप देव रहे हैं। यह विस्मारारी उनकाहै वे कर यान कर। उन दर इमरा छाड दिया है।

श्री कंवर लाल गुप्त : काश्मीर के बारे में वतार ।

25

श्री चरण सिंह: काश्मीर को सुद्धाव भेज दिए हैं। यह भी उन्हीं की जिम्मेदारी है।

श्रीकंवर लाल गुप्त: मीझा चाहे आपने हटा भी दिया है सेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि ग्राज कुछ सख्त कानन बनाने की जरूरत है ग्रीर जब तक वह नहीं होगा देश में एक देव आफ वायोलेंस है उसको रोका नहीं जा सकेगा। कुछ राजनीतिक तत्व ऐसे है जो जानदल कर देश ने एनाकी पैदा करना चाहते हैं। सेवर धनरेस्ट भी है। कुछ युनिवसिटियां भी बन्द हैं (इंटरफांच) में फिर चार्ज करता हं कि राजनीतिक तत्व कुछ ऐसे हैं जो सावित करना चाहते हैं कि देश केवल एमरजेंसी से चल सकता है। इसकी सावित करने के लिए जानवझ कर वायोलेंस किया जाता है। गृह मन्त्री से में पूछना चाहता हूं कि जैसे उत्तर प्रदेश में बना है उसी तरह से क्या आई पी सी में या सी बार पी सी में संबोधन किया जाएगा या इस तरह का कोई कानून बनाया जाएगा साकि इस तरह के एखीमेंट्स के साथ सस्ती से दील किया जा सके ?

MR. SPEAKER: That does not arise: it is contradictory to your question.

MR. KANWAR LAL GUPTA: My question is; you are repealing the MISA—agreed....

MR. SPEAKER: The second part of the question was whether they are not advising others to do it.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: I can ask, what is the alternative of MISA.

MR. SPEAKER: No, it does not arise.

SHRI KANWAR LAL GUPTA:
This is very relevant. Your verdict
will be final and I will accept that....
(Interruptions) My summission is
that so far se the Centre is concerned,
we are repealing the MISA—agreed—,
but is there any alternative suggestion being considered by the Goverament to make any changes in theIPC or Cr. PC. to make it more
stringent so that the anti-social elements may be dealt with suitable?

MR. SPEAKER: That does not arise.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: What is the alternative to that; this is a very relevant supplementary. You are going to repeal the MISA; what is the alternative heing considered?... (Interruptions)

MR. SPEAKER: It is against thetenor of your question.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: They are shouting; let them shout. Do not get terrified.

MR. SPEAKER: I am neither terrified by you or by others. This question does not arise.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Then, may I ask, how the Government proposes to deal with saboteurs and spies effectively?

श्री चरण सिंह: अध्यक्ष महोदय, अधिवादन के अधीन जितने भी अधितयारात है स्टेट पवर्वमें इस को और केन्द्रीय सरकार को बह सब इस्तेमाल किये जायेंगे जब जकरत पट्टेबी तब।

श्री डी॰ एन॰ तिवारी: घट्यक जी, मूजे खेद है कि मैं अपने मिल श्री कंनर लाल मुख ते किकर करता हूं। और यही मार्निट श्रीमकी इनिदा गांधी के समय में दिया जाता वा कि देज में...

MR. SPEAKER: It does not arise from this question.

थी डो॰एन॰ तिबारी इमलिय नार्द्र दूसरा बानून न वर्ने यह ता तय हा गया था , श्रोर वित्त विदद्धा कर निया यदा था । में पूछना चाहुता हु वि क्या गृह मन्ती थी को कोईश्चरावड्डेसा कार्द्र धान्याहै कि सभी भी देश के विभिन्न भागों में एम॰भाई॰एम॰ए॰ में दिवने लोग केंद्र है भीर चम्मू कम्पीर तथा मध्य प्रदेश में उतके बानून के तहत विनन लाग सभी भी खेला में यद है ?

27

दी चरण सिंह प्रवरण महादय, मैं यह ममभा हूं नि यह जानता चाहन है नि प्रोवृंटिन हिटेंशन जैसे मानून की सार देख में स्थापन के या नहीं। मैं भगर मही समना हूं नाम कहना चाहना हूं कि यह धपनी प्रमनी राय का मधान है।

धो डी०एन० तिसारी मैन यह नहीं पूछाया। मैं।पूछ यापि नितन जेवा म खट हैं?

धी चरण सिंह बहुत कम। नक्तीर में 51 5 7 थे महाराष्ट्र म मनाज विराधी तय। और मुने याद नहीं पटता है दि कितने टिटेंगन में हैं सार देव में।

Integrated Transport System

\*793 SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to state

(a) whether Transport Planning and Coordination Committee which was appointed by Government in 1950 to go into the question of integrating the rall, road and water transport system in the country submitted its report in the year of 1986 to Govern ment

- (b) if so whether the recommendations of the Committee have not been implemented so far and
  - (c) if so the reasons therefor?
- THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF

SHIPPING AND TRANSPORT (SE CHAND RAM) (a) Yes Sir

(b) and (c) The recommendations made by the Committee concern several Ministries at the Centre i.e Ministries of Shipping and Transport Railways, Petroleum and Chemicals and Tourism and Civil Aviation, besides the State Governments in respect of roads road transport and LWT According to the information available with the Ministry of Shipping and Transport, most of the recommendations contained in the Committee's report have already been implemented, with modifications in a few cases while it has not been possible to accept some of the recommendations.

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK The Transport Planning and Coordination Committee was set up by the Government in 1959 and it made its recommendations in 1966 very unfortunate that the Government set up these Committees and the proposals or recommendations made by these Committees are not dealt with or even examined for twelve years The hon Minister has stated that so many Ministries were involved in it. He has named five Ministries A period of tweleve years has elapsed since the recommenda-tions were made I would like to know from the Minister, how many years will a particular Ministry take to deal with title proposals or recom mendations Secondly, the question mainly relates to the proposal for integrating the rail road and water transport systems in the country So I want to know from him as to what are the main hurdles which confront the government in accepting the proposals or in implementing the recommendations of the committee integration of rail, road and transport system?

SHRI CHAND RAM So far as implementation of the recommendations made in 1986 is concerned, it concerned the previous government is concerned we are going to set up a new committee to evolve a

. 29

codified national transport policy and we have authorised the Planning Commission to set up the committee.

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: The hon. Minister stated that this committee has been set up hy the previous government and they are now taking up the matter afresh. Then I want to know whether the proposals made by this committee have been given up or are they still under the consideration of the government? At the same time I want to know how many recommendations have been made by that committee, how many of them have been accepted by the government and how many have been rejected by the government?

SHRI CHAND RAM: As I have said in my main reply, most of the recommendations made by that committee have been implemented. Some have been implemented with some modification. These recommendations were made in 1966. Since then there have been a lot of changes. That is why we are going to set up a new committee. That committee made about more than 100 recommendations. So in such a short time I cannot spell out how many recommendations have been implemented and how many have not been implemented. I have only said that most of the recommendations have been implemented.

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: The hon. Minister says that he cannot say at the moment how many recommendations have been implemented, That shows that he has not thoroughly studied the problem. At the same time he has not been able to tell the House whether these recommendations have been dropped altogether.

SHRI CHAND RAM: This question relates to at least 5-6 Ministries....

MR. SPEAKER: Even then somebody must collect the information.

SHRI CHAND RAM; As I said they have made more than 100 recommendations. How can I say how many recommendations have been implemented? I can only say that most of the recommendations have been implemented.

. : MR. SPEAKER: That is too broad an answer. Kindly collect the information and place it on the Table of the House.

SHRI CHAND RAM: These recommendations relate to Railways, road transport, motor transport coastal shipping and rail and sea co-ordination, inland water transport, etc ....

MR. SPEAKER: There may be difficulties but some Ministry will have to collect the information and give it to the House. The House is entitled to know it. There may be difficulties. Still you have to collect the information and give it. Kindly collect the information and place it on the Table of the House.

SERI CHAND RAM: I can collect the information and supply it to the hon, Member,

MR. SPEAKER: Kindly place it on the Table of the House,

AN HON, MEMBER: We are thankful to you.

श्री कवरुलाल हेनराज जैन : नकड़ परिवहन के नाध्यम है पूरे देश में राज्य परिवहन निषम वने हैं. जिनको मोनोपली दे बी गई है, पूरे अधिकार दे दियं गये हैं जिसकी बबह से राज्य परिवहन निगम घाटे में जल रहे हैं और हर राज्य को बाटा हो रहा है। जो राज्य परिवहन निगम थाटे में चल रहे हैं. क्या केन्द्रीय सरकार उन पर प्रतिबन्ध -ख्याकर सामान्य जनता में जो शिक्षित वैरोबनार हैं. उनको उसका की उपयोग करने के लियं कछ सोन एही है ? राज्य

परिवहत निगमां में जो करोड़ी रुपये का भाटा हो रहा है उस पर मरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

MR. SPEAKER : It does not arise.

#### Recruitment of police officers in Dadra and Nazar Havell

\*794 SHRI R. R PATEL. Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

 (a) the criteria adopted for the recruitment of police officers in Dadra and Nagar Haveli, (b) whether Police Sub-Inspectors were recruited recently, and

34

(c) if so, the method of their recruitment?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (भी वितिक ताल भड़त): (क) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) तथा (ग). एक रिजर्व सब-इंस-वेक्टर मक्तूबर, 1977 में प्रतिनियुक्ति के झाझार पर नियुक्त किया गया था।

#### विवरण

(न) दादरा च नगर होती प्रमासन म युनिस ग्रीधिकारियो की विभिन्न श्रीणियो के पदी
 की मर्गी के लिए मानदण्ड इस प्रकार के

- (1) पुलिस का प्रधान
- (2) पुलिन का महायद प्रधान
- (3) पुलिस उन-निरीक्षक (निरस्त्र)
- (4) बम्पनी क्माण्डर

मर्ती नियमों के मनुसार इनमें से 50 प्रतिगत पद मोधी मर्ती से, 25 प्रतिगत उन हेड बास्ट्रेवतों में से परोम्रति दवारा जिन्होंने पुलिस प्रशिक्षण स्कूल बड़ौदा में घरना प्रशिक्षण सफनना दूर्वव प्राप्त कर लियाहे और 25 प्रतिगत बरिष्ठ हेड बास्ट्रेव्यं से परोप्रति द्वारा घरे जाने हैं। 19 से 25 वर्ष की प्राप्त करों क्यांन, जिन्होंने

इन पदो के निए कर्ती नियम मभी तक नहीं बनाये भवे हैं। में पद राज्य/संघ शासित सेत से व्यक्ति प्रतिनिवृद्धित पर सेकर भरे जाते हैं।

(5) रिजर्व सव-इसवेक्टर

इस पढ़ के भर्ती नियम झभी तक नहीं बनाये गये हैं। यह पढ़ राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर व्यक्ति वेकर मरा गया है।

एस॰ एस॰ सी॰ ग्रयंवा उसके दरावर की परीक्षा भास की हा, सीधी भर्ती ने लिए पान है।

- (6) हैड कांस्टेबल (निरस्त्र) (7) हैड कांस्टेबल (सशस्त्र)
- भर्ती निवमों के अनुगार ये पद उन निरस्त्र/मजस्त कस्टिवलों में पदोन्नति द्वारा भरे जाते है जिन्होंने उस पद पर कम से कम 5 वर्ष निरस्तर सेवा की

34.

(8) निरस्त्र कांस्टेबल

33

(9) समस्त्र कांस्टेवल

भर्ती नियमों के अनुसार ये पद सीधी भर्ती दवारा भरे कार्त है। 18 से 22 वर्ष की प्रायु के वर्ष के व्यक्ति, को छडा स्टैडर्ड पास है, सीबी भर्ती के पास हैं।

श्री आर० धरा० चरेता में मन्त्री महोरण के सह जाराना चाहता हूं कि स्पत्त केन्द्र शासित प्रदेश दास्या और तमर हुनेद्वी के स्थानीय पी०एस०प्राई० की ट्रांस्सर हो तकती है या नहीं; प्रपार हो सकती है, तो वह कब होनी और ध्रापर मही हो सकती है, तो वत का का कारण है।

श्री प्रिमिक साल सण्डल : जो दादरा श्रीर तगर हमेंकी के एडिमिनिव्हेटर हैं नह नोधा, दमन तथा दीव के लेपिटनेंट पकरेंद मी हैं । माननीय सदस्य को मानूम है कि उनके मनूरीय निवा गया है कि तह गोवा सरकार से बात कर के इन बात के लिए एजी हो जामें कि सावरा और नगर हुनेंकों ने पित पुरील कर्न्य-देसेन्डर-को बदलना हैं, उन्हें गोधा भेज दिया आये, श्रीर कहां से कोई मही या जाये । इन्हें को बातनील क्या तथी है, श्रीर मुख विश्वास है कि यह मामला हुन हो जायेगा और वह सल-देसेन्डर वहां से बदन दिया जायेगा।

श्री भ्रार० भ्रार० पटेस: क्या उस की ट्रांसफर केन्द्र शासित प्रदेश में ही हो सकती है या नहीं ?

श्री धनिक लास मण्डल : मैंने माननीय सबस्य को जानकारी दी है कि गोन्ना, दमन तथा दीव के लेफ्टिनेंट गवर्नर से बातचीत 554 LS-2. हों चुनी है। उन से निवेदन किया गया है कि वह इस के लिए राजी हो जायें कि मुचुक्त दूर्मकर हो जायें — पादरा तथा नगर हवें वी से एक व्यक्ति गोप्ता करा गयर हवें वी से एक व्यक्ति गोप्ता करा जाये होर सोवा से वहां चला जाए। इस है के सितिक्त मैंने यह चुन्ता वी है कि गुकरात गरकार से भी बातजीत हो रही है कि वह इस अफकर को वहीं ले जाये और उस के एकण में एक प्रकार दें दें। यूनियन देरीदरीज के साथ भी बातजीत हो रही है। इस इस सम्भावना पर भी विचार कर रहे हैं।

SHRI AMRUT KASAR: The hon-Minister of State for Home Affairs told here that he was going to speak to the Government of Goa, and Diu. The Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is not a part of Goa, Daman & Diu. These are two different territories. Only the Administrator is one. There are no transfers from Goa, Daman & Diu to Dadra & Nagar Haveli and there are no transfers from Dadra, Nagar Havell to Goa, Daman & Diu, I do not understand how the Home Minister will get these transfers from Goa, Daman & Diu to Dadra, Nagar Haveli.

These are Union Territories, Mosily the Police Inspectors, the Superintendents of Police, I.G.Ps, are recruited from outside these territories and they are mostly from Northern India. They go there but do not have the knowledge of the local language. I would like to ask a specific question,

will the local people from the Union terntory be recruited in these high posts?

श्री धनिक लाल मण्डल दादरा और नगर हवेला के इस्पेक्टर का दास्फर नहीं हा सकता है, इसीलिए ता लेपिटनेंट गयर्नर के इन्टरवैन्यन की जरूरत है—इमीलिए तो उन से रिक्वेस्ट की गई है कि वह सहसन हा। प्रगर दासकरेबल हाना ना फिर ना बात ही नहीं यो । ट्रानफरेबल नहीं है इसीलिए ता यह सब पावलम है और माननीय मदस्य का जो यह प्रक्षत है कि वहा के लोगों का न्य। नहीं लिया जाता है, तो सब-इम्पेक्टर रैक तकता सब लाक्ल ही निए जाते हैं और उनका डायरेक्ट रेजूटमेंट किया जाता है।

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Shortage of Raw Materials in Handicraft Industry in Kerala

\*780 SHRIR V SWAMINATHAN SHRI G M BANATWALLA

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether handscraft industry in Kerala State have been faring acute shortage of raw materials and if the present position continues, the day is not far off, the industry will be wiped out of existence.
- (b) whether rose-wood, once available in abundance in the State at moderate price, is now scarce but its cost has increased by ten fold over the last five years,
- (c) number of workers likely to be affected.
- (d) whether Government of Kerala have approached the Government of India for necessary and immediate help to the matter, and

(e) if so, what steps have been taken by Government to make available raw materials at reasonable rates to save the handicraft industry that State?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) The handicraft industry in Kerala State as a whole, is not facing acute shortage of raw materials. It is only the wood carving and ivory carving industry which have been experiencing shortage of raw materials in recent vears

- (b) The total availability of rosewood in Kerala State is not scarce visa vis its demand from wood carving industry However, the exports of rose wood appear to have resulted in shortage in the domestic market with consequent increase in prices by about 5 to 6 times during the last 4-5 years
- (c) The rising trend of sales and exports of handicrafts does not indicate adverse effect on workers
- (d) The Government of Kerala have approached the All India Handicrafts Board for financial assistance to augment the share capital of the Kerala State Handierafts Corporation so as to enable it to improve supply of raw materials to craftsmen and improve marketing of handicrafts. Earlier the Corporation has already set up a raw material depot for supply of rosewood and avery to craftsmen.
- (e) The proposal of the State Govemment is under consideration.

Subsidy to Handloom Industry

\*782 SHRI S D SOMASUNDA-RAM Will the Minister of INDUSTRY be pleased to lay a statement showing

- (a) the year-wise figures of subsidy given to the handloom industry in the last 10 years; and
- (b) the amount of subsidy proposed to be given during 1978-79?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) Upto the year 1974-75, the Central Government did not have any direct subsidy scheme for the handloom sector. The State Plan contained provision for giving rebate on sale of handloom cloth. The information in respect of State provisions may be available with the respective State Governments. However, the Central Government has been giving subsidy to All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society Ltd., Bombay on sale of handloom cloth. The subsidy paid to the Fabrics Society during the last 10 years is as under:-

| Year    |      |      | Amount<br>(Rs. in lacs) |
|---------|------|------|-------------------------|
| 1967-68 |      |      | 4. 75                   |
| zg68-6g |      |      | 4.75                    |
| 1959-70 |      |      | 5.77                    |
| 1970-71 |      | -    | 4.75                    |
| 1971-72 |      |      | 6.00                    |
| 1972-73 |      |      | 7:30                    |
| 1973-74 |      |      | 8-34                    |
| 1974-75 |      |      | 10.20                   |
| 1975-76 |      |      | 24.85                   |
| 1976-77 |      |      | 16.46                   |
| 1977-78 |      | -    | 26-71                   |
|         | <br> | <br> |                         |

Since the year 1975-76, the Central Government has given the following special robote on the sale of handloom goods and subsidy on Janata Dhoties and Sarios:—

| Year | Amount (Rt. in lacs) Spl rebate on sale of Handloom | Production<br>of Janata<br>Dhoties and<br>Sarces |
|------|---|--|

| 1975-76 (Claims paid<br>during 1976-77) | 224.00 | 157- 00 |
|---|--------|---------|
| 1977-78 (paid during                    | 310.00 | 46 .00  |

(b) An amount of Rs. 11 crores has been provided for payment of subsidy on production of Janata Dhoties and Sarees and special rebate on sale of handloom cloth during the year 1978-79 in the Central Sector of the Plan.

# राष्ट्रीय राजपथ संख्या 28

\*787. श्री रामधारी शास्त्री : नया नीवहृत स्रोर परिवहृत मंत्री यह बताने की छ्या करंगे कि :

- (क) क्या भारत सरकार के राष्ट्रीय राजपय संख्या 28 के डलवां भाग की कौड़ाई 23 फुट होनी चाहिए;
- (क) यदि हो, तो उत्तर प्रदेश के वेवरिया जिले में कसाया के धार्ग सड़क के अंतिम निर्रे के स्थानों का व्यारा क्या है जहां दुसको चीड़ाई केवत 12 मुट हैं; और
- (व) इस भाग की जीवाई 23 कुट कब तक कर दी जाएगी?

सीयहुत प्रोप्त परिवहुत मंत्रालय में प्रसारी राज्य मंत्री (श्री सांव राम): (क्र) में (म). उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमान संज 28 के 42 किज्मील क्रमीयान्य सम्बद्धी-मासेम्मल (बिहार सीमा) का मान जिनकी क्रमीय क्रमीय यूरी सम्बद्धि एक लेन (3°65 30

### Appointments in Neyseti Lignite Corporation

\*789 SHRI A MURUGESAN Wift the Minister of ENERGY be pleased to state

- (a) whether orders issued from time to time by Government of India providing for reservation of appoint ments and prometions in respect of Class III posts and above have not been implemented from the date of issue of orders at Neyveli Lignite Cor noration
  - (b) if so the reasons thereof and
- (c) the action proposed for complying with the orders?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (a) and (b) Orders of the Government of India providing for reservation of appointments and promotions in respect of Class III posts and above have been implemented by the Neyvels Lignite Corporation Limited within the minimum possible time after receipt of the orders by the Corporation

#### (c) Does not arise

#### Disparity in Pay Scales of Hindi English translators

\*790 SHRI RAJKESHAR SINGH Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether there is disparity in the pay scales of Hindi English Translators posted in various Ministries and autonomous bodies,
- (b) whether variation in scales 15 not linked with the mode of recruitment minimum educational qualifica-

tions experience and daily quota al lotted to the Translators

- (c) the details of the pay scales of Translators in each Ministry/autonomous body together with minimum educationat qualifications and quan tum of daily quota allotted to them, and
- (d) the steps being taken to remove the disparity in pay scales and daily quota allotted to the Translators in each Bilinstry/autonomous body?

THE MINISTER OF HOME AF-FAIRS (SHRI CHARAN SINGH) (a) to (d) For want of a common cadre different Ministries etc. had been creating the posts of Translators ac cording to their requirements and selfprescribed criterion There was. therefore no uniformity in the terms and rules relating to these posts. To remove this disparity, a Cadre namely, the Central Secretariate Official Language Service is being created which will bring uniformity in the terms and rules relating to all these posts well not be possible to include the posts of autonomous bodies in this Cadre, but these bodies will certainly get guidance from the rules evolved by the Cadre in this regard

The information regarding payscales prescribed minimum educational qualifications and quota of daily work allotted in respect of different Ministries and autonomous bodies is not available at present.

## Shoritall in production of TV sets

\*785 SHRI MADHAVRAO SCIN-DIA Will the Minister of ELECTRO

NICS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that there has been shortfall in the manufacture of T.V. sets during the year 1977-78;
- (b) if so, whether it is also a fact that the shortfall is due to imposition of price restrictions by Government; and
- (c) if so, the reaction of Government thereto?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI); (a) No, Sir,

(b) and (c). Do not wise.

# नई दिल्ली में हथकरघा प्रदर्शनी

\*796. श्री केशवरात घोंडगे: क्या उद्योग मंत्री निम्नतिखित जानकारी दर्जाने बाला एक विवरण सभा पटल पर रखने की क्या करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि प्रमति मैदान नई दिल्ली में हथकरषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था:
- (ख) उसमें भाग लेने वाले राज्यों के नाम क्या हैं;
- (ग) इस उपेश्य के लिए वहां पर राज्यों को स्नावंटित स्थानों के लिए कितना किराया लिया गया ; श्रीर
- (घ) इस प्रदर्शनी में कितने मूल्य का सामान बेचा गया ?

उद्योग मंत्री (श्री बार्ज फर्यानडिस) = (क) जी, हां। (ख) आरक्ष प्रदेश, धासाम, बिहार, बुजरांत, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिस्ली, मार्गपुर और पास्टिक्से । इन के ब्रांतिएकत हैंटलूम हाउस ने भी वाजार में भाग निवा ।

42

- (ग) हैण्डलूम हाउस को मिलाकर 3.36.175 रुपये।
- (ध) 59.98 लाख रुपये (ग्रन्तिम आंकडे )

## Installation of a Powerful Broadcasting Station at Nagpur

\*797. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state;

- (a) whether there is a long standing demand from the people of Nagpur to instal a more powerful broadcasting station at Nagpur and to set up a broadcasting station at Akola Amraoti;
- (b) if so, the details of such proposals made so far;
- (c) the reasons for not installing a powerful station at Nagpur and setting up broadcasting station at Akola/Amraoti; and
- (d) by what time the proposals will materialise?

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) and (b). The Nagpur station of AIR is already equipped with a 100 KW MW transmitter and there has been no demand for a more powerful transmitter there. However there have been requests for the setting up of a broadcasting station at Akola/Amraoti

- (c) Nagpur is already a powerful station with a high power transmitter Akola and Amraoti are within the primary service range of the ex sting AIR stations in the State
  - (d) Does not arise

उत्तर प्रदेश द्वारा विद्युत परियोजनामी के लिए मागी गई वित्तीय सहायता

\*798 श्रीकिरगीप्रसाद व्य ऊर्जीमतीयह बताने की कृपा वरेगे वि

(क) उत्तर प्रदण सन्कार न गत तीत वर्षों म किन किन विद्युत परिवास्त्राधा क निए कंद्रीय वित्तीय महास्ता मागी और प्रस्थक परियाजना के तिए वित्ता राशि मागी है

(ख) उस पर सरकार की क्या प्रति किया है और

(ग) उन्हें परियाजनामा म दितनी प्रगति हुई है ?

कर्ता मत्री (श्री पो॰ रामव दन)
(न) श्रीर (व) राज्य वे साधनी ता गम्मीर
स्थित को ध्यान म रखते हुए उत्तर प्रदेश
फररार न १९७६-७० महत्त्वत वरण्यक्र
के लिए प्रतिरिक्त निश्चिया मानी वा । 1
1975-76 ने दौरान धियम माना महास्था
क रूप म निम्नीलियत ने द्रीय महास्था प्रदान
की गई थी

(1) मानरा मानो ४ ७५ वराण्डल वधा गढशाल ऋषिकेश (४ २५ वराड चिल्ला जल विद्युत र० विमाचित परिधाजनामा म किए गए) त्रेजी लाने के लिए (2) 1973-74 में 2 08 कराड रू० झावरा चरण 2 झोर 3 के सिवित कार्यों पर किए गुण्ड्यय की प्रति

1976-77 तथा 1977-78 के दौरान उत्तर प्रदेश में विधिन्द विजुत परि-याजनाधा वे सिए कडीय वितीय सहायता व सिए कडी विषय धनुराध नही वियागया या।

पृति वे लिए।

(ग) 1975-76 मंजिन परियाजनामा ने लिए सहायता दो गई भी उनका चालू बरने ना बायकम नीचे दिया गया है —

> मावरा साप विद्युत के द्र विस्तार— करण=2 (3×200)

पहला यूनिट-चालू विया जा चूक हैं। इसरा युनिट - 1978-79

.. तीसरा यूनिट- 1979-80

 ग्रावरा ताप विद्युत के द्र विस्तार— चरण-3

(2×200) ~ 1980-81

3 मानेरा भालो चरण-2

(3×30)पहली भीर दूसरी यूनिट -1981-82

तीमरी यूनिट - 1982-83

4 गढबाल ऋषिकेश चिल्मा (4×36) पहना यूनिट – 1980-81

शप यूनिटें (3) - 1981-82

## Sub-Committee for Mechanisation of Coir Industry

45

- \*769. SHRI VAYALAF RAVI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that Coir Board appointed a Sub-Committee to enquire into whole episode of mechanisation of coir industry;
  - (b) if so, what are the findings; and
- (c) whether the Secretary of Coir Board admitted that he made mistake

of registering the unit?

- THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) A sub-committee was appointed by the Coir Board for the limited purpose of enquiring into an isolated case of grant of registration to a mechanised unit.
- (b) The sub-committee came to the conclusion that fur ther investigations were necessary to determize whether there was tampering of evidence in the original application. If was also of the opinion that if the original application contained information that the concerned factory would be producing mats, then two officials of the Board had committed serious dereliction of duty.
- (c) The statement of the Secretary, Coir Board, indicates that the unit was registered under the belief that the powerlooms would be used only for producing mattings and not mats.

#### Work of Second Mine Cut at Neyveli Project

\*800. SHRI P. RAJAGOPAL NAI-DU: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

- (a) whether the work of Second mine cut at Neyveli Project has commenced;
- (b) what is the estimate of the above work; and
- (c) the time by which it will becompleted?
- THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) Preliminary work for opening of second mine cut, which was approved by the Government on 22nd February, 1978, has commenced.
  - (b) Rs. 144.47 crores.

### (c) July, 1982.

स्राकाशवाणी तथा इरदर्शन में प्रोडयूक्तों और स्टाक स्राटिस्टों के पदों पर नियुषित के लिए स्रमुक्षित जातियों तथा प्रमुक्ष्मित जनजातियों के लिए स्रारक्षण

7320. श्री टी० एस० नेगी: वया सूचना और प्रसारण मंत्री 8 मार्च, 1978 के ताशिकित प्रका संस्था 223 के उत्तर के संबंध में यह बताने की क्या करेंगे कि:

- (क) क्या उपरोक्त प्रक्रम के उत्तर में निर्दिष्ट सभी प्रोह्यूक्तरों ने प्रोह्यूक्तरों के रूप में 8 दर्प की ध्वधि पूरी कर ली है अथवा सहायक प्रोह्यूक्त के रूप में उनके कर्म को अवधि को भी इसमें जोड़ा गया है;
- (ख) क्या उपरोक्त प्रश्त में निर्दिट सभी व्यक्ति 1 जनवरी, 1974 को प्रोड्यूसरी के रूप में कार्य कर रहे थे;

47 Written Answers APRIL 19, 1978 Written Answers (ग) यदि नहीं, तो उपराक्त प्रश्न के की मेबापरी कर ली है, वे नाम नलम्न उत्तर में उनके नाम शामिल करने के क्या विवरण में दिए गए हैं। इन 50 प्रोड्यूसरी नाम्ण है , ग्रोर में में बोई भी प्रोहमूसर धनुसुचित जाति (म) क्या मरकार उन प्राड्यूनर। के या ग्रनुमूचित जनजाति का नही है। नाम बनायेगी जिन्हाने प्राड्येंमरी के पद पर विदरण थाठ वर्ष को सवधि पूरी कर सी है तथा उनमे बनाचित जातिया तया बनग्रीचन जन-जातिया के कितने व्यक्ति हैं ? सुचना ग्रीर प्रसारण मत्री (थी लान कृत्य ग्रावाणी): (क) में (ग) 8 मार्चे, त्रम म० 1978 के ताराहित प्रश्न मस्या 223 के

1

मान (क) के उत्तर में यह कहा गया था ſ₹ "ग्रनागवाणी म 125 मीर दर-दर्गन मे 31 ग्रानागदाणी मे महायर बार्युपर घौर

> प्राइयमर भो પ્રેનો

रा एक धप्रैल, मै दिलय कर दिया गया दा। ग्रन भारतशबादी म बधित मुचना मे ऐमे प्रीड्यूमर महायक गामिल हैं जिन्हाने सहायक प्राडपमर ग्रीर प्राडवसर दाना के स्प्रमि 8 वर्षकी

मन्दिलित नेवा पुरी कर लो है। " उपराक्त में यह स्थय्ट है कि ग्राकाशवाणी में सबधित सूचना में ऐसे प्रोइसूसर भी शामिल

पुरी कर ली है। उसम यह भी बताया गया या कि सहायक प्रोड्यूरर ब्रीर प्राडयूसर नी श्रेणी ना । प्रयेत, 1974 ने विल**ब** नर दिया गया या । (म) उन 50 प्रीड्युमरी—47 ग्रासाग-

ये जिन्होंने सहायक प्रोड्यूनर ग्रीर प्राड्यूनर

्दाना के रूप में 8 वर्ष की सम्मिसित सेवा

जिन प्राइयुसरों ने 1-3-1978 की 8 वर्ष की मेवा पूरो कर ती है, उनकी मूत्री 1 ब्रोडयमर और नेन्द्र का नाम

2

48

1 श्री बी० धार० रेणु, हैदराबाद 2. श्री बी० ही० महगूतकर, पुणे 3 श्री रिमक लाल भोजक, ग्रहमदाबदि

< श्री रसेश चौधरी, महास इ. क. मर्रावस्य दवे, वर्भवारी प्रशिक्षण मम्बान (दार्वत्रम) कु० बुलबुल संग्कार, कलकत्ता

7 श्री एन बी ० प्रमाद राव, हैदराबाद श्री बी॰ दारेस्वामी, घायगर वगनीर 9 श्री एस० के० रे०, कृसियाग 10 श्रीमनी मुनन्दिनी इपे, हैदराबाद

11 श्री सिन्त कुमार शास्त्री, महमदाबाद 12 श्री बी० पी० कीशिक, जलन्धर 13 श्रीमनी विद्या चिमनी देवी, पटना 14 थी जी० दे० कौत, दिल्ली

15 कु० कीशत्या मायुर, दिल्ती 16 श्रीएच० एम० देशी, जनन्यर

17 थी पी० वी ग्रक्तिलदम, मदास 18 थी वसल स्वाली, बगलीर

19. थी प्राण किशोर, थीनगर 20 श्री पुश्चर भान, श्रीनगर 21 थी बी० जी० भसाती, ग्रहमदाबाद

वाणी में ग्रीर 3 दूर दर्शन में —जिन्हींने 1 मार्च, 1978 को केवल प्रोड्युमर के रूप में 8 वर्ष

 श्री वी० सी० थ्रोझा, समाचार सेवा प्रभाग

23. श्री रिफत सरोश, दिल्ली

24. थी एस० एस० मिश्र, जलन्धर

25. थी विष्णु भारहाज, जम्मू

26. श्री एस० शरत, दिल्ली

-49

27. श्री एम० जे० राव. हैदराबाद

28. श्री बोलेस्ती बेंकटेशवर्ल, विजयबाड़ा

29. श्री जे० एल० भइ. दिल्ली

30. श्री य० टी० विवेदी, राजकोट

31. श्री रमेंश नादकर्गी, बम्बई

32. श्री एस० ग्रार० गोपालन नायर, **विवेश्दम** 

33. श्री एम॰ एम॰ गोलवलकर, युवे 34. श्री भूवनेश्वर मिश्र, विचिध भारती सेवा

35. थी बालक राम नागर, दिल्ली

श्रीमती मुशीला एस० नायक, धारवाङ्

37. श्री बाल क्उटरकर, धम्बई

38. श्री मजददीद निवाजी, लखनक

39. थी प्रनवर खान, विदेश सेवा प्रभाग

40. श्री घ्ररण समबाह, गोहाटी

41. श्री बी० बी० जुलकर्णी, पुत्रे

42. श्री पी० राधाकृष्णन, विच्र

43. श्रीपी० एन० पर्नुरामन, जिच्र 44. श्री भार० एन० शबस्थी, आकामवाणी

महानिवेगः लय

45. थी विन्हों रस्तोगी, इलाहाबाद 46. थीं ग्रार० के० माहेश्वरी, दिल्ती

47. श्री जसदेव सिह

# दुरदर्शन

48. श्रीमती नैना देवी, प्रोड्युसर सलाहकार थी स्वदेश कुमार, प्रोड्युसर ग्रेड-2

50. श्री एच० एन० एम० एंडला

Promotion of Employees of J.C.B.

Press

7321. SHRI CHATURBHUJ: SHRI MAHI LAL:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state;

(a) whether, in accordance with the presen: recruitment rules of the emplovees of Reading department J.C.B. Press providing for cent percent departmental promotion, the Readers Grade II and copyholders working in J.C.B Press are proposed to be appointed/promoted to the posts of Reader Grade I and copyholder in photo litho branci, of this department; and

# (b) I so, by what time?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and (b). No, Sir. In J.C.B. there is a Letter Press and also a Photo-Litho Press. There are Reading Departments in both the Presses. The posts in the Reading Department of both the Presses are those of Readers Grade L Readers Grade II and Cony Holders. The pay scales of Readers Grade I and Copy Holders in the Letter Press were lower than those in the Photo-Litho Press. The anomaly has now been removed by bringing the pay scales of these officials in the Letter Press to the level of pay scales for them in the Photo-Litho Press with the issue of Government letter on Inter-changeability 15-4-1978. appointments between the two Presses is not permissible as per the existing Recruitment Rules, Promotion to the post of Reader Grade I in the Photo-Litho Press is from Readers Grade II with three years' service in the grade whereas for promotion to Reader Grade I in the Letter Press there are two sources: - 33.1/3 per cent Readers Grade II (with three years' service in the grade) and 66.2/3 per cent from Technical Clerks (U.D.). Besides, for promotion to Reader Grade I in the Photo-Litho Press all eligible candidates will be required to qualify in the trade test whereas for promotion to Reader Grade I in the Letter Press, there is no such stipulation. The organisational pattern in the Photo-Litho Press and the Letter Press is such that inter-changeability of officials of the various branches, including Reading Branch of the two Presses, is not feasible.

### खादी भवन क्मेंबारी सब के साथ समझौता

7322 श्री राम नरेश कुराबाहा : नया उद्योग मही यह बताने की हपा वरेगे कि

- (त) वया खादी आयाग ने अध्यक्ष ने 14 दिसम्बर 1977नाखादीभवन तमंचारी अध ने साथ काई समझौता किंग है ,
- (ख) कौत-कौत सी मार्गे जायज घाषित को गई है।मानी गई हैं। बीर उन्हें कब तक पूरा कर दिया जायेगा ?

उद्योग मजातम मे राज्य मंत्री (श्रीमनी ग्रामा मतती) ( (र) मीर (रा) वर्षकारी मय न द्यादी एवं धानोद्योग प्रायाण का एक मात्र पत्र प्रसुद्ध दिखा के न मात्री पर द्यादा एवं प्रामाद्योग झंग ने प्रप्रद्धा के मात्र विवार विमर्श भी निवा है। दन्तेवारिया की मार्गे धामा ने निवाराधीन है।

## Charges in Industrialisation

7325 SHRI D B CHANDRE GOW-DA Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether Government are considering a series of administrative and other measures necessitating policy changes to effect revolution ary changes in the industrialisation of the country.
- (b) whether most of these changes are likely to be effected in the public sector, and
- (c) if so what are the details of the measures Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (2) Govern ment had constituted a Study Group to examine the working of the Industries (Development and Regulation) Act and related policies and procedures and to make recommendations for removing impediments if any, to rapid industrial growth. This Study Group had submitted its report to Government. A Statement of the Government's decisions on the recommendations made by the Study Group was laid on the Table of the Lok Sabha on 31-3-1978. Necessary instructions are being issued to all concerned giving effect to the decisions of the Government.

(b) and (c) Government's policy towards public sector has already been clarified in para 21 of the Statement on Industrial Policy laid before the Lok Sabha by the Minister of Industry on 23rd December, 1977

### Application for Licence for Newsprint Factory, Orissa

7326 SHRI SARAT KAR Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether any application for an industrial hecate has been received for setting up a new-print factory in the State of Orissa and
- (b) if so, what are the d\*tails thereof and what decision Government have taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) No Sur

(b) Does not arise

### Construction of Hydro Electric Power Projects at Salal

7327 SHRI R K. MHALGI Will the Minister of ENERGY be pleased

(a) the progress made so far under a bilateral discussion o-tween India and Pakistan regarding the dispute of construction of Hydro Electine Power project on the river Chenah at Salal and

(b) what steps are being taken to resolve the matter as early as possible so as to serve the delay in development?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) and (b). An Agreement between the two countries has since been reached.

Price raised by Tyre Manufacturers of Tubes and Tyres

7328. SHRI K. A. RAJAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the tyre manufacturers have raised the prices of all types of tyres and tubes recently:
- (b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto:
- (c) the price of various types of tyres during the last three years as also at present:
- (d) whether the Minister had called a meeting of the tyre menufacturers in March to discuss the problems of tyre industry; and
- (e) if so, the details and the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATT ABHA MAITT): (a) The tyre manufacturers have raised the prices of various categories of automobile tyres and tubes in the last week of March, 1978.

(b) The increase in price is roughly 10 per cent for rayon tyres, 2.5 per cent for nylon tyres and 2.5 per cent for tubes. There is no statutory control on prices of automobile tyres and tubes. Government is however, keeping a watch on the situation.

- (c) A statement showing the wolesale prices of automobile tyres for the period from 1st January 1975 to March 1978 is attached,
- (d) A meeting with the representatives of tyre industry was held on 14th March 1978 wherein the problems faced by the automobile tyre industry were discussed.
- (e) The representatives of the tyreindustry pleaded for assistance tomake the various tyre units financially viable and made the following suggestions to meet the situation:—
  - 1. (a) Assistance in boosting exports of tyres and tubes:
- (b) Assistance in meeting the longterm credit requirements for exports:
  - (c) Improvement in procedures. such as the duty drawback scheme:
  - Stimulate the demand for the industry's products principally in respect of truck tyres by assisting the Road Transport Industry to expand.
  - Institute a deferred system of the actual time of payment of excise duty on tyres/tubes by at least sixty days from their movement. from the factory.

These issues are under examination.

| ١      |   |                 |                            | Statement                  | hent                               |                                    |                            |                          |                            |                           |                    | :55            |
|--------|---|-----------------|----------------------------|----------------------------|------------------------------------|------------------------------------|----------------------------|--------------------------|----------------------------|---------------------------|--------------------|----------------|
| -      | Name of the commodity and specification   | C <sub>DH</sub> | 1-1-75<br>to<br>7 3 75     | 8 3-75<br>to<br>5-3 76     | 6-8-76/<br>11-3-76<br>10<br>6-8-76 | 78-76<br>14-8-76<br>10<br>14-12-76 | 15-12-76<br>to<br>4-2-77   | 5-3-77<br>to<br>31-10-77 | 12-11-77<br>to<br>22-12-77 | 23-12-77<br>to<br>10-3 78 | 11-3-78/           | 5 Wri          |
|        |   |                 | 6                          | 4                          | s                                  | 9                                  | ,                          | 8                        | 6                          | 2                         | <br> <br>          | tien An        |
| Gr. 7. | res<br>r Covera 6 70-15 6 ply Black rating  | Oue             | a72 80                     | 99<br>99                   | og 99a                             | 99 y                               | 9) 9)3                     | TYRES                    | TYRES GAR TYRES            | S2 93                     | H. S.              | swers          |
| 5 n +  | 5 9015  | One<br>One      | 199 95<br>172 05<br>189 10 | 195 30<br>168 95<br>186 00 | 195 30<br>168 95<br>186 00         | 195 30<br>168 95<br>1EG 00         | 155 30<br>168 85<br>186 00 |                          | 181 35<br>186 00           |                           | •                  | APRIL 19, 1978 |
| ne,    | Gameover Boost-12 Hypeurg HWioyingPLY Gameover open-12 Hypeurg HW 113HW 105 MOTOR CA OF ENCOTT HYPELS | One             | 976 50                     | 1049 35<br>1205 90         | 1049 33 1                          | 1205 30 1                          | 1018 35<br>1018 35         | 1018 35<br>1215 50       | 1018 35<br>1215 to         | 1018 35<br>1205 50        | 1018 35<br>1246 23 | Written Answ   |
|        | Scott cover 3 50-10 4   | One             | 67 50                      | 97 50<br>(6 25             | 97 50                              | 97 50                              | 97 50<br>(6 23             | 97.50                    | 97 50<br>C6 25             | 97 50                     | 98 48              | ers 56         |

g

Ç 2

### Clearance of freegation Projects in Guiarat

7329 SHRI PRASANNEHAI MEH TA Will the Minister of PLANNING be pleased to state

- (a) whether Planning Commission has not so far cleared the Hiran and Kabutari medium irrigation projects in Gujarat
- (b) if so the man reasons for the delay
- (c) the total cost of expenditure involved in these two projects
- (d) to what extent the Conire will help the State Gove ament in completing these two projects and
- (e) to what extent these projects will benefit the people?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) The Planning Commission has already cleared the Hiran (Stage II) and Kahutari Medium Irrigation Projects in Gujarat on 16 3 1978

- (b) Does not arise
- (c) The estimated cost of these projects is as under —
  - (i) Hiran Project Rs 44837 lakhs
  - (ii) Kabutari Irri gation Project Hs 11355 lakhs
- (d) Central assistance is given for the State Plan as a whole and not for different schemes/projects The Cen tre may also assist the projects through the Department of Irrigation/Central Water Commission in regard to tech nical matters on request from the State Authorities
- (e) The Hiran (Stage II) Irrigation Project commands a culturable area of 5510 hectares in Junagadh District and would provide urigation supplies annually to 7151 hectares comprising Kharif, rabi and two seasonal crops

The Kahutari Irrigation Project commands a culturable area of 1818 bectares in Panch Mahals District and would provide irrigation supplies an nually to 1753 hectares comprising kharif rabi two-seasonal crops

Training of Sub-Inspectors of Police In

7330 SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA

> SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

SHRIG M BANATWALLA

Will the Minister of HOME AF-

FAIRS be pleased to state

(a) whether it is a fact that after

direct selection as Sub-Inspector of Police in Delhi Police these new recruited officers are given police training in Delhi

- (b) whether any criteria has been laid down for the training of Police officers for Deihl Police when this organisation was set up and if so whether any changes were mide later on and it so which, and
- (c) whether it is also a fa t that the persons who are promoted as SI by Seniority/Examination from among junior staff are being sent for training at Phillaur (Punjab)?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) Yes Sur

(b) The criteria for training of police personnel of various ranks in the Delhi Police is contained in (Chapter XIX of) the Punjab Police Rules 1934 as extended to the Union territory of Delhi Subsequently modifications were made on the basis of Khodal Commission's recommendations. The Punjab Police Rules 19 25 (2) (3) and (4) concerning the training of upper sub ordinates was amended on 7669 Recently on 64 1978 Punjab Police.

Rules 13.7 concerning promotion tests to the ranks of Head Constables was also amended.

(c) Yes. Sir.

## Shifting the Raniganj Group of Refractories to Steel and Mines

- 7331, SHRI ROBIN SEN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether Industry Ministry has received a recommendation from Government of West Bengal to shift the Raniganj group of Refractories to Steel Ministry as its captive Industry;
- (b) whether the recommendation has been accepted by the Industry Ministry and agreed by the Stoel Ministry; and
- (e) if so how long it will take to formalise the shift of the above industry in the Steel Ministry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The proposal is under consideration and it is expected a decision will be taken soon.

### Appointment to Cameramen for Doordarshan Kendra, Srinngar

- 7332. SHRI AHMED M. PATEL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:
- (a) whether interview for the post of Cameramen Grade II for Srinagar. Doordorshan Kendra were held on 25th April. 1977 and selection made of cight candidates for porting egainst nine vacancies, but till now no appointment is given to any selected candidate;
- (b) whether till now Casual Cameramen are being engaged against the vacancies while selected candidates are still waiting for appointment;

- appointment to selected candidates and engaging casual cameramen against vacancies; and
  - (d) the full details in the matter?

(c) if so, the reasons for not giving

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (d). Interviews for the post of Cameramen Grade II for Doordarshan Kendra, Srinagar were held on 25th April, 1917 and the Selection Committee recommended the names of eight candidates for appointment, Subsequently, on receipt of certain complaints against the selection made, the matter was investigated. It has now been decided that this selection should be quashed and fresh selection made by a new Selection Committee. Meanwhile, in order to carry on the work of the Doordarshan Kendra, cameramen are neing engaged on a casual basis.

Profit by S.C., in 1973-74 to 1976-77 and loss in 1977-78

7333. SHRI DHARMASINH BHAI PATEL:

SHRI JYOTIRMOY BOSU:

- Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:
- (a) the net profit earned and turn over made, each year, by Shipping Corporation of Iudia during 1973-74 to 1976-77;
- (b) whether the Corporation is likely to suffer loss to the extent of Rs. 20 crores during 1911-78, if so, the reasons therefor and the turn over made during this year;
- (c) the reasons for decline in profit each year and continuous losses thereafter; and
- (d) the steps proposed to be taken to check the losses?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) AND

(It's in crores) 1973 74 1974 75 1975 76 1976-77 Turnover (Gross Larnings) 252 78 125 55 194 80 218 08 Net Profit 13 91 33 01 9 73 3 65

- (b) Since the accounts for 1977-78 have not yet been finalised and audited the extent of loss and the turn over are not yet known
- (c) The main reason for the decline m profit and anticipated loss is the acute depression in the freight rates world over In addition, the SCI has been entrusted with promotional services and passenger services for Andoman and Lakshadu eep
- (d) All possible measures are being taken to control costs and to monitor operations to improve the operational efficiency of the vessels Steps are also being taken to reduce administratice/management expenses to the extent possible

### Proposal to Annex Land of Airwal and Lutgles Districts by Mizoram

7334 DR R ROTHUAMA Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether he is aware of the fact that Mizoram Government propose to annex vast areas of land of Annval and Lungler districts comprising five villages-Lal Sawral, Sesawm, Hmun, Pukzing inhabited by Mizos to Chakma district causing tense situation over the disputed areas,
- (b) whether Government propose to inquire into the matter and issue imme. diate instruction to the State Government not to implement the proposal since any dispute over land is a matter to be decided entirely by the respective village councils, and
- (c) if so, the ste, s take 1 or propo ed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANTK LAL MANDAL) (a) No. Sir.

Written Answers

(b) and (c) Do not arise

### मत्रीको प्राप्त पत्रों की सहया

7335 भी दयाराम शास्य : वया यह मनो यह बताने को कृपा करेगे कि .

- (र) 1 जून, 1977 में 31 जनवरी 1978 की संबंधि के दौरान मंत्री महोदय का समद सदस्यों से कितने पत्र प्राप्त हुए भीर उन्हें किसने पतो के उत्तर किंद्र तर्थ बौर क्तिने पत्न ऐसे हैं जिनके उत्तर नही टियें गये. मीर
- (व) भविष्य म सभी ससद मदस्यो को भीध उत्तर देन के लिए सरकार का क्यो नार्ववाही करने का मस्ताव है ?

गृह महातय में राज्य मही (श्री धरिकः तात मण्डल) (क) स्थिति इस प्रकार है

> प्राप्त पत्नो की महया 2929 चेथित उत्तरों की संख्या 2261

भेष ६६३ पता में से ४४ पत्र संवधित मतालयो/विभागो का मावस्यर कार्यवाही हेत् भेज दिये गर्व थे तथा 116 पत्र ऐसे मामला से सर्वाधन य जिन में उत्तर देने की प्रावश्यकता नहीं थीं। 508 लम्बिन पर्व राज्य सरकारी के साथ पत्र व्यवहार/जाच की विभिन्न यवस्याधा **में** है तथा उनना ययाणीघर निपटान कर दिया जायेगा।

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए कि संसद सदस्यों से प्राप्त पत्नों पर तत्परता से कार्रचाई की जाये तथा उनकी उत्तर दिए आएं. पर्याप्त अनुदेश पहले ही विद्यमान हैं। किन्तु इस विचार से कि अधिकारी ऐसे पद्धों का निपटान करने के लिए कड़ी नियरानी रखे इन अनुदेशों की पुनरावृत्ति की मई

65

Promotion for the Assistant Examiners in the MI Directorate

7336, SHRI K. LAKKAPPA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to the reply to the Unstarred Question No. 2087 dated the 29th June, 1977 and state:

- (a) as to what steps have so far been taken to remove stagnation and create better evenues of promotion for the Assistant Examiners and Examiners working in the MI Directorate of Army Headquarters so far:
- (b) the number of assistant examiners working in that directorate who have been promoted or given better jobs as a result thereof; and
- (c) if reply to (a) be in the negative, reasons for delay and when a final decision is likely to be taken?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) The recruitment rules for the post of Examiner in MI Dte have been revised recently to provide that the post will be filled 100 per cent by promotion from Assistant Examiners having proficiency in the language concerned. The rules already provided for the posts of Supervisory Examiners to be filled 100 per cent by promotion from Examiners.

(b) Previously the post of Examiner was to be filled 75 per cent by direct recruitment and 25 per cent by promotion from Assistant Examiner, During the last 10 years, 6 Assistant Examiners were promoted as Examiners

against the Departmental quota of 25 per cent. Two posts of Supervisory Examiners have been filled by promotion from the post of Examiners during the same period,

(c) Does not arise.

मध्य प्रदेश में फागज के संयंत्रों की स्थापता

7337. श्री सुद्धेन्द्र सिंह : दया उद्योग मंत्री यह बताने को क्या करेंगेकि :

- (क) क्या केन्द्रीय सरकार को मध्य प्रदेश सरकार से राज्य में कागल के संयंत्रों की स्यापना के लिये कोई प्रस्तान प्राप्त हमा है: और
- (ख) यदि हां, तो इस बारे में स्पीरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (भीमती द्याभार मयती): (क) भीर (ख). मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के वन साधनों का उपयोग करने के लिए 1,20,000 दन की क्षमता वाली एक कागज परियोजना स्थापित करने की बांछनीयता भारत सरकार को बताई है। किन्तु व सो कोई विस्तृत प्रस्ताव ही प्राप्त हवा है और न बाज्य पत्र के लिए कोई बावेदन ही दिया गया है।

फिर मी मध्य प्रदेश सरकार धौद्योगिक विकास प्राधिकरण (विश्व वैक से सम्बद्ध) की सहायता से लकड़ी परिष्करण उद्योग पर आधारित बस्तर जिले के औद्योगिक विकास के लिए एक संभाव्यता भ्रध्ययन करवा रही है।

Sale of Arms and Ammunitions

7338. SHRI SUKHDEV PRASAD VERMA: Will the Minister of DEF-ENCE be pleased to refer to the reply given to the Unstarred Question No 1148 dated the 1st March, 1978 regarding sale of arms and ammunitions to various firms and state

- (a) why the enquiry could not be completed despite passage of more than five years and who are the authorities concerned for neglecting the completion of enquiry so long,
- (b) what further action is being contemplated to see the completion of the same within quickest possible time and to bring the culprits to book.
- (c) whether it is also a fact that the detection was not made in the normal course of duties performed by Accounts Staff during 1973 when the first incldent occurred as early as in 1970, and
- (d) who was the person who detected all these cases during 1973 and the desirability of giving rewards to persome concerned for their extra-ordinary capabilities\*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (PROF SHER SINGH), (a) and (b) The mvestigation is being conducted by Semor Superintendent of Police Juliundue who has been periodically reminded in this regard. It is further being taken up with Ministry of Home Affairs to get the investigation expedited.

(c) and (d) No Sir As stated in reply to Question No 1148 dated 13 1978, the cases came to light during normal course of duties perform ed by Accounts Staff of Controller of Defence Accounts and there is hardly any case for any reward being given to any official

### Complaints regarding DTC Service from Residents of Paschim. muri

7339 SHRI SURAJ BHAN Will the Minister of SHIPPING AND TRANS-PORT be pleased to state

(a) whether the DTC authorities have received any complaints written or serbal from the residents of Paschimpuri New Delhi, a DDA colony on Rohtak Road, against Inadequate and irregular DTC service.

Written Answers

- (b) whether an assurance was also given by the DTC authorities to the residents representatives on the 7th February, 1978 to divert the present bus route by shortest possible route to enable them to reach the Kendriya Terminal first or in its absence to protide 3/4 buses, as heretofore, for morning/evening to clear the Central terminai rush and vice versa and
- (c) if so what steps are being taken to improve the situation"

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) Yes, Sir

- (b) The Corporation assured the representatives of the colony that the suggestion made by them would be examined.
- (a) Necessary steps are being taken by the Corporation to provide regular and punctual bus services to and from Paschimpuri. Possibilities of reducing the length of route between Paschimpun and Central Secti are also being examined by the Corporation

Super Thermal Plant in Western Region

734D SHEE YASHWANT BOROLE. Will the Minister of ENERGY be pleased to state

- (a) whether a super thermal plant to meet the power needs of the States in the western region bas been approved by Government
- (b) if so the location where it will be set up, and
- (c) what will be the Maharashtra;

ahare of power from there"

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (2) to (c). Yes, Sir. Government approval has been accorded for setting up of a pit head Thermal Power Station in the Central sector at Korha in Bilaspur District of Madhya Pradesh with · a first stage installation of 1100 MW. The station will be developed as a regional station for augmenting power availability in the Constituent states/ Union Territories including Maharashtra in the Western Region, Maharashtra is to receive 319 MW of power from the first stage of 1100 MW.

69

### Polyster Yarn Industry

7842. SHRI PRADYUMNA BAL: Will the Minister of INDUSTRY he pleased to state:

- (a) the total production of polyster yarn and number of mills manufacturing polyster fibre yarn textiles and their location:
- (b) the projection of development of this industry in the coming five years;
- (c) whether Government have to issue licence and or permission for

- establishment of polyster unit, if so, how many such licences have been issued during the last five years and to whom and how many of them have established the factories;
- (d) whether any special concession is being given for the establishment of these polyster units in backward States; if so, what are they; and
- (e) whether anybody has applied for the location of this industry in Bihar and Orissa and if so, who are they and whether any licence has been issued and if not, when licences will be issued?
- THE MINISTER OF INDUSTRY

  (SHRI GEORGE FERNANDES): (a)

  A statement is attached.
- (h) Integrated policy for textiles is under formulation. The projection of development of man-made fibres/ yarns for the next five years will be a part of the integrated policy.
- (c) Yes, Sir, No industrial licence has been issued for manufacture of polyster fibre during last five years. Letters of intent have, however, been issued for expension of existing units and instellation of new units as below:

| Name of unit                              |       |        |       |      | 6 | From capacity to: | To<br>ines/yrs.) |
|---|-------|--------|-------|------|---|-------------------|------------------|
| r. M/s, Chemicals & Fibres India Ltd.     | ٠.    |        | •     | •    | • | 6,100             | 10,000           |
| 2. M/s. Calico Chemicals & Plastics and I | Fibre | s Limi | ted   |      |   | 6,100             | 12,200           |
| 3. M/s. Indian Organic Chemicals Ltd.     | -     |        |       |      | ٠ | 6,100             | 12,200           |
| 4. M/s. J.K. Synthetics Limited .         |       | •      |       |      |   | 900               | 6,000            |
| 5. M/s. Punjab State Industrial Developm  | ent ( | Corpor | ation | Ltd. |   | -                 | 6,000            |
| 6. M/s, Bongaigaon Refinery Ltd           |       |        |       |      |   |                   | 20,000           |

- None of the above additional capa cities has yet materialised.
- (d) No special concession except those given under IDR Act are available for establishment of polyster fibre units in backward areas.
- (e) Only one party, namely, M/s. Indian Rayon Corporation Limited

had applied for establishing an unit for the manufacture of polyster fibre In the State of Bihar. The application has been rejected because Government has yet to formulate the policy for development of this industry. No application for manufacture in Orissa has been received.

| State          |      |     |         |        |       |      |    |      |   | No. of<br>Mills | Production<br>of blended<br>yarn with<br>Polyster<br>(in ooo kgs.) |
|----------------|------|-----|---------|--------|-------|------|----|------|---|-----------------|--|
| t Andhra Prad  | esà. | -   |         |        | -     | -    | ·- | <br> | _ | 1               | 14   |
| 2 Gujarat (t)  |      |     | abad    |        |       |      |    |      |   | 9               | 134  |
|                |      |     | f Gujar | at     |       |      |    |      |   | 12              | 183  |
| 3 Haryans      |      |     | -       |        |       |      |    |      |   | 4               | 151  |
| 4 Karnataka    |      |     |         |        |       |      |    |      |   | 3               | 16   |
| 5 Kerala       |      |     |         |        |       |      |    |      |   | 1               | 67   |
| 6 Madhya Pra   | dat  | ١.  |         |        |       |      |    |      |   | 3               | <b>3</b> 85  |
| 7 Maharashtra  |      | (a) | Bomba   | у      |       |      |    |      |   | 21              | 495  |
| -              |      | (8) | Rest of | Mah    | ratht | ra.  |    |      |   | 5               | 252  |
| 8 Punjab       |      | ٠.  |         |        |       |      |    |      |   | 4               | 19   |
| 9 Rayanthan    |      |     |         |        |       |      |    |      |   | 7               | ##   |
| 10 Tamil Nadu  |      | (a) | Coamb   | atore  |       |      |    |      |   | 8               | 6€   |
|                |      | (4) | Rest of | Tam    | l Nac | ju . |    |      |   | 8               | 198  |
| 11 Uttar Prade | sh   | (a) | Kanpu   | r .    |       |      |    |      |   | 1               | 15   |
|                |      | (8) | Rate    | e u p. |       |      |    |      |   | 2               | 105  |
| 12 West Benga  | 1    |     |         |        |       |      |    |      |   | 4               | 111  |
| an David       |      |     |         |        |       |      |    | -    |   |                 |  |

Statement

For the calendar year 1977 the production of all types of blended yarn was of the order of 133 million kgs Of these 42 million kg represented the production of blended yarn where polyster is blended either cotton or viscose

## हिन्दी सलाहकार समिति

7343. श्री मुरेन्द्र विकन : न्या परमाण कर्जा मदी मह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) क्या उनके विभाग में दिन्दी समाहकार समिति बनाई गई है, भौर
- (ख) यदि हा, तो उसके सदस्यों के नाम क्या है तया उनमे जिन सदस्यों को राजमाया विभाग की सिफारिशो पर मनोनीत किया गया है उनके नाम नया है तथा उनकी सरमा कितनी है ।

प्रधान मत्री (भी मोरारजी देसाई) : (क) जी, नहीं।

- - (म) यह प्रश्न ही नहीं उडना।

केन्द्रीय जांब ब्युरी को राज्यों द्वारा सौंये गरी मामले

7344. धी हुकम वैव मारावम यादव नवा गह मली यह बताने की कुरा करेगे कि

- (क) विभिन्न राज्य सरकारी द्वारा केन्द्रीय जाच बर्गों को यत सोन वर्गों में जाच के लिए, राज्य-बार, कितने मामने भेने गए ;
  - (ब) उनमें से कितने मामलों में रोप मिद्र हए , घीर
  - (ग) कितने मामलों मे आच परी
  - नहीं की गई भीर जाच को निलम्बित करने के कारण क्या है धौर जाच निसम्यन के धादेश देने वाले अधिकारियों के माम क्या हैं ?

गृह मत्रालय में राज्य मत्री (भी एत॰ की» पाटिल) : (क) से (ग). ए के बित की जा रही है और समापटन पर रख दी जानेगी।

## चारतीय सीमेंट निगन का ग्रसन्तीवजनक कार्यकरण

73

7345 भी नवाद सिंह चौहान : दश उच्चोग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या भारतीय सीमेन्ट नियम का कार्यकरण सन्तीषजनक नहीं है श्रीर सीमेंट के कृतिम अभाव का यही कारण है;
- (ख) क्या भारतीय नौबहुन नियम को तरह किसी सामाजिक कार्यकर्ता को सीमेन्ट नियम का भव्यस नियुक्त किया आवेगा, जिससे इसमें प्रक्षिक कार्य कुशनता लाई जा सके : श्रीर
- (ग) नया सीमेन्ट निगम के वर्तमान दिएठ प्रधिकारियों के स्थान पर प्रथेक्षाकृत प्रधिक सक्षम प्रधिकारियों की नियुक्ति करने का प्रस्ताव है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा मयती) : (क) जी, नहीं ।

(ध) और (ग). सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में ऊंचे पदों की निवृक्तियां पश्चिक एम्टरप्राइतेन रेलिनमा बीठं की परियोक्ता के धन्तर्गत आती है तथा ये सरकारी ज्यान पूरों द्वारा जारी तब्विपयक अनुदेशों ते अधिशासित होती है ।

Use of Brand Name of Razor Blade by a Multinational Firm

7346. SHRI C. K. CHANDRAPPAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to allow a razor blade multinational firm to continue the use of brand name the permission for which expired in February; and

(b) if so, the details and reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY

(SHRIMATI ABHA MAITI): and (b). No multinational firm has been licensed to manufacture safety razor blades in India. However, if the reference is to M/s. Sharpedge Limited, who are inter-connected with M/s. Hindustan Lever Ltd., a multinational firm, it may be stated that the company have applied under the provisions of Trade and Merchandise Marks Act, 1958 to the Registrar of Trade Marks, Ministry of Civil Supplies and Cooperation for the continued use of the Trade Mark "Erasmic" beyond February, 1978, The matter is still under their consideration and no decision has yet been isken.

### Shortage of Power in Tripura

7347. SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

- (a) the total annual estimated requirement of power in Tripura for (i) Industrial, and (ii) Agricultural use and the extent of availability for these purposes and what is the shortfall for each of these sectors.
- (b) whether the scarcity of power in the State is causing great hurdles in the way of industrialisation of the State; and

(c) if so, what steps are being taken to augment the power supply in the State and whether any new thermal or other power station is proposed to be set up therein?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN). (a) and (b). The total requirement of power in Tripura during the year 1978-70 is estimated to be about 31 million units. The requirements of industries and agricultural use are expected to be about 17 per cent and 8 per cent of the total requirement, respectively. The total availability of energy during the year 1978-79 is estimated to be about 27 million units.

Written Answers APRIL 19, 1978 Written Answers

In accordance with the guidelines for rationing of electricity issued by the Department of Power, power supply for agricultural consumption is given first priority There may however be some marginal shortage for industrial use, if it is not possible to meet this demand with the assistance from Assam. Although shortage of power does affect industrialisation of a State. however, there are other factors such as suitable infrastructure; enterpreneur skill, availability of finance, raw materials etc., required for industrialisation

75

- (c) To meet the growing demand of power, the following schemes are either under execution or are proposed
  - 1 The Tripura authorities had made a proposal for augmentation of the storage capacity of the Gumta reservoir to increase the firm energy benefits from the Gumts H.E. Project from 38 million units to 44 million units per year in addition to some secondary energy generation. This proposal is under active consideration of Government
  - 2. The Tripura authorities bave also sent to the Central Electricity Authority (for techno-economic appraisal) a proposal for the installation of a third unit of 5 MW at the Gumti HE Project, There would be no energy contribution from this third unit which is proposed as a standhy.
  - 3 An earlier proposal for installating a 1×10 MW Gas Turbine Power Plant has been technically examined and the State authorities advised to re-submit the scheme after obtaining confirmation respect of availability of gas from the concerned authorities
  - 4 Investigations on some Micro-Hydel Scheme are being carried out.

7348 SHRI VIJAY KUMAR MAL-HOTRA Will the Minister of SHIP-

India's Export Cargo : "

PING AND TRANSPORT be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 2009 on 8th March, 1978 and state:

- (a) the present share of India's ex-
- port Cargo moving to Ports by road as compared to the share of 511 per cent in 1971:
- (b) how many national permits bay been assued so far to facilitate long distance goods traffic by road; and
- (c) what was the share of India's ex port cargo moving to ports by road a the end of the First and Third Five Year Plans respectively?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM1: (a) and (c) information is not available since the relevant statistics are not maintained.

(b) About 6700 national permuts have been granted so far against the total of 8150 such permits specified for the various States and Union Territories

## Kunkan Passenger Service

7349 SHRI BAPUSAHEB PARU-LEKAR. Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to state.

(a) whether a Study Group was set up by the Ministry in August, 1976 to examine in detail the economics of Konkan Passenger service:

- (h) the names of persons included in Study Group and their qualifications.
- (c) whether the Study Group visited any places and travelled by the ships operated by Mogul Lines of Konkan Passenger service; and

(d) all suggestions made by the Study Group?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM); (a) Yes, Sir.

- (b) (1) Shri S. S. Gill, Joint Secretary, Ministry of Shipping and Transport.
- Shri P. V. Nayak, Secretary, Home and Transport, Govt. of Maharashtra,
- (3) Shri V. V. Mongia, Secretary, Labour and Industries, Goa Administration.
- (4) Shri J. G. Saggi, Managing Director, Mogul Lines Ltd.
- (c) The Study Group visited Bombay for meetings but could not travel by the ships as the Konkan Passenger Service was not operating at that time due to monsoons.
- (d) The Study Group made recommendations relating to rationalisation of fare structure, reduction in the deck class fare, introduction of concessional fares for group bookings of students, enhancement free luggage allowance and tighter checking of ticketless travel. They also recommended that the service should commence on 1st October every year and run on 6 days in a week restricting the number of calls 4 (Jaigad/Ratnagiri, Musakazi/ Jaitapur, Vijaydurg, Devgad), the vessels would be insured and the scope for carrying cars and other goods from Bombay to Pansji and bonded goods from Panaji to Bombay should be explored.

Class\_wise Persons working in Underfakings

7350. SHRI SHIV NARAIN SAR-SONIA: Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state:

- (a) the class-wise (I, II, III & IV) total number of persons in each of fol-Undertakings functioning under his Ministry: 1. Cotton Corporation of India Ltd., 2, Hindustan Cables Ltd., 3. Hindustan Paper Corporation Ltd., 4. Hindustan Photofilms Mfg, Co. Ltd. 5. Hindustan Salts Ltd., 6. Instrumentation Ltd., 7. Jute Corporation of India Ltd., 8. Mandya National Paper Milfs Ltd., 9. National Textile Corporation Ltd., 10. Nagaland Paper & Pulp Mills Ltd., 11 National Industrial Development Corporation Ltd, 12. National Instruments Ltd., 13. National Newsprint & Paper Mills Ltd., 14 National Small Industries Corporation Ltd... 15. Sambhar Saits Ltd., 16. Tannery & Footwear Corporation of India Ltd.
- (b) the number of Screduled Castes & Scheduled Tribes in each class and each undertaking separately;
- (c) whether the Government of India's Orders relating to reservation of vacancies are followed in the matter of recruitment and promotion in these Undertakings; and
  - (d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) and (b). A Statement is attached.

(c) and (d). The Government of India's orders on the subject, being followed by the public sector undertakings. Despite their efforts in many cases, the public sector undertakings have not been able to give adequate representation scheduled castes and scheduled tribes, particularly at higher levels. This is reported to be mainly because of the fact that candidates belonging to scheduled castes and scheduled tribes having the requisite qualifications appointment to posts at higher levels, are not unfortunately available adequate numbers. The Chiefs the public sector undertakings have been requested to make special efforts to improve the position.

Class IV Categorned as Group D \* 32,5 1 S Ξ ě ž ş â ě Š SC/ST employees class-wase in the Public Sector Undertakings under the Department of Industrial Development are as under Total Employees 618 0161 ž 3 Z 455 8 Ì = Class III Categorised Group C ST 20 134 33 2 , 488 439 523 윩 ŝ ş 1386 8 ğ Statements ı Ì Ì ì į N Class II Categorned as Group B ST Total Employees 101 Ì 1 Ì Class I Categorated as Group A I S S Caplo) tes 22 5 73 Total Salis Hindustan Cables Hindustan Paper Corporation Ltd 2 Hendustan Photo Films Mfg Co 7 Jule Corporation B Mandya National Paper Mills Ltd 9 National Textile Corporation Ltd Name of the Undertaking 1 Cotton Corporated Indianal Ind 6 Instrumentation 5 Hindustan Larnated . Limited Innited

Written Answers

Written

| Br' | Writte                             | n <b>A</b> nsı   | pers                               | CHAIT                                       | RA 29,  | 1990                     | (SAKA)   | Written Answers | 82 |
|-----|------------------------------------|--|------------------------------------|---|---|--------------------------|--|-----------------|----|
| *   | i                                  | -  | 81                                 | 87  | . 9   | ı                        | 1  |                 |    |
| 13  | 73                                 | Ħ  | 167                                | 315   | 134   | es<br>S                  | 1255   |                 |    |
| =   | 121                                | 98   | 2101                               | 1518  | 563   | 100                      | 2639   |                 |    |
| =   | ı                                  | α  | -                                  | ä   | ۲   | ı                        | -  |                 |    |
| e.  | 78                                 | 23   | 22                                 | 34  | g   | 80                       | g,   |                 |    |
| 6   | 183                                | 139  | 349                                | 999   | 1228  | 501                      | 346  |                 |    |
| =   | l                                  | a  | į                                  | 1   | ı   | ı                        | 1  |                 |    |
| ,   | e.                                 | 2  | 64                                 | 1   | *   | 1                        | -  |                 |    |
| 9   | =                                  | 181  | 45                                 | 193   | 120   |                          | *  |                 |    |
| 5   | . 1                                | *  | į                                  | 1   | 1   | 1                        | 1  |                 |    |
| +   | 9                                  | æ  | 8                                  | !   | e   | -                        |  |                 |    |
| 3   | 53                                 | 111  | ÷                                  | ÷   | 181   | 8                        | G.   |                 |    |
| 7   | m Nagaland Paper & Pulp Mills Lat. | 11 National Indus-<br>trial Develop-<br>ment Conpuration | 12 National Instru-<br>ments f.id. | 13 National News-<br>print & Paper<br>Mills | i National Small<br>fullstries Car-<br>potation | 15 Sambbur Salus<br>Lid. | 16 Tunnery & Root-<br>wear Gornora-<br>tion Lal. |                 |    |

83

## Subsidisation of cost of Road Transport in Assam

7351 SHRI AHMED HUSSAIN Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the Government of Assam has requested the Centre for sanctioning a Scheme for development of a good system of roadways and subsidisation of the cost of road transport and
- (b) whether Government propose to lay a copy of this proposal on the Table alongwith action proposed to be taken in this regard so us to ensure that the Industries in the State do not suffer due to their disadvantageous location?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (3) No such scheme has been received by this Ministry from the State Government

(b) Does not arise

Demonstration by Akalis near Partiament House

7352. SHRI S R. DAMANI WILL the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state-

- (a) the details of the demonstration held by the Akalis on the 22nd March, 1978 near Parliament House leading to police teargassing the procession
  - (b) what were their demands and
  - (c) Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHR: DHANIK LAL MANDAL) (a) About 350/400 Sikhs from Punjab including some students and Harljans, after holding a meeting Gurdwara Bangia Sahib on 22.3 1978. started in a procession On reaching Patel Chowk the processionists diverted from the prescribed route and tried to break through the police cordon in a bid to proceed to Parlia ment House Since prohibitory orders u/s 144 Cr PC were in force, the police had to use tear gas to disperse the demonstrators 182 persons were arrested u/s 188 IPC

(b) and (c) The demands include transfer of Chandigarh and other contiguous Punjabi speaking areas the States of Haryana and Himachal Pradesh to Punjab and certain allied issues Since all these issues are inter-state in character, the Govern ment consider that a satisfactory solution should emerge with the willing cooperation of and consensus among the State Governments concerned.

Shortages in Central Government Employees Consumer Cooperative Society

7353 SHRI D G GAWAI Will the Minister of HOME AFFAIRS be plea sect to state

(a) the amount of shortages found at the quarterly physical verification in each quarter during the last three

years against each incharge of stores run by the Central Government Employees Consumer Cooperative Society Ltd., New Delhi;

- (b) the steps taken to recover the amount of shortages;
- (c) the total amount of shortages to be recovered as on 31st March, 1978; and
- (d) what other action has been taken against the persons for the shortages?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL); (a) A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-2136/781.

- (b) Recoveries are being made from the pay of the concerned persons at the rate of not more than 25 per cent of their pay.
- (c) An amount of Rs. 7,162.00 remains to be recovered out of the shortages mentioned in the statement at (a) above.
- (d) Disciplinary action as provided in the rules has also been taken against the habitual defaulters.

गुजरात

श्रनसुचित जनजातियों के कल्याण के लिए विहार राज्य को नियतन

7354 थी सुरेन्द्र झा सुमन: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) विहार में देश के अन्य राज्यों की तुलना में अनसचित जनजातियों की जनसंख्या कितनी है ; ग्रीर
- (ख) श्रनस्चित जनजातियों के कल्याण के लिये विहार की, प्रत्य राज्यीं को नियत की गयी धनराशियों की तुलना में कितनी धनराशि का नियतन किया गया है ?

मृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनि<sup>क</sup> ताल मण्डल): (क) श्रीर (ख) 1971 की जनगणना के सन्सार विहार और जनजाति 'उप-योजनां श्रों वाले अन्य राज्यों में प्रनुसुचित जनजातियों की जनसंख्या ग्रीर 1978-79 के दीरान जनजाति उप-योजनाओं के वारे में श्राबंटित विशेष केन्द्रीय सहायता की धनराशि का विवरण संलग्न है।

37.34

596.00

## विवरण

| <br>1                          | जनसञ्ज्या<br>2<br>(आंकड़ें लाख में)     | धनराशि ।<br>3   |
|--------------------------------|---|---|
| राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम | प्रमुम्नचित<br>जनजातियों की<br>जनसंख्या | 1978-79 के<br>दौरान प्रावंदित<br>विशेष केन्द्रीय<br>सहायता की |

विहार 49.33 975.00 16.58 253,00 धान्छ प्रदेश 16.07 325,00 ग्रासाम

| Answers    | 83 |
|------------|----|
| E TAMBET & | -  |

| 1                      |       |           |         |   |             | 2     | 3                 |
|------------------------|-------|-----------|---------|---|-------------|-------|-------------------|
| <br>हिमाचल प्रदेश      |       |           |         |   | <del></del> | 1 42  | 130 00            |
| <b>वर्ताटक</b>         |       |           |         |   |             | 2.31  | 24 00             |
| केरल                   |       |           |         |   |             | 2.69  | 18.00             |
| मध्य प्रदेश            |       |           |         |   |             | 83.87 | 1826 00           |
| महाराष्ट्र             |       |           |         |   |             | 29 54 | 397.00            |
| मणिपुर                 |       |           |         |   |             | 3.34  | 177,00            |
| उडीसा                  |       |           |         |   |             | 50.72 | 960,00            |
| राजस्यान               |       |           |         |   |             | 31,26 | 327.00            |
| वामिलनाड्              |       |           |         |   |             | 3 12  | 49 00             |
| ब्रिपुरा               |       |           |         |   |             | 4 51  | 105 00            |
| . ८० ५<br>उत्तर प्रदेश |       | ·         |         |   |             | 1 99  | 17 00             |
| परिचम बनास             | •     |           |         |   |             | 25 33 | 263 00            |
| भण्डमान ग्रीर          | নিকীব | ार द्ववीप | समह     |   |             | 0 18  | 36,00             |
| योषा, दमन ध            |       |           |         |   |             | 0 08  | 22.00             |
| •                      |       |           |         |   |             |       |                   |
|                        |       |           | जोड     | • | •           |       | 6500 00<br>500,00 |
|                        |       |           | रिस्व   | • | •           |       | 200,00            |
|                        |       |           | कुल जोड |   |             |       | 7000 00           |

Disparity in the Pay Scales of Major and Lt. Col.

2355 SHRY RAM CHARAN- Wall the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) whether there is a disparity of Rs. 150/- between the pays of a Major and Lt. Col. on the basis of the recommendation of the Third Pay Commission.

- (b) whether it is a fact that a Major is not entitled to any increment of pay from the 15th to 24th year of service.
- (c) what is the position with regard to review of the transitional table un der consideration for the last four years.

- (d) when the nationalised agencies like the LIC and Banks have increased the pay scale of their staff in pur-Suance of the Third Pay Commission, the reasons for not making it applicable in respect of pay scale of officers in the Mulitary, and
- (e) whether there is any other service than Military where the recom mendation of the Pay Commission have not been accepted?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM). (a) There is a recognised differential between the pay scales of a Major and Lt Col and this has been maintained in im-Diementing the recommendations of

90.

the Third Pay Commission. The difference between the maximum of the scale of a Major and that of a Lt. Col. is Rs. 150/- p.m.

- (b) The pay scale of a Major starts at Rs. 1450/- pm in the 10th year of service and reaches the maximum of Rs 1800/- pm in the 18th year of service. In cases in which an officer is superseded and fails to get any promotion, he continues to remain on the maximum pay of the scale till his retirement from service.
- (c) The transitional tables were due for review in 1977 only. These are under examination. Pending completion of the review, annual increments in continuation of the transitional tables have been authorised with effect from 1.1,1978 to mitigate hardship.
- (d) The pay scales of the employees of Banks and the LIC were not included in the terms of reference of the Third Pay Commission. They are governed by separate Agreements.
- (e) It is not correct to state or imply that the recommendations the Pay Commission for the Armed Forces have not been accepted by Government. In fact, the recom-mendations of the Pay Commission were not only accepted but also improved upon in certain respects, for example, in the case of pay-scales of Captain, Major and Lt. Cols.

Inquiry against Senior Civil Servants

7356, PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the CBI inquiry is at present going on against one or more senior civil servants in his Ministry as well as in other Ministries of the Government of India:

- (b) if so, full facts thereof;
- (c) whether the Ministers concerned of the respective Ministries whose senior officials' conduct is so investigat... ed into by CBI are officially and invariably kept informed;
  - (d) if so, how and when; and
  - (e) if not, why not?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL); (a) and (b). The CBI is presently conducting inquiries/investigations in 17 cases involving 14 senior civil servants of the rank of and above Joint Secretary tothe Government of India in the various Ministries. The allegation under investigation against these officers. relate to causing undue pecuniary advantage to certain firms and wrongful loss to Government by abuse of official position/conspiracy in the matter of award of contracts for consultancy services, hiring of trucks, fabrication of bus bodies, purchase and installation of equipments, etc. possession of assets disproportionate of their known sources of income, miuse of official position for personal gains, misuse of Government vehicles: and personnel, raising funds by sale of tickets and securing advertisemente for souvenirs, etc.

- (c) and (d). The CBI takes into. confidence the Head of the Department or office concerned before taking up an inquiry against an officer, or as soon after starting the inquiry, as may be possible, according to circumstances of each case. The CBI also sends a copy of the Registration Report/First Information Report the Head of the Department/Administrative Ministry concerned as scon as a case is taken up for investigation.
  - (e) Does not arise.

महिलाग्रो के लिए सामाजिक ग्रधिकार ग्रीर धरावरी का दर्भा

7357. भी रामानन्द तिवारी वया गह मुद्री यह बताने की सुपा नारने कि

- (a) क्या सरकार महिलाधा का सामाजिक प्रधिकार भीर बरावरी का दर्जी दिलाने के अपने बीयदें की पूरा करने के लिये यचनवद्ग है ,
- (ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने भ तर्जातीय विवाह रंगे वाले व्यक्तियो को सरक्षण और सहायता देने वे लिये कोई ठाम कदम 'उठाये हैं, बीर
- (भ) यदि हा ता इम दिलामे क्या नार्यवाही की गई है प्रथवा करने का विचार 27

मृह मत्रालय में राज्य मती (श्री धनिक लात मण्डल) • (क) पुरु यो तथा महिलाबा के वीच समानता लाने की जैसी सविधान में जारन्टी दों गई है, सरकार इस नीति के प्रतिकृत सक्ल्प है।

(ख) और (ग) इस समय ऐसे व्यक्तियों को जो अन्तर्जातीय विवाह करते हैं सहायता देनें का कई प्रस्ताव केन्द्र के विचाराधीत नहीं है। ऐसे मामलो म बतमान वानन पर्याप्त सरक्षण प्रदान करते हैं।

Victimisation by CS LO, Chandigarh

7358 SHRI BHAGAT RAM Will the Minister of SCIENCE AND TE-CHNOLOGY be pleased to state

(a) whether it has been brought to the notice of the Government that all the memorialists who submitted a memorandum to the Prime Munister against Central Scientific Instruments

Organisation (CSIO) Chaudigath authorities have been victimised by the Director CSIO by way of chargesheet, termination transfers and other discriminations

- (b) whether some of the charges levelled in the memorandum have been found correct, and
- (c) if so what action bas been taken against the persons found guilty of irregularities and mal practices and whether the victimisation of the memorialists have been vacated?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) Government are aware of the allegations of victi misation in respect of the memoria-

- (b) Nothing substantial has been found except for a few technical irregularities in the matter of appointment at junior levels and in the arrangements of the CSIO canteen and welfare club
- (c) Remedial measures have been taken in regard to these irregulari ties There is however no case of victimisation as such.

Material used in Atomic Reactor

7359 SHRIMATI CHANDRAVATI Will the Minister of ATOMIC ENER-GY be pleased to state

- (a) the names of meternal or metal used in atomic reactor and the name of the material which is available in the country and annual expenditure incurred on the material which is imported and
- (b) whether any practical research has been conducted with the help of these atomic reactors so far?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) In the Tars pur-type reactors enriched uranium

oxide is used as fuel. The approximate annual expenditure on the import of enriched uranium oxide is Rs. 5.5 crores.

The other Candu-type reactors use natural uranium as fuel and heavy water as moderator.

(b) Production of radio-isotopes required in agriculture, medicine and industry and research in development of new materials, reactor physics,

water chemistry, radiation protection, etc. are carried out in the reactors.

Grant of numeritted remission in rent to M/s. Indian Metropolitan Trading Company

7360. SHRI SUSHIL KUMAR DHARA: Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that with-out the concurrence of the F.A. & C.A.O. of Calcults Port Trust a proposal for granting an unmeritted remission in rent to M/s. Indian Metropolitian Trading Compañy was pushed through the Trustees meeting in consequence of a clandestine deal, in which the importors, CPT officials and the Customs officials were involved as will be evident from the different Rent Exemption Certificates issued on the usame account by the Customs;
- (b) is it a fact that the Two-man Committee in its report in June 1976 page 74 bars 6.15 recommended that the whole system of granting exemption on Customs' certificates be reviewed so that there was no loss in rent by allowing unmeritted benefits to the importers; and
- (c) how could Secretary, CPT allow this proposal to be included in the "Trustees" meeting without F.A. & C.A.O.'s concurrence?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI

CHAND RAM): (a) Indian Metropolitan Trading Company represented for waiver of rent charges on a consignment of palm oil. Comments of the F.A. & C.A.O. had been obtained in this case and he had stated that his office did not find any justification to waive charges in respect of cargo which was not detained by the Customs Authorities. No objection was, however, raised by the F.A. & C.A.O. in respect of the period and the quantity which was covered by Wharf Rent Exemption Certificate. In the present case, party had appealed for full waiver and the case before the was accordingly placed Board of Trustees for decision. There was no clandestine deal involving Calcuta Port Trust offimporters, cials and Customs officials.

As far as Calcutta Port Trust is aware only one Certificate No. TM 591-1/771 St. No. 486 of 23.8.77 was issued by the Additional Collector of Customs. The certificate covered 263 packages which were detained by Customs out of 1047 packages comprising the consignment. The period covered was 98 days under two different heads viz. 18 days for chemical test for assessment of duty and 80 days for compliance with Import Trade Control formalities. There, however, appears to be some difference in the party's copy and Port's copy of certificate in that certain words "including chemical scored out in one have not been scored out in the other. However, the difference between the original and the copy of the Wharf Rent Exemption Certificate did not make any material difference to the case since the period shown in the original and in the copy was the same and the concession admissible for compliance with the Import Trade Control formalities is the same irrespective of whether compliance with Import Trade Control formalities includes chemical test or not.

(h) Yes, Sir. For this purpose the Calcutia Port Trust has been in dialogue with the Collector of Customs who has clarified that in the esses of long detentions delays in clearance of goods attributable to the party's account are ret included while computing the number of days for issue of Wharf Rent Exemption Certificates. The Board of Trustees has decided to review the present provisions in their Scale of Rates after ascertaining the practice in other Ports regarding rent concession on the basis of Customs' Certificate

Written Answera

(c) Approval of the Chairman or the Deputy Chairman is taken for inclusion of proposals for the Board meetings In the present case the proposal was approved by the Deputy Chairman for placing before the Board.

बारी सामीबोग भवन, नई दिल्ही की हुआ लाम भीर दिन्ही की राशि

7361. बाः महाबोपक सिंह शावय: क्या उद्योग मती यह बताते की हुपा करेंगे कि

- (र) वादी ग्रामोद्याग भवन, नई दिल्ली ने 1977-78 में कुल कितने रूपका भागान वेचा.
  - (स) उससे नितना साम हमा :
- (ग) त्या उस लाम में से फ्रांबिकारा भाग को समाज करवाण अधिकारियो पर यर्च किया गया . भीर
  - (प) यदि हा, तो क्यों ?

ज्योग मत्रालय में राज्य मत्रों (श्रीमती धामा भगतो): (क) दिलीय दर्ष

1977~78 में 2,97,98,000 ६० भी बिकी धनुमानित है।

- (व) पुरि बची तुननपत्र तैयार नहीं हुमा है घन- यह कहना समय नही है कि हितना साम धीं कर हिया गया है ।
  - (ग) मीर (ग). प्रश्न ही मही बढते।

Setting up of Coment Factory Based on Lime Stone in M.P.

7362 SHRI Y. P SHASTRI. Will the Minister of INDUSTRY be pleased to stata

- (a) whother a letter about the industrialization of Rews District of Madhya Pradesh bad been written on the 8th April to the then Minister and described Rewa District as an industrially backward District.
- (h) whether the industrial Development Corporation of Madhya Pradesh has emphasized the necessity of setting up a cement factory, and
- (e) if so whether the Central Government would set up the said factory in Rewa District keeping in view the backwardness of that District and the availability of the resources there in pursuance of their industrial policy and if so when an announcement to that effect wall be made?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SERI-MAJY ARHA MARIA (B). No letter about the industrialisations of Rewa district of M.P. State said to have been written on the 8th April is readily available However, Rewa district in the State of Madhya Pradesh has already been recognised as a backward district for purposes of concessional finance Two blocks of Rews ruz Rows and Raspur (Garb) have also been identified for purposes of the scheme of Central Investment Subsidy No proposal for setting up of a cement factory in the Rews disfrom the Industrial Development Corporation of Madhya Pradesh.

(c) Does not arise

कांकरोली, राजस्थान में जें० के० टायर कम्पनी स्थापित करने के लिए मुद्रावजा त दिया जाना

. 7363 श्री लालची भाई: वधा उद्योग मंत्री यह बताने श्री क्या करेंगे कि:

- (क) क्या जदयपुर जिल (राजस्थान) में कांकरोली स्थान पर छे० के० टायर एण्ड द्यून फैस्टरी की स्थापना के छड्देश्य से जिन जोगों की मूनि का मधिशहण किया यदा वा उन्हें जिससे मुशाबना नहीं बदा किया गया है जिसके फलस्वरूप सोगों में भारी रोज हैं।
  - (ख) क्या जिन तोगों की भूमि प्रविष्कृहीत की गई है जनमें से कुछ को इस फैक्टरी में रीजनार देने का प्रस्ताव पा परस्तु क्षा अपनी तक कियान्तित नहीं किया गया है : और
  - . (ग) यदि हां, तो उस का व्यीरा क्या है।

ं उद्योग संत्रालय में राज्य मंत्री (श्रोमती श्रामा मयती): (क) ते (ग). राजस्वान सरकार ते सूचना इकट्ठी की जा रही है, और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Representation against Director, CSIO, Chandigarh

7364. SHRI LAHANU SHIDAVA-KOM: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether many senior Scientists including some Heads of the Divisions, members of the Executive Committee

- and Project Coordinators of CSIO, Chandigarh (a CSIR LAB) made a representation to the CSIR prior to emergency, alteging authoritarion attitude of the Director. CSIO and complaining against the lack of working facilities and interference in scientific work;
- (b) how many of them quitted the Organisation during the emergency and what were the reasons for their quitting; whether their representations are still pending with the CSIR; and
- (c) whether any of them has left the country in profest and has demanded a thorough investigations in the working and affairs of the organisation; if so, the details thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) 7 Scientists of the Institute had made representation to the Director-General, Scientific and Industrial Research regarding working facilities and conditions at CSIO. Chandigarh.

- (b) Out of these, 4 left CSIO, Chandigarh for better prospects. None of the representation is pending with CSIR.
- (c) No, Sir. However only one Scientist had gone shrond without obtaining permission of the CSIO/ CSIR authorities. This Scientist had earlier gone shroad under an exchange programme and inspite of repeated directives did not execute the bond as required under the rules. The then Vice.President, CSIR after due consideration of his case ordered termination of his services by giving six months notice.

### Conveyance allowance to Civilian Employees

7365. SHRI BAIRAGI JENA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether the civilian employees are given personal conveyance allowances for cars, scoolers; and

(b) if so whether the defence personnel have not been allowed this facility although their requirements of performing the duties are much more in comparison to civilian em ployees?

#### THE MINISTER OF DEFENCE (SHEI JAGJIVAN RAM) (a) Yes Sit

The orders provide for payment of conveyance allowance to those indi viduals who are required to travel extensively on duty at or within a short distance of their Headquarters and own a motor car or a scooter

(b) The orders are applicable to both Service officers and civilians paid from Defence Services Estimates serving in peace areas and also to those Dersonnel serving in operation-

Written Answers al areas to whom field service concessions are not applicable.

### Defence Aircraft Services Planes used by P M

7366 SHRI K MALLANNA WILL the Minister of DEFENCE be pleased to state

- (a) the number of times during last six months period the Defence aircraft services planes were used by the Prime Minister and
- (b) whether most of these trips were made in the pre-election period?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAND (b) The Prime Minister used the Defence surcraft for 28 trips in the last six months Details are given in the attached Statement

#### Statement

|      | Name of Minuter             | _     | Detail                             | ls of the Journey   |
|------|-----------------------------|-------|------------------------------------|---|
|      |                             | S.Zvo | Date                               | Place of Vint   |
| Shri | Morarji Desai Prime Minuter | 1     | 15 10-77 to<br>19-10-77            | Ahmedabad Barods-Gandhinagar<br>Dantewada—Ahmedabad—<br>Delhi                 |
|      |                             | 2     | 29-10-77                           | Amretar   |
|      |                             | 3     | 29-10-77 <del>to</del><br>31 10-77 | Bombay  |
|      |                             | 4     | 4 11 77 to<br>5 11 77              | Jorhat Tejpur   |
|      |                             | 5     | 18-11 77                           | Japur   |
|      |                             | 6     | 19-11 77 to<br>21 11 77            | Ranchi Jaspur Nagar, Bhopal<br>Indore Dhar Kasturbagram<br>Kila Maidan Ujjain |
|      |                             | 7     | 22 11 77                           | Bhatunda Asa Bhuttar  |
|      |                             | 8     | 30-11 77                           | Hyderabad Vijayawada Awani-<br>guda, Trichi Madras                            |

| Written Answers | CHAITRA | 29 | 1900 | (SAKA) | Writton | American |  |
|-----------------|---------|----|------|--------|---------|----------|--|

| 1 2  | 3  |
|--|--|
| 9 2-12-77 to Ozar, Aiwa,<br>4-12-77 Surat, Sure<br>gar, Ahmed  | Nijher, Bardol<br>ndernagar, Jampa-<br>abad.   |
| 10 g-12-77 to Kathmandu<br>11-12-77  | & Patna.   |
| 11 26-12-77 to Bembay, Poor<br>28-12-77  | ıa, Agra.  |
| 12 3-1-78 to Ahmedabad, 4-1-78 Anand.  | Gandhi Nagar   |
| 13 8-1-78 to Bombay, Ahr<br>10-1-78 Nagar, Ana   | nedabad, Gandhi<br>nd.   |
| 14 13-1-78 to Bombay, Raji<br>15-1-78  | ot Bhavnagar.  |
| 15 20-1-78 to Bangalore.   |  |
| 16 4-2-78 Jalpur.  |  |
| 17 5-2-78 to Hashimara, Gau<br>7-2-78 Chabua, C  |  |
| 18 3-2-78 to Bombay, Banga<br>11-2-78 galore, Max<br>gaum, H<br>Tunkur, Ma   | dore, Kolar, Man-<br>odya, Mysore, Bel-<br>oobli, Davengere<br>dras.   |
| 19 19-2-78 Tilpat Range.   |  |
| 20 20-2-78 Bombay.   |  |
| 21 21-2-78 to Hydenbad, Ni<br>23-2-78 Hydenbad, Ni<br>23-2-78 Hydenbad, Ni<br>23-2-78 Hydenbad, Ni<br>24-2-78 Hydenbad, Ni<br>24-2-78 Hydenbad, Ni<br>24-2-78 Hydenbad, Ni<br>24-2-78 Hydenbad, Ni<br>24-2-78 to Hydenbad, Ni | algonda, Ananta-<br>ol, Sirpur, Kagaz<br>imnogar, Watran-<br>anda, Kakinada<br>Vijaiyanagram,<br>am, Nagpur. |
| 22 12-3-78 Bangalore, Co.  | imbatore.  |
| 23 21-3-78 Ozar, Natsari,  | Bombay.  |
|  |  |
| 24 31-3-78 Palwal.   |  |
| 25 01-4-78 Pathankot, Pal  | lampur.  |
| 26 02-4-78 Kanpur, Karw  | i.   |
| 27 08-4-78 to Charbatia, Bh<br>09-4-78 dip, Jayapa   | ubneshwar, Para-<br>tna, Koraput.  |
| 28 14-4-78 to Ahmedabad.<br>15-4-78  |  |

## Highway in Andbra Pradesh Coast

P RAJAGOPAL 7367 SHRI NAIDU Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to state

- (a) whether Andhra Pradesh State Government proposed a Highway on the coast, and
- (b) if so, whether Government base sanctioned it?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) No Sir

(b) Does not arise

#### Cimical Trials of Scoparone bv Director, Regional Research Laboratory, Jammu

RALDEV 7368 SHRI JASROTIA Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY pleased to state

(a) whether the Director, Regional Research Laboratory, Jammu (a unit of the Council of Scientific & Indus trial Research) bas obtained permission of the Drugs Controller of India, New Delhi to undertake clinical trials of Scoparone (a drug having potent antihypertensive and tranquilla sedative effects) intimating that it is free from any toxic effect including teratogenicity and

(b) if so the reasons why the clini cal trials of the compound have not been started yet?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) (a) Yes, Sir

(b) Meanwhile further investiga tions carried out bave shown certain aberrations in respect of animals on which experiments were made. The experts who were consulted in the matter felt that it was not proper to start clinical trials at this stage and advised that further teratogenic studies should be carried out using other types of animals

## Selting up of Minority Commission

7369 SHRI CHITTA BASU the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

(a) whether Government propose to suitably amend the Constitution in order to guarantee the independence and statutory character of the Minority Commission set up recently, and

(b) if so, the steps taken in this direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) and (b) The Government have a proposal for amending article 350-B of the Constitution in order to give constitutional backing to the Minorities Commission

# Crimes during the last Six Months

7370 SHRI SAMAR MUKHERJEE Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state, the number of cases of murder, dacorties, looting, theft, riot etc separately in country during the last six months, statewise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL). The required information is being collected and will be laid on the Table of the House as soon as possible

## भाकाश-वाणी के बारे में वर्गीस प्रतिवेदन

7371 श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : थी ब्रहमद एम० पटेल:

न्या सचना और प्रसारण मन्नी 15 मार्च, 1978 के प्रतासकित प्रश्न संस्था 3012 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) दूरवर्शन में कर्मनारी जांच एकक (एस० आई० यू०) की सिफारिसों की क्रियान्विति का क्या श्रीक्य है जबकि क्षींच तमिति का प्रतिवेदन विचाराश्रीन है:
- (ज) कर्मचारी जांच एकक की सिका-रिजों के अनुसार प्रजासनिक कर्मचारियों (निदेशक/सहायक निदेशक) को पदोश्रतियां देने तथा नई नियुक्तियां करने के क्या कारण हैं:
- (ग) दूरवर्शन के स्टाफ धाटिस्टों (तीनियर कैमरामेन, प्रोड्यूनरों धादि) को सलेक्शन ग्रेड तथा विभागीय पदोक्षति समिति द्वारा, पदोक्षतियों म दिए जाने के क्या कारण हैं:
- (घ) क्या विभिन्न दूरवर्शन केन्द्रों पर सोनियर कैमरामैन शेड-I तथा मोनियर प्रोड्यूसरों के पर खाली पड़े हुँग हैं और यदि हां, तो ऐसे पदों की संस्था कितनी है : और
- (ङ) स्टाफ ग्राहिस्टों की 20 प्रतिजत पदोन्नति कोटा न देने के क्या कारण हैं ?
- सूचना श्रीर प्रसारण मंत्री (श्री नाल कृषण सहयाणी): (क) कर्मकारी निरीक्षण एक्टक की (श्रीट निर्माण क्रिक्स के संभीक्षत क्रिक्स श्रीणां के मनेकारियों की संस्थातमक प्रमित के सम्बन्धित है। वर्गील समिति की रिपार्ट में सूस प्रकल की लांच नहीं की गई है। उन्हरं दोनों रिपार्टी, की भिन्न कि को से से सम्बन्धित हैं, में कीई संपर्य नहीं होगा।
- (ख) निर्देशक और नहायक केन्द्र निर्देशक दूरराजैन केन्द्रों में प्रसारित होने शाली सेवाओं का प्रवेश करने के लिए उत्तर-हासी है; इन परों को खाली रखना जनहित में नहीं है।
- (ग) दूरदर्शन में जहां पदोच्चति के श्रवसर नहीं हैं, स्टाफ श्राटिस्टों के पदों की नां श्रेणियों

के नियर स्वेदबनन ग्रेड पहुले ही लागू नर दिए परे हैं। जहां तक अन्य अंगियों का सम्बद्ध हैं। जहां तति कियम विचाराशील हैं। यदि वर्षी नियमों को ग्रान्तिम स्था दिए जाने पर यह पाया गया कि कर्तपिय अंगियों में गरीजित की प्रबार गया कि कर्तपिय अंगियों में गरीजित की प्रबार पर्याप्त कि कर्तपिय अंगियों के स्वार्थ करने के प्रस्तवी जांच की कार्या। करने के प्रस्तवी जांच की कार्या। कारने के प्रस्तवी जांच की कार्या। का सम्बद्ध हैं, उनको भी करिषय अंगियों में दे दिवा गया हैं दे दिवा गया हैं

- (घ) जी, हां । दूरदर्शन केन्द्रो में केमरामैन ग्रेड-[के दो पद और प्रोड्यूमर ग्रेड-[के तीन पद खाली पडे हैं।
- (ङ) त्टाफ आर्टिस्टो की श्रेणियों में जहां यो सम्बाव्य हों 25 प्रतिशत में लेकर शत-प्रतिशत तक को पदोन्नित की व्यवस्था है। स्टाफ प्राट्टिसें की तिविज पदों पर पदोन्नित गड़ी होती।

Machines lying Idle in Cement Research Institute Workshop, Ballabhgarh

7372, SHRI DHARMA VIR VASHISHT: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state;

- (a) whether it is a fact that at the Cement Research Institute Workshop at Ballabhgarh fifteen machines costing rupes seven lakhs are lying practically idle, including an electron micro-analyser and an electron microscope costing rupes 16 lakhs; if so, reasons therefor;
- (b) the total fixed assets and liquid cash at the command of the Cement Research Institute together with the sponsored projects completed during 1966-1977;
- (c) the processes developed by the C.R.I. for paper sludge, fly ash, ashestos sludge, high magnesium lime stone etc. together with the plants estab-

lished hased on such industrial waste and raw material, and

107

## (d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (a) It te not correct that 15 machines are lying idle However, the extent of utilisation of machines and ment is dependent on research and development work It cannot compared with that in a production oriented workshop The Electron installed Microscope has just been and commissioned (during the first week of April, 1978) and as the question of it lying idle does not arise In fact during the process of installation itself, above 100 analyses have been carried out

Electron-micro-analyser dad The not function satisfactorily in spite of hest efforts on the part of the suppliers Later the suppliers supplied more powerful and more advanced equipment, i e an Electron Microscope and adjusted the cost incurred by the Institute for the procurement and unstallation of electron micro-analyser less Rs 67,000 te a net amount of Rs 3 11 433/- against the cost of Electron Microscope The Electron micro analyser was however allowed to he retained with Cement Research Institute for developmental work on instrumentation Negotiations going on with an appropriate labora tory to take over the instrument for developmental work jointly with the Institute or otherwise

(b) The total fixed assets of the Institute as on date works out to Rs 362 crores the tiguid cash available with the Institute is about Rs 114 lakhs, out of which provision depreciation, retention ecurity deposits gratusty employees and other liabilities themselves account to about Rs 96 lakhs The reserves which constitute the difference between the liquid eash and the habilities does not include

towards grant in aid any element from the Government of India.

So far 75 sponsored projects have been handled by the Institute unce T966

(e) Highlights of the actual nature of work done by CRI in the areas relating to utilization of paper sludge, flyash, asbestos sludge and high magnesia limestone in the manufacture of cement, are indicated in the latest Annual Report of the Institute (copies available in the Library of Parliament) These were all projects sponsored by organisations such as Rohtas Industries, KCP Ltd., Cement Corporation Limited, Digvijay Cement Co Ltd. Visvesvaraya Iron & Steel Ltd and Central Building Research Institute, with specific objectives and scope and separately paid for these were essentially oriented towards evaluating/establishing the technical viability/feasibility of individual processes. The feedhack received so far from the respective sponsors indicates that while some studies carried out in CRI have culminated into partial implementation, a few others are still under different stages of consideration towards an entrepreneurial decision.

## (d) Does not arise

## Radio Station at Madural

7373 SHRI G BHUVARAHAN Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING he to state

- (a) whether there is any proposal to start Radio Station at Madurai, and
- (b) if so, when and in which year and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI L K. ADVANI) (a) and (h) A proposal for the establishment of a radio station at Madurai is being considered for inclusion in the Rolling Plan, 1978-83. Implementation of the scheme will, however, depend upon the availability of financial allocations and relatives priorities.

ling. In addition, mounted police are being used for patrolling in rural areas. The strength of the mounted police has also been recently increas-

### Vehicles with Police Crime Branch and Control Room in Delhi

7374. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the Capital's Police Crime Branch has only half-a-dozen vehicles and the control room only 26 vans for patrolling out of which more than 15 wans have become decrepit:
- (b) whether there have been repeated requests in vain for more pa!rolling vans: and
- (c) if so, how do Government propose to tackle the worsening law and order situation in Delhi without proper patrolling?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) The crime branch has at its disposal 26 vehicles. 84 vehicles have been sanctioned for the Police Control Room out of which 7 have been condemned.
- (b) 34 vehicles were sanctioned in January, 1976 as part of the modernisation scheme of the Control Room. Requests for additional requirements are considered on merits having regard to financial constaints.
- (c) To keep the crime under check, pairolling is being done by the Control Room vehicles and is supplemented by the foot and mobile patrolling by the district police, Some additional force from the Delhi Armed Police is also being available to the district police day and night patrolling, 289 motorcycles are being utilised for patrol-

## विद्युत चालित करवों का कार्यकरण

7375, श्री ईस्वर चौधरी : क्या उस्तीय मंत्री यह बताने की क्या करेंगे कि :

- (क) क्या देश भर में विद्युत चालित करघों के सुवार कार्यकरण के सनिश्वित करने के लिए कोई मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्धारित किये गरे हैं :
- (ख) उन राज्यों के नाम न्या है, जहां पर से छूट न दिए जाने के कारण वड़ी संख्या यें विद्य तचालित करवें बन्द हो गये है और क्या सरकार का विचार उन राज्यों को कर से छट देने का है जो इसके इच्छक है;
- (स) यदि हां, तो इस बारे में कितना समय लगने की सम्भावना है; श्रीर
- (घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती श्रामा मणती):(क) जी, नहीं। किन्तु सूती वस्त (नियंत्रण) मादेश, 1948 मीर वस्त विद्यस, चर्चो द्वारा उत्पादन ) निवंतणाधीन ब्रादेन, 1956 देश में विद्युत चालित करधी की स्थापना और उनके चलाने की विनियमित करते है ।

- (ख) किसी भी राज्य सरकार से अभी तक विद्युत चालित करवों के बड़े पैमाने पर कदहोनेकी सूचना नहीं मिली हैं। कर की छट देने का प्रश्न नहीं उठता ।
  - (ग) और (घ). प्रश्नहीं नहीं उठते ।

III

Setting up of a big Industry in Punjah

7376 DR. BALDEV PRAKASH Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether any big industries ere to be installed in Punjab in public sector by the Central Government
  - (b) if so, the details thereof
- (c) whether Central Government have received any proposal from the Punjab Government for new indurtries to be installed in Punjab in pri vate as well as public sectors, and
- (d) if so the action taken by Government on these proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI) (a) and (b) The following central public sector projects are being presently implemented in Punjab State

- (i) A fertiliser project at Bhatinda under National Fertilizers Ltd. with a capacity of 235 000 tonnes of nstrogen per annum The project is expected to be commissioned by the end of September 1978
- (ii) Expansion of Nangal ferti liser unit from the present capecity of 80 000 tonnes of mirogen per annum to 232 000 tonnes expansion scheme has since been completed and the project has gone into trial production since January,
- (111) A semi conductor complex is being set up at Sahibzada Apit Singh Nagar The construction work is in progress
- (iv) The HMT will be assisting watch assembling units in different parts of the country under the two million watch project One such HMT assisted unit will be set up at Mohalı in Punjab State

(c) and (d) The State Government's proposals for the Annuel Plan (1978-79), included, inter alsa proposals for financial assistance to Punjab State Industrial Development peration and Puniab Electronics The Corporation Development State Government had also proposed financial assistance for the setting up of a testing laboratory which will provide design facilities to the electronic industries and develop instruments for process control which cannot be provided by ordinary After considering entrepreneurs the State Government's proposals, it was proposed to provide en outlay of Rs 825 lakhs for large & medium industries during the yeer 1978-79

During the year 1977 nine Industriel Licences and eleven Letters of Intent for establishing new industnel undertakings in the State of Pumpab were issued Out of these, six Industrial Licences and five Letters of Intent were assued in favour of the State Industrial Deve lopment Corporation. The details of Letters of Intent and Industrial Lice nces including the nemes of indus tries and location ete are being published in Weekly Bulletin of Indus trial Licences Import Licences and Export Licences', and "Monthly list of Letters of Intent and Industrial Licences" Copies of these publica tions are available in the Parliament Library

इन्दौर स्थित भाकाशवाणी ट्रासमीटर द्वारा ठीक प्रकार कार्य न किया जाना

7377 श्रीफल चन्द दर्मा दयासचना सीर प्रसारण मनी यह बनाने की जुपा जोते कि

(त) वया इन्दौर स्थित आकाश्याणी का टाममीटर गत कई महोना संठीक प्रकार से काय मही कर रहा है जिसके परिणागन्तकप काई भी कायत्रम ठीक प्रकार नहीं सुनाई देना.

(ख) क्या इत सम्बन्ध में सरकार को लिखित तथा मीखिक शिकायतें दी गई हैं; ग्रीर

113

(ग) यदिहां,तोक्यासरकारका विवार इन शिकायतों के बारे में जांच करने का है?

## (ख) जी हां।

(ग) इन मिकायतों को पहले ही बांच की जा चुकी है ग्रीर उक्त केन्द्र के इंगीनियरी कर्मचारियों द्वारा बम्बई प्रादेशिक कार्यान्य ग्रीर दिल्ली के मुकायक की शावस्थक सहायता से उपचारासक कार्यवाही की जा चुकी है।

### Cases of Freedom Fighters Pension for ex-INA Personnel

- 7378. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:
- (a) whether Advisory Committee for recommending the cases of pension for ex-INA Personnel recruited from the civilian category have yet to be reconstituted;
- (b) whether the matter is pending for about last one year;
- (c) whether many reminders have been given to the Ministry for expediting the matter;

- (d) whether many applications from ex-INA Personnel recruited from civilian category belonging to the States of Tamil Nadu, Kerala, Andhra, Karnataka, Haryana, Punjab etc, are pending before the Government for years:
- (e) if so, the number of such applications still pending before Government; and
- (f) when Government will reconstitute the Advisory Committee for early disposal of such applications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (2) to (c). Yes. Sir.

(d) and (e). Initial examination of all the applications received upto 31st March, 1978, has been completed. But it has not been found possible to fina-like some cases, since the applicants have not furnished acceptable documentary evidence in support of their claims of suffering, 3235 cases of exINA Personnel have been filed for want of such evidence. The concerned persons have been informed of the position.

(f) whether the Scheme for the grant of pension to freedom fighters should be continued, and if 50 in what form, is being reviewed. This reconstitution of the Committee to scrutinise cases of civilian ex-INA Personnel will be considered after the review has been completed. In the meantime, a procedure for disposing of as many pending applications as possible has been evolved and cases are being processed in accordance with this procedure.

Inclusion of Publicity and Public Relations Posts in Central Information Service

7379. SHRI MANOHAR LAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to states

(a) whether in 1973 a circular was sent to all the Ministries of the Goernment of India requesting them to send proposal for inclusion of public; ty and public relations poots in the Central Information Service, and

### (b) if so action taken so far?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L K ADVANI) (a) Yes Sir

(b) The posts which were offered for inclusion in Central Information Service by other Departments/Minustries were scrutinised in this Ministry and those found suitable for encadering in Central Information Service were referred to Deptt. of Personnel and Administrative Reforms for their concurrence which has been obtained The proposals are at present being precessed by Union Public Service Commission These posts will be finally included in Central Information Service after Union Public Service Commission have concurred in the matter and the officers concerned screened by a Screening Committee

भारत-पाक सीमा पर गोली चलने की धटनायें

7380 भी रामसेवर हजारी: नग रसामनीयह बनाने नी कृपा करेंगे कि

- (क्) गत वर्ष भारत-यात्र सीमा पर क्तिनो बार एक दूसर की भार से गानी चलान की घटनायें हुई
  - (ध) उसने क्या नारण है,
- (ग) उसने परिणामस्वरूप दाना आर न जितन लाग मार गद या जरूमी हुने , और
- (ध) ऐमी घटनामा की पुतरावृत्ति रोकने के लिए क्या नायंत्राही की मई है और उसका का परिणाम निवास है ?

रक्षा मन्त्री (श्री जनवीवन राम): (म) म (म) हमारी ग्रीर पानिस्तानी सेनाया ने बीच जन्मू भीर नाम्मीर में बास्तविन निवदल देवा के साम-साध गोनी चलाय जान नी घटना 25 नुन, 1977 ना नेचल एक बार हुई थी। इस घटना में, हमारी मेनाया द्वारा चेनावती दिये जाने के बावदूद पानिस्नानी प्राधित तमानीर से यापत निर्वित्वना ने निवदल रेखा पार नी थी। हमारी ग्रीर पानिस्तानी सेनायों ने बीच घाडी देर गोली चलने के बाद श्रिविन्यन, पानिस्नानी नाम्मीर में निवदण रेखा ने पार पानिस्नानी चामोर में निवदण रेखा ने पार पानिस्नानी चामोर में निवदण

इसरे प्रतिरिक्त, पाक्तिस्तान प्रधिकृत वरमीर से पाकित्मानी सेतामा द्वारा गोली चलार्य जाते की 21 घटनायें हुई। सूकि पाकित्मानी गाला-बारी प्रभावकारी नहीं थी कम्मिए हमारी मेनाया ने जवाबी गाली-बारी करी ही।

(प) इस प्रकार की घटनामा का रोकते क निष् स्यानीय कमाडरा के बीच मावश्यकता-क्यार समय ममय पर बैठकें हानी रहनी हैं।

Fine of Rs 50 lakhs on NTC for Defaultur Payment

7381 SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR Will the Minister of IN-DUSTRY be pleased to state

(a) is it a fact that NTC (Eastern Region) had to pay a fine of Rs. 50 lakhs to parties in defaulting payment during the years 1974-75 and 1975-76,

(b) 25 at a fact that CCI has now decided not to sell cotton on credit to NTC (Eastern Region) for delaying payment, and

(c) what steps Government propose to set right the affairs of NTC?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) No. Sir.

- (b) No. Sir.
- (c) Does not arise.

Abolition of the Lease System in the Salt Industry, Orissa

7382. SHRI GANANATH PRADHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether Government have received any Memorandum from the Ganjam Salt Labourers' Union, Ganjam, Orissa regarding abolishing the lease system in the Salt Industry and allotting salt fields to the Workers' Cooperative Societies; and
- (b) if so, the details thereof and the action taken/proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHR)-MATI ABHA MAITI): (a) and (h). The Ganjam District Salt Manufacturers Union, Ganiam have submitted a representation dated 10th January, 1978 to the Ministry of Industry, In this representation, the Union has stated inter-alia that the major portion of the land under salt manufacture in Ganiam District is held by private

capitalists. The Union has therefore made a request for termination of the leases held by the private parties and for allotting to the workers of the Cooperative Societies the land to be made available as a result of termination of the leases held by these parties. The representation is under consideration of the Covernment

#### Coal Consumption

7383. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

- (a) what is the pattern of energy consumption in the country at present and the percentage of coal in that:
- (b) what is the pattern of coal consumption in the country and the percentage for village people in that:
- (c) whether it is a fact that coal should be the principal source of energy in the country in general and for the villages in particular both for development of coal industry and saving of agricultural waste for manures and afforestation; and
- (d) if so, what steps Government propose to take to achieve that object and the expected period for achieving that object?
- THE MINISTER OF ENERGY (SHR P. RAMACHANDRAN): (a) The pattern of commercial energy consumption in 1975-76 was as follows:

| Coal (Direct use excluding coal used for power generation) |       |       |       |      | 70.96* |
|--|-------|-------|-------|------|--------|
| Oil products (Direct energy-use-excluding use of products  | as RE | F and | for p | юмет |        |

generation) million tonnes 85.92 billion Electricity (generation)

kach\*\*\*

\* 94 40 million tonnes including coal used for nower generation.

119

\*\* 20 to million tonnes including oil products used for power generation but excluding use for non-energy pur noses

\*\*\* 66 00 billion units at consuming en

The share of coal in primary commer of coal replace cial energy in terms ment value (1e useful energy) in 1975-76 was about 36 per cent

(b) The pattern of coal consumption during 1975-76 was approximately as

| nđ | by ultimate consumers | under         |                  |                   |
|----|-----------------------|---------------|------------------|-------------------|
| _  | Consuming Sector      | Approximate c | oal const        | mpiion            |
|    |                       |               | Million<br>576 t | tonnes)<br>9,6-77 |
|    | Steel & Ca e Plants   |               | 0 93             | 21 77             |
|    | Power generation      | 1             | 3 44             | <b>26 8≥</b>      |
|    | Rashwaya              | 1             | 14 30            | 13 17             |
|    | Cement                | 4             | 44               | 4 77              |
|    | Suft Cake             | 3             | 64               | 4 29              |
|    | Export                | 4             | 44               | o <b>G</b> 2      |
|    | Brick Burning         |               | 3 34             | 3 92              |
|    | Fertilizer            |               | 0 93             | 0 99              |
|    | Other Industries      | •             | 20 48            | 18 76             |
|    | Colliery consumption  |               | 2 46             | 3 34              |
| _  | Total                 | 9             | 4 40             | 93 ^6             |
| _  |                       |               |                  |                   |

The data on coal consumed in the rural areas is not available

(c) and (d) The Energy policy of the country envisages that coal shall be the principal source of energy wherever it is practicable and economic

The domestic sector is the largest consumer of energy and a large part of this energy particularly in rural areas comes from non-commercial fuels Much of the non-commercial fuels used in the rural sector are

available to the people at near zero cost to themselves In Planning for the energy needs of the domestic sector the circumstances and the problems of the rural areas have particularly to be kept in mind. Under the conditions prevailing in the country the policy for meeting domestic needs in the sural areas has to be directed towards (1) rapid increase in the use of bio gas (ii) continued availability of firewood through adopting effective social forestry programmes and (iii) providing for the use of soft coke

Several measures have been taken to promote and popularise coal as dome .country These are tie fuel in the mainly directed towards increasing availability of domestic coke and improved fransportation and distribution facilities The following steps have been taken to increase production of coke for domestic use in the country

-Two LTC coke plants are under construction one at Ramakrishnapur in Andhra Pradesh and the other at Dankuni in West Bengal by the Coal India 1.td.

-Ohe Central Coalfields Ltd., are setting up a plant for manufacture of 100 tombes per day of develatilised briquettes from washery middlings from Sawang Washery for use as domestic fuel.

---Eharat Coking Coal Ltd., have set up a Pellet Coke plant at Khas Kusunda for the production of pellets for use as domestic fuel.

In view of the magnitude of energy to be substituted in the rured areas and the seclo-economic problems associated with such substitution, the transformation in the rural energy scene can be brought about only in gradual stens.

### Collection of Fees on Major bridges on National Highways

7384. SHRI ANNASAHEB GOTKH-INDE: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

- (a) whether Government are taking care while making collection of fees on major bridges on National Highways to see that thereby the traffic is not held up unduly;
- (b) whether the possibility of using mechnical devices to facilitate collection of this fee is also being considered by Government; and
  - (c) if so, the broad particulars thereof and the time by which the said scheme would be implemented on all those bridges?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHI CHAND RAM): (a) to (c). The National Highways (Amendment) Act, 1977 passed by the Parliament empowers the Central Government to levy fees on permanent bridges on National Highways costing more than Rs. 25 lakhs each and which are opened to traffic on or after 1st April, 1976. Government are however fully aware of the need for avoiding unnecessary hold ups of traffic in the collection of fees and the aim is to achieve this objective to the maximum extent possible by having suitable number of collecting booths. In this connection, they have also examined the feasibility of using mechanical devices in the collection of proposed fees and even practices followed in some other countries like Japan have been studied, which have revealed that it would be desirable to avoid collection of fees through mechanical devices so as to prevent undue hold ups of traffic in the event of machines going wrong at times.

### Use of Hindi in offices

7385. SHRI V. A. SEYID MOHAM-MED: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether Hindi will not be imposed on the Central Government employees working in the non-Hindi area while implementing the provisions of the official Language Act, 1983, and
- (b) if Government have no idea to impose Hindi for Official purposes, will they withdraw the O.M. of the Home Ministry of 19th February, 1976, and 12th Alarch, 1970 making training in Hindi-typewriting for the ClerkyTupits of Central Government Offices compulsory on pains of disciplinary consequences?
- THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) as is clear from Official Language Act. 1963, specially from section 3 thereof, the question of imposing Hindi on any-body does not arise.
- (b) Hindi classes and Hindi Typing/Stenography classes are not conducted after office-hours but are held during office hours in the form of de-

APRIL 19 1978 News Item ' Moratorium on R-cruit

ment of LAS

nartmental training Therefore absence from these classes is treated as absence from office -This is definitely indiscipline and it is only proper to initiate disc plinary action in such cases Therefore the question of withdrawing these orders does not arise

### Merger of Shipping Corporation of India and Mogul Lines

7386 SHRI NATWARLAL B PAR MAR Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

- (a) whether it is a fact that the shipping corporation of India and the Mogul Lines Limited had decided to merge into a new Corporation
  - (b) if so the reasons therefor and
- (c) the benefits to he accrued therefrom?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) Government of India have under consideration the merger of Mogul Lines Limited with Shipping Corporation of India, The modalities of the proposed merger are being worked out

- (b) To bring about a more rationa used development of the tonnage in the public sector
  - (c) The benefits will be
  - (1) More efficient development of passenger vessels
  - (ii) Elimination of competitic between two public sector com panies
- (m) Common agency arrange ments with possible benefits for the integrated Company
  - (iv) Economies in purchases
  - (v) Economies in insurance cover and
    - (va) Reduction in over heads

7387 SHRI JYOTIRMOY BOSU Wall the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether his attention has been drawn to a news item published by Hindu Madras in its issue dated 15th March 1978 under the caption Moratorium on Recruitment of IAS suggested and
- (b) if so the Government's reac tion thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S D PATIL) (a) Yes Sir

(b) There is no proposal to have a moratorium on recruitment to the LAS However, any suggestions that may be made for improvement in administration would be duly concidered by the Government

### Ad Hoc Hinds Officers

7383 SHRI MOHAN LAL PIPIL Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that in the month of November 1975 his Minis try assued guidelines for the regulars cation of the Hinds Officers appointed on ed hoc basis in the Central Secre tariat if so whether a copy thereof will be laid on the Table of the House
- (b) whether it is a fact that the various Ministries and Departments were called upon to give their comments on the said scheme containing the above guidelines
- (c) whether it is also a fact that certain Ministries and Departments were not allowed to regularise the appointment of ad hoc Hindi staff when they approached the Ministry of Home Affairs in pursuance of the guidelines given in the above mentioned circular and

352

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) and (b) No, Sir.

The proposal regarding creation of common cade for Hindi Officers/ Translators was circulated to different Ministries etc. on 15th November, 1975 through a letter for ascertaining facts and comments had been invited.

(c) and (d). Do not arise.

### Government Officials Working or Deputation to Offices

7389. SHRI M A N O R A N J A N BHAKTA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether Government propose to change the present policy with regard to permitting Government officials to work on deputation in other offices; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

### Estimate for Fishing Trawlers

7390. SHRI JANARDHANA POO-JARY Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

- (a) whether any estimate has been made by Government for requirement of fishing trawlers during 1978-79; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) Yes, Sir.

(b) About 80 to 100 deep sea fishing vessels would be required during 1978-79. These would be in sizes of 20 metres length and above, comprising various type of vessels, such as. Long Livers, Fole and Line Vessels, Purse-Seiners, Fish Travlers, etc.

## उत्तर प्रदेश कें लिए ग्रामीणविद्युतीकरण निगम द्वारा मंजर की गई राशि

7391. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा: क्यां कर्मा मंत्री यह बताने की छुपा करेंगे कि प्रामीण विद्युतीकरण निगन ने उत्तर प्रदेश राजे के सिए कितकी राशि मंजूर भी श्रीर चालू वित्तीय वर्ष के शेरान कितने गाँवों का विद्युतीकरण होने की सम्मावना है ?

कर्जा मंत्री (श्री पी॰ रामक्कर): 1969 में प्रपत्ने स्थापना कास से नियम ने करम प्रदेश की, 90-91 करीड़ क्यए की हुल प्रप्त सहामता की, 160 मान वियुत्तीकरण स्थानें स्वीहत की हैं। इन स्कीमों के प्रसर्गत 1978-79 के दौरान 1650 गए गांधों का

Leave of Employees going in Trekking Parties

7392. S. S. SOMANI Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether there is any proposal under the consideration of Government to treat the leave of Government servants as on duty for those going in treking parties arranged by the Delhi Mountaineering Association and other Associations which are getfing aid from the Government; and
- (b) if not, the reasons thereof; and if so, the time by when Government's decision in this regard is likely to be announced?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRIS D PATIL) (a) and (b) Government servants are allowed special casual leave not exceeding 30 days in a calendar year for participation in sporting events of national or inter national importance including mountameering expeditions, approved by the Indian Mountaineering Foundation If the trekking parties arrang ed by the Delhi Mountaineering Asso ciation and other Associations have the approval of IMF, government servants participating therein vould be eligible for grant of special casual leave

127

Transport arrangement between Andaman and Nicohar Islands

7393 SHRILL KAPOOR Wall the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

- (a) Whether it is a fact that there is no systematic transport arrangement between Andaman and Nicobar Islands,
- (b) whether Government have made any survey of their requirements and
  - (c) if so the details thereof?

THE HINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) No Sir Regular transport arrangements exist between Andaman and Number Islands

- (b) Government have not made any such sursey
  - (c) Does not arise

Accommodation for the Service Personnel

7394 SHRI BAIRAGI JENA the Minister of DEFENCE be-pleased to state

- (a) whether the Defence personnel are accepting the smaller house in a station for the reason of their less opportunity to be with the family and acute shortage of accommodation,
- (b) whether Government cannot provide authorised accommodation as per specification to the rank,
- (c) if so, why the full rent is being charged, and
- (d) what action Government is taking to provide accommodation faci. lities to the service personnel?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) to (d) Entitlement and allotment of accommodation are regulated by rank, Officers not provided with Government owned or hired accommodation can hire accommodation themselves and claim rent reimbursement. Similarly, JCOs/ORs who make their own arrangements are given compensation if hen of quarters (CILQ) Where any Government owned/hired accommo dation of a lower type is vacant and available for allotment, personel en titled to higher types have option to accept the same

- 2 In so far as recovery of rent is concerned the rule provides for recovery in all cases from officers at 5 per cent of pay or assessed rent of the particular type of residence allotted whichever is less. To this extent the rental liability is related to the type of accommodation actually occupied and an allowance made in respect of accommodation below entitlement through its standard rent. The auestion of excess recovery in such cases does not arise JCOs and ORs are provided with rent free accommoda-
- 3 In view of the constraints on financial resources, the deficiencies in married accommodation both in respect of officers and others, could not be made up in the past and at present deficiency is nearly 50 per cent A scheme for stepping up the construc-

tion of family accommodation so as to eliminate the deficiencies within a period of 13 years commencing from 1978-79 has been approved.

### Clearance of Silt from Hooghly River

7395, SHRI DHIRENDRANATH BASU: Will the Minister of SHIP-PING AND TRANSPORT be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that silt clearing in Houghly River upto Haldia has been held up due to shortage of cranes:
- (b) if so arrangemeints Government propose to make in this regard; and
- (c) whether it is a fact that the project of development of the port has been held for the time being; if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM); (a) to (c). The silt clearing in the upper reaches of Hooghly river up to Haldia has not been held up due to shortage of grab dredgers (presuming that the reference is to grab dredgers and not cranes). The grab dredgers are mostly used at the lock entrance and inside the dock system.

The silt clearance in the same reaches of the river is satisfactory except for Balaribar where intensive dredging is being carried out.

There is no hold up in the project of development of Haldia Dock System.

### Collapse of Nuclear Shop Building at BHEL, Tiruchirapalli

130

7396. SHRI M. KALYANASUNDA. RAM: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state.

- (a) whether the Nuclear shop building at the BHEL Tiruchirapalli, collapsed on 19th March-
  - (b) what are the details of loss; and
- (e) what are the causes of the accident?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) The roof of the Nuclear Production Shop of Bharat Heavy Electricals Ltd., Turuchirapalli, collapsed on the 19th March, 1978 and not the entire building.

- (b) There were no casualties. A precision drilling machine which was under installation in the Shop suffered some damage. In its preliminary report, the Committee, appointed to enquire into the accident, have assessed a loss of about Rs. 12 lakhs on account of damage to roof structure alone. The total loss will be known when the final report of the Committee, which is expected by the end of April, 1978, is received.
- (c) A Committee has been appointed to enquire into the causes of the accident

The Committee on a persual of designs and site inspection have as a preliminary finding, noticed certain inadequacies in the design and also found deviations between the drawings and the actual construction.

Report of the Study group on Industrial Regulations and Procedures

7397. SRRI KAILASH PRAKASH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the report of study group on Industrial regulations and procedures headed by the Additional Secretary Industries has been receivьđ

131

- (b) if so, what are its main recommendations and
- (c) whether a copy of the report will be supplied to the Members of Parliament?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI MATI ABHA MAITI) (a) to (c) The report of the Study Group on Indus trial Regulations and Procedures was laid before Lok Sabha on the 31st March 1978 by the Minister of Indus try Chapter IX of the Report con tains the summary of conclusions and recommendations of the Study Group

## Incentives for Setting up Small Scale Units

7398 SHRI NARMADA PRASAD RAI Will the Minister of INDUSTRY he pleased to state

- (a) whether cottage and small ccale industries have been given more incent ves than the bids industry and
- (b) the encouragement being given or proposed to be given by the Cen tral Government to cooperative societies for setting up cottage and small scale industries in Sagar Divi sion in future?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) No Sir

(b) The Central Government en courages Cooperative Societies for cot tage and small scale industries through the training of staff of indus trial cooperatives by 14 cooperative training colleges and one National Cooperative Training Institute The annual plans of the State Government provide (a) funds for share capital assistance to members of industrial cooperatives (b) Interest subsidy to cooperatives for obtaining loans at concessional rate of interest and (c) managerial assistance in the form of a grant to meet expenditure of pay and allewances of the Manager/Secretary This programme of encouragement and assistance by Central and State Governments will be available to Sagar Division

### Scheme for Relief to Adivasis

7399 SHRIK, PRADHANI WILL 15. Minister of HOME AFFAIRS be pleas ed to state

- (a) whether Government scheme during the undertaken any current year of providing relief to Adipasis
  - (b) if so the details thereof and
- (c) the expenditure proposed to Le incurred during the year State-w sc?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) (a) to (c) The programme of tribal development under sub plans is being continued in the States A total out lay of Rs 344 12 crores from the State Plans and R: 6500 crores as Spec al Central Assistant has been set apart for 19"8-79 Details are given in the Statement attached The programmes melude schemes in agriculture horti culture irrigation cooperation educa tion health nutrition etc

S. No. State

| S. No | o. State         |      |        |   |   |   |   |   |   |   | State Sub-<br>Plan | Special<br>Gentral<br>Assis-<br>tance |
|-------|------------------|------|--------|---|---|---|---|---|---|---|--------------------|---------------------------------------|
| 1     | 2                |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 3                  | 4                                     |
| 1.    | Andhra Pradesh   |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 1473.00            | 253.00                                |
| 2.    | Assam , .        |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 1609.00            | 325,00                                |
| 3.    | Bihar            |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 6325.00            | 075.00                                |
| 4.    | Gujarat          |      |        |   |   | ٠ |   |   |   |   | 3370-14            | 590-00                                |
| 5.    | Himachal Prades  | h.   |        |   |   |   |   |   | • |   | 590.35             | 130.00                                |
| 6.    | Karnataka .      |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 203-00             | 54.00                                 |
| 7.    | Kerala*          |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 91.00              | 18.00                                 |
| 8.    | Madhya Pradesh   |      |        |   |   |   |   | • | • |   | 6354.00            | 1826-00                               |
| 9.    | Maharashtra .    |      |        |   |   |   |   |   | ٠ |   | 4851.81            | 397.00                                |
| 10.   | Manipur .        |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 1434.00            | 177-00                                |
| 11,   | Orisa            |      |        |   |   |   |   | • |   |   | 4751*00            | 860.00                                |
| tz.   | Rajasthan .      |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 1374, 00           | 327.00                                |
| 13.   | TamilNadu .      |      |        |   |   |   |   |   |   | - | 159.00             | 49.00                                 |
| 14.   | Tripura          |      |        |   |   |   |   |   | ٠ |   | 722, 20            | 105,00                                |
| 15.   | Uttar Pradesh*   |      |        |   |   |   |   | • |   |   | 58.00              | 17.00                                 |
| . 16. | West Nengai .    |      |        |   |   |   |   |   |   |   | 1354-60            | 563.00                                |
| 17.   | A & N Islands*   |      | -      |   |   | ٠ |   |   |   |   | 75,00              | 36.00                                 |
| t 8   | . Gan, Daman & I | Diu# |        |   |   | - | ٠ |   |   |   | 45.00              | 54.00                                 |
| -     |                  |      | Total: | _ |   |   |   |   |   |   | 34415.00           | 6500.00                               |
| •     |                  |      | Reterv |   | - |   |   |   |   |   | Nil                | 500.00                                |
|       |                  |      |        |   |   |   |   |   |   |   |                    |                                       |

Grand Tetal: . . . . . \$4412.00 7000.00

<sup>\*</sup>Provisionat.

### Hawking of CS.S Officers

7400 SHRI GANGA SINGH WILL the Winister of HOME AFFAIRS be pleased to state

- (a) whether it is a fact that there is a regular system of hawking of CSS officers for appointment to Under Secretary/Deputy Secretary posts
- (b) if so does it not amount to ignoring the judgment of the DPC's presided over by the UPSC/Senior Secretaries to Government, and
- (c) whether the above system has not demoralised the entire service and

encouraged canvassing on mass scale\*

THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(SHRI S D PATIL) (a) No Sir

(b) and (c) Posts in the Central Secretariat are not reserved for members of any particular Service Appoint ments to these posts are made keeping in view the specific requirements of each post and the suitability of all available officers Eligible CSS vicers are duly considered for such posts along with officers of other Central and All India Services on offer for central deputation from their respective cadres

# सार्वजनिक छुट्टियों की घोषणा

7401 भी राम बिलास पासवान: भी केशव राव डोंडगे:

क्या गृह मती यह बनाने की हुआ। करेंगे जि

- (क्) उन नैताक्रों के नाम क्या है जिनके जन्म दिवस को सार्वजनिक छुट्टी का दिन धोपित किया गया है:
- (ख) उन राष्ट्रीय नेतामा के नाम क्या है जिनके जम दिवस को सावजनिक छुट्टी का दिन घोषित करने का विचार है, भोर

(ग) बया मरवार वा विचार डा॰ सम मनाहर लाहिया, डा॰ प्रम्वेडरर, डा॰ स्वामा प्रगाद मुगर्जी तया छत्रपति निवानी के जन्म दिना का भी मार्वेचनिक छुट्टियों के दिन पापिन करने का विचार है?

गृह मत्रालय में राज्य मत्री (थी एम० हो० वाटिल): (व) वेतन महाना गामी के जन्म दिवस का ही मार्बजनिक छुन्टी धारित क्या रेपा है .

(ध) ननाजी मुनाव बर बास ने जन्म दिक्स का राष्ट्रीय खुरदो बादिन क्षियं आने की माग ने सम्बन्ध्य स पूर्ण ग्री-सप्तरकारी सदस्य थी समस्तुग समझ नदस्य), के विश्रेदन पर 24 क्एवरी, 1978 वा हुई लाह सभा की बहुन की धार द्वास चार्यित किया जाना है जिसक दौराज यह धारवासन दिया गया था कि जा सनुरास पर सामे जिनार विद्या जाएगा

# (य) जो नहीं, श्रीमन ।

Seiting up of Industries in IIII Dis-

7402 SHRI JAGANNATH SHAR MA Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) what is the number of industries which have been covered in hill districts in UP under the Rural industries projects scheme and
- (h) what is the number of ind is tries proposed to be covered under the above scheme in Garhwal D vision?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERVANDES) (a) Among the hill dustriets of UP., Almora District is covered under the Rural Industries Projects Programme Therewere 245 Small Scale Industrial University of the distinct 
(b): Under the scheme of District Industries Centres, all districts of the State including districts in Garhued Division will be covered in a finased manner by the State Government for development of household, cottage, Village and Small Scale Industries. The DIC Scheme is for encouraging as many Industries in these areas as are feasible on the basis of all factors such a raw materials availability, improvement of skills and introduction of new skills, married for the products, etc.

मूतपूर्व समाचार भारती के कर्मचारियों को बेतन का मगतान

7403. डा० सक्सीनारायण पाण्डेस : स्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की जया करेंगे कि :

- (क) क्या यह सब है कि अूतपूर्व समाचार मारती का, जब तमाचार में विसव हुआ था तब उसके सधीन काम करने जाते कर्मजारियों का कई महीनों का बेदन बकाया या; और
- (ख) ऐसे कर्मचारियों की संख्या कितनी है भ्रीर कितनी राशि दकाया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री तात कृष्ण भ्रडवाणी): (क) जी, हां;

(ख) 'समाचार' द्वारा उपलब्ध की गई सूचना के अनुषार इस प्रकार के कर्मचार्त्या की संख्य 92 थी। अन्तर्निह्ड धनराधि । 1,60,245. 95 चपर थी जिसका 'समाचार' इसरा पूर्णस्या निषटारा कर दिया गया है।

### Ban on Small Scale Industries Orissa

7404. SHRI RAMA CHANDRA
MALLICK: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state estabment of which type of small scale
industries in Orissa have been banned
by Government of India end the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI). No ban on small scale establishments has been imposed specifically for the State of Orissa. Depending upon the existing capacily and availability of scare raw materials certain lines of production are banned throughout the country. Exceptions in the case of some products are made in respect of backward areas and States where there are no units manufacturing a particular product.

राजस्थान में सीमेंट कारखानों को स्थापना के लिये धावेदन पत्र

7405. श्री भानु कुमारशास्त्री: क्या

- उद्योग मंत्री यह बताने की इपा करेंगे कि :

  (क) राजस्थान में सीमेंट उद्योग की क्यापना के लिए केस्त्रीय सरकार की कितने
- (ख) कितने आवेदन पन्न अस्वीकार किये गये और इसके क्या मुख्य कारण है ?

कावेदन पत्र प्राप्त हवे: और

खडीय मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती स्राम्म प्ययो) (क) बॉर (ख). 1977 तथा 1978 (खत कक) के दौरात न अस्पेदन पुत्र प्राप्त हुई हैं। एक मानते में विस्तार के जिए प्राप्त-पत्र मंत्रूर किमा गया है तथा जन्म सामनों पर जीवा ही निर्णय विस् जाने की बागा है।

Take over of Inchek Tyres Ltd.

7465. SHRI BALSAHEB VIKHE PATH: Will the Minister of INDUS-TRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Inchek Tyres Ltd., will be taken over by the Government; and

(b) if so, whether the Government propose to take over the management of the undertaking under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act or the undertaking as such will be acquired by the Government to overcome the present day shortage of automobile tyres?

139

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) and (b). An order to take over the management of M/s Inchek Tyres Limited Calcutta under the provisions of Section 18A of Industries (Development and Regulation) Act 1951 has been issued on the 13th April 1978

# मैनुब्रलॉ/फार्मो का हिन्दी में प्रयोग

7407. भी रामप्रसाद देशमुखः वदा क्रजों मन्नी यह बताने की कृपा करेंगे हि ।

- (क) मतातय/विभाग में क्रितने मैनुमतो तमा पर्मी का प्रयाग किया जाता है.
- (ख) उनमें ने जितनों का हिन्दी में अनुवाद किया गया है और वितना को द्विभाषिक रूप म प्रकाशित क्या गया है .
- (ग) बाकी का अनुवाद न करने धयवा उन्हें द्विमापित रूप में प्रकाशित न करने के नया कारण हैं, ब्रीर
- (प) इन्हें दिमापिक रूप में क्व तक तैयार किया जायेगा ?

कर्जा मंत्री (धी पी॰ रामचन्द्रन): (क) स (घ) मूचना एकत की जा रही है ग्रीर मभा पटल पर रख दी जाएगी।

Report re. P.M's crashed plane at Jorhat.

7408 DR VASANT KUMAR PAN-DIT Will the Minister of DEFENCE be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Court of Inquiry appointed to probe the crash of Prime Minister's plane at Jorhat has submitted its report to Government, if so, the findings thereof,

Written Answers

- (h) whether it is a fact that earlier an Air Marshal was appointed for on-the-spot inspection of the crash site and the decis on was cancelled at the last moment, and
- (c) whether Government have accepted the report?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) (a) The report of the Court of Inquiry appointed to probe the crash of Prime Minister's plan at Jorhat has been submitted and is under consideration of the Ministry. (b) No Sir

(c) The findings of the Court of Inquiry are under active examination in the Ministry.

### Import of Fishing Trawlers

7409 SHRI M RAM GOPAL RED-DY. Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

- (a) whether Government propose to import 100 fishing trawlers and
- (b) if so, the total amount involved and the names of the countries from which to be imported?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI) (a) and (b) The Department of Agriculture 'ssued permission for import of 109 fishing vessels during 1977-78 The cl.f value of 109 trawlers is estimated at about Rs. 64 crores, and the countries from which imports have been permitted are Singapore, Japan, Spain, Holland, U.S.A., Hongkong France, South Korea and Taiwan.

### News Item "Border Raids in Tripura Increase"

7410. SHRI MAHI LAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether his attention has been drawn to the news item "Border raids in Tripura increase" published in the Hindustan Times dated the 21st March, 1978; and
- (b) if so, the reaction of Government to each of the points raised therein and the measures taken to cope with the problem?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) The Government is aware of a statement said to have been made by the Chief Minister of Tripura that there has been an increase in border crime along the Tripura-Bangladesh Border and that the Border Security Force has been found inadequate in tackling the problem.

(b) There has been no significant increase in border crime along the Tripura-Bangladesh border and the BSF is dealing with the problem adequately. BSF authorities have also recently discussed the problems relating to border crime and manning of the international border, with the Chief Minister of Tripura, with a view to make the arrangements for prevention of border crime more effective.

### SC & ST Officers sent abroad

7411. SHRI M. ARUNACHALAM: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) is it a fact that officers of various departments all over the counity are being sent abroad for various courses of training under schemes, projects and plans;

- (b) if so, how many officers belonging to scheduled castes and scheduled tribes have been sent abroad for such courses during last three years; and
- (c) whether Government ensure tair representation to the officers of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRUS, D. PATIL): (a) Yes, Sir.

- (b) The information is being collected from various Ministries and Departments of the Government and would be placed on the Table of the House in due course.
- (c) There are alteady instructions regarding the deputation of officers belonging to Schaduled Castes and Scheduled Tribes to Training courses strond and it is Government's endearour to ensure that fair representation is given to such officers in this regard.

# ग्राकाशवाणी में नियुवितयां करने के बारे में नीति

7412. श्री मृत्युंजय प्रसाद : न्या सूचना श्रीर प्रसारण मंत्री 22 मार्च, 1978 के शतारांकित प्रश्न संख्या 3943 के उत्तर के सञ्चनक्ष में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या आकागवाणी और दूरपंत्र के महानिदेशक और उप-महानिदेशक वैसे उच्च बरो वर निवृत्तिक निव केप कराया मं अनुगय की बहुँगा निवृद्धित किया गया है और असरण में अनुभय को नहीं और क्या साहित्य के जान और उसमें प्रवीणना की स्वीत किया की स्वीत किया गया है स्वीत निवृद्धित केप कराया की स्वीत है। स्वीत निवृद्धित केप कराया कारण हैं और इस वारे में सरकार की क्या नारण हैं और इस
- (क) यत पांच वरों में इन पदों पर कितने व्यक्तियों को नियुक्ति की गई है और सुबना और प्रसारण के क्षेत्र में उनके अनुभव का व्यक्ति क्या है ?

मूचना भीर प्रसारण मत्री (धी साल कृष्ण भडवाणी) (र) धाराज्ञवाणी भीर दूरदर्गा ने महानिदेशन भीर उप-महा-निदेशक कपद मुख्यतया प्रशासनिय पद हैं। तथापि इसवा यह धर्य नहीं है कि आवाग-वाणी और दूरदगन के इस प्रकार के उच्च पर। पर नियुवितया करते समय प्रसारण मे ग्रनुभव पर विचार नहीं किया जाता है। इन उच्च प्रशासनित पदा पर तैनान व्यक्तिया ने लिए यह जरूरी नहीं कि वे किमी विकिष्ट साहित्य या कलाम प्रजीण हा। दूरदशन क महानिदे-शक और उप-महानिदेशन ने पदा ने भर्ती नियमा को ग्रमी ग्रन्तिम रूप नही दिया गया है। तवापि, भानागवाणी ने इन पदा के भर्ती नियम विवरण म दिए गए हैं जा सभा पटल पर रख दिया गया है | प्रन्यालय में रखा गरा । देखिए सहवा एउ०टी-2137/ 78]

(छ) विक्रत पाच वर्षी के दौरान स्राकासवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सौर उर-महानिदेशक के पद। पर नियुक्त हिए गए व्यक्तिया की सच्या निम्नानुसार है —

# महानिदेशन 3

(इतम में दा व्यक्ति लगभग पिछने तीम वर्ष में भारामसमी म नाम कर रहें हैं और इम प्रकार इतका मूचना सौर प्रमारण के सिंह म पर्याप्त अनुभव हैं एक व्यक्ति को भारतीय प्रशासनिक्ष सेवा से लिया गया था) 1

# उप-महानिदेशक 11

(ये सभी व्यक्ति 20 वर्ष से अधिक समय से आवाणवाणी में नाम कर रहे हैं/ये प्रीर, इस प्रकार, इनकी सूचना ग्रीर प्रसारण के क्षेत्र में पर्यास्त अनुसव है/या)।

उप-महानिदेशन (प्रशासन) 3

(ये सभी व्यक्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा से लिए गए य) ।

### Bus Route from Saral Robilla to Central Secti

7413 SHRI GYANESHWAR PRA-SAD YADAV Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

- (a) whether the DTC commuters of Saral Rohalla Vivekanand Purt, Daya Nand Colony, Bagh Kare Khan etc have been demanding a new bus route for Central Secretariat from Visekanand Purt which is the central place of all the colonies mentioned above,
- (b) whether the Municipal Counciller had also recommended the introduction of bus service on this route (re from Vivekanand Purt to Central Secretarist) and yet no action has been taken in this regard,
- (c) if so the reaction of Government thereto and the time by which the bus on the said route will ply from Vivekanand Puri where there is no difficulty for parking the buses, and
- (d) if not, the reasons therefor and the steps proposed to be taken to remove the hurdles coming in the way?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT SHRI CHAND RAM) (a) and (b) Yes, Sir

- (c) Sarai Rohilla and the areas adjanuing it are connected to Central Secretainal by buses operating on routes Nos 91 and 800 These area are also connected by buses of routes Nos 14 and 157 to Connaught Circus, from where a large number of buses are available to Central Secti
- (d) It is not possible for the Corporation to provide direct bus services to Central Secti from all the localities of the city especially when convenient change over facilities are available at several nodal points.

145

7414. SHRI R. L. KUREEL: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

- (a) whether 22 candidates were regularised in the grade of Junior Investigator in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics, from a single date i.e. 4th November, 1976;
- (b) if so, whether these vacancies were created only in 1976 or accumulated from previous various dates in different years; and
- (c) if accumulated from previous years then the reasons for reverting Scheduled Caste candidates from the post of Junior Investigator to the post of Senior Computer in April 1974 and July 1975.

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI R. DESAI): (a) Twentyfour ad hoc Junior Investigators in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics, were regularised with effect from 4th November, 1976.

(b) and (c). Though the vacancies had arisen during the years prior to 1976, these persons were initially appointed, on an ed-hoc basis, as Junior Investigators. In fact, the initial appointment of a number of them was not against vacancies of Junior Investigators but against those of Senior Investigators and, later, such persons were adjusted against posts of Junior Investigators as and when available. All the ad-hoc appointees were subsequently regularised with effect from 4th November, 1976, on the recommendation of the Departmental Promotion Committee The reasons for reversion of two ad-hac Scheduled Castes Junior Investigators to the post of Senior Computer in April, 1974, and July, 1975 are given below:--

- (i) Six Senior Computers, including one Scheduled Caste, were promoted, on an ad-hoc basis, as Junior Investigators in July, 1972. In April/May, 1974, the Scheduled aster Official, alongwith gome others also, who were senior to him in the grade of Senior Computer, were reverted, when direct recruit Junior Investigators became available.
- (ii) Similarly, six Senior Computers, including one Scheduled Caste, were promoted, on an ad-hoc basis as Junior Investigator in March 1975, Subsequently, one ad-hoc Scnior, Investigator was reverted to the grade of Junior Investigator in July, 1975. Accordingly, to accommodate him, the Sch.dueled Caste ad-hoc Junior Investigator referred to above, who was the junior most adhoc promotee in the grade of Junior Investigator, was reverted as Senior Computer in

# Ban on Recruitment of Peons

741% SHRI DINESH JOARDER:

July, 1975.

SHRI AHMED HUSSAIN:

SHRI RAMA CHANDRA MAL-

LICK:

SHRI BATESHWAR HEM-RAM:

SHRI SUDHIR GHOSAL:

SHRI CHIMANBHAI H. SHUKLA:

SHRI SHYAMLAL DHURVE:

SHRI JYOTIRMOY BOSU:

Will the Miniser of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is fact that the previous Government had imposed a ban on the recruitment to the posts of peous in the Central Government; and (b) if so whether Government propose to review such ban?

147

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOVE AFFAIRS (SHRIS D PATIL) (a) and (b) Yes Sir

### Neglected condition of National Highway No 12

7416 SHRI HARI VISHNU KA
MATH Will the Minister of SHIPPING
AND THANSPORT be pleased to state

- (a) whether it is a fact that ha tional Highway 12 linking Jabalpur with Byaora and Narsingarh tin Ehopal is in an avfully neglected condition
- (h) whether work had been undertaken on that highway some years ago, and then suddenly abandoned.
  - (c) if so the reasons theretor;
- (d) whether Government propose to resume work thereon soon, in view of the importance of the National Highway, and

#### (e) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OP SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) (a) and (b) No, Sur The work on this National Highway has never been abandoned However the progress was somewhat relarded due to great financial construction of the earlier years The construction of the missing link of this National High way has here given high priority and is expected to be completed by June 1989

The work in the reach Bhopal Narsingbgarh Byaora of this highway is also in progress and is expected to 1completed by the end of the current plan period 1978—83 This is how ever, subject to the adequate financial allocations being made available in the subsequent years.

(c) to (e) Does not arise

# Generation of Energy in Tripura 7417 SHRI DINEN BHATTACHAR-

YA Will the Minister of ENERGY be pleased to state

- (a) the total quantum of energy generated in Tripura State at present,
- (b) the total requirement of electricity in the State,
- (c) whether Government have any scheme of increasing the energy po'ential of the State and

### (d) if so main features thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P RAMACHANDRAN) (a) The total Energy generated in Tripura during 1977-78 was 2 11 million units bei month.

(b) The total demand of energy in Tripura State during 1977 78 was 2 34 million units per month

(c) and (d) The Tripura authorities had made a proposal for augmentation of the storage capacity of the Countinerrori to increase the firm energy benefits from the Gunti, HE Project from 33 million units to 44 million units per year in addition to some secondary energy generation. This proposal is under active consideration of the Government

- 2 The Tripura authorities have also sent to the CEA (for techno-economic appraisal) a proposal for the installation of a third unit of 5 MW at the Guntil HE Project There would be no energy contribution from this third unit which is proposed as a standby.
- 3 An earlier proposal for installating a 1X10 MW Gas Turbine Power Plant has been technically examined and the State authorities advised to resubmit the scheme after obtaining confirmation in respect of availability of gas from the concerned authorities
- 4 Investigations on some Micro Rydet Scheme are being carried out

तम् उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुम्रों का वड़े उद्योगों द्वारा उत्पादन किये जाने पर रोक

7418. श्री राधवजी: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) उन बड़े उद्योगों के नाम बचा है जिन्हें सरकार ने कुछ चालुखों का उत्पास्त निर्धारित यदियं में दंद करने के निष्ध थार उनके स्थान पर अन्य चालुखों का उत्पादन करने के कए कहा है जिससे 1977-78 में लघु थार मध्यम दश्यें के उद्योगों को प्रोत्याहन मिले:
- (ख) इस घारे में वड़े उद्योगों की क्या प्रतिक्रिया है ; और
- (ग) क्या भाग (क) में उल्लेखित उद्देश को पूरा करने के लिए कुछ बड़े उद्योगों की उत्पादन क्षमता के लिए कोई अधिकतम सीमा नियुक्त करने का है और यदि हां, तो उनके नाम क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती ग्रामा मवती): (क) से (ग). उद्योग मंत्री ने हाल ही में कोयम्बदर में एक सार्वजनिक भाषण में विमको और हिन्द्स्तान लीवर, जी कमशः मानिस और साबन का उत्पादन कर रहे हैं, के शीर्षस्य प्रबंधों के साथ हुई उस वार्ता का उल्लेख किया या जिसमें उन्होंने उनसे (अयंत्रकों) ग्रमामी तीन वर्षो की अवधि में अपने उत्पादन की प्रावस्यावङ रूप से सभापत करने ग्रीर ग्रपने कार्यकलापों में विविधता लाने के बारे में कहा गया था। इन कम्पनियों के साथ इसकी कार्योविधि पर विचार किया जा रहा है साकि यह भूनिश्चिय किया जा सके कि चित्र ग्रहप स्वानान्तरण हो और विश्रमान रोजगार में लगे लोगों पर इसका प्रभाव न पड़े। यह स्फट कर दिया गया है कि इस कम्पनियों को अपनी कार्बमुसिका तो निमानो है किन्तु वह सरकार की नई

भौद्योगिक नीति के ढांचे के अन्तर्गत ही अन्-चूचित होनी चाहिए ।

उद्योग मंत्री हारा 23 दिसम्बर, 1977 को संबद के पटल पर एक गए बीवांगिक मीति विवरण के पैरा 19 में मरकार ने की भी स्पष्ट कर दिया है कि सबु क्षेत्र के हिए भी स्पष्ट कर दिया है कि सबु के किए भारतित बस्तुओं के उत्पादन में पहले से ही बच्चे हुए वहें मुद्दों ने तंत्रद और अमंदद बड़े सेव के एकमें में अस्ता का और अधिक विद्यार नहीं किया जाएगा। मिष्टु हुवरी और हर एकमें की हमता काएगा। मार सब् व्या कुटीर सेव की हमता को बहुआं सवा वया कुटीर सेव की हमता को बहुआ काएगा।

वाराणसी में विदेशी श्रानन्द मार्गियों शी गन्त वैठक

7419. श्री क्रीम प्रकाश स्थानी: क्या गृह मंत्री यह बताने की क्रमा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सक है कि विषेशों से स्राये कुछ ज्ञानन्द मानियों ने कुछ दिन हुए वराणासी में प्रश्नी एक गुप्त बैठक की थी थीर बैठक के पश्चात वे कलकता पहुँचे जहां पुलिस से उन्हें कक के प्राधार पर निरास्तार कर जिया :
- (खं) यदि हों, तो य आनन्य भार्ती पुलित की खांचों में भूल झोंककर यहां तक आने और गुप्त बैठक करने में केते सफल हुए; और
- (ग) उन्त विदेशियों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक सात मण्डल): (क) जी महीं, श्रीमान ।

(ख) और (ग), प्रश्न नहीं उठता ।

Selections for posts of Instructors in Indo-Swiss Training Centre

151

7420 SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER Will the Minister of SCI-ENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state

- (a) what is the mode of selections for the posts of Instructors in Indo-Swiss Training Centre (ISTC) attached to the CSIO Chardigarh
- (b) what are the minimum academic qualifications required for the post of Instructors and whether all the present Senior and Associate Instructors possess the same.
- (c) whether Instructors for teaching non technical subjects have been appointed in Class I costs
- (d) whether prior to arrangement at (c), this work used to be carried out by more qualified part-time teachers considerably on a very little expenditure, and
- (e) what were the reasons for dis continuing the old practice and filling up the posts on regular basis?

THE PRIME MINISTER (SHR' MORARJI DESAI) (a) The posts are advertised on all India basis and apnointments are made on the recommendations of Selection Comm Pres constituted in accordance with the Bye laws of the CSIR.

- (b) Minimum academic qualifications for Instructors teaching technical subject are as follows
  - (1) for Senior Instructors Scale
    - Rs 1100-50-1600. BE or equivalent in their respective field with five years' practical experience or Diplo tha in respective field with 7 years' experience in son e organisation/institute of repute

(ii) for Associate Instructors-Scale B: 700-40-900-EB--

Written Answers

40-1100-50-1300

BE or equivalent in their respective field with 2 years' experience or Diploma in respective field with 5 years experience

All such instructors on roll fulfil the prescribed qualificafrons.

(c) Yes Sir

(d) Yes, Sir, but the part-time instructurs were not more qualified than the present full time instructors.

(e) The need for full time in tructor has arisen after the double shift arrangement was started in the Centre

### स्वाधीनता सेनाती

7421 थी नाय सिंह: क्या गृह मर्जी यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) उनरिकाडों का ब्योरा क्या है जिनके भाषार पर स्वामीत्रमा बेनानियो की वेन्जन दी जा रही है भीर क्या तन्मवधी पूरे रिवार्ड उपलब्ध हैं. ग्रीर
- (ख) देश में कुल जिनने स्वाधीनता सैवानी है और उन्हें प्रतिवर्ष कुल कितनी पेन्यन दी जाती है <sup>?</sup>

गह मत्रालय से राज्य मत्री (थी धनिक साल मण्डल): (क) उन स्वनत्रता सेनानियो के मामलो में जा सजा बाटे जाने के साधार पर पेंशन का दावा करते हैं, विश्वास, सरकारी मिलिखो पर किया जाता है जैसे जैल प्रमाण-पत तथा जिला मैजिस्ट्रेटो के प्रमाण-पत जहा जेल रिकार्ड नष्ट कर दिये गये हैं या भन्यया उपनव्य नहीं हैं, वहा वर्तमान ग्रथवा भतपर्व